भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

(संघ लोक सेवा आयोग, राज्य लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे भर्ती बोर्ड, **राजस्थान लोक सेवा आयोग, राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड** एवं अन्य संगठनो द्वारा आयोजित प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी)

लेखक
अशोक कुमार शर्मा

BOOKSBUNCH PUBLICATION
Ramnagar Market, Kothun Road, Lalsot,
Distt. Dausa (Rajasthan) - 303503

Publisher : **BOOKSBUNCH PUBLICATION**
Ramnagar Market, Kothun Road, Lalsot,
Distt. Dausa (Rajasthan) - 303503
Mob. 8118896531

Website : www.booksbunch.com
Price : 500/-
Year : 2025
Edition : 1st

Copyright© Ashok Kumar Sharma

All rights Reserved.
No part of this publication may be reproduced, transmitted or stored in a retrieval system, in any form or by any means, electronic, mechanical, photocopying recording or otherwise, without the prior permission of the writer.

प्रस्तावना

प्रस्तुत पुस्तक 'भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान' विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे गए प्रश्नों के आधार पर तैयार की गयी है। इसमें तथ्यों का संकलन एन.सी.ई.आर.टी. के नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित है। इसमें प्रतियोगी परीक्षाओं में आने वाले अधिक से अधिक संभावित प्रश्नों का समावेश किया गया है और प्रत्येक प्रश्न के उत्तर की व्याख्या इस प्रकार की गई है कि परीक्षार्थियों को पढ़ने और याद करने में आसानी रहे।

प्रस्तुत पुस्तक को उपयोगी बनाने में जिन विशेषज्ञों तथा सहकर्मियों का हमें सहयोग मिला, उनके प्रति हम कृतज्ञता प्रकट करते हैं।

अन्ततः सतर्क प्रयासों के बावजूद पुस्तक में कुछ कमियों तथा त्रुटियों के रहने की संभावना हो सकती है। अतः आप सुधी पाठकों का सुझाव सादर आमंत्रित है।

अशोक कुमार शर्मा

मेरे प्रिय पुत्र

स्व. अक्षय भारद्वाज

(27.11.2000–05.07.2021)

को समर्पित

विषय सूची

1. भारतीय संविधान के विकास का संक्षिप्त इतिहास.....6
2. भारत की संविधान सभा.....23
3. भारतीय संविधान की प्रस्तावना (उद्देशिका).....40
4. भारतीय संविधान की विशेषताएँ.....49
5. भारतीय संविधान के स्रोत.....55
6. भारतीय संविधान की अनुसूची.....63
7. भारतीय संविधान के प्रमुख भाग.....73
8. नागरिकता.....76
9. मौलिक अधिकार.....80
10. राज्य के नीति निर्देशक तत्व.....107
11. मौलिक कर्तव्य.....119
12. राष्ट्रपति.....126
13. उपराष्ट्रपति.....153
14. आपात उपबंध.....162
15. प्रधानमंत्री.....170
16. उपप्रधानमंत्री.....176
17. संघीय मंत्रिपरिषद्.....177
18. भारतीय संसद.....185
19. राज्य सभा.....193
20. लोक सभा.....203
21. लोकसभा अध्यक्ष.....217
22. राज्यपाल.....226
23. मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्.....239
24. विधान परिषद्.....242
25. विधान सभा.....248
26. भारत का महान्यायवादी.....256
27. राज्य का महाधिवक्ता.....260
28. भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक(CAG)..262
29. भारत की संचित निधि.....267
30. भारत की आकस्मिकता निधि.....269
31. संसद की वित्तीय समितियाँ.....270
32. संविधान में संशोधन प्रक्रिया व प्रमुख संवैधानिक संशोधन.....278
33. भारतीय संविधान के प्रमुख अनुच्छेद.....291
34. राजभाषा.....302
35. भारत के राष्ट्रीय चिन्ह.....307
36. संघ एवं उसके राज्य क्षेत्र, राज्यों का पुनर्गठन, राष्ट्रीय एकीकरण.....310
37. क्षेत्रीय परिषदें.....320
38. केन्द्र–राज्य सम्बन्ध.....322
39. अंतर्राज्यीय परिषद्.....337
40. सर्वोच्च न्यायालय.....339
41. उच्च न्यायालय.....351
42. लोक अदालत, लोकपाल एवं लोकायुक्त.....361
43. उपभोक्ता संरक्षण.....362
44. केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (CAT).....363
45. भारत का निर्वाचन आयोग 365
46. नीति आयोग (योजना आयोग).....375
47. राष्ट्रीय विकास परिषद्.....379
48. वित्त आयोग.....382
49. लोक सेवा आयोग एवं अखिल भारतीय सेवाएँ.....388
50. केन्द्रीय सतर्कता आयोग व मुख्य सतर्कता आयुक्त.....395
51. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग.....399
52. केन्द्रीय सूचना आयोग.....402
53. राज्य निर्वाचन आयोग.....404
54. राज्य लोक सेवा आयोग.....406
55. राज्य मानवाधिकार आयोग.....409
56. राज्य सूचना आयोग.....411
57. पंचायती राज व्यवस्था एवं शहरी निकाय.....413
58. अनुसूचित जाति और जनजाति क्षेत्र व पिछड़े वर्गों के संबंध में विशेष प्रावधान.....432
59. राजनीतिक दल.....436
60. भारतीय राजनीति में दबाव समूह.....442
61. दल–बदल विरोधी कानून.....444
62. विपक्ष के नेता.....446
63. भारतीय राजव्यवस्था में वरीयता अनुक्रम.....447
64. जिला प्रशासन.....448

1.भारतीय संविधान के विकास का संक्षिप्त इतिहास

1. बी. आर. अम्बेडकर और महात्मा गांधी के मध्य सन् 1932 में हस्ताक्षरित पूना समझौते में प्रावधान था–
(अ) भारत के लिए डोमिनियन स्थिति बनाए जाना
(ब) मुसलमानों के लिए पृथक् निर्वाचन क्षेत्र
(स) निम्न वर्गों के लिए पृथक् निर्वाचन क्षेत्र
(द) निम्न वर्गों के लिए आरक्षण सहित संयुक्त निर्वाचन क्षेत्र
उत्तर : (द) IAS 1997
व्याख्या– पूना पैक्ट अथवा पूना समझौता भीमराव अम्बेडकर एवं महात्मा गाँधी के मध्य पुणे की यरवदा जेल में 24 सितम्बर, 1932 को हुआ था। अंग्रेज सरकार ने इस समझौते को सांप्रदायिक अधिनिर्णय (कम्युनल अवार्ड) में संशोधन के रूप में अनुमति प्रदान की। समझौते के अनुसार दलित वर्ग के लिए आरक्षित सीटों की संख्या प्रांतीय विधानमंडलों में 71 से बढ़ाकर 147 और केन्द्रीय विधायिका में कुल सीटों की 18 प्रतिशत कर दी गयी।

2. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I
A. सूरत विभाजन
B. सांप्रदायिक अधिनिर्णय
C. सर्वदलीय सम्मेलन
D. पूर्ण स्वराज्य का संकल्प
सूची–II
1. 1929
2. 1928
3. 1932
4. 1907
(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
(स) A – 1, B – 2, C – 4, D - 3
(द) A – 2, B – 3, C – 1, D - 4
उत्तर : (ब) IAS 1997
व्याख्या– कांग्रेस का सूरत विभाजन वर्ष 1907 हुआ था। 16 अगस्त, 1932 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री रैमजे मैकडोनाल्ड द्वारा भारत में उच्च वर्ग, निम्न वर्ग, मुस्लिम, बौद्ध, सिख, भारतीय ईसाई एंग्लो–इंडियन, पारसी और अछूत (दलित) आदि के लिए अलग–अलग चुनाव क्षेत्र के लिए ये अवार्ड दिया गया। गांधीजी ने इसका विरोध किया था। साइमन कमीशन के विरोध एवं बहिष्कार के पूर्व ही 1925 ई. में भारत सचिव लॉर्ड बर्कन हेड ने कांग्रेस नेताओं को यह चुनौती दे डाली कि यदि वे विभिन्न सम्प्रदायों की आपसी सहमति से एक संविधान का मसविदा तैयार कर सके, तो ब्रिटिश सरकार निश्चित ही उस पर सहानुभूतिपूर्वक से विचार कर सकती है। भारतीय नेताओं ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए फरवरी, 1928 ई. में दिल्ली में एक सर्वदलीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में मतभेद के कारण कोई भी निर्णय नहीं लिया जा सका। अगला सम्मेलन 19 मई, 1928 ई. को बम्बई में हुआ। इस सम्मेलन में पंडित मोतीलाल नेहरू की अध्यक्षता में भारतीय संविधान के मसविदे को तैयार करने के लिए 8 सदस्यीय समिति की नियुक्ति हुई। इस समिति ने अगस्त, 1928 ई. में प्रस्तावित संविधान का प्रारूप प्रस्तुत किया। इस प्रारूप को नेहरू रिपोर्ट कहा जाता है। 31 दिसम्बर, 1929 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का वार्षिक अधिवेशन तत्कालीन पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर में हुआ।

3. रेग्यूलेटिंग एक्ट कब परित किया गया ?
(अ) 1773 ई. में (ब) 1771 ई. में
(स) 1785 ई. में (द) 1793 ई. में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– रेग्यूलेटिंग एक्ट को ब्रिटिश संसद ने 1773 ई. में पारित किया। इसका उद्देश्य भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी की गतिविधियों को ब्रिटिश सरकार की निगरानी में लाना था। इसके अतिरिक्त कम्पनी की संचालन समिति में आमूल–चूल परिवर्तन करना तथा कम्पनी के राजनीतिक अस्तित्व को स्वीकार कर उसके व्यापारिक ढाँचे को राजनीतिक कार्यों के संचालन योग्य बनाना भी इसका उद्देश्य था।

4. महारानी विक्टोरिया को भारत की साम्राज्ञी नियुक्त किया गया–
(अ) 1885 ई. में (ब) 1875 ई. में
(स) 1876 ई. में (द) 1858 ई. में
उत्तर : (स)
व्याख्या– महारानी विक्टोरिया 1837 ई. में ग्रेट ब्रिटेन एवं आयरलैण्ड की महारानी के रूप में सिंहासन पर आरूढ़ हुई थीं। 1876 ई. में उन्हें भारत की साम्राज्ञी घोषित किया गया था। भारत का शासन प्रबन्ध 1858 ई. में ईस्ट इण्डिया कम्पनी के हाथ से लेकर ब्रिटिश राजसत्ता को सौंप दिया गया। इसकी जो उद्घोषणा, महारानी के नाम से की गई, उससे वह भारतीयों में जनप्रिय हो गई।

5. निम्नलिखित में से किस अधिनियम द्वारा भारत के गवर्नर जनरल को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान की गई ?
(अ) चार्टर एक्ट 1833
(ब) भारतीय परिषद् अधिनियम, 1861
(स) भारतीय परिषद् अधिनियम, 1892
(द) भारतीय परिषद् अधिनियम, 1909
उत्तर : (ब)

व्याख्या– भारतीय परिषद अधिनियम, 1861 मुख्य रूप से दो कारणों से विशेष है। पहला कारण यह कि इसने गवर्नर–जनरल को अपनी विस्तारित परिषद में भारतीय जनता के प्रतिनिधियों को नामजद करके उन्हें विधायी कार्य से सम्बद्ध करने का अधिकार प्रदान किया तथा दूसरा यह कि इसने गवर्नर–जनरल की परिषद की विधायी शक्तियों का विकेन्द्रीकरण कर दिया, जिससे बम्बई और मद्रास की सरकारों को भी विधायी शक्ति प्रदान की गयी।

6. भारत के गवर्नर जनरल को किस एक्ट के द्वारा अपनी समिति के निर्णयों को अस्वीकार करने का अधिकार मिला ?
(अ) 1773 का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) 1784 का पिट इंडिया एक्ट
(स) 1786 का एमेंडमेंट एक्ट
(द) 1813 का चार्टर एक्ट
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के गवर्नर जनरल को 1786 के एमेंडमेंट एक्ट के द्वारा अपनी समिति के निर्णयों को अस्वीकार करने का अधिकार मिला। इस अधिनियम का प्रमुख उद्देश्य लॉर्ड कार्नवालिस को भारत के गवर्नर जनरल के पद के लिए तैयार करना था। इस अधिनियम के तहत मुख्य सेनापति की शक्तियाँ भी गवर्नर जनरल में निहित कर दी गयी।

7. साम्राज्ञी विक्टोरिया ने 1858 ई. की घोषणा में भारतीयों को बहुत–सी चीजें दिए जाने का आश्वासन दिया था। निम्न आश्वासनों में से कौनसा ब्रिटिश शासन ने पूरा किया था ?
(अ) रियासतों को हड़पने की नीति समाप्त कर दी जाएगी
(ब) देशी रजवाड़ों की यथा स्थिति बनाए रखी जाएगी
(स) भारतीय व यूरोपियन सभी प्रजा को समान व्यवहार मिलेगा
(द) भारतीयों के सामाजिक व धार्मिक विश्वासों में कोई हस्तक्षेप नहीं होगा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– महारानी विक्टोरिया के 1 नवम्बर, 1858 की घोषणा के अनुसार यह उद्घोषित किया गया कि भारत का शासन कम्पनी से लेकर ब्रिटिश क्राउन के हाथों में सौंपा गया। भारतीय मामलों पर ब्रिटिश संसद का सीधा नियंत्रण स्थापित हो गया। भारत के गवर्नर जनरल का नाम बदलकर वायसराय कर दिया गया। देशी रजवाड़ों की यथा स्थिति बनाए रखी जाएगी।

8. मिंटो–मार्ले सुधार का उद्देश्य क्या था ?
(अ) पृथक निर्वाचन प्रणाली
(ब) भारतीय की भागीदारी बढ़ाना
(स) युद्ध में सहयोग हेतु तैयार करना
(द) पूर्ण स्वतंत्रता देना
उत्तर : (अ) IAS 1992
व्याख्या– मिंटो–मार्ले सुधारों का मुख्य उद्देश्य उदारवादियों को दिग्भ्रमित कर राष्ट्रवादियों में फूट डालना तथा सांप्रदायिक निर्वाचन प्रणाली को अपनाकर राष्ट्रीय एकता को नष्ट करना था।

9. मुसलमानों के लिए अतिरिक्त निर्वाचक मंडल प्रारंभ में किसके द्वारा लाया गया था ?
(अ) क्रिप्स मिशन, 1942
(ब) मार्ले–मिंटो सुधार, 1909
(स) मांटेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार, 1919
(द) भारत सरकार अधिनियम, 1935
उत्तर : (ब) IAS 1989
व्याख्या– वर्ष 1909 में भारत परिषद अधिनियम, जिसे मार्ले–मिंटो सुधार भी कहा जाता है, के द्वारा चुनाव प्रणाली के सिद्धांत को भारत में पहली बार मान्यता मिली। गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद में पहली बार भारतीयों को प्रतिनिधित्व मिला तथा केन्द्रीय एवं विधानपरिषदों के सदस्यों को सीमित अधिकार प्रदान किये गये।

10. 1909 के इंडियन कौंसिल एक्ट में किस बात की व्यवस्था की गई थी ?
(अ) द्वैध शासन प्रणाली
(ब) साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व
(स) संघीय व्यवस्था
(द) प्रांतीय व्यवस्था
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 1909 ई. के भारत शासन अधिनियम को, भारत के सचिव मॉर्ले एवं वायसराय लॉर्ड मिंटो के नाम पर, मॉर्ले–मिंटो सुधार भी कहा जाता है। इसका उद्देश्य उदारवादियों को संतुष्ट करने के लिए किया गया था। लॉर्ड मिंटो को सांप्रदायिक निर्वाचन मंडल का पिता कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने इन सुधारों के माध्यम से पृथक निर्वाचन मंडल के सिद्धांत का प्रारंभ किया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 1909 ई. में अपने अधिवेशन में इस अधिनियम के अन्य सुधारों का तो स्वागत किया लेकिन धर्म के आधार पर पृथक निर्वाचक मंडलों की स्थापना के प्रावधान का विरोध किया।

11. मार्ले–मिंटो सुधार बिल किस वर्ष पारित किया गया था ?
(अ) 1905 में (ब) 1909 में
(स) 1911 में (द) 1920 में
उत्तर : (ब)

व्याख्या– भारत परिषद् अधिनियम, 1909 अथवा मार्ले–मिंटो सुधार अधिनियम 1909 के पारित होने के समय मार्ले भारत के सचिव एवं लॉर्ड मिंटो वायसराय थे।

12. मांटेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार में प्रावधानों का सार था–
(अ) राज्यों की स्वायत्तता
(ब) प्रान्तों में दोहरा शासन
(स) हिन्दू–मुस्लिम हेतु पृथक निर्वाचन व्यवस्था
(द) राज्यपालों को वीटो शक्ति
उत्तर : (ब) IAS 1987
व्याख्या– मांटेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार की विशेषताएँ– केंद्र में द्विसदनात्मक विधायिका की स्थापना, केंद्र में प्रत्यक्ष निर्वाचन व्यवस्था, प्रांतों में द्वैध शासन प्रणाली की शुरूआत, लोक सेवा आयोग का गठन किया गया, पहली बार महिलाओं को मत देने का अधिकार दिया गया (सीमित मात्रा में), केन्द्रीय बजट को राज्य के बजट से अलग किया गया।

13. 1946 का कैबिनेट मिशन तीन मंत्रियों में गठित था। निम्नलिखित में से कौन इसका सदस्य नहीं था ?
(अ) लॉर्ड पैथिक लॉरेंस (ब) ए. वी. अलेक्जेंडर
(स) सर स्टैफर्ड क्रिप्स (द) लॉर्ड एमरी
उत्तर : (द)
व्याख्या– वर्ष 1946 में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली ने भारत में एक तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय शिष्टमंडल भेजने की घोषणा की। इस शिष्टमंडल में ब्रिटिश कैबिनेट के तीन सदस्य–लॉर्ड पैथिक लॉरेंस (भारत सचिव), सर स्टेफर्ड क्रिप्स (व्यापार बोर्ड के अध्यक्ष) एवं ए.वी. अलेक्जेंडर (एडमिरैलिटी के प्रथम लॉर्ड या नौसेना मंत्री) थे। इस मिशन को विशिष्ट अधिकार दिये गये थे तथा इसका कार्य भारत को शांतिपूर्ण सत्ता हस्तांतरण के लिए उपायों एवं संभावनाओं को तलाशना था।

14. कैबिनेट मिशन योजना के विषय में कौनसा सही नहीं है ?
(अ) प्रांतीय समूहीकरण
(ब) भारतीय सदस्यों वाला अंतरिम मंत्रिमंडल
(स) पाकिस्तान की स्वीकृति
(द) संविधान निर्माण का अधिकार
उत्तर : (स) IAS 1996
व्याख्या– कैबिनेट मिशन 1946 का मुख्य उद्देश्य भारत के लिए संविधान सभा का गठन करना था। कैबिनेट मिशन योजना के तहत संविधान सभा के सदस्यों का निर्वाचन जनता के द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से होगा। संविधान सभा का एक सदस्य 10 लाख जनसंख्या पर चुना जाएगा। संविधान सभा में कुल 389 सदस्य होंगे, जिनमें से 296 सदस्य निर्वाचित होंगे तथा 93 सदस्य मनोनीत होंगे। मनोनीत 93 सदस्यों में से 14 सदस्य राजस्थान से शामिल होंगे।

15. भारत का संविधान लागू होने तक स्वतंत्रता के पश्चात् शासन किसके अंतर्गत चलाया गया ?
(अ) भारतीय नेताओं के परामर्श से बने कानून द्वारा
(ब) इंग्लैण्ड के संविधान के अनुसार
(स) 1935 के भारत सरकार अधिनियम के अनुसार
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स) IAS 1988
व्याख्या– जब विदेशी संसद द्वारा बनाये गये कानून को देश में लागू किया जाता है तो उसे अधिराज या औपनिवेशक राज्य कहा जाता है। 15 अगस्त 1947 से 26 जनवरी 1950 तक भारत अधिराज या औपनिवेशक राज्य रहा। इस समय भारत सरकार अधिनियम 1935 के आधार पर भारत का शासन चलता रहा।

16. भारत को वर्ष 1947 में सार्वभौम सत्ता सौंपने की योजना निम्न में से किस नाम से जानी गयी ?
(अ) डूरण्ड योजना (ब) मिंटो–मार्ले योजना
(स) माउंटबेटन योजना (द) वेवेल योजना
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत को वर्ष 1947 में सार्वभौम सत्ता सौंपने की योजना को माउन्टबेटन योजना कहा जाता है। माउन्टबेटन योजना 3 जून, 1947 ई. को लॉर्ड माउन्टबेटन द्वारा प्रस्तुत की गई थी। मुस्लिम लीग पाकिस्तान के निर्माण पर अड़ी हुई थी। विवशतापूर्व कांग्रेस तथा सिक्खों द्वारा देश के विभाजन को स्वीकार कर लेने के बाद समस्या के हल के लिए लॉर्ड माउन्टबेटन लन्दन गये और वापस आकर उन्होंने योजना प्रस्तुत की, जो माउन्टबेटन योजना के नाम से प्रसिद्ध हुई।

17. निम्नलिखित में से सुमेलित नहीं है–
(अ) मार्ले–मिंटो सुधार – साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व
(ब) भारत सरकार अधिनियम – स्वशासन
(स) कैबिनेट मिशन – संविधान सभा का गठन
(द) साइमन कमीशन – भारत विभाजन
उत्तर : (द) IAS 1988
व्याख्या– साइमन कमीशन की नियुक्ति ब्रिटिश प्रधानमंत्री ने सर जॉन साइमन के नेतृत्व में की थी। इस कमीशन में सात सदस्य थे, जो सभी ब्रिटेन की संसद के मनोनीत सदस्य थे। यही कारण था कि इसे श्वेत कमीशन कहा गया। साइमन कमीशन की घोषणा 8 नवम्बर, 1927 ई. को की गई थी। कमीशन को इस बात की जाँच करनी थी कि क्या भारत इस लायक हो गया है कि यहाँ के लोगों को संवैधानिक अधिकार दिये जाएँ। इस कमीशन में किसी भी भारतीय को

शामिल नहीं किया गया, जिस कारण इसका बहुत तीव्र विरोध हुआ।

18. संघीय प्रणाली का पहला प्रयास भारत सरकार अधिनियम ..... द्वारा किया गया था।
(अ) 1909 (ब) 1919
(स) 1935 (द) 1858
उत्तर : (स) SSC 2011
व्याख्या– ब्रिटिश शासनकाल के दौरान 1935 का भारत शासन अधिनियम पारित किया गया, जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का बंटवारा किया गया था तथा राज्यों में द्वैध शासन समाप्त कर केंद्र में द्वैध शासन को लागू किया गया था। इसमें एक अखिल भारतीय महासंघ स्थापित करने का प्रावधान शामिल किया गया था। इस संघ का निर्माण तत्कालीन ब्रिटिश भारत के प्रांतों, चीफ कमिश्नर प्रांतों एवं देशी रियासतों से मिलाकर होना था, परंतु यह व्यवस्था लागू नहीं की जा सकी। 1935 के भारत शासन अधिनियम द्वारा स्थापित होने वाले संघ में अवशिष्ट शक्तियाँ गवर्नर जनरल को प्रदान की गई थी।

19. अखिल भारतीय महासंघ स्थापित करने का प्रावधान शामिल किया गया था–
(अ) भारत सरकार अधिनियम, 1935 में
(ब) अगस्त प्रस्ताव, 1940 में
(स) भारत सरकार अधिनियम, 1919 में
(द) कैबिनेट मिशन प्रस्ताव, 1946 में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– ब्रिटिश शासनकाल के दौरान 1935 का भारत शासन अधिनियम पारित किया गया, जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का बँटवारा किया गया तथा राज्यों में द्वैध शासन समाप्त कर केंद्र में द्वैध शासन को लागू किया। इसमें एक अखिल भारतीय महासंघ स्थापित करने का प्रावधान शामिल किया गया था। इस संघ का निर्माण तत्कालीन ब्रिटिश भारत के प्रांतों, चीफ कमिश्नर, प्रांतों एवं देशी रियासतों से मिलकर होना था, परन्तु यह व्यवस्था लागू नहीं की जा सकी। 1935 के भारत शासन अधिनियम द्वारा स्थापित होने वाले संघ में अवशिष्ट शक्तियाँ गवर्नर जनरल को प्रदान की थी।

20. निम्नलिखित में से किस अधिनियम ने केंद्र में द्वैध शासन प्रणाली को स्थापित किया–
(अ) भारत शासन अधिनियम, 1935
(ब) भारत शासन अधिनियम, 1919
(स) भारत परिषद् अधिनियम, 1909
(द) भारत परिषद् अधिनियम, 1892
उत्तर : (अ)
व्याख्या– प्रान्तों में द्वैध शासन भारत शासन अधिनियम 1919 से लागू किया गया एवं भारत शासन अधिनियम 1935 के द्वारा समाप्त कर दिया गया तथा केंद्र में द्वैध शासन को लागू किया गया।

21. किस अधिनियम की प्रमुख विशेषता प्रांतीय स्वायत्तता थी ?
(अ) 1935 (ब) 1919
(स) 1904 (द) 1856
उत्तर : (अ) SSC 2008
व्याख्या– ब्रिटिश शासनकाल के दौरान 1935 का भारत शासन अधिनियम पारित किया गया, जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का बंटवारा किया गया था तथा राज्यों में द्वैध शासन समाप्त कर केंद्र में द्वैध शासन को लागू किया गया था। इसमें एक अखिल भारतीय महासंघ स्थापित करने का प्रावधान शामिल किया गया था। इस संघ का निर्माण तत्कालीन ब्रिटिश भारत के प्रांतों, चीफ कमिश्नर प्रांतों एवं देशी रियासतों से मिलाकर होना था, परंतु यह व्यवस्था लागू नहीं की जा सकी। 1935 के भारत शासन अधिनियम द्वारा स्थापित होने वाले संघ में अवशिष्ट शक्तियाँ गवर्नर जनरल को प्रदान की गई थी।

22. भारत में सचिव का पद किसके द्वारा निर्मित किया गया था ?
(अ) मार्ले–मिंटो सुधार, 1909
(ब) भारत सरकार अधिनियम, 1858
(स) भारतीय परिषद् अधिनियम, 1861
(द) मांटेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार, 1919
उत्तर : (ब) RRB 2009
व्याख्या– गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1858 के द्वारा कम्पनी के शासन को समाप्त कर भारत का शासन ब्रिटिश महारानी को सौंप दिया गया। इस अधिनियम के तहत एक भारतीय राज्य सचिव का प्रावधान किया गया और उसकी सहायता के लिए एक 15 सदस्यों की भारतीय परिषद स्थापित की गई।

23. किस भारतीय अधिनियम के तहत पहली बार विधायिका में कुछ निर्वाचित प्रतिनिधित्व की मंजूरी दी गई ?
(अ) भारतीय सरकार अधिनियम, 1858
(ब) भारत सरकार अधिनियम, 1909
(स) भारत सरकार अधिनियम, 1919
(द) भारत सरकार अधिनियम, 1935
उत्तर : (ब) SSC 2017
व्याख्या– गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट 1909 में पहली बार गवर्नर–जनरल की कार्यकारिणी परिषद में एक भारतीय को नियुक्त किये जाने का प्रावधान था, जिसके तहत नियुक्त होने वाले प्रथम भारतीय लॉर्ड सिन्हा थे।

24. भारत शासन अधिनियम, 1935 द्वारा स्थापित संघ में अवशिष्ट शक्तियाँ किसे दी गई थी ?
(अ) संघीय विधान मंडल को
(ब) गवर्नर जनरल को
(स) प्रांतीय विधान मंडल को
(द) प्रांतीय राज्यपालों को
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत शासन अधिनियम 1935 के द्वारा स्थापित संघ में अवशिष्ट शक्तियाँ गवर्नर जनरल को दी गई थी। ब्रिटिश शासनकाल के दौरान 1935 का भारत शासन अधिनियम पारित किया गया, जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों का बंटवारा किया गया था तथा राज्यों में द्वैध शासन समाप्त कर केंद्र में द्वैध शासन को लागू किया गया था। इसमें एक अखिल भारतीय महासंघ स्थापित करने का प्रावधान शामिल किया गया था। इस संघ का निर्माण तत्कालीन ब्रिटिश भारत के प्रांतों, चीफ कमिश्नर प्रांतों एवं देशी रियासतों से मिलाकर होना था, परंतु यह व्यवस्था लागू नहीं की जा सकी।

25. किस एक्ट के तहत बनने वाले प्रथम गवर्नर जनरल लॉर्ड वारेन हेस्टिंग्स थे ?
(अ) 1773 ई. का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) 1784 ई. को पिट्स इंडिया एक्ट
(स) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1773 ई. के रेग्यूलेटिंग एक्ट द्वारा बंगाल के गवर्नर को बंगाल का गवर्नर जनरल पद नाम दिया गया तथा मुम्बई एवं मद्रास के गवर्नर को इसके अधीन किया गया। इस एक्ट के तहत बनने वाले प्रथम गवर्नर जनरल लॉर्ड वारेन हेस्टिंग्स थे।

26. 1773 ई. के रेग्यूलेटिंग एक्ट के संबंध में निम्न में से कौनसा कथन सही है ?
(अ) भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी के कार्यों को नियमित और नियंत्रित करने की दिशा में ब्रिटिश सरकार द्वारा उठाया गया यह पहला कदम था।
(ब) इसके द्वारा पहली बार कंपनी के प्रशासनिक और राजनैतिक कार्यों को मान्यता मिली।
(स) इसके द्वारा केन्द्रीय प्रशासन की नींव रखी गयी।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या–1773 ई. के रेग्यूलेटिंग एक्ट, भारत में ईस्ट इंडिया कम्पनी के कार्यों को नियमित और नियंत्रित करने की दिशा में ब्रिटिश सरकार द्वारा उठाया गया यह पहला कदम था। इसके द्वारा पहली बार कम्पनी के प्रशासनिक और राजनीतिक कार्यों को मान्यता मिली। इसके द्वारा केन्द्रीय प्रशासन की नींव रखी गयी।

27. किस अधिनियम के अन्तर्गत सर्वप्रथम कलकत्ता में उच्चतम न्यायालय की स्थापना की गयी ?
(अ) 1773 ई. का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) एक्ट ऑफ सेटलमेंट, 1781 ई.
(स) 1784 ई. का पिट्स इंडिया एक्ट
(द) 1793 ई. का चार्टर अधिनियम
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1773 ई. के रेग्यूलेटिंग एक्ट के अन्तर्गत कलकत्ता में 1774 ई. में एक उच्चतम न्यायालय की स्थापना की गई, जिसमें मुख्य न्यायाधीश और तीन अन्य न्यायाधीश थे। इसके प्रथम मुख्य न्यायाधीश सर एलिजाह इम्पे थे तथा तीन अन्य न्यायाधीश थे– चैम्बर्स, लिमेंस्टर और हाइड।

28. किस एक्ट के अंतर्गत कलकत्ता प्रेसीडेंसी में एक ऐसी सरकार स्थापित की गई, जिसमें गवर्नर जनरल और उसकी परिषद् के चार सदस्य थे, जो अपनी सत्ता का उपयोग संयुक्त रूप से करते थे ?
(अ) 1773 ई. का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) 1784 ई. को पिट्स इंडिया एक्ट
(स) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1773 ई. के रेग्यूलेटिंग एक्ट के अन्तर्गत कलकत्ता प्रेसीडेंसी में एक ऐसी सरकार स्थापित की गई, जिसमें गवर्नर जनरल और उसकी परिषद् के चार सदस्य थे, जो अपनी सत्ता का उपयोग संयुक्त रूप से करते थे।

29. किस एक्ट के तहत कम्पनी के कर्मचारियों को निजी व्यापार करने और भारतीय लोगों से उपहार व रिश्वत लेना प्रतिबंधित कर दिया गया ?
(अ) 1784 का पिट्स इंडिया एक्ट
(ब) 1773 ई. का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(स) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1793 ई. का चार्टर अधिनियम
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 1773 ई. के रेग्यूलेटिंग एक्ट के तहत कम्पनी के कर्मचारियों को निजी व्यापार करने और भारतीय लोगों से उपहार व रिश्वत लेना प्रतिबंधित कर दिया गया था।

30. रेग्यूलेटिंग एक्ट, 1773 ई. की कमियों को दूर करने के लिए किस एक्ट का प्रावधान किया गया था ?
(अ) 1784 का पिट्स इंडिया एक्ट
(ब) 1793 ई. का चार्टर अधिनियम
(स) एक्ट ऑफ सेटलमेंट, 1781 ई.
(द) 1813 ई. को चार्टर अधिनियम
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1773 ई. के रेग्यूलेटिंग एक्ट की कमियों को दूर करने के एक्ट ऑफ सेटलमेंट, 1781 ई. का प्रावधान किया गया। इस एक्ट के तहत कलकत्ता

की सरकार को बंगाल, बिहार और उड़ीसा के लिए भी विधि बनाने का प्राधिकार प्रदान किया गया।

31. किस अधिनियम के द्वारा ब्रिटिश सरकार का बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के माध्यम से कंपनी पर नियंत्रण सशक्त हो गया ?
(अ) 1773 ई. का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) 1784 ई. को पिट्स इंडिया एक्ट
(स) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1773 ई. के रेग्यूलेटिंग एक्ट के द्वारा, ब्रिटिश सरकार का बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के माध्यम से कंपनी पर नियंत्रण सशक्त हो गया। बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स को भारत में कम्पनी के राजस्व, नागरिक और सैन्य मामलों की जानकारी ब्रिटिश सरकार को देना आवश्यक कर दिया गया। इस एक्ट के तहत कम्पनी के कर्मचारियों को निजी व्यापार करने और भारतीय लोगों से उपहार व रिश्वत लेना प्रतिबंधित कर दिया गया था।

32. किस एक्ट के तहत कलकत्ता की सरकार को बंगाल, बिहार और उड़ीसा के लिए भी विधि बनाने का प्राधिकार प्रदान किया गया ?
(अ) 1784 ई. का पिट्स इंडिया एक्ट
(ब) 1793 ई. का चार्टर अधिनियम
(स) एक्ट ऑफ सेटलमेंट, 1781 ई.
(द) 1813 ई. को चार्टर अधिनियम
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1773 ई. के रेग्यूलेटिंग एक्ट की कमियों को दूर करने के एक्ट ऑफ सेटलमेंट, 1781 ई. का प्रावधान किया गया। इस एक्ट के तहत कलकत्ता की सरकार को बंगाल, बिहार और उड़ीसा के लिए भी विधि बनाने का प्राधिकार प्रदान किया गया।

33. सर्वप्रथम किस एक्ट के द्वारा ब्रिटिश भारत में दोहरे प्रशासन का आरंभ किया गया ?
(अ) 1773 ई. का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) एक्ट ऑफ सेटलमेंट, 1781 ई.
(स) 1784 ई. का पिट्स इंडिया एक्ट
(द) 1793 ई. का चार्टर अधिनियम
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1784 ई. के पिट्स इंडिया एक्ट के द्वारा दोहरे प्रशासन का प्रारंभ हुआ। व्यापारिक मामलों के लिए बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स तथा राजनीतिक मामलों के लिए बोर्ड ऑफ कंट्रोलर का प्रावधान किया गया।

34. सर्वप्रथम किस अधिनियम के द्वारा नियंत्रण बोर्ड के सदस्यों तथा कर्मचारियों के वेतन आदि को भारतीय राजस्व में से देने की व्यवस्था की गयी ?
(अ) 1773 ई. का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) 1784 ई. को पिट्स इंडिया एक्ट
(स) 1793 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1793 ई. के चार्टर अधिनियम द्वारा नियंत्रण बोर्ड के सदस्यों तथा कर्मचारियों के वेतन आदि को भारतीय राजस्व में से देने की व्यवस्था की गयी।

35. किस अधिनियम के द्वारा कम्पनी के भारत के साथ व्यापार करने के एकाधिकार को छीन लिया गया ?
(अ) 1773 ई. का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) 1784 ई. को पिट्स इंडिया एक्ट
(स) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1813 ई. के चार्टर अधिनियम के द्वारा कम्पनी के अधिकार–पत्र को 20 वर्षों के लिए बढ़ा दिया गया। इस अधिनियम के द्वारा कम्पनी के भारत के साथ व्यापार करने के एकाधिकार को छिन लिया, किन्तु उसे चीन के साथ व्यापार एवं पूर्वी देशों के साथ चाय के व्यापार के संबंध में 20 वर्षों के लिए एकाधिकार प्राप्त रहा। कुछ सीमाओं के अधीन सभी ब्रिटिश नागरिकों के लिए भारत के साथ व्यापार खोल दिया। 1813 ई. से पहले ईसाई पादरियों को भारत में आने की आज्ञा नहीं थी, परन्तु इस अधिनियम द्वारा ईसाई पादरियों को आज्ञा प्राप्त करके भारत आने की सुविधा मिल गयी।

36. किस अधिनियम के तहत बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल बनाया गया ?
(अ) 1773 ई. का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) 1784 ई. को पिट्स इंडिया एक्ट
(स) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1833 ई. के चार्टर अधिनियम के तहत बंगाल के गवर्नर जनरल को भारत का गवर्नर जनरल कहा जाने लगा। बम्बई तथा मद्रास की परिषदों की विधि निर्माण शक्तियों को वापस ले लिया गया। विधिक परामर्श हेतु गवर्नर जनरल की परिषद् में विधि सदस्य के रूप में चौथे सदस्य को शामिल किया गया। गवर्नर जनरल की परिषद् को राजस्व के संबंध में पूर्ण अधिकार प्रदान करते हुए गवर्नर जनरल को सम्पूर्ण देश के लिए एक ही बजट तैयार करने का अधिकार दिया गया। इस

अधिनियम के द्वारा भारतीय कानूनों का वर्गीकरण किया गया तथा इस कार्य के लिए विधि आयोग की नियुक्ति की व्यवस्था की गयी। 1834 ई. में लॉर्ड मैकाले की अध्यक्षता में प्रथम विधि आयोग का गठन किया गया।

37. किस अधिनियम के द्वारा कम्पनी के भारत के साथ व्यापार करने के अधिकार पूर्णतः समाप्त कर दिये गये ?
(अ) 1773 ई. का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) 1784 ई. को पिट्स इंडिया एक्ट
(स) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1833 ई. के चार्टर अधिनियम के द्वारा कम्पनी के व्यापारिक अधिकार पूर्णतः समाप्त कर दिये गये। अब कम्पनी का कार्य ब्रिटिश सरकार की ओर से मात्र भारत का शासन करना रह गया था।

38. किस अधिनियम के द्वारा भारत में दास प्रथा को विधि विरुद्ध घोषित किया गया तथा 1843 ई. में उसका उन्मूलन किया गया ?
(अ) 1773 ई. का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) 1784 ई. को पिट्स इंडिया एक्ट
(स) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1833 ई. के चार्टर अधिनियम द्वारा भारत में दास प्रथा को विधि विरुद्ध घोषित कर दिया गया तथा 1843 ई. में लॉर्ड एलिनबरो के कार्यकाल में 1843 एक्ट–V के द्वारा दास प्रथा का उन्मूलन कर दिया गया।

39. किस अधिनियम के द्वारा गवर्नर जनरल को सम्पूर्ण देश के लिए एक ही बजट तैयार करने का अधिकार दिया गया ?
(अ) 1773 ई. का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) 1784 ई. को पिट्स इंडिया एक्ट
(स) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
उत्तर : (द)
व्याख्या–1833 ई. के चार्टर अधिनियम द्वारा गवर्नर जनरल की परिषद् को राजस्व के संबंध में पूर्ण अधिकार प्रदान करते हुए गवर्नर जनरल को सम्पूर्ण देश के लिए एक ही बजट तैयार करने का अधिकार दिया गया। 1833 ई. के चार्टर अधिनियम द्वारा कम्पनी के व्यापारिक अधिकार पूर्णतः समाप्त कर दिये गये। भारतीय कानूनों का वर्गीकरण किया गया तथा इस कार्य के लिए विधि आयोग की नियुक्ति की व्यवस्था की गयी।

40. किस अधिनियम के द्वारा कम्पनी के अधीन पद धारण करने के लिए किसी व्यक्ति को धर्म, जन्मस्थान, मूल वंश या रंग के आधार पर अयोग्य न ठहराए जाने का उपबन्ध किया गया ?
(अ) 1773 ई. का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) 1784 ई. को पिट्स इंडिया एक्ट
(स) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1833 ई. के चार्टर अधिनियम की धारा–87 के तहत कम्पनी के अधीन पद धारण करने के लिए किसी व्यक्ति को धर्म, जन्मस्थान, मूल वंश या रंग के आधार पर अयोग्य न ठहराए जाने का उपबन्ध किया गया।

41. किस अधिनियम के द्वारा ब्रिटिश भारत में विधि आयोग की नियुक्ति की व्यवस्था की गयी थी ?
(अ) 1773 ई. का रेग्यूलेटिंग एक्ट
(ब) 1784 ई. को पिट्स इंडिया एक्ट
(स) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
उत्तर : (द)
व्याख्या–1833 ई. के चार्टर अधिनियम के द्वारा भारतीय कानूनों का वर्गीकरण के लिए विधि आयोग की नियुक्ति की व्यवस्था की गयी।

42. किस गवर्नर जनरल की अध्यक्षता में प्रथम विधि आयोग का गठन किया गया था ?
(अ) लॉर्ड एलिनबरो (ब) लॉर्ड मैकाले
(स) लॉर्ड मॉर्ले (द) लॉर्ड मिंटो
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 1833 ई. के चार्टर अधिनियम के द्वारा भारतीय कानूनों का वर्गीकरण किया गया था। इस कार्य के लिए विधि आयोग की नियुक्ति की व्यवस्था की गयी। 1834 ई. में लॉर्ड मैकाले की अध्यक्षता में प्रथम विधि आयोग का गठन किया गया।

43. किस अधिनियम के द्वारा कम्पनी के महत्वपूर्ण पदों को प्रतियोगी परीक्षाओं के आधार पर भरने की व्यवस्था की गयी ?
(अ) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(ब) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
(स) 1853 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1858 ई. भारत शासन अधिनियम
उत्तर : (स)
व्याख्या– लॉर्ड डलहौजी के कार्यकाल में 1853 ई. के चार्टर अधिनियम के द्वारा सेवाओं में नामजदगी का सिद्धांत समाप्त कर कम्पनी के महत्वपूर्ण पदों को प्रतियोगी परीक्षाओं के आधार पर भरने की व्यवस्था की गयी। कम्पनी के संचालक मंडल से कम्पनी के प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति का अधिकार वापस ले लिया गया और 1853 ई. से ही

अधिकारियों की नियुक्ति के लिए प्रतियोगिता परीक्षा की व्यवस्था की गयी, जिसके लिए उम्र सीमा 18 से 23 वर्ष रखी गयी। इसके लिए 1854 ई. में मैकाले समिति की नियुक्ति की गई।

44. किस अधिनियम के द्वारा गवर्नर जनरल की परिषद् के विधायी एवं प्रशासनिक कार्यों को अलग कर दिया गया ?
(अ) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(ब) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
(स) 1853 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1858 ई. भारत शासन अधिनियम
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1853 ई. के चार्टर अधिनियम के द्वारा गवर्नर जनरल की परिषद् के विधायी एवं प्रशासनिक कार्यों को अलग कर दिया गया। इसके तहत परिषद् में छः नए पार्षद सम्मिलित किये गए, जिन्हें विधान पार्षद कहा गया।

45. किस अधिनियम के द्वारा भारत का शासन कम्पनी से लेकर ब्रिटिश क्राउन के हाथों में सौंपा गया ?
(अ) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(ब) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
(स) 1853 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1858 ई. भारत शासन अधिनियम
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1858 ई. के भारत शासन अधिनियम द्वारा भारत का शासन कम्पनी के हाथों से लेकर ब्रिटिश क्राउन के हाथों में सौंपा गया। भारतीय मामलों पर ब्रिटिश संसद का सीधा नियंत्रण स्थापित किया गया। मुगल सम्राट के पद को समाप्त कर दिया गया। इस अधिनियम के द्वारा बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स तथा बोर्ड ऑफ कंट्रोल को समाप्त कर दिया गया। भारत में शासन संचालन के लिए ब्रिटिश मंत्रिमंडल में एक सदस्य के रूप में भारत के राज्य सचिव की नियुक्ति की गयी जो अपने कार्यों के लिए ब्रिटिश संसद के प्रति उत्तरदायी होता था।

46. किस अधिनियम के द्वारा भारत के गवर्नर जनरल का नाम बदलकर वायसराय कर दिया गया ?
(अ) 1813 ई. का चार्टर अधिनियम
(ब) 1833 ई. का चार्टर अधिनियम
(स) 1853 ई. का चार्टर अधिनियम
(द) 1858 ई. भारत शासन अधिनियम
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1858 ई. के भारत शासन अधिनियम के द्वारा भारत के गवर्नर जनरल का नाम बदलकर वायसराय कर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग अंतिम गवर्नर जनरल एवं प्रथम वायसराय हुए।

47. 1858 ई. के शासन अधिनियम के संदर्भ में कौनसा कथन सत्य है ?
(अ) पन्द्रह सदस्यों की भारत परिषद् का सृजन हुआ।
(ब) भारत के गवर्नर जनरल का नाम बदलकर वायसराय किया गया।
(स) भारतीय मामलों पर ब्रिटिश संसद का सीधा नियंत्रण स्थापित किया गया।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1858 ई. के शासन अधिनियम के तहत पन्द्रह सदस्यों की भारत परिषद् का सृजन हुआ, जिसमें आठ सदस्य ब्रिटिश सरकार द्वारा एवं सात सदस्य कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा नियुक्त किये गये। इस अधिनियम के द्वारा भारत के गवर्नर जनरल का नाम बदलकर वायसराय कर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप तत्कालीन गवर्नर जनरल लॉर्ड कैनिंग अंतिम गवर्नर जनरल एवं प्रथम वायसराय हुए। भारतीय मामलों पर ब्रिटिश संसद का सीधा नियंत्रण स्थापित किया गया।

48. 1861 ई. के भारत परिषद् अधिनियम के संदर्भ में कौनसा कथन सत्य है ?
(अ) गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी परिषद् का विस्तार किया गया।
(ब) गवर्नर जनरल को पहली बार अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान की गयी।
(स) विभागीय प्रणाली का प्रारम्भ हुआ।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1861 ई. के शासन अधिनियम के तहत गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी परिषद् का विस्तार किया गया। लॉर्ड कैनिंग द्वारा विभागीय प्रणाली का प्रारंभ हुआ। गवर्नर जनरल को पहली बार अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान की गयी। ऐसे अध्यादेश की अवधि मात्र 6 महीने होती थी।

49. 1862 ई. में वायसराय लॉर्ड कैनिंग ने तीन भारतीयों को विधानपरिषद् में मनोनीत किया, जिनमें शामिल नहीं है–
(अ) बनारस के राजा
(ब) पटियाला के महाराजा
(स) सर दिनकर राव
(द) मेवाड़ के महाराजा
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1861 ई. के भारत परिषद् अधिनियम के अंतर्गत 1862 ई. में लॉर्ड कैनिंग ने तीन भारतीयों बनारस के राजा, पटियाला के महाराजा और सर दिनकर राव को विधानपरिषद् में मनोनीत किया।

50. 1861 ई. के भारत परिषद् अधिनियम के संदर्भ में कौनसा कथन सत्य है ?
(अ) गवर्नर जनरल को बंगाल, उत्तर–पश्चिमी सीमा प्रांत और पंजाब में विधान परिषद् स्थापित करने की शक्ति प्रदान की गयी।
(ब) कानून बनाने की प्रक्रिया में भारतीय प्रतिनिधियों को शामिल करने की शुरूआत हुई।
(स) वायसराय कुछ भारतीयों को विस्तारित परिषद् में गैर सरकारी सदस्यों के रूप में नामांकित कर सकता था।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1861 ई. के भारत परिषद् अधिनियम के तहत गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी परिषद् का विस्तार किया गया। गवर्नर जनरल को पहली बार अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान की गयी। ऐसे अध्यादेश की अवधि मात्र छह महीने होती थी। गवर्नर जनरल को बंगाल, उत्तर–पश्चिमी सीमा प्रांत और पंजाब में विधान परिषद् स्थापित करने की शक्ति प्रदान की गयी। इसके द्वारा कानून बनाने की प्रक्रिया में भारतीय प्रतिनिधियों को शामिल करने की शुरूआत हुई। वायसराय कुछ भारतीयों को विस्तारित परिषद् में गैर सरकारी सदस्यों के रूप में नामांकित कर सकता था।

51. किस अधिनियम के द्वारा यह उपबन्ध किया गया कि ईस्ट इंडिया कम्पनी को किसी भी समय भंग किया जा सकता है ?
(अ) 1861 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1873 ई. का अधिनियम
(स) 1892 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(द) शाही उपाधि अधिनियम, 1876
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 1873 ई. के अधिनियम द्वारा यह उपबन्ध किया गया कि ईस्ट इंडिया कम्पनी को किसी भी समय भंग किया जा सकता है। इस अधिनियम के तहत 1 जनवरी, 1884 ई. को ईस्ट इंडिया कम्पनी को औपचारिक रूप से भंग कर दिया गया।

52. महारानी विक्टोरिया को भारत की साम्राज्ञी नियुक्त किया गया–
(अ) 1885 ई. में (ब) 1875 ई. में
(स) 1876 ई. में (द) 1858 ई. में
उत्तर : (स)
व्याख्या– शाही उपाधि अधिनियम, 1876 ई. के द्वारा गवर्नर जनरल की केन्द्रीय कार्यकारिणी में छठे सदस्य की नियुक्ति कर उसे लोक निर्माण विभाग का कार्य सौंपा गया। 28 अप्रैल, 1876 ई. को एक घोषणा द्वारा महारानी विक्टोरिया को भारत की साम्राज्ञी घोषित किया गया।

53. 1892 ई. के भारत परिषद् अधिनियम के संदर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सत्य है ?
(अ) इसके द्वारा अप्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली की शुरूआत हुई।
(ब) इसके द्वारा राजस्व एवं व्यय अथवा बजट पर बहस करने तथा कार्यकारिणी से प्रश्न पूछने की शक्ति दी गई।
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1892 ई. के भारत परिषद् अधिनियम की मुख्य विशेषताएँ हैं–1.अप्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली की शुरुआत हुई 2.इसके द्वारा राजस्व एवं व्यय अथवा बजट पर बहस करने तथा कार्यकारिणी से प्रश्न पूछने की शक्ति दी गई।

54. किस अधिनियम को मार्ले–मिन्टो सुधार भी कहा जाता है ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम को मार्ले–मिन्टो सुधार भी कहते हैं। इस अधिनियम के तहत पहली बार मुस्लिम समुदाय के लिए पृथक् प्रतिनिधित्व का उपबन्ध किया गया। इसके अंतर्गत मुस्लिम सदस्यों का चुनाव मुस्लिम मतदाता ही कर सकते थे। इस अधिनियम में सांप्रदायिकता को वैधानिकता प्रदान की, जिसके कारण लॉर्ड मिंटो को सांप्रदायिक निर्वाचन के जनक के रूप में जाना जाता है। 1909 ई. में लॉर्ड मॉर्ले इंग्लैंड में भारत के राज्य सचिव थे और लॉर्ड मिंटो भारत के वायसराय थे। भारत में ब्रिटेन के सभी संवैधानिक प्रयोगों में से सबसे कम समय तक चलने वाला अधिनियम 1909 का भारत परिषद् अधिनियम था।

55. किस वायसराय को साम्प्रदायिक निर्वाचन के जनक के रूप में जाना जाता है ?
(अ) लियोनस कार्टियस (ब) लॉर्ड मॉर्ले
(स) लॉर्ड मिंटो (द) लॉर्ड चेम्सफोर्ड
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1909 ई. के भारत परिषद् अधिनियम को मॉर्ले–मिंटों सुधार भी कहा जाता है। इस अधिनियम के द्वारा पहली बार मुस्लिम समुदाय के लिए पृथक् प्रतिनिधित्व का उपबंध किया गया। इसके अन्तर्गत मुस्लिम सदस्यों का चुनाव मुस्लिम मतदाता ही कर सकते थे। इस प्रकार इस अधिनियम ने सांप्रदायिकता को वैधानिकता प्रदान की और लॉर्ड मिंटो को सांप्रदायिक निर्वाचन के जनक के रूप में जाना गया। 1909 ई. में लॉर्ड

मॉर्ले इंग्लैंड में भारत के राज्य सचिव और लॉर्ड मिंटो भारत के वायसराय थे।

56. किस अधिनियम के अंतर्गत सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा वायसराय की कार्यकारिणी परिषद् के प्रथम भारतीय सदस्य बने ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1909 ई. के भारत परिषद् अधिनियम को मॉर्ले–मिंटो सुधार भी कहा जाता है। इसके द्वारा भारतीयों को भारत सचिव एवं गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी परिषदों की नियुक्ति की गईं। प्रान्तीय विधान परिषदों की संख्या में वृद्धि की गयी। सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा वायसराय की कार्यपालिका परिषद् के प्रथम भारतीय सदस्य बने। उन्हें विधि सदस्य बनाया गया।

57. किस अधिनियम के अंतर्गत प्रेसीडेंसी कॉर्पोरेशन, चैंबर्स ऑफ कॉमर्स, विश्वविद्यालयों और जमींदारों के लिए अलग प्रतिनिधित्व का प्रावधान किया गया था ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1909 ई. के भारत परिषद् अधिनियम को मॉर्ले–मिंटो सुधार भी कहा जाता है। 1909 ई. में लॉर्ड मॉर्ले इंग्लैंड में भारत के राज्य सचिव और लॉर्ड मिंटो भारत के वायसराय थे। इस अधिनियम के तहत प्रेसीडेंसी कॉर्पोरेशन, चैंबर्स ऑफ कॉमर्स, विश्वविद्यालयों और जमींदारों के लिए अलग प्रतिनिधित्व का प्रावधान किया गया।

58. 1909 ई. में इंग्लैंड में भारत के राज्य सचिव थे–
(अ) लियोनस कार्टियस (ब) लॉर्ड मॉर्ले
(स) लॉर्ड मिंटो (द) लॉर्ड चेम्सफोर्ड
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 1909 ई. के भारत परिषद् अधिनियम को मॉर्ले–मिंटो सुधार भी कहा जाता है। 1909 ई. में लॉर्ड मॉर्ले इंग्लैंड में भारत के राज्य सचिव और लॉर्ड मिंटो भारत के वायसराय थे।

59. 1909 ई. में भारत के वायसराय थे–
(अ) लियोनस कार्टियस (ब) लॉर्ड मॉर्ले
(स) लॉर्ड मिंटो (द) लॉर्ड चेम्सफोर्ड
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1909 ई. के भारत परिषद् अधिनियम को मॉर्ले–मिंटो सुधार भी कहा जाता है। 1909 ई. में लॉर्ड मॉर्ले इंग्लैंड में भारत के राज्य सचिव और लॉर्ड मिंटो भारत के वायसराय थे।

60. किस अधिनियम के तहत केन्द्रीय और प्रान्तीय विधान–परिषदों को पहली बार बजट पर वाद–विवाद करने, सार्वजनिक हित के विषयों पर प्रस्ताव पेश करने, पूरक प्रश्न पूछने और मत देने का अधिकार मिला ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1909 ई. के भारत परिषद् अधिनियम को मॉर्ले–मिंटो सुधार भी कहा जाता है। इसके तहत केन्द्रीय और प्रान्तीय विधान–परिषदों को पहली बार बजट पर वाद–विवाद करने, सार्वजनिक हित के विषयों पर प्रस्ताव पेश करने, पूरक प्रश्न पूछने और मत देने का अधिकार मिला। प्रांतीय विधान परिषदों की संख्या में वृद्धि की गयी। सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा को वायसराय की कार्यपालिका परिषद् के प्रथम भारतीय सदस्य बने। उन्हें विधि सदस्य बनाया गया।

61. किस अधिनियम के द्वारा पहली बार मुस्लिम समुदाय के लिए पृथक् प्रतिनिधित्व का उपबन्ध किया गया और सांप्रदायिकता को वैधानिकता प्रदान की गयी ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1909 ई. के भारत परिषद् अधिनियम को मॉर्ले–मिंटो सुधार भी कहा जाता है। 1909 ई. में लॉर्ड मॉर्ले इंग्लैंड में भारत के राज्य सचिव और लॉर्ड मिंटो भारत के वायसराय थे। इस अधिनियम के द्वारा पहली बार मुस्लिम समुदाय के लिए पृथक् प्रतिनिधित्व का उपबन्ध किया गया। इसके अंतर्गत मुस्लिम सदस्यों का चुनाव मुस्लिम मतदाता ही कर सकते थे। इस अधिनियम ने सांप्रदायिकता को वैधानिकता प्रदान की और लॉर्ड मिंटो को सांप्रदायिक निर्वाचन के रूप में जाना गया।

62. किस अधिनियम को माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार कहा जाता है ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) 1947 ई. का भारत शासन अधिनियम
उत्तर : (ब)

व्याख्या– 1919 ई. के भारत शासन अधिनियम को माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार भी कहा जाता है। इसके द्वारा केन्द्र में द्विसदनात्मक विधायिका की स्थापना की गयी–प्रथम राज्य परिषद् तथा दूसरी केन्द्रीय विधानसभा। राज्य परिषद् के सदस्यों की संख्या 60 थीं, जिनमें 34 निर्वाचित तथा 26 मनोनीत होते थे। इनका कार्यकाल 5 वर्ष का होता था। केन्द्रीय विधानसभा में सदस्यों की संख्या 144 थीं, जिनमें 104 निर्वाचित तथा 40 मनोनीत होते थे। इनका कार्यकाल 3 वर्षों का होता था। दोनों सदनों (राज्य परिषद् और केन्द्रीय विधानसभा) के अधिकार समान थे, किन्तु बजट पर स्वीकृति प्रदान करने का अधिकार सिर्फ निचले सदन (केन्द्रीय विधानसभा) को था।

63. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
(अ) 1909 ई. में लॉर्ड मॉर्ले इंग्लैंड में भारत के राज्य सचिव थे।
(ब) 1909 ई. में लॉर्ड मिंटो भारत के वायसराय थे।
(स) भारत में ब्रिटेन के सभी संवैधानिक प्रयोगों में से सबसे कम समय तक चलने वाला अधिनियम 1909 का भारत परिषद् अधिनियम था।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1909 ई. में लॉर्ड मॉर्ले इंग्लैंड में भारत के राज्य सचिव और लॉर्ड मिंटो भारत के वायसराय थे। 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम, भारत में ब्रिटेन के सभी संवैधानिक प्रयोगों में से सबसे कम समय तक चलने वाला अधिनियम था।

64. किस अधिनियम के अंतर्गत केन्द्र में द्विसदनात्मक विधायिका की स्थापना की गयी ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) 1947 ई. का भारत शासन अधिनियम
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 1919 ई. के भारत शासन अधिनियम को माण्टेग्यू–चेम्फोर्ड सुधार भी कहा जाता है। इसके द्वारा केन्द्र में द्विसदनात्मक विधायिका की स्थापना की गयी–प्रथम राज्य परिषद् तथा दूसरी केन्द्रीय विधानसभा। राज्य परिषद् के सदस्यों की संख्या 60 थीं, जिनमें 34 निर्वाचित तथा 26 मनोनीत होते थे। इनका कार्यकाल 5 वर्ष का होता था। केन्द्रीय विधानसभा में सदस्यों की संख्या 144 थीं, जिनमें 104 निर्वाचित तथा 40 मनोनीत होते थे। इनका कार्यकाल 3 वर्षों का होता था। दोनों सदनों (राज्य परिषद् और केन्द्रीय विधानसभा) के अधिकार समान थे, किन्तु बजट पर स्वीकृति प्रदान करने का अधिकार सिर्फ निचले सदन (केन्द्रीय विधानसभा) को था।

65. प्रान्तों में द्वैध शासन का जनक कहा जाता है–
(अ) लियोनस कार्टियस (ब) लॉर्ड मॉर्ले
(स) लॉर्ड मिंटो (द) लॉर्ड चेम्सफोर्ड
उत्तर : (अ)
व्याख्या– माण्टेग्यू चेम्सफोर्ड सुधार (भारत शासन अधिनियम, 1919 ई.) के लागू होने के समय इंग्लैंड के प्रधानमंत्री लॉयड जार्ज थे। इस एक्ट के द्वारा केन्द्र में द्विसदनात्मक विधायिका की स्थापना की गयी–राज्य परिषद् तथा केन्द्रीय विधानसभा। दोनों सदनों के अधिकार समान थे, किन्तु बजट पर स्वीकृति प्रदान करने का अधिकार सिर्फ निचले सदन (केन्द्रीय विधानसभा) को था। इस अधिनियम के द्वारा प्रान्तों में द्वैध शासन प्रणाली का प्रवर्तन किया गया। प्रांतों में द्वैध शासन के जनक लियोनस कार्टियस थे।

66. किस अधिनियम ने भारत में एक लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान किया गया ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) 1947 ई. का भारत शासन अधिनियम
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 1919 ई. के भारत शासन अधिनियम को माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार भी कहा जाता है। इस अधिनियम के द्वारा भारत में एक लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान किया गया। 1926 ई. में ली आयोग (1923–24) की सिफारिश के आधार पर सिविल सेवकों की भर्ती के लिए केन्द्रीय लोक सेवा आयोग का गठन किया गया।

67. किस अधिनियम के अंतर्गत प्रान्तीय विषयों को दो उपवर्गों (आरक्षित तथा हस्तान्तरित या अन्तरित) में विभाजित किया गया ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) 1947 ई. का भारत शासन अधिनियम
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 1919 ई. के भारत शासन अधिनियम (माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार) के अंतर्गत प्रांतों में द्वैध शासन प्रणाली का प्रवर्तन किया गया। प्रांतों में द्वैध शासन के जनक लियोनस कार्टियस थे। इस योजना के अनुसार प्रान्तीय विषयों को दो उपवर्गों में विभाजित किया गया–आरक्षित तथा हस्तान्तरित या अन्तरित। आरक्षित विषय के अंतर्गत वित्त, भूमि कर, अकाल सहायता, न्याय, पुलिस, आपराधिक जनजातियाँ, पेंशन, समाचार–पत्र, छापाखाना, सिंचाई, जलमार्ग, खान, कारखाना, बिजली, गैस,

वॉयलर, श्रमिक कल्याण, औद्योगिक विवाद, मोटरगाड़ियाँ, छोटे बन्दरगाह, सार्वजनिक सेवाएँ आदि आते हैं। आरक्षित विषयों का प्रशासन गवर्नर और उसकी कार्यकारी परिषद् के माध्यम से किया जाता था। हस्तान्तरित या अन्तरित विषय के अंतर्गत शिक्षा, पुस्तकालय, संग्रहालय, स्थानीय स्वायत्त शासन, चिकित्सा सहायता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, आबकारी, उद्योग, तौल तथा माप, सार्वजनिक मनोरंजन पर नियंत्रण, धार्मिक तथा अग्रहार दान आदि आते हैं। हस्तान्तरित विषयों का प्रशासन गवर्नर द्वारा विधान परिषद् के प्रति उत्तरदायी मंत्रियों की सहायता से किया जाता था।

68. किस अधिनियम के द्वारा भारत सचिव को अधिकार दिया गया कि वह भारत में महालेखा परीक्षक की नियुक्ति कर सकता है ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 1919 ई. के भारत शासन अधिनियम को माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार भी कहते हैं। इसके तहत भारत सचिव को अधिकार दिया गया कि वह भारत में महालेखा परीक्षक की नियुक्ति कर सकता है।

69. निम्नलिखित में से किस अधिनियम के अनुसार वायसराय की कार्यकारी परिषद् के छः सदस्यों में से (कमांडर इन चीफ को छोड़कर) तीन सदस्यों का भारतीय होना आवश्यक था ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 1919 ई. के भारत शासन अधिनियम को माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार भी कहते हैं। इसके अनुसार वायसराय की कार्यकारी परिषद् के छः सदस्यों में से (कमांडर इन चीफ को छोड़कर) तीन सदस्यों का भारतीय होना आवश्यक था।

70. निम्नलिखित में से किस अधिनियम ने सांप्रदायिक आधार पर सिक्खों, भारतीय ईसाईयों, आंग्ल–भारतीयों ओर यूरोपीयों के लिए भी पृथक् निर्वाचन के सिद्धांत को विस्तारित किया ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 1919 ई. के भारत शासन अधिनियम ने सांप्रदायिक आधार पर सिक्खों, भारतीय ईसाईयों, आंग्ल–भारतीयों और यूरोपीयों के लिए भी पृथक् निर्वाचन के सिद्धांत को विस्तारित किया।

71. किस अधिनियम के अंतर्गत पहली बार केन्द्रीय बजट को राज्यों के बजट से अलग कर दिया गया, जिसका कार्य प्रत्येक दस वर्ष में जाँच करने के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करना होता था ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 1919 ई. के भारत शासन अधिनियम (माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार) के अंतर्गत पहली बार केन्द्रीय बजट को राज्यों के बजट से अलग कर दिया गया।

72. 1919 ई. के भारत शासन अधिनियम (माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार) के अंतर्गत किस आयोग का गठन किया गया ?
(अ) लोक सेवा आयोग (ब) वैधानिक आयोग
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) वैधानिक आयोग
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1919 ई. के भारत शासन अधिनियम (माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार) के अंतर्गत वैधानिक आयोग का गठन किया गया, जिसका कार्य दस वर्ष बाद जाँच करने के बाद अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करना था। इस अधिनियम में भारत में एक लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान भी किया गया और 1926 ई. में ली आयोग की सिफारिश पर सिविल सेवकों की भर्ती के लिए केन्द्रीय लोक सेवा आयोग का गठन किया गया।

73. माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार (भारत शासन अधिनियम, 1919 ई.) द्वारा भारत में पहली बार महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला, उस समय इंग्लैंड का प्रधानमंत्री था–
(अ) लियोनस कार्टियस (ब) लॉयड जार्ज
(स) लॉर्ड माण्टेग्यू (द) लॉर्ड चेम्सफोर्ड
उत्तर : (ब)
व्याख्या– माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार (भारत शासन अधिनियम, 1919 ई.) द्वारा भारत में पहली बार महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला, उस समय इंग्लैंड का प्रधानमंत्री लॉयड जार्ज था।

74. किस अधिनियम के अंतर्गत भारत में पहली बार महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

व्याख्या– माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार (भारत शासन अधिनियम, 1919 ई.) द्वारा भारत में पहली बार महिलाओं को वोट देने का अधिकार मिला, उस समय इंग्लैंड का प्रधानमंत्री लॉयड जार्ज था।

75. 1919 ई. के भारत शासन अधिनियम (माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार) के अंतर्गत केन्द्रीय विधानसभा को वायसराय के अध्यादेश जारी करने की शक्तियाँ के संबंध में निम्न में से कौनसा कथन सही है ?
1. कुछ विषयों से संबंधित विधेयकों को विचारार्थ प्रस्तुत करने के लिए उसकी पूर्व अनुमति आवश्यक थी।
2. उसे भारतीय विधान सभा द्वारा पारित किसी भी विधेयक को वीटो करने या सम्राट के विचार के लिए आरक्षित करने की शक्ति थी
(अ) केवल 1 (ब) केवल 2
(स) 1 और 2 दोनों (द) न तो 1 और न ही 2
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1919 ई. के भारत शासन अधिनियम (माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार) के अंतर्गत केन्द्रीय विधान सभा में वायसराय के अध्यादेश जारी करने की शक्तियों को निम्न रूप में बनाए रखा गया– (अ) कुछ विषयों से संबंधित विधेयकों को विचारार्थ प्रस्तुत करने के लिए उसकी पूर्व अनुमति आवश्यक थीं। (ब) वायसराय को भारतीय विधानसभा द्वारा पारित किसी भी विधेयक को वीटो करने अथवा सम्राट के विचारार्थ आरक्षित करने की शक्ति थी। (स) विधानमंडल द्वारा नामंजूर किए गए या पारित न किए गए किसी विधेयक या अनुदान को उसे प्रमाणित करने की शक्ति थी और ऐसे प्रमाणित विधेयक विधान मंडल द्वारा पारित विधेयक के समान हो जाते थे। (द) वह आपात स्थिति में अध्यादेश बना सकता था, जिनका अस्थायी अवधि के लिए विधि प्रभाव होता था।

76. 1919 ई. के भारत शासन अधिनियम के अंतर्गत केन्द्रीय विधानसभा को वायसराय के अध्यादेश जारी करने की शक्तियाँ के संबंध में निम्न में से कौनसा कथन सही है ?
1. विधानमंडल द्वारा नामंजूर किए गए या पारित न किए गए किसी विधेयक या अनुदान को उसे प्रमाणित करने की शक्ति थी और ऐसे प्रमाणित विधेयक विधान मंडल द्वारा पारित विधेयक के समान हो जाते थे।
2. वह आपात स्थिति में अध्यादेश बना सकता था, जिनका अस्थायी अवधि के लिए विधि प्रभाव होता था।
(अ) केवल 1 (ब) केवल 2
(स) 1 और 2 दोनों (द) न तो 1 और न ही 2
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1919 ई. के भारत शासन अधिनियम (माण्टेग्यू–चेम्सफोर्ड सुधार) के अंतर्गत केन्द्रीय विधान सभा में वायसराय के अध्यादेश जारी करने की शक्तियों को निम्न रूप में बनाए रखा गया– (अ) कुछ विषयों से संबंधित विधेयकों को विचारार्थ प्रस्तुत करने के लिए उसकी पूर्व अनुमति आवश्यक थीं। (ब) वायसराय को भारतीय विधानसभा द्वारा पारित किसी भी विधेयक को वीटो करने अथवा सम्राट के विचारार्थ आरक्षित करने की शक्ति थी। (स) विधानमंडल द्वारा नामंजूर किए गए या पारित न किए गए किसी विधेयक या अनुदान को उसे प्रमाणित करने की शक्ति थी और ऐसे प्रमाणित विधेयक विधान मंडल द्वारा पारित विधेयक के समान हो जाते थे। (द) वह आपात स्थिति में अध्यादेश बना सकता था, जिनका अस्थायी अवधि के लिए विधि प्रभाव होता था।

77. निम्नलिखित में से कौनसा अधिनियम साइमन कमीशन की रिपोर्ट पर आधारित था ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम साइमन कमीशन की रिपोर्ट पर आधारित था। इस अधिनियम में 321 अनुच्छेद और 10 अनुसूचियाँ थीं। इस अधिनियम में प्रस्तावना का अभाव था। पं. जवाहरलाल नेहरू ने इस अधिनियम को ''गुलामी का अधिकार पत्र'' कहा तथा साथ ही कहा कि–''एक कार जिसमें ब्रेक तो है पर इंजन नहीं है''। डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने इस अधिनियम के बारे में कहा है कि–''मुझे इस आरोप के संबंध में कोई क्षमा नहीं मांगनी है कि संविधान के प्रारूप में गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 ई. के बड़े भाग को पुनः उत्पादित कर दिया गया है।'' अखिल भारतीय संघ, प्रान्तीय स्वायत्तता, केन्द्र में द्वैध शासन की स्थापना, संघीय न्यायालय की व्यवस्था, ब्रिटिश संसद की सर्वोच्चता, भारत परिषद् का अन्त, साम्प्रदायिक निर्वाचन पद्धति का विस्तार आदि इस अधिनियम की विशेषताएँ थीं।

78. निम्नलिखित में से 1935 ई. के भारत शासन अधिनियम की विशेषता है–
(अ) अखिल भारतीय संघ की स्थापना
(ब) प्रान्तीय स्वायत्तता
(स) संघीय न्यायालय की स्थापना
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)

व्याख्या– 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम साइमन कमीशन की रिपोर्ट पर आधारित था। इस अधिनियम में 321 अनुच्छेद और 10 अनुसूचियाँ थीं। इस अधिनियम के द्वारा अखिल भारतीय संघ, 11 ब्रिटिश प्रान्तों, 6 चीफ कमिश्नर के क्षेत्रों और उन देशी रियासतों से मिलकर बनना था। प्रान्तों के लिए संघ में सम्मिलित होना अनिवार्य था, किन्तु देशी रियासतों के लिए यह ऐच्छिक था। देशी रियासतें संघ में सम्मिलित नहीं हुई और प्रस्तावित संघ की स्थापना–संबंधी घोषणा–पत्र जारी करने का मौका ही नहीं आया। इस अधिनियम के द्वारा प्रांतों में द्वैध शासन व्यवस्था का अन्त कर उन्हें एक स्वतंत्र और स्वशासित संवैधानिक आधार प्रदान किया गया। इस अधिनियम के तहत संघीय न्यायालय की व्यवस्था की गई। इसका अधिकार क्षेत्र प्रान्तों तथा रियासतों तक विस्तृत था। इस न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश तथा दो अन्य न्यायाधीशों की व्यवस्था की गयी। न्यायालय से संबंधित अंतिम शक्ति प्रिवी कौंसिल (लंदन) को प्राप्त थी।

79. निम्नलिखित में से 1935 ई. के भारत शासन अधिनियम की विशेषता है–
(अ) केन्द्र में द्वैध शासन की स्थापना
(ब) ब्रिटिश संसद की सर्वोच्चता
(स) भारत परिषद् का अन्त
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– इस अधिनियम के द्वारा केन्द्र में द्वैध शासन की स्थापना की गयी तथा विधायी शक्तियों को केन्द्र और प्रांतीय विधान मंडलों के बीच विभाजित किया गया। इसके तहत परिसंघ सूची, प्रांतीय सूची और समवर्ती सूची का निर्माण किया गया। इस अधिनियम में ब्रिटिश संसद को सर्वोच्चता दी गई। किसी भी प्रकार के परिवर्तन का अधिकार ब्रिटिश संसद के पास था। प्रांतीय विधान मंडल और संघीय व्यवस्थापिका में किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं कर सकते थे। इस अधिनियम के द्वारा भारत परिषद् का अन्त कर दिया गया।

80. निम्नलिखित में से किस अधिनियम के द्वारा साम्प्रदायिक निर्वाचन पद्धति का विस्तार दलित जातियों, महिलाओं और मजदूर वर्ग तक किया गया ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1935 ई. के भारत शासन अधिनियम के द्वारा साम्प्रदायिक निर्वाचन पद्धति का विस्तार किया गया। संघीय तथा प्रान्तीय व्यवस्थापिकाओं में विभिन्न सम्प्रदायों को प्रतिनिधित्व देने के लिए साम्प्रदायिक निर्वाचन पद्धति को जारी रखा गया और उसका विस्तार दलित जातियों, महिलाओं और मजदूर वर्ग तक किया गया।

81. 1935 ई. के भारत शासन अधिनियम के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(अ) इस अधिनियम में प्रस्तावना का अभाव था।
(ब) इसके द्वारा बर्मा को भारत से अलग कर दिया गया।
(स) इसने मताधिकार का विस्तार किया और 20% जनसंख्या को मत अधिकार मिल गया।
(द) भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना की गई।
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1935 ई. के भारत शासन अधिनियम में प्रस्तावना का अभाव था। इसके द्वारा बर्मा को भारत से अलग कर दिया गया। अदन को इंग्लैंड के औपनिवेशिक कार्यालय के अधीन कर दिया और बरार को मध्य प्रांत में शामिल कर लिया गया। इस अधिनियम के अंतर्गत देश की मुद्रा और साख पर नियंत्रण करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना की गई। इस अधिनियम के द्वारा मताधिकार का विस्तार किया गया और लगभग 10% जनसंख्या को मत अधिकार मिल गया।

82. किस अधिनियम के अंतर्गत केन्द्र में द्वैध शासन की स्थापना की गई ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) 1947 ई. का भारत शासन अधिनियम
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1935 ई. के भारत शासन अधिनियम के अंतर्गत विधायी शक्तियों को केन्द्र और प्रान्तीय विधान मंडलों के बीच विभाजित किया गया। इसके तहत परिसंघ सूची, प्रांतीय सूची एवं समवर्ती सूची का निर्माण किया गया। परिसंघ सूची के विषयों पर विधान मंडल को विधान बनाने की अनन्य शक्ति थी। विदेशी कार्य, करेंसी और मुद्रा, नौसेना, सेना, वायुसेना, जनगणना आदि परिसंघ सूची के विषय थे। प्रांतीय विषयों पर प्रांतीय विधान मंडलों की अनन्य अधिकारिता थी। इस सूची में वर्णित विषयों पर प्रांतीय विधान मंडल को कानून बनाने का अधिकार था। पुलिस, प्रांतीय लोक सेवा और शिक्षा आदि प्रांतीय सूची के विषय थे। समवर्ती सूची के विषयों पर परिसंघ एवं प्रांतीय विधान मंडल दोनों विधान बनाने के लिए सक्षम थे। दंडविधि और

प्रक्रिया, सिविल प्रक्रिया, विवाह एवं विवाह–विच्छेद आदि समवर्ती सूची के विषय थे।

83. किस अधिनियम के अंतर्गत देश की मुद्रा और साख पर नियंत्रण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना की गई ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) 1947 ई. का भारत शासन अधिनियम
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1935 ई. के भारत शासन अधिनियम के अंतर्गत देश की मुद्रा और साख पर नियंत्रण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की स्थापना की गई।

84. किस अधिनियम के अंतर्गत बर्मा को भारत से अलग कर दिया गया ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) 1947 ई. का भारत शासन अधिनियम
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1935 ई. के भारत शासन अधिनियम के अंतर्गत बर्मा को भारत से अलग कर दिया गया। अदन को इंग्लैंड के औपनिवेशिक कार्यालय के अधीन कर दिया गया और बरार को मध्य प्रांत में शामिल कर लिया गया।

85. किस अधिनियम के अंतर्गत मताधिकार का विस्तार किया गया और लगभग 10% जनसंख्या को मत अधिकार मिल गया ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) 1947 ई. का भारत शासन अधिनियम
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1935 ई. के भारत शासन अधिनियम के द्वारा मताधिकार का विस्तार किया गया। लगभग 10% जनसंख्या को मत अधिकार मिल गया।

86. 1935 ई. के भारत शासन अधिनियम के द्वारा केन्द्र में द्वैध शासन की स्थापना की गई, जिसके संबंध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(अ) इसके तहत परिसंघ सूची, प्रांतीय सूची एवं समवर्ती सूची का निर्माण किया गया।
(ब) विधायी शक्तियों को केन्द्र और प्रांतीय विधान मंडलों के बीच विभाजित किया गया।
(स) इस अधिनियम में अवशिष्ट शक्तियाँ वायसराय को दी गई।
(द) दो प्रांतीय विधान मंडलों के अनुरोध पर भी परिसंघ विधान मंडल प्रांतीय विधान मंडल के विषय पर विधान नहीं बना सकती थी।
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत शासन अधिनियम, 1935 के अंतर्गत विधायी शक्तियों को केन्द्र और प्रान्तीय विधान मंडलों के बीच विभाजित किया गया। इसके तहत परिसंघ सूची, प्रांतीय सूची एवं समवर्ती सूची का निर्माण किया गया। परिसंघ सूची के विषयों पर विधान मंडल को, प्रांतीय विषयों पर प्रांतीय विधान मंडलों को तथा समवर्ती सूची के विषयों पर परिसंघ एवं प्रांतीय विधान मंडल दोनों को विधान बनाने की अधिकारिता थी। किसी भी विधान मंडल को दूसरे की शक्तियों का अतिक्रमण करने का अधिकार नहीं था, लेकिन वायसराय द्वारा आपात की उद्घोषणा किये जाने पर परिसंघ विधान मंडल को प्रांतीय सूची के विषयों में विधान बनाने की शक्ति थी। दो प्रांतीय विधान मंडलों के अनुरोध पर भी परिसंघ विधान मंडल प्रांतीय विधान मंडल के विषय में विधान बना सकती थी। समवर्ती सूची के विषयों पर परिसंघ, प्रांत की विधि पर अभिभावी होती थी। इस अधिनियम में अवशिष्ट विधायी शक्ति वायसराय को दी गई।

87. ब्रिटिश संसद में भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम कब प्रस्तावित किया गया ?
(अ) 4 जुलाई, 1947 (ब) 18 जुलाई, 1947
(स) 15 अगस्त, 1947 (द) 14 अगस्त, 1947
उत्तर : (अ)
व्याख्या– ब्रिटिश संसद में 4 जुलाई, 1947 को 'भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम' प्रस्तावित किया गया, जो 18 जुलाई, 1947 को स्वीकृत किया गया।

88. ब्रिटिश संसद में 4 जुलाई 1947 को प्रस्तावित 'भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम' कब स्वीकृत किया गया ?
(अ) 4 जुलाई, 1947 (ब) 18 जुलाई, 1947
(स) 15 अगस्त, 1947 (द) 14 अगस्त, 1947
उत्तर : (ब)
व्याख्या– ब्रिटिश संसद में 4 जुलाई, 1947 को 'भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम' प्रस्तावित किया गया, जो 18 जुलाई, 1947 को स्वीकृत किया गया।

89. ब्रिटिश संसद में 18 जुलाई, 1947 को स्वीकृत 'भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम' में कुल कितनी धाराएँ थीं ?
(अ) 18 (ब) 20
(स) 25 (द) 22
उत्तर : (ब)
व्याख्या– ब्रिटिश संसद में 4 जुलाई, 1947 को 'भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम' प्रस्तावित किया गया, जो 18 जुलाई, 1947 को स्वीकृत किया गया। इस अधिनियम में कुल 20 धाराएँ थीं।

90. 1947 ई. के भारत शासन अधिनियम के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(अ) इस अधिनियम के अंतर्गत दो अधिराज्यों (भारत एवं पाकिस्तान) की स्थापना का प्रावधान किया गया।
(ब) संविधान सभा का विधान मंडल के रूप में कार्य करना।
(स) देशी रियासतों पर ब्रिटेन की सर्वोपरिता का अन्त कर दिया गया।
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1947 ई. के भारत शासन अधिनियम के प्रमुख प्रावधान निम्न हैं–(1) 15 अगस्त, 1947 को भारत एवं पाकिस्तान नामक दो अधिराज्य बना दिये जायेंगे और उनको ब्रिटिश सरकार सत्ता सौंप देगी। सत्ता का उत्तरदायित्व दोनों अधिराज्यों की संविधान सभा को सौंपी जायेगी। (2) भारत एवं पाकिस्तान दोनों अधिराज्यों में एक–एक गवर्नर जनरल होंगे, जिनकी नियुक्ति उनके मंत्रिमंडल की सलाह से की जायेगी। (3) जब तक संविधान सभाएँ, संविधान का निर्माण नहीं कर लेती, तब तक वे विधान मंडल के रूप में कार्य करती रहेंगी। (4) भारत–मंत्री के पद समाप्त कर दिये जायेंगे। (5) जब तक संविधान सभा द्वारा नया संविधान बनाकर तैयार नहीं किया जाता, तब तक उस दौरान भारतीय शासन अधिनियम, 1935 ई. के द्वारा ही शासन होगा। (6) देशी रियासतों पर ब्रिटेन की सर्वोपरिता का अन्त कर दिया गया, उनको भारत या पाकिस्तान, किसी भी अधिराज्य में सम्मिलित होने और अपने भावी संबंधों का निश्चय करने की स्वतंत्रता प्रदान की गयी। (7) इस अधिनियम के अधीन भारत डोमिनियन को सिंध, ब्लूचिस्तान, पश्चिमी पंजाब, पूर्वी बंगाल, पश्चिमोत्तर सीमा प्रांत और असम के सिलहट जिले को छोड़कर भारत का शेष राज्यक्षेत्र मिल गया। सिलहट जिले ने भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 ई. के प्रवृत्त होने के पूर्व जनमत संग्रह में पाकिस्तान के पक्ष में मत दिया गया।

91. दो अधिराज्यों 'भारत एवं पाकिस्तान' की स्थापना किस अधिनियम के प्रावधान में सम्मिलित है ?
(अ) 1909 ई. का भारत परिषद् अधिनियम
(ब) 1919 ई. का भारत शासन अधिनियम
(स) 1935 ई. का भारत शासन अधिनियम
(द) 1947 ई. का भारत शासन अधिनियम
उत्तर : (द)
व्याख्या– ब्रिटिश संसद में 4 जुलाई, 1947 को 'भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम' प्रस्तावित किया गया, जो 18 जुलाई, 1947 को स्वीकृत किया गया। इस अधिनियम में 20 धाराएँ थीं। इस अधिनियम में दो अधिराज्यों की स्थापना करने का प्रावधान था जिसके तहत 15 अगस्त, 1947 को भारत एवं पाकिस्तान नामक दो अधिराज्य बना दिये जायेंगे और उनको ब्रिटिश सरकार सत्ता सौंप देगी। सत्ता का उत्तरदायित्व दोनों अधिराज्यों की संविधान सभा को सौंपी जायेगी। भारत एवं पाकिस्तान दोनों अधिराज्यों में एक–एक गवर्नर जनरल होंगे, जिनकी नियुक्ति उनके मंत्रिमंडल की सलाह से की जायेगी।

92. 1947 ई. के भारत शासन अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों में शामिल है–
(अ) दो अधिराज्यों की स्थापना
(ब) संविधान सभा का विधान मंडल के रूप में कार्य करना
(स) 1935 के भारत शासन अधिनियम द्वारा शासन
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1947 ई. के भारत शासन अधिनियम के में वर्णित प्रावधानों में प्रमुख हैं– (1) दो अधिराज्यों की स्थापना–15 अगस्त, 1947 को भारत एवं पाकिस्तान नामक दो अधिराज्य बना दिये जायेंगे और उनको ब्रिटिश सरकार सत्ता सौंप देगी। सत्ता का उत्तरदायित्व दोनों अधिराज्यों की संविधान सभा को सौंपी जायेगी। (3) संविधान सभा का विधान मंडल के रूप में कार्य करना–जब तक संविधान सभाएँ संविधान का निर्माण नहीं कर लेती, तब तक वे विधान मंडल के रूप में कार्य करती रहेंगी। (5) 1935 ई. के भारत शासन अधिनियम द्वारा शासन–जब तक संविधान सभा द्वारा नया संविधान बनाकर तैयार नहीं किया जाता, तब तक उस समय 1935 के भारतीय शासन अधिनियम द्वारा ही शासन होगा।

93. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I
A. अगस्त घोषणा
B. अगस्त प्रस्ताव
C. अगस्त संकल्प
D. प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस
सूची–II
1. लार्ड लिनलिथगो
2. लार्ड मान्टेंग्यू
3. मुहम्मद अली जिन्ना
4. महात्मा गाँधी
(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
(स) A – 2, B – 1, C – 4, D - 3
(द) A – 2, B – 3, C – 1, D - 4
उत्तर : (स)

व्याख्या– लॉर्ड मांटेग्यू ने 20 अगस्त, 1917 ई. में ब्रिटिश संसद में यह घोषणा की कि ब्रिटिश सरकार का उद्देश्य भारत में उत्तरदायी शासन की स्थापना करना है। इसे अगस्त घोषणा भी कहते हैं। द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी के चांसलर हिटलर की असाधारण सफलता तथा बेल्जियम, हॉलैंड एवं फ्रांस के पतन के पश्चात् ब्रिटेन की स्थिति अत्यंत नाजुक हो गयी, फलस्वरूप ब्रिटेन ने समझौतावादी दृष्टिकोण की नीति अपनायी। युद्ध में भारतीयों का सहयोग प्राप्त करने के उद्देश्य से 8 अगस्त 1940 को वायसराय लिनलिथगो ने एक घोषणा की, जिसे अगस्त प्रस्ताव के नाम से जाना जाता है। अगस्त संकल्प का संबंध महात्मा गाँधी से है। भारत की स्वतंत्रता के पूर्व मुस्लिम लीग द्वारा 'सीधी कार्यवाही' की घोषणा से 14 अगस्त, 1946 को कोलकाता में भीषण दंगे शुरू हो गये। इसे कोलकाता दंगा या कलकत्ता का भीषण हत्याकांड कहते हैं।

94. भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 ई. के प्रवृत्त होने के पूर्व जनमत संग्रह में पाकिस्तान के पक्ष में मत दिया था–
(अ) हैदराबाद ने (ब) सिलहट जिले ने
(स) सिंध (द) पूर्वी बंगाल
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सिलहट जिले ने भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 ई. के प्रवृत्त होने से पूर्व जनमत संग्रह में पाकिस्तान के पक्ष में मत दिया था।

95. 1947 के भारत शासन अधिनियम के प्रावधानों में शामिल नहीं है–
(अ) भारत–मंत्री के पद समाप्त कर दिये जायेंगे।
(ब) देशी रियासतों पर ब्रिटेन की सर्वोपरिता का अन्त कर दिया गया।
(स) भारत एवं पाकिस्तान दो अधिराज्य बना दिये जायेंगे।
(द) इस अधिनियम के अधीन भारत डोमिनियन को सिंध,ब्लूचिस्तान, पश्चिमी पंजाब, पूर्वी बंगाल, पश्चिमोत्तर सीमा प्रांत और असम के सिलहट जिले भारत में मिल गया।
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1947 ई. के भारत शासन अधिनियम के प्रमुख प्रावधान निम्न हैं–(1) 15 अगस्त, 1947 को भारत एवं पाकिस्तान नामक दो अधिराज्य बना दिये जायेंगे और उनको ब्रिटिश सरकार सत्ता सौंप देगी। सत्ता का उत्तरदायित्व दोनों अधिराज्यों की संविधान सभा को सौंपी जायेगी। (2) भारत एवं पाकिस्तान दोनों अधिराज्यों में एक–एक गवर्नर जनरल होंगे, जिनकी नियुक्ति उनके मंत्रिमंडल की सलाह से की जायेगी। (3) जब तक संविधान सभाएँ संविधान का निर्माण नहीं कर लेती, तब तक वे विधान मंडल के रूप में कार्य करती रहेंगी। (4) भारत–मंत्री के पद समाप्त कर दिये जायेंगे। (5) जब तक संविधान सभा द्वारा नया संविधान बनाकर तैयार नहीं किया जाता, तब तक उस समय 1935 के भारतीय शासन अधिनियम द्वारा ही शासन होगा। (6) देशी रियासतों पर ब्रिटेन की सर्वोपरिता का अन्त कर दिया गया, उनको भारत या पाकिस्तान, किसी भी अधिराज्य में सम्मिलित होने और अपने भावी संबंधों का निश्चय करने की स्वतंत्रता प्रदान की गयी। (7) इस अधिनियम के अधीन भारत डोमिनियन को सिंध, ब्लूचिस्तान, पश्चिमी पंजाब, पूर्वी बंगाल, पश्चिमोत्तर सीमा प्रांत और असम के सिलहट जिले को छोड़कर भारत का शेष राज्यक्षेत्र मिल गया। सिलहट जिले ने भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 ई. के प्रवृत्त होने के पूर्व जनमत संग्रह में पाकिस्तान के पक्ष में मत दिया गया।

2.भारतीय संविधान सभा

96. ''भारतीय संविधान भारतीयों की इच्छानुसार होगा'' यह किसका कथन था ?
(अ) महात्मा गांधी (ब) मोतीलाल नेहरु
(स) गोपालकृष्ण गोखले (द) जवाहरलाल नेहरु
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1922 ई. में महात्मा गांधी ने कहा था कि ''भारतीय संविधान भारतीयों की इच्छानुसार होगा''।

97. 1924 ई. में किसके द्वारा ब्रिटिश सरकार से यह माँग की गई कि भारतीय संविधान के निर्माण के लिए संविधान सभा का गठन किया जाए ?
(अ) एम.एन. राय (ब) मोतीलाल नेहरु
(स) महात्मा गांधी (द) जवाहरलाल नेहरु
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 1924 ई. में पंडित मोतीलाल नेहरू ने ब्रिटिश सरकार के सम्मुख संविधान सभा के निर्माण की माँग प्रस्तुत की थी, किन्तु औपचारिक रूप से संविधान सभा के विचार का प्रतिपादन सर्वप्रथम एम.एन. राय ने किया था। इसे लोकप्रिय बनाने एवं मूर्त रूप देने का कार्य 1939 ई. में पंडित जवाहर लाल नेहरू ने किया।

98. संविधान सभा के विचार का औपचारिक रूप से प्रतिपादन किसके द्वारा किया गया ?
(अ) एम.एन. राय (ब) मोतीलाल नेहरु
(स) महात्मा गांधी (द) जवाहरलाल नेहरु
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1924 ई. में पंडित मोतीलाल नेहरू ने ब्रिटिश सरकार के सम्मुख संविधान सभा के निर्माण की माँग प्रस्तुत की थी, किन्तु औपचारिक रूप से संविधान सभा के विचार का प्रतिपादन सर्वप्रथम एम.एन. राय ने किया था। इसे लोकप्रिय बनाने एवं मूर्त रूप देने का कार्य 1939 ई. में जवाहर लाल नेहरू ने किया।

99. संविधान सभा को किसने मूर्त रूप प्रदान किया ?
(अ) एम.एन. राय (ब) मोतीलाल नेहरु
(स) महात्मा गांधी (द) जवाहरलाल नेहरु
उत्तर : (द)
व्याख्या–1924 ई. में पंडित मोती लाल नेहरू ने ब्रिटिश सरकार के सम्मुख संविधान सभा के निर्माण की माँग प्रस्तुत की थी, किन्तु औपचारिक रूप से संविधान सभा के विचार का प्रतिपादन सर्वप्रथम एम.एन. राय ने किया था। इसे लोकप्रिय बनाने एवं मूर्त रूप देने का कार्य 1939 ई. में जवाहर लाल नेहरू ने किया।

100. संविधान सभा के गठन की माँग सर्वप्रथम वर्ष 1895 में किसके द्वारा प्रस्तुत की गई ?
(अ) बी.आर. अम्बेडकर (ब) मोतीलाल नेहरु
(स) बाल गंगाधर तिलक (द) जवाहरलाल नेहरु
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान सभा के निर्माण की सर्वप्रथम माँग बाल गंगाधर तिलक द्वारा 1895 ई. में 'स्वराज विधेयक' द्वारा की गई।

101. कांग्रेस ने किस वर्ष किसी प्रकार के बाह्य हस्तक्षेप के बिना भारतीय जनता द्वारा संविधान के निर्माण की मांग को लेकर प्रस्ताव पारित किया था ?
(अ) 1931 ई. (ब) 1936 ई.
(स) 1928 ई. (द) 1942 ई.
उत्तर : (ब)
व्याख्या– काँग्रेस ने 1936 ई. में किसी प्रकार के बाह्य हस्तक्षेप के बिना भारतीय जनता द्वारा संविधान के निर्माण की माँग को लेकर प्रस्ताव पारित किया था।

102. 1938 ई. में किस व्यक्ति ने वयस्क मताधिकार के आधार पर संविधान सभा के गठन की मांग की ?
(अ) एम.एन. राय (ब) मोतीलाल नेहरु
(स) महात्मा गांधी (द) जवाहरलाल नेहरु
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1938 ई. में जवाहर लाल नेहरू ने वयस्क मताधिकार के आधार पर संविधान सभा के गठन की माँग की।

103. वर्ष 1942 में किस योजना के तहत यह स्वीकार किया गया कि भारत में एक निर्वाचित संविधान सभा का गठन होगा, जो युद्धोपरांत संविधान का निर्माण करेगी ?
(अ) क्रिप्स योजना
(ब) माउंटबेटन योजना
(स) कैबिनेट मिशन योजना
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– वर्ष 1942 में क्रिप्स मिशन योजना के तहत यह स्वीकार किया कि भारत में एक निर्वाचित संविधान सभा का गठन होगा, जो युद्धोपरांत संविधान का निर्माण करेगी। क्रिप्स मिशन 1942 के तहत ब्रिटिश सरकार एक ऐसे भारतीय उपनिवेश या अधिराज्या की स्थापना करना चाहती थी, जोकि ब्रिटिश मुकुट के प्रति अपनी निष्ठा के कारण ब्रिटेन तथा उपनिवेशों से अपना सम्बन्ध रखेगा।

104. भारत की संविधान सभा गठित करने का आधार क्या था ?
(अ) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रस्ताव
(ब) कैबिनेट मिशन योजना, 1946
(स) भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) SSC 2004
व्याख्या– संविधान के निर्माण के लिए भारत की संविधान सभा का गठन कैबिनेट मिशन योजना के द्वारा सुझाए गए प्रस्तावों के तहत वर्ष 1946 में किया गया।

105. भारत की संविधान सभा किसके अनुसार गठित की गई ?
(अ) साइमन कमीशन का प्रस्ताव
(ब) क्रिप्स प्रस्ताव
(स) माउंटबेटन योजना
(द) कैबिनेट मिशन योजना
उत्तर : (द) SSC 2001
व्याख्या– भारत की संविधान सभा का गठन कैबिनेट मिशन योजना द्वारा सुझाए गए प्रस्तावों के तहत वर्ष 1946 में किया गया था। संविधान सभा का गठन भारत के संविधान के निर्माण के लिए किया गया था।

106. कैबिनेट मिशन योजना के अनुसार संविधान सभा में कुल कितने सदस्य होने थे ?
(अ) 389 (ब) 369
(स) 390 (द) 379
उत्तर : (अ)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना, 1946 के अनुसार संविधान सभा में कुल 389 सदस्य थे, जिनमें से 292 सदस्य भारतीय प्रांतों से, 4 मुख्य कमिश्नरी क्षेत्र से तथा 93 देशी रियासतों से चुने जाते थे।

107. संविधान सभा के विभिन्न प्रान्तों के लिए 292 सदस्यों का निर्वाचन होना था। इनमें से कांग्रेस के कितने प्रतिनिधि निर्वाचित होकर आए ?
(अ) 195 (ब) 208
(स) 210 (द) 212
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान सभा के विभिन्न प्रान्तों के लिए 292 सदस्यों का निर्वाचन होना था। इनमें से कांग्रेस के 208 प्रतिनिधि निर्वाचित होकर आए।

108. पुनर्गठन के फलस्वरूप वर्ष 1947 में संविधान सभा के सदस्यों की संख्या कितनी रह गई ?
(अ) 289 (ब) 299
(स) 269 (द) 279
उत्तर : (ब)
व्याख्या– देश विभाजन के बाद संविधान सभा का पुनर्गठन 31 अक्टूबर, 1947 ई. को किया गया। 31 दिसम्बर, 1947 ई. को संविधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या 299 थीं, जिसमें प्रांतीय सदस्यों की संख्या 229 एवं देशी रियासतों के सदस्यों की संख्या 70 थी।

109. प्रस्तावित मूल संविधान में कुल सदस्यों का विभाजन किस प्रकार होना निश्चित हुआ था ?
(अ) ब्रिटिश प्रान्तों के 292 प्रतिनिधि
(ब) देशी रियासतों के 93 प्रतिनिधि
(स) मुख्य कमिश्नरी क्षेत्र के 4 प्रतिनिधि
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना, 1946 के अनुसार संविधान सभा में कुल 389 सदस्य थे जिनमें से 292 सदस्य भारतीय प्रांतों से, 4 मुख्य कमिश्नरी क्षेत्र से तथा 93 देशी रियासतों से चुने जाते थे।

110. संविधान सभा (पुनर्गठित) में देशी रियासतों के लिए कितने प्रतिनिधि थे ?
(अ) 109 (ब) 70
(स) 76 (द) 65
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान सभा (पुनर्गठित) में देशी रियासतों के लिए 70 प्रतिनिधि थे।

111. पुनर्गठित संविधान सभा में विभिन्न प्रान्तों के लिए कितने प्रतिनिधि थे ?
(अ) 229 (ब) 280
(स) 269 (द) 289
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पुनर्गठित संविधान सभा में विभिन्न प्रांतों के लिए 229 प्रतिनिधि थे।

112. कैबिनेट मिशन योजना के अंतर्गत संविधान निर्मात्री परिषद् में प्रत्येक प्रांत की आवंटित सदस्य संख्या निर्धारित करने के लिए एक प्रतिनिधि कितनी जनसंख्या के अनुपात में था ?
(अ) 8 लाख व्यक्ति (ब) 10 लाख व्यक्ति
(स) 11 लाख व्यक्ति (द) 9 लाख व्यक्ति
उत्तर : (ब)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन 24 मार्च, 1946 ई. को दिल्ली पहुँचा। इसके शिष्टमंडल में कुल तीन सदस्य थे–भारत सचिव लॉर्ड पैथिक लॉरेंस, व्यापार बोर्ड के अध्यक्ष स्टेफर्ड क्रिप्स और नौ सेना के प्रमुख ए.वी. अलेक्जेंडर। 16 मई, 1946 ई. को कैबिनेट मिशन ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। संविधान सभा के गठन के संबंध में मिशन ने वयस्क मताधिकार पर आधारित निर्वाचन से इन्कार कर दिया, क्योंकि इसमें अत्यंत विलम्ब होगा। यह व्यवस्था की गई कि संविधान निर्मात्री सभा का गठन अप्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा किया जाना चाहिए। इस उद्देश्य से प्रत्येक प्रांत को उसकी जनसंख्या के अनुपात में कुछ स्थान आवंटित किया जाना चाहिए, जो सामान्यतः 10 लाख की जनसंख्या पर एक हो।

113. संविधान सभा में किस प्रांत का प्रतिनिधित्व सबसे अधिक था ?
(अ) बंगाल (ब) चेन्नई
(स) मुम्बई (द) संयुक्त प्रांत
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान सभा में संयुक्त प्रांत का प्रतिनिधित्व सबसे अधिक था। संयुक्त प्रांत भारत के स्वतंत्र होने के बाद एक प्रमुख प्रांत था। यह संयुक्त प्रांत 1 अप्रैल, 1937 को अस्तित्व में आया, जब तत्कालीन अंग्रेजों ने यूनाइटेड प्रोविसेंस' को छोटा किया। इसके अंतर्गत लगभग वही भू–भाग आता था, जो वर्तमान में उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड को मिलाकर बनता है।

114. संविधान सभा के सदस्यों को निम्न में से किसने प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित किया ?
(अ) संघीय व्यवस्थापिका
(ब) प्रान्तों की विधानसभा
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान सभा के सदस्यों को प्रान्तों की विधानसभा ने प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित किया।

115. संविधान सभा में किस देशी रियासत के प्रतिनिधि ने भाग नहीं लिया था ?
(अ) जूनागढ़ (ब) हैदराबाद
(स) कश्मीर (द) मैसूर
उत्तर : (ब)
व्याख्या– हैदराबाद एक ऐसी रियासत थी, जिसके प्रतिनिधि संविधान सभा में सम्मिलित नहीं हुए थे। हैदराबाद को भारत में शामिल करने के लिए जो सैन्य अभियान चलाया गया, उसे ऑपरेशन पोलो कहा जाता है। इस अभियान की जरूरत इसलिए पड़ी, क्योंकि हैदराबाद के निजाम ने भारत में शामिल होने के बजाय स्वतंत्र रहने का फैसला किया था।

116. संविधान सभा का चुनाव निम्न में से किस आधार पर हुआ था ?
(अ) सर्व मताधिकार (ब) सीमित अधिकार
(स) वर्गीय मताधिकार (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत की संविधान सभा का चुनाव वर्गीय मताधिकार के आधार पर हुआ।

117. बी.आर. अम्बेडकर का संविधान सभा में निर्वाचन हुआ था–
(अ) पश्चिम बंगाल से
(ब) मुम्बई प्रेसिडेंसी से
(स) तत्कालीन मध्य भारत से
(द) पंजाब से
उत्तर : (अ) IAS 1999
व्याख्या– बी.एन. राव द्वारा तैयार किए गए संविधान के प्रारूप पर विचार–विमर्श करने के लिए संविधान सभा द्वारा 29 अगस्त, 1947 को एक संकल्प पारित करके प्रारूप समिति का गठन किया गया तथा इसके अध्यक्ष के रूप में डॉ. भीमराव अम्बेडकर को चुना गया। संविधान सभा में अम्बेडकर का निर्वाचन पश्चिम बंगाल से हुआ था।

118. संविधान सभा के सदस्य प्रतिनिधि थे–
(अ) जनता द्वारा प्रत्यक्ष निर्वाचित
(ब) जनता द्वारा अप्रत्यक्ष निर्वाचित
(स) गवर्नर जनरल द्वारा मनोनीत
(द) कांग्रेस और मुस्लिम लीग द्वारा नामांकित
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान सभा में प्रायः सभी सम्प्रदायों के प्रतिनिधि शामिल थे। उसमें हिन्दू, मुस्लिम, सिख, अनुसूचित जातियों के प्रतिनिधियों के साथ–साथ ईसाई, पारसी तथा एंग्लो–इंडियन समुदाय के भी प्रतिनिधि थे। महिलाओं की प्रतिनिधि के रूप में पंडित विजय लक्ष्मी, दुर्गाबाई, सरोजिनी नायडू तथा बेगम रसूल थीं। ऑस्टिन के शब्दों में ''भारतीय संविधान की एक लघु झाँकी प्रस्तुत की गयी थी''। यह सही है कि संविधान सभा का निर्वाचन अप्रत्यक्ष रूप से किया गया था और इस आधार पर यह भारतीय जनता के प्रति उत्तरदायी नहीं थी, परन्तु एक प्रतिनिधिक संस्था अवश्य थी।

119. भारतीय संविधान निर्मात्री सभा–
(अ) प्रान्तों की जनता द्वारा चुनी गई
(ब) प्रांतीय विधान सभाओं द्वारा परोक्ष रूप से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली द्वारा चुनी गई थी
(स) गवर्नर जनरल द्वारा गठन किया गया था
(द) वयस्क मताधिकार के आधार पर भारतीय नागरिकों द्वारा चुनी गई थी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान निर्मात्री सभा प्रांतीय विधान सभाओं द्वारा परोक्ष रूप से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली द्वारा चुनी गई थी।

120. भारतीय संविधान को किसने बनाया था ?
(अ) ब्रिटिश संसद ने (ब) भारतीय संसद ने
(स) गवर्नर जनरल ने (द) संविधान सभा ने
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत का संविधान, भारत का सर्वोच्च विधान है जो संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर, 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी हुआ। 26 नवम्बर को भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया जबकि 26 जनवरी का दिन भारत में गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश के संविधान से लम्बा लिखित संविधान है।

121. मुस्लिम लीग ने किस कारण संविधान सभा का बहिष्कार किया ?
(अ) मुस्लिम लीग, संविधान सभा का अध्यक्ष किसी मुस्लिम को बनाना चाहती थी
(ब) मुस्लिम लीग को संविधान सभा में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिला था
(स) मुस्लिम लीग मुस्लिमों के लिए एक अलग संविधान सभा चाहती थी
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (स)
व्याख्या– मुस्लिम लीग ने संविधान सभा का बहिष्कार इसलिए किया, क्योंकि मुस्लिम लीग

मुस्लिमों के लिए एक अलग संविधान सभा चाहती थी।

122. भारतीय संविधान सभा की स्थापना कब हुई ?
(अ) 9 दिसम्बर, 1946
(ब) 10 जून, 1946
(स) 26 नवम्बर, 1949
(द) 26 दिसम्बर, 1946
उत्तर : (अ)
व्याख्या–भारतीय संविधान सभा की स्थापना 9 दिसम्बर, 1946 को उसकी प्रथम बैठक के आरंभ होने के साथ हुई थी। 20 नवम्बर, 1946 को वायसराय ने निर्वाचित प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया कि वे 9 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा की पहली बैठक में उपस्थित हो।

123. संविधान सभा के लिए चुनाव कब सम्पन्न हुए ?
(अ) 1945 (ब) 1946
(स) 1948 (द) 1947
उत्तर : (ब)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन की संस्तुतियों के आधार पर भारतीय संविधान का निर्माण करने वाली संविधान सभा का गठन जुलाई, 1946 ई. में किया गया।

124. संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन कहाँ हुआ था ?
(अ) मुम्बई (ब) कोलकाता
(स) लाहौर (द) दिल्ली
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन 9 दिसम्बर, 1946 को संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष दिल्ली में प्रारम्भ हुआ था। सच्चिदानन्द सिन्हा इसके अस्थायी अध्यक्ष चुने गये, बाद में 11 दिसम्बर, 1946 को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को स्थायी अध्यक्ष चुना गया तथा उनकी अध्यक्षता में संविधान निर्माण प्रक्रिया प्रारम्भ हुई।

125. संविधान सभा के उद्घाटन अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की थी ?
(अ) जवाहरलाल नेहरु (ब) सच्चिदानंद सिन्हा
(स) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (द) सी. राजगोपालाचारी
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या– 9 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता अस्थायी अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा ने की थी। 11 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को निर्विरोध संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया।

126. संविधान सभा का पहला सत्र कब हुआ था ?
(अ) 16 अगस्त, 1947 (ब) 26 जनवरी, 1948
(स) 9 दिसम्बर, 1946 (द) 26 नवम्बर, 1946
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा ने किया था। संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसम्बर 1946 को हुई। 11 दिसम्बर, 1946 को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को अध्यक्ष एवं एच.सी. मुखर्जी को उपाध्यक्ष चुना गया। सर बी.एन. राव को सभा का संवैधानिक सलाहकार नियुक्त किया गया। संविधान सभा की पहली बैठक में केवल 211 सदस्यों ने भाग लिया।

127. संविधान सभा के अस्थायी अध्यक्ष कौन थे ?
(अ) जवाहरलाल नेहरु (ब) सच्चिदानंद सिन्हा
(स) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (द) सी. राजगोपालाचारी
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या– भारतीय संविधान सभा की स्थापना 9 दिसम्बर, 1946 को उसकी प्रथम बैठक के आरंभ होने के साथ हुई थी। 9 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता अस्थायी अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा ने की थी। 11 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को निर्विरोध संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया।

128. 11 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा ने किसे निर्विरोध संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया ?
(अ) जवाहरलाल नेहरु (ब) सच्चिदानंद सिन्हा
(स) बी.आर. अम्बेडकर (द) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
उत्तर : (द) RRB 2002
व्याख्या– 9 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता अस्थायी अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा ने की थी। 11 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को निर्विरोध संविधान के स्थायी अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया।

129. संविधान सभा के संवैधानिक सलाहकार कौन थे ?
(अ) शरत चन्द्र बोस
(ब) के.एम. मुंशी
(स) रफी अहमद किदवई
(द) बी.एन. राव
उत्तर : (द) RRB 2005
व्याख्या– संविधान सभा की 11 दिसम्बर, 1946 की बैठक में समितियों, उपसमितियों तथा संविधान सभा के अध्यक्ष की सहायता के लिए बी.एन.राव को संविधान सभा का संवैधानिक सलाहकार नियुक्त किया गया। इन्होंने अक्टूबर, 1947 में संविधान का पहला प्रारूप तैयार किया था जिसमें 243 अनुच्छेद और 13 अनुसूचियाँ थीं। 29 अगस्त, 1947 को संविधान सभा ने प्रारूप समिति का निर्वाचन किया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रारूप समिति के सभापति नियुक्त हुए। प्रारूप समिति के सदस्यों की संख्या सात थीं– 1.डॉ. भीमराव अम्बेडकर (अध्यक्ष), 2.एन. गोपाल स्वामी आयंगर, 3.अल्लादी कृष्णा अय्यर, 4. कन्हैयालाल मणिकलाल मुंशी, 5.सैय्यद मोहम्मद सादुल्ला, 6.एन.माधव राव (बी.एल. मित्र के स्थान

पर), 7.टी.टी कृष्णामाचारी (1948 ई. में डी.पी. खेतान की मृत्यु के बाद)।

130. संविधान सभा के चुने हुए स्थायी अध्यक्ष कौन थे ?
(अ) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
(ब) सच्चिदानंद सिन्हा
(स) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(द) एस. राधाकृष्णन
उत्तर : (स)
व्याख्या– 9 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता अस्थायी अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा ने की थी। 11 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा ने डॉ. राजेन्द्र प्रसदा को निर्विरोध संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया।

131. निम्नलिखित में से कौन संविधान सभा का सदस्य नहीं था ?
(अ) के.एम. मुंशी
(ब) एच.एच. बेग
(स) एन. गोपालस्वामी आयंगर
(द) टी.टी. कृष्णमाचारी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– एच.एच. बेग संविधान सभा का सदस्य नहीं था। वे कश्मीरी भाषा के विख्यात साहित्यकार थे। इनके द्वारा रचित एक कविता संग्रह 'लोली वेतसर' है।

132. संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष कौन थे ?
(अ) बी.एन. राव (ब) बी.आर. अम्बेडकर
(स) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (द) सच्चिदानंद सिन्हा
उत्तर : (स) RRB 2005
व्याख्या– 9 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता अस्थायी अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा ने की थी। 11 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को निर्विरोध संविधान के स्थायी अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया।

133. संविधान सभा के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन हेतु संविधान सभा ने कितनी समितियाँ नियुक्त की गई थी ?
(अ) 9 (ब) 12
(स) 13 (द) 16
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के विभिन्न पहलुओं के अध्ययन हेतु संविधान सभा ने 13 समितियाँ नियुक्त की थी। 22 जनवरी, 1947 ई. को उद्देश्य प्रस्ताव की स्वीकृति के बाद संविधान सभा ने संविधान निर्माण हेतु अनेक समितियाँ नियुक्त की। इनमें प्रमुख थीं–वार्ता समिति, संघ संविधान समिति, प्रांतीय संविधान समिति, संघ शक्ति समिति, प्रारूप समिति आदि।

134. संविधान सभा की प्रारूप (मसविदा) समिति के अध्यक्ष थे–
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (ब) जवाहरलाल नेहरु
(स) बी.आर. अम्बेडकर (द) पुरुषोत्तम दास टंडन
उत्तर : (स) SSC 1999
व्याख्या– संविधान सभा की 11 दिसम्बर, 1946 की बैठक में समितियों, उपसमितियों तथा संविधान सभा के अध्यक्ष की सहायता के लिए बी.एन. राव को संविधान सभा का संवैधानिक सलाहकार नियुक्त किया गया। इन्होंने अक्टूबर, 1947 में संविधान का पहला प्रारूप तैयार किया था, जिसमें 243 अनुच्छेद और 13 अनुसूचियाँ थीं। 29 अगस्त, 1947 को संविधान सभा ने प्रारूप समिति का निर्वाचन किया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रारूप समिति के सभापति नियुक्त हुए। प्रारूप समिति के सदस्यों की संख्या सात थीं–1.डॉ. भीमराव अम्बेडकर (अध्यक्ष), 2.एन. गोपाल स्वामी आयंगर, 3.अल्लादी कृष्णा अय्यर, 4.कन्हैयालाल मणिकलाल मुंशी, 5.सैय्यद मोहम्मद सादुल्ला, 6.एन.माधव राव (बी.एल. मित्र के स्थान पर), 7.टी.टी कृष्णामाचारी (1948 ई. में डी.पी. खेतान की मृत्यु के बाद)।

135. संविधान सभा के प्रारूप समिति की नियुक्ति कब की गई ?
(अ) 29 अप्रैल, 1947 (ब) 11 जून, 1947
(स) 29 अगस्त, 1947 (द) 16 दिसम्बर, 1947
उत्तर : (स)
व्याख्या–संविधान सभा की 11 दिसम्बर, 1946 की बैठक में समितियों, उपसमितियों तथा संविधान सभा के अध्यक्ष की सहायता के लिए बी.एन. राव को संविधान सभा का संवैधानिक सलाहकार नियुक्त किया गया। इन्होंने अक्टूबर, 1947 में संविधान का पहला प्रारूप तैयार किया था, जिसमें 243 अनुच्छेद और 13 अनुसूचियाँ थीं। 29 अगस्त, 1947 को संविधान सभा ने प्रारूप समिति का निर्वाचन किया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रारूप समिति के सभापति नियुक्त हुए। प्रारूप समिति के सदस्यों की संख्या सात थीं– 1.डॉ. भीमराव अम्बेडकर (अध्यक्ष), 2.एन. गोपाल स्वामी आयंगर, 3.अल्लादी कृष्णा अय्यर, 4.कन्हैयालाल मणिकलाल मुंशी, 5.सैय्यद मोहम्मद सादुल्ला, 6.एन.माधव राव (बी.एल. मित्र के स्थान पर), 7.टी.टी कृष्णामाचारी (1948 ई. में डी.पी. खेतान की मृत्यु के बाद)।

136. निम्न में से कौन भारतीय संविधान की प्रारूप (मसविदा) समिति के सदस्य नहीं थे ?
(अ) गोपालाचारी आयंगर
(ब) अलादि कृष्णास्वामी
(स) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
(द) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
उत्तर : (द) SSC 2015

व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रारूप समिति के सदस्यों की संख्या सात थीं– 1.डॉ. भीमराव अम्बेडकर (अध्यक्ष), 2.एन.गोपाल स्वामी आयंगर, 3.अल्लादी कृष्णा अय्यर, 4.कन्हैयालाल मणिकलाल मुंशी, 5.सैय्यद मोहम्मद सादुल्ला, 6.एन.माधव राव (बी.एल. मित्र के स्थान पर), 7.टी.टी कृष्णामाचारी (1948 ई. में डी.पी. खेतान की मृत्यु के बाद)।

137. निम्नलिखित में से कौन संविधान सभा की प्रारूप (मसविदा) समिति का सदस्य नहीं था ?
(अ) जवाहरलाल नेहरु (ब) मो. सादुल्ला
(स) के.एम. मुंशी (द) गोपालाचारी आयंगर
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रारूप समिति या संविदा समिति (ड्राफ्ट कमेटी) के अध्यक्ष डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के अलावा 6 सदस्य थे–अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर, एन.माधवराव, के.एम.मुंशी, एन. गोपालस्वामी आयंगर, टी.टी. कृष्णामाचारी, सैय्यद मोहम्मद सादुल्ला। जवाहर लाल नेहरू इस समिति के सदस्य नहीं थे। इसमें बी.एल. मित्र के स्थान पर एन. माधवराव तथा डी.पी. खेतान की मृत्यु के पश्चात् टी.टी. कृष्णामचारी को सदस्य बनाया गया।

138. संविधान सभा की प्रारूप (मसविदा) समिति के समक्ष प्रस्तावना का प्रस्ताव किसने रखा ?
(अ) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
(ब) बी.एन. राव
(स) महात्मा गांधी
(द) जवाहरलाल नेहरु
उत्तर : (द) RRB 2006, SSC 2011
व्याख्या– संविधान सभा की प्रारूप (मसविदा) समिति की नियुक्ति 29 अगस्त, 1947 में की गयी। भारतीय संविधान सभा की प्रारूप (मसविदा) समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव अम्बेडकर थे। संविधान प्रारूप समिति के समक्ष प्रस्तावना का प्रस्ताव जवाहर लाल नेहरू ने रखा।

139. संविधान सभा के प्रारूप (मसविदा) समिति में सदस्यों की संख्या थी–
(अ) 5 (ब) 7
(स) 9 (द) 11
उत्तर : (ब)
व्याख्या–संविधान सभा की 11 दिसम्बर, 1946 की बैठक में समितियों, उपसमितियों तथा संविधान सभा के अध्यक्ष की सहायता के लिए सर बेनेगल नर्सिंग राव को संविधान सभा का संवैधानिक सलाहकार नियुक्त किया गया। इन्होंने अक्टूबर, 1947 में संविधान का पहला प्रारूप तैयार किया था जिसमें 243 अनुच्छेद और 13 अनुसूचियाँ थीं। 29 अगस्त, 1947 को संविधान सभा ने प्रारूप समिति का निर्वाचन किया। डॉ. भीमराव अम्बेडकर प्रारूप समिति के सभापति नियुक्त हुए। प्रारूप समिति के सदस्यों की संख्या सात थीं– 1.डॉ. भीमराव अम्बेडकर (अध्यक्ष), 2.एन.गोपाल स्वामी आयंगर, 3.अल्लादी कृष्णा अय्यर, 4.कन्हैयालाल मणिकलाल मुंशी, 5.सैय्यद मोहम्मद सादुल्ला, 6.एन. माधव राव (बी.एल. मित्र के स्थान पर), 7.टी.टी कृष्णामाचारी (1948 ई. में डी.पी. खेतान की मृत्यु के बाद)।

140. संविधान सभा में सभी निर्णय किस आधार पर लिए गए ?
(अ) एकता और अखण्डता
(ब) बहुमत
(स) सर्वसम्मति
(द) सहमति और समायोजना
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान सभा में सभी निर्णय सहमति और समायोजना के आधार पर लिए गए।

141. भारतीय संविधान सभा की संघीय शक्ति समिति के अध्यक्ष कौन थे ?
(अ) सरदार बल्लभ भाई पटेल
(ब) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
(स) अल्लादी कृष्णास्वामी अय्यर
(द) पं. जवाहरलाल नेहरु
उत्तर : (द) SSC 2003
व्याख्या– भारतीय संविधान सभा की संघीय शक्ति समिति के अध्यक्ष पंडित जवाहर लाल नेहरू थे।

142. भारतीय संविधान को अपनाया गया–
(अ) संविधान सभा द्वारा
(ब) गवर्नर जनरल द्वारा
(स) ब्रिटिश संसद द्वारा
(द) भारतीय संसद द्वारा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान को संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर, 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी हुआ। 26 नवम्बर भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है जबकि 26 जनवरी का दिन भारत मे गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है।

143. संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव किसने प्रस्तुत किया ?
(अ) सच्चिदानंद सिन्हा
(ब) जवाहरलाल नेहरु
(स) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर
(द) आचार्य जे.बी. कृपलानी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 13 दिसम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव को प्रस्तुत किया। इस उद्देश्य प्रस्ताव को संविधान की आत्मा का आधार भी कहा जाता है। इस प्रस्ताव को

संविधान सभा द्वारा 22 जनवरी, 1947 को अपना लिया गया।

144. भारत को एक संविधान देने का प्रस्ताव संविधान सभा द्वारा पारित किया गया था–
(अ) 22 जनवरी, 1946 (ब) 22 जनवरी, 1947
(स) 20 जनवरी, 1947 (द) 26 जुलाई, 1946
उत्तर : (ब) UPPCS 2006
व्याख्या– 13 दिसम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव को प्रस्तुत किया। इस उद्देश्य प्रस्ताव को संविधान की आत्मा का आधार भी कहा जाता है। इस प्रस्ताव को संविधान सभा द्वारा 22 जनवरी, 1947 को पारित किया गया। आगे चलकर यही उद्देश्य प्रस्ताव प्रस्तावना का प्रारूप बना।

145. संविधान निर्मात्री परिषद् की 'झंडा समिति' के अध्यक्ष थे–
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (ब) जवाहरलाल नेहरु
(स) बी.आर. अम्बेडकर (द) के.एम. मुंशी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान सभा ने संविधान निर्माण हेतु अनेक समितियाँ नियुक्त की थी, जिसमें झण्डा समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे। इस समिति के द्वारा 22 जुलाई, 1947 को पेंगली वेकैया द्वारा डिजाइन किए गए भारतीय ध्वज को स्वीकार किया गया।

146. राष्ट्रीय झंडे की अभिकल्पना को भारत की संविधान सभा में ग्रहण किया गया था–
(अ) जुलाई, 1948 में (ब) जुलाई, 1950 में
(स) जुलाई, 1947 में (द) अगस्त, 1947 में
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को इसके वर्तमान स्वरूप में 22 जुलाई, 1947 को आयोजित भारतीय संविधान सभा की बैठक के दौरान अपनाया गया था। इसे 15 अगस्त, 1947 और 26 जनवरी, 1950 के बीच भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया।

147. भारतीय संविधान सभा ने भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की रूपरेखा को अंगीकार किया–
(अ) 23 अगस्त, 1947 (ब) 13 सितम्बर, 1947
(स) 15 अगस्त, 1947 (द) 22 जुलाई, 1947
उत्तर : (द) SSC 2011
व्याख्या– भारत की संविधान सभा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का प्रारूप 22 जुलाई, 1947 को अपनाया गया था। राष्ट्रीय ध्वज की लम्बाई और चौड़ाई का अनुपात 3:2 है।

148. संविधान सभा ने संविधान को अंतिम रूप से किस दिन पारित किया ?
(अ) 15 अगस्त, 1947 (ब) 15 दिसम्बर, 1948
(स) 26 नवम्बर, 1949 (द) 26 जनवरी, 1950
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना या उद्देशिका में उल्लेख किया गया है कि 26 नवम्बर, 1949 को भारत के लोगों ने संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया। संविधान को अपनाने, उसके पूर्ण होने, पारित होने तथा इसको अंतिम रूप देने की तिथि भी 26 नवम्बर, 1949 को ही माना जाता है तथा इसी दिन नागरिकता, अंतःकालीन संसद, अस्थायी और संक्रमणकालीन उपबन्ध लागू हो गए तथा संविधान के शेष उपबन्ध 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी हुए।

149. संविधान सभा अंतिम रूप से किस दिन आखिरी बार मिली ?
(अ) 26 नवम्बर, 1949 (ब) 5 दिसम्बर, 1949
(स) 24 जनवरी, 1950 (द) 25 जनवरी, 1950
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी, 1950 को हुई और उसी दिन संविधान सभा के द्वारा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति चुना गया।

150. संविधान सभा के कितने उपस्थित सदस्यों ने संविधान पर हस्ताक्षर किया ?
(अ) 262 (ब) 284
(स) 287 (द) 289
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान सभा के 284 उपस्थित सदस्यों ने संविधान पर हस्ताक्षर किये। संविधान सभा में संविधान का प्रथम वाचन 4 नवम्बर से 9 नवम्बर 1948 तक चला। संविधान का दूसरा वाचन 15 नवम्बर, 1948 से 17 अक्टूबर, 1949 तक चला। संविधान का तीसरा वाचन 14 नवम्बर, 1949 से 26 नवम्बर, 1949 तक चला और संविधान सभा द्वारा संविधान को पारित कर दिया गया। इस समय संविधान सभा के 284 सदस्य उपस्थित थे।

151. संविधान सभा द्वारा अंतिम रूप से पारित संविधान में कुल कितने अनुच्छेद और अनुसूचियाँ थी ?
(अ) 375 अनुच्छेद, 7 अनुसूचियाँ
(ब) 387 अनुच्छेद, 7 अनुसूचियाँ
(स) 395 अनुच्छेद, 8 अनुसूचियाँ
(द) 395 अनुच्छेद, 10 अनुसूचियाँ
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान सभा द्वारा अंतिम रूप से पारित संविधान में कुल 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियाँ थीं।

152. भारतीय संविधान के निर्माण में संविधान सभा को कितना समय लगा था ?
(अ) 2 वर्ष, 7 माह और 23 दिन
(ब) 2 वर्ष, 11 माह और 18 दिन
(स) 2 वर्ष, 11 माह और 14 दिन
(द) 2 वर्ष, 11 माह और 23 दिन
उत्तर : (ब)

व्याख्या– भारतीय संविधान के निर्माण में संविधान सभा को 2 वर्ष, 11 माह एवं 18 दिन का समय लगा था और इस दौरान इसके कुल 11 अधिवेशन हुए थे। 11वें अधिवेशन के अंतिम दिन 26 नवम्बर, 1949 को संविधान को अंगीकृत किया गया था। अधिवेशनों के अतिरिक्त संविधान सभा पुनः 24 जनवरी, 1950 को समवेत हुई थी, जबकि सदस्यों द्वारा भारत के संविधान पर हस्ताक्षर किये गये थे।

153. किस दिन से संविधान सभा का अंतर्कालीन संसद के रूप में आविर्भाव हुआ ?
(अ) 24 जनवरी, 1950 (ब) 25 जनवरी, 1950
(स) 26 जनवरी, 1950 (द) 16 फरवरी, 1950
उत्तर : (स)
व्याख्या– 26 जनवरी, 1950 के दिन से संविधान सभा का अंतर्कालीन संसद के रूप में आविर्भाव हुआ था।

154. संविधान सभा की अंतिम बैठक कब हुई थी ?
(अ) 15 अगस्त, 1947 (ब) 15 दिसम्बर, 1948
(स) 26 जनवरी, 1949 (द) 24 जनवरी, 1950
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी, 1950 को हुई और उसी दिन संविधान सभा के द्वारा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति चुना गया।

155. भारतीय संविधान सभा के प्रथम दिन के अधिवेशन की अध्यक्षता किसने की थी ?
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (ब) जवाहरलाल नेहरु
(स) बी.आर. अम्बेडकर (द) सच्चिदानंद सिन्हा
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा ने की। इस बैठक में केवल 211 सदस्यों ने भाग लिया। 11 दिसम्बर, 1946 को हुई बैठक में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को संविधान सभा का स्थायी अध्यक्ष और एच.सी. मुखर्जी को उपाध्यक्ष चुना गया। सर बी.एन. राव को संविधान सभा का संवैधानिक सलाहकार नियुक्त किया गया।

156. भारत के लिए संविधान सभा की रचना हेतु संविधान सभा का विचार निम्न में से सबसे पहले किसने प्रस्तुत किया ?
(अ) स्वराज पार्टी ने, 1924
(ब) कांग्रेस पार्टी ने, 1936 में
(स) मुस्लिम लीग ने 1942 में
(द) सर्वदल सम्मेलन ने, 1946 में
उत्तर : (अ) IAS 1996
व्याख्या– भारत के लिए संविधान सभा की रचना हेतु संविधान सभा का विचार सबसे पहले स्वराज पार्टी ने 1924 में प्रस्तुत किया।

157. निम्न कथनों में से कौनसे संविधान सभा के गठन के बारे में सही है–
1. संविधान सभा के सदस्यों का चयन 1946 में प्रांतीय चुनावों के आधार पर किया गया था
2. देशी राज्यों के प्रतिनिधियों को संविधान सभा में सम्मिलित नहीं किया गया
3. संविधान सभा के भीतर विचार विमर्श जनता द्वारा व्यक्त की गई रायों से प्रभावित नहीं हुआ
4. सामूहिक सहभागिता का भाव उत्पन्न करने के लिए जनता से सुझाव मांगे गये थे
(अ) केवल 1 (ब) 2 और 3
(स) 3 और 4 (द) 1 और 4
उत्तर : (द) CDS 2015
व्याख्या– संविधान सभा के सदस्यों का चयन 1946 ई. में प्रांतीय चुनावों के आधार पर किया गया था। सामूहिक सहभागिता का भाव उत्पन्न करने लिए जनता से सुझाव माँगे गये थे।

158. भारत के संविधान का निर्माता है–
(अ) महात्मा गांधी (ब) बी.आर. अम्बेडकर
(स) जवाहरलाल नेहरु (द) बी.एन. राव
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अम्बेडकर को माना जाता है। वह संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे और उन्हीं के नेतृत्व में अंतिम रूप से संविधान का प्रारूप तैयार किया गया था।

159. संविधान पांडूलेखन समिति का निम्न में से कौन सदस्य नहीं था ?
(अ) मोहम्मद सादुल्लाह (ब) के.एम. मुंशी
(स) ए.के. अय्यर (द) जवाहरलाल नेहरु
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान पांडूलेखन समिति के सदस्य जवाहर लाल नेहरू नहीं थे। भारतीय संविधान की प्रारूपण समिति (पांडूलेखन समिति) के सदस्यों की संख्या सात थीं– 1.डॉ. भीमराव अम्बेडकर (अध्यक्ष), 2.एन.गोपाल स्वामी आयंगर, 3.अल्लादी कृष्णा अय्यर, 4.कन्हैयालाल मणिकलाल मुंशी, 5.सैय्यद मोहम्मद सादुल्ला, 6.एन.माधव राव (बी.एल. मित्र के स्थान पर), 7.टी.टी कृष्णामाचारी (1948 ई. में डी. पी. खेतान की मृत्यु के बाद)।

160. संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अंगीकृत एवं अधिनियमित किया गया–
(अ) 26 जनवरी, 1949 को
(ब) 26 नवम्बर, 1949 को
(स) 26 जनवरी, 1950 को
(द) 26 नवम्बर, 1950 को
उत्तर : (ब) RPSC IIgr. Teacher 2011
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना या उद्देशिका में उल्लेख किया गया है कि 26 नवम्बर, 1949 को भारत के लोगों ने संविधान को अंगीकृत,

अधिनियमित और आत्मार्पित किया। संविधान को अपनाने, उसके पूर्ण होने, पारित होने तथा इसको अंतिम रूप देने की तिथि भी 26 नवम्बर, 1949 को ही माना जाता है।

161. निम्न कथनों में से कौनसा एक सही है ?
(अ) वर्ष 1946 में प्रांतीय सभाओं द्वारा भारत की संविधान सभा चुनी गई
(ब) जवाहरलाल नेहरु, एम.ए. जिन्ना और सरदार बल्लभ भाई पटेल भारत की संविधान सभा के सदस्य थे
(स) भारत की संविधान का प्रथम अधिवेशन जनवरी, 1947 में हुआ
(द) भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 को अंगीकृत किया गया
उत्तर : (अ) IAS 2004

162. भारतीय संविधान सभा में महिला सदस्यों की कुल संख्या कितनी थी ?
(अ) 10 (ब) 13
(स) 12 (द) 15
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान सभा में कुल 15 महिला सदस्य थीं–विजय लक्ष्मी पंडित, राजकुमारी अमृत कौर, सरोजनी नायडू, सुचेता कृपलानी, पूर्णिमा बनर्जी, लीला राय, जी.दुर्गाबाई, हंसा मेहता, कमला चौधरी, रेणुका राय, मालती चौधरी, दक्षयानी वेलायुदन, बेगम एजाज रसूल, ऐनी मस्करीनी तथा अम्मु स्वामीनाथन।

163. भारत का संविधान लागू हुआ था–
(अ) 26 जनवरी, 1950 (ब) 26 जनवरी, 1952
(स) 15 अगस्त, 1948 (द) 26 नवम्बर, 1949
उत्तर : (अ) SSC 2009
व्याख्या– भारत का संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ था। संविधान के कुल 15 अनुच्छेदों को 26 नवम्बर, 1949 को ही प्रवर्तित कर दिया, जबकि शेष संविधान 26 जनवरी, 1950 को पूर्ण रूप से लागू किया गया।

164. संविधान को 26 जनवरी के दिन लागू करने का निर्णय इसलिए किया गया, क्योंकि–
(अ) कांग्रेस ने इस तिथि को 1930 में स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया था
(ब) 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन प्रारम्भ किया गया था
(स) यह एक शुभ दिन था
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– दिसम्बर, 1929 में सम्पन्न भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में 'पूर्ण स्वराज्य' की घोषणा की गयी तथा 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाए जाने का संकल्प लिया गया और आजादी के पूर्व तक 26 जनवरी को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाया जाता रहा परन्तु भारत के 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्र होने के कारण प्रत्येक वर्ष 15 अगस्त को स्वाधीनता दिवस के रूप में मनाया जाने लगा, जबकि स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् 26 जनवरी की तिथि को अविस्मरणीय बनाने हेतु भारतीय संविधान को पूर्णतः 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया और तब से प्रत्येक वर्ष 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के रूप में मनाया जाने लगा।

165. संविधान सभा के स्थायी सभापति थे–
(अ) डॉ. भीमराव अम्बेडकर
(ब) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(स) डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा
(द) कन्हैयालाल सेठिया
उत्तर : (ब) RPSC IIgr. Teacher 2011
व्याख्या– 9 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता अस्थायी अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द सिन्हा ने की थी। 11 दिसम्बर, 1946 को संविधान सभा ने डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को निर्विरोध संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित किया।

166. जिस संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान का अधिनियम किया गया, उसके सदस्य थे–
(अ) गवर्नर जनरल द्वारा नामित
(ब) राजनीतिक दलों द्वारा नामित
(स) विभिन्न प्रांतों की विधान सभाओं द्वारा नामित
(द) लोगों द्वारा
उत्तर : (स) IAS 2002
व्याख्या– संविधान सभा के सदस्य भारत के विभिन्न प्रान्तों की विधान सभाओं द्वारा निर्वाचित सदस्य थे। भारतीय संविधान सभा का निर्माण भारत के संविधान का निर्माण के लिए किया गया था। 13 दिसम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरू द्वारा उद्देश्य प्रस्ताव के साथ प्रारम्भ हुई। इस सभा ने अपना कार्य 9 दिसम्बर, 1947 से आरम्भ किया। इसके प्रथम अस्थायी अध्यक्ष सच्चिदानन्द सिन्हा व स्थायी अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे।

167. भारतीय संविधान का निर्माण करने वाली संविधान सभा का गठन कब हुआ था ?
(अ) अगस्त, 1946 (ब) जुलाई, 1946
(स) अगस्त, 1947 (द) मई, 1946
उत्तर : (ब)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन की संस्तुतियों के आधार पर भारतीय संविधान का निर्माण करने वाली संविधान सभा का गठन जुलाई, 1946 ई. में किया गया। कैबिनेट मिशन के तीन सदस्य थे– सर स्टेफार्ड क्रिप्स, लॉर्ड पैथिक लॉरेंस तथा ए.वी. एलेक्जेंडर।

168. भारतीय संविधान का निर्माण करने वाली संविधान सभा का गठन किसकी संस्तुतियों के आधार पर किया गया ?
(अ) क्रिप्स योजना
(ब) माउंटबेटन योजना
(स) कैबिनेट मिशन योजना
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन की संस्तुतियों के आधार पर भारतीय संविधान का निर्माण करने वाली संविधान सभा का गठन जुलाई, 1946 ई. में किया गया। कैबिनेट मिशन के तीन सदस्य थे– सर स्टेफार्ड क्रिप्स, लॉर्ड पैथिक लॉरेंस तथा ए.वी. एलेक्जेंडर।

169. निम्नलिखित में से कैबिनेट मिशन के सदस्य नहीं थे–
(अ) सर स्टेफार्ड क्रिप्स (ब) लॉर्ड पैथिक लॉरेंस
(स) ए.वी. एलेक्जेंडर (द) लॉर्ड चेम्सफोर्ड
उत्तर : (द)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन की संस्तुतियों के आधार पर भारतीय संविधान का निर्माण करने वाली संविधान सभा का गठन जुलाई, 1946 ई. में किया गया। कैबिनेट मिशन के तीन सदस्य थे– सर स्टेफार्ड क्रिप्स, लॉर्ड पैथिक लॉरेंस तथा ए.वी. एलेक्जेंडर।

170. संविधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या थी–
(अ) 380 (ब) 389
(स) 375 (द) 292
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या 389 निर्धारित की गयी थी, जिनमें 292 ब्रिटिश प्रांतों के प्रतिनिधि, 4 चीफ कमिश्नर क्षेत्रों के प्रतिनिधि एवं 93 देशी रियासतों के प्रतिनिधि थे।

171. भारत के लिए संविधान सभा की रचना हेतु संविधान सभा का विचार सर्वप्रथम किस पार्टी ने दिया था ?
(अ) स्वराज पार्टी (ब) कांग्रेस पार्टी
(स) मुस्लिम लीग (द) स्वतंत्र श्रमिक दल
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के लिए संविधान सभा की रचना हेतु संविधान सभा का विचार सर्वप्रथम स्वराज पार्टी ने 1924 ई. में प्रस्तुत दिया था।

172. कैबिनेट मिशन योजना के अनुसार जुलाई, 1946 में सम्पन्न चुनावों में कांग्रेस को कितनी सीटें हासिल हुई ?
(अ) 73 (ब) 15
(स) 208 (द) 280
उत्तर : (स)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना के तहत जुलाई, 1946 ई. में संविधान सभा का चुनाव हुआ। कुल 389 सदस्यों में से प्रान्तों के लिए निर्धारित 296 सदस्यों के लिए चुनाव हुए, जिन्हें विभिन्न प्रांतों की विधानसभाओं द्वारा चुना गया। इसमें कांग्रेस को 208, मुस्लिम लीग को 73 तथा 15 अन्य दलों के स्वतंत्र उम्मीदवार निर्वाचित हुए।

173. संविधान की प्रथम बैठक कब हुई थी ?
(अ) 9 दिसम्बर, 1946 (ब) 11 दिसम्बर, 1946
(स) 13 दिसम्बर, 1946 (द) 22 जनवरी, 1947
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 9 दिसम्बर, 1946 ई. को संविधान सभा की प्रथम बैठक नई दिल्ली स्थित कौंसिल चैम्बर के पुस्तकालय भवन में हुई। सभा के सबसे बुजुर्ग सदस्य सच्चिदानंद सिन्हा को सभा का अस्थायी अध्यक्ष चुना गया। मुस्लिम लीग ने इस बैठक का बहिष्कार किया और पाकिस्तान के लिए बिल्कुल अलग संविधान सभा की माँग प्रारम्भ कर दी। हैदराबाद एक ऐसी देशी रियासत थी, जिसके प्रतिनिधि संविधान सभा में सम्मिलित नहीं हुए थे।

174. निम्नलिखित में से किस देशी रियायत के प्रतिनिधि संविधान सभा में सम्मिलित नहीं हुए थे ?
(अ) जम्मू–कश्मीर (ब) हैदराबाद
(स) असम (द) लद्दाख
उत्तर : (ब)
व्याख्या– हैदराबाद एक ऐसी देशी रियासत थी, जिसके प्रतिनिधि संविधान सभा में सम्मिलित नहीं हुए थे।

175. प्रांतों या देशी रियासतों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में संविधान सभा में प्रतिनिधित्व दिया गया था। साधारणतः कितनी आबादी पर एक स्थान का आवंटन किया गया था ?
(अ) 2 लाख (ब) 10 लाख
(स) 5 लाख (द) 10 हजार
उत्तर : (ब)
व्याख्या– प्रांतों या देशी रियासतों को उनकी जनसंख्या के अनुपात में संविधान सभा में प्रतिनिधित्व दिया गया था। साधारणतः 10 लाख की आबादी पर एक स्थान का आवंटन किया गया था।

176. प्रांतों का प्रतिनिधित्व मुख्यतः तीन प्रमुख समुदायों की जनसंख्या के आधार पर विभाजित किया गया था, ये समुदाय थे–
(अ) मुस्लिम, सिक्ख एवं साधारण
(ब) मुस्लिम, सिक्ख, पारसी एवं साधारण
(स) मुस्लिम, हिन्दू एवं अनुसूचित जाति
(द) हिन्दू, मुस्लिम एवं सिक्ख
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान सभा में प्रांतों का प्रतिनिधित्व मुख्यतः तीन प्रमुख समुदायों की जनसंख्या के आधार पर विभाजित किया गया था। ये समुदाय थे–मुस्लिम, सिक्ख एवं साधारण।

177. संविधान सभा में ब्रिटिश प्रान्तों के 296 प्रतिनिधियों का विभाजन साम्प्रदायिक आधार पर किया गया, जिसके अनुसार–
(अ) 213 सामान्य, 79 मुसलमान एवं 4 सिक्ख
(ब) 213 सामान्य, 80 मुसलमान एवं 3 सिक्ख
(स) 210 सामान्य, 82 मुसलमान एवं 4 सिक्ख
(द) 213 सामान्य, 78 मुसलमान एवं 5 सिक्ख
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान सभा में ब्रिटिश प्रान्तों के 296 प्रतिनिधियों का विभाजन साम्प्रदायिक आधार पर किया गया– 213 सामान्य, 79 मुसलमान एवं 4 सिक्ख।

178. संविधान सभा के सदस्यों में अनुसूचित जनजाति के सदस्यों की संख्या थी–
(अ) 30 (ब) 33
(स) 28 (द) 16
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान सभा के सदस्यों में अनुसूचित जनजाति के सदस्यों की संख्या 33 थी।

179. भारतीय संविधान सभा में महिला सदस्यों की कुल संख्या कितनी थी ?
(अ) 10 (ब) 15
(स) 12 (द) 13
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान सभा में महिला सदस्यों की कुल संख्या 15 थी। अम्मू स्वामीनाथन, ऐनी मैस्करीन, बेगम एजाज रसूल, दक्षयानी वेल्यादुन, जी. दुर्गाबाई, हंसा मेहता, कमला चौधरी, लीला रे, मालती चौधरी, पूर्णिमा बनर्जी, रेणूका राय, सरोजिनी नायडू, राजकुमारी अमृतकौर, सुचेता कृपलानी एवं विजयालक्ष्मी पंडित संविधान सभा की महिला सदस्य थीं।

180. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष कब निर्वाचित हुए ?
(अ) 9 दिसम्बर, 1946 (ब) 11 दिसम्बर, 1946
(स) 13 दिसम्बर, 1946 (द) 22 जनवरी, 1947
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 11 दिसम्बर, 1946 को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के स्थायी अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

181. संविधान सभा की कार्यवाही 13 दिसम्बर, 1946 को किसके द्वारा पेश किये गये उद्देश्य प्रस्ताव के साथ प्रारम्भ हुई ?
(अ) सरदार वल्लभभाई पटेल
(ब) पं. जवाहर लाल नेहरू
(स) मोतीलाल नेहरू
(द) बाल गंगाधर तिलक
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान सभा की कार्यवाही 13 दिसम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरू द्वारा पेश किये गये उद्देश्य प्रस्ताव के साथ आरंभ हुई।

182. 13 दिसम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरू द्वारा संविधान सभा में पेश किये गये उद्देश्य प्रस्ताव को स्वीकृति कब दी गयी थी ?
(अ) 9 दिसम्बर, 1946 (ब) 11 दिसम्बर, 1946
(स) 13 दिसम्बर, 1946 (द) 22 जनवरी, 1947
उत्तर : (द)
व्याख्या– 13 दिसम्बर, 1946 ई. को जवाहर लाल नेहरू द्वारा संविधान सभा में पेश किये गये उद्देश्य प्रस्ताव को 22 जनवरी, 1947 को स्वीकृति मिली। इस स्वीकृति के बाद संविधान सभा ने संविधान निर्माण हेतु अनेक समितियाँ नियुक्त की। इनमें प्रमुख थीं–वार्ता समिति, संघ संविधान समिति, प्रांतीय संविधान समिति, संघ शक्ति समिति, प्रारूप समिति आदि।

183. संविधान सभा में डॉ. भीमराव अम्बेडकर का पहली बार निर्वाचन किस क्षेत्र से हुआ था ?
(अ) बॉम्बे (ब) महाराष्ट्र
(स) बंगाल (द) बिहार
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान सभा में डॉ. भीमराव अम्बेडकर का पहली बार निर्वाचन बंगाल से तथा देश बँटवारे के बाद उनका निर्वाचन बॉम्बे से हुआ।

184. बी.एन. राव द्वारा तैयार किये गये संविधान के प्रारूप पर विचार विमर्श करने के लिए संविधान सभा द्वारा कब एक संकल्प पारित करके प्रारूप समिति का गठन किया गया ?
(अ) 29 अगस्त, 1947 ई.
(ब) 15 अगस्त, 1947 ई.
(स) 14 अगस्त, 1947 ई.
(द) 30 अगस्त, 1947 ई.
उत्तर : (अ)
व्याख्या– बी.एन. राव द्वारा तैयार किये गये संविधान के प्रारूप पर विचार विमर्श करने के लिए संविधान सभा द्वारा 29 अगस्त, 1947 ई. को एक संकल्प पारित करके प्रारूप समिति का गठन किया गया तथा इसके अध्यक्ष के रूप में डॉ. भीमराव अम्बेडकर को चुना गया। प्रारूप समिति के सदस्यों की संख्या सात थी, जिनमें डॉ. भीमराव अम्बेडकर (अध्यक्ष), एन.गोपाल स्वामी आयंगर, अल्लादी कृष्णा स्वामी अय्यर, कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी, सैय्यद मोहम्मद सादुल्ला, एन. माधव राव (बी.एल. मित्र के स्थान पर), डी.पी. खेतान (1948 में इनकी मृत्यु के बाद टी.टी. कृष्णामचारी को सदस्य बनाया गया)।

185. संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे–
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(ब) पंडित जवाहर लाल नेहरू
(स) सरदार बल्लभ भाई पटेल
(द) डॉ. भीमराव अम्बेडकर
उत्तर : (द)

व्याख्या– बी.एन. राव द्वारा तैयार किये गये संविधान के प्रारूप पर विचार विमर्श करने के लिए संविधान सभा द्वारा 29 अगस्त, 1947 ई. को एक संकल्प पारित करके प्रारूप समिति का गठन किया गया तथा इसके अध्यक्ष के रूप में डॉ. भीमराव अम्बेडकर को चुना गया।

186. संविधान सभा की संचालन समिति के अध्यक्ष थे–
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(ब) पंडित जवाहर लाल नेहरू
(स) सरदार बल्लभ भाई पटेल
(द) डॉ. भीमराव अम्बेडकर
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान सभा की संचालन समिति के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे।

187. संविधान सभा की संघीय संविधान समिति के अध्यक्ष थे–
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(ब) पंडित जवाहर लाल नेहरू
(स) सरदार बल्लभ भाई पटेल
(द) डॉ. भीमराव अम्बेडकर
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान सभा की संघीय संविधान समिति के अध्यक्ष पंडित जवाहर लाल नेहरू थे।

188. संविधान सभा की प्रांतीय संविधान समिति के अध्यक्ष थे–
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(ब) पंडित जवाहर लाल नेहरू
(स) सरदार बल्लभ भाई पटेल
(द) डॉ. भीमराव अम्बेडकर
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान सभा की प्रांतीय संविधान समिति के अध्यक्ष सरदार बल्लभ भाई पटेल थे।

189. भारतीय संविधान सभा की मौलिक अधिकारों एवं अल्पसंख्यकों संबंधी परामर्श समिति के अध्यक्ष थे–
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(ब) पंडित जवाहर लाल नेहरू
(स) सरदार बल्लभ भाई पटेल
(द) डॉ. भीमराव अम्बेडकर
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान सभा की मौलिक अधिकारों एवं अल्पसंख्यकों संबंधी परामर्श समिति के अध्यक्ष सरदार बल्लभ भाई पटेल थे।

190. 3 जून, 1947 ई. की योजना के अनुसार देश का बँटवारा हो जाने पर भारतीय संविधान सभा की कुल सदस्य संख्या कितनी नियत की गयी ?
(अ) 390 (ब) 324
(स) 389 (द) 292
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 3 जून, 1947 ई. की योजना के अनुसार देश का बँटवारा हो जाने पर भारतीय संविधान सभा की कुल सदस्य संख्या 324 नियत की गयी, जिसमें 235 स्थान प्रान्तों के लिए और 89 स्थान देशी रियासतों के लिये थे।

191. भारतीय संविधान सभा की मौलिक अधिकारों एवं अल्पसंख्यकों संबंधी परामर्श समिति की कितनी उपसमितियाँ थीं ?
(अ) 4 (ब) 5
(स) 2 (द) 3
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान सभा की मौलिक अधिकारों एवं अल्पसंख्यकों संबंधी परामर्श समिति के अध्यक्ष सरदार बल्लभ भाई पटेल थे। मौलिक अधिकारों एवं अल्पसंख्यकों संबंधी परामर्श समिति की दो उपसमितियाँ थीं– (1) मौलिक अधिकार उपसमिति, जिसके अध्यक्ष जे.बी. कृपलानी थे तथा (2) अल्पसंख्यक उपसमिति, जिसके अध्यक्ष एच.सी. मुखर्जी थे।

192. कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 ई. को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में जवाहर लाल नेहरू किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) कार्यकारी परिषद् के उपाध्यक्ष, विदेशी मामले तथा राष्ट्रमंडल
(ब) गृह, सूचना तथा प्रसारण
(स) उद्योग तथा आपूर्ति
(द) खाद्य एवं कृषि
उत्तर : (अ)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में मंत्री एवं विभाग निम्नानुसार थेः–

मंत्री	विभाग
1. जवाहर लाल नेहरू	कार्यकारी परिषद् के उपाध्यक्ष, विदेशी मामले तथा राष्ट्रमंडल
2. बल्लभ भाई पटेल	गृह, सूचना तथा प्रसारण
3. बलदेव सिंह	रक्षा
4. जॉन मथाई	उद्योग तथा आपूर्ति
5. सी. राजगोपालाचारी	शिक्षा
6. राजेन्द्र प्रसाद	खाद्य एवं कृषि
7. आसफ अली	रेलवे
8. जगजीवन राम	श्रम

मंत्रिमंडल में शामिल मुस्लिम लीग के सदस्य (26 अक्टूबर, 1946 ई.)

10. लियाकत अली खाँ	वित्त
11. आई.आई. चुन्दरीगर	वाणिज्य
12. अब्दुल रब नश्तर	संचार
13. जोगेन्द्र नाथ मंडल	विधि (बंगाल SCF चीफ)
14. गजान्तर अली खाँ	स्वास्थ्य

193. कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 ई. को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में बलदेव सिंह किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) रेलवे (ब) वित्त
(स) रक्षा (द) खाद्य एवं कृषि
उत्तर : (स)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में बलदेव सिंह, रक्षा विभाग के मंत्री थे।

194. कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 ई. को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) श्रम (ब) रेलवे
(स) खाद्य एवं कृषि (द) शिक्षा
उत्तर : (स)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, खाद्य एवं कृषि विभाग के मंत्री थे।

195. कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 ई. को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में लियाकत अली खाँ किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) वित्त (ब) संचार
(स) वाणिज्य (द) स्वास्थ्य
उत्तर : (अ)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में वित्त विभाग के मंत्री लियाकत अली खाँ थे। ये मुस्लिम लीग के सदस्य थे, जो 26 अक्टूबर, 1946 ई. को मंत्रिमंडल में शामिल हुए थे।

196. कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 ई. को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में आई.आई. चुन्दरीगर किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) वित्त (ब) संचार
(स) वाणिज्य (द) स्वास्थ्य
उत्तर : (स)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में वाणिज्य विभाग के मंत्री आई.आई. चुन्दरीगर थे। ये मुस्लिम लीग के सदस्य थे।

197. कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 ई. को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में सरदार बल्लभ भाई पटेल किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) कार्यकारी परिषद् के उपाध्यक्ष, विदेशी मामले तथा राष्ट्रमंडल
(ब) गृह, सूचना तथा प्रसारण
(स) उद्योग तथा आपूर्ति
(द) खाद्य एवं कृषि
उत्तर : (ब)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में सरदार बल्लभ भाई पटेल गृह, सूचना तथा प्रसारण विभाग के मंत्री थे।

198. कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 ई. को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में जॉन मथाई किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) कार्यकारी परिषद् के उपाध्यक्ष, विदेशी मामले तथा राष्ट्रमंडल
(ब) गृह, सूचना तथा प्रसारण
(स) उद्योग एवं आपूर्ति
(द) खाद्य एवं कृषि
उत्तर : (स)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में जॉन मथाई उद्योग एवं आपूर्ति विभाग के मंत्री थे।

199. कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 ई. को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में सी.एच. भाभा किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) कार्य, खान एवं बन्दरगाह
(ब) गृह, सूचना तथा प्रसारण
(स) उद्योग एवं आपूर्ति
(द) शिक्षा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में कार्य, खान एवं बन्दरगाह विभाग के मंत्री सी.एच. भाभा थे।

200. कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 ई. को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में जगजीवन राम किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) श्रम (ब) रेलवे
(स) खाद्य एवं कृषि (द) शिक्षा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में श्रम विभाग के मंत्री जगजीवन राम थे।

201. कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 ई. को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में सी. राजगोपालाचारी किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) कार्य, खान एवं बन्दरगाह
(ब) गृह, सूचना तथा प्रसारण
(स) उद्योग एवं आपूर्ति
(द) शिक्षा
उत्तर : (द)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 को गठित अन्तरिम

मंत्रिमंडल में सी. राजगोपालाचारी शिक्षा विभाग के मंत्री थे।

202. कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 ई. को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में अब्दुल रब नश्तर किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) वित्त (ब) संचार
(स) वाणिज्य (द) स्वास्थ्य
उत्तर : (ब)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में संचार विभाग के मंत्री अब्दुल रब नश्तर थे। ये मुस्लिम लीग के सदस्य थे, जो 26 अक्टूबर, 1946 ई. को मंत्रिमंडल में शामिल हुए थे।

203. कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 ई. को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में जोगेन्द्र नाथ मंडल किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) वित्त (ब) विधि
(स) वाणिज्य (द) स्वास्थ्य
उत्तर : (ब)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में विधि विभाग के मंत्री जोगेन्द्र नाथ मंडल थे। ये मुस्लिम लीग के सदस्य थे, जो 26 अक्टूबर, 1946 ई. को मंत्रिमंडल में शामिल हुए थे। जोगेन्द्र नाथ मंडल बंगाल SCF चीफ भी थे।

204. कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 ई. को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में गजान्तर अली खाँ किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) वित्त (ब) विधि
(स) वाणिज्य (द) स्वास्थ्य
उत्तर : (द)
व्याख्या– कैबिनेट मिशन योजना, 1945 ई. के प्रस्ताव पर 2 सितम्बर, 1946 को गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल में स्वास्थ्य विभाग के मंत्री गजान्तर अली खाँ थे। ये मुस्लिम लीग के सदस्य थे, जो 26 अक्टूबर, 1946 ई. को मंत्रिमंडल में शामिल हुए थे।

205. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में सरदार बल्लभ भाई पटेल किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) गृह (ब) सूचना तथा प्रसारण
(स) राज्यों के मामले (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में सरदार बल्लभभाई पटेल गृह, सूचना तथा प्रसारण एवं राज्यों के मामलों के मंत्री थे।

206. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में सरदार बल्लभ भाई पटेल किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) गृह (ब) सूचना तथा प्रसारण
(स) राज्यों के मामले (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में गृह, सूचना तथा प्रसारण एवं राज्यों के मामलों के मंत्री सरदार बल्लभ भाई पटेल थे।

207. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) खाद्य एवं कृषि (ब) सूचना तथा प्रसारण
(स) शिक्षा (द) रेलवे एवं परिवहन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में खाद्य एवं कृषि विभाग के मंत्री डॉ. राजेन्द्र प्रसाद थे।

208. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में मौलाना अबुल कलाम आजाद किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) खाद्य एवं कृषि (ब) सूचना तथा प्रसारण
(स) शिक्षा (द) रेलवे एवं परिवहन
उत्तर : (स)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में शिक्षा विभाग के मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद थे।

209. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में जॉन मथाई किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) खाद्य एवं कृषि (ब) सूचना तथा प्रसारण
(स) शिक्षा (द) रेलवे एवं परिवहन
उत्तर : (द)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में रेलवे एवं परिवहन विभाग के मंत्री जॉन मथाई थे।

210. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में डॉ. भीमराव अम्बेडकर किस विभाग के मंत्री थे ?
(अ) श्रम (ब) स्वास्थ्य
(स) विधि (द) वित्त
उत्तर : (स)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में विधि विभाग के मंत्री डॉ. भीमराव अम्बेडकर थे।

211. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में किस विभाग के मंत्री जगजीवन राम थे ?
(अ) श्रम (ब) स्वास्थ्य
(स) विधि (द) वित्त
उत्तर : (अ)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में श्रम विभाग के मंत्री जगजीवन राम थे।

212. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में किस विभाग के मंत्री सरदार बलदेव सिंह थे ?
(अ) स्वास्थ्य (ब) रक्षा
(स) वाणिज्य (द) संचार
उत्तर : (ब)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में रक्षा विभाग के मंत्री सरदार बलदेव सिंह थे।

213. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में किस विभाग की मंत्री राजकुमारी अमृतकौर थी ?
(अ) स्वास्थ्य (ब) वित्त
(स) वाणिज्य (द) संचार
उत्तर : (अ)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में स्वास्थ्य विभाग की मंत्री राजकुमारी अमृतकौर थी।

214. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में किस विभाग के मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे ?
(अ) उद्योग एवं आपूर्ति
(ब) कार्य, खान एवं ऊर्जा
(स) सूचना एवं प्रसारण
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में उद्योग एवं आपूर्ति विभाग के मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी थे।

215. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में किस विभाग के मंत्री सी.एच. भाभा थे ?
(अ) स्वास्थ्य (ब) वित्त
(स) वाणिज्य (द) संचार
उत्तर : (स)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में वाणिज्य विभाग के मंत्री सी.एच. भाभा थे।

216. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में किस विभाग के मंत्री आर.के. षणमुगम शेट्टी थे ?
(अ) स्वास्थ्य (ब) वित्त
(स) वाणिज्य (द) संचार
उत्तर : (ब)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में वित्त विभाग के मंत्री आर.के. षणमुगम शेट्टी थे।

217. भारत के रियासतों का एकीकरण करने के लिए सरदार बल्लभभाई पटेल की अध्यक्षता में 5 जुलाई, 1947 ई. को रियासती विभाग बनाया गया, जिसके सचिव थे–
(अ) सी.एच. भाभा (ब) वी.एन. गाडगिल
(स) वी.पी. मेनन (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के रियासतों का एकीकरण करने के लिए सरदार बल्लभभाई पटेल की अध्यक्षता में 5 जुलाई, 1947 ई. को रियासती विभाग बनाया गया, जिसके सचिव वी.पी. मेनन थे।

218. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में जवाहर लाल नेहरू किस विभाग के प्रमुख थे ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) राष्ट्रमंडल तथा विदेशी मामले
(स) वैज्ञानिक शोध
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में पंडित जवाहर लाल नेहरू प्रधानमंत्री बने तथा इसके साथ ही राष्ट्रमंडल तथा विदेशी मामले एवं वैज्ञानिक शोध विभागों के प्रभार भी थे। स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में मंत्री एवं विभाग निम्नानुसार थे–

मंत्री	विभाग
1. जवाहर लाल नेहरू	– प्रधानमंत्री, राष्ट्रमंडल तथा विदेशी मामले, वैज्ञानिक शोध
2. सरदार बल्लभ भाई पटेल	– गृह, सूचना व प्रसारण, राज्यों के मामले
3. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद	– खाद्य एवं कृषि
4. मो. अबुल कलाम आजाद	– शिक्षा
5. डॉ. जॉन मथाई	– रेलवे एवं परिवहन
6. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर	– विधि
7. जगजीवन राम	– श्रम
8. सरदार बलदेव सिंह	– रक्षा
9. राजकुमारी अमृतकौर	– स्वास्थ्य
10. सी.एच. भाभा	– वाणिज्य
11. रफी अहमद किदवई	– संचार
12. आर.के. षणमुगम शेट्टी	– वित्त
13. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी	– उद्योग एवं आपूर्ति
14. वी.एन. गाडगिल	– कार्य, खान एवं ऊर्जा

219. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में किस विभाग के मंत्री बी.एन. गाडगिल थे ?
(अ) उद्योग एवं आपूर्ति
(ब) कार्य, खान एवं ऊर्जा
(स) सूचना एवं प्रसारण
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में कार्य, खान एवं ऊर्जा विभाग के मंत्री बी.एन. गाडगिल थे।

220. स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में किस विभाग के मंत्री रफी अहमद किदवई थे ?
(अ) स्वास्थ्य (ब) वित्त
(स) वाणिज्य (द) संचार
उत्तर : (द)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल, 1947 में संचार विभाग के मंत्री रफी अहमद किदवई थे।

221. भारत के रियासतो के एकीकरण के लिए किसकी अध्यक्षता में 5 जुलाई, 1947 को रियासती विभाग बनाया गया ?
(अ) सरदार बल्लभ भाई पटेल
(ब) डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी
(स) आर.के. षणमुगम शेट्टी
(द) वी.पी. मेनन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के रियासतो के एकीकरण के लिए बल्लभ भाई पटेल की अध्यक्षता में 5 जुलाई, 1947

को रियासती विभाग बनाया गया, जिसके सचिव वी.पी. मेनन थे।

222. भारत के रियासतो के एकीकरण के लिए सरदार बल्लभ भाई पटेल की अध्यक्षता में 5 जुलाई, 1947 को रियासती विभाग बनाया गया, जिसके सचिव थे–
(अ) सरदार बल्लभ भाई पटेल
(ब) डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी
(स) आर.के. षणमुगम शेट्टी
(द) वी.पी. मेनन
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के रियासतो के एकीकरण के लिए बल्लभ भाई पटेल की अध्यक्षता में 5 जुलाई, 1947 को रियासती विभाग बनाया गया, जिसके सचिव वी.पी. मेनन थे।

223. देश विभाजन के बाद संविधान सभा का पुनर्गठन कब किया गया था ?
(अ) 31 अक्टूबर, 1947 ई.
(ब) 30 अक्टूबर, 1947 ई.
(स) 29 अक्टूबर, 1947 ई.
(द) 26 अक्टूबर, 1947 ई.
उत्तर : (अ)
व्याख्या– देश विभाजन के बाद संविधान सभा का पुनर्गठन 31 अक्टूबर, 1947 ई. को किया गया और 31 अक्टूबर, 1947 ई. को संविधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या 299 थी, जिसमें प्रांतीय सदस्यों की संख्या 229 एवं देशी रियासतों के सदस्यों की संख्या 70 थी।

224. देश विभाजन के बाद संविधान सभा का पुनर्गठन 31 अक्टूबर, 1947 ई. को किया गया, तब संविधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या थी–
(अ) 290 (ब) 292
(स) 299 (द) 389
उत्तर : (स)
व्याख्या– देश विभाजन के बाद संविधान सभा का पुनर्गठन 31 अक्टूबर, 1947 ई. को किया गया और 31 अक्टूबर, 1947 ई. को संविधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या 299 थी, जिसमें प्रांतीय सदस्यों की संख्या 229 एवं देशी रियासतों के सदस्यों की संख्या 70 थी।

225. प्रारूप समिति ने संविधान के प्रारूप पर विचार विमर्श करने के बाद संविधान सभा को अपनी रिपोर्ट कब पेश की थी ?
(अ) 21 फरवरी, 1948 ई. को
(ब) 20 फरवरी, 1948 ई. को
(स) 1 नवम्बर, 1947 ई. को
(द) 15 नवम्बर, 1947 ई. को
उत्तर : (अ)
व्याख्या– प्रारूप समिति ने संविधान के प्रारूप पर विचार विमर्श करने के बाद 21 फरवरी, 1948 ई. को संविधान सभा को अपनी रिपोर्ट पेश की थी।

226. संविधान सभा में संविधान का प्रथम वाचन कब से कब तक चला था ?
(अ) 4 नवम्बर, 1948 से 9 नवम्बर, 1948 तक
(ब) 15 नवम्बर, 1948 से 17 अक्टूबर, 1949 तक
(स) 14 नवम्बर, 1949 से 26 नवम्बर, 1949 तक
(द) 21 फरवरी, 1948 से 31 मार्च, 1948 तक
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान सभा में संविधान का प्रथम वाचन 4 नवम्बर, 1948 ई. से 9 नवम्बर, 1948 ई. तक चला। संविधान पर दूसरा वाचन 15 नवम्बर, 1948 ई. से 17 अक्टूबर, 1949 ई. तक चला। संविधान पर तीसरा वाचन 14 नवम्बर, 1949 ई. से 26 नवम्बर, 1949 ई. तक चला और संविधान सभा द्वारा संविधान को 26 नवम्बर, 1949 ई. को ही पारित कर दिया गया।

227. संविधान सभा में संविधान का दूसरा वाचन कब से कब तक चला था ?
(अ) 4 नवम्बर, 1948 से 9 नवम्बर, 1948 तक
(ब) 15 नवम्बर, 1948 से 17 अक्टूबर, 1949 तक
(स) 14 नवम्बर, 1949 से 26 नवम्बर, 1949 तक
(द) 21 फरवरी, 1948 से 31 मार्च, 1948 तक
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान सभा में संविधान का प्रथम वाचन 4 नवम्बर, 1948 ई. से 9 नवम्बर, 1948 ई. तक चला। संविधान पर दूसरा वाचन 15 नवम्बर, 1948 ई. से 17 अक्टूबर, 1949 ई. तक चला। संविधान पर तीसरा वाचन 14 नवम्बर, 1949 ई. से 26 नवम्बर, 1949 ई. तक चला और संविधान सभा द्वारा संविधान को 26 नवम्बर, 1949 ई. को ही पारित कर दिया गया।

228. संविधान सभा में संविधान का तीसरा वाचन कब से कब तक चला था ?
(अ) 4 नवम्बर, 1948 से 9 नवम्बर, 1948 तक
(ब) 15 नवम्बर, 1948 से 17 अक्टूबर, 1949 तक
(स) 14 नवम्बर, 1949 से 26 नवम्बर, 1949 तक
(द) 21 फरवरी, 1948 से 31 मार्च, 1948 तक
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान सभा में संविधान का प्रथम वाचन 4 नवम्बर, 1948 ई. से 9 नवम्बर, 1948 ई. तक चला। संविधान पर दूसरा वाचन 15 नवम्बर, 1948 ई. से 17 अक्टूबर, 1949 ई. तक चला। संविधान पर तीसरा वाचन 14 नवम्बर, 1949 ई. से 26 नवम्बर, 1949 ई. तक चला और संविधान सभा द्वारा संविधान को 26 नवम्बर, 1949 ई. को ही पारित कर दिया गया।

229. संविधान निर्माण प्रक्रिया में कुल कितने दिन लगे थे ?
(अ) 2 वर्ष, 11 महीना और 18 दिन
(ब) 2 वर्ष, 11 महीना और 16 दिन
(स) 2 वर्ष, 10 महीना और 18 दिन
(द) 1 वर्ष, 11 महीना और 18 दिन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान निर्माण की प्रक्रिया में कुल 2 वर्ष, 11 महीना और 18 दिन लगे थे। संविधान के प्रारूप पर कुल 114 दिन बहस हुई थी। संविधान निर्माण कार्य में कुल मिलाकर 63,96,729 रूपये खर्च हुए थे।

230. संविधान को जब 26 नवम्बर, 1949 ई. को संविधान सभा द्वारा पारित किया गया, तब इसमें–
(अ) 22 भाग, 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियाँ थीं।
(ब) 22 भाग, 389 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियाँ थीं।
(स) 8 भाग, 360 अनुच्छेद और 7 अनुसूचियाँ थीं।
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान को जब 26 नवम्बर, 1949 ई. को संविधान सभा द्वारा पारित किया गया, तब इसमें कुल 22 भाग, 395 अनुच्छेद व 8 अनुसूचियाँ थीं। वर्तमान समय में संविधान में 22 भाग, 395 अनुच्छेद (मूल रूप से) और 12 अनुसूचियाँ हैं।

231. संविधान के कुल अनुच्छेदों में से कितने अनुच्छेदों को 26 नवम्बर, 1949 ई. को ही प्रवर्तित कर दिया गया, जबकि शेष अनुच्छेदों को 26 जनवरी, 1950 ई. को लागू किया गया ?
(अ) 18 (ब) 22
(स) 15 (द) 12
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के कुल अनुच्छेदों में से 15 अनुच्छेदों (5, 6, 7, 8, 9, 60, 324, 366, 367, 379, 380, 388, 391, 392 393) को 26 नवम्बर, 1949 ई. को ही प्रवर्तित कर दिया गया, जबकि शेष अनुच्छेदों को 26 जनवरी, 1950 ई. को लागू किया गया।

232. संविधान सभा द्वारा भारत का प्रथम राष्ट्रपति किसे चुना गया था ?
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को
(ब) सरदार बल्लभ भाई पटेल को
(स) डॉ. भीमराव अम्बेडकर को
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी, 1950 ई. को हुई और उसी दिन संविधान सभा के द्वारा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति चुना गया। संविधान सभा 26 जनवरी, 1950 ई. से 1951–52 में हुए आम चुनावों के बाद बनने वाली नई संसद के निर्माण तक भारत की अंतरिम संसद के रूप में काम किया।

233. संविधान सभा की अंतिम बैठक कब हुई थी ?
(अ) 25 जनवरी, 1950 ई.
(ब) 24 जनवरी, 1950 ई.
(स) 22 जनवरी, 1950 ई.
(द) 1 जनवरी, 1950 ई.
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी, 1950 ई. को हुई और उसी दिन संविधान सभा के द्वारा डॉ. राजेन्द्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति चुना गया। संविधान सभा 26 जनवरी, 1950 ई. से 1951–52 में हुए आम चुनावों के बाद बनने वाली नई संसद के निर्माण तक भारत की अंतरिम संसद के रूप में काम किया।

234. संविधान सभा द्वारा राष्ट्रीय ध्वज को कब स्वीकार किया गया ?
(अ) 22 जुलाई, 1947 ई. को
(ब) 15 अगस्त, 1947 ई. को
(स) 24 जनवरी, 1950 ई. को
(द) 26 जुलाई, 1947 ई. को
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान सभा ने 22 जुलाई, 1947 ई. को राष्ट्रीय ध्वज अपनाया।

235. संविधान सभा द्वारा राष्ट्रगान को कब अपनाया गया था ?
(अ) 22 जुलाई, 1947 ई. को
(ब) 15 अगस्त, 1947 ई. को
(स) 24 जनवरी, 1950 ई. को
(द) 26 नवम्बर, 1949 ई. को
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान सभा ने 22 जुलाई, 1947 ई. को राष्ट्रीय ध्वज अपनाया। 24 जनवरी, 1950 ई. को राष्ट्रगान को अपनाया।

236. गवर्नर जनरल ने पाकिस्तान के लिए पृथक् संविधान की स्थापना की घोषणा कब की थी ?
(अ) 22 जुलाई, 1947 ई. को
(ब) 15 अगस्त, 1947 ई. को
(स) 26 जुलाई, 1947 ई. को
(द) 26 नवम्बर, 1949 ई. को
उत्तर : (स)
व्याख्या– 26 जुलाई, 1947 ई. को गवर्नर जनरल ने पाकिस्तान के लिए पृथक् संविधान सभा की स्थापना की घोषणा की थी।

3.भारतीय संविधान की प्रस्तावना (उद्देशिका)

237. भारतीय संविधान के किस भाग को उसकी आत्मा की संज्ञा प्रदान की गई है ?
(अ) प्रस्तावना
(ब) मौलिक अधिकार
(स) राज्य के नीति निर्देशक तत्व
(द) संविधान के सभी अनुच्छेद
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना को संविधान की आत्मा कहा जाता है। न्यायमूर्ति हिदायतुल्लाह ने गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य के मामले में उद्देशिका (प्रस्तावना) को संविधान की मूल आत्मा कहा है। के.एम. मुंशी ने इसे 'राजनीतिक जन्मपत्री' कहा है। बी.आर. अम्बेडकर ने अनुच्छेद 32 में वर्णित संवैधानिक उपचारों के अधिकार को संविधान की आत्मा कहा है।

238. भारत में जनप्रिय सम्प्रभुता होती है, क्योंकि भारत के संविधान की प्रस्तावना शुरू होती है, इन शब्दों से–
(अ) लोकतंत्रवादी भारत
(ब) लोक गणराज्य
(स) लोक प्रभुसत्ता
(द) हम, भारत के लोग
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत में जनप्रिय सम्प्रभुता है, क्योंकि भारत के संविधान की प्रस्तावना शुरू होती है, इन शब्दों से– हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा उन सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, सम्वत् दो हजार छः विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मसमर्पित करते हैं।

239. भारत एक–
(अ) हिन्दू राष्ट्र है (ब) हिन्दू–मुस्लिम राष्ट्र है
(स) धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– धर्म निरपेक्षता शब्द का तात्पर्य है कि किसी भी राज्य या राष्ट्र द्वारा किसी एक विशेष धर्म को कानूनी रूप से मान्यता प्रदान न करना अर्थात् उस राज्य अथवा राष्ट्र में सभी धर्मों के लोग बिना किसी दबाव या भेदभाव के स्वतंत्र रूप से रह सकते हैं। भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है। भारत के किसी भी एक धर्म को अपनी कानूनी मान्यता नहीं दी गयी है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना में भारत को धर्म निरपेक्ष राष्ट्र कहा गया है। संविधान के 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा संशोधित संविधान की प्रस्तावना इस प्रकार है– भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य है।

240. संविधान निर्माताओं ने किस पर विशेष ध्यान दिया था ?
(अ) प्रस्तावना पर
(ब) मूल कर्तव्य पर
(स) मौलिक अधिकार पर
(द) नीति निर्देशक तत्व पर
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान में प्रस्तावना का अधिक महत्व और उपयोगिता है। सज्जन सिंह बनाम राजस्थान राज्य के मामले में न्यायमूर्ति मघोलकर ने कहा था कि प्रस्तावना पर 'गहन विचार–विमर्श' की छाप है, उस पर सुस्पष्टता का ठप्पा है और उसे संविधान निर्माताओं ने विशेष महत्व दिया है। प्रस्तावना को न्यायालय में प्रवर्तित नहीं किया जा सकता, लेकिन लिखित संविधान की प्रस्तावना में वे उद्देश्य लेखबद्ध किये जाते हैं जिनकी स्थापना और प्रवर्तन के लिए संविधान की रचना होती है। बेरुबारी के मामले में उच्चतम न्यायालय ने इस बात से सहमति प्रकट की थी कि प्रस्तावना, संविधान निर्माताओं के मन की कुंजी है। जहाँ शब्द अस्पष्ट पाए जाएँ या उनका अर्थ स्पष्ट न हो, वहाँ संविधान निर्माताओं के आशय को समझने के लिए प्रस्तावना की सहायता ली जा सकती है और यह ज्ञात किया जा सकता है कि उस शब्द विशेष का प्रयोग किस अर्थ में किया गया है।

241. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में अंकित किन शब्दों से प्रतीत होता है कि भारत में जनप्रिय सम्प्रभुता है ?
(अ) लोकतंत्रवादी भारत
(ब) लोक गणराज्य
(स) लोक प्रभुसत्ता
(द) हम, भारत के लोग
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत में जनप्रिय सम्प्रभुता है, क्योंकि भारत के संविधान की प्रस्तावना शुरू होती है, इन शब्दों से– हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा उन सबमें

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, सम्वत् दो हजार छः विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मसमर्पित करते हैं।

242. भारत को गणतंत्र कहा जाता है क्योंकि–
(अ) इसकी विधानमंडलों की अधिकतम संख्या जनता द्वारा प्रत्यक्ष चुनी जाती है
(ब) यह राज्यों का एक संघ है
(स) भारतीय नागरिक मूलभूत अधिकारों का उपयोग करती है
(द) यहाँ राज्य का प्रमुख निर्धारित अवधि के लिए निर्वाचित होता है
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत को गणतंत्र इसलिए कहा जाता है क्योंकि यहाँ राज्य का प्रमुख निर्धारित अवधि के लिए निर्वाचित होता है।

243. धर्मनिरपेक्षता का अर्थ है–
(अ) राज्य सरकार सभी धर्म के खिलाफ है
(ब) राज्य सरकार द्वारा एक धर्म को स्वीकार करना
(स) राज्य सरकार द्वारा किसी धर्म को स्वीकार नहीं करना
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स) RRB 2006
व्याख्या– धर्म निरपेक्षता शब्द का तात्पर्य है कि किसी भी राज्य या राष्ट्र द्वारा किसी एक विशेष धर्म को कानूनी रूप से मान्यता प्रदान न करना अर्थात् उस राज्य अथवा राष्ट्र में सभी धर्मों के लोग बिना किसी दबाव या भेदभाव के स्वतंत्र रूप से रह सकते हैं। भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है। भारत के किसी भी एक धर्म को अपनी कानूनी मान्यता नहीं दी गयी है। भारतीय संविधान की प्रस्तावना में भारत को धर्म निरपेक्ष राष्ट्र कहा गया है। संविधान के 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा संशोधित संविधान की प्रस्तावना इस प्रकार है– भारत एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य है।

244. भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है, जिसका अर्थ है–
(अ) धर्मविरोधी नागरिकों का समर्थन करता है
(ब) बहुसंख्यक समुदाय के धर्म का समर्थन करता है
(स) अल्पसंख्यक समुदाय के धर्म का समर्थन करता है
(द) किसी निश्चित धर्म का समर्थन नहीं करता है
उत्तर : (द) RRB 2006
व्याख्या– भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है। इसका अर्थ है कि भारतीय राज्य किसी निश्चित धर्म का समर्थन नहीं करता है।

245. गणतंत्र राज्य का अर्थ है–
(अ) केवल एक लोकतांत्रिक राज्य
(ब) अध्यक्षीय पद्धति शासन वाला राज्य
(स) संसदीय पद्धति शासन वाला राज्य
(द) राज्य जहाँ पर अध्यक्ष वंशानुगत रूप से न हो
उत्तर : (द) RRB 2006
व्याख्या– गणतंत्र वह राज्य है, जहाँ पर अध्यक्ष वंशानुगत रूप से न हो। एक गणराज्य या गणतंत्र सरकार का एक रूप है जिसमें देश को एक 'सार्वजनिक मामला' माना जाता है, न कि शासकों की निजी संस्था या सम्पत्ति। यह सरकार का एक रूप है जिसके अंतर्गत राज्य का प्रमुख राजा नहीं होता है।

246. निम्नलिखित में से दो शब्द कौनसे है, जिनका समावेशन 42वें संशोधन द्वारा संविधान की उद्देशिका (प्रस्तावना) में किया गया था ?
(अ) धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक
(ब) प्रभुत्वसम्पन्न, लोकतांत्रिक
(स) समाजवादी, पंथनिरपेक्ष
(द) धर्मनिरपेक्ष, गणतंत्र
उत्तर : (स) SSC 2002
व्याख्या– समाजवादी और पंथनिरपेक्ष वे दो शब्द हैं जिनका समावेशन 42वें संविधान संशोधन, 1976 ई. के द्वारा संविधान की उद्देशिका या प्रस्तावना में किया गया।

247. निम्नलिखित में से कौनसा शब्द भारत के संविधान की उद्देशिका में नहीं है ?
(अ) समाजवादी (ब) पंथनिरपेक्ष
(स) प्रभुत्वसम्पन्न (द) लोक कल्याण
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोक कल्याण भारत के संविधान की उद्देशिका में नहीं है। भारत के संविधान की उद्देशिका में नागरिकों को विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता प्रदान करने के अतिरिक्त साामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय को सुनिश्चित करने का प्रावधान किया गया है। संविधान की उद्देशिका अथवा प्रस्तावना का आधार पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत 'उद्देश्य प्रस्ताव' है जिसे उन्होंने 13 दिसम्बर, 1946 को संविधान निर्मात्री सभा में प्रस्तुत किया था। यह प्रस्ताव 22 जनवरी, 1947 को पारित कर दिया गया।

248. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में भारत को किस रूप में घोषित किया गया है ?
(अ) एक सार्वभौम, प्रजातांत्रिक गणतंत्र
(ब) एक समाजवादी, प्रजातांत्रिक गणतंत्र
(स) एक प्रभुत्वसम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, प्रजातांत्रिक गणराज्य
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

व्याख्या– समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्द मूल संविधान में नहीं थे। इन्हें 42वें संशोधन द्वारा जोड़ा गया है जिसके पश्चात् संविधान की प्रस्तावना में उल्लेखित है– सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य।

249. भारत एक गणतंत्र है, इसका अर्थ है–
(अ) सभी मामलों में अंतिम अधिकार जनता के पास है
(ब) भारत में संसदीय शासन व्यवस्था नहीं
(स) भारत में वंशानुगत शासक नहीं है
(द) भारत राज्यों का एक संघ है
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत एक गणतंत्र है, इसका अर्थ है–भारत में वंशानुगत शासक नहीं है। यहाँ की जनता देश की शासन व्यवस्था में अप्रत्यक्ष रूप से हिस्सा लेती है। अब्राहम लिंकन के शब्दों में–जनता की सरकार, जनता के द्वारा, जनता के लिए।

250. कल्याणकारी राज्य का उद्देश्य है–
(अ) अधिकतम संख्या का अधिकतम कल्याण सुनिश्चित करना
(ब) कमजोर वर्गों के कल्याण का प्रबंध करना
(स) सभी नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उद्देश्य कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना है। नवम्बर, 1942 में बेवरिज रिपोर्ट द्वारा ब्रिटेन में कल्याणकारी राज्य के स्वरूप को स्पष्ट किया गया था। इसमें गरीबी, बीमारी, निरक्षरता, नशाखोरी और अभाव जैसी कुरीतियों से निपटने के लिए राज्य की सक्रियता को आवश्यक माना गया। इसी रिपोर्ट में कमजोर वर्गों के कल्याण का प्रबंध करना राज्य का उद्देश्य माना गया।

251. भारतीय संविधान की प्रस्तावना के सिलसिले में निम्नलिखित में से कौनसा क्रम सही है ?
(अ) गणतंत्र, जनवादी, पंथनिरपेक्ष, समाजवादी, सार्वभौम, सत्तासम्पन्न
(ब) सार्वभौम, सत्तासम्पन्न, समाजवादी, जनवादी, पंथनिरपेक्ष, गणतंत्र
(स) सार्वभौम, सत्तासम्पन्न, जनवादी, पंथनिरपेक्ष, समाजवादी, गणतंत्र
(द) सार्वभौम, सत्तासम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, जनवादी गणतंत्र
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना के सिलसिले में सही क्रम है– सार्वभौम सत्तासम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, जनवादी गणतंत्र।

252. भारतीय संविधान की आत्मा किसे कहा जाता है ?
(अ) प्रस्तावना (ब) मूलाधिकार
(स) नीति निर्देशक तत्व (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना को संविधान की आत्मा कहा जाता है। न्यायमूर्ति हिदायतुल्लाह ने गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य के मामले में उद्देशिका (प्रस्तावना) को संविधान की मूल आत्मा कहा है। के.एम. मुंशी ने इसे 'राजनीतिक जन्मपत्री' कहा है। बी.आर. अम्बेडकर ने अनुच्छेद 32 में वर्णित संवैधानिक उपचारों के अधिकार को संविधान की आत्मा कहा है।

253. 'समाजवाद' का अर्थ है–
(अ) सामाजिक नियंत्रण (ब) राष्ट्रीयकरण
(स) सामाजिक न्याय (द) सामाजिक स्पर्द्धा
उत्तर : (स)
व्याख्या–समाजवाद अंग्रेजी भाषा के 'सोशलिज्म' शब्द का पर्यायवाची है। समाजवाद का संबंध समाज और उसके सुधार से संबंधित है।

254. भारत को एक गणराज्य मुख्य रूप से माना जाता है, क्योंकि–
(अ) राज्याध्यक्ष का चुनाव होता है
(ब) उसे 15 अगस्त, 1947 को स्वतंत्रता मिली थी
(स) उसका अपना लिखित संविधान है
(द) उसकी सरकार संसदीय प्रणाली के अनुसार है
उत्तर : (अ) SSC 1999
व्याख्या– भारत को एक गणराज्य मुख्य रूप से इसलिए माना जाता है, क्योंकि इसमें राज्याध्यक्ष का चुनाव होता है।

255. संविधान की प्रस्तावना में प्रयुक्त शब्द 'सेक्युलर' का अर्थ है–
(अ) सभी नागरिकों को धर्म एवं उपासना की स्वतंत्रता
(ब) एकेश्वरवाद
(स) बहुदेववाद
(द) सभी धर्मों की अस्वीकृति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान की प्रस्तावना में प्रयुक्त शब्द 'सेक्युलर' का अर्थ है–सभी नागरिकों को धर्म एवं उपासना की स्वतंत्रता।

256. भारतीय संविधान में समवर्ती सूची किसके संविधान से ली गई है ?
(अ) यू.एस.ए. (ब) कनाडा
(स) जर्मनी (द) ऑस्ट्रेलिया
उत्तर : (द) SSC 2011
व्याख्या– भारतीय संविधान में वर्णित समवर्ती सूची का प्रावधान ऑस्ट्रेलिया के संविधान से लिया गया है। समवर्ती सूची भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची में दिये गये 52 विषयों की सूची है।

257. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में लिखित 'हम, भारत के लोग' से तात्पर्य है–
(अ) भारतीय गणराज्य की प्रभुसत्ता जनता में निहित है
(ब) संविधान का निर्माण भारत की जनता द्वारा हुआ है
(स) संविधान निर्माता भारत की जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं
(द) भारत का संविधान भारत की जनता की सहमति पर आधारित है
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना में लिखित 'हम, भारत के लोग' से तात्पर्य है कि संविधान का निर्माण भारत की जनता द्वारा हुआ है।

258. 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा प्रस्तावना में किस शब्द को नहीं जोड़ा गया ?
(अ) पंथनिरपेक्ष (ब) समाजवादी
(स) गुटनिरपेक्ष (द) एकता और अखण्डता
उत्तर : (स)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, एकता और अखण्डता संविधान की प्रस्तावना में शामिल किये गये थे। प्रस्तावना में केवल एक बार संशोधन किया गया है। प्रस्तावना को संविधान में कोई विधिक महत्व नहीं दिया गया है, किन्तु केशवानन्द भारत बनाम केरल राज्य, 1973 के मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह अभिनिर्धारित किया है कि प्रस्तावना संविधान का एक भाग है। 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संविधन के भाग–4 के पश्चात् एक नया अध्याय भाग–4ए जोड़ा गया जिसमें मूल कर्तव्यों का उल्लेख किया गया है।

259. भारत में लौकिक सार्वभौमिकता है, क्योंकि संविधान की प्रस्तावना प्रारम्भ होती है–
(अ) 'हम, भारत के लोग' शब्दों से
(ब) 'जनता के जनतंत्र' शब्दों से
(स) 'जनता के लोकतंत्र' से शब्दों से
(द) 'प्रजातंत्रीय भारत' शब्दों से
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'हम, भारत के लोग' शब्दों से शुरू होती है। अतः भारत में लौकिक सार्वभौमिकता है। इसका अर्थ है–जनता सर्वशक्तिमान है और किसी बाह्य सत्ता के अधीन नहीं है।

260. भारतीय संविधान की प्रस्तावना पर किस क्रान्ति का प्रभाव नहीं झलकता है ?
(अ) फ्रांसीसी क्रान्ति (1789)
(ब) अमेरिकी क्रान्ति (1776)
(स) बोल्शेविक क्रान्ति (1917)
(द) चीन की क्रान्ति (1912)
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना पर चीन की क्रान्ति (1912) का प्रभाव नहीं झलकता है।

261. मूल भारतीय संविधान के अनुसार भारत एक है–
(अ) प्रभुत्वसम्पन्न, लोकतंत्रात्मक गणराज्य
(ब) प्रभुत्वसम्पन्न, धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी गणराज्य
(स) प्रभुत्वसम्पन्न, धर्मनिरेपक्ष गणराज्य
(द) प्रभुत्वसम्पन्न, समाजवादी गणराज्य
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मूल भारतीय संविधान के अनुसार भारत एक प्रभुत्वसम्न्न, लोकतंत्रात्मक गणराज्य है।

262. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में जिन आदर्शों एवं उद्देश्यों की रूपरेखा दी गई है, उनकी आगे व्याख्या की गई है–
(अ) मूल अधिकारों के अध्याय में
(ब) राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों एवं मूल कर्तव्यों में
(स) मूल अधिकार, राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों एवं मूल कर्तव्यों में
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना में जिन आदर्शों एवं उद्देश्यों की रूपरेखा दी गयी है, उनकी आगे मूल अधिकारों, राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों एवं मौलिक कर्तव्यों के अध्यायों में व्याख्या की गयी है। सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय प्रदान करने के लिए नीति निर्देशक तत्वों में उल्लेख है जबकि विचार, अभिव्यक्ति, धर्म, विश्वास और उपासना की स्वतंत्रता का वर्णन मूल अधिकारों में किया गया है। मूल कर्तव्यों के भाग में नागरिकों के लिए सार्वजनिक संपत्ति और राष्ट्रीय प्रतीकों का सम्मान जैसी बातें राष्ट्र की एकता और अखंडता को बढ़ावा देने से संबद्ध है।

263. भारत की संप्रभुता, एकता तथा अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा उसकी रक्षा करने का प्रावधान किया गया है–
(अ) प्रस्तावना में
(ब) मूल अधिकार में
(स) नीति निर्देशक सिद्धांत में
(द) मूल कर्तव्य में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत की संप्रभुता, एकता तथा अखण्डता को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा उसकी रक्षा करने का प्रावधान संविधान की प्रस्तावना में किया गया है।

264. भारतीय संविधान ने किस प्रकार के लोकतंत्र को अपनाया है ?
(अ) संवैधानिक राजतंत्र
(ब) वंशानुगत लोकतंत्र
(स) लोकतांत्रिक राजतंत्र
(द) लोकतांत्रिक गणतंत्र
उत्तर : (द)

व्याख्या– भारतीय संविधान ने लोकतांत्रिक गणतंत्र के लोकतंत्र को अपनाया है। लोकतांत्रिक गणराज्य सरकार का वह रूप है जो गणतंत्र और लोकतंत्र से अपनाए गए सिद्धांतों पर काम करता है।

265. संविधान के अंतर्गत भारतीय लोकतंत्र के आदर्शों को हम कहाँ देख सकते हैं ?
(अ) भाग I (ब) प्रस्तावना
(स) भाग III (द) भाग IV
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– भारतीय संविधान के अंतर्गत, भारतीय लोकतंत्र के आदर्शों की झलक हमें संविधान की प्रस्तावना में मिलती है। प्रस्तावना के माध्यम से भारतीय संविधान का सार, अपेक्षाएँ, उद्देश्य, उसका लक्ष्य तथा दर्शन प्रकट होता है।

266. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में वर्णित लोकतंत्र को किस रूप में स्वीकारा गया है ?
(अ) राजनीतिक राजतंत्र (ब) आर्थिक लोकतंत्र
(स) सामाजिक राजतंत्र (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना में वर्णित लोकतंत्र को उपरोक्त सभी रूपों में स्वीकार किया गया है।

267. भारतीय संविधान की प्रस्तावना के अनुसार भारत के शासन की सर्वोच्च सत्ता किसमें निहित है ?
(अ) जनता (ब) मतदाता
(स) राष्ट्रपति (द) संसद
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना के अनुसार भारत के शासन की सर्वोच्च सत्ता जनता में निहित है।

268. संविधान सभा में प्रस्तुत उद्देश्य प्रस्ताव में अभिव्यक्ति विचार को भारतीय संविधान के किस भाग में पूर्णतः शामिल किया गया है ?
(अ) प्रस्तावना
(ब) मौलिक अधिकार
(स) राज्य के नीति निर्देशक तत्व
(द) मूल कर्तव्य
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान सभा में प्रस्तुत उद्देश्य प्रस्ताव में अभिव्यक्ति विचार को भारतीय संविधान के प्रस्तावना भाग में पूर्णतः शामिल किया गया है।

269. भारतीय संविधान की प्रस्तावना से क्या स्पष्ट नहीं होता है ?
(अ) संविधान का स्त्रोत
(ब) शासन के ध्येयों का विवरण
(स) संविधान को लागू करने की तिथि
(द) संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करने की तिथि
उत्तर : (स)
व्याख्या–भारतीय संविधान की प्रस्तावना से संविधान को लागू करने की तिथि स्पष्ट नहीं होती है।

270. निम्नलिखित में से किन उद्देश्यों को भारतीय संविधान उद्घोषित नहीं करता है ?
(अ) सामाजिक, आर्थिक और राजनीति न्याय
(ब) विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता
(स) प्रतिष्ठा और अवसर की समता
(द) अंतर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा की अभिवृद्धि
उत्तर : (द)
व्याख्या–अंतर्राष्ट्रीय शान्ति ओर सुरक्षा की अभिवृद्धि के उद्देश्यों को भारतीय संविधान उद्घोषित नहीं करता है।

271. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में देश का कौनसा नाम उल्लिखित है ?
(अ) भारत और भारतवर्ष
(ब) भारत और हिन्दुस्तान
(स) भारत और इण्डिया
(द) हिन्दुतान और भारतवर्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना में देश का भारत और इंडिया नाम उल्लिखित है।

272. भारत की सम्प्रभुता किसमें निहित है ?
(अ) भारतीय संसद में (ब) राष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री में (द) भारत की जनता में
उत्तर : (द)
व्याख्या–भारत की सम्प्रभुता जनता में निहित है।

273. भारतीय संविधान को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत कब अंगीकृत किया गया ?
(अ) 26 नवम्बर, 1949 (ब) 15 अगस्त, 1949
(स) 2 अक्टूबर, 1949 (द) 15 नवम्बर, 1949
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान, संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकृत किया गया।

274. भारत का संविधान पूर्ण रूप से कब तैयार हुआ ?
(अ) 26 जनवरी, 1950 (ब) 26 नवम्बर, 1949
(स) 15 अगस्त, 1947 (द) 15 नवम्बर, 1949
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान की उद्देशिका में उल्लेख किया गया है कि 26 नवम्बर, 1949 को भारत के लोगों ने संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया है। संविधान को अपनाने, उसके पूर्ण होने, पारित होने तथा इसको अंतिम रूप देने की तारीख भी 26 नवम्बर, 1949 को ही माना जाता है। इसी दिन नागरिकता, अंतःकालीन संसद, अस्थायी और संक्रमणकालीन उपबन्ध लागू हो गये। तथापि संविधान के शेष उपबन्ध 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी हुए। अतः संविधान के पूर्ण रूप से लागू होने तथा पूर्ण रूप से क्रियान्वित होने की तिथि के रूप में 26 जनवरी, 1950 को ग्रहण करते हैं।

275. भारतीय संविधान किसके द्वारा स्वीकृत है ?
(अ) संविधान सभा द्वारा
(ब) भारत की संसद द्वारा
(स) प्रथम निर्वचित सरकार द्वारा
(द) भारत की जनता द्वारा
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान भारत की जनता द्वारा स्वीकृत है।

276. भारतीय संविधान कब अंगीकार किया गया था ?
(अ) 26 जनवरी, 1950 (ब) 26 नवम्बर, 1949
(स) 26 जनवरी, 1949 (द) 31 दिसम्बर, 1949
उत्तर : (ब) RRB 2004
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना में उल्लेख किया गया है कि 26 नवम्बर, 1949 को भारत के लोगों ने संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया है। संविधान को अपनाने, उसके पूर्ण होने, पारित होने तथा इसको अंतिम रूप देने की तारीख भी 26 नवम्बर, 1949 को ही माना जाता है। इसी दिन नागरिकता, अंतःकालीन संसद, अस्थायी और संक्रमणकालीन उपबन्ध लागू हो गये। तथापि संविधान के शेष उपबन्ध 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी हुए। अतः संविधान के पूर्ण रूप से लागू होने तथा पूर्ण रूप से क्रियान्वित होने की तिथि के रूप में 26 जनवरी, 1950 को ग्रहण करते हैं।

277. निम्नलिखित में से किस तिथि को भारतीय संविधान लागू किया गया था ?
(अ) 26 जनवरी, 1950 (ब) 26 नवम्बर, 1949
(स) 26 जनवरी, 1949 (द) 31 दिसम्बर, 1949
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 26 नवम्बर, 1949 को भारत सम्पूर्ण सम्प्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य बना, क्योंकि संविधान सभा द्वारा संविधान की उद्देशिका अथवा प्रस्तावना को 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकृत, अधिनियमित एवं आत्मार्पित किया गया तथा संविधान के कुछ अनुच्छेदों को तत्काल लागू कर दिया जबकि शेष संविधान को 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया। अतः संविधान के पूर्णतः लागू होने की तिथि 26 जनवरी, 1950 है।

278. संविधान की प्रस्तावना सभी भारतीय नागरिकों को निम्न में से कौनसा एक उपलब्ध कराने के लिए वायदा नहीं करती है ?
(अ) सामाजिक न्याय (ब) राजनीतिक न्याय
(स) विचार की स्वतंत्रता (द) पूजा की स्वतंत्रता
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना भारतीय नागरिकों को पूजा की समानता उपलब्ध कराने का वायदा नहीं करती है। प्रस्तावना में 5 प्रकार की स्वतंत्रता–विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना का उल्लेख है तथा तीन प्रकार के न्याय–सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक का उल्लेख है। दो प्रकार की समता प्रतिष्ठा एवं अवसर को भी उपलब्ध कराने का वायदा किया है। 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकृत भारतीय संविधान की प्रस्तावना में समाजवाद, पंथनिरपेक्ष तथा अखण्डता सम्मिलित नहीं थे। 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा संविधान की प्रस्तावना में प्रभुत्व–सम्पन्न, लोकतांत्रिक गणराज्य शब्द के स्थान पर संपूर्ण प्रभुत्वसम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य शब्द और राष्ट्र की एकता के स्थान पर राष्ट्र की एकता एवं अखंडता शब्द प्रस्थापित किये गए।

279. संविधान की उद्देशिका या प्रस्तावना में कितनी बार संशोधन किया जा चुका है ?
(अ) तीन बार (ब) दो बार
(स) एक बार (द) कभी नहीं
उत्तर : (स) SSC 2001
व्याख्या– संविधान की उद्देशिका में एक बार संशोधन किया जा चुका है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी की सरकार ने 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा प्रस्तावना में पहली बार संशोधन किया गया था।

280. किस वर्ष भारत एक प्रभुत्व सम्पन्न प्रजातांत्रिक गणराज्य बना ?
(अ) 1947 में (ब) 1951 में
(स) 1935 में (द) 1950 में
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत को 15 अगस्त, 1947 को अंग्रेजों से आजादी तो मिल गई थी, लेकिन 26 जनवरी, 1950 को भारत एक संप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित हुआ था।

281. भारत के संविधान की प्रस्तावना में प्रथम संशोधन कब किया गया था ?
(अ) 1947 में (ब) 1951 में
(स) 1976 में (द) 1984 में
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत का संविधान लिखित संविधान है। इसकी शुरूआत में एक प्रस्तावना भी लिखी है, जो संविधान की मूल भावना को सामने रखती है। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी की सरकार ने 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा प्रस्तावना में पहली बार संशोधन किया गया।

282. भारतीय संविधान की उद्देशिका में परिवर्तन किस संशोधन अधिनियम में किये गये थे ?
(अ) 38वाँ संशोधन अधिनियम, 1975
(ब) 40वाँ संशोधन अधिनियम, 1976
(स) 42वाँ संशोधन अधिनियम, 1976
(द) 44वाँ संशोधन अधिनियम, 1979
उत्तर : (स) SSC 2008
व्याख्या– भारतीय संविधान की उद्देशिका में परिवर्तन 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976

के द्वारा किया गया था। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी की सरकार ने 1976 में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा प्रस्तावना में पहली बार संशोधन किया गया।

283. भारतीय संविधान लागू हुआ था–
(अ) 26 जनवरी, 1950 (ब) 26 नवम्बर, 1949
(स) 26 जनवरी, 1949 (द) 31 दिसम्बर, 1949
उत्तर : (अ) SSC 2009
व्याख्या– संविधान सभा के तृतीय वाचन की समाप्ति 26 नवम्बर, 1949 को हुई और इसी तिथि को सभा के सभापित के हस्ताक्षर के साथ ही संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया था। इस तिथि से ही यद्यपि संविधान के नागरिकता, निर्वाचन और अंतरिम संसद से जुड़े उपबन्ध लागू कर दिए गये थे, किन्तु अंतिम रूप से संविधान 26 जनवरी, 1950 को ही पूर्णतः लागू हुआ तथा इस तिथि को ही उसके प्रारंभ होने की तारीख कहा गया।

284. प्रस्तावना का वह प्रावधान, जो सभी वयस्क नागरिकों को मतदान का अधिकार प्रदान करता है, कहलाता है–
(अ) पंथनिपेक्षता (ब) प्रजातंत्र
(स) समाजवाद (द) गणतंत्र
उत्तर : (ब) RRB 2009
व्याख्या– प्रस्तावना का वह प्रावधान, जो सभी व्यस्क नागरिकों को मतदान का अधिकार प्रदान करता है, प्रजातंत्र कहलाता है।

285. भारतीय संविधान के किस संशोधन द्वारा प्रस्तावना में दो शब्द 'समाजवादी' और 'पंथनिरपेक्ष' जोड़े गए थे ?
(अ) 41वें संशोधन अधिनियम
(ब) 42वें संशोधन अधिनियम
(स) 43वें संशोधन अधिनियम
(द) 44वें संशोधन अधिनियम
उत्तर : (ब) SSC 2009
व्याख्या– 42वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना में तीन शब्द जोड़े गये–समाजवादी, पंथनिरपेक्ष या धर्मनिरपेक्ष तथा अखंडता। प्रस्तावना में अब तक मात्र एक बार ही संशोधन हुआ है।

286. 42वें संविधान संशोधन द्वारा प्रस्तावना में निम्नलिखित में से कौनसा शब्द जोड़ा गया ?
(अ) लोकतांत्रिक (ब) न्याय
(स) समाजवाद (द) राजनीतिक
उत्तर : (स)
व्याख्या– 42वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा भारतीय संविधान की प्रस्तावना में तीन शब्द जोड़े गये–समाजवादी, पंथनिरपेक्ष तथा अखंडता। प्रस्तावना में अब तक मात्र एक बार ही संशोधन हुआ है।

287. संविधान की प्रस्तावना में भारत को कहा गया है–
(अ) सर्वसत्ताधारी, लोकतांत्रिक, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष गणराज्य
(ब) समाजवादी, लोकतांत्रिक, पंथनिरपेक्ष गणराज्य
(स) लोकतांत्रिक, सर्वसत्ताधारी, पंथनिरपेक्ष, समाजवादी गणराज्य
(द) प्रभुसत्तासम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य
उत्तर : (द) SSC 2008
व्याख्या– संविधान की प्रस्तावना में भारत को एक प्रभुसत्तासंपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित किया गया है। मूल संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी, पंथ निरपेक्ष एवं अखंडता शब्द नहीं थे। इन्हें तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा गठित सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर किए गए 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा प्रस्तावना में जोड़ा गया।

288. भारतीय संविधान का प्राधिकार स्त्रोत है–
(अ) राष्ट्रपति (ब) भारत के लोग
(स) सर्वोच्च न्यायालय (द) सरकार
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान की उद्देशिका का आरंभ 'हम भारत के लोग' से होता है। इसका तात्पर्य यह है कि संविधान का मूल स्रोत–भारत की जनता है। वही समस्त शक्तियों का केन्द्र है। संविधान द्वारा प्रदत्त संप्रभुता भारत की जनता में निहित है तथा भारतीय संविधान उसकी इच्छा का परिणाम है।

289. भारतीय संविधान के किस भाग में स्पष्ट रूप से घोषणा की गई है कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है ?
(अ) मौलिक अधिकार
(ब) संविधान की प्रस्तावना
(स) राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत
(द) संविधान की नवीं अनुसूची
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना में स्पष्ट रूप से घोषणा की गई है कि भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है।

290. भारतीय संविधान को संविधान सभा द्वारा कब अंगीकृत किया गया ?
(अ) 26 नवम्बर, 1949 ई. को
(ब) 15 अगस्त, 1949 ई. को
(स) 2 अक्टूबर, 1949 ई. को
(द) 15 नवम्बर, 1949 ई. को
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा प्रस्तुत उद्देश्य संकल्प में जो आदर्श प्रस्तुत किया गया, उन्हें ही संविधान की उद्देशिका में शामिल कर लिया गया। संविधान के 42वें संशोधन, 1976 ई. के द्वारा यथा संशोधित यह उद्देशिका निम्न प्रकार

हैः–''हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्वसम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा उन सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ–संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, सम्वत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।''

291. संविधान की अवधारणा किस देश की देन है ?
(अ) फ्रांस (ब) जर्मनी
(स) आस्ट्रेलिया (द) जापान
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लिखित संविधान की अवधारणा फ्रांस की देन है।

292. निम्न कथनों में से कौनसे संविधान सभा के गठन के बारे में सही है–
1. संविधान की प्रस्तावना को संविधान की कुंजी कहा जाता है।
2. प्रस्तावना संविधान का आरंभिक अंग होते हुए भी कानूनी तौर पर उसका भाग नहीं माना जाता है।
3. इसके अनुसार संविधान के अधीन समस्त शक्तियों का स्रोत ''भारत के लोग'' ही हैं।
4. प्रस्तावना में लिखित शब्द यथा–'हम भारत के लोग.....इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।'' भारतीय लोगों की सर्वोच्च सम्प्रभुता का उद्घोष करते हैं।
(अ) केवल 1 (ब) 2 और 3
(स) 3 और 4 (द) 1, 2, 3 और 4
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान की प्रस्तावना को 'संविधान की कुंजी' कहा जाता है। प्रस्तावना संविधान का आरंभिक अंग होते हुए भी कानूनी तौर पर उसके भाग नहीं माना जाता है। :–''हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्वसम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त करने के लिए तथा उन सबमें व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखण्डता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ–संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, सम्वत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।''

293. किस देश का संविधान सबसे बड़ा लिखित एवं सर्वाधिक व्यापक संविधान है ?
(अ) भारत (ब) ब्रिटेन
(स) फ्रांस (द) सं.रा. अमेरिका
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित एवं सर्वाधिक व्यापक संविधान है। यह अंशतः कठोर और अंशतः लचीला है। लिखित संविधान की अवधारण फ्रांस की देन है।

294. संविधान की प्रस्तावना को न्यायालय में प्रवर्तित नहीं किया जा सकता है। यह निर्णय किस वाद से संबंधित है ?
(अ) यूनियन ऑफ इंडिया बनाम मदन गोपाल वाद
(ब) बेरूवाड़ी यूनियन वाद
(स) केशवानन्द भारती वाद
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 'प्रस्तावना' को न्यायालय में प्रवर्तित नहीं किया जा सकता। यह निर्णय यूनियन ऑफ इंडिया बनाम मदन गोपाल, 1957 के निर्णय में घोषित किया गया, अर्थात् यदि सरकार या कोई नागरिक प्रस्तावना की अवहेलना करता है तो उसकी रक्षा के लिए हम अदालत की सहायता नहीं ले सकते हैं। बेरूवाड़ी यूनियन वाद, 1960 ई. में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय दिया कि जहाँ संविधान की भाषा संदिग्ध हो, वहाँ प्रस्तावना विधिक निर्वाचन में सहायता करती है। बेरूवाड़ी वाद में ही सर्वोच्च न्यायालय ने प्रस्तावना को संविधान का अंग नहीं माना, इसलिए विधायिका प्रस्तावना में संशोधन नहीं कर सकती, परन्तु सर्वोच्च न्यायालय के केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य वाद, 1973 ई. में कहा कि प्रस्तावना संविधान का अंग है। इसलिए विधायिका (संसद) उसमें संशोधन कर सकती है। केशवानंद भारती वाद में ही सर्वोच्च न्यायालय ने मूल ढाँचा का सिद्धान्त दिया तथा प्रस्तावना को संविधान का मूल ढाँचा माना। संसद संविधान के मूल ढाँचें में नकारात्मक संशोधन नहीं कर सकती है, स्पष्टतः संसद वैसा कानून संशोधन कर सकती है, जिसमें मूल ढाँचा का विस्तान व मजबूतीकरण होता है।

295. किस वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने मूल ढाँचा का सिद्धांत दिया तथा प्रस्तावना को संविधान का मूल ढाँचा माना ?
(अ) यूनियन ऑफ इंडिया बनाम मदन गोपाल वाद
(ब) बेरूवाड़ी यूनियन वाद
(स) केशवानन्द भारती वाद
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य वाद, 1973 ई. में कहा गया है कि प्रस्तावना संविधान का अंग है, इसलिए विधायिका (संसद) उसमें संशोधन कर सकती है। केशवानंद भारती वाद में ही सर्वोच्च न्यायालय ने मूल ढाँचा का सिद्धान्त दिया तथा प्रस्तावना को संविधान को मूल ढाँचा माना। संसद संविधान के मूल ढाँचें में नकारात्मक संशोधन नहीं कर सकती है, स्पष्टतः संसद वैसा कानून संशोधन कर सकती है, जिसमें मूल ढाँचा का विस्तार व मजबूतीकरण होता है।

296. 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 ई. के द्वारा इसमें संविधान की प्रस्तावना में किन शब्दों को जोड़ा गया ?
(अ) समाजवादी (ब) पंथनिरपेक्ष
(स) अखण्डता (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 ई. के द्वारा संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'पंथनिरपेक्ष' और 'राष्ट्र की अखण्डता' शब्द जोड़े गये।

297. भारत के संविधान की प्रस्तावना में कितने प्रकार के न्याय का उल्लेख किया गया है ?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 4 (द) 5
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के संविधान की प्रस्तावना में तीन प्रकार के न्याय का उल्लेख किया गया है। ये हैं– सामाजिक, आर्थिक एवं राजनैतिक।

298. भारत के संविधान की प्रस्तावना में कितने प्रकार की स्वतंत्रताओं का उल्लेख किया गया है ?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 4 (द) 5
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान की प्रस्तावना में पाँच प्रकार की स्वतंत्रता का उल्लेख किया गया है। ये हैं–विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म एवं उपासना।

299. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में संविधान सर्वोच्च है।
2. भारत का संविधान अपना प्राधिकार भारत की जनता से प्राप्त करता है।
3. भारत सरकार अधिनियम, 1935 का भारतीय संविधान तैयार करने में गहरा प्रभाव पड़ा।
उपर्युक्त में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(अ) केवल 1 (ब) 2 और 3
(स) 3 और 4 (द) 1, 2 और 3
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में संविधान सर्वोच्च है। भारत का संविधान अपना प्राधिकार भारत की जनता से प्राप्त करता है। भारत सरकार अधिनियम, 1935 वह संवैधानिक दस्तावेज है जिसका भारतीय संविधान तैयार करने में गहरा प्रभाव पड़ा।

300. भारत के संविधान की प्रस्तावना में कितने प्रकार की समानता का उल्लेख किया गया है ?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 4 (द) 5
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के संविधान की प्रस्तावना में दो प्रकार की समानता का उल्लेख किया गया है। ये हैं–प्रतिष्ठा और अवसर।

301. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में सर्वोच्च है–
(अ) प्रधानमंत्री (ब) संविधान
(स) मंत्री (द) संसद
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में संविधान सर्वोच्च है।

302. भारतीय संविधान में उद्देशिका का विचार किस देश के संविधान से लिया गया है ?
(अ) रूस (ब) यू.एस.ए.
(स) कनाडा (द) ब्रिटेन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान में उद्देशिका का विचार संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से लिया गया है।

303. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. भारत का संविधान अपना प्राधिकार भारत की जनता से प्राप्त करता है।
2. भारत के संविधान में संघीय शासन शब्द का प्रयोग कहीं भी नहीं किया गया है।
3. संविधान में भारत को राज्यों का संघ घोषित किया गया है।
उपर्युक्त में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(अ) केवल 1 (ब) 2 और 3
(स) 3 और 4 (द) 1, 2 और 3
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत का संविधान अपना प्राधिकार भारत की जनता से प्राप्त करता है। भारत सरकार अधिनियम, 1935 वह संवैधानिक दस्तावेज है, जिसका भारतीय संविधान तैयार करने में गहरा प्रभाव पड़ा। भारत के संविधान में संघीय शासन शब्द को प्रयोग कहीं भी नहीं किया गया है। संविधान में भारत को राज्यों का संघ घोषित किया गया है।

304. भारतीय संविधान में उद्देशिका की भाषा किस देश के संविधान से ली गई है ?
(अ) रूस (ब) यू.एस.ए.
(स) कनाडा (द) ऑस्ट्रेलिया
उत्तर : (द)

व्याख्या– भारतीय संविधान में उद्देशिका की भाषा ''हम, भारत के लोग.....'' ऑस्ट्रेलिया के संविधान से ली गई है।

305. भारतीय संविधान की उद्देशिका में अब तक कितनी बार संशोधन किया गया है ?
(अ) केवल दो बार (ब) केवल तीन बार
(स) केवल चार बार (द) केवल एक बार
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान की उद्देशिका में अब तक केवल एक बार संशोधन किया गया है। 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा किया गया है।

306. किसने प्रस्तावना को 'संविधान की आात्मा' कहा है ?
(अ) जवाहर लाल नेहरू (ब) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(स) ठाकुरदास भार्गव (द) बी.एन. राव
उत्तर : (स)
व्याख्या–ठाकुरदास भार्गव ने संविधान की प्रस्तावना को संविधान की आत्मा कहा है।

307. किसने प्रस्तावना को 'पहचान पत्र' कहा है ?
(अ) एन.ए. पालखीवाला (ब) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(स) महात्मा गाँधी (द) बी.एन. राव
उत्तर : (अ)
व्याख्या– एन.ए. पालखीवाला ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना को पहचान पत्र कहा है।

308. किसने प्रस्तावना को 'संविधान की जन्मकुंडली' कहा है ?
(अ) बी.आर. अम्बेडकर (ब) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(स) के.एम. मुंशी (द) बी.एन. राव
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान की प्रस्तावना को संविधान की जन्मकुंडली के.एम. मुंशी ने कहा है।

309. संविधान निर्माताओं ने किस पर विशेष ध्यान दिया था ?
(अ) मौलिक अधिकार (ब) नागरिकता
(स) राष्ट्रपति (द) प्रस्तावना
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत का संविधान निर्माण के दौरान संविधान निर्माताओं ने प्रस्तावना पर विशेष ध्यान दिया था।

4.भारतीय संविधान की विशेषताएँ

310. विश्व का सबसे बड़ा, लिखित एवं सर्वाधिक व्यापक संविधान किस देश का है ?
(अ) फ्रांस (ब) भारत
(स) जर्मनी (द) सं.रा.अ.
उत्तर : (ब) RRB 2002
व्याख्या– विश्व का सबसे बड़ा, लिखित एवं सर्वाधिक व्यापक संविधान भारत का है। भारतीय संविधान सभा की ओर से 26 नवम्बर 1949 को भारत का संविधान पारित हुआ और 26 जनवरी, 1950 को प्रभावी हुआ। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लंबा लिखित संविधान है।

311. भारतीय संविधान कैसा है ?
(अ) कठोर
(ब) लचीला
(स) न ही कठोर और न ही लचीला
(द) अंशतः कठोर और अंशतः लचीला
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत का संविधान अंशतः कठोर एवं अंशतः लचीला है। संशोधन की दृष्टि से संविधान नम्य तथा अनम्य दो प्रकार का होता है। वह संविधान जिसमें संशोधन की प्रक्रिया जटिल होती है, अनम्य (कठोर) संविधान तथा वह संविधान जिसमें संशोधन सरलता से किया जा सकता है, नम्य (लचीला) संविधान कहलाता है। इसके अतिरिक्त लिखित संविधान, संसदीय प्रणाली, स्वतंत्र न्यायपालिका आदि विशेषताएँ हैं।

312. भारत का संविधान किस प्रकार का है ?
(अ) नम्य (ब) अनम्य
(स) नम्य और अनम्य (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत का संविधान अंशतः कठोर एवं अंशतः लचीला है। संशोधन की दृष्टि से संविधान नम्य तथा अनम्य दो प्रकार का होता है। वह संविधान जिसमें संशोधन की प्रक्रिया जटिल होती है, अनम्य (कठोर) संविधान तथा वह संविधान जिसमें संशोधन सरलता से किया जा सकता है, नम्य (लचीला) संविधान कहलाता है। इसके अतिरिक्त लिखित संविधान, संसदीय प्रणाली, स्वतंत्र न्यायपालिका आदि विशेषताएँ हैं।

313. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में निम्न में से कौन सर्वोच्च है ?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय (ब) संविधान
(स) संसद (द) धर्म
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत का संविधान, भारत का सर्वोच्च विधान है, जो संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी

हुआ। यह दिन (26 नवम्बर) भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है जबकि 26 जनवरी का दिन भारत में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है। भारत के संविधान में भारत को राज्यों का यूनियन माना गया है।

314. भारत के संविधान में भारत को माना गया है–
(अ) एक अर्द्धसंघ
(ब) स्वतंत्र राज्यों का एक संघ
(स) राज्यों का एक यूनियन
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत का संविधान, भारत का सर्वोच्च विधान है, जो संविधान सभा द्वारा 26 नवम्बर 1949 को पारित हुआ तथा 26 जनवरी, 1950 से प्रभावी हुआ। यह दिन (26 नवम्बर) भारत के संविधान दिवस के रूप में घोषित किया गया है जबकि 26 जनवरी का दिन भारत में गणतन्त्र दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत का संविधान विश्व के किसी भी गणतांत्रिक देश का सबसे लम्बा लिखित संविधान है। भारत के संविधान में भारत को राज्यों का यूनियन माना गया है।

315. भारत एक धर्मनिरपेक्ष देश है। इसका तात्पर्य है–
(अ) सभी नागरिक कानून के सामने समान है
(ब) उसका राज्य स्तर पर कोई धर्म नहीं है
(स) सभी वयस्कों को चुनाव में मत देने का अधिकार है
(द) सभी नागरिकों को भाषण देने की स्वतंत्रता है
उत्तर : (ब) RRB 2003
व्याख्या– भारत एक धर्मनिरपेक्ष राज्य है। इसका तात्पर्य है कि उसका राज्य स्तर पर कोई धर्म नहीं है।

316. निम्नलिखित कथनों में कौन सही है ?
(अ) भारतीय संविधान अध्यक्षात्मक है
(ब) भारत एक नाममात्र का राजतंत्र है
(स) भारत एक कुलीन तंत्र है
(द) भारत एक संसदात्मक प्रजातंत्र है
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत एक संसदात्मक प्रजातंत्र है। संविधान की प्रस्तावना की अभिव्यक्ति से यह बात स्पष्ट हो जाती है कि भारत के संविधान ने राजनीतिक सत्ता का अंतिम स्रोत जनता को माना जाता है। संविधान के अनुसार मंत्रिमंडल जनता द्वारा निर्वाचित सदन के समक्ष उत्तरदायी होगा और कार्यकारिणी का दूसरा अंग अर्थात् राष्ट्रपति भी संसद के समक्ष उत्तरदायी है। कुछ निश्चित परिस्थितियों में संसद महाभियोग द्वारा उसे हटा सकती है।

317. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
(अ) भारत का संविधान भारत में संसदीय पद्धति की सरकार की व्यवस्था करता है।
(ब) भारतीय संविधान द्वारा स्वतंत्र न्यायपालिका की स्थापना की गई है।
(स) भारतीय संविधान भारत में विधि के शासन की व्यवस्था करता है।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत का संविधान भारत में संसदीय पद्धति की सरकार की व्यवस्था करता है। भारतीय संविधान द्वारा स्वतंत्र न्यायपालिका की स्थापना की गई है। भारतीय संविधान भारत में विधि के शासन की व्यवस्था करता है।

318. भारतीय संविधान के संबंध में कौनसा कथन सही है ?
(अ) यह एक मौलिक संविधान है
(ब) यह दूसरे देशों के संविधान से प्रभावित है
(स) यह दूसरे देशों के संविधान की नकल है
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान दूसरे देशों के संविधान से प्रभावित है। संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से मौलिक अधिकार, न्यायिक पुनरावलोकन, निर्वाचित राष्ट्रपति एवं उस पर महाभियोग, उपराष्ट्रपति, उच्चतम एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को हटाने की विधि एवं वित्तीय आपात, न्यायपालिका की स्वतंत्रता को लिया गया है। ब्रिटेन के संविधान से संसदात्मक शासन प्रणाली, एकल नागरिकता एवं विधि निर्माण प्रक्रिया, विधि का शासन, मंत्रिमंडल प्रणाली, परमाधिकार लेख, संसदीय विशेषाधिकार और द्विसदनात्मक प्रणाली को लिया गया है। आयरलैंड से प्रस्तावना की भाषा, समवर्ती सूची का प्रावधान, केंद्र एवं राज्य के बीच संबंध तथा शक्तियों का विभाजन लिया गया है। जर्मनी के संविधान से आपातकाल के दौरान राष्ट्रपति के मौलिक अधिकार संबंधी शक्तियाँ, आपातकाल के समय मूल अधिकारों का परिवर्तन लिया गया है। दक्षिण अफ्रीका के संविधान से संविधान संशोधन की प्रक्रिया का प्रावधान, राज्यसभा में सदस्यों का निर्वाचन लिया गया है। कनाडा के संविधान से संघात्मक विशेषताएँ, अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र के पास, केंद्र द्वारा राज्य के राज्यपालों की नियुक्ति और उच्चतम न्यायालय का परामर्श न्याय निर्णयन लिया गया है। सोवियत संघ से मौलिक कर्तव्य लिये गये हैं। जापान से विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया ली गई है। फ्रांस से गणतंत्रात्मक और प्रस्तावना में स्वतंत्रता, समता, बंधुता के आदर्श का सिद्धांत लिया गया है।

319. निम्नलिखित में कौनसा कथन गलत है ?
(अ) भारतीय संविधान निर्मित, लिखित और सर्वाधिक व्यापक है।
(ब) भारत का संविधान प्रभुत्वसंपन्न, लोकतंत्रात्मक, पंथनिरपेक्ष तथा समाजवादी संविधान है।
(स) भारत संविधान में मूल अधिकारों को समाविष्ट किया गया है।
(द) संविधान के प्रवर्तन के समय से ही संविधान में मूल कर्तव्य शामिल है।
उत्तर : (द)
व्याख्या– मूल कर्तव्य पहले से संविधान में शामिल नहीं थे। इन्हें सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर आंतरिक आपातकाल की जरूरत एवं आवश्यकताओं को पूरा करने लिए 42वें संविधान संशोधन, 1976 के द्वारा लाया गया था।

320. भारत का संविधान है–
(अ) अत्यंत लचीला
(ब) अत्यंत कठोर
(स) कठोर कम लचीला अधिक
(द) कठोर अधिक लचीला कम
उत्तर : (स)
व्याख्या– यदि संविधान में संशोधन के लिए कोई विशेष या कठिन प्रक्रिया है तो उसे अपरिवर्तनशील या कठोर संविधान कहते हैं। यदि संविधान संशोधन प्रक्रिया आसान है, तो उसे लचीला संविधान कहते हैं। अतः भारतीय संविधान न तो ब्रिटिश संविधान की भांति अधिक लचीला है और न ही अमेरिका के संविधान की भांति अधिक कठोर है। इसमें संशोधन करने की विधि ना तो अत्यधिक दुष्कर बनाई गयी और न ही अधिक सरल बनायी गयी है। इसमें एक मध्यम मार्ग अपनाया गया है, जिसमें कठोर एवं लचीले संविधान का सम्मिश्रण कहा जा सकता है।

321. निम्नलिखित में कौनसा कथन सही है ?
(अ) भारतीय संविधान में कई विदेशी संविधान के तत्वों का समावेश किया गया है।
(ब) भारतीय संविधान में एकल नागरिकता का प्रावधान करता है।
(स) भारतीय संविधान वयस्क मताधिकार की व्यवस्था करता है।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान में कई विदेशी संविधान के तत्वों का समावेश किया गया है। भारतीय संविधान एकल नागरिकता का प्रावधान करता है। भारतीय संविधान वयस्क मताधिकार की व्यवस्था करता है।

322. भारतीय संविधान की संरचना किस प्रकार की है ?
(अ) संघीय
(ब) एकात्मक
(स) कठोर
(द) कुछ एकात्मक कुछ कठोर
उत्तर : (द) RRB 2003
व्याख्या–यदि संविधान में संशोधन के लिए कोई विशेष या कठिन प्रक्रिया है तो उसे अपरिवर्तनशील या कठोर संविधान कहते हैं। यदि संविधान संशोधन प्रक्रिया आसान है तो उसे लचीला संविधान कहते हैं। अतः भारतीय संविधान न तो ब्रिटिश संविधान की भांति अधिक लचीला है और न ही अमेरिका के संविधान की भांति अधिक कठोर है। इसमें संशोधन करने की विधि ना तो अत्यधिक दुष्कर बनाई गयी और न ही अधिक सरल बनाई गयी है। इसमें एक मध्य मार्ग अपनाया गया है, जिसमें कठोर एवं लचीले संविधान का सम्मिश्रण कहा जा सकता है।

323. भारतीय संविधान भावना में एकात्मक है, क्योंकि–
(अ) केवल संसद को संवैधानिक संशोधन प्रक्रिया आरम्भ करने का अधिकार है
(ब) कुछ स्थितियों में संसद को राज्य के लिए कानून बनाने का अधिकार है
(स) अखिल भारतीय सेवाओं में कारण
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधानवेत्ताओं ने संविधान को मुख्यतया दो वर्गों में विभाजित किया है–(1) संघात्मक तथा (2) एकात्मक। एकात्मक संविधान वह संविधान है, जिसके अंतर्गत सारी शक्तियाँ एक ही सरकार में निहित होती है जो प्रायः केन्द्रीय सरकार होती है। इसमें प्रान्तों को केन्द्रीय सरकार के अधीन रहना पड़ता है। इसके विपरीत संघात्मक संविधान वह संविधान है, जिसमें शक्तियों का केंद्र एवं राज्यों में विभाजन रहता है तथा दोनों सरकारें अपने–अपने क्षेत्रों में स्वतंत्र रूप से कार्य करती है।

324. भारतीय संविधान का स्वरूप किस प्रकार का है ?
(अ) एकात्मक
(ब) पूर्णतया संघात्मक
(स) संरचना में संघात्मक भावना में एकात्मक
(द) भावना में संघात्मक संरचना में एकात्मक
उत्तर : (स)
व्याख्या– डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने संविधान निर्मात्री सभा में संविधान के स्वरूप को संघात्मक बताते हुए कहा कि–''यह एक संघीय संविधान है। केन्द्र तथा राज्य दोनों का गठन संविधान द्वारा हुआ है और दोनों की शक्ति एवं प्राधिकार का स्रोत संविधान है।

325. भारतीय संविधान के संदर्भ में कहा जाता है कि यह–
(अ) मौलिक संविधान है
(ब) वकीलों का स्वर्ग है
(स) विकासशील संविधान है
(द) तानाशाही संविधान है
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान की आलोचना करते हुए जेनिंग्स ने उसे वकीलों का स्वर्ग की संज्ञा दी है। भारतीय संविधान को उधारों का थैला भी कहा जाता है, क्योंकि इसमें अधिकांश भाग विदेशों से लिए गये हैं।

326. भारतीय संविधान पर सबसे अधिक प्रभाव किसका पड़ा है ?
(अ) भारत सरकार अधिनियम, 1935 का
(ब) ब्रिटेन के संविधान का
(स) संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान का
(द) कनाडा के संविधान का
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत का वर्तमान संविधान एक बहुत बड़े अंश तक वर्ष 1935 के भारत शासन अधिनियम पर आधारित है। इस अधिनियम की लगभग 200 धाराएँ बहुत कुछ अक्षरशः या वाक्य रचना में साधारण परिवर्तन करके नये संविधान में ले ली गयी है।

327. निम्नलिखित में से यह किससे निर्धारित होता है कि भारत का संविधान परिसंघीय है ?
(अ) संविधान लिखित और अनम्य है
(ब) न्यायपालिका स्वतंत्र है
(स) केन्द्र एवं राज्य के बीच शक्तियों का वितरण
(द) अवशिष्ट शक्तियों का केन्द्र में निहित होना
उत्तर : (स)
व्याख्या– यद्यपि हमारे संविधान का स्वरूप संघात्मक है तथापि उसकी आत्मा एकात्मक है। दूसरें शब्दों में जहाँ एक तरफ संघात्मक व्यवस्था अपनाने पर भी हमारे संविधान का झुकाव एकात्मक व्यवस्था की ओर अधिक है। वहीं दूसरी तरफ केंद्र और राज्यों के बीच शक्तियों के वितरण से स्पष्ट होता है कि भारत का संविधान परिसंघीय है।

328. भारतीय संविधान का अभिभावक कौन है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) सर्वोच्च न्यायालय (द) निर्वाचन आयोग
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत में संविधान की सर्वोच्चता का सिद्धांत अपनाया गया है। संसद अपनी शक्ति संविधान से ही प्राप्त करती है। भारतीय संविधान में न तो ब्रिटेन की तरह संसदीय सर्वोच्चता के सिद्धांत के अपनाया गया है और न ही न्यायिक सर्वोच्चता के सिद्धांत को अपनाया गया है। संविधान की व्याख्या और अभिभावक के रूप में सर्वोच्च न्यायालय कार्य करता है।

329. भारत में प्रजातंत्र इस तथ्य पर आधारित है कि–
(अ) संविधान लिखित है
(ब) यहाँ मौलिक अधिकार प्रदान किये गये हैं
(स) जनता से सरकारों को चुनने तथा बदलने का अधिकार प्राप्त है
(द) यहाँ राज्य के नीति निर्देशक तत्व है
उत्तर : (स)
व्याख्या– प्रजातंत्र का आशय है कि जनता का, जनता के लिए, जनता की सरकार। अर्थात् लोगों को सरकार चुनने और बदलने का अधिकार होता है। भारत में भी प्रजातंत्र का यही आशय है।

330. भारतीय संविधान वर्तमान में कुल कितने आर्टिकल्स हैं–
(अ) 300 से अधिक आर्टिकल्स
(ब) 350 से अधिक आर्टिकल्स
(स) 400 से अधिक आर्टिकल्स
(द) 500 से अधिक आर्टिकल्स
उत्तर : (स)
व्याख्या– 26 नवम्बर, 1949 ई. को जब हमारे संविधान की रचना हुई तब इसमें 395 अनुच्छेद या धाराएं थीं। मूल अनुच्छेदों की संख्या संविधान में आज भी इतनी ही है। हालाँकि समय–समय पर होने वाले संशोधनों के कारण आज कुल अनुच्छेदों की संख्या 448 हो गई है, लेकिन ये मूल अनुच्छेद के ही विस्तार के रूप में स्थापित किये गये हैं। अर्थात् मूल अनुच्छेद 395 ही हैं।

331. भारत में किस प्रकार की शासन व्यवस्था अपनाई गई है ?
(अ) अमेरिकी अध्यक्षात्मक प्रणाली
(ब) ब्रिटिश संसदात्मक प्रणाली
(स) फ्रांसीसी अध्यक्षात्मक प्रणाली
(द) सामूहिक मंत्रिमंडलात्मक प्रणाली
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत में ब्रिटिश संसदात्मक प्रणाली प्रकार की शासन व्यवस्था अपनाई गयी है। ब्रिटेन की इस शासन प्रणाली को अक्सर संसदीय प्रणाली या वेस्टमिंस्टर प्रणाली कहा जाता है। ब्रिटिश संसद को अक्सर 'सांसदों की जननी' भी कहा जाता है।

332. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में इनमें से कौन सर्वोच्च है ?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय (ब) संविधान
(स) संसद (द) धर्म
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान देश का सर्वोच्च मौलिक कानून है। शासन के सभी अंग संविधान से ही शक्ति प्राप्त करते हैं।

333. भारत में वयस्क मताधिकार की उम्र सीमा है–
(अ) 18 वर्ष (ब) 20 वर्ष
(स) 21 वर्ष (द) 23 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– वर्ष 1989 में अनुच्छेद 326 में संशोधन करके लोकसभा और विधानसभा के चुनाव में मतदान करने की आयु सीमा 21 वर्ष से कम करके 18 वर्ष कर दी गयी। यह संशोधन राजीव गाँधी के नेतृत्व में कांग्रेस मंत्रिमण्डल द्वारा किया गया।

334. भारतीय संविधान के वृहद होने का कारण है–
(अ) इसमें अनेक संविधानों के अनुभव समाविष्ट है
(ब) इसमें विस्तृत प्रशासकीय प्रावधान है
(स) यह एक बड़े देश के शासन से संबंधित है
(द) इसमें संघ तथा राज्य दोनों सरकारों का संविधान है
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के वृहद होने का कारण है कि इसमें संघ तथा राज्य दोनों सरकारों का संविधान है।

335. भारतीय संघीय व्यवस्था की एक विशेषता है–
(अ) दोहरी नागरिकता
(ब) संविधान की सर्वोच्चता
(स) केन्द्र में सम्पूर्ण शक्ति
(द) शक्तियों का एकीकरण
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संघीय व्यवस्था की एक विशेषता संविधान की सर्वोच्चता है।

336. भारत के संविधान में संघीय शब्द की जगह किन शब्दों को स्थान दिया गया है ?
(अ) संघीय राज्य (ब) संघो का राज्य
(स) राज्यों का संघ (द) इकाइयों का संघ
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के संविधान में संघीय शब्द की जगह राज्यों का संघ शब्द को स्थान दिया गया है। भारत राज्यों का संघ है, जिसमें वर्तमान में 28 राज्य और 8 केन्द्र–शासित प्रदेश है।

337. भारतीय संविधान में कितनी सूचियाँ है ?
(अ) 1 (ब) 2
(स) 3 (द) 4
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान में तीन सूचियाँ हैं– संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची।

338. भारत का संविधान अपना प्राधिकार किससे प्राप्त करता है ?
(अ) भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 से
(ब) समाज के सभी वर्गों के लोगों द्वारा प्रतिनिधित्व संविधान सभा से
(स) भारत की जनता से
(द) राष्ट्रपति तथा सर्वोच्च न्यायालय से
उत्तर : (स) SSC 2000
व्याख्या– भारत का संविधान अपना प्राधिकार भारत की जनता से प्राप्त करता है।

339. अध्यक्षात्मक शासन का उदय सर्वप्रथम किस देश में हुआ ?
(अ) यूगोस्लाविया (ब) मिस्र
(स) स्विट्जरलैंड (द) संयुक्त राज्य अमेरिका
उत्तर : (द)
व्याख्या– अध्यक्षात्मक शासन व्यवस्था का उदय सर्वप्रथम संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ। इस शासन प्रणाली में प्रमुख कार्यकारी (राष्ट्रपति) राज्य का वास्तविक अध्यक्ष होता है। राष्ट्रपति लोगों द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निश्चित अवधि के लिए चुना जाता है तथा वह विधायिका के प्रति उत्तरदायी नहीं होता है। महाभियोग द्वारा उसे पद से हटाया जा सकता है। यह व्यवस्था संयुक्त राज्य अमेरिका के अलावा ब्राजील, अर्जेन्टाइना, चिली, मैक्सिको, फिलिपिन्स, दक्षिण कोरिया आदि देशो में विद्यमान है।

340. भारत में वैध प्रभुसत्ता निहित है–
(अ) राष्ट्रपति में (ब) न्यायपालिका में
(स) मंत्रिमंडल में (द) संविधान में
उत्तर : (द) SSC 2002
व्याख्या– भारत में वैध प्रभुसत्ता संविधान में निहित है।

341. भारतीय संविधान की संरचना किस प्रकार की है ?
(अ) संघीय
(ब) एकात्मक
(स) कठोर
(द) कुछ एकात्मक कुछ कठोर
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान की संरचना कुछ एकात्मक कुछ कठोर प्रकार की है।

342. लिखित संविधान की अवधारणा ने सर्वप्रथम कहाँ जन्म लिया ?
(अ) फ्रांस (ब) सं.रा. अमेरिका
(स) ब्रिटेन (द) स्विट्जरलैंड
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लिखित संविधान की अवधारणा ने सर्वप्रथम फ्रांस में 1761 ई. में जन्म लिया। वर्ष 1787 में संयुक्त राज्य अमेरिका का संविधान तैयार हुआ, जो विश्व का सर्वप्रथम लिखित संविधान है। नेपोलियन बोनापार्ट ने नेपोलियन कोड के नाम से विधि संहिता बनवायी, जो 1804 में फ्रांस का शासक बना। ब्रिटेन का संविधान विश्व का एक मात्र अलिखित संविधान है।

343. निम्न में से कौनसा एक भारतीय संविधान का दर्शन नहीं है ?
(अ) कल्याणकारी राज्य (ब) समाजवादी राज्य
(स) रानीतिक समानता (द) साम्यवादी राज्य
उत्तर : (द)

व्याख्या– साम्यवादी राज्य भारतीय संविधान का दर्शन नहीं है। संविधान की प्रस्तावना और राज्य के नीति निर्देशक तत्व से कल्याणकारी राज्य की अवधारणा स्पष्ट होती है जबकि समाजवादी राज्य और राजनैतिक समानता का उल्लेख प्रस्तावना में दिया गया है।

344. कथन (A) : भारतीय संविधान अर्द्धसंघात्मक है।
कारण (R) : भारतीय संविधान न तो संघात्मक है और न ही एकात्मक।
(अ) A और R दोनों सही है तथा R, A की सही व्याख्या है
(ब) A और R दोनों सही है परन्तु R, A की सही व्याख्या नहीं है
(स) A सही है परन्तु R गलत है
(द) A गलत है परन्तु R सही है
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान अर्द्धसंघात्मक है, अर्थात् भारतीय संविधान न तो संघात्मक है और न ही एकात्मक है। विश्व के समस्त संविधान को दो भागों में बाँटा गया है–संघात्मक और एकात्मक। संघात्मक संविधान के लक्षण हैं– लिखित संविधान, संविधान की सर्वोच्चता, संघ तथा राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन, स्वतंत्र न्यायपालिका, केन्द्र तथा राज्यों में पृथक सरकारें, संविधान की अपरिवर्तनशीलता। यद्यपि संघात्मक के सभी आवश्यक तत्व भारतीय संविधान में मौजूद है किन्तु कुछ विशेष परिस्थितियों में एकात्मक का रूप लेता है। आपातकालीन परिस्थितियों में, राज्यपालों की नियुक्ति, नए राज्यों का निर्माण, राज्य सूची के विषय पर संसद द्वारा विधि बनाना, राज्य विधान मंडलों द्वारा पारित कुछ विधेयकों को राष्ट्रपति की अनुमति के लिए रोककर रखना, अखिल भारतीय सेवाओं के माध्यम से राज्यों पर नियंत्रण, एकीकृत न्यायपालिका।

345. भारतीय राजव्यवस्था में सर्वोच्च स्थान है–
(अ) संसद (ब) धर्म
(स) संविधान (द) सर्वोच्च न्यायालय
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय राजव्यवस्था में सर्वोच्च स्थान संविधान का है।

346. निम्नलिखित में से कौनसी विशेषता भारतीय संघ और अमेरिकी संघ दोनों में साझी है ?
(अ) एकल नागरिकता
(ब) दोहरी नागरिकता
(स) संविधान में तीन सूचियाँ
(द) संविधान की व्याख्या के लिए संघीय उच्चतम न्यायालय
उत्तर : (द) SSC 2007
व्याख्या– संविधान की व्याख्या के लिए संघीय उच्चतम न्यायालय भारतीय संघ और अमेरिकी संघ दोनों में साझी है।

347. भारतीय संविधान का आप किस प्रकार वर्णन करेंगे ?
(अ) आकार में मध्यम
(ब) बहुत छोटा एवं सुसंहत
(स) विश्व के सबसे विस्तृत संविधानों में से एक
(द) यह लिखित संविधान नहीं है
उत्तर : (स) RRB 2009
व्याख्या– भारतीय संविधान विश्व के सबसे विस्तृत संविधानों में से एक है।

348. भारत का संविधान मान्यता प्रदान करता है–
(अ) केवल धार्मिक अल्पसंख्यकों को
(ब) केवल भाषाई अल्पसंख्यकों को
(स) धार्मिक एवं भाषाई अल्पसंख्यकों को
(द) धार्मिक, भाषाई एवं नृजातीय अल्पसंख्यकों को
उत्तर : (स) RRB 2008
व्याख्या– भारत का संविधान अनुच्छेद 30 के अन्तर्गत धार्मिक एवं भाषाई अल्पसंख्यकों को मान्यता प्रदान करता है।

349. विश्व का सबसे बड़ा, लिखित एवं सर्वाधिक व्यापक संविधान किस देश का है ?
(अ) ब्रिटेन (ब) भारत
(स) कनाडा (द) दक्षिण अफ्रीका
उत्तर : (ब) RRB 2002
व्याख्या– भारत का संविधान विश्व का सबसे बड़ा, लिखित एवं सर्वाधिक व्यापक संविधान है।

350. भारत के संविधान में भारत को माना गया है–
(अ) एक अर्द्धसंघ
(ब) स्वतंत्र राज्यों का संघ
(स) राज्यों का एक यूनियन
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के संविधान में भारत को राज्यों का एक यूनियन माना गया है।

351. निम्नलिखित कथनों में से कौन सही है ?
(अ) भारतीय संविधान अध्यक्षात्मक है
(ब) भारत एक नाममात्र का राजतंत्र है
(स) भारत एक कुलीन तंत्र है
(द) भारत एक संसदात्मक प्रजातंत्र है
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत एक संसदात्मक प्रजातंत्र है।

352. भारत में किस प्रकार की शासन व्यवस्था अपनायी गई है ?
(अ) अमेरिकी अध्यक्षात्मक प्रणाली
(ब) ब्रिटिश संसदात्मक प्रणाली
(स) फ्रांसीसी अध्यक्षात्मक प्रणाली
(द) सामूहिक मंत्रिमंडलात्मक प्रणाली
उत्तर : (ब)

व्याख्या–भारत में शासन व्यवस्था के रूप में ब्रिटिश संसदात्मक प्रणाली अपनायी गई है।

353. भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में इनमें से कौन सर्वोच्च है ?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय (ब) संविधान
(स) संसद (द) धर्म
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में संविधान को सर्वोच्च माना गया है।

354. भारतीय संविधान के वृहद् होने का कारण है–
(अ) इसमें अनेक संविधानों के अनुभव समाविष्ट है
(ब) इसमें विस्तृत प्रशासकीय प्रावधान है
(स) यह एक बड़े देश के शासन से सम्बन्धित है
(द) इसमें संघ तथा राज्य दोनों सरकारों का संविधान है
उत्तर : (द)
व्याख्या–भारतीय संविधान के वृहद् होने का कारण इसमें संघ तथा राज्य दोनों सरकारों का संविधान है।

5.भारतीय संविधान के स्रोत

355. भारतीय संविधान में समवर्ती सूची किसके संविधान से ली गई है ?
(अ) सं.रा. अमेरिका (ब) कनाडा
(स) जर्मनी (द) ऑस्ट्रेलिया
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनेक देशी और विदेशी स्रोत हैं:–
1. संयुक्त राज्य अमेरिका – प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, न्यायिक पुनरावलोकन, संविधान की सर्वोच्चता, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, निर्वाचित राष्ट्रपति एवं उस पर महाभियोग, उपराष्ट्रपति, उच्चतम एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को हटाने की विधि एवं वित्तीय आपात।
2. ब्रिटेन – संसदात्मक शासन प्रणाली, एकल नागरिकाता एवं विधि निर्माण प्रक्रिया, विधि का शासन, संसदीय विशेषाधिकार, मंत्रिमंडल प्रणाली, परमाधिकार लेख और द्विसदनवाद।
3. आयरलैंड – नीति निर्देशक सिद्धांत, राष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल की व्यवस्था, राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में साहित्य, कला, विज्ञान व समाज सेवा इत्यादि के क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त व्यक्तियों का मनोनयन।
4. आस्ट्रेलिया – प्रस्तापवना की भाषा, समवर्ती सूची का प्रावधान, केंद्र एवं राज्य के बीच संबंध तथा शक्तियों का विभाजन, संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक, व्यापार, वाणिज्य और समागम की स्वतंत्रता।
5. जर्मनी – आपातकाल के प्रवर्तन के दौरान राष्ट्रपति को मौलिक अधिकार संबंधी शक्तियाँ।
6. कनाडा – संघात्मक विशेषताएँ, अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र के पास, राज्यपाल की नियुक्ति विषयक प्रक्रिया, संघ एवं राज्य के बीच शक्ति विभाजन एवं सर्वोच्च न्यायालय का परामर्शी न्याय निर्णयन।
7. दक्षिण अफ्रीका – संविधान संशोधन की प्रक्रिया का प्रावधान, राज्यसभा के सदस्यों का निर्वाचन।
8. रूस – मौलिक कर्तव्यों का प्रावधान।
9. जापान – विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया।
10. फ्रांस–गणतंत्रात्मक और प्रस्तावना में स्वतंत्रता, समता और बंधुता के आदर्श।

356. भारतीय संविधान की कौनसी विशेष व्यवस्था इंग्लैण्ड से ली गई है ?
(अ) संसदीय प्रणाली (ब) संघीय प्रणाली
(स) मूल अधिकार (द) सर्वोच्च न्यायपालिका
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की संसदीय प्रणाली व्यवस्था इंग्लैण्ड से ली गई है। संसदीय प्रणाली लोकतांत्रिक शासन की वह प्रणाली है, जिसमें

कार्यपालिका अपनी लोकतांत्रिक वैद्यता विधायिका (संसद) से प्राप्त करती है तथा विधायिका के प्रति उत्तरदायी होती है। इस प्रकार संसदीय प्रणाली में कार्यपालिका और विधायिका परस्पर सम्बन्धित होते हैं।

357. भारतीय संविधान का कौनसा लक्षण आयरिश संविधान से अनुप्रेरित है ?
(अ) नीति निर्देशक सिद्धांत
(ब) राज्य सभा में सदस्यों का मनोनयन
(स) राष्ट्रपति के निर्वाचन की प्रक्रिया
(द) मौलिक कर्तव्य
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान का नीति निर्देशक सिद्धांत आयरलैंड के संविधान से अनुप्रेरित है। किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र के निर्माण में मौलिक अधिकार तथा नीति निर्देशक सिद्धांत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राज्य के नीति निर्देशक तत्व जनतांत्रिक संवैधानिक विकास के नवीनतम तत्व हैं। सबसे पहले ये आयरलैंड के संविधान में लागू किये गये थे। ये वे तत्व हैं, जो संविधान के विकास के साथ ही विकसित हुए हैं। इन तत्वों का कार्य एक जनकल्याणकारी राज्य की स्थापना करना है।

358. भारतीय संविधान का सबसे बड़ा एकाकी स्रोत है–
(अ) ब्रिटिश शासन
(ब) यू.एस.ए. का बिल ऑफ राइट्स
(स) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1919
(द) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान का सबसे बड़ा एकाकी स्रोत गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 है।

359. भारत की संघीय व्यवस्था किस देश की संघीय व्यवस्था से अधिक समानता रखती है ?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) कनाडा
(स) अमेरिका (द) आयरलैंड
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत की संघीय व्यवस्था कनाडा की संघीय व्यवस्था से अधिक समानता रखती है।

360. भारतीय संविधान में समवर्ती सूची की अवधारणा किस देश से ली गई है ?
(अ) कनाडा (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) सं.रा. अमेरिका (द) ब्रिटेन
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– भारतीय संविधान में समवर्ती सूची की अवधारणा ऑस्ट्रेलिया से ली गयी है। भारतीय संविधान में ऑस्ट्रेलिया से ली गयी प्रमुख अवधारणाएँ हैं– प्रस्तावना की भाषा, केन्द्र व राज्यों के बीच संबंध तथा शक्तियों का विभाजन, संसदीय विशेषाधिकार।

361. भारतीय संविधान के अंतर्गत संघ और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन की व्यवस्था किस देश के संविधान से ली गई है ?
(अ) सं.रा. अमेरिका (ब) कनाडा
(स) जर्मनी (द) ऑस्ट्रेलिया
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अन्तर्गत संघ और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन कनाडा के संविधान की प्रेरणा पर आधारित है।

362. भारतीय संविधान में सम्मिलित नीति निर्देशक तत्वों की प्रेरणा हमें किस संविधान से प्राप्त हुई है ?
(अ) सं.रा. अमेरिका (ब) कनाडा
(स) आयरलैंड (द) ऑस्ट्रेलिया
उत्तर : (स) SSC 2010
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक तत्व जनतांत्रिक संवैधानिक विकास के नवीनतम तत्व हैं। सबसे पहले ये आयरलैंड के संविधान में लागू किये गये थे। भारतीय संविधान में नीति निर्देशक तत्वों या सिद्धांतों को आयरलैंड के संविधान से ही लिये गये हैं। इन तत्वों का कार्य एक जनकल्याणकारी राज्य (वेलफेयर स्टेट) की स्थापना करना है।

363. भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्य का विचार लिया गया है–
(अ) अमेरिकी संविधान से
(ब) ब्रिटिश संविधान से
(स) रूस के संविधान से
(द) फ्रांस के संविधान से
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के मूल संविधान में 1976 से पूर्व नागरिकों के कर्तव्यों का कोई उल्लेख नहीं था, लेकिन हमारी परम्परा, संस्कृति एवं राष्ट्रीय आन्दोलन ने कर्तव्य पर बहुत बल दिया गया। 1976 में संवैधानिक सुधारों के लिए गठित सरदार स्वर्ण सिंह समिति के सुझावों के अनुरूप 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान के भाग–4 (क) एवं अनुच्छेद 51A में दस मौलिक कर्तव्यों को जोड़ा गया। मौलिक कर्तव्य सोवियत रूस के संविधान से प्रभावित है। इसमें पहले 10 कर्तव्य जोड़े गये, परन्तु वर्ष 2002 में 86वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा एक और मौलिक कर्तव्य को जोड़ा गया।

364. भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों का उल्लेख करते हुए निम्नलिखित में से किस देश का अनुसरण किया गया है ?
(अ) ब्रिटेन (ब) अमेरिका
(स) ऑस्ट्रेलिया (द) स्विट्जरलैंड
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या– भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों का उल्लेख करते हुए संयुक्त राज्य अमेरिका का अनुसरण किया गया है।

365. भारत में सरकार की संसदीय प्रणाली कहाँ से ग्रहण की गई है ?
(अ) अमेरिकी संविधान (ब) रूसी संविधान
(स) ब्रिटिश संविधान (द) स्विस संविधान
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– भारत में संसदीय प्रणाली ब्रिटिश संविधान से अभिप्रेरित है, जिसमें प्रधानमंत्री देश का वास्तविक कार्यपालक होता है और वह संसद (लोकसभा) के प्रति उत्तरदायी होता है।

366. भारत के संविधान निर्माताओं ने किस देश से न्यायिक पुनरावलोकन के विचार को ग्रहण किया है ?
(अ) ब्रिटेन से (ब) फ्रांस से
(स) स्विट्जरलैंड से (द) अमेरिका से
उत्तर : (द)
व्याख्या– न्यायिक पुनरावलोकन की व्यवस्था भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत न्यायालयों को शक्ति है कि वे विधानमंडल के कानूनों तथा कार्यपालिका के आदेशों की जाँच कर सकते हैं और यदि ये कानून अथवा आदेश संविधान के विरुद्ध हो तो उनको असंवैधानिक एवं अवैध घोषित कर सकते हैं। भारतीय संविधान द्वारा उच्चतम न्यायालय व उच्च न्यायालयों को अनुच्छेद 13, 32, 136, 226, 227 में न्यायिक पुनर्विलोकन की शक्ति प्रदान की गयी हैं।

367. 'कानून के समान संरक्षण' वाक्य कहाँ से लिया गया है ?
(अ) सं.रा. अमेरिका (ब) बिटेन
(स) कनाडा (द) ऑस्ट्रेलिया
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 'कानून के समान संरक्षण' वाक्य अमेरिका से लिया गया है। कानून का समान संरक्षण अमेरिकी संविधान से प्रेरित है। इसका तात्पर्य है कि कानून द्वारा प्रदत्त विशेषाधिकारों और दायित्वों के संदर्भ में समान परिस्थितियों में समान व्यवहार और सभी व्यक्तियों के लिये एक ही तरह के कानून का एक जैसे अनुप्रयोग से है।

368. भारतीय संविधान में आपात संबंधी उपबन्ध भारत शासन अधिनियम, 1935 के अतिरिक्त किस देश के संविधान से लिया गया है ?
(अ) दक्षिण अफ्रीका
(ब) जर्मनी के वीमर संविधान
(स) जर्मनी
(द) पूर्व सोवियत संघ
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान में आपात सम्बन्धी उपबन्ध भारत शासन अधिनियम, 1935 तथा जर्मनी के वीमर संविधान से लिया गया है।

369. भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों की संकल्पना कहाँ से अंगीकार की गई है ?
(अ) आयरलैंड (ब) ब्रिटेन
(स) जर्मनी (द) ऑस्ट्रेलिया
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख संविधान के भाग–4 के अनुच्छेद 31 से 51 तक में किया गया है। राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों की संकल्पना आयरलैंड से अंगीकार की गई है।

370. संविधान के संरक्षक के रूप में सर्वोच्च न्यायालय का अधिकार विश्व के किस संविधान से लिया गया है ?
(अ) सं.रा. अमेरिका (ब) कनाडा
(स) जर्मनी (द) ऑस्ट्रेलिया
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के संरक्षक के रूप में सर्वोच्च न्यायालय का अधिकार अमेरिका के संविधान से लिया गया है।

371. राष्ट्रपति द्वारा राज्य सभा के सदस्यों के नामांकन का नियम किस देश के संविधान से लिया गया था ?
(अ) सं.रा. अमेरिका (ब) आयरलैंड
(स) दक्षिण अफ्रीका (द) फ्रांस
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– राष्ट्रपति द्वारा राज्य सभा के सदस्यों के नामांकन का नियम आयरलैंड के संविधान से लिया गया था। अनुच्छेद 80 (1)(क) के अनुसार, राष्ट्रपति राज्य सभा के लिए 12 सदस्यों का नामांकन या मनोनयन कर सकता है। अनुच्छेद 80(3) के अनुसार, राष्ट्रपति द्वारा नाम निर्देशित ये 12 सदस्य वे होंगे जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवा के संबंध में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य ऐसे विद्वान तथा प्रतिष्ठित लोगों को बिना निर्वाचन के राज्य सभा में प्रतिनिधित्व देना है, जिससे देश को इनके ज्ञान तथा अनुभव का लाभ प्राप्त हो सके।

372. भारतीय संविधान में उल्लिखित स्वतंत्रता, समानता और बन्धुता की संकल्पना किससे प्रेरित है ?
(अ) फ्रांस के संविधान से
(ब) आयरिश के संविधान से
(स) अमेरिका के संविधान से
(द) ब्रिटिश के संविधान से
उत्तर : (अ) RRB 2005
व्याख्या– भारतीय संविधान में उल्लिखित स्वतंत्रता, समानता और बन्धुता की संकल्पना फ्रांस के संविधान से प्रेरित है।

373. 'विधि के समक्ष समता' किस देश के संविधान से लिया गया है ?
(अ) इंग्लैण्ड (ब) अमेरिका
(स) आयरलैंड (द) जापान
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अनुच्छेद 14 के अनुसार राज्य, भारत के राज्य क्षेत्र में किसी व्यक्ति को विधि के समक्ष समता या विधियों के समान संरक्षण से वंचित नहीं करेगा। 'विधि के समक्ष समता' का विचार ब्रिटिश मूल का है, जबकि विधियों के समान संरक्षण को अमेरिका के संविधान से लिया गया है।

374. भारतीय संविधान में मूल कर्तव्यों को शामिल करने का विचार किस देश के संविधान से लिया गया है ?
(अ) आयरलैंड (ब) अमेरिका
(स) फ्रांस (द) पूर्व सोवियत रूस
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान में मूल कर्तव्यों से संबंधित भाग सोवियत संघ के संविधान से प्रेरित है। मूल कर्तव्य पहले से संविधान में नहीं थे। इन्हें स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर आंतरिक आपातकाल की जरूरत एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 42वें संशोधन, 1976 के द्वारा जोड़ा गया।

375. भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों के स्थगन संबंधी कार्यपालिका के अधिकारों को किस देश के संविधान से लिया गया है ?
(अ) आयरलैंड (ब) जर्मनी
(स) दक्षिण अफ्रीका (द) फ्रांस
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों के स्थगन सम्बन्धी कार्यपालिका के अधिकारों को जर्मनी के संविधान से लिया गया है।

376. संयुक्त राज्य अमेरिका के संवैधानिक आदर्शों पर भारतीय संविधान में कौनसी व्यवस्थाएँ शामिल की गई है ?
(अ) संघीय शासन व्यवस्था
(ब) मौलिक अधिकार
(स) स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायालय और न्यायिक पुनर्विलोकन
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संयुक्त राज्य अमेरिका के संवैधानिक आदर्शों पर भारतीय संविधान में उपरोक्त सभी व्यवस्था शामिल की गई है।

377. भारत में कलक्टर का पद औपनिवेशिक शासन ने किस देश से लिया था ?
(अ) इंग्लैण्ड (ब) आयरलैंड
(स) ऑस्ट्रिया (द) फ्रांस
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में कलेक्टर का पद औपनिवेशिक शासन ने इंग्लैंड से लिया था।

378. सर्वसत्तासम्पन्न संसद की अवधारणा किस देश की देन है ?
(अ) इंग्लैण्ड (ब) कनाडा
(स) फ्रांस (द) ऑस्ट्रेलिया
उत्तर : (अ) SSC 2013
व्याख्या– सर्वसत्तासम्पन्न संसद की अवधारणा इंग्लैण्ड की देन है।

379. भारतीय संविधान में संघवाद किस देश से लिया गया है ?
(अ) सं.रा. अमेरिका (ब) कनाडा
(स) जर्मनी (द) ऑस्ट्रेलिया
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान में संघवाद कनाडा देश के संविधान से लिया गया है। राज्य के नीति निर्देशक तत्व आयरलैंड के संविधान से, मौलिक अधिकार संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से तथा समवर्ती सूची ऑस्ट्रेलिया के संविधान से लिया गया है।

380. सर्वोच्च न्यायालय की व्यवस्था भारतीय संविधान में किस देश से ली गई है ?
(अ) जापान (ब) संयुक्त राज्य अमेरिका
(स) ब्रिटेन (द) दक्षिण अफ्रीका
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय की व्यवस्था भारतीय संविधान में संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से ली गई है।

381. भारतीय संविधान के निर्माण में सर्वाधिक गम्भीर प्रभाव निम्नलिखित में से किसने छोड़ा है ?
(अ) ब्रिटिश संविधान
(ब) संयुक्त राज्य अमेरिका का संविधान
(स) आयरलैंड का संविधान
(द) भारत सरकार अधिनियम, 1935
उत्तर : (द) SSC 2000
व्याख्या– भारतीय संविधान के निर्माण में सर्वाधिक गम्भीर प्रभाव भारत सरकार अधिनियम, 1935 ने छोड़ा है।

382. भारत की संसदीय प्रणाली प्रभावित है–
(अ) इंग्लैण्ड से (ब) सं.रा. अमेरिका से
(स) जर्मनी से (द) आयरलैंड से
उत्तर : (अ) RRB 2005
व्याख्या– संसदीय प्रणाली लोकतांत्रिक शासन की वह प्रणाली है, जिसमें कार्यपालिका अपनी लोकतांत्रिक वैधता विधायिका (संसद) से प्राप्त करती है तथा विधायिका के प्रति उत्तरदायी होती है। भारत की संसदीय प्रणाली इंग्लैण्ड से प्रभावित है।

383. संघात्मक शासन व्यवस्था को सर्वप्रथम किस देश ने अपनाया ?
(अ) अमेरिका (ब) रूस
(स) कनाडा (द) नाइजीरिया
उत्तर : (स) RRB 2004
व्याख्या– संघात्मक व्यवस्था कनाडा के संविधान से ली गई है। रूस के संविधान से मूल कर्तव्य लिए गए हैं।

384. भारत के संविधान की प्रस्तावना में प्रतिष्ठापित स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के आदर्शों की प्रेरणा कहाँ से मिली थी ?
(अ) फ्रांस की क्रान्ति
(ब) रूस की क्रान्ति
(स) अमेरिका की क्रांति
(द) संयुक्त राष्ट्र घोषणा पत्र
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के संविधान की प्रस्तावना में प्रतिष्ठापित स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के आदर्शों की प्रेरणा फ्रांस की क्रांति से मिली थी।

385. किस देश के संविधान से भारत की संघीय व्यवस्था प्रभावित नहीं है ?
(अ) सं.रा. अमेरिका (ब) कनाडा
(स) ऑस्ट्रलिया (द) दक्षिण अफ्रीका
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के प्रथम अनुच्छेद में कहा गया है कि–''भारत, राज्यों का संघ होगा''। लेकिन संविधान निर्माता संघीय शासन को अपनाते हुए भी भारतीय संघ व्यवस्था की दुर्बलताओं को दूर रखने के लिए उत्सुक थे और इस कारण भारत के संघीय शासन में एकात्मक शासन के कुछ लक्षणों को अपना लिया गया है। वास्तव में, भारतीय संविधान में संघीय–शासन के लक्षण प्रमुख रूप से और एकात्मक शासन के लक्षण गौण रूप से विद्यमान है। दक्षिण अफ्रीका के संविधान से भारत की संघीय व्यवस्था प्रभावित नहीं है।

386. भारतीय संविधान की संशोधन प्रक्रिया किस देश के संविधान से प्रभावित है ?
(अ) कनाडा (ब) ऑस्ट्रेलिया
(स) इटली (द) दक्षिण अफ्रीका
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान की संशोधन प्रक्रिया दक्षिण अफ्रीका के संविधान से प्रभावित है।

387. निम्नलिखित में से भारत के संविधान में संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से नहीं लिया गया है–
(अ) प्रस्तावना
(ब) मौलिक अधिकार
(स) न्यायिक पुनरावलोकन
(द) संसदात्मक शासन प्रणाली
उत्तर : (द)
व्याख्या–भारत के संविधान में संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से अभिप्रेरित हैं–प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, न्यायिक पुनरावलोकन, संविधान की सर्वोच्चता, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, निर्वाचित राष्ट्रपति एवं उस पर महाभियोग, उपराष्ट्रपति, उच्चतम एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को हटाने की विधि एवं वित्तीय आपात। संसदात्मक शासन प्रणाली ब्रिटेन के संविधान से अभिप्रेरित है।

388. संसदीय शासन प्रणाली सर्वप्रथम किस देश में विकसित हुई ?
(अ) ब्रिटेन (ब) बेल्जियम
(स) फ्रांस (द) स्विट्जरलैंड
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संसदीय शासन प्रणाली सर्वप्रथम ग्रेट ब्रिटेन में विकसित हुई है। ब्रिटेन संसदीय शासन का सर्वोत्तम उदाहरण है तथा संयुक्त राज्य अमेरिका राष्ट्रपति शासन का सर्वोत्तम उदाहरण है। संसदीय व्यवस्था में राष्ट्रपति नाममात्र की सत्ता होती है। प्रधानमंत्री सहित मंत्रिपरिषद् के पास वास्तविक कार्यकारी सत्ता होती है।

389. निम्नलिखित में से कौनसा लक्षण भारतीय परिसंघ और अमेरिकी परिसंघ में समान रूप से पाया जाता है ?
(अ) एक ही नागरिकता
(ब) संविधान की तीन सूचियाँ
(स) न्यायालिका की द्वैधता
(द) संविधान के निर्वाचन के परिसंघीय उच्चतम न्यायालय
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के निर्वाचन के लिए एक परिसंघीय उच्चतम न्यायालय की स्थापना की प्रक्रिया अमेरिकी संविधान से प्रभावित है।

390. निम्न में से वह संवैधानिक दस्तावेज कौनसा है, जिसका भारतीय संविधान तैयार करने में गहरा प्रभाव पड़ा था ?
(अ) भारत सरकार अधिनियम, 1935
(ब) दक्षिण अफ्रीका का संविधान
(स) ब्रिटिश संविधान
(द) सं.रा. अमेरिका का संविधान
उत्तर : (अ) SSC 2008
व्याख्या– भारत सरकार अधिनियम, 1935 का भारतीय संविधान तैयार करने में गहरा प्रभाव पड़ा।

391. भारतीय संविधान में मूलभूत अधिकार किस संविधान से लिए गए थे ?
(अ) सं.रा. अमेरिका (ब) ब्रिटेन
(स) सोवियत संघ (द) फ्रांस
उत्तर : (अ) SSC 2013
व्याख्या– भारतीय संविधान में मूलभूत अधिकार या मौलिक अधिकार अमेरिकी संविधान से लिए गये

थे। वर्तमान में हमारे संविधान में छः मूल अधिकार वर्णित है।

392. भारत के राष्ट्रपति को आपातकालीन शक्तियाँ निम्नलिखित में से किस देश की देन है ?
(अ) कनाडा के संविधान की
(ब) ऑस्ट्रेलिया के संविधान की
(स) जर्मनी के वीमर संविधान की
(द) अमेरिका के संविधान की
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति की आपातकालीन शक्तियाँ जर्मनी के वीमर संविधान की देन है।

393. हमारे संविधान में मूल अधिकार किस संविधान से प्रेरित है ?
(अ) अमेरिका (ब) यू.के
(स) स्विट्जरलैंड (द) सोवियत संघ
उत्तर : (अ) RRB 2008
व्याख्या– वे अधिकार जो लोगों के जीवन के लिए अत्यावश्यक या मौलिक समझे जाते हैं, उन्हें मूल अधिकार कहा जाता है। हमारे संविधान में मूल अधिकार संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से प्रेरित है।

394. भारत के संविधान के निर्माताओं ने मौलिक अधिकारों की अवधारणा को उधार लिया है–
(अ) सं.रा. अमेरिका के संविधान से
(ब) आयरलैंड के संविधान से
(स) कनाडा के संविधान से
(द) सोवियत संघ के संविधान से
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान में सन्निहित मूल अधिकारों की अवधारणा, सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियाँ व संगठन तथा उपराष्ट्रपति का पद संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से लिया गया है।

395. संविधान निर्माताओं ने कौनसा लक्षण अमेरिका के संविधान से ग्रहण किया है ?
(अ) न्यायिक समीक्षा
(ब) मौलिक अधिकार
(स) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पद से हटाने की विधि
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (स) RRB 2008
व्याख्या– संविधान निर्माताओं ने न्यायिक समीक्षा, मौलिक अधिकार तथा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पद से हटाने की विधि का लक्षण अमेरिका के संविधान से ग्रहण किया गया है।

396. संघात्मक शासन व्यवस्था को सर्वप्रथम किस देश ने अपनाया ?
(अ) अमेरिका (ब) रूस
(स) कनाडा (द) नाइजीरिया
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान में संघवाद कनाडा देश के संविधान से लिया गया है। राज्य के नीति निर्देशक तत्व आयरलैंड के संविधान से, मौलिक अधिकार संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से तथा समवर्ती सूची ऑस्ट्रेलिया के संविधान से लिया है।

397. निम्नलिखित में से भारत के संविधान में संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से नहीं लिया गया है–
(अ) संविधान की सर्वोच्चता
(ब) न्यायपालिका की स्वतंत्रता
(स) निर्वाचित राष्ट्रपति और उस पर महाभियोग
(द) नीति–निर्देशक सिद्धांत
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान में संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से अभिप्रेरित हैं–प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, न्यायिक पुनरावलोकन, संविधान की सर्वोच्चता, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, निर्वाचित राष्ट्रपति एवं उस पर महाभियोग, उपराष्ट्रपति, उच्चतम एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को हटाने की विधि एवं वित्तीय आपात। नीति–निर्देशक सिद्धांत आयरलैंड के संविधान से लिये गये हैं।

398. निम्नलिखित में से भारत के संविधान में संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से नहीं लिया गया है–
(अ) उपराष्ट्रपति
(ब) उच्चतम एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को हटाने की विधि
(स) वित्तीय आपात
(द) आपातकाल
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान में संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से अभिप्रेरित हैं–प्रस्तावना, मौलिक अधिकार, न्यायिक पुनरावलोकन, संविधान की सर्वोच्चता, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, निर्वाचित राष्ट्रपति एवं उस पर महाभियोग, उपराष्ट्रपति, उच्चतम एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को हटाने की विधि एवं वित्तीय आपात। आपातकाल के प्रवर्तन के दौरान राष्ट्रपति को मौलिक अधिकार संबंधी शक्तियाँ जर्मनी के संविधान से ली गयी है।

399. निम्नलिखित में से भारत के संविधान में ब्रिटेन के संविधान से नहीं लिया गया है–
(अ) संसदात्मक शासन प्रणाली
(ब) एकल नागरिकता
(स) विधि निर्माण प्रक्रिया
(द) संविधान संशोधन की प्रक्रिया का प्रावधान
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान में ब्रिटेन के संविधान से संसदात्मक शासन प्रणाली, एकल नागरिकता एव विधि निर्माण प्रक्रिया, विधि का शासन, संसदीय विशेषाधिकार, मंत्रिमंडल प्रणाली, परमाधिकार लेख और द्विसदनवाद के प्रावधान लिये गये हैं। संविधान

संशोधन की प्रक्रिया का प्रावधान दक्षिण अफ्रीका के संविधान से लिया गया है।

400. निम्नलिखित में से भारत के संविधान में ब्रिटेन के संविधान से नहीं लिया गया है–
(अ) विधि निर्माण प्रक्रिया
(ब) विधि का शासन
(स) संसदीय विशेषाधिकार
(द) मौलिक कर्तव्य
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान में ब्रिटेन के संविधान से संसदात्मक शासन प्रणाली, एकल नागरिकता एवं विधि निर्माण प्रक्रिया, विधि का शासन, संसदीय विशेषाधिकार, मंत्रिमंडल प्रणाली, परमाधिकार लेख और द्विसदनवाद के प्रावधान लिये गये हैं। संविधान संशोधन की प्रक्रिया का प्रावधान दक्षिण अफ्रीका के संविधान से लिया गया है। मौलिक कर्तव्य रूस के संविधान से लिये गये हैं।

401. निम्नलिखित में से भारत के संविधान में ब्रिटेन के संविधान से नहीं लिया गया है–
(अ) मंत्रिमंडल प्रणाली
(ब) परमाधिकार लेख
(स) द्विसदनवाद
(द) अवशिष्ट शक्तियाँ
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान में ब्रिटेन के संविधान से संसदात्मक शासन प्रणाली, एकल नागरिकता एवं विधि निर्माण प्रक्रिया, विधि का शासन, संसदीय विशेषाधिकार, मंत्रिमंडल प्रणाली, परमाधिकार लेख और द्विसदनवाद के प्रावधान लिये गये हैं। 'अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र के पास रहेगी' यह प्रावधान कनाडा के संविधान से लिया गया है।

402. संविधान में मौलिक कर्तव्यों का प्रावधान किस देश से लिया गया है ?
(अ) अमेरिका (ब) रूस
(स) कनाडा (द) नाइजीरिया
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के संविधान में मौलिक कर्तव्यों का प्रावधान रूस से लिया गया है।

403. निम्नलिखित में से भारत के संविधान में आस्ट्रेलिया के संविधान से लिया गया है ?
(अ) प्रस्तावना की भाषा
(ब) समवर्ती सूची का प्रावधान
(स) केन्द्र एवं राज्य के बीच संबंध तथा शक्तियों का विभाजन
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान में 'प्रस्तावना की भाषा, समवर्ती सूची का प्रावधान, केन्द्र एवं राज्य के बीच संबंध तथा शक्तियों का विभाजन, संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक, व्यापार, वाणिज्य और समागम की स्वतंत्रता' आस्ट्रेलिया के संविधान से लिये गये हैं।

404. निम्नलिखित में से भारत के संविधान में आस्ट्रेलिया के संविधान से लिया गया है ?
(अ) संसद में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक
(ब) समवर्ती सूची का प्रावधान
(स) व्यापार, वाणिज्य एवं समागम की स्वतंत्रता
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान में 'प्रस्तावना की भाषा, समवर्ती सूची का प्रावधान, केन्द्र एवं राज्य के बीच संबंध तथा शक्तियों का विभाजन, संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक, व्यापार, वाणिज्य और समागम की स्वतंत्रता' आस्ट्रेलिया के संविधान से लिये गये हैं।

405. भारत के संविधान में आपातकाल के प्रवर्तन के दौरान राष्ट्रपति को मौलिक अधिकार संबंधी शक्तियाँ प्रदान की गयी है। यह प्रावधान किस देश के संविधान से अभिप्रेरित है ?
(अ) ब्रिटेन (ब) आस्ट्रेलिया
(स) जर्मनी (द) कनाडा
उत्तर : (स)
व्याख्या– आपातकाल के प्रवर्तन के दौरान राष्ट्रपति को मौलिक अधिकार संबंधी शक्तियाँ प्रदान की गयी है। यह प्रावधान जर्मनी के संविधान से लिया गया है।

406. निम्नलिखित में से भारत के संविधान में आयरलैंड के संविधान से लिया गया है ?
(अ) नीति–निर्देशक सिद्धांत
(ब) राष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल की व्यवस्था
(स) राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में साहित्य, कला, विज्ञान एवं समाज सेवा इत्यादि के क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त व्यक्तियों का मनोनयन
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान में आयरलैंड के संविधान से नीति–निर्देशक सिद्धांत, राष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल की व्यवस्था, राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा में साहित्य, कला, विज्ञान व समाज सेवा इत्यादि के क्षेत्र में ख्यातिप्राप्त व्यक्तियों का मनोनयन के प्रावधान लिये गये हैं।

407. निम्नलिखित में से भारत के संविधान में कनाडा के संविधान से लिया गया है ?
(अ) संघात्मक शासन विशेषताएँ
(ब) अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र के पास
(स) राज्यपाल की नियुक्ति विषयक प्रक्रिया
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान में कनाडा के संविधान से लिये गये प्रावधान हैं–संघात्मक विशेषताएँ,

अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र के पास, राज्यपाल की नियुक्ति विषयक प्रक्रिया, संघ एवं राज्य के बीच शक्ति विभाजन एवं सर्वोच्च न्यायालय का परामर्शी न्याय निर्णयन।

408. भारत के संविधान में दक्षिण अफ्रीका के संविधान से लिया गया प्रावधान है–
(अ) संविधान संशोधन की प्रक्रिया
(ब) राज्यसभा के सदस्यों का निर्वाचन
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के संविधान में दक्षिण अफ्रीका के संविधान से लिए गये प्रावधान हैं–संविधान संशोधन की प्रक्रिया एवं राज्यसभा के सदस्यों का निर्वाचन।

409. भारत के संविधान में गणतंत्रात्मक और प्रस्तावना में स्वतंत्रता, समता और बंधुता के आदर्श किस देश के संविधान से अभिप्रेरित है ?
(अ) अमेरिका (ब) रूस
(स) कनाडा (द) फ्रांस
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान में गणतंत्रात्मक और प्रस्तावना में स्वतंत्रता, समता और बंधुता के आदर्श फ्रांस देश के संविधान से लिये गये हैं।

410. निम्नलिखित में से भारत के संविधान में कनाडा के संविधान से लिया गया है ?
(अ) संघ एवं राज्य के बीच शक्ति विभाजन
(ब) सर्वोच्च न्यायालय का परामर्शी न्याय निर्णयन
(स) अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र के पास रहेगी
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान में कनाडा के संविधान से लिये गये प्रावधान हैं–संघात्मक विशेषताएँ, अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र के पास, राज्यपाल की नियुक्ति विषयक प्रक्रिया, संघ एवं राज्य के बीच शक्ति विभाजन एवं सर्वोच्च न्यायालय का परामर्शी न्याय निर्णयन।

411. भारतीय संविधान के अनेक देशी और विदेशी स्रोत हैं, लेकिन भारतीय संविधान पर सबसे अधिक प्रभाव किस अधिनियम का पड़ा ?
(अ) भारतीय शासन अधिनियम, 1935 ई.
(ब) भारतीय स्वतंत्रता अधिनियम, 1947 ई.
(स) कैबिनेट मिशन योजना, 1946 ई.
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनेक देशी और विदेशी स्रोत हैं, लेकिन भारतीय संविधान पर सबसे अधिक प्रभाव 'भारतीय शासन अधिनियम, 1935 ई. का है। भारतीय संविधान के 395 अनुच्छेदों में से लगभग 250 अनुच्छेद ऐसे हैं, जो भारतीय शासन अधिनियम, 1935 ई. से या तो शब्दशः ले लिये गये हैं या फिर उनमें बहुत थोड़ा परिवर्तन के साथ लिया गया है।

412. विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया का प्रावधान किस देश से लिया गया है ?
(अ) अमेरिका (ब) रूस
(स) कनाडा (द) जापान
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान में विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया का प्रावधान जापान के संविधान से लिया गया है।

413. 'कानून के समान संरक्षण' वाक्य कहाँ से लिया गया है ?
(अ) अमेरिका (ब) ब्रिटेन
(स) कनाडा (द) ऑस्ट्रेलिया
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 'कानून के समान संरक्षण' वाक्य अमेरिका के संविधान से लिया गया है।

414. राष्ट्रपति द्वारा राज्य सभा के सदस्यों के नामांकन का नियम किस देश के संविधान से लिया है ?
(अ) सं.रा.अ. (ब) आयरलैंड
(स) दक्षिण अफ्रीका (द) फ्रांस
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति द्वारा राज्य सभा के सदस्यों के नामांकन का नियम आयरलैंड के संविधान से लिया गया है।

415. भारतीय संविधान में शामिल नीति निर्देशक सिद्धांत किसके संविधान से प्रेरित है ?
(अ) कनाडा (ब) अमेरिका
(स) ऑस्ट्रेलिया (द) आयरलैंड
उत्तर : (द)
व्याख्या–भारतीय संविधान में शामिल नीति निर्देशक सिद्धांत आयरलैंड के संविधान से प्रेरित है।

416. भारतीय संविधान का सबसे बड़ा एकाकी स्रोत है–
(अ) ब्रिटिश शासन
(ब) यू.एस.ए. का बिल ऑफ राइट्स
(स) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1919
(द) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान का सबसे बड़ा एकाकी स्रोत गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935 है।

417. भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्य का विचार लिया गया है–
(अ) अमेरिकी संविधान से
(ब) ब्रिटिश संविधान से
(स) रूस के संविधान से
(द) फ्रांस के संविधान से
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्य का विचार रूस के संविधान से लिया गया है।

418. भारतीय संविधान में मौलिक अधिकारों का उल्लेख करते हुए निम्नलिखित में से किस देश का अनुसरण किया गया है ?
(अ) ब्रिटेन (ब) अमेरिका
(स) ऑस्ट्रेलिया (द) स्विट्जरलैंड
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान में उल्लेखित मौलिक अधिकार अमेरिका के संविधान से प्रेरित है।

419. भारतीय संविधान में आपात सम्बन्धी उपबन्ध भारत शासन अधिनियम, 1935 और.....के संविधान से लिया गया है।
(अ) दक्षिण अफ्रीका
(ब) जर्मनी के वीमर संविधान
(स) कनाडा
(द) पूर्व सोवियत संघ
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान में आपात संबंधी उपबंध भारत शासन अधिनियम, 1935 और जर्मनी के वीमर संविधान से लिया गया है।

420. भारत में कलेक्टर का पद औपनिवेशिक शासन से उधार लिया था–
(अ) इंग्लैंड से (ब) आयरलैंड से
(स) आस्ट्रिया से (द) फ्रांस से
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में कलेक्टर का पद औपनिवेशिक शासन ने इंग्लैंड के संविधान से उधार लिया था।

6.भारतीय संविधान की अनुसूची

421. वर्तमान में भारतीय संविधान में कुल कितनी अनुसूचियाँ है ?
(अ) 8 (ब) 10
(स) 12 (द) 14
उत्तर : (स) RRB 2006
व्याख्या– 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू किया गया। उसमें 395 अनुच्छेद, 8 अनुसूचियाँ तथा 22 भाग थे तथा बाद में संविधान में चार अनुसूचियाँ को बढ़ाया गया तथा वर्तमान में संविधान में कुल 12 अनुसूचियाँ हैं।

422. संविधान सभा की प्रारूप समिति द्वारा प्रस्तुत प्रारूप संविधान में कितनी अनुसूचियाँ थीं ?
(अ) 6 (ब) 8
(स) 9 (द) 12
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान सभा की प्रारूप समिति द्वारा प्रस्तुत प्रारूप संविधान में 8 अनुसूचियाँ थीं।

423. संविधान सभा द्वारा अंतिम रूप से पारित संविधान में कुल कितनी अनुसूचियाँ थी ?
(अ) 6 (ब) 8
(स) 9 (द) 12
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान सभा द्वारा अंतिम रूप से पारित संविधान में कुल 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियाँ थीं।

424. मूल संविधान में कितनी अनुसूचियाँ थी ?
(अ) 6 (ब) 8
(स) 10 (द) 11
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मूल संविधान में कुल 395 अनुच्छेद, 22 भाग और 8 अनुसूचियाँ थीं। वर्तमान में अनुच्छेदों की संख्या 448 हैं, किन्तु मूल रूप से अनुच्छेदों की संख्या 395 ही है।

425. किस संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान में 9वीं अनुसूची जोड़ी गई ?
(अ) पहला (ब) दूसरा
(स) सातवाँ (द) नौवाँ
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मूल भारतीय संविधान में 8 अनुसूचियाँ ही थी। नौवीं अनुसूची 1951 में प्रथम संविधान संशोधन के माध्यम से जोड़ी गयी। 10वीं अनुसूची 1985 में 52वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ी गयी। 73वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा 11वीं अनुसूची तथा 74वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा 12वीं अनुसूची को जोड़ा गया। इस प्रकार भारतीय संविधान में अब कुल 12 अनुसूचियाँ हैं।

426. 52वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा 1985 ई. में कौनसी अनुसूची को भारतीय संविधान में शामिल किया गया ?
(अ) 9वीं (ब) 10वीं
(स) 11वीं (द) 12वीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 52वाँ संविधान अधिनियम, 1985 के द्वारा संविधान में 10वीं अनुसूची को जोड़ा गया। इसके द्वारा राजनीतिक दल बदल को गैर–कानूनी बना दिया गया।

427. 73वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान में कौनसी अनुसूची जोड़ी गई ?
(अ) 9वीं (ब) 10वीं
(स) 11वीं (द) 12वीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान की 11वीं अनुसूची पंचायती राज से संबंधित है। 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 (24 अप्रैल, 1993 से प्रभावी) द्वारा संविधान में भाग 9वीं एवं 11वीं अनुसूची को जोड़कर पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक आधार प्रदान किया गया। 11वीं अनुसूची में 29 विषयों का उल्लेख है, जिन पर पंचायतों को विधि बनाने की शक्ति प्रदान की गयी है।

428. 74वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान में कौनसी अनुसूची जोड़ी गई ?
(अ) 9वीं (ब) 10वीं
(स) 11वीं (द) 12वीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– 74वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 (1.6.1993 से प्रभावी) द्वारा 12वीं अनुसूची को जोड़ा गया। यह सूची शहरी निकायों के गठन से संबंधित है।

429. भारत संघ में शामिल राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों का उल्लेख भारतीय संविधान की किस अनुसूची में है ?
(अ) प्रथम अनुसूची (ब) द्वितीय अनुसूची
(स) तृतीय अनुसूची (द) चतुर्थ अनुसूची
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत संघ में शामिल राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों का उल्लेख भारतीय संविधान की प्रथम अनुसूची में है।

430. राष्ट्रपति, राज्यों के राज्यपालों, सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों, संसद तथा राज्य विधानमंडलों के अधिकारियों, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक आदि के वेतन के संबंध में प्रावधान संविधान की किस अनुसूची में किया गया है ?
(अ) प्रथम अनुसूची (ब) द्वितीय अनुसूची
(स) तृतीय अनुसूची (द) चतुर्थ अनुसूची
उत्तर : (ब)
व्याख्या– द्वितीय अनुसूची में विभिन्न पदाधिकारियों (राष्ट्रपति, राज्यपाल, लोकसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, राज्य सभा के सभापति एवं उपसभापति, विधान सभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, विधान परिषद के सभापति एवं उपसभापति, उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों और भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक आदि को प्राप्त होने वाले वेतन, भत्ते और पेंशन का उल्लेख किया गया है।

431. संविधान की द्वितीय अनुसूची का सम्बन्ध किससे है ?
(अ) राज्यसभा में प्रतिनिधित्व से
(ब) भाषाओं से
(स) शपथ ग्रहण से
(द) महत्वपूर्ण पदाधिकारियों के वेतन से
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान की द्वितीय अनुसूची का सम्बन्ध महत्वूपर्ण पदाधिकारियों के वेतन से है।

432. संविधान की तीसरी अनुसूची का सम्बन्ध है–
(अ) राज्यसभा में प्रतिनिधित्व से
(ब) शपथ तथा प्रतिज्ञान से
(स) भाषाओं से
(द) महत्वपूर्ण पदाधिकारियों के वेतन से
उत्तर : (ब)
व्याख्या– तृतीय अनुसूची में विभिन्न पदाधिकारियों (राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मंत्री, उच्चतम एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों) द्वारा पद–ग्रहण के समय ली जाने वाली शपथ का उल्लेख है।

433. भारतीय संविधान में 22 भाषाओं को राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है। इन राजभाषाओं का उल्लेख किस अनुसूची में है ?
(अ) आठवीं अनुसूची (ब) छठी अनुसूची
(स) नौवीं अनुसूची (द) चतुर्थ अनुसूची
उत्तर : (अ)
व्याख्या–संविधान की 8वीं अनुसूची में राजभाषाओं का उल्लेख है। मूल रूप में इसमें केवल 14 भाषाएँ शामिल थीं, लेकिन वर्तमान में इनकी संख्या 22 हो गयी है। 21वें संविधान संशोधन द्वारा सिंधी को तथा 71वें संविधान संशोधन, 1992 ई. द्वारा नेपाली, कोंकणी तथा मणिपुरी को राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया। 92वें संविधान संशोधन द्वारा चार नई भाषाओं मैथिली, संथाली, बोडो तथा डोगरी को 8वीं अनुसूची में शमिल करके के बाद कुल भाषाओं की संख्या 22 हो गयी।

434. संविधान की किस अनुसूची में प्रत्येक राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के लिए राज्यसभा में स्थानों के आवंटन की सूची है ?
(अ) प्रथम अनुसूची (ब) द्वितीय अनुसूची
(स) तृतीय अनुसूची (द) चतुर्थ अनुसूची
उत्तर : (द)

व्याख्या– चौथी अनुसूची में विभिन्न राज्यों तथा संघीय क्षेत्रों की राज्य सभा में प्रतिनिधित्व का विवरण दिया गया है।

435. निम्न में से भारत के संविधान के किस अनुसूची का सम्बन्ध स्वशासी जिला परिषदों से है ?
(अ) आठवीं अनुसूची (ब) छठी अनुसूची
(स) नौवीं अनुसूची (द) चतुर्थ अनुसूची
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान की छठी अनुसूची का संबंध स्वशासी जिला परिषदों से है। छठी अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन और नियंत्रण के बारे में है।

436. किसी अधिनियम को संविधान की किस अनुसूची में सम्मिलित करने पर उसकी वैधता को किसी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है ?
(अ) 5वीं अनुसूची (ब) 8वीं अनुसूची
(स) 9वीं अनुसूची (द) 10वीं अनुसूची
उत्तर : (स)
व्याख्या– किसी अधिनियम को संविधान की 9वीं अनुसूची में सम्मिलित करने पर उसकी वैधता को किसी न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है।

437. किस राज्य के आरक्षण विधेयक को 9वीं अनुसूची में सम्मिलित किया गया है ?
(अ) तमिलनाडु (ब) कर्नाटक
(स) उत्तर प्रदेश (द) उड़ीसा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– तमिलनाडु राज्य के आरक्षण विधेयक को 9वीं अनुसूची में सम्मिलित किया गया है।

438. आंध्रप्रदेश से अलग कर एक नए राज्य तेलंगाना का गठन हुआ है। इससे भारतीय संविधान की किस सूची में परिवर्तन होता है ?
(अ) पहली अनुसूची (ब) सातवीं अनुसूची
(स) नौवीं अनुसूची (द) दसवीं अनुसूची
उत्तर : (अ)
व्याख्या– आंध्रप्रदेश से अलग कर एक नए राज्य तेलंगाना का गठन हुआ है। इससे भारतीय संविधान की अनुसूची एक में परिवर्तन हुआ है।

439. भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची का सम्बन्ध है–
(अ) राज्यसभा के सीटों के आवंटन के साथ
(ब) संघ, राज्य और समवर्ती सूची के साथ
(स) भाषाओं के साथ
(द) दल–बदल के आधार पर अयोग्य घोषित करने के साथ
उत्तर : (स) RRB 2004
व्याख्या– भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची का संबंध भाषा से है। भारत के मूल संविधान में कुल 14 भाषाओं का उल्लेख था। वर्तमान में इनकी संख्या 22 है। 21वें संविधान संशोधन, 1967 के तहत सिन्धी, 71वें संविधान संशोधन, 1992 के द्वारा कोंकणी, नेपाली और मणिपुरी तथा 92वें संविधान संशोधन, 2003 द्वारा संथाली, डोगरी, मैथिली और बोडो भाषाओं को संविधान में प्रतिस्थापित किया गया।

440. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (अनुसूचियाँ)
A. चतुर्थ अनुसूची
B. षष्टम अनुसूची
C. अष्टम अनुसूची
D. नवम अनुसूची
सूची–II (सम्बन्धित विषय)
1. भूमि सुधार
2. भाषा
3. राज्यसभा
4. जनजातीय क्षेत्र
(अ) A – 4, B – 2, C – 1, D - 3
(ब) A – 3, B – 4, C – 2, D - 1
(स) A – 4, B – 1, C – 2, D - 3
(द) A – 2, B – 3, C – 1, D - 4
उत्तर : (ब)
व्याख्या– चौथी अनुसूची में विभिन्न राज्यों तथा संघीय क्षेत्रों की राज्य सभा में प्रतिनिधित्व का विवरण दिया गया है। छठी अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम राज्यों के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में प्रावधान है। आठवीं अनुसूची में भारत की 22 भाषाओं का उल्लेख किया गया है। मूल रूप से आठवीं अनुसूची में 14 भाषाएँ थीं। 21वें संविधान संशोधन, 1967 ई. के द्वारा सिंधी, 71वें संविधान संशोधन, 1992 ई. के द्वारा कोंकणी, मणिपुरी तथा नेपाली को आठवीं अनुसूची में तथा 92वें संविधान संशोधन, 2003 ई. के द्वारा मैथिली, संथाली, डोगरी एवं बोडो को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया। नौवीं अनुसूची संविधान में प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम, 1951 के द्वारा जोड़ी गई। इसके अंतर्गत राज्य द्वारा संपत्ति के अधिग्रहण की विधियों का उल्लेख किया गया है। इस अनुसूची में सम्मिलित विषयों को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है। वर्तमान में इस अनुसूची में 284 अधिनियम है। अब तक यह मान्यता थी कि नौवीं अनुसूची में सम्मिलित कानूनों की न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती, लेकिन 11 जनवरी, 2007 के संविधान पीठ के एक निर्णय द्वारा यह स्थापित किया गया कि नौवीं अनुसूची में सम्मिलित किसी भी कानून को इस आधार पर चुनौती दी जा सकती है कि वह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है तथा उच्चतम न्यायालय इन कानूनों की समीक्षा कर सकता है।

441. भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची किससे संबंधित है ?
(अ) दल–बदल कानून
(ब) संघ की भाषाएँ
(स) जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में पारित किये गये 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 के द्वारा संविधान में एक नई दसवीं अनुसूची जोड़ी गयी। 91वें संविधान संशोधन अधिनियम के द्वारा भी दल–बदल को रोक दिया गया तथा मंत्रिपरिषदों के आकार को निर्वाचित सदन की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत तक सीमित कर दिया गया।

442. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (अनुसूचियाँ)
A. आठवीं अनुसूची
B. नौवीं अनुसूची
C. दसवीं अनुसूची
D. ग्यारवीं अनुसूची
सूची–II (सम्बन्धित विषय)
1. इस अनुसूची में सम्मिलित अधिनियम न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के बाहर है
2. दल बदल विरोधी कानून
3. राष्ट्रीय भाषाओं की सूची
4. पंचायत राज व्यवस्था का प्रावधान
(अ) A – 4, B – 2, C – 1, D - 3
(ब) A – 3, B – 1, C – 2, D - 4
(स) A – 4, B – 1, C – 2, D - 3
(द) A – 2, B – 3, C – 1, D - 4
उत्तर : (ब)
व्याख्या– आठवीं अनुसूची में भारत की 22 भाषाओं का उल्लेख किया गया है। मूल रूप से आठवीं अनुसूची में 14 भाषाएँ थीं। 21वें संविधान संशोधन, 1967 ई. के द्वारा सिंधी, 71वें संविधान संशोधन, 1992 ई. के द्वारा कोंकणी, मणिपुरी तथा नेपाली को आठवीं अनुसूची में तथा 92वें संविधान संशोधन, 2003 ई. के द्वारा मैथिली, संथाली, डोगरी एवं बोडो को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया। नौवीं अनुसूची संविधान में प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम, 1951 के द्वारा जोड़ी गई। इसके अंतर्गत राज्य द्वारा संपत्ति के अधिग्रहण की विधियों का उल्लेख किया गया है। इस अनुसूची में सम्मिलित विषयों को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है। वर्तमान में इस अनुसूची में 284 अधिनियम है। अब तक यह मान्यता थी कि नौवीं अनुसूची में सम्मिलित कानूनों की न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती, लेकिन 11 जनवरी, 2007 के संविधान पीठ के एक निर्णय द्वारा यह स्थापित किया गया कि नौवीं अनुसूची में सम्मिलित किसी भी कानून को इस आधार पर चुनौती दी जा सकती है कि वह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है तथा उच्चतम न्यायालय इन कानूनों की समीक्षा कर सकता है। दसवीं अनुसूची संविधान में 52वें संशोधन, 1985 के द्वारा जोड़ी गई। इसमें दल–बदल से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख है। ग्यारहवीं अनुसूची संविधान में 73वें संवैधानिक संशोधन, 1993 के द्वारा जोड़ी गई है। इसमें पंचायतीराज संस्थाओं को कार्य करने के लिए 29 विषय प्रदान किए गए हैं।

443. दल–बदल के आधार पर निर्वाचित सदस्यों की अयोग्यता सम्बन्धी विवरण संविधान की अनुसूची में दिया गया है ?
(अ) 8वीं अनुसूची (ब) 9वीं अनुसूची
(स) 10वीं अनुसूची (द) 11वीं अनुसूची
उत्तर : (स) SSC 2001
व्याख्या– दल–बदल के आधार पर निर्वाचित सदस्यों की अयोग्यता सम्बन्धी विवरण संविधान की दसवीं अनुसूची में दिया गया है।

444. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (प्रशासनिक उपबंध)
A. असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के जनजातीय क्षेत्र ।
B. अखिल भारतीय सेवाएँ
C. भारत का नियंत्रक और महालेखा परीक्षक
D. अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातियों का नियंत्रण
सूची–II (अनुसूची)
1. दूसरी
2. पांचवीं
3. सातवीं
4. छठी
(अ) A – 3, B – 4, C – 1, D - 2
(ब) A – 4, B – 3, C – 1, D - 2
(स) A – 4, B – 3, C – 2, D - 1
(द) A – 3, B – 4, C – 2, D - 1
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान की द्वितीय अनुसूची में भारत राजव्यवस्था के विभिन्न पदाधिकारियों (राष्ट्रपति, राज्यपाल, लोकसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, राज्य सभा के सभापति एवं उपसभापति, विधान सभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, विधान परिषद के सभापति एवं उपसभापति, उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों और भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक आदि) को प्राप्त होने वाले वेतन, भत्ते और पेंशन का उल्लेख किया गया है। पांचवीं अनुसूची में विभिन्न अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजाति के प्रशासन और नियंत्रण के बारे में उल्लेख है। छठी अनुसूची में

असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम राज्यों के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में प्रावधान है। सातवीं अनुसूची में केंद्र एवं राज्यों के बीच शक्तियों के बंटवारे के बारे में बताया गया है। इसके अन्तर्गत तीन सूचियाँ हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची।

445. संविधान की छठी अनुसूची इनमें से किस राज्य में लागू नहीं होती है ?
(अ) असम (ब) मेघालय
(स) त्रिपुरा (द) मणिपुर
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान की छठी अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन और नियंत्रण के बारे में उल्लेख है। मणिपुर में यह लागू नहीं होती है।

446. संविधान की 11वीं अनुसूची किससे संबंधित है ?
(अ) पंचायती राज (ब) नगरपालिका
(स) केंद्र राज्य सम्बन्ध (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की 11वीं अनुसूची पंचायतीराज से संबंधित है। 73वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1992 (24 अप्रैल, 1993 से प्रभावी) द्वारा संविधान में भाग 9वीं एवं 11वीं अनुसूची जोड़कर पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक आधार प्रदान किया गया। 11वीं अनुसूची में कुल 29 विषयों का उल्लेख है, जिन पर पंचायतों को विधि बनाने की शक्ति दी गई है।

447. संविधान के अनुसूची तथा उससे संबंधित विषय का कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है ?
(अ) प्रथम अनुसूची– राज्य एवं केंद्र शासित की सूची
(ब) द्वितीय अनुसूची – निर्वाचन आयोग के अधिकार एवं कार्य
(स) सप्तम अनुसूची – केंद्र राज्य शक्ति का विभाजन
(द) दसवीं अनुसूची – दल–बदल विरोधी कानून
उत्तर : (ब)
व्याख्या– द्वितीय अनुसूची में राज्यों के राज्यपालों, सर्वोच्च न्यायालय व उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों, संसद तथा राज्य विधानमंडलों के अधिकारियों, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक आदि के वेतन के संबंध में प्रावधान संविधान की द्वितीय अनुसूची में किया गया है।

448. भारतीय संविधान की अनुसूचियों में से कौनसी एक राज्य के नामों की सूची तथा उसके राज्य क्षेत्रों का विवरण देती है ?
(अ) पहली (ब) दूसरी
(स) तीसरी (द) चौथी
उत्तर : (अ) IAS 2003
व्याख्या– भारतीय संविधान की पहली अनुसूची में राज्यों के नामों की सूची तथा उनके राज्य क्षेत्रों का ब्यौरा दिया है।

449. निम्नलिखित में से कौनसा एक कथन भारत के संविधान की चौथी अनुसूची का सही वर्णन करता है ?
(अ) इसमें संघ तथा राज्यों में शक्तियों के वितरण की रूपरेखा अंतर्विष्ट है।
(ब) इसमें संविधान में सूचित भाषाएँ दी गई है।
(स) इसमें जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित उपबन्ध अंतर्विष्ट है।
(द) इसमें राज्यसभा के स्थानों के आवंटन से संबंधित उपबन्ध अंतर्विष्ट है।
उत्तर : (द) IAS 2004
व्याख्या– संविधान की चौथी अनुसूची राज्य सभा में सीटों के आवंटन से संबंधित है।

450. भारतीय संविधान में 9वीं अनुसूची परिवर्तित हुई–
(अ) प्रथम संशोधन द्वारा
(ब) आठवें संशोधन द्वारा
(स) नौवें संशोधन द्वारा
(द) 42वें संशोधन द्वारा
उत्तर : (अ) IAS 2003
व्याख्या– प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम 1951 के माध्यम से स्वतंत्रता, समानता एवं सम्पत्ति से संबंधित मौलिक अधिकारों को लागू किये जाने संबंधी कुछ व्यावहारिक कठिनाइयों के दूर करने का प्रयास किया गया। भाषण एवं अभिव्यक्ति के मूल अधिकारों पर इसमें उचित प्रतिबन्ध की व्यवस्था की गयी। संविधान में 9वीं अनुसूची जोड़ी गई, जिसमें वर्णित कानूनों को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायिक पुनर्विलोकन की शक्तियों के अंतर्गत परीक्षा नहीं की जा सकती है, लेकिन 11 जनवरी, 2007 के संविधान पीठ के एक निर्णय द्वारा यह स्थापित किया गया कि नौवीं अनुसूची में सम्मिलित किसी भी कानून को इस आधार पर चुनौती दी जा सकती है कि वह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है तथा उच्चतम न्यायालय इन कानूनों की समीक्षा कर सकता है।

451. निम्नलिखित में से नई जोड़ी गई अनुसूची नहीं है–
(अ) आठवीं अनुसूची (ब) नवीं अनुसूची
(स) दसवीं अनुसूची (द) ग्यारहवीं अनुसूची
उत्तर : (अ)
व्याख्या– आठवीं अनुसूची नई जोड़ी गई अनुसूची नहीं है। आठवीं अनुसूची में भारत की 22 भाषाओं का उल्लेख किया गया है। मूल रूप से आठवीं अनुसूची में 14 भाषाएँ थीं। 21वें संविधान संशोधन, 1967 ई. के द्वारा सिंधी, 71वें संविधान संशोधन, 1992 ई. के द्वारा कोंकणी, मणिपुरी तथा नेपाली को आठवीं अनुसूची में तथा 92वें संविधान संशोधन,

2003 ई. के द्वारा मैथिली, संथाली, डोगरी एवं बोडो को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया।

452. यदि भारत संघ को एक नये राज्य का सृजन करना हो तो संविधान की निम्नलिखित अनुसूचियों में से किस एक को अवश्य संशोधन किया जाना चाहिए ?
(अ) पहली (ब) दूसरी
(स) तीसरी (द) पांचवी
उत्तर : (अ) IAS 2001
व्याख्या– यदि भारत संघ को एक नये राज्य का सृजन करना हो तो संविधान की अनुसूचियों में से पहली अनुसूची को अवश्य संशोधन किया जाना चाहिए।

453. भारत के संविधान की किस अनुसूची में विभिन्न राज्यों में अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन और नियंत्रण के लिए विशेष उपबन्ध है ?
(अ) तीसरी (ब) पांचवी
(स) सातवीं (द) नौवीं
उत्तर : (ब) IAS 2008
व्याख्या– भारत के संविधान की पांचवीं अनुसूची में विभिन्न राज्यों में अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन और नियंत्रण के लिए विशेष उपबन्ध है।

454. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (प्रशासनिक उपबंध)
A. केंद्र व राज्यों के मध्य विधायी शक्तियों का वितरण
B. भाषाओं का उल्लेख
C. भूमि सुधार एवं अधिग्रहण सम्बन्धी अधिनियम
D. दलबदल निरोधक अधिनियम
सूची–II (सम्बन्धित अनुसूची)
1. सातवीं
2. आठवीं
3. नवीं
4. दसवीं
(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 3, B – 1, C – 2, D - 4
(स) A – 4, B – 1, C – 2, D - 3
(द) A – 2, B – 3, C – 1, D - 4
उत्तर : (अ)
व्याख्या– सातवी अनुसूची में केंद्र एवं राज्यों के बीच शक्तियों के बंटवारे के बारे में बताया गया है। इसके अंतर्गत तीन सूचियाँ हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। आठवीं अनुसूची में भारत की 22 भाषाओं का उल्लेख किया गया है। मूल रूप से आठवीं अनुसूची में 14 भाषाएँ थीं। 21वें संविधान संशोधन, 1967 ई. के द्वारा सिंधी, 71वें संविधान संशोधन, 1992 ई. के द्वारा कोंकणी, मणिपुरी तथा नेपाली को आठवीं अनुसूची में तथा 92वें संविधान संशोधन, 2003 ई. के द्वारा मैथिली, संथाली, डोगरी एवं बोडो को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया। नौवीं अनुसूची प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम, 1951 के द्वारा जोड़ी गई। इसके अंतर्गत राज्य द्वारा संपत्ति के अधिग्रहण की विधियों का उल्लेख किया गया है। वर्तमान में इस अनुसूची में 284 अधिनियम है। अब तक यह मान्यता थी कि इस अनुसूची में सम्मिलित विषयों को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है लेकिन 11 जनवरी, 2007 में संविधान पीठ के एक निर्णय द्वारा यह स्थापित किया गया है कि नौवीं अनुसूची में सम्मिलित किसी भी कानून को इस आधार पर चुनौती दी जा सकती है कि वह मौलिक अधिकारों का उल्लंधन करता है तथा उच्चतम न्यायालय इन कानूनों की समीक्षा कर सकता है। दसवीं अनुसूची 52वें संशोधन, 1985 के द्वारा जोड़ी गईं इसमें दल–बदल से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख है।

455. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा एक भारत के संविधान की चौथी अनुसूची को सही–सही वर्णित करता है ?
(अ) यह संघ और राज्य के मध्य शक्तियों के वितरण का स्कीम रखता है।
(ब) यह राज्यों के परिषद् में सीटों का बंटवारा करता है।
(स) संविधान में सूचित भाषाओं को निहित करता है।
(द) यह आदिवासी क्षेत्रों के शासन से सम्बन्धित प्रावधान करता है।
उत्तर : (ब) IAS 2001
व्याख्या– भारतीय संविधान में 12 अनुसूचियाँ हैं। चौथी अनुसूची में राज्य सभा के लिए प्रत्येक राज्य तथा संघीय प्रदेश से भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों की संख्या को निर्धारित किया गया है।

456. भारतीय संविधान की तीसरी अनुसूची का संबंध का संबंध है–
(अ) राज्यसभा में प्रतिनिधित्व से
(ब) शपथ तथा प्रतिज्ञान से
(स) भाषाओं से
(द) महत्वपूर्ण पदाधिकारियों के वेतन से
उत्तर : (ब)
व्याख्या–संविधान की तीसरी अनुसूची का संबंध पद ग्रहण के समय ली जाने वाली शपथ से है।

457. संविधान की किस अनुसूची में प्रत्येक राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के लिए राज्यसभा में स्थानों के आवंटन की सूची है ?
(अ) प्रथम अनुसूची (ब) द्वितीय अनुसूची
(स) तृतीय अनुसूची (द) चतुर्थ अनुसूची
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान की चतुर्थ अनुसूची में प्रत्येक राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के लिए राज्य सभा में स्थानों के आवंटन की सूची है।

458. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :

सूची–I (प्रशासनिक उपबन्ध)

A. असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम के जनजातीय क्षेत्र

B. अखिल भारतीय सेवाएँ

C. भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक

D. अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजातियों का नियंत्रण

सूची–II (अनुसूची)

1. दूसरी
2. पाँचवीं
3. सातवीं
4. छठी

(अ) A – 4, B – 3, C – 1, D - 2
(ब) A – 3, B – 1, C – 2, D - 4
(स) A – 4, B – 1, C – 2, D - 3
(द) A – 2, B – 3, C – 1, D - 4

उत्तर : (अ)

व्याख्या– भारत के संविधान की छठी अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में प्रावधान है। भारत के संविधान की द्वितीय अनुसूची में भारतीय राजव्यवस्था के विभिन्न पदाधिकारियों (राष्ट्रपति, राज्यपाल, लोकसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, राज्यसभा के सभापति एवं उपसभापति, विधानसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, विधान परिषद् के सभापति एवं उपसभापति, उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक आदि) को प्राप्त होने वाले वेतन, भत्ते और पेंशन आदि का उल्लेख किया गया है। भारतीय संविधान की पाँचवीं अनुसूची में विभिन्न अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के क्षेत्रों के प्रशासन और नियंत्रण के बारे में उल्लेख है। भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अन्तर्गत तीन सूचियाँ हैं–संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। राज्य सूची में दिये गये विषय पर राज्य सरकार कानून बनाती है। राष्ट्रीय हित से संबंधित होने पर केन्द्र सरकार भी कानून बना सकती है। संविधान के लागू होने के समय इसमें 66 विषय थे, जबकि वर्तमान में 61 विषय हैं। राज्य सूची में शामिल कुछ विषय हैं–शांति और व्यवस्था, पुलिस, जेल, स्थानीय शासन, कृषि, जन–स्वास्थ्य, राज्य के अंदर होने वाला व्यापार, न्याय विभाग आदि।

459. भारतीय संविधान का कौनसा प्रावधान दलबदल निरोध से संबंध रखता है ?

(अ) अनुच्छेद 105 (ब) दसवीं अनुसूची
(स) आठवीं अनुसूची (द) चतुर्थ अनुसूची

उत्तर : (ब)

व्याख्या– दसवीं अनुसूची में दल–बदल विरोधी कानूनों को समाविष्ट किया गया है। भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में पारित किये गये 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 के द्वारा संविधान में एक नई दसवीं अनुसूची जोड़ी गयी। 91वें संविधान संशोधन अधिनियम (2003 ई.) के द्वारा भी दल–बदल को रोक दिया गया।

460. संविधान की किस सूची में शिक्षा को सम्मिलित किया गया ?

(अ) संघ सूची
(ब) राज्य सूची
(स) समवर्ती सूची
(द) केन्द्र शासित प्रदेशों की सूची

उत्तर : (स) RPSC IIgr. Teacher 2011

व्याख्या– शिक्षा को भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में रखा गया है।

461. भारत के संविधान की किस अनुसूची में भारतीय राजव्यवस्था के विभिन्न पदाधिकारियों (राष्ट्रपति, राज्यपाल, लोकसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष आदि) को प्राप्त होने वाले वेतन, भत्ते और पेंशन आदि का उल्लेख किया गया है ?

(अ) प्रथम अनुसूची (ब) द्वितीय अनुसूची
(स) तृतीय अनुसूची (द) चतुर्थ अनुसूची

उत्तर : (ब)

व्याख्या– भारत के संविधान की द्वितीय अनुसूची में भारतीय राजव्यवस्था के विभिन्न पदाधिकारियों (राष्ट्रपति, राज्यपाल, लोकसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, राज्यसभा के सभापति एवं उपसभापति, विधानसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, विधान परिषद् के सभापति एवं उपसभापति, उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक आदि) को प्राप्त होने वाले वेतन, भत्ते और पेंशन आदि का उल्लेख किया गया है।

462. भारत के संविधान की किस अनुसूची में भारतीय संघ के घटक राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों का उल्लेख है ?

(अ) प्रथम अनुसूची (ब) द्वितीय अनुसूची
(स) तृतीय अनुसूची (द) चतुर्थ अनुसूची

उत्तर : (अ)

व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रथम अनुसूची में भारतीय संघ के घटक राज्यों (28 राज्य) एवं आठ संघशासित क्षेत्रों का उल्लेख है। संविधान के 69वें संशोधन, 1991 ई. के द्वारा दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का दर्जा दिया गया है।

463. भारत के संविधान की किस अनुसूची में विभिन्न राज्यों तथा संघीय क्षेत्रों का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व का विवरण दिया गया है ?

(अ) प्रथम अनुसूची (ब) द्वितीय अनुसूची
(स) तृतीय अनुसूची (द) चतुर्थ अनुसूची

उत्तर : (द)

व्याख्या– भारत के संविधान की चौथी अनुसूची में भारत के विभिन्न राज्यों तथा संघीय क्षेत्रों का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व का विवरण दिया गया है।

464. भारत के संविधान की किस अनुसूची में विभिन्न पदाधिकारियों (मंत्री, उच्चतम एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों) द्वारा पद ग्रहण के समय ली जाने वाली शपथ का उल्लेख है ?
(अ) प्रथम अनुसूची (ब) द्वितीय अनुसूची
(स) तृतीय अनुसूची (द) चतुर्थ अनुसूची
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के संविधान की तृतीय अनुसूची में विभिन्न पदाधिकारियों (मंत्री, उच्चतम एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों) द्वारा पद ग्रहण के समय ली जाने वाली शपथ का उल्लेख है।

465. भारत के संविधान की किस अनुसूची में विभिन्न अनुसूचित क्षेत्रों और अनुसूचित जनजाति के प्रशासन और नियंत्रण के बारे में उल्लेख है ?
(अ) पाँचवी अनुसूची (ब) छठी अनुसूची
(स) सातवीं अनुसूची (द) आठवीं अनुसूची
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की पाँचवीं अनुसूची में विभिन्न अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के क्षेत्रों के प्रशासन और नियंत्रण के बारे में उल्लेख है।

466. भारत के संविधान की किस अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में प्रावधान है ?
(अ) पाँचवी अनुसूची (ब) छठी अनुसूची
(स) सातवीं अनुसूची (द) आठवीं अनुसूची
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के संविधान की छठी अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम राज्यों के जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के बारे में प्रावधान है।

467. भारत के संविधान की किस अनुसूची में केन्द्र एवं राज्यों के बीच शक्तियों के बँटवारे के बारे में दिया गया है ?
(अ) पाँचवी अनुसूची (ब) छठी अनुसूची
(स) सातवीं अनुसूची (द) आठवीं अनुसूची
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची में केन्द्र एवं राज्यों के बीच शक्तियों के बँटवारे के बारे में दिया गया है। इसके साथ ही इस अनुसूची में सरकारों द्वारा शुल्क एवं कर लगाने के अधिकारों का उल्लेख है। इसके अन्तर्गत तीन सूचियाँ हैं– संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। संघ सूची में दिये गये विषय पर केन्द्र सरकार कानून बनाती है। राज्य सूची में दिये गये विषय पर राज्य सरकार कानून बनाती है। राष्ट्रीय हित से संबंधित होने पर केन्द्र सरकार भी कानून बना सकती है। समवर्ती सूची में दिये गये विषय पर केन्द्र एवं राज्य दोनों सरकारें कानून बना सकती है, परन्तु कानून के विषय समान होने पर केन्द्र सरकार द्वारा बनाया गया कानून ही मान्य होता है तथा राज्य सरकार द्वारा बनाया गया कानून केन्द्र सरकार के कानून बनाने के साथ ही समाप्त हो जाता है।

468. भारत के संविधान की किस अनुसूची में सरकारों द्वारा शुल्क एवं कर लगाने के अधिकारों का उल्लेख है ?
(अ) पाँचवी अनुसूची (ब) छठी अनुसूची
(स) सातवीं अनुसूची (द) आठवीं अनुसूची
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची में केन्द्र एवं राज्यों के बीच शक्तियों के बँटवारे के बारे में दिया गया है। इसके साथ ही इस अनुसूची में सरकारों द्वारा शुल्क एवं कर लगाने के अधिकारों का उल्लेख है। इसके अन्तर्गत तीन सूचियाँ हैं– संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। संघ सूची में दिये गये विषय पर केन्द्र सरकार कानून बनाती है। राज्य सूची में दिये गये विषय पर राज्य सरकार कानून बनाती है। राष्ट्रीय हित से संबंधित होने पर केन्द्र सरकार भी कानून बना सकती है। समवर्ती सूची में दिये गये विषय पर केन्द्र एवं राज्य दोनों सरकारें कानून बना सकती है, परन्तु कानून के विषय समान होने पर केन्द्र सरकार द्वारा बनाया गया कानून ही मान्य होता है तथा राज्य सरकार द्वारा बनाया गया कानून केन्द्र सरकार के कानून बनाने के साथ ही समाप्त हो जाता है।

469. निम्नलिखित में से कौनसा विषय संघ सूची के अंतर्गत नहीं आता है ?
(अ) देश की प्रतिरक्षा (ब) परमाणु शक्ति
(स) मुद्रा एवं बैंकिंग (द) शिक्षा
उत्तर : (द)
व्याख्या– संघ सूची में दिये गये विषय पर केन्द्र सरकार कानून बनाती है। संविधान के लागू होने के समय इसमें 97 विषय थे, जबकि वर्तमान में 100 विषय हैं। संघ सूची के कुछ महत्वपूर्ण विषय हैं–देश की प्रतिरक्षा, विदेशी मामले, युद्ध एवं शांति, रेल, डाक तथा तार, मुद्रा बैंकिंग, परमाणु शक्ति आदि।

470. निम्नलिखित में से कौनसा विषय राज्य सूची के अंतर्गत नहीं आता है ?
(अ) पुलिस (ब) जेल
(स) कृषि (द) शिक्षा
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची के अन्तर्गत तीन सूचियाँ हैं–संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। राज्य सूची में दिये गये विषय पर राज्य सरकार कानून बनाती है। राष्ट्रीय हित से संबंधित होने पर केन्द्र सरकार भी कानून बना सकती है। संविधान के लागू होने के समय इसमें

66 विषय थे, जबकि वर्तमान में 61 विषय हैं। राज्य सूची में शामिल कुछ विषय हैं–शांति और व्यवस्था, पुलिस, जेल, स्थानीय शासन, कृषि, जन–स्वास्थ्य, राज्य के अंदर होने वाला व्यापार, न्याय विभाग आदि।

471. निम्नलिखित में से कौनसा विषय समवर्ती सूची के अंतर्गत नहीं आता है ?
(अ) शिक्षा (ब) वन
(स) समाचार पत्र (द) पुलिस
उत्तर : (द)
व्याख्या– समवर्ती सूची के अन्तर्गत दिये गये विषय पर केन्द्र एवं राज्य दोनों सरकारें कानून सकती है, परन्तु कानून के विषय समान होने पर केन्द्र सरकार द्वारा बनाया गया कानून ही मान्य होता है। राज्य सरकार द्वारा बनाया गया कानून केन्द्र सरकार के कानून बनाने के साथ ही समाप्त हो जाता है। संविधान के लागू होने के समय समवर्ती सूची में 47 विषय थे। वर्तमान में 52 विषय हैं। समवर्ती सूची के कुछ विषय हैं–दीवानी और फौजदारी कानून एवं प्रक्रिया, विवाह तथा तलाक, शिक्षा, आर्थिक नियोजन, बिजली, समाचार पत्र, श्रमिक संघ, वन आदि।

472. भारतीय संविधान की किस अनुसूची में देश की भाषाओं का उल्लेख है ?
(अ) आठवीं अनूसूची (ब) नवीं अनुसूची
(स) दसवीं अनुसूची (द) ग्यारहवीं अनुसूची
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में देश की 22 भाषाओं का उल्लेख किया गया है। मूल रूप से 8वीं अनुसूची में 14 भाषाएँ थीं। 21वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1967 ई. में सिंधी भाषा को आठवीं अनुसूची में जोड़ा गया। 71वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 ई. में कोंकणी, मणिपुरी तथा नेपाली भाषाओं को आठवीं अनुसूची में जोड़ा गया। 92वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 ई. के द्वारा मैथिली, संथाली, डोगरी एवं बोडो को आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया।

473. प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम, 1951 ई. के द्वारा भारतीय संविधान में किस अनुसूची को जोड़ा गया था ?
(अ) आठवीं अनुसूची (ब) सातवीं अनुसूची
(स) प्रथम अनुसूची (द) नौवीं अनुसूची
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान में नौवीं अनुसूची को प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम, 1951 ई. के द्वारा जोड़ा गया था। इस अनुसूची के अन्तर्गत राज्य द्वारा सम्पत्ति के अधिग्रहण की विधियों का उल्लेख किया गया है। इस अनुसूची में सम्मिलित विषयों को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती है। वर्तमान में इस अनुसूची में 284 अधिनियम है। अब तक यह मान्यता थी कि संविधान की नौवीं अनुसूची में सम्मिलित कानूनों की न्यायिक समीक्षा नहीं की जा सकती। 11 जनवरी, 2007 ई. के संविधान पीठ के एक निर्णय द्वारा यह स्थापित किया गया है कि नौवीं अनुसूची में सम्मिलित किसी भी कानून को इस आधार पर चुनौती दी जा सकती है कि वह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है तथा उच्चतम न्यायालय इन कानूनों की समीक्षा कर सकता है।

474. संविधान में दल–बदल से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख किस अनुसूची में है ?
(अ) आठवीं अनुसूची (ब) सातवीं अनुसूची
(स) नौवीं अनुसूची (द) दसवीं अनुसूची
उत्तर : (द)
व्याख्या–दसवीं अनुसूची को 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 ई. के द्वारा संविधान में जोड़ा गया। दल–बदल से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख दसवीं अनुसूची में है।

475. निम्नलिखित में से कौनसी अनुसूची पंचायतीराज संस्थाओं से संबंधित है ?
(अ) आठवीं अनुसूची (ब) नौवीं अनुसूची
(स) ग्यारहवीं अनुसूची (द) बारहवीं अनुसूची
उत्तर : (स)
व्याख्या– 73वें संविधान संशोधन, 1992 (25.4.1993 से प्रभावी) के द्वारा संविधान में ग्यारहवीं अनुसूची को जोड़ा गया। इस संशोधन के द्वारा संविधान में भाग–9 जोड़ा गया। इसमें अनुच्छेद 243 और अनुच्छेद 243क से 243ण तक अनुच्छेद है। इसमें पंचायती राज संबंधी प्रावधानों को सम्मिलित किया गया है। इसमें पंचायतीराज संस्थाओं को कार्य करने के लिए 29 विषय प्रदान किये गये थे।

476. संविधान सभा की प्रारूप समिति द्वारा प्रस्तुत प्रारूप संविधान में कितनी अनुसूचियाँ थी ?
(अ) 6 (ब) 8
(स) 9 (द) 12
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान की प्रारूप समिति द्वारा प्रस्तुत संविधान में 8 अनुसूचियाँ थी।

477. निम्नलिखित में से कौनसी अनुसूची शहरी निकायों से संबंधित है ?
(अ) आठवीं अनुसूची (ब) नौवीं अनुसूची
(स) ग्यारहवीं अनुसूची (द) बारहवीं अनुसूची
उत्तर : (द)
व्याख्या– 74वें संविधान संशोधन, 1992 (1.6.1993 से प्रभावी) के द्वारा संविधान में बारहवीं अनुसूची को जोड़ा गया। यह अनुसूची शहरी निकायों से संबंधित है। इस संशोधन के द्वारा संविधान में भाग–9क जोड़ा गया। इसमें अनुच्छेद 243 से 243यद तक के अनुच्छेद हैं। इसमें नगरपालिका, नगर निगम और नगर परिषदों से संबंधित प्रावधान

किये गये हैं। इसमें शहरी क्षेत्र की स्थानीय स्वशासन संस्थाओं को कार्य करने के लिए 18 विषय प्रदान किये गये हैं।

478. वर्तमान में भारतीय संविधान में कुल कितनी अनुसूचियाँ हैं ?
(अ) 8 (ब) 10
(स) 12 (द) 14
उत्तर : (स) RRB 2006
व्याख्या– वर्तमान में भारतीय संविधान में कुल 12 अनुसूचियाँ है।

479. मूल संविधान में कुल कितनी अनुसूचियाँ थी ?
(अ) 8 (ब) 9
(स) 10 (द) 11
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मूल संविधान में कुल 8 अनुसूचियाँ थी। वर्तमान में संविधान में 12 अनुसूचियाँ हैं।

480. संविधान की किस अनुसूची में प्रत्येक राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के लिए राज्यसभा में स्थानों के आवंटन की सूची है ?
(अ) प्रथम अनुसूची (ब) द्वितीय अनुसूची
(स) तृतीय अनुसूची (द) चतुर्थ अनुसूची
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान की चतुर्थ अनुसूची में प्रत्येक राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों के लिए राज्यसभा में स्थानों के आवंटन की सूची है।

481. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (प्रशासनिक उपबन्ध)
A. राज्य व केंद्र शासित प्रदेश का उल्लेख
B. महत्वपूर्ण पदाधिकारियों के वेतन और भत्ते
C. भारत के विभिन्न पदों के लिए पद और गोपनीयता की शपथ
D. राज्यसभा में राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के स्थानों का आवंटन
सूची–II (अनुसूची)
1. प्रथम
2. द्वितीय
3. तृतीय
4. चतुर्थ
(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 3, B – 1, C – 2, D - 4
(स) A – 4, B – 1, C – 2, D - 3
(द) A – 2, B – 3, C – 1, D - 4
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रथम अनुसूची में भारतीय संघ के घटक राज्यों (28 राज्य) एवं आठ संघशासित क्षेत्रों का उल्लेख है। संविधान के 69वें संशोधन, 1991 के द्वारा दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का दर्जा दिया गया है। भारत के संविधान की द्वितीय अनुसूची में भारतीय राजव्यवस्था के विभिन्न पदाधिकारियों (राष्ट्रपति, राज्यपाल, लोकसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, राज्यसभा के सभापति एवं उपसभापति, विधानसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, विधान परिषद् के सभापति एवं उपसभापति, उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों और भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक आदि) को प्राप्त होने वाले वेतन, भत्ते और पेंशन आदि का उल्लेख किया गया है। भारत के संविधान की तृतीय अनुसूची में विभिन्न पदाधिकारियों (मंत्री, उच्चतम एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों) द्वारा पद ग्रहण के समय ली जाने वाली शपथ का उल्लेख है। भारत के संविधान की चौथी अनुसूची में भारत के विभिन्न राज्यों तथा संघीय क्षेत्रों का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व का विवरण दिया गया है।

482. 73वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान में कौनसी अनुसूची जोड़ी गई ?
(अ) 9वीं (ब) 10वीं
(स) 11वीं (द) 12वीं
उत्तर : (स)
व्याख्या–73वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान में 11वीं अनुसूची को जोड़ा गया। इसमें पंचायती राजव्यवस्था के गठन आदि के बारे में प्रावधान है।

483. 74वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान में कौनसी अनुसूची जोड़ी गई ?
(अ) 9वीं (ब) 10वीं
(स) 11वीं (द) 12वीं
उत्तर : (द)
व्याख्या–74वां संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान में 12वीं अनुसूची जोड़ी गई। इसमें शहरी निकायों के गठन आदि के संबंध में प्रावधान है।

7.भारतीय संविधान के प्रमुख भाग

484. भारतीय संविधान को कितने भागों में विभाजित किया गया है ?
(अ) 16 (ब) 24
(स) 22 (द) 25
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान में वर्तमान में 448 अनुच्छेद (मूल अनुच्छेदों की संख्या 395 ही है), 12 अनुसूचियाँ और 25 भाग हैं। इसके निर्माण के समय मूल संविधान में 395 अनुच्छेद, 22 भाग एवं 8 अनुसूचियाँ थीं।

485. संविधान के किस भाग में संविधान संशोधन की प्रक्रिया का उल्लेख है ?
(अ) भाग 3 (ब) भाग 4
(स) भाग 20 (द) भाग 21
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान में संविधान संशोधन की प्रक्रिया का उल्लेख भाग 20 में अनुच्छेद 368 के अन्तर्गत किया जाता है। संविधान संशोधन की प्रक्रिया के तीन प्रकार है– (1) संसद के साधारण बहुमत द्वारा संशोधन (2) संसद के विशेष बहुमत द्वारा संशोधन (3) संसद के विशेष बहुमत द्वारा एवं आधे राज्य विधानमंडलों की संस्तुति के उपरांत संशोधन। संसद से पारित होने के बाद संशोधन विधेयक राष्ट्रपति को जाता है, जिसके बाद यह एक अधिनियम बन जाता है। जनवरी 2023 तक भारतीय संविधान में 105 संशोधन हो चुके हैं।

486. संविधान के किसी भाग में पंचायती राज व्यवस्था सम्बन्धी प्रावधान दिए गये हैं ?
(अ) भाग IX (ब) भाग VI
(स) भाग III (द) भाग IVA
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा भारतीय संविधान में भाग IX जोड़ा गया। मूल संविधान में भाग–9 के अंतर्गत पंचायती राज से संबंधित उपबंधों की चर्चा अनुच्छेद 243 में की गई है। भाग–9 में 'पंचायतें' नामक शीर्षक के तहत अनुच्छेद 243–243ण (243–243O) तक पंचायती राज से संबंधित उपबंध है। 73वें संविधान संशोधन द्वारा संविधान में 11वीं अनुसूची जोड़ी गई है, जिसके तहत पंचायतों के अंतर्गत 29 विषयों की सूची की व्यवस्था की गई है। भाग–9 में तीन सोपानों में पंचायतें बनाने की परिकल्पना है–ग्राम पंचायत, पंचायत समिति व जिला परिषद्। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 40 में राज्यों को पंचायतों के गठन का निर्देश दिया गया है।

487. संविधान के किस भाग में अस्थायी संक्रमणकालीन और विशेष उपबन्धों के प्रावधान है ?
(अ) भाग 18 (ब) भाग 19
(स) भाग 21 (द) भाग 22
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान में अनुच्छेद 370 जवाहर लाल नेहरू के विशेष हस्तक्षेप से तैयार किया गया था जिसमें यह संविधान में अस्थायी, संक्रमणकालीन और विशेष उपबन्ध संबंधी भाग के रूप में संविधान के भाग 21 में सम्मिलित किया गया।

488. संविधान के किस भाग में तीनों सोपानों में पंचायतें बनाने की परिकल्पना की गई है ?
(अ) भाग IX (ब) भाग X
(स) भाग XI (द) भाग XII
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा भारतीय संविधान में भाग IX जोड़ा गया। मूल संविधान में भाग–9 के अंतर्गत पंचायती राज से संबंधित उपबंधों की चर्चा अनुच्छेद 243 में की गई है। भाग–9 में 'पंचायतें' नामक शीर्षक के तहत अनुच्छेद 243–243ण (243–243O) तक पंचायती राज से संबंधित उपबंध है। 73वें संविधान संशोधन द्वारा संविधान में 11वीं अनुसूची जोड़ी गई है, जिसके तहत पंचायतों के अंतर्गत 29 विषयों की सूची की व्यवस्था की गई है। भाग–9 में तीन सोपानों में पंचायतें बनाने की परिकल्पना है–ग्राम पंचायत, पंचायत समिति व जिला परिषद्। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 40 में राज्यों को पंचायतों के गठन का निर्देश दिया गया है।

489. संविधान के किस भाग में नगरपालिकाओं से संबंधित प्रावधान है ?
(अ) भाग VI (ब) भाग VII
(स) भाग VIII (द) भाग IXA
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग IXA में वर्णित अनुच्छेद 243P से 243ZG तक में नगरपालिकाओं से संबंधित प्रावधान है। 74वाँ संविधान संशोधन अधिनियम 1 जून 1993 को लागू हुआ और शहरी स्थानीय निकायों को 12वीं अनुसूची में सूचीबद्ध 18 कार्यों को करने का अधिकार दिया गया।

490. संविधान के किस भाग में नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख किया गया है ?
(अ) तृतीय भाग में (ब) चतुर्थ भाग में
(स) द्वितीय भाग में (द) नवम भाग में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मूल संविधान के चतुर्थ भाग में अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख किया गया है। राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत कल्याणकारी राज्य की स्थापना करते हैं। ये नागरिकों के प्रति राज्य के सकारात्मक दायित्व

हैं। नीति निर्देशक तत्व न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं है। इनके पीछे कानून की शक्ति न होकर केवल राजनीतिक तथा नैतिक शक्ति है।

491. भारत के संविधान का भाग–IV किसके बारे में बताता है ?
(अ) मूलभूत अधिकार
(ब) नागरिकता
(स) राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत
(द) मूलभूत कर्तव्य
उत्तर : (स) RRB 2005
व्याख्या– संविधान की मूल कृति में संविधान के चतुर्थ भाग में अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख किया गया है। राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत कल्याणकारी राज्य की स्थापना करते हैं। ये नागरिकों के प्रति राज्य के सकारात्मक दायित्व हैं। नीति निर्देशक तत्व न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं हैं। इनके पीछे कानून की शक्ति न होकर केवल राजनीतिक तथा नैतिक शक्ति है।

492. संघीय कार्यपालिका की व्याख्या संविधान के किस भाग में की गई है ?
(अ) भाग II (ब) भाग III
(स) भाग IV (द) भाग V
उत्तर : (द)
व्याख्या– संघीय कार्यपालिका की व्याख्या संविधान के भाग–V में में की गई है। संविधान के भाग 5 में अनुच्छेद 52 से 151 तक संघीय कार्यपालिका की व्याख्या की गई है।

493. संविधान के भाग–I में निम्न में से किसका वर्णन है ?
(अ) संघ और उसका राज्य क्षेत्र
(ब) नागरिकता
(स) मूल अधिकार
(द) राज्य के नीति निर्देशक तत्व
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के भाग–1 के तहत अनुच्छेद 1 से 4 तक में संघ एवं उसके राज्य क्षेत्रों का वर्णन किया गया है। अनुच्छेद 1 में घोषणा है कि भारत राज्यों का संघ है। अनुच्छेद 2 में नए राज्य के प्रवेश या स्थापना का प्रावधान है। अनुच्छेद 3 के अनुसार संसद विधि द्वारा नये राज्य बना सकती है तथा पहले से अवस्थित राज्यों के क्षेत्रों, सीमाओं एवं नामों में परिवर्तन कर सकती है।

494. संविधान के किस भाग में मूल अधिकार का उल्लेख मिलता है ?
(अ) भाग 3 (ब) भाग 4
(स) भाग 1 (द) भाग 2
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के भाग–3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक मूल अधिकारों का वर्णन है और संविधान में यह व्यवस्था भी की गई है कि इनमें संशोधन भी हो सकता है तथा राष्ट्रीय आपात के दौरान जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को छोड़कर अन्य मौलिक अधिकारों को स्थगित किया जा सकता है।

495. भारतीय नागरिकों के मूल कर्तव्यों का विवरण संविधान के किस भाग में दिया गया है ?
(अ) भाग 1 (ब) भाग 4क
(स) भाग 2 (द) भाग 4
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश के आधार पर 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 ई. के द्वारा एक भाग–4क अंतः स्थापित किया गया। भाग–4(क) के अनुच्छेद 51(क) में मूल कर्तव्यों के संबंध में उपबन्ध किये गये हैं।

496. संविधान के किस भाग में संघ एवं उसके राज्य क्षेत्र का उल्लेख है ?
(अ) भाग 1 (ब) भाग 2
(स) भाग 3 (द) भाग 4
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के भाग–1 (अनुच्छेद 1 से 4 तक) में भारत संघ एवं उसके राज्य क्षेत्रों का उल्लेख है।

497. संविधान के किस भाग में नागरिकता का उल्लेख मिलता है ?
(अ) भाग I (ब) भाग II
(स) भाग III (द) भाग IV
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय नागरिकता का उल्लेख भाग– II में अनुच्छेद 5 से 11 तक में वर्णित है। नागरिकता के अर्जन हेतु शर्तों को नियत करने का अधिकार भारतीय संसद को है। भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 के अनुसार निम्नलिखित आधार पर नागरिकता ग्रहण की जा सकती है– 1.जन्म से 2.वंश परम्परा द्वारा नागरिकता 3.देशीयकरण द्वारा नागरिकता 4.पंजीकरण द्वारा नागरिकता तथा 5.भूमि विस्तार द्वारा।

498. संविधान के किस भाग में भारतीय नागरिकता का उल्लेख है ?
(अ) भाग 1 (ब) भाग 2
(स) भाग 3 (द) भाग 4
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के भाग–2 (अनुच्छेद 5 से 11) तक में भारतीय नागरिकता का प्रावधान है।

499. संविधान के किस भाग में मौलिक अधिकारों का प्रावधान है ?
(अ) भाग 1 (ब) भाग 2
(स) भाग 3 (द) भाग 4
उत्तर : (स)

व्याख्या– संविधान के भाग–3 में (अनुच्छेद 12 से 35 तक) में मौलिक अधिकारों का प्रावधान है।

500. संघीय कार्यपालिका की व्याख्या संविधान के किस भाग में की गई है ?
(अ) भाग II (ब) भाग III
(स) भाग IV (द) भाग V
उत्तर : (द)
व्याख्या– संघीय कार्यपालिका की व्याख्या संविधान के भाग–V में में की गई है। संविधान के भाग 5 में अनुच्छेद 52 से 151 तक संघीय कार्यपालिका की व्याख्या की गई है।

501. संविधान के किस भाग में नीति निर्देशक सिद्धांतों का उल्लेख है ?
(अ) भाग 1 (ब) भाग 2
(स) भाग 3 (द) भाग 4
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 (अनुच्छेद 36 से 51 तक) में नीति निर्देशक सिद्धांतों का प्रावधान है।

502. संविधान के किस भाग में पंचायतीराज संस्थाओं के संबंध में प्रावधान है ?
(अ) भाग 5 (ब) भाग 6
(स) भाग 7 (द) भाग 9
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–9 (अनुच्छेद 243, 243क से 243ण तक) में पंचायतीराज संस्थाओं के संबंध में प्रावधान वर्णित है।

503. संविधान के किस भाग में मौलिक कर्त्तव्यों का प्रावधान है ?
(अ) भाग 4 (ब) भाग 4क
(स) भाग 5 (द) भाग 6
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4क (अनुच्छेद 51क) में मौलिक कर्त्तव्यों का प्रावधान है।

504. भारतीय संविधान के किस भाग में शहरी निकायों (नगरपालिकाओं) से संबंधित प्रावधान है
(अ) भाग 8 (ब) भाग 9
(स) भाग 9क (द) भाग 9ख
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के भाग–9क (अनुच्छेद 243त से 243यछ तक) में शहरी निकायों (नगरपालिकाएँ) से संबंधित प्रावधान है।

505. भारतीय संविधान के किस भाग में सहकारी समितियों से संबंधित प्रावधान है
(अ) भाग 8 (ब) भाग 9
(स) भाग 9क (द) भाग 9ख
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के भाग–9ख (अनुच्छेद 243यज से 243यन तक) में सहकारी समितियों से संबंधित प्रावधान है।

506. संविधान के किस भाग में संघ और राज्यों के बीच संबंधों का उल्लेख किया गया है ?
(अ) भाग 10 (ब) भाग 11
(स) भाग 12 (द) भाग 13
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–11 (अनुच्छेद 245 से 263 तक) में भारतीय संघ और राज्यों के बीच संबंधों का उल्लेख किया गया है।

507. संघ एवं राज्यों के अधीन सेवाओं से संबंधित प्रावधान संविधान के किस भाग में वर्णित है ?
(अ) भाग 11 (ब) भाग 14
(स) भाग 12 (द) भाग 13
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–14 (अनुच्छेद 308 से 323 तक) में संघ एवं राज्यों के अधीन सेवाओं से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख है।

508. संविधान के किस भाग में भारत निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रावधान है ?
(अ) भाग 11 (ब) भाग 14
(स) भाग 15 (द) भाग 13
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–15 (अनुच्छेद 324 से 329 तक) में भारत निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख है। भाग 15 में भारत निर्वाचन आयोग के गठन आदि से संबंधित प्रावधान वर्णित है।

509. संविधान के किस भाग में आपात उपबंध से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख है ?
(अ) भाग 11 (ब) भाग 17
(स) भाग 15 (द) भाग 18
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–18 (अनुच्छेद 352 से 360 तक) में आपात उपबंध से संबंधित प्रावधानों का उल्लेख है।

510. संविधान के किस भाग में संविधान संशोधन प्रक्रिया का उल्लेख है ?
(अ) भाग 11 (ब) भाग 17
(स) भाग 20 (द) भाग 13
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के भाग–20 में अनुच्छेद 368 में संविधान संशोधन प्रक्रिया का उल्लेख है।

8.नागरिकता

511. भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में नागरिकता सम्बन्धी प्रावधान किए गए हैं ?
(अ) अनुच्छेद 1 से 4 (ब) अनुच्छेद 5 से 11
(स) अनुच्छेद 12 से 35 (द) अनुच्छेद 36 से 51
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–2 में अनुच्छेद 5 से 11 तक नागरिकता संबंधी विभिन्न उपबंधों का प्रावधन है। 26 नवम्बर, 1949 को नागरिकता से संबंधित 5 से 93 तक के अनुच्छेदों को लागू किया गया। इसके पश्चात् भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 के संबंध में विभिन्न प्रावधान लागू किए गए।

512. भारतीय संविधान निम्नलिखित में से कौनसी नागरिकता प्रदान करता है ?
(अ) एकल नागरिकता (ब) दोहरी नागरिकता
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–2 में अनुच्छेद 5 से 11 तक नागरिकता संबंधी विभिन्न उपबंधों का प्रावधान है। भारतीय संविधान में एकल नागरिकता की व्यवस्था की गई है। भारत में ब्रिटेन के समान एकल नागरिकता का प्रावधान किया गया है।

513. किस अनुच्छेद के तहत संसद को नागरिकता के संबंध में कानून बनाने का अधिकार प्रदान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 5 (ब) अनुच्छेद 9
(स) अनुच्छेद 10 (द) अनुच्छेद 11
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–2 में अनुच्छेद 5 से 11 तक में नागरिकता के संबंध में उपबंध किये गये हैं। अनुच्छेद 11 के तहत संसद को नागरिकता के संबंध में कानून बनाने का अधिकार प्रदान किया गया है। संसद नागरिकता के अर्जन और समाप्ति एवं नागरिकता से संबंधित अन्य सभी विषयों के संबंध में कानून बनान सकती है। भारत का संविधान ब्रिटेन की तरह एकल नागरिकता का उपबन्ध करता है।

514. भारतीय नागरिकता नहीं प्राप्त की जा सकती–
(अ) जन्म द्वारा
(ब) देशीयकरण द्वारा
(स) किसी भू–भाग के सम्मिलन द्वारा
(द) भारतीय बैंक में धन जमा करके
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–2 में अनुच्छेद 5 से 11 तक में नागरिकता के संबंध में उपबंध किये गये हैं। भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 द्वारा भारतीय नागरिकता निम्नलिखित तरीकों से प्राप्त की जा सकती है–(1) जन्म द्वारा (2) रक्त संबंध या वंशक्रम द्वारा (3) रजिस्ट्रीकरण द्वारा (4) देशीयकरण द्वारा (5) किसी भू–भाग के सम्मिलन द्वारा। भारतीय बैंक में धन जमा करके भारतीय नागरिकता प्राप्त नहीं की जा सकती है, क्योंकि यह एक वाणिज्यिक व्यवहार है।

515. देशीयकरण द्वारा नागरिकता प्राप्ति का एक तरीका क्या है ?
(अ) माता–पिता की नागरिकता
(ब) भाई–बहन की नागरिकता
(स) विदेशी पुरुष से विवाह करने पर
(द) विदेशी से मित्रता करने पर
उत्तर : (स)
व्याख्या– देशीयकरण द्वारा नागरिकता प्राप्ति का एक तरीका विदेशी पुरुष से विवाह करने पर है।

516. नागरिक बनने की निम्नलिखित शर्तों में एक आवश्यक शर्त क्या है ?
(अ) राज्य की सदस्यता
(ब) उच्च परिवार की सदस्यता
(स) उच्च जाति की सदस्यता
(द) किसी धर्म का समर्थन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– नागरिक बनने की शर्तों में एक आवश्यक शर्त राज्य की सदस्यता है।

517. पाकिस्तान में आकर भारत में नागरिकता प्राप्त करने सम्बन्धी प्रावधान का वर्णन निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 6 (ब) अनुच्छेद 8
(स) अनुच्छेद 9 (द) अनुच्छेद 11
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पाकिस्तान में आकर भारत में नागरिकता प्राप्त करने सम्बन्धी प्रावधान का वर्णन अनुच्छेद 6 में है।

518. नागरिकता के लोप होने का एक नियम है–
(अ) परिवार से बिछड़ जाने पर
(ब) देशद्रोह का अपराध सिद्ध होने पर
(स) भ्रमण के लिए विदेश जाने पर
(द) शिक्षा के लिए विदेश जाने पर
उत्तर : (ब) SSC 1999
व्याख्या– नागरिकता के लोप होने का एक नियम देशद्रोह का अपराध सिद्ध होने पर है।

519. एक व्यक्ति नागरिकता के अधिकार खो सकता है ? एक कारण हो सकता है–
(अ) एक व्यक्ति दूसरे देश में दो महीने के लिए चला जाता है
(ब) एक व्यक्ति दूसरे राज्य की नागरिकता ले लेता है
(स) एक व्यक्ति राज्य के लिए कर्तव्यों का प्रदर्शन नहीं करता है
(द) एक व्यक्ति बहुराष्ट्रीय कम्पनी में काम करता है
उत्तर : (ब) SSC 2013

व्याख्या– जब एक व्यक्ति दूसरे राज्य की नागरिकता ले लेता है, तो वह नागरिकता के अधिकार को खो सकता है।

520. निम्नलिखित में से कौनसी शर्त भारत की नागरिकता प्राप्त करने के लिए नहीं हे ?
(अ) अधिवास (ब) वंशानुक्रम
(स) पंजीकरण (द) सम्पत्ति स्वामित्व
उत्तर : (द)
व्याख्या– सम्पत्ति स्वामित्व की शर्त भारत की नागरिकता प्राप्त करने के लिए नहीं है।

521. भारत की नागरिकता निम्नलिखित में से किस प्रकार प्राप्त की जा सकती है ?
(अ) जन्म से (ब) वंशानुक्रम से
(स) देशीयकरण से (द) उपर्युक्त सभी से
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–2 में अनुच्छेद 5 से 11 तक में नागरिकता के संबंध में उपबंध किये गये हैं। भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 द्वारा भारतीय नागरिकता निम्नलिखित तरीकों से प्राप्त की जा सकती है–(1) जन्म द्वारा (2) रक्त संबंध या वंशक्रम द्वारा (3) रजिस्ट्रीकरण द्वारा (4) देशीकरण द्वारा (5) किसी भू–भाग के सम्मिलन द्वारा।

522. कितने वर्षों तक लगातार बाहर रहने पर नागरिकता समाप्त हो जाती है ?
(अ) 3 वर्ष (ब) 5 वर्ष
(स) 7 वर्ष (द) 9 वर्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– सात वर्षों तक लगातार बाहर रहने पर नागरिकता समाप्त हो जाती है।

523. नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1992 के अनुसार–
(अ) किसी भी बच्चे को भारत में जन्म लेने के कारण स्वतः भारतीय नागरिकता नहीं दी जाएगी
(ब) भारतीय पुरुष से विवाह करने वाली विदेशी महिला को भारतीय नागरिकता प्रापत करने का अधिकार मिला
(स) भारत के बाहर पैदा होने वाले बच्चे को, यदि उसकी माँ भारतीय है, तो उसे भारतीय नागरिकता प्राप्त होगी
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (स)
व्याख्या– नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1992 के अनुसार भारत के बाहर पैदा होने बच्चे को, यदि उसकी माँ भारतीय है, तो उसे भारतीय नागरिकता प्राप्त होगी।

524. भारतीय संविधान में नागरिकता के प्रावधान कब लागू हुए ?
(अ) 1950 (ब) 1949
(स) 1951 (द) 1952
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–2 में अनुच्छेद 5 से 11 तक नागरिकता संबंधी विभिन्न उपबंधों का प्रावधन है। 26 नवम्बर, 1949 को नागरिकता से संबंधित 5 से 93 तक के अनुच्छेदों को लागू किया गया। इसके पश्चात् भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 के संबंध में विभिन्न प्रावधान लागू किए गए।

525. नागरिकता प्राप्त करने व खोने के विषय में विस्तार से चर्चा कहाँ की गई है ?
(अ) संविधान के भाग 2 में
(ब) 1955 के नागरिकता कानून से
(स) संविधान की प्रथम अनुसूची में
(द) संसद के विविध अधिनियमों से
उत्तर : (ब)
व्याख्या– नागरिकता प्राप्त करने व खोने के विषय में विस्तार से चर्चा भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 में की गई है।

526. ऐसे सभी व्यक्ति जो.....या उसके पश्चात् भारत में जन्म लिया हो, उन्हें जन्मजात भारतीय नागरिक समझा जाएगा।
(अ) 15 अगस्त, 1947 (ब) 1 जनवरी, 1949
(स) 24 जनवरी, 1950 (द) 15 अगस्त, 1950
उत्तर : (स)
व्याख्या– ऐसे सभी व्यक्ति जो 26 जनवरी 1950 या उसके पश्चात् भारत में जन्म लिया हो, उन्हें जन्मजात भारतीय नागरिक समझा जाएगा।

527. संविधान द्वारा प्रदत्त नागरिकता के संबंध में संसद ने एक व्यापक नागरिकता अधिनियम कब बनाया ?
(अ) 1950 (ब) 1949
(स) 1951 (द) 1952
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–2 में अनुच्छेद 5 से 11 तक नागरिकता संबंधी विभिन्न उपबंधों का प्रावधन है। 26 नवम्बर, 1949 को नागरिकता से संबंधित 5 से 93 तक के अनुच्छेदों को लागू किया गया। इसके पश्चात् भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 के संबंध में विभिन्न प्रावधान लागू किए गए।

528. भारत में रहने वाला ब्रिटिश नागरिक दावा नहीं कर सकता–
(अ) व्यापार और व्यवसाय की स्वतंत्रता का अधिकार
(ब) विधि के समक्ष समता के अधिकार का
(स) जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा के अधिकार का
(द) धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का
उत्तर : (अ) IAS 1999
व्याख्या– भारत में रहने वाला ब्रिटिश नागरिक व्यापार और व्यवसाय की स्वतंत्रता का दावा नहीं कर सकता, क्योंकि अनुच्छेद 19(1)(छ) की स्वतंत्रता केवल भारतीय नागरिकों को ही प्राप्त है।

529. भारत में एकल नागरिकता की अवधारणा किस देश की सांविधानिक व्यवस्था से अपनाई गयी है ?
(अ) इंग्लैण्ड (ब) संयुक्त राज्य अमेरिका
(स) कनाडा (द) फ्रांस
उत्तर : (अ) SSC 2011
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–2 में अनुच्छेद 5 से 11 तक नागरिकता संबंधी विभिन्न उपबंधों का प्रावधन है। भारतीय संविधान में एकल नागरिकता की व्यवस्था की गई है। भारत में ब्रिटेन के समान एकल नागरिकता का प्रावधान किया गया है।

530. किस देश में दोहरी नागरिकता का सिद्धांत स्वीकार किया गया है ?
(अ) भारत (ब) कनाडा
(स) ऑस्ट्रेलिया (द) संयुक्त राज्य अमेरिका
उत्तर : (द)
व्याख्या–संयुक्त राज्य अमेरिका में दोहरी नागरिकता का सिद्धांत स्वीकार किया गया है।

531. भारत का एक नागरिक अपनी नागरिकता खो देगा, यदि वह–
1. भारतीय नागरिकता का परित्याग करता है
2. स्वेच्छा से अन्य देश की नागरिकता प्राप्त करता है
3. किसी अन्य देश के नागरिक से विवाह करता है
4. सरकार की अलोचना करता है
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(अ) 1, 2 और 3 (ब) 2, 3 और 4
(स) केवल 1 और 2 (द) केवल 1 और 4
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत का एक नागरिक अपनी नागरिकता खो देगा, यदि वह भारतीय नागरिकता का परित्याग करता है या स्वेच्छा से अन्य देश की नागरिकता प्राप्त करता है। अनुच्छेद 11 संसद को भारत की नागरिकता के अर्जन तथा निरसन के संबंध में तथा उसे संबंधित सभी विषयों के संबंध में विधान अधिनियमित करने की निर्बाध शक्तियाँ प्रदान करता है। संसद ने नागरिकता अधिनियम, 1955 पारित किया, जिसमें नागरिकता का स्वयं त्याग करने, स्वेच्छा से किसी अन्य देश की नागरिकता अर्जित कर लेने या भारत सरकार द्वारा कतिपय आधार पर नागरिकता से वंचित किए जाने के कारण नागरिकता को समाप्त कर देने का उपबन्ध किया गया है।

532. नागरिकता प्राप्त करने के लिए शर्तें निर्धारित करने वाला सक्षम निकाय कौन सा है ?
(अ) चुनाव आयोग
(ब) राष्ट्रपति
(स) संसद
(द) संसद और विधान सभाएँ
उत्तर : (स) SSC 2010
व्याख्या– नागरिकता प्राप्त करने के लिए शर्तें निर्धारित करने वाला सक्षम निकाय संसद है।

533. भारत में रहने वाला ब्रिटिश नागरिक दावा नहीं कर सकता–
(अ) व्यापार और व्यवसाय की स्वतंत्रता का अधिकार
(ब) विधि के समक्ष समता के अधिकार का
(स) जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा के अधिकार का
(द) धर्म की स्वतंत्रता के अधिकार का
उत्तर : (अ) IAS 1999
व्याख्या– भारत में रहने वाला ब्रिटिश नागरिक व्यापार और व्यवसाय की स्वतंत्रता के अधिकार का दावा नहीं कर सकता।

534. निम्न में से किस स्थिति में किसी भारतीय व्यक्ति की भारतीय नागरिकता समाप्त हो सकती है ?
(अ) त्यागने पर
(ब) पर्यावसन पर
(स) वंचित किए जाने पर
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– त्यागने, पर्यावसन पर तथा वंचित किय जाने पर भारतीय व्यक्ति की भारतीय नागरिकता समाप्त हो सकती है।

535. भारतीय संविधान के अंतर्गत भारत के नागरिकों को वे कौनसे अधिकार प्राप्त हैं, जो गैर नागरिकों को नहीं है ?
(अ) कुछ सार्वजनिक पदों की पात्रता
(ब) संसद व विधानमंडल के सदस्य होने का अधिकार
(स) अनुच्छेद 15,16 एवं 19 द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकार
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 15, 16 एवं 19 में भारतीय नागरिकों को प्रदत्त मौलिक अधिकार, संसद व विधानमंडल के सदस्य होने का अधिकार तथा कुछ सार्वजनिक पदों हेतु गैर नागरिकों को अधिकार प्राप्त नहीं है।

536. निम्न में से किस स्थिति में किसी व्यक्ति को भारतीय नागरिकता से वंचित नहीं किया जा सकता है ?
(अ) निर्वाचन के दौरान
(ब) आपातकाल के दौरान
(स) युद्ध के दौरान
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– निर्वाचन, आपातकाल एवं युद्ध के दौरान किसी व्यक्ति को भारतीय नागरिकता से वंचित नहीं किया जा सकता।

537. निम्नलिखित में से किस आधार पर भारत की नागरिकता प्राप्त की जा सकती है ?
(अ) वंश–परम्परा द्वारा नागरिकता
(ब) देशीयकरण द्वारा नागरिकता
(स) पंजीकरण द्वारा नागरिकता
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 ई. के अनुसार निम्न में से किसी एक आधार पर भारत की नागरिकता प्राप्त की जा सकती है–(1) जन्म से (2) वंश–परम्परा द्वारा (3) देशीकरण द्वारा (4) पंजीकरण द्वारा (5) भूमि–विस्तार द्वारा।

538. भारत में नागरिकता के संबंध में प्रावधान है–
(अ) एकल नागरिकता (ब) दोहरी नागरिकता
(स) बहुल नागरिकता (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में एकल नागरिकता का प्रावधान है। भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 ई. के तहत निम्न में से किसी एक आधार पर नागरिकता प्राप्त की जा सकती है– (1) जन्म से : 26 जनवरी, 1950 ई. को या उसके पश्चात् भारत में जन्म लेने वाला व्यक्ति जन्म से भारत का नागरिक होगा। अपवाद–राजनयिकों के बच्चे और विदेशियों के बच्चे। (2) वंश परम्परा द्वारा नागरिकता : भारत के बाहर अन्य देश में 26 जनवरी, 1950 ई. के पश्चात् जन्म लेने वाला व्यक्ति भारत का नागरिक माना जावेगा, यदि उसके जन्म के समय उसके माता–पिता में से कोई भारत का नागरिक हो। माता की नागरिकता के आधार पर विदेश में जन्म लेने वाले को नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा किया गया है। (3) देशीयकरण द्वारा नागरिकता : भारत सरकार से देशीयकरण का प्रमाण पत्र प्राप्त कर भारत की नागरिकता प्राप्त की जा सकती है।
(4) पंजीकरण द्वारा नागरिकता : निम्नलिखित वर्गों में आने वाले व्यक्ति पंजीकरण के द्वारा भारत की नागरिकता प्राप्त कर सकते हैं–(अ) वे व्यक्ति जो पंजीकरण प्रार्थना–पत्र देने की विधि से 6 माह पूर्व से भारत में रह रहे हों। (ब) वे भारतीय, जो अविभाज्य भारत से बाहर किसी देश में निवास कर रहे हों। (स) वे स्त्रियाँ, जो भारतीयों से विवाह कर चुकी है या भविष्य में विवाह करेंगी। (द) भारतीय नागरिकों के नाबालिग बच्चे। (य) राष्ट्रमंडलीय देशों के नागरिक, जो भारत में रहते हों या भारत सरकार की नौकरी कर रहे हों, आवेदन–पत्र देकर भारत की नागरिकता प्राप्त कर सकते हैं। (5) भूमि विस्तार द्वारा : यदि किसी नये भू–भाग को भारत में शामिल किया जाता है, तो उस क्षेत्र में निवास करने वाले व्यक्तियों को स्वतः भारत की नागरिकता प्राप्त की जा सकती है।

539. निम्नलिखित में से किन आधारों पर किसी व्यक्ति की भारतीय नागरिकता का अन्त हो सकता है ?
(अ) नागरिकता का परित्याग करने पर
(ब) किसी अन्य देश की नागरिकता स्वीकार करने पर
(स) सरकार द्वारा नागरिकता छीनने पर
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय नागरिकता का अन्त निम्न प्रकार से हो सकता है–(1) नागरिकता का परित्याग करने से (2) किसी अन्य देश की नागरिकता स्वीकार कर लेने पर (3) सरकार द्वारा नागरिकता छीनने पर।

540. भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1986 ई. के आधार पर भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1955 ई. में संशोधन किये गये हैं, जिसके अनुसार–
(अ) भारत में जन्में केवल उस व्यक्ति को ही नागरिकता प्रदान की जायेगी, जिसके माता–पिता में से एक भारत का नागरिक हो।
(ब) जो व्यक्ति पंजीकरण के माध्यम से भारतीय नागरिकता प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें अब भारत में कम–से–कम पाँच वर्षों तक निवास करना होगा।
(स) देशीयकरण द्वारा नागरिकता तभी प्रदान की जायेगी, जबकि संबंधित व्यक्ति कम–से–कम 10 वर्षों तक भारत में रह चुका हो।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1986 ई. के द्वारा भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 ई. में निम्न संशोधन किये गये– (1) अब भारत में जन्में केवल उस व्यक्ति को ही नागरिकता प्रदान की जायेगी, जिसके माता–पिता में से एक भारत का नागरिक हो। (2) जो व्यक्ति पंजीकरण के माध्यम से भारतीय नागरिकता प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें अब भारत में कम–से–कम पाँच वर्षों तक निवास करना होगा। पहले यह अवधि छह माह थी। (3) देशीयकरण द्वारा नागरिकता तभी प्रदान की जायेगी, जबकि संबंधित व्यक्ति कम–से–कम 10 वर्षों तक भारत में रह चुका हो। पहले यह अवधि 5 वर्ष थी।

541. भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में नागरिकता संबंधी प्रावधान किए गए हैं ?
(अ) अनुच्छेद 1 से 4 (ब) अनुच्छेद 5 से 11
(स) अनुच्छेद 12 से 35 (द) अनुच्छेद 36 से 51
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 2 में अनुच्छेद 5 से 11 तक में नागरिकता संबंधी प्रावधान किए गए हैं।

542. किस अनुच्छेद के तहत संसद को नागरिकता के संबंध में कानून बनाने का अधिकार प्रदान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 5 (ब) अनुच्छेद 9
(स) अनुच्छेद 10 (द) अनुच्छेद 11
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 11 के तहत संसद को नागरिकता के संबंध में कानून बनाने का अधिकार है, जबकि इसे पेश करने का अधिकार गृह मंत्रालय को है।

543. भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1986 ई. के तहत देशीयकरण द्वारा नागरिकता प्राप्त करने हेतु संबंधित व्यक्ति को कम–से–कम कितने वर्षों तक भारत में निवास करना आवश्यक है ?
(अ) 10 वर्ष (ब) 5 वर्ष
(स) 8 वर्ष (द) 3 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1986 ई. के द्वारा भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 ई. में निम्न संशोधन किये गये– (1) अब भारत में जन्में केवल उस व्यक्ति को ही नागरिकता प्रदान की जायेगी, जिसके माता–पिता में से एक भारत का नागरिक हो। (2) जो व्यक्ति पंजीकरण के माध्यम से भारतीय नागरिकता प्राप्त करना चाहते हैं, उन्हें अब भारत में कम–से–कम पाँच वर्षों तक निवास करना होगा। पहले यह अवधि छह माह थी। (3) देशीयकरण द्वारा नागरिकता तभी प्रदान की जायेगी, जबकि संबंधित व्यक्ति कम–से–कम 10 वर्षों तक भारत में रह चुका हो। पहले यह अवधि 5 वर्ष थी। नागरिकता संशोधन अधिनियम, 1986 ई. जम्मू–कश्मीर व असम सहित भारत के सभी राज्यों पर लागू होगा।

544. भारत में नागरिकता के संबंध में प्रावधान है–
(अ) एकल नागरिकता (ब) दोहरी नागरिकता
(स) उपर्युक्त दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान में एकल नागरिकता का प्रावधान है। यह प्रावधान ब्रिटेन के संविधान से लिया गया है।

9.मौलिक अधिकार

545. मूल संविधान में कितने मौलिक अधिकार थे ?
(अ) 6 (ब) 7
(स) 8 (द) 5
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के मूल संविधान में सात मौलिक अधिकार थे। 44वें संविधान संशोधन, 1978 ई. के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार (अनुच्छेद–31 एवं 19क) को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाकर इसे संविधान के भाग–12 में अनुच्छेद–300क में कानूनी अधिकार के रूप में रखा गया है।

546. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में सम्पत्ति का अधिकार कानूनी अधिकार के रूप में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद–300क (ब) अनुच्छेद–19क
(स) अनुच्छेद–31 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के मूल संविधान में सात मौलिक अधिकार थे। 44वें संविधान संशोधन, 1978 ई. के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार (अनुच्छेद–31 एवं 19क) को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाकर इसे संविधान के भाग–12 में अनुच्छेद–300क में कानूनी अधिकार के रूप में रखा गया है।

547. किस संविधान संशोधन द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाकर कानूनी अधिकार के रूप में रखा गया है ?
(अ) 42वाँ संविधान संशोधन, 1976 ई.
(ब) 44वाँ संविधान संशोधन, 1978 ई.
(स) 41वाँ संविधान संशोधन, 1976 ई.
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 44वें संविधान संशोधन, 1978 ई. के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार (अनुच्छेद–31 एवं 19क) को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाकर इसे संविधान के भाग–12 में अनुच्छेद–300क में कानूनी अधिकार के रूप में रखा गया है।

548. 44वें संविधान संशोधन, 1978 ई. के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाकर संविधान के किस भाग में कानूनी अधिकार के रूप में रखा गया है ?
(अ) भाग–10 (ब) भाग–11
(स) भाग–7 (द) भाग–12
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के मूल संविधान में सात मौलिक अधिकार थे। 44वें संविधान संशोधन, 1978 ई. के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार (अनुच्छेद–31 एवं 19क) को मौलिक अधिकारों की सूची से हटाकर इसे संविधान के भाग–12 में अनुच्छेद–300क में कानूनी अधिकार के रूप में रखा गया है।

549. भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में मौलिक अधिकार 'समता या समानता का अधिकार' वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 14 से 18 (ब) अनुच्छेद 19 से 22
(स) अनुच्छेद 23 से 24 (द) अनुच्छेद 25 से 28
उत्तर : (अ)
व्याख्या– समता या समानता का अधिकार अनुच्छेद 14 से 18 तक में वर्णित है। अनुच्छेद–14 (विधि के समक्ष समता), अनुच्छेद–15 (धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म–स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध), अनुच्छेद–16 (लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता), अनुच्छेद–17 (अस्पृश्यता का अन्त), अनुच्छेद–18 (उपाधियों का अन्त)।

550. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत विधि के समक्ष समता का अधिकार प्रदान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद–14 (ब) अनुच्छेद–15
(स) अनुच्छेद–16 (द) अनुच्छेद–17
उत्तर : (अ)
व्याख्या– समता या समानता का अधिकार अनुच्छेद 14 से 18 तक में वर्णित है। अनुच्छेद–14 में वर्णित विधि के समक्ष समता के अधिकार का अर्थ है कि राज्य सभी व्यक्तियों के लिए एकसमान कानून बनायेगा तथा उन पर एकसमान लागू करेगा।

551. सबसे पहली बार मूल अधिकारों की माँग कांग्रेस के किस अधिवेशन में की गई थी ?
(अ) कराची अधिवेशन, 1931 ई.
(ब) दिल्ली अधिवेशन, 1932 ई.
(स) हरिपुरा अधिवेशन, 1938 ई.
(द) त्रिपुरी अधिवेशन, 1939 ई.
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1931 ई. में कांग्रेस के कराची अधिवेशन में कांग्रेस ने घोषणा पत्र में मूल अधिकारों की मांग की। उस समय कांग्रेस का अध्यक्ष सरदार बल्लभ भाई पटेल थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने मूल अधिकारों का प्रारूप बनाया था। इस अधिवेशन में मौलिक अधिकारों का प्रस्ताव पारित हुआ था।

552. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत धर्म, नस्ल जाति, लिंग या जन्म–स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद–14 (ब) अनुच्छेद–15
(स) अनुच्छेद–16 (द) अनुच्छेद–17
उत्तर : (ब)
व्याख्या– समता या समानता का अधिकार अनुच्छेद 14 से 18 तक में वर्णित है। अनुच्छेद–15 के तहत धर्म, नस्ल जाति, लिंग या जन्म–स्थान के आधार पर भेदभाव का निषेध किया गया है। इसके अनुसार राज्य के द्वारा धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग एवं जन्म–स्थान आदि के आधार पर नागरिकों के प्रति जीवन के किसी भी क्षेत्र में भेदभाव नहीं किया जायेगा।

553. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता का अधिकार प्रदान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद–14 (ब) अनुच्छेद–15
(स) अनुच्छेद–16 (द) अनुच्छेद–17
उत्तर : (स)
व्याख्या– समता या समानता का अधिकार अनुच्छेद 14 से 18 तक में वर्णित है। अनुच्छेद–16 के तहत राज्य के अधीन किसी पद पर नियोजन या नियुक्ति से संबंधित विषयों में सभी नागरिकों के लिए अवसर की समानता होगी। अपवाद–अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग।

554. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए इसे दंडनीय अपराध घोषित किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद–14 (ब) अनुच्छेद–15
(स) अनुच्छेद–16 (द) अनुच्छेद–17
उत्तर : (द)
व्याख्या– समता या समानता का अधिकार अनुच्छेद 14 से 18 तक में वर्णित है। अनुच्छेद–17 के तहत अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए इसे दंडनीय अपराध घोषित किया गया है।

555. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत उपाधियों का अन्त किया गया ?
(अ) अनुच्छेद–15 (ब) अनुच्छेद–16
(स) अनुच्छेद–17 (द) अनुच्छेद–18
उत्तर : (द)
व्याख्या– समता या समानता का अधिकार अनुच्छेद 14 से 18 तक में वर्णित है। अनुच्छेद–18 के तहत सेना या शिक्षा/विद्या संबंधी सम्मान के सिवाय अन्य कोई भी उपाधि राज्य द्वारा प्रदान नहीं की जायेगी। भारत का कोई नागरिक किसी अन्य देश से बिना राष्ट्रपति की आज्ञा के कोई उपाधि स्वीकार नहीं कर सकता है। भारत सरकार द्वारा भारत रत्न, पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्मश्री एवं सेना द्वारा परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र आदि पुरस्कार संविधान के अनुच्छेद–18 के तहत ही दिये जाते हैं।

556. भारत सरकार द्वारा भारत रत्न, पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्मश्री एवं सेना द्वारा परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र आदि पुरस्कार संविधान के किस अनुच्छेद के तहत दिये जाते हैं ?
(अ) अनुच्छेद–15 (ब) अनुच्छेद–16
(स) अनुच्छेद–17 (द) अनुच्छेद–18
उत्तर : (द)
व्याख्या– समता या समानता का अधिकार अनुच्छेद 14 से 18 तक में वर्णित है। अनुच्छेद–18 के तहत सेना या शिक्षा/विद्या संबंधी सम्मान के सिवाय अन्य कोई भी उपाधि राज्य द्वारा प्रदान नहीं की जायेगी। भारत का कोई नागरिक किसी अन्य देश

से बिना राष्ट्रपति की आज्ञा के कोई उपाधि स्वीकार नहीं कर सकता है। भारत सरकार द्वारा भारत रत्न, पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्मश्री एवं सेना द्वारा परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र आदि पुरस्कार संविधान के अनुच्छेद–18 के तहत ही दिये जाते हैं।

557. निम्नलिखित में से कौनसे प्रावधान अनुच्छेद–18 से संबंधित है ?
(अ) सेना या विद्या संबंधी सम्मान के सिवाय अन्य कोई भी उपाधि राज्य द्वारा प्रदान नहीं की जायेगी।
(ब) भारत का कोई नागरिक किसी अन्य देश से बिना राष्ट्रपति की आज्ञा के कोई उपाधि स्वीकार नहीं कर सकता है।
(स) भारत सरकार द्वारा भारत रत्न, पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्मश्री एवं सेना द्वारा परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र आदि पुरस्कार संविधान के अनुच्छेद–18 के तहत ही दिये जाते हैं।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– समता या समानता का अधिकार अनुच्छेद 14 से 18 तक में वर्णित है। अनुच्छेद–18 के तहत सेना या शिक्षा/विद्या संबंधी सम्मान के सिवाय अन्य कोई भी उपाधि राज्य द्वारा प्रदान नहीं की जायेगी। भारत का कोई नागरिक किसी अन्य देश से बिना राष्ट्रपति की आज्ञा के कोई उपाधि स्वीकार नहीं कर सकता है। भारत सरकार द्वारा भारत रत्न, पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्मश्री एवं सेना द्वारा परमवीर चक्र, महावीर चक्र, वीर चक्र आदि पुरस्कार संविधान के अनुच्छेद–18 के तहत ही दिये जाते हैं।

558. भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में मौलिक अधिकार 'स्वतंत्रता का अधिकार' वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 14 से 18 (ब) अनुच्छेद 19 से 22
(स) अनुच्छेद 23 से 24 (द) अनुच्छेद 25 से 28
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 19 से 22 तक में मौलिक अधिकार 'स्वतंत्रता का अधिकार' वर्णित है। मूल संविधान में सात तरह की स्वतंत्रता का उल्लेख था, अब सिर्फ छः तरह की स्वतंत्रता का उल्लेख है। अनुच्छेद–19(f) में वर्णित सम्पत्ति के अधिकार को 44वें संविधान संशोधन, 1978 ई. के द्वारा हटा दिया गया है। अनुच्छेद 19(a) के तहत बोलने की स्वतंत्रता, अनुच्छेद 19(b) के तहत शांतिपूर्वक बिना हथियारों के एकत्रित होने और सभा करने की स्वतंत्रता, अनुच्छेद 19(c) के तहत संघ बनाने की स्वतंत्रता, अनुच्छेद 19(d) के तहत देश के किसी भी क्षेत्र में आवागमन की स्वतंत्रता, अनुच्छेद 19(e) के तहत देश के किसी भी क्षेत्र में निवास करने और बसने की स्वतंत्रता, अनुच्छेद 19(g) के तहत कोई भी व्यापार एवं जीविका चलाने की स्वतंत्रता। प्रेस की स्वतंत्रता का वर्णन अनुच्छेद 19(a) में ही है।

559. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में बोलने की स्वतंत्रता का अधिकार वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 19(a) (ब) अनुच्छेद 19(f)
(स) अनुच्छेद 19(c) (द) अनुच्छेद 19(d)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 19 से 22 तक में मौलिक अधिकार 'स्वतंत्रता का अधिकार' वर्णित है। मूल संविधान में सात तरह की स्वतंत्रता का उल्लेख था, अनुच्छेद–19(f) में वर्णित सम्पत्ति के अधिकार को 44वें संविधान संशोधन, 1978 ई. के द्वारा हटा दिया गया है। अब सिर्फ छः तरह की स्वतंत्रता का उल्लेख है। अनुच्छेद 19(a) में बोलने की स्वतंत्रता का अधिकार वर्णित है।

560. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में शांतिपूर्वक बिना हथियार के एकत्रित होने और सभा करने की स्वतंत्रता का अधिकार वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 19(a) (ब) अनुच्छेद 19(b)
(स) अनुच्छेद 19(c) (द) अनुच्छेद 19(f)
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 19 से 22 तक में मौलिक अधिकार 'स्वतंत्रता का अधिकार' वर्णित है। मूल संविधान में सात तरह की स्वतंत्रता का उल्लेख था, अनुच्छेद–19(f) में वर्णित सम्पत्ति के अधिकार को 44वें संविधान संशोधन, 1978 ई. के द्वारा हटा दिया गया है। अब सिर्फ छः तरह की स्वतंत्रता का उल्लेख है। अनुच्छेद 19(b) के तहत शांतिपूर्वक बिना हथियारों के एकत्रित होने और सभा करने की स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया गया है।

561. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में देश के किसी भी क्षेत्र में आवागमन की स्वतंत्रता अधिकार वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 19(a) (ब) अनुच्छेद 19(b)
(स) अनुच्छेद 19(f) (द) अनुच्छेद 19(d)
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 19(d) के तहत देश के किसी क्षेत्र में आवागमन की स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 19 से 22 तक में मौलिक अधिकार 'स्वतंत्रता का अधिकार' वर्णित है। मूल संविधान में सात तरह की स्वतंत्रता का उल्लेख था, अनुच्छेद–19(f) में वर्णित सम्पत्ति के अधिकार को 44वें संविधान संशोधन, 1978 ई. के द्वारा हटा दिया गया है।

562. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में संघ बनाने की स्वतंत्रता का अधिकार वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 19(a) (ब) अनुच्छेद 19(f)
(स) अनुच्छेद 19(c) (द) अनुच्छेद 19(d)
उत्तर : (स)

व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 19 से 22 तक में मौलिक अधिकार 'स्वतंत्रता का अधिकार' वर्णित है। मूल संविधान में सात तरह की स्वतंत्रता का उल्लेख था, अनुच्छेद–19(f) में वर्णित सम्पत्ति के अधिकार को 44वें संविधान संशोधन, 1978 ई. के द्वारा हटा दिया गया है। अब सिर्फ छः तरह की स्वतंत्रता का उल्लेख है। अनुच्छेद 19(c) के तहत संघ बनाने की स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान किया गया है।

563. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में अपराधों के लिए दोष सिद्धि के संबंध में संरक्षण का प्रावधान वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 19 (ब) अनुच्छेद 20
(स) अनुच्छेद 21 (द) अनुच्छेद 22
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–20 में अपराधों के लिए दोष सिद्धि के संबंध में संरक्षण का प्रावधान वर्णित है। इसके तहत तीन प्रकार की स्वतंत्रता का वर्णन है–(1) किसी भी व्यक्ति को एक अपराध के लिए सिर्फ एक बार सजा मिलेगी। (2) अपराध करने के समय जो कानून है, उसी के तहत सजा मिलेगी न कि पहले और बाद में बनने वाले कानून के तहत। (3) किसी भी व्यक्ति को स्वंय के विरुद्ध न्यायालय में गवाही देने के लिए बाध्य नहीं किया जायेगा।

564. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता के संरक्षण से संबंधित प्रावधान वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 19 (ब) अनुच्छेद 20
(स) अनुच्छेद 21 (द) अनुच्छेद 21क
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 में प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता के संरक्षण से संबंधित प्रावधान उल्लेखित है। इसके तहत किसी भी व्यक्ति को विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अतिरिक्त उसके जीवन और वैयक्तिक स्वतंत्रता के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। अनुच्छेद 21 के तहत प्रत्येक सरकार का दायित्व बनता है कि वह अपने नागरिकों को स्वस्थ एवं स्वच्छ पर्यावरण उपलब्ध कराए। इसके लिए भारत सरकार ने संसद से राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम, 2010 पारित कराया है। अक्टूबर 2010 में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण की स्थापना की गई। इसकी मुख्य पीठ नई दिल्ली में है, जबकि अन्य चार पीठें भोपाल, पुणे, कोलकाता एवं चेन्नई में है। राष्ट्रीय हरित न्यायाधीकरण देश में पर्यावरण से संबंधित मामलों के लिए उत्तरदायी है।

565. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में राज्य को 6 से 14 वर्ष के आयु के सभी बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 19 (ब) अनुच्छेद 20
(स) अनुच्छेद 21 (द) अनुच्छेद 21क
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–21क में राज्य को 6 से 14 वर्ष के आयु के समस्त बच्चों को ऐसे ढंग से जैसा कि राज्य, विधि द्वारा अवधारित करे, निःशुल्क तथा अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराने का प्रावधान है। 86वें संविधान संशोधन, 2002 के द्वारा इस अनुच्छेद–21क को संविधान में जोड़ा गया है।

566. किस संविधान संशोधन अधिनियम के द्वारा 6 से 14 वर्ष के बच्चों को अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देने संबंधी प्रावधान किया गया है ?
(अ) 83वां संविधान संशोधन, 2000 ई.
(ब) 84वां संविधान संशोधन, 2001 ई.
(स) 86वां संविधान संशोधन, 2002 ई.
(द) 87वां संविधान संशोधन, 2003 ई.
उत्तर : (स)
व्याख्या– 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 ई. के द्वारा देश के 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देने संबंधी प्रावधान किया गया है। इसे अनुच्छेद–21(क) के अंतर्गत संविधान में जोड़ा गया है। इस अधिनियम के द्वारा संविधान के अनुच्छेद–45 तथा अनुच्छेद–51क में संशोधन किये जाने का प्रावधान है।

567. निवारक निरोध कानून के संबंध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
(अ) इसके अन्तर्गत किसी व्यक्ति को अपराध करने के पूर्व ही गिरफ्तार किया जाता है।
(ब) निवारक निरोध का उद्देश्य किसी व्यक्ति को अपराध करने से रोकना है।
(स) अनुच्छेद–22 के खंड–3, 4, 5 और 6 में निवारक निरोध संबंधी प्रावधानों का उल्लेख है।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–22 के खंड 3, 4, 5 और 6 में निवारक निरोध संबंधी प्रावधानों का उल्लेख है। निवारक निरोध कानून के अन्तर्गत किसी व्यक्ति को अपराध करने से पूर्व ही गिरफ्तार किया जाता है। निवारक निरोध का उद्देश्य व्यक्ति को अपराध के लिए दण्ड देना नहीं, बल्कि उसे अपराध करने से रोकना है। वस्तुतः यह निवारक निरोध राज्य की सुरक्षा, लोक व्यवस्था बनाये रखने या भारत की सुरक्षा संबंधी कारण से हो सकता है। जब किसी व्यक्ति को निवारक निरोध की किसी विधि के अधीन गिरफ्तार किया जाता है, तब– (1)

सरकार ऐसे व्यक्ति को केवल 3 महीने तक अभिरक्षा (हिरासत) में निरुद्ध कर सकती है। यदि गिरफ्तार व्यक्ति को तीन माह से अधिक समय के लिए निरुद्ध करना होता है, तो इसके लिए सलाहकार बोर्ड का प्रतिवेदन प्राप्त करना पड़ता है। (2) इस प्रकार निरुद्ध व्यक्ति को यथाशीघ्र निरोध के आधार पर सूचित किये जायेंगे, किन्तु जिन तथ्यों को निरस्त करना लोकहित के विरुद्ध समझा जायेगा, उन्हें प्रकट करना आवश्यक नहीं है। (3) निरुद्ध व्यक्ति को निरोध आदेश के विरुद्ध अभ्यावेदन करने के लिए शीघ्रातिशीघ्र अवसर दिया जाना चाहिए। निवारक निरोध से संबंधित अब तक बनायी गयी विधियाँ/कानून– (1) निवारक निरोध अधिनियम, 1950 ई. (2) आन्तरिक सुरक्षा व्यवस्था अधिनियम, 1971 (3) विदेशी मुद्रा संरक्षण व तस्करी निरोध अधिनियम, 1974 (4) राष्ट्रीय सुरक्षा कानून, 1980 (5) आतंकवादी एवं विध्वंसकारी गतिविधियाँ निरोधक कानून (टाडा), 1995 ई. (5) प्रिवेंशन ऑफ टेरोरिज्म ऑर्डिनेंस, 2001 (पोटो)।

568. किस अनुच्छेद के तहत कुछ दशाओ में गिरफ्तारी और निरोध में संरक्षण का अधिकार नागरिकों को दिया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 19 (ब) अनुच्छेद 20
(स) अनुच्छेद 21 (द) अनुच्छेद 22
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 22 के अनुसार अगर किसी भी व्यक्ति को मनमाने ढंग से हिरासत में ले लिया गया हो, तो उसे तीन प्रकार की स्वतंत्रता प्रदान की गई है–(1) हिरासत में लेने का कारण बताना होगा। (2) आने–जाने के समय को छोड़कर 24 घंटे के अंदर उसे दंडाधिकारी के समक्ष पेश किया जायेगा। (3) उसे अपने पसंद के वकील से सलाह लेने का अधिकार होगा।

569. पहला निवारक निरोध अधिनियम कब पारित किया गया था ?
(अ) 31 दिसम्बर, 1971 ई.
(ब) 1 अप्रैल, 1951 ई.
(स) 26 फरवरी, 1950 ई.
(द) 1 अप्रैल, 1952 ई.
उत्तर : (स)
व्याख्या–भारत की संसद ने 26 फरवरी, 1950 ई. को पहला निवारक निरोध अधिनियम पारित किया गया था। इसका उद्देश्य राष्ट्र विरोधी तत्वों को भारत की प्रतिरक्षा के प्रतिकूल कार्य करने से रोकना था। इसे 1 अप्रैल, 1951 ई. को समाप्त हो जाना था, किन्तु समय–समय पर इसकी अवधि बढ़ाते गये और अंततः यह 31 दिसम्बर, 1971 ई. को समाप्त हुआ।

570. निवारक निरोध से संबंधित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून किस वर्ष लागू किया गया था ?
(अ) 1974 (ब) 1984
(स) 1980 (द) 1995
उत्तर : (स)
व्याख्या– निवारक निरोध से संबंधित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून, 1980 को जम्मू–कश्मीर के अतिरिक्त सभी राज्यों में लागू किया गया था।

571. विदेशी मुद्रा संरक्षण व तस्करी निरोध अधिनियम, 1974 के तहत तस्करों के लिए नजरबंदी की अवधि है–
(अ) 1 वर्ष (ब) 2 वर्ष
(स) 3 वर्ष (द) 4 वर्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– विदेशी मुद्रा संरक्षण व तस्करी निरोध अधिनियम, 1974 के तहत पहले इसमें तस्करों के लिए नजरबंदी की अवधि 1 वर्ष थी, जिसे 13 जुलाई, 1984 को एक अध्यादेश के द्वारा 2 वर्ष कर दिया गया है।

572. आतंकवादी एवं विध्वंसकारी गतिविधियाँ निरोधक कानून (टाडा) को कब समाप्त किया गया था ?
(अ) 23 मई, 1995 ई.
(ब) 25 अक्टूबर, 2001 ई.
(स) 21 सितम्बर, 2004 ई.
(द) 31 दिसम्बर, 1971 ई.
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 'आतंकवादी एवं विध्वंसकारी गतिविधियाँ निरोधक कानून (टाडा)' निवारक निरोध व्यवस्था के अन्तर्गत जो कानून बने उनमें सबसे अधिक प्रभावी एवं सर्वाधिक कठोर कानून था, जिसे 23 मई, 1995 ई. को समाप्त कर दिया गया।

573. निम्नलिखित में से कौनसा कानून टाडा का ही एक रूप है ?
(अ) निवारक निरोध अधिनियम, 1950
(ब) आन्तरिक सुरक्षा व्यवस्था अधिनियम, 1971
(स) राष्ट्रीय सुरक्षा कानून 1980
(द) पोटो
उत्तर : (द)
व्याख्या– Prevention of Terrorism Ordinance, 2001 कानून को संक्षिप्त में पोटो के नाम से जाना जाता है। इस कानून को 25 अक्टूबर, 2001 को लागू किया गया। 'पोटो' टाडा का ही एक रूप है। इस कानून के तहत कुल 23 आतंकवादी गुटों को प्रतिबन्धित किया गया है। आतंकवादी और आतंकवादियों से संबंधित सूचना को छिपाने वालों को भी दंडित करने का प्रावधान किया गया है। पुलिस शक के आधार पर किसी को भी गिरफ्तार कर सकती है, किन्तु बिना आरोप–पत्र के तीन माह से अधिक हिरासत में नहीं रख सकती है। 28 मार्च, 2002 को पोटो (Prevention of Terrorism

Ordinance) को पोटा (Prevention of Terrorism Act) में तब्दील किया गया। पोटा के अन्तर्गत गिरफ्तार व्यक्ति उच्च न्यायालय अथवा उच्चतम न्यायालय में अपील कर सकता है, लेकिन यह अपील भी गिरफ्तारी के तीन माह बाद ही हो सकती है। 21 सितम्बर, 2004 को इस कानून को अध्यादेश के द्वारा समाप्त कर दिया गया।

574. आन्तरिक सुरक्षा व्यवस्था अधिनियम, 1971 को अप्रैल, 1979 में समाप्त कर दिया गया। इसका कारण था–
(अ) यह 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1979 के प्रतिकूल था
(ब) इससे देश में आन्तरिक विद्रोह हो गये थे
(स) संयुक्त राष्ट्र संघ का भारत पर दबाव था
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– आन्तरिक सुरक्षा व्यवस्था, 1971 (MISA) का 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1979 के प्रतिकूल होने के कारण इसे अप्रैल, 1979 ई. में समाप्त कर दिया गया।

575. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में मानव के दुर्व्यापार और बलात् श्रम का प्रतिषेध किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 23 (ब) अनुच्छेद 24
(स) अनुच्छेद 25 (द) अनुच्छेद 26
उत्तर : (अ)
व्याख्या– शोषण के विरुद्ध अधिकार के अन्तर्गत मानव के दुर्व्यापार और बलात् श्रम का प्रतिषेध भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 में किया गया है। इसके द्वारा किसी व्यक्ति को खरीद–बिक्री, बेगारी तथा इसी प्रकार का अन्य जबरदस्ती लिया हुआ श्रम निषिद्ध ठहराया गया है, जिसका उल्लंघन विधि के अनुसार दंडनीय अपराध है।

576. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में बालकों के नियोजन का प्रतिषेध का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 23 (ब) अनुच्छेद 24
(स) अनुच्छेद 25 (द) अनुच्छेद 26
उत्तर : (ब)
व्याख्या– शोषण के विरुद्ध अधिकार के अन्तर्गत बालकों के नियोजन का प्रतिषेध का प्रावधान भारतीय संविधान के अनुच्छेद 24 में किया गया है। इसके द्वारा 14 वर्ष से कम आयु के किसी बच्चे को कारखानों, खानों या अन्य किसी जोखिम भरे काम पर नियुक्त नहीं किया जा सकता है।

577. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में अल्पसंख्यक वर्गों के हितों के संरक्षण का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 27 (ब) अनुच्छेद 28
(स) अनुच्छेद 29 (द) अनुच्छेद 30
उत्तर : (स)
व्याख्या– मौलिक अधिकारों में संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार के अंतर्गत अल्पसंख्यक वर्गों के हितों के संरक्षण का प्रावधान भारतीय संविधान के अनुच्छेद 29 में किया गया है। इसके द्वारा कोई भी अल्पसंख्यक वर्ग अपनी भाषा, लिपि और संस्कृति को सुरक्षित रख सकता है और केवल भाषा, जाति, धर्म और संस्कृति के आधार पर उसे किसी भी सरकारी शैक्षिक संस्था में प्रवेश से नहीं रोका जायेगा। वर्तमान में छः समुदायों मुस्लिम, पारसी, ईसाई, सिख, बौद्ध एवं जैन को अल्पसंख्यक वर्ग का दर्जा प्रदान किया गया है। अल्पसंख्यक समुदाय के विकास को समुचित आधार प्रदान करने के लिए वर्ष 2005 में तत्कालीन केन्द्र सरकार के द्वारा प्रधानमंत्री का 15 सूत्रीय कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया।

578. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में अंतःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 25 (ब) अनुच्छेद 26
(स) अनुच्छेद 27 (द) अनुच्छेद 28
उत्तर : (अ)
व्याख्या– धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत अंतःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता का प्रावधान भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 में किया गया है। इसके तहत कोई भी किसी भी धर्म को मान सकता है और उसका प्रचार–प्रसार कर सकता है।

579. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 25 (ब) अनुच्छेद 26
(स) अनुच्छेद 27 (द) अनुच्छेद 28
उत्तर : (ब)
व्याख्या– धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता का प्रावधान भारतीय संविधान के अनुच्छेद 26 में किया गया है। इसके तहत व्यक्ति को अपने धर्म के लिए संस्थाओं की स्थापना व पोषण करने, विधि सम्मत सम्पत्ति के अर्जन, स्वामित्व व प्रशासन का अधिकार है।

580. राज्य विधि से पूर्णतः पोषित किसी शिक्षण संस्थान में कोई धार्मिक शिक्षा नहीं दी जायेगी। यह प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 25 (ब) अनुच्छेद 26
(स) अनुच्छेद 27 (द) अनुच्छेद 28
उत्तर : (द)
व्याख्या– धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत भारतीय संविधान के अनुच्छेद 28 के तहत राज्य विधि से पूर्णतः पोषित किसी शिक्षण संस्थान में कोई धार्मिक शिक्षा नहीं दी जायेगी। ऐसे शिक्षण संस्थान अपने विद्यार्थियों को किसी धार्मिक

अनुष्ठान में भाग लेने या किसी धर्मोपदेश को बलात् सुनने हेतु बाध्य नहीं कर सकते।

581. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक वर्गों का अधिकार का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 27 (ब) अनुच्छेद 28
(स) अनुच्छेद 29 (द) अनुच्छेद 30
उत्तर : (द)
व्याख्या– संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार के अंतर्गत शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक वर्गों के अधिकार का प्रावधान भारतीय संविधान के अनुच्छेद 29 में वर्णित है। इसके तहत कोई भी अल्पसंख्यक वर्ग अपनी पसंद का शैक्षणिक संस्था चला सकता है और सरकार उसे अनुदान देने में किसी भी तरह का भेदभाव नहीं करेगी।

582. किस आज्ञापत्र (रिट) के आधार पर न्यायालय द्वारा किसी पदाधिकारी को उसके कर्तव्य का पालन करने का आदेश जारी किया जाता है ?
(अ) बंदी प्रत्यक्षीकरण (ब) परमादेश
(स) प्रतिषेध लेख (द) उत्प्रेषण
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 'परमादेश (Mandamus)' लेख उस समय जारी किया जाता है, जब कोई पदाधिकारी अपने सार्वजनिक कर्तव्य का निर्वाह नहीं करता है। इस प्रकार के आज्ञापत्र के आधार पर पदाधिकारी को उसके कर्तव्य का पालन करने का आदेश जारी किया जाता है।

583. अवैध रूप से बंदी बनाये गये व्यक्ति के प्रार्थना पत्र पर न्यायालय द्वारा जारी की जाने वाली रिट (लेख) है–
(अ) बंदी प्रत्यक्षीकरण (ब) परमादेश
(स) प्रतिषेध लेख (द) उत्प्रेषण
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 'बन्दी प्रत्यक्षीकरण (Habeas corpus)' लेख उस व्यक्ति की प्रार्थना पर जारी किया जाता है, जो यह समझता है कि उसे अवैध रूप से बंदी बनाया गया है। इसके अन्तर्गत न्यायालय बंदीकरण करने वाले अधिकारी को आदेश देता है कि वह बंदी बनाये गये व्यक्ति को निश्चित स्थान और निश्चित समय के अन्दर उपस्थित करे, जिससे न्यायालय बंदी बनाये जाने के कारणों पर विचार कर सके।

584. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में संवैधानिक उपचारों का अधिकार दिया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 31 (ब) अनुच्छेद 28
(स) अनुच्छेद 32 (द) अनुच्छेद 29
उत्तर : (स)
व्याख्या– संवैधानिक उपचारों के अधिकार को डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने संविधान की आत्मा कहा है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद–32 के अंतर्गत संवैधानिक उपचारों का अधिकार दिया गया है। इसके अंतर्गत मौलिक अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए समुचित कार्रवाईयों द्वारा उच्चतम न्यायालय में आवेदन करने का अधिकार प्रदान किया गया है। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय को पाँच तरह के समादेश (Writ) जारी करने शक्ति प्रदान की गई है–1.बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeas corpus), 2.परमादेश (Mandamus), 3.प्रतिषेध लेख (Prohibition), 4.उत्प्रेषण (Certiorari), 5.अधिकार पृच्छा लेख (Quo-warranto)।

585. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राज्य किसी भी व्यक्ति को ऐसे कर देने के लिए बाध्य नहीं कर सकता, जिसकी आय किसी विशेष धर्म अथवा धार्मिक सम्प्रदाय की उन्नति या पोषण में व्यय करने के लिए विशेष रूप से निश्चित कर दी गई है ?
(अ) अनुच्छेद 25 (ब) अनुच्छेद 26
(स) अनुच्छेद 27 (द) अनुच्छेद 28
उत्तर : (स)
व्याख्या– धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार के अंतर्गत भारतीय संविधान के अनुच्छेद 27 के तहत राज्य किसी भी व्यक्ति को ऐसे कर देने के लिए बाध्य नहीं कर सकता, जिसकी आय किसी विशेष धर्म अथवा धार्मिक सम्प्रदाय की उन्नति या पोषण में व्यय करने के लिए विशेष रूप से निश्चित कर दी गई है।

586. किस आज्ञापत्र (रिट) के द्वारा अधीनस्थ न्यायालयों को यह निर्देश दिया जाता है कि वे अपने पास लम्बित मुकदमों के न्याय निर्णयन के लिए उसे वरिष्ठ न्यायालय को भेजे ?
(अ) बंदी प्रत्यक्षीकरण (ब) परमादेश
(स) प्रतिषेध लेख (द) उत्प्रेषण
उत्तर : (द)
व्याख्या– 'उत्प्रेषण लेख (Certiorari)' के द्वारा अधीनस्थ न्यायालयों को यह निर्देश दिया जाता है कि वे अपने पास लम्बित मुकदमों के न्याय निर्णयन के लिए उसे वरिष्ठ न्यायालय को भेजे।

587. जब कोई व्यक्ति ऐसे पदाधिकारी के रूप में कार्य करने लगता है, जिसके रूप में कार्य करने का उसे वैधानिक अधिकार नहीं है, तो न्यायालय उसके विरुद्ध कौनसी रिट जारी करता है ?
(अ) बंदी प्रत्यक्षीकरण (ब) परमादेश
(स) प्रतिषेध लेख (द) अधिकार पृच्छा लेख
उत्तर : (द)
व्याख्या– जब कोई व्यक्ति ऐसे पदाधिकारी के रूप में कार्य करने लगता है, जिसके रूप में कार्य करने का उसे वैधानिक अधिकार नहीं है, तो न्यायालय अधिकार पृच्छा के आदेश के द्वारा उस व्यक्ति से पूछता है कि वह किस अधिकार से कार्य कर रहा

है और जब तक वह इस बात का संतोषजनक उत्तर नहीं देता, वह कार्य नहीं कर सकता है।

588. सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय किस आज्ञापत्र (रिट) के द्वारा निम्न न्यायालयों व अर्द्धन्यायिक न्यायाधिकरणों को किसी मामले में कार्रवाई करने से रोकता है ?
(अ) बंदी प्रत्यक्षीकरण (ब) परमादेश
(स) प्रतिषेध लेख (द) उत्प्रेषण
उत्तर : (स)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों द्वारा प्रतिषेध लेख (Prohibition) जारी करते हुए निम्न न्यायालयों व अर्द्धन्यायिक न्यायाधिकरणों को आदेश दिया जाता है कि इस मामले में अपने यहाँ कार्रवाही न करें, क्योंकि यह मामला उनके अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

589. किस वाद ने संसद को मौलिक अधिकारों में संशोधन का अधिकार दिया ?
(अ) केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्यवाद
(ब) राजनारायण बनाम इंदिरा गांधी वाद
(स) गोलकनाथ वाद
(द) सज्जन कुमार वाद
उत्तर : (अ)
व्याख्या– गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य (1967 ई.) के निर्णय से पूर्व दिये गये निर्णयों में यह निर्धारित किया गया था कि संविधान के किसी भी भाग में संशोधन किया जा सकता है जिसमें अनुच्छेद 368 एवं मूल अधिकार को शामिल किया गया था। सर्वोच्च न्यायालय ने गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्यवाद (1967 ई.) के निर्णय में अनुच्छेद–368 में निर्धारित प्रक्रिया के माध्यम से मूल अधिकारों में संशोधन पर रोक लगा दी, अर्थात् संसद मूल अधिकारों में संशोधन नहीं कर सकती है। 24वें संविधान संशोधन (1971 ई.) के द्वारा अनुच्छेद–13 और अनुच्छेद–368 में संशोधन किया जाकर यह निर्धारित किया गया कि अनुच्छेद 368 में दी गयी प्रक्रिया द्वारा मूल अधिकारों में संशोधन किया जा सकता है। केशवानन्द भारती बनाम केरल राज्यवाद के निर्णय में इस प्रकार के संशोधन को विधि मान्यता प्रदान की गयी अर्थात् गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य के निर्णय को निरस्त कर दिया गया। 42वें संविधान संशोधन (1976 ई.) द्वारा अनुच्छेद–368 में खंड 4 और खंड 5 जोड़े गये तथा यह व्यवस्था की गयी कि इस प्रकार किये गये संशोधन को किसी न्यायालय में प्रश्नगत नहीं किया जा सकता है। मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ (1980 ई.) के निर्णय द्वारा यह निर्धारित किया गया कि संविधान के आधारभूत लक्षणों की रक्षा करने का अधिकार न्यायालय को है। इस आधार पर न्यायालय किसी भी संशोधन का पुनरावलोकन कर सकता है। इसके द्वारा 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा की गई व्यवस्था को भी समाप्त कर दिया गया।

590. मूल अधिकार संविधान के किस भाग में वर्णित है ?
(अ) भाग I (ब) भाग III
(स) भाग IV (द) भाग VI
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग III में भारतीय नागरिकों को वे अधिकार प्रदान किए गए हैं जो सामान्य स्थिति में सरकार द्वारा सीमित नहीं किए जा सकते और जिनकी सुरक्षा का प्रहरी सर्वोच्च न्यायालय है। मूल संविधान में सात मौलिक अधिकार थे परन्तु वर्तमान में छः मौलिक अधिकार है। मौलिक अधिकार का प्रावधान संयुक्त राज्य अमेरिका से लिया गया है।

591. भारत के संविधान का भाग III सम्बद्ध है–
(अ) राज्य के नीति निर्देशक तत्वों से
(ब) मूल कर्तव्यों से
(स) मूल अधिकारों से
(द) नागरिकता से
उत्तर : (स) CDS 2004
व्याख्या–भारतीय संविधान के भाग III में भारतीय नागरिकों को वे अधिकार प्रदान किए गए हैं जो सामान्य स्थिति में सरकार द्वारा सीमित नहीं किए जा सकते और जिनकी सुरक्षा का प्रहरी सर्वोच्च न्यायालय है। मूल संविधान में सात मौलिक अधिकार थे परन्तु वर्तमान में छः मौलिक अधिकार है। मौलिक अधिकार का प्रावधान संयुक्त राज्य अमेरिका से लिया गया है।

592. मूल अधिकारों को सर्वप्रथम किस देश में संवैधानिक मान्यता प्रदान की गई ?
(अ) भारत (ब) संयुक्त राज्य अमेरिका
(स) फ्रांस (द) ब्रिटेन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग III में भारतीय नागरिकों को वे अधिकार प्रदान किए गए हैं जो सामान्य स्थिति में सरकार द्वारा सीमित नहीं किए जा सकते और जिनकी सुरक्षा का प्रहरी सर्वोच्च न्यायालय है। मूल संविधान में सात मौलिक अधिकार थे परन्तु वर्तमान में छः मौलिक अधिकार है। मौलिक अधिकार का प्रावधान संयुक्त राज्य अमेरिका से लिया गया है।

593. भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों का वर्णन है–
(अ) संविधान के अनुच्छेद 12 से 35 तक
(ब) संविधान के अनुच्छेद 13 से 36 तक
(स) संविधान के अनुच्छेद 15 से 39 तक
(द) संविधान के अनुच्छेद 16 से 40 तक
उत्तर : (अ)

व्याख्या– मूल संविधान में सात मौलिक अधिकार थे परन्तु वर्तमान में छः ही मौलिक अधिकार है। संविधान के भाग 3 में सन्निहित अनुच्छेद 12 से 35 मौलिक अधिकारों के संबंध में है।

594. मूल अधिकार मूल कहलाते हैं, क्योंकि वह–
(अ) न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय है
(ब) संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार घोषणा पत्र के अनुरूप है
(स) सरलता से संशोधनीय नहीं है
(द) मानव के प्राकृतिक और अप्रतिदेय अधिकार है
उत्तर : (द)
व्याख्या– मौलिक अधिकार भारत के संविधान के तीसरे भाग में वर्णित भारतीय नागरिकों को प्रदान किए गए वे अधिकार हैं, जो सभी भारतीय नागरिकों को नागरिक स्वतंत्रता प्रदान करते हैं, जिससे सभी भारत के लोग, भारतीय नागरिक के रूप में शान्ति के साथ समान रूप से जीवनयापन कर सकते हैं।

595. डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भारतीय संविधान के किस भाग को सर्वाधिक आलोकित भाग कहा है ?
(अ) भाग I (ब) भाग II
(स) भाग III (द) भाग IV
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के तीन प्रमुख भाग हैं। भाग–3 में मौलिक अधिकार, भाग–4 में नीति निर्देशक सिद्धांत और भाग–4क में मौलिक कर्तव्य हैं। संविधान के भाग–3 में वर्णित मौलिक अधिकार सभी भारतीय नागरिकों की नागरिक स्वतंत्रता प्रदान करते हैं, जिससे सभी भारत के लोग, भारतीय नागरिक के रूप में शान्ति के साथ समान रूप से जीवनयापन कर सकते हैं।

596. भारतीय संविधान के भाग III में कुल कितने अनुच्छेदों में मूल अधिकारों का वर्णन है ?
(अ) 21 (ब) 22
(स) 23 (द) 24
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक मूल अधिकारों का वर्णन किया गया है। मूल भारतीय संविधान में कुल सात मौलिक अधिकार थे,किन्तु 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को मूल अधिकारों से हटा दिया गया है। अतः वर्तमान में मूल अधिकारों की संख्या 6 है।

597. भारतीय संविधान द्वारा भारतीय नागरिकों को कुल कितने मौलिक अधिकार प्रदान किये गए थे ?
(अ) 6 (ब) 7
(स) 4 (द) 5
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक मूल अधिकारों का वर्णन किया गया है। मूल भारतीय संविधान में कुल सात मौलिक अधिकार थे,किन्तु 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को मूल अधिकारों से हटा दिया गया है। अतः वर्तमान में मूल अधिकारों की संख्या 6 है।

598. वर्तमान में भारतीय नागरिकों को कितने मौलिक अधिकार प्राप्त है ?
(अ) 6 (ब) 7
(स) 8 (द) 9
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक मूल अधिकारों का वर्णन किया गया है। मूल भारतीय संविधान में कुल सात मौलिक अधिकार थे,किन्तु 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को मूल अधिकारों से हटा दिया गया है। अतः वर्तमान में मूल अधिकारों की संख्या 6 है।

599. भारत के संविधान में मौलिक अधिकार–
(अ) मूल संविधान का हिस्सा था
(ब) चौथे संशोधन द्वारा जोड़े गए थे
(स) संसद द्वारा 1952 में जोड़े गए थे
(द) 42वें संशोधन द्वारा जोड़े गए थे
उत्तर : (अ) SSC 2002
व्याख्या– भारतीय संविधान में वर्तमान समय में केवल 448 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियाँ और 25 भाग है। परन्तु इसके निर्माण के समय मूल संविधान में 395 अनुच्छेद, 22 भाग तथा 8 अनुसूचियाँ थीं।

600. मौलिक अधिकारों को लागू करने का दायित्व है–
(अ) उच्चतम न्यायालय पर
(ब) उच्च न्यायालय पर
(स) (अ) और (ब) दोनों पर
(द) भारत के मुख्य न्यायाधीश पर
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक मूल अधिकारों का वर्णन किया गया है जो सामान्य स्थिति में सरकार द्वारा सीमित नहीं किए जा सकते हैं और जिनकी सुरक्षा का प्रहरी सर्वोच्च न्यायालय है। इन्हें प्रभावी ढंग से लागू करने का अधिकार उच्च और उच्चतम न्यायालय का होता है।

601. मौलिक अधिकारों का निलम्बन कौन कर सकता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) संसद
(स) राष्ट्रपति (द) सर्वोच्च न्यायालय
उत्तर : (स) RRB 2004
व्याख्या– अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपात की घोषणा होने पर उसके द्वारा अनुच्छेद 359 के तहत सभी मौलिक अधिकार निलम्बित किये जा सकते हैं परन्तु 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के पश्चात् अनुच्छेद 20

व 21 किसी भी स्थिति में निलंबित नहीं किये जा सकते हैं।

602. मौलिक अधिकारों के बारे में सुनवाई करने का अधिकार निम्न को प्रदान किया जाता है–
(अ) सर्वोच्च न्यायालय (ब) उच्च न्यायालय
(स) प्रधानमंत्री (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ) RRB 2006
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक मूल अधिकारों का वर्णन किया गया है जो सामान्य स्थिति में सरकार द्वारा सीमित नहीं किए जा सकते हैं और जिनकी सुरक्षा का प्रहरी सर्वोच्च न्यायालय है। ये व्यक्तियों को अदालत जाने की अनुमति देते हैं। जब भी इनका उल्लंघन होता हो, इन्हें उच्चतम न्यायालय द्वारा गारंटी व सुरक्षा प्रदान की जाती है। मौलिक अधिकारों के बारे में सुनवाई करने का अधिकार सर्वोच्च न्यायालय को प्रदान किया गया है।

603. भारतीय संविधान में न्यायालय में कौन प्रवर्तनीय है ?
(अ) नीति निर्देशक सिद्धांत
(ब) प्रस्तावना
(स) मूल कर्तव्य
(द) मूल अधिकार
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक मूल अधिकारों का वर्णन किया गया है जो सामान्य स्थिति में सरकार द्वारा सीमित नहीं किए जा सकते हैं और जिनकी सुरक्षा का प्रहरी सर्वोच्च न्यायालय है। ये व्यक्तियों को अदालत जाने की अनुमति देते हैं। जब भी इनका उल्लंघन होतो हो, इन्हें उच्चतम न्यायालय द्वारा गारंटी व सुरक्षा प्रदान की जाती है। संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में नीति निर्देशक सिद्धांतों का वर्णन है और उनके उल्लंघन पर न्यायालय नहीं जा सकते। संविधान के भाग–4(क) में वर्णित अनुच्छेद 51(क) में नागरिकों के मौलिक कर्तव्य हैं।

604. संविधान में उद्घोषित मौलिक अधिकारों में संशोधन किया जा सकता है, केवल–
(अ) राष्ट्रपति द्वारा
(ब) सर्वोच्च न्यायालय द्वारा
(स) संसद द्वारा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– मौलिक अधिकारों का वर्णन संविधान के भाग–3 में किया गया है। संविधान संशोधन की शक्ति सिर्फ संसद के पास है। मौलिक अधिकारों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन संसद के दोनों सदनों के विशेष बहुमत से किया जा सकता है। बशर्ते वो परिवर्तन संविधान की मूल अवधारणा के विरुद्ध न हो वरना भारत का सर्वोच्च न्यायालय उसे खारिज कर सकता है।

605. मूल अधिकारों पर आवश्यक प्रतिबन्ध लगाने का अधिकार किसको है ?
(अ) राष्ट्रपति को (ब) संसद को
(स) न्यायपालिका को (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्य– मौलिक अधिकारों का वर्णन संविधान के भाग–3 में किया गया है और संविधान संशोधन की शक्ति सिर्फ संसद के पास है। मौलिक अधिकारों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन संसद के दोनों सदनों के विशेष बहुमत से किया जा सकता है। बशर्ते वो परिवर्तन संविधान की मूल अवधारणा के विरुद्ध न हो वरना भारत का सर्वोच्च न्यायालय उसे खारिज कर सकता है।

606. निम्नलिखित में से कौनसे मामले उच्च न्यायालय तथा उच्चतम न्यायालय दोनों की अधिकारिता में आते हैं ?
(अ) केन्द्र व राज्यों के बीच विवाद
(ब) राज्यों के परस्पर विवाद
(स) मूल अधिकार का प्रवर्तन
(द) संविधान के उल्लंघन के संरक्षण
उत्तर : (स)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय को मूल अधिकारों के प्रवर्तन के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, निषेध, उत्प्रेषण और अधिकार पृच्छा रिट जारी करने का अधिकार दिया गया है।

607. मौलिक अधिकारों के निलम्बन का आदेश कौन दे सकता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) संसद
(स) सर्वोच्च न्यायालय (द) राष्ट्रपति
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपात की घोषणा होने पर उसके द्वारा अनुच्छेद 359 के तहत सभी मौलिक अधिकार निलम्बित किये जा सकते हैं, परन्तु 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के पश्चात् अनुच्छेद 20 व 21 किसी भी स्थिति में निलंबित नहीं किये जा सकते हैं।

608. भारतीय नागरिकों को प्रदान किये गये मूल अधिकारों को–
(अ) निलम्बित नहीं किया जा सकता है
(ब) निलम्बित किया जा सकता है
(स) किसी भी परिस्थिति में निलम्बित नहीं किया जा सकता है
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) SSC 1999
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा

होने पर उसके द्वारा अनुच्छेद 359 के तहत सभी मौलिक अधिकार निलम्बित किये जा सकते हैं।

609. मौलिक अधिकारों का प्रमुख उद्देश्य है–
(अ) समाज के समाजवादी ढाँचे को बढ़ावा देना
(ब) व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सुनिश्चित करना
(स) न्यायपालिका की स्वतंत्रता को सुनिश्चित करना
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (ब) RRB 2003
व्याख्या– मौलिक अधिकारों का मुख्य उद्देश्य सभी भारतीय नागरिकों को स्वतंत्रता प्रदान करता है, जिससे सभी भारत के लोग, भारतीय नागरिक के रूप में शान्ति के साथ समान रूप से जीवनयापन कर सकते हैं।

610. मूल अधिकारों को प्रवर्तित करने की शक्ति प्राप्त है–
(अ) राष्ट्रपति को
(ब) संसद को
(स) केवल उच्चतम न्यायालय को
(द) उच्चतम व उच्च न्यायालयों को
उत्तर : (द)
व्याख्या– मूल अधिकारों को प्रवर्तित करने की शक्ति उच्चतम व उच्च न्यायालयों को है। मौलिक अधिकारों का वर्णन संविधान के भाग–3 में किया गया है। संविधान संशोधन की शक्ति सिर्फ संसद के पास है। मौलिक अधिकारों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन संसद के दोनों सदनों के विशेष बहुमत से किया जा सकता है। बशर्ते वो परिवर्तन संविधान की मूल अवधारणा के विरुद्ध न हो वरना भारत का सर्वोच्च न्यायालय उसे खारिज कर सकता है।

611. भारतीय संविधान में प्रदत्त मूलभूत अधिकारों को निलंबित करने वाली सत्ता है–
(अ) सर्वोच्च न्यायालय (ब) संसद
(स) प्रधानमंत्री (द) राष्ट्रपति
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपात की घोषणा होने पर उसके द्वारा अनुच्छेद 359 के तहत सभी मौलिक अधिकार निलम्बित किये जा सकते हैं, परन्तु 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के पश्चात् अनुच्छेद 20 व 21 किसी भी स्थिति में निलंबित नहीं किये जा सकते हैं।

612. समानता का अधिकार भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में दिया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 5 से 9 (ब) अनुच्छेद 9 से 13
(स) अनुच्छेद 14 से 18 (द) अनुच्छेद 17 से 21
उत्तर : (स)
व्याख्या– समानता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 से 18 तक में वर्णित है। यह अधिकार अमेरिका के संविधान से लिया गया है। समानता के अधिकार से तात्पर्य है कि कोई भी व्यक्ति चाहे वो किसी भी लिंग वर्ण, जाति, वंश, क्षेत्र का हो सभी को समान अधिकार प्राप्त है। प्रत्येक नागरिक को समान रूप शिक्षा, स्वास्थ्य, घूमने–फिरने, नौकरी पाने, कोई भी कार्य करने, कोई भी व्यवसाय (वैधानिक) करने का, समान अवसर पाने का समान अधिकार प्राप्त है।

613. भारतीय संविधान के अंतर्गत मूल अधिकारों का संरक्षक कौन है ?
(अ) संसद (ब) राष्ट्रपति
(स) न्यायपालिका (द) मंत्रिमण्डल
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– मौलिक अधिकार भारत के संविधान के तीसरे भाग में वर्णित भारतीय नागरिकों को प्रदान किए गए हैं। ये वे अधिकार हैं जो सामान्य स्थिति में सरकार द्वारा सीमित नहीं किए जा सकते हैं और जिनकी सुरक्षा का प्रहरी सर्वोच्च न्यायालय होता है।

614. भारतीय संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से कौन विधायन सत्ता पर पूर्ण नियंत्रण लगाता है ?
(अ) अनुच्छेद 14 (ब) अनुच्छेद 15
(स) अनुच्छेद 16 (द) अनुच्छेद 17
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत सभी व्यक्तियों के लिए समान विधि (कानून) बनाने का प्रावधान है, इसलिए भारतीय राज्य की यह संवैधानिक बाध्यता है कि वह सभी व्यक्तियों को जिसमें नागरिक और गैर–नागरिक सभी शामिल है, सभी के लिए एक समान नियम बनाए जब तक विभेदीकृत कानून बनाने का कोई युक्तियुक्त या तर्कसंगत मकसद न हो।

615. संविधान के किस अनुच्छेद में 'कानून का समान संरक्षण' प्रावधानित है ?
(अ) अनुच्छेद 12 (ब) अनुच्छेद 13
(स) अनुच्छेद 14 (द) अनुच्छेद 15
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत सभी व्यक्तियों के लिए समान विधि (कानून) बनाने का प्रावधान है, इसलिए भारतीय राज्य की यह संवैधानिक बाध्यता है कि वह सभी व्यक्तियों को जिसमें नागरिक और गैर–नागरिक सभी शामिल है, सभी के लिए एक समान नियम बनाए जब तक विभेदीकृत कानून बनाने का कोई युक्तियुक्त या तर्कसंगत मकसद न हो।

616. भारतीय संविधान की छुआछूत उन्मूलन से संबंधित अनुच्छेद है–
(अ) अनुच्छेद 14 (ब) अनुच्छेद 15
(स) अनुच्छेद 17 (द) अनुच्छेद 18
उत्तर : (स)

व्याख्या– मूल अधिकारों से संबंधित अनुच्छेद 15 के तहत धर्म, नस्ल, जाति, लिंग और जन्म–स्थान के आधार पर किसी तरह के भेदभाव का प्रतिबंधित किया गया। अनुच्छेद 17 के तहत छुआछूत की परम्परा का उन्मूलन किया गया गया।

617. समानता का अधिकार भारतीयों के लिए सुनिश्चित करता है–
(अ) धार्मिक समानता (ब) आर्थिक समानता
(स) सामाजिक समानता (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द) RRB 2005
व्याख्या– समानता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 से 18 तक में वर्णित है। यह अधिकार अमेरिका के संविधान से लिया गया है। समानता के अधिकार से तात्पर्य है कि कोई भी व्यक्ति चाहे वो किसी भी लिंग वर्ण, जाति, वंश, क्षेत्र का हो, सभी को समान अधिकार प्राप्त है। प्रत्येक नागरिक को समान रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, घूमने–फिरने, नौकरी पाने, कोई भी कार्य करने, कोई भी व्यवसाय (वैधानिक) करने का, समान अवसर पाने का समान अधिकार प्राप्त है।

618. निम्नलिखित में से भारतीय संविधान के कौनसे अनुच्छेद में किसी भी रूप में अस्पृश्यता निषेध के लिए प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 14 (ब) अनुच्छेद 17
(स) अनुच्छेद 19 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मूल अधिकारों से संबंधित अनुच्छेद 15 के तहत धर्म, नस्ल, जाति, लिंग और जन्म–स्थान के आधार पर किसी तरह के भेदभाव का प्रतिबंधित किया गया। अनुच्छेद 17 के तहत छुआछूत की परम्परा का उन्मूलन किया गया गया।

619. संविधान के किस अनुच्छेद के प्रावधानों के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा 'भारत रत्न', 'पद्म विभूषण' आदि अलंकरण प्रदान किये जाते हैं ?
(अ) अनुच्छेद 15 (ब) अनुच्छेद 18
(स) अनुच्छेद 21 (द) अनुच्छेद 23
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 18 के प्रावधानों के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा भारत रत्न, पद्म विभूषण आदि अलंकरण प्रदान किये जाते हैं। इस अनुच्छेद के तहत भारत का कोई भी नागरिक किसी अन्य देश से बिना राष्ट्रपति की आज्ञा के कोई उपाधि स्वीकार नहीं कर सकता है।

620. 1995 में पारित 'अस्पृश्यता अपराध अधिनियम' को वर्तमान में किस नाम से जाना जाता है ?
(अ) सिविल अधिकार अधिनियम
(ब) नागरिक भेदभाव संरक्षण अधिनियम
(स) नागरिक संरक्षण अधिनियम
(द) सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम
उत्तर : (द)
व्याख्या– अस्पृश्यता के प्रयोग एवं उसे बढ़ावा देने तथा अस्पृश्यता से या उससे संबंधित मामलों की वजह से उत्पन्न किसी प्रकार की निर्योग्यता को दण्डित करने के उद्देश्य से अस्पृश्यता अपराध अधिनियम, 1955 पारित किया गया जिसे वर्तमान में सिविल अधिकार संरक्षण अधिनियम के नाम से जाना जाता है।

621. धर्म आदि के आधार पर विभेद का प्रतिषेध (भारत के संविधान के अनुच्छेद 15) एक मूल अधिकार है जिसे किसके अधीन वर्गीकृत किया जाएगा ?
(अ) धर्म के स्वातंत्र्य का अधिकार
(ब) शोषण के विरुद्ध अधिकार
(स) सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार
(द) समता का अधिकार
उत्तर : (द) IAS 1995
व्याख्या– भारत के संविधान के अनुच्छेद 15 के तहत धर्म आदि के आधार पर विभेद का प्रतिषेध एक मूल अधिकार है, जो समानता के अधिकार के अधीन वर्गीकृत है। समानता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 14 से 18 तक में वर्णित है। समानता के अधिकार से तात्पर्य है कि कोई भी व्यक्ति चाहे वो किसी भी लिंग वर्ण, जाति, वंश, क्षेत्र का हो सभी को समान अधिकार प्राप्त है। प्रत्येक नागरिक को समान रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य, घूमने–फिरने, नौकरी पाने, कोई भी कार्य करने, कोई भी व्यवसाय (वैधानिक) करने का, समान अवसर पाने का समान अधिकार प्राप्त है।

622. चेन्नई राज्य बनाम चम्पकम दोराईराजन मुकदमे में भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के फलस्वरूप निम्नलिखित में से किस मौलिक अधिकार को संशोधित किया गया ?
(अ) विधि के समक्ष समानता का अधिकार
(ब) भेदभाव के विरुद्ध अधिकार
(स) अस्पृश्यता के विरुद्ध अधिकार
(द) विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मद्रास प्रेसीडेंसी में 1927 में एक शासनादेश जारी किया गया, जिसके द्वारा सरकारी मेडिकल और इंजीनियरिंग कॉलेजों में पिछड़ी जातियों को आरक्षण प्रदान किया गया था। भारत का संविधान लागू होने के बाद चेन्नई राज्य बनाम चम्पकम दोराईराजन केस में एक ब्राह्मण महिला ने मद्रास प्रेसीडेंसी के इस शासनादेश को चुनौती दी और कहा कि इस प्रावधान से भारत के संविधान के अनुच्छेद 16(2) के तहत प्रदान किए गए उसके समता के अधिकार का उल्लंघन होता है। मद्रास प्रेसीडेंसी के उक्त प्रावधान को असंवैधानिक घोषित कर दिया गया। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँचा, जहाँ

सुप्रीम कोर्ट ने भी मद्रास उच्च न्यायालय के उक्त निर्णय को बरकरार रखा।

623. भारत का संविधान स्पष्टः प्रेस की आजादी की व्यवस्था नहीं करता है, किन्तु यह स्वतंत्रता किसन अनुच्छेद में अंतर्निहित है–
(अ) 19 (i) अ में (ब) 19 (ii) ब में
(स) 19 (ii) स में (द) 19 (i) द में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत का संविधान स्पष्टतः प्रेस की आजादी की व्यवस्था नहीं करता है, किन्तु यह आजादी अनुच्छेद 19(i)(अ) में अंतिर्निहित है। संविधान का अनुच्छेद 19(i)(अ) प्रत्येक भारतीय नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी देता है। हालांकि इसमें प्रेस की आजादी का विशेष रूप से उल्लेख नहीं है, किन्तु यह निर्णय दिया गया है कि यह अधिकार भाषण तथा अभिव्यक्ति के स्वतंत्रता के अधिकार में शामिल है।

624. भारत में समाचार पत्रों का स्वातंत्र्य–
(अ) संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) में विशेष रूप से उपबंधित है
(ब) संविधान के अनुच्छेद 19(1)(क) में प्रत्याभूत अभिव्यक्ति के व्यापक स्वातंत्र्य में निहित है
(स) संविधान के अनुच्छेद 361(क) के उपबंधों द्वारा प्रत्याभूत है
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ) IAS 1994
व्याख्या– भारत में समाचार पत्रों की स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 19(i)(क) में विशेष रूप से उपबंधित है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(i) में मौलिक अधिकारों के तहत नागरिकों को बोलने की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी का प्रावधान किया गया है। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सही तरीके से लागू करने के लिए इस तरह की स्वतंत्रता बेहद जरूरी है। यह सिर्फ नागरिकों के मूलभूत अधिकारों को ही नहीं, बल्कि देश की एकता और एकरूपता को भी बढ़ावा देता है।

625. स्वतंत्रता का अधिकार संविधान के किन अनुच्छेदों में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 14 से 18 (ब) अनुच्छेद 19 से 22
(स) अनुच्छेद 23 से 24 (द) अनुच्छेद 25 से 30
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान का उद्देश्य विचारों की अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 से 22 तक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लेख किया गया है। मूल संविधान के अनुच्छेद 19 द्वारा नागरिकों को 7 प्रकार की स्वतंत्रताएँ प्रदान की गई थीं, किन्तु छठी स्वतंत्रता 'सम्पत्ति की स्वतंत्रता' को 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा समाप्त कर दी गई।

626. निम्नलिखित अनुच्छेदों में कौन भिन्न वर्ग में आता है ?
(अ) अनुच्छेद 14 (ब) अनुच्छेद 15
(स) अनुच्छेद 16 (द) अनुच्छेद 19
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 14 से 18 तक में समानता के अधिकार उल्लेखित हैं। अनुच्छेद 19 में कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति के पास अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार होगा, जिसके तहत वह किसी भी तरह के विचारों और सूचनाओं के आदान–प्रदान करने के लिए स्वतंत्र होगा।

627. स्वतंत्रता के मूल अधिकार से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 19 के अंतर्गत कितने प्रकार की स्वतंत्रताएं प्रत्याभूत है ?
(अ) 10 (ब) 8
(स) 6 (द) 4
उत्तर : (स)
व्याख्या– स्वतंत्रता के मूल अधिकार से संबंधित संविधान के अनुच्छेद 19 के अंतर्गत 7 प्रकार की स्वतंत्रता का उल्लेख था, किन्तु वर्तमान में सिर्फ 6 है– 19(a) बोलने की स्वतंत्रता, 19(b) शांतिपूर्वक बिना हथियारों के एकत्रित होने और सभा करने की स्वतंत्रता, 19(c) संघ बनाने की स्वतंत्रता, 19(d) देश के किसी भी क्षेत्र में आवागमन की स्वतंत्रता, 19(e) देश के किसी भी क्षेत्र में निवास करने और बसने की स्वतंत्रता, 19(g) कोई भी व्यापार एवं जीविका चलाने की स्वतंत्रता। प्रेस की स्वतंत्रता का वर्णन अनुच्छेद 19(a) में ही है।

628. अनुच्छेद 19 में वर्णित स्वतंत्रताएं निम्नलिखित में से किसको प्राप्त है ?
(अ) भारत के निवासियों को
(ब) भारत में पैदा हुए सभी व्यक्ति को
(स) केवल भारतीय नागरिकों को
(द) उपर्युक्त सभी को
उत्तर : (स)
व्याख्या– अनुच्छेद 19 में वर्णित स्वतंत्रताएँ केवल भारतीय नागरिकों को प्राप्त है। 26 जनवरी, 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ। 26 जनवरी, 1950 के बाद भारत में जन्मा कोई भी व्यक्ति जन्म से भारत का नागरिक है। इसके एक और प्रावधान क अंतर्गत 1 जुलाई, 1987 के बाद भारत में जन्मा कोई भी व्यक्ति भारत का नागरिक है, यदि उसके जन्म के समय उसके माता या पिता, दोनों में से कोई एक, भारत का नागरिक हो।

629. भारत के संविधान का निम्नलिखित में से कौनसा अनुच्छेद प्रेस की स्वतंत्रता से संबंधित है ?
(अ) अनुच्छेद 19(a) (ब) अनुच्छेद 20
(स) अनुच्छेद 21 (द) अनुच्छेद 22
उत्तर : (अ)

व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(a) प्रेस की स्वतंत्रता से संबंधित है। प्रेस की स्वतंत्रता का वर्णन अनुच्छेद 19(a) में ही है। भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को अनुच्छेद 19(a) के तहत मिली बोलने की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी से ही लिया गया है। प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए अलग से कोई प्रावधान नहीं है।

630. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 में निम्नलिखित में से किसके विरुद्ध संरक्षण प्रदान करता है ?
(अ) केवल कार्यपालिका के विरुद्ध
(ब) केवल विधायिका के विरुद्ध
(स) केवल न्यायपालिका के विरुद्ध
(द) कार्यपालिका तथा विधायिका दोनों के विरुद्ध
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता के संरक्षण सें सबंधित है। इसके तहत किसी भी व्यक्ति को विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अतिरिक्त उसके जीवन और वैयक्तिक स्वतंत्रता के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है।

631. निम्नलिखित में से नागरिकों का स्वतंत्रता संबंधी सही अधिकार है–
(अ) हथियार सहित सभा करने की स्वतंत्रता
(ब) सरकार के विरुद्ध षड़यंत्र करने की स्वतंत्रता
(स) भाषण तथा विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता
(द) विदेश में घूमने की स्वतंत्रता
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान का उद्देश्य विचारों की अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 से 22 तक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लेख किया गया है। अनुच्छेद 19 सबसे अधिक जरूरी है। मूल संविधान के अनुच्छेद 19 द्वारा नागरिकों को 7 प्रकार की स्वतंत्रताएँ प्रदान की गई थीं किन्तु छठी स्वतंत्रता 'सम्पत्ति की स्वतंत्रता' को 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा समाप्त कर दी गई।

632. भारतीय संविधान में प्रदत्त 'स्वतंत्रता का अधिकार' का संबंध निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य नहीं है ?
(अ) भाषण व अभिव्यक्ति की अबाधित स्वतंत्रता
(ब) संघ बनाने की स्वतंत्रता
(स) भारत में भ्रमण की स्वतंत्रता
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– किसी सूचना या विचार को बोलकर, लिखकर या किसी अन्य रूप में बिना किसी रोकटोक के अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' कहलाती है। अनुच्छेद 19 में कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति के पास अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार होगा जिसके तहत वह किसी भी तरह के विचारों और सूचनाओं के आदान–प्रदान करने के लिए स्वतंत्र होगा।

633. निम्नलिखित में से मौलिक अधिकार नहीं है–
(अ) बोलने का अधिकार
(ब) व्यवसाय का अधिकार
(स) हड़ताल पर जाने का अधिकार
(द) धर्म का अधिकार
उत्तर : (स) RRB 2003
व्याख्या– भारतीय नागरिकों को वर्तमान में छह मूल अधिकार प्राप्त हैं– 1.समता या समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14 से 18) 2.स्वतंत्रता का अध्किार (अनुच्छेद 19 से 22) 3.शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 से 24) 4.धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28) 5.संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29 से 30) 6. संवैधानिक उपचार का अधिकार (अनुच्छेद 32)। मूल संविधान में सात मूल अधिकार थे किन्तु सम्पत्ति के अधिकार को 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा हटा दिये जाने से वर्तमान में छह मूल अधिकार ही हैं।

634. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद व्यक्ति के विदेश यात्रा के अधिकार को संरक्षण प्रदान करता है ?
(अ) 14 (ब) 19
(स) 21 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 21 के अनुसार किसी भी व्यक्ति को उसके प्राण या दैहिक स्वतंत्रता से विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही वंचित किया जाएगा अन्यथा नहीं। मेनका गांधी मामले में सुनवाई करते हुए विदेश गमन के अधिकार को अनुच्छेद 21 के तहत ही सुनिश्चित कर दिया गया। इस प्रकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 व्यक्तियों को विदेश यात्रा के अधिकार का संरक्षण प्रदान करता है।

635. संविधान के किन अनुच्छेदों में शोषण के विरुद्ध अधिकार वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 14 से 18 (ब) अनुच्छेद 19 से 22
(स) अनुच्छेद 23 से 24 (द) अनुच्छेद 23 से 30
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 से 24 तक में शोषण के विरुद्ध अधिकारों का उल्लेख है। अनुच्छेद 23 मानव के दुर्व्यापार, बेगार और सभी प्रकार के बाल श्रम को निषेध करता है। यह अधिकार नागरिक और गैर–नागरिक दोनों के लिए उपलब्ध है। अनुच्छेद 24 कारखानो में बाल श्रम आदि पर निषेध से संबंधित है। इसके तहत 14 वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे को कारखानों या अन्य किसी जोखिम भरे स्थानों पर नियुक्त नहीं

किया जा सकता है। यह निषेध किसी भी प्रकार के जोखिम युक्त कार्यों के लिए है तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के सिद्धांतों के अनुसार हैं।

636. मौलिक अधिकारों के अंतर्गत कौनसा अनुच्छेद बच्चों के शोषण से संबंधित है ?
(अ) अनुच्छेद 17 (ब) अनुच्छेद 19
(स) अनुच्छेद 23 (द) अनुच्छेद 24
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 24 कारखानो में बाल श्रम आदि पर निषेध से संबंधित है। इसके तहत 14 वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे को कारखानों या अन्य किसी जोखिम भरे स्थानों पर नियुक्त नहीं किया जा सकता है। यह निषेध किसी भी प्रकार के जोखिम युक्त कार्यों के लिए है तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के सिद्धांतों के अनुसार हैं।

637. भारतीय संविधान के अंतर्गत किस आयु के बालक को किसी खान अथवा अन्य संकटमय सेवा में लगाये जाने का प्रतिषेध किया गया है ?
(अ) 14 वर्ष से कम (ब) 16 वर्ष से कम
(स) 18 वर्ष से कम (द) 21 वर्ष से कम
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 24 कारखानो में बाल श्रम आदि पर निषेध से संबंधित है। इसके तहत 14 वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे को कारखानों या अन्य किसी जोखिम भरे स्थानों पर नियुक्त नहीं किया जा सकता है। यह निषेध किसी भी प्रकार के जोखिम युक्त कार्यों के लिए है तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के सिद्धांतों के अनुसार हैं।

638. भारतीय संविधान के अनुसार किसी भी व्यक्ति को, जिसे गिरफ्तार अथवा बंदी किया जाता है, सबसे नजदीकी मजिस्ट्रेट के समक्ष कितने समय के भीतर उपस्थित करना आवश्यक है–
(अ) 12 घंटे के भीतर (ब) 24 घंटे के भीतर
(स) 48 घंटे के भीतर (द) 72 घंटे के भीतर
उत्तर : (ब)
व्याख्या– पुलिस किसी को गैरकानूनी तरीके से गिरफ्तार करती है, तो यह न सिर्फ भारतीय दंड संहिता (सीआरपीसी) का उल्लंघन है,बल्कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 20, 21 और 22 में दिए गए मौलिक अधिकारों के भी खिलाफ है। सीआरपीसी की धारा 57 के तहत पुलिस किसी व्यक्ति को 24 घंटे से ज्यादा हिरासत में नहीं ले सकती है। अगर पुलिस किसी को 24 घंटे से ज्यादा हिरासत में रखना चाहती है तो उसको सीआरपीसी की धारा 56 के तहत मजिस्ट्रेट से इजाजत लेनी होगी और मजिस्ट्रेट इस संबंध में इजाजत देने का कारण भी बताएगा।

639. कारखानों अथवा खानों में कोई व्यक्ति नियुक्त नहीं किया जा सकता जब तक उसकी न्यूनतम आयु–
(अ) 12 वर्ष हो (ब) 14 वर्ष हो
(स) 18 वर्ष हो (द) 20 वर्ष हो
उत्तर : (ब) SSC 2001
व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 24 कारखानो में बाल श्रम आदि पर निषेध से संबंधित है। इसके तहत 14 वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे को कारखानों या अन्य किसी जोखिम भरे स्थानों पर नियुक्त नहीं किया जा सकता है। यह निषेध किसी भी प्रकार के जोखिम युक्त कार्यों के लिए है तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के सिद्धांतों के अनुसार हैं।

640. 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को पटाखे बनाने वाले कारखानों में काम देने से किस मौलिक अधिकार का उल्लंघन होता है ?
(अ) समानता का अधिकार
(ब) शोषण के विरुद्ध अधिकार
(स) स्वतंत्रता का अधिकार
(द) सांस्कृतिक शिक्षा का अधिकार
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 24 कारखानो में बाल श्रम आदि पर निषेध से संबंधित है। इसके तहत 14 वर्ष से कम आयु के किसी भी बच्चे को कारखानों या अन्य किसी जोखिम भरे स्थानों पर नियुक्त नहीं किया जा सकता है। यह निषेध किसी भी प्रकार के जोखिम युक्त कार्यों के लिए है तथा संयुक्त राष्ट्र संघ के सिद्धांतों के अनुसार हैं।

641. निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद में कहा गया है कि किसी भी व्यक्ति को एक ही अपराध के लिए एक बार से अधिक अभियोजित एवं दण्डित नहीं किया जाएगा ?
(अ) अनुच्छेद 20 (ब) अनुच्छेद 21
(स) अनुच्छेद 22 (द) अनुच्छेद 17
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अनुच्छेद 20 अपराधों के लिए दोष–सिद्धि के संबंध में संरक्षण से संबंधित है। इसके तहत तीन प्रकार की स्वतंत्रताओं का वर्णन है। (1) किसी भी व्यक्ति को एक अपराध के लिए सिर्फ एक बार सजा मिलेगी। (2) अपराध करने के समय जो कानून है, इसी के तहत सजा मिलेगी न कि पहले और बाद में बनने वाले कानून के तहत (3) किसी भी व्यक्ति को स्वयं के विरुद्ध न्यायालय में गवाही देने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा।

642. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार संविधान के किन अनुच्छेदों में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 14 से 18 (ब) अनुच्छेद 19 से 22
(स) अनुच्छेद 23 से 24 (द) अनुच्छेद 25 से 28
उत्तर : (द)

व्याख्या– भारतीय संविधान अनुच्छेद 25 से 28 तक में नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है। अनुच्छेद 25 के तहत किसी भी व्यक्ति कोई भी धर्म मानने का अधिकार है और वह उस धर्म का प्रचार–प्रसार कर सकता है। अनुच्छेद 26 धार्मिक कार्यों के प्रबन्ध की स्वतंत्रता से है। अनुच्छेद 27 के तहत राज्य किसी भी व्यक्ति को ऐसे कर देने के लिए बाध्य नहीं कर सकता जिसकी ये किसी विशेष धर्म अथवा धार्मिक सम्प्रदाय की उन्नति या पोषण में खर्च करना निश्चित किया गया हो। अनुच्छेद 28 के तहत राज्य विधि से पूर्णतः पोषित किसी भी शिक्षण की व्यवस्था करता है।

643. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 का संबंध है–
(अ) समानता के अधिकार से
(ब) संपत्ति के अधिकार से
(स) धर्म की स्वतंत्रता से
(द) अल्पसंख्यकों की स्वतंत्रता से
उत्तर : (स)
व्याख्या– धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार अनुच्छेद 25 से अनुच्देद 28 तक वर्णित है। अनुच्छेद 25 के अनुसार कोई भी व्यक्ति किसी भी धर्म को मान सकता है और उसका प्रचार–प्रसार कर सकता है।

644. संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा सिखों द्वारा कृपाण धारण करना धार्मिक स्वतंत्रता का अंग माना जाता है ?
(अ) अनुच्छेद 24 (ब) अनुच्छेद 25
(स) अनुच्छेद 26 (द) अनुच्छेद 27
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 25 के अंतर्गत अंतःकरण और धर्म को अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता अर्थात कोई भी व्यक्ति किसी भी धर्म को मान सकता है और उसका प्रचार–प्रसार कर सकता है।

645. प्रेस की स्वतंत्रता किस अधिकार में निहित है ?
(अ) नियमों के समान संरक्षण
(ब) भाषण स्वातंत्र्य
(स) संघ निर्माण की स्वतंत्रता
(द) कार्य और सामग्री सुरक्षा
उत्तर : (ब) SSC 1999
व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19(a) प्रेस की स्वतंत्रता से संबंधित है। प्रेस की स्वतंत्रता का वर्णन अनुच्छेद 19(a) में ही है। भारत में प्रेस की स्वतंत्रता को अनुच्छेद 19(a) के तहत मिली बोलने की स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी से ही लिया गया है। प्रेस की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए अलग से कोई प्रावधान नहीं है।

646. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद अल्पसंख्यकों को अपनी मनपसंद शिक्षण संस्थाओं को स्थापित तथा संचालित करने का अधिकार को संरक्षण प्रदान करती है ?
(अ) अनुच्छेद 19 (ब) अनुच्छेद 20
(स) अनुच्छेद 26 (द) अनुच्छेद 30
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 30 के तहत शिक्षण संस्थानों की स्थापना और प्रशासन करने का अधिकार अल्पसंख्यक वर्गों को दिया गया है। इसके द्वारा अल्पसंख्यकों को अपने शिक्षण संस्थान स्थापित करने तथा उनका प्रबंधन करने की स्वतंत्रता प्रदान की गई है। 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा यदि राज्य किसी अल्पसंख्यक आयोग की शिक्षण संस्था की सम्पत्ति का अधिग्रहण करता है तो उस संस्था के लिए एक निश्चित मुआवजे की व्यवस्था करनी होगी।

647. धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार किस अनुच्छेद के द्वारा दिया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 20 (ब) अनुच्छेद 22
(स) अनुच्छेद 25 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स) RRB 2005
व्याख्या– धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 में वर्णित है। अनुच्छेद 25 के अनुसार कोई भी व्यक्ति किसी भी धर्म को मान सकता है और उसका प्रचार–प्रसार कर सकता है।

648. भारतीय संविधान के किन अनुच्छदों के अंतर्गत अल्पसंख्यको को अपनी संस्कृति के संरक्षण तथा अपनी पसंद की शिक्षा संस्थाओं की स्थापना व संचालन के अधिकार को मान्यता प्रदान की गई है ?
(अ) अनुच्छेद 23 (ब) अनुच्छेद 29 व 30
(स) अनुच्छेद 32 (द) अनुच्छेद 38 व 39
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान में धार्मिक और भाषायी अल्पसंख्यकों को अनुच्छेद 29 और 30 में विशेष अधिकार दिए हैं। अनुच्छेद 29 अल्पंसख्यकों के हितों के संरक्षण से संबंधित है। अनुच्छेद 30 में शिक्षण संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक वर्गों के अधिकारों का वर्णन है।

649. निम्नलिखित मौलिक अधिकारों में से किसे डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने 'संविधान का हृदय एवं आत्मा' की संज्ञा दी ?
(अ) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
(ब) संवैधानिक उपचारों का अधिकार
(स) सम्पत्ति का अधिकार
(द) शिक्षा का अधिकार
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या– अनुच्छेद 32 से 35 तक में वर्णित संवैधानिक उपचारों के अधिकार को डॉ. भीमराव

अम्बेडकर ने 'संविधान का हृदय और आत्मा' की संज्ञा दी थी। संवैधानिक उपचारों के अधिकार के अन्दर 5 प्रकार के प्रावधान हैं–बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, निषेधाज्ञा, अधिकार पृच्छा और उत्प्रेषण रिट।

650. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में संवैधानिक उपचारों का अधिकार दिया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 30 (ब) अनुच्छेद 31
(स) अनुच्छेद 32 (द) अनुच्छेद 35
उत्तर : (स) SSC 2002
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत भारतीय नागरिकों को संवैधानिक उपचारों के अधिकार प्रदान किये गये हैं। संवैधानिक उपचारों का अधिकार वह साधन है, जिसके द्वारा मौलिक अधिकारों का हनन होने पर इसकी रक्षा उच्चतम न्यायालय व उच्च न्यायालय द्वारा की जा सकती है। इन अधिकारों का हनन होने पर उच्चतम न्यायालय अनुच्छेद 32 व उच्च न्यायालय अनुच्छेद 226 के अंतर्गत नागरिक की रक्षा करता है।

651. संवैधानिक उपचारों का अधिकार किन परिस्थितियों में निलम्बित हो जाता है ?
(अ) आपात स्थिति की घोषणा के दौरान
(ब) सेना सदस्यों के सम्बन्ध में
(स) जब सैनिक विधि लागू हो
(द) उपर्युक्त सभी परिस्थितियों में
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 32 से 35 तक में वर्णित संवैधानिक उपचारों के अधिकार को डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने 'संविधान का हृदय और आत्मा' की संज्ञा दी थी। संवैधानिक उपचारों के अधिकार के अन्दर 5 प्रकार के प्रावधान हैं–बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, निषेधाज्ञा, अधिकार पृच्छा और उत्प्रेषण रिट। आपात काल के समय संवैधानिक उपचारों के अधिकार को निलम्बित कर दिया जाता है।

652. व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिए निम्नलिखित में से कौनसी रिट याचिका दायर की जा सकती है ?
(अ) मैंडमस (ब) को वारंटो
(स) हैबियस कॉर्पस (द) सशियोरेरी
उत्तर : (स)
व्याख्या– व्यक्तिगत स्वतंत्रता से संबंधित रिट बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeus Corpus) उस व्यक्ति की प्रार्थना पर जारी किया जाता है जो यह समझता है कि उसे अवैध रूप से बंदी बनाया गया है। इसके द्वारा न्यायालय बंदीकरण करने वाले अधिकारी को आदेश देता है कि वह बंदी बनाए गए व्यक्ति को निश्चित स्थान और निश्चित समय के अंदर उपस्थित करें जिससे न्यायालय बंदी बनाए जाने के कारणों पर विचार कर सके।

653. बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) के अतिरिक्त निम्नलिखित में से किस याचिका को उच्च न्यायालय जारी कर सकता है ?
(अ) उत्प्रेषण (Certiarari)
(ब) परमादेश (Mandamus)
(स) अधिकार पृच्छा (Quo-warranto)
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– हेबियस कॉर्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है–''आपके पास शरीर होना चाहिए''। यह रिट एक अदालत के समक्ष ऐसे आदमी को पेश करने के लिए जारी की जाती है जिसे हिरासत में या जेल में रखा गया है और हिरासत में लेने के 24 घंटे के भीतर उसे मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश नहीं किया गया है और यदि यह पाया जाता है कि हिरासत में अवैध तरीके से रखा गया है तो कोर्ट ऐसे व्यक्ति को रिहा करा देती है। रिट का उद्देश्य अपराधी को दंडित करने का नहीं होता लेकिन अवैध तरीके से हिरासत में लिए गये व्यक्ति को रिहा कराना होता है।

654. निम्नलिखित में से कौनसा अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के अंतर्गत प्रवर्तित किये जा सकते हैं ?
(अ) संवैधानिक अधिकार (ब) मौलिक अधिकार
(स) सांविधिक अधिकार (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– अनुच्छेद 32 के तहत मौलिक अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए समुचित कार्यवाहियों द्वारा उच्चतम न्यायालय में आवेदन करने का अधिकार प्रदान किया गया है। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय को पाँच तरह के रिट जारी करने की शक्ति प्रदान की गई हैं, जो निम्न हैं–बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध लेख, उत्प्रेषण और अधिकार पृच्छा लेख।

655. बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका (Habeus Carpus Writ)–
(अ) केवल निरुद्ध व्यक्ति द्वारा ही दाखिल की जा सकती है
(ब) केवल हितबद्ध व्यक्ति द्वारा ही दााखिल की जा सकती है
(स) किसी भी निजी व्यक्ति द्वारा दाखिल की जा सकती है
(द) निरुद्ध व्यक्ति एवं हितबद्ध व्यक्ति दोनों द्वारा दाखिल की जा सकती है
उत्तर : (द)
व्याख्या– हैबियस कॉर्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है–''आपके पास शरीर होना चाहिए''। यह रिट एक अदालत के समक्ष ऐसे आदमी को पेश करने के लिए जारी की जाती है जिसे हिरासत में या जेल में रखा गया है और हिरासत में लेने के 24 घंटे के भीतर उसे मजिस्ट्रेट

के समक्ष पेश नहीं किया गया है और यदि यह पाया जाता है कि हिरासत में अवैध तरीके से रखा गया है तो कोर्ट ऐसे व्यक्ति को रिहा करा देती है। रिट को उद्देश्य अपराधी को दंडित करने का नहीं होता लेकिन अवैध तरीके से हिरासत में लिए गये व्यक्ति को रिहा कराना होता है।

656. मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए निम्नलिखित में से किसी न्यायालय द्वारा जारी किया जा सकता है–
(अ) डिक्री (ब) अध्यादेश
(स) समादेश (रिट) (द) अधिसूचना
उत्तर : (स) SSC 2002
व्याख्या– समादेश (Injunction) वह आदेश या रिट है जिसे न्यायालय अपने समता संबंधी अधिकारों के अंतर्गत किसी पक्ष या निगम के नाम, किसी काम को करने के लिए, किसी काम को करने से रोकने के लिए या कोई ऐसा काम करते रहने के लिए जारी करता है जिसे करने या न करने की उसे बाध्यता हो।

657. कौन व्यक्तिगत स्वतंत्रता से संबंधित है–
(अ) बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeus Corpus)
(ब) उत्प्रेषण (Certiarari)
(स) प्रतिषेध (Prohibition)
(द) परमादेश (Mandamus)
उत्तर : (अ) RRB 2004
व्याख्या– व्यक्तिगत स्वतंत्रता से संबंधित रिट बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeus Corpus) उस व्यक्ति की प्रार्थना पर जारी किया जाता है जो यह समझता है कि उसे अवैध रूप से बंदी बनाया गया है। इसके द्वारा न्यायालय बंदीकरण करने वाले अधिकारी को आदेश देता है कि वह बंदी बनाए गए व्यक्ति को निश्चित स्थान और निश्चित समय के अंदर उपस्थित करें जिससे न्यायालय बंदी बनाए जाने के कारणों पर विचार कर सके।

658. विभिन्न प्रकार के समादेश (रिट) जारी करने का अधिकार सर्वोच्च न्यायालय के अतिरिक्त निम्नांकित में से किसे प्राप्त है ?
(अ) राज्य के उच्च न्यायालयों को
(ब) जिला न्यायालयों को
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– एक रिट अथवा याचिका का अर्थ वह आदेश है जिसे एक अधिकार के तहत जारी किया जाता है। भारतीय संविधान के तीसरे भाग में प्रदत्त मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए भारत का संविधान अनुच्छेद 32 के तहत उच्चतम न्यायालय और अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालयों को अधिकार प्रदान करता है।

659. किस स्थिति में बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका (हैबियस कॉर्पस) जारी किया जाता है ?
(अ) सम्पत्ति की हानि
(ब) अतिरिक्त कर की वापसी
(स) दोषपूर्ण पुलिस नजरबंदी
(द) भाषण की स्वतंत्रता का उल्लंघन
उत्तर : (स) SSC 2011
व्याख्या– व्यक्तिगत स्वतंत्रता से संबंधित रिट बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeus Corpus) उस व्यक्ति की प्रार्थना पर जारी किया जाता है जो यह समझता है कि उसे अवैध रूप से बंदी बनाया गया है। इसके द्वारा न्यायालय बंदीकरण करने वाले अधिकारी को आदेश देता है कि वह बंदी बनाए गए व्यक्ति को निश्चित स्थान और निश्चित समय के अंदर उपस्थित करें जिससे न्यायालय बंदी बनाए जाने के कारणों पर विचार कर सके।

660. निम्नलिखित में से किस याचिका (रिट) का शाब्दिक अर्थ होता है–'हम आदेश देते हैं'?
(अ) बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeus Corpus)
(ब) परमादेश (Mandamus)
(स) अधिकार पृच्छा (Quo-warranto)
(द) उत्प्रेषण (Certarari)
उत्तर : (ब) SSC 1999
व्याख्या– परमादेश (Mandamus) याचिका (रिट) का शाब्दिक अर्थ होता है–'हम आदेश देते हैं'। परमादेश का लेख उस समय जारी किया जाता है, जब कोई पदाधिकारी अपने सार्वजनिक कर्तव्य का निर्वाह नहीं करता है। इस प्रकार के आज्ञापत्र के आधार पर पदाधिकारी को उसके कर्तव्य का पालन करने का आदेश जारी किया जाता है।

661. किसी व्यक्ति का अवैध निरोध के मामले में न्यायालय द्वारा जारी याचिका है–
(अ) बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeus Corpus)
(ब) उत्प्रेषण (Certiarari)
(स) प्रतिषेध (Prohibition)
(द) परमादेश (Mandamus)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– हैबियस कॉर्पस (बंदी प्रत्यक्षीकरण) एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है–''आपके पास शरीर होना चाहिए''। यह रिट एक अदालत के समक्ष ऐसे आदमी को पेश करने के लिए जारी की जाती है जिसे हिरासत में या जेल में रखा गया है और हिरासत में लेने के 24 घंटे के भीतर उसे मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश नहीं किया गया है और यदि यह पाया जाता है कि हिरासत में अवैध तरीके से रखा गया है तो कोर्ट ऐसे व्यक्ति को रिहा करा देती है। रिट को उद्देश्य अपराधी को दंडित करने का नहीं होता लेकिन अवैध तरीके से हिरासत में लिए गये व्यक्ति को रिहा कराना होता है।

662. निम्नलिखित समादेशों (रिट) में से कौनसा समादेश किसी अवैध व्यक्ति से सरकारी पद को बचाने के लिए जारी किया जाता है '?
(अ) उत्प्रेषण (Certiorari)
(ब) परमादेश (Mandamus)
(स) निषेधाज्ञा (Prohibition)
(द) अधिकार पृच्छा (Quo-warranto)
उत्तर : (द) SSC 2001
व्याख्या– जब कोई व्यक्ति ऐसे पदाधिकारी के रूप में कार्य करने लगता है जिसके रूप में कार्य करने का उसे वैधानिक रूप से अधिकार नहीं है, तब न्यायालय अधिकार पृच्छा के आदेश द्वारा उस व्यक्ति से पूछता है कि वह किस अधिकार से कार्य कर रहा है और जब तक वह इस बात का संतोषजनक उत्तर नहीं देता, वह कार्य नहीं कर सकता है।

663. व्यक्ति, निगम अथवा अधीनस्थ अधिकरण जिस कार्य को करने के लिए आबद्ध है, उस कार्य को करने के लिए जारी करने वाली रिट को कहते हैं–
(अ) बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeus Corpus)
(ब) उत्प्रेषण (Certiarari)
(स) प्रतिषेध (Prohibition)
(द) परमादेश (Mandamus)
उत्तर : (द)
व्याख्या– परमादेश (Mandamus) याचिका (रिट) का शाब्दिक अर्थ होता है–'हम आदेश देते हैं'। परमादेश का लेख उस समय जारी किया जाता है, जब कोई पदाधिकारी अपने सार्वजनिक कर्तव्य का निर्वाह नहीं करता है। इस प्रकार के आज्ञापत्र के आधार पर पदाधिकारी को उसके कर्तव्य का पालन करने का आदेश जारी किया जाता है।

664. सम्पत्ति के मूल अधिकार को किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा समाप्त किया गया ?
(अ) 42वें (ब) 44वें
(स) 45वें (द) 52वें
उत्तर : (ब)
व्याख्या–संविधान का उद्देश्य विचार–अभिव्यक्ति, विश्वास धर्म और उपासना की स्वाधीनता सुनिश्चत करना है, इसलिए संविधान के अनुच्छेद 19 से लेकर 22 तक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लेख किया गया है। इस संबंध में अनुच्छेद 19 बससे अधिक जरूरी है। मूल संविधान में अनुच्छेद 19 द्वारा नागरिकों को सात तरह की स्वतंत्रताएँ प्रदान की गई जिनमें छठी स्वतंत्रता 'सम्पत्ति की स्वतंत्रता' थी। सम्पत्ति के अधिकार को वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकार से विधि अधिकार में परिवर्तित कर दिया गया था। 44वें संविधान संशोधन से पहले यह अनुच्छेद 31 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार था, परंतु इस संशोधन के बाद इस अधिकार को अनुच्छेद 300A के अंतर्गत एक विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया।

665. वह रिट, जो भारत में उच्चतम न्यायालय अथवा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किसी व्यक्ति या सार्वजनिक संस्था को आदेश देती है कि वह अपने कर्तव्य का पालन करें, क्या कहलाती है ?
(अ) बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeus Corpus)
(ब) उत्प्रेषण (Certiarari)
(स) प्रतिषेध (Prohibition)
(द) परमादेश (Mandamus)
उत्तर : (द)
व्याख्या– परमादेश (Mandamus) याचिका (रिट) का शाब्दिक अर्थ होता है–'हम आदेश देते हैं'। यह कानूनी रूप से कार्य करने और गैर कानूनी कार्य के अंजाम से बचने के लिए, एक आदेश के रूप में एक न्यायिक उपाय है। इस रिट को जारी करने का आदेश उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय द्वारा तब किया जाता है जब सरकार, अदालत, निगम या अधिकरण या लोक प्राधिकरण सार्वजनिक या वैधानिक कर्तव्य तो करते हैं लेकिन उन्हें निभा पाने में विफल होते हैं।

666. निम्नलिखित में से किस लेख (रिट) के द्वारा किसी सक्षम न्यायालय द्वारा किसी व्यक्ति, निगम या निचली अदालत को कोई ऐसा कार्य करने के लिए आदेश दिया जाता है जो उसकी कर्तव्य सीमा में आता है और जिसको उन्हें पूरा करना चाहिए ?
(अ) बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habeus Corpus)
(ब) उत्प्रेषण (Certiarari)
(स) प्रतिषेध (Prohibition)
(द) परमादेश (Mandamus)
उत्तर : (द)
व्याख्या– परमादेश (Mandamus) याचिका (रिट) का शाब्दिक अर्थ होता है–'हम आदेश देते हैं'। परमादेश का लेख उस समय जारी किया जाता है, जब कोई पदाधिकारी अपने सार्वजनिक कर्तव्य का निर्वाह नहीं करता है। इस प्रकार के आज्ञापत्र के आधार पर पदाधिकारी को उसके कर्तव्य का पालन करने का आदेश जारी किया जाता है।

667. एक ऐसी याचिका, जो न्यायपालिका द्वारा जारी की जाती है तथा जिसमें कार्यपालिका को कहा जाता है कि वह यह कार्य करें जो उसे प्राप्त शक्तियों के अंतर्गत करना चाहिए था, को कहा जाता है–
(अ) हैबियस कॉर्पस
(ब) मैंडेमस
(स) प्रोहिविशन
(द) क्वो वारंटो
उत्तर : (ब)
व्याख्या– परमादेश (Mandamus) याचिका (रिट) का शाब्दिक अर्थ होता है–'हम आदेश देते हैं'। परमादेश का लेख उस समय जारी किया जाता है,

जब कोई पदाधिकारी अपने सार्वजनिक कर्तव्य का निर्वाह नहीं करता है। इस प्रकार के आज्ञापत्र के आधार पर पदाधिकारी को उसके कर्तव्य का पालन करने का आदेश जारी किया जाता है।

668. उत्प्रेषण (Certiorari) रिट निम्न में से किस आधाार पर जारी किये जाते हैं '?
(अ) अधिकारिता का अभाव या अधिकारिता से बाहर किये गये कार्य के लिए
(ब) नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का अतिक्रमण होने पर
(स) अभिलेख से प्रत्यक्षतः प्रकट विधि त्रुटि के आधार पर
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– उत्प्रेषण (Certiorari) एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है– 'सूचित करने के लिए'। 'उत्प्रेषण' को एक न्यायिक आदेश के रूप में परिभाषित किया जा सकता है, जो आचरण से संबंधित होता है और कानूनी कार्यवाही में उपयोग किया जाता है।

669. निम्नलिखित में से किस याचिका (रिट) के अधीन किसी कर्मचारी को ऐसी कार्यवाही करने से रोका जाता है, जिसके लिए सरकारी तौर पर वह हकदार नहीं है ?
(अ) अधिकार पृच्छा (Quo-warranto)
(ब) उत्प्रेषण (Certiarari)
(स) प्रतिषेध (Prohibition)
(द) परमादेश (Mandamus)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अधिकार पृच्छा (Quo warranto) एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है–'किस वारंट द्वारा'। जब न्यायालय को लगता है कि कोई व्यक्ति ऐसे पद पर नियुक्त हो गया है जिसका वह हकदार नहीं है तब न्यायालय रिट 'अधिकार पृच्छा' जारी कर सकता है और व्यक्ति को उस पद पर कार्य करने से रोक देता है। संविधान द्वारा निर्मित कार्यालयों के विरुद्ध इसे जारी किया जा सकता है।

670. कौन मूल अधिकारों के अंतर्गत नहीं आता है ?
(अ) स्वतंत्रता का अधिकार
(ब) समानता का अधिकार
(स) संपत्ति का अधिकार
(द) शोषण के विरुद्ध अधिकार
उत्तर : (स)
व्याख्या– सम्पत्ति के अधिकार को वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकार से विधि अधिकार में परिवर्तित कर दिया गया था। 44वें संविधान संशोधन से पहले यह अनुच्छेद 31 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार था, परंतु इस संशोधन के बाद इस अधिकार को अनुच्छेद 300A के अंतर्गत एक विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया।

671. निम्नलिखित में से कौनसा मौलिक अधिकार नहीं है ?
(अ) व्याख्यान की स्वतंत्रता का अधिकार
(ब) संवैधानिक प्रतिकार का अधिकार
(स) समानता का अधिकार
(द) संपत्ति का अधिकार
उत्तर : (द) SSC 2011
व्याख्या– संविधान का उद्देश्य विचार–अभिव्यक्ति, विश्वास धर्म और उपासना की स्वाधीनता सुनिश्चत करना है, इसलिए संविधान के अनुच्छेद 19 से लेकर 22 तक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लेख किया गया है। इस संबंध में अनुच्छेद 19 सबसे अधिक जरूरी है। मूल संविधान में अनुच्छेद 19 द्वारा नागरिकों को सात तरह की स्वतंत्रताएँ प्रदान की गई जिनमें छठी स्वतंत्रता 'सम्पत्ति की स्वतंत्रता' थी। सम्पत्ति के अधिकार को वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकार से विधि अधिकार में परिवर्तित कर दिया गया था। 44वें संविधान संशोधन से पहले यह अनुच्छेद 31 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार था, परंतु इस संशोधन के बाद इस अधिकार को अनुच्छेद 300A के अंतर्गत एक विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया।

672. 44वें संविधान संशोधन विधेयक द्वारा किस मौलिक अधिकार को सामान्य वैधानिक अधिकार बनाया गया ?
(अ) स्वतंत्रता का अधिकार
(ब) समानता का अधिकार
(स) सम्पत्ति का अधिकार
(द) सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक अधिकार
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान का उद्देश्य विचार–अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वाधीनता सुनिश्चत करना है, इसलिए संविधान के अनुच्छेद 19 से लेकर 22 तक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लेख किया गया है। इस संबंध में अनुच्छेद 19 सबसे अधिक जरूरी है। मूल संविधान में अनुच्छेद 19 द्वारा नागरिकों को सात तरह की स्वतंत्रताएँ प्रदान की गई जिनमें छठी स्वतंत्रता 'सम्पत्ति की स्वतंत्रता' थी। सम्पत्ति के अधिकार को वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकार से विधि अधिकार में परिवर्तित कर दिया गया था। 44वें संविधान संशोधन से पहले यह अनुच्छेद 31 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार था, परंतु इस संशोधन के बाद इस अधिकार को अनुच्छेद 300A के अंतर्गत एक विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया।

673. सम्पत्ति के मौलिक अधिकार को संशोधित किया गया–
(अ) 42वें (ब) 44वें
(स) 82वें (द) 91वें
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान का उद्देश्य विचार–अभिव्यक्ति, विश्वास धर्म और उपासना की स्वाधीनता सुनिश्चत करना है, इसलिए संविधान के अनुच्छेद 19 से लेकर 22 तक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लेख किया गयाहै। इस संबंध में अनुच्छेद 19 सबसे अधिक जरूरी है। मूल संविधान में अनुच्छेद 19 द्वारा नागरिकों को सात स्वतंत्रताएँ प्रदान की गई जिनमें छठी स्वतंत्रता 'सम्पत्ति की स्वतंत्रता' थी। सम्पत्ति के अधिकार को वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकार से विधि अधिकार में परिवर्तित कर दिया गया था। 44वें संविधान संशोधन से पहले यह अनुच्छेद 31 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार था, परंतु इस संशोधन के बाद इस अधिकार को अनुच्छेद 300A के अंतर्गत एक विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया।

674. सम्पत्ति का अधिकार एक–
(अ) मौलिक अधिकार है
(ब) नैसर्गिक अधिकार है
(स) वैधानिक अधिकार है
(द) कानूनी अधिकार है
उत्तर : (द) SSC 2011
व्याख्या– सम्पत्ति के अधिकार को वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकार से विधि अधिकार में परिवर्तित कर दिया गया था। 44वें संविधान संशोधन से पहले यह अनुच्छेद 31 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार था, परंतु इस संशोधन के बाद इस अधिकार को अनुच्छेद 300A के अंतर्गत एक विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया।

675. निम्नलिखित में से कौनसा मौलिक अधिकार नहीं है?
(अ) संवैधानिक प्रतिकार का अधिकार
(ब) सम्पत्ति का अधिकार
(स) शांतिपूर्वक एकत्र होने का अधिकार
(द) देश भर में आजादी के साथ आने–जाने का अधिकार
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान का उद्देश्य विचार–अभिव्यक्ति, विश्वास धर्म और उपासना की स्वाधीनता सुनिश्चत करना है, इसलिए संविधान के अनुच्छेद 19 से लेकर 22 तक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लेख किया गयाहै। इस संबंध में अनुच्छेद 19 सबसे अधिक जरूरी है। मूल संविधान में अनुच्छेद 19 द्वारा नागरिकों को सात तरह की स्वतंत्रताएँ प्रदान की गई जिनमें छठी स्वतंत्रता 'सम्पत्ति की स्वतंत्रता' थी। सम्पत्ति के अधिकार को वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकार से विधि अधिकार में परिवर्तित कर दिया गया था। 44वें संविधान संशोधन से पहले यह अनुच्छेद 31 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार था, परंतु इस संशोधन के बाद इस अधिकार को अनुच्छेद 300A के अंतर्गत एक विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया।

676. सम्पत्ति के अधिकार को मूल अधिकार की श्रेणी से हटाकर किस अनुच्छेद के अंतर्गत रखा गया है ?
(अ) अनुच्छेद 31 (ब) अनुच्छेद 301 (क)
(स) अनुच्छेद 300 (क) (द) अनुच्छेद 19 (i)
उत्तर : (स)
व्याख्या– सम्पत्ति के अधिकार को वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकार से विधि अधिकार में परिवर्तित कर दिया गया था। 44वें संविधान संशोधन से पहले यह अनुच्छेद 31 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार था, परंतु इस संशोधन के बाद इस अधिकार को अनुच्छेद 300(क) के अंतर्गत एक विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया।

677. भारतीय संविधान के अनुसार सम्पत्ति का अधिकार क्या है ?
(अ) मूलभूत अधिकार (ब) विधिक अधिकार
(स) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– संविधान का उद्देश्य विचार–अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वाधीनता सुनिश्चत करना है, इसलिए संविधान के अनुच्छेद 19 से लेकर 22 तक स्वतंत्रता के अधिकार का उल्लेख किया गयाहै। इस संबंध में अनुच्छेद 19 सबसे अधिक जरूरी है। मूल संविधान में अनुच्छेद 19 द्वारा नागरिकों को सात तरह की स्वतंत्रताएँ प्रदान की गई जिनमें छठी स्वतंत्रता 'सम्पत्ति की स्वतंत्रता' थी। सम्पत्ति के अधिकार को वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकार से विधि अधिकार में परिवर्तित कर दिया गया था। 44वें संविधान संशोधन से पहले यह अनुच्छेद 31 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार था, परंतु इस संशोधन के बाद इस अधिकार को अनुच्छेद 300A के अंतर्गत एक विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया।

678. भारतीय संविधान का निम्नलिखित में से कौनसा अनुच्छेद यह निर्धारित करता है कि राजकोष से सम्पोषित कुओं, तालाबों एवं स्नान घाटों का प्रयोग करने से किसी भी नागरिक को वंचित नहीं किया जा सकता है ?
(अ) अनुच्छेद 14 (ब) अनुच्छेद 15
(स) अनुच्छेद 16 (द) अनुच्छेद 17
उत्तर : (ब) CDS 2012

व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 15 यह निर्धारित करता है कि राजकोष से सम्पोषित कुओं, तालाबों, स्नान घाटों, होटलों, सड़कों, सार्वजनिक समागम स्थलों आदि का प्रयोग करने से किसी भी नागरिक को वंचित नहीं किया जा सकता है।

679. मौलिक अधिकार में कौनसी बात की स्वतंत्रता नहीं है ?
(अ) हड़ताल करने की आजादी
(ब) विचार व्यक्त करने की आजादी
(स) शान्तिपूर्वक प्रदर्शन करने की आजादी
(द) धरना देने की आजादी
उत्तर : (अ) IAS 1982
व्याख्या– भारतीय नागरिकों को वर्तमान में 6 मूल अधिकार प्राप्त हैं– 1.समता या समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14 से 18) 2.स्वतंत्रता का अध्किार (अनुच्छेद 19 से 22) 3.शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 से 24) 4.धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28) 5.संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29 से 30) 6. संवैधानिक उपचार का अधिकार (अनुच्छेद 32)। मूल संविधान में 7 मूल अधिकार थे, किन्तु सम्पत्ति के अधिकार को 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा हटा दिये जाने से वर्तमान में 6 मूल अधिकार ही हैं।

680. किस वाद ने संसद को मौलिक अधिकारों में संशोधन का अधिकार दिया ?
(अ) केशवानन्द भारती वाद
(ब) राजनारायण बना इंदिरा गांधी वाद
(स) गोलकनाथ वाद
(द) सज्जन कुमार वाद
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1973 में केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के मामले में सर्वोच्च न्यायालय की 13 न्यायाधीशों की पीठ ने अपने संवैधानिक रुख में संशोधन करते हुए कहा कि संविधान संशोधन के अधिकार पर एकमात्र प्रतिबंध यह है कि इसके माध्यम से संविधान के मूल ढांचें को क्षति नहीं पहुंचनी चाहिए।

681. मौलिक अधिकारों में संशोधन करने में कौन सक्षम है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) लोकसभा
(स) सर्वोच्च न्यायालय (द) संसद
उत्तर : (द) RRB 2009
व्याख्या– मौलिक अधिकारों का वर्णन संविधान के भाग–3 में किया गया है। संविधान संशोधन की शक्ति सिर्फ संसद के पास है। मौलिक अधिकारों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन संसद के दोनों सदनों के विशेष बहुमत से किया जा सकता है। बशर्ते वो परिवर्तन संविधान की मूल अवधारणा के विरुद्ध न हो अन्यथा भारत का सर्वोच्च न्यायालय उसे खारिज कर सकता है।

682. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद अस्पृश्यता का उन्मूलन करता है और किसी भी रूप में इसके व्यवहार का निषेध करता है ?
(अ) अनुच्छेद 16 (ब) अनुच्छेद 17
(स) अनुच्छेद 18 (द) अनुच्छेद 15
उत्तर : (ब) SSC 2006, RRB 2009
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 17 के तहत अस्पृश्यता को निषिद्ध किया गया है। इसी अनुच्छेद का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए भारतीय संसद ने अस्पृश्यता निवारण अधिनियम, 1955 अधिनियमित किया है।

683. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (मौलिक अधिकार)
A. समता का अधिकार
B. वाक् का अधिकार
C. धर्म का अधिकार
D. संवैधानिक उपचारों का अधिकार
सूची–II (अनुच्छेद)
1. 14–18
2. 25
3. 32
4. 19
(अ) A – 1, B – 3, C – 2, D - 4
(ब) A – 2, B – 4, C – 1, D - 3
(स) A – 1, B – 4, C – 2, D - 3
(द) A – 2, B – 3, C – 1, D - 4
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 से 18 तक में भारतीय नागरिकों को मौलिक अधिकारों के रूप में समता या समानता का अधिकार प्राप्त है जो न्यायालय में वाद योग्य है। किसी सूचना या विचार को बोलकर, लिखकर या किसी अन्य रूप में बिना किसी रोकटोक के अभिव्यक्त करने की स्वतंत्रता अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कहलाती है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(i) के तहत सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी गयी है।

684. किसी न्यायालय अथवा न्यायाधिकरण के आदेश को रद्द करने के लिए निम्नलिखित में से कौनसी रिट जारी की जाती है ?
(अ) परमादेश (ब) प्रतिषेध
(स) अधिकार पृच्छा (द) उत्प्रेषण
उत्तर : (द) CDS 2019
व्याख्या– उत्प्रेषण (Certiorari) एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ 'सूचित करने के लिए' है। 'उत्प्रेषण' को एक न्यायिक आदेश के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो आचरण से संबंधित होता है और कानूनी कार्यवाही में उपयोग किया जाता है। अधिकार क्षेत्र का अभाव, न्याय क्षेत्र का दुरूपयोग,

अधिकार क्षेत्र का दुरुपयोग, समान न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन आदि के आधार पर उत्प्रेषण रिट जारी की जाती है।

685. भारतीय नागरिकों को वर्तमान में कितने मूल अधिकार भारत के संविधान द्वारा प्रदान किये गये हैं ?
(अ) 7 (ब) 6
(स) 5 (द) 8
उत्तर : (ब) RPSC IIgr. Teacher 2011
व्याख्या– भारतीय नागरिकों को वर्तमान में 6 मूल अधिकार प्राप्त हैं– 1.समता या समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14 से 18) 2.स्वतंत्रता का अध्किार (अनुच्छेद 19 से 22) 3.शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 से 24) 4.धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28) 5.संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29 से 30) 6. संवैधानिक उपचार का अधिकार (अनुच्छेद 32)। मूल संविधान में सात मूल अधिकार थे, किन्तु सम्पत्ति के अधिकार को 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा हटा दिये जाने से वर्तमान में छह मूल अधिकार ही हैं।

686. संविधान के अंतर्गत बंदी प्रत्यक्षीकरण समादेश जारी करने का अधिकार किसमें निहित है ?
(अ) केवल उच्च न्यायालय
(ब) केवल उच्चतम न्यायालय
(स) उच्च तथा उच्चतम न्यायालय दोनों
(द) जनपद न्यायालय तथा उनके ऊपर के सभी न्यायालय
उत्तर : (स) SSC 2006
व्याख्या– बंदी प्रत्यक्षीकरण (हेबियस कॉपर्स) रिट उस व्यक्ति की प्रार्थना पर जारी किया जाता है जो यह समझता है कि उसे अवैध रूप से बंदी बनाया गया है। इसके द्वारा न्यायालय बंदीकरण करने वाले अधिकारी को आदेश देता है कि वह बंदी बनाए गए व्यक्ति को निश्चित स्थान और निश्चत समय के अंदर उपस्थित करें जिससे न्यायालय बंदी बनाए जाने के कारणों पर विचार कर सके।

687. निम्नलिखित में से कौनसा मूल अधिकार विदेशी नागरिकों को प्राप्त नहीं है ?
(अ) विधि के समक्ष समानता
(ब) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार
(स) प्राण व दैहिक स्वतंत्रता का अधिकार
(द) शोषण के विरुद्ध अधिकार
उत्तर : (ब) 7
व्याख्या– भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार भारतीय संविधान की धारा 19 द्वारा सम्मिलित छः स्वतंत्रता के अधिकारों में से एक है। यह अधिकार विदेशी नागरिकों को प्राप्त नहीं है।

688. निम्नलिखित में से कौनसा मूल अधिकार नहीं है ?
(अ) समता का अधिकार
(ब) सम्पत्ति का अधिकार
(स) स्वतंत्रता का अधिकार
(द) सांविधिक उपचारों का अधिकार
उत्तर : (ब) SSC 2006
व्याख्या– भारतीय नागरिकों को वर्तमान में 6 मूल अधिकार प्राप्त हैं– 1.समता या समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14 से 18) 2.स्वतंत्रता का अध्किार (अनुच्छेद 19 से 22) 3.शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23 से 24) 4.धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28) 5.संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29 से 30) 6. संवैधानिक उपचार का अधिकार (अनुच्छेद 32)। मूल संविधान में सात मूल अधिकार थे किन्तु सम्पत्ति के अधिकार को 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा हटा दिये जाने से वर्तमान में छह मूल अधिकार ही हैं।

689. 6 से 14 वर्ष की आयु तक के सभी बच्चों को शिक्षा का अधिकार है–
(अ) राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में सम्मिलित
(ब) मूल अधिकार
(स) सांविधिक अधिकार
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 46वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 शिक्षा के अधिकार से संबंधित है। इस अधिनियम के अंतर्गत भारतीय संविधान में अनुच्छेद–21क अंतःस्थापित किया गया, जिसके अनुसार मौलिक अधिकार के रूप में 6 से 14 वर्ष के आयु के बीच सभी बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का प्रावधान है।

690. किसी अर्द्ध न्यायिक/सार्वजनिक अधिकारों को अपने अनिवार्य कर्तव्य के लिए मजबूर करने के उद्देश्य से उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई रिट होती है–
(अ) अधिकार पृच्छा (ब) परमादेश
(स) उत्प्रेषण लेख (द) निषेध
उत्तर : (ब) SSC 2007
व्याख्या– किसी अर्द्ध न्यायिक/सार्वजनिक अधिकारों को अपने अनिवार्य कर्तव्य के लिए मजबूर करने के उद्देश्य से उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई रिट परमादेश (Mandamus) है। परमादेश (Mandamus) याचिका (रिट) का शाब्दिक अर्थ होता है–'हम आदेश देते हैं'। परमादेश का लेख उस समय जारी किया जाता है, जब कोई पदाधिकारी अपने सार्वजनिक कर्तव्य का निर्वाह नहीं करता है। इस प्रकार के आज्ञापत्र के आधार पर पदाधिकारी को उसके कर्तव्य का पालन करने का आदेश जारी किया जाता है।

691. मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए रिट जारी की जाती है–
(अ) संसद द्वारा
(ब) राष्ट्रपति द्वारा
(स) उच्चतम न्यायालय द्वारा
(द) चुनाव आयोग द्वारा
उत्तर : (स) SSC 2007
व्याख्या– अनुच्छेद 32 और 226 के तहत संविधान एक नागरिक के मौलिक अधिकारों को लागू करने या संरक्षण के लिए क्रमशः सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों को रिट जारी करने का अधिकार देता है।

692. संविधान के अनुच्छेद 17 और 18 में व्यवस्था है–
(अ) सामाजिक समता की
(ब) आर्थिक समता की
(स) राजनीतिक समता की
(द) धार्मिक समता की
उत्तर : (अ) SSC 2007
व्याख्या– अनुच्छेद 17 के अंतर्गत अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए अस्पृश्यता को दंडनीय अपराध घोषित किया गया है। अनुच्छेद 18 राज्य को सैन्य या शैक्षणिक विशिष्टता को छोड़कर किसी को भी कोई पदवी देने से रोकता है तथा कोई भी भारतीय नागरिक किसी विदेशी राज्य से कोई पदवी स्वीकार नहीं कर सकता। इस प्रकार भारतीय कुलीन उपाधियाँ और अंग्रेजों द्वारा प्रदान की गई और अभिजात्य उपाधियों को समाप्त कर दिया गया है।

693. भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों के युक्तियुक्त प्रतिबंधों को आरोपित करने की शक्ति किसे पास है ?
(अ) उच्चतम न्यायालय (ब) संसद
(स) राष्ट्रपति (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) RRB 2008
व्याख्या– मौलिक अधिकारों का वर्णन संविधान के भाग–3 में किया गया है। संविधान संशोधन की शक्ति सिर्फ संसद के पास है। मौलिक अधिकारों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन संसद के दोनों सदनों के विशेष बहुमत से किया जा सकता है। बशर्ते वो परिवर्तन संविधान की मूल अवधारणा के विरुद्ध न हो वरना भारत का सर्वोच्च न्यायालय उसे खारिज कर सकता है।

694. भारत में उच्चतम न्यायालय ने निम्नलिखित मामलों में से किसमें माना था कि मौलिक अधिकारों में संशोधन नहीं किया जा सकता ?
(अ) ए.के गोपालन का मामला
(ब) केशवानंद भारती का मामला
(स) एम.सी. मेहता का मामला
(द) गोलकनाथ का मामला
उत्तर : (द) SSC 2007
व्याख्या– उच्चतम न्यायालय ने गोलकनाथ मामले में माना था कि मौलिक अधिकारों में संशोधन नहीं किया जा सकता। संविधान के अनुच्छेद 13 में यह व्यवस्था कर दी गई है कि संसद द्वारा ऐसा कोई भी कानून नहीं बनाया जायेगा, जिससे संविधान के भाग–3 में वर्णित मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होता हो, परन्तु संविधान के लागू होने के एक वर्ष के अन्दर ही वर्ष 1951 में प्रथम संशोधन कर एक नया अधिनियम पारित किया गया।

695. किसी कैदी को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करवाने के लिए किस रिट की आवश्यकता होती है ?
(अ) परमादेश (ब) बंदी प्रत्यक्षीकरण
(स) अधिकार पृच्छा (द) उत्प्रेषण
उत्तर : (ब) RRB 2008
व्याख्या–बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉपर्स) रिट उस व्यक्ति की प्रार्थना पर जारी किया जाता है जो यह समझता है कि उसे अवैध रूप से बंदी बनाया गया है। इसके द्वारा न्यायालय बंदीकरण करने वाले अधिकारी को आदेश देता है कि वह बंदी बनाए गए व्यक्ति को निश्चित स्थान और निश्चत समय के अंदर उपस्थित करें, जिससे न्यायालय बंदी बनाए जाने के कारणों पर विचार कर सके।

696. विधि के सामने समानता का अधिकार है–
(अ) नागरिक अधिकार (ब) आर्थिक अधिकार
(स) सामाजिक अधिकार (द) राजनीतिक अधिकार
उत्तर : (अ)
व्याख्या– समानता का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 से 18 तक में वर्णित है। यह अधिकार अमेरिका के संविधान से लिया गया है। समानता के अधिकार से तात्पर्य है कि कोई भी व्यक्ति चाहे वो किसी भी लिंग वर्ण, जाति, वंश, क्षेत्र का हो सभी को समान अधिकार प्राप्त है। प्रत्येक नागरिक को समान रूप शिक्षा, स्वास्थ्य, घूमने–फिरने, नौकरी पाने, कोई भी कार्य करने, कोई भी व्यवसाय (वैधानिक) करने का, समान अवसर पाने का समान अधिकार प्राप्त है।

697. वर्तमान समय में भारतीय संविधान के अंतर्गत सम्पत्ति का अधिकार है एक–
(अ) मौलिक अधिकार (ब) विधिक अधिकार
(स) नैतिक अधिकार (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सम्पत्ति के अधिकार को वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकार से विधि अधिकार में परिवर्तित कर दिया गया था। 44वें संविधान संशोधन से पहले यह अनुच्छेद 31 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार था, परंतु इस संशोधन के बाद इस अधिकार को अनुच्छेद 300A के अंतर्गत एक विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया।

698. भारत के संविधान के अनुसार जो संवैधानिक अधिकार है, किन्तु मूलभूत अधिकार नहीं है–
(अ) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
(ब) सांस्कृतिक और शैक्षणिक अधिकार
(स) शोषण के विरुद्ध अधिकार
(द) सम्पत्ति का अधिकार
उत्तर : (द) RRB 2005
व्याख्या– सम्पत्ति के अधिकार को वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकार से विधि अधिकार में परिवर्तित कर दिया गया था। 44वें संविधान संशोधन से पहले यह अनुच्छेद 31 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार था, परंतु इस संशोधन के बाद इस अधिकार को अनुच्छेद 300A के अंतर्गत एक विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया।

699. भारतीय संविधान के अनुसार सम्पत्ति का अधिकार क्या है ?
(अ) मूलभूत अधिकार (ब) विधिक अधिकार
(स) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सम्पत्ति के अधिकार को वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकार से विधि अधिकार में परिवर्तित कर दिया गया था। 44वें संविधान संशोधन से पहले यह अनुच्छेद 31 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार था, परंतु इस संशोधन के बाद इस अधिकार को अनुच्छेद 300A के अंतर्गत एक विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया।

700. सम्पत्ति के मौलिक अधिकार को कब समाप्त किया गया ?
(अ) 1978 में संविधान के 44वें संशोधन द्वारा
(ब) 1982 में संविधान के 16वें संशोधन द्वारा
(स) 1973 में संविधान के 31वें संशोधन द्वारा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– सम्पत्ति के अधिकार को वर्ष 1978 में 44वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक अधिकार से विधि अधिकार में परिवर्तित कर दिया गया था। 44वें संविधान संशोधन से पहले यह अनुच्छेद 31 के अंतर्गत एक मौलिक अधिकार था, परंतु इस संशोधन के बाद इस अधिकार को अनुच्छेद 300A के अंतर्गत एक विधिक अधिकार के रूप में स्थापित किया गया।

701. मौलिक अधिकार संविधान के किस भाग में सम्मिलित किये गये हैं ?
(अ) भाग प्रथम (ब) भाग द्वितीय
(स) भाग तृतीय (द) भाग चतुर्थ
उत्तर : (स) RPSC IIgr. Teacher 2011
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 3 में भारतीय नागरिकों को वे अधिकार प्रदान किए गए हैं जो सामान्य स्थिति में सरकार द्वारा सीमित नहीं किए जा सकते और जिनकी सुरक्षा का प्रहरी सर्वोच्च न्यायालय है। मूल संविधान में सात मौलिक अधिकार थे परन्तु वर्तमान में छः मौलिक अधिकार है। मौलिक अधिकार का प्रावधान संयुक्त राज्य अमेरिका से लिया गया है।

702. न्यायालय द्वारा जारी किये गये परमादेश (Mandamus) के माध्यम से न्यायालय–
(अ) किसी व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कह सकता है
(ब) किसी व्यक्ति को कुछ समय के लिए छोड़ा जा सकता है
(स) अपने अधीनस्थ न्यायालय से केस मंगवा सकता है
(द) किसी व्यक्ति या संस्था को उनके सार्वजनिक दायित्वों तथा कर्तव्यों का पालन करने के लिए जारी किया जाता है
उत्तर : (द)
व्याख्या–किसी अर्द्ध न्यायिक/सार्वजनिक अधिकारों को अपने अनिवार्य कर्तव्य के लिए मजबूर करने के उद्देश्य से उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई रिट परमादेश (Mandamus) है। परमादेश याचिका (रिट) का शाब्दिक अर्थ होता है–'हम आदेश देते हैं'। परमादेश का लेख उस समय जारी किया जाता है, जब कोई पदाधिकारी अपने सार्वजनिक कर्तव्य का निर्वाह नहीं करता है। इस प्रकार के आज्ञापत्र के आधार पर पदाधिकारी को उसके कर्तव्य का पालन करने का आदेश जारी किया जाता है।

703. बंदी प्रत्यक्षीकरण (Habecus Corpus) के अतिरिक्त निम्नलिखित में से किस याचिका को उच्च न्यायालय जारी कर सकता है ?
(अ) उत्प्रेषण (Certiarari)
(ब) परमादेश (Mandamus)
(स) अधिकार पृच्छा (Quo-warranto)
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत भारतीय नागरिकों को संवैधानिक उपचारों के अधिकार प्रदान किये गये हैं। संवैधानिक उपचारों का अधिकार वह साधन है, जिसके द्वारा मौलिक अधिकारों का हनन होने पर इसकी रक्षा उच्चतम न्यायालय व उच्च न्यायालय द्वारा की जा सकती है। इन अधिकारों का हनन होने पर उच्चतम न्यायालय अनुच्छेद 32 व उच्च न्यायालय अनुच्छेद 226 के अंतर्गत नागरिक की रक्षा करता है। संवैधानिक उपचारों के अधिकार के अन्दर 5 प्रकार की रिट जारी की जा सकती है–बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, निषेधाज्ञा, अधिकार पृच्छा और उत्प्रेषण।

704. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में प्रयुक्त 'समाजवाद' शब्द को निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद/अनुच्छेदों के साथ मिलाकर पढ़ने से सर्वोच्च न्यायालय को समान कार्य के लिए समान वेतन का मौलिक अधिकार परिभाषित करने की शक्ति प्राप्त हुई है ?
(अ) अनुच्छेद 14
(ब) अनुच्छेद 14 व 15
(स) अनुच्छेद 14, 15 व 16
(द) अनुच्छेद 14 व 16
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 14 (विधि के समक्ष समता) के अनुसार राज्य सभी व्यक्तियों के लिए एकसमान कानून बनायेगा तथा उन पर एक समान लागू करेगा। अनुच्देद 15 (धर्म, नस्ल, जाति, लिंग या जन्म–स्थान की समता) के अनुसार राज्य के द्वारा धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग एवं जन्म–स्थान आदि के आधार पर नागरिकों के प्रति जीवन के किसी भी क्षेत्र में भेदभाव नहीं किया जायेगा। अनुच्छेद 17 (अस्पृश्यता का अन्त) के अनुसार अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए इसे दंडनीय अपराध घोषित किया गया है। इन तीनों अनुच्छेदों को साथ मिलाकर पढ़ने से सर्वोच्च न्यायालय को समान कार्य के लिए समान वेतन का मौलिक अधिकार परिभाषित करने की शक्ति प्राप्त हुई है।

705. धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार में संविधान के अंतर्गत सम्मिलित है–
1. धर्म प्रचार करने का अधिकार
2. सिखों को कृपाण धारण एवं रखने का अधिकार
3. राज्यों का समाज सुधारक विधि निर्माण का अधिकार
4. धार्मिक निकायों का लोगों को धर्म परिवर्तन कराने का अधिकार
(अ) 1,2,3 (ब) 2,3,4
(स) 3,4 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 25 के अंतर्गत अंतःकरण और धर्म को अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता अर्थात कोई भी व्यक्ति किसी भी धर्म को मान सकता है और उसका प्रचार–प्रसार कर सकता है।

706. संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक अधिकारों पर राज्य किन आधारों पर प्रतिबंध लगा सकता है ?
1. स्वास्थ्य
2. सदाचार
3. लोक व्यवस्था
(अ) केवल 1 (ब) 2,3
(स) 1,3 (द) 1,2,3
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 25 के अंतर्गत अंतःकरण और धर्म को अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता अर्थात कोई भी व्यक्ति किसी भी धर्म को मान सकता है और उसका प्रचार–प्रसार कर सकता है, लेकिन स्वास्थ्य, सदाचार एवं लोक व्यवस्था के आधार पर राज्य संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक अधिकारों पर प्रतिबंध लगा सकती है।

707. भारतीय संविधान कोई अपराध किये जाने के लिए किसी सामान्य व्यक्ति को जिसे किसी सामान्य विधि के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया हो, निम्नलिखित में से कौनसा अधिकार प्रदान करता है ?
(अ) गिरफ्तारी का कारण शीघ्रता से जानने का अधिकार
(ब) अपनी रूचि के अनुरूप वकील से परामर्श लेने एवं बचाव करने का अधिकार
(स) गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के समक्ष प्रस्तुत किये जाने का अधिकार
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 22 के अनुसार अगर किसी भी व्यक्ति को मनमाने ढंग से हिरासत में ले लिया गया हो, तो उसे तीन प्रकार की स्वतंत्रता प्रदान की गई है–(1) हिरासत में लेने का कारण बताना होगा। (2) आने–जाने के समय को छोड़कर 24 घंटे के अंदर उसे दंडाधिकारी के समक्ष पेश किया जायेगा। (3) उसे अपने पसंद के वकील से सलाह लेने का अधिकार होगा।

708. भारतीय संविधान में मौलिक अधिकार किस देश के संविधान से लिया गया है ?
(अ) फ्रांस (ब) ब्रिटेन
(स) जापान (द) सं.रा. अमेरिका
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान में मौलिक अधिकार संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से लिया गया है।

709. किस अनुच्छेद के अंतर्गत कोई व्यक्ति मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिये उच्च न्यायालय जा सकता है ?
(अ) अनुच्छेद 32 (ब) अनुच्छेद 226
(स) अनुच्छेद 31 (द) अनुच्छेद 35
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–3 (अनुच्छेद 12 से 35 तक) में मौलिक अधिकारों का वर्णन किया गया है। मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए व्यक्ति अनुच्छेद–226 के तहत उच्च न्यायालय तथा अनुच्छेद–32 के तहत उच्चतम न्यायालय में जा सकता है। पीड़ित व्यक्ति सीधे उच्चतम न्यायालय भी जा सकता है। यह आवश्यक नहीं कि

केवल उच्च न्यायालय के विरुद्ध ही उच्चतम न्यायालय में अपील को लेकर जाया जाए।

710. संविधान के किस भाग में मौलिक अधिकारों का वर्णन किया गया है ?
(अ) भाग–1 (ब) भाग–2
(स) भाग–3 (द) भाग–4
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के संविधान में भाग–3 (अनुच्छेद 12 से 35 तक) में मौलिक अधिकारों का वर्णन किया गया है। संविधान के भाग–3 को भारत का अधिकार पत्र (मैग्नाकार्टा) कहा जाता है।

711. संविधान के किन अनुच्छेदों में मौलिक अधिकारों का वर्णन किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 5 से 11 तक में
(ब) अनुच्छेद 12 से 35 तक में
(स) अनुच्छेद 36 से 51 तक में
(द) अनुच्छेद 51क में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–2 में अनुच्छेद 5 से 11 तक में भारतीय नागरिकता का वर्णन हैं। संविधान के भाग–3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक में मौलिक अधिकारों का वर्णन है। संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में नीति निर्देशक सिद्धांतों का वर्णन है। संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क में मूल कर्त्तव्यों का वर्णन है।

712. किस अनुच्छेद के अंतर्गत कोई व्यक्ति मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिये उच्चतम न्यायालय जा सकता है ?
(अ) अनुच्छेद 32 (ब) अनुच्छेद 226
(स) अनुच्छेद 31 (द) अनुच्छेद 35
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–3 (अनुच्छेद 12 से 35 तक) में मौलिक अधिकारों का वर्णन किया गया है। मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए व्यक्ति अनुच्छेद–226 के तहत उच्च न्यायालय तथा अनुच्छेद–32 के तहत उच्चतम न्यायालय में जा सकता है। पीड़ित व्यक्ति सीधे उच्चतम न्यायालय भी जा सकता है। यह आवश्यक नहीं कि केवल उच्च न्यायालय के विरुद्ध ही उच्चतम न्यायालय में अपील को लेकर जाया जाए।

713. राष्ट्रीय आपात के दौरान किस एक मौलिक अधिकार को छोड़कर अन्य मौलिक अधिकारों का स्थगित किया जा सकता है ?
(अ) जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार
(ब) संवैधानिक उपचारों का अधिकार
(स) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार
(द) संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अनुच्छेद 352 के अंतर्गत देश में राष्ट्रीय आपात की स्थिति में जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को अन्य मौलिक अधिकारों को स्थगित किया जा सकता है।

714. मौलिक अधिकारों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
(अ) मौलिक अधिकारों में संशोधन हो सकता है
(ब) ये असीमित नहीं है लेकिन वाद योग्य होते हैं
(स) राज्य मौलिक अधिकारों पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगा सकता है।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–3 (अनुच्छेद 12 से 35 तक) में मौलिक अधिकारों का वर्णन किया गया है। मौलिक अधिकारों में संशोधन हो सकता है। अनुच्छेद 352 के तहत देश में राष्ट्रीय आपात लगाये जाने के बाद भी जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार छोड़कर को अन्य मौलिक अधिकारों का स्थगित किया जा सकता है। ये असीमिति नहीं है लेकिन वाद योग्य होते हैं। राज्य उन पर युक्तियुक्त प्रतिबंध लगा सकता है। प्रतिबंध का कारण उचित है या नहीं, इसका निर्णय अदालत करती है।

715. 24वें संविधान संशोधन, 1971 ई. के द्वारा किस अनुच्छेद में संशोधन किया जाकर यह निर्धारित किया गया कि अनुच्छेद–368 में दी गयी प्रक्रिया द्वारा मूल अधिकारों में संशोधन किया जा सकता है ?
(अ) अनुच्छेद 13 (ब) अनुच्छेद 368
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– 24वें संविधान संशोधन (1971 ई.) द्वारा अनुच्छेद–13 और अनुच्छेद–368 में संशोधन किया जाकर यह निर्धारित किया गया कि अनुच्छेद–368 में दी गयी प्रक्रिया द्वारा मूल अधिकारों में संशोधन किया जा सकता है।

716. किस वाद में यह निर्धारित किया गया कि संविधान के आधारभूत लक्षणों की रक्षा करने का अधिकार न्यायालय को है ?
(अ) गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य, 1967 ई.
(ब) केशवानंद भारती बनाम केरल राज्यवाद
(स) मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ, 1980 ई.
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– मिनर्वा मिल्स बनाम भारत संघ, 1980 ई. के निर्णय के द्वारा यह निर्धारित कियां गया कि संविधान के आधारभूत लक्षणों की रक्षा करने का अधिकार न्यायालय को है और न्यायालय इस आधार पर किसी भी संशोधन का पुनरावलोकन कर

सकता है। इसके द्वारा 42वें संविधान संशोधन द्वारा की गई व्यवस्था को भी समाप्त कर दिया गया।

717. मौलिक अधिकार संविधान के किस भाग में वर्णित है ?
(अ) भाग 2 (ब) भाग 3
(स) भाग 4 (द) भाग 6
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के भाग 4 में मौलिक अधिकारों का वर्णन है।

718. मूल अधिकारों को सर्वप्रथम किस देश में संवैधानिक मान्यता प्रदान की गई ?
(अ) भारत (ब) संयुक्त राज्य अमेरिका
(स) फ्रांस (द) ब्रिटेन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मूल अधिकारों को सर्वप्रथम संयुक्त राज्य अमेरिका में संवैधानिक मान्यता प्रदान की गई।

719. भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों का वर्णन है–
(अ) संविधान के अनुच्छेद 12 से 35 तक
(ब) संविधान के अनुच्छेद 13 से 36 तक
(स) संविधान के अनुच्छेद 15 से 39 तक
(द) संविधान के अनुच्छेद 16 से 40 तक
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के भाग 3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक में भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों का वर्णन है।

720. डॉ. भीमराव अम्बेडर ने भारतीय संविधान के किस भाग को सर्वाधिक आलोकित भाग कहा है ?
(अ) भाग 1 (ब) भाग 2
(स) भाग 3 (द) भाग 4
उत्तर : (स)
व्याख्या–डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भारतीय संविधान के भाग 3 को सर्वाधिक आलोकित भाग कहा है।

721. भारतीय संविधान के भाग 3 में कितने अनुच्छेदों में मूल अधिकारों का वर्णन है ?
(अ) 21 (ब) 22
(स) 23 (द) 24
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के भाग 3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक कुल 24 अनुच्छेदों में भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों का वर्णन है।

722. मौलिक अधिकारों का निलम्बन कौन कर सकता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) संसद
(स) राष्ट्रपति (द) सर्वोच्च न्यायालय
उत्तर : (स)
व्याख्या– मौलिक अधिकारों का निलम्बन करने का अधिकार राष्ट्रपति को है।

10.राज्य के नीति निर्देशक तत्व

723. भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक तत्व ग्रहण किये गये हैं–
(अ) ब्रिटेन से
(ब) आयरलैंड से
(स) पूर्व सोवियत संघ से
(द) फ्रांस से
उत्तर : (ब) SSC 2011
व्याख्या– भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक तत्व आयरलैंड के संविधान से लिये गये हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निर्देशक तत्व शामिल किये गये हैं। नीति निर्देशक तत्व कार्यपालिका और विधायिका के वे तत्व हैं, जिनके अनुसार इन्हें अपने अधिकारों का प्रयोग करना होता है।

724. राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख भारत संविधान के किस भाग में है ?
(अ) भाग I (ब) भाग III
(स) भाग IV (द) भाग VI
उत्तर : (स)
व्याख्या– नीति निर्देशक तत्व भारतीय संविधान के भाग–4 में वर्णित है। इन्हें आयरलैंड के संविधान से लिया गया है। राज्य के नीति निर्देशक तत्व जनतांत्रिक संवैधानिक विकास के नवीनतम तत्व हैं। ये वे तत्व हैं जो संविधान के विकास के साथ ही विकसित हुए हैं। इन तत्वों का कार्य एक जनकल्याणकारी राज्य की स्थापना करना है।

725. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख है ?
(अ) अनुच्छेद 33 से 46
(ब) अनुच्छेद 34 से 48
(स) अनुच्छेद 36 से 51
(द) अनुच्छेद 34 से 52
उत्तर : (स) CDS 2004
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निर्देशक तत्व शामिल किए गये हैं। भारतीय संविधान के भाग–4 में नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख है। नीति निर्देशक तत्व कार्यपालिका और विधायिका के वे तत्व हैं, जिनके अनुसार इन्हें अपने अधिकारों का प्रयोग करना होता है।

726. संविधान का वह कौनसा भाग है जो संविधान के निर्माताओं के मस्तिष्क और उद्देश्यों को प्रतिबिंबित करता है ?
(अ) मूल अधिकार
(ब) संविधान की प्रस्तावना
(स) राज्य के नीति निर्देशक तत्व
(द) भारतीय नागरिकता
उत्तर : (स)

व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक तत्व संविधान निर्माताओं के मस्तिष्क और उद्देश्यों को प्रतिबिंबित करता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निर्देशक तत्व शामिल किए गये हैं। भारतीय संविधान के भाग–3 तथा भाग–4 मिलकर संविधान की आत्मा तथा चेतना कहलाते हैं। इन तत्वों में संविधान तथा सामाजिक न्याय के दर्शन का वास्तविक तत्व निहित है। निर्देशक तत्व कार्यपालिका और विधायिका के वे तत्व हैं, जिनके अनुसार इन्हें अपने अधिकारों का प्रयोग करना होता है।

727. राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में निम्नलिखित में से किन–किन प्रकार के सिद्धांत अंतर्निहित है ?
(अ) आर्थिक सिद्धांत (ब) सामाजिक सिद्धांत
(स) प्रशासनिक सिद्धांत (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उद्देश्य नीति निर्माताओं के सामने कुछ सामाजिक व आर्थिक लक्ष्यों को प्रस्तुत करना था ताकि वृहत्तर सामाजिक, आर्थिक समानता की दिशा में देश में सामाजिक बदलाव लाये जा सके।

728. भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों को शामिल करने पीछे मुख्य उद्देश्य क्या था ?
(अ) कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना
(ब) धर्मनिरपेक्ष राज्य की स्थापना करना
(स) सरकार के निरंकुश कार्यों पर नियंत्रण रखना
(द) नागरिकों के विकास के लिए सर्वोत्तम अवसर प्रदान करना
उत्तर : (अ) RRB 2003
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। राज्य के नीति निर्देशक तत्व शासन व्यवस्था के मूलभूत अधिकार हैं। ये देश के प्रशासकों के लिए आचार संहिता की तरह कार्य करता है। राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों को संविधान में शामिल करने का मूल उद्देश्य लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना है।

729. नीति निर्देशक सिद्धांत है–
(अ) वाद योग्य (ब) वाद योग्य नहीं
(स) मौलिक अधिकार (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के उद्देश्य हैं–लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना। नीति निर्देशक सिद्धांत वाद योग्य नहीं है, अर्थात् इसकी अवहेलना होने पर इससे संबंधित वाद को न्यायालय में नहीं ले जाया जा सकता।

730. संविधान में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल करने के पीछे क्या उद्देश्य था ?
(अ) राजनीतिक लोकतंत्र की स्थापना
(ब) सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना
(स) सामाजिक–आर्थिक लोकतंत्र की स्थापना
(द) गांधीवादी आदर्शों के अनुरूप लोकतंत्र की स्थापना
उत्तर : (स) RRB 2004, IAS 2002
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के उद्देश्य हैं–लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना। ये संविधान में उल्लेखित सामाजिक व राजनीतिक लोकतंत्र स्थापित करने का उद्देश्य रखते हैं एवं इसी की पूर्ति के लिए राज्य का मार्गदर्शन करते हैं। ये समाजवाद, गाँधीवाद, व्यक्तित्ववाद का सृजन करते हैं।

731. किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को मौलिक अधिकारों की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली बनाया ?
(अ) 42वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1976
(ब) 43वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1977
(स) 44वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1978
(द) 45वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1950
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को मौलिक अधिकारों की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली बनाया। कुछ महत्वपूर्ण संशोधन समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता और राष्ट्र की अखंडता के उच्चादर्शों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने, नीति निर्देशक सिद्धांतों को अधिक व्यापक बनाने और उन्हें उन मूल अधिकारों, जिनकी आड़ लेकर सामाजिक–आर्थिक सुधारों को निष्फल बनाया जाता रहा है, पर वरीयता देने के उद्देश्य से किए गए।

732. संविधान में कल्याणकारी राज्य का आदेश दिया जाता है–
(अ) 42वें संशोधन में
(ब) प्रस्तावना में
(स) नीति निर्देशक तत्वों में
(द) मूल अधिकारों में
उत्तर : (स) IAS 1992
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। राज्य के नीति निर्देशक

तत्वों के उद्देश्य हैं–लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना। ये संविधान में उल्लेखित सामाजिक व राजनीतिक लोकतंत्र स्थापित करने का उद्देश्य रखते हैं एवं इसी की पूर्ति के लिए राज्य का मार्गदर्शन करते हैं। ये समाजवाद, गाँधीवाद, व्यक्तित्ववाद का सृजन करते हैं।

733. निम्न में से किसने नीति निर्देशक सिद्धांतों को बैंक की सुविधानुसार देय उत्तर दिनांकित चेक कहा–
(अ) एच. कुंजरू (ब) ए.के. अय्यर
(स) एच.वी. कामथ (द) के.टी. शाह
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का वास्तविकता में इस्तेमाल कैसे किया जाएगा, इस संदर्भ में संविधान का प्रारूप तैयार होते समय प्रोफेसर कैं.टी. शाह ने आशंका जतायी थी। उन्होंने नीति निर्देशक सिद्धांतों को बैंक की सुविधानुसार पोस्ट–डेटेड चेक कहा।

734. भारतीय संविधान का कौनसा अंग समाजवादी व्यवस्था स्थापित करने की प्रेरणा देता है ?
(अ) मूल अधिकार (ब) मूल कर्तव्य
(स) नीति निर्देशक तत्व (द) नागरिकता
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के उद्देश्य हैं–लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना। ये संविधान में उल्लेखित सामाजिक व राजनीतिक लोकतंत्र स्थापित करने का उद्देश्य रखते हैं एवं इसी की पूर्ति के लिए राज्य का मार्गदर्शन करते हैं। ये समाजवाद, गाँधीवाद, व्यक्तित्ववाद का सृजन करते हैं।

735. नीति निर्देशक सिद्धांत है–
(अ) वाद योग्य (ब) वाद योग्य नहीं
(स) मौलिक अधिकार (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में उपबंधित अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों की प्रकृति निर्देशात्मक है। लेकिन अनुच्छेद 37 के अंतर्गत न्यायालय द्वारा प्रवर्तनीय नहीं है।

736. मौलिक अधिकार एवं राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के विषय में कौनसा कथन सही है ?
(अ) वे एक–दूसरे के पूरक है
(ब) वे परस्पर विरोधी है
(स) दोनों में कोई अंतर नहीं है
(द) दोनों वाद योग्य है
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मौलिक अधिकार एवं राज्य के नीति निर्देशक तत्व एक–दूसरे के पूरक हैं।

737. एक कल्याणकारी राज्य के निर्देश आदर्श वर्णित है–
(अ) राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में
(ब) मौलिक अधिकारों के अध्याय में
(स) संविधान की सातवीं अनुसूची में
(द) संविधान की प्रस्तावना में
उत्तर : (अ) BPSC 1994
व्याख्या– लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का मूल उद्देश्य है। यह संविधान में उल्लेखित सामाजिक व राजनीतिक लोकतंत्र स्थापित करने का उद्देश्य रखते हैं एवं इसी की पूर्ति के लिए राज्य का मार्गदर्शन करते हैं। यह समाजवाद, गाँधीवाद, व्यक्तित्ववाद का सृजन करते हैं। ये सभी राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में वर्णित है।

738. भारत के संविधान में अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रोत्साहन देना सन्निहित है–
(अ) संविधान की प्रस्तावना में
(ब) राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में
(स) मौलिक कर्तव्य में
(द) नवीं अनुसूची में
उत्तर : (ब) SSC 2003
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। अनुच्छेद 51 में अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रोत्साहन देना सन्निहित है।

739. समान कार्य के लिए समान वेतन भारत के संविधान में सुनिश्चित किया गया, एक–
(अ) मौलिक अधिकार है
(ब) मौलिक कर्तव्य है
(स) आर्थिक अधिकार है
(द) राज्य के नीति निर्देश सिद्धांत का अंग है
उत्तर : (द)
व्याख्या– समान कार्य के लिए समान वेतन भारत के संविधान में सुनिश्चित किया गया है। यह एक राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत का अंग है।

740. भारतीय संविधान के निम्नलिखित भागों में से किस एक में न्यायपालिका तथा कार्यपालिका के पार्थक्य का प्रावधान है ?
(अ) प्रस्तावना
(ब) मूल अधिकार
(स) राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत
(द) सातवीं तालिका
उत्तर : (स) SSC 2000
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। भारतीय संविधान के

अनुच्छेद 50 में कार्यपालिका से न्यायपालिका का पृथक्करण का उपबंध निहित है।

741. मूल अधिकार और राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में क्या अंतर है ?
(अ) राज्य के नीति निर्देशक तत्व बंधनकारी है जबकि मूल अधिकार नहीं
(ब) राज्य के नीति निर्देशक तत्व वाद योग्य है जबकि मूल अधिकार नहीं
(स) मूल अधिकार वाद योग्य है जबकि राज्य के नीति निर्देशक तत्व नहीं
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– वे अधिकार जो लोगों के जीवन के लिये अति आवश्यक या मौलिक समझे जाते हैं, उन्हें मूल अधिकार कहे जाते हैं। राज्य के नीति निर्देशक तत्व जनतांत्रिक संवैधानिक विकास के नवीनतम तत्व हैं। ये वे तत्व हैं जो संविधान के विकास के साथ ही विकसित हुए हैं। इन तत्वों का कार्य एक जनकल्याणकारी राज्य की स्थापना करना है।

742. नीति निर्देशक तत्व का महत्व किसके लिए है ?
(अ) नागरिक (ब) राज्य
(स) समाज (द) संघ
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में राज्य लोक कल्याण की संकल्पना सम्मिलित की गई है। भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। नीति निर्देशक तत्वों का मुख्य उद्देश्य लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना है।

743. भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत को किस मुख्य कारण से सम्मिलित किया गया है ?
(अ) कल्याणकारी राज्य की स्थापना के लिए
(ब) धर्मनिरपेक्ष राज्य की स्थापना के लिए
(स) सरकार के स्वेच्छाचारी आचरण को रोकने के लिए
(द) सरकार के विकास में आवश्यक अवसर प्रदान के लिए
उत्तर : (अ) SSC 2000
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। नीति निर्देशक तत्वों का मुख्य उद्देश्य लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना है। यह संविधान में वर्णित सामाजिक व राजनीतिक लोकतंत्र स्थापित करने का उद्देश्य रखते हैं एवं इसी की पूर्ति के लिए राज्य का मार्गदर्शन करते हैं। यह समाजवाद, गाँधीवाद, व्यक्तित्ववाद का सृजन करते हैं। ये सभी राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में वर्णित है।

744. मूलभूत संविधान में कौनसे भाग में राज्य लोक कल्याण की संकल्पना सम्मिलित की गई है ?
(अ) संविधान की प्रस्तावना में
(ब) संविधान की दूसरी अनुसूची में
(स) संविधान की तीसरी अनुसूची में
(द) राज्य के नीति निर्देशक तत्व में
उत्तर : (द) RRB 2004
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में राज्य लोक कल्याण की संकल्पना सम्मिलित की गई है। भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। नीति निर्देशक तत्वों का मुख्य उद्देश्य लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना है। यह संविधान में वर्णित सामाजिक व राजनीतिक लोकतंत्र स्थापित करने का उद्देश्य रखते हैं एवं इसी की पूर्ति के लिए राज्य का मार्गदर्शन करते हैं। यह समाजवाद, गाँधीवाद, व्यक्तित्ववाद का सृजन करते हैं। ये सभी राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में वर्णित है।

745. संविधान का कौनसा अंश भारत के नागरिकों को आर्थिक न्याय प्रदान करने का संकेत करता है–
(अ) राज्य के नीति निर्देशक तत्व
(ब) मौलिक अधिकार
(स) प्रस्तावना
(द) उपुर्यक्त सभी
उत्तर : (अ) SSC 2010
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में राज्य लोक कल्याण की संकल्पना सम्मिलित की गई है। भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। नीति निर्देशक तत्वों का मुख्य उद्देश्य लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना है। अनुच्छेद 41 में कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार वर्णित है। अनुच्छेद 43 में कर्मकारों के लिए निर्वाह मजदूरी आदि का वर्णन है। अनुच्छेद 43क में उद्योगों के प्रबंध में कर्मकारों का भाग लेना वर्णित है। इसी प्रकार अनुच्छेद 46 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ संबंधी हितों की अभिवृद्धि के बारे में उल्लेख है।

746. भारत के किस राज्य में समान नागरिक संहिता लागू है ?
(अ) मेघालय (ब) केरल
(स) हरियाणा (द) गोवा
उत्तर : (द) SSC 2002

व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में राज्य लोक कल्याण की संकल्पना सम्मिलित की गई है। भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। अनुच्छेद 44 में भारत के नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता का उल्लेख है। समान नागरिकता कानून भारत के संबंध में है, जहाँ भारत का संविधान राज्य के नीति निर्देशक तत्व में सभी नागरिकों को समान नागरिकता कानून सुनिश्चित करने के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करता है। हालाँकि इस तरह का कानून अभी तक पूरी तरह से लागू नहीं किया जा सका है। गोवा, उत्तराखंड एवं हिमाचल प्रदेश ऐसे राज्य हैं, जहाँ यह लागू है।

747. राज्य के नीति निर्देशक तत्व नहीं है–
(अ) वैज्ञानिक मनोभाव के विकास का
(ब) पोषाहार के स्तर को ऊपर उठाना
(स) कमजोर श्रेणियों के आर्थिक हित को बढ़ाना
(द) कार्यपालिका से न्यायपालिका को अलग रखना
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में राज्य लोक कल्याण की संकल्पना सम्मिलित की गई है। भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। नीति निर्देशक तत्वों का मुख्य उद्देश्य लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना है। अनुच्छेद 47 में पोषाहार स्तर और जीवन स्तर को ऊँचा करने तथा लोक स्वास्थ्य को सुधार करने का राज्य का कर्तव्य वर्णित है। अनुच्छेद 46 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ संबंधी हितों की अभिवृद्धि का उपबंध है। इसी प्रकार अनुच्छेद 50 में कार्यपालिका से न्यायपालिका का पृथक्करण का उपबंध है।

748. राज्य के नीति निर्देशक तत्व में क्या शामिल है जो मूल अधिकार में नहीं है ?
(अ) अस्पृश्यता का उन्मूलन
(ब) आने–जाने की स्वतंत्रता
(स) धर्म की स्वतंत्रता
(द) कुटीर उद्योग को प्रोत्साहन
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में राज्य लोक कल्याण की संकल्पना सम्मिलित की गई है। भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। नीति निर्देशक तत्वों का मुख्य उद्देश्य लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना है। अनुच्छेद 41 के तहत कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार वर्णित है। अनुच्छेद 43 में कार्मचाकरों के लिए निर्वाह मजदूरी आदि के उपबंध है। अनुच्छेद 43क में उद्योगों के प्रबंध में कार्मकारों का भाग लेने से सबंधित उपबंध है। अनुच्छेद 48 में कृषि और पशुपालन का संगठन वर्णित है।

749. निम्नांकित में से राज्य नीति निर्देशक सिद्धांत नहीं है–
(अ) अंतर्राष्ट्रीय शान्ति को प्रोत्साहन
(ब) 14 वर्ष तक के बच्चों को निःशुल्क अनिवार्य शिक्षा प्रदान करना
(स) गौवध निषेध
(द) निजी सम्पत्ति की समाप्ति
उत्तर : (द) RRB 2005
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। नीति निर्देशक तत्वों का मुख्य उद्देश्य लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना है। अनुच्छेद 51 का संबंध अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि से है। अनुच्छेद 45 में 14 वर्ष तक के बालकों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का उपबंध है। अनुच्छेद 48क में पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन और वन तथा वन्य जीवों की रक्षा का उपबंध है।

750. किस नीति निर्देशक सिद्धांत को प्रायः समाजवादी माना जाता है ?
(अ) ग्राम पंचायतों की स्थापना
(ब) गौवध पर प्रतिबंध
(स) अंतराष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा को प्रोत्साहन
(द) आय की असमानताओं को कम से कम करना
उत्तर : (अ) RRB 2000
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में राज्य लोक कल्याण की संकल्पना सम्मिलित की गई है। भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। अनुच्छेद 40 ग्राम पंचायतों के गठन से संबंधित है। इस नीति निर्देशक सिद्धांत को प्रायः समाजवादी माना जाता है।

751. निम्नलिखित निर्देशक सिद्धांतों में से वह सिद्धांत कौनसा है जिसे गांधीवादी सिद्धांत कहा जाता है ?
(अ) श्रमिकों और बच्चों का संरक्षण
(ब) स्वशासन के प्रभावी एकलों के रूप में ग्राम पंचायत का संगठन
(स) पुरुषों एवं महिलाओं के लिए सामान्य कार्य
(द) कार्यपालिका से न्यायपालिका को पृथक करना
उत्तर : (ब) SSC 2011
व्याख्या–राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में राज्य लोक कल्याण की संकल्पना सम्मिलित की गई है। भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51

तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। अनुच्छेद 40 ग्राम पंचायतों के गठन से संबंधित है। इस नीति निर्देशक सिद्धांत को गाँधीवादी सिद्धांत कहा जाता है।

752. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत किस प्रकार मौलिक अधिकारों से भिन्न है ?
(अ) पूर्वोक्त केंद्र सरकार के लिए है एवं उपरोक्त राज्यों के लिए
(ब) पूर्वोक्त संविधान का अंश नहीं है जबकि उपरोक्त है
(स) राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत प्रवर्तनीय नहीं है जबकि मूल अधिकार प्रवर्तनीय है।
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत प्रवर्तनीय नहीं है, जबकि मूल अधिकार प्रवर्तनीय है। राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में राज्य लोक कल्याण की संकल्पना सम्मिलित की गई है। भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। भारतीय संविधान के भाग–3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक मूल अधिकारों का वर्णन किया गया है। मूल भारतीय संविधान में कुल सात मौलिक अधिकार थे, किन्तु 44वें संविधान संशाधन अधिनियम, 1978 के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को मूल अधिकारों से हटा देने से वर्तमान में छह मौलिक अधिकार है। अतः वर्तमान में मूल अधिकारों की संख्या 6 है। मौलिक अधिकारों का हनन होने पर इसकी रक्षा उच्चतम न्यायालय अनुच्छेद–32 व उच्च न्यायालय अनुच्छेद–226 के अंतर्गत करता है।

753. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों के अनुसार किस आयु तक के बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा देने की आशा की जाती है ?
(अ) 14 वर्ष (ब) 15 वर्ष
(स) 16 वर्ष (द) 18 वर्ष
उत्तर : (अ) SSC 2002
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में राज्य लोक कल्याण की संकल्पना सम्मिलित की गई है। भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। अनुच्छेद 45 में 14 वर्ष तक के बालकों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का उपबंध है।

754. भारतीय संविधान के कौनसे संशोधन अधिनियम द्वारा टकराव की दशा में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को मूल अधिकारों पर वरीयता प्रदान की गई है ?
(अ) 26वां (ब) 42वां
(स) 43वां (द) 52वां
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। भारतीय संविधान के भाग–3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक मूल अधिकारों का वर्णन किया गया है। 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के तहत राज्य यह सुनिश्चित करेगा कि विधिक तंत्र इस प्रकार काम करें कि समान अवसर के आधार पर न्याय सुलभ हो और यह सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक या किसी अन्य कारण से कोई नागरिक न्याय प्राप्त करने के अवसर से वंचित न रह जाए। इसके लिए उपयुक्त विधान द्वारा या किसी अन्य रीति से निःशुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था करेगा।

755. भारतीय संविधान के अंतर्गत कल्याणकारी राज्य की अवधारणा निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 36 (ब) अनुच्छेद 38
(स) अनुच्छेद 49 (द) अनुच्छेद 51
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान में अनुच्छेद 38 में दिया गया है कि राज्य लोक कल्याण अभिवृद्धि के लिए सामाजिक व्यवस्था बनाएगा। राज्य ऐसी सामाजिक व्यवस्था करेगा, जिसमें सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, राष्ट्रीय जीवन की सभी संस्थाओं को अनुप्राणित करें, भरसक प्रभावी रूप से स्थापना और संरक्षण करके लोक कल्याण की अभिवृद्धि का प्रयास करे। अनुच्छेद 36 में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों की परिभाषा दी हुई है। अनुच्छेद 49 में राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों, स्थानों और वस्तुओं को संरक्षण देने से संबंधित उपबंध है। अनुच्छेद 51 में अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि का उपबंध है।

756. समान न्याय और निःशुल्क विधि सहायता का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में है ?
(अ) अनुच्छेद 39 (ब) अनुच्छेद 39क
(स) अनुच्छेद 40 (द) अनुच्छेद 44
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या– अनुच्छेद 39क में समान न्याय और निःशुल्क विधिक सहायता से संबंधित उपबंध है। अनुच्छेद 39क के अंतर्गत कहा गया है कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करे कि ऐसी न्याय प्रणाली का कार्यान्वयन हो सके, जिससे सबको समान रूप से न्याय मिल सके तथा उचित कानून व योजनाओं द्वारा या अन्य किसी भी तरीके से निःशुल्क कानूनी सेवाएँ उपलब्ध कराने का विशेष प्रयोजन करें, जिससे सभी नागरिकों को न्याय प्राप्त कराने का अवसर मिल सके। अनुच्छेद 39 में राज्य द्वारा अनुसरणीय कुछ नीति तत्वों का उल्लेख है। अनुच्छेद 40 ग्राम पंचायतों के संगठन से संबंधित

है। अनुच्छेद 44 में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता वर्णित है।

757. भारतीय नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता प्राप्त करने की बात कही गई है–
(अ) अनुच्छेद 40 (ब) अनुच्छेद 44
(स) अनुच्छेद 45 (द) अनुच्छेद 48क
उत्तर : (ब)
व्याख्या– अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता (UCC) शामिल है। इस अनुच्छेद में उल्लेख किया गया है कि नागरिकों के लिए देश के पूरे क्षेत्र में एक समान अधिकार हो तथा समान नागरिक संहिता की रक्षा करना राज्य का प्रमुख कर्तव्य है। समान नागरिकता कानून भारत के संबंध में है, जहाँ भारत का संविधान राज्य के नीति निर्देशक तत्व में सभी नागरिकों को समान नागरिकता कानून सुनिश्चित करने के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करता है। हालाँकि इस तरह का कानून अभी तक पूरी तरह से लागू नहीं किया जा सका है। गोवा, उत्तराखंड एवं हिमाचल प्रदेश ऐसे राज्य हैं, जहाँ यह लागू है। अनुच्छेद 40 में ग्राम पंचायतों के संगठन से संबंधित उपबंध है। अनुच्छेद 45 में 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का उपबंध है। अनुच्छेद 48क पर्यावरण का संरक्षण और संवर्धन और वन तथा वन्य जीवों की रक्षा से संबंधित है।

758. भारतीय संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से कौनसा अनुच्छेद राज्य सरकारों को ग्राम पंचायतों को संगठित करने का निर्देश देता है ?
(अ) अनुच्छेद 32 (ब) अनुच्छेद 40
(स) अनुच्छेद 48 (द) अनुच्छेद 51
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 40 ग्राम पंचायतों के संगठन से सबंधित है। इस अनुच्छेद के तहत राज्य ग्राम पंचायतों का संगठन करने के लिए कदम उठाएगा और उनको ऐसी शक्तियाँ और प्राधिकार प्रदान करेगा जो उन्हें स्वायत्त शासन की इकाईयों के रूप में कार्य करने योग्य बनाने के लिए आवश्यक हों। अनुच्छेद 32 में संवैधानिक उपचारों के अधिकार का उपबंध है। अनुच्छेद 48 कृषि और पशुपालन के संगठन से सबंधित है। अनुच्छेद 51 का संबंध अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि से है।

759. संविधान के किस अनुच्छेद में न्यायपालिका का कार्यपालिका से पृथक्करण का उल्लेख किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 45 (ब) अनुच्छेद 46
(स) अनुच्छेद 48 (द) अनुच्छेद 50
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 50 में कार्यपालिका से न्यायपालिका का पृथक्करण का उपबंध निहित है। राज्य की लोक सेवाओं में, न्यायपालिका को कार्यपालिका से पृथक् करने के लिए राज्य कदम उठाएगा। अनुच्छेद 45 में 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का उपबंध है। अनुच्छेद 46 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ संबंधी हितों की अभिवृद्धि से संबंधित उपबंध है। अनुच्छेद 48 में कृषि और पशुपालन के संगठन से संबंधित उपबंध है।

760. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में से किस अनुच्छेद का संबंध अंतर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा के संवर्द्धन से है ?
(अ) अनुच्छेद 48 (ब) अनुच्छेद 51
(स) अनुच्छेद 52 (द) अनुच्छेद 54
उत्तर : (ब) IAS 2002
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। अनुच्छेद 51 का संबंध अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के संवर्द्धन से है।

761. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा निम्न दुर्बल वर्गों को शिक्षा संबंधी सुरक्षा प्रदान की गई है?
(अ) अनुच्छेद 45 (ब) अनुच्छेद 46
(स) अनुच्छेद 47 (द) अनुच्छेद 48
उत्तर : (ब)
व्याख्या–अनुच्छेद 46 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ संबंधी हितों की अभिवृद्धि से संबंधित उपबंध है। अनुच्छेद 45 में 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा का उपबंध है। अनुच्छेद 48 में कृषि और पशुपालन के संगठन से संबंधित उपबंध है। अनुच्छेद 47 के अंतर्गत पोषाहार स्तर और जीवन स्तर को ऊँचा करने तथा लोक स्वास्थ्य को सुधार करने का राज्य का कर्तव्य होगा।

762. काम करने के अधिकार को राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद के अंतर्गत रखा गया है ?
(अ) अनुच्छेद 18 (ब) अनुच्छेद 21
(स) अनुच्छेद 41 (द) अनुच्छेद 46
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। भारतीय संविधान के भाग–3 में अनुच्छेद 12 से 35 तक मूल अधिकारों का वर्णन किया गया है। अनुच्छेद 41 के तहत कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार के संबंध में उपबंध है। अनुच्छेद 46 में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ संबंधी हितों की

अभिवृद्धि से संबंधित उपबंध है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 18 के प्रावधानों के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा भारत रत्न, पद्म विभूषण आदि अलंकरण प्रदान किये जाते हैं। इस अनुच्छेद के तहत भारत का कोई भी नागरिक किसी अन्य देश से बिना राष्ट्रपति की आज्ञा के कोई उपाधि स्वीकार नहीं कर सकता है। संविधान के अनुच्छेद 21 के अनुसार किसी भी व्यक्ति को उसके प्राण या दैहिक स्वतंत्रता से विधि द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही वंचित किया जाएगा अन्यथा नहीं।

763. निम्नलिखित में से कौनसा एक राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उद्देश्य नहीं है ?
(अ) एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना
(ब) सामाजिक व आर्थिक कल्याण सुनिश्चित करना
(स) अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा की अभिवृद्धि करना
(द) एक धार्मिक राज्य की स्थापना करना
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के उद्देश्य हैं–लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना। ये संविधान में उल्लेखित सामाजिक व राजनीतिक लोकतंत्र स्थापित करने का उद्देश्य रखते हैं एवं इसी की पूर्ति के लिए राज्य का मार्गदर्शन करते हैं। ये समाजवाद, गाँधीवाद, व्यक्तित्ववाद का सृजन करते हैं।

764. काम करने के अधिकार को राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद के अंतर्गत रखा गया है ?
(अ) अनुच्छेद 18 (ब) अनुच्छेद 21
(स) अनुच्छेद 41 (द) अनुच्छेद 46
उत्तर : (स)
व्याख्या– अनुच्छेद 41 के तहत कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार के संबंध में उपबंध है।

765. निम्नलिखित में से कौनसा एक संविधान के 42वें संशोधन द्वारा नीति निर्देशक तत्वों में नहीं जोड़ा गया ?
(अ) शोषण से युवाओं तथा बच्चों की सुरक्षा
(ब) समान न्याय तथा निःशुल्क कानूनी सलाह
(स) सभी नागरिकों के लिए समान आचार संहिता
(द) उद्योगों के प्रबन्धन में श्रमिकों की भागीदारी
उत्तर : (स)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के तहत राज्य यह सुनिश्चित करेगा कि विधिक तंत्र इस प्रकार काम करें कि समान अवसर के आधार पर न्याय सुलभ हो और यह सुनिश्चित करने के लिए आर्थिक या किसी अन्य कारण से कोई नागरिक न्याय प्राप्त करने के अवसर से वंचित न रह जाए। राज्य उपयुक्त विधान द्वारा या किसी अन्य रीति से निःशुल्क विधिक सहायता की व्यवस्था करेगा।

766. निम्न में से कौन राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों में सम्मिलित नहीं है ?
(अ) मद्य निषेध
(ब) काम का अधिकार
(स) समान कार्य हेतु समान वेतन
(द) सूचना का अधिकार
उत्तर : (द)
व्याख्या– सूचना का अधिकार को संविधान की धारा 19(i) के तहत मूलभूत अधिकार का दर्जा दिया गया है। धारा 19(i) के तहत प्रत्येक नागरिका को बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी गई है और उसे यह जानने का अधिकार है कि सरकार कैसे कार्य करती है।

767. निम्नलिखित में से कौनसा एक भारत के संविधान में यथाप्रतिष्ठापित राज्य की नीति के निर्देशक तत्व का भाग नहीं है ?
(अ) समान न्याय और निःशुल्क विधिक सहायता
(ब) राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों और स्थानों तथा वस्तुओं का संरक्षण
(स) स्वीय विधि (पर्सनल लॉ) का संरक्षण
(द) न्यायपालिका को कार्यपालिका से अलग रखना
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्देद 36 से 51 तक राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का वर्णन किया गया है। अनुच्छेद 39क में वर्णित है कि सभी को समान न्याय एवं कमजोर वर्गों को निःशुल्क विधि सहायता की व्यवस्था राज्य करेगा। अनुच्छेद 49 में राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों एवं स्थलों के संरक्षण की बात की गई है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 50 के तहत कार्यपालिका का न्यायपालिका से पृथक्करण एक नीति निर्देशक तत्व है।

768. समान नागरिक संहिता का सम्बन्ध किस अनुच्छेद से है ?
(अ) अनुच्छेद 40 (ब) अनुच्छेद 44
(स) अनुच्छेद 41 (द) अनुच्छेद 48
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद 44 में नागरिकों के एक समान नागरिक संहिता का उपबंध है।

769. नीति निर्देशक तत्वों का क्रियान्वयन निम्नलिखित में से किस पर निर्भर करता है ?
(अ) स्वतंत्र न्यायपालिका पर
(ब) राष्ट्रपति की इच्छा पर
(स) सशक्त विपक्ष पर
(द) सरकार के पास उपलब्ध संसाधनों पर
उत्तर : (द)

व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के उद्देश्य हैं–लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना। सरकार के पास उपलब्ध संसाधनों पर नीति निर्देशक तत्वों का क्रियान्वयन निर्भर है।

770. निम्नलिखित में से कौनसा एक राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उद्देश्य नहीं है ?
(अ) एक कल्याणकारी राज्य की स्थापना करना
(ब) सामाजिक व आर्थिक कल्याण सुनिश्चित करना
(स) अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा की अभिवृद्धि करना
(द) एक धार्मिक राज्य की स्थापना करना
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है। राज्य के नीति निर्देशक तत्वों के उद्देश्य हैं–लोक कल्याणकारी राज्य का निर्माण तथा आर्थिक व सामाजिक लोकतंत्र की स्थापना करना। ये संविधान में वर्णित सामाजिक व राजनीतिक लोकतंत्र स्थापित करने का उद्देश्य रखते हैं एवं इसी की पूर्ति के लिए राज्य का मार्गदर्शन करते हैं। ये समाजवाद, गाँधीवाद, व्यक्तित्ववाद का सृजन करते हैं।

771. राज्य के नीति निर्देशक सिद्धान्त का वर्णन संविधान के किस भाग में किया गया है ?
(अ) भाग–1 (ब) भाग–2
(स) भाग–4 (द) भाग–4क
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत का वर्णन संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में किया गया है। इसकी प्रेरणा आयरलैंड के संविधान से मिली है। इसे न्यायालय द्वारा लागू नहीं किया जा सकता है अर्थात् इसे वैधानिक शक्ति प्राप्त नहीं है किन्तु फिर भी इस इस भाग में अधिकथित तत्व देश के शासन में मूलभूत है और विधि बनाने में इन तत्वों को लागू करना राज्य का कर्तव्य होगा, अर्थात् भारतीय संविधान के अनुसार राज्य का नीति निर्देशक तत्व शासन के लिए आधारभूत है। भारत सरकार अधिनियम, 1935 ई. में अन्तर्विष्ट 'अनुदेश–प्रपत्र' को वर्ष 1950 में संविधान में राज्य के नीति निर्देशक तत्व के रूप में समाविष्ट किया गया है।

772. संविधान के किस अनुच्छेद में प्रावधान किया गया है कि पुरुष और स्त्री सभी नागरिकों को जीविका के पर्याप्त साधन प्राप्त करने का अधिकार हो ?
(अ) अनुच्छेद 38 (ब) अनुच्छेद 39(a)
(स) अनुच्छेद 39(b) (द) अनुच्छेद 39(c)
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 39(a) में प्रावधान किया गया है कि पुरुष और स्त्री सभी नागरिकों को जीविका के पर्याप्त साधन प्राप्त करने का अधिकार हो।

773. ''राज्य लोक कल्याण की अभिवृद्धि के लिए सामाजिक व्यवस्था बनायेगा, जिससे नागरिक को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीति न्याय मिलेगा।'' यह प्रावधान किस अनुच्छेद में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 38 (ब) अनुच्छेद 39
(स) अनुच्छेद 40 (द) अनुच्छेद 41
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के संविधान के अनुच्छेद–38 के अंतर्गत प्रावधान किया गया है कि राज्य लोक कल्याण की अभिवृद्धि के लिए सामाजिक व्यवस्था बनायेगा, जिससे नागरिक को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीति न्याय मिलेगा।

774. भारत के संविधान में कल्याणकारी राज्य की संकल्पना का समावेश किया गया है–
(अ) राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में
(ब) मौलिक अधिकारों में
(स) मौलिक कर्तव्यों में
(द) समादेशों में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत का वर्णन संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में किया गया है। इसकी प्रेरणा आयरलैंड के संविधान से मिली है। भारत के संविधान में कल्याणकारी राज्य की संकल्पना का समावेश राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में किया गया है। कल्याणकारी राज्य का उद्देश्य सामाजिक और आर्थिक प्रजातंत्र की स्थापना करना होता है। सामाजिक और आर्थिक प्रजातंत्र की स्थापना के उद्देश्य से ही संविधान में नीति निर्देशक तत्वों को शामिल किया गया है।

775. भारत के कल्याणकारी राज्य होने का विचार पाया जाता है–
(अ) संविधान की प्रस्तावना में
(ब) नीति निर्देशक तत्वों में
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) मौलिक अधिकारों में
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के कल्याणकारी राज्य होने का विचार संविधान की प्रस्तावना में तथा नीति निर्देशक तत्वों में पाया जाता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्व शामिल किए गये हैं। भारतीय संविधान के भाग–3 तथा भाग–4 मिलकर संविधान की आत्मा तथा चेतना कहलाते हैं। इन तत्वों में संविधान तथा सामाजिक न्याय के दर्शन का वास्तविक तत्व निहित है।

776. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (संविधान का अनुच्छेद)
A. अनुच्छेद 40
B. अनुच्छेद 41
C. अनुच्छेद 44
D. अनुच्छेद 48
सूची–II (विषय)
1. ग्राम पंचायत का गठन
2. काम करने का अधिकार
3. समान नागरिक संहिता
4. कृषि एवं पशुपालन का संगठन
(अ) A – 1, B – 2, C – 3, D - 4
(ब) A – 2, B – 3, C – 1, D - 4
(स) A – 1, B – 3, C – 4, D - 2
(द) A – 3, B – 2, C – 4, D - 1
उत्तर : (अ)
व्याख्या– ग्राम पंचायत का गठन संविधान के अनुच्छेद 40 से संबंधित है। अनुच्छेद 41 के तहत कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने के अधिकार के संबंध में उपबंध है। संविधान के अनुच्छेद 44 में नागरिकों के एक समान नागरिक संहिता का उपबंध है। अनुच्छेद 48 कृषि एवं पशुपालन के संगठन से संबंधित है।

777. संविधान के किस अनुच्छेद में उल्लेख किया गया है कि समुदाय की भौतिक सम्पदा का स्वामित्व और नियंत्रण इस प्रकार बँटा हो जिससे सामूहिक हितों का सर्वोत्तम साधन बन सके ?
(अ) अनुच्छेद 38 (ब) अनुच्छेद 39(c)
(स) अनुच्छेद 39(a) (द) अनुच्छेद 39(b)
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 39(b) में उल्लेख किया गया है कि समुदाय की भौतिक सम्पदा का स्वामित्व और नियंत्रण इस प्रकार बँटा हो जिससे सामूहिक हितों का सर्वोत्तम साधन बन सके। इस खण्ड के अधीन उद्देश्यों की पूर्ति करने के लिए राज्य उत्पादन के साधनों का राष्ट्रीयकरण कर सकता है।

778. कृषि एवं पशुपालन का गठन संविधान के किस अनुच्छेद से सम्बन्धित है ?
(अ) अनुच्छेद 40 (ब) अनुच्छेद 44
(स) अनुच्छेद 41 (द) अनुच्छेद 48
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद 48 कृषि एवं पशुपालन के संगठन से संबंधित है।

779. संविधान के किस अनुच्छेद में धन के समान वितरण के संबंध में प्रावधान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 39 (ब) अनुच्छेद 39(a)
(स) अनुच्छेद 39(b) (द) अनुच्छेद 39(c)
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 39(c) के अनुसार आर्थिक व्यवस्था इस प्रकार चले जिससे धन और उत्पादन के साधन का सर्वसाधारण के अहित के लिए केन्द्रण न हो अर्थात् धन का समान वितरण हो।

780. संविधान के किस अनुच्छेद में बालकों को स्वतंत्र और गरिमामय वातावरण में स्वस्थ्य विकास के अवसर और सुविधाएँ दिए जाने का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 39(d) (ब) अनुच्छेद 39(e)
(स) अनुच्छेद 39(f) (द) अनुच्छेद 40
उत्तर : (स)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन द्वारा संविधान के अनुच्छेद 39 में खण्ड (f) जोड़ा गया है। अनुच्छेद 39(f) के तहत बालकों को स्वतंत्र और गरिमामय वातावरण में स्वास्थ्य विकास के अवसर और सुविधाएँ दी जाएँ और बालकों तथा अल्पवय व्यक्तियों को शोषण से तथा नैतिक और आर्थिक परित्याग से रक्षा की जाये।

781. संविधान के किस अनुच्छेद में प्रावधान है कि कर्मकारों के स्वास्थ्य और शक्ति का तथा बालकों की सुकुमार अवस्थन का दुरुपयोग न हो ?
(अ) अनुच्छेद 39(d) (ब) अनुच्छेद 39(e)
(स) अनुच्छेद 39(f) (द) अनुच्छेद 40
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 39(e) में प्रावधान है कि कर्मकारों के स्वास्थ्य और शक्ति का तथा बालकों की सुकुमार अवस्थन का दुरुपयोग न हो और आर्थिक आवश्यकता से विवश होकर नागरिकों को ऐसे रोजगार में न जाना पड़े जो उनकी आयु या शक्ति के अनुकूल न हो।

782. संविधान के किस अनुच्छेद में आर्थिक न्याय प्राप्त करने के सिद्धान्त का उल्लेख किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 38 (ब) अनुच्छेद 39
(स) अनुच्छेद 40 (द) अनुच्छेद 41
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 39 में आर्थिक न्याय प्राप्त करने के सिद्धान्त का उल्लेख है।

783. संविधान के किस अनुच्छेद में पुरुषों और स्त्रियों दोनों के लिए समान कार्य के लिए समान वेतन का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 39(d) (ब) अनुच्छेद 39(e)
(स) अनुच्छेद 39(f) (द) अनुच्छेद 40
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 39(d) के अनुसार पुरुषों और स्त्रियों दोनों के लिए समान कार्य के लिए समान वेतन हो। संविधान के अनुच्छेद 39(e) में प्रावधान है कि कर्मकारों के स्वास्थ्य और शक्ति का तथा बालकों की सुकुमार अवस्थन का दुरुपयोग न हो।

784. ग्राम पंचायत का गठन किस अनुच्छेद से सम्बन्धित है ?
(अ) अनुच्छेद 40 (ब) अनुच्छेद 43
(स) अनुच्छेद 48 (द) अनुच्छेद 48क
उत्तर : (अ)
व्याख्या– ग्राम पंचायत का गठन संविधान के अनुच्छेद 40 से संबंधित है। अनुच्छेद 43 कर्मकारों के लिए निर्वाचन, मजदूरी एवं कुटीर उद्योग को प्रोत्साहन देने से संबंधित है। अनुच्छेद 48 कृषि एवं पशुपालन के गठन से संबंधित है। अनुच्छेद 48क का संबंध पर्यावरण का संरक्षण तथा संवर्धन और वन एवं वन्य जीवों की रक्षा करने से है।

785. काम की न्यायसंगत और मानवोचित दशाओं का तथा प्रसूति सहायता का उपबंध किस अनुच्छेद से संबधित है ?
(अ) अनुच्छेद 41 (ब) अनुच्छेद 42
(स) अनुच्छेद 43 (द) अनुच्छेद 44
उत्तर : (ब)
व्याख्या– काम की न्यायसंगत और मानवोचित दशाओं का तथा प्रसूति सहायता का उपबंध संविधान के अनुच्छेद 42 से संबंधित है।

786. कर्मकारों के लिए निर्वाचन, मजदूरी एवं कुटीर उद्योग को प्रोत्साहन देने सम्बन्धी प्रावधान किस अनुच्छेद में उल्लेखित है ?
(अ) अनुच्छेद 41 (ब) अनुच्छेद 42
(स) अनुच्छेद 43 (द) अनुच्छेद 44
उत्तर : (स)
व्याख्या– कर्मकारों के लिए निर्वाचन, मजदूरी एवं कुटीर उद्योग को प्रोत्साहन देने सम्बन्धी प्रावधान अनुच्छेद 43 में किया गया है।

787. संविधान के किस अनुच्छेद में नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता की बात कही गई है ?
(अ) अनुच्छेद 43 (ब) अनुच्छेद 44
(स) अनुच्छेद 45 (द) अनुच्छेद 46
उत्तर : (ब)
व्याख्या– अनुच्छेद 44 में नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता की बात कही गई है।

788. कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार से संबंधित प्रावधान किस अनुच्छेद से संबंधित है ?
(अ) अनुच्छेद 40 (ब) अनुच्छेद 44
(स) अनुच्छेद 41 (द) अनुच्छेद 48
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 41 के तहत कुछ दशाओं में काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार दिया गया है। 15 अगस्त, 1995 से प्रभाव में आया राष्ट्रीय सामाजिक कार्यक्रम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 41 के प्रावधानों की पूर्ति करता है। इसका उद्देश्य सामाजिक सहायता उपलब्ध कराना है।

789. अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य दुर्बल वर्गों की शिक्षा और अर्थ–संबंधी हितों की अभिवृद्धि किये जाने से संबंधित प्रावधान किस अनुच्छेद में है ?
(अ) अनुच्छेद 46 (ब) अनुच्छेद 47
(स) अनुच्छेद 48 (द) अनुच्छेद 48क
उत्तर : (अ)
व्याख्या–अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य दुर्बल वर्गों की शिक्षा और अर्थ–संबंधी हितों की अभिवृद्धि किये जाने से संबंधित प्रावधान अनुच्छेद 46 में वर्णित है।

790. संविधान के किस अनुच्छेद में प्रावधान है कि पोषाहार स्तर, जीवन स्तर को ऊँचा करने तथा लोक स्वास्थ्य का सुधार करने का राज्य का कर्तव्य होगा ?
(अ) अनुच्छेद 46 (ब) अनुच्छेद 47
(स) अनुच्छेद 48 (द) अनुच्छेद 48क
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 47 के अनुसार पोषाहार स्तर, जीवन स्तर को ऊँचा करने तथा लोक स्वास्थ्य का सुधार करने का राज्य का कर्तव्य होगा।

791. कृषि एवं पशुपालन के गठन सम्बन्धी प्रावधान किस अनुच्छेद में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 46 (ब) अनुच्छेद 47
(स) अनुच्छेद 48 (द) अनुच्छेद 48क
उत्तर : (स)
व्याख्या– कृषि एवं पशुपालन के गठन सम्बन्धी प्रावधान अनुच्छेद 48 में वर्णित है।

792. पर्यावरण का संरक्षण तथा संवर्धन और वन एवं वन्य जीवों की रक्षा से संबंधित प्रावधान किस अनुच्छेद वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 46 (ब) अनुच्छेद 47
(स) अनुच्छेद 48 (द) अनुच्छेद 48क
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 48क में पर्यावरण का संरक्षण तथा संवर्धन और वन एवं वन्य जीवों की रक्षा संबंधी प्रावधान वर्णित है।

793. प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा देने का प्रावधान किस अनुच्छेद में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 50 (ब) अनुच्छेद 51
(स) अनुच्छेद 350क (द) अनुच्छेद 351
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 350क के अनुसार प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा देने की व्यवस्था उपलब्ध करवाना प्रत्येक राज्य का कर्तव्य होगा।

794. राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों, स्थानों व वस्तुओं का संरक्षण सम्बन्धी प्रावधान किस अनुच्छेद में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 49 (ब) अनुच्छेद 50
(स) अनुच्छेद 48 (द) अनुच्छेद 48क
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों, स्थानों व वस्तुओं का संरक्षण सम्बन्धी प्रावधान अनुच्छेद 49 से संबंधित है।

795. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत कार्यपालिका एवं न्यायपालिका का पृथक्करण किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 49 (ब) अनुच्छेद 50
(स) अनुच्छेद 48 (द) अनुच्छेद 48क
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 50 के अंतर्गत कार्यपालिका एवं न्यायपालिका का पृथक्करण किया गया है।

796. अंतर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा की अभिवृद्धि से सम्बन्धित प्रावधान किस अनुच्छेद में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 49 (ब) अनुच्छेद 50
(स) अनुच्छेद 48 (द) अनुच्छेद 51
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद 51 का सम्बन्ध अंतर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा की अभिवृद्धि से है।

797. निम्नलिखित में से कौनसा कथन नीति निर्देशक सिद्धान्त से संबंधित नहीं है ?
(अ) यह आयरलैंड के संविधान से लिया गया है।
(ब) इसका वर्णन संविधान के भाग–4 में किया गया है।
(स) इसे लागू कराने के लिए न्यायालय में नहीं जाया जा सकता है।
(द) यह सरकार के अधिकारों को घटाता है।
उत्तर : (द)
व्याख्या– नीति निर्देशक सिद्धान्त आयरलैंड के संविधान से लिया गया है। इसका वर्णन संविधान के भाग–4 में किया गया है। इसे लागू कराने के लिए न्यायालय नहीं जाया जा सकता है। यह समाज की भलाई के लिए है। इसके पीछे राजनीतिक मान्यता है। यह सरकार के अधिकारों का बढ़ाता है। यह राज्य सरकार के द्वारा लागू करने के बाद ही नागरिक को प्राप्त होता है।

798. संविधान का अनुच्छेद 351 का सम्बन्ध है–
(अ) हिन्दी को प्रोत्साहन देना
(ब) प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा देना
(स) राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों, स्थानों व वस्तुओं का संरक्षण
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– हिन्दी को प्रोत्साहन देना संविधान के अनुच्छेद 351 से संबंधित है।

799. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य नहीं है ?
(अ) नीति निर्देशक सिद्धांत आयरलैंड के संविधान से लिया गया है जबकि मौलिक अधिकार यू.एस.ए. के संविधान से लिया गया है।
(ब) नीति निर्देशक सिद्धांत का वर्णन संविधान के भाग–4 में किया गया है जबकि मौलिक अधिकार का वर्णन भाग–3 में किया गया है।
(स) नीति निर्देशक सिद्धांत को लागू कराने के लिए न्यायालय जाया जा सकता है जबकि मौलिक अधिकार के लिए नहीं।
(द) नीति निर्देशक सिद्धांत सरकार के अधिकारों को बढ़ाता है जबकि मौलिक अधिकार घटाता है।
उत्तर : (स)
व्याख्या– नीति निर्देशक सिद्धांत आयरलैंड के संविधान से लिया गया है, जबकि मौलिक अधिकार संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से लिया गया है। नीति निर्देशक सिद्धांत का वर्णन संविधान के भाग–4 में किया गया है जबकि मौलिक अधिकारों का वर्णन संविधान के भाग–3 में किया गया है। नीति निर्देशक सिद्धांत को लागू कराने के लिए न्यायालय नहीं जाया जा सकता है, जबकि मौलिक अधिकार को लागू कराने के लिए न्यायालय की शरण ले सकते हैं। नीति निर्देशक सिद्धांत समाज की भलाई के लिए है, जबकि मौलिक अधिकार व्यक्ति के अधिकार के लिए है। नीति निर्देशक सिद्धांत के पीछे राजनीतिक मान्यता है, जबकि मौलिक अधिकार के पीछे कानूनी मान्यता है। नीति निर्देशक सिद्धांत सरकार के अधिकारों को बढ़ाता है, जबकि मौलिक अधिकार सरकार के महत्व को घटाता है। नीति निर्देशक सिद्धांत राज्य सरकार के द्वारा लागू करने के बाद ही नागरिक को प्राप्त होता है, जबकि मौलिक अधिकार नागरिकों को स्वतः प्राप्त हो जाता है।

800. भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक तत्व ग्रहण किये गये हैं–
(अ) ब्रिटेन से (ब) आयरलैंड से
(स) पूर्व सोवियत संघ (द) फ्रांस से
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों को आयरलैंड के संविधान से लिया गया है।

801. ''राज्य का नीति निर्देशक तत्व एक ऐसा चैक है जो बैंक की सुविधानुसार अदा किया जायेगा'' यह कथन किसका है ?
(अ) के.टी. शाह (ब) गोपालकृष्ण गोखले
(स) जवाहरलाल नेहरू (द) महात्मा गाँधी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– ''राज्य का नीति निर्देशक तत्व एक ऐसा चैक है जो बैंक की सुविधानुसार अदा किया जायेगा।'' यह कथन के. टी. शाह का है। भारतीय

संविधान के अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निर्देशक तत्व शामिल किए गये हैं। भारतीय संविधान के भाग–4 में नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख है।

802. राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख भारतीय संविधान के किस भाग में है ?
(अ) भाग 2 (ब) भाग 3
(स) भाग 4 (द) भाग 5
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख भारतीय संविधान के भाग 4 में वर्णित है।

803. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख है ?
(अ) अनुच्छेद 33–46 (ब) अनुच्छेद 34–48
(स) अनुच्छेद 36–51 (द) अनुच्छेद 34–72
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख है।

804. संविधान का वह कौनसा भाग है जो संविधान के निर्माताओं के मस्तिष्क और उद्देश्यों को प्रतिबिम्ब करता है ?
(अ) मूल अधिकार
(ब) संविधान की प्रस्तावना
(स) राज्य के नीति निर्देशक तत्व
(द) भारतीय नागरिकता
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 4 में अनुच्छेद 36 से 51 तक में वर्णित राज्य के नीति निर्देशक तत्व संविधान के निर्माताओं के मस्तिष्क और उद्देश्यों को प्रतिबिम्ब करता है।

805. किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को मौलिक अधिकारों की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली बनाया ?
(अ) 42वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1976
(ब) 43वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1977
(स) 44वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1978
(द) 45वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1980
उत्तर : (अ)
व्याख्या–42वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1976 ने राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को मौलिक अधिकारों की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली बनाया।

806. भारतीय संविधान का कौनसा अंग समाजवादी व्यवस्था स्थापित करने की प्रेरणा देता है ?
(अ) मूल अधिकार (ब) मूल कर्तव्य
(स) नीति निर्देशक तत्व (द) नागरिकता
उत्तर : (स)
व्याख्या– अनुच्छेद 36 से 51 तक में वर्णित नीति निर्देशक तत्व भारतीय समाज में समाजवादी व्यवस्था स्थापित करने की प्रेरणा देता है।

11.मौलिक कर्तव्य

807. भारतीय संविधान में मूल कर्तव्यों को शामिल करने का विचार किस देश के संविधान से लिया गया है?
(अ) आयरलैंड (ब) ब्रिटेन
(स) ऑस्ट्रेलिया (द) पूर्व सोवियत संघ
उत्तर : (द)
व्याख्या– मूल कर्तव्य पहले से संविधान में नहीं थे। इन्हें सरदार श्री स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर आंतरिक आपातकाल की जरूरत एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारतीय संविधान में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा जोड़ा गया। भारतीय संविधान में मूल कर्तव्यों को शामिल करने का विचार सोवियत संघ से लिया गया है।

808. निम्न में से कौनसी एक समिति ने नागरिकों में मूल कर्तव्य को 1976 में सम्मिलित करने अनुशंसा की थी ?
(अ) कोठारी समिति
(ब) बलवंत राय मेहता समिति
(स) अशोक मेहता समिति
(द) स्वर्ण सिंह समिति
उत्तर : (द) SSC 2013
व्याख्या– सरदार स्वर्ण सिंह समिति ने कुल 8 मूल कर्तव्यों की सिफारिश की थी किन्तु संसद ने इसमें दो मूल कर्तव्य और जोड़कर 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा 10 मौलिक कर्तव्यों को संविधान में जोड़ा। मौलिक कर्तव्य स्वेच्छिक हैं। किसी व्यक्ति को मौलिक कर्तव्यों का पालन करने के लिए कोई विधि बाध्यता नहीं है।

809. 42वें संविधान संशोधन के दस आचार आदर्शों को किस नाम से जाना जाता है ?
(अ) मौलिक अधिकार
(ब) मौलिक कर्तव्य
(स) पंचायती राज सिद्धांत
(द) नीति निर्देशक सिद्धांत
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर संविधान के 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा मौलिक कर्तव्य को संविधान में जोड़ा गया। इसे सोवियत रूस के संविधान से लिया गया है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है।

810. निम्नलिखित में से किस वर्ष संविधान में मूल कर्तव्यों को अंतः स्थापित किया गया ?
(अ) 1972 ई. (ब) 1976 ई.
(स) 1977 ई. (द) 1978 ई.
उत्तर : (ब) SSC 2012

व्याख्या– मौलिक कर्तव्यों को सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा जोड़ा गया। इन्हें संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद–51क में रखा गया। प्रारम्भ में मौलिक कर्तव्यों की संख्या 10 थी। वर्तमान में मौलिक कर्तव्यों की संख्या 11 हैं। 11वाँ मौलिक कर्तव्य 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 के द्वारा जोड़ा गया।

811. संविधान के किस भाग में मूल कर्तव्यों के अध्याय को जोड़ा गया है ?
(अ) भाग III (ब) भाग IIIA
(स) भाग IV (द) भाग IVA
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के भाग IVA (भाग–4क) में मूल कर्तव्यों के अध्याय को जोड़ा गया है। सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर संविधान के 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा मौलिक कर्तव्य को संविधान में जोड़ा गया। इसे सोवियत रूस के संविधान से लिया गया है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है।

812. मौलिक कर्तव्यों को निर्धारित किया गया–
(अ) 40वें संविधान संशोधन द्वारा
(ब) 43वें संविधान संशोधन द्वारा
(स) 42वें संविधान संशोधन द्वारा
(द) 39वें संविधान संशोधन द्वारा
उत्तर : (स)
व्याख्या– सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर संविधान के 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा मौलिक कर्तव्य को संविधान में जोड़ा गया। इसे सोवियत रूस के संविधान से लिया गया है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है।

813. 1976 में 42वें संशोधन द्वारा संविधान में नागरिकों के लिए कितने मौलिक कर्तव्य निश्चित किये गये ?
(अ) 8 (ब) 10
(स) 11 (द) 12
उत्तर : (ब) SSC 2001
व्याख्या– सरदार स्वर्ण सिंह समिति ने कुल 8 मूल कर्तव्यों की सिफारिश की थी किन्तु संसद ने इसमें दो मूल कर्तव्य और जोड़कर 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा 10 मौलिक कर्तव्यों को संविधान में जोड़ा। मौलिक कर्तव्यों का पालन करने की कोई विधि बाध्यता नहीं है।

814. भारतीय संविधान में मूल कर्तव्य कब समाविष्ट किये गए हैं ?
(अ) 1971 में (ब) 1972 में
(स) 1978 में (द) 1976 में
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान में मूल कर्तव्य वर्ष 1976 में समाविष्ट किये गए हैं। सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर संविधान के 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा मौलिक कर्तव्य को संविधान में जोड़ा गया। इसे सोवियत रूस के संविधान से लिया गया है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है।

815. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद में मौलिक कर्तव्यों की चर्चा की गई है ?
(अ) अनुच्छेद 51A (ब) अनुच्छेद 50A
(स) अनुच्छेद 49A (द) अनुच्छेद 52A
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के भाग IVA (भाग–4क) के अंतर्गत अनुच्छेद 51A में शामिल मौलिक कर्तव्यों में संविधान का पालन करने और इसके आदर्शों तथा संस्थानों का सम्मान करने, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान और स्वतंत्रता संग्राम के लिए जिन विचारों ने प्रेरित किया, उनका सम्मान करने वाले प्रावधान शामिल हैं। सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर संविधान के 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा मौलिक कर्तव्य को संविधान में जोड़ा गया। इसे सोवियत रूस के संविधान से लिया गया है।

816. वर्तमान में संविधान में कुल कितने मूल कर्तव्यों का उल्लेख है ?
(अ) 8 (ब) 11
(स) 10 (द) 12
उत्तर : (ब)
व्याख्या– वर्तमान में भारतीय संविधान में 11 मूल कर्तव्यों का उल्लेख है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है। मूल कर्तव्य पहले से संविधान में नहीं थे। इन्हें संविधान के 42 वें संशोधन, 1976 के द्वारा जोड़ा गया है। इन्हें सरदार श्री स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर आंतरिक आपातकाल की जरूरत एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लाया गया था। भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा कि– (1) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे। (2) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे व उनका पालन करे। (3) भारत की संप्रभुता, एकता व अखंडता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण बनाये रखे। (4) देश की रक्षा करें और आवाहन किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे। (5) भारत के सभी लोक समरसता और सम्मान एवं भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग के भेदभाव पर आधारित न हों, उन सभी प्रथाओं का त्याग करें जो महिलाओं के

सम्मान के विरुद्ध हों। (6) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करें। (7) प्राकृतिक पर्यावरण जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी, वन्य प्राणी आदि आते हैं, की रक्षा व संवर्धन करें तथा प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखें। (8) वैज्ञानिक दृष्टिकोण मानवतावाद व ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें। (9) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखें व हिंसा से दूर रहें। (10) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में सतत् उत्कर्ष की ओर बढ़ने का प्रयास करें, जिससे राष्ट्र प्रगति करते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाईयों को छू ले। (11) यदि आप माता–पिता या संरक्षक हैं तो 6 से 14 वर्ष आयु वाले अपने या प्रतिपाल्य बच्चे को शिक्षा के अवसर प्रदान करें। 11वें मौलिक कर्तव्य को 86वें संशोधन, 2002 द्वारा जोड़ा गया।

817. किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा संविधान में मूल कर्तव्यों को सम्मिलित किया गया है ?
(अ) 42वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1976
(ब) 43वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1977
(स) 44वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1978
(द) 45वाँ संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 1980
उत्तर : (अ) RRB 2005
व्याख्या– मूल कर्तव्य पहले से संविधान में नहीं थे। इन्हें सरदार श्री स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर आंतरिक आपातकाल की जरूरत एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भारतीय संविधान में 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा जोड़ा गया। भारतीय संविधान में मूल कर्तव्यों को शामिल करने का विचार सोवियत संघ से लिया गया है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है।

818. मौलिक कर्तव्यों को संविधान में सम्मिलित किये जाने का प्रयोजन है–
(अ) मौलिक अधिकारों के दुरूपयोग पर रोक
(ब) मौलिक अधिकारों को और सशक्त बनाना
(स) विनाशक एवं असंवैधानिक गतिविधियों को नियंत्रित करना
(द) कार्यपालिका की बढ़ती शक्ति को नियंत्रण में रखना
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान में मूल कर्तव्यों को शामिल करने का उद्देश्य नागरिकों को इसमें प्राप्त मौलिक अधिकारों के साथ ही उनकी जिम्मेदारियों से भी अवगत कराना था। मौलिक कर्तव्यों को सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा जोड़ा गया। इन्हें संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद–51क में रखा गया। प्रारम्भ में मौलिक कर्तव्यों की संख्या 10 थी। वर्तमान में मौलिक कर्तव्यों की संख्या 11 हैं। 11वाँ मौलिक कर्तव्य 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 के द्वारा जोड़ा गया।

819. संविधान में उल्लिखित मौलिक कर्तव्य किसके लिए हैं ?
(अ) सभी व्यक्तियों के लिए
(ब) सभी नागरिकों के लिए
(स) केवल गैर नागरिकों के लिए
(द) केवल केन्द्रीय व राज्य के कर्मचारियों के लिए
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान में उल्लिखित मौलिक कर्तव्य देश के सभी नागरिकों के लिए हैं। कोई इन्हें मानने के लिए बाध्य नहीं है। मौलिक कर्तव्यों को सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा जोड़ा गया। इन्हें संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद–51क में रखा गया। प्रारम्भ में मौलिक कर्तव्यों की संख्या 10 थी। वर्तमान में मौलिक कर्तव्यों की संख्या 11 हैं। 11वाँ मौलिक कर्तव्य 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 के द्वारा जोड़ा गया।

820. मौलिक कर्तव्यों की अवहेलना करने वालों को–
(अ) दण्ड देने की व्यवस्था है
(ब) दण्ड देने की व्यवस्था नहीं है
(स) कुछ विशेष मामलों में दण्ड देने की व्यवस्था
(द) अधिनियम बनाकर दण्ड देने की व्यवस्था
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान में मूल कर्तव्यों को शामिल करने का उद्देश्य नागरिकों को इसमें प्राप्त मौलिक अधिकारों के साथ ही उनकी जिम्मेदारियों से भी अवगत कराना था। मौलिक कर्तव्यों को सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर 42वें संविधान संशोधन, 1976 द्वारा जोड़ा गया। इन्हें संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद–51क में रखा गया। प्रारम्भ में मौलिक कर्तव्यों की संख्या 10 थी। वर्तमान में मौलिक कर्तव्यों की संख्या 11 हैं। 11वाँ मौलिक कर्तव्य 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 के द्वारा जोड़ा गया। संविधान में उल्लिखित मौलिक कर्तव्य देश के सभी नागरिकों के लिए हैं। कोई इन्हें मानने के लिए बाध्य नहीं है। इनकी अवहेलना करने पर कोई दंड का प्रावधान नहीं है।

821. भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा ''प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण एवं सुधार' उपरोक्त कथन भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में संदर्भित है ?
(अ) अनुच्छेद 21 (ब) अनुच्छेद 48A
(स) अनुच्छेद 51A (द) अनुच्छेद 56
उत्तर : (स)
व्याख्या– वर्तमान में भारतीय संविधान में 11 मूल कर्तव्यों का उल्लेख है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है। मूल कर्तव्य पहले से संविधान में नहीं थे। इन्हें

संविधान के 42 वें संशोधन, 1976 के द्वारा जोड़ा गया है। इन्हें सरदार श्री स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर आंतरिक आपातकाल की जरूरत एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लाया गया था। अनुच्छेद 51क में वर्णित 11 मौलिक कर्तव्यों में से एक यह है कि भारत का प्रत्येक नागरिक प्राकृतिक पर्यावरण जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी, वन्य प्राणी आदि आते हैं, की रक्षा व संवर्धन करें तथा प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखें।

822. निम्नलिखित में से कौनसा एक मौलिक कर्तव्य नही है ?
(अ) संविधान का पालन करना
(ब) देश की एकता और अखंडता की रक्षा करना
(स) धर्मनिरपेक्षता का पालन करना
(द) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित करना
उत्तर : (स)
व्याख्या– वर्तमान में भारतीय संविधान में 11 मूल कर्तव्यों का उल्लेख है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है। मूल कर्तव्य पहले से संविधान में नहीं थे। इन्हें संविधान के 42 वें संशोधन, 1976 के द्वारा जोड़ा गया है। इन्हें सरदार श्री स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर आंतरिक आपातकाल की जरूरत एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लाया गया था। भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा कि– (1) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे। (2) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे व उनका पालन करे। (3) भारत की संप्रभुता, एकता व अखंडता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण बनाये रखे। (4) देश की रक्षा करें और आवाहन किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे। (5) भारत के सभी लोक समरसता और सम्मान एवं भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग के भेदभाव पर आधारित न हों, उन सभी प्रथाओं का त्याग करें जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों। (6) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करें। (7) प्राकृतिक पर्यावरण जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी, वन्य प्राणी आदि आते हैं, की रक्षा व संवर्धन करें तथा प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखें। (8) वैज्ञानिक दृष्टिकोण मानवतावाद व ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें। (9) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखें व हिंसा से दूर रहें। (10) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में सतत उत्कर्ष की ओर बढ़ने का प्रयास करें जिससे राष्ट्र प्रगति करते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाईयों को छू ले। (11) यदि आप माता–पिता या संरक्षक हैं तो 6 से 14 वर्ष आयु वाले अपने या प्रतिपाल्य बच्चे को शिक्षा के अवसर प्रदान करें। 11वें मौलिक कर्तव्य को 86वें संशोधन, 2002 द्वारा जोड़ा गया।

823. निम्नलिखित में से कौनसा एक मौलिक कर्तव्य नहीं है ?
(अ) राज्य का आज्ञापालन
(ब) कानून का आज्ञापालन
(स) समाज का आज्ञापालन
(द) करों की अदायगी
उत्तर : (द)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा हमारे संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत 11 मौलिक कर्तव्यों को शामिल किया गया है। इन्हें सोवियत रूस के संविधान से लिया गया है। मौलिक कर्तव्य वे हैं जो कानून द्वारा वैधानिक कर्तव्य हैं और प्रवर्तनीय भी हैं। करों की अदायगी मौलिक कर्तव्य में शामिल नहीं है।

824. निम्नलिखित में से भारत में मौलिक कर्तव्य कौनसा है ?
(अ) न्यायपालिका में कार्यपालिका का पृथक्करण
(ब) हमारी मिली–जुली संस्कृति की समृद्ध विरासत को संरक्षित करना व महत्व प्रदान करना
(स) बच्चों के लिए मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा
(द) छुआछूत की परम्परा को समाप्त करना
उत्तर : (ब)
व्याख्या– वर्तमान में भारतीय संविधान में 11 मूल कर्तव्यों का उल्लेख है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है। मूल कर्तव्य पहले से संविधान में नहीं थे। इन्हें संविधान के 42 वें संशोधन, 1976 के द्वारा जोड़ा गया है। इन्हें सरदार श्री स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर आंतरिक आपातकाल की जरूरत एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लाया गया था। हमारी मिली–जुली संस्कृति की समृद्ध विरासत को संरक्षित करना व महत्व प्रदान करना मौलिक कर्तव्य में शामिल है।

825. निम्नलिखित में से कौनसा मौलिक कर्तव्य नहीं है ?
(अ) आम भाईचारे की भावना को उजागर करना
(ब) राष्ट्रीय उद्यमों का संरक्षण करना
(स) वैज्ञानिक संस्कार का विकास करना
(द) भारत की समृद्ध विरासत का संरक्षण करना
उत्तर : (ब)
व्याख्या– वर्तमान में भारतीय संविधान में 11 मूल कर्तव्यों का उल्लेख है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है। मूल कर्तव्य पहले से संविधान में नहीं थे। इन्हें संविधान के 42 वें संशोधन, 1976 के द्वारा जोड़ा गया है। इन्हें सरदार श्री स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर आंतरिक आपातकाल की जरूरत एवं

आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लाया गया था। भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा कि– (1) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे। (2) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे व उनका पालन करे। (3) भारत की संप्रभुता, एकता व अखंडता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण बनाये रखे। (4) देश की रक्षा करें और आवाहन किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे। (5) भारत के सभी लोक समरसता और सम्मान एवं भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग के भेदभाव पर आधारित न हों, उन सभी प्रथाओं का त्याग करें जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों। (6) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करें। (7) प्राकृतिक पर्यावरण जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी, वन्य प्राणी आदि आते हैं, की रक्षा व संवर्धन करें तथा प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखें। (8) वैज्ञानिक दृष्टिकोण मानवतावाद व ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें। (9) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखें व हिंसा से दूर रहें। (10) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में सतत उत्कर्ष की ओर बढ़ने का प्रयास करें जिससे राष्ट्र प्रगति करते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाईयों को छू ले। (11) यदि आप माता–पिता या संरक्षक हैं तो 6 से 14 वर्ष आयु वाले अपने या प्रतिपाल्य बच्चे को शिक्षा के अवसर प्रदान करें। 11वें मौलिक कर्तव्य को 86वें संशोधन, 2002 द्वारा जोड़ा गया।

826. भारतीय संविधान में नागरिकों के मूल कर्तव्य के अंतर्गत सम्मिलित नहीं है–
(अ) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करना
(ब) हिंसा का परित्याग करना
(स) धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना
(द) भारत की सार्वभौमिकता, एकता और अखंडता को बनाए रखना
उत्तर : (स)
व्याख्या– वर्तमान में भारतीय संविधान में 11 मूल कर्तव्यों का उल्लेख है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है। मूल कर्तव्य पहले से संविधान में नहीं थे। इन्हें संविधान के 42 वें संशोधन, 1976 के द्वारा जोड़ा गया है। इन्हें सरदार श्री स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर आंतरिक आपातकाल की जरूरत एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लाया गया था। भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा कि– (1) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे। (2) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे व उनका पालन करे। (3) भारत की संप्रभुता, एकता व अखंडता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण बनाये रखे। (4) देश की रक्षा करें और आवाहन किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे। (5) भारत के सभी लोक समरसता और सम्मान एवं भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग के भेदभाव पर आधारित न हों, उन सभी प्रथाओं का त्याग करें जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों। (6) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करें। (7) प्राकृतिक पर्यावरण जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी, वन्य प्राणी आदि आते हैं, की रक्षा व संवर्धन करें तथा प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखें। (8) वैज्ञानिक दृष्टिकोण मानवतावाद व ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें। (9) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखें व हिंसा से दूर रहें। (10) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में सतत उत्कर्ष की ओर बढ़ने का प्रयास करें जिससे राष्ट्र प्रगति करते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाईयों को छू ले। (11) यदि आप माता–पिता या संरक्षक हैं तो 6 से 14 वर्ष आयु वाले अपने या प्रतिपाल्य बच्चे को शिक्षा के अवसर प्रदान करें। 11वें मौलिक कर्तव्य को 86वें संशोधन, 2002 द्वारा जोड़ा गया।

827. भारत के संविधान के अनुसार भारतीय नागरिकों के मूल कर्तव्य निम्नलिखित में से क्या है ?
(अ) राष्ट्रगान, ध्वज आदि का सम्मान
(ब) वैज्ञानिक प्रवृत्ति का विकास
(स) राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण एवं परिरक्षण
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– वर्तमान में भारतीय संविधान में 11 मूल कर्तव्यों का उल्लेख है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है। मूल कर्तव्य पहले से संविधान में नहीं थे। इन्हें संविधान के 42 वें संशोधन, 1976 के द्वारा जोड़ा गया है। इन्हें सरदार श्री स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर आंतरिक आपातकाल की जरूरत एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लाया गया था। भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा कि– (1) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे। (2) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे व उनका पालन करे। (3) भारत की संप्रभुता, एकता व अखंडता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण बनाये रखे। (4) देश की रक्षा करें और आवाहन किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे। (5)

भारत के सभी लोक समरसता और सम्मान एवं भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग के भेदभाव पर आधारित न हों, उन सभी प्रथाओं का त्याग करें जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों। (6) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करें। (7) प्राकृतिक पर्यावरण जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी, वन्य प्राणी आदि आते हैं, की रक्षा व संवर्धन करें तथा प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखें। (8) वैज्ञानिक दृष्टिकोण मानवतावाद व ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें। (9) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखें व हिंसा से दूर रहें। (10) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में सतत उत्कर्ष की ओर बढ़ने का प्रयास करें जिससे राष्ट्र प्रगति करते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाईयों को छू ले। (11) यदि आप माता–पिता या संरक्षक हैं तो 6 से 14 वर्ष आयु वाले अपने या प्रतिपाल्य बच्चे को शिक्षा के अवसर प्रदान करें। 11वें मौलिक कर्तव्य को 86वें संशोधन, 2002 द्वारा जोड़ा गया।

828. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में भारतीय नागरिकों के मूल कर्तव्य शामिल है ?
(अ) अनुच्छेद 50क (ब) अनुच्छेद 50ख
(स) अनुच्छेद 51क (द) अनुच्छेद 51ख
उत्तर : (स)
व्याख्या– वर्तमान में भारतीय संविधान में 11 मूल कर्तव्यों का उल्लेख है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है। मूल कर्तव्य पहले से संविधान में नहीं थे। इन्हें संविधान के 42 वें संशोधन, 1976 के द्वारा जोड़ा गया है। इन्हें सरदार श्री स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर आंतरिक आपातकाल की जरूरत एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लाया गया था। मौलिक कर्तव्यों को सोवियत रूस के संविधान से लिया गया है।

829. निम्नलिखित में से कौनसा कर्तव्य भारतीय नागरिकों के कर्तव्यों में शामिल नहीं है ?
(अ) देश की सुरक्षा करना और आवश्यक होने पर देश सेवा के लिए प्रस्तुत होना
(ब) राष्ट्रीय पर्यावरण की सुरक्षा एवं इसमें सुधार करना
(स) सार्वजनिक सम्पत्ति की सुरक्षा एवं हिंसा का परित्याग करना
(द) सत्तारूढ़ राजनीतिक दल का समर्थन करना
उत्तर : (द)
व्याख्या– वर्तमान में भारतीय संविधान में 11 मूल कर्तव्यों का उल्लेख है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है। मूल कर्तव्य पहले से संविधान में नहीं थे। इन्हें संविधान के 42 वें संशोधन, 1976 के द्वारा जोड़ा गया है। इन्हें सरदार श्री स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर आंतरिक आपातकाल की जरूरत एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लाया गया था। भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा कि– (1) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे। (2) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे व उनका पालन करे। (3) भारत की संप्रभुता, एकता व अखंडता की रक्षा करें और उसे अक्षुण्ण बनाये रखे। (4) देश की रक्षा करें और आवाहन किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे। (5) भारत के सभी लोक समरसता और सम्मान एवं भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करें जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग के भेदभाव पर आधारित न हों, उन सभी प्रथाओं का त्याग करें जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों। (6) हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करें। (7) प्राकृतिक पर्यावरण जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी, वन्य प्राणी आदि आते हैं, की रक्षा व संवर्धन करें तथा प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव रखें। (8) वैज्ञानिक दृष्टिकोण मानवतावाद व ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें। (9) सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखें व हिंसा से दूर रहें। (10) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में सतत उत्कर्ष की ओर बढ़ने का प्रयास करें जिससे राष्ट्र प्रगति करते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाईयों को छू ले। (11) यदि आप माता–पिता या संरक्षक हैं तो 6 से 14 वर्ष आयु वाले अपने या प्रतिपाल्य बच्चे को शिक्षा के अवसर प्रदान करें। 11वें मौलिक कर्तव्य को 86वें संशोधन, 2002 द्वारा जोड़ा गया।

830. भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्यों की सूची निम्नलिखित में से किस भाग के रूप में जोड़ी गई थी ?
(अ) भाग 4क (ब) भाग 3
(स) भाग 5 (द) भाग 4
उत्तर : (अ) SSC 2002
व्याख्या– वर्तमान में भारतीय संविधान में 11 मूल कर्तव्यों का उल्लेख है। इसे भारतीय संविधान के भाग–4क में अनुच्छेद 51क के तहत रखा गया है। मूल कर्तव्य पहले से संविधान में नहीं थे। इन्हें संविधान के 42 वें संशोधन, 1976 के द्वारा जोड़ा गया है। इन्हें सरदार श्री स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिश पर आंतरिक आपातकाल की जरूरत एवं आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लाया गया था। मौलिक कर्तव्यों को सोवियत रूस के संविधान से लिया गया है।

831. भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्यों की संख्या है–
(अ) 10 (ब) 11
(स) 12 (द) 8
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर संविधान के 42वें संविधान संशोधन, 1976 ई. के द्वारा मौलिक कर्तव्य को संविधान में जोड़ा गया। इसे भाग–4क में अनुच्छेद–51क के तहत रखा गया है। इसे रूस के संविधान से लिया गया है। वर्तमान में मौलिक कर्तव्यों की संख्या 11 है।

832. भारतीय संविधान में किस भाग में मौलिक कर्तव्यों का वर्णन है ?
(अ) भाग–2 (ब) भाग–4
(स) भाग–4क (द) भाग–7
उत्तर : (स)
व्याख्या– सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर संविधान के 42वें संविधान संशोधन, 1976 ई. के द्वारा मौलिक कर्तव्य को संविधान में जोड़ा गया। इसे भाग–4क में अनुच्छेद–51क के तहत रखा गया है। इसे रूस के संविधान से लिया गया है। वर्तमान में मौलिक कर्तव्यों की संख्या 11 है।

833. मौलिक कर्तव्यों में शामिल नहीं है–
(अ) प्रत्येक नागरिक भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसु अक्षुण्ण रखे।
(ब) प्रत्येक नागरिक पर्यावरण की रक्षा और उसका संवर्धन करें।
(स) माता–पिता या संरक्षक द्वारा 6 से 14 वर्ष के बच्चों हेतु प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना
(द) अन्तर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा की अभिवृद्धि करना।
उत्तर : (द)
व्याख्या– सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर संविधान के 42वें संविधान संशोधन, 1976 ई. के द्वारा मौलिक कर्तव्य को संविधान में जोड़ा गया। इसे भाग–4क में अनुच्छेद–51क के तहत रखा गया है। इसे रूस के संविधान से लिया गया है। वर्तमान में मौलिक कर्तव्यों की संख्या 11 है– 1.प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह संविधान का पालन करे। उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट–ध्वज और राष्ट्र–गान का आदर करें। 2. प्रत्येक नागरिक स्वतत्रंता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे। 3. प्रत्येक नागरिक भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे। 4. प्रत्येक नागरिक देश की रक्षा करे। 5.प्रत्येक नागरिक भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे। 6.प्रत्येक नागरिक हमारी सामाजिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्व समझे और उसका परिरक्षण करे। 7.प्रत्येक नागरिक प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा और उसका संवर्धन करे। 8.प्रत्येक नागरिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण और ज्ञानार्जन की भावना का विकास करे। 9.प्रत्येक नागरिक सार्वजनिक सम्पत्ति को सुरक्षित रखे। 10.प्रत्येक नागरिक व्यक्तिगत एवं सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे। 11.माता–पिता या संरक्षक द्वारा 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना (86वाँ संविधान संशोधन, 2002 ई.)।

834. किस संविधान संशोधन द्वारा 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देने संबंधी प्रावधान किया गया है ?
(अ) 83वाँ संविधान संशोधन, 2000 ई.
(ब) 84वाँ संविधान संशोधन, 2001 ई.
(स) 85वाँ संविधान संशोधन, 2001 ई.
(द) 86वाँ संविधान संशोधन, 2002 ई.
उत्तर : (द)
व्याख्या– 86वें संशोधन अधिनियम, 2002 ई. द्वारा देश के 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता देने संबंधी प्रावधान किया गया है। इसे अनुच्छेद–21(क) के अन्तर्गत संविधान में जोड़ा गया है। इस अधिनियम के द्वारा संविधान के अनुच्छेद–45 तथा अनुच्छेद–51(क) में संशोधन किये जाने का प्रावधान है।

835. मौलिक कर्तव्यों का उल्लेख संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद–51 (ब) अनुच्छेद–51क
(स) अनुच्छेद–351 (द) अनुच्छेद–50
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर संविधान के 42वें संविधान संशोधन, 1976 ई. के द्वारा मौलिक कर्तव्य को संविधान में जोड़ा गया। इसे भाग–4क में अनुच्छेद–51क के तहत रखा गया है। इसे रूस के संविधान से लिया गया है। वर्तमान में मौलिक कर्तव्यों की संख्या 11 है।

12.राष्ट्रपति

836. संघ की कार्यपालिका शक्ति निहित है–
(अ) प्रधानमंत्री में (ब) राष्ट्रपति में
(स) मंत्रिपरिषद में (द) संसद में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 53 के अनुसार संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित होगी तथा वह इसका प्रयोग संविधान के अनुसार स्वयं या अपने अधीनस्थ पदाधिकारियों द्वारा करेगा। संघीय कार्यपालिका में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति को सहायता करने एवं सलाह देने के लिए अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री के साथ मंत्रिपरिषद शामिल है।

837. भारत में कार्यपालिका का अध्यक्ष कौन होता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) प्रधानमंत्री
(स) विरोधी दल का नेता
(द) भारत सरकार का मुख्य सचिव
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति, भारत गणराज्य के कार्यपालक अध्यक्ष होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 53 के अनुसार संघ की कार्यपालक शक्ति उनमें निहित होती है। वह भारतीय सशस्त्र सेनाओं का सर्वोच्च सेनानायक भी है।

838. भारत का राष्ट्रपति–
(अ) राज्य का प्रधान है
(ब) राज्य का प्रधान नहीं है
(स) केवल सरकार का प्रधान है
(द) राज्य और सरकार दोनों का प्रधान है
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रपति भारत का सर्वोच्च अधिकारी होता है। उसे देश का प्रथम नागरिक एवं सभी सशस्त्र बलों का सर्वोच्च सेनापति कहा जाता है।

839. भारतीय संविधान के अनुसार देश का प्रथम नागरिक कौन होता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) उपराष्ट्रपति (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (अ) RRB 2006
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति, भारत गणराज्य के कार्यपालक अध्यक्ष होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 53 के अनुसार संघ की कार्यपालक शक्ति उनमें निहित होती है। वह भारतीय सशस्त्र सेनाओं का सर्वोच्च सेनानायक भी है। संघीय कार्यपालिका में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति को सहायता करने एवं सलाह देने के लिए अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री के साथ मंत्रिपरिषद शामिल है। वे देश का प्रथम नागरिक है। दूसरा नागरिक उपराष्ट्रपति तथा तीसरा नागरिक प्रधानमंत्री होता है।

840. भारतीय संविधान के अनुसार संघ की कार्यपालिका शक्तियाँ किसमें निहित होती है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) संसद (द) मंत्रिपरिषद
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संघीय कार्यपालिका में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति को सहायता करने एवं सलाह देने के लिए अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री के साथ मंत्रिपरिषद शामिल है। भारत के राष्ट्रपति, भारत गणराज्य के कार्यपालक अध्यक्ष होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 53 के अनुसार संघ की कार्यपालिका शक्ति उनमें निहित होती है। वह भारतीय सशस्त्र सेनाओं का सर्वोच्च सेनानायक भी है। वे देश का प्रथम नागरिक है। दूसरा नागरिक उपराष्ट्रपति तथा तीसरा नागरिक प्रधानमंत्री होता है।

841. भारत के राष्ट्रपति की तुलना निम्नलिखित में से किससे करना सर्वाधिक उचित है ?
(अ) अमेरिका के राष्ट्रपति से
(ब) फ्रांस के राष्ट्रपति से
(स) ब्रिटेन के सम्राट से
(द) श्रीलंका के राष्ट्रपति से
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति, भारत गणराज्य के कार्यपालक अध्यक्ष होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 53 के अनुसार संघ की कार्यपालक शक्ति उनमें निहित होती है। वह भारतीय सशस्त्र सेनाओं का सर्वोच्च सेनानायक भी है। सभी प्रकार के आपातकाल लगाने व हटाने वाला, युद्ध व शांति की घोषणा करने वाला होता है। वह देश का प्रथम नागरिक है।

842. भारतीय संविधान के अनुसार देश की तीनों सेनाओं का अध्यक्ष (सुप्रीम कमांडर) कौन होता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) थल सेनाध्यक्ष (द) फील्ड मार्शल
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति, भारत गणराज्य के कार्यपालक अध्यक्ष होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 53 के अनुसार संघ की कार्यपालिका शक्ति उनमें निहित होती है। वह भारतीय सशस्त्र सेनाओं का सर्वोच्च सेनानायक भी है।

843. भारत का राष्ट्रपति होता है–
(अ) भारत का वास्तविक शासक
(ब) भारत का संवैधानिक अध्यक्ष
(स) राज्य और सरकार का अध्यक्ष
(द) बहुमत दल का नेता
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत का राष्ट्रपति देश का संवैधानिक अध्यक्ष होता है। संघीय कार्यपालिका में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति को सहायता करने एवं

सलाह देने के लिए अध्यक्ष के रूप में प्रधानमंत्री के साथ मंत्रिपरिषद शामिल है। संविधान के अनुच्छेद 53 के अनुसार संघ की कार्यपालिका शक्ति उनमें निहित होती है।

844. भारतीय सशस्त्र सेनाओं का सर्वोच्च कमांडर कौन होता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) प्रधानमंत्री
(स) रक्षा मंत्री
(द) सबसे लम्बे समय तक सेवारत सेना अध्यक्ष
उत्तर : (अ) SSC 2013
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति, भारत गणराज्य के कार्यपालक अध्यक्ष होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 53 के अनुसार संघ की कार्यपालिका शक्ति उनमें निहित होती है। वह भारतीय सशस्त्र सेनाओं का सर्वोच्च सेनानायक भी है।

845. भारत के राष्ट्रपति के लिए आवश्यक योग्यता नहीं है–
(अ) वह भारत का नागरिक हो
(ब) वह 35 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो
(स) उसमें लोकसभा के सदस्य के लिए निर्धारित सभी योग्यताएं हो
(द) वह संसद के किसी सदन का सदस्य हो
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 58 के अनुसार राष्ट्रपति बनने के लिए निम्न योग्यताएँ होना आवश्यक है– (1) वह भारत का नागरिक होना अनिवार्य है। (2) कम से कम 35 वर्ष की आयु होनी चाहिए। (3) वह व्यक्ति किसी भी लाभ के पद पर कार्यरत न हो (4) वह लोकसभा का सदस्य निर्वाचित होने की योग्यता पूरी करता हो।

846. भारत के राष्ट्रपति निर्वाचित होने के पात्र बनने के लिए किसी व्यक्ति की आयु पूर्ण होनी चाहिए–
(अ) 21 वर्ष (ब) 25 वर्ष
(स) 30 वर्ष (द) 35 वर्ष
उत्तर : (द) RRB 2005, SSC 2011
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 58 के अनुसार राष्ट्रपति बनने के लिए निम्न योग्यताएँ होना आवश्यक है– (1) वह भारत का नागरिक होना अनिवार्य है। (2) कम से कम 35 वर्ष की आयु होनी चाहिए। (3) वह व्यक्ति किसी भी लाभ के पद पर कार्यरत न हो (4) वह लोकसभा का सदस्य निर्वाचित होने की योग्यता पूरी करता हो।

847. राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए अधिकतम आयु कितनी होनी चाहिए ?
(अ) 65 वर्ष (ब) 70 वर्ष
(स) 75 वर्ष (द) कोई आयु सीमा नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– राष्ट्रपति बनने के लिए अधिकतम आयु का कोई प्रावधान नहीं है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 58 के अनुसार राष्ट्रपति बनने के लिए निम्न योग्यताएँ होना आवश्यक है– (1) वह भारत का नागरिक होना अनिवार्य है। (2) कम से कम 35 वर्ष की आयु होनी चाहिए। (3) वह व्यक्ति किसी भी लाभ के पद पर कार्यरत न हो (4) वह लोकसभा का सदस्य निर्वाचित होने की योग्यता रखता हो।

848. एक व्यक्ति राष्ट्रपति पद के लिए अधिकतम कितनी बार निर्वाचित हो सकता है ?
(अ) दो बार (ब) तीन बार
(स) चार बार (द) कोई सीमा नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत का कोई व्यक्ति कितनी बार भी राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित हो सकता है। अब तक सर्वाधिक बार डॉ. राजेन्द्र प्रसाद राष्ट्रपति पद पर निर्वाचित हुए है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 58 के अनुसार राष्ट्रपति बनने के लिए निम्न योग्यताएँ होना आवश्यक है– (1) वह भारत का नागरिक होना अनिवार्य है। (2) कम से कम 35 वर्ष की आयु होनी चाहिए। (3) वह व्यक्ति किसी भी लाभ के पद पर कार्यरत न हो (4) वह लोकसभा का सदस्य निर्वाचित होने की योग्यता पूरी करता हो।

849. राष्ट्रपति का निर्वाचन किस प्रकार से होता है ?
(अ) प्रत्यक्ष रूप से
(ब) अप्रत्यक्ष रूप से
(स) मनोनयन द्वारा
(द) कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति का चुनाव अनुच्छेद 55 के अनुसार आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के एकल संक्रमणीय मत पद्धति के द्वारा होता है। राष्ट्रपति को भारत के संसद के दोनों सदनों (लोक सभा और राज्य सभा) तथा साथ ही राज्य विधायिकाओं (विधान सभाओं) के निर्वाचित सदस्यों द्वारा पाँच वर्ष की अवधि के लिए चुना जाता है।

850. राष्ट्रपति पद के निर्वाचन हेतु कौनसी पद्धति अपनाई जाती है ?
(अ) सूची पद्धति
(ब) संचयी मत पद्धति
(स) सापेक्ष बहुमत पद्धति
(द) समानुपातिक प्रतिनिधित्व एवं एकल संक्रमणीय मत पद्धति
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति का चुनाव अनुच्छेद 55 के अनुसार आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के एकल संक्रमणीय मत पद्धति के द्वारा होता है। राष्ट्रपति को भारत की संसद के दोनों सदनों (लोक सभा और राज्य सभा) तथा साथ ही राज्य विधायिकाओं (विधान सभाओं) के निर्वाचित सदस्यों द्वारा पाँच वर्ष की अवधि के लिए चुना जाता है।

851. राष्ट्रपति के चुनाव के लिए प्रस्तावक एवं अनुमोदकों की कम–से–कम कितनी संख्या होनी चाहिए ?
(अ) 10–10 (ब) 20–20
(स) 50–50 (द) 100–100
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति के चुनाव के लिए प्रस्तावक एवं अनुमोदकों की कम–से–कम संख्या 50–50 होनी चाहिए। किसी भी उम्मीदवार की उम्मीदवारी को तभी वैध माना जाएगा जब कम से कम 50 मतदाता उसके प्रस्तावक हो और 50 अनुमोदक हों। एक उम्मीदवार को अधिकतम चार नामांकन पत्र दाखिल करने की अनुमति होती है, लेकिन हर नामंकन पत्र के लिए उसे अलग–अलग प्रस्तावकों और अनुमोदकों की जरूरत होती है।

852. भारत में किसके चुनाव में आनुपातिक प्रतिनिधित्व चुनाव प्रणाली अपनाई जाती है ?
(अ) राज्यसभा सदस्य (ब) विधान परिषद् सदस्य
(स) उपराष्ट्रपति (द) राष्ट्रपति
उत्तर : (द) RRB 2005
व्याख्या– भारत के संविधान के अनुच्छेद 55(3) के अनुसार राष्ट्रपति का निर्वाचन एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुरूप किया जाएगा और ऐसे निर्वाचन में गोपनीय मतपत्रों द्वारा मतदान किया जाएगा।

853. राष्ट्रपति पद के चुनाव संबंधी विवाद को किसे निदेशित किया जाता है ?
(अ) संसदीय समिति (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) निर्वाचन आयोग (द) उच्चतम न्यायालय
उत्तर : (द) RRB 2006
व्याख्या–44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा राष्ट्रपति पद के चुनाव संबंधी विवाद को सर्वोच्च न्यायालय निदेशित करता है।

854. भारत का राष्ट्रपति निर्वाचित होने के लिए निम्नलिखित में से कौनसी बात अयोग्यता मानी जाएगी ?
(अ) भारत का नागरिक हो
(ब) 35 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो
(स) लोकसभा का सदस्य निर्वाचित होने के लिए अर्हित हो
(द) कोई लाभ का पद ग्रहण किए हुए हो
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 58 के अनुसार राष्ट्रपति बनने के लिए निम्न योग्यताएँ होना आवश्यक है– (1) वह भारत का नागरिक होना अनिवार्य है। (2) कम से कम 35 वर्ष की आयु होनी चाहिए। (3) वह व्यक्ति किसी भी लाभ के पद पर कार्यरत न हो (4) वह लोकसभा का सदस्य निर्वाचित होने की योग्यता पूरी करता हो।

855. भारत में राष्ट्रपति का चुनाव किया जाता है–
(अ) प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा
(ब) एकल हस्तांतरित मत पद्धति द्वारा
(स) आनुपातिक मत प्रणाली द्वारा
(द) खुला बैलट प्रणाली द्वारा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति का चुनाव अनुच्छेद 55 के अनुसार आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के एकल संक्रमणीय मत पद्धति के द्वारा होता है। राष्ट्रपति को भारत की संसद के दोनों सदनों (लोक सभा और राज्य सभा) तथा साथ ही राज्य विधायिकाओं (विधान सभाओं) के निर्वाचित सदस्यों द्वारा पाँच वर्ष की अवधि के लिए चुना जाता है।

856. राष्ट्रपति पद का चुनाव संचालित किया जाता है–
(अ) लोकसभा अध्यक्ष द्वारा
(ब) प्रधानमंत्री द्वारा
(स) निर्वाचन आयोग द्वारा
(द) संसदीय मामलों के मंत्री द्वारा
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति का चयन एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य एवं राज्यों की विधान सभाओं एवं साथ ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र तथा संघ शासित क्षेत्र, पुदुचेरी के निर्वाचित सदस्य सम्मिलित होते हैं। राष्ट्रपति पद का चुनाव भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित होता है।

857. राष्ट्रपति चुनाव संबंधी मामले किसके पास भेजे जाते हैं ?
(अ) चुनाव आयोग (ब) संसद
(स) उच्चतम न्यायालय (द) उपराष्ट्रपति
उत्तर : (स) IAS 1988, RRB 2003
व्याख्या– राष्ट्रपति चुनाव संबंधी मामले सर्वोच्च न्यायालय के पास भेजे जाते हैं।

858. किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित विवाद का निर्णय उच्चतम न्यायालय द्वारा करने का प्रावधान संविधान में किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 55 (ब) अनुच्छेद 68
(स) अनुच्छेद 69 (द) अनुच्छेद 71
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 71 के तहत राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित विवाद का निर्णय उच्चतम न्यायालय द्वारा करने का प्रावधान संविधान में किया गया है। अनुच्छेद 71 राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित विषय का उल्लेख करता है। इसके तहत राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के निर्वाचन से उत्पन्न या संसक्त सभी शंकाओं और विवादों की जाँच और विनिश्चय उच्चतम न्यायालय द्वारा किया जाएगा और उसका विनिश्चय अंतिम होगा।

859. किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति अपने पदग्रहण करने की तिथि से 5 वर्ष की अवधि तक अपने पद पर बना रहता है ?
(अ) अनुच्छेद 54 (ब) अनुच्छेद 56
(स) अनुच्छेद 57 (द) अनुच्छेद 58
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 56 के तहत राष्ट्रपति अपने पदग्रहण करने की तिथि से 5 वर्ष की अवधि तक अपने पद पर बना रहता है, लेकिन इस अवधि के पूर्व भी राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति को सम्बोधित अपने लेख द्वारा त्याग पत्र दे सकता है। संविधान के अतिक्रमण के आधार पर राष्ट्रपति को अनुच्छेद 61 में उपबंधित महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा पद से हटाया जा सकता है। राष्ट्रपति को पद से हटाने का महाभियोग प्रस्ताव को संसद की कुल सदस्य संख्या के दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी होता है।

860. राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार हेतु कितना समय मिलता है ?
(अ) 1 माह (ब) 2 सप्ताह
(स) 1 सप्ताह (द) 3 सप्ताह
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों को चुनाव प्रचार हेतु 2 सप्ताह का समय मिलता है।

861. भारत के राष्ट्रपति का चुनाव कितने वर्षों के लिए होता है ?
(अ) 6 वर्ष (ब) 5 वर्ष
(स) 4 वर्ष (द) 3 वर्ष
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति का चुनाव अनुच्छेद 55 के अनुसार आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के एकल संक्रमणीय मत पद्धति के द्वारा होता हैं राष्ट्रपति को भारत की संसद के दोनों सदनों (लोक सभा और राज्य सभा) तथा साथ ही राज्य विधायिकाओं (विधान सभाओं) के निर्वाचित सदस्यों द्वारा पाँच वर्ष की अवधि के लिए चुना जाता है।

862. राष्ट्रपति के चुनाव के लिए निर्वाचक मंडल में होते हैं–
(अ) संसद के सभी सदस्य और विधान सभाओं तथा परिषदों के सभी सदस्य
(ब) संसद के दोनों सदनों तथा विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य
(स) संसद के दोनों सदनों के सभी सदस्य
(द) संसद के दोनों सदनों के सभी निर्वाचित सदस्य
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– राष्ट्रपति का चयन एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य एवं राज्यों की विधान सभाओं एवं साथ ही राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली क्षेत्र तथा संघ शासित क्षेत्र पुदुचेरी के निर्वाचित सदस्य सम्मिलित होते हैं।

863. राष्ट्रपति को हटाया जा सकता है–
(अ) अविश्वास प्रस्ताव लाकर
(ब) संविधान संशोधन से
(स) कानूनी कार्यवाही से
(द) महाभियोग द्वारा
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अतिक्रमण के आधार पर राष्ट्रपति को अनुच्छेद 61 में उपबंधित महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा पद से हटाया जा सकता है। राष्ट्रपति को हटाने का महाभियोग प्रस्ताव को संसद की कुल सदस्य संख्या के दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी होता है।

864. भारत के राष्ट्रपति को पद से हटाने की प्रक्रिया है–
(अ) संसद के द्वारा अविश्वास का प्रस्ताव
(ब) मंत्रिपरिषद का राष्ट्रपति को हटाने संबंधी प्रस्ताव
(स) सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश
(द) संसद द्वारा महाभियोग
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अतिक्रमण के आधार पर राष्ट्रपति को अनुच्छेद 61 में उपबंधित महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा पद से हटाया जा सकता है। राष्ट्रपति को हटाने का महाभियोग प्रस्ताव को संसद की कुल सदस्य संख्या के दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी होता है।

865. राष्ट्रपति पर महाभियोग की प्रक्रिया किस देश के संविधान से ली गई है ?
(अ) अमेरिका (ब) पूर्व सोवियत संघ
(स) जापान (द) आयरलैंड
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अतिक्रमण के आधार पर राष्ट्रपति को अनुच्छेद 61 में उपबंधित महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा पद से हटाया जा सकता है। राष्ट्रपति को हटाने का महाभियोग प्रस्ताव को संसद की कुल सदस्य संख्या के दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी होता है। राष्ट्रपति पर महाभियोग की प्रक्रिया अमेरिका के संविधान से ली गई है।

866. राष्ट्रपति संविधान के किस अनुच्छेद के तहत भारत के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष शपथ ग्रहण करता है ?
(अ) अनुच्छेद 58 (ब) अनुच्छेद 60
(स) अनुच्छेद 66 (द) अनुच्छेद 70
उत्तर : (ब)
व्याख्या–संविधान अनुच्छेद 60 में राष्ट्रपति द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान का उल्लेख है। इस अनुच्छेद के तहत प्रत्येक राष्ट्रपति और प्रत्येक व्यक्ति, जो

राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर रहा है या उसके कृत्यों का निर्वहन कर रहा है, अपना पद ग्रहण करने से पहले भारत के मुख्य न्यायाधीश या उसकी अनुपस्थिति में उच्चतम न्यायालय के उपलब्ध वरिष्ठतम न्यायाधीश के समक्ष शपथ लेगा या प्रतिज्ञान करेगा।

867. भारत के राष्ट्रपति को उसके पद से हटाया जा सकता है–
(अ) भारत के प्रधानमंत्री द्वारा
(ब) लोकसभा द्वारा
(स) भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा
(द) संसद द्वारा
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अतिक्रमण के आधार पर राष्ट्रपति को अनुच्छेद 61 में उपबंधित महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा पद से हटाया जा सकता है। राष्ट्रपति को हटाने का महाभियोग प्रस्ताव को संसद की कुल सदस्य संख्या के दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी होता है।

868. संविधान के उल्लंघन के लिए राष्ट्रपति के विरुद्ध महाभियोग कार्यवाही किसमें शुरू की जा सकती है ?
(अ) लोकसभा
(ब) राज्यसभा
(स) संसद के किसी भी सदन द्वारा
(द) उच्चतम न्यायालय
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति के विरुद्ध महाभियोग का आरोप संसद के किसी भी सदन में प्रारम्भ किया जा सकता है। संकल्प को प्रस्तावित करने की सूचना पर सदन की कुल सदस्य संख्या के कम से कम एक चौथाई सदस्यों के हस्ताक्षर होंगे। इस प्रस्ताव की सूचना राष्ट्रपति को 14 दिन पहले देनी होती है।

869. भारत के राष्ट्रपति को किस परिस्थिति में अपने पद से त्यागपत्र देना पड़ता है ?
(अ) महाभियोग लगने पर
(ब) रिश्वत लेने पर
(स) प्रधानमंत्री के कहने पर
(द) संसद में वक्तव्य न देने पर
उत्तर : (अ)
व्याख्या– जब महाभियोग पारित हो जाता है तो राष्ट्रपति को अपना त्यागपत्र देना पड़ता है। भारत का राष्ट्रपति अपना त्यागपत्र उपराष्ट्रपति को सौंपता है। संविधान के अतिक्रमण के आधार पर राष्ट्रपति को अनुच्छेद 61 में उपबंधित महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा पद से हटाया जा सकता है। राष्ट्रपति को हटाने का महाभियोग प्रस्ताव को संसद की कुल सदस्य संख्या के दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी होता है। राष्ट्रपति पर महाभियोग की प्रक्रिया अमेरिका के संविधान से ली गई है।

870. राष्ट्रपति पर महाभियोग किस आधार पर लगाया जा सकता है ?
(अ) किसी भी आधार पर
(ब) संविधान के अतिक्रमण करने पर
(स) राज्य की विधानसभा को भंग करने पर
(द) उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति बनाने पर
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अतिक्रमण के आधार पर राष्ट्रपति को अनुच्छेद 61 में उपबंधित महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा पद से हटाया जा सकता है। राष्ट्रपति को हटाने का महाभियोग प्रस्ताव को संसद की कुल सदस्य संख्या के दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी होता है।

871. कार्यकाल पूर्ण होने से पहले भारत के राष्ट्रपति को उनके पद से कौन हटा सकता है ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) उपराष्ट्रपति
(स) उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(द) संसद द्वारा महाभियोग लगाकर
उत्तर : (द) RRB 2005
व्याख्या– संविधान के अतिक्रमण के आधार पर राष्ट्रपति को अनुच्छेद 61 में उपबंधित महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा पद से हटाया जा सकता है। राष्ट्रपति को हटाने का महाभियोग प्रस्ताव को संसद की कुल सदस्य संख्या के दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी होता है। राष्ट्रपति पर महाभियोग की प्रक्रिया अमेरिका के संविधान से ली गई है।

872. राष्ट्रपति पर महाभियोग का आरोप एक संकल्प के रूप में संसद के किसी भी सदन में लाया जा सकता है। यह कम–से–कम कितने दिन की लिखित सूचना के बाद प्रस्तुत किया जाना चाहिए ?
(अ) 7 दिन (ब) 14 दिन
(स) 30 दिन (द) 60 दिन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति के विरुद्ध महाभियोग का आरोप संसद के किसी भी सदन में प्रारम्भ किया जा सकता है। संकल्प को प्रस्तावित करने की सूचना पर सदन की कुल सदस्य संख्या के कम से कम एक चौथाई सदस्यों के हस्ताक्षर होंगे। इस प्रस्ताव की सूचना राष्ट्रपति को 14 दिन पहले देनी होगी।

873. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद राष्ट्रपति के पद के लिए पुनः निर्वाचन की योग्यताएं निर्धारित करता है ?
(अ) अनुच्छेद 52 (ब) अनुच्छेद 54
(स) अनुच्छेद 55 (द) अनुच्छेद 57
उत्तर : (द)

व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद 57 राष्ट्रपति के पद के लिए पुनः निर्वाचन की योग्यताएँ निर्धारित करता है। अनुच्छेद 57 के अनुसार कोई व्यक्ति, जो राष्ट्रपति के रूप में पद धारण करता है या कर चुका है, इस संविधान के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए उस पद के लिए पुनर्निर्वाचन का पात्र होगा।

874. सदन में राष्ट्रपति के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव पास करने के लिए कितने सदस्यों का समर्थन चाहिए ?
(अ) सदन में उपस्थित और मतदान करने वाले कम–से–कम दो तिहाई सदस्य
(ब) सदन के कुल सदस्यों में से कम–से–कम दो तिहाई सदस्य
(स) सदन के कुल सदस्यों में से बहुसंख्यक सदस्य
(द) सदन के विशेष बहुमत
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सदन में राष्ट्रपति के विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव पास करने के लिए सदन के कुल सदस्यों में से कम से कम दो तिहाई सदस्यों का समर्थन मिलना जरूरी है। महाभियोग प्रस्ताव सिर्फ तब लाया जा सकता है, जब संविधान का उल्लंघन, दुर्व्यवहार या अक्षमता साबित हो गए हों। महाभियोग प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन में लाया जा सकता है।

875. भारत के राष्ट्रपति को कार्य अवधि की समाप्ति के पूर्व भी पद से हटाया जा सकता है–
(अ) सत्ताधारी राजनीतिक दल द्वारा
(ब) प्रधानमंत्री द्वारा
(स) महाभियोग द्वारा
(द) न्यायालय में ट्रायल द्वारा
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अतिक्रमण के आधार पर राष्ट्रपति को अनुच्छेद 61 में उपबंधित महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा पद से हटाया जा सकता है। राष्ट्रपति को हटाने का महाभियोग प्रस्ताव को संसद की कुल सदस्य संख्या के दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी होता है। राष्ट्रपति पर महाभियोग की प्रक्रिया अमेरिका के संविधान से ली गई है। महाभियोग प्रस्ताव सिर्फ तब लाया जा सकता है, जब संविधान का उल्लंघन, दुर्व्यवहार या अक्षमता साबित हो गए हों। महाभियोग प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन में लाया जा सकता है।

876. राष्ट्रपति को निम्नलिखित में से कौन पद और गोपनीयता की शपथ दिलाता है ?
(अ) भारत का मुख्य न्यायाधीश
(ब) प्रधानमंत्री
(स) अटार्नी जनरल
(द) महाधिवक्ता
उत्तर : (अ) RRB 2004
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 60 के तहत सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश राष्ट्रपति को पद की शपथ दिलाते हैं, अर्थात् राष्ट्रपति की नियुक्ति सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश करते हैं। भारत के राष्ट्रपति के चुनाव का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 54 में है। उसके अनुसार राष्ट्रपति का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप में होता है, जिसे आनुपातिक प्रतिनिधित्व एकल संक्रमणीय मत पद्धति कहा गया है।

877. किसी व्यक्ति के राष्ट्रपति के रूप में चुनाव को अवैध घोषित किये जाने की स्थिति में उसके द्वारा अपना चुनाव अवैध घोषित किये जाने के पूर्व कृत्यों की क्या संवैधानिकता होगी ?
(अ) यह कृत्य अविधिमान्य होंगे
(ब) उन कृत्यों की पुष्टि उसके उत्तराधिकारी द्वारा की जानी आवश्यक है
(स) यह कृत्य विधिमान्य होंगे
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– किसी व्यक्ति के राष्ट्रपति के रूप में चुनाव को अवैध घोषित किये जाने की स्थिति में उसके द्वारा अपना चुनाव अवैध घोषित किये जाने के पूर्व के कृत्य विधिमान्य होंगे।

878. मुख्य न्यायाधीश की अनुपस्थिति में राष्ट्रपति किसके समक्ष शपथ लेता है ?
(अ) उपराष्ट्रपति
(ब) महान्यायवादी
(स) लोकसभाध्यक्ष
(द) सर्वोच्च न्यायालय का वरिष्ठ न्यायाधीश
उत्तर : (द)
व्याख्या–भारतीय संविधान अनुच्छेद 60 में राष्ट्रपति द्वारा शपथ या प्रतिज्ञान का उल्लेख है। इस अनुच्छेद के तहत प्रत्येक राष्ट्रपति और प्रत्येक व्यक्ति, जो राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर रहा है या उसके कृत्यों का निर्वहन कर रहा है, अपना पद ग्रहण करने से पहले भारत के मुख्य न्यायाधीश या उसकी अनुपस्थिति में उच्चतम न्यायालय के उपलब्ध वरिष्ठतम न्यायाधीश के समक्ष शपथ लेगा या प्रतिज्ञान करेगा।

879. यदि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दोनों देश से बाहर हों तो उस स्थिति में उनके कार्यभार को कौन ग्रहण करेगा ?
(अ) राज्यपाल
(ब) प्रधान सेनापति
(स) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (स)
व्याख्या– यदि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दोनों देश से बाहर हों, उस स्थिति में उनके कार्यभार को सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश ग्रहण करता

है। भारत का मुख्य न्यायाधीश न्यायपालिका तथा सर्वोच्च न्यायालय का अध्यक्ष होता है।

880. भारत का राष्ट्रपति अपना त्यागपत्र किसे सम्बोधित करता है ?
(अ) प्रधानमंत्री को
(ब) उपराष्ट्रपति को
(स) लोकसभा अध्यक्ष को
(द) भारत के मुख्य न्यायाधीश को
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– भारत में राष्ट्रपति के बाद उपराष्ट्रपति का पद कार्यकारिणी में दूसरा सबसे बड़ा पद होता है। भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा के अध्यक्ष के तौर पर विधायी कार्यों में भी भाग लेता है। राष्ट्रपति की मृत्यु, पदत्याग या पद से हटाए जाने या अन्य कारण से उसके पद में हुई रिक्ति की दशा में उपराष्ट्रपति उस तारीख तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा, जिस तारीख को ऐसी रिक्ति को भरने के लिए इस अध्याय के उपबंधों के अनुसार निर्वाचित नया राष्ट्रपति अपना पद ग्रहण करता है। ये कार्यकाल अधिकतम 6 महीने तक रहता है।

881. एक ही समय में यदि राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दोनों का पद रिक्त हो जाए तो राष्ट्रपति के कृत्यों का निर्वहन कौन करेगा ?
(अ) भारत का महान्यायवादी
(ब) भारत का मुख्य न्यायाधीश
(स) लोकसभाध्यक्ष
(द) राज्यसभा का वरिष्ठतम सदस्य
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 70 में कहा गया है कि यदि कभी ऐसी परिस्थिति उत्पन्न हो जाए जब भारत का राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दोनों का पद रिक्त हो जाए तो भारतीय संसद को उनके कार्यों के सम्पादन की व्यवस्था करनी होगी। अनुच्छेद 70 के अंतर्गत संसद ने डिस्चार्ज ऑफ फंक्शन्स बिल, 1969 पारित किया जिसके अनुसार राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दोनों ही पद रिक्त होने पर सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश या उसकी अनुपस्थिति में उच्चतम न्यायालय का उपलब्ध वरिष्ठतम न्यायाधीश राष्ट्रपति के कर्तव्यों का निर्वहन करेगा।

882. भारत का राष्ट्रपति अपना त्यागपत्र भेज सकता है–
(अ) भारत के मुख्य न्यायाधीश को
(ब) प्रधानमंत्री को
(स) लोकसभा अध्यक्ष को
(द) उपराष्ट्रपति को
उत्तर : (द) RPSC IIgr. Teacher 2011
व्याख्या– भारत में राष्ट्रपति के बाद उपराष्ट्रपति का पद कार्यकारिणी में दूसरा सबसे बड़ा पद होता है। भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा के अध्यक्ष के तौर पर विधायी कार्यों में भी भाग लेता है। राष्ट्रपति की मृत्यु, पदत्याग या पद से हटाए जाने या अन्य कारण से उसके पद में हुई रिक्ति की दशा में उपराष्ट्रपति उस तारीख तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा, जिस तारीख को ऐसी रिक्ति को भरने के लिए इस अध्याय के उपबंधों के अनुसार निर्वाचित नया राष्ट्रपति अपना पद ग्रहण करता है।

883. जब राष्ट्रपति, मृत्यु, त्यागपत्र, पदच्युत या अन्य कारणों से अपने कर्तव्य को नहीं निभा सकता है, तो उपराष्ट्रपति कितने समय तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य कर सकता है ?
(अ) 5 वर्ष (ब) 2 वर्ष
(स) 1 वर्ष (द) 6 माह
उत्तर : (द)
व्याख्या– राष्ट्रपति की मृत्यु, पदत्याग या पद से हटाए जाने या अन्य कारण से उसके पद में हुई रिक्ति की दशा में उपराष्ट्रपति उस तारीख तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा, जिस तारीख को ऐसी रिक्ति को भरने के लिए इस अध्याय के उपबंधों के अनुसार निर्वाचित नया राष्ट्रपति अपना पद ग्रहण करता है। ये कार्यकाल अधिकतम 6 महीने तक रहता है।

884. राष्ट्रपति के त्यागपत्र की सूचना उपराष्ट्रपति किसको देता है ?
(अ) प्रधानमंत्री को
(ब) भारत के मुख्य न्यायाधीश को
(स) लोकसभाध्यक्ष को
(द) भारत के महान्यायवादी को
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 56(1) के अनुसार राष्ट्रपति अपना त्याग पत्र उपराष्ट्रपति को सम्बोधित करके देता है और अनुच्छेद 56(2) के अनुसार उपराष्ट्रपति इसकी सूचना लोकसभाध्यक्ष को तत्काल देता है।

885. भारतीय राष्ट्रपति के सर्वसम्मति से चुने जाने का अभी तक एकमात्र उदाहरण है–
(अ) वी.वी. गिरि
(ब) नीलम संजीव रेड्डी
(स) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(द) डॉ. जाकिर हुसैन
उत्तर : (ब) RRB 2006
व्याख्या– जाकिर हुसैन का 1969 में निधन होने पर राष्ट्रपति पद हेतु चुनाव हुए। राष्ट्रपति के चुनाव और चुनाव परिणाम के मध्य कुछ दिनों के लिए भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश मुहम्मद हिदायतुल्लाह कार्यवाहक राष्ट्रपति रहे। कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए नीलम संजीव रेड्डी को नामांकित किया और वी.वी. गिरी ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर राष्ट्रपति चुनाव

लड़ा। भारतीय इतिहास में पहली बार वी.वी. गिरी कांग्रेस उम्मीदवार को हरा कर राष्ट्रपति चुनाव जीते। प्रथम बार विफलता प्राप्त होने के बाद नीलम संजीव रेड्डी को दूसरी बार उम्मीदवार बनाए जाने पर सर्वसम्मति से राष्ट्रपति निर्वाचित हुए। संजीव रेड्डी भारत के एकमात्र ऐसे राष्ट्रपति थे, जो निर्विरोध निर्वाचित हुए। ये भारत के छठे राष्ट्रपति थे और उनका कार्यकाल 25 जुलाई 1977 से 25 जुलाई 1982 तक रहा।

886. निम्नलिखित में से कौनसे राष्ट्रपति पूर्व में केन्द्रीय गृहमंत्री थे ?
(अ) वी.वी. गिरि (ब) ज्ञानी जैल सिंह
(स) डॉ. जाकिर हुसैन (द) आर. वेंकटरमन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति पद पर रहते हुए ज्ञानी जैल सिंह का कार्यकाल 25 जुलाई 1982 से 25 जुलाई 1987 तक रहा। ये भारत के सातवें राष्ट्रपति थे। 1987 तक के अपने कार्यकाल के दौरान इन्हें 'ऑपरेशन ब्लूस्टार' एवं इंदिरा गाँधी की हत्या जैसी दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों से गुजरना पड़ा।

887. सबसे लम्बे समय तक भारत के राष्ट्रपति रहे–
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(ब) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(स) डॉ. जाकिर हुसैन
(द) वी.वी. गिरि
उत्तर : (अ)
व्याख्या– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। वे भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से थे, जिन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई। वे सबसे अधिक अवधि तक राष्ट्रपति पद पर आसीन रहने वाले व्यक्ति हैं।

888. निम्नलिखित में से कौन कभी भारत का राष्ट्रपति नहीं रहा ?
(अ) वी.वी. गिरि
(ब) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(स) डॉ. जाकिर हुसैन
(द) सी. राजगोपालाचारी
उत्तर : (द)
व्याख्या– चक्रवर्ती राजगोपालाचारी वकील, लेखक, राजनीतिज्ञ और दार्शनिक थे। वे स्वतन्त्र भारत के द्वितीय गवर्नर जनरल और प्रथम भारतीय गवर्नर जनरल थे।

889. भारत के किस राष्ट्रपति की मृत्यु कार्यकाल पूरा करने से पूर्व ही हो गई थी ?
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (ब) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(स) डॉ. जाकिर हुसैन (द) वी.वी. गिरि
उत्तर : (स)
व्याख्या– डॉ. जाकिर हुसैन स्वतंत्रता सेनानी एवं भारत के तीसरे राष्ट्रपति तथा प्रथम मुस्लिम राष्ट्रपति थे जिनका कार्यकाल 13 मई 1967 से 3 मई 1969 तक था। 1969 में असमय देहावसान के कारण वे अपना राष्ट्रपति कार्यकाल पूरा नहीं कर सके।

890. निम्नलिखित में से कौन लगातार दो बार राष्ट्रपति रहे थे ?
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(ब) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(स) डॉ. जाकिर हुसैन
(द) फखरूद्दीन अली अहमद
उत्तर : (अ) SSC 2002
व्याख्या– राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। वे भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे, जिन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई। वे सबसे अधिक अवधि तक राष्ट्रपति पद पर आसीन रहे। वे लगातार दो बार भारत के राष्ट्रपति रहे थे।

891. भारत का राष्ट्रपति चुने जाने वाले प्रथम गैर कांग्रेसी उम्मीदवार कौन थे ?
(अ) वी.वी. गिरि
(ब) नीलम संजीव रेड्डी
(स) डॉ. जाकिर हुसैन
(द) फखरूद्दीन अली अहमद
उत्तर : (अ)
व्याख्या– वी.वी. गिरि भारत के चौथे राष्ट्रपति थे। जाकिर हुसैन का 1969 में निधन होने पर राष्ट्रपति पद हेतु चुनाव हुए। राष्ट्रपति के चुनाव और चुनाव परिणाम के मध्य कुछ दिनों के लिए भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश मुहम्मद हिदायतुल्लाह कार्यवाहक राष्ट्रपति रहे। कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए नीलम संजीव रेड्डी को नामांकित किया और वी.वी. गिरी ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर राष्ट्रपति चुनाव लड़ा। भारतीय इतिहास में पहली बार वी.वी. गिरी कांग्रेस उम्मीदवार को हरा कर राष्ट्रपति चुनाव जीते।

892. स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे ?
(अ) सरदार बल्लभ भाई पटेल
(ब) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(स) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(द) पं. जवाहरलाल नेहरु
उत्तर : (स) SSC 2011
व्याख्या– राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। वे भारतीय स्वाधीनता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक थे जिन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में प्रमुख भूमिका निभाई। वे सबसे अधिक अवधि तक राष्ट्रपति पद पर आसीन रहे।

893. यदि मृत्यु, त्यागपत्र अथवा हटाए जाने की स्थिति में भारत के राष्ट्रपति का पद रिक्त हो जाए तो उस पद का कार्यभार कौन संभालेगा ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) उपराष्ट्रपति
(स) भारत का मुख्य न्यायाधीश
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति की मृत्यु, पदत्याग या पद से हटाए जाने या अन्य कारण से उसके पद में हुई रिक्ति की दशा में उपराष्ट्रपति उस तारीख तक राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा, जिस तारीख को ऐसी रिक्ति को भरने के लिए इस अध्याय के उपबंधों के अनुसार निर्वाचित नया राष्ट्रपति अपना पद ग्रहण करता है।

894. भारतीय संघ के प्रतिरक्षा बलों का सर्वोच्च समादेश निम्नलिखित में से किसमें निहित होता है ?
(अ) थल सेनाध्यक्ष (ब) राष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) तीनों सेनाध्यक्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संघ के प्रतिरक्षा बलों का सर्वोच्च समादेश राष्ट्रपति में निहित होता है। भारतीय सशस्त्र सेनाएँ भारत तथा इसके प्रत्येक भाग की सुरक्षा सुनिश्चत करने के लिए उत्तरदायी है। भारतीय शस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमान भारत के राष्ट्रपति के पास है। भारतीय सेना के तीन प्रभाग हैं–भारतीय थलसेना, भारतीय जलसेना, भारतीय वायुसेना और इसके अतिरिक्त भारतीय सशस्त्र बलों, भारतीय तटरक्षक बल और अर्धसैनिक संगठनों (असम राइफल्स और स्पेशल फ्रंटियर फोर्स) और विभिन्न अंतर–सेवा आदेशों और संस्थानों में इस तरह के सामरिक बल कमान अंडमान निकोबार कमान और समन्वित रूप से समर्थन कर रहे डिफेंस स्टाफ।

895. निम्नलिखित में से किसकी नियुक्ति भारत का राष्ट्रपति करता है ?
(अ) भारत का महान्यायवादी
(ब) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(स) एक राज्य का राज्यपाल
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 76 के तहत भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। भारत का महान्यायवादी (अटार्नी जनरल) भारत सरकार का मुख्य कानूनी सलाहकार तथा भारतीय उच्चतम न्यायालय में सरकार का प्रमुख वकील होता है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक, भारतीय संविधान के भाग–5 में अनुच्छेद 148 के तहत स्थापित एक प्राधिकारी है जो भारत सरकार तथा सभी प्रादेशिक सरकारों के सभी तरह के लेखों का अंकेक्षण करता है। वह सरकार के स्वामित्व वाली कम्पनियों का भी अंकक्षेण करता है। भारत के नियंत्रण एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। संविधान के अनुच्छेद 155 के अनुसार राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से की जाएगी, किन्तु वास्तव में राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा केंद्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर की जाती है।

896. निम्नलिखित में से भारत का राष्ट्रपति किसकी नियुक्ति नहीं करता है ?
(अ) उपराष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) राज्यपाल (द) मुख्य निर्वाचन आयुक्त
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर निर्वाचकगण के सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होगा और ऐसे निर्वाचन में मतदान गुप्त होता है। उपराष्ट्रपति ससंद के किसी सदन का या किसी राज्य के विधान मंडल के किसी सदन का सदस्य नहीं होगा और यदि संसद के किसी सदन का या किसी राज्य के विधानमंडल के किसी सदन का कोई सदस्य उपराष्ट्रपति निर्वाचित हो जाता है तो यह समझा जाएगा कि उसने उस सदन में अपना स्थान उपराष्ट्रपति के रूप में अपने पद ग्रहण की तारीख से रिक्त कर दिया है।

897. केन्द्रीय मंत्रिमंडल के मंत्रियों की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) राष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री की सलाह से राष्ट्रपति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्रीय मंत्रिमंडल, भारत गणराज्य में कार्यकारी अधिकार का प्रयोग करता है। इसमें वरिष्ठ मंत्री (केबिनेट मंत्री) सम्मिलित होते हैं, जिनका नेतृत्व प्रधानमंत्री करते हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 74 के तहत राष्ट्रपति को उसके दायित्वों के निर्वाह में सलाह देने के लिए केन्द्रीय मंत्रिपरिषद का प्रावधान किया जाता है। प्रधानमंत्री की सलाह पर ही राष्ट्रपति अन्य मंत्रियों को नियुक्त करता है तथा किसी मंत्री को उसके पद से हटाता है।

898. किसी भी अभियुक्त की फाँसी की सजा को बदलने या कम करने का अधिकार किसे दिया गया है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) मुख्य न्यायाधीश (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (अ)

व्याख्या– किसी भी अभियुक्त की फाँसी की सजा को बदलने या कम करने का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय से फाँसी की सजा मिलने के बाद कोई भी व्यक्ति, विदेशी नागरिक भी, अपराध के संबंध में राष्ट्रपति के कार्यालय या गृह मंत्रालय को दया याचिका भेज सकता है। संबंधित राज्य के राज्यपाल को भी दया याचिका भेजी जा सकती है। राज्यपाल अपने पास आने वाली दया याचिकाओं को गृह मंत्रालय को भेज देते हैं।

899. वित्त बिल के लिए किसकी पूर्व स्वीकृति आवश्यक है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) वित्त मंत्री
(स) राष्ट्रपति (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 117(1) और 117(2) में वित्त विधेयक का उल्लेख किया गया है। ऐसे सभी विधेयक, जिनका संबंध वित्तीय मामलों से होता है, वित्त विधेयक कहलाते हैं। इस विधेयक को राष्ट्रपति की सहमति के बाद लोकसभा में पेश किया जाता है। इसमें राज्यसभा को भी पर्याप्त शक्ति प्राप्त होती है।

900. भारत के राष्ट्रपति की मर्जी तक निम्नलिखित में से कौन अपने पद पर रह सकता है ?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय (ब) चुनाव आयुक्त
(स) राज्यपाल (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (स) RRB 2005
व्याख्या– राज्यपाल राज्य में केन्द्र का प्रतिनिधि होता है तथा राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद पर बना रहता है। वह कभी भी पद से हटाया जा सकता है। यद्यपि राज्यपाल की कार्य अवधि उसके पद ग्रहण की तिथि से पाँच वर्ष तक होती है, लेकिन इस पाँच वर्ष की अवधि के समापन के बाद वह तब तक अपने पद पर बना रहता है, जब तक उसका उत्तराधिकारी पद नहीं ग्रहण कर लेता। जब राज्यपाल पाँच वर्ष की अवधि की समाप्ति के बाद पद पर रहता है, तब वह प्रतिदिन के वेतन के आधार पर पद पर बना रहता है।

901. निम्नलिखित में से किसकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा नहीं होती है ?
(अ) लोकसभाध्यक्ष
(ब) भारत के मुख्य न्यायाधीश
(स) सेना प्रमुख
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ) RRB 2004, SSC 2010
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष, भारतीय संसद के निम्नसदन, लोकसभा का सभापति एवं अधिष्ठाता होता है। लोकसभा अध्यक्ष का निर्वाचन लोकसभा के सदस्यों के द्वारा किया जाता है। निर्वाचन की तिथि राष्ट्रपति के द्वारा निश्चित की जाती है। लोकसभा अध्यक्ष अन्य लोकसभा सदस्यों की ही तरह एक सदस्य के रूप में शपथ लेता है। लोकसभा अध्यक्ष का शपथ ग्रहण भी कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा कराया जाता है। कार्यकारी अध्यक्ष सबसे वरिष्ठ सदस्यों को बनाया जाता है।

902. राष्ट्रपति द्वारा संसद में कुल कितने सदस्यों को नामित किया जा सकता है ?
(अ) 12 (ब) 16
(स) 10 (द) 12
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रपति द्वारा 12 सदस्यों को राज्यसभा में मनोनीत किया जाता है, जो साहित्य, विज्ञान, कला, सामाजिक सेवा, खेल जगत में बेहतरीन काम करने वाले होते हैं। 104वाँ संविधान संशोधन (2019 ई.) के द्वारा लोकसभा एवं राज्य विधान सभाओं में आंग्ल भारतीयों के लिए सीटों के आरक्षण को समाप्त कर दिया गया है, वरना इस संशोधन से पूर्व राष्ट्रपति द्वारा आंग्ल भारतीयों में से 2 सदस्य लोकसभा में मनोनीत किया जाता था।

903. निम्नलिखित में से किसे राष्ट्रपति नियुक्त नहीं करता है ?
(अ) वित्त आयोग
(ब) योजना आयोग
(स) राजकीय भाषा आयोग
(द) संघ लोक सेवा आयोग
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत का योजना आयोग, भारत सरकार की एक संस्था थी, जिसका प्रमुख कार्य पंचवर्षीय योजनाएँ बनाना था। वर्ष 2014 में इस संस्था का नाम बदलकर नीति आयोग (राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान) किया गया। भारत में योजना आयोग के संबंध में कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं है। 15 मार्च 1950 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पारित प्रस्ताव के द्वारा योजना आयोग की स्थापना की गई थी। योजना आयोग का अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है।

904. भारत के राष्ट्रपति को यह अधिकार प्राप्त नहीं है कि वह–
(अ) क्षमा प्रदान करें
(ब) न्यायालय के न्यायाधीश को हटाएं
(स) आपातकाल की घोषणा करें
(द) अध्यादेश जारी करे
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति के निम्न अधिकार हैं– (1) कार्यपालिका अधिकार, जिन्हें वह प्रत्यक्ष या अपने अधीनस्थों द्वारा प्रयुक्त कर सकता है। (2) राष्ट्र के उच्च पदस्थ अधिकारियों की स्थापना जैसे उच्चतम, उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश और राज्यपाल (3) सशस्त्र सेनाओं का कमांडर (4) मृत्युदण्ड आदि को क्षमा करने का अधिकार (5) राजदूतों की स्थापना (6) लोकसभा को भंग करने

का अधिकार (7) अध्यादेशों को जारी करने का अधिकार (8) आपातकालीन अधिकार।

905. किसी विधि के प्रश्न पर सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श लेने का अधिकार किसको है ?
(अ) प्रधानमंत्री को
(ब) राष्ट्रपति को
(स) किसी भी उच्च न्यायालय को
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 143 में उच्चतम न्यायालय से परामर्श करने की राष्ट्रपति की शक्ति निहित है। यदि किसी समय राष्ट्रपति को प्रतीत होता है कि विधि या कानून का कोई ऐसा प्रश्न उत्पन्न हुआ है या उत्पन्न होने की संभावना है, जो ऐसी प्रकृति का और ऐसे व्यापक महत्व का है कि उस पर उच्चतम न्यायालय की राय प्राप्त करना आवश्यक हो गया है, तो वह उस प्रश्न को विचार करने के लिए उस न्यायालय को निर्देशित कर सकेगा अैर वह न्यायालय, ऐसी सुनवाई के पश्चात् जो वह ठीक समझता है, राष्ट्रपति को उस पर अपनी राय प्रतिवेदित कर सकेगा।

906. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद राष्ट्रपति को उच्चतम न्यायालय से परामर्श करने की शक्ति प्रदान करता है ?
(अ) अनुच्छेद 129 (ब) अनुच्छेद 132
(स) अनुच्छेद 143 (द) अनुच्छेद 32
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 143 में उच्चतम न्यायालय से परामर्श करने की राष्ट्रपति की शक्ति निहित है। यदि किसी समय राष्ट्रपति को प्रतीत होता है कि विधि या कानून का कोई ऐसा प्रश्न उत्पन्न हुआ है या उत्पन्न होने की संभावना है, जो ऐसी प्रकृति का और ऐसे व्यापक महत्व का है कि उस पर उच्चतम न्यायालय की राय प्राप्त करना आपश्यक है, तो वह उस प्रश्न को विचार करने के लिए उस न्यायालय को निर्देशित कर सकेगा अैर वह न्यायालय, ऐसी सुनवाई के पश्चात् जो वह ठीक समझता है, राष्ट्रपति को उस पर अपनी राय प्रतिवेदित कर सकेगा।

907. संसद का अधिवेशन बुलाने का कार्य किसका है ?
(अ) प्रधानमंत्री का (ब) संघीय मंत्रिपरिषद का
(स) लोकसभाध्यक्ष का (द) राष्ट्रपति का
उत्तर : (द)
व्याख्या– संसद का अधिवेशन बुलाने का कार्य राष्ट्रपति को है। भारत की संसद भारत की विधायिका का सर्वोच्च निकाय है। यह द्विसदनीय व्यवस्था है। भारतीय संसद में राष्ट्रपति तथा दो सदन 'लोकसभा व राज्यसभा' होते हैं। राष्ट्रपति के पास संसद के दोनों में से किसी भी सदन को बुलाने या स्थगित करने अथवा लोकसभा को भंग करने की शक्ति है।

908. राष्ट्रपति को कौन सलाह एवं मंत्रणा देता है ?
(अ) उपराष्ट्रपति (ब) राज्यपाल
(स) मुख्यमंत्री (द) संघीय मंत्रिपरिषद
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान में सैद्धांतिक रूप से समस्त कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित की गई है और राष्ट्रपति को सहायता और परामर्श देने के लिए मंत्रिपरिषद की व्यवस्था की गई है, जिसका प्रधान प्रधानमंत्री होता है। अतः व्यावहारिक रूप से समस्त कार्यपालिका शक्ति मंत्रिपरिषद में निहित होती है अर्थात् राष्ट्रपति के नाम पर समस्त कार्यपालिका शक्तियों का उपयोग मंत्रिपरिषद द्वारा किया जाता है।

909. विदेशों को भेजे जाने वाले विभिन्न संसदीय प्रतिनिधिमंडलों के लिए व्यक्तियों का नामांकन निम्नलिखित में से कौन करता है ?
(अ) लोकसभाध्यक्ष (ब) प्रधानमंत्री
(स) राष्ट्रपति (द) राज्यसभा अध्यक्ष
उत्तर : (स) SSC 2002
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति के निम्न अधिकार हैं– (1) कार्यपालिका अधिकार, जिन्हें वह प्रत्यक्ष या अपने अधीनस्थों द्वारा प्रयुक्त कर सकता है। (2) राष्ट्र के उच्च पदस्थ अधिकारियों की स्थापना जैसे उच्चतम, उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश और राज्यपाल (3) सशस्त्र सेनाओं को कमांडर (4) मृत्युदण्ड आदि को क्षमा करने का अधिकार (5) राजदूतों की स्थापना (6) लोकसभा को भंग करने का अधिकार (7) अध्यादेशों को जारी करने का अधिकार (8) आपातकालीन अधिकार।

910. भारत के राष्ट्रपति ने आर्थिक संकट की घोषणा की–
(अ) 1962 में (ब) 1971 में
(स) 1975 में (द) कभी नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 360 के तहत वित्तीय आपात काल की घोषणा की जाती है। अब तक भारत में वित्तीय आपात काल की घोषणा नहीं की गई है।

911. राष्ट्रपति किस विधेयक को पुनर्विचार के लिए नहीं लौटा सकता ?
(अ) साधारण विधेयक (ब) गैर सरकारी विधेयक
(स) धन विधेयक (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति धन विधेयक को पुनर्विचार करने हेतु सदन को नहीं लौटा सकता है। राष्ट्रपति संसद द्वारा निर्धारित विशेष बहुमत से और जहाँ आवश्यक हो, राज्य विधानमंडलों की अपेक्षित सदस्य संख्या द्वारा अनुसमर्थित, पारित संविधान

संशोधन विधेयक पर अपनी अनुमति देने के लिए बाध्य है।

912. विदेशी देशों के सभी राजदूतों का कमिश्नरों के प्रत्यय पत्र किसके द्वारा प्राप्त किये जाते हैं ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) विदेश मंत्री
(स) राष्ट्रपति (द) उपराष्ट्रपति
उत्तर : (स) RRB 2004
व्याख्या– विदेशी देशों के सभी राजदूतों का कमिश्नरों के प्रत्यय पत्र राष्ट्रपति द्वारा प्राप्त किये जाते हैं। भारत के राष्ट्रपति के निम्न अधिकार हैं– (1) कार्यपालिका अधिकार, जिन्हें वह प्रत्यक्ष या अपने अधीनस्थों द्वारा प्रयुक्त कर सकता है। (2) राष्ट्र के उच्च पदस्थ अधिकारियों की स्थापना जैसे उच्चतम, उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश और राज्यपाल (3) सशस्त्र सेनाओं को कमांडर (4) मृत्युदण्ड आदि को क्षमा करने का अधिकार (5) राजदूतों की स्थापना (6) लोकसभा को भंग करने का अधिकार (7) अध्यादेशों को जारी करने का अधिकार (8) आपातकालीन अधिकार।

913. निम्नलिखित में से राष्ट्रपति का कार्य नहीं है–
(अ) लोकसभा का सत्र बुलाना
(ब) लोकसभा का विघटन करना
(स) लोकसभा का सत्रावसान करना
(द) किसी सत्र के अंतर्गत लोकसभा की बैठकें आहूत करना
उत्तर : (द) RRB 2004
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति के निम्न अधिकार हैं– (1) कार्यपालिका अधिकार, जिन्हें वह प्रत्यक्ष या अपने अधीनस्थों द्वारा प्रयुक्त कर सकता है। (2) राष्ट्र के उच्च पदस्थ अधिकारियों की स्थापना जैसे उच्चतम, उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश और राज्यपाल (3) सशस्त्र सेनाओं को कमांडर (4) मृत्युदण्ड आदि को क्षमा करने का अधिकार (5) राजदूतों की स्थापना (6) लोकसभा को भंग करने का अधिकार (7) अध्यादेशों को जारी करने का अधिकार (8) आपातकालीन अधिकार।

914. भारत के निम्नलिखित में से किस मुख्य न्यायाधीश ने कुछ समय तक भारत के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया ?
(अ) न्यायमूर्ति राजेन्द्र गडकर
(ब) न्यायमूर्ति एच. कानिया
(स) न्यायमूर्ति पी.एन. भगवती
(द) न्यायमूर्ति एम. हिदायतुल्लाह
उत्तर : (द) SSC 2013
व्याख्या– मुहम्मद हिदायतुल्लाह भारत के पहले मुस्लिम मुख्य न्यायाधीश थे और मध्य प्रदेश के प्रथम न्यायाधीश भी रहे। उन्होंने दो अवसरों पर भारत के कार्यवाही राष्ट्रपति के रूप में भी कार्यभार संभाला था।

915. राष्ट्रपति किस सूची के विषयों पर अध्यादेश जारी नहीं कर सकता है ?
(अ) समवर्ती सूची (ब) राज्य सूची
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) संघीय सूची
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 123 के अनुसार अध्यादेश जारी कर सकता है। इसका प्रभाव संसद के अधिनियम के समान होता है। इस अध्यादेश का प्रभाव संसद सत्र के शुरू होने के 6 सप्ताह तक रहता है, लेकिन राष्ट्रपति राज्य सूची के विषयों पर अध्यादेश जारी नहीं कर सकता और जब दोनों सदन सत्र में होते हैं, तब राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्राप्त नहीं है। राष्ट्रपति केवल उन विषयों पर अध्यादेश जारी कर सकते हैं, जिन पर संसद कानून बना सकती है। राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने के लिए कैबिनेट की अनुशंसा लेनी होती है। राष्ट्रपति द्वारा जारी अध्यादेश को संसद की अगली बैठक के छह माह के अन्दर पेश करना होता है। अगर राष्ट्रपति द्वारा जारी अध्यादेश को संसद पारित नहीं करती, तो वह छह सप्ताह बाद प्रभावहीन हो जाता है। राष्ट्रपति द्वारा जारी अध्यादेश को संसद के अधिनियम के समान बल और प्रभाव होता है। राष्ट्रपति द्वारा जारी अध्यादेश को कभी भी वापस लिया जा सकता है। राष्ट्रपति द्वारा जारी अध्यादेश प्रकृति में अस्थायी होता है। राज्यपाल को अध्यादेश जारी करने का अधिकार नहीं है।

916. यदि राष्ट्रपति द्वारा किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए लौटाया जाता है तो वह किस वीटो का प्रयोग करता है ?
(अ) जेबी वीटो (ब) निलम्बनकारी वीटो
(स) आन्यांतिक वीटो (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति को संसद द्वारा पारित विधेयक के संदर्भ में तीन तरह की वीटो या निषेधाधिकार शक्तियाँ प्राप्त हैं, जों निम्न हैं– (1) आत्यंतिक वीटो (2) निलंबनकारी वीटो (3) पॉकेट वीटो। निलम्बनकारी वीटो का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति किसी विधेयक को संसद के पास पुनर्विचार के लिए भेजता है। उल्लेखनीय है कि धन विधेयक के संबंध में राष्ट्रपति इस वीटो पॉवर का प्रयोग नहीं कर सकता, क्योंकि धन विधेयक को पुनर्विचार के लिए नहीं लौटाया जा सकता है।

917. राष्ट्रपति निम्न में से किस सूची के विषय पर अध्यादेश जारी कर सकता है ?
(अ) राज्य सूची (ब) संघ सूची
(स) राज्य व संघ सूची (द) संघ व समवर्ती सूची
उत्तर : (द)
व्याख्या– अध्यादेश ऐसे कानून हैं, जिन्हें केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा

प्रतिष्ठापित किया जाता है, जिसका संसद के अधिनियम के समान प्रभाव होगा। उन्हें केवल तभी जारी किया जा सकता है, जब संसद सत्र में नहीं हो। वे भारत सरकार को तत्काल विधायी कार्रवाई करने में सक्षम बनाते हैं। अध्यादेश या तो संसद के छः सप्ताह के भीतर संसद द्वारा उन्हें मंजूर नहीं किए जाने पर या यदि दोनों सदनों द्वारा अस्वीकृत प्रस्तावों को पारित कर दिया जाता है, तो वे कार्य करना बंद कर देते हैं। छह महीने के भीतर संसद का सत्र होना भी अनिवार्य है। इस हेतु संविधान के अनुच्छेद 123 की व्यवस्था है।

918. निम्नलिखित में से किस परिस्थिति में राष्ट्रपति अध्यादेश जारी नहीं कर सकता है ?
(अ) जब केवल राज्यसभा ही सत्र में हो
(ब) जब केवल लोकसभा ही सत्र में हो
(स) जब लोकसभा व राज्यसभा दोनों सत्र में हो
(द) जब लोकसभा व राज्यसभा दोनों सत्र में न हो
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 123 के अनुसार अध्यादेश जारी कर सकता है। इसका प्रभाव संसद के अधिनियम के समान होता है। इस अध्यादेश का प्रभाव संसद सत्र के शुरू होने के 6 सप्ताह तक रहता है। जब दोनों सदन सत्र में होते हैं, तब राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्राप्त नहीं है।

919. जब कोई विधेयक संसद द्वारा पारित हो जाता है तो राष्ट्रपति को अधिकार है कि वह उसे–
(अ) संशोधित कर सकता है
(ब) अस्वीकार कर सकता है
(स) अपने पास अनिश्चित काल तक नहीं रख सकता है
(द) पुनर्विचार के लिए वापस भेज सकता है
उत्तर : (द)
व्याख्या– निलम्बनकारी वीटो (Suspending Veto) का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति किसी विधेयक को संसद के पास पुनर्विचार के लिए भेजता है। उल्लेखनीय है कि धन विधेयक के संबंध में राष्ट्रपति इस वीटो पॉवर का प्रयोग नहीं कर सकता, क्योंकि धन विधेयक को पुनर्विचार के नहीं लौटाया जा सकता है।

920. भारत के राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों को प्रथम सत्र के प्रारम्भ में कब सम्बोधित करते हैं ?
(अ) प्रति वर्ष
(ब) लोकसभा के लिए प्रत्येक आम चुनाव के बाद
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स) SSC 2001
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों को प्रथम सत्र के प्रारम्भ में प्रति वर्ष अथवा लोकसभा के लिए प्रत्येक आम चुनाव के बाद सम्बोधित करते हैं।

921. संविधान के अनुच्छेद 124 के अंतर्गत राष्ट्रपति निम्नलिखित में से क्या कर सकता है ?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श
(ब) सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना व गठन
(स) उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति
(द) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124 में उच्चतम न्यायालय की स्थापना और गठन से संबंधित उपबंध है। इसके अनुसार भारत का एक उच्चतम न्यायालय होगा जो भारत के मुख्य न्यायमूर्ति और जब तक संसद विधि द्वारा अधिक संख्या विहित नहीं करती है तब तक निर्धारित संख्या अन्य न्यायाधीशों से मिलकर बनेगा। उच्चतम न्यायालय के और राज्यों के उच्च न्यायालयों के ऐसे न्यायाधीशों से परामर्श करने के पश्चात्, जिनसे राष्ट्रपति इस प्रयोजन के लिए परामर्श करना आवश्यक समझे, राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा उच्चतम न्यायालय के प्रत्येक न्यायाधीश को नियुक्त करेगा और वह न्यायाधीश तब तक पद धारण करेगा जब तक वह 65 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेता है।

922. किसी मृत्युदंड पाए अपराधी को क्षमादान करने की शक्ति निम्नलिखित में से किसको प्राप्त है ?
(अ) केवल राष्ट्रपति को
(ब) राज्यपाल को
(स) राष्ट्रपति एवं राज्यपाल दोनों को
(द) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को
उत्तर : (अ)
व्याख्या– किसी भी अभियुक्त की फाँसी की सजा को बदलने या कम करने का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है। सर्वोच्च न्यायालय से फाँसी की सजा मिलने के बाद कोई भी व्यक्ति, विदेशी नागरिक भी, अपराध के संबंध में राष्ट्रपति के कार्यालय या गृह मंत्रालय को दया याचिका भेज सकता है। संबंधित राज्य के राज्यपाल को भी दया याचिका भेजी जा सकती है। राज्यपाल अपने पास आने वाली दया याचिकाओं को गृह मंत्रालय को भेज देते हैं।

923. अप्रत्याशित व्ययों की पूर्ति के लिए निम्नलिखित में से कौन भारत की आकस्मिक निधि से धन निकाल सकता है ?
(अ) केन्द्रीय वित्त मंत्री (ब) प्रधानमंत्री
(स) राष्ट्रपति (द) संसद
उत्तर : (स)
व्याख्या– अप्रत्याशित व्ययों की पूर्ति के लिए राष्ट्रपति भारत की आकस्मिक निधि (कोष) से धन निकाल सकता है। अनुच्छेद 267 में आकस्मिक

निधि (कोष) का उल्लेख है। यह निधि राष्ट्रपति या कार्यपालिका या सरकार के अधीन होती है अर्थात् इस निधि से धन निकालने के लिए संसद की इजाजत की जरूरत नहीं होती है, लेकिन इस निधि का गठन संसद ही करती है। संसद ही तय करती है कि इस निधि में कितना धन होगा। इस निधि का निर्माण इसलिए किया जाता है, ताकि जरूरत पड़ने पर आकस्मिक खर्चों के लिए संसद की स्वीकृति के बिना भी राशि निकाली जा सके। राष्ट्रपति आकस्मिक खर्चों के लिए इस कोष से धन निकाल सकता है।

924. किन–किन परिस्थितियों में राष्ट्रपति संसद का संयुक्त अधिवेशन आहूत कर सकते हैं ?
(अ) एक सदन द्वारा पारित विधेयक को दूसरे सदन द्वारा रद्द कर देना
(ब) एक सदन द्वारा विधेयक में प्रस्तावित संशोधन दूसरे सदन द्वारा स्वीकार न किया जाना
(स) एक सदन द्वारा विधेयक की प्राप्ति के 6 माह तक कोई कार्यवाही न करना
(द) उपर्युक्त सभी परिस्थितियों में
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 108 के अनुसार यदि किसी विषय पर दोनों सदनों में गतिरोध उत्पन्न हो जाता है तो राष्ट्रपति द्वारा दोनों सदनों का संयुक्त अधिवेशन बुलाने का प्रावधान है। संविधान के अनुच्छेद 118 के अनुसार संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता लोकसभा के स्पीकर (लोक सभा के अध्यक्ष) द्वारा की जाती है। 1961 में दहेज प्रतिबंध विधेयक के लिए पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय, 1978 में बैंकिंग सेवा आयोग विधेयक के लिए मोरारजी देसाई के समय तथा 2002 में आतंकवाद निवारक विधेयक (Prevention of Terrotism Act-पोटा) अटलबिहारी वाजपेयी के समय संसद का संयुक्त अधिवेशन आहूत किया गया था।

925. निम्नलिखित में से कौनसा अधिकार भारत के राष्ट्रपति को प्राप्त नहीं है ?
(अ) उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति का
(ब) उच्चतम न्यायालय तथा उच्च न्यायालय के अधिकारों को हस्तगत करने का
(स) प्रधानमंत्री एवं अन्य मंत्रियों की नियुक्ति का
(द) संसद का अधिवेशन आहूत करने तथा उसका सत्रावसान करने का
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति के निम्न अधिकार हैं– (1) कार्यपालिका अधिकार, जिन्हें वह प्रत्यक्ष या अपने अधीनस्थों द्वारा प्रयुक्त कर सकता है। (2) राष्ट्र के उच्च पदस्थ अधिकारियों की स्थापना जैसे उच्चतम, उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश और राज्यपाल (3) सशस्त्र सेनाओं का कमांडर (4) मृत्युदण्ड आदि को क्षमा करने का अधिकार (5) राजदूतों की स्थापना (6) लोकसभा को भंग करने का अधिकार (7) अध्यादेशों को जारी करने का अधिकार (8) आपातकालीन अधिकार।

926. किसकी संस्तुति के आधार पर भारत का राष्ट्रपति भारत की आकस्मिक निधि से धन व्यय कर सकता है ?
(अ) लोक लेखा समिति (ब) लोकसभा
(स) संसद (द) किसी की भी नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 267 में आकस्मिक निधि (कोष) का उल्लेख है। यह निधि राष्ट्रपति या कार्यपालिका या सरकार के अधीन होती है अर्थात् इस निधि से धन निकालने के लिए संसद की इजाजत की जरूरत नहीं होती है, लेकिन इस निधि का गठन संसद ही करती है। संसद ही तय करती है कि इस निधि में कितना धन होगा। इस निधि का निर्माण इसलिए किया जाता है, ताकि जरूरत पड़ने पर आकस्मिक खर्चों के लिए संसद की स्वीकृति के बिना भी राशि निकाली जा सके। राष्ट्रपति आकस्मिक खर्चों के लिए इस कोष से धन निकाल सकता है।

927. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राष्ट्रपति संघीय मंत्रिपरिषद की सलाह मानने के लिए बाध्य है ?
(अ) अनुच्छेद 74 (ब) अनुच्छेद 86
(स) अनुच्छेद 85 (द) अनुच्छेद 101
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 74 के अंतर्गत राष्ट्रपति संघीय मंत्रिपरिषद की सलाह मानने के लिए बाध्य है। अनुच्छेद 74 के तहत एक मंत्रिपरिषद होगी, जिसके शीर्ष पर प्रधानमंत्री रहेगा, जिसकी सहायता एवं सुझाव के आधार पर राष्ट्रपति अपने कार्य सम्पन्न करेगा। राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद के लिए किसी सलाह के पुनर्विचार को आवश्यक समझ सकता है, परन्तु पुनर्विचार के पश्चात दी गई सलाह के अनुसार वह कार्य करेगा।

928. युद्ध अथवा भारत पर आक्रमण होने की स्थिति में निम्नलिखित में से कौन अंतिम रूप से आक्रमणकारी के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर सकता है ?
(अ) संसद (ब) मंत्रिमंडल
(स) प्रधानमंत्री (द) राष्ट्रपति
उत्तर : (द) RRB 2005
व्याख्या– युद्ध अथवा भारत पर आक्रमण की स्थिति में राष्ट्रपति अंतिम रूप से आक्रमणकारी के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर सकता है। अनुच्छेद 352 में निहित है कि युद्ध, बाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह के कारण सम्पूर्ण भारत या इसके किसी हिस्से की

सुरक्षा खतरे में हो तो राष्ट्रपति राष्ट्रीय आपात की घोषणा कर सकता है।

929. राष्ट्रपति द्वारा जारी एक अध्यादेश संसद के सत्र शुरू होने के बाद कितने समय तक रखा जाना आवश्यक है ?
(अ) 1 माह (ब) 6 सप्ताह
(स) 6 माह (द) 8 माह
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 123 के तहत राष्ट्रपति के पास संसद के सत्र न होने की स्थिति में अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्राप्त है। अध्यादेश की शक्ति संसद द्वारा बनाए गए कानून के बराबर ही होती है और यह तत्काल लागू हो जाता है। अध्यादेश के अधिसूचित होने के बाद इसे संसद पुनः बैठक के 6 सप्ताह के भीतर संसद द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है। संसद या तो इस अध्यादेश को पारित कर सकती है या इसे अस्वीकार कर सकती है अन्यथा 6 सप्ताह की अवधि समाप्त हो जाने पर अध्यादेश प्रभावहीन हो जाएगा।

930. लोकसभा निम्नलिखित में किसके द्वारा भंग की जाती है ?
(अ) प्रधानमंत्री द्वारा
(ब) प्रधानमंत्री के परामर्श से राष्ट्रपति द्वारा
(स) प्रधानमंत्री के परामर्श से लोकसभाध्यक्ष द्वारा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लोकसभा दो तरीके से भंग की जाती है– (1) एक तो अपने पाँच वर्ष का पूरा कार्यकाल पूर्ण कर लोकसभा का भंग होना। (2) अपना कार्यकाल से पूर्व प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति अनुच्छेद 85 के तहत लोकसभा को भंग कर सकता है।

931. राष्ट्रपति संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत अध्यादेश जारी कर सकता है ?
(अ) अनुच्छेद 74 (ब) अनुच्छेद 78
(स) अनुच्छेद 123 (द) अनुच्छेद 124
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 123 के अनुसार अध्यादेश जारी कर सकता है। इसका प्रभाव संसद के अधिनियम के समान होता है। इस अध्यादेश का प्रभाव संसद सत्र के शुरू होने के 6 सप्ताह तक रहता है, लेकिन राष्ट्रपति राज्य सूची के विषयों पर अध्यादेश जारी नहीं कर सकता और जब दोनों सदन सत्र में होते हैं, तब राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्राप्त नहीं है।

932. भारत के राष्ट्रपति के पास कौनसी वीटो शक्ति होती है–
(अ) पूर्ण निषेध (ब) निलम्बित निषेध
(स) पॉकेट निषेध (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द) IAS 1991
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति को संसद द्वारा पारित विधेयक के संदर्भ में तीन तरह की वीटो या निषेधाधिकार शक्तियाँ प्राप्त हैं, जो निम्न हैं– (1) आत्यंतिक वीटो (2) निलंबनकारी वीटो (3) पॉकेट वीटो। निलम्बनकारी वीटो का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति किसी विधेयक को संसद के पास पुनर्विचार के लिए भेजता है। उल्लेखनीय है कि धन विधेयक के संबंध में राष्ट्रपति इस वीटो पॉवर का प्रयोग नहीं कर सकता, क्योंकि धन विधेयक को पुनर्विचार के लिए नहीं लौटाया जा सकता है।

933. राष्ट्रपति निम्नलिखित में से किस परिस्थिति में आपातकाल की उद्घोषणा कर सकता है ?
(अ) प्रधानमंत्री के मौखिक परामर्श पर
(ब) प्रधानमंत्री एवं मंत्रिमंडल के लिखित परामर्श पर
(स) स्वविवेक से
(द) संसद द्वारा बहुमत से पारित प्रस्ताव पर
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा राष्ट्रपति करता है। आपातकाल तीन प्रकार के होते हैं–राष्ट्रीय आपातकाल, संवैधानिक आपातकाल एवं वित्तीय आपातकाल।

934. राष्ट्रपति किस स्थिति में अध्यादेश जारी कर सकता है ?
(अ) आपातकाल में
(ब) वित्तीय आपातकाल में
(स) सदन के अधिवेशन न रहने की स्थिति में
(द) लोकसभा के अधिवेशन न रहने की स्थिति में
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 123 के तहत राष्ट्रपति के पास संसद के सत्र न होने की स्थिति में अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्राप्त है। अध्यादेश की शक्ति संसद द्वारा बनाए गए कानून के बराबर ही होती है और यह तत्काल लागू हो जाता है।

935. राष्ट्रपति अपनी क्षमादान शक्ति का प्रयोग निम्न में से किस प्रकार के दंड के मामले में कर सकता है ?
(अ) मृत्युदंड
(ब) सैनिक अदालत द्वारा दिए गये दंड
(स) ऐसे मामलों में दिए गये दंड पर जो संघीय कार्यपालिका के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत जाते हैं
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 72 की न्यायिक शक्ति के तहत अपराध के लिये दोषी करार दिये गए व्यक्ति को राष्ट्रपति दण्डादेश का निलंबन, प्राणदंड स्थगन, राहत और माफी प्रदान कर सकता है। ऐसे निम्नलिखित मामलों में राष्ट्रपति के पास ऐसी शक्ति होती है– (1) संघीय

विधि के विरुद्ध दंडित व्यक्ति के मामले में (2) सैन्य न्यायालय द्वारा दंडित व्यक्ति के मामले में (3) मृत्युदंड पाए हुए व्यक्ति के मामले में।

936. भारत के राष्ट्रपति ने जिस एकमात्र मामले में वीटो शक्ति का प्रयोग किया, वह था–
(अ) हिन्दू कोड बिल
(ब) दहेज प्रतिषेधक विधेयक
(स) भारतीय डाकघर (संशोधन) अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स) IAS 1993
व्याख्या– यदि राष्ट्रपति किसी बिल पर कोई निर्णय ना दे तो माना जायेगा कि उसने अपने पॉकेट वीटो का प्रयोग किया है। यह भी उसकी विवेकाधिकार शक्ति के अन्दर आता है। पेप्सू बिल 1956 तथा भारतीय डाक बिल 1984 में तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह ने इस वीटो का प्रयोग किया था।

937. राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की अनुपस्थिति में कौन कार्यभार ग्रहण करेगा ?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) मंत्रिपरिषद
(द) प्रधानमंत्री का कैबिनेट
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति की अनुपस्थिति में सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश राष्ट्रपति का कार्यभार ग्रहण करेगा।

938. लोकसभा द्वारा पारित विधेयक यदि राष्ट्रपति लोकसभा को पुनर्विचार के लिए लौटाता है और लोकसभा उस पूर्ववत पास करके राष्ट्रपति के पास भेज देती है, तो राष्ट्रपति विधेयक को–
(अ) पुनः लौटा सकता है
(ब) पुनः स्पष्टीकरण की मांग सकता है
(स) अनुमति देगा
(द) सुप्रीम कोर्ट की अनुमति लेगा
उत्तर : (स) IAS 1987
व्याख्या– निलम्बनकारी वीटो (Suspending Veto) का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति किसी विधेयक को संसद के पास पुनर्विचार के लिए भेजता है। उसके बाद अनुमति प्रदान करेगा। धन विधेयक के संबंध में राष्ट्रपति इस वीटो पॉवर का प्रयोग नहीं कर सकता, क्योंकि धन विधेयक को पुनर्विचार के नहीं लौटाया जा सकता है।

939. अध्यादेश जारी करने का अधिकार राष्ट्रपति का कौनसा अधिकार है ?
(अ) विधायी (ब) प्रशासनिक
(स) न्यायी (द) वैयक्तिक
उत्तर : (अ) IAS 1991
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 123 के तहत राष्ट्रपति के पास संसद के सत्र न होने की स्थिति में अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्राप्त है। अध्यादेश की शक्ति संसद द्वारा बनाए गए कानून के बराबर ही होती है और यह तत्काल लागू हो जाता है। अध्यादेश के अधिसूचित होने के बाद इसे संसद पुनः बैठक के 6 सप्ताह के भीतर संसद द्वारा अनुमोदित किया जाना आवश्यक है। संसद या तो इस अध्यादेश को पारित कर सकती है या इसे अस्वीकार कर सकती है अन्यथा 6 सप्ताह की अवधि समाप्त हो जाने पर अध्यादेश प्रभावहीन हो जाएगा।

940. निम्नलिखित में से कौनसा राष्ट्रपति के निर्वाचन का भाग है परन्तु उसके महाभियोग अधिकरण का भाग नहीं है ?
(अ) राज्यों की विधानसभाएं
(ब) राज्यों की विधानपरिषदें
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) संसद
उत्तर : (स) IAS 1996
व्याख्या– अनुच्छेद 54 के अनुसार राष्ट्रपति का निर्वाचन ऐसे निर्वाचन मंडल द्वारा किया जावेगा, जिसमें संसद (लोकसभा और राज्यसभा) तथा राज्य विधानमंडल के निर्वाचित सदस्य शामिल होंगे। राष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल में संसद के मनोनीत सदस्य, राज्य विधान मंडलों के मनोनीत सदस्य तथा राज्य विधान परिषदों के सदस्य (निर्वाचित एवं मनोनीत दोनों) शामिल होंगें। अनुच्छेद 61 के तहत राष्ट्रपति पर महाभियोग लगाया जाता है। राष्ट्रपति के विरुद्ध महाभियोग लगाने का संकल्प सदन में महाभियोग संकल्प पेश किया जा सकता है, लेकिन जिस सदन में महाभियोग संकल्प पेश किया जाता है, उसके एक चौथाई सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित आरोप पत्र राष्ट्रपति को 14 दिन के अंदर दिया जाना जरूरी है। महाभियोग प्रक्रिया में केवल संसद भाग लेती है, राज्य विधानमंडल नहीं।

941. निम्न में से किसकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है ?
(अ) वित्त आयोग का अध्यक्ष
(ब) संघ राज्य क्षेत्र का मुख्यमंत्री
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) योजना आयोग का उपाध्यक्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– योजना आयोग के उपाध्यक्ष की नियुक्ति प्रधानमंत्री करता है। वित्त आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति अनुच्छेद 280 के अनुसार राष्ट्रपति करता है तथा संघ राज्य क्षेत्र के मुख्यमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति मुख्यमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति करता है तथा मंत्री राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है। योजना आयोग का अध्यक्ष स्वयं राष्ट्रपति होता है।

942. राष्ट्रपति के निर्वाचन में राज्य का मुख्यमंत्री मतदान के लिए पात्र नहीं होता यदि–
(अ) वह स्वयं प्रत्याशी होता है
(ब) उसे राज्य विधानमंडल के निचले सदन में बहुमत सिद्ध करना हो
(स) वह राज्य विधानमंडल में उच्च सदन का सदस्य हो
(द) वह कामचलाऊ रूप से नियुक्त मुख्यमंत्री हो
उत्तर : (स) IAS 1993
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 54 से स्पष्ट है कि राज्य विधान मंडल के उच्च सदन अर्थात् विधान परिषद के सदस्य का उल्लेख निर्वाचक मंडल में नहीं है। राष्ट्रपति के निर्वाचन में संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य, राज्य विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य, केन्द्रशासित प्रदेशों दिल्ली और पुदुचेरी विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं।

943. राष्ट्रपति के उम्मीदवार के लिए क्या आवश्यक नहीं है ?
(अ) आयु 35 वर्ष हो
(ब) पढ़ा–लिखा हो
(स) सांसद चुने जाने की योग्यता हो
(द) देश का नागरिक हो
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति के उम्मीदवार के लिए वह भारत का नागरिक होना चाहिए। आयु कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए। लोकसभा का सदस्य होने की पात्रता होनी चाहिए। इलेक्टोरल कॉलेज के 50 प्रस्तावक और 50 समर्थन करने वाले होने चाहिए।

944. एक विधेयक जो संसद में प्रस्तुत किया जाता है, किस प्रक्रिया के बाद अधिनियम बन जाता है ?
(अ) जब वह संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित हो जाता है
(ब) जब राष्ट्रपति अपनी सहमति दे देता है
(स) जब प्रधानमंत्री उस पर हस्ताक्षर कर देता है
(द) जब सर्वोच्च न्यायालय इसे केन्द्रीय संसद के अधिकार क्षेत्र में होना घोषित करता है
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 107 में साधारण विधेयकों के संबंध में विधायी उपबंध किया गया है तथा अनुच्छेद 111 में विधेयकों पर राष्ट्रपति के अनुमति से सम्बन्धित उपबंध है। एक विधेयक जो संसद में प्रस्तुत किया जाता है, अधिनियम तभी बन पाता है, जब राष्ट्रपति अपनी सहमति दे देता है। संविधान के अनुच्छेद 111 के अनुसार संसद के दानों सदनों द्वारा पारित विधेयक राष्ट्रपति के पास जाता है। राष्ट्रपति उस विधेयक को सम्मति प्रदान कर सकता है या अस्वीकृत कर सकता है। यह संदशे के साथ या बिना संदेश के संसद को उस पर पुनर्विचार के लिए भेज सकता है, पर यदि दुबारा विधेयक को संसद द्वारा राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है, तो यह इसे अस्वीकृत नहीं करेगा।

945. भारत एक गणतंत्र है, इसका अर्थ है–
(अ) सभी मामलों में अंतिम अधिकार जनता के पास है
(ब) भारत में संसदीय शासन व्यवस्था है
(स) भारत में वंशानुगत शासन नहीं है
(द) भारत राज्यों का संघ है
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत एक गणतंत्र है अर्थात् यहाँ की जनता देश की शासन व्यवस्था में अप्रत्यक्ष रूप से हिस्सा लेती है। अब्राहम लिंकन के शब्दों में गणतंत्र के बारे में कहा है कि–जनता की सरकार, जनता के द्वारा, जनता के लिए।

946. भारत में राष्ट्रपति चुना जाता है–
(अ) जनता द्वारा
(ब) संसद सदस्यों द्वारा
(स) राज्यसभा सदस्यों द्वारा
(द) निर्वाचित सांसदों व विधानसभा सदस्यों द्वारा
उत्तर : (द) IAS 1985
व्याख्या– राष्ट्रपति के निर्वाचन में भाग लेते हैं– संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य, राज्य विधानसभा के निर्वाचित सदस्य, केन्द्रशासित प्रदेशों दिल्ली और पुदुचेरी विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य।

947. राष्ट्रपति के चुनाव में विवाद होने पर किसकी सलाह ली जाती है ?
(अ) उपराष्ट्रपति (ब) चुनाव आयोग
(स) सर्वोच्च न्यायालय (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (स) IAS 1982
व्याख्या– राष्ट्रपति चुनाव में विवाद होने पर सर्वोच्च न्यायालय की सलाह ली जाती है।

948. भारत का राष्ट्रपति किसका एक अभिन्न अंग है ?
(अ) संसद (ब) लोकसभा
(स) राज्यसभा (द) मंत्रिपरिषद
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत की संसद का निर्माण लोकसभा, राज्यसभा और राष्ट्रपति से होता है। ये तीनों संसद के अभिन्न अंग है।

949. भारत के राष्ट्रपति निर्वाचित होने की न्यूनतम आयु सीमा क्या है ?
(अ) 25 वर्ष (ब) 30 वर्ष
(स) 35 वर्ष (द) 40 वर्ष
उत्तर : (स) RRB 2009
व्याख्या– राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए वह भारत का नागरिक होना चाहिए। उसकी उम्र कम से कम 35 वर्ष होनी चाहिए। लोकसभा का सदस्य होने की पात्रता होनी चाहिए। इलेक्टोरल कॉलेज के 50 प्रस्तावक और 50 समर्थन करने वाले होने चाहिए।

950. जब राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति का पद खाली हो तो भारत के राष्ट्रपति के पद पर कौन होता है ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) भारत का मुख्य न्यायाधीश
(स) लोकसभा अध्यक्ष
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति की अनुपस्थिति में सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश राष्ट्रपति का कार्यभार सम्भालेगा/कार्यभार ग्रहण करेगा।

951. लाभ के पद का निर्णय कौन करेगा ?
(अ) राष्ट्रपति एवं राज्यपाल
(ब) संघीय संसद
(स) उच्चतम न्यायालय
(द) संघ लोक सेवा आयोग
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 102(1)ए के तहत कोई व्यक्ति संसद या विधानसभा के किसी सदन का सदस्य चुने जाने के लिए अयोग्य होगा, यदि वह भारत सरकार या किसी भी राज्य सरकार के अधीन किसी ऐसे पद पर है, जहाँ वेतन, भत्ते एवं बाकी फायदे मिलते हों, लाभ के पद का निर्णय संघीय संसद करती है।

952. निम्नलिखित में से किसी भौगोलिक क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित करने का संवैधानिक अधिकार किसको है ?
(अ) राज्यपाल को (ब) मुख्यमंत्री को
(स) प्रधानमंत्री को (द) राष्ट्रपति को
उत्तर : (द)
व्याख्या– किसी भौगोलिक क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित करने का संवैधानिक अधिकार राष्ट्रपति को प्राप्त है। राष्ट्रपति को सम्बन्धित राज्य के राज्यपाल के साथ परामर्श कर किसी अनुसूचित क्षेत्र के क्षेत्रफल को बढ़ाने, घटाने, सीमाओं को बदलने, नामों को बदले का अधिकार प्राप्त है।

953. भारतीय संविधान के 70वें संशोधन द्वारा भारत के राष्ट्रपति के चुनाव में जिन दो केन्द्रशासित प्रदेशों को भाग लेने का अधिकार दिया गया है, वे हैं–
(अ) दिल्ली तथा चंडीगढ़
(ब) दिल्ली तथा पुदुचेरी
(स) दिल्ली तथा दमन व दीव
(द) चंडीगढ़ तथा पुदुचेरी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति के निर्वाचन में भाग लेते हैं– संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य, राज्य विधान सभा के निर्वाचित सदस्य, केन्द्रशासित प्रदेशों दिल्ली और पुदुचेरी विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य। भारतीय संविधान के 70वें संशोधन द्वारा भारत के राष्ट्रपति के चुनाव में केन्द्रशासित प्रदेश दिल्ली और पुदुचेरी को भाग लेने का अधिकार दिया गया है।

954. यदि भारतीय उपराष्ट्रपति अपना पदत्याग करने का निर्णय लेते हैं, तो वे अपना त्यागपत्र किसे सम्बोधित करके लिखेंगे ?
(अ) प्रधानमंत्री को
(ब) मुख्य न्यायाधीश को
(स) लोकसभा अध्यक्ष को
(द) राष्ट्रपति को
उत्तर : (द) RRB 2009
व्याख्या– भारत के उपराष्ट्रपति द्वारा अपने पद का त्याग भारत के राष्ट्रपति को अपना त्याग पत्र देकर किया जा सकता है। त्याग पत्र उस तारीख से प्रभावी हो जाता है, जिस तारीख को उसे स्वीकार किया गया हो।

955. भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का चुनाव किया गया था–
(अ) निर्वाचक मंडल द्वारा
(ब) भारत की जनता द्वारा
(स) संविधान सभा द्वारा
(द) संसद द्वारा
उत्तर : (स) SSC 2007
व्याख्या– भारत के पहले राष्ट्रपति के रूप में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद का चुनाव संविधान सभा द्वारा किया गया था। संविधान सभा के सदस्य भारत के राज्यों की सभाओं के निर्वाचित सदस्यों के द्वारा चुने गए थे। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, सरदार बल्लभभाई पटेल, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, जवाहरलाल नेहरू, मौलाना अबुल कलाम आजाद आदि इस सभा के प्रमुख सदस्य थे। अनुसूचित वर्गों से 30 से ज्यादा सदस्य इस सभा में शामिल थे।

956. भारत सरकार का सांविधानिक अध्यक्ष कौन है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) प्रधानमंत्री
(स) भारत का मुख्य न्यायाधीश
(द) महान्यायवादी
उत्तर : (अ) SSC 2008
व्याख्या– भारत सरकार का सांविधानिक अध्यक्ष राष्ट्रपति है। भारत के राष्ट्रपति, भारत गणराज्य के कार्यपालक अध्यक्ष होते हैं। संघ के सभी कार्यपालक कार्य उनके नाम से किये जाते हैं। अनुच्छेद 53 के अनुसार संघ की कार्यपालक शक्ति उनमें निहित है। वह भारतीय सशस्त्र सेनाओं का सर्वोच्च सेनानायक भी हैं। सभी प्रकार के आपातकाल लगाने व हटाने वाला, युद्ध और शांति की घोषणा करने वाला होता है। वह देश के प्रथम नागरिक हैं। भारत के राष्ट्रपति का भारतीय नागरिक होना आवश्यक है।

957. भारतीय गणतंत्र का वह कौनसा राष्ट्रपति था, जो सदा भारतीय धर्म निरपेक्षता को सर्वधर्म समभाव कहता रहा ?
(अ) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(ब) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(स) डॉ. जाकिर हुसैन
(द) ज्ञानी जैल सिंह
उत्तर : (अ) SSC 2006
व्याख्या– डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति रहे। वे भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद्, महान दार्शनिक और एक आस्थावान हिन्दू विचारक थे। सन् 1954 में भारत सरकार ने उन्हें सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से अलंकृत किया था।

958. भारत में राष्ट्रपति राज्यसभा के कितने सदस्यों को मनोनीत कर सकता है ?
(अ) 2 (ब) 10
(स) 12 (द) 6
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति द्वारा संसद में 12 सदस्य मनोनीत किये जाते हैं। साहित्य, विज्ञान, कला, सामाजिक सेवा, खेल जगत में बेहतरीन काम करने वाले लोगों को राज्यसभा में मनोनीत किया जाता है। राष्ट्रपति को लोकसभा में आंग्ल भारतीय समुदाय के व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व नहीं होने पर उस समुदाय के दो व्यक्तियों को मनोनीत करने की शक्ति संविधान के अनुच्छेद–331 के तहत प्रदान की गयी थी, जिसे 104वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ई. के द्वारा समाप्त कर दिया गया है। इससे पूर्व राष्ट्रपति 14 सदस्यों को संसद में मनोनीत कर सकता था जिनमें से 12 सदस्य राज्यसभा में और 2 सदस्य आंग्ल भारतीय समुदाय के लोकसभा में मनोनीत किया जाता था।

959. भारत का राष्ट्रपति आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा निर्वाचित होता है। इसका निहितार्थ है कि–
(अ) निर्वाचित संसद सदस्यों और राज्य के विधान सभा सदस्यों के मतों की संख्या भिन्न–भिन्न होती है।
(ब) सभी संसद के सदस्यों और राज्यों के विधान सभा सदस्यों में से प्रत्येक का मत एक है
(स) सभी संसद सदस्यों और राज्यों के विधान सभा सदस्यों के मतों की संख्या बराबर है
(द) लोकसभा के संसद सदस्यों के मतों की संख्या बराबर है
उत्तर : (अ) NDA 2013

960. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद कितने वर्ष तक राष्ट्रपति रहे ?
(अ) 6 वर्ष (ब) 8 वर्ष
(स) 12 वर्ष (द) 5 वर्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या–डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। सबसे अधिक अवधि तक राष्ट्रपति पद पर आसीन रहने वाले व्यक्ति हैं।

961. भारत के राष्ट्रपति पर महाभियोग लगाने का अधिकार है–
(अ) सर्वोच्च न्यायालय को
(ब) लोकसभा अध्यक्ष को
(स) संसद के दोनों सदनों को
(द) प्रधानमंत्री को
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अतिक्रमण के आधार पर राष्ट्रपति को अनुच्छेद 61 में उपबंधित महाभियोग की प्रक्रिया द्वारा पद से हटाया जा सकता है। महाभियोग का प्रस्ताव दोनों सदनों में कोई भी ला सकता है। राष्ट्रपति को हटाने का महाभियोग प्रस्ताव को संसद की कुल सदस्य संख्या के दो तिहाई बहुमत से पारित होना जरूरी होता है।

962. भारत के प्रथम राष्ट्रपति कौन थे ?
(अ) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(ब) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(स) डॉ. जाकिर हुसैन
(द) बी.डी. जत्ती
उत्तर : (ब) RRB 2009
व्याख्या– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे। सबसे अधिक अवधि तक राष्ट्रपति पद पर आसीन रहने वाले व्यक्ति हैं। वे लगातार दो बार देश के राष्ट्रपति रहें।

963. निम्नलिखित में से कौन हमारे देश के दोनों में से किसी भी सदन का सदस्य नहीं होता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) वित्त मंत्री
(स) राष्ट्रपति (द) रेलवे मंत्री
उत्तर : (स) SSC 2017
व्याख्या– राष्ट्रपति संसद का अभिन्न अंग होता है लेकिन वह लोकसभा और राज्य सभा दोनों में से किसी का सदस्य नहीं हो सकता। राष्ट्रपति का निर्वाचन होता है।

964. संविधान के अनुसार निम्नांकित में से क्या शब्दशः भारत के राष्ट्रपति की शक्ति नहीं है ?
(अ) अध्यादेश का प्रख्यापन
(ब) उच्चतम न्यायालय से परामर्श करना
(स) संसद के सदनों को संदेश भेजना
(द) क्षमादान करना
उत्तर : (स) RAS/RTS 2013
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति के निम्न अधिकार हैं– (1) कार्यपालिका अधिकार, जिन्हें वह प्रत्यक्ष या अपने अधीनस्थों द्वारा प्रयुक्त कर सकता है। (2) राष्ट्र के उच्च पदस्थ अधिकारियों की स्थापना जैसे उच्चतम, उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश और राज्यपाल (3) सशस्त्र सेनाओं को कमांडर (4) मृत्युदण्ड आदि को क्षमा करने का अधिकार (5)

राजदूतों की स्थापना (6) लोकसभा को भंग करने का अधिकार (7) अध्यादेशों को जारी करने का अधिकार (8) आपातकालीन अधिकार।

965. निम्नलिखित में से कौन भारत के राष्ट्रपति के चुनाव में भाग नहीं लेता ?
(अ) राज्यसभा (ब) लोकसभा
(स) विधानसभा (द) विधानपरिषद
उत्तर : (द) RRB 2008
व्याख्या– राष्ट्रपति के निर्वाचन में भाग लेते हैं– संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य, राज्य विधान सभा के निर्वाचित सदस्य, केन्द्रशासित प्रदेशों दिल्ली और पुदुचेरी विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य। भारतीय संविधान के 70वें संशोधन द्वारा भारत के राष्ट्रपति के चुनाव में केन्द्रशासित प्रदेश दिल्ली और पुदुचेरी को भाग लेने का अधिकार दिया गया है। विधान परिषद् भारत के राष्ट्रपति के चुनाव में भाग नहीं लेता है।

966. भारत में केन्द्रीय मंत्रियों को गोपनीयता की शपथ किसके द्वारा दिलवाई जाती है ?
(अ) भारत के प्रधानमंत्री
(ब) भारत के राष्ट्रपति
(स) भारत के मुख्य न्यायाधीश
(द) भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
उत्तर : (ब) SSC 2017
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, नए प्रधानमंत्री और उनकी सिफारिश से केंद्रीय मंत्रियों को पद व गोपनीयता की शपथ राष्ट्रपति दिलाते हैं।

967. युद्ध की घोषणा या शान्ति का फैसला करने में कानूनी रूप से सक्षम है–
(अ) राष्ट्रपति (ब) संसद
(स) मंत्रिपरिषद (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (अ) RRB 2008
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 53 के अनुसार संघ की कार्यपालक शक्ति उनमें निहित होती है। वह भारतीय सशस्त्र सेनाओं का सर्वोच्च सेनानायक भी है। सभी प्रकार के आपातकाल लगाने व हटाने वाला, युद्ध व शांति की घोषणा करने वाला होता है। वह देश का प्रथम नागरिक है।

968. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार भारतीय संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित है ?
(अ) अनुच्छेद–53 (ब) अनुच्छेद–52
(स) अनुच्छेद–54 (द) अनुच्छेद–56
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–53 के अनुसार भारतीय संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित है। भारत में संसदीय व्यवस्था का अपनाया गया है, क्योंकि मंत्रिपरिषद लोकसभा के प्रति उत्तरदायी है। अतः भारत का राष्ट्रपति नाममात्र की कार्यपालिका है तथा प्रधानमंत्री व उसका मंत्रिमंडल वास्तविक कार्यपालिका है।

969. निम्न राष्ट्रपतियों में जिस क्रम में सेवा की उसमें निम्न में से कौनसा क्रम सही है ?
(अ) आर. वेंकट रमण, डॉ. शंकर दयाल शर्मा, ज्ञानी जैल सिंह, एन.एस. रेड्डी
(ब) एन.एस. रेड्डी, ज्ञानी जैल सिंह, आर. वैंकट रमण, डॉ. शंकर दयाल शर्मा
(स) एन.एस. रेड्डी, डॉ. शंकर दयाल शर्मा, आर. वेंकट रमण, ज्ञानी जैल सिंह
(द) एन.एस. रेड्डी, आर. वेंकट रमण, ज्ञानी जैल सिंह, डॉ. शंकर दयाल शर्मा
उत्तर : (ब) RRB 2008
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपतियों का क्रम निम्नानुसार हैः– 1.डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
2.डॉ. एस. राधाकृष्णन
3.डॉ. जाकिर हुसैन
4.वी.वी. गिरि
5.फखरूद्दीन अली अहमद
6.नीलम संजीव रेड्डी
7.ज्ञानी जेल सिंह
8.आर. वेंकटरमण
9.डॉ. शंकर दयाल शर्मा
10.के.आर. नारायण
11.डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
12.प्रतिभा पाटिल
13.प्रणव मुखर्जी
14.रामनाथ कोविंद
15.द्रोपदी मुर्मू

970. भारत का संवैधानिक प्रधान होता है–
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) उपराष्ट्रपति (द) लोकसभा अध्यक्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–52 के अनुसार राष्ट्रपति देश का संवैधानिक प्रधान होता है। वह भारत का प्रथम नागरिक कहलाता है।

971. एक ही व्यक्ति को कितनी बार भारत का राष्ट्रपति बनाया जा सकता है ?
(अ) केवल एक बार (ब) कई बार
(स) दो बार (द) तीन बार
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान में एक ही व्यक्ति को कितनी बार भारत का राष्ट्रपति बनाया जा सकता है, जैसा कोई प्रावधान नहीं है। कोई व्यक्ति कई बार राष्ट्रपति बन सकता है।

972. संविधान के किस अनुच्छेद में राष्ट्रपति पद के निर्वाचन हेतु योग्यताओं का उल्लेख है ?
(अ) अनुच्छेद–52 (ब) अनुच्छेद–54
(स) अनुच्छेद–58 (द) अनुच्छेद–56
उत्तर : (स)

व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–58 के अनुसार कोई व्यक्ति राष्ट्रपति होने योग्य तब होगा, जब वह– (1) भारत का नागरिक हो। (2) 35 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो। (3) लोकसभा का सदस्य निर्वाचित किये जाने योग्य हो। (4) चुनाव के समय लाभ का पद धारण नहीं करता हो।

973. भारतीय संविधान के अनुसार कार्यपालिका का प्रमुख कौन है ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) भारत सरकार के मुख्य सचिव
(स) राष्ट्रपति
(द) केन्द्रीय गृहमंत्री
उत्तर : (स) SSC 2017
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति, भारत गणराज्य के कार्यपालक अध्यक्ष होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 53 के अनुसार संघ की कार्यपालक शक्ति उनमें निहित होती है। वह भारतीय सशस्त्र सेनाओं का सर्वोच्च सेनानायक भी है।

974. संविधान के किस अनुच्छेद में राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए निर्वाचक मंडल की व्यवस्था का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद–52 (ब) अनुच्छेद–54
(स) अनुच्छेद–58 (द) अनुच्छेद–56
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 54 के अनुसार राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए निर्वाचक मंडल में राज्यसभा, लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य रहते हैं। नवीनतम व्यवस्था के अनुसार पुदुचेरी विधानसभा तथा दिल्ली की विधानसभा के निर्वाचित सदस्य को भी सम्मिलित किया गया है। राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए निर्वाचक मंडल के 50 सदस्य प्रस्तावक तथा 50 सदस्य अनुमोदक होते हैं। एक ही व्यक्ति जितनी बार चाहे राष्ट्रपति के पद पर निर्वाचित हो सकता है।

975. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति का निर्वाचन समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली और एकल संक्रमणीय मत पद्धति के द्वारा होता है ?
(अ) अनुच्छेद–52 (ब) अनुच्छेद–54
(स) अनुच्छेद–55 (द) अनुच्छेद–56
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–55 के अनुसार राष्ट्रपति का निर्वाचन समानुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली और एकल संक्रमणीय मत पद्धति के द्वारा होता है।

976. राष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित विवादों का निपटारा किसके द्वारा किया जाता है ?
(अ) प्रधानमंत्री द्वारा
(ब) महान्यायवादी द्वारा
(स) उच्चतम न्यायालय द्वारा
(द) लोकसभा अध्यक्ष द्वारा
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित विवादों का निपटारा उच्चतम न्यायालय द्वारा किया जाता हे। निर्वाचन अवैध घोषित होने पर उसके द्वारा किये गये कार्य अवैध नहीं होते हैं।

977. संविधान के किस अनुच्छेद में राष्ट्रपति के अपने पद पर बने रहने की कार्यावधि का प्रावधान वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद–52 (ब) अनुच्छेद–54
(स) अनुच्छेद–55 (द) अनुच्छेद–56
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–56 में राष्ट्रपति के अपने पद पर बने रहने की कार्यावधि का प्रावधान वर्णित है। इसके अनुसार राष्ट्रपति अपने पद ग्रहण की तिथि से पाँच वर्ष की अवधि तक पद धारण करेगा। अपने पद की समाप्ति के बाद भी वह पद पर तब तक बना रहेगा, जब तक उसका (राष्ट्रपति का) उत्तराधिकारी पद ग्रहण नहीं कर लेता है। पद धारण करने से पूर्व राष्ट्रपति को एक निर्धारित प्रपत्र पर भारत के मुख्य न्यायाधीश अथवा उनकी अनुपस्थिति में उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठतम न्यायाधीश के सम्मुख शपथ लेनी पड़ती है।

978. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार भारत सरकार की समस्त कार्यपालिका कार्रवाई राष्ट्रपति के नाम से की हुई कही जाएगी ?
(अ) अनुच्छेद–77(1) (ब) अनुच्छेद–77(3)
(स) अनुच्छेद–61 (द) अनुच्छेद–62(1)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 77(1) के अनुसार भारत सरकार की समस्त कार्यपालिका कार्रवाई राष्ट्रपति के नाम से की हुई कही जाएगी और अनुच्छेद 77(3) के अनुसार राष्ट्रपति भारत सरकार का कार्य अधिक सुविधापूर्वक किए जाने के लिए और मंत्रियों में उक्त कार्य के आवंटन के लिए नियम बनाएगा।

979. राष्ट्रपति पर महाभियोग लगाये जाने से पूर्व कितने दिन पहले राष्ट्रपति को लिखित सूचना दी जाना आवश्यक है ?
(अ) 14 दिन (ब) 22 दिन
(स) 1 महीना (द) 15 दिन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–61 में राष्ट्रपति को महाभियोग द्वारा हटाये जाने का प्रावधान है। महाभियोग के लिए केवल एक ही आधार है–राष्ट्रपति द्वारा संविधान का अतिक्रमण, जिसका उल्लेख अनुच्छेद 61(1) में किया गया है। राष्ट्रपति द्वारा संविधान के प्रावधानों के उल्लंघन पर संसद के किसी सदन द्वारा उस पर महाभियोग लगाया जा सकता है, परन्तु इसके लिए आवश्यक है कि

राष्ट्रपति को 14 दिन पहले लिखित सूचना दी जाये, जिस पर उस सदन के एक–चौथाई सदस्यों के हस्ताक्षर हों। संसद के उस सदन, जिसमें महाभियोग का प्रस्ताव पेश है, के दो–तिहाई सदस्यों द्वारा पारित कर देने पर प्रस्ताव दूसरे सदन में जायेगा, तब दूसरा सदन राष्ट्रपति पर लगाये आरोपों की जाँच करेगा या करायेगा और ऐसी जाँच में राष्ट्रपति के ऊपर लगाये गये आरोपों को सिद्ध करने वाला प्रस्ताव दो–तिहाई बहुमत से पारित हो जाता है, तब राष्ट्रपति पर महाभियोग की प्रक्रिया पूरी समझी जायेगी और उसी तिथि से राष्ट्रपति को पदत्याग करना होगा।

980. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति को संबोधित अपने त्यागपत्र द्वारा पाँच वर्ष पहले भी अपना पद त्याग सकता है ?
(अ) अनुच्छेद 56(1) (ब) अनुच्छेद 56(2)
(स) अनुच्छेद 61 (द) अनुच्छेद 61(1)
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–56(2) के तहत राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति को संबोधित अपने त्यागपत्र द्वारा पाँच वर्ष पहले भी अपना पद त्याग सकता है। उपराष्ट्रपति इस त्यागपत्र की सूचना लोकसभा के अध्यक्ष को देगा।

981. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति को महाभियोग द्वारा हटाये जाने का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 56(1) (ब) अनुच्छेद 56(2)
(स) अनुच्छेद 61 (द) अनुच्छेद 61(1)
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–61 में राष्ट्रपति को महाभियोग द्वारा हटाये जाने का प्रावधान है। महाभियोग के लिए केवल एक ही आधार है– राष्ट्रपति द्वारा संविधान का अतिक्रमण, जिसका उल्लेख अनुच्छेद 61(1) में किया गया है।

982. जब राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति दोनों का पद रिक्त हो तो ऐसी स्थिति में राष्ट्रपति के कृत्यों का निर्वहन करेगा–
(अ) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) प्रधानमंत्री
(द) महान्यायवादी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– जब राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति दोनों का पद रिक्त होने की स्थिति में अनुच्छेद–70 राष्ट्रपति के कृत्यों का निर्वहन का उपबंध करता है। इसके अनुसार संसद जैसा उचित समझे वैसा उपबंध कर सकती है। इसी उद्देश्य से संसद में राष्ट्रपति उत्तराधिकार अधिनियम, 1969 ई. पारित किया है जो यह उपबंधित करता है कि यदि उपराष्ट्रपति भी किसी कारणवश उपलब्ध नहीं है तो उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश या उसके नहीं रहने पर उसी न्यायालय का वरिष्ठतम न्यायाधीश, जो उस समय उपलब्ध हो, राष्ट्रपति के कृत्यों का सम्पादित करेगा।

983. निम्नलिखित में से कौन भारत के कार्यवाहक राष्ट्रपति के पद पर आसीन नहीं रहे ?
(अ) वी.वी. गिरि
(ब) बी.डी. जत्ती
(स) न्यायमूर्ति मुहम्मद हिदायतुल्ला
(द) डॉ. जाकिर हुसैन
उत्तर : (द)
व्याख्या– कार्यवाहक राष्ट्रपति के पद पर आसीन रहने वाले व्यक्ति–
1.वी.वी. गिरि (3.05.1969–20.07.1969)
2.न्यायमूर्ति मुहम्मद हिदायतुल्ला(20.07.1969–24.08. 1969)
3.बी.डी. जत्ती (11.02.1977 से 25.07.1977)

984. राष्ट्रपति की रिक्ति को कितने समय के अन्दर भरना आवश्यक है ?
(अ) 3 महीने (ब) 6 महीने
(स) 1 महीने (द) 45 दिन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति पद की रिक्ति को छः महीने के अन्दर भरना होता है। अनुच्छेद–62(1) के अनुसार जब राष्ट्रपति पद की रिक्ति पदावधि (पाँच वर्ष) की समाप्ति से हुई है, तो निर्वाचन पदावधि की समाप्ति के पहले ही कर लिया जायेगा, किन्तु अनुच्छेद–56(1)(ग) के अनुसार यदि उस रिक्ति को भरने में कोई विलंब हो जाता है, तो 'राज अंतराल' न हो पाए इसीलिए यह उपबंध है कि राष्ट्रपति अपने पद की अवधि समाप्त हो जाने पर भी तब तक पद पर बना रहेगा, जब तक उसका उत्तराधिकारी पद धारण नहीं कर लेता है और ऐसी दशा में उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति के रूप में कार्य नहीं कर सकेगा।

985. किस अनुच्छेद के तहत धन विधेयक को संसद में पेश करने से पूर्व राष्ट्रपति की सहमति लेना आवश्यक है ?
(अ) अनुच्छेद–108 (ब) अनुच्छेद–117(3)
(स) अनुच्छेद–304 (द) अनुच्छेद–110
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–110 के अन्तर्गत किसी धन विधेयक को संसद में पेश करने से पूर्व राष्ट्रपति की अनुमति आवश्यक होती है।

986. किस अनुच्छेद के अन्तर्गत संचित निधि में से व्यय करने वाले विधेयक को संसद में पेश करने पूर्व राष्ट्रपति की सहमति लेना आवश्यक है ?
(अ) अनुच्छेद–108 (ब) अनुच्छेद–117(3)
(स) अनुच्छेद–304 (द) अनुच्छेद–110
उत्तर : (ब)

व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–117(3) के अन्तर्गत संचित निधि में से व्यय करने वाले विधेयक को संसद में पेश करने से पूर्व राष्ट्रपति की अनुमति आवश्यक होती है।

987. किस अनुच्छेद के अन्तर्गत राज्यों के बीच व्यापार, वाणिज्य और समागम पर निर्बन्धन लगाने वाले विधेयक को संसद में पेश करने पूर्व राष्ट्रपति की सहमति लेना आवश्यक है ?
(अ) अनुच्छेद–108 (ब) अनुच्छेद–117(3)
(स) अनुच्छेद–304 (द) अनुच्छेद–110
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–304 के अंतर्गत राज्यों के बीच व्यापार, वाणिज्य और समागम पर निर्बन्धन लगाने वाले विधेयक को संसद में पेश करने से पूर्व राष्ट्रपति की अनुमति आवश्यक होती है।

988. निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(अ) राष्ट्रपति का मासिक वेतन 5 लाख रुपया है।
(ब) राष्ट्रपति का वेतन आयकर से मुक्त होता है।
(स) राष्ट्रपति के कार्यकाल के दौरान उनके वेतन तथा भत्ते में कटौती की जा सकती है।
(द) भारत के राष्ट्रपति और उनकी पत्नी दुनिया भर में कहीं भी मुफ्त में यात्रा कर सकते हैं।
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति का मासिक वेतन पाँच लाख रुपया है। इसके अलावा उन्हें आजीवन फ्री मेडिकल, आवास और इलाज की सुविधा समेत अन्य भत्ते मिलते हैं। राष्ट्रपति का वेतन आयकर से मुक्त होता है। राष्ट्रपति और उनकी पत्नी दुनिया भर में कहीं भी मुफ्त में यात्रा कर सकते हैं। राष्ट्रपति के कार्यकाल के दौरान उनके वेतन तथा भत्ते में किसी प्रकार की कमी नहीं की जा सकती है। राष्ट्रपति को अवकाश ग्रहण के बाद पेंशन के रूप में 1.5 लाख रुपए प्रति माह मिलता है। साथ ही स्टाफ पर खर्च करने के लिए 60 हजार रुपए अलग से दिया जाता है।

989. निम्नलिखित में से किसकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा नहीं की जाती है ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) महान्यायवादी
(स) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(द) लोकसभा अध्यक्ष
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री की सलाह पर मंत्रिपरिषद् के अन्य सदस्यों, सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीशों, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, राज्यों के राज्यपाल, मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त, भारत के महान्यायवादी, राज्यों के मध्य समन्वय के लिए अन्तर्राष्ट्रीय परिषद् के सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों, संघीय क्षेत्रों के मुख्य आयुक्तों, भारत के राजदूतों तथा अन्य राजनयिकों, वित्त आयोग के सदस्यों, भाषा आयोग के सदस्यों, पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्यों, अल्पसंख्यक आयोग के सदस्यों, अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में रिपोर्ट देने वाले आयोग के सदस्यों आदि की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।

990. किस अनुच्छेद के अन्तर्गत यह निर्धारित किया गया है कि किसी अनुदान की माँग राष्ट्रपति की सिफारिश पर ही की जाएगी अन्यथा नहीं ?
(अ) अनुच्छेद–108 (ब) अनुच्छेद–113(3)
(स) अनुच्छेद–304 (द) अनुच्छेद–110
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–113(3) के अनुसार किसी अनुदान की माँग राष्ट्रपति की सिफारिश पर ही की जाएगी अन्यथा नहीं।

991. किस अनुच्छेद के अन्तर्गत यदि किसी साधारण विधेयक पर दोनों सदनों में कोई असहमति है तो उसे सुलझाने के लिए राष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुला सकता है ?
(अ) अनुच्छेद–108 (ब) अनुच्छेद–117(3)
(स) अनुच्छेद–304 (द) अनुच्छेद–110
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अनुच्छेद–108 के अंतर्गत यदि किसी साधारण विधेयक पर दोनों सदनों में कोई असहमति है तो उसे सुलझाने के लिए राष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुला सकता है।

992. राष्ट्रपति को लोकसभा में आंग्ल भारतीय समुदाय के व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व नहीं होने पर उस समुदाय के दो व्यक्तियों को मनोनीत करने की शक्ति संविधान के अनुच्छेद–331 के तहत प्रदान की गयी थी, जिसे किस संविधान संशोधन अधिनियम के तहत समाप्त कर दिया गया है ?
(अ) 102वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2018 ई.
(ब) 103वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ई.
(स) 104वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ई.
(द) 105वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2021 ई.
उत्तर : (स)
व्याख्या– 104वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ई. के द्वारा संविधान के अनुच्छेद–334(क) में संशोधन करते हुए लोकसभा एवं राज्यों की विधान सभाओं में अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण संबंधी प्रावधान को पुनः अगले 10 वर्षों के लिए बढ़ाते हुए इसे 25 जनवरी, 2030 तक प्रभावी बना दिया गया है। राष्ट्रपति को लोकसभा में आंग्ल भारतीय समुदाय के व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व नहीं होने पर उस समुदाय के दो व्यक्तियों को मनोनीत करने की शक्ति संविधान के अनुच्छेद–331 के तहत प्रदान

की गयी थी, जिसे भी 104वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ई. के द्वारा समाप्त किया गया।

993. निम्नलिखित में से किसे संसद के सत्र को आहूत करने, सत्रावसान करने तथा लोकसभा भंग करने संबंधी अधिकार है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) महान्यायवादी (द) लोकसभा अध्यक्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रपति संसद का अभिन्न अंग होता है। इसे निम्न विधायी शक्तियाँ प्राप्त हैं– 1. संसद के सत्र को आहूत करने, सत्रावसान करने तथा लोकसभा भंग करने संबंधी अधिकार। 2. संसद के एक सदन में या एक साथ सम्मिलित रूप से दोनों सदनों में अभिभाषण करने का अधिकार। 3.लोक सभा के लिए प्रत्येक साधारण निर्वाचन के पश्चात् प्रथम सत्र के प्रारंभ में और प्रत्येक वर्ष के प्रथम सत्र के आरंभ में सम्मिलित रूप से संसद में अभिभाषण करने की शक्ति। 4.संसद द्वारा पारित विधेयक राष्ट्रपति के अनुमोदन के बाद ही कानून बनता है। 5.संसद में निम्न विधेयक को पेश करने के लिए राष्ट्रपति की पूर्व सहमति आवश्यक है– (1) नये राज्यों का निर्माण और वर्तमान राज्य के क्षेत्रों, सीमाओं या नामों में परिवर्तन संबंधी विधेयक (2) अनुच्छेद–110 के अंतर्गत धन विधेयक (3) अनुच्छेद–117(3) के अंतर्गत संचित निधि में से व्यय करने वाले विधेयक (4) ऐसे कराधान पर, जिसमें राज्य हित जुड़े हैं, प्रभाव डालने वाले विधेयक (5) अनुच्छेद–304 के अंतर्गत राज्यों के बीच व्यापार, वाणिज्य और समागम पर निर्बन्धन लगाने वाले विधेयक (6) अनुच्छेद–108 के अंतर्गत यदि किसी साधारण विधेयक पर दोनों सदनों में कोई असहमति है, तो उसे सुलझाने हेतु राष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुला सकता है।

994. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति कला, साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञान तथा सामाजिक कार्यों में पर्याप्त अनुभव एवं दक्षता रखने वाले 12 व्यक्तियों को राज्यसभा में मनोनीत कर सकता है ?
(अ) अनुच्छेद–108 (ब) अनुच्छेद–117(3)
(स) अनुच्छेद–80(3) (द) अनुच्छेद–110
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–80(3) के अन्तर्गत राष्ट्रपति कला, साहित्य, पत्रकारिता, विज्ञान तथा सामाजिक कार्यों में पर्याप्त अनुभव एवं दक्षता रखने वाले 12 व्यक्तियों को राज्यसभा में मनोनीत कर सकता है।

995. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने का अधिकार है ?
(अ) अनुच्छेद–108 (ब) अनुच्छेद–123
(स) अनुच्छेद–111 (द) अनुच्छेद–110
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संसद के स्थगन के समय अनुच्छेद–123 के तहत राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी कर सकता है, जिसका प्रभाव संसद के अधिनियम के समान होता है। इसका प्रभाव संसद सत्र के शुरू होने के छः सप्ताह तक रहता है, परन्तु राष्ट्रपति राज्य सूची के विषयों पर अध्यादेश नहीं जारी कर सकता, जब दोनों सदन सत्र में होते हैं, तब राष्ट्रपति को यह शक्ति नहीं होती है।

996. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति को क्षमादान की शक्ति प्राप्त है ?
(अ) अनुच्छेद–72 (ब) अनुच्छेद–80
(स) अनुच्छेद–110 (द) अनुच्छेद–111
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–72 के अन्तर्गत राष्ट्रपति को किसी अपराध के लिए दोषी ठहराये गये किसी व्यक्ति के दण्ड को क्षमा करने, उसके प्रविलम्बन, परिहार और लघुकरण की शक्ति प्राप्त है। क्षमा में दण्ड और बंदीकरण दोनों को हटाया जाता है तथा दोषों को पूर्णतः मुक्त कर दिया जाता है। लघुकरण में दण्ड के स्वरूप को बदलकर कम कर दिया जाता है, जैसे मृत्युदंड का लघुकरण कर कठोर या साधारण कारावास में परिवर्तित करना। परिहार में दंड की प्रकृति में परिवर्तन किए बिना उसकी अवधि कम कर दी जाती है, जैसे 2 वर्ष के कठोर कारावास को 1 वर्ष के कठोर कारावास में परिहार करना। प्रविलंबन में किसी दंड पर (विशेषकर मृत्युदण्ड) रोक लगाना है ताकि दोषी व्यक्ति क्षमा याचना कर सके। विराम में किसी दोषी की सजा को कम कर दिया जाता है, जैसे गर्भवती स्त्री की सजा को कम कर देना। जब क्षमादान की पूर्व याचिका राष्ट्रपति ने रद्द कर दी हो, तो दूसरी याचिका दायर नहीं की जा सकती।

997. सैन्य बलों की सर्वोच्च शक्ति सन्निहित होती है–
(अ) प्रधानमंत्री में (ब) राष्ट्रपति में
(स) महान्यावादी में (द) ब्रिगेडियर जनरल में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सैन्य बलों की सर्वोच्च शक्ति राष्ट्रपति में सन्निहित है, किन्तु इसका प्रयोग विधि द्वारा नियमित होता है।

998. दूसरे देशों के साथ कोई भी समझौता या संधि किसके नाम से की जाती है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) राजदूत (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– दूसरे देशों के साथ कोई भी समझौता या संधि राष्ट्रपति के नाम से की जाती है। राष्ट्रपति विदेशों के लिए भारतीय राजदूतों की नियुक्ति करता है एवं भारत में विदेशों के राजदूतों की नियुक्ति का अनुमोदन करता है।

999. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में आपातकाल से संबंधित उपबंध मिलते हैं ?
(अ) अनुच्छेद–352 (ब) अनुच्छेद–356
(स) अनुच्छेद–360 (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– आपातकाल से संबंधित उपबन्ध भारतीय संविधान के भाग–18 के अनुच्छेद–352 से 360 के अन्तर्गत मिलता है। मंत्रिपरिषद् के परामर्श से राष्ट्रपति तीन प्रकार के आपात लागू कर सकता है– (1) अनुच्छेद–352 के अंतर्गत युद्ध या बाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह के कारण लगाया गया आपात। (2) अनुच्छेद–356 के अन्तर्गत राज्यों में सांविधानक तंत्र के विफल होने से उत्पन्न आपात। (3) अनुच्छेद–360 के अन्तर्गत वित्तीय आपात। वित्तीय आपात की न्यूनतम अवधि दो माह होती है।

1000. संसद द्वारा पारित कोई विधेयक तभी अधिनियम बनता है, जब.....उसे अपनी सहमति देता है।
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) महान्यायवादी (द) लोकसभा अध्यक्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संसद द्वारा पारित कोई विधेयक तभी अधिनियम बनता है, जब राष्ट्रपति उसे अपनी सहमति देता है। जब ऐसा विधेयक राष्ट्रपति की सहमति के लिए प्रस्तुत होता है, तो संविधान के अनुच्छेद–111 के अन्तर्गत उसके पास तीन विकल्प होते हैं– 1.वह विधेयक पर अपनी स्वीकृति दे सकता है अथवा 2.विधेयक पर अपनी स्वीकृति सुरक्षित रख सकता है अथवा 3.वह विधेयक (धन विधेयक को छोड़कर) को संसद के पुनर्विचार हेतु लौटा सकता है। हालाँकि यदि संसद इस विधेयक को पुनः बिना किसी संशोधन के अथवा संशोधन करके राष्ट्रपति के सामने प्रस्तुत करे तो राष्ट्रपति को अपनी स्वीकृति देनी ही होगी। इस प्रकार, राष्ट्रपति के पास संसद द्वारा पारित विधेयक के संबंध में वीटो शक्ति होती है, अर्थात् वह विधेयक को अपनी स्वीकृति के लिए सुरिक्षत रख सकता है। वीटो लैटिन शब्द है, जिसका अर्थ है–रोकना।

1001. राष्ट्रपति अपनी किस वीटो शक्ति का प्रयोग तब करता है, जब वह किसी विधेयक को संसद को पुनर्विचार हेतु लौटाता है ?
(अ) अत्यांतिक वीटो (ब) निलंबनकारी वीटो
(स) जेबी वीटो (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति में तीन प्रकार की वीटो शक्ति निहित है– 1.अत्यांतिक वीटो, अर्थात् विधायिका द्वारा पारित विधेयक पर अपनी राय सुरक्षित रखना। 2. निलंबनकारी वीटो, वह वीटो है जो विधायिका द्वारा साधारण बहुमत द्वारा निरस्त की जा सके। 3.जेबी वीटो या पॉकेट वीटो, विधायिका द्वारा पारित विधेयक पर कोई निर्णय नहीं करना। राष्ट्रपति निलंबनकारी वीटो का प्रयोग तब करता है, जब वह किसी विधेयक को संसद को पुनर्विचार हेतु लौटाता है। हालांकि यदि संसद उस विधेयक को पुनः किसी संशोधन के बिना अथवा संशोधन के साथ पारित कर राष्ट्रपति के पास भेजती है, तो उस पर राष्ट्रपति को अपनी स्वीकृति देना बाध्यकारी है, अर्थात् राष्ट्रपति के इस वीटो को, उस विधेयक को साधारण बहुमत से पुनः पारित कराकर निरस्त किया जा सकता है। राष्ट्रपति धन विधेयक के मामले में निलंबनकारी वीटो शक्ति का प्रयोग नहीं कर सकता है। राष्ट्रपति किसी धन विधेयक को अपनी स्वीकृति या तो दे सकता है या उसे रोककर रख सकता है, परन्तु उसे संसद को पुनर्विचार के लिए नहीं भेज सकता है। राष्ट्रपति धन विधेयक पर अपनी स्वीकृति उस समय दे देता है, जब यह संसद में उसकी पूर्वानुमति से प्रस्तुत किया जाता है।

1002. राष्ट्रपति किसी सार्वजनिक महत्व के प्रश्न पर उच्चतम न्यायालय से किस अनुच्छेद के अधीन परामर्श ले सकता है ?
(अ) अनुच्छेद–111 (ब) अनुच्छेद–143
(स) अनुच्छेद–201 (द) अनुच्छेद–304
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति किसी सार्वजनिक महत्व के प्रश्न पर उच्चतम न्यायालय से अनुच्छेद–143 के अधीन परामर्श ले सकता है, लेकिन वह यह परामर्श मानने के लिए बाध्य नहीं है।

1003. राष्ट्रपति अपनी किस वीटो शक्ति के अंतर्गत संसद द्वारा पारित किसी विधेयक को अपनी राय के लिए सुरक्षित रखता है ?
(अ) अत्यांतिक वीटो (ब) निलंबनकारी वीटो
(स) जेबी वीटो (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति में तीन प्रकार की वीटो शक्ति निहित है– 1.अत्यांतिक वीटो, अर्थात् विधायिका द्वारा पारित विधेयक पर अपनी राय सुरक्षित रखना। 2. निलंबनकारी वीटो, वह वीटो है जो विधायिका द्वारा साधारण बहुमत द्वारा निरस्त की जा सके। 3.जेबी वीटो या पॉकेट वीटो, विधायिका द्वारा पारित विधेयक पर कोई निर्णय नहीं करना। अत्यांतिक वीटो का संबंध राष्ट्रपति की उस शक्ति से है, जिसमें वह संसद द्वारा पारित किसी विधेयक को अपने पास सुरक्षित रखता है। यह विधेयक इस प्रकार समाप्त हो जाता है और अधिनियम नहीं बन पाता। सामान्यतः यह वीटो निम्न मामलों में प्रयोग किया जाता है– (1) गैर–सरकारी सदस्यों के विधेयक के संबंध में अर्थात् संसद के सदस्य जो मंत्री न हो, द्वारा प्रस्तुत विधेयक (2) सरकारी विधेयक के संबंध में, जब मंत्रिमंडल त्यागपत्र दे दे। जब विधेयक पारित

हो गया हो तथा राष्ट्रपति की अनुमति मिलना शेष हो और नया मंत्रिमंडल, राष्ट्रपति को ऐसे विधेयक पर अपनी सहमति न देने की सलाह दे।

1004. भारत के राष्ट्रपति में तीन प्रकार की वीटो शक्ति निहित है, जिनमें शामिल नहीं है–
(अ) आत्यांतिक वीटो (ब) निलंबनकारी वीटो
(स) जेबी वीटो (द) आपात वीटो
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति में तीन प्रकार की वीटो शक्ति निहित है– 1.अत्यांतिक वीटो, अर्थात् विधायिका द्वारा पारित विधेयक पर अपनी राय सुरक्षित रखना। 2. निलंबनकारी वीटो, वह वीटो है जो विधायिका द्वारा साधारण बहुमत द्वारा निरस्त की जा सके। 3.जेबी वीटो या पॉकेट वीटो, विधायिका द्वारा पारित विधेयक पर कोई निर्णय नहीं करना।

1005. राष्ट्रपति की किसी विधेयक पर अनुमति देने या न देने के निर्णय लेने की सीमा का अभाव होने के कारण वह किस वीटो शक्ति का प्रयोग कर सकता है ?
(अ) अत्यांतिक वीटो (ब) निलंबनकारी वीटो
(स) जेबी वीटो (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति में तीन प्रकार की वीटो शक्ति निहित है– 1.अत्यांतिक वीटो, अर्थात् विधायिका द्वारा पारित विधेयक पर अपनी राय सुरक्षित रखना। 2. निलंबनकारी वीटो, वह वीटो है जो विधायिका द्वारा साधारण बहुमत द्वारा निरस्त की जा सके। 3.जेबी वीटो या पॉकेट वीटो, विधायिका द्वारा पारित विधेयक पर कोई निर्णय नहीं करना। राष्ट्रपति की किसी विधेयक पर अनुमति देने या न देने के निर्णय लेने की सीमा का अभाव होने के कारण वह जेबी वीटो शक्ति का प्रयोग कर सकता है। अनुच्छेद–111 के अनुसार यदि राष्ट्रपति विधेयक लौटाना चाहता है, तो विधेयक को उसे प्रस्तुत किये जाने के बाद यथाशीघ्र लौटा देगा। जेबी वीटो शक्ति के प्रयोग के उदाहरण हैं–1986 ई. में संसद द्वारा पारित भारतीय डाकघर संशोधन विधेयक, जिस पर तत्कालीन राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह ने कोई निर्णय नहीं लिया तथा तीन वर्ष पश्चात् 1989 ई. में उस समय के राष्ट्रपति आर. वेंकटरमण ने इस विधेयक को नई राष्ट्रीय मोर्चा सरकार के पास पुनर्विचार हेतु भेजा परन्तु सरकार ने इसे रद्द करने का फैसला लिया। 24वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1971 ई. ने संविधान संशोधन विधेयकों पर राष्ट्रपति को अपनी स्वीकृति देने के लिए बाध्यकारी बना दिया है। संविधान संशोधन से संबंधित अधिनियमों में राष्ट्रपति के पास कोई वीटो शक्ति नहीं है।

1006. जब कोई विधेयक राज्य विधायिका द्वारा पारित कर राज्यपाल के विचारार्थ उसकी स्वीकृति के लिए लाया जाता है, तो राज्यपाल के पास किस अनुच्छेद के अन्तर्गत चार विकल्प होते हैं–
(अ) अनुच्छेद–200 (ब) अनुच्छेद–201
(स) अनुच्छेद–331 (द) अनुच्छेद–123
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य विधायिकाओं के संबंध में भी भारत के राष्ट्रपति के पास वीटो शक्तियाँ हैं। राज्य विधायिका द्वारा पारित कोई भी विधेयक तभी अधिनियम बनता है, जब राज्यपाल अथवा राष्ट्रपति (यदि विधेयक राष्ट्रपति के विचारार्थ लाया गया हो) उस पर अपनी स्वीकृति दे देता है। जब कोई विधेयक राज्य विधायिका द्वारा पारित कर राज्यपाल के विचारार्थ उसकी स्वीकृति के लिए लाया जाता है, तो अनुच्छेद–200 के अन्तर्गत उसके पास चार विकल्प होते हैं–1.वह विधयेक पर अपनी स्वीकृति दे सकता है अथवा 2.वह विधेयक पर अपनी स्वीकृति सुरक्षित रख सकता है अथवा 3.वह विधेयक (धन विधेयक को छोड़कर) को राज्य विधायिका को पुनर्विचार के लिए लौटा सकता है अथवा 4.वह विधेयक को राष्ट्रपति के विचाराधीन आरक्षित कर सकता है।

1007. भारतीय संविधान में निर्वाचित राष्ट्रपति का प्रावधान किस देश से लिया गया है ?
(अ) अमेरिका (ब) रूस
(स) जापान (द) ब्रिटेन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान में निर्वाचित राष्ट्रपति का प्रावधान संयुक्त राज्य अमेरिका से लिया गया है।

1008. जब कोई विधेयक राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित किया जाता है, तो राष्ट्रपति के पास किस अनुच्छेद के अन्तर्गत तीन विकल्प होते हैं ?
(अ) अनुच्छेद–123 (ब) अनुच्छेद–143
(स) अनुच्छेद–200 (द) अनुच्छेद–201
उत्तर : (द)
व्याख्या–जब कोई विधेयक राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ भेजा जाता है, तब अनुच्छेद–201 के तहत राष्ट्रपति के पास तीन विकल्प होते हैं– 1.वह विधयेक पर अपनी स्वीकृति दे सकता है अथवा 2. वह विधेयक पर अपनी स्वीकृति सुरक्षित रख सकता है अथवा 3.वह राज्यपाल को निर्देश दे सकता है कि वह विधेयक (धन विधयेक नहीं हो) को राज्य विधायिका के पास पुनर्विचार हेतु लौटा दे। यदि राज्य विधायिका किसी संशोधन के बिना अथवा संशोधन करके पुनः पारित कर राष्ट्रपति के पास भेजती है तो राष्ट्रपति इस पर अपनी सहमति देने के लिए बाध्य नहीं है, अर्थात् राज्य विधायिका

राष्ट्रपति के वीटो को निरस्त नहीं कर सकती है। इसके अतिरिक्त संविधान में यह समय सीमा भी तय नहीं है कि राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के विचारार्थ रखे विधेयक पर राष्ट्रपति कब तक अपना निर्णय दे। इस प्रकार राष्ट्रपति राज्य विधेयकों पर अपनी जेबी वीटो (पॉकेट वीटो) का प्रयोग कर सकता है।

1009. निम्नलिखित में से कौन भारत के राष्ट्रपति के पद पर आसीन नहीं रहे ?
(अ) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(ब) फखद्धद्दीन अली अहमद
(स) के.आर. नारायणन
(द) बी.डी. जत्ती
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति पद पर आसीन रहने वाले व्यक्ति हैं–
1.डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (26.01.1950–13.05.1962)
2.डॉ. एस. राधाकृष्णन (13.05.1962–13.05.1967)
3.डॉ. जाकिर हुसैन (13.05.1967–03.05.1969)
4.वी.वी.गिरि (24.08.1969–24.08.1974)
5.फखरूद्दीन अली अहमद(24.08.1974–11.02.1977)
6.नीलम संजीव रेड्डी (25.07.1977–25.07.1982)
7.ज्ञानी जैल सिंह (25.07.1982–25.07.1987)
8.आर. वेंकटरमण (25.07.1987–25.07.1992)
9.डॉ. शंकर दयाल शर्मा (25.07.1992–25.07.1997)
10.के.आर. नारायणन (25.07.1997–25.07.2002)
11.डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (25.07.2002–25.07.2007)
12.प्रतिभा पाटिल (25.07.2007–25.07.2012)
13.प्रणव मुखर्जी (25.07.2012–25.07.2017)
14.रामनाथ कोविंद (25.07.2017 से 25.07.2022)
15. द्रौपदी मुर्मू (25.07.2022 से.....)।
कार्यवाहक राष्ट्रपति के पद पर आसीन रहे व्यक्ति–
1.वी.वी. गिरि (03.05.1969–20.07.1969)
2.न्यायमूर्ति मुहम्मद हिदायतुल्ला (20.07.1969–24.08.1969)
3.बी.डी. जत्ती (11.02.1977 से 25.07.1977)।

1010. भारत में राष्ट्रपति द्वारा संसद के पटल पर रखवाया जाता है–
(अ) संघ वित्त आयोग की सिफारिशें
(ब) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के प्रतिवेदन
(स) राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के प्रतिवेदन
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– राष्ट्रपति के द्वारा संघ वित्त आयोग की सिफारिशें, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के प्रतिवेदन, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग एवं राष्ट्रीय जनजाति आयोग के प्रतिवेदन को संसद के पटल पर रखवाया जाता है।

1011. राष्ट्रपति द्वारा आपातकाल की घोषणा के कितने दिनों के भीतर संसद की स्वीकृति आवश्यक है ?
(अ) 7 दिन (ब) 15 दिन
(स) 30 दिन (द) 60 दिन
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति द्वारा आपातकाल की घोषणा के 30 दिन के भीतर संसद की स्वीकृति आवश्यक है।

1012. राष्ट्रपति आपातकाल की घोषणा किन परिस्थितियों में कर सकता है ?
(अ) युद्ध (ब) बाहरी आक्रमण
(स) सशस्त्र विद्रोह (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– राष्ट्रपति युद्ध, बाहरी आक्रमण एवं सशस्त्र विद्रोह की परिस्थितियों में कर सकता है।

1013. राष्ट्रपति पर महाभियोग का आरोप संसद के किस सदन द्वारा लगाया जा सकता है ?
(अ) लोकसभा
(ब) राज्यसभा
(स) संसद के किसी भी सदन द्वारा
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति पर महाभियोग का आरोप संसद के किसी भी सदन द्वारा लगाया जा सकता है।

1014. 'जेबी वीटो' का सर्वप्रथम प्रयोग किस राष्ट्रपति ने किया था ?
(अ) मो. हिदायतुल्ला (ब) जाकिर हुसैन
(स) ज्ञानी जैलसिंह (द) नीलम संजीव रेड्डी
उत्तर : (स)
व्याख्या– जेबी वीटो का सर्वप्रथम प्रयोग ज्ञानी जैलसिंह ने किया था।

1015. राष्ट्रपति पर महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए कितने दिन पूर्व लिखित सूचना देना आवश्यक है ?
(अ) 8दिन (ब) 10 दिन
(स) 12 दिन (द) 14 दिन
उत्तर : (द)
व्याख्या– राष्ट्रपति पर महाभियोग प्रस्ताव लाने के लिए 14 दिन पूर्व लिखित सूचना देना होगी।

1016. राष्ट्रपति चुनाव से संबंधित विवाद का निपटारा कौन करता है ?
(अ) चुनाव आयोग (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) सर्वोच्च न्यायालय (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति चुनाव से संबंधित विवाद का निपटारा सर्वोच्च न्यायालय करता है।

1017. 21 जुलाई, 2022 को कौन भारत के 15वें राष्ट्रपति के रूप में चुने गए ?
(अ) द्रौपदी मुर्मू (ब) यशवंत सिन्हा
(स) रामनाथ कोविंद (द) सत्यपाल मलिक
उत्तर : (अ)

13.उपराष्ट्रपति

1018. भारत के उपराष्ट्रपति की स्थिति की तुलना किस देश के उपराष्ट्रपति से की जा सकती है ?
(अ) संयुक्त राज्य अमेरिका
(ब) फ्रांस
(स) दक्षिण अफ्रीका
(द) जर्मनी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के संविधान के अनुच्छेद 63 में उपराष्ट्रपति के पद की व्यवस्था का प्रावधान है। भारत के उपराष्ट्रपति का पद देश का दूसरा उच्चतम संवैधानिक पद है। उनकी कार्यावधि पाँच वर्ष की होती है, लेकिन वह इस अवधि के समाप्त हो जाने पर भी अपने उत्तराधिकारी के पद ग्रहण करने तक, पद पर बने रह सकते हैं। उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है और वह लाभ का कोई अन्य पद धारण नहीं करता है। संविधान में उपराष्ट्रपति से संबंधित प्रावधान अमेरिका के संविधान से ग्रहण किया गया है। भारत का उपराष्ट्रपति, राज्यसभा का पदेन सभापति होता है (अनुच्छेद–64 एवं अनुच्छेद–89)।

1019. भारत में उपराष्ट्रपति का पद–
(अ) संविधान में प्रारम्भ से ही है
(ब) एक संवैधानिक संशोधन द्वारा सृजित किया गया है
(स) एक संसदीय अधिनियम द्वारा सृजित किया गया है
(द) राष्ट्रपति अपने सहायक के रूप में उसकी नियुक्ति करता है
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के संविधान का अनुच्छेद 63 यह उपबंध करता है कि भारत का एक उपराष्ट्रपति होगा। अनुच्छेद 64 और 89 यह उपबंध करते हैं कि भारत का उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होगा और अन्य कोई लाभ का पद धारण नहीं करेगा। संवैधानिक व्यवस्था में उपराष्ट्रपति पद का धारक कार्यपालिका का भाग है परंतु राज्य सभा के सभापति के रूप में वह संसद का भाग है। इस प्रकार उपराष्ट्रपति की दोहरी भूमिका होती है और वह दो अलग–अलग और पृथक पद धारण करता है।

1020. राज्यसभा की बैठकों का सभापतित्व कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) स्पीकर
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 80 में राज्य सभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 निर्धारित की गई है, जिनमें से 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित किए जाते हैं और 238 सदस्य राज्यों के और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रतिनिधि होते हैं। उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है, जो इसकी बैठकों का सभापतित्व करते हैं।

1021. उपराष्ट्रपति पद के निर्वाचन हेतु उम्मीदवार की न्यूनतम आयु कितनी होनी चाहिए ?
(अ) 25 वर्ष (ब) 21 वर्ष
(स) 35 वर्ष (द) 40 वर्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति पद के निर्वाचन के लिए न्यूननतम आयु 35 वर्ष होती है। राज्यसभा का सदस्य निर्वाचित होने के लिए योग्यता रखता हो। उपराष्ट्रपति पद के निर्वाचन हेतु उम्मीदवार की अधिकतम आयु सीमा कोई नहीं है।

1022. उपराष्ट्रपति पद की अर्हता के सम्बन्ध में क्या सही है ?
(अ) 35 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो
(ब) लोकसभा का सदस्य हो
(स) राज्यसभा का सदस्य हो
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति संसद के किसी सदन का या किसी राज्य के विधानमंडल के किसी सदन का सदस्य नहीं होता है। यदि संसद के किसी सदन का या किसी राज्य के विधानमंडल के किसी सदन का कोई सदस्य उपराष्ट्रपति निर्वाचित हो जाता है, तो यह समझा जाता है कि उसने सदन में अपना स्थान उपराष्ट्रपति के रूप में अपने पद ग्रहण की तारीख से रिक्त कर दिया है।

1023. उपराष्ट्रपति–
(अ) लोकसभा का सदस्य होता है
(ब) राज्यसभा का सदस्य होता है
(स) किसी भी सदन का सदस्य होता है
(द) संसद सदस्य नहीं होता है
उत्तर : (द) SSC 2013
व्याख्या– उपराष्ट्रपति संसद के किसी सदन का या किसी राज्य के विधानमंडल के किसी सदन का सदस्य नहीं होता है। यदि संसद के किसी सदन का या किसी राज्य के विधानमंडल के किसी सदन का कोई सदस्य उपराष्ट्रपति निर्वाचित हो जाता है, तो यह समझा जाता है कि उसने सदन में अपना स्थान उपराष्ट्रपति के रूप में अपने पद ग्रहण की तारीख से रिक्त कर दिया है।

1024. उपराष्ट्रपति का निर्वाचन कैसे होता है ?
(अ) प्रत्यक्ष रूप से
(ब) अप्रत्यक्ष रूप से
(स) (अ) एवं (ब) दोनों से
(द) मनोनयन द्वारा
उत्तर : (ब)

व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 66 के अनुसार उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बनने वाले निर्वाचकगण के सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है। संसद के दोनों सदनों से बनने वाले निर्वाचकगण में निर्वाचित एवं मनोनीत दानों सदस्य शामिल होते हैं। उपराष्ट्रपति का निर्वाचन अप्रत्यक्ष रूप से होता है।

1025. उपराष्ट्रपति के सम्बन्ध में निम्न में से कौनसा कथन सही है ?
(अ) वह लोकसभा का पदेन अध्यक्ष होता है
(ब) वह राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष होता है
(स) वह लोकसभा की लोक लेखा समिति का अध्यक्ष होता है
(द) वह भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी का पदेन अध्यक्ष होता है
उत्तर : (ब) IAS 1991
व्याख्या– भारत के उपराष्ट्रपति का पद देश का दूसरा उच्चतम संवैधानिक पद है। उनका कार्यकाल 5 वर्ष की अवधि को होता है। लेकिन वह इस अवधि के समाप्त हो जाने पर भी अपने उत्तराधिकारी के पद ग्रहण करने तक, पद पर बने रहे सकते हैं। उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है और वह लाभ का कोई अन्य पद धारण नहीं करता है।

1026. उपराष्ट्रपति का चुनाव करने वाली निर्वाचन संस्था के सदस्य कौन होते हैं ?
(अ) लोकसभा और राज्यसभा दोनों के निर्वाचित सदस्य
(ब) संसद के दोनों सदनों के सदस्य
(स) राज्यसभा के सभी निर्वाचित सदस्य
(द) राज्यसभा के सभी सदस्य
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बनने वाले निर्वाचकगण द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है और ऐसे निर्वाचन में मतदान गुप्त होता है। उपराष्ट्रपति के पद के लिए किसी व्यक्ति को निर्वाचित किए जाने हेतु निर्वाचकगण में ससद के दोनों सदनों के सदस्य होते हैं।

1027. उपराष्ट्रपति पद के निर्वाचन हेतु कौनसी पद्धति अपनाई जाती है ?
(अ) सूची पद्धति
(ब) संचयी मत पद्धति
(स) सापेक्ष बहुमत पद्धति
(द) समानुपातिक प्रतिनिधित्व एवं एकल संक्रमणीय पद्धति
उत्तर : (द)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति पद के निर्वाचन हेतु समानुपातिक प्रतिनिधित्व एवं एकल संक्रमणीय पद्धति अपनाई जाती है।

1028. उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नामांकन को निर्वाचक मंडल के कम–से–कम कितने सदस्यों के द्वारा प्रस्तावित करना आवश्यक है ?
(अ) 5 (ब) 10
(स) 15 (द) 20
उत्तर : (द)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचन के लिए खड़े होने वाले किसी भी व्यक्ति को कम से कम 20 संसद सदस्यों द्वारा प्रस्तावक के रूप में और कम से कम 20 संसद सदस्यों द्वारा समर्थक के रूप में नामित किया जाना अपेक्षित है।

1029. उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नामांकन को निर्वाचक मंडल के कम–से–कम कितने सदस्यों का अनुमोदन प्राप्त होने आवष्यक है ?
(अ) 5 (ब) 10
(स) 15 (द) 20
उत्तर : (द)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति के रूप में निर्वाचन के लिए खड़े होने वाले किसी भी व्यक्ति को कम से कम 20 संसद सदस्यों द्वारा प्रस्तावक के रूप में और कम से कम 20 संसद सदस्यों द्वारा समर्थक के रूप में नामित किया जाना अपेक्षित है।

1030. भारत के उपराष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित विवाद को कौन तय करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) निर्वाचन आयोग
(स) सर्वोच्च न्यायालय (द) राज्यसभा सदस्य
उत्तर : (स)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति के निर्वाचन के संबंध में पैदा होने वाले संदेहों और विवादों की भारत के उच्चतम न्यायालय द्वारा जाँच की जाती है और निर्णय किया जाता है। उसका निर्णय अंतिम होता है। उपराष्ट्रपति के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर भारत के उच्चतम न्यायालय के पाँच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा सुनवाई की जाती है। इस याचिका के साथ अनिवार्य रूप से निर्धारित राशि जमानत के तौर पर जमा करनी होती है।

1031. संविधान में उपराष्ट्रपति के पुनर्निर्वाचन के संबंध में क्या प्रावधान है ?
(अ) कुछ भी नहीं
(ब) एक से अधिक बार प्रतिबन्ध
(स) अधिकतम दो बार के लिए पुनर्निर्वाचन
(द) अधिकतम तीन बार के लिए पुनर्निर्वाचन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान में उपराष्ट्रपति के पुनर्निर्वाचन के संबंध में कोई प्रावधान नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 66 के अनुसार उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बनने

वाले निर्वाचकगण के सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है। संसद के दोनों सदनों से बनने वाले निर्वाचकगण में निर्वाचित एवं मनोनीत दानों सदस्य शामिल होते हैं। उपराष्ट्रपति का निर्वाचन अप्रत्यक्ष रूप से होता है।

1032. उपराष्ट्रपति के चुनाव में कौन–कौन मतदान करता है ?
(अ) लोकसभा के सदस्य
(ब) राज्यसभा के सदस्य
(स) लोकसभा एवं राज्यसभा के सदस्य
(द) लोकसभा, राज्यसभा एवं राज्य विधानसभा के सदस्य
उत्तर : (स)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बनने वाले निर्वाचकगण द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है और ऐसे निर्वाचन में मतदान गुप्त होता है। उपराष्ट्रपति के पद के लिए किसी व्यक्ति को निर्वाचित किए जाने हेतु निर्वाचकगण में संसद के दोनों सदनों के सदस्य होते हैं।

1033. भारत के उपराष्ट्रपति का निर्वाचन होता है–
(अ) संसद के दोनों सदनों द्वारा
(ब) संसद के दोनों सदनों तथा विधानसभाओं द्वारा
(स) भारत के राष्ट्रपति द्वारा
(द) लोकसभा के सदस्यों द्वारा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति का निर्वाचन एक निर्वाचक मण्डल द्वारा किया जाता है, जिसमें लोकसभा के सदस्य एवं राज्यसभा के सदस्य आते हैं। निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है। उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में राज्य की विधान सभाओं के सदस्यों को मत देने का अधिकार नहीं है। यही राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में मुख्य अन्तर है।

1034. जो सदस्य भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव करते हैं, वे होते हैं–
(अ) संसद के (ब) लोकसभा के
(स) राज्यसभा के (द) मंत्रिमंडल के
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति का चुनाव परोक्ष होता है जिसके निर्वाचक मंडल (इलेक्टोरल कॉलेज) में राज्यसभा और लोकसभा के सांसद शामिल होते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में चुने हुए सांसदों के साथ विधायक भी मतदान करते हैं, लेकिन उपराष्ट्रपति चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सांसद ही वोट डाल सकते हैं। खास बात यह है कि दोनों सदनों के लिए मनोनीत सांसद राष्ट्रपति के चुनाव में मतदान नहीं कर सकते लेकिन वे उपराष्ट्रपति के चुनाव में मतदान कर सकते हैं।

1035. उपराष्ट्रपति को कौन चुनता है ?
(अ) वही निर्वाचक मंडल जो राष्ट्रपति का चुनाव करता है
(ब) राज्यसभा के सदस्य
(स) संसद के सदस्यों द्वारा बना निर्वाचक मंडल
(द) संसद के संयुक्त बैठक में
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत का निर्वाचन आयोग उपराष्ट्रपति के पद के लिए निर्वाचन करता है। अगले उपराष्ट्रपति का निर्वाचन निवर्तमान उपराष्ट्रपति की पदावधि की समाप्ति के 60 दिनों के भीतर किया जाना होता है। उपराष्ट्रपति के निर्वाचन को संचालित करने के लिए सामान्यतः नियुक्त निर्वाचन अधिकारी चक्रानुक्रम में संसद के किसी भी सदन का महासचिव होता है। निर्वाचन अधिकारी विहित प्रपत्र में अभ्यर्थियों का नामांकन आमंत्रित करते हुए निर्वाचन के संबंध में इस आशय की सार्वजनिक सूचना जारी करता है और उस स्थान को विनिर्दिष्ट करता है जहाँ नामांकन पत्र प्रस्तुत किए जाएँगे।

1036. उपराष्ट्रपति के कार्यकाल की अवधि कितने वर्ष की होती है ?
(अ) 4 वर्ष (ब) 5 वर्ष
(स) 6 वर्ष (द) 3 वर्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के उपराष्ट्रपति का देश का दूसरा उच्चतम संवैधानिक पद है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 63 के अनुसार भारत का एक उपराष्ट्रपति होगा। इनका कार्यकाल 5 वर्ष का होता है।

1037. उपराष्ट्रपति को पद की गोपनीयता की शपथ कौन दिलाता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभाध्यक्ष
(द) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में राष्ट्रपति के बाद उपराष्ट्रपति का पद कार्यकारिणी में दूसरा सबसे बड़ा पद होता है। उपराष्ट्रपति को पद व गोपनीयता की शपथ भारत के राष्ट्रपति दिलाते हैं।

1038. उपराष्ट्रपति अपना त्यागपत्र किसे सम्बोधित करता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभाध्यक्ष
(द) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (अ)

व्याख्या– उपराष्ट्रपति अपने कार्यकाल की अवधि में किसी भी समय अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को दे सकता है।

1039. उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के सभापति के रूप किसके समतुल्य वेतन मिलता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभाध्यक्ष
(द) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (स)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के सभापति के रूप में लोकसभा अध्यक्ष के समान वेतन मिलता है।

1040. उपराष्ट्रपति को उसके कार्यकाल की समाप्ति के पूर्व पद से हटाने का अधिकार किसको है ?
(अ) राज्यसभा (ब) लोकसभा
(स) संसद (द) सर्वोच्च न्यायालय
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 67 के अनुसार भारत के उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के बहुमत से पारित एक प्रस्ताव द्वारा हटाया जा सकता है और लोकसभा द्वारा सहमति दी जा सकती है। हालाँकि प्रस्ताव को 14 दिनों की अग्रिम सूचना के बिना आगे नहीं ले जाया जा सकता है।

1041. भारत के उपराष्ट्रपति को पदच्युत करने का प्रस्ताव प्रस्तावित किया जा सकता है ?
(अ) केवल लोकसभा में
(ब) संसद के किसी भी सदन में
(स) संसद की संयुक्त बैठक में
(द) केवल राज्यसभा में
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 67 के अनुसार भारत के उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के बहुमत से पारित एक प्रस्ताव द्वारा हटाया जा सकता है और लोकसभा द्वारा सहमति दी जा सकती है। हालाँकि प्रस्ताव को 14 दिनों की अग्रिम सूचना के बिना आगे नहीं ले जाया जा सकता है।

1042. उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति का कार्यभार संभालता है, जबकि राष्ट्रपति–
(अ) अनुपस्थित हो
(ब) बीमार हो
(स) अपना कार्य करने में अक्षम हो
(द) उपर्युक्त सभी मामलों में
उत्तर : (द)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति की मृत्यु, पदत्याग या बर्खास्तगी या अन्य कारणों से हुई राष्ट्रपति के पद की रिक्ति की स्थिति में नए राष्ट्रपति का यथाशीघ्र निर्वाचन होने तक, जो किसी भी स्थिति में रिक्ति होने की तारीख से छह माह के बाद नहीं होगा, राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है। जब राष्ट्रपति अनुपस्थिति, बीमारी या अन्य किसी कारण से अपने कृत्यों का निर्वहन करने में असमर्थ हो, तब उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति द्वारा अपना कार्यभार पुनः ग्रहण करने तक उसके कृत्यों का निर्वहन करता है। इस अवधि के दौरान, उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति की सभी शक्तियाँ, उन्मुक्तियाँ और विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं और वह राष्ट्रपति को संदये परिलब्धियाँ तथा भत्ते प्राप्त करता है।

1043. उपराष्ट्रपति को कार्यकाल पूरा होने से पूर्व पदच्युत किया जा सकता है–
(अ) राष्ट्रपति द्वारा
(ब) सर्वोच्च न्यायालय की संस्तुति पर राष्ट्रपति द्वारा
(स) राज्यसभा के साधारण बहुमत द्वारा पारित प्रस्ताव जिसकी स्वीकृति लोकसभा करे
(द) राज्यसभा के दो–तिहाई बहुमत द्वारा पारित प्रस्ताव जिसकी स्वीकृति लोकसभा करे
उत्तर : (स)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति को कार्यकाल पूरा होने से पूर्व राज्यसभा के साधारण बहुमत द्वारा पारित प्रस्ताव जिसकी स्वीकृति लोकसभा करे, के द्वारा पदच्युत किया जा सकता है।

1044. भारत के उपराष्ट्रपति को उसके पद से कौन हटा सकता है ?
(अ) मंत्रिपरिषद की सलाह से राष्ट्रपति
(ब) राष्ट्रपति की सम्मति से लोकसभा
(स) लोकसभा की सम्मति से राज्यसभा
(द) राष्ट्रपति की सम्मति से राज्यसभा
उत्तर : (स) SSC 2000
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 67 के अनुसार भारत के उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के बहुमत से पारित एक प्रस्ताव द्वारा हटाया जा सकता है और लोकसभा द्वारा सहमति दी जा सकती है। हालाँकि प्रस्ताव को 14 दिनों की अग्रिम सूचना के बिना आगे नहीं ले जाया जा सकता है।

1045. जब उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति के कार्यों को संभालता है तो उस दौरान राज्यसभा के सभापति पद पर कौन कार्य करता है ?
(अ) वह स्वयं (ब) नया सभापति
(स) उपसभापति (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य सभा के सभापति के अभाव में उपसभापति राज्य सभा की कार्यवाही की अध्यक्षता करता है। भारत के उपराष्ट्रपति ही राज्य सभा के सभापति होते हैं। राज्य सभा के उपसभापति राज्य सभा द्वारा आंतरिक रूप से चुने जाते हैं।

1046. उपराष्ट्रपति का निर्वाचन किसके द्वारा होता है ?
(अ) जनता (ब) संसद
(स) राष्ट्रपति (द) मंत्रिमंडल
उत्तर : (ब)

व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 66(1) के तहत उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों (निर्वाचित और मनोनीत) से मिलकर बनने वाले निर्वाचकगण के सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है।

1047. उपराष्ट्रपति अपने मत का प्रयोग कब करता है ?
(अ) प्रत्येक परिस्थिति में
(ब) मतों के बराबर रहने की स्थिति में
(स) उसकी इच्छा पर निर्भर है
(द) कभी भी नहीं करता
उत्तर : (ब) IAS 1984
व्याख्या– उपराष्ट्रपति केवल तभी निर्णायक मत देता है, जब मत विभाजन बराबर होता है। तथापि, यदि सभा की किसी बैठक में सभापति को उसके पद से पदच्युत करने का संकल्प विचाराधीन हो, तो वह उस बैठक की अध्यक्षता नहीं करता है। ऐसी कार्यवाहियों के दौरान वह इस प्रकार के संकल्प पर अथवा अन्य किसी मामले में भी मत नहीं दे सकता।

1048. राष्ट्रपति की मृत्यु पर जब उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति का पद ग्रहण करता है तो–
(अ) राष्ट्रपति के कार्यकाल के शेष समय तक पद पर आसीन रहता है
(ब) अधिकतम 6 माह तक पद पर आसीन रहता है
(स) अधिकतम 1 वर्ष तक पद पर आसीन रहता है
(द) अधिकतम 1 माह तक पद पर आसीन रहता है
उत्तर : (ब)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति की मृत्यु, पदत्याग या बर्खास्तगी या अन्य कारणों से हुई राष्ट्रपति के पद की रिक्ति की स्थिति में नए राष्ट्रपति का यथाशीघ्र निर्वाचन होने तक, जो किसी भी स्थिति में रिक्ति होने की तारीख से छह माह के बाद नहीं होगा, राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है।

1049. जब उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति का कार्यभार संभालता है तो–
(अ) वह राज्यसभा के सभापति के रूप में सभी कार्य करता है
(ब) उसे राष्ट्रपति पद के सभी विशेषाधिकार और भत्ते प्राप्त होते हैं
(स) वह राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति दोनों की शक्तियों का प्रयोग करता है
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– जब राष्ट्रपति अनुपस्थिति, बीमारी या अन्य किसी कारण से अपने कृत्यों का निर्वहन करने में असमर्थ हो, तब उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति द्वारा अपना कार्यभार पुनः ग्रहण करने तक उसके कृत्यों का निर्वहन करता है। इस अवधि के दौरान, उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति की सभी शक्तियाँ, उन्मुक्तियाँ और विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं और वह राष्ट्रपति को संदये परिलब्धियाँ तथा भत्ते प्राप्त करता है।

1050. भारत के उपराष्ट्रपति को पदच्युत करने का संकल्प निम्नलिखित में से कहाँ प्रस्तावित किया जा सकता है ?
(अ) केवल लोकसभा में
(ब) संसद के किसी भी सदन में
(स) संसद की संयुक्त बैठक में
(द) केवल राज्य सभा में
उत्तर : (द) IAS 1988
व्याख्या– उपराष्ट्रपति का चुनाव परोक्ष होता है जिसके निर्वाचक मंडल यानी इलेक्टोरल कॉलेज में राज्यसभा और लोकसभा के सांसद शामिल होते हैं। राष्ट्रपति चुनाव में चुने हुए सांसदों के साथ विधायक भी मतदान करते हैं लेकिन उपराष्ट्रपति के चुनाव में लोकसभा और राज्यसभा के सांसद ही मत डाल सकते हैं। दोनों सदनों के लिए मनोनीत सांसद राष्ट्रपति चुनाव में मतदान नहीं कर सकते लेकिन वे उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान कर सकते हैं।

1051. निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(अ) उपराष्ट्रपति को पदच्युत करने के लिए महाभियोग की आवश्यकता नहीं पड़ती है।
(ब) उपराष्ट्रपति के निर्वाचन सम्बन्धी सभी विवादों को निर्वाचन आयोग देखता है।
(स) यदि उपराष्ट्रपति का निर्वाचन अवैध घोषित कर दिया जाता है तो ऐसे निर्णय के पूर्व उनके द्वारा सम्पन्न कार्य अवैध नहीं होंगे।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बनने वाले निर्वाचकगण द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है और ऐसे निर्वाचन में मतदान गुप्त होता है।

1052. राज्यसभा के सभापति के रूप में उपराष्ट्रपति क्या नहीं कर सकता है ?
(अ) राज्यसभा को विघटित कर सकता है
(ब) राज्यसभा के सदस्यों के विशेषाधिकारों का संरक्षण करता है
(स) राष्ट्रपति एवं लोकसभा के समक्ष राज्यसभा का प्रवक्ता होता है
(द) राज्यसभा की बैठकों की अध्यक्षता करता है और उसके कार्यों का संचालन करता है
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है। वह राज्यसभा की कार्यवाही का संचालन करता है। वह राज्यसभा में पेश किसी विधेयक पर विचार–विमर्श एवं मतदान करता है। मतों में

समानता की स्थिति में राज्यसभा के सभापति के रूप में उसे अपना निर्णायक मत देने का अधिकार होता है। वह राज्यसभा द्वारा पारित विधेयकों पर हस्ताक्षर करता है। वह राज्यसभा सदस्यों के विशेषाधिकारों को संरक्षण प्रदान करता है। वह राष्ट्रपति एवं लोकसभा के समक्ष राज्यसभा का प्रवक्त होता है।

1053. भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति थे–
(अ) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(ब) डॉ. जाकिर हुसैन
(स) गोपाल स्वरूप पाठक
(द) जे.बी. कृपलानी
उत्तर : (अ) RRB 2006
व्याख्या– डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति थे और द्वितीय राष्ट्रपति भी रहे। इनका कार्यकाल 1952 से 1962 तक रहा। वे भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद्, महान् दार्शनिक और एक आस्थावान हिन्दू विचारक थे। उनके इन्हीं गुणों के कारण सन् 1954 में भारत सरकार ने उन्हें सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से अलंकृत किया गया। उनका जन्म दिन 5 सितम्बर, भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

1054. निम्न कथनों पर विचार कीजिए–
1. भारत का उपराष्ट्रपति नियुक्त किये जाने के लिए किसी व्यक्ति में राज्यसभा सदस्य बनने की योग्यता अवश्य होनी चाहिए।
2. उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष होता है।
(अ) केवल 1 सही है
(ब) केवल 2 सही है
(स) 1 और 2 दोनों सही है
(द) 1 और 2 दोनों गलत है
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत का उपराष्ट्रपति नियुक्त किये जाने के लिए किसी व्यक्ति में राज्यसभा का सदस्य बनने की योग्यता अवश्य होनी चाहिए। उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष होता है।

1055. भारत का उपराष्ट्रपति किसका पदेन सभापति होता है ?
(अ) लोक सभा (ब) विधान सभा
(स) राज्य सभा (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के उपराष्ट्रपति का पद देश का दूसरा उच्चतम संवैधानिक पद है। उनकी कार्यावधि 5 वर्ष की होती है, लेकिन वह इस अवधि के समाप्त हो जाने पर भी अपने उत्तराधिकारी के पद ग्रहण करने तक, पद पर बने रह सकते हैं। उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है। वह लाभ का कोई अन्य पद धारण नहीं करता।

1056. भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव किया जाता है–
(अ) संसद के सदस्यों द्वारा
(ब) राज्य सभा के सदस्यों द्वारा
(स) संसद के निर्वाचित सदस्यों द्वारा
(द) संसद व राज्य विधान सभाओं के सदस्यों द्वारा
उत्तर : (अ) SSC 2008
व्याख्या– उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बनने वाले निर्वाचकगण द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है और ऐसे निर्वाचन में मतदान गुप्त होता है। उपराष्ट्रपति के पद के लिए किसी व्यक्ति को निर्वाचित किए जाने हेतु निर्वाचकगण में ससद के दोनों सदनों के सदस्य होते हैं।

1057. भारत के उपराष्ट्रपति के सम्बन्ध में कौनसा कथन असत्य है ?
(अ) भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति एस. राधाकृष्णन थे।
(ब) उपराष्ट्रपति का चुनाव भारत का राष्ट्रपति करता है।
(स) उपराष्ट्रपति राज्यसभा का सभापति होता है।
(द) उपराष्ट्रपति की योग्यता प्राप्त करने के लिए प्रत्याशी की आयु कम–से–कम 35 वर्ष होनी चाहिए।
उत्तर : (ब)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बनने वाले निर्वाचकगण द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है और ऐसे निर्वाचन में मतदान गुप्त होता है।

1058. उपराष्ट्रपति को प्राप्त होने वाले वेतन, भत्ते आदि प्राप्त होते हैं–
(अ) उपराष्ट्रपति के रूप में कार्य करने के लिए
(ब) राज्यसभा का सभापति के रूप में कार्य करने के लिए
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति को प्राप्त होने वाले वेतन, भत्ते आदि राज्यसभा के सभापति के रूप में कार्य करने के लिए प्राप्त होते हैं।

1059. अपनी पदावधि समाप्त होने से पूर्व उपराष्ट्रपति को उसके पद से हटाने का अधिकार किसे है ?
(अ) राज्य सभा (ब) लोक सभा
(स) संसद (द) उच्चतम न्यायालय
उत्तर : (स) RRB 2008
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 63 के अनुसार भारत का एक उपराष्ट्रपति होगा। अनुच्छेद 67 के अनुसार उपराष्ट्रपति अपने पद धारण करने की तारीख से 5 वर्ष तक पद पर रहेगा किन्तु वह

किसी भी राष्ट्रपति को सम्बोधित अपने पत्र द्वारा अपना पद त्याग कर सकेगा। वह राज्य सभा के ऐसे संकल्प से हटाया जा सकेगा जिसे राज्य सभा के सदस्यों ने अपने बहुमत से पारित किया है और जिससे लोकसभा सहमत है। उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति को पद से हटाने के लिए महाभियोग की प्रक्रिया की कोई व्यवस्था नहीं है।

1060. संविधान में उपराष्ट्रपति से संबंधित प्रावधान किस देश के संविधान से ग्रहण किया गया है ?
(अ) रूस (ब) ब्रिटेन
(स) अमेरिका (द) जापान
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान में भारत के उपराष्ट्रपति से संबंधित प्रावधान संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से ग्रहण किया गया है। उपराष्ट्रपति का पद संविधान के अनुच्छेद–63 में उल्लेखित है।

1061. निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद में वर्णित है कि भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है ?
(अ) अनुच्छेद–64 (ब) अनुच्छेद–89
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–64 व 89 में वर्णित है कि भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है। वह राज्यसभा का सदस्य नहीं होता है, अतः इसे मतदान का अधिकार नहीं है, किन्तु सभापति के रूप में निर्णायक मत देने का अधिकार उसे प्राप्त है।

1062. भारत के उपराष्ट्रपति पर अभियोग किसके द्वारा लगाया जा सकता है ?
(अ) राज्यसभा (ब) लोकसभा
(स) विधान परिषद (द) विधानसभा
उत्तर : (अ) SSC 2015
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 67 के अनुसार भारत के उपराष्ट्रपति को राज्यसभा के बहुमत से पारित एक प्रस्ताव द्वारा हटाया जा सकता है और लोकसभा द्वारा सहमति दी जा सकती है। हालाँकि प्रस्ताव को 14 दिनों की अग्रिम सूचना के बिना आगे नहीं ले जाया जा सकता है।

1063. संविधान के किस अनुच्छेद में उपराष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए निर्वाचक मंडल की व्यवस्था का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद–63 (ब) अनुच्छेद–64
(स) अनुच्छेद–89 (द) अनुच्छेद–66(1)
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–66(1) के अनुसार उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बनने वाले निर्वाचकगण के सदस्यों द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है और ऐऐ निर्वाचन में मतदान गुप्त होता है। संसद के दोनों सदनों से बनने वाले निर्वाचकगण में निर्वाचित वं मनोनीत दोनों सदस्य शामिल होते हैं।

1064. उपराष्ट्रपति को अपना पद ग्रहण करने से पूर्व किसके समक्ष शपथ लेनी पड़ती है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) महान्यायवादी
(स) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति को अपना पद ग्रहण करने से पूर्व राष्ट्रपति अथवा उसके द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति के समक्ष शपथ लेनी पड़ती है।

1065. कोई व्यक्ति उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने के योग्य तभी होगा, जब वह–
(अ) 35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो।
(ब) राज्यसभा का सदस्य निर्वाचित होने की योग्यता रखता हो।
(स) निर्वाचन के समय किसी लाभ के पद पर नहीं हो।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– कोई व्यक्ति उपराष्ट्रपति निर्वाचित होने के योग्य तभी होगा, जब वह–1.भारत का नागरिक हो। 2.35 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो। 3. राज्यसभा का सदस्य निर्वाचित होने के योग्य हो। 4.निर्वाचन के समय किसी प्रकार के लाभ के पद पर नहीं हो। 5.वह संसद के किसी सदन या राज्य के विधान मंडल के किसी सदन का सदस्य नहीं हो सकता और यदि ऐसा व्यक्ति उपराष्ट्रपति निर्वाचित हो जाता है, तो यह समझा जायेगा कि उसने उस सदन का अपना स्थान अपने पद ग्रहण की तारीख से रिक्त कर दिया है।

1066. उपराष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित विवादों का निपटारा किसके द्वारा किया जाता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उच्चतम न्यायालय
(स) महान्यायवादी (द) राज्यसभा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति के निर्वाचन से संबंधित विवादों का निपटारा भी राष्ट्रपति की तरह उच्चतम न्यायालय द्वारा किया जाता है। निर्वाचन अवैध होने पर उसके द्वारा किये गये कार्य अवैध नहीं होते हैं।

1067. राष्ट्रपति का पद रिक्त रहने पर उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति की हैसियत से कार्य करता है। यह प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में है ?
(अ) अनुच्छेद–63 (ब) अनुच्छेद–64
(स) अनुच्छेद–65 (द) अनुच्छेद–74
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–65 के अनुसार राष्ट्रपति का पद खाली रहने पर उपराष्ट्रपति,

राष्ट्रपति की हैसियत से कार्य करता है तथा उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने की अधिकतम अवधि छः महीने होती है। इस दौरान राष्ट्रपति का चुनाव करा लेना अनिवार्य होता है। राष्ट्रपति के रूप में कार्य करते समय उसे राष्ट्रपति की सब शक्तियों, उन्मुक्तियों, उपलब्धियों, भत्तों और विशेषाधिकार का अधिकार प्राप्त होगा। जिस किसी कालावधि में उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है, वह राज्यसभा के सभापति के पद के कार्यों को नहीं करेगा और अनुच्छेद–97 के अधीन राज्यसभा के सभापति के वेतन या भत्ते का हकदार नहीं होगा।

1068. उपराष्ट्रपति की पदावधि का उल्लेख संविधान के किस अनुच्छेद में है ?
(अ) अनुच्छेद–63 (ब) अनुच्छेद–64
(स) अनुच्छेद–67 (द) अनुच्छेद–89
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के उपराष्ट्रपति की पदावधि का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद–67 में है। इसके अनुसार उपराष्ट्रपति पद ग्रहण की तारीख से पाँच वर्ष की अवधि तक पद धारण करेगा, परन्तु अनुच्छेद–67(क) के अनुसार उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति को संबोधित अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकेगा। अनुच्छेद–67(ख) के अनुसार उपराष्ट्रपति, राज्य सभा के ऐसे संकल्प द्वारा अपने पद से हटाया जा सकेगा जिसे राज्य सभा के तत्कालीन व समस्त सदस्यों के बहुमत ने पारित किया है और जिससे लोकसभा सहमत है, किन्तु इस खंड के प्रयोजन के लिए कोई संकल्प तब तक प्रस्तावित नहीं किया जायेगा जब तक कि उसक संकल्प को प्रस्तावित करने के आशय की कम–से–कम 14 दिन की सूचना न दे दी गई हो। अनुच्छेद–67(ग) के अनुसार उपराष्ट्रपति, अपने पद की अवधि समाप्त हो जाने पर भी तब तक पद धारण करता रहेगा जब तक उसका उत्तराधिकारी अपना पद ग्रहण नहीं कर लेता है।

1069. भारतीय संविधान के किस भाग में उपराष्ट्रपति का पद उल्लेखित है ?
(अ) भाग 3 (ब) भाग 4
(स) भाग 5 (द) भाग 6
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 5 के अनुच्छेद 63 में उपराष्ट्रपति के पद का उल्लेख किया गया है।

1070. संविधान के किस अनुच्छेद में उपराष्ट्रपति पद का प्रावधान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 52 (ब) अनुच्छेद 53
(स) अनुच्छेद 63 (द) अनुच्छेद 76
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 63 में उपराष्ट्रपति पद का प्रावधान किया गया है।

1071. भारत के राष्ट्रपति निर्वाचित होने से पूर्व निम्न में से कौन उपराष्ट्रपति नहीं था ?
(अ) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(ब) डॉ. जाकिर हुसैन
(स) वी.वी. गिरि
(द) ज्ञानी जैल सिंह
उत्तर : (द)
व्याख– ज्ञानी जैल सिंह का कार्यकाल 25 जुलाई 1982 से 25 जुलाई 1987 तक रहा। वे भारत के सातवें राष्ट्रपति थे। 1987 तक के अपने कार्यकाल के दौरान इन्हें ऑपरेशन ब्लूस्टार एवं इंदिरा गांधी की हत्या जैसी दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थितियों से गुजरना पड़ा।

1072. किसने दो पूर्ण अवधियों के लिए भारत के उपराष्ट्रपति का पद संभाला था ?
(अ) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(ब) वी.वी. गिरि
(स) बी.डी. जत्ती
(द) एम. हिदायतुल्ला
उत्तर : (अ) SSC 2001
व्याख्या– डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (1952–1962) भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति तथा द्वितीय राष्ट्रपति रहे। वे भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद्, महान् दार्शनिक और एक आस्थावान हिन्दू विचारक थे। इन्हीं गुणों के कारण सन् 1954 में भारत सरकार ने उन्हें सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से अलंकृत किया गया। 5 सितम्बर को उनके जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाते हैं।

1073. निम्नलिखित में से किस उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचन में भाग लेने के लिए अपने पद से त्यागपत्र दिया था ?
(अ) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(ब) वी.वी. गिरि
(स) फखरूद्दीन अली अहमद
(द) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
उत्तर : (ब)
व्याख्या– वी.वी. गिरि भारत के तीसरे उपराष्ट्रपति एवं चौथे राष्ट्रपति थे। जाकिर हुसैन का 1969 में निधन होने पर राष्ट्रपति के चुनाव हुए। राष्ट्रपति के चुनाव और चुनाव परिणाम के मध्य कुछ दिनों के लिए भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश मुहम्मद हिदायतुल्लाह कार्यवाहक राष्ट्रपति रहे। कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए नीलिमा संजीव रेड्डी को नामांकित किया और वी.वी. गिरी ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर राष्ट्रपति चुनाव लड़ा। इससे पूर्व वी.वी. गिरि ने राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचन में भाग लेने के लिए अपने उपराष्ट्रपति के पद से त्यागपत्र दिया।

1074. निम्नलिखित राष्ट्रपतियों में से निर्विरोध चुने जाने वाले राष्ट्रपति है–
(अ) डॉ. एस. राधाकृष्णन (ब) एम. हिदायतुल्ला
(स) डॉ. शंकर दयाल शर्मा (द) के.आर. नारायणन
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के उपराष्ट्रपति के रूप में के.आर नारायणन को निर्विरोध चुना गया था। इनका कार्यकाल 21 अगस्त 1982 से 24 जुलाई 1987 तक रहा। वे भारत के दसवें राष्ट्रपति भी बने।

1075. किस एकमात्र उपराष्ट्रपति की मृत्यु पद पर आसीन रहते हुई ?
(अ) गोपाल स्वरूप पाठक (ब) बी.डी. जत्ती
(स) मोहम्मद हिदायतुल्ला (द) कृष्णकांत
उत्तर : (द)
व्याख्या– कृष्ण कांत भारत के 10वें उपराष्ट्रपति थे। इनका कार्यकाल 21 अगस्त 1997 से 27 जुलाई 2002 तक रहा। वर्ष 2002 में उपराष्ट्रपति के पद पर रहते हुए इनकी मृत्यु हो गई।

1076. सर्वाधिक समय तक उपराष्ट्रपति पद पर आसीन रहने वाले कौन थे ?
(अ) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(ब) डॉ. जाकिर हुसैन
(स) वी.वी. गिरि
(द) ज्ञानी जैल सिंह
उत्तर : (अ)
व्याख्या– डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति थे और द्वितीय राष्ट्रपति भी रहे। इनका कार्यकाल 1952 से 1962 तक रहा। वे भारतीय संस्कृति के संवाहक, प्रख्यात शिक्षाविद्, महान् दार्शनिक और एक आस्थावान हिन्दू विचारक थे। उनके इन्हीं गुणों के कारण सन् 1954 में भारत सरकार ने उन्हें सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से अलंकृत किया गया। उनका जन्म दिन 5 सितम्बर, भारत में शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है।

1077. सबसे कम समय के लिए उपराष्ट्रपति पद पर आसीन रहने वाले कौन थे ?
(अ) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(ब) डॉ. जाकिर हुसैन
(स) वी.वी. गिरि
(द) ज्ञानी जैल सिंह
उत्तर : (स)
व्याख्या– सबसे कम समय के लिए उपराष्ट्रपति पद पर आसीन रहने वाले वी.वी. गिरि थे जो भारत के तीसरे उपराष्ट्रपति एवं चौथे राष्ट्रपति बने। जाकिर हुसैन का वर्ष 1969 में निधन होने पर राष्ट्रपति के चुनाव हुए। राष्ट्रपति के चुनाव और चुनाव परिणाम के मध्य कुछ दिनों के लिए भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश मुहम्मद हिदायतुल्लाह कार्यवाहक राष्ट्रपति रहे। कांग्रेस पार्टी ने राष्ट्रपति उम्मीदवार के लिए नीलिमा संजीव रेड्डी को नामांकित किया और वी.वी. गिरि ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर राष्ट्रपति चुनाव लड़ा।

1078. निम्न में से कौन भारत के उपराष्ट्रपति के पद पर आसीन रहे थे ?
1. मोहम्मद हिदायतुल्ला
2. फखरुद्दीन अली अहमद
3. नीलम संजीव रेड्डी
4. शंकर दयाल शर्मा
(अ) 1,2,3 और 4 (ब) 1 और 4
(स) 2 और 3 (द) 3 और 4
उत्तर : (ब) IAS 2008
व्याख्या– मुहम्मद हिदायतुल्लाह भारत के पहले मुस्लिम मुख्य न्यायाधीश थे। उन्होंने दो अवसरों पर भारत के कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाला था। इसके साथ ही वे एक पूरे कार्यकाल के लिए भारत के छठे उपराष्ट्रपति भी रहे। डॉ. शंकरदयाल शर्मा भारत के नवें राष्ट्रपति थे। राष्ट्रपति बनने से पूर्व वे भारत के आठवें उपराष्ट्रपति भी थे।

1079. निम्नलिखित में से कौन भारत के उपराष्ट्रपति के पद पर आसीन नहीं रहे ?
(अ) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(ब) वी.वी. गिरि
(स) के.आर. नारायणन
(द) डॉ. जाकिर हुसैन
उत्तर : (द)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति पद पर आसीन व्यक्ति हैं–
1. डॉ. एस. राधाकृष्णन (1952–1962)
2. डॉ. जाकिर हुसैन (1962–1967)
3. वी.वी. गिरि (1967–1969)
4. गोपाल स्वरूप पाठक (1969–1974)
5. बी.डी. जत्ती (1974–1979)
6. न्यायमूर्ति मोहम्मद हिदायतुल्ला (1979–1984)
7. आर. वेंकटरमण (1984–1987)
8. डॉ. शंकर दयाल शर्मा (1987–1992)
9. के.आर. नारायणन (1992–1997)
10. कृष्णकांत (1997–2002)
11. भैरों सिंह शेखावत (2002–2007)
12. हामिद अंसारी (2007–2017)
13. एम. वैंकैया नायडू (2017–2022)
14. जगदीप धनखड़ (11.08.2022 से.....)

1080. भारत के उपराष्ट्रपति के पद पर लगातार दो बार कौन रहा था ?
(अ) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(ब) डॉ. जाकिर हुसैन
(स) वी.वी. गिरि
(द) ज्ञानी जैल सिंह
उत्तर : (अ) SSC CPO SI 2009
व्याख्या– डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति थे और द्वितीय राष्ट्रपति भी रहे।

14.आपात उपबंध

1081. भारत के संविधान के अंतर्गत कितने प्रकार की आपातकालीन व्यवस्थाओं पर विचार किया जा सकता है ?
(अ) 2 (ब) 4
(स) 3 (द) 1
उत्तर : (स) SSC 2001
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 352 में और राष्ट्रपति शासन का उल्लेख अनुच्छेद 356 में गया है। राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा केवल तभी की जा सकती है, जब देश पर युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह का खतरा मंडरा रहा हो। संविधान में तीन प्रकार के आपातकाल का वर्णन किया गया है–1.राष्ट्रीय आपातकाल (अनुच्छेद 352) 2.राज्यीय संवैधानिक आपातकाल (अनुच्छेद 356) 3.वित्तीय आपातकाल (अनुच्छेद 360)।

1082. भारत का राष्ट्रपति किस प्रकार के आपातकाल की उद्घोषणा कर सकता है ?
(अ) राष्ट्रीय आपातकाल
(ब) राज्यीय संवैधानिक आपातकाल
(स) वित्तीय आपातकाल
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 352 में और राष्ट्रपति शासन का उल्लेख अनुच्छेद 356 में गया है। राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा केवल तभी की जा सकती है, जब देश पर युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह का खतरा मंडरा रहा हो। संविधान में तीन प्रकार के आपातकाल का वर्णन किया गया है–1.राष्ट्रीय आपातकाल (अनुच्छेद 352) 2.राज्यीय संवैधानिक आपातकाल (अनुच्छेद 356) 3.वित्तीय आपातकाल (अनुच्छेद 360)।

1083. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा राष्ट्रपति करता है ?
(अ) अनुच्छेद 352 (ब) अनुच्छेद 356
(स) अनुच्छेद 360 (द) अनुच्छेद 368
उत्तर : (अ) RRB 2004
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपात काल का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 352 में और राष्ट्रपति शासन का उल्लेख अनुच्छेद 356 में गया है। राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा केवल तभी की जा सकती है जब देश पर युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह का खतरा हो।

1084. अब तक कितनी बार राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा राष्ट्रपति द्वारा की जा चुकी है ?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 4 (द) 5
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 352 में और राष्ट्रीय शासन का उल्लेख अनुच्छेद 356 में गया है। राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा केवल तभी की जा सकती है, जब देश पर युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह का खतरा मंडरा रहा हो। भारत में तीन बार आपात काल लगा है। पहली बार 26 अक्टूबर, 1962 में लगा। दूसरी बार 3 दिसम्बर, 1971 में तथा तीसरी बार 25 जून, 1975 में लगा।

1085. राष्ट्रपति राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा किन परिस्थितियों में कर सकता है ?
(अ) युद्ध (ब) बाह्य आक्रमण
(स) सशस्त्र विद्रोह (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा केवल तभी की जा सकती है, जब देश पर युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह का खतरा मंडरा रहा हो।

1086. बाह्य आक्रमण के आधार पर अब तक राष्ट्रपति ने कितनी बार राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा की है ?
(अ) 1 (ब) 2
(स) 3 (द) 4
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। राष्ट्रपति द्वारा आपातकाल की घोषणा केवल तभी की जा सकती है, जब देश पर युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह का खतरा मंडरा रहा हो। पहली बार आपात काल चीन द्वारा भारत पर किये गये हमले के कारण वर्ष 1962 में लगाया गया था। दूसरी बार वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध के दौरान आपातकाल लगाया गया था।

1087. आंतरिक अशांति के आधार पर अब तक कितनी बार राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा राष्ट्रपति द्वारा की गई है ?
(अ) एक (ब) दो
(स) तीन (द) चार
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। राष्ट्रपति द्वारा आपातकाल की घोषणा केवल तभी की जा सकती है, जब देश पर युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह का खतरा मंडरा रहा हो। 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 तक भारत में आपातकाल घोषित किया गया था। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इन्दिरा गाँधी के कहने पर भारतीय संविधान की धारा 352 के अधीन आपाातकाल की घोषणा कर दी। आपातकाल लगाने का कारण आंतरिक अशांति बताया गया।

1088. देश में सर्वप्रथम राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा कब की गई ?
(अ) 26 अक्टूबर, 1962 (ब) 4 सितम्बर, 1962
(स) 5 नवम्बर, 1962 (द) 16 दिसम्बर, 1962
उत्तर : (अ) RRB 2006
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। चीनी सेना ने 20 अक्टूबर, 1962 को लद्दाख और मैकमोहन रेखा पर अचानक एक साथ हमला करना शुरू कर दिया। अचानक हुए इस हमले की वजह से भारत में बाहरी खतरे और सुरक्षा के मद्देनजर आपातकाल लागू कर दिया गया। यह इमरजेंसी (आपातकाल) 26 अक्टूबर, 1962 से 10 जनवरी, 1968 तक लगी रही।

1089. देश में दूसरी बार राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा कब की गई ?
(अ) 14 दिसम्बर, 1966 (ब) 9 अगस्त, 1969
(स) 3 दिसम्बर, 1971 (द) 25 जून, 1975
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपात काल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। पाकिस्तान के भारत पर आक्रमण की वजह से दूसरा राष्ट्रीय आपातकाल 3 दिसम्बर, 1971 को जारी किया गया।

1090. राष्ट्रपति ने तीसरी बार राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा कब की ?
(अ) 26 अगस्त, 1962 (ब) 3 दिसम्बर, 1971
(स) 25 जून, 1975 (द) 27 मार्च, 1977
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा केवल तभी की जा सकती है, जब देश पर युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह का खतरा मंडरा रहा हो। 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 तक भारत में आपातकाल घोषित किया गया था। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इन्दिरा गाँधी के कहने पर भारतीय संविधान की धारा 352 के अधीन आपाातकाल की घोषणा कर दी। आपातकाल लगाने का कारण आंतरिक अशांति बताया गया।

1091. तीसरी बार राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा राष्ट्रपति ने किस आधार पर की ?
(अ) युद्ध (ब) बाह्म आक्रमण
(स) आंतरिक अशांति (द) सशस्त्र विद्रोह
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा केवल तभी की जा सकती है, जब देश पर युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह का खतरा मंडरा रहा हो। 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 तक भारत में आपातकाल घोषित किया गया था। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इन्दिरा गाँधी के कहने पर भारतीय संविधान की धारा 352 के अधीन आपाातकाल की घोषणा कर दी। आपातकाल लगाने का कारण आंतरिक अशांति बताया गया।

1092. प्रथम राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा के समय देश के राष्ट्रपति कौन थे ?
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (ब) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(स) डॉ. जाकिर हुसैन (द) वी.वी. गिरि
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। चीनी सेना ने 20 अक्टूबर, 1962 को लद्दाख और मैकमोहन रेखा पर अचानक एक साथ हमला करना शुरू कर दिया। अचानक हुए इस हमले की

वजह से भारत में बाहरी खतरे और सुरक्षा के मद्देनजर आपातकाल लागू कर दिया गया। यह इमरजेंसी (आपातकाल) 26 अक्टूबर, 1962 से 10 जनवरी, 1968 तक लगी रही। उस समय भारत के राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन थे।

1093. 1975 में तीसरे राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा किसने की ?
(अ) डॉ. जाकिर हुसैन
(ब) डॉ. वी.वी. गिरि
(स) बी.डी. जत्ती
(द) फखरूद्दीन अली अहमद
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा केवल तभी की जा सकती है, जब देश पर युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह का खतरा मंडरा रहा हो। 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 तक भारत में आपातकाल घोषित किया गया था। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इन्दिरा गाँधी के कहने पर भारतीय संविधान की धारा 352 के अधीन आपाातकाल की घोषणा कर दी। आपातकाल लगाने का कारण आंतरिक अशांति बताया गया।

1094. द्वितीय राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा के समय देश के राष्ट्रपति कौन थे ?
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (ब) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(स) डॉ. जाकिर हुसैन (द) वी.वी. गिरि
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। दूसरा राष्ट्रीय आपातकाल 3 दिसम्बर, 1971 में पाकिस्तान के आक्रमण के फलस्वरूप जारी किया गया। उस समय भारत के राष्ट्रपति वी.वी. गिरि थे।

1095. राष्ट्रीय आपातकाल की अधिकतम अवधि की सीमा है–
(अ) दो वर्ष (ब) तीन वर्ष
(स) 5 वर्ष (द) कोई समय सीमा नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल की अधिकतम अवधि की सीमा निर्धारित नहीं की गई है। इसे जारी रखने के लिए ससंद की पुनः मंजूरी आवश्यक नहीं है।

1096. 1975 के राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा के संबंध में कौनसा कथन सही है ?
(अ) मंत्रिमंडल के मौखिक सिफारिश पर राष्ट्रपति ने उद्घोषणा की
(ब) मंत्रिमंडल के लिखित सिफारिश पर राष्ट्रपति ने उद्घोषणा की
(स) प्रधानमंत्री के लिखित सिफारिश पर राष्ट्रपति ने उद्घोषणा की
(द) मंत्रिमंडल के अनुमोदन के पूर्व ही प्रधानमंत्री की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने यह उद्घोषणा की
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा केवल तभी की जा सकती है, जब देश पर युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह का खतरा मंडरा रहा हो। 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 तक भारत में आपातकाल घोषित किया गया था। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने प्रधानमंत्री इन्दिरा गाँधी के कहने पर भारतीय संविधान की धारा 352 के अधीन आपाातकाल की घोषणा कर दी। इस आपातकाल की उद्घोषणा मंत्रिमंडल के अनुमोदन के पूर्व ही प्रधानमंत्री की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा की गई थी। आपातकाल लगाने का कारण आंतरिक अशांति बताया गया।

1097. संसद के दोनों सदनों को कितने दिनों के अंदर युद्ध अथवा बाहरी आक्रमण के कारण उत्पन्न आपातकालीन स्थिति की घोषणा करने की मंजूरी देनी चाहिए ?
(अ) 15 दिनों में (ब) 1 महीने में
(स) 2 महीने में (द) 3 महीने में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपात काल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा केन्द्रीय मंत्रिमंडल की लिखित सिफारिश पर की जाती है। राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष एक माह के अंदर स्वीकृति हेतु रखा जाना तथा संसद द्वारा विशेष बहुमत से इसी समयावधि के भीतर अनुमोदित किया जाना जरूरी है। ऐसा न होने पर यह उद्घोषणा प्रवर्तन में नहीं रहेगी। संसद द्वारा अनुमोदित हो जाने पर उद्घोषणा 6 माह तक प्रवर्तन में रहेगी।

1098. 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 ने अनुच्छेद 352 में किस शब्द के स्थान पर सशस्त्र विद्रोह शब्द रखे गये ?
(अ) आंतरिक अशांति
(ब) हिंसात्मक आन्दोलन
(स) संवैधानिक विफलता
(द) षड़यंत्र
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 352 में संशोधन कर आंतरिक अशांति शब्द के स्थान पर सशस्त्र विद्रोह शब्द रखे गये।

1099. राष्ट्रपति राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा कर सकते हैं–
(अ) जब उन्हें लगे कि भारत की सुरक्षा खतरे में है
(ब) प्रधानमंत्री उन्हें ऐसा करने का परामर्श दे
(स) उन्हें ऐसा करने के लिए केन्द्रीय कैबिनेट का लिखित निर्णय प्राप्त हो
(द) संसद ऐसी उद्घोषणा के लिए प्रस्ताव पारित करे
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा केन्द्रीय मंत्रिमंडल की लिखित सिफारिश पद की जाती है। राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष एक माह के अंदर स्वीकृति हेतु रखा जाना तथा संसद द्वारा विशेष बहुमत से इसी समयावधि के भीतर अनुमोदित किया जाना जरूरी है। ऐसा न होने पर यह उद्घोषणा प्रवर्तन में नहीं रहेगी। संसद द्वारा अनुमोदित हो जाने पर उद्घोषणा 6 माह तक प्रवर्तन मं रहेगी।

1100. राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा को संसद के समक्ष उसकी स्वीकृति हेतु रखा जाना आवश्यक है–
(अ) एक माह के अन्दर
(ब) दो माह के अन्दर
(स) एक वर्ष के अन्दर
(द) छह माह के अन्दर
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा केन्द्रीय मंत्रिमंडल की लिखित सिफारिश पर की जाती है। राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष एक माह के अंदर स्वीकृति हेतु रखा जाना तथा संसद द्वारा विशेष बहुमत से इसी समयावधि के भीतर अनुमोदित किया जाना जरूरी है। ऐसा न होने पर यह उद्घोषणा प्रवर्तन में नहीं रहेगी। संसद द्वारा अनुमोदित हो जाने पर उद्घोषणा 6 माह तक प्रवर्तन में रहेगी।

1101. 44वें संशोधन के पश्चात् राष्ट्रपति को निम्नलिखित परिस्थितियों में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने का अधिकार प्राप्त है–
(अ) युद्ध, बाह्य आक्रमण या आन्तरिक अशांति से उत्पन्न परिस्थिति
(ब) युद्ध, बाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह से उत्पन्न परिस्थिति
(स) केवल युद्ध या बाह्य आक्रमण की स्थिति में
(द) युद्ध, आंतरिक गड़बड़ी या सैनिक उपद्रव के समय
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 44वें संविधान संशोधन, 1978 के पश्चात् राष्ट्रपति को युद्ध, बाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह से उत्पन्न परिस्थिति में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने का अधिकार प्राप्त है।

1102. राष्ट्रीय आपातकाल में संविधान की संघीय प्रकृति का क्या होता है ?
(अ) समाप्त कर दी जाती है
(ब) निलंबित कर दी जाती है
(स) वैसी ही बनी रहती है
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रीय आपातकाल में संविधान की संघीय प्रकृति वैसी ही बनी रहती है।

1103. राष्ट्रपति राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा कर सकते है–
(अ) हथियारबंद विद्रोह के आधार पर
(ब) बाहरी आक्रमण के आधार पर
(स) युद्ध के आधार पर
(द) ऊपर वर्णित सभी कारणों के आधार पर
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 352 में निहित है कि युद्ध, बाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह के कारण सम्पूर्ण भारत या इसके किसी हिस्से की सुरक्षा खतरे में हो तो राष्ट्रपति राष्ट्रीय आपात की घोषणा कर सकता है।

1104. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 352 के अनुसार राष्ट्रीय आपात की घोषणा निम्नलिखित में से किन परिस्थितियों में की जा सकती है ?
(अ) संवैधानिक मशीनरी की विफलता
(ब) बाह्य आक्रमण
(स) आंतरिक अशांति
(द) युद्ध, बाह्य आक्रमण, सशस्त्र विद्रोह
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 352 में निहित है कि युद्ध, बाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह के कारण सम्पूर्ण भारत

या इसके किसी हिस्से की सुरक्षा खतरे में हो तो राष्ट्रपति राष्ट्रीय आपात की घोषणा कर सकता है।

1105. युद्ध या बाह्य आक्रमण के कारण की गई आपातकाल की घोषणा का संसद द्वारा अनुमोदन होना चाहिए ?
(अ) एक महीने में (ब) दो महीने में
(स) तीन महीने में (द) चार महीने में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 में राष्ट्रीय आपातकाल का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपातकाल की उद्घोषणा केन्द्रीय मंत्रिमंडल की लिखित सिफारिश पर की जाती है। प्रारम्भ में संसद द्वारा अनुमोदन की सीमा 2 माह थी, किन्तु 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 द्वारा घटाकर इसे एक माह कर दिया गया। ऐसी आपातकाल की उद्घोषणा संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष एक माह के अंदर स्वीकृति हेतु रखा जाना तथा संसद द्वारा विशेष बहुमत से इसी समयावधि के भीतर अनुमोदित किया जाना जरूरी है। ऐसा न होने पर यह उद्घोषणा प्रवर्तन में नहीं रहेगी। संसद द्वारा अनुमोदित हो जाने पर उद्घोषणा 6 माह तक प्रवर्तन में रहेगी। आगे जारी रखने के लिए पुनः अनुमोदन आवश्यक होगा।

1106. राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा का स्वतः प्रभाव होता है–
(अ) अनुच्छेद 19 के अंतर्गत प्राप्त मूल अधिकारों का निलम्बन
(ब) अनुच्छेद 20 व 21 के अंतर्गत प्राप्त मूल अधिकारों को छोड़कर शेष सभी मूल अधिकारों का निलम्बन
(स) राज्यों में राष्ट्रपति शासन का प्रवर्तन
(द) न्यायालयों की सभी प्रकार की रिट जारी करने की शक्ति पर प्रतिबंध
उत्तर : (ब)
व्याख्या– अनुच्छेद 358 के अनुसार, जब राष्ट्रीय आपात की उद्घोषणा की जाती है, तब अनुच्छेद 19 द्वारा प्रदत्त छः मूल अधिकार स्वतः ही निलंबित हो जाते हैं। जब राष्ट्रीय आपातकाल समाप्त हो जाता है तो अनुच्छेद 19 स्वतः पुनर्जीवित हो जाता है। अनुच्छेद 359 अन्य मूल अधिकारों के निलंबन (अनुच्छेद 20 तथा 21 द्वारा प्रदत्त अधिकारों को छोड़कर) से संबंधित है। अनुच्छेद 359 के अंतर्गत मूल अधिकार नहीं, बल्कि उनका लागू होना निलंबित होता है।

1107. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राज्यों में संवैधानिक तंत्र के विफल होने पर राष्ट्रपति शासन लागू किया जाता है ?
(अ) अनुच्छेद 352 (ब) अनुच्छेद 354
(स) अनुच्छेद 355 (द) अनुच्छेद 356
उत्तर : (द) SSC 2011
व्याख्या– भारत के संविधान का अनुच्छेद 356, केन्द्र की संघीय सरकार को राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता या संविधान के स्पष्ट उल्लंघन की दशा में उस राज्य का भूत वाला सरकार को बर्खास्त कर उस राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने का अधिकार देता है। राष्ट्रपति शासन उस स्थिति में भी लागू होता है, जब राज्य विधानसभा में किसी भी दल या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं हो।

1108. राज्य में राष्ट्रपति शासन से तात्पर्य राज्य में किसके शासन से है ?
(अ) सीधे राष्ट्रपति से
(ब) कार्यकारी सरकार से
(स) राष्ट्रपति द्वारा मनोनीति मुख्यमंत्री के
(द) राज्य के राज्यपाल
उत्तर : (द) RRB 2003, SSC 2011
व्याख्या– जब किसी राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल हो जाता है, तो अनुच्छेद 356 के अंतर्गत वहाँ पर राष्ट्रपति शासन लागू हो जाता है। राष्ट्रपति शासन लागू होने पर उस समय का राज्यपाल राज्य के शासन का संचालन करता है।

1109. राष्ट्रपति द्वारा राज्यों में राष्ट्रपति शासन उद्घोषणा के कितने दिनों के भीतर संसद की स्वीकृति आवश्यक है ?
(अ) एक माह (ब) दो माह
(स) छह माह (द) एक वर्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति शासन के प्रभाव की घोषणा का जारी होने की तारीख से 2 माह के भीतर संसद के दोनों सदनों द्वारा सामान्य बहुमत से अनुमोदन हो जाना चाहिए। यदि संसद के दोनों सदनों द्वारा इसका अनुमोदन कर दिया जाता है, तो राष्ट्रपति शासन 6 माह तक चलता रहेगा। इस प्रकार 6–6 माह बढ़ाते हुए 3 वर्ष तक लगाया जा सकता है।

1110. किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन की उद्घोषणा किसके प्रतिवेदन मिलने पर राष्ट्रपति करता है ?
(अ) राज्य के राज्यपाल
(ब) राज्य के मुख्यमंत्री
(स) राज्य के गृहमंत्री
(द) राज्य के विधानसभाध्यक्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रपति शासन में, राज्य का नियंत्रण बजाय एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के, सीधे भारत के राष्ट्रपति के अधीन आ जाता है, लेकिन प्रशासनिक दृष्टि से राज्य के राज्यपाल को केन्द्रीय सरकार द्वारा कार्यकारी अधिकार प्रदान किये जाते हैं। प्रशासन में मदद करने के लिए राज्यपाल आमतौर पर सलाहकारों की नियुक्ति करता है, जो आमतौर पर सेवानिवृत्त सिविल सेवक होते हैं। आमतौर पर

इस स्थिति में राज्य में केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की नीतियों का अनुसरण होता है।

1111. किसी राज्य में सामान्यतः किसके परामर्श राष्ट्रपति शासन लागू किया जाता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) मुख्यमंत्री
(स) राज्य विधानसभा (द) राज्य उच्च न्यायालय
उत्तर : (अ)
व्याख्या– किसी राज्य में सामान्यतः राज्यपाल के परामर्श से राष्ट्रपति शासन लागू किया जाता है। राष्ट्रपति शासन में, राज्य का नियंत्रण बजाय एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के, सीधे भारत के राष्ट्रपति के अधीन आ जाता है, लेकिन प्रशासनिक दृष्टि से राज्य के राज्यपाल को केन्द्रीय सरकार द्वारा कार्यकारी अधिकार प्रदान किये जाते हैं। प्रशासन में मदद करने के लिए राज्यपाल आमतौर पर सलाहकारों की नियुक्ति करता है, जो आमतौर पर सेवानिवृत्त सिविल सेवक होते हैं। सामान्यतः इस स्थिति में राज्य में केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी की नीतियों का अनुसरण होता है।

1112. किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन की प्रारम्भिक अवधि कितनी होती है ?
(अ) 1 वर्ष (ब) 3 माह
(स) 6 माह (द) 2 वर्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति शासन के प्रभाव की घोषणा का जारी होने की तारीख से 2 माह के भीतर संसद के दोनों सदनों द्वारा सामान्य बहुमत से अनुमोदन हो जाना चाहिए। यदि संसद के दोनों सदनों द्वारा इसका अनुमोदन कर दिया जाता है, तो राष्ट्रपति शासन 6 माह तक चलता रहेगा। इस प्रकार 6–6 माह बढ़ाते हुए 3 वर्ष तक लगाया जा सकता है।

1113. राष्ट्रपति शासन किसी भी परिस्थिति में एक वर्ष से अधिक समय तक लागू नहीं हो सकता है, परन्तु यह अवधि तीन वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है, यदि–
(अ) आपातकाल की घोषणा भारतीय संविधान की धारा 352 के अंतर्गत की गई हो
(ब) प्रधानमंत्री राष्ट्रपति से प्रार्थना करे कि अवधि बढ़ा दी जाए
(स) चुनाव आयोग घोषणा करे कि परिस्थिति चुनाव योग्य नहीं है
(द) सुप्रीम कोर्ट स्वीकृति दे दे
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति शासन के प्रभाव की घोषणा का जारी होने की तारीख से 2 माह के भीतर संसद के दोनों सदनों द्वारा सामान्य बहुमत से अनुमोदन हो जाना चाहिए। यदि संसद के दोनों सदनों द्वारा इसका अनुमोदन कर दिया जाता है तो राष्ट्रपति शासन 6 माह तक चलता रहेगा। इस प्रकार 6–6 माह बढ़ाते हुए 3 वर्ष तक लगाया जा सकता है। राष्ट्रपति शासन 3 वर्षों तक उसी स्थिति में बढ़ाया जा सकता है जब चुनाव आयोग घोषणा करे कि राज्य में परिस्थिति चुनाव योग्य नहीं है।

1114. संसद द्वारा प्रस्ताव पारित होने पर किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन एक बार में कितने समय के लिए लागू होता है ?
(अ) 1 माह (ब) 2 माह
(स) 6 माह (द) 12 माह
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति शासन के प्रभाव की घोषणा का जारी होने की तारीख से 2 माह के भीतर संसद के दोनों सदनों द्वारा सामान्य बहुमत से अनुमोदन हो जाना चाहिए। यदि संसद के दोनों सदनों द्वारा इसका अनुमोदन कर दिया जाता है, तो राष्ट्रपति शासन 6 माह तक चलता रहेगा। इस प्रकार 6–6 माह बढ़ाते हुए 3 वर्ष तक लगाया जा सकता है। राष्ट्रपति शासन 3 वर्षों तक उसी स्थिति में बढ़ाया जा सकता है, जब चुनाव आयोग घोषणा करे कि राज्य में परिस्थिति चुनाव योग्य नहीं है।

1115. राज्य में आपातकाल के समय राज्य का शासन किसके हाथ में रहता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) मुख्यमंत्री
(स) प्रधानमंत्री (द) मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (अ) RRB 2009
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग XVIII में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपात काल का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 352 में और राष्ट्रीय शासन का उल्लेख अनुच्छेद 356 में गया है। राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा केवल तभी की जा सकती है जब देश पर युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह का खतरा मंडरा रहा हो। संविधान में तीन प्रकार के आपातकाल का वर्णन किया है–(1) राष्ट्रीय आपातकाल (अनुच्छेद 352) (2) राज्यीय संवैधानिक आपातकाल (अनुच्छेद 356) तथा वित्तीय आपातकाल (अनुच्छेद 360)। आपातकाल के दौरान केन्द्र सरकार के पूर्ण नियंत्रण में आ जाते हैं। इस दौरान संविधान में औपचारिक संशोधन किए बिना ही संघीय ढांचा एकात्मक ढांचे में बदल जाता है।

1116. किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन किसी परिस्थिति में अधिकतम कितनी अवधि तक लागू की जा सकती है ?
(अ) 2 वर्ष (ब) 3 वर्ष
(स) 4 वर्ष (द) 5 वर्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति शासन के प्रभाव की घोषणा का जारी होने की तारीख से 2 माह के भीतर संसद के दोनों सदनों द्वारा सामान्य बहुमत से अनुमोदन हो जाना चाहिए। यदि संसद के दोनों सदनों द्वारा

इसका अनुमोदन कर दिया जाता है, तो राष्ट्रपति शासन 6 माह तक चलता रहेगा। इस प्रकार 6–6 माह बढ़ाते हुए 3 वर्ष तक लगाया जा सकता है। राष्ट्रपति शासन 3 वर्षों तक उसी स्थिति में बढ़ाया जा सकता है, जब चुनाव आयोग घोषणा करे कि राज्य में परिस्थिति चुनाव योग्य नहीं है।

1117. 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा राष्ट्रपति शासन की 6 माह की अवधि को बढ़ाकर कितना कर दिया गया था ?
(अ) 9 माह (ब) 12 माह
(स) 15 माह (द) 18 माह
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के पूर्व राष्ट्रपति शासन की अवधि 6–6 माह करके तीन वर्ष तक प्रभावी रखी जा सकती थी, परन्तु इस अधिनियम द्वारा तीन वर्ष की अवधि को घटाकर एक वर्ष कर दिया गया।

1118. प्रथम बार राष्ट्रपति शासन कब लागू किया गया ?
(अ) 4 अप्रैल, 1951 (ब) 20 जून, 1951
(स) 27 अप्रैल, 1951 (द) 23 दिसम्बर, 1951
उत्तर : (ब)
व्याख्या– स्वतंत्रता के बाद पंजाब वह राज्य था, जहाँ राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। कांग्रेस में फूट की वजह से यहाँ 20 जून 1951 से 17 अप्रैल 1952 के बीच राष्ट्रपति शासन लगाया गया।

1119. प्रथम बार राष्ट्रपति शासन किस राज्य में लागू किया गया ?
(अ) पश्चिम बंगाल (ब) केरल
(स) मैसूर (द) पंजाब (पेप्सू)
उत्तर : (द)
व्याख्या– स्वतंत्रता के बाद पंजाब वह राज्य था, जहाँ राष्ट्रपति शासन लगाया गया था। कांग्रेस में फूट की वजह से यहाँ 20 जून 1951 से 17 अप्रैल 1952 के बीच राष्ट्रपति शासन लगाया गया।

1120. अब तक किस राज्य में सर्वाधिक लम्बी अवधि तक राष्ट्रपति शासन लागू रहा ?
(अ) नागालैंड (ब) जम्मू–कश्मीर
(स) असम (द) पंजाब
उत्तर : (ब)
व्याख्या– जम्मू एवं कश्मीर वह राज्य है जिसमें सर्वाधिक अवधि के लिए राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था। इस राज्य में 6 वर्ष 264 दिन तक राष्ट्रपति शासन लागू किया गया था, जिसकी अवधि 19 जनवरी 1990 से 9 अक्टूबर 1996 तक थी।

1121. संविधान के किस अनुच्छेद के आधार पर राष्ट्रपति देश में वित्तीय आपात की घोषणा करता है ?
(अ) अनुच्छेद 352 (ब) अनुच्छेद 355
(स) अनुच्छेद 356 (द) अनुच्छेद 360
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 360, राष्ट्रपति को वित्तीय आपातकाल की घोषणा करने का अधिकार देता है। यदि राष्ट्रपति संतुष्ट है कि देश में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसके कारण भारत की वित्तीय स्थिरता, भारत की साख या उसके क्षेत्र के किसी भी हिस्से की वित्तीय स्थिरता को खतरा है, तो वह केंद्र की सलाह पर वित्तीय आपातकाल की घोषणा कर सकता है।

1122. निम्नलिखित में से कौनसी ऐसी आपात स्थिति है, जिसकी घोषणा अभी तक भारत में नहीं की गई है ?
(अ) आंतरिक अशांति के कारण उत्पन्न आंतरिक आपात स्थिति
(ब) बाहरी खतरों के कारण उत्पन्न बाह्य आपात स्थिति
(स) राज्यों में संवैधानिक व्यवस्था भंग हो जाने के कारण उत्पन्न राजकीय आपात स्थिति
(द) वित्तीय आपात स्थिति
उत्तर : (द) SSC 2002
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 360, राष्ट्रपति को वित्तीय आपातकाल की घोषणा करने का अधिकार देता है। यदि राष्ट्रपति संतुष्ट है कि देश में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिसके कारण भारत की वित्तीय स्थिरता, भारत की साख या उसके क्षेत्र के किसी भी हिस्से की वित्तीय स्थिरता को खतरा है, तो वह केंद्र की सलाह पर वित्तीय आपातकाल की घोषणा कर सकता है। भारत में एक बार भी वित्तीय आपातकाल नहीं लगा है।

1123. अब तक भारत में कितनी बार वित्तीय आपात की उद्घोषणा राष्ट्रपति द्वारा की गई है ?
(अ) 1 (ब) 2
(स) 3 (द) अभी तक नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 360, राष्ट्रपति को वित्तीय आपातकाल की घोषणा करने का अधिकार देता है। यदि राष्ट्रपति संतुष्ट है कि देश में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिसके कारण भारत की वित्तीय स्थिरता, भारत की साख या उसके क्षेत्र के किसी भी हिस्से की वित्तीय स्थिरता को खतरा है, तो वह केंद्र की सलाह पर वित्तीय आपातकाल की घोषणा कर सकता है। भारत में एक बार भी वित्तीय आपातकाल नहीं लगा है।

1124. वित्तीय आपात स्थिति के दौरान राज्य विधानमंडलों द्वारा पारित सभी वित्त विधेयकों को निम्नलिखित में से किसके विचारार्थ आरक्षित रखा जाता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) प्रधानमंत्री
(स) संसद (द) राष्ट्रपति
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 360, राष्ट्रपति को वित्तीय आपातकाल की घोषणा करने का अधिकार

देता है। यदि राष्ट्रपति संतुष्ट है कि देश में ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है जिसके कारण भारत की वित्तीय स्थिरता, भारत की साख या उसके क्षेत्र के किसी भी हिस्से की वित्तीय स्थिरता को खतरा है, तो वह केंद्र की सलाह पर वित्तीय आपातकाल की घोषणा कर सकता है। भारत में एक बार भी वित्तीय आपातकाल नहीं लगा है।

1125. राष्ट्रपति शासन की सर्वाधिक बार घोषणा की गई–
(अ) इंदिरा गांधी के प्रथम शासनकाल में
(ब) इंदिरा गांधी के दूसरे शासनकाल में
(स) मोरारजी देसाई के शासनकाल में
(द) नरसिंह राव के शासनकाल में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में राष्ट्रपति शासन लगाने वाले प्रधानमंत्रियों में इंदिरा गांधी का नाम सबसे आगे है। उन्होंने जनवरी 1966 से मार्च 1977 के बीच 35 बार और जनवरी 1980 से अक्टूबर 1984 के बीच 15 बार राष्ट्रपति शासन लगाया।

1126. निम्नांकित में से कौनसी तारीख को भारत के राष्ट्रपति ने अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए उद्घोषणा द्वारा यह घोषणा की कि गंभीर आपात विद्यमान है जिसके कारण आंतकर अशांति से भारत की सुरक्षा को गंभीर खतरा है ?
(अ) 25 जून, 1975 (ब) 26 अक्टूबर, 1962
(स) 26 जून, 1975 (द) 3 दिसम्बर, 1971
उत्तर : (स) RAS/RTS 2018
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन उपबंधों का उल्लेख किया गया है। राष्ट्रीय आपात काल का उल्लेख संविधान में अनुच्छेद 352 में किया गया है। राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा केवल तभी की जा सकती है, जब देश पर युद्ध, बाहरी आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह का खतरा मंडरा रहा हो। 25 जून, 1975 से 21 मार्च, 1977 तक भारत में आपातकाल घोषित किया गया था। तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री इन्दिरा गाँधी के कहने पर भारतीय संविधान की धारा 352 के अधीन आपाातकाल की घोषणा कर दी। आपातकाल लगाने का कारण आंतरिक अशांति बताया गया। 26 जून, 1975 को सुबह तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने रेडियो पर आपातकाल की घोषणा की।

1127. निम्नलिखित में से किस संविधान संशोधन के आधार पर राष्ट्रपति को भारत के किसी विशेष भाग पर राष्ट्रीय आपात लगाने का अधिकार मिला ?
(अ) 38वें (ब) 40वें
(स) 42वें (द) 62वें
उत्तर : (स)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन, 1976 ई. के अनुसार राष्ट्रपति को भारत के किसी विशेष भाग पर राष्ट्रीय आपात लगाने का अधिकार मिल गया था।

1128. अनुच्छेद 356 की व्यवस्थाओं का प्रयोग करते समय राष्ट्रपति किन शक्तियों को हाथ में ले सकता है ?
1. कार्यपालिका शक्तियाँ
2. विधायी शक्तियाँ
3. न्यायिक शक्तियाँ
निम्नलिखित कूटों में से सही उत्तर चुनिए–
(अ) 1,2 एवं 3 (ब) 2 एवं 3
(स) 1 एवं 2 (द) 1 एवं 3
उत्तर : (स)
व्याख्या– वित्तीय आपात के दौरान राष्ट्रपति राज्य की कार्यपालिका एवं विधायी शक्तियाँ अपने हाथ में ले सकता है।

1129. वित्तीय आपात के दौरान राष्ट्रपति राज्य के किस प्रकार के विधेयकों की स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किये जाने के लिए बाध्य कर सकता है ?
(अ) साधारण विधेयक (ब) वित्तीय विधेयक
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– वित्तीय आपात के दौरान राष्ट्रपति राज्य के वित्तीय विधेयकों स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किये जाने के लिए बाध्य कर सकता है।

1130. संसद के दोनों सदनों द्वारा आपातकाल की घोषणा जारी होने के कितने समय के अन्दर इसका अनुमोदन संसद द्वारा अवश्य दिया जाना चाहिए ?
(अ) 1 माह (ब) 2 माह
(स) 6 माह (द) 3 माह
उत्तर : (अ)
व्याख्या– प्रारंभ में संसद द्वारा अनुमोदन 2 माह में हो जाना चाहिए था, लेकिन 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा इसे घटाकर 1 माह कर दिया गया है।

1131. राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करने के लिए ''सशस्त्र विद्रोह'' शब्द को संविधान में कब जोड़ा गया था ?
(अ) 44वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा
(ब) 42वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा
(स) 40वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा
(द) 38वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा करने के लिए 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 द्वारा आंतरिक गड़बड़ी शब्द को 'सशस्त्र विद्रोह'' से बदल दिया गया था, क्योंकि इंदिरा गांधी ने इसका दुरूपयोग किया था।

1132. युद्ध, बाह्म आक्रमण और सशस्त्र विद्रोह की स्थिति में कौनसा आपातकाल लगाया जायेगा ?
(अ) 356 (ब) 352
(स) 360 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– युद्ध, बाह्म आक्रमण और सशस्त्र विद्रोह की स्थिति में संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल लगाया जाता है।

1133. भारत में वित्तीय आपात अभी तक कितनी बार लगाया गया है ?
(अ) 1 बार (ब) 2 बार
(स) 3 बार (द) कभी नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– वित्तीय आपत संविधान के अनुच्छेद 360 के तहत लगाया जाता है। भारत में वित्तीय आपात अभी तक एक बार भी नहीं लगाया गया है।

1134. संसद के दोनों सदनों द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा का अनुमोदन हो गया हो तो यह कितने समय तक प्रभावी रहेगा ?
(अ) 1 माह (ब) 2 माह
(स) 6 माह (द) 3 माह
उत्तर : (स)
व्याख्या– यदि संसद के दोनों सदनों द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा का अनुमोदन हो गया हो तो वह 6 माह के लिए जारी रहेगा लेकिन प्रत्येक 6 माह के बाद इसका दुबारा अनुमोदन किया जाना चाहिए।

15.प्रधानमंत्री

1135. भारत के प्रधानमंत्री–
(अ) नियुक्त होते हैं (ब) निर्वाचित होते हैं
(स) मनोनीत होते हैं (द) चयनित होते हैं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुसार प्रधानमंत्री केंद्र सरकार के मंत्रिपरिषद् का प्रमुख और राष्ट्रपति का मुख्य सलाहकार होता है। प्रधानमंत्री को संसदीय आम चुनाव के परिणाम के आधार पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है। प्रधानमंत्री, लोकसभा में बहुमतधारी दल के नेता होते हैं।

1136. भारत के प्रधानमंत्री का पद–
(अ) संविधान द्वारा गठित है
(ब) परम्पराओं पर आधारित है
(स) संसद द्वारा पारित साधारण विधेयक द्वारा गठित है
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के भाग 5 में प्रधानमंत्री पद के संवैधानिक अधिकारों और कर्तव्यों का उल्लेख है। संविधान द्वारा राष्ट्रपति के सारे कार्यकारी अधिकारों को प्रयोग करने की शक्ति, लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित, प्रधानमंत्री को दी गयी है।

1137. प्रधानमंत्री की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) लोकसभाध्यक्ष
(स) राज्यसभा का सभापति
(द) उपराष्ट्रपति
उत्तर : (अ) RRB 2003
व्याख्या– साधारणतः प्रधानमंत्री को संसदीय आम चुनाव के परिणाम के आधार पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है। प्रधानमंत्री, लोकसभा में बहुमतधारी दल या गठबंधन का नेता होता है। प्रधानमंत्री का स्वयं लोकसभा सांसद होना अनिवार्य नहीं है, परन्तु उन्हें लोकसभा में बहुमत सिद्ध करना होता है और नियुक्ति के छः महीनों के भीतर ही संसद का सदस्य बनना पड़ता है। प्रधानमंत्री संसद के दोनों सदनों में से किसी भी एक सदन के सदस्य हो सकते हैं।

1138. प्रधानमंत्री को उसके पद की गोपनीयता की शपथ कौन दिलाता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) उपराष्ट्रपति
(स) लोकसभाध्यक्ष
(द) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीष
उत्तर : (अ) RRB 2003
व्याख्या– प्रधानमंत्री को पद की शपथ राष्ट्रपति द्वारा दिलाई जाती है। साधारणतः प्रधानमंत्री को संसदीय आम चुनाव के परिणाम के आधार पर

राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है। प्रधानमंत्री, लोकसभा में बहुमतधारी दल या गठबंधन का नेता होता है। प्रधानमंत्री का स्वयं लोकसभा सांसद होना अनिवार्य नहीं है, परन्तु उन्हें लोकसभा में बहुमत सिद्ध करना होता है और नियुक्ति के छः महीनों के भीतर ही संसद का सदस्य बनना पड़ता है। प्रधानमंत्री संसद के दोनों सदनों में से किसी भी एक सदन के सदस्य हो सकते हैं।

1139. सामान्यतः प्रधानमंत्री–
(अ) लोकसभा का सदस्य होता है
(ब) राज्यसभा का सदस्य होता है
(स) लोकसभा के बहुमत दल का नेता होता है
(द) राज्यसभा के बहुमत दल का नेता होता है
उत्तर : (स)
व्याख्या– प्रधानमंत्री, लोकसभा में बहुमत दल का नेता होता है और उसकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा में बहुमत सिद्ध करने पर होती है। एक व्यक्ति प्रधानमंत्री पद पर केवल तब तक रह सकता है, जब तक लोकसभा में बहुमत उसके पक्ष में हो।

1140. भारत में एक व्यक्ति अधिक–से–अधिक कितनी बार प्रधानमंत्री पद पर नियुक्त हो सकता है ?
(अ) केवल एक बार (ब) केवल दो बार
(स) केवल तीन बार (द) कोई सीमा नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत में एक व्यक्ति कितनी ही बार प्रधानमंत्री नियुक्त हो सकता है। इसके लिए कोई संवैधानिक नियम नहीं है।

1141. भारत में शक्तियों का प्रमुख उभरता केन्द्र है–
(अ) लोकसभा (ब) राज्यसभा
(स) प्रधानमंत्री (द) मंत्रिपरिषद
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद 74 प्रधानमंत्री के पद को स्थापित करता है एवं यह निर्दिष्ट करता है कि एक मंत्रिपरिषद् होगी, जिसका मुखिया प्रधानमंत्री होगा, जो भारत के राष्ट्रपति को सलाह और सहायता प्रदान करेंगे। अनुच्छेद 75 ये स्थापित करता है कि मंत्रियों की नियुक्ति, राष्टके अनुसार प्रधानमंत्री की सलाह के अनुसार की जाएगी एवं मंत्री को विभिन्न कार्यभार भी राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह के अनुसार ही होंगे।

1142. निम्नलिखित में से कौन लोकसभा का नेतृत्व करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) उपराष्ट्रपति (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– आमतौर पर भारत का प्रधानमंत्री ही लोक सभा के सदन का नेता होता है, लेकिन यदि प्रधानमंत्री लोकसभा के सदस्य न हो तो वे सदन के नेता का चुनाव कर सकते हैं।

1143. संघीय मंत्रिपरिषद का अध्यक्ष कौन होता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) कैबिनेट सचिव (द) गृह मंत्री
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 74 के अनुसार राष्ट्रपति को सहायता एवं सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद् होगी। राष्ट्रपति, मंत्रिपरिषद की सलाह के अनुसार कार्य करेगा। संविधान में सैद्धांतिक रूप से समस्त कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित की गयी है और राष्ट्रपति को सहायता और परामर्श देने के लिए मंत्रिपरिषद की व्यवस्था की गई है। अतः व्यवहारिक रूप से समस्त कार्यपालिका शक्ति मंत्रिपरिषद में निहित होती है। दूसरे शब्दों में राष्ट्रपति के नाम पर समस्त कार्यपालिका शक्तियों का उपयोग मंत्रिपरिषद द्वारा किया जाता है, जिसका मुखिया प्रधानमंत्री होता है।

1144. योजना आयोग (नीति आयोग) का अध्यक्ष होता है–
(अ) राष्ट्रपति (ब) गृह मंत्री
(स) प्रधानमंत्री (द) वित्त मंत्री
उत्तर : (स)
व्याख्या– नीति आयोग (राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान) भारत सरकार द्वारा गठित एक नया संस्थान है, जिसे योजना आयोग के स्थान पर बनाया गया है। 1 जनवरी, 2015 को इस नए संस्थान के संबंध में जानकारी देने वाला मंत्रिमंडल का प्रस्ताव जारी किया गया। नीति आयोग, केन्द्र और राज्य स्तरों पर सरकार को नीति के प्रमुख कारकों के संबध में प्रासंगिक महत्वपूर्ण एवं तकनीकी परामर्श उपलब्ध कराएगा। नीति आयोग का कार्यपालक अथवा अध्यक्ष देश का प्रधानमंत्री होता है।

1145. मंत्रिमंडल (संघीय) की बैठक की अध्यक्षता कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) उपराष्ट्रपति (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (ब) RRB 2004
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 74(1) में यह व्यवस्था की गई है कि राष्ट्रपति की सहायता करने तथा उसे सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद होगी जिसका प्रमुख प्रधानमंत्री होगा। राष्ट्रपति इस मंत्रिपरिषद की सलाह के अनुसार अपने कार्यों का निष्पादन करेगा।

1146. संसदीय तंत्र में वह व्यक्ति प्रधानमंत्री चुना जाता है, जो नेता होता है–
(अ) उच्च सदन में बहुमत दल
(ब) निम्न सदन में बहुमत दल
(स) उच्च सदन में अल्पमत
(द) निम्न सदन में अल्पमत
उत्तर : (ब)

व्याख्या– प्रधानमंत्री, लोकसभा (निम्न सदन) में बहुमत दल का नेता होता है और उसकी नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा में बहुमत सिद्ध करने पर होती है। इस पद पर किसी प्रकार की समय–सीमा निर्धारित नहीं की गई है, परंतु एक व्यक्ति इस पद पर केवल तब तक रह सकता है, जब तक लोकसभा में बहुमत उसके पक्ष में हो।

1147. किस अनुच्छेद के तहत प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है ?
(अ) अनुच्छेद 61 (ब) अनुच्छेद 70
(स) अनुच्छेद 75 (द) अनुच्छेद 85
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75 के तहत राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद के प्रधान के रूप में प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है। प्रधानमंत्री की सिफारिश पर अपने दल के नेताओं में से इच्छित नेताओं को राष्ट्रपति मंत्रियों के पद के रूप में नियुक्त करता है। व्यवहार में जब नए चुनाव सम्पन्न हो जाते हैं, तो राष्ट्रपति उस व्यक्ति को प्रधानमंत्री पद के लिए आमंत्रित करता है, जिसे लोकसभा में बहुमत का समर्थन प्राप्त है।

1148. भारत के प्रधानमंत्री–
(अ) राष्ट्रपति द्वारा चुने जाते हैं
(ब) राज्यों के मुख्यमंत्री द्वारा चुने जाते हैं
(स) लोकसभा में बहुमत दल के नेता होते हैं
(द) चुने नहीं जाते, बल्कि वंशागत होते हैं
उत्तर : (स) RRB 2003
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75 के तहत राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद के प्रधान के रूप में प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है। प्रधानमंत्री की सिफारिश पर अपने दल के नेताओं में से इच्छित नेताओं को राष्ट्रपति मंत्रियों के पद के रूप में नियुक्त करता है। व्यवहार में जब नए चुनाव सम्पन्न हो जाते हैं, तो राष्ट्रपति उस व्यक्ति को प्रधानमंत्री पद के लिए आमंत्रित करता है, जिसे लोकसभा में बहुमत का समर्थन प्राप्त है।

1149. भारत के प्रधानमंत्री पद के लिए उम्मीदवार की कम–से–कम कितनी उम्र होनी चाहिए ?
(अ) 25 वर्ष (ब) 30 वर्ष
(स) 35 वर्ष (द) 40 वर्ष
उत्तर : (अ) RRB 2004
व्याख्या– प्रधानमंत्री बनने के लिए योग्यताएँ इस प्रकार हैं– (1) व्यक्ति भारत का नागरिक होना चाहिए (2) व्यक्ति को प्रधानमंत्री बनने के लिए लोकसभा या राज्यसभा का सदस्य होना जरूरी है। (3) यदि व्यक्ति लोकसभा का सदस्य है तो उसकी उम्र 25 वर्ष से अधिक होनी चाहिए और यदि राज्यसभा का सदस्य है तो उम्र 30 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। (4) यदि कोई व्यक्ति किसी सरकारी पद पर है तो वह देश का प्रधानमंत्री नहीं बन सकता।

1150. भारत का प्रधानमंत्री–
(अ) सत्ता दल का अध्यक्ष हो सकता है
(ब) हमेशा सत्ता दल का अध्यक्ष होता है
(स) सत्ता दल का अध्यक्ष नहीं हो सकता है
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) RRB 2004
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75 के तहत राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद के प्रधान के रूप में प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है। प्रधानमंत्री की सिफारिश पर अपने दल के नेताओं में से इच्छित नेताओं को राष्ट्रपति मंत्रियों के पद के रूप में नियुक्त करता है। व्यवहार में जब नए चुनाव सम्पन्न हो जाते हैं, तो राष्ट्रपति उस व्यक्ति को प्रधानमंत्री पद के लिए आमंत्रित करता है, जिसे लोकसभा में बहुमत का समर्थन प्राप्त है।

1151. यदि भारत के प्रधानमंत्री संसद के उच्च सदन के सदस्य है तो–
(अ) वे अविश्वास प्रस्ताव की स्थिति में अपने पक्ष में वोट नहीं दे सकेंगे
(ब) वे निम्न सदन में बजट पर नहीं बोल सकेंगे
(स) वे उच्च सदन में ही वक्तव्य दे सकते हैं
(द) उन्हें प्रधानमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने के बाद छः माह के अन्दर निम्न सदन का सदस्य बनना पड़ेगा
उत्तर : (अ) IAS 1997, RRB 2006
व्याख्या– यदि भारत के प्रधानमंत्री संसद के उच्च सदन के सदस्य है, तो वे अविश्वास प्रस्ताव की स्थिति में अपने पक्ष में वोट नहीं दे सकेंगे।

1152. भारत के प्रधानमंत्री का पद है–
(अ) परम्परा पर आधारित
(ब) संसद द्वारा सृजित
(स) संविधान द्वारा सृजित
(द) राष्ट्रपति द्वारा सृजित
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुसार, प्रधानमंत्री केंद्र सरकार के मंत्रिपरिषद का प्रमुख और राष्ट्रपति का मुख्य सलाहकार होता है। यह भारत सरकार की कार्यपालिका का प्रमुख होता है और सरकार के कार्यों के प्रति संसद का जवाबदेह होता है। भारत की संसदीय राजनैतिक प्रणाली में राष्ट्रप्रमुख और शासनप्रमुख के पद को पूर्णतः विभक्त रखा गया है।

1153. किस प्रधानमंत्री ने एक बार पद से हटने के पश्चात् दोबारा पद संभाला था ?
(अ) जवाहरलाल नेहरु (ब) लालबहादुर शास्त्री
(स) इंदिरा गांधी (द) मोरारजी देसाई
उत्तर : (स)
व्याख्या– इंदिरा गाँधी वर्ष 1966 से 1977 तक लगातार तीन पारियों के लिए भारत की प्रधानमंत्री

रहीं और उसके बाद चौथी पारी में 1980 से लेकर 1984 में उनकी राजनैतिक हत्या तक भारत की प्रधानमंत्री रहीं। वे भारत की प्रथम और अब तक एकमात्र महिला प्रधानमंत्री रहीं।

1154. प्रधानमंत्री कौन बनता है ?
(अ) लोकसभा में बहुमत दल का नेता
(ब) सर्वाधिक उम्र का सांसद
(स) सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाला सांसद
(द) राष्ट्रपति जिसे बनाना उचित समझे
उत्तर : (अ)

1155. भारतीय संविधान के अनुसार तथ्यात्मक सम्प्रभुता निवास करती है–
(अ) संसद में (ब) प्रधानमंत्री में
(स) राष्ट्रपति में (द) जनता में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुसार तथ्यात्मक सम्प्रभुता प्रधानमंत्री में निवास करती है। संविधान के अनुच्छेद 74(1) में यह व्यवस्था की गई है कि राष्ट्रपति की सहायता करने तथा उसे सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद होगी, जिसका प्रमुख प्रधानमंत्री होगा। राष्ट्रपति इस मंत्रिपरिषद की सलाह के अनुसार अपने कार्यों का निष्पादन करेगा।

1156. प्रथम गैर–कांग्रेसी प्रधानमंत्री कौन बने थे ?
(अ) लालबहादुर शास्त्री (ब) चौधरी चरण सिंह
(स) गुलजारीलाल नंदा (द) मोरारजी देसाई
उत्तर : (द)
व्याख्या– जनता पार्टी के गठबंधन की तरफ से मोरारजी देसाई देश के पहले गैर–कांग्रेसी प्रधानमंत्री बने। मोरारजी देसाई भारत के चौथे प्रधानमंत्री बने और उनका कार्यकाल 1977 से 1979 तक रहा।

1157. प्रधानमंत्री पद से पदत्याग करने वाले प्रथम व्यक्ति कौन थे ?
(अ) लालबहादुर शास्त्री (ब) मोरारजी देसाई
(स) जवाहरलाल नेहरु (द) इंदिरा गांधी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– प्रधानमंत्री पद से पदत्याग करने वाले प्रथम व्यक्ति मोरारजी देसाई थे। जनता पार्टी के गठबंधन की तरफ से मोरारजी देसाई देश के पहले गैर–कांग्रेसी प्रधानमंत्री बने। मोरारजी देसाई भारत के चौथे प्रधानमंत्री बने और उनका कार्यकाल 1977 से 1979 तक रहा।

1158. ऐसे प्रथम प्रधानमंत्री जिनके विरुद्ध लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया–
(अ) लालबहादुर शास्त्री (ब) मोरारजी देसाई
(स) जवाहरलाल नेहरु (द) इंदिरा गांधी
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संसद में पहली बार अविश्वास प्रस्ताव 1963 में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के खिलाफ आया था। नेहरू के खिलाफ जे.बी. कृपलानी ने अविश्वास प्रस्ताव रखा था, कांग्रेस के दोबारा से अध्यक्ष न बनाए जाने के चलते जे.बी. कृपलानी ने पार्टी छोड़कर किसान मजदूर प्रजा पार्टी शुरू कर दी, जो बाद में सोशलिस्ट पार्टी के साथ मिलकर प्रजा सोशलिस्ट पार्टी में बदल गई।

1159. प्रथम पूर्णतः गैर–कांग्रेसी प्रधानमंत्री बने–
(अ) अटल बिहारी वाजपेयी
(ब) चौधरी चरण सिंह
(स) वी.पी. सिंह
(द) मोरारजी देसाई
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय जनता पार्टी से सम्बद्ध अटल बिहारी वाजपेयी पहली बार 16 मई 1996 को प्रधानमंत्री बने और 1 जून 1996 को एक वोट से सरकार गिरने के चलते इस्तीफा देना पड़ा। अटलजी पहली बार सिर्फ 16 दिन के लिए देश के प्रधानमंत्री बने, फिर उन्होंने 19 मार्च 1998 से 22 मई 2004 तक यानि 6 वर्ष और 54 दिनों तक प्रधानमंत्री का पद संभाला।

1160. संसदीय शासन प्रणाली में वास्तविक कार्यपालक शक्ति किसके पास होती है ?
(अ) संसद (ब) प्रधानमंत्री
(स) राष्ट्रपति (द) नौकरशाही
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संसदीय शासन प्रणाली में वास्तविक कार्यपालक शक्ति प्रधानमंत्री के पास होती है। संविधान के अनुच्छेद 74(1) में यह व्यवस्था की गई है कि राष्ट्रपति की सहायता करने तथा उसे सलाह देने के लिए एक मंत्रिपरिषद होगी जिसका प्रमुख प्रधानमंत्री होगा। राष्ट्रपति इस मंत्रिपरिषद की सलाह के अनुसार अपने कार्यों का निष्पादन करेगा।

1161. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार राष्ट्रपति को उसके कार्यों के सम्पादन व सलाह देने हेतु एक मंत्रिपरिषद् होती है, जिसका प्रधान प्रधानमंत्री होता है ?
(अ) अनुच्छेद–74 (ब) अनुच्छेद–75
(स) अनुच्छेद–78 (द) अनुच्छेद–75(4)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–74 के अनुसार राष्ट्रपति को उसके कार्यों के सम्पादन व सलाह देने हेतु एक मंत्रिपरिषद् होती है, जिसका प्रधान प्रधानमंत्री होता है। जब प्रधानमंत्री त्यागपत्र देता है अथवा उसकी मृत्यु हो जाती है, तो अन्य मंत्री कोई भी कार्य नहीं कर सकते। दूसरे शब्दों में, प्रधानमंत्री की मृत्यु अथवा त्यागपत्र से मंत्रिपरिषद् स्वयं ही विघटित हो जाती है और एक शून्यता उत्पन्न हो जाती है।

1162. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है ?
(अ) अनुच्छेद–74 (ब) अनुच्छेद–75
(स) अनुच्छेद–78 (द) अनुच्छेद–75(4)
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–75 के अनुसार प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति करेगा और अन्य मंत्रियों की नियुक्ति राष्ट्रपति प्रधानमंत्री की सलाह पर करेगा। 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 ई. के तहत मंत्रिपरिषद् में मंत्रियों की कुल संख्या प्रधानमंत्री को शामिल करके लोकसभा के कुल सदस्यों की कुल संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। संविधान के अनुच्छेद–75(2) के अनुसार मंत्री, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त पद धारण करेंगे। अनुच्छेद–75(3) के अनुसार मंत्री परिषद् लोकसभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी है।

1163. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार पद ग्रहण करने से पूर्व प्रधानमंत्री सहित प्रत्येक मंत्री को राष्ट्रपति के समक्ष पद और गोपनीयता की शपथ लेनी होती है ?
(अ) अनुच्छेद–75(2) (ब) अनुच्छेद–75(3)
(स) अनुच्छेद–75(4) (द) अनुच्छेद–75(5)
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–75(4) के अनुसार पद ग्रहण करने से पूर्व प्रधानमंत्री सहित मंत्री को राष्ट्रपति के समक्ष पद और गोपनीयता की शपथ लेनी होती है।

1164. राष्ट्रपति को संसद का सत्र आहूत करने एवं सत्रावसान करने संबंधी परामर्श देता है–
(अ) लोकसभा अध्यक्ष (ब) प्रधानमंत्री
(स) उपराष्ट्रपति (द) कैबिनेट मंत्री
उत्तर : (ब)
व्याख्या– प्रधानमंत्री लोकसभा का नेता होता है। वह राष्ट्रपति को संसद का सत्र आहूत करने एवं सत्रावसान करने संबंधी परामर्श देता है। प्रधानमंत्री किसी भी समय लोकसभा को विघटित करने की सिफारिश राष्ट्रपति से कर सकता है।

1165. निम्नलिखित में से किस आयोग अथवा परिषद् का अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है ?
(अ) नीति आयोग
(ब) राष्ट्रीय विकास परिषद्
(स) अंतर्राज्यीय परिषद्
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– प्रधानमंत्री नीति आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद्, राष्ट्रीय एकता परिषद्, अंतर्राज्यीय परिषद् तथा राष्ट्रीय जल संसाधन परिषद् का अध्यक्ष होता है। प्रधानमंत्री सभा पटल पर सरकार की नीतियों की घोषणा करता है।

1166. निम्नलिखित में से किस अधिकारी की नियुक्ति के संबंध में प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति को परामर्श देता है ?
(अ) भारत का महान्यायवादी
(ब) भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(स) वित्त आयोग का अध्यक्ष
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत का प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति को विभिन्न अधिकारियों जैसे–भारत का महान्यायवादी, भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष एवं उसके सदस्यों, चुनाव आयुक्तों, वित्त आयोग का अध्यक्ष एवं उसके सदस्यों एवं अन्य नियुक्ति के संबंध में परामर्श देता है, तब राष्ट्रपति उनको नियुक्त करता है।

1167. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और मंत्रिपरिषद् के बीच संवाद की मुख्य कड़ी है ?
(अ) अनुच्छेद–74 (ब) अनुच्छेद–75
(स) अनुच्छेद–78 (द) अनुच्छेद–75(4)
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–78 के अनुसार प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और मंत्रिपरिषद् के बीच संवाद की मुख्य कड़ी है। प्रधानमंत्री किसी मंत्री को त्यागपत्र देने अथवा उसे बर्खास्त करने की सलाह राष्ट्रपति दे सकता है। वह मंत्रिपरिषद् बैठक की अध्यक्षता करता है तथा अपने पद से त्यागपत्र देकर मंत्रिमंडल को बर्खास्त कर सकता है।

1168. जब पहली बार इन्दिरा गाँधी प्रधानमंत्री बनीं तो वह सदस्य थी–
(अ) राज्यसभा की (ब) लोकसभा की
(स) वित्त आयोग की (द) विधान परिषद् की
उत्तर : (अ)
व्याख्या– देश की प्रथम महिला प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी बनी। पहली बार इन्दिरा गाँधी प्रधानमंत्री बनी, तो वह राज्यसभा की सदस्य थीं।

1169. लोकसभा चुनाव में पराजित होने वाले प्रथम प्रधानमंत्री है–
(अ) लालबहादुर शास्त्री (ब) मोरारजी देसाई
(स) जवाहरलाल नेहरु (द) इंदिरा गांधी
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा चुनाव में पराजित होने वाली प्रथम प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी थीं, जो 1977 में रायबरेली सीट से 55,202 मतों से हार गई थी।

1170. पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु कहाँ हुई थी ?
(अ) लाहौर (ब) कराची
(स) ताशकंद (द) इस्लामाबाद
उत्तर : (स)
व्याख्या– लाल बहादुर की मृत्यु 11 जनवरी, 1966 ई. को भारत से बाहर ताशकंद में हुई थी।

1171. निम्नलिखित में से किस प्रधानमंत्री की मृत्यु उनकी पदावधि के दौरान हो गयी थी ?
(अ) जवाहरलाल नेहरू (ब) लाल बहादुर शास्त्री
(स) श्रीमती इन्दिरा गाँधी
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के तीन प्रधानमंत्रियों (जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री एवं इंदिरा गाँधी की मृत्यु उनकी पदावधि के दौरान हो गयी थी।

1172. कैबिनेट मंत्रियों में सबसे बड़ा कार्यकाल किसका रहा है ?
(अ) जगजीवन राम
(ब) राजकुमारी अमृतकौर
(स) पंडित जवाहर लाल नेहरू
(द) अटल बिहारी वाजपेयी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– कैबिनेट मंत्रियों में सबसे बड़ा कार्यकाल जगजीवन राम का रहा, जो लगभग 32 वर्ष केन्द्रीय मंत्रिमंडल में रहे। सबसे लम्बी अवधि तक एक ही विभाग का कार्यभार संभालने वाली केन्द्रीय मंत्री राजकुमारी अमृतकौर थी।

1173. प्रथम गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री एवं प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र देने वाले प्रथम प्रधानमंत्री थे–
(अ) चौधरी चरण सिंह
(ब) विश्वनाथ प्रताप सिंह
(स) मोरारजी देसाई
(द) अटल बिहारी वाजपेयी
उत्तर : (स)
व्याख्या– प्रथम गैर कांग्रेसी प्रधानमंत्री एवं प्रधानमंत्री पद से त्यागपत्र देने वाले प्रथम प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई थे।

1174. अविश्वास प्रस्ताव के द्वारा हटाये जाने वाले प्रथम प्रधानमंत्री–
(अ) चौधरी चरण सिंह
(ब) विश्वनाथ प्रताप सिंह
(स) पंडित जवाहर लाल नेहरू
(द) अटल बिहारी वाजपेयी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– अविश्वास प्रस्ताव के द्वारा हटाये जाने वाले प्रथम प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह थे।

1175. एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री, जो कभी लोकसभा में उपस्थित नहीं हुए–
(अ) चौधरी चरण सिंह
(ब) विश्वनाथ प्रताप सिंह
(स) पंडित जवाहर लाल नेहरू
(द) अटल बिहारी वाजपेयी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– चौधरी चरण सिंह एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री रहे, जो कभी लोकसभा में उपस्थित नहीं हुए। विश्वास मत प्राप्त करने में असफल होने वाले प्रथम प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह हुए। एक कार्यकाल में सबसे कम समय (मात्र 13 दिन) तक प्रधानमंत्री के पद पर रहने वाले प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी हुए। प्रधानमंत्रियों में सबसे बड़ा कार्यकाल प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू का रहा। वे कुल 16 वर्ष 9 महीने और 12 दिन तक अपने पद पर रहे।

1176. निम्नलिखित में से कौन प्रधानमंत्री का पद ग्रहण करने के समय किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे ?
(अ) चौधरी चरण सिंह
(ब) विश्वनाथ प्रताप सिंह
(स) पी.वी. नरसिंहाराव
(द) अटल बिहारी वाजपेयी
उत्तर : (स)
व्याख्या– प्रधानमंत्री का पद ग्रहण करने के समय पी.वी. नरसिंहाराव किसी भी सदन के सदस्य नहीं थे।

1177. निम्नलिखित में से कौन प्रधानमंत्री का पद ग्रहण करते समय विधानसभा के सदस्य थे ?
(अ) आई.के. गुजराल
(ब) विश्वनाथ प्रताप सिंह
(स) पी.वी. नरसिंहाराव
(द) एच.डी. देवगौड़ा
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के प्रधानमंत्री का पद ग्रहण करते समय एच.डी. देवगौड़ा विधानसभा के सदस्य थे।

1178. लोकसभा का सामना न करने वाले प्रधानमंत्री–
(अ) चौधरी चरण सिंह (ब) मोराजी देसाई
(स) चन्द्रशेखर (द) एच.डी. ददेवगौड़ा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह अपने कार्यकाल में कभी लोकसभा में उपस्थित नहीं हुए।

1179. निम्नलिखित में से कौन भारत के प्रधानमंत्री के पद पर आसीन नहीं रहे ?
(अ) एच.डी. देवगौड़ा
(ब) आई.के. गुजराल
(स) चन्द्रशेखर
(द) राजकुमारी अमृतकौर
उत्तर : (द)
व्याख्या– प्रधानमंत्री पद पर रहने वाले व्यक्ति हैं–
1. जवाहर लाल नेहरू 2. लालबहादुर शास्त्री
3. इंदिरा गाँधी 4. मोरारजी देसाई 5. चौधरी चरण सिंह 6. इंदिरा गाँधी 7. राजीव गाँधी 8. विश्वनाथ प्रताप सिंह 9. चन्द्रशेखर 10. पी.वी. नरसिंहराव
11. अटल बिहारी वाजपेयी 12. एच.डी. देवगौड़ा
13. आई. के. गुजराल 14. अटल बिहारी वाजपेयी
15. अटल बिहारी वाजपेयी 16. डॉ. मनमोहन सिंह
17. नरेन्द्र मोदी 18. नरेन्द्र मोदी
19. नरेन्द्र मोदी (09.06.2024 से तीसरी बार)

16.उपप्रधानमंत्री

1180. भारतीय संविधान में निम्नलिखित में से किस पद का उल्लेख नहीं है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) उपराष्ट्रपति (द) उपप्रधानमंत्री
उत्तर : (द) RRB 2005
व्याख्या– भारत का उपप्रधानमंत्री भारत सरकार का कैबिनेट का एक सदस्य होता है। यह पद संवैधानिक पद नहीं है और अपने आप में कोई विशिष्ट शक्तियाँ नहीं रखता है।। इस पद का उपयोग प्रायः सरकार द्वारा राजनीतिक स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है। बहुमत दल का नेता प्रधानमंत्री बनता है तथा वह राजनीतिक स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए अपने दल के अथवा समर्थन देने वाले दल के सदस्यों में से आपसी सहमति से किसी सदस्य को उपप्रधानमंत्री बनाया जाता है। इसकी सर्वप्रथम शुरूआत प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के समय में हुई। उस दौरान सरदार बल्लभ भाई पटेल को उपप्रधानमंत्री बनाया गया था।

1181. उपप्रधानमंत्री पद की व्यवस्था–
(अ) राष्ट्र हित में नहीं है
(ब) प्रधानमंत्री के हित में नहीं है
(स) राजनीतिक व्यवस्था को कमजोर करती है
(द) राजनीतिक व्यवस्था को सुदृढ़ करती है
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान में उपप्रधानमंत्री पद की कोई व्यवस्था नहीं है। इसके बावजूद समय–समय पर इस पद की व्यवस्था की जाती रही है। इस पद का अब तक कई बार सृजन किया गया है। पहली बार इस पद का सृजन प्रथम लोकसभा के दौरान प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू द्वारा किया गया था। उस समय सरदार बल्लभ भाई पटेल को उपप्रधानमंत्री बनाया गया था।

1182. भारतीय परिस्थितियों में उपप्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री का–
(अ) मुख्य सहायक होता है
(ब) प्रतियोगी होता है
(स) साथी होता है
(द) मार्गदर्शक होता है
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय परिस्थितियों में उपप्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री का प्रतियोगी होता है। संवैधानिक दृष्टि से उपप्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल के किसी अन्य सदस्य की स्थिति में कोई अन्तर नहीं होता है, जबकि व्यावहारिक दृष्टि से उपप्रधानमंत्री सरकार में प्रधानमंत्री के बाद दूसरे स्थान पर होता है। प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में वह प्रधानमंत्री के समस्त दायित्वों का निर्वहन करता है। इस पद का उपयोग प्रायः सरकार द्वारा राजनीतिक स्थायित्व सुनिश्चित करने के लिए किया जाता है। सर्वप्रथम पंडित जवाहर लाल नेहरू के प्रधानमंत्रित्व काल में सरदार बल्लभ भाई पटेल को उपप्रधानमंत्री बनाया गया था।

1183. भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री कौन थे ?
(अ) जवाहर लाल नेहरू
(ब) मौलाना अबुल कलाम आजाद
(स) मुलजारी लाल नन्दा
(द) सरदार बल्लभ भाई पटेल
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत में उपप्रधानमंत्री पद का पहली बार सृजन प्रथम लोकसभा के दौरान प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू द्वारा किया गया था। उस समय सरदार बल्लभ भाई पटेल को उपप्रधानमंत्री बनाया गया था, जो भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री बने। वे 1947 से 1950 तक इस पद पर आसीन रहे।

1184. किस प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान दो–दो उपप्रधानमंत्री एक साथ नियुक्त हुए थे ?
(अ) जवाहर लाल नेहरू (ब) इंदिरा गांधी
(स) मोरारजी देसाई (द) वी.पी. सिंह
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1977 में सत्ता में आयी मोरारजी देसाई सरकार में दो उपप्रधानमंत्री बनाये गये– (1) चौधरी चरण सिंह और (2) जगजीवनराम। भारत के उपप्रधानमंत्री पद को सुशोभित करने वाले अन्य व्यक्ति थे– सरदार बल्लभ भाई पटेल (15 अगस्त, 1947 से 15 दिसम्बर, 1950 तक), मोरारजी देसाई, जगजीवन राम, चौधरी चरण सिंह, वाई.वी. चव्हाण, चौधरी देवी लाल (लगातार दो बार) एवं लालकृष्ण आडवाणी।

1185. संवैधानिक दृष्टि से यदि देखा जाए तो भारत का उपप्रधानमंत्री निम्नलिखित में से किसके समकक्ष होता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) उपराष्ट्रपति (द) कैबिनेट मंत्री
उत्तर : (द)
व्याख्या–संवैधानिक दृष्टि से उपप्रधानमंत्री और मंत्रिमण्डल के किसी अन्य सदस्य की स्थिति में कोई अन्तर नहीं होता है, परन्तु व्यवहार में उपप्रधानमंत्री सरकार में प्रधानमंत्री के बाद दूसरे स्थान पर होता है। प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में वह प्रधानमंत्री के समस्त दायित्वों का निर्वहन करता है। भारतीय परिस्थितियों में उपप्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री का प्रतियोगी होता है।

1186. किस प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान दो–दो उपप्रधानमंत्री एक साथ नियुक्त हुए थे ?
(अ) जवाहर लाल नेहरू (ब) इंदिरा गांधी
(स) मोरारजी देसाई (द) वी.पी. सिंह
उत्तर : (स)

व्याख्या– 1977 में सत्ता में आयी मोरारजी देसाई सरकार में दो उपप्रधानमंत्री बनाये गये– (1) चौधरी चरण सिंह और (2) जगजीवनराम। भारत के उपप्रधानमंत्री पद को सुशोभित करने वाले अन्य व्यक्ति थे– सरदार बल्लभ भाई पटेल (15 अगस्त, 1947 से 15 दिसम्बर, 1950 तक), मोरारजी देसाई, जगजीवन राम, चौधरी चरण सिंह, वाई.वी. चव्हाण, चौधरी देवी लाल (लगातार दो बार) एवं लालकृष्ण आडवाणी।

1187. 1977–1979 के दौरान भारत के उपप्रधानमंत्री रहे–
(अ) चौधरी चरण सिंह और मोरारजी देसाई
(ब) बाबू जगजीव राम और मोरारजी देसाई
(स) चौधरी चरण सिंह और बाबू जगजीवन राम
(द) मोरारजी देसाई और अटल बिहारी वाजपेयी
उत्तर : (स)
व्याख्या– इंदिरा गाँधी के बाद मोरारजी देसाई दिनांक 24.03.1977 से 28.07.1979 तक भारत के प्रधानमंत्री बने। मोरारजी देसाई के कार्यकाल में पहली बार दो–उपप्रधानमंत्री बनाये गये। चौधरी चरण सिंह और बाबू जगजीवनराम दोनों ने भारत के उपप्रधानमंत्री के पद ग्रहण किया। भारत के उपप्रधानमंत्री पद को सुशोभित करने वाले अन्य व्यक्ति थे– सरदार बल्लभ भाई पटेल (15 अगस्त, 1947 से 15 दिसम्बर, 1950 तक), मोरारजी देसाई, जगजीवन राम, चौधरी चरण सिंह, वाई.वी. चव्हाण, चौधरी देवी लाल (लगातार दो बार) एवं लालकृष्ण आडवाणी। भारत का उपप्रधानमंत्री भारत सरकार की कैबिनेट का एक सदस्य होता है। यह पद, संवैधानिक नहीं और प्रायः अपने आप में कोई विशिष्ट शक्तियाँ नहीं रखता, परन्तु व्यवहार में उपप्रधानमंत्री सरकार में प्रधानमंत्री के बाद दूसरे स्थान पर होता है। प्रधानमंत्री की अनुपस्थिति में वह प्रधानमंत्री के समस्त दायित्वों का निर्वहन करता है।

1188. उपप्रधानमंत्री के पद के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन पूर्ण सत्य है ?
(अ) संविधान में उपप्रधानमंत्री के पद का प्रावधान नहीं है
(ब) संविधान में उपप्रधानमंत्री के पद का प्रावधान नहीं है, परन्तु संवैधानिक मान्यता है
(स) संविधान में उपप्रधानमंत्री के पद का प्रावधान नहीं है और न ही संवैधानिक मान्यता है
(द) संविधान में उपप्रधानमंत्री के पद का प्रावधान है
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत का उपप्रधानमंत्री भारत सरकार की कैबिनेट का एक सदस्य होता है। यह पद, संवैधानिक नहीं और प्रायः अपने आप में कोई विशिष्ट शक्तियाँ नहीं रखता।

17.संघीय मंत्रिपरिषद

1189. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार यदि कोई व्यक्ति मंत्री बनते समय संसद सदस्य नहीं हो, तो उसे छः महीने के अन्दर संसद सदस्य बनना अनिवार्य है, अन्यथा उसे पद छोड़ना होगा ?
(अ) अनुच्छेद–75(2) (ब) अनुच्छेद–75(3)
(स) अनुच्छेद–75(4) (द) अनुच्छेद–75(5)
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–75(5) के अनुसार मंत्रिपरिषद् का सदस्य बनने के लिए वैधानिक दृष्टि से यह आवश्यक है कि व्यक्ति संसद के किसी सदन का सदस्य हो, यदि व्यक्ति मंत्री बनते समय संसद सदस्य नहीं हो, तो उसे छः महीने के अन्दर संसद सदस्य बनना अनिवार्य है, नही ंतो उसे अपना पद छोड़ना होगा।

1190. यदि लोकसभा किसी एक मंत्री के विरुद्ध अविश्वास का प्रस्ताव पारित करे अथवा उस विभाग से संबंधित विधेयक को रद्द कर दे, तो–
(अ) समस्त मंत्रिमंडल को त्यागपत्र देना होता है।
(ब) केवल दोषी मंत्री को त्यागपत्र देना होता है।
(स) केवल प्रधानमंत्री को त्यागपत्र देना होता है।
(द) राष्ट्रपति उस मंत्री को निलंबित कर देता है।
उत्तर : (अ)
व्याख्या– यदि लोकसभा किसी एक मंत्री के विरुद्ध अविश्वास का प्रस्ताव पारित करे अथवा उस विभाग से संबंधित विधेयक को रद्द कर दे, तो समस्त मंत्रिमंडल को त्यागपत्र देना होता है।

1191. मंत्रिमण्डल का निर्माण होता है–
(अ) कैबिनेट मंत्री और राज्यमंत्री को मिलाकर
(ब) प्रधानमंत्री और कैबिनेट मंत्री को मिलाकर
(स) राज्यमंत्री और उपमंत्री को मिलाकर
(द) राष्ट्रपति और कैबिनेट मंत्री को मिलकार
उत्तर : (ब)
व्याख्या– प्रधानमंत्री के अतिरिक्त मंत्री तीन प्रकार के होते हैं–कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री एवं उपमंत्री। कैबिनेट मंत्री विभाग के अध्यक्ष होते हैं। प्रधानमंत्री एवं कैबिनेट मंत्री को मिलाकर मंत्रिमंडल का निर्माण होता है।

1192. भारतीय केन्द्रीय मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता किसके द्वारा की जाती है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– भारतीय केन्द्रीय मंत्रिपरिषद् की बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री द्वारा की जाती है। अनुच्छेद 74 में संघीय मंत्रिपरिषद का प्रावधान है। अनुच्छेद 75(1)(क) के तहत मंत्रिपरिषद का आकार लोकसभा की सदस्य संख्या के 15% से अधिक नहीं होगा।

1193. मंत्रिपरिषद निम्नलिखित में से किसके प्रसादपर्यन्त पदासीन रहता है ?
(अ) लोकसभा (ब) राज्यसभा
(स) राष्ट्रपति (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (स)
व्याख्या– कोई मंत्री अपने पद पर तब तक बना रहता है जब तक उसे प्रधानमंत्री का विश्वास प्राप्त है और राष्ट्रपति उसके कार्यों से संतुष्ट है। अनुच्छेद 75(2) के अनुसार मंत्री, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद धारण करेंगे। मंत्रिपरिषद के सभी मंत्री सामूहिक रूप से केवल लोकसभा के प्रति ही उत्तरदायी होते है, प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति या पूरी संसद के प्रति नहीं, जबकि व्यक्तिगत रूप राष्ट्रपति के प्रति उत्तरदायी होता है।

1194. कौन व्यक्ति मंत्रिपरिषद का सदस्य हो सकता है ?
(अ) लोकसभा का सदस्य
(ब) राज्यसभा का सदस्य
(स) संसद का सदस्य
(द) कोई भी व्यक्ति
उत्तर : (स)
व्याख्या– मंत्रिपरिषद का सदस्य संसद के सदस्य होते हैं। जब मंत्रिमण्डल के सदस्यों को उनके कार्यों में सहायता देने के लिए राज्य मंत्रियों और उपमंत्रियों को नियुक्त किया जाता है, तब इन्हें मिलाकर मंत्रिमण्डल को मंत्रिपरिषद की संज्ञा दी जाती है।

1195. कोई व्यक्ति संसद के किसी भी सदन का सदस्य हुए बिना केन्द्र में कितनी अवधि तक मंत्री रह सकता है ?
(अ) 3 महीने (ब) 6 महीने
(स) 1 वर्ष (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– यदि कोई मंत्री संसद सदस्य नहीं है तो छः माह में सदस्यता ग्रहण करना आवश्यक है।

1196. मंत्रिपरिषद के सदस्यों को पद की गोपनीयता की शपथ कौन दिलाता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभा अध्यक्ष (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मंत्रिपरिषद के सदस्यों को पद की गोपनीयता की शपथ राष्ट्रपति दिलाता है। अनुच्छेद 75 के अनुसार प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है और अन्य मंत्री प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किये जाते हैं। मंत्री राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करते हैं। मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होते हैं। मंत्री अपने पद और गोपनीयता की शपथ राष्ट्रपति के समक्ष लेते हैं।

1197. मंत्रिपरिषद में मंत्रियों की संख्या होती है–
(अ) मंत्रिमंडल के समान
(ब) मंत्रिमडल से कम
(स) मंत्रिमंडल से अधिक
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– अनुच्छेद 75(1)(क) के तहत मंत्रिपरिषद का आकार लोकसभा की सदस्य संख्या के 15% से अधिक नहीं होगा। मंत्रिपरिषद एक बड़ा निकाय है जिसमें 60 से 70 मंत्री होते हैं। यह सामूहिक रूप से संसद के निचले सदन 'लोकसभा' के प्रति उत्तरदायी होती है।

1198. मंत्रिपरिषद में निम्नलिखित में से कौन शामिल नहीं रहता है ?
(अ) कैबिनेट मंत्री (ब) राज्य मंत्री
(स) उपमंत्री (द) संसदीय सचिव
उत्तर : (द)
व्याख्या– मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री और अन्य मंत्री शामिल होते हैं। मंत्रिपरिषद तीन भागों में विभक्त है– कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और उप मंत्री। संसदीय सचिवों की नियुक्ति भारत के प्रधानमंत्री करते हैं। संसदीय सचिव का प्रमुख कार्य कैबिनेट मंत्रियों, यहाँ तक की प्रधानमंत्री की भी सहायता करना है। एक संसदीय सचिव के कई विभागीय और संसदीय कर्तव्य भी होते हैं। वे कैबिनेट मंत्रियों के नेतृत्व में बारीकी से काम करते हैं और इसके अतिरिक्त कार्यों में उनके पास विभाग से संबंधित सार्वजनिक और सदन के कर्तव्यों का पालन करना भी होता है।

1199. मंत्रिपरिषद में शामिल होते हैं–
(अ) राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं अन्य मंत्री
(ब) राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री
(स) उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं अन्य मंत्री
(द) प्रधानमंत्री एवं अन्य मंत्री
उत्तर : (द)
व्याख्या– मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री और अन्य मंत्री शामिल होते हैं। मंत्रिपरिषद तीन भागों में विभक्त है– कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और उप मंत्री।

1200. मंत्रिपरिषद में वरीयता की दृष्टि से मंत्रियों का सही क्रम है–
(अ) कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री, उपमंत्री
(ब) कैबिनेट मंत्री, उपमंत्री, राज्यमंत्री
(स) राज्य मंत्री, कैबिनेट मंत्री, उपमंत्री
(द) राज्य मंत्री, उपमंत्री, कैबिनेट मंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री और अन्य मंत्री शामिल होते हैं। मंत्रिपरिषद तीन भागों में विभक्त है– कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और उप मंत्री।

1201. भारत में किसी भी सदन का सदस्य हुए बिना कोई व्यक्ति कब तक मंत्री पर पर आसीन रह सकता है ?
(अ) 3 माह (ब) 6 माह
(स) 1 वर्ष (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– यदि कोई संसद सदस्य नहीं है तो 6 माह में सदस्यता ग्रहण करना आवश्यक है।

1202. भारत में वह मंत्री जो संसद के दोनों में से किसी सदन का सदस्य नहीं है, उसे मंत्री के पद से मुक्त हो जाना पड़ता है–
(अ) 6 माह बाद (ब) 1 वर्ष बाद
(स) दो वर्ष बाद (द) 3 वर्ष बाद
उत्तर : (अ)
व्याख्या– यदि कोई मंत्री संसद सदस्य नहीं है तो 6 माह के भीतर सदस्यता ग्रहण करना जरूरी है।

1203. संघीय मंत्रिपरिषद के मंत्री किसके प्रति उत्तरदायी होते हैं ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) संसद (द) लोकसभा
उत्तर : (द)
व्याख्या– कोई मंत्री अपने पद पर तब तक बना रहता है जब तक उसे प्रधानमंत्री का विश्वास प्राप्त है और राष्ट्रपति उसके कार्यों से संतुष्ट है। अनुच्छेद 75(2) के अनुसार मंत्री, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद धारण करेंगे। मंत्रिपरिषद के सभी मंत्री सामूहिक रूप से केवल लोकसभा के प्रति ही उत्तरदायी होते है, प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति या पूरी संसद के प्रति नहीं, जबकि व्यक्तिगत रूप से कोई मत्री राष्ट्रपति के प्रति उत्तरदायी होता है। मंत्रिपरिषद के सभी मंत्री सामूहिक रूप से केवल लोकसभा के प्रति ही उत्तरदायी होते हैं।

1204. मंत्रिपरिषद व्यक्तिगत रूप से किसके प्रति उत्तरदायी होता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभाध्यक्ष (द) संसद
उत्तर : (अ)
व्याख्या– कोई मंत्री अपने पद पर तब तक बना रहता है, जब तक उसे प्रधानमंत्री का विश्वास प्राप्त है और राष्ट्रपति उसके कार्यों से संतुष्ट है। अनुच्छेद 75(2) के अनुसार मंत्री, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद धारण करेंगे। मंत्रिपरिषद के सभी मंत्री सामूहिक रूप से केवल लोकसभा के प्रति ही उत्तरदायी होते है, प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति या पूरी संसद के प्रति नहीं, जबकि व्यक्तिगत रूप से कोई मत्री राष्ट्रपति के प्रति उत्तरदायी होता है।

1205. मंत्रिपरिषद में कितने स्तर के मंत्री होते हैं ?
(अ) 1 (ब) 2
(स) 3 (द) 4
उत्तर : (स)
व्याख्या– मंत्रिपरिषद का गठन प्रधानमंत्री की सलाह से राष्ट्रपति करता है। अनुच्छेद 74 में संघीय मंत्रिपरिषद का प्रावधान है। मंत्रिपरिषद तीन भागों में विभक्त है– कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और उप मंत्री।

1206. भारतीय संविधान के निम्नलिखित प्रावधानों में से कौनसा प्रावधान मंत्रिपरिषद की नियुक्ति तथा पदच्युति को विवेचित करता है ?
(अ) अनुच्छेद 70 (ब) अनुच्छेद 72
(स) अनुच्छेद 74 (द) अनुच्छेद 75
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 75 के अनुसार प्रधानमंत्री का चयन राष्ट्रपति करता है और अन्य मंत्री प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किये जाते हैं। मंत्री राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करते हैं। मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है। मंत्री अपने पद और गोपनीयता की शपथ राष्ट्रपति के समक्ष लेते हैं।

1207. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 74 और 75 किन विषयों पर विचार करते हैं ?
(अ) मंत्रिपरिषद (ब) लोकसभा के सदस्य
(स) भारत के राष्ट्रपति (द) मंत्रिमंडल के सदस्य
उत्तर : (अ) SSC 1999
व्याख्या– अनुच्छेद 74 में संघीय मंत्रिपरिषद का प्रावधान है। अनुच्छेद 75(1) में प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा किये जाने का प्रावधान है।

1208. संघीय मंत्रिपरिषद अपने आचरण के लिए किसके प्रति उत्तरदायी होता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) लोकसभा
(स) राज्यसभा (द) संसद
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या– कोई मंत्री अपने पद पर तब तक बना रहता है, जब तक उसे प्रधानमंत्री का विश्वास प्राप्त है और राष्ट्रति उसके कार्यों से संतुष्ट है। अनुच्छेद 75(2) के अनुसार मंत्री, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद धारण करेंगे। मंत्रिपरिषद के सभी मंत्री सामूहिक रूप से केवल लोकसभा के प्रति ही उत्तरदायी होते है, प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति या पूरी संसद के प्रति नहीं, जबकि व्यक्तिगत रूप से कोई मत्री राष्ट्रपति के प्रति उत्तरदायी होता है।

1209. मंत्रिपरिषद है–
(अ) कैबिनेट के बिलकुल समान
(ब) कैबिनेट के छोटा निकाय
(स) कैबिनेट से बड़ा निकाय
(द) किसी तरह से कैबिनेट से संबंधित नहीं है
उत्तर : (स)
व्याख्या– मंत्रिपरिषद कैबिनेट से बड़ा निकाय है, जिसमें तीन प्रकार के मंत्री होतें हैं–कैबिनेट मंत्री, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) व उप मंत्री। अनुच्छेद 75(1)(क) के तहत मंत्रिपरिषद का आकार लोकसभा

की सदस्य संख्या के 15% से अधिक नहीं होगा। मंत्रिपरिषद में 60 से 70 मंत्री होते हैं। मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से संसद के निचले सदन 'लोकसभा' के प्रति उत्तरदायी होती है।

1210. भारत में मंत्रिपरिषद के अधिकतर सदस्य लिए जाते हैं–
(अ) लोकसभा से (ब) राज्यसभा से
(स) नौकरशाही से (द) अंतर्राज्यीय परिषद से
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मंत्रिपरिषद के सदस्य प्रायः लोकसभा से लिए जाते हैं, जिनमें कैबिनेट मंत्री, राज्यमंत्री व उपमंत्री शामिल होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 74 में केंद्रीय मंत्रिपरिषद के गठन के बारे में उल्लेख किया गया है, जबकि अनुच्छेद 75 में मंत्रियों की नियुक्ति, उनके कार्यालय की जिम्मेदारी, शपथ, योग्यता और वेतन भत्तों की जानकारी है।

1211. केन्द्र सरकार में राज्यमंत्री की क्या स्थिति है ?
(अ) वह राज्यपाल द्वारा नामांकित व्यक्ति होता है
(ब) वह राज्य मंत्रिमंडल द्वारा नामांकित व्यक्ति होता है
(स) वह राज्य सरकार के हितों की देखभाल करता है
(द) वह केंद्र सरकार का ऐसा मंत्री होता है जो कि मंत्रिमंडल का सदस्य नहीं होता
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य मंत्री केन्द्र सरकार का ऐसा मंत्री होता है जो मंत्रिमंडल का सदस्य नहीं होता। मंत्रिमंडल के मंत्री यानि कैबिनेट के मंत्री अधिकार पूर्वक मंत्रिमंडल में भाग लेते हैं। राज्य मंत्री कैबिनेट मंत्री के सहायक के रूप में होते हैं। यदि राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार वाला है, तो उसके विभाग से सम्बन्धित कोई बात चर्चा की सूची में होने पर वह कैबिनेट की बैठक में हिस्सा ले सकता है।

1212. मंत्रिमण्डल का गठन कौन करता है ?
(अ) मंत्रिपरिषद
(ब) केवल केन्द्रीय मंत्रीगण
(स) केन्द्रीय तथा राज्यमंत्रीगण
(द) सभी मंत्री
उत्तर : (ब)
व्याख्या– केन्द्रीय मंत्रिमंडल, भारत गणराज्य में कार्यकारी अधिकार का प्रयोग करता है। इसमें वरिष्ठ मंत्री (कैबिनेट मंत्री) सम्मिलित होते हैं, जिनका नेतृत्व प्रधानमंत्री करता है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल नामक एक छोटा कार्यकारी निकाय, भारत में सर्वोच्च निर्णय लेने की संस्था है। केवल प्रधानमंत्री और कैबिनेट मंत्री ही कैबिनेट के सदस्य होते हैं। भारत में सबसे वरिष्ठ सिविल सेवक, कैबिनेट सचिव, कैबिनेट सचिवालय का नेतृत्व करते हैं तथा मंत्रियों की परिषद को प्रशासनिक सहायता प्रदान करते हैं।

1213. स्वतंत्रता के पश्चात् मंत्रिपरिषद के खिलाफ पहला अविश्वास प्रस्ताव कब लाया गया था ?
(अ) 1954 में (ब) 1961 में
(स) 1963 में (द) 1975 में
उत्तर : (स)
व्याख– भारतीय संसद के इतिहास में पहली बार अगस्त 1963 में जे.बी. कृपलानी ने अविश्वास प्रस्ताव रखा था। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार के खिलाफ रखे गए इस प्रस्ताव के पक्ष में केवल 62 वोट पड़े और विरोध में 347 वोट थे।

1214. सामूहिक रूप से मंत्रिपरिषद किसके प्रति उत्तरदायी होता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभा (द) संसद
उत्तर : (स) IAS 1982, SSC 2010
व्याख्या– मंत्रिपरिषद एक बड़ा निकाय है जिसमें 60 से 70 मंत्री होते हैं। मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से संसद के निचले सदन 'लोकसभा' के प्रति उत्तरदायी होती है। मंत्रिपरिषद प्रधानमंत्री के नेतृत्व के कार्य करती है। संघ मंत्रिमण्डल में ही कार्यपालिका की वास्तविक शक्ति निहित है तथा राष्ट्रपति संघ मंत्रिमण्डल की सलाह के अनुसार अपनी शक्तियों का प्रयोग करता है। मंत्रिमण्डल देश के प्रशासन, आर्थिक सुधार, सुरक्षा तथा विदेशी राज्यों के सम्बन्ध में नीति का निर्धारण करता है और मंत्रिमण्डल द्वारा निर्धारित नीति के अनुसार ही संघ का शासन संचालित होता है।

1215. मंत्रिमण्डल के वित्तीय कार्यों में शामिल है–
(अ) बजट तैयार कर संसद में पेश करना
(ब) आकस्मिक निधि से व्यय किये जाने वाले व्यय को नियंत्रित करना
(स) कोई विधेयक धन विधेयक है अथवा नहीं, इसे प्रमाणित करना
(द) वित्त आयोग की नियुक्ति करना
उत्तर : (अ)
व्याख्या– देश की आर्थिक नीति निर्धारत करने का उत्तरदायित्व भी मंत्रिमंडल का ही होता है। बजट का निर्माण, नये कर लगाना तथा पुराने करों की दरों में हेरफेर करना आदि मंत्रिमंडल के प्रमुख कार्यों में सम्मिलित है। मंत्रिमंडल की सहमति के पश्चात् ही वित्त मंत्री बजट लोकसभा में प्रस्तुत करता है। अन्य वित्त विधेयकों को भी मंत्रिमंडल ही लोकसभा में प्रस्तुत करता है।

1216. भारतीय गणराज्य में वास्तविक कार्यकारी प्राधिकार निम्नलिखित में से किसके पास होता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) नौकरशाही (द) मंत्रिपरिषद
उत्तर : (द) SSC 1999

व्याख्या– केन्द्रीय मंत्रिमंडल, भारत गणराज्य में कार्यकारी अधिकार का प्रयोग करता है। इसमें वरिष्ठ मंत्री (कैबिनेट मंत्री) सम्मिलित होते हैं, जिनका नेतृत्व प्रधानमंत्री करते हैं। केन्द्रीय मंत्रिमंडल नामक एक छोटी कार्यकारी निकाय, भारत में सर्वोच्च निर्णय लेने की संस्था है। केवल प्रधानमंत्री और कैबिनेट मंत्री ही कैबिनेट मंत्रिमंडल के सदस्य होते हैं।

1217. यदि कोई मंत्री राज्यसभा का सदस्य है तो क्या वह लोकसभा में अपना वक्तव्य दे सकता है ?
(अ) हाँ
(ब) नहीं
(स) केवल धन विधेयक के मामले में
(द) केवल वित्त विधेयक के मामले में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– जब राज्य सभा के किसी सदस्य को मंत्री बनाया जाता है तो वह लोकसभा की कार्यवाही में भाग ले सकता है।

1218. निम्नलिखित में से किस परिस्थिति में मंत्रिपरिषद विघटित नहीं हो सकती है ?
(अ) किसी मंत्री के पदत्याग से
(ब) प्रधानमंत्री की मृत्यु से
(स) प्रधानमंत्री के पदत्याग से
(द) प्रधानमंत्री की पदच्युति से
उत्तर : (अ)
व्याख्या– प्रधानमंत्री की मृत्यु, पदत्याग, पदच्युति की स्थिति में मंत्रिपरिषद् विघटित हो जाती है। कानूनी तौर पर लोकसभा को भंग करने का अधिकार राष्ट्रपति को है, परन्तु राष्ट्रपति अपनी इस शक्ति का प्रयोग मंत्रिमंडल की सलाह पर ही करता है। इस प्रकार मंत्रिमंडल के पास ऐसी शक्ति है, जिससे लोकसभा पर अंकुश रखा जा सकता है और लोकसभा अपनी अवधि से पहले ही भंग की जा सकती है।

1219. जो व्यक्ति सांसद न हो, क्या उसे मंत्री नियुक्त किया जा सकता है ?
(अ) नहीं
(ब) हाँ
(स) हाँ, यदि संसद उस व्यक्ति का अनुमोदन करे
(द) हाँ, पर उसे 6 महीनों के भीतर संसद सदस्य बनना होगा
उत्तर : (द) SSC 2001
व्याख्या– यदि कोई मंत्री संसद सदस्य नहीं है तो 6 माह में सदस्यता ग्रहण करना आवश्यक है।

1220. भारत के संविधान के अनुच्छेद 75(3) के अनुसार मंत्रिपरिषद निम्नलिखित में से किसके प्रति सामूहिक रूप से जिम्मेदार होता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) संसद
(स) लोकसभा (द) राज्यसभा
उत्तर : (स) SSC 2002
व्याख्या– अनुच्छेद 75(3) के अनुसार मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होते हैं। अनुच्छेद 75(5)(6) के तहत मंत्रिपरिषद के वेतन भत्ते संसद द्वारा तय किये जाते हैं। यदि कोई मंत्री संसद सदस्य नहीं है तो 6 माह में सदस्यता ग्रहण करना आवश्यक है।

1221. संसदीय तंत्र में निम्नलिखित में से वास्तविक कार्यपालिका कौन है ?
(अ) राज्य का मुखिया (ब) मंत्रिपरिषद
(स) विधान परिषद (द) न्यायपालिका
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या– भारत में संसदीय प्रणाली है। संसदीय प्रणाली लोकतांत्रिक शासन की वह प्रणाली है, जिसमें कार्यपालिका अपनी लोकतांत्रिक वैधता विधायिका (संसद) से प्राप्त करती है एवं विधायिका के प्रति उत्तरदायी होती है। इस प्रकार संसदीय प्रणाली में कार्यपालिका और विधायिका परस्पर सम्बन्धित होते हैं।

1222. राजनीतिक शब्दावली में 'शून्यकाल' का अर्थ है–
(अ) वह दिन जब संसद में कोई कार्य नहीं होता
(ब) निलंबित प्रस्ताव
(स) स्थान काल
(द) प्रश्न–उत्तर सत्र
उत्तर : (द)
व्याख्या– संसद के दोनों सदनों में प्रश्नकाल के ठीक बाद के समय को शून्यकाल कहा जाता है। यह 12 बजे प्रारम्भ होता है और एक बजे दिन तक चलता है। शून्यकाल का लोकसभा या राज्यसभा की प्रक्रिया तथा संचालन नियम में कोई उल्लेख नहीं है। इस काल अर्थात् 12 बजे से 1 बजे तक के समय को शून्यकाल का नाम समाचारपत्रों द्वारा दिया गया है। इस काल के दौरान सदस्य अविलम्बनीय महत्व के मामलों को उठाते हैं तथा उस पर तुरंत कार्यवाही चाहते हैं। वर्तमान में शून्यकाल 1 बजे से 2 बजे तक चलता है।

1223. स्वतंत्र भारत के प्रथम मंत्रिमंडल में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री कौन थे ?
(अ) गुलजारीलाल नंदा
(ब) सरदार बल्लभ भाई पटेल
(स) मौलाना अबुल कलाम आजाद
(द) सी.डी. देशमुख
उत्तर : (स)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के प्रथम मंत्रिमंडल में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद थे। 15 अगस्त 1947 को भारत की आजादी के साथ ही जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में पहली सरकार बनी। सरकार में पहली महिला मंत्री राजकुमारी अमृत कौर थी, जिन्हें स्वास्थ्य मंत्रालय सौंपा गया था। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग व आपूर्ति मंत्री बने

और डॉ. भीमराव अम्बेडकर को कानून मंत्रालय सौंपा गया था। प्रथम मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री सहित कुल 36 मंत्री थे।

1224. भारत में स्वतंत्रता के पश्चात् प्रथम मंत्रिमंडल का कानून मंत्री कौन था ?
(अ) के.एम. मुंशी (ब) एस.पी. मुखर्जी
(स) बलदेव सिंह (द) बी.आर. अम्बेडकर
उत्तर : (द)
व्याख्या– 15 अगस्त 1947 को भारत की आजादी के साथ ही जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में पहली सरकार बनी। सरकार में पहली महिला मंत्री राजकुमारी अमृत कौर थी, जिन्हें स्वास्थ्य मंत्रालय सौंपा गया था। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग व आपूर्ति मंत्री बने और डॉ. भीमराव अम्बेडकर को कानून मंत्रालय सौंपा गया था। प्रथम मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री सहित कुल 36 मंत्री थे।

1225. स्वतंत्र भारत के प्रथम वित्त मंत्री कौन थे ?
(अ) डॉ. जॉन मथाई
(ब) सी.डी. देशमुख
(स) जयराम दास दौलतराम
(द) सी. राजगोपालाचारी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के पहले वित्त मंत्री श्री रामासामी चेट्टी कंडासामी शानमुखम चेट्टी थे, उन्होनें 15 अगस्त, 1947 से 17 अगस्त, 1948 तक वित्त मंत्री के तौर पर काम किया। उन्होंने ही 26 नवंबर, 1947 को आजाद भारत का केंद्रीय बजट पेश किया। शानमुखम षणमुखम चेट्टी एक भारतीय वकील, अर्थशास्त्री और राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने अर्थव्यवस्था को स्थिर करने और भारत के वित्तीय विकास की नींव रखने की पहली की थी।

1226. स्वतंत्र भारत की प्रथम मंत्रिपरिषद में शामिल एकमात्र महिला मंत्री कौन थी ?
(अ) विजयालक्ष्मी पंडित
(ब) सुचेता कृपलानी
(स) सरोजिनी नायडू
(द) राजकुमारी अमृत कौर
उत्तर : (द)
व्याख्या– 15 अगस्त 1947 को भारत की आजादी के साथ ही जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में पहली सरकार बनी। सरकार में पहली महिला मंत्री राजकुमारी अमृत कौर थी, जिन्हें स्वास्थ्य मंत्रालय सौंपा गया था। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग व आपूर्ति मंत्री बने और डॉ. भीमराव अम्बेडकर को कानून मंत्रालय सौंपा गया था। प्रथम मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री सहित कुल 36 मंत्री थे।

1227. स्वतंत्र भारत की प्रथम मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री सहित कुल कितने सदस्य थे ?
(अ) 21 (ब) 29
(स) 36 (द) 43
उत्तर : (स)
व्याख्या– 15 अगस्त 1947 को भारत की आजादी के साथ ही जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में पहली सरकार बनी। सरकार में पहली महिला मंत्री राजकुमारी अमृत कौर थी, जिन्हें स्वास्थ्य मंत्रालय सौंपा गया था। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग व आपूर्ति मंत्री बने और डॉ. भीमराव अम्बेडकर को कानून मंत्रालय सौंपा गया था। प्रथम मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री सहित कुल 36 मंत्री थे।

1228. स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रतिरक्षा मंत्री कौन थे ?
(अ) डॉ. जॉन मथाई (ब) सरदार बलदेव सिंह
(स) के. संथानम (द) के.एम. मुंशी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रतिरक्षा मंत्री बलदेव सिंह थे। 15 अगस्त 1947 को भारत की आजादी के साथ ही जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में पहली सरकार बनी। सरकार में पहली महिला मंत्री राजकुमारी अमृत कौर थी, जिन्हें स्वास्थ्य मंत्रालय सौंपा गया था। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग व आपूर्ति मंत्री बने और डॉ. भीमराव अम्बेडकर को कानून मंत्रालय सौंपा गया था। प्रथम मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री सहित कुल 36 मंत्री थे।

1229. निम्नलिखित में से किस व्यक्ति ने स्वतंत्र भारत के प्रथम गृह मंत्री के रूप में कार्य किया ?
(अ) के. कामराज
(ब) सी. राजगोपालाचारी
(स) मोरारजी देसाई
(द) सरदार बलल्लभ भाई पटेल
उत्तर : (द) RRB 2016
व्याख्या– सरदार बल्लभभाई पटेल ने भारत के पहले उपप्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। उन्होंने भारत के राजनीतिक एकीकरण और 1947 के भारत–पाकिस्तान युद्ध के दौरान गृह मंत्री के रूप में कार्य किया। 15 अगस्त 1947 को भारत की आजादी के साथ ही जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में पहली सरकार बनी। सरकार में पहली महिला मंत्री राजकुमारी अमृत कौर थी, जिन्हें स्वास्थ्य मंत्रालय सौंपा गया था। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी उद्योग व आपूर्ति मंत्री बने और डॉ. भीमराव अम्बेडकर को कानून मंत्रालय सौंपा गया था। प्रथम मंत्रिपरिषद में प्रधानमंत्री सहित कुल 36 मंत्री थे।

1230. संघीय मंत्रिपरिषद से पदत्याग करने वाला पहला मंत्री कौन था ?
(अ) सरदार बल्लभ भाई पटेल
(ब) आचार्य जे.बी. कृपलानी
(स) गोपालस्वामी आयंगर
(द) श्यामा प्रसाद मुखर्जी
उत्तर : (द)
व्याख्या– श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक महान् शिक्षाविद् और चिन्तक होने के साथ–साथ भारतीय जनसंघ के संस्थापक भी थे। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उन्हें अंतिरिम सरकार में उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री के रूप में सम्मिलित किया था। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने लियाकत अली खान के साथ दिल्ली समझौते के मुद्दे पर 6 अप्रैल, 1950 को मंत्रिमंडल से त्यागपत्र दे दिया।

1231. संघीय मंत्रिपरिषद में सबसे लम्बी अवधि तक लगातार एक ही विभाग का कार्यभार संभाले वाले केन्द्रीय मंत्री कौन है ?
(अ) जगजीवनराम (ब) राजकुमारी अमृत कौर
(स) सरदार स्वर्ण सिंह (द) टी.टी. कृष्णमाचारी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राजकुमारी अमृत कौर आहलुवालिया स्वतंत्र भारत की दस वर्षों तक स्वास्थ्य मंत्री थीं। वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा सामाजिक कार्यकर्ता थीं। वे महात्मा गांधी की अनुयायी तथा 16 वर्षों तक उनकी सचिव रहीं।

1232. निम्नलिखित में से कौनसा एक प्रस्ताव भारत में मंत्रिपरिषद रख सकता है ?
(अ) अविश्वास प्रस्ताव (ब) भर्त्सना प्रस्ताव
(स) स्थगन प्रस्ताव (द) विश्वास प्रस्ताव
उत्तर : (द) UPPCS 2010
व्याख्या– विश्वास मत एक संसदीय प्रक्रिया है। इस प्रस्ताव पर सदन में वोटिंग करायी जाती है, जिसके बाद यह ज्ञात हो जाता है कि कितने सदस्य सरकार के पक्ष में है और कितने सदस्य सरकार के खिलाफ है। विश्वास मत का प्रस्ताव सत्ताधारी सरकार के द्वारा ही लाया जाता है। इसका लाने का उद्देश्य सदन में शक्ति प्रदर्शन करना है।

1233. निम्नलिखित में से कौनसा भारत में प्रशासन पर विधायी नियंत्रण का एक साधन नहीं है ?
(अ) सदन का विघटन (ब) संकल्प
(स) प्रश्न (द) अविश्वास प्रस्ताव
उत्तर : (अ) SSC 2007
व्याख्या– सदन को विघटित किए जाने से वर्तमान सदन का जीवन समाप्त हो जाता है। एक बार सदन को विघटित कर दिए जाने पर वह विघटन अपरिवर्तनीय रहता है और उसके बाद नए सदन का ही गठन किया जा सकता है। संविधान के अधीन केवल लोकसभा को ही विघटित किया जा सकता है और इसके विघटित हो जाने पर इसके समक्ष या इसकी किसी समिति के समक्ष लंबित सभी कार्य व्यपगत हो जाते हैं। विघटित सदन के रिकॉर्ड का कोई भी भाग आगे नहीं ले जाया जा सकता और नए सदन के रिकॉर्ड में या रजिस्टर में समाविष्ट नहीं किया जा सकता।

1234. मंत्रिपरिषद के सदस्यों को गोपनीयता की शपथ कौन दिलाता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) उपराष्ट्रपति
(स) लोकसभा अध्यक्ष
(द) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अनुच्छेद 75 के अनुसार प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है और अन्य मंत्री प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किये जाते हैं। मंत्री, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करते हैं। मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है। मंत्री अपने पद और गोपनीयता की शपथ राष्ट्रपति के समक्ष लेते हैं।

1235. केन्द्रीय सरकार के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. भारत के संविधान में उपबन्ध है कि समस्त कैबिनेट मन्त्री अनिवार्य रूप से केवल लोकसभा के ही आसीन सदस्य होंगे।
2. केन्द्रीय कैबिनेट सचिवालय संसदीय कार्य मन्त्रालय के निदेशाधीन कार्य करता है।
उपरोक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(अ) केवल 1 (ब) केवल 2
(स) 1 और 2 दोनों (द) न तो 1 और न ही 2
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75(3) के अनुसार मंत्रिपरिषद् लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है, लेकिन मंत्रिपरिषद् किसी भी सदन के सदस्य हो सकते हैं। नियुक्त मंत्री को किसी भी सदन के सदस्य न होने पर 6 माह के भीतर किसी भी सदन का सदस्य होना अनिवार्य है, अन्यथा उसे मंत्री पद से त्यागपत्र देना होगा। केन्द्रीय कैबिनेट सचिवालय सीधे प्रधानमंत्री के अधीन होता है। इसका प्रशासनिक प्रमुख कैबिनेट सचिव होता है, जो सिविल सर्विसेज बोर्ड का पदेन अध्यक्ष भी होता है।

1236. मंत्रिपरिषद किस सिद्धांत पर कार्य करती है ?
(अ) निजी उत्तरदायित्व सिद्धांत पर
(ब) सामूहिक उत्तरदायित्व सिद्धांत पर
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

व्याख्या– मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होते हैं, जबकि निजी उत्तरदायित्व सिद्धांत पर भी कार्य करती है।

1237. मंत्रिमंडल सचिवालय भारत सरकार के नियम, 1961 के अन्तर्गत प्रत्यक्ष तौर पर किसके अधीन कार्य करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– मंत्रिमंडल सचिवालय भारत सरकार के नियम, 1961 के अन्तर्गत प्रत्यक्ष तौर पर प्रधानमंत्री के अधीन कार्य करता है। इसका प्रशासनिक प्रमुख कैबिनेट सचिव होता है। कैबिनेट सचिव सिविल सर्विसेज बोर्ड का पदेन अध्यक्ष होता है। मंत्रिमंडल सचिवालय मंत्रिमंडल बैठकों के लिए कार्य सूची तैयार करता है व मंत्रिमंडल समितियों के लिए सचिवालयी सहायता भी प्रदान करता है। यह विभिन्न मंत्रालयों के बीच समन्वय स्थापित करता है। मंत्रालयों को वित्तीय संसाधनों का आवंटन वित्त मंत्रालय के द्वारा किया जाता है न कि मंत्रिमंडल सचिवालय के द्वारा।

1238. कोई व्यक्ति संसद के किसी भी सदन का सदस्य हुए बिना केंद्र में कितनी अवधि तक मंत्री रह सकता है ?
(अ) 3 महीने
(ब) 6 महीने
(स) 1 वर्ष
(द) प्रधानमंत्री के प्रसाद पर्यंत
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– यदि कोई मंत्री संसद सदस्य नहीं है तो 6 माह में सदस्यता ग्रहण करना आवश्यक है।

1239. निम्नलिखित संविधान संशोधनों में से कौनसा एक बताता है कि मन्त्रिमण्डल में कुल मंत्रियों की संख्या, प्रधानमंत्री को सम्मिलित करते हुए लोकसभा के सदस्यों की कुल संख्या के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होगी ?
(अ) 90वाँ (ब) 91वाँ
(स) 92वाँ (द) 93वाँ
उत्तर : (ब) IAS 2009
व्याख्या– 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 75 में धारा (1) के बाद धाराएँ जोड़ी गई जिसके अनुसार मंत्रिपरिषद् में प्रधानमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या सदन के कुल सदस्यों की संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।

1240. यथार्थ में कार्यपालिका की समस्त सत्ता निम्न में से किसमें निहित होती है ?
(अ) मंत्रिपरिषद् (ब) मंत्रिमंडल
(स) प्रधानमंत्री (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– यथार्थ में कार्यपालिका की समस्त सत्ता मंत्रिपरिषद् में निहित होती है।

1241. केन्द्रीय मंत्रिपरिषद् की बैठक की अध्यक्षता कौन करते हैं ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या–भारत के केन्द्रीय मंत्रिपरिषद् की बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं।

1242. कौन व्यक्ति मंत्रिपरिषद् का सदस्य हो सकता है ?
(अ) लोकसभा का सदस्य
(ब) राज्यसभा का सदस्य
(स) संसद का सदस्य
(द) कोई भी व्यक्ति
उत्तर : (स)
व्याख्या–संसद को कोई भी सदस्य मंत्रिपरिषद् का सदस्य हो सकता है।

1243. मंत्रिपरिषद् के सदस्यों को पद की गोपनीयता की शपथ कौन दिलाता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) उपराष्ट्रपति
(स) लोकसभा अध्यक्ष
(द) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मंत्रिपरिषद् के सदस्यों को पद की गोपनीयता की शपथ राष्ट्रपति दिलाता है।

1244. मंत्रिपरिषद् निम्नलिखित में से किसके प्रसादपर्यंत पदासीन रहता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) लोकसभा
(स) राज्यसभा (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (द)
व्याख्या– केंद्रीय मंत्रिपरिाद्, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पदासीन रहती है, अर्थात् राष्ट्रपति, किसी भी मंत्री को बिना वजह हटा सकते हैं, हालांकि, राष्ट्रपति सिर्फ प्रधानमंत्री की सलाह पर ही किसी मंत्री को हटा सकते हैं। संविधान के अनुच्छेद 75 में केंद्रीय मंत्रिपरिषद के गठन का वर्णन है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की नियुक्ति करते हैं। प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति, अन्य मंत्रियों की नियुक्ति करते हैं। मंत्रिपरिषद् का नेतृत्व प्रधानमंत्री करते हैं। मंत्रिपरिषद् लोकसभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती है।

1245. मंत्रिपरिषद से पदत्याग करने के लिए मंत्री किसे अपना पदत्याग सम्बोधित करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मंत्रिपरिषद से पदत्याग करने लिए मंत्री राष्ट्रपति को अपना पदत्याग सम्बोधित करता है।

18.भारतीय संसद

1246. भारत की संघीय व्यवस्थापिका को किस नाम से जाना जाता है ?
(अ) लोकसभा (ब) राज्यसभा
(स) प्रतिनिधि सभा (द) संसद
उत्तर : (द)
व्याख्या– संसद भारत का सर्वोच्च विधायी निकाय है। यह द्विसदनीय व्यवस्था है। भारतीय संसद में राष्ट्रपति तथा दो सदन–लोकसभा एवं राज्य सभा होते हैं। राष्ट्रपति के पास संसद के दोनों में से किसी भी सदन को बुलाने या स्थगित करने अथवा लोकसभा को भंग करने की शक्ति है। राज्य सभा को उच्च सदन एवं लोक सभा को निम्न सदन कहा जाता है।

1247. भारतीय संसद के कितने सदन है ?
(अ) एक (ब) दो
(स) तीन (द) चार
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संसद भारत का सर्वोच्च विधायी निकाय है। यह द्विसदनीय व्यवस्था है। भारतीय संसद में राष्ट्रपति तथा दो सदन–लोकसभा एवं राज्य सभा होत हैं। राष्ट्रपति के पास संसद के दोनों में से किसी भी सदन को बुलाने या स्थगित करने अथवा लोकसभा को भंग करने की शक्ति है। राज्य सभा को उच्च सदन एवं लोक सभा को निम्न सदन कहा जाता है। वर्तमान में लोकसभा के सदस्यों की संख्या 543 है तथा राज्यसभा के सदस्यों की संख्या 245 है।

1248. संसद के किस सदन को 'प्रतिनिधि सभा' भी कहा जाता है ?
(अ) लोकसभा को (ब) राज्यसभा को
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोकसभा, भारतीय संसद का निचला सदन है। भारतीय संसद का ऊपरी सदन राज्य सभा है। लोक सभा सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर लोगों द्वारा प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों से गठित होती है। भारतीय संविधान के अनुसार लोक सभा में सदस्यों की अधिकतम संख्या 552 तक हो सकती है, जिसमें से 530 सदस्य विभिन्न राज्यों का और 20 सदस्य तक केन्द्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं।

1249. संसद का स्थायी सदन है–
(अ) लोकसभा (ब) राज्यसभा
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य सभा, भारतीय लोकतंत्र की ऊपरी प्रतिनिधि सभा है। लोकसभा निचली प्रतिनिधि सभा है। राज्यसभा में 245 सदस्य होते हैं, जिनमें 12 सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होते हैं। इन्हें नामित सदस्य कहा जाता है जबकि अन्य सदस्यों का चुनाव होता है। राज्यसभा में सदस्य 6 वर्ष के लिए चुने जाते हैं, जिनमें एक–तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं।

1250. संसद का लोकप्रिय सदन है–
(अ) लोकसभा (ब) राज्यसभा
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोकसभा, भारतीय संसद का निचला सदन है। लोकसभा की कार्य अवधि 5 वर्ष है, परन्तु इसे समय से पूर्व भंग किया जा सकता है। लोक सभा सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर लोगों द्वारा प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों से गठित होती है।

1251. भारतीय संसद बनती है–
(अ) केवल लोकसभा द्वारा
(ब) राज्यसभा एवं लोकसभा के द्वारा
(स) लोकसभा एवं राष्ट्रपति के द्वारा
(द) लोकसभा, राज्यसभा एवं राष्ट्रपति के द्वारा
उत्तर : (द) SSC 2011
व्याख्या– भारतीय संसद भारत का सर्वोच्च विधायी निकाय है। यह द्विसदनीय व्यवस्था है। भारतीय संसद में राष्ट्रपति तथा दो सदन–लोकसभा एवं राज्य सभा होते हैं।

1252. निम्नलिखित में से कौनसा एक प्रावधान भारतीय संविधान के अंतर्गत संसद के सदस्यों के विशेषाधिकारों तथा उन्मुक्तियों को निर्धारित करता है ?
(अ) अनुच्छेद 104 (ब) अनुच्छेद 105
(स) अनुच्छेद 82 (द) अनुच्छेद 117
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 105 के अंतर्गत संसद के सदस्यों को दो विशेषाधिकार बताये गये हैं–(1) संसद में भाषण देने की स्वतंत्रता (2) सदन की कार्यवाही के प्रकाशन का अधिकार, संसदीय विशेषाधिकार। इनमें संसदीय विशेषाधिकार, कुछ विशेष अधिकार और रियायतें हैं जो कि संसद के दोनों सदनों के सदस्यों और संसद की समितियों में भाग लेने वाले लोगों को मिलती है।

1253. निम्नलिखित में से कौन संसद का अनन्य भाग नहीं है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) लोकसभा (द) राज्यसभा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संसद भारत का सर्वोच्च विधायी निकाय है। यह द्विसदनीय व्यवस्था है। भारतीय संसद में राष्ट्रपति तथा दो सदन–लोकसभा एवं राज्य सभा होते हैं। भारत में राष्ट्रपति के बाद उपराष्ट्रपति का पद कार्यकारिणी में दूसरा सबसे

बड़ा पद होता है। भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा के अध्यक्ष के तौर पर विधायी कार्यों में भी हिस्सा लेता है। उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है और अन्य कोई लाभ का पद धारण नहीं करता।

1254. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में कहा गया है कि ''संघ के लिए एक संसद होगी, जो राष्ट्रपति और दो सदनों से मिलकर बनेगी''?
(अ) अनुच्छेद 74 (ब) अनुच्छेद 79
(स) अनुच्छेद 80 (द) अनुच्छेद 85
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 79 के अंतर्गत संघ के लिए एक संसद होगी जो राष्ट्रपति और दो सदनों से मिलकर बनेगी, जिनके नाम राज्य सभा और लोक सभा होंगे।

1255. संसद का निम्न सदन है–
(अ) राज्यसभा (ब) लोकसभा
(स) विधानसभा (द) विधान परिषद
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संसद भारत का सर्वोच्च विधायी निकाय है। यह द्विसदनीय व्यवस्था है। भारतीय संसद में राष्ट्रपति तथा दो सदन क्रमशः लोकसभा (लोगों का सदन) एवं राज्यसभा (राज्यों की परिषद) होते हैं। राज्यसभा को उच्च सदन एवं लोकसभा को निम्न सदन कहा जाता है।

1256. भारतीय संसद के कितने अंग है ?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 4 (द) 1
उत्तर : (ब) RRB 2003
व्याख्या– संसद भारत का सर्वोच्च विधायी निकाय है। यह द्विसदनीय व्यवस्था है। भारतीय संसद में राष्ट्रपति तथा दो सदन–लोकसभा एवं राज्य सभा होते हैं। राष्ट्रपति के पास संसद के दोनों में से किसी भी सदन को बुलाने या स्थगित करने अथवा लोकसभा को भंग करने की शक्ति है। राज्य सभा को उच्च सदन एवं लोक सभा को निम्न सदन कहा जाता है।

1257. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा असत्य है ?
(अ) लोकसभा को संसद का प्रथम सदन कहा जाता है
(ब) राज्यसभा को संसद का द्वितीय सदन कहा जाता है
(स) राज्यसभा एक अस्थायी सदन है
(द) लोकसभा संसद का लोकप्रिय सदन है
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्यसभा संसद का स्थायी सदन है। ये कभी भंग नहीं होता। राज्यसभा में 245 सदस्य होते हैं, जिनमें 12 सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत होते हैं। इन्हें नामित सदस्य कहा जाता है, जबकि अन्य सदस्यों का चुनाव होता है। राज्यसभा में सदस्य 6 वर्ष के लिए चुने जाते हैं, जिनमें एक–तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं।

1258. संसद का उच्च सदन है–
(अ) राज्यसभा (ब) लोकसभा
(स) विधानसभा (द) विधान परिषद
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संसद भारत का सर्वोच्च विधायी निकाय है। यह द्विसदनीय व्यवस्था है। भारतीय संसद में राष्ट्रपति तथा दो सदन क्रमशः लोकसभा (लोगों का सदन) एवं राज्यसभा (राज्यों की परिषद) होते हैं। राज्यसभा को उच्च सदन एवं लोकसभा को निम्न सदन कहा जाता है।

1259. संसद को भंग करने के लिए कौन सक्षम है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) राज्यपाल
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संसद में राष्ट्रपति तथा दो सदन लोकसभा एवं राज्यसभा होते हैं। राष्ट्रपति के पास संसद के दोनों में से किसी भी सदन को बुलाने या स्थगित करने अथवा लोकसभा को भंग करने की शक्ति है।

1260. भारतीय संसद की सम्प्रभुता प्रतिबंधित है–
(अ) भारत के राष्ट्रपति की शक्तियों से
(ब) न्यायिक समीक्षा से
(स) विपक्षी दल के नेताओं से
(द) भारत के प्रधानमंत्री की शक्तियों से
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संसद की सम्प्रभुता न्यायिक समीक्षा से प्रतिबंधित है। इंग्लैंड जहाँ पर संसदीय सर्वोच्चता का सिद्धांत लागू है, के विपरीत भारत में संसदीय शासन व्यवस्था लागू करते हुए भी संसदीय प्रभुता को स्वीकार नहीं किया गया। भारत में न्यायिक सर्वोच्चता के सिद्धांत को संविधान निर्माताओं द्वारा लागू किया गया है। अमरीकी संघ की भांति भारत के सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों को संविधान के अनुच्छेद 13,32,137 तथा 226 के तहत संसद तथा राज्य विधानमंडलों द्वारा बनाये गये कानूनों की संवैधानिक वैधता की न्यायिक समीक्षा करने का अधिकार प्राप्त है। न्यायिक पुनर्विलोकन की इसी शक्ति से संसद की सम्प्रभुता प्रतिबंधित तथा सीमिति होती है।

1261. संसद के कितने सत्र होते हैं ?
(अ) बजट सत्र (ब) मानूसन सत्र
(स) शीतकालीन सत्र (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संसद के तीन सत्र होते हैं– (1) बजट सत्र (फरवरी से मई), (2) मानसून सत्र (जुलाई से सितम्बर) व (3) शीतकालीन सत्र अधिवेशन (नवंबर से दिसंबर)।

1262. भारतीय संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक किस संबंध में होती है ?
(अ) संविधान संशोधन विधेयक
(ब) वित्त विधेयक
(स) साधारण विधेयक
(द) भारत के उपराष्ट्रपति का निर्वाचन
उत्तर : (स)
व्याख्या– कोई विधेयक धन विधेयक कहलाता है, यदि उसमें करों के अधिरोपण, उन्मूलन, छूट, परिवर्तन या विनियमन से संबंधित प्रावधान होते हैं। एक साधारण विधेयक संसद के दोनों सदनों में से किसी में भी पेश किया जा सकता है, जबकि धन विधेयक केवल लोकसभा में ही पेश किया जा सकता है।

1263. संसद के दो क्रमिक अधिवेशनों के बीच अधिकतम कितने समयांतराल की अनुमति है ?
(अ) 1 माह (ब) 3 माह
(स) 6 माह (द) 4 माह
उत्तर : (स) SSC 2004, RRB 2002
व्याख्या– संसद के दो सत्रों या अधिवेशनों के मध्य अधिकतम 6 माह का समय अंतराल होता है।

1264. संसद के संयुक्त बैठक को कौन सम्बोधित करता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) स्पीकर
(स) डिप्टी स्पीकर (द) राष्ट्रपति
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत का राष्ट्रपति अनुच्छेद 123 के तहत विशेष परिस्थितियों में अध्यादेश जारी कर सकता है, किन्तु वह दोनों सदनों में चर्चा में भाग नहीं लेता है, बल्कि यह प्रत्येक वर्ष दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को सम्बोधित करता है। संविधान के अनुच्छेद 79 के अंतर्गत राष्ट्रपति संसद का एक संघटक भाग होता है।

1265. साधारण विधेयक से संबंधित गतिरोध को दूर करने के लिए संसद के दोनों सदनों की बैठक कौन बुलाता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) मंत्रिपरिषद
(स) लोकसभाध्यक्ष
(द) राज्यसभा का सभापति
उत्तर : (अ) SSC 1999
व्याख्या–संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) की संयुक्त बैठक की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत किसी विधेयक पर गतिरोध उत्पन्न होने की स्थिति में राष्ट्रपति द्वारा संयुक्त बैठक बुलाई जा सकती है। दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष द्वारा की जाती है तथा उसकी अनुपस्थिति में लोकसभा उपाध्यक्ष द्वारा संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की जाती है। लोकसभा उपाध्यक्ष के भी अनुपस्थित होने पर संयुक्त सत्र की अध्यक्षता राज्यसभा के उपसभापति द्वारा की जाती है तथा इनके अनुपस्थित रहने पर उपस्थित सदस्यों के मध्य निर्णय लिया जाकर कोई एक सदस्य बैठक की अध्यक्षता करेगा।

1266. संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (द)
व्याख्या– दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष द्वारा की जाती है तथा उसकी अनुपस्थिति में लोकसभा उपाध्यक्ष द्वारा संयुक्त बैठक अध्यक्षता की जाती है। लोकसभा उपाध्यक्ष के भी अनुपस्थित होने पर संयुक्त सत्र की अध्यक्षता राज्यसभा के उपसभापति द्वारा की जाती है। उपसभापति के भी अनुपस्थित होने पर उपस्थित सदस्यों के मध्य निर्णय लिया जाता है कि बैठक की अध्यक्षता कौन करेगा।

1267. लोकसभा व राज्यसभा की संयुक्त बैठक कब होती है ?
(अ) राष्ट्रपति जब बुलाना चाहे
(ब) लोकसभा एवं राज्यसभा में मतभेद होने पर
(स) संसद का सत्र शुरू होने पर
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 108 के अंतर्गत संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) की संयुक्त बैठक की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत किसी विधेयक पर गतिरोध उत्पन्न होने की स्थिति से राष्ट्रपति द्वारा संयुक्त बैठक बुलाई जा सकती है।

1268. भारत में संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठकें किसलिए आयोजित की जाती है ?
(अ) भारत के राष्ट्रपति को निर्वाचित करने के लिए
(ब) भारत के उपराष्ट्रपति को निर्वाचित करने के लिए
(स) संविधान संशोधन विधेयक को अंगीकार करने के लिए
(द) उस विधेयक पर विचार करने और उसे पारित करने के लिए जिस पर दोनों में मतभेद हो
उत्तर : (द)
व्याख्या– धन विधेयक को छोड़कर किसी विधेयक या बिल को संसद के किसी भी सदन में रखा जाता है तो वह उस बिल को संसद के दोनों सदन (राज्यसभा और लोकसभा) द्वारा तथा उपस्थित हुए मतदान करने वाले सदस्यों के सामान्य बहुमत से उस बिल को पारित होना आवश्यक है। यदि एक बिल जो संसद के एक सदन से पारित हो गया, परंतु दूसरे सदन से

पारित नहीं हुआ या 6 महीने तक रुका रहा तो इस स्थिति में डेड लॉक (तनाव) की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इस डेडलॉक को खत्म करने के लिए राष्ट्रपति संसद के संयुक्त अधिवेशन का प्रावधान करता है। धन विधेयक केवल लोकसभा में ही रखा जा सकता है ना कि राज्यसभा में। कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इसका निर्णय लोकसभा अध्यक्ष करता है।

1269. यदि किसी सामान्य विधेयक पर राज्यसभा और लोकसभा के बीच गतिरोध आता है, तो उसका समाधान कौन करेगा ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) मंत्रिपरिषद
(स) संसद का संयुक्त सत्र
(द) उच्चतम न्यायालय
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– संसद का संयुक्त सत्र लोकसभा और राज्सभा तब बुलाया जाता है, जब कोई विधेयक को दूसरे सदन द्वारा अस्वीकृत कर दिया जाए। यदि सदन विधेयक में किए गए संशोधनों को मानने से असहमत हो, तो दूसरे सदन द्वारा बिना विधेयक के पास किए 6 माह से अधिक का समय हो जाए।

1270. क्या राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति कभी संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता करते हैं ?
(अ) हाँ (ब) नहीं
(स) राष्ट्रपति कहे तो (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष द्वारा की जाती है तथा उसकी अनुपस्थिति में लोकसभा उपाध्यक्ष द्वारा संयुक्त बैठक अध्यक्षता की जाती है। लोकसभा उपाध्यक्ष के भी अनुपस्थित होने पर संयुक्त सत्र की अध्यक्षता राज्यसभा के उपसभापति द्वारा की जाती है। उपसभापति के भी अनुपस्थित होने पर उपस्थित सदस्यों के मध्य निर्णय लिया जाता है कि बैठक की अध्यक्षता कौन करेगा।

1271. संसद के दोनों सदनों के साथ–साथ बैठने पर होता है–
(अ) भारत के उपराष्ट्रपति का चुनाव
(ब) संविधान संशोधन बिल को स्वीकार करना
(स) एक बिल जिस पर दोनों सदन सहमत न हो, उस पर विचार करना और पास करना
(द) भारत के राष्ट्रपति का चुनाव
उत्तर : (स) RRB 2005
व्याख्या– एक बिल जिस पर दोनों सदन सहमत नहीं हो, उस पर विचार करने और स्वीकृत करने हेतु दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) की संयुक्त बैठक राष्ट्रपति द्वारा बुलाई जाती है। दूसरे सदन द्वारा बिना विधेयक को पास किए 6 माह से अधिक का समय हो जाए तब भी संयुक्त बैठक बुलाई जा सकती है।

1272. संविधान संशोधन प्रस्ताव के संबंध में दोनों सदनों में मतभेद होने की स्थिति में–
(अ) लोकसभा की इच्छानुसार पारित होता है
(ब) राज्यसभा की इच्छानुसार पारित होता है
(स) संयुक्त अधिवेशन में फैसला होगा
(द) प्रस्ताव गिर जाएगा
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान संशोधन प्रस्ताव या विधेयक पुनःस्थापित करने के लिए राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति आवश्यक नहीं है। संविधान संशोधन विधेयक संसद के एक सदन में पारित होने के बाद वही विधेयक दूसरे सदन में उसी रूप में पारित होना चाहिए। दोनों सदनों में मतभेद और गतिरोध होने पर संविधान संशोधन विधेयक के लिए संयुक्त बैठक का प्रावधान नहीं है। उस स्थिति में प्रस्ताव गिर जाएगा।

1273. संसद के संयुक्त अधिवेशन में विधेयक पारित होता है–
(अ) दोनों सदनों के कुल सदस्यों के सामान्य बहुमत द्वारा
(ब) दोनों सदनों के कुल सदस्यों के दो–तिहाई बहुमत द्वारा
(स) दोनों सदनों के कुल उपस्थित तथा मतदाता सदस्यों के सामान्य बहुमत द्वारा
(द) दोनों सदनों के कुल उपस्थित तथा मतदाता सदस्यों के दो–तिहाई बहुमत द्वारा
उत्तर : (स)
व्याख्या– जब किसी बिल (मनी बिल या धन विधेयक को छोड़कर, क्योंकि मनी बिल को केवल लोकसभा में ही रखा जा सकता है ना कि राज्यसभा में) को संसद के किसी भी सदन में रखा जाता है तो वह उस बिल को संसद के दोनों सदन (राज्यसभा और लोकसभा) द्वारा तथा उपस्थित हुए मतदान करने वाले सदस्यों के सामान्य बहुमत से उस बिल को पारित होना आवश्यक है। यदि एक बिल जो संसद के एक सदन से पारित हो गया परंतु दूसरे सदन से पारित नहीं हुआ या 6 महीने तक रुका रहा तो इस स्थिति में डेड लॉक (तनाव) की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इस डेडलॉक को खत्म करने के लिए राष्ट्रपति संसद के संयुक्त अधिवेशन का प्रावधान करता है।

1274. संसद की कार्यवाही सूची में प्रथम विषय होता है–
(अ) शून्य काल (ब) प्रश्न काल
(स) ध्यानाकर्षण प्रस्ताव (द) स्थगन प्रस्ताव
उत्तर : (ब)

व्याख्या– लोकसभा में कार्यवाही का पहला घंटा (11 से 12 बजे) प्रश्नकाल कहलाता है। प्रश्नकाल में सांसद विभिन्न सूचीबद्ध मुद्दों पर प्रश्न करते हैं। राज्यसभा में प्रश्नकाल 12 बजे से प्रारम्भ होता है।

1275. कौनसी प्रथा संसदीय प्रणाली को भारत की देन है ?
(अ) शून्य काल (ब) कटौती प्रस्ताव
(स) स्थगन प्रस्ताव (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ) IAS 1992
व्याख्या– लोकसभा में कार्यवाही का पहला घंटा (11 से 12 बजे) प्रश्नकाल कहलाता है। प्रश्नकाल में सांसद विभिन्न सूचीबद्ध मुद्दों पर प्रश्न करते हैं। राज्यसभा में कार्यवाही के पहले घंटो को शून्यकाल (जीरो ऑवर) कहते हैं। शून्यकाल में सांसद बगैर तय कार्यक्रम के ममहत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार व्यक्त करते हैं। शून्यकाल की शुरूआत 12 बजे से प्रारम्भ होती है।

1276. एक वर्ष में कम–से–कम कितनी बार संसद की बैठक होना आवश्यक है ?
(अ) एक बार (ब) दो बार
(स) तीन बार (द) चार बार
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सामान्यतः प्रतिवर्ष संसद के तीन सत्र या अधिवेशन होते हैं। बजट अधिवेशन (फरवरी से मई), मानसून अधिवेशन (जुलाई से अगस्त) और शीतकालीन अधिवेशन (नवम्बर से दिसम्बर)। राज्यसभा के मामले में बजट के अधिवेशन को दो अधिवेशनों में विभाजित कर दिया जाता है। इन दो अधिवेशनों के बीच तीन से चार सप्ताह का अवकाश होता है। इस प्रकार राज्यसभा के एक वर्ष में चार अधिवेशन होते हैं।

1277. साधारण विधेयक से संबंधित गतिरोध को दूर करने के लिए संसद के दोनों सदनों की बैठक कौन बुलाता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) मंत्रिपरिषद
(स) लोकसभाध्यक्ष (द) उपराष्ट्रपति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– साधारण विधेयक से संबंधित गतिरोध को दूर करने के लिए संसद के दोनों सदनों की बैठक राष्ट्रपति बुलाता है और इसकी अध्यक्षता लोकसभा का अध्यक्ष करता है।

1278. संसद के किसी सदस्य की सदस्यता तब समाप्त समझी जाती है। यदि वह बिना सदन को सूचित किये अनुपस्थित रहता है–
(अ) 60 दिन (ब) 90 दिन
(स) 120 दिन (द) 150 दिन
उत्तर : (अ) IAS 1990
व्याख्या– संसद के किसी सदस्य की सदस्यता तब समाप्त समझी जाती है, यदि वह बिना सदन को सूचित किये 60 दिनों तक अनुपस्थित रहता है।

1279. सांसदों के वेतन का निर्णय कौन करता है ?
(अ) संसद (ब) केन्द्रीय मंत्रिपरिषद
(स) राष्ट्रपति (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (अ) SSC 1999
व्याख्या– सांसदों के वेतन का निर्णय संसद करती है।

1280. भारतीय संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक किस संबंध में होती है ?
(अ) संविधान संशोधन विधेयक
(ब) वित्त विधेयक
(स) साधारण विधेयक
(द) भारत के उपराष्ट्रपति का निर्वाचन
उत्तर : (स)
व्याख्या– जब किसी बिल (मनी बिल या धन विधेयक को छोड़कर क्योंकि मनी बिल को केवल लोकसभा में ही रखा जा सकता है) को संसद के किसी भी सदन में रखा जाता है तो वह उस बिल को संसद के दोनों सदन (राज्यसभा और लोकसभा) द्वारा तथा उपस्थित हुए मतदान करने वाले सदस्यों के सामान्य बहुमत से उस बिल को पारित होना आवश्यक है। यदि एक बिल जो संसद के एक सदन से पारित हो गया परंतु दूसरे सदन से पारित नहीं हुआ या 6 महीने तक रुका रहा तो इस स्थिति में डेड लॉक (तनाव) की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। इस डेडलॉक को खत्म करने के लिए राष्ट्रपति संसद के संयुक्त अधिवेशन का प्रावधान करता है।

1281. निम्न विधेयकों में से किसका भारतीय संसद के दोनों सदनों द्वारा अलग–अलग विशेष बहुमत से पारित होना आवश्यक है ?
(अ) साधारण विधेयक
(ब) धन विधेयक
(स) वित्त विधेयक
(द) संविधान संशोधन विधेयक
उत्तर : (द) IAS 2003
व्याख्या– संविधान संशोधन प्रस्ताव या विधेयक पुनःस्थापित करने के लिए राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति आवश्यक नहीं है। संविधान संशोधन विधेयक संसद के एक सदन में पारित होने के बाद वही विधेयक दूसरे सदन में उसी रूप में पारित होना चाहिए। दोनों सदनों में मतभेद और गतिरोध होने पर संविधान संशोधन विधेयक के लिए संयुक्त बैठक का प्रावधान नहीं है। उस स्थिति में प्रस्ताव गिर जाएगा।

1282. संसद के कुल सदस्यों का कितना भाग वैधानिक चैम्बर की मीटिंग बुलाने के लिए आवश्यक गणपूर्ति (कोरम) है ?
(अ) 1/10 भाग (ब) 1/6 भाग
(स) 1/4 भाग (द) 1/3 भाग
उत्तर : (अ) RRB 2003

व्याख्या– सदन की किसी बैठक के लिए कोरम अथवा गणपूर्ति, अध्यक्ष या अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे व्यक्ति सहित कुल सदस्य संख्या के 1/10 भाग की उपस्थिति होना अनिवार्य है। वर्तमान स्थिति में 55 सदस्य होना आवश्यक है। प्रत्येक दिन बैठक के आरंभ में अध्यक्ष के पीठासीन होने के पहले यह सुनिश्चित किया जाता है कि सदन में गणपूर्ति हो। यदि 11 बजे यह देखा कि गणपूर्ति नहीं है तो गणपूर्ति की घंटी बजाई जाती है और अध्यक्ष तभी पीठासीन होता है, जबकि गणपूर्ति हो गई हो।

1283. संसदीय प्रणाली वाली सरकार को अन्य किस नाम से जाना जाता है ?
(अ) अनुक्रियाशील सरकार
(ब) उत्तरदायी सरकार
(स) संघीय सरकार
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स) SSC 1999
व्याख्या– संसदीय प्रणाली वाली सरकार को संघीय सरकार के नाम से जाना जाता है।

1284. अस्थायी संसद भारत में कब तक अस्तित्व में रही ?
(अ) 25 जनवरी, 1950 (ब) 31 दिसम्बर, 1950
(स) 18 सितम्बर, 1951 (द) 17 अप्रैल, 1952
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय लोकतंत्र में संसद जनता की सर्वोच्च प्रतिनिधि संस्था है। नई दिल्ली स्थित संसद का संचालन 'संसद भवन' में होता है। वर्तमान संसद भवन का उद्घाटन 1927 में लॉर्ड इरविन ने किया था। 17 अप्रैल, 1952 तक देश में अस्थायी संसद रही। लोकतांत्रिक भारत में पहली बार लोकतांत्रिक तरीके से संसद का गठन 1952 में हुआ। लोकसभा, राज्यसभा और राष्ट्रपति को मिलाकर भारतीय संसद का गठन होता है। लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए कम से कम 25 वर्ष की आयु होना जरूरी है, जबकि राज्यसभा में यह आयु सीमा 30 वर्ष है।

1285. संसद के दोनों सदनों का सत्रावसान कौन करता है ?
(अ) संसदीय मामलों के मंत्री
(ब) राष्ट्रपति
(स) उपराष्ट्रपति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति समय–समय पर दोनों सदनों का या किसी एक सदन का सत्रासवान कर सकता है या लोकसभा को भंग कर सकता है। अध्यक्ष को सदन को अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने की शक्ति प्राप्त है। सदन को एक बार अनिश्चित काल के लिए स्थगित करने के बाद उसे फिर से बुलाने की शक्ति भी अध्यक्ष को प्राप्त है, परंतु सत्रावसान हो जाने पर केवल राष्ट्रपति ही सदनों की बैठक आमंत्रित कर सकता है।

1286. भारत की पार्लियामेंट (संसद) का उद्घाटन कब हुआ था ?
(अ) 1917 में (ब) 1927 में
(स) 1937 में (द) 1947 में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय लोकतंत्र में संसद जनता की सर्वोच्च प्रतिनिधि संस्था है। नई दिल्ली स्थित संसद का संचालन 'संसद भवन' में होता है। वर्तमान संसद भवन का उद्घाटन 1927 में लॉर्ड इरविन ने किया था।

1287. संसद के किन सदस्यों को गैर सरकारी सदस्य कहा जाता है ?
(अ) विरोधी दल के सांसद को
(ब) मंत्री के अलावा अन्य प्रत्येक सांसद को
(स) कैबिनेट मंत्री के अलावा अन्य सभी सांसद को
(द) निर्दलीय सांसद को
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संसद के ऐसे प्रत्येक सदस्य को जो मंत्री नहीं है, गैर सरकारी सदस्य कहा जाता है। सामान्यतः लोक सभा में प्रत्येक शुक्रवार के अंतिम ढाई घंटे गैर–सरकारी सदस्यों के कार्य को निपटाने के लिए नियत किये जाते हैं। यदि शुक्रवार को सभा की बैठक न हो तो अध्यक्ष के निर्देश से गैर–सरकारी सदस्यों के कार्य हेतु सप्ताह के किसी अन्य दिन में ढाई घंटे का समय नियत किया जा सकता है।

1288. किसी संसद सदस्य की अयोग्यता के संदर्भ में निर्णय कौन करता है ?
(अ) अध्यक्ष (ब) अध्यक्ष या सभापति
(स) राष्ट्रपति (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– संसद में किसी सदस्य की अयोग्यता का निर्णय राष्ट्रपति चुनाव आयोग की सलाह पर लेता है।

1289. संसद की शक्ति द्वारा संविधान संशोधन प्रक्रिया संबंधी अनुच्छेद है–
(अ) अनुच्छेद 256 (ब) अनुच्छेद 298
(स) अनुच्छेद 323 (द) अनुच्छेद 368
उत्तर : (द) RPSC IIgr. Teacher 2011
व्याख्या– संसद को संविधान संशोधन का अधिकार अनुच्छेद 368 के अंतर्गत दिया गया है।

1290. निम्नलिखित कथनों में कौन सही है ?
(अ) लोकसभा भारतीय जनता की प्रतिनिधि सभा है
(ब) राज्यसभा संसद का उच्च सदन है
(स) राज्यसभा राज्यों का प्रतिनिधित्व करता है
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)

व्याख्या– लोक सभा भारतीय जनता की प्रतिनिधि सभा है। लोक सभा निम्न सदन है, जबकि राज्य सभा उच्च सदन है। राज्य सभा राज्यों का प्रतिनिधित्व करता है।

1291. संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) लोकसभा अध्यक्ष (द) संसदीय कार्यमंत्री
उत्तर : (स) RPSC IIgr. Teacher 2011
व्याख्या– संसद के दोनों सदनों (लोकसभा और राज्यसभा) की संयुक्त बैठक की व्यवस्था की गई है। इसके अंतर्गत किसी विधेयक पर गतिरोध उत्पन्न होने की स्थिति में राष्ट्रपति द्वारा संयुक्त बैठक बुलाई जा सकती है। दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष द्वारा की जाती है तथा उसकी अनुपस्थिति में लोकसभा उपाध्यक्ष द्वारा संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की जाती है। लोकसभा उपाध्यक्ष के भी अनुपस्थित होने पर संयुक्त सत्र की अध्यक्षता राज्यसभा के उपसभापति द्वारा की जाती है तथा इनके अनुपस्थित रहने पर उपस्थित सदस्यों के मध्य निर्णय लिया जाकर कोई एक सदस्य बैठक की अध्यक्षता करेगा।

1292. भारत की संचित निधि से 'धन निर्गम' पर किसका नियंत्रण है ?
(अ) महानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(ब) भारत के वित्त मंत्री
(स) अधिकृत मंत्री
(द) संसद
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत की संचित निधि से 'धन निर्गम' पर संसद का नियंत्रण रहता है। संसद को आकस्मिक निधि को भी स्थापित करने का अधिकार है। संसद को संघ के वित्त पर पूर्ण नियंत्रण होता है। प्राक्कलन समिति तथा लोक लेखा समिति का गठन संसद द्वारा किया जाता है तथा भारत की संचित निधि पर संसद का पूर्ण अधिकार होता है।

1293. संसद के किसी सदन की सदस्यता में कोई रिक्ति होने पर भी उस सदन की कार्य करने की शक्ति होगी और यदि यह पता चलता है कि कोई व्यक्ति, जो ऐसा करने का हकदार नहीं था, कार्यवाहियों में उपस्थित रहा है या उसने मत दिया है या अन्यथा भाग लिया है तो भी संसद की कार्यवाही विधिमान्य होगी। इस प्रावधान का उल्लेख किस अनुच्छेद में है ?
(अ) अनुच्छेद–100(1) (ब) अनुच्छेद–100(2)
(स) अनुच्छेद–107(5) (द) अनुच्छेद–117
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–100(2) के अनुसार संसद के किसी सदन की सदस्यता में कोई रिक्ति होने पर भी उस सदन की कार्य करने की शक्ति होगी और यदि यह पता चलता है कि कोई व्यक्ति, जो ऐसा करने का हकदार नहीं था, कार्यवाहियों में उपस्थित रहा है या उसने मत दिया है या अन्यथा भाग लिया है तो भी संसद की कार्यवाही विधिमान्य होगी।

1294. भारत की संसद किनसे मिलकर बनती है ?
(अ) राष्ट्रपति, राज्यसभा और लोकसभा
(ब) प्रधानमंत्री, राज्यसभा और लोकसभा
(स) राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और राज्यसभा
(द) राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद–79 के अनुसार भारत की संसद राष्ट्रपति, राज्यसभा तथा लोकसभा से मिलकर बनती है।

1295. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार भारत की संसद राष्ट्रपति, राज्यसभा एवं लोकसभा से मिलकर बनती है ?
(अ) अनुच्छेद–79 (ब) अनुच्छेद–70
(स) अनुच्छेद–81 (द) अनुच्छेद–90
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद–79 के अनुसार भारत की संसद राष्ट्रपति, राज्यसभा तथा लोकसभा से मिलकर बनती है।

1296. संसद में स्थगन प्रस्ताव संसद का कोई भी सदस्य रख सकता है, लेकिन इसके लिए किसकी अनुमति आवश्यक है ?
(अ) प्रधानमंत्री की (ब) राष्ट्रपति की
(स) अध्यक्ष की (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– संसद में स्थगन प्रस्ताव संसद का कोई भी सदस्य रख सकता है, लेकिन इसके लिए अध्यक्ष की अनुमति आवश्यक है, बिना अध्यक्ष के अनुमति के स्थगन प्रस्ताव नहीं रखा जा सकता है। संसद में स्थगन प्रस्ताव लाने का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक महत्व के निश्चित अत्यावश्यक मुद्दे पर बहस करना होता है। सामान्यतः स्थगन प्रस्ताव को सायं 4.00 बजे ही लाया जाता है।

1297. किसी धन विधेयक को राज्यसभा कितने दिन रोक सकती है ?
(अ) 14 दिन (ब) 10 दिन
(स) 15 दिन (द) 1 महीना
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–109(1) के अनुसार धन विधेयक राज्यसभा में पुनः स्थापित नहीं किया जाएगा। धन विधेयक के संबंध में राज्यसभा को केवल सिफारिशें करने का अधिकार है, जिसे मानने के लिए लोकसभा बाध्य नहीं है। इसके लिए राज्यसभा को 14 दिन का समय मिलता है। यदि इस समय में विधेयक वापस नहीं होता तो पारित समझा जाता है। राज्यसभा धन विधेयक को न

अस्वीकार कर सकती है और न ही उसमें कोई संशोधन कर सकती है।

1298. सभापति या अध्यक्ष, या उस रूप में कार्य करने वाला व्यक्ति प्रथमतः मत नहीं देगा, किन्तु मत बराबर होने की दशा में उसका निर्णायक मत होगा और वह उसके प्रयोग करेगा। यह प्रावधान किस अनुच्छेद में है ?
(अ) अनुच्छेद–100(1) (ब) अनुच्छेद–100(2)
(स) अनुच्छेद–107(5) (द) अनुच्छेद–117
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–100(1) के अनुसार सभापति या अध्यक्ष, या उस रूप में कार्य करने वाला व्यक्ति प्रथमतः मत नहीं देगा, किन्तु मत बराबर होने की दशा में उसका निर्णायक मत होगा और वह उसके प्रयोग करेगा।

1299. किसी संसद सदस्य की योग्यता अथवा अयोग्यता से संबंधित प्रश्न का अंतिम विनिश्चय चुनाव आयोग की सलाह से करता है–
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभा अध्यक्ष (द) उच्चतम न्यायालय
उत्तर : (अ)
व्याख्या– किसी संसद सदस्य की योग्यता अथवा अयोग्यता से संबंधित प्रश्न का अंतिम विनिश्चय चुनाव आयोग की सलाह से राष्ट्रपति करता है। एक समय में एक व्यक्ति केवल एक ही सदन का सदस्य रह सकता है।

1300. यदि कोई सदस्य सदन की अनुमति के बिना 60 दिनों की अवधि से अधिक समय के लिए सदन के सभी अधिवेशनों से अनुपस्थित रहता है, तो सदन उसकी सदस्यता समाप्त कर सकता है। यह प्रावधान किस अनुच्छेद में उल्लिखित है ?
(अ) अनुच्छेद–100(2) (ब) अनुच्छेद–101(4)
(स) अनुच्छेद–100(1) (द) अनुच्छेद–93
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–101(4) के अनुसार यदि कोई सदस्य सदन की अनुमति के बिना 60 दिनों की अवधि से अधिक समय के लिए सदन के सभी अधिवेशनों से अनुपस्थित रहता है, तो सदन उसकी सदस्यता समाप्त कर सकता है।

1301. संसद सदस्यों को संसद की बैठक के पूर्व या बाद के 40 दिन की अवधि के दौरान गिरफ्तारी से मुक्ति प्रदान की गई है। यह मुक्ति किस मामले में नहीं है ?
(अ) सिविल (ब) आपराधिक
(स) साइबर (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संसद सदस्यों को संसद की बैठक के पूर्व या बाद के 40 दिन की अवधि के दौरान गिरफ्तारी से मुक्ति प्रदान की गई है। गिरफ्तारी से यह मुक्ति केवल सिविल मामलों में है। आपराधिक मामले अर्थात् निवारक निरोध की विधि के अधीन गिरफ्तारी से छूट नहीं है।

1302. भूतपूर्व संसद सदस्यों के लिए पेंशन व्यवस्था किस वर्ष में लागू की गयी है ?
(अ) 1980 (ब) 1976
(स) 1979 (द) 1975
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भूतपूर्व संसद सदस्यों के पेंशन व्यवस्था वर्ष 1976 में लागू की गयी है।

1303. यदि कोई संसद सदस्य अपने पद से संबंधित शपथ लिये बिना संसद की कार्यवाही में भाग लेता है और मतदान करता है तो–
(अ) संसद की कार्यवाही पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
(ब) जितने दिन वह मतदान करने है या कार्यवाही में भाग लेता है तो प्रतिदिन 500 रुपए के हिसाब से दण्डस्वरूप देने होंगे।
(स) (अ) और (ब) दोनों सही है
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– यदि कोई संसद सदस्य अपने पद से संबंधित शपथ लिये बिना संसद की कार्यवाही में भाग लेता है और मतदान करता है तो उसके द्वारा मतदान करने से संसद की कार्यवाही पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा तथा जितने दिन वह मतदान करता है या कार्यवाही में भाग लेता है तो प्रतिदिन के हिसाब से उसे 500 रुपये दण्डस्वरूप देने होंगे।

1304. संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत संसद में कार्य हिन्दी में या अंग्रेजी में किये जाने का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद–348 (ब) अनुच्छेद–120(1)
(स) अनुच्छेद–101(4) (द) अनुच्छेद–100(2)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संसद में कार्य हिन्दी में या अंग्रेजी में अनुच्छेद–348 के अधीन रहते हुए किया जाएगा, परन्तु संविधान के अनुच्छेद–120(1) के अनुसार राज्य सभा का सभापति या लोक सभा का अध्यक्ष या उस रूप में कार्य करने वाला व्यक्ति किसी सदस्य को, जो हिन्दी में या अंग्रेजी में अपनी पर्याप्त अभिव्यक्ति नहीं कर सकता है, अपनी मातृभाषा में सदन को संबोधित करने की अनुज्ञा दे सकेगा।

1305. संसद भवन की डिजाइन किसने तैयार किया था ?
(अ) सर एडविन लुटियन्स
(ब) सर हेबर्ट ब्रेकर
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– संसद भवन एक वृत्ताकार भवन है जिसकी डिजाइन आर्किटेक्ट सर एडविन लुटियन्स

एवं सर हेबर्ट ब्रेकर ने 1912–13 में तैयार किया थ। संसद भवन की नींव 1921 में रखी गयी थी। संरचना की बाहरी परिधि 144 ग्रेनाइट पत्थरों के स्तम्भ पर टिकी हुई है।

1306. संसद के द्वारा पारित जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8(3) के तहत यह उल्लेख किया गया है कि यदि किसी जनप्रतिनिधि को 2 वर्ष या उससे अधिक की सजा सुनाई जाती है तो–
(अ) उसकी सदस्यता समाप्त हो जाएगी।
(ब) वह अगले 6 साल तक चुनाव नहीं लड़ सकेगा।
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– न्यायालय द्वारा अपराधी घोषित किए गए व्यक्ति को चुनाव लड़ने के लिए अयोग्य करार देने का निर्णय संसद द्वारा किया गया है। संसद के द्वारा पारित जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 8(3) के तहत यह उल्लेख किया गया है कि यदि किसी जनप्रतिनिधि को 2 वर्ष या उससे अधिक की सजा सुनाई जाती है तो उसकी सदस्यता समाप्त हो जाएगी तथा वह अगले 6 साल तक चुनाव नहीं लड़ सकेगा।

1307. संसद के दोनों सदनों का संयुक्त सत्र राष्ट्रपति बुला सकता है, यह संविधान के किस अनुच्छेद में बताया गया है ?
(अ) अनुच्छेद–108 (ब) अनुच्छेद–220
(स) अनुच्छेद–350 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 108 के अनुसार संसद के दोनों सदनों का संयुक्त सत्र राष्ट्रपति बुला सकता है।

19.राज्य सभा

1308. राज्यसभा की संरचना का प्रावधान किस अनुच्छेद में वर्णित है।
(अ) अनुच्छेद–80 (ब) अनुच्छेद–83(1)
(स) अनुच्छेद–89 (द) अनुच्छेद–90
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–80 में राज्यसभा की संरचना के बारे में उल्लेख है, जिसके अनुसार राज्यसभा के सदस्यों की अधिक–से–अधिक संख्या 250 हो सकती है। वर्तमान समय में यह संख्या 245 है। इनमें 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किये जाते हैं। ये ऐसे व्यक्ति होते हैं जिन्हें कला, साहित्य, विज्ञान, समाजसेवा या सहकारिता के क्षेत्र में विशेष ज्ञान या अनुभव है। शेष 233 सदस्य संघ की इकाइयों का प्रतिधित्व करते हैं।

1309. राज्यसभा के एक–तिहाई सदस्य प्रति दो वर्ष बाद सेवानिवृत्त हो जाते हैं। यह प्रावधान किस अनुच्छेद में उल्लेखित है ?
(अ) अनुच्छेद–83(1) (ब) अनुच्छेद–89
(स) अनुच्छेद–90 (द) अनुच्छेद–312
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 83(1) के अनुसार राज्यसभा के एक–तिहाई सदस्य प्रति दो वर्ष बाद सेवानिवृत्त हो जाते हैं। राज्यसभा एक स्थायी सदन है, जो कभी भंग नहीं होती। इसके सदस्यों का कार्यकाल छः वर्ष का होता है।

1310. भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है। यह प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में उल्लेखित है ?
(अ) अनुच्छेद–89 (ब) अनुच्छेद–80
(स) अनुच्छेद–90 (द) अनुच्छेद–109(1)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–89 में राज्यसभा के सभापति एवं उपसभापति के संबंध में उल्लेख किया गया है। भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा का पदेन सभापति होता है। राज्यसभा यथाशीघ्र, अपने किसी सदस्य को अपना उपसभापति चुनेगी और जब उपसभापति का पद रिक्त होता है, तब राज्यसभा किसी अन्य सदस्य को अपना उपसभापति चुनेगी।

1311. राज्यसभा के उपसभापति का पद रिक्त होना, पदत्याग और उसे पद से हटाया जाना से संबंधित प्रावधान किस अनुच्छेद में उल्लेखित है ?
(अ) अनुच्छेद–89 (ब) अनुच्छेद–90
(स) अनुच्छेद–249 (द) अनुच्छेद–312
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यसभा के उपसभापति का पद रिक्त होना, पदत्याग और उसे पद से हटाया जाना से संबंधित प्रावधान अनुच्छेद–90 में उल्लेखित है। उपसभापति यदि राज्यसभा का सदस्य नहीं रहता

है तो अपना पद रिक्त कर देगा। सभापति को संबोधित त्यागपत्र द्वारा वह अपना पद त्याग सकेगा। राज्यसभा के तत्कालीन समस्त सदस्यों के बहुमत से पारित संकल्प द्वारा अपने पद से हटाया जा सकेगा, परन्तु इस संकल्प को प्रस्तावित करने के आशय की सूचना उसे कम–से–कम 14 दिन पहले देनी होगी। संविधान के अनुच्छेद–92 के अनुसार जब सभापति या उपसभापति को पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन हो, तो वह पीठासीन नहीं होगा।

1312. मंत्रिपरिषद किसके प्रति उत्तरदायी होती है ?
(अ) लोकसभा (ब) राज्यसभा
(स) राष्ट्रपति (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या–मंत्रिपरिषद लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है, राज्यसभा के प्रति नहीं।

1313. यदि राज्य सूची में वर्णित कोई विषय राष्ट्रीय महत्व का है तो संसद उस विषय पर अस्थायी कानून का निर्माण कर सकती है। यह प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में उल्लिखित है ?
(अ) अनुच्छेद–312 (ब) अनुच्छेद–249
(स) अनुच्छेद–109(1) (द) अनुच्छेद–92
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद–249 के अनुसार यदि राज्य सभा उपस्थित तथा मत देने वाले सदस्यों के दो–तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित कर यह घोषित करती है कि राज्य सूची में उल्लिखित कोई विषय राष्ट्रीय महत्व का है तो संसद उस विषय पर अस्थायी कानून का निर्माण कर सकती है। ऐसा प्रस्ताव एक वर्ष से अधिक प्रभावी नहीं रहता है, लेकिन यदि राज्य सभा चाहे तो हर बार इसे एक वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है।

1314. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत केवल राज्य सभा को अखिल भारतीय सेवाओं का सृजन करने का अधिकार है ?
(अ) अनुच्छेद–312 (ब) अनुच्छेद–249
(स) अनुच्छेद–109(1) (द) अनुच्छेद–92
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–312 के अनुसार केवल राज्यसभा को राज्यसभा में उपस्थित तथा मतदान देने वाले सदस्यों के न्यूनतम दो–तिहाई सदस्यों के बहुमत से अखिल भारतीय सेवाओं का सृजन का अधिकार है।

1315. निम्नलिखित में से कौन राज्यसभा का अधिवेशन आहूत करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) लोकसभा अध्यक्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रपति वर्ष में कम–से–कम दो बार राज्यसभा का अधिवेशन आहूत करता है। राज्य सभा के एक सत्र की अन्तिम बैठक तथा अगले सत्र की प्रथम बैठक के लिए नियत तिथि के बीच 6 माह से अधिक का अंतर नहीं होना चाहिए। राज्यसभा का पहली बार गठन 3 अप्रैल, 1952 ई. को किया गया था। इसकी पहली बैठक 13 मई, 1952 ई. को हुई थी।

1316. निम्नलिखित में से किसका प्रतिनिधित्व राज्यसभा में है ?
(अ) अंडमान–निकोबार (ब) चण्डीगढ़
(स) लक्षद्वीप (द) गोवा
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संसद के उच्च सदन राज्यसभा में चण्डीगढ़, अंडमान–निकोबार, दादर व नगर हवेली, दमन व दीव और लक्षद्वीप का प्रतिनिधित्व राज्यसभा में नहीं है।

1317. भारतीय संसद के अपर हाउस को किस नाम से जाना जाता है ?
(अ) राज्यसभा (ब) लोकसभा
(स) विधानसभा (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संसद के अपर हाउस को उच्च सदन कहा जाता है। राज्य सभा भारतीय लोकतंत्र की ऊपरी प्रतिनिधि सभा है। लोक सभा निचली प्रतिनिधि सभा है। राज्यसभा में 245 सदस्य होते हैं जिसमें 12 सदस्य भारत के राष्ट्रपति के द्वारा नामांकित होते हैं। इन्हें नामित सदस्य कहा जाता है, जबकि अन्य सदस्यों का चुनाव होता है। राज्यसभा में सदस्य 6 वर्ष के लिए चुने जाते हैं जिनमें एक–तिहाई प्रत्येक वर्ष 2 वर्ष के लिए सेवानिवृत्त होते हैं।

1318. निम्नलिखित प्रधानमंत्रियों में से कौन राज्यसभा का सदस्य रहा ?
(अ) इंदिरा गाँधी (ब) एच.डी. देवगौड़ा
(स) आई.के. गुजराल (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्यसभा के सदस्य, जो प्रधानमंत्री बने–
1. श्रीमती इंदिरा गाँधी (1966–1967),
2. एच.डी. देवगौड़ा (1996–1997)
3. आई.के. गुजराल (1997–1998)
4. डॉ. मनमोहन सिंह (2004–14)

1319. राज्यसभा को स्थायी सदन कहते हैं, क्योंकि–
(अ) सभी सदस्य आजीवन सदस्य होते हैं
(ब) इसे विघटित नहीं किया जा सकता है
(स) कुछ सदस्य प्रति दो वर्ष में अवकाश ग्रहण करते हैं
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) RRB 2006

व्याख्या– राज्य सभा एक स्थायी सदन है और यह भंग नहीं होता है, तथापि प्रत्येक दो वर्ष बाद राज्य सभा के एक–तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं। पूर्णकालिक अवधि के लिए निर्वाचित सदस्य छह वर्षों की अवधि के लिए कार्य करता हे। किसी सदस्य के कार्यकाल की समाप्ति पर सेवानिवृत्ति को छोड़कर अन्यथा उत्पन्न हुई रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचन 'उप चुनाव' कहलाता है।

1320. राज्य सभा में सीटों की अधिकतम संख्या कितनी हो सकती है ?
(अ) 250 (ब) 275
(स) 300 (द) 500
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 80 में राज्य सभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 निर्धारित की गई है, जिनमें से 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित किए जाते हैं और 238 सदस्य राज्यों के और संघ राज्यों के प्रतिनिधि होते हैं। राज्य सभा के सदस्यों की वर्तमान संख्या 245 है, जिनमें से 233 सदस्य राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली तथा पुदुचेरी के प्रतिनिधि है और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित है। राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित किए जाने वाले सदस्य ऐसे व्यक्ति होंगे जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवा जैसे विषयों के संबंध में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव है।

1321. वर्तमान समय में राज्यसभा में सदस्यों की प्रभावी संख्या कितनी है ?
(अ) 240 (ब) 245
(स) 250 (द) 232
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 80 में राज्य सभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 निर्धारित की गई है, जिनमें से 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित किए जाते हैं और 238 सदस्य राज्यों के और संघ राज्यों के प्रतिनिधि होते हैं। राज्य सभा के सदस्यों की वर्तमान संख्या 245 है, जिनमें से 233 सदस्य राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली तथा पुदुचेरी के प्रतिनिधि है और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित है। राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित किए जाने वाले सदस्य ऐसे व्यक्ति होंगे जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवा जैसे विषयों के संबंध में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव है।

1322. राज्यसभा के लिए राष्ट्रपति द्वारा कितने सदस्य नामित किये जाते हैं ?
(अ) 2 (ब) 12
(स) 15 (द) 20
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– राज्य सभा के सदस्यों की वर्तमान संख्या 245 है, जिनमें से 233 सदस्य राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली तथा पुदुचेरी के प्रतिनिधि है और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित है। राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित किए जाने वाले सदस्य ऐसे व्यक्ति होंगे, जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवा जैसे विषयों के संबंध में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव है।

1323. जिन संघ शासित क्षेत्रों में विधानसभाएँ नहीं होती है, उनके प्रतिनिधि किस प्रकार चुने जाते हैं ?
(अ) विशेष निर्वाचक मंडल द्वारा
(ब) उपराज्यपाल द्वारा मनोनीत
(स) जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– जिन संघ शासित क्षेत्रों में विधानसभाएँ नहीं होती है, उनके प्रतिनिधि विशेष निर्वाचक मंडल द्वारा चुने जाते हैं।

1324. राज्यसभा में प्रतिनिधित्व होता है–
(अ) राज्यों का (ब) संघ शासित क्षेत्रों का
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य सभा के सदस्यों की वर्तमान संख्या 245 है, जिनमें से 233 सदस्य राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली तथा पुदुचेरी के प्रतिनिधि है और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित है।

1325. राज्यसभा में राज्यों का प्रतिनिधित्व किस बात पर निर्भर करता है ?
(अ) राज्य का क्षेत्रफल (ब) राज्य की जनसंख्या
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) IAS 1987
व्याख्या– भारत के संविधान की अनुसूची 4 के अनुसार किस राज्य में राज्य सभा की कितनीं सीटें होंगी, ये उस राज्य या केन्द्र शासित प्रदेश की आबादी के आधार पर तय होगा।

1326. राज्यसभा में सदस्यों का निर्वाचन होता है–
(अ) संचयी मत पद्धति द्वारा
(ब) सापेक्ष मत पद्धति द्वारा
(स) सूची पद्धति द्वारा
(द) आनुपातिक प्रतिनिधित्व के अनुसार एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य सभा के लिए अप्रत्यक्ष चुनाव होता है, राज्यों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों का चुनाव एकल हस्तांतरणीय मत के द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार राज्यों के विधान सभाओं के द्वारा और जब राज्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वालों का चुनाव संसद द्वारा कानून के तहत निर्धारित तरीके से होता है। राज्य

सभा को भंग नहीं किया जाता है। प्रत्येक द्वितीय वर्ष में इसके 1/3 सदस्य सेवानिवृत्त होते हैं।

1327. राज्यसभा के लिए प्रत्येक राज्य के प्रतिनिधियों का निर्वाचन कौन करता है ?
(अ) विधानसभा के निर्वाचित सदस्य
(ब) विधानसभा के सभी सदस्य
(स) विधानमंडल के सभी सदस्य
(द) विधानमंडल के निर्वाचित सदस्य
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य सभा में राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के प्रतिनिधियों का निर्वाचन अप्रत्यक्ष निर्वाचन पद्धति द्वारा किया जाता है। प्रत्येक राज्य तथा दो संघ राज्य क्षेत्रो (दिल्ली एवं पुदुचेरी संघ राज्य क्षेत्र) के प्रतिनिधियों का निर्वाचन उस राज्य की विधान सभा के निर्वाचित सदस्यों तथा उस संघ राज्य क्षेत्र के निर्वाचक मंडल के सदस्यों, जैसा भी मामला हो, द्वारा एकल संक्रमणीय मत द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार किया जाता है। दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के निर्वाचक मंडल में दिल्ली विधान सभा के निर्वाचित सदस्य और पुदुचेरी संघ राज्य क्षेत्र के निर्वाचक मंडल में पुदुचेरी विधान सभा के निर्वाचित सदस्य थे।

1328. राज्यसभा में किस राज्य के प्रतिनिधियों की संख्या सर्वाधिक है ?
(अ) आन्ध्र प्रदेश (ब) मध्य प्रदेश
(स) बिहार (द) उत्तर प्रदेश
उत्तर : (द)
व्याख्या– उत्तर प्रदेश में राज्य सभा की सबसे अधिक 31 सीटें हैं।

1329. निम्नलिखित में से किस संघ शासित क्षेत्र का राज्यसभा में प्रतिनिधित्व है ?
(अ) दिल्ली (ब) पुदुचेरी
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) लक्षद्वीप
उत्तर : (स)
व्याख्या–राज्य सभा के सदस्यों की वर्तमान संख्या 245 है, जिनमें से 233 सदस्य राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली तथा पुदुचेरी के प्रतिनिधि है और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित है।

1330. राज्यसभा में सर्वाधिक प्रतिनिधित्व के आधार पर राज्यों का सही अवरोही क्रम है–
(अ) उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु
(ब) मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु
(स) मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश
(द) मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उत्तर प्रदेश में राज्य सभा की 31 सीटें हैं जबकि महाराष्ट्र की 19 सीटें और तमिलनाडु की 18 सीटें हैं।

1331. राज्यसभा के चुनाव हेतु एक व्यक्ति की न्यूनतम आयु होनी चाहिए–
(अ) 35 वर्ष (ब) 25 वर्ष
(स) 30 वर्ष (द) 40 वर्ष
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– राज्य सभा में चुने जाने के लिए उसकी आयु कम से कम 30 वर्ष और लोक सभा के मामले में कम से कम 25 वर्ष होनी चाहिए।

1332. राज्यसभा के सदस्यों के लिए न्यूनतम आयु है–
(अ) 35 वर्ष (ब) 25 वर्ष
(स) 30 वर्ष (द) 40 वर्ष
उत्तर : (स) SSC 1999
व्याख्या– संसद सदस्य के रूप में चुने जाने के लिए एक व्यक्ति को भारत का नागरिक होना चाहिए और राज्य सभा में चुने जाने के लिए उसकी आयु कम से कम 30 वर्ष और लोक सभा के मामले में कम से कम 25 वर्ष होनी चाहिए।

1333. राज्यसभा के सदस्यों का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है ?
(अ) 3 वर्ष (ब) 4 वर्ष
(स) 5 वर्ष (द) 6 वर्ष
उत्तर : (द) SSC 2010, RRB 2005
व्याख्या– सामान्यतः एक सदस्य का निर्वाचन छः वर्षों के लिए होता है, परन्तु किसी मध्यावधि चुनाव में निर्वाचित सदस्य सिर्फ शेष अवधि के लिए ही सेवारत रहता है। राज्य सभा का विघटन नहीं होता है, इसके लिए एक–तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्षों में सेवानिवृत्त हो जाते हैं।

1334. राज्यसभा के सदस्य चुने जाते हैं–
(अ) 4 वर्ष के लिए (ब) 5 वर्ष के लिए
(स) 6 वर्ष के लिए (द) आजीवन
उत्तर : (स)
व्याख्या– सामान्यतः एक सदस्य का निर्वाचन छः वर्षों के लिए होता है, परन्तु किसी मध्यावधि चुनाव में निर्वाचित सदस्य सिर्फ शेष अवधि के लिए ही सेवारत रहता है। राज्य सभा का विघटन नहीं होता है, इसके लिए एक–तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्षों में सेवानिवृत्त हो जाते हैं।

1335. राज्यसभा के एक तिहाई सदस्य प्रत्येक कितने वर्ष के पश्चात् सेवानिवृत्त होते हैं तथा नये एक तिहाई सदस्य उनका स्थान लेते हैं ?
(अ) 2 वर्ष (ब) 3 वर्ष
(स) 4 वर्ष (द) 5 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– सामान्यतः एक सदस्य का निर्वाचन छः वर्षों के लिए होता है, परन्तु किसी मध्यावधि चुनाव में निर्वाचित सदस्य सिर्फ शेष अवधि के लिए ही सेवारत रहता है। राज्य सभा का विघटन नहीं होता है, इसके लिए एक–तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्षों में सेवानिवृत्त हो जाते हैं।

1336. क्या राष्ट्रपति लोकसभा की भाँति राज्यसभा को भंग कर सकता है ?
(अ) हाँ
(ब) नहीं
(स) सदन के 3/4 सदस्यों द्वारा पारित प्रस्ताव पर
(द) संसद के संयुक्त अधिवेशन के 3/4 सदस्यों द्वारा प्रस्ताव पारित करने पर
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य सभा संसद का स्थाई सदन है। ये कभी भी भंग नहीं होता है। सामान्यतः एक सदस्य का निर्वाचन छः वर्षों के लिए होता है, परन्तु किसी मध्यावधि चुनाव में निर्वाचित सदस्य सिर्फ शेष अवधि के लिए ही सेवारत रहता है। राज्य सभा का विघटन नहीं होता है, इसके लिए एक–तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्षों में सेवानिवृत्त हो जाते हैं।

1337. क्या राज्यसभा के सभी सदस्यों का निर्वाचन एक साथ होता है ?
(अ) हाँ
(ब) नहीं
(स) आधे सदस्यों का
(द) एक चौथाई सदस्यों का
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सामान्यतः एक सदस्य का निर्वाचन छः वर्षों के लिए होता है, परन्तु किसी मध्यावधि चुनाव में निर्वाचित सदस्य सिर्फ शेष अवधि के लिए ही सेवारत रहता है। राज्य सभा का विघटन नहीं होता है, इसके लिए एक–तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्षों में सेवानिवृत्त हो जाते हैं।

1338. लोकसभा और राज्यसभा में गणपूर्ति (कोरम) संख्या है–
(अ) कुल सदस्य संख्या का 1/5
(ब) कुल सदस्य संख्या का 1/6
(स) कुल सदस्य संख्या का 1/10
(द) कुल सदस्य संख्या का 1/4
उत्तर : (स)
व्याख्या– सदन की किसी बैठक के लिए कोरम अथवा गणपूर्ति, अध्यक्ष या अध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे व्यक्ति सहित कुल सदस्य संख्या के 1/10 भाग सदस्यों की उपस्थिति होना अनिवार्य है। प्रत्येक दिन बैठक के आरंभ में अध्यक्ष के पीठासीन होने के पहले यह सुनिश्चित किया जाता है कि सदन में गणपूर्ति हो। यदि 11 बजे यह देखा जाता है कि गणपूर्ति नहीं है तो गणपूर्ति की घंटी बजाई जाती है और अध्यक्ष तभी पीठासीन होता है, जब गणपूर्ति हो गई हो।

1339. राज्यसभा में गणपूर्ति (कोरम) के लिए निर्धारित संख्या है–
(अ) 25 (ब) 50
(स) 75 (द) 100
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य सभा में गणपूर्ति या कोरम के लिए सदस्यों की कुल संख्या का 10वाँ भाग अर्थात् 25 सदस्य होने चाहिए।

1340. राज्यसभा को भंग करने का अधिकार किसे प्राप्त है ?
(अ) राष्ट्रपति को
(ब) उपराष्ट्रपति को
(स) उच्चतम न्यायालय को
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्यसभा संसद का स्थाई सदन है। ये कभी भी भंग नहीं होता है।

1341. राज्यसभा का सभापति कौन होता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या– भारत के उपराष्ट्रपति का पद देश का दूसरा उच्चतम संवैधनिक पद है। उनका कार्यकाल पाँच वर्ष की अवधि का होता है, लेकिन वह इस अवधि के समाप्त हो जाने पर भी अपने उत्तराधिकारी के पद ग्रहण करने तक, पद पर बने रह सकते हैं। उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है और वह लाभ का कोई अन्य पद धारण नहीं करता है।

1342. किस सदन में अध्यक्ष उस सदन का सदस्य नहीं होता है ?
(अ) लोकसभा (ब) राज्यसभा
(स) विधानसभा (द) विधान परिषद्
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष या सभापति उपराष्ट्रपति होता है। राज्यसभा के सदस्यों के विपरीत राज्यसभा के सभापति का कार्यकाल भी 5 वर्षों का होता है। लोकसभा के विपरीत राज्यसभा का सभापति अपना इस्तीफा उपसभापति को नहीं बल्कि राष्ट्रपति को देता है।

1343. राज्यसभा के सभापति का चुनाव कौन करता है ?
(अ) राज्यसभा के निर्वाचित सदस्य
(ब) लोकसभा एवं राज्यसभा के सभी सदस्य
(स) लोकसभा के निर्वाचित सदस्य
(द) लोकसभा, राज्यसभा तथा राज्य की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य
उत्तर : (ब)
व्याख्या– उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बनने वाले निर्वाचकगण द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है और ऐसे निर्वाचन में मतदान गुप्त होता है। उपराष्ट्रपति के पद के लिए किसी व्यक्ति को निर्वाचित किए जाने हेतु निर्वाचकगण में संसद के दोनों सदनों के सदस्य होते हैं।

1344. राज्यसभा का सभापति कौन होता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या– राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष या सभापति उपराष्ट्रपति होता है।

1345. राज्यसभा के सभापति की अनुपस्थिति में राज्यसभा का कार्य संचालन कौन करता है ?
(अ) लोकसभा अध्यर्क्ष (ब) लोकसभा उपाध्यक्ष
(स) उपसभापति (द) केन्द्रीय गृह मंत्री
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य सभा के सभापति की अनुपस्थिति में राज्यसभा का उपसभापति राज्यसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता करता है। राज्यसभा के उपसभापति राज्य सभा द्वारा आंतरिक रूप से चुने जाते हैं।

1346. राज्यसभा के उपसभापति का निर्वाचन कौन करता है ?
(अ) लोकसभा के सदस्य
(ब) राज्यसभा के सदस्य
(स) राष्ट्रपति
(द) उपराष्ट्रपति
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यसभा के उपसभापति राज्य सभा द्वारा आंतरिक रूप से चुने जाते हैं।

1347. राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनावों की अधिसूचना कौन जारी करता है ?
(अ) निर्वाचन आयोग (ब) राज्यसभा का सभापति
(स) राष्ट्रपति (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या–राज्यसभा के द्विवार्षिक चुनावों की अधिसूचना निर्वाचन आयोग जारी करता है।

1348. राज्यसभा के संदर्भ में निम्नांकित में से कौनसा कथन सही है ?
(अ) इसके एक–तिहाई सदस्य प्रति दो वर्ष में अवकाश प्राप्त करते हैं।
(ब) इसके आधे सदस्य प्रति दो वर्ष में अवकाश प्रापत करते हैं।
(स) इसके आधे सदस्य प्रति तीन वर्ष में अवकाश प्राप्त करते हैं।
(द) इसके एक–तिहाई सदस्य प्रति तीन वर्ष में अवकाश प्रापत करते हैं।
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य सभा संसद का स्थाई सदन है। ये कभी भी भंग नहीं होता है। सामान्यतः एक सदस्य का निर्वाचन छः वर्षों के लिए होता है, परन्तु किसी मध्यावधि चुनाव में निर्वाचित सदस्य सिर्फ शेष अवधि के लिए ही सेवारत रहता है। राज्य सभा का विघटन नहीं होता है, इसके लिए एक–तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्षों में सेवानिवृत्त हो जाते हैं।

1349. क्या राज्यसभा का सभापति संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता कर सकता है ?
(अ) हाँ
(ब) नहीं
(स) लोकसभा अध्यक्ष की अनुपस्थिति में
(द) जब लोकसभा अध्यक्ष असमर्थ हो
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 118 के अनुसार संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता लोकसभा के अध्यक्ष (स्पीकर) द्वारा की जाती है। यदि लोकसभा अध्यक्ष अनुपस्थित रहता है, तो लोकसभा उपाध्यक्ष द्वारा की जाती है और दोनों के अनुपस्थित रहने पर राज्यसभा के उपसभापति द्वारा की जाती है।

1350. राज्यसभा का सभापति–
(अ) राज्यसभा सदस्यों द्वारा चुना जाता है
(ब) लोकसभा एवं राज्यसभा के सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से चुना जाता है
(स) राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त होता है
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) RRB 2006
व्याख्या– उपराष्ट्रपति का निर्वाचन संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से मिलकर बनने वाले निर्वाचकगण द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमणीय मत द्वारा होता है और ऐसे निर्वाचन में मतदान गुप्त होता है। उपराष्ट्रपति पद के लिए किसी व्यक्ति को निर्वाचित किए जाने हेतु निर्वाचकगण में संसद के दोनों सदनों के सदस्य होते हैं।

1351. स्वतंत्र भारत में राज्यसभा के प्रथम सभापति कौन थे ?
(अ) डॉ. एस. राधाकृष्णन
(ब) डॉ. जाकिर हुसैन
(स) वी.वी. गिरि
(द) बी.डी. जत्ती
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के उपराष्ट्रपति ही राज्यसभा के सभापति होते हैं। राज्य सभा के उपसभापति राज्य सभा द्वारा आंतरिक रूप से चुने जाते हैं। स्वतंत्र भारत के पहले उपराष्ट्रपति डॉ. एस.राधाकृष्णन थे। वे पहले उपराष्ट्रपति थे जिन्होंने लगातार दो बार उपराष्ट्रपति के पद पर कार्य किया।

1352. राज्यसभा के सदस्यों का निर्वाचन होता है–
(अ) सीधे जनता द्वारा
(ब) लोकसभा सदस्यों द्वारा
(स) लोकसभा व राज्य विधानसभा के सदस्यों द्वारा
(द) राज्य के विधानसभा के निर्वाचित सदस्यों द्वारा
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्यसभा में किस राज्य के कितने सांसद होंगे, यह उस राज्य की जनसंख्या के हिसाब से

तय किया जाता है। राज्यसभा के सदस्य का चुनाव राज्य विधानसभा के चुने हुए विधायक करते हैं।

1353. लोकसभा द्वारा पारित धन विधेयक राज्यसभा को प्राप्त होने के कितने दिनों के भीतर लोकसभा को वापस लौटाना पड़ता है ?
(अ) 14 दिन (ब) 15 दिन
(स) 30 दिन (द) 18 दिन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 110 में धन विधेयक की परिभाषा दी गई है। इस अनुच्छेद के अनुसार कोई विधेयक धन विधेयक तब समझा जाएगा, जब उसमें कुछ विशेष विषयों से संबंधित प्रावधान हों। राज्यसभा धन विधेयक को न तो अस्वीकार कर सकती है और न ही उसमें कोई संशोधन कराने का वैधानिक हक रखती है। इसे राज्यसभा अधिकतम 14 दिनों तक अपने पास रोककर रख सकता है।

1354. राज्यसभा द्वारा लोकसभा को धन विधेयक कितने समय में लौटा दिए जाने चाहिए ?
(अ) एक महीने में (ब) तीन महीने में
(स) 14 दिन में (द) 6 महीने में
उत्तर : (स) SSC 2002
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 110 में धन विधेयक की परिभाषा दी गई है। इस अनुच्छेद के अनुसार कोई विधेयक धन विधेयक तब समझा जाएगा, जब उसमें कुछ विशेष विषयों से संबंधित प्रावधान हों। राज्यसभा धन विधेयक को न तो अस्वीकार कर सकती है और न ही उसमें कोई संशोधन कराने का वैधानिक हक रखती है। इसे राज्यसभा अधिकतम 14 दिनों तक अपने पास रोककर रख सकता है।

1355. निम्नांकित में कौन राज्यसभा की एकान्तिक शक्ति के अंतर्गत आता है ?
(अ) अखिल भारतीय सेवाओं का सृजन
(ब) आकस्मिक रिक्ति में भारत के उपराष्ट्रपति का निर्वाचन
(स) किसी राज्य की विधान परिषद् की समाप्ति
(द) अपने सभापति को अपदस्थ करना
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अनुच्छेद 312 के तहत भारतीय सेवाओं के निर्माण का अधिकार राज्यसभा को प्राप्त है।

1356. निम्नलिखित में से किसके सम्बन्ध में राज्यसभा को लोकसभा के अपेक्षाकृत अधिक अधिकार प्राप्त है ?
(अ) धन विधेयक
(ब) धनेत्तर विधेयक
(स) नई अखिल भारतीय सेवाओं का गठन करना
(द) संविधान का संशोधन
उत्तर : (स) SSC 2003
व्याख्या– अनुच्छेद 312 में यह प्रावधान है कि नई अखिल भारतीय सेवाओं का गठन और उन सेवाओं में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती और सेवा शर्तों को विनियमित करने का प्राधिकार है, तथापि ऐसी सेवाओं का गठन संसद द्वारा तभी किया जा सकेगा, जब राज्यसभा राष्ट्रहित में ऐसा करना जरूरी मानते हुए सदन में दो तिहाई बहुमत से इस आशय का प्रस्ताव कर दे।

1357. संविधान का अनुच्छेद 312 राज्यसभा को निम्नलिखित में से किसका अधिकार प्रदान करता है ?
(अ) राज्य सूची के विषयों पर कानून बनाने का
(ब) वित्त विधेयक में संशोधन करने का
(स) एक या अधिक अखिल भारतीय सेवा सृजित करने का
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– अनुच्छेद 312 में यह प्रावधान है कि नई अखिल भारतीय सेवाओं का गठन और उन सेवाओं में नियुक्त व्यक्तियों की भर्ती और सेवा शर्तों को विनियमित करने का प्राधिकार है, तथापि ऐसी सेवाओं का गठन संसद द्वारा तभी किया जा सकेगा जब राज्यसभा राष्ट्रहित में ऐसा करना जरूरी मानते हुए सदन में दो तिहाई बहुमत से इस आशय का प्रस्ताव कर दे।

1358. लोकसभा द्वारा पारित धन विधेयक राज्यसभा द्वारा भी पारित मान लिया जाता है, यदि उच्च सदन उस पर किसी समय सीमा में कार्य सम्पादन न कर सके ?
(अ) 10 दिन (ब) 14 दिन
(स) 30 दिन (द) 40 दिन
उत्तर : (ब) RRB 2002
व्याख्या– धन विधेयक केवल लोकसभा में ही पेश किया जा सकता है। इस विधेयक को राज्यसभा द्वारा संशोधित या अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। वह कुछ सुझाव या बिना सुझाव के इसे लोकसभा को भेजता है। इन सुझावों को स्वीकार या अस्वीकार करने की शक्ति लोकसभा के पास है। इसे राज्यसभा अधिकतम 14 दिनों तक अपने पास रोक सकता है।

1359. राज्यसभा को कौनसे ऐसे अनन्य अधिकार प्राप्त हैं, जो लोकसभा को प्राप्त नहीं है ?
(अ) राज्य सूची के किसी विषय को राष्ट्रीय महत्व का घोषित करना
(ब) अखिल भारतीय सेवा स्थापित करने का अधिकार संघ सरकार को देना
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 249 के अन्तर्गत राज्य सूची के किसी विषय पर संसद कानून बनाने के लिए पहले राज्यसभा द्वारा उसे

राष्ट्रीय महत्व का घोषित करने के बाद ही संसद उस विषय पर कानून बना सकती है।

1360. नई अखिल भारतीय सेवाएँ स्थापित करने की दृष्टि से विशेष महत्व है–
(अ) लोकसभा के प्रस्ताव का
(ब) राज्यसभा के प्रस्ताव का
(स) संसद के प्रस्ताव का
(द) विधानसभाओं के प्रस्ताव का
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 312 के अनुसार राज्य सभा विशेष बहुमत द्वारा नई अखिल भारतीय सेवाओं की स्थापना की अनुशंसा कर सकती है।

1361. केन्द्रीय संसद राष्ट्रीय हित में राज्य सूची के विषयों पर कानून बना सकती है, यदि–
(अ) राज्यसभा इस प्रकार का एक प्रस्ताव पारित करे।
(ब) लोकसभा इस प्रकार का एक प्रस्ताव पारित करे।
(स) राज्यसभा उपस्थित सदस्यों के दो–तिहाई विशेष बहुमत से एक प्रस्ताव पारित करे।
(द) संसद विशेष बहुमत से एक प्रस्ताव पारित करे।
उत्तर : (स)
व्याख्या– अनुच्छेद 249 के अनुसार यदि राज्यसभा में उपस्थित तथा मतदान में भाग लेने वाले सदस्य दो तिहाई बहुमत से एक प्रस्ताव पास कर दें या घोषित करें कि राज्य सूची में दिए गये किसी विषय पर संसद द्वारा कानून बनाना राष्ट्रीय हित में होगा, तो संसद उस विषय पर पूरे भारत या किसी विशेष राज्य के लिए कानून बना सकेगी। यह प्रस्ताव एक वर्ष के लिए होता है, किन्तु राज्यसभा एक और प्रस्ताव पास करके एक वर्ष के लिए यह अवधि बढ़ा सकती है। संसद द्वारा ऐसी स्थिति में बनाया गया कानून प्रस्ताव की अवधि समाप्त होने के 6 माह के बाद तक लागू रह सकेगा।

1362. राज्यसभा के सदस्यों को नामित करने का अधिकार निम्नलिखित में से किसको है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) न्यायपालिका (द) लोकसभा
उत्तर : (अ) SSC 2002
व्याख्या– राज्य सभा के सदस्यों की वर्तमान संख्या 245 है, जिनमें से 233 सदस्य राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली तथा पुदुचेरी के प्रतिनिधि है और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित है। राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित किए जाने वाले सदस्य ऐसे व्यक्ति होंगे जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवा जैसे विषयों के संबंध में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव है।

1363. राज्यसभा को भंग करने में कौन सक्षम है ?
(अ) अध्यक्ष, राज्यसभा
(ब) राष्ट्रपति
(स) संसद का संयुक्त सत्र
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (द) SSC 2004
व्याख्या– राज्यसभा संसद का स्थाई सदन है। ये कभी भी भंग नहीं होता है।

1364. निम्न में से किस परिस्थिति के अंतर्गत राज्यसभा को भंग किया जा सकता है ?
(अ) जब देश में वित्तीय आपातकाल घोषित हुआ हो
(ब) जब संवैधानिक तंत्र के असफल हो जाने पर आपातकाल की घोषणा की गई हो
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (द) SSC 2001
व्याख्या– राज्यसभा संसद का स्थाई सदन है, जो कभी भंग नहीं होता।

1365. राज्यसभा एक स्थायी सदन होने के कारण इसके–
(अ) एक तिहाई सदस्य प्रति दो वर्ष सेवानिवृत्त होते हैं
(ब) आधे सदस्य प्रति तीन वर्ष सेवानिवृत्त होते हैं
(स) सदस्यों का 1/5 भाग प्रति वर्ष सेवानिवृत्त होते हैं
(द) सदस्यों का 1/6 भाग प्रति वर्ष सेवानिवृत्त होते हैं
उत्तर : (अ) SSC 1999
व्याख्या– राज्यसभा संसद का एक स्थाई सदन है, जो कभी भंग नहीं होता। राज्यसभा के एक तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं।

1366. राज्य सभा सामान्य विधेयक को अधिकतम कितनी अवधि के लिए रोक सकती है ?
(अ) 14 दिन (ब) 1 माह
(स) 3 माह (द) 6 माह
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य सभा सामान्य विधेयक को अधिकतम 6 माह तक रोक सकती है, जबकि धन विधेयक को 14 दिन से अधिक नहीं रोक सकती।

1367. राज्यसभा–
(अ) भंग नहीं हो सकती है
(ब) सर्वोच्च न्यायालय की सलाह पर भंग हो सकती है
(स) मंत्रिपरिषद की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा भंग की जा सकती है
(द) लोकसभा व राज्य विधायिका की सलाह पर राष्ट्रपति द्वारा भंग की जा सकती है
उत्तर : (अ) RRB 2005
व्याख्या– राज्यसभा संसद का एक स्थाई सदन है, जो कभी भंग नहीं होता। राज्यसभा के एक तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं।

1368. राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिए कला, साहित्य, विज्ञान आदि क्षेत्रों से 12 सदस्यों को मनोनीत करने की व्यवस्था भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत आता है ?
(अ) अनुच्छेद 324 (ब) अनुच्छेद 265
(स) अनुच्छेद 80 (द) अनुच्छेद 120
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य सभा के सदस्यों की वर्तमान संख्या 245 है, जिनमें से 233 सदस्य राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली तथा पुदुचेरी के प्रतिनिधि है और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित है। संविधन के अनुच्छेद 80 के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा 12 ऐसे सदस्य नामनिर्देशित किए जाते हैं, जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवा जैसे विषयों के संबंध में विशेष ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव है।

1369. राज्यसभा है एक–
(अ) स्थायी सदन
(ब) अस्थायी सदन
(स) वह सदन जिसका प्रमुख प्रधानमंत्री होता है
(द) वह सदन जिसका कोई प्रवक्त नहीं होता है
उत्तर : (अ) RRB 2005
व्याख्या– राज्यसभा संसद का एक स्थाई सदन है, जो कभी भंग नहीं होता। राज्यसभा के एक तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं।

1370. धन विधेयक पारित करने के लिए राज्य सभा को कितना समय दिया जाता है ?
(अ) 14 दिन (ब) 15 दिन
(स) 12 दिन (द) 3 दिन
उत्तर : (अ) SSC 2013
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 110 में धन विधेयक की परिभाषा दी गई है। इस अनुच्छेद के अनुसार कोई विधेयक धन विधेयक तब समझा जाएगा, जब उसमें कुछ विशेष विषयों से संबंधित प्रावधान हों। राज्यसभा धन विधेयक को न तो अस्वीकार कर सकती है और न ही उसमें कोई संशोधन कराने का वैधानिक हक रखती है। इसे राज्यसभा अधिकतम 14 दिनों तक अपने पास रोककर रख सकता है।

1371. सर्वप्रथम किस फिल्म अभिनेता को राज्यसभा का सदस्य मनोनीत किया गया था ?
(अ) दिलीप कुमार (ब) सुनील दत्त
(स) गुरुदत्त (द) पृथ्वीराज कपूर
उत्तर : (द)
व्याख्या– जवाहरलाल नेहरू के समय में पृथ्वीराज कपूर को पहली बार राज्यसभा के लिए नामित किया गया। वे दो बार, वर्ष 1952 में दो साल के लिए और फिर वर्ष 1954 में पूर्ण काल (6 वर्ष) के लिए राज्य सभा के सदस्य रहे।

1372. राज्यसभा के लिए नामित प्रथम फिल्म अभिनेत्री कौन थी ?
(अ) नरगिस दत्त (ब) वैजयंतीमाला
(स) हेमा मालिनी (द) जयललिता
उत्तर : (अ) SSC 2011, RRB 2005
व्याख्या– राज्यसभा के लिए नामित प्रथम फिल्म अभिनेत्री नरगिस दत्त थी।

1373. निम्न में से कौनसा हिंदी साहित्यकार राज्यसभा का सदस्य था ?
(अ) गोपालदास नीरज
(ब) काका हाथरसी
(स) सुमित्रानन्दन पंत
(द) रामधारी सिंह 'दिनकर'
उत्तर : (द)
व्याख्या– रामधारी सिंह 'दिनकर' हिन्दी के एक प्रमुख लेखक, कवि व निबन्धकार थे। वे आधुनिक युग के श्रेष्ठ वीर रस के कवि के रूप में स्थापित है। वर्ष 1952 में जब भारत की प्रथम संसद का निर्माण हुआ, तो उन्हें राज्यसभा का सदस्य चुना गया।

1374. प्रधानमंत्री पद पर नियुक्त होते समय निम्नलिखित में से कौन राज्यसभा का सदस्य था ?
(अ) इंदिरा गांधी (ब) इंद्र कुमार गुजराल
(स) मनमोहन सिंह (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– इंदिरा गांधी की वर्ष 1964 में नियुक्ति एक राज्यसभा के सदस्य के रूप में हुई थी। डॉ. मनमोहन सिंह को 1991 में मंत्रिमंडल में सम्मिलित करते हुए वित्त मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार सौंप दिया गया। इस समय डॉ. मनमोहन सिंह न तो लोकसभा के सदस्य थे और न ही राज्यसभा के। लेकिन संवैधानिक व्यवस्था के अनुसार सरकार के मंत्री को संसद का सदस्य होना आवश्यक होता है। अतः उन्हें 1911 में असम से राज्यसभा के लिए चुना गया जबकि वे मूलतः पंजाब के निवासी थे।

1375. राज्यसभा की प्रथम महिला महासचिव कौन थी ?
(अ) मंजीत वालिया (ब) के.के. गीता
(स) नजमा हेपतुल्ला (द) वी.एस. रमा देवी
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्यसभा की प्रथम महिला महासचिव वी. एस. रमादेवी थीं। वे भारत की मुख्य चुनाव आयुक्त रहीं।

1376. राज्यसभा का सर्वप्रथम गठन कब हुआ ?
(अ) 26 जनवरी, 1952 (ब) 11 फरवरी, 1952
(स) 19 मार्च, 1952 (द) 3 अप्रैल, 1952
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्यसभा का पहली बार गठन 3 अप्रैल, 1952 को हुआ। राज्यसभा की प्रथम बैठक 13 मई, 1952 को हुई।

1377. राज्यसभा की प्रथम बैठक कब हुई थी ?
(अ) 3 अप्रैल, 1952 (ब) 7 अप्रैल, 1952
(स) 22 अप्रैल, 1952 (द) 13 मई, 1952
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्यसभा का पहली बार गठन 3 अप्रैल, 1952 को हुआ। राज्यसभा की प्रथम बैठक 13 मई, 1952 को हुई।

1378. लोकसभा द्वारा विचारार्थ भेजे गये वित्त विधेयक को राज्य सभा अधिकतम कितने समय तक रोके रख सकती है ?
(अ) एक माह (ब) एक वर्ष
(स) सात दिन (द) चौदह दिन
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 110 में धन विधेयक की परिभाषा दी गई है। इस अनुच्छेद के अनुसार कोई विधेयक धन विधेयक तब समझा जाएगा, जब उसमें कुछ विशेष विषयों से संबंधित प्रावधान हों। राज्यसभा धन विधेयक को न तो अस्वीकार कर सकती है और न ही उसमें कोई संशोधन कराने का वैधानिक हक रखती है। इसे राज्यसभा अधिकतम 14 दिनों तक अपने पास रोककर रख सकता है।

1379. राज्यसभा कब भंग की जाती है ?
(अ) 5 वर्ष बाद
(ब) राष्ट्रपति के शासन में
(स) संकटकालीन स्थिति में
(द) राज्यसभा कभी भंग नहीं की जाती है
उत्तर : (द) IAS 1984
व्याख्या– राज्यसभा संसद का एक स्थाई सदन है, जो कभी भंग नहीं होता। राज्यसभा के एक तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं।

1380. हमारे संविधान के अनुसार, राज्य सभा का कार्यकाल–
(अ) दो वर्ष में एक बार समाप्त हो जाता है
(ब) प्रत्येक तीन वर्ष में समाप्त हो जाता है
(स) प्रत्येक छः वर्ष में समाप्त हो जाता है
(द) समाप्त होने का विषय नहीं है
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 83(1) के अनुसार, राज्य सभा का विघटन नहीं होगा अर्थात् यह एक स्थायी सदन है। इसके एक–तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष की समाप्ति पर सेवानिवृत्त हो जाते हैं। इस प्रकार राज्य सभा के सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष होता है।

1381. संसद के किसी भी सदन के दो सत्रों के बीच अंतराल किससे अधिक नहीं होना चाहिए ?
(अ) तीन महीने (ब) छह महीने
(स) नौ महीने (द) बारह महीने
उत्तर : (ब) RRB 2008
व्याख्या– संसद के सदस्यों द्वारा जनता के मुद्दों पर बहस करने और नए प्रस्ताव पर अपना मतदान करके अधिनियम का रूप देने और पुराने अधिनियम में संशोधन करने के लिए जिस अवधि का निर्धारण किया जाता है, इसे एक संसद सत्र कहा जाता है। सामान्यतः एक वित्त वर्ष में संसद के तीन सत्र का आयोजन होता है। प्रत्येक सत्र के बीच छः माह से अधिक की अवधि नहीं हो सकती है।

1382. राज्यसभा के बारे में निम्न में से कौन से कथन सही हैं–
1. राज्यसभा की अधिकतम अनुज्ञेय संख्या 250 है
2. राज्यसभा में 238 सदस्य राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों में अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित होते हैं
3. अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन जैसे मामलों में इसकी लोक सभा के समान रूप से विधायी शक्तियाँ है
नीचे दिए गये कुट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
(अ) 1 एवं 2 (ब) 1, 2 एवं 3
(स) 2 एवं 3 (द) 1
उत्तर : (अ) IAS 2012
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 80 में राज्य सभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 निर्धारित की गई है, जिनमें से 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित किए जाते हैं और 238 सदस्य राज्यों के और संघ राज्यों के प्रतिनिधि होते हैं। राज्य सभा के सदस्यों की वर्तमान संख्या 245 है, जिनमें से 233 सदस्य राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली तथा पुदुचेरी के प्रतिनिधि है और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित है। राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित किए जाने वाले सदस्य ऐसे व्यक्ति होंगे जिन्हें साहित्य, विज्ञान, कला और समाज सेवा जैसे विषयों के संबंध में विशेष ज्ञान या अनुभव है।

1383. राष्ट्रपति द्वारा राज्य सभा के कितने सदस्य को नामित किया जाता है ?
(अ) पांच
(ब) बारह
(स) कुल सदस्यों का पांचवां भाग
(द) दस
उत्तर : (ब) RRB 2009
व्याख्या– राष्ट्रपति द्वारा राज्य सभा में 12 सदस्य मनोनीत किये जाते हैं।

1384. राज्य सभा विघटित हो जाती है–
(अ) 4 वर्ष बाद (ब) 5 वर्ष बाद
(स) 6 वर्ष बाद (द) कभी नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्यसभा संसद का एक स्थाई सदन है, जो कभी भंग नहीं होता। राज्यसभा के एक तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं।

1385. राज्य सभा के सदस्यों का कार्यकाल–
(अ) 4 वर्ष होता है (ब) 5 वर्ष होता है
(स) 6 वर्ष होता है (द) 8 वर्ष होता है
उत्तर : (स)
व्याख्या– सामान्यतः एक सदस्य का निर्वाचन छः वर्षों के लिए होता है, परन्तु किसी मध्यावधि चुनाव में निर्वाचित सदस्य शेष अवधि के लिए ही सेवारत रहता है। राज्य सभा का विघटन नहीं होता है, इसके लिए एक–तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्षों में सेवानिवृत्त हो जाते हैं।

1386. राज्य सभा किसके द्वारा भंग की जा सकती है ?
(अ) राष्ट्रपति द्वारा (ब) प्रधानमंत्री द्वारा
(स) मंत्रिपरिषद द्वारा (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्यसभा संसद का एक स्थाई सदन है, जो कभी भंग नहीं होता। राज्यसभा के एक तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं।

1387. किस सदन की अध्यक्षता करने वाला अधिकारी उस सदन का सदस्य नहीं होता है ?
(अ) विधान परिषद् (ब) विधानसभा
(स) लोकसभा (द) राज्यसभा
उत्तर : (द) RPSC IIgr. Teacher 2011
व्याख्या– राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष या सभापति उपराष्ट्रपति होता है, जो राज्य सभा का सदस्य नहीं होता है। राज्यसभा के सदस्यों के विपरीत राज्यसभा के सभापति का कार्यकाल भी 5 वर्षों का होता है। राज्यसभा का सभापति अपना इस्तीफा उपसभापति को नहीं बल्कि राष्ट्रपति को देता है।

1388. राज्यसभा के निर्वाचित सदस्यों की अधिकतम संख्या कितनी है ?
(अ) 250 (ब) 238
(स) 245 (द) 248
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 80 में राज्य सभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 250 निर्धारित की गई है, जिनमें से 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित किए जाते हैं और 238 सदस्य राज्यों के और संघ राज्यों के प्रतिनिधि होते हैं। राज्य सभा के सदस्यों की वर्तमान संख्या 245 है, जिनमें से 233 सदस्य राज्यों और संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली तथा पुदुचेरी के प्रतिनिधि है और 12 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नामनिर्देशित है।

1389. निम्नलिखित में से किसमें राज्यसभा की कोई भूमिका नहीं होती है ?
(अ) उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में
(ब) अध्यक्ष के निर्वाचन में
(स) राष्ट्रपति के महाभियोग में
(द) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को हटाने में
उत्तर : (ब) SSC 2002

20.लोकसभा

1390. संविधान के किस अनुच्छेद में लोकसभा की संरचना उल्लिखित है ?
(अ) अनुच्छेद–80 (ब) अनुच्छेद–81
(स) अनुच्छेद–93 (द) अनुच्छेद–108
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–81 में लोकसभा की संरचना उल्लिखित है। भारत के मूल संविधान में लोकसभा की सदस्य संख्या 500 निश्चित की गयी है। अभी इसके सदस्यों की अधिकतम सदस्य संख्या 550 हो सकती है। इनमें से अधिकतम 530 सदस्य राज्यों के निर्वाचन क्षेत्रों से व अधिकतम 20 सदस्य संघीय क्षेत्रों से निर्वाचित किये जा सकते हैं। वर्तमान में लोकसभा की सदस्य संख्या 543 है। इनमे से 524 सदस्य 28 राज्यों से तथा 19 सदस्य 8 केन्द्रशासित प्रदेशों से निर्वाचित होते हैं। 104वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2020 के द्वारा लोकसभा में आंग्ल भारतीय के लिए सीटों के आरक्षण को समाप्त कर दिया गया है।

1391. लोकसभा अपनी पहली बैठक के पश्चात् यथाशीघ्र अपने दो सदस्यों को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में चुनती है। यह प्रावधान किस अनुच्छेद में उल्लिखित है ?
(अ) अनुच्छेद–80 (ब) अनुच्छेद–81
(स) अनुच्छेद–93 (द) अनुच्छेद–108
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–93 के अनुसार लोकसभा संसद का प्रथम या निम्न सदन है, जिसका प्रतिनिधित्व करने के लिए एक अध्यक्ष होता है। लोकसभा अपनी पहली बैठक के पश्चात् यथाशीघ्र अपने दो सदस्यों को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में चुनती है।

1392. नये परिसीमन के बाद लोकसभा में अनुसूचित जाति (एस.सी.) के लिए 84 स्थान एवं अनुसूचित जनजाति (एस.टी.) के लिए 47 स्थान आरक्षित किये गये हैं। यह प्रावधान किस अनुच्छेद में उल्लिखित है ?
(अ) अनुच्छेद–330 (ब) अनुच्छेद–108
(स) अनुच्छेद–118(3) (द) अनुच्छेद–118(4)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 330 के अनुसार नये परिसीमन के बाद लोकसभा में अनुसूचित जातियों के लिए 84 स्थान एवं अनुसूचित जनजाति के लिए 47 स्थान आरक्षित किये गये हैं।

1393. लोकसभा का कार्यकाल होता है–
(अ) 6 वर्ष (ब) 5 वर्ष
(स) 3 वर्ष (द) 2 वर्ष
उत्तर : (ब)

व्याख्या– संसद के प्रथम या निम्न सदन लोकसभा का अधिकतम कार्यकाल सामान्यतः 5 वर्ष का होता है जबकि राज्यसभा में सदस्य 6 वर्ष के लिए चुने जाते हैं, जिनमें एक–तिहाई सदस्य प्रत्येक दो वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं।

1394. किस संविधान संशोधन के अंतर्गत लोकसभा एवं विधानसभाओं की सीटों की संख्या 2026 ई. तक यथावत रखने का प्रावधान किया गया है ?
(अ) 84वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2001 ई.
(ब) 85वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2001 ई.
(स) 86वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 ई.
(द) 87वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 ई.
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 84वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2001 ई. के द्वारा लोकसभा तथा विधानसभाओं की सीटों की संख्या में वर्ष 2026 ई. तक कोई परिवर्तन न करने का प्रावधान किया गया है, जिसे 104वें संविधान संशोधन, 2019 ई. के द्वारा अनुच्छेद–334 में संशोधन कर लोकसभा में अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण को 2030 तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

1395. किस संविधान संशोधन के अनुसार भारत में मतदान के लिए आयु सीमा 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गई ?
(अ) 61वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1989 ई.
(ब) 65वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1990 ई.
(स) 69वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1991 ई.
(द) 70वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 ई.
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 61वें संविधान संशाधन अधिनियम, 1989 ई. के द्वारा भारत में मतदान के लिए आयु सीमा 21 वर्ष से 18 वर्ष की गई और अब 18 वर्ष की आयु प्राप्त व्यक्ति को वयस्क माना गया है।

1396. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार लोकसभा में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए, राज्यवार जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण का प्रावधान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद–330 (ब) अनुच्छेद–332
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–330 के अन्तर्गत लोकसभा में अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के लिए आरक्षण का प्रावधान है जबकि अनुच्छेद–332 के अन्तर्गत अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के लिए विधानसभाओं में आरक्षण का प्रावधान है। यह प्रावधान प्रारंभ में 10 वर्ष के लिए किया गया था, किन्तु इसे संविधान संशोधन द्वारा 10–10 वर्ष के लिए आगे बढ़ाया जाता रहा है। वर्तमान में 104वें संविधान संशोधन, 2019 ई. के द्वारा अनुच्छेद–334 में संशोधन कर लोकसभा में अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण को 2030 तक के लिए बढ़ा दिया गया है।

1397. लोकसभा की सदस्यता के लिए अनिवार्य योग्यताएँ हैं–
(अ) वह व्यक्ति भारत का नागरिक हो।
(ब) उसकी आयु 25 वर्ष या इससे अधिक हो।
(स) भारत सरकार या किसी राज्य सरकार के अन्तर्गत वह कोई लाभ के पद पर नहीं हो।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा की सदस्यता के लिए अनिवार्य योग्यताएँ हैं–1.वह व्यक्ति भारत का नागरिक हो। 2.उसकी आयु 25 वर्ष या इससे अधिक हो। 3. भारत सरकार अथवा किसी राज्य सरकार के अन्तर्गत वह कोई लाभ के पदपर नहीं हो। 4.वह पागल व दिवालिया न हो।

1398. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार मंत्रिपरिषद् लोकसभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती है ?
(अ) अनुच्छेद–75(3) (ब) अनुच्छेद–100(3)
(स) अनुच्छेद–100(4) (द) अनुच्छेद–118(3)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–75(3) के अनुसार मंत्रिपरिषद लोकसभा के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती है।

1399. आपातकाल की घोषणा लागू होने पर विधि द्वारा संसद लोकसभा के कार्यकाल में एक बार में कितनी अवधि के लिए वृद्धि कर सकती है ?
(अ) 2 वर्ष (ब) 1 वर्ष
(स) 6 माह (द) 3 माह
उत्तर : (ब)
व्याख्या– आपातकाल की घोषणा लागू होने पर विधि द्वारा संसद लोकसभा के कार्यकाल में वृद्धि कर सकती है, जो एक बार में एक वर्ष से अधिक नहीं होगी। आपातकाल की उद्घोषणा समाप्त हो जाने के पश्चात् उसका विस्तार किसी भी दशा में छः माह से अधिक नहीं होगी। 1976 ई. में लोकसभा का कार्यकाल दो बार एक–एक वर्ष बढ़ाया गया था।

1400. किसके परामर्श के आधार पर राष्ट्रपति के द्वारा लोकसभा को समय से पूर्व भंग किया जा सकता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) महान्यायवादी
(स) उपराष्ट्रपति (द) लोकसभा अध्यक्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– प्रधानमंत्री के परामर्श पर राष्ट्रपति के द्वारा लोकसभा को समय से पूर्व भंग किया जा सकता है। ऐसा अब तक आठ बार (1970, 1977, 1979, 1984, 1989, 1991, 1997 तथा 1999) किया गया है।

1401. लोकसभा एवं राज्यसभा के अधिवेशन किसके द्वारा बुलाये और स्थगित किये जाते हैं ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) प्रधानमंत्री (द) उपराष्ट्रपति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोकसभा एवं राज्यसभा के अधिवेशन राष्ट्रपति के द्वारा ही बुलाये और स्थगित किये जाते हैं।

1402. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार संसद के प्रत्येक सदन का अधिवेशन गठित करने के लिए सदन के सदस्यों की कुल संख्या का दसवाँ भाग होगी ?
(अ) अनुच्छेद–100(3) (ब) अनुच्छेद–100(4)
(स) अनुच्छेद–108 (द) अनुच्छेद–118(3)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–100(3) के अनुसार जब तक संसद विधि द्वारा अन्यथा उपबंध न करे तब तक संसद के प्रत्येक सदन का अधिवेशन गठित करने के लिए गणपूर्ति सदन के सदस्यों की कुल संख्या का दसवाँ भाग होगी। लोकसभा की गणपूर्ति या कोरम कुल सदस्य संख्या का दसवाँ भाग होता है। संविधान के अनुच्छेद–100(4) के अनुसार यदि सदन के अधिवेशन में किसी समय गणपूर्ति नहीं है तो सभापति या अध्यक्ष अथवा उस रूप में कार्य करने वाले व्यक्ति का यह कर्तव्य होगा कि वह सदन को स्थगित कर दे या अधिवेशन को तब तक के लिए निलंबित कर दे जब तक गणूपर्ति नहीं हो जाती है।

1403. लोकसभा की दो बैठकों में कितने समय से अधिक का अन्तर नहीं होना चाहिए ?
(अ) 3 माह (ब) 1 वर्ष
(स) 6 माह (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकसभा की दो बैठकों में 6 माह से अधिक का अन्तर नहीं होना चाहिए।

1404. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता लोकसभा के अध्यक्ष के द्वारा की जाती है ?
(अ) अनुच्छेद–118(3) (ब) अनुच्छेद–118(4)
(स) अनुच्छेद–108(4) (द) अनुच्छेद–107(5)
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–118(4) के अंतर्गत संसद के संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता लोकसभा के अध्यक्ष के द्वारा की जाती है। संयुक्त बैठक से अध्यक्ष की अनुपस्थिति के दौरान सदन का उपाध्यक्ष या यदि वह भी अनुपस्थित है, तो राज्यसभा का उपसभापति या यदि वह भी अनुपस्थित है, तो ऐसा अन्य व्यक्ति पीठासीन होगा, जो उस बैठक में उपस्थित सदस्यों द्वारा अवधारित किया जाए। संयुक्त बैठक की समस्त कार्यवाही लोकसभा की प्रक्रिया के अनुसार होती है।

1405. संविधान के किस अनुच्छेद में संसद के संयुक्त अधिवेशन की व्यवस्था का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद–108 (ब) अनुच्छेद–118(3)
(स) अनुच्छेद–118(4) (द) अनुच्छेद–107(5)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–108 में संसद के संयुक्त अधिवेशन की व्यवस्था का प्रावधान है। संयुक्त अधिवेशन राष्ट्रपति के द्वारा निम्न तीन स्थितियों में बुलाया जा सकता है। विधेयक एक सदन से पारित होने के बाद जब दूसरे सदन में जाये तब यदि–1.दूसरे सदन द्वारा विधेयक अस्वीकार कर दिया गया हो। 2.विधेयक पर किये जाने वाले संशोधनों के बारे में दोनो सदन अन्तिम रूप से असहमत हो गये हों। 3.दूसरे सदन को विधेयक प्राप्त होने की तारीख से उसके द्वारा विधेयक पारित किये बिना 6 माह से अधिक बीत गये हों। सदनों की संयुक्त बैठक में अधिवेशित होने के लिए आहूत करने के अपने आशय की राष्ट्रपति की सूचना के पश्चात् लोकसभा का विघटन बीच में हो जाने पर भी अनुच्छेद–108(5) के अधीन संयुक्त बैठक हो सकेगी और उसमें विधेयक पारित हो सकेगा। अनुच्छेद–108 द्वारा निर्धारित संयुक्त बैठक की प्रक्रिया सामान्य विधायन तक ही सीमिति है। धन विधेयक एवं संविधान संविधान संशोधन विधेयक पारित करने के लिए संयुक्त बैठक नहीं हो सकती। संविधान संशोधन विधेयक दोनों सदनों में अलग–अलग पारित होना चाहिए। अनुच्छेद–118(3) के अन्तर्गत राष्ट्रपति, राज्यसभा के सभापति और लोकसभा के अध्यक्ष से परामर्श करने के पश्चात् दोनों सदनों की संयुक्त बैठकों से संबंधित और उनमें परस्पर संचार से संबंधित प्रक्रिया के नियम बना सकेगा।

1406. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार संसद में लंबित विधेयक सदनों के सत्रावसान के कारण व्यपतगत (समाप्त) नहीं होता है ?
(अ) अनुच्छेद–118(3) (ब) अनुच्छेद–107(3)
(स) अनुच्छेद–107(4) (द) अनुच्छेद–107(5)
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–107(3) के अनुसार संसद में लंबित विधेयक सदनों के सत्रावसान के कारण व्यपगत यानी समाप्त नहीं होता है।

1407. लोकसभा में एक दिन में तारांकित प्रश्नों की अधिकतम संख्या होती है–
(अ) 15 (ब) 30
(स) 20 (द) 18
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकसभा में एक दिन में तारांकित प्रश्नों की अधिकतम संख्या 20 होती है।

1408. सदन के संयुक्त बैठक में कोई विधेयक निर्दिष्ट किया जाता है तो इस विधेयक को दोनों सदनों के उपस्थित तथा मत देने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत से परित किया जाता है। यह प्रावधान किस अनुच्छेद में उल्लिखित है ?
(अ) अनुच्छेद–118(3) (ब) अनुच्छेद–118(4)
(स) अनुच्छेद–108(4) (द) अनुच्छेद–107(5)
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–108(4) के अनुसार सदन के संयुक्त बैठक में कोई विधेयक निर्दिष्ट किया जाता है तो इस विधेयक को दोनों सदनों के उपस्थित तथा मत देने वाले सदस्यों के साधारण बहुमत से परित किया जाता है।

1409. धन विधेयक के संबंध में.....का निर्णय अंतिम होता है। इस संबंध में संयुक्त अधिवेशन की व्यवस्था नहीं है ?
(अ) लोकसभा (ब) राज्यसभा
(स) नीति आयोग (द) वित्त आयोग
उत्तर : (अ)
व्याख्या– धन विधेयक के संबंध में लोकसभा का निर्णय अंतिम होता है। धन विधेयक को पारित करने हेतु संसद के संयुक्त अधिवेशन की व्यवस्था नहीं है।

1410. मूल संविधान में लोकसभा सदस्यों की संख्या कितनी निर्धारित की गई थी ?
(अ) 500 (ब) 510
(स) 520 (द) 525
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मूल संविधान में लोकसभा की सदस्य संख्या 500 निर्धारित की गयी थी, किन्तु बाद में इसमें वृद्धि की गयी। 31वें संविधान संशोधन, 1973 के द्वारा लोकसभा के सदस्यों की संख्या 525 से 545 कर दी गई तथा केन्द्रशासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व 25 से घटाकर 20 कर दिया गया। 104वें संविधान संशोधन, 2019 ई. के द्वारा लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में आंग्ल भारतीयों के लिए सीटों के आरक्षण को समाप्त कर दिया गया, जिसके फलस्वरूप राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा में आंग्ल भारतीयों के दो सदस्यों को मनोनीत नहीं कर सकता है और इस प्रकार वर्तमान में लोकसभा सदस्यों की संख्या 543 रह गयी है।

1411. लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कम–से–कम कितने सदस्यों के समर्थन की आवश्यकता होती है ?
(अ) 25 (ब) 100
(स) 50 (द) 75
उत्तर : (स)
व्याख्या– अविश्वास प्रस्ताव केवल लोकसभा में ही पेश किया जा सकता है। अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए कम–से–कम 50 लोकसभा सदस्यों के समर्थन की जरूरत होती है, जबकि अविश्वास प्रस्ताव को पारित कराने के लिए लोकसभा के सदस्यों के बहुमत की जरूरत होती है। यदि अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाता है, तो सरकार को इस्तीफा देना पड़ता है।

1412. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार राज्यसभा में लंबित विधेयक, जिसको लोकसभा में पारित नहीं किया है, लोकसभा के विघटन पर व्यपगत नहीं होता है ?
(अ) अनुच्छेद–118(3) (ब) अनुच्छेद–107(3)
(स) अनुच्छेद–107(4) (द) अनुच्छेद–107(5)
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–170(4) के अनुसार राज्यसभा में लंबित विधेयक, जिसको लोकसभा में पारित नहीं किया है, लोकसभा के विघटन पर व्यपगत नहीं होता है।

1413. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार कोई विधेयक, जो लोकसभा में लंबित है या जो लोकसभा द्वारा पारित कर दिया गया है और राज्यसभा में लंबित है, अनुच्छेद–108 के उपबंधों के अधीन रहते हुए लोकसभा के विघटन पर व्यपगत हो जाएगा ?
(अ) अनुच्छेद–118(3) (ब) अनुच्छेद–107(3)
(स) अनुच्छेद–107(4) (द) अनुच्छेद–107(5)
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–107(5) के अनुसार कोई विधेयक, जो लोकसभा में लंबित है या जो लोकसभा द्वारा पारित कर दिया गया है और राज्यसभा में लंबित है, अनुच्छेद–108 के उपबंधों के अधीन रहते हुए लोकसभा के विघटन पर व्यपगत हो जाएगा।

1414. प्रथम लोकसभा का कार्यकाल रहा है–
(अ) 17 अप्रैल, 1952 से 4 अप्रैल, 1957
(ब) 17 अप्रैल, 1952 से 16 अप्रैल, 1957
(स) 17 अप्रैल, 1952 से 8 अप्रैल, 1957
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– प्रथम लोकसभा का कार्यकाल 17 अप्रैल, 1952 से 4 अप्रैल, 1957 तक रहा।

1415. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में लोकसभा के गठन के सम्बन्ध में प्रावधान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 81 (ब) अनुच्छेद 331
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत की प्रथम लोकसभा का गठन 17 अप्रैल, 1952 को हुआ था। इसकी पहली बैठक 13 मई, 1952 को हुई थी। लोकसभा के गठन के संबंध में संविधान के अनुच्छेद 81 तथा 331 में प्रावधान किया गया है।

1416. निम्नलिखित में से जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित सदन है ?
(अ) राज्यसभा (ब) लोकसभा
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लोकसभा का गठन वयस्क मतदान के आधार पर प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुने गए जनता के प्रतिनिधियों से होता है।

1417. भारत में लोकसभा किसका प्रतिनिधित्व करता है ?
(अ) राज्यों की विधानसभाओं का
(ब) राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों का
(स) भारतीय जनता का
(द) राजनीतिक दलों का
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकसभा में चुने जाने वाले सदस्यों का चुनाव भारत की आम जनता द्वारा किया जाता है।

1418. 31वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या निर्धारित थी–
(अ) 530 (ब) 540
(स) 542 (द) 545
उत्तर : (द) RRB 2004
व्याख्या– 31वें संविधान संशोधन, 1974 के द्वारा लोकसभा की अधिकतम सदस्य 525 से बढ़ाकर 545 कर दी गयी। वर्तमान में गोवा, दमन और दीव पुनर्गठन अधिनियम, 1987 द्वारा यह अभिनिर्धारित किया गया है कि लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 552 हो सकती है। संविधान के अनुच्छेद 81(1)(क) एवं 81(1)(ख) के अनुसार लोकसभा का गठन राज्यों में प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों से प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा चुने हुए 530 से अधिक न होने वाले सदस्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले 20 से अधिक न होने वाले सदस्यों के द्वारा किया जाएगा। इस प्रकार लोकसभा में भारत की जनसंख्या द्वारा निर्वाचित 550 सदस्य हो सकते हैं।

1419. राष्ट्रपति आंग्ल–भाारतीय समुदाय के कितने प्रतिनिधियों को लोकसभा में मनोनीत करता है ?
(अ) 2 (ब) 4
(स) 6 (द) 12
उत्तर : (अ) IAS 1995, SSC 1999, RRB 2003
व्याख्या– आंग्ल भारतीय समुदाय को लोकसभा में उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर राष्ट्रपति द्वारा उस समुदाय से अधिकतम दो सदस्यों को नामित किया जाता था किन्तु 104वें संविधान संशोधन, 2019 ई. के द्वारा लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में आंग्ल भारतीयों के लिए सीटों के आरक्षण को समाप्त कर दिया गया, जिसके फलस्वरूप राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा में आंग्ल भारतीयों के दो सदस्यों को मनोनीत नहीं कर सकता है और इस प्रकार वर्तमान में लोकसभा सदस्यों की संख्या 543 रह गयी है।

1420. वर्तमान में लोकसभा के कितने सदस्यों को राज्य की जनता सीधे निर्वाचित करती है ?
(अ) 510 (ब) 520
(स) 525 (द) 530
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 550 हो सकती है। यह संख्या लोकसभा सदस्यों की सैद्धांतिक गणना है। वर्तमान में लोकसभा की प्रभावी संख्या 530 (राज्यों के प्रतिनिधि) और 20 संघ क्षेत्रों के प्रतिनिधि। वर्तमान में लोकसभा सदस्यों की संख्या 543 है।

1421. वर्तमान में लोकसभा सदस्यों की प्रभावी संख्या कितनी है ?
(अ) 540 (ब) 543
(स) 548 (द) 552
उत्तर : (ब) RRB 2004
व्याया– वर्तमान में लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या 550 हो सकती है। यह संख्या लोकसभा सदस्यों की सैद्धांतिक गणना है। वर्तमान में लोकसभा की प्रभावी संख्या 530 (राज्यों के प्रतिनिधि) और 20 संघ क्षेत्रों के प्रतिनिधि। 104वें संविधान संशोधन, 2019 ई. के द्वारा लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में आंग्ल भारतीयों के लिए सीटों के आरक्षण को समाप्त कर दिया गया जिसके फलस्वरूप राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा में आंग्ल भारतीयों के दो सदस्यों को मनोनीत नहीं कर सकता है और इस प्रकार वर्तमान में लोकसभा सदस्यों की संख्या 543 रह गयी है।

1422. राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा में आंग्ल–भारतीय समुदाय के दो सदस्यों को किस अनुच्छेद के तहत मनोनीत करता था ?
(अ) अनुच्छेद 330 (ब) अनुच्छेद 331
(स) अनुच्छेद 333 (द) अनुच्छेद 335
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 331 के अनुसार यदि राष्ट्रपति की राय में लोकसभा में आंग्ल भारतीय समुदाय को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिला हो तो वह आंग्ल भारतीय समुदाय के दो व्यक्तियों को लोकसभा के लिए नामनिर्देशित कर सकता था, किन्तु 104वें संविधान संशोधन, 2019 ई. के द्वारा लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में आंग्ल भारतीयों के लिए सीटों के आरक्षण को समाप्त कर दिया गया जिसके फलस्वरूप राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा में आंग्ल भारतीयों के दो सदस्यों को मनोनीत नहीं कर सकता है और इस प्रकार वर्तमान में लोकसभा सदस्यों की संख्या 543 रह गयी है।

1423. लोकसभा में राज्यों को किस आधार पर सीटें आवंटित होती है ?
(अ) जनसंख्या (ब) क्षेत्रफल
(स) गरीबी (द) भाषा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोकसभा में स्थानों को आवंटित करने के लिए दो प्रक्रिया अपनायी जाती हैं–(1) पहला प्रत्येक राज्य को लोकसभा में स्थानों का आवंटन ऐसी रीति से किया जाता है कि स्थानों की संख्या से उस राज्य की जनसंख्या का अनुपात सभी राज्यों के लिए यथासाध्य एक ही हो। (2) प्रत्येक राज्य को प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में ऐसी रीति से विभाजित किया जाता है कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र की जनसंख्या का उसको आवंटित स्थानों की संख्या से अनुपात समस्त राज्य में यथासाध्य एक ही हो।

1424. लोकसभा में राज्यवार सीटों का आवंटन 1971 की जनगणना पर आधारित है। यह निर्धारण किस वर्ष तक यथावत रहेगा ?
(अ) 2031 ई. में (ब) 2026 ई. में
(स) 2021 ई. में (द) 2011 ई. में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के प्रत्येक राज्य को उसकी जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सदस्य मिलते हैं। वर्तमान में यह 1971 की जनसंख्या पर आधारित है। अगली बार लोकसभा के सदस्यों की संख्या वर्ष 2026 में निर्धारित की जाएगी। इससे पहले प्रत्येक दशक की जनगणना के आधार पर सदस्य स्थान निर्धारित होते थे।

1425. वर्तमान लोकसभा में प्रत्येक राज्य के लिए स्थानों का आवंटन आधारित है–
(अ) 1951 की जनगणना पर
(ब) 1961 की जनगणना पर
(स) 1971 की जनगणना पर
(द) 1991 की जनगणना पर
उत्तर : (स) IAS 1998
व्याख्या– भारत के प्रत्येक राज्य को उसकी जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सदस्य मिलते हैं। वर्तमान में यह 1971 की जनसंख्या पर आधारित है। अगली बार लोकसभा के सदस्यों की संख्या वर्ष 2026 में निर्धारित की जाएगी। इससे पहले प्रत्येक दशक की जनगणना के आधार पर सदस्य स्थान निर्धारित होते थे।

1426. लोकसभा के निर्वाचन क्षेत्रों का सीमा निर्धारण पहली बार निम्नलिखित में से किस वर्ष किया गया था ?
(अ) 1970 (ब) 1972
(स) 1976 (द) 1977
उत्तर : (ब) SSC 2002
व्याख्या– संविधान में परिसीमन आयोग के संबंध में कोई स्पष्ट निर्देश नहीं दिया गया है। अनुच्छेद–82 में प्रत्येक जनगणना की समाप्ति पर लोक सभा एवं राज्य के निर्वाचन क्षेत्रों के विभाजन एवं पुनः समायोजन का कार्य संसद द्वारा विहित अधिकारी द्वारा किये जाने का प्रावधान है। लोकसभा एवं विधान सभाओं में सीटों के आवंटन एवं क्षेत्रों की सीमा के निर्धारण के लिए परिसीमन आयोग का गठन किया जाता हैं।

1427. लोकसभा का एक निर्वाचन क्षेत्र कम से कम कितनी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करती है ?
(अ) 5 लाख (ब) 7.5 लाख
(स) 10 लाख (द) 15 लाख
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लोकसभा का एक निर्वाचन क्षेत्र कम से कम 7.50 लाख जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करता है।

1428. अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधियों के लिए लोकसभा में कितने सुरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों की व्यवस्था की गई है ?
(अ) 131 (ब) 152
(स) 176 (द) 194
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोकसभा में अनुसूचित जाति तथा जनजातियों के लिए 131 सीटें आरक्षित है। लोकसभा की 543 सीटों में से 84 सीटें अनुसूचित जाति और 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है।

1429. लोकसभा के सभी निर्वाचन क्षेत्र निम्न में से किस प्रकार के होते हैं ?
(अ) एकल सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र
(ब) बहुसदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र
(स) (अ) और (ब) दोनों से
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में एकल सदस्य निर्वाचन की व्यवस्था को स्वीकार किया गया है, जिसमें सम्पूर्ण देश को उसके स्थानों के अनुरूप ही बाँट दिया जाता है तथा प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक सदस्य का निर्वाचन किया जाता है। केवल 1952 के प्रथम चुनाव में अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के लिए बहुल सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र रखे गये थे।

1430. राष्ट्रपति लोकसभा के दो सदस्यों को निम्न का प्रतिनिधित्व देने के लिए नामित कर सकता है–
(अ) एंग्लो–इंडियन (ब) ईसाई
(स) बौद्ध धर्मावलम्बी (द) पारसी
उत्तर : (अ) RRB 2006
व्याख्या– 31वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1974 द्वारा लोकसभा की सदस्य संख्या 525 से बढ़ाकर

545 निश्चित की गई। इन 545 सदस्यों में से 543 निर्वाचित होंगे तथा आंग्ल भारतीय समुदाय के प्रतिनिधि के रूप में 2 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किये जा सकते हैं, किन्तु 104वें संविधान संशोधन, 2019 ई. के द्वारा लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में आंग्ल भारतीयों के लिए सीटों के आरक्षण को समाप्त कर दिया गया जिसके फलस्वरूप राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा में आंग्ल भारतीयों के दो सदस्यों को मनोनीत नहीं कर सकता है और इस प्रकार वर्तमान में लोकसभा सदस्यों की संख्या 543 रह गयी है।

1431. कौनसा संवैधानिक संशोधन राज्यों से चुने जाने वाले लोकसभा के सदस्यों की संख्या बढ़ाने से संबंधित है ?
(अ) छठा तथा बाइसवाँ
(ब) तेरहवां तथा अड़तीसवाँ
(स) सातवाँ तथा इकतीसवाँ
(द) ग्यारहवाँ तथा बयालीसवाँ
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान संशोधन अधिनियम 7वाँ और 31वाँ राज्यों से चुने जाने वाले लोकसभा के सदस्यों की संख्या बढ़ाने से सम्बन्धित है। 31वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1974 द्वारा लोकसभा की सदस्य संख्या 525 से बढ़ाकर 545 निश्चित की गई। इन 545 सदस्यों में से 543 निर्वाचित होंगे तथा आंग्ल भारतीय समुदाय के प्रतिनिधि के रूप में 2 सदस्य राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किये जा सकते हैं, किन्तु 104वें संविधान संशोधन, 2019 ई. के द्वारा लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में आंग्ल भारतीयों के लिए सीटों के आरक्षण को समाप्त कर दिया गया जिसके फलस्वरूप राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा में आंग्ल भारतीयों के दो सदस्यों को मनोनीत नहीं कर सकता है और इस प्रकार वर्तमान में लोकसभा सदस्यों की संख्या 543 रह गयी है।

1432. लोकसभा के लिए प्रथम आम चुनाव कब हुआ था ?
(अ) 1947 (ब) 1948
(स) 1952 (द) 1956
उत्तर : (स)
व्याख्या– 26 जनवरी, 1950 को संविधान लागू करने के पश्चात् 1952 में भारत का प्रथम आम चुनाव सम्पन्न हुआ। इसके पश्चात् देश में पहली बार 1952 में लोकसभा का गठन हुआ।

1433. कौनसा राज्य सबसे अधिक प्रतिनिधि लोकसभा में भेजता है ?
(अ) बिहार (ब) मध्य प्रदेश
(स) पश्चिम बंगाल (द) उत्तर प्रदेश
उत्तर : (द)
व्याख्या– उत्तर प्रदेश राज्य सबसे अधिक प्रतिनिधि लोकसभा में भेजता है।

1434. लोकसभा में केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधि चुने जाते हैं–
(अ) प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा
(ब) अप्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा
(स) नामांकन द्वारा
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोकसभा का गठन वयस्क मताधिकार पर आधारित प्रत्या निर्वाचन प्रणाली के माध्यम से चुने गए जनप्रतिनिधियों से मिलकर होता है। संविधान के अनुसार इसमें अधिकतम 552 सदस्य हो सकते हैं, जिसमेंसे 530 सदस्य राज्यों और 20 सदस्य संघशासित क्षेत्रों से होंगे। इसके अलावा राष्ट्रपति आंग्ल–भारतीय समुदाय के दो सदस्यों को लोकसभा के लिए नामित कर सकता है।

1435. लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए इच्छुक व्यक्ति की न्यूनतम आयु होनी चाहिए–
(अ) 21 वर्ष (ब) 25 वर्ष
(स) 30 वर्ष (द) 35 वर्ष
उत्तर : (ब) SSC 2005, RRB 2002
व्याख्या– संसद सदस्य के रूप में चुने जाने के लिए एक व्यक्ति को भारत का नागरिक होना चाहिए और राज्य सभा में चुने जाने के लिए उसकी उम्र 30 और लोकसभा के मामले में कम से कम 25 वर्ष होनी चाहिए।

1436. किस राज्य का लोकसभा एवं राज्यसभा में प्रतिनिधित्व सबसे अधिक है ?
(अ) उत्तर प्रदेश (ब) मध्य प्रदेश
(स) महाराष्ट्र (द) आंध्र प्रदेश
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उत्तर प्रदेश राज्य का लोकसभा एवं राज्यसभा में प्रतिनिधित्व सबसे अधिक है।

1437. निम्नलिखित में से राज्यों के किस युग्म को लोकसभा में समान सीटें प्राप्त है ?
(अ) पंजाब तथा असम
(ब) गुजरात तथा राजस्थान
(स) मध्य प्रदेश तथा तमिलनाडु
(द) आंध्र प्रदेश तथा राजस्थान
उत्तर : (द)
व्याख्या– आंध्र प्रदेश और राजस्थान दोनों राज्यों में 25–25 सीटें लोकसभा के लिए निर्धारित है।

1438. लोकसभा का सामान्यतः कार्यकाल कितने वर्ष का होता है ?
(अ) 3 वर्ष (ब) 4 वर्ष
(स) 5 वर्ष (द) 6 वर्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आपातकाल के प्रख्यापन के प्रभावी होने की अवधि

के दौरान स्वयं संसद द्वारा पारित अधिनियम द्वारा सामान्य कार्यकाल को बढ़ाया जा सकता है। इस अवधि को एक बार में एक वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता और किसी भी प्रकार प्रख्यापन के समापन की अवधि से छः माह से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता है।

1439. वर्तमान में किस राज्य का लोकसभा में अधिकतम सदस्यों की संख्या के हिसाब से दूसरा स्थान है ?
(अ) बिहार (ब) महाराष्ट्र
(स) मध्य प्रदेश (द) आन्ध्र प्रदेश
उत्तर : (ब) SSC 1999
व्याख्या– लोकसभा में अधिकतम सदस्यों की संख्या के हिसाब से उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान है, जबकि दूसरा स्थान महाराष्ट्र का है।

1440. उत्तर प्रदेश के बाद सबसे अधिक संसदीय क्षेत्र किस राज्य में है ?
(अ) मध्य प्रदेश (ब) बिहार
(स) महाराष्ट्र (द) तमिलनाडु
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकसभा में अधिकतम सदस्यों की संख्या के हिसाब से उत्तर प्रदेश का प्रथम स्थान है, जबकि दूसरा स्थान महाराष्ट्र का है।

1441. संघ शासित क्षेत्र दिल्ली कितने प्रतिनिधि निर्वाचित कर लोकसभा में भेजता है ?
(अ) 5 (ब) 7
(स) 8 (द) 10
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लोकसभा में संघ शासित क्षेत्र दिल्ली के सर्वाधिक प्रतिनिधि निर्वाचित होकर आते हैं। इनकी सदस्य संख्या 7 है।

1442. उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त लोकसभा में किन दो राज्यों का प्रतिनिधित्व सबसे अधिक है ?
(अ) बिहार और आन्ध्र प्रदेश
(ब) महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल
(स) कर्नाटक और आन्ध्र प्रदेश
(द) तमिलनाडु और राजस्थान
उत्तर : (ब) SSC 2005
व्याख– उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त लोकसभा में महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व सबसे अधिक है।

1443. किसी भी दशा में आपातकाल की उद्घोषणा प्रवृत्त न रहने के बाद उपर्युक्त अवधि कितने समय से आगे बढ़ायी नहीं जा सकती है ?
(अ) 1 माह (ब) 2 माह
(स) 3 माह (द) 6 माह
उत्तर : (द)
व्यख्या– संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आपातकाल के प्रख्यापन के प्रभावी होने की अवधि के दौरान स्वयं संसद द्वारा पारित अधिनियम द्वारा सामान्य कार्यकाल को बढ़ाया जा सकता है। इस अवधि को एक बार में एक वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता और किसी भी प्रकार प्रख्यापन के समापन की अवधि से छः माह से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता है।

1444. निम्नलिखित राज्यों में से किस राज्य से लोकसभा में सबसे कम सदस्य है ?
(अ) आन्ध्र प्रदेश (ब) हरियाणा
(स) केरल (द) उड़ीसा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– हरियाणा राज्य से लोकसभा में सबसे कम सदस्य 10 हैं।

1445. लोकसभा में किस संघ शासित क्षेत्र के सर्वाधिक प्रतिनिधि निर्वाचित होकर आते हैं ?
(अ) दिल्ली
(ब) पांडिचेरी
(स) लक्षद्वीप
(द) अंडमान निकोबार द्वीप समूह
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोकसभा में संघ शासित क्षेत्र दिल्ली के सर्वाधिक प्रतिनिधि निर्वाचित होकर आते हैं।

1446. लोकसभा के किसी सदस्य की सदस्यता कितने दिनों तक लगातार अनुपस्थित रहने पर समाप्त हो जाती है ?
(अ) 2 माह (ब) 3 माह
(स) 6 माह (द) 9 माह
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संसद के किसी सदस्य की सदस्यता तब समाप्त समझी जाती है यदि वह बिना सदन को सूचित किये 60 दिनों तक अनुपस्थित रहता है।

1447. आपातकाल के दौरान संसद लोकसभा का कार्यकाल एक बार में कितने समय के लिए बढ़ा सकती है ?
(अ) 6 माह (ब) 1 वर्ष
(स) 2 वर्ष (द) 3 वर्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आपातकाल के प्रख्यापन के प्रभावी होने की अवधि के दौरान स्वयं संसद द्वारा पारित अधिनियम द्वारा सामान्य कार्यकाल को बढ़ाया जा सकता है। इस अवधि को एक बार में एक वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता और किसी भी प्रकार प्रख्यापन के समापन की अवधि से छः माह से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता है।

1448. लोकसभा के कम–से–कम कितने सत्र बुलाये जाते हैं ?
(अ) वर्ष में एक बार (ब) वर्ष में दो बार
(स) वर्ष में तीन बार (द) वर्ष में तीन बार
उत्तर : (ब) BPSC 1998
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 85 के अनुसार संसद सदैव इस तरह से आयोजित की जाती

रहेगी कि संसद के दो सत्रों के मध्य 6 माह से अधिक अंतर न हो। परम्परानुसार संसद तीन नियमित सत्रों तथा विशेष सत्रों में आयोजित की जाती है। सत्रों का आयोजन राष्ट्रपति की विज्ञप्ति से होता है।

1449. लोकसभा में कोरम (गणपूर्ति) पूरा करने के लिए कम–से–कम कितने सदस्यों की जरूरत होती है ?
(अ) कुल सदस्यों का 1/3 भा
(ब) कुल सदस्यों का 1/4 भाग
(स) कुल सदस्यों का 1/6 भाग
(द) कुल सदस्यों का 1/10 भाग
उत्तर : (द) RRB 2004
व्याख्या– किसी सभा, संसद, समिति या कार्यकारिणी की बैठक में लिये आगत न्यूनतम आवश्यक सदस्यों की संख्या को कोरम या गणपूर्ति कहा जाता है। लोकसभा के कुल सदस्यों की संख्या के एक तिहाई सदस्यों को अनुच्छेद 100(3) के अंतर्गत सभा की बैठक के लिए गणपूर्ति या कोरम माना जाता है।

1450. लोकसभा का कार्यकाल 5 वर्ष से अधिक किस अवस्था में बढ़ाया जा सकता है ?
(अ) जब युद्ध चल रहा हो
(ब) जब राष्ट्रीय आपात लागू हो
(स) जब राष्ट्रपति अपने विवके से ऐसा निर्णय ले
(द) जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त ऐसा निर्णय ले
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लोकसभा का सामान्य कार्यकाल 5 वर्षों का है, किन्तु इसे राष्ट्रपति द्वारा पहले भी विघटित किया जा सकता है। संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आपातकाल के प्रख्यापन के प्रभवी होने की अवधि के दौरन स्वयं संसद द्वारा पारित अधिनियम द्वारा सामान्य कार्यकाल को बढ़ाया जा सकता है। इस अवधि को एक बार में एक वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता और किसी भी प्रकार प्रख्यापन के समापन की अवधि से छः माह से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता है।

1451. राष्ट्रपति लोकसभा को कार्यकाल पूरा करने के पूर्व भंग कर सकता है–
(अ) प्रधानमंत्री की सलाह पर
(ब) उपराष्ट्रपति की सलाह पर
(स) लोकसभाध्यक्ष की सलाह पर
(द) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की सलाह पर
उत्तर : (अ) RRB 2005
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 85 के अनुसार लोकसभा को राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री की सलाह पर भंग किया जाता है। विघटन के बाद सभी लंबित कार्य जो लोकसभा के समक्ष होते हैं, समाप्त हो जाते हैं किन्तु बिल जो राज्यसभा में लाये गये हों और वहीं लंबित होते हैं, समाप्त नहीं होते या बिल जो राष्ट्रपति के सामने विचाराधीन हो वे भी समाप्त नहीं होते हैं या राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों की लोकसभा विघटन से पूर्व संयुक्त बैठक बुला ले।

1452. लोकसभा के बैठक की अंतिम तिथि तथा दूसरी बैठक की प्रथम तिथि के बीच कितने समय से अधिक का अंतराल नहीं होना चाहिए ?
(अ) 1 माह (ब) 2 माह
(स) 3 माह (द) 6 माह
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 85 के अनुसार संसद सदैव इस तरह से आयोजित की जाती रहेगी कि संसद के दो सत्रों के मध्य 6 माह से अधिक अंतर न हो। परम्परानुसार संसद तीन नियमित सत्रों तथा विशेष सत्रों में आयोजित की जाती है। सत्रों का आयोजन राष्ट्रपति की विज्ञप्ति से होता है।

1453. लोकसभा सदस्य अपना त्यागपत्र किसको देते हैं ?
(अ) प्रधानमंत्री को
(ब) राष्ट्रपति को
(स) लोकसभाध्यक्ष को
(द) संसदीय मामलों के मंत्री को
उत्तर : (स)
व्याख्या–लोकसभा सदस्य अपना त्यागपत्र लोकसभा अध्यक्ष को देता है।

1454. लोकसभा का विघटन कौन कर सकता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभाध्यक्ष (द) मंत्रिपरिषद
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 85 के अनुसार लोकसभा को राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री की सलाह पर भंग किया जाता है। विघटन के बाद सभी लंबित कार्य जो लोकसभा के समक्ष होते हैं, समाप्त हो जाते हैं किन्तु बिल जो राज्यसभा में लाये गये हों और वहीं लंबित होते हैं, समाप्त नहीं होते या बिल जो राष्ट्रपति के सामने विचाराधीन हो वे भी समाप्त नहीं होते हैं या राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों की लोकसभा विघटन से पूर्व संयुक्त बैठक बुला ले।

1455. लोकसभा में मंत्री परिषद के विरुद्ध अविश्वास का प्रस्ताव लाने हेतु न्यूनतम सदस्य संख्या है–
(अ) 20 (ब) 30
(स) 40 (द) 50
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा का विघटन राष्ट्रपति द्वारा मंत्रिपरिषद की सलाह पर किया जाता है। इससे लोकसभा का जीवन समाप्त हो जाता है। इसके बाद आम चुनाव ही होते हैं। विघटन के बाद सभी लंबित कार्य जो लोकसभा के समक्ष होते हैं, समाप्त हो जाते हैं किन्तु बिल जो राज्यसभा में लाये गये

हों और वहीं लंबित हाते हैं, समाप्त नहीं होते या बिल जो राष्ट्रपति के सामने विचाराधीन हो वे भी समाप्त नहीं होते हैं या राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों की लोकसभा विघटन से पूर्व संयुक्त बैठक बुला ले।

1456. लोकसभा सदस्य बनने के लिए योग्यता नहीं है–
(अ) भारत का नागरिक हो
(ब) उम्र 30 वर्ष से कम न हो
(स) पागल या दिवालिया न हो
(द) सरकारी लाभ के पद पर न हो
उत्तर : (ब) RRB 2004
व्याख्या– संसद सदस्य के रूप में चुने जाने के लिए एक व्यक्ति को भारत का नागरिक होना चाहिए और राज्य सभा में चुने जाने के लिए उसकी उम्र 30 और लोकसभा के मामले में कम से कम 25 वर्ष होनी चाहिए।

1457. लोकसभा सदस्यों के निर्योग्यता से संबंधित प्रश्नों का निर्णय कौन करता है ?
(अ) लोकसभाध्यक्ष
(ब) प्रधानमंत्री
(स) राष्ट्रपति
(द) संसदीय मामलों के मंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष लोकसभा के सत्रों की अध्यक्षता करता है और सदन के कामकाज का संचालन करता है। वह निर्णय करता है कि कोई विधेयक, धन विधेयक है या नहीं। वह सदन का अनुशासन और मर्यादा बनाए रखता है और इसमें बाधा पहुँचाने वाले सांसदों को दण्डित भी कर सकता है। वह अविश्वास प्रस्ताव, स्थगन प्रस्ताव, सेंसर मोशन, को लाने की अनुमति देता है और अटेंशन नोटिस देता है। अध्यक्ष ही यह तय करता है कि सदन की बैठक में क्या एजेंडा लिया जाना है।

1458. लोकसभा को उसके कार्यकाल की समाप्ति के पूर्व भी भंग किया जा सकता है–
(अ) राष्ट्रपति द्वारा उसकी इच्छानुसार
(ब) लोकसभाध्यक्ष द्वारा
(स) राष्ट्रपति द्वारा मंत्रिपरिषद की सलाह पर
(द) राष्ट्रपति द्वारा लोकसभाध्यक्ष की सलाह पर
उत्तर : (स) BPSC 1998
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 85 के अनुसार लोकसभा को राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री की सलाह पर भंग किया जाता है। विघटन के बाद सभी लंबित कार्य जो लोकसभा के समक्ष होते हैं, समाप्त हो जाते हैं किन्तु बिल जो राज्यसभा में लाये गये हों और वहीं लंबित होते हैं, समाप्त नहीं होते या बिल जो राष्ट्रपति के सामने विचाराधीन हो वे भी समाप्त नहीं होते हैं या राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों की लोकसभा विघटन से पूर्व संयुक्त बैठक बुला ले।

1459. लोकसभा के अध्यक्ष को कौन चुनता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) लोकसभा के सदस्य
(स) लोकसभा के निर्वाचित सदस्य
(द) संसद के सदस्य
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष का निर्वाचन लोकसभा के सदस्यों के द्वारा किया जाता है। निर्वाचन की तिथि राष्ट्रपति के द्वारा निश्चित की जाती है। राष्ट्रपति के द्वारा निश्चित की गई तिथि की सूचना लोकसभा का महासचिव सदस्यों को देता है।

1460. निम्नलिखित में से किसे लोकसभा का अभिरक्षक कहा जाता है ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) विरोधी दल का नेता
(स) शासक दल का मुख्य सचेतक
(द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा का अभिरक्षक लोकसभा अध्यक्ष है। संसद की सम्पूर्ण कार्यवाही का सफल संचालन उसी के द्वारा सम्पन्न होता है। उसके कार्य अधिकांशतः संसदीय कार्यवाही दल संचालन नियम तथा संविधान में लिखे हुए हैं। वह लोकसभा की बैठकों की अध्यक्षता करता है। लोकसभा में लोक सभा अध्यक्ष सर्वोच्च अधिकारी होता है। वह निर्णय करता है कि प्रस्तुत विधेयक वित्तीय विधेयक है अथवा नहीं तथा उसका निर्णय अंतिम होता है। लोकसभा अध्यक्ष संसद के संयुक्त संत्र की भी अध्यक्षता करता है।

1461. सामान्यतः 5 वर्ष की समाप्ति के पहले लोकसभा को निम्नलिखित में से किसके द्वारा विघटित किया जा सकता है ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) लोकसभाध्यक्ष
(स) प्रधानमंत्री की संस्तुति से राष्ट्रपति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकसभा का विघटन राष्ट्रपति द्वारा मंत्रिपरिषद की सलाह पर किया जाता है। इससे लोकसभा का जीवन समाप्त हो जाता है। इसके बाद आम चुनाव ही होते हैं। विघटन के बाद सभी लंबित कार्य जो लोकसभा के समक्ष होते हैं, समाप्त हो जाते हैं किन्तु बिल जो राज्यसभा में लाये गये हों और वहीं लंबित हाते हैं, समाप्त नहीं होते या बिल जो राष्ट्रपति के सामने विचाराधीन हो वे भी समाप्त नहीं होते हैं या राष्ट्रपति संसद के दोनों सदनों की लोकसभा विघटन से पूर्व संयुक्त बैठक बुला ले।

1462. अस्थायी लोकसभाध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) को कौन नियुक्त करता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) उपराष्ट्रपति
(स) निर्वाचित लोकसभाध्यक्ष
(द) निर्वाचन आयोग
उत्तर : (अ)
व्याख्या– चुनाव के बाद पहली बैठक की अध्यक्षता अस्थायी अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) करता है। स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का चयन संसद के सदस्यों द्वारा किया जाता है जो प्रोटेम स्पीकर के तहत होता है। जब लोकसभा और विधानसभाओं का चुनाव किया गया हो और स्पीकर एवं डिप्टी स्पीकर के लिए वोटिंग नहीं हुई हो तब प्रोटेम स्पीकर को सदन के संचालन के लिए चुना जाता है।

1463. लोकसभा का नेता कौन होता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभाध्यक्ष (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) BPSC 1995
व्याख्या– लोकसभा के सदन के नेता भारत के लोकसभा के नेता होते हैं। आमतौर पर भारत का प्रधानमंत्री ही लोकसभा के सदन के नेता होते है किन्तु यदि प्रधानमंत्री लोकसभा का सदस्य न हो तो वे सदन के नेता का चुनाव कर सकते हैं।

1464. राज्यसभा और लोकसभा की समान शक्तियाँ किस क्षेत्र में है ?
(अ) नई अखिल भारतीय सेवाएं गठित करने के विषय में
(ब) संविधान संशोधन करने के विषय में
(स) सरकार हटाने के विषय में
(द) कटौती प्रस्ताव प्रस्तुत करने के विषय में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के संशोधन विधेयक को संसद के दोनों सदनों द्वारा पृथक–पृथक अपने कुल बहुमत तथा उपस्थित और मतदान में भाग लेने वाले सदस्यों के दो–तिहाई बहुमत से पारित होने के बाद उस विधेयक का राज्यों के कुल विधानमंडलों में से कम से कम आधे बहुमत द्वारा स्वीकृत होना चाहिए, फिर उस विधेयक को राष्ट्रपति की अनुमति मिलने पर उस पर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर होने पर वह विधेयक भी संविधान का अंग बन जाता है।

1465. लोकसभा चुनाव में कोई प्रत्याशी अपनी जमानत खो देता है यदि उसे प्राप्त न हो सके–
(अ) 1/5 से कम मत प्राप्त हो
(ब) 1/7 से कम मत प्राप्त हो
(स) 1/6 से कम मत प्राप्त हो
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार यदि कोई हारा हुआ प्रत्याशी उस लोकसभा सीट पर कुल पड़े वैध वोटों का 1/6 भाग पाने में असफल रहता है तो उसकी जमानत राशि जब्त करके राजकोष में डाल दी जाती है।

1466. किसी विशेष दिन लोकसभा में अधिकतम कितने तारांकित प्रश्न पूछे जा सकते हैं ?
(अ) 15 (ब) 20
(स) 25 (द) कोई सीमा नहीं
उत्तर : (ब) SSC 1999
व्याख्या– तारांकित प्रश्न वह होता है जिसका सदस्य सभा में मौखिक उत्तर चाहता है और पहचान के लिए उस पर तारांक बना रहता है। जब प्रश्न का उत्तर मौखिक होता है तो उस पर अनुपूरक प्रश्न पूछे जा सकते हैं। मौखिक उत्तर के लिए एक दिन में केवल 20 प्रश्नों को सूचीबद्ध किया जा सकता है। प्रश्न चार प्रकार के होते हैं– तारांकित, अतारांकित, अल्प सूचना प्रश्न और गैर सरकारी सदस्यों से पूछे गए प्रश्न।

1467. अविश्वास प्रस्ताव किस सदन में लाया जाता है ?
(अ) लोकसभा (ब) राज्यसभा
(स) किसी भी सदन में (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अविश्वास प्रस्ताव केवल लोकसभा में ही पेश किया जा सकता है और कम से कम 50 लोकसभा सदस्यों द्वारा समर्थन किए जाने के बाद, अध्यक्ष अनुमति दे सकता है। हालांकि संविधान में अविश्वास प्रस्ताव का कोई जिक्र नहीं है, लेकिन अनुच्छेद 118 के तहत हर सदन अपनी प्रक्रिया बना सकता है जबकि नियम 198 के तहत ऐसी व्यवस्था है कि कोई भी सदस्य लोकसभा अध्यक्ष को सरकार के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दे सकता है।

1468. निम्न श्रेणियों में से किस विधेयक को केवल लोकसभा में ही प्रारम्भ किये जा सकते हैं ?
(अ) सामान्य विधेयक
(ब) निजी सदस्य का विधेयक
(स) वित्त विधेयक
(द) संविधान संशोधन विधेयक
उत्तर : (स)
व्याख्या– धन विधेयक केवल लोकसभा में ही पेश किया जा सकता है। इसे लोकसभा में केवल किसी मंत्री के द्वारा ही पेश किया जा सकता है। इस विधेयक को राज्यसभा द्वारा संशोधित या अस्वीकार नहीं किया जा सकता हैं। वह कुछ सुझाव या बगैर सुझाव के इसे लोकसभा को भेजता है जिन सुझावों को स्वीकार या अस्वीकार करने की शक्ति लोकसभा के पास है। इसे राज्यसभा अधिकतम 14 दिनों तक अपने पास रोककर रख सकता है।

1469. कोई वित्तीय बिल प्रस्तावित हो सकता है–
(अ) केवल राज्यसभा में
(ब) केवल लोकसभा में
(स) एक साथ दोनों सदनों में
(द) दोनों सदनों के संयुक्त सत्र में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 110 धन विधेयक से संबंधित है। धन विधेयक को केवल लोकसभा में ही पेश किया जा सकता है। इस विधयेक को राज्यसभा द्वारा संशोधित या अस्वीकार नहीं किया जा सकता है। वह कुछ सुझाव या बगैर सुझाव के इसे लोकसभा भेजता है, जिन सुझावों को स्वीकार या अस्वीकार करने की शक्ति लोकसभा के पास है।

1470. भारत में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र कौनसा है ?
(अ) लद्दाख (जम्मू–कश्मीर)
(ब) बाड़मेर (राजस्थान)
(स) कच्छ (गुजरात)
(द) लखनऊ (उत्तर प्रदेश)
उत्तर : (अ) RRB 2004
व्याख्या– भारत में क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा संसदीय निर्वाचन क्षेत्र लद्दाख (जम्मू–कश्मीर) है।

1471. लोकसभा व राज्यसभा की शक्तियाँ समान है–
(अ) राष्ट्रपति के निर्वाचन के संबंध में
(ब) उपराष्ट्रपति के निर्वाचन के संबंध में
(स) राष्ट्रपति के विरुद्ध महाभियोग के संबंध में
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के द्वारा अवित्तीय विधेयकों के सम्बन्ध में लोकसभा और राज्यसभा दोनों को बराबर शक्तियाँ प्रदान की गई है। अवित्तीय विधेयक दोनों सदनों में से किसी भी सदन में पहले प्रस्तावित किया जा सकता है और दोनों सदनों से पारित होने के बाद ही राष्ट्रपति के पास हस्ताक्षर के लिए जाता है।

1472. लोकसभा में मंत्री परिषद के विरुद्ध अविश्वास का प्रस्ताव लाने हेतु न्यूनतम सदस्य संख्या है–
(अ) 20 (ब) 30
(स) 40 (द) 50
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 118 के अनुसार संसद के दोनों सदन कार्यवाही के लिए अपने–अपने नियम बना सकते हैं, इसी के तहत लोकसभा में नियम 198 के तहत अविश्वास प्रस्ताव लाने की व्यवस्था की गई है। इस व्यवस्था के तहत पहले कोई सांसद एक लिखित नोटिस स्पीकर को देता है, फिर स्पीकर को इसे सदन में पढ़कर पूछना होता है कि कितने सांसद अविश्वास मत या विश्वास प्रस्ताव के पक्ष में है। यदि 50 सांसद कह दें कि वो अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में हैं, तो स्पीकर को अवश्विास प्रस्ताव पर चर्चा की मंजूरी देनी होती है और इसके लिए एक तारीख तय कर दी जाती है। इस तारीख पर चर्चा के बाद वोटिंग होती है।

1473. लोकसभा में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों का आरक्षण संविधान के किस अनुच्छेद में उपबंधित है ?
(अ) अनुच्छेद 137 (ब) अनुच्छेद 16
(स) अनुच्छेद 330 (द) अनुच्छेद 335
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 330 के अंतर्गत लोकसभा में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है।

1474. निम्नलिखित में से कौनसा राज्य लोकसभा में अनुसूचित जनजातियों के सर्वाधिक प्रतिनिधि निर्वाचित करता है ?
(अ) आन्ध्र प्रदेश (ब) बिहार
(स) मध्य प्रदेश (द) महाराष्ट्र
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकसभा में अनुसूचित जनजातियों के सर्वाधिक प्रतिनिधि निर्वाचित करने वाला राज्य मध्य प्रदेश है। मध्य प्रदेश की 5 सीटें अनुसूचित जनजातियों के आरक्षित है।

1475. मंत्रिपरिषद किसके प्रसादपर्यंत कार्य करती है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) लोकसभा
(स) राज्यसभा (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत में संसदीय प्रणाली को ब्रिटिश संविधान से लिया गया है। मंत्रिपरिषद, भारतीय राजनीतिक प्रणाली की वास्तविक कार्यकारी संस्था है, जिसका नेतृत्व प्रधानमंत्री के हाथों में होता है। मंत्रिपरिषद मंत्रिमण्डल के निर्णयों को लागू करती है। मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से संसद के निचले सदन लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।

1476. लोकसभा की सामान्य अवधि बढ़ाई जा सकती है–
(अ) संसद द्वारा पारित अधिनियम से
(ब) उच्चतम न्यायालय के आदेश से
(स) भारत के राष्ट्रपति के आदेश से
(द) भारत के प्रधानमंत्री के आदेश से
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आपातकाल के प्रख्यापन के प्रभावी होने की अवधि के दौरान स्वयं संसद द्वारा पारित अधिनियम द्वारा सामान्य कार्यकाल को बढ़ाया जा सकता है। इस अवधि को एक बार में एक वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता और किसी भी प्रकार के प्रख्यापन के समापन की अवधि से छः माह से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता है।

1477. भारत के संविधान में लोकसभा में सदस्यों की संख्या अधिकतम हो सकती है–
(अ) 547 (ब) 545
(स) 550 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकसभा का गठन वयस्क मतदान के आधार पर प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा चुने गए जनता के प्रतिनिधियों से होता है। लोकसभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 550 है। संविधान में उल्लेख किया गया है कि कि 530 सदस्य राज्यों का, 20 सदस्य संघ राज्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। 104वें संविधान संशोधन के अनुसार राष्ट्रपति द्वारा लोकसभा में दो आंग्ल भारतीय सदस्यों को मनोनीत करने के प्रावधान को समाप्त कर दिया गया है। इसके कारण वर्तमान में लोकसभा के सदस्यों की संख्या 543 है।

1478. भारतीय संविधान के अनुसार संविधान संशोधन विधेयक संसद के किस सदन में पारित होता है ?
(अ) उच्च सदन (ब) निचला सदन
(स) दोनों, ऊपरी और निचले सदन, एक साथ
(द) दोनों, ऊपरी और निचले सदन, अलग से
उत्तर : (द) RRB 2018
व्याख्या– संविधान में संशोधन करने की प्रक्रिया अनुच्छेद 368 में निर्धारित की गई है। संविधान में इस उद्देश्य हेतु किसी अन्य संविधायी निकाय की व्यवस्था नहीं की गई है, अपितु इसकी भी शक्ति संसद को ही दी गई है। संविधान में संशोधन करने के लिए विधेयक दोनों में से किसी भी सदन में पेश किया जा सकता है।

1479. भारत के राष्ट्रपति.....की अनुशंसा पर लोकसभा को भंग कर सकते हैं ?
(अ) राज्य सभा
(ब) चुनाव आयोग
(स) भारत के मुख्य न्यायाधीश
(द) मंत्रिपरिषद
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत का राष्ट्रपति केन्द्रीय मंत्रिपरिषद की अनुशंषा पर ही लोकसभा भंग कर सकता है। राज्यसभा एक स्थाई सदन है तथा यह भंग नहीं होता है।

1480. लोकसभा में राज्यों को किस आधार पर सीटें आवंटित होती है ?
(अ) जनसंख्या (ब) क्षेत्रफल
(स) गरीबी (द) भाषा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के प्रत्येक राज्य को उसकी जनसंख्या के आधार पर लोकसभा सदस्य मिलते हैं। वर्तमान में यह 1971 की जनसंख्या पर आधारित है। अगली बार लोकसभा के सदस्यों की संख्या वर्ष 2026 में निर्धारित की जाएगी।

1481. एक दल लोकसभा में विपक्षी दल होने का दावा करता है। इसके पास न्यूनतम कितने सांसद लोकसभा में होने चाहिए ?
(अ) 55 (ब) 65
(स) 40 (द) 100
उत्तर : (अ) RRB 2009
व्याख्या– किसी भी विपक्षी दल के पास सदन की सदस्य संख्या का 10 फीसदी अर्थात् 55 सीटें होना जरूरी है।

1482. संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को भेजा गया विधेयक का पारित होना होता है–
(अ) उपस्थित सदस्यों के साधारण बहुमत से
(ब) कुल सदस्यों के पूर्ण बहुमत से
(स) उपस्थित सदस्यों के दो–तिहारई बहुमत से
(द) उपस्थित सदस्यों के तीन–चौथाई बहुमत से
उत्तर : (अ) SSC 2008
व्याख्या– प्रत्येक विधेयक को कानून बनने से पहले प्रत्येक सदन में अलग–अलग पाँच स्थितियों से गुजरना पड़ता और उसके तीन वाचन होते हैं। पाँचों स्थितियाँ इस प्रकार है–पहला वाचन, दूसरा वाचन, प्रवर समिति की स्थिति, प्रतिवेदन काल तथा तीसरा वाचन। जब दोनों सदनों में इन पाँचों स्थितियों से विधेयक गुजर कर बहुमत से प्रत्येक सदन में पारित हो जाता है तब विधेयक राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के लिए भेजा जाता है। राष्ट्रपति की अनुमति के बिना कोई विधेयक कानून नहीं बन सकता। अतः किसी भी विधेयक को विधि में परिणत करने के लिए सर्वप्रथम यह आवश्यक है कि वह दोनों सभाओं द्वारा स्वीकृत हो। इसके उपरांत सर्वोच्च कार्यपालिका की, हस्ताक्षर सहित, स्वीकृति भी अनिवार्य है।

1483. पश्चिमी बंगाल में कुल.....संसदीय सीटें (लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र) हैं।
(अ) 42 (ब) 2
(स) 14 (द) 40
उत्तर : (अ) SSC 2017
व्याख– पश्चिम बंगाल में 42 लोकसभा सीटें हैं। लोकसभा सीटों के मामले में पश्चिम बंगाल तीसरे स्थान पर है। पहले स्थान पर उत्तर प्रदेश (80 सीटें) तथा दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र (48 सीटें) है।

1484. भारत में 'शून्य काल' कब शुरू की गई ?
(अ) 1962 (ब) 1971
(स) 1964 (द) 1963
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संसदीय प्रक्रिया में शून्यकाल शब्द का उल्लेख नहीं है। चूँकि यह समय दोपहर 12 बजे आरम्भ होता है। वर्तमान नियमों के अनुसार शून्य काल के दौरान कुल 20 मामले उठाये जा सकते हैं। यह भारतीय संसदीय व्यवस्था

द्वारा विकसित किया गया एक नवाचार है जिसकी शुरूआत वर्ष 1962 से की गई थी।

1485. लोकसभा में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या कितनी है ?
(अ) 59 (ब) 69
(स) 79 (द) 84
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा की 543 सीटों में से 84 सीटें अनुसूचित जाति और 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। लोकसभा में अनुसूचित जाति और जनजातियों के लिए 131 सीटें आरक्षित है तथा देश की कुल मतदाताओं की इन वर्गों की 20 फीसदी से अधिक है।

1486. भारतीय संविधान के अनुसार धन संबंधी विधेयक सर्वप्रथम–
(अ) राज्य सभा में प्रस्तुत किया जाता है
(ब) किसी भी सदन मं प्रस्तुत किया जा सकता है
(स) मंत्रिपरिषद में प्रस्तुत किया जाता है
(द) लोकसभा में प्रस्तुत किया जाता है
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 110 के अंतर्गत धन विधेयक की परिभाषा दी गई है। धन विधेयक केवल लोकसभा में ही पेश किए जा सकते हैं। लोकसभा के पास होने के बाद धन विधेयक को राज्यसभा में भेजा जाता है और राज्यसभा धन विधेयक को न तो उसे अस्वीकार कर सकती है और न ही उसमें कोई संशोधन कर सकती है। यह कुछ सिफारिशों के साथ भेज सकती है।

1487. लोकसभा में निम्नलिखित में से किसके लिए स्थान आरक्षित है ?
(अ) अनुसूचित जाति (ब) अनुसूचित जनजाति
(स) (अ) और (ब) (द) आंग्ल भारतीय वर्ग
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकसभा की 543 सीटों में से 84 सीटें अनुसूचित जाति और 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। इस प्रकार लोकसभा में अनुसूचित जाति और जनजातियों के लिए 131 सीटें आरक्षित है तथा देश की कुल मतदाताओं की इन वर्गों की 20 फीसदी से अधिक है।

1488. लोकसभा की बैठक किस प्रकार समाप्त की जाती है ?
(अ) विघटन द्वारा (ब) सत्रावसान द्वारा
(स) स्थगन द्वारा (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 85 के अनुसार लोकसभा को राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री की सलाह पर भंग किया जाता है। किसी सभा, संसद, समिति या कार्यकारिणी की बैठक में लिये आगत न्यूनतम आवश्यक सदस्यों की संख्या को गणपूर्ति (कोरम) कहते हैं। यदि किसी समय कोरम न हो तो सभापति या अध्यक्ष के रूप में कार्य करने वाले व्यक्ति का यह कर्तव्य हो जाता है कि वह सदन को स्थगित कर दे या उसे तब तक निलंबित रखे जब तक कोरम (गणपूर्ति) पूरा न हो जाए।

1489. लोकसभा में सर्वाधिक प्रतिनिधित्व के आधार पर राज्यों का सही क्रम है–
(अ) मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल
(ब) उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल
(स) उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र
(द) उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लोकसभा में सर्वाधिक प्रतिनिधित्व के आधार पर राज्यों का सही क्रम है–उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र एवं पश्चिम बंगाल।

1490. लोकसभा की सामान्य अवधि बढ़ाई जा सकती है–
(अ) संसद द्वारा पारित अधिनियम से
(ब) उच्चतम न्यायालय के आदेश से
(स) भारत के राष्ट्रपति के आदेश से
(द) भारत के प्रधानमंत्री के आदेश से
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आपातकाल के प्रख्यापन के प्रभावी होने की अवधि के दौरान स्वयं संसद द्वारा पारित अधिनियम द्वारा सामान्य कार्यकाल को बढ़ाया जा सकता है। इस अवधि को एक बार में एक वर्ष से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता और किसी भी प्रकार के प्रख्यापन के समापन की अवधि से छः माह से अधिक नहीं बढ़ाया जा सकता है।

1491. लोकसभा में भारत में 'शून्य काल' कब शुरू की गई ?
(अ) 1962 (ब) 1971
(स) 1964 (द) 1963
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संसद के दोनों सदनों में प्रश्नकाल के ठीक बाद के समय को शून्यकाल कहा जाता है। यह 12 बजे प्रारम्भ होता है और एक बजे दिन तक चलता है। शून्यकाल का लोकसभा या राज्यसभा की प्रक्रिया तथा संचालन नियम में कोई उल्लेख नहीं है। 12 बजे से 1 बजे तक के समय को शून्यकाल का नाम समाचारपत्रों द्वारा दिया गया। इस काल के दौरान सदस्य अविलम्बनीय महत्व के मामलों को उठाते हैं तथा उस पर तुरंत कार्यवाही चाहते हैं। भारत की लोकसभा में शून्य काल का प्रारम्भ वर्ष 1962 से प्रारम्भ हुआ।

1492. संविधान के किस अनुच्छेद में लोकसभा के बारे में बताया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 32 (ब) अनुच्छेद 85
(स) अनुच्छेद 81 (द) अनुच्छेद 96
उत्तर : (स)

व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 81 में लोकसभा के बारे में बताया गया है।

1493. शून्य काल क्या है ?
(अ) जब सदन में विपक्ष के प्रस्तावों पर विचार होता है
(ब) आराम का समय
(स) जब सदन में अतिमहत्वपूर्ण मामलों पर विचार होता है
(द) जब लोकसभा में भोजन किया जाता है
उत्तर : (स) RRB 2009
व्याख्या– संसद के दोनों सदनों में प्रश्नकाल के ठीक बाद के समय को शून्यकाल कहा जाता है। यह 12 बजे प्रारम्भ होता है और एक बजे दिन तक चलता है। शून्यकाल का लोकसभा या राज्यसभा की प्रक्रिया तथा संचालन नियम में कोई उल्लेख नहीं है। 12 बजे से 1 बजे तक के समय को शून्यकाल का नाम समाचारपत्रों द्वारा दिया गया। इस काल के दौरान सदस्य अविलम्बनीय महत्व के मामलों को उठाते हैं तथा उस पर तुरंत कार्यवाही चाहते हैं।

1494. निम्नलिखित राज्यों/संघ शासित क्षेत्र के समूह में से किसकी लोकसभा में केवल एक सीट है ?
(अ) चंडीगढ़, सिक्किम, मिजोरम
(ब) गोवा, मेघालय, नागालैण्ड
(स) मणिपुर, दादरा और नगर हवेली, पुडुचेरी
(द) अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, लक्षद्वीप
उत्तर : (अ) RAS/RTS 2016
व्याख्या– केन्द्रशासित प्रदेश चंडीगढ़ एवं सिक्किम और मिजोरम राज्यों का लोकसभा में सीटों का प्रतिनिधित्व प्रत्येक का एक–एक है। केन्द्रशासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, लक्षद्वीप, पुदुचेरी की भी लोकसभा में एक–एक सीटे आवंटित है।

1495. धन विधेयक को केवल कहाँ पेश किया जा सकता है ?
(अ) राज्यसभा (ब) लोकसभा
(स) विधानसभा (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– धन विधेयक को केवल लोकसभा में ही पेश किया जाता है। कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इसका निर्धारण लोकसभा अध्यक्ष करता है।

21.लोकसभा अध्यक्ष

1496. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार लोकसभा स्वयं ही अपने सदस्यों में से एक अध्यक्ष और एक उपाध्यक्ष चुनती है ?
(अ) अनुच्छेद–90 (ब) अनुच्छेद–93
(स) अनुच्छेद–100(1) (द) अनुच्छेद–100(2)
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–93 के अनुसार लोकसभा स्वयं ही अपने सदस्यों में एक अध्यक्ष और एक उपाध्यक्ष चुनती है। प्रत्येक आम चुनाव के पश्चात् जब लोकसभा की पहली बैठक की जाती है तो प्रोटेम स्वीकार के द्वारा नए निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जाती है। प्रोटेम स्पीकर उस समय तक कार्य करता है जब तक नए अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चयन नहीं कर लिया जाता है। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष को तथा उपाध्यक्ष, अध्यक्ष को त्याग पत्र देता है। लोकसभा के अध्यक्ष, अध्यक्ष के रूप में शपथ नहीं लेता, बल्कि सामान्य सदस्य के रूप में शपथ लेता है। 14 दिन की पूर्व सूचना देकर लोकसभा के तत्कालीन समस्त सदस्यों के बहुमत से पारित संकल्प द्वारा अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष को पद से हटाया जा सकता है। लोकसभा भंग होने की स्थिति में अध्यक्ष अपना पद अगली लोकसभा की पहली बैठक होने तक रिक्त नहीं करता है। लोकसभा में अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष, उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति में राष्ट्रपति द्वारा बनाये गये वरिष्ठ सदस्यों का पैनल में से कोई व्यक्ति, पीठासीन होता है। इस पैनल में आमतौर पर 6 सदस्य होते हैं।

1497. निम्नलिखित में से कौनसा कार्य लोकसभा अध्यक्ष का है ?
(अ) संसद व राष्ट्रपति के मध्य होने वाला पत्र व्यवहार करना।
(ब) कोई विधेयक, धन विधेयक है या नहीं, इसका निर्णय करना।
(स) संसद सदस्यों को भाषण देने की अनुमति देना।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष के कार्य एवं अधिकार– 1.सदन के सदस्यों के प्रश्नों को स्वीकार करना, उन्हें नियमित करना व नियम के विरुद्ध घोषित करना। 2.किसी विषय को लेकर प्रस्तुत किया जाने वाला कार्य 'स्थगन प्रस्ताव' अध्यक्ष की अनुमति से पेश किया जा सकता है। 3.वह विचाराधीन विधेयक पर बहस रुकवा सकता है। 4.संसद सदस्यों को भाषण देने की अनुमति देना, भाषणों का क्रम व समय निर्धारित करना। 5.विभिन्न विधेयक व प्रस्तावों व परिणाम घोषित करना तथा मतदों की समानता

की स्थिति में निर्णायक मत देने का अधिकार है। 6.संसद व राष्ट्रपति के मध्य होने वाला पत्र व्यवहार करना। 7.कोई विधेयक, धन विधेयक है या नहीं, इसका निर्णय करना। 8.अध्यक्ष द्वारा धन विधेयक के रूप में प्रमाणित विधेयक की प्रकृति के प्रश्न पर न्यायालय में या किसी सदन में या राष्ट्रपति द्वारा विचार नहीं किया जाएगा। 9.यदि इसकी आज्ञा से कोई विधेयक गजट में प्रकाशित हो जाता है, तो उसे पेश करने के लिए किसी प्रस्ताव की आवश्यकता नहीं रहती।

1498. लोकसभा में विपक्ष के नेता को किसके समान समस्त सुविधाएँ प्राप्त होती है ?
(अ) कैबिनेट मंत्री (ब) प्रधानमंत्री
(स) उपराष्ट्रपति (द) राज्य मंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोकसभा में विपक्ष के नेता को राजकोष से वेतन प्राप्त होता है। उसे कैबिनेट स्तर के मंत्री के समान समस्त सुविधाएँ प्राप्त होती है।

1499. लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव कौन करता है ?
(अ) लोकसभा के सदस्य
(ब) लोकसभा के निर्वाचित सदस्य राष्ट्रपति
(स) संसद के सदस्य
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय लोकतंत्र में लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव निर्वाचित सदस्यों के साधारण बहुमत के द्वारा किया जाता है। लोकसभा अध्यक्ष के नाम का चयन बहुमत प्राप्त दल के द्वारा ही किया जाता है, लेकिन पिछले कुछ लोकसभा के गठन में भारतीय लोकतंत्र की एक स्वस्थ व्यवस्था का चलन शुरू किया गया है। इस व्यवस्था में संसद के सभी दलों से अनौपचारिक रूप से समर्थन प्राप्त किया जाता है तथा जिसके नाम सभी की सहमति बनती उसका नाम प्रस्तावित किया जाता है। यदि एक से अधिक नाम का प्रस्ताव आता है, तो प्रोटेम स्पीकर विधिवत अनुमोदित होने के क्रम के अनुसार नामों को रखता जाता है। इसके बाद साधारण बहुमत के द्वारा निर्णय लिया जाता है और परिणाम की घोषणा प्रोटेम स्पीकर के द्वारा की जाती है।

1500. प्रथम लोकसभा के अध्यक्ष थे–
(अ) जी.वी. मावलंकर (ब) अनंतशयनम
(स) एम.ए. आयंगर (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत की प्रथम लोकसभा के अध्यक्ष जी. वी. मावलंकर एवं उपाध्यक्ष अनंतशयनम थे।

1501. प्रथम लोकसभा के उपाध्यक्ष थे–
(अ) जी.वी. मावलंकर (ब) अनंतशयनम
(स) एम.ए. आयंगर (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत की प्रथम लोकसभा के अध्यक्ष जी. वी. मावलंकर एवं उपाध्यक्ष अनंतशयनम थे।

1502. लोकसभा का अस्थायी अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) किसके द्वारा नियुक्त किया जाता है ?
(अ) संबंधित सदन द्वारा
(ब) निवर्तमान अध्यक्ष द्वारा
(स) प्रधानमंत्री द्वारा
(द) राष्ट्रपति द्वारा
उत्तर : (द)
व्याख्या– जब किसी नयी लोकसभा का गठन किया जाता है, तक राष्ट्रपति द्वारा प्रोटेम स्पीकर (कार्यवाहक अध्यक्ष) की नियुक्ति की जाती है। राष्ट्रपति प्रोटेम स्पीकर के रूप में केवल उस व्यक्ति को ही चुनते हैं, जिसे लोकसभा के सदस्य होने का सबसे अधिक अनुभव होता है। प्रोटेम स्पीकर को राष्ट्रपति के द्वारा शपथ ग्रहण कराई जाती है।

1503. लोकसभा के स्पीकर का निर्वाचन होता है–
(अ) संसद के सभी सदस्यों द्वारा
(ब) लोकसभा के सभी सदस्यों द्वारा
(स) प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा
(द) लोकसभा में बहुमत दल के सदस्यों द्वारा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय लोकतंत्र में लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव निर्वाचित सदस्यों के साधारण बहुमत द्वारा किया जाता है। लोकसभा अध्यक्ष के नाम का चयन बहुमत प्राप्त दल के द्वारा ही किया जाता है।

1504. लोकसभा अध्यक्ष निम्नांकित में से किस रूप में शपथ लेता है ?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष के रूप में
(ब) लोकसभा के आम सदस्य के रूप में
(स) लोकसभा क वरिष्ठ सदस्य के रूप में
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लोकसभा का निर्वाचन लोकसभा चुनावों के बाद, लोकसभा की प्रथम बैठक में ही कर लिया जाता है। वह संसद के सदस्यों में से ही 5 वर्ष के लिए चुना जाता है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह अपने राजनीतिक दल से इस्तीफा दे दे, ताकि कार्यवाही में निष्पक्षता बनी रहे।

1505. लोकसभा अध्यक्ष अपना त्यागपत्र किसको देता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) लोकसभा उपाध्यक्ष
उत्तर : (द) SSC 2010
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष अपना त्यागपत्र लोकसभा उपाध्यक्ष को देता है। अध्यक्ष का कार्यकाल लोकसभा विघटित होने तक होता है। कुछ स्थितियों में वह इससे पहले भी पदमुक्त हो सकता है। लोकसभा अध्यक्ष को लोकसभा के प्रभावी बहुमत द्वारा हटाया जा सकता है, परन्तु 14

दिन पहले इसकी सूचना लोक सभा अध्यक्ष को देनी आवश्यक है।

1506. लोकसभा अध्यक्ष को पद की शपथ ग्रहण कौन कराता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) सर्वोच्च न्यायाल के मुख्य न्यायाधीश
(स) निवर्तमान लोकसभा अध्यक्ष
(द) शपथ ग्रहण की आवश्यकता नहीं होती
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष अन्य लोकसभा सदस्यों की ही तरह एक सदस्य के रूप में शपथ लेता है। उसकी शपथ भी कार्यकारी अध्यक्ष द्वारा कराई जाती है। कार्यकारी अध्यक्ष सबसे वरिष्ठ सदस्यों में से बनाया जाता है।

1507. आम चुनावों के बाद अल्पकालीन अध्यक्ष–
(अ) लोकसभा द्वारा निर्वाचित किया जाता है
(ब) भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है
(स) उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नियुक्त किया जाता है
(द) लोकसभा का वरिष्ठतम सदस्य होता है
उत्तर : (द)
व्याख्या– राष्ट्रपति प्रोटेम स्पीकर के रूप में केवल उस व्यक्ति को ही चुनते हैं, जिसे लोकसभा के सदस्य के होने का सबसे अधिक अनुभव होता है। प्रोटेम स्पीकर को राष्ट्रपति के द्वारा शपथ ग्रहण कराई जाती है।

1508. जो सदस्य लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव करते हैं, वे होते हैं–
(अ) पार्लियामेंट के (ब) मंत्रिमंडल के
(स) राज्यसभा के (द) लोकसभा के
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव लोकसभा सदस्यों में से ही होता है। अध्यक्ष के चुनाव की तारीख राष्ट्रपति द्वारा तय की जाती है।

1509. लोकसभा का अध्यक्ष किसको संबोधित लेख द्वारा अपना पद त्याग सकेगा ?
(अ) भारत का राष्ट्रपति
(ब) भारत का प्रधानमंत्री
(स) भारत का उपराष्ट्रपति
(द) लोकसभा उपाध्यक्ष
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष अपना इस्तीफा या त्यागपत्र लोकसभा उपाध्यक्ष को देता है। अध्यक्ष का कार्यकाल लोकसभा विघटित होने तक होता है। लोकसभा अध्यक्ष को लोकसभा के प्रभावी बहुमत द्वारा हटाया जा सकता है, परन्तु 14 दिन पहले इसकी सूचना लोकसभा अध्यक्ष को देनी आवश्यक है।

1510. लोकसभा अध्यक्ष अपना पद कब खाली करता है ?
(अ) लोकसभा भंग हो जाने पर
(ब) राष्ट्रपति द्वारा ऐसा कहा जाने पर
(स) अगली लोकसभा के गठन के बाद
(द) राज्यसभा द्वारा इस हेतु प्रस्ताव पारित करने पर
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकसभा के विघटन होने पर भी स्पीकर पद पर कार्य करता रहता है। नवीन लोकसभा के चुने जाने पर ही वह अपना पद छोड़ता है।

1511. लोकसभा के अध्यक्ष को किस प्रकार पद से हटाया जा सकता है ?
(अ) लोकसभा के सदस्यों द्वारा साधारण बहुमत से संकल्प पारित कर
(ब) संसद के सदस्यों द्वारा दो तिहाई बहुमत से संकल्प पारित कर
(स) (अ) और (ब) दोनों से
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष का कार्यकाल लोकसभा विघटित होने तक होता है। कुछ स्थितियों में वह इससे पहले भी पदमुक्त हो सकता है।

1512. यदि लोकसभा के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष दोनों के पद रिक्त होते हैं, तो सदन के बैठकों की अध्यक्षता कौन करेगा ?
(अ) सदन द्वारा नामित सदस्य
(ब) लोकसभा का वरिष्ठतम सदस्य
(स) सदन द्वारा अनुमोदित चेयरपर्सन के पैनल से प्रथम सदस्य
(द) राष्ट्रपति द्वारा नाम निर्दिष्ट सदस्य
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– यदि लोकसभा के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष दोनों के पद रिक्त होते हैं, तब सदन द्वारा अनुमोदित चेयरपर्सन के पैनल से प्रथम सदस्य सदन के बैठकों की अध्यक्षता करेगा।

1513. लोकसभा के अध्यक्ष को–
(अ) सामान्य परिस्थितियों में मत देने का अधिकार नहीं है
(ब) केवल टाई रहने पर मत देने का अधिकार है
(स) संसद के अन्य सदस्य की भांति मत देने का अधिकार है
(द) संसद के सत्र में केवल एक बार मत देने का अधिकार है
उत्तर : (ब)
व्याख्या– किसी मामले में मतों की संख्या समान होने पर सभा में सभापति या उस हैसियत से कार्य कर रहे सदस्य और समिति में अध्यक्ष या इस हैसियत से कार्य कर रहे सदस्य द्वारा दिया गया मत निर्णायक मत होता है।

1514. लोकसभा अध्यक्ष के संबंध में निम्न में से कौनसा कथन सही है ?
(अ) वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है
(ब) यदि वह निर्वाचन के समय सदन का सदस्य न हो तो वह 6 माह के अंदर संसद का सदस्य बन सकता है
(स) यदि सामान्य अवधि से पूर्व सदन को भंग कर दिया जाए तो उसे अपना पद छोड़ना होगा
(द) यदि वह त्यागपत्र देना चाहे तो उसे अपना त्यागपत्र लोकसभा उपाध्यक्ष को देना होगा
उत्तर : (द) IAS 1993
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष यदि अपना त्यागपत्र देना चाहे तो उसे अपना त्यागपत्र लोकसभा उपाध्यक्ष को देना होगा। अध्यक्ष का कार्यकाल लोकसभा के विघटित होने तक होता है। कुछ स्थितियों में वह इससे पहले भी पदमुक्त हो सकता है। लोकसभा अध्यक्ष को लोकसभा के प्रभावी बहुमत द्वारा हटाया जा सकता है, परन्तु 14 दिन पहले इसकी सूचना लोकसभा अध्यक्ष को देनी आवश्यक है।

1515. निर्णायक मत देने का अधिकार है–
(अ) राष्ट्रपति को (ब) उपराष्ट्रपति को
(स) प्रधानमंत्री को (द) लोकसभा अध्यक्ष को
उत्तर : (द)
व्याख्या– किसी मामले में मतों की संख्या समान होने पर सभा में निर्णायक मत देने का अधिकार लोकसभा अध्यक्ष को है।

1516. लोकसभा सचिवालय प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण के अधीन है–
(अ) गृह मंत्रालय के
(ब) संसदीय मंत्रालय के
(स) प्रधानमंत्री कार्यालय के
(द) लोकसभा अध्यक्ष के
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा सचिवालय एक स्वतंत्र निकाय है जो लोकसभा अध्यक्ष के पूर्ण नियंत्रण और मार्गदर्शन में कार्य करता है। लोकसभा अध्यक्ष को उनके संवैधानिक और सांविधिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में लोकसभा के महासचिव, अपर सचिव, संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों और सचिवालय के विभिन्न स्तर के अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी सहयोग प्रदान करते हैं।

1517. लोकसभा में किसी विधेयक को धन विधेयक के रूप में कौन प्रमाणित करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) वित्त मंत्री
(स) प्रधानमंत्री (द) लोकसभा अध्यक्ष
उत्तर : (द) SSC 2001
व्याख्या– कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इसका निर्णय करने का अधिकार लोकसभा अध्यक्ष को प्राप्त है।

1518. लोकसभा में गणपूर्ति (कोरम) पूरा नहीं होने की स्थिति में लोकसभा अध्यक्ष क्या सकता है ?
(अ) सदन का स्थगन
(ब) सदन का निलम्बन
(स) उपर्युक्त में से कुछ भी
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– किसी सभा, संसद, समिति या कार्यकारिणी की बैठक में लिये आगत न्यूनतम आवश्यक सदस्यों की संख्या को गणपूर्ति (कोरम) कहते हैं। यदि किसी समय कोरम न हो तो सभापति या अध्यक्ष के रूप में कार्य करने वाले व्यक्ति का यह कर्तव्य हो जाता है कि वह सदन को स्थगित कर दे या उसे तब तक निलंबित रखे जब तक कोरम (गणपूर्ति) पूरा न हो जाए।

1519. संसद के दोनों सदनों के बीच गतिरोध की स्थिति में संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) उपराष्ट्रपति
(स) लोकसभा के वरिष्ठतम सदस्य
(द) लोकसभा अध्यक्ष
उत्तर : (द) SSC 2013
व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 118 यह प्रावधान करता है कि राष्ट्रपति संयुक्त अधिवेशन के संदर्भ में नियम बनाएँ तथा इस अनुच्छेद में एक प्रावधान यह भी है कि संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता लोकसभा का अध्यक्ष करता है। लोकसभा अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अनुच्छेद 118(3) के तहत राष्ट्रपति द्वारा बनाए गए नियमानुसार लोकसभा उपाध्यक्ष संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता करेगा। यदि लोकसभा उपाध्यक्ष भी अनुपस्थित है तो ऐसी स्थिति में राज्यसभा के उपसभापति संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता करते है ना कि राज्यसभा के सभापति।

1520. निम्लिखित में से किस समिति का पदेन अध्यक्ष लोकसभा अध्यक्ष होता है ?
(अ) प्राक्कलन समिति (ब) लोक लेखा समिति
(स) नियम समिति (द) विशेषाधिकार समिति
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकसभा की नियम समिति में लोकसभा अध्यक्ष सहित 15 सदस्य होते हैं, जबकि राज्य सभा की नियम समिति में सभापति एवं उपसभापति सहित 16 सदस्य होते हैं। लोकसभा अध्यक्ष एवं राज्यसभा के सभापति अपने–अपने सदन की समितियों के पदेन अध्यक्ष होते हैं।

1521. लोकसभा के महासचिव को नियुक्त कौन करता है ?
(अ) उपाध्यक्ष (ब) अध्यक्ष
(स) राष्ट्रपति (द) शासक दल का नेता
उत्तर : (ब) SSC 2013

व्याख्या– लोकसभा के महासचिव को लोकसभा अध्यक्ष नियुक्त करता है।

1522. संसद के संयुक्त अधिवेशन में किसी विधेयक पर निर्णायक मत देने का अधिकार किसे है ?
(अ) राज्यसभा सभापति (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) लोकसभा उपाध्यक्ष (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (ब)
व्याख्या– किसी मामले में मतों की संख्या समान होने पर सभा में सभापति या उस हैसियत से कार्य कर रहे सदस्य और समिति में अध्यक्ष या इस हैसियत से कार्य कर रहे सदस्य द्वारा दिया गया मत निर्णायक मत होता है।

1523. इसका निर्णय कौन करता है कि कोई विधेयक वित्त विधेयक है अथवा नहीं ?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष (ब) राज्यसभा के सभापति
(स) राष्ट्रपति (द) विधि मंत्री
उत्तर : (अ) IAS 1984
व्याख्या– कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इसका निर्णय करने का अधिकार लोकसभा के अध्यक्ष को प्राप्त है। निम्नलिखित विषयों से सम्बद्ध विधेयक धन विधेयक होते हैं– (1) भारत की संचित या आकस्मिक निधि को सुरक्षित रूप से रखने या उसमें से धन निकालने की व्यवस्था से। (2) भारत की संचित निधि पर किसी व्यय का भार डालने या उसमें से किसी व्यय के लिए धन की स्वीकृति देने से (3) सरकारी हिसाब में धन जमा करने या उसमें से खर्च करने, उसकी जाँच करने आदि से।

1524. किसी भी विधेयक को धन विधेयक होने का अंतिम निर्णय कौन देता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) वित्त मंत्री (द) वित्त सचिव
उत्तर : (ब) RRB 2006
व्याख्या– कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इसका निर्णय करने का अधिकार लोक सभा के अध्यक्ष को प्राप्त है।

1525. लोकसभा का सचिवालय किसके प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण एवं नियंत्रण में कार्य करता है ?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष
(ब) प्रधानमंत्री
(स) गृहमंत्री
(द) संसदीय मामलों का मंत्रालय
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोकसभा सचिवालय एक स्वतंत्र निकाय है जो लोकसभा के अध्यक्ष के पूर्ण नियंत्रण और मार्गदर्शन में कार्य करता है। लोकसभा अध्यक्ष को उनके संवैधानिक और सांविधिक उत्तरदायित्वों के निर्वहन में लोकसभा के महासचिव, अपर सचिव, संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों और सचिवालय के विभिन्न स्तर के अन्य अधिकारी तथा कर्मचारी प्रदान करते हैं।

1526. कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इसका निर्णय कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) वित्त सचिव (द) वित्त मंत्री
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इस पर लोकसभा के अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होता है। इस निर्णय को न्यायालय या सदन या राष्ट्रपति अस्वीकार नहीं कर सकता है।

1527. निम्नलिखित में से कौनसा लोकसभा अध्यक्ष के अधिकारों में नहीं है ?
(अ) यह निश्चय करना कि कोई विधेयक धन विधेयक है अथवा नहीं
(ब) सदन की कार्यवाहियों व प्रक्रियाओं का कार्य संचालन करना
(स) वाद–विवाद एवं मतदान में भाग लेना
(द) सदन की समितियों में सदस्यों को नियुक्त करना
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष के दो मुख्य अधिकार होते हैं– (1) वह संसद के संयुक्त अधिवेशन में भाग लेता है। (2) कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इसका अंतिम निर्णण लोकसभा अध्यक्ष द्वारा किया जाता है।

1528. भारत में लोकसभा का अध्यक्ष–
(अ) मनोनीत किया जाता है
(ब) चयनित किया जाता है
(स) निर्वाचित किया जाता है
(द) नियुक्त किया जाता है
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय लोकतंत्र में लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव निर्वाचित सदस्यों के साधारण बहुमत के द्वारा किया जाता है। लोकसभा अध्यक्ष के नाम का चयन बहुमत प्राप्त दल के द्वारा ही किया जाता है।

1529. लोकसभा के अध्यक्ष को कैसे हटाया जा सकता है ?
(अ) लोकसभा के उपस्थित सदस्यों के दो तिहाई बहुमत से पारित संकल्प के द्वारा
(ब) लोकसभा के सभी सदस्यों के बहुमत से पारित संकल्प के द्वारा
(स) प्रधानमंत्री की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष अपना त्यागपत्र लोकसभा उपाध्यक्ष को देता है। अध्यक्ष का कार्यकाल लोकसभा विघटित होने तक होता है। कुछ स्थितियों में वह इससे पहले भी पदमुक्त हो सकता है। लोकसभा अध्यक्ष को लोकसभा के प्रभावी बहुमत द्वारा हटाया जा सकता है, परन्तु 14

दिन पहले इसकी सूचना लोक सभा अध्यक्ष को देनी आवश्यक है।

1530. संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को कौन बुलाता है ?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष (ब) राष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) राज्यसभा का अध्यक्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या–संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को राष्ट्रपति बुलाता है और उस अधिवेशन की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष करता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 118 यह प्रावधान करता है कि राष्ट्रपति संयुक्त अधिवेशन के संदर्भ में नियम बनाएँ तथा इस अनुच्छेद में एक प्रावधान यह भी है कि संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता लोकसभा के अध्यक्ष करते हैं। लोकसभा अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अनुच्छेद 118(3) के तहत राष्ट्रपति द्वारा बनाए गए नियमानुसार लोकसभा उपाध्यक्ष संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता करेगा। यदि लोकसभा उपाध्यक्ष भी अनुपस्थित है तो ऐसी स्थिति में राज्यसभा के उपसभापति संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता करते है ना कि राज्यसभा के सभापति।

1531. प्रथम लोकसभा के स्पीकर कौन है ?
(अ) जी.वी. मावलंकर (ब) गुरदयाल सिंह ढिल्लो
(स) एम.ए. मावलंकर (द) सरोजिनी नायडू
उत्तर : (अ) SSC 2013
व्याख्या– गणेश वासुदेव मावलंकर प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और भारत की स्वाधीनता के पश्चात् लोकसभा के प्रथम अधक्ष बने थे। स्वतंत्रता के बाद 1947 ई. में उन्हें सर्वसम्मति से लोकसभा का अध्यक्ष (स्पीकर) चुना गया। अपने कार्यकाल में उन्होंने कई संसदीय परम्पराएँ स्थापित की थी। उन्हें 'दादा साहेब' के नाम से भी जाना जाता है।

1532. स्वतंत्र भारत के प्रथम लोकसभा अध्यक्ष कौन थे ?
(अ) फ्रेंक एंथोनी (ब) के.एम. मुंशी
(स) जी.वी. मावलंकर (द) सरोजिनी नायडू
उत्तर : (स) RRB 2006
व्याख्या– गणेश वासुदेव मावलंकर प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी और भारत की स्वाधीनता के पश्चात् लोकसभा के प्रथम अधक्ष बने थे। स्वतंत्रता के बाद 1947 ई. में उन्हें सर्वसम्मति से लोकसभा का अध्यक्ष (स्पीकर) चुना गया। अपने कार्यकाल में उन्होंने कई संसदीय परम्पराएँ स्थापित की थी। उन्हें 'दादा साहेब' के नाम से भी जाना जाता है।

1533. भारत के किस राष्ट्रपति ने पूर्व में लोकसभा अध्यक्ष का पद भी संभाला था ?
(अ) ज्ञानी जैल सिंह (ब) वी.वी. गिरि
(स) नीलम संजीव रेड्डी (द) जाकिर हुसैन
उत्तर : (स)
व्याख्या– 26 मार्च 1977 को श्री नीलम संजीव रेड्डी को सर्वसम्मति से लोकसभा का स्पीकर चुन लिया गया, लेकिन 13 जुलाई, 1977 को उन्होंने यह पद छोड़ दिया क्योंकि इन्हें राष्ट्रपति पद हेतु नामांकित किया जा रहा था, जिसमें नीलम संजीव रेड्डी सर्वसम्मति से निर्विरोध छठवें राष्ट्रपति चुन लिए गए। राष्ट्रपति पद पर वे 25 जुलाई 1977 से 25 जुलाई 1982 तक रहे।

1534. लोकसभा के पिता के रूप में जाने जाते हैं–
(अ) जी.वी. मावलंकर (ब) एम.ए. आयंगर
(स) हुकुम सिंह (द) नीलम संजीव रेड्डी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– जी.वी. मावलंकर को लोकसभा के पिता के रूप में जाना जाता है।

1535. प्रथम स्पीकर, जिसके खिलाफ लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था, कौन थे ?
(अ) बलराम जाखड़ (ब) जी.वी. मावलंकर
(स) सरदार हुकुम सिंह (द) के.एस. हेगड़े
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सर्वप्रथम जी.वी. मावलंकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव रखा गया।

1536. ब्रिटिश परम्पराओं के अनुरूप किस लोकसभा अध्यक्ष ने सर्वप्रथम अपने दल की सदस्यता त्याग दी थी ?
(अ) हुकुम सिंह (ब) नीलम संजीव रेड्डी
(स) के.एस. हेगड़े (द) बलिराम भगत
उत्तर : (ब)
व्याख्या– ब्रिटिश परम्पराओं के अनुरूप लोकसभा अध्यक्ष श्री नीलम संजीव रेड्डी ने सर्वप्रथम अपने दल की सदस्यता त्यागी थी। नीलम संजीव रेड्डी ऐसे एकमात्र अध्यक्ष हैं जिन्होंने अध्यक्ष का पद का कार्यभार सम्भालने के बाद अपने दल से औपचारिक रूप से त्यागपत्र दे दिया था। वह ऐसे एकमात्र अध्यक्ष थे जिन्हें सर्वसम्मति से राष्ट्रपति चुने जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

1537. निम्नलिखित में से कौन लोकसभा के अध्यक्ष कभी नहीं रहे ?
(अ) के.बी.के. सुन्दरम् (ब) जी.एस. ढिल्लो
(स) बलिराम भगत (द) हुकुम सिंह
उत्तर : (अ) IAS 2004
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 93 के अंतर्गत लोकसभा यथाशीघ्र अपने दो सदस्यों को लोकसभा अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष नियुक्त करेगी। जी.एस. ढिल्लो, बलिराम भगत एवं हुकुम सिंह लोकसभा के अध्यक्ष रहे थे।

1538. लोकसभा में विपक्ष के किसी दल के नेता के रूप में मान्यता किसके द्वारा दी जाती है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) उपराष्ट्रपति (द) लोकसभा अध्यक्ष
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा में विपक्ष में बैठने वाले दलों में जिस दल के पास सर्वाधिक सीटें होती हैं, उससे

किसी सांसद को विपक्ष का नेता चुना जाता है। लोकसभा में विपक्ष के किसी दल के नेता के रूप में मान्यता लोकसभा अध्यक्ष द्वारा दी जाती है।

1539. लोकसभा के प्रथम उपाध्यक्ष कौन थे ?
(अ) कृष्णमूर्ति राव (ब) आर.के. खाडिलकर
(स) हुकुम सिंह (द) अनन्तशयनम आयंगर
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनन्तशयनम आयंगर लोकसभा के प्रथम उपाध्यक्ष थे। वे भारत के दूसरे लोकसभा अध्यक्ष भी रहे। प्रथम अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर के आकस्मिक निधन से पैदा हुई रिक्तता को भरने के लिए अनन्तशयनम आयंगर ने लोकसभा अध्यक्ष पद का दायित्व ग्रहण किया।

1540. राष्ट्रमंडल अध्यक्षों के सम्मेलन का पदेन महासचिव होता है–
(अ) लोकसभा अध्यक्ष
(ब) लोकसभा उपाध्यक्ष
(स) सभापति तालिका का वरिष्ठ सदस्य
(द) लोकसभा महासचिव
उत्तर : (द)
व्याख्या– राष्ट्रमंडल अध्यक्षों के सम्मेलन का पदेन महासचिव लोकसभा अध्यक्ष होता है। लोकसभा महासचिव सदन का महत्वपूर्ण अधिकारी होता है। वह सभी संसदीय क्रियाकलापों, प्रक्रियाओं तथा प्रथाओं के संदर्भ में अध्यक्ष का, सदन का और सदस्यों का सलाहकार होता है। एक स्थायी अधिकारी के रूप में वह सभापटल का प्रमुख अधिकारी होता है। वह संसदीय परम्पराओं और प्रथाओं का रक्षक होता है।

1541. यदि लोकसभा में मत विभाजन के दौरान पक्ष और विपक्ष में बराबर मत पड़ते हैं, तो इस स्थिति में कैसे निर्णय किया जाता है ?
(अ) पुनः मतदान द्वारा
(ब) सिक्का उछालकर
(स) राष्ट्रपति द्वारा अंतिम निर्णय होता है
(द) लोकसभा अध्यक्ष इस स्थिति में निर्णायक मत देता है
उत्तर : (द)
व्याख्या– किसी मामले में मतों की संख्या समान होने पर सभा में सभापति या उस हैसियत से कार्य कर रहे सदस्य और समिति में अध्यक्ष या इस हैसियत से कार्य कर रहे सदस्य द्वारा दिया गया मत निर्णायक मत होता है।

1542. लोकसभा अध्यक्ष अपना इस्तीफा भेज सकता है–
(अ) उपाध्यक्ष को (ब) प्रधानमंत्री को
(स) राष्ट्रपति को (द) संसदीय कार्यमंत्री को
उत्तर : (अ) IAS 1987
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष अपना इस्तीफा या त्यागपत्र लोकसभा उपाध्यक्ष को देता है। अध्यक्ष का कार्यकाल लोकसभा विघटित होने तक होता है। लोकसभा अध्यक्ष को लोकसभा के प्रभावी बहुमत द्वारा हटाया जा सकता है परन्तु 14 दिन पहले इसकी सूचना लोकसभा अध्यक्ष को देनी आवश्यक है।

1543. भारत में किसी विधेयक को धन विधेयक कौन प्रमाणित करता है ?
(अ) वित्त मंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) लोकसभा अध्यक्ष (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (स) SSC 2008
व्याख्या– कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इसका निर्णय करने का अधिकार लोकसभा के अध्यक्ष को प्राप्त है। निम्नलिखित विषयों से सम्बद्ध विधेयक धन विधेयक होते हैं– (1) भारत की संचित या आकस्मिक निधि को सुरक्षित रूप से रखने या उसमें से धन निकालने की व्यवस्था से। (2) भारत की संचित निधि पर किसी व्यय का भार डालने या उसमें से किसी व्यय के लिए धन की स्वीकृति देने से (3) सरकारी हिसाब में धन जमा करने या उसमें से खर्च करने, उसकी जाँच करने आदि से।

1544. लोकसभा अध्यक्ष को उसके कार्यकाल की समाप्ति के पूर्व पद से हटाया जा सकता है–
(अ) प्रधानमंत्री की संस्तुति पर राष्ट्रपति द्वारा
(ब) यदि लोकसभा इस आशय का प्रस्ताव पारित कर दे
(स) यदि लोकसभा और प्रधानमंत्री द्वारा इस प्रकार का निर्णय ले ले
(द) यदि संसद के दोनों सदन इस आशय का प्रस्ताव पारित करे
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष अपना इस्तीफा या त्यागपत्र लोकसभा उपाध्यक्ष को देता है। अध्यक्ष का कार्यकाल लोकसभा विघटित होने तक होता है। लोकसभा अध्यक्ष को लोकसभा के प्रभावी बहुमत द्वारा हटाया जा सकता है परन्तु 14 दिन पहले इसकी सूचना लोकसभा अध्यक्ष को देनी आवश्यक है।

1545. लोकसभा का अध्यक्ष–
(अ) राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किया जाता है
(ब) प्रधानमंत्री द्वारा मनोनीत किया जाता है
(स) उपराष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किया जाता है
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (द) RRB 2008
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष आमतौर पर लोकसभा में चुना गया सांसद होता है। सांसद आपस में से किसी एक का चयन कर लोकसभा का अध्यक्ष नियुक्त करते हैं। लोकसभा का निर्वाचन लोकसभा चुनावों के बाद, लोकसभा की प्रथम बैठक में ही कर लिया जाता है। वह संसद के सदस्यों में से ही 5 वर्ष के लिए चुना जाता है। उससे अपेक्षा की

जाती है कि वह अपने राजनीतिक दल से इस्तीफा दे दे, ताकि कार्यवाही में निष्पक्षता बनी रहे।

1546. लोकसभा में वोटिंग के दौरान पहले चरण में कौन मत नहीं डाल सकता ?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष (ब) केंद्रीय मंत्री
(स) लोकसभा के सदस्य (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ) SSC 2007
व्याख्या– किसी मामले में मतों की संख्या समान होने पर सभा में निर्णायक मत देने का अधिकार लोकसभा अध्यक्ष को है, इसलिए लोकसभा में वोटिंग के दौरान पहले चरण में लोकसभा अध्यक्ष मत नहीं डालता।

1547. भारतीय संसद की लोक समिति के अध्यक्ष को कौन मनोनीत करता है ?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष (ब) प्रधानमंत्री
(स) राष्ट्रपति (द) राज्यसभा के सभापति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोक लेखा समिति, भारतीय संसद के कुछ चुने हुए सदस्यों वाली समिति है, जो भारत सरकार के खर्चों की लेखा परीक्षा (ऑडिट) करती है। यह समिति संसद द्वारा निर्मित है। लोक लेखा समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति लोकसभा अध्यक्ष के द्वारा की जाती है।

1548. लोकसभा की अध्यक्षता कौन करता है ?
(अ) स्पीकर (ब) भारत के राष्ट्रपति
(स) भारत के प्रधानमंत्री (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ) SSC 2017
व्याख्या– लोकसभा का निर्वाचन लोकसभा चुनावों के बाद, लोकसभा की प्रथम बैठक में ही कर लिया जाता है। वह संसद के सदस्यों में से ही 5 वर्ष के लिए चुना जाता है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह अपने राजनीतिक दल से इस्तीफा दे दे, ताकि कार्यवाही में निष्पक्षता बनी रहे।

1549. संविधान का निम्न अनुच्छेद में से कौन उपबंधित करता है कि मत बराबर होने की दशा में लोकसभा के अध्यक्ष का मत निर्णायक होगा और वह उसका प्रयोग करेगा ?
(अ) अनुच्छेद 99 (ब) अनुच्छेद 103
(स) अनुच्छेद 100 (द) अनुच्छेद 102
उत्तर : (स)
व्याख्या–संविधान का अनुच्छेद 100 उपबंधित करता है कि मत बराबर होने की दशा में लोकसभा के अध्यक्ष का मत निर्णायक होगा और वह उसका प्रयोग करेगा।

1550. कोई विधेयक धन विधेयक है अथवा नहीं, इसका विनिश्चय अंतिम रूप से कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) लोकसभा अध्यक्ष (द) वित्त मंत्री
उत्तर : (स)
व्याख्या– कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इसका निर्णय करने का अधिकार लोकसभा के अध्यक्ष को प्राप्त है।

1551. भारतीय संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) लोकसभा अध्यक्ष (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 118 यह प्रावधान करता है कि राष्ट्रपति संयुक्त अधिवेशन के संदर्भ में नियम बनाएँ तथा इस अनुच्छेद में एक प्रावधान यह भी है कि संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता लोकसभा के अध्यक्ष करते हैं। लोकसभा अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अनुच्छेद 118(3) के तहत राष्ट्रपति द्वारा बनाए गए नियमानुसार लोकसभा उपाध्यक्ष संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता करेगा। यदि लोकसभा उपाध्यक्ष भी अनुपस्थित है तो ऐसी स्थिति में राज्यसभा के उपसभापति संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता करते है ना कि राज्यसभा के सभापति।

1552. लोकसभा के अध्यक्ष का चुनाव किया जाता है–
(अ) राष्ट्रपति द्वारा
(ब) प्रधानमंत्री द्वारा
(स) संसद के दोनों सदनों के सदस्यों द्वारा
(द) लोकसभा के सदस्यों द्वारा
उत्तर : (द) SSC 2007
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष आमतौर पर लोकसभा में चुना गया सांसद होता है। सांसद आपस में से किसी एक का चयन कर लोकसभा का अध्यक्ष नियुक्त करते हैं। लोकसभा का निर्वाचन लोकसभा चुनावों के बाद, लोकसभा की प्रथम बैठक में ही कर लिया जाता है। वह संसद के सदस्यों में से ही 5 वर्ष के लिए चुना जाता है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह अपने राजनीतिक दल से इस्तीफा दे दे, ताकि कार्यवाही में निष्पक्षता बनी रहे।

1553. निम्नलिखित में से कौन लोकसभा के अध्यक्ष के पद पर दो अवधियों के लिए निर्वाचित नहीं हुए ?
(अ) जी.एम.सी. बालयोगी
(ब) नीलम संजीव रेड्डी
(स) बलराम जाखड़
(द) बलिराम भगत
उत्तर : (द) CDS 2006

1554. अपने पद पर रहते हुए दिवंगत होने वाले प्रथम लोकसभा अध्यक्ष थे–
(अ) जी.वी. मावलंकर
(ब) अनन्तशयनम आयंगर
(स) जी.एम.सी. बालयोगी
(द) हुकुम सिंह
उत्तर : (स)

1555. अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति में सदन का कार्य सुचारू रूप से चलाने के लिए अध्यक्ष द्वारा कितने सभापतियों की एक नामावली तैयार की जाती है ?
(अ) 3 (ब) 5
(स) 6 (द) 7
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकसभा के अध्यक्ष तथा उपाध्यक्ष की अनुपस्थिति में सदन का कार्य सुचारू रूप से चलाने के लिए अध्यक्ष द्वारा छह सभापतियों की एक नामावली तैयार की जाती है।

1556. पहली लोकसभा के अध्यक्ष थे–
(अ) जी.वी. मावलंकर (ब) अनंतशयनम आयंगर
(स) हुकम सिंह (द) नीलम संजीव रेड्डी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पहली लोकसभा के अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर तथा उपाध्यक्ष एम. अनंतशयनम आयंगर थे।

1557. भारत में लोकसभा अध्यक्ष पद की स्थिति निम्न में से किसके समान है ?
(अ) इंग्लैण्ड के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष की तरह
(ब) इंग्लैंड के हाउस ऑफ लॉर्ड्स की अध्यक्ष की तरह
(स) रूस के ड्यूमा के अध्यक्ष की तरह
(द) यूएसए के सीनेट के अध्यक्ष की तरह
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में लोकसभा अध्यक्ष पद की स्थिति इंग्लैण्ड के हाउस ऑफ कॉमन्स के अध्यक्ष की तरह होती है।

1558. निम्नलिखित में से कौन प्रथम जनजातीय लोकसभा अध्यक्ष थे ?
(अ) जी.वी. मावलंकर (ब) जी.एम.सी. बालयोगी
(स) मनोहर जोशी (द) पी.ए. संगमा
उत्तर : (द) IAS 2007
व्याख्या– पी.ए. संगमा प्रथम जनजातीय लोकसभा अध्यक्ष थे।

1559. पहली लोकसभा के उपाध्यक्ष थे–
(अ) जी.वी. मावलंकर (ब) अनंतशयनम आयंगर
(स) हुकम सिंह (द) नीलम संजीव रेड्डी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– पहली लोकसभा के अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर तथा उपाध्यक्ष एम. अनंतशयनम आयंगर थे।

1560. किसी विधेयक को धन विधेयक कौन घोषित कर सकता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभा अध्यक्ष (द) राज्यसभा अध्यक्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या–कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं, इसे लोकसभा अध्यक्ष घोषित करते हैं।

1561. लोकसभा अध्यक्ष अपना त्यागपत्र किसे देता है ?
(अ) प्रधानमंत्री को
(ब) राष्ट्रपति को
(स) मुख्यमंत्री को
(द) लोकसभा उपाध्यक्ष को
उत्तर : (द)
व्याख्या–लोकसभा अध्यक्ष अपना त्यागपत्र लोकसभा के उपाध्यक्ष को सौंपता है।

1562. लोकसभा उपाध्यक्ष अपना त्यागपत्र किसे देता है ?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष को
(ब) राष्ट्रपति को
(स) उपराष्ट्रपति को
(द) प्रधानमंत्री को
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोकसभा उपाध्यक्ष अपना त्यागपत्र लोकसभा अध्यक्ष को देता है, जबकि लोकसभा अध्यक्ष अपना त्यागपत्र लोकसभा के उपाध्यक्ष को सौंपता है।

1563. लोकसभा अध्यक्ष का चयन कौन करता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) राज्यपाल (द) लोकसभा सदस्य
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा अध्यक्ष का चयन लोकसभा सदस्य का चयन करते हैं।

1564. लोकसभा अध्यक्ष की अनुपस्थिति में किसी विधेयक को धन विधेयक कौन घोषित कर सकता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) राज्यसभा अध्यक्ष (द) लोकसभा उपाध्यक्ष
उत्तर : (द)
व्याख्या–लोकसभा अध्यक्ष की अनुपस्थिति में किसी विधेयक को धन विधेयक लोकसभा उपाध्यक्ष घोषित कर सकता है।

1565. प्रथम लोकसभा अध्यक्ष कौन थे, जिनके विरुद्ध लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था ?
(अ) जी.वी. मावलंकर (ब) अनंतशयनम आयंगर
(स) ओम बिरला (द) नीलम संजीव रेड्डी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– प्रथम लोकसभा के अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर (गणेश वासुदेव मावलंकर) थे और यही प्रथम लोकसभा अध्यक्ष थे, जिनके विरुद्ध लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था।

22.राज्यपाल

1566. राज्य की कार्यपालिका शक्ति किसमें निहित होती है ?
(अ) मुख्यमंत्री में (ब) राज्यपाल में
(स) मंत्रिपरिषद में (द) राष्ट्रपति में
उत्तर : (ब) SSC 2011
व्याख्या– राज्य की कार्यपालिका शक्ति राज्यपाल में निहित होती है। राज्य की कार्यपालिका का प्रमुख राज्यपाल (गवर्नर) होता है, जो मंत्रिपरिषद की सलाह के अनुसार कार्य करता है। कुछ मामलों में राज्यपाल को विशेषाधिकार दिया गया है और ऐसे मामले में वह मंत्रिपरिषद की सलाह के बिना भी कार्य करता है। राज्यपाल अपने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति भी होते हैं। इनकी स्थिति राज्य में वही होती है, जो केन्द्र में राष्ट्रपति की होती है। केन्द्र शासित प्रदेशों में उपराज्यपाल होते हैं।

1567. राज्य सरकार का कार्यकारी अध्यक्ष कौन है ?
(अ) मुख्यमंत्री (ब) राज्यपाल
(स) मुख्यमंत्री का सचिव (द) मुख्य सचिव
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यपाल, राज्य का संवैधानिक प्रमुख होता है। वह मंत्रिपरिषद की सलाह से कार्य करता है परंतु उसकी संवैधानिक स्थिति मंत्रिपरिषद की तुलना में बहुत सुरक्षित है। वह राष्ट्रपति के समान असहाय नहीं हैं। राष्ट्रपति के पास मात्र विवेकाधीन शक्ति ही है जिसके अलावा वह सदैव प्रभाव का ही प्रयोग करता है किन्तु संविधान राज्यपाल को प्रभाव तथा शक्ति दोनों देता है। उसका पद जितना शोभायमान है, उतना ही कार्यात्मक भी है।

1568. भारतीय राज्यों में राज्यपाल की नियुक्ति करता है–
(अ) संघीय मंत्रिमंडल (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) राष्ट्रपति
उत्तर : (द) RRB 2002
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 155 के अनुसार राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से की जाएगी किन्तु वास्तव में राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर की जाती है।

1569. निम्न में से किसको हटाने का प्रावधान संविधान में नहीं है ?
(अ) उपराष्ट्रपति (ब) राष्ट्रपति
(स) गवर्नर (द) एटॉनी जनरल
उत्तर : (स) IAS 1991, RRB 2003
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 155 और 156 के अनुसार किसी राज्य के राज्यपाल को राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है और वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है अर्थात् राज्यपाल अपने पद पर 5 वर्ष की अवधि तक बना रह सकता है। अनुच्छेद 74 के अनुसार राष्ट्रपति केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सहायता और सलाह के अनुसार कार्य करने के लिए बाध्य होता है, इसलिए व्यवहार में किसी राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति और उसे पद से हटाने का कार्य केन्द्र सरकार ही करती है और राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत शब्दों का अर्थ केंद्र सरकार की इच्छा और प्रसन्नता है।

1570. राज्यपाल अपना त्यागपत्र किसे सौंपता है ?
(अ) राज्य के मुख्यमंत्री को
(ब) प्रधानमंत्री को
(स) संसद को
(द) राष्ट्रपति को
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्यपाल अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को देता है। अनुच्छेद 156(2) के अधीन राज्यपाल, राष्ट्रपति को सम्बोधित कर अपने हस्ताक्षर सहित लेख द्वारा त्यागपत्र दे सकता है।

1571. निम्नलिखित में से किसको महाभियोग के बिना हटाया जा सकता है ?
(अ) भारत के राष्ट्रपति को
(ब) भारत के मुख्य न्यायाधीश को
(स) किसी राज्य के राज्यपाल को
(द) मुख्य निर्वाचन आयुक्त को
उत्तर : (स)
व्याख्या– किसी राज्य के राज्यपाल को महाभियोग के बिना हटाया जा सकता है। महाभियोग प्रस्ताव सिर्फ तब लाया जा सकता है, जब संविधान का उल्लंघन, दुर्व्यवहार या अक्षमता साबित हो गए हों। महाभियोग प्रस्ताव संसद के किसी भी सदन में लाया जा सकता है, लेकिन लोकसभा में इसे पेश करने के लिए कम से कम 100 सांसदों के हस्ताक्षर जरूरी होते हैं। इसके बाद अगर उस सदन के स्पीकर या अध्यक्ष उस प्रस्ताव को स्वीकार कर लें तो तीन सदस्यों की एक समिति बनाकर आरोपों की जाँच करवाई जाती है।

1572. भारतीय संविधान के अनुसार राज्य का अधिशासी प्रधान कौन होता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) मुख्यमंत्री
(स) राष्ट्रपति (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुसार राज्य का अधिशासी प्रधान राज्यपाल होता है। राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति पाँच वर्ष के लिए करते हैं और राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद पर बने रहते हैं।

1573. राष्ट्रपति किसकी सलाह पर किसी राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति करते हैं ?
(अ) मुख्यमंत्री (ब) मुख्य न्यायाधीश
(स) प्रधानमंत्री (द) उपराष्ट्रपति
उत्तर : (स)

व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 155 के अनुसार राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से की जाएगी, किन्तु वास्तव में राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा केंद्रीय मंत्रिमंडल (प्रधानमंत्री) की सिफारिश पर की जाती है।

1574. राज्य सरकार का संवैधानिक प्रमुख होता है–
(अ) मुख्यमंत्री (ब) मुख्य सचिव
(स) महाधिवक्ता (द) राज्यपाल
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्यपाल राज्यों में केन्द्र के समान संवैधानिक प्रमुख है। वैसे राज्यपाल को स्वविवेक शक्तियाँ प्रदान करके उसे राष्ट्रपति की तुलना में राज्य में राज्यपाल के संवैधानिक प्रमुख से ज्यादा भूमिका की अपेक्षा की गई है। राज्यपाल राज्य का नाममात्र का प्रधान होता है यद्यपि सरकार का सम्पूर्ण कार्य व्यवहार उसी के नाम से संचालित होता है। राज्यपाल विधान सभा के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त करता है।

1575. सामान्य रूप से राज्यपाल का कार्यकाल होता है–
(अ) 3 वर्ष (ब) 4 वर्ष
(स) 5 वर्ष (द) 6 वर्ष
उत्तर : (स) RRB 2003
व्याख्या– राज्यपाल की कार्य अवधि उसके पद ग्रहण की तिथि से पाँच वर्ष तक होती है, लेकिन इस पाँच वर्ष की अवधि के समापन के बाद वह तब तक अपने पद पर बना रहता है, जब तक उसका उत्तराधिकारी पद नहीं ग्रहण कर लेता। जब राज्यपाल पाँच वर्ष की अवधि की समाप्ति के बाद पद पर रहता है, तब वह प्रतिदिन के वेतन के आधार पर पद पर बना रहता है। राज्यपाल विश्वविद्यालयों का कुलपति भी होता है।

1576. राज्यपाल राज्य में किसका प्रतिनिधि होता है ?
(अ) राष्ट्रपति का (ब) गृहमंत्री का
(स) प्रधानमंत्री का (द) मुख्यमंत्री का
उत्तर : (अ) RRB 2004
व्याख्या– राज्यपाल राज्य में केन्द्र का प्रतिनिधि होता है तथा राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद बना रहता है। वह कभी भी पद से हटाया जा सकता है।

1577. जम्मू–कश्मीर के राज्यपाल को कौन नियुक्त करता है ?
(अ) राज्य का मुख्यमंत्री
(ब) भारत का राष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री
(द) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यपाल की नियुक्ति राज्यों में होती है तथा केंद्र शासित प्रदेशों में उपराज्यपाल की नियुक्ति होती है। संविधान के अनुच्छेद 155 के अनुसार राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से की जाएगी किन्तु वास्तव में राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा केंद्रीय मंत्रिमंडल (प्रधानमंत्री) की सिफारिश पर की जाती है।

1578. उपराज्यपाल की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) उपराष्ट्रपति (द) राज्यपाल
उत्तर : (अ) SSC 2001, RRB 2005
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 155 के अनुसार राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से की जाएगी, किन्तु वास्तव में राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर की जाती है। उपराज्यपाल की नियुक्ति भी राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

1579. राष्ट्रपति शासन में राज्य का प्रमुख शासन संचालक कौन होता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) राज्यपाल
(स) प्रधानमंत्री (द) कार्यवाहक मुख्यमंत्रीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति शासन में राज्य का प्रमुख शासन संचालक राज्यपाल होता है। राष्ट्रपति शासन या केन्द्रीय शासन भारत में शासन के संदर्भ में उस समय प्रयोग किया जाने वाला एक पारिभाषिक शब्द है, जब किसी राज्य सरकार को भंग या निलंबित कर दिया जाता है और राज्य प्रत्यक्ष रूप से संघीय शासन के अधीन आ जाता है। भारत के संविधान का अनुच्छेद 356, केन्द्र की संघीय सरकार को राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता या संविधान के स्पष्ट उल्लंघन की दशा में उस राज्य की सरकार को बर्खास्त कर उसके राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने का अधिकार देता है। इसके द्वारा राज्य का नियंत्रण बजाय एक निर्वाचित मुख्यमंत्री के सीधे भारत के राष्ट्रपति के अधीन आ जाता है, लेकिन प्रशासनिक दृष्टि से राज्य के राज्यपाल को केन्द्रीय सरकार द्वारा कार्यकारी अधिकार प्रदान किये जाते हैं।

1580. राज्यपाल अपने पद पर बना रहता है–
(अ) 5 वर्षों के लिए
(ब) संसद द्वारा निश्चित समय के लिए
(स) राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत
(द) जब तक उसे संसद का विश्वास प्राप्त हो
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 155 के अनुसार किसी राज्य के राज्यपाल को राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है और वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है, अर्थात् राज्यपाल अपने पद पर 5 वर्ष की अवधि तक बना रह सकता है। अनुच्छेद 74 के अनुसार राष्ट्रपति केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सहायता और सलाह के अनुसार कार्य करने के लिए बाध्य होता है, इसलिए व्यवहार में किसी राज्य

के राज्यपाल की नियुक्ति और उसे पद से हटाने का कार्य केन्द्र सरकार ही करती है और राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत शब्दों का अर्थ केंद्र सरकार की इच्छा और प्रसन्नता है।

1581. राज्यपाल का वेतन और भत्ता किस कोष से आता है ?
(अ) भारत की संचित निधि से
(ब) राज्य की संचित निधि से
(स) राज्य और केन्द्र की संचित निधि से 50 : 50 के अनुपात में
(द) राज्य की आकस्मिक निधि से
उत्तर : (ब) JPSC 2003
व्याख्या– राज्यपाल को वेतन के साथ निःशुल्क सरकारी आवास उपलब्ध कराया जाता है। वे सभी वेतन, भत्ते तथा ऐसे विशेषाधिकार का उपभोग करने का अधिकारी है जो राज्यपाल अधिनियम 1982 में विनिर्दिष्ट है। 1987 में संशोधन द्वारा प्रावधान किया गया कि राज्यपाल की परिलब्धियाँ एवं भत्ते उसकी पदावधि के दौरान कम नहीं किये जायेंगे। अनुच्छेद 158(3)(4) राज्यपाल के वेतन और भत्ते की संचित निधि में से दिए जाते हैं।

1582. राज्यों के गवर्नर संविधान के अंतर्गत किसके प्रति अपने आचरण के लिए उत्तरदायी होते हैं ?
(अ) राज्य के मुख्यमंत्री
(ब) संध के प्रधानमंत्री
(स) राज्य विधानसभा
(द) राष्ट्रपति
उत्तर : (द) IAS 1991
व्याख्या– राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा पाँच वर्ष के लिए होती है। राज्यपाल की नियुक्ति में सम्बद्ध राज्य के मुख्यमंत्री का परामर्श ले लिया जाता है। राष्ट्रपति पाँच वर्ष के भीतर भी राज्यपाल को पदच्युत कर सकता है अथवा उसका स्थानांतरण कर सकता है। वह इस अवधि के भीतर भी राष्ट्रपति के पास त्यागपत्र भेजकर पदत्याग कर सकता है। राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद पर बना रहता है। यद्यपि उसका कार्यकाल पाँच वर्ष का है, परन्तु वह नए राज्यपाल के पद ग्रहण करने के पूर्व तक अपने पद पर रहता है।

1583. निम्नलिखित में से कौन भारत के राष्ट्रपति की इच्छा तक ही पद पर बना रहता है ?
(अ) निर्वाचन आयुक्त
(ब) राज्यपाल
(स) उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश
(द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा पाँच वर्षों के लिए होती है। राष्ट्रपति पाँच वर्ष के भीतर भी राज्यपाल को पदच्युत कर सकता है अथवा उस्का स्थानान्तरण कर सकता है। वह इस अवधि के भीतर भी राष्ट्रपति के पास त्यागपत्र भेजकर पदत्याग कर सकता है। राज्यपाल, राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद पर बना रहता है। यद्यपि उसका कार्यकाल पाँच वर्ष का है परन्तु नए राज्यपाल के पद ग्रहण करने के पूर्व तक अपने पद पर बना रहता है।

1584. राज्यपाल की नियुक्ति से सम्बन्धित महत्वपूर्ण परम्परा है–
(अ) एक राज्य में किसी अन्य राज्य के निवासी को ही राज्यपाल नियुक्त किया जाता है
(ब) निर्वाचन में पराजित और अन्य प्रकार से अस्वीकार्य राजनीतिज्ञों को राज्यपाल के पद पर नियुक्त कर दिया जाता है
(स) राज्यपाल की नियुक्ति से पूर्व संघीय सरकार संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से परामर्श लेती है
(द) किसी राज्यपाल को उसका कार्यकाल समाप्त हो जाने के बाद सामान्य तौर पर फिर से नियुक्त नहीं किया जाता है
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के भाग–6 में राज्य शासन के लिए राज्यपाल के पद का प्रावधान किया गया है। राज्य की कार्यपालिका का प्रमुख राज्यपाल होता है। वह प्रत्यक्ष रूप से अथवा अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से इसका उपयोग करता है। अर्थात् राज्यों में राज्यपाल की स्थिति कार्यपालिका के प्रधान की होती है परंतु वास्तविक शक्ति मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद् में निहित होती है। मूल संविधान में अनुच्छेद 153 में यह उल्लिखित था कि प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्यपाल होगा किन्तु सातवें संविधान संशोधन, 1956 के द्वारा इसमें एक परंतुक जोड़ दिया गया जिसके अनुसार एक ही व्यक्ति को दो या दो से अधिक राज्यों के लिए भी राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है।

1585. संविधान के अनुसार राज्यपाल पद पर नियुक्त होने के लिए क्या अर्हताएं होनी चाहिए ?
(अ) वह भारत का नागरिक हो एवं 35 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो
(ब) वह संसद या किसी राज्य के विधानमंडल का सदस्य न हो
(स) वह कोई अन्य लाभ का पद धारण न करता हो
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्यपाल के पद पर नियुक्ति के लिए योग्यताएँ होनी चाहिए– (1) भारत का नागरिक हो (2) उसकी उम्र 35 वर्ष से अधिक हो (3) जो संसद या विधानमंडल का सदस्य नहीं है और यदि ऐसा व्यक्ति हो तो राज्यपाल के पदग्रहण के बाद उसकी सदस्यता का अंत हो जाएगा। अपनी नियुक्ति के

बाद वह किसी अन्य लाभ के पद पर नहीं रह सकता।

1586. राज्यपाल विधान परिषद के कितने सदस्यों को मनोनीत कर सकता है ?
(अ) 1/3 सदस्य (ब) 1/2 सदस्य
(स) 1/6 सदस्य (द) 1/12 सदस्य
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य के राज्यपाल विधानपरिषद में कुछ ऐसे सदस्य को मनोनीत कर सकते है जिन्हें विशेष क्षेत्र में विशेष ज्ञान अथवा व्यावहारिक अनुभव प्राप्त है जैसे विज्ञान, साहित्य, कला, सहकारी आन्दोलन अथवा सामाजिक सेवा। यह सदस्य संख्या विधान परिषद की कुल सदस्य संख्या का 1/6 भाग होता है।

1587. राज्यपाल निम्नलिखित में से किसकी नियुक्ति नहीं करता है ?
(अ) मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद
(ब) राज्य का महाधिवक्ता
(स) राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्य
(द) राज्य के उच्च न्यायालय के सदस्य
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य के महाधिवक्ता, मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद एवं राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्य की नियुक्ति राज्यपाल करता है। राज्य के उच्च न्यायालय के सदस्य की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश और संबंधित राज्य के राज्यपाल के साथ परामर्श के साथ होती है। इसके अलावा, राष्ट्रपति परामर्श के बिना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हस्तांतरण के अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

1588. राज्यपाल को निम्नलिखित में से किस प्रकार की शक्ति प्राप्त नहीं है ?
(अ) विधायी शक्ति
(ब) कार्यपालिका शक्ति
(स) सैन्य एवं राजनयिक शक्ति
(द) न्यायिक शक्ति
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति की भाँति राज्यपाल को भी कुछ कार्यकारी, विधायी और न्यायिक शक्तियाँ मिली हुई हैं। उसके पास कुछ विवेकाधीन या आपातकालीन शक्तियाँ भी होती हैं, किन्तु राष्ट्रपति की भाँति राज्यपाल के पास कोई कूटनीतिक अथवा सैन्य शक्ति नहीं होती है।

1589. राज्यपाल विधान परिषद में अधिक–से–अधिक कितने सदस्यों को मनोनीत कर सकता है ?
(अ) 5 (ब) 10
(स) 12 (द) निश्चित संख्या नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य के राज्यपाल विधानपरिषद में कुछ ऐसे सदस्य को मनोनीत कर सकते है जिन्हें विशेष क्षेत्र में विशेष ज्ञान अथवा व्यावहारिक अनुभव प्राप्त है जैसे विज्ञान, साहित्य, कला, सहकारी आन्दोलन अथवा सामाजिक सेवा। यह सदस्य संख्या विधान परिषद की कुल सदस्य संख्या का 1/6 भाग होता है।

1590. राज्यपाल अपने राज्य के विधान परिषद में किन क्षेत्रों से संबंधित व्यक्तियों को मनोनीत कर सकता है ?
(अ) कला और साहित्य
(ब) विज्ञान
(स) सामाजिक सेवा व सहकारिता आन्दोलन
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य के राज्यपाल विधानपरिषद में कुछ ऐसे सदस्य को मनोनीत कर सकते है जिन्हें विशेष क्षेत्र में विशेष ज्ञान अथवा व्यावहारिक अनुभव प्राप्त है, जैसे विज्ञान, साहित्य, कला, सहकारी आन्दोलन अथवा सामाजिक सेवा। यह सदस्य संख्या विधान परिषद की कुल सदस्य संख्या का 1/6 भाग होता है।

1591. ''राज्यपाल सोने के पिंजरे में निवास करने वाली चिड़ियाँ के समतुल्य है'' यह किसका कथन है ?
(अ) श्रीप्रकाश (ब) सरोजिनी नायडू
(स) धर्मवीर (द) जी.डी. तपासे
उत्तर : (ब) RRB 2002
व्याख्या– ''राज्यपाल सोने के पिंजरे में निवास करने वाली चिड़ियाँ के समतुल्य है'' यह कथन सरोजिनी नायडू का है। सरोजिनी नायडू भारत की पहली महिला राज्यपाल थी। उन्हें उत्तर प्रदेश का राज्यपाल नियुक्त किया गया। राज्यपाल के पद को स्वीकार करते हुए उन्होंने कहा–''मैं अपने को कैद कर दिये गये जंगल के पक्षी की तरह अनुभव कर रही हूँ''। लेकिन वह प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की इच्छा को टाल न सही जिनके प्रति उनके मन में गहन प्रेम व स्नेह था।

1592. राज्यपाल के अभिभाषण का अर्थ है–
(अ) विधानसभा का बजट अभिभाषण
(ब) विधान परिषद का बजट अभिभाषण
(स) विधानमंडल के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में दिया गया भाषण
(द) विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह का भाषण
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्यपाल के अभिभाषण का अर्थ है– विधानमंडल के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में दिया गया भाषण। अनुच्छेद 175 में सदन या सदनों में अभिभाषण का और उनको संदेश भेजने का राज्यपाल के अधिकारों में उल्लेख है। राज्यपाल, विधानसभा में या विधान परिषद् वाले राज्य की दशा में उस राज्य के विधानमंडल के किसी एक सदन में या एक साथ समवेत दोनों

सदनों में अभिभाषण कर सकेगा और इस प्रयोजन के लिए सदस्यों की उपस्थिति की अपेक्षा कर सकेगा।

1593. भारत के किसी राज्य की राज्यपाल बनने वाली प्रथम महिला थी–
(अ) राजकुमारी अमृत कौर
(ब) सरोजिनी नायडू
(स) पद्जा नायडू
(द) सरला ग्रेवाल
उत्तर : (ब) RRB 20011, SSC 2011
व्याख्या– सरोजिनी नायडू भारत की पहली महिला राज्यपाल थी। उन्होंने उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के रूप में कार्य किया था।

1594. किसकी अनुमति के बिना राज्य की विधानसभा में कोई धन विधेयक पेश नहीं किया जा सकता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) संसद
(स) मुख्यमंत्री (द) विधानसभाध्यक्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अनुच्छेद 168 के अधीन जब धन विधेयक विधान परिषद को भेजा जाता है तथा जब वह अनुच्छेद 200 के अधीन अनुमति के लिये राज्य के राज्यपाल के समक्ष उपस्थित किया जाता है तब प्रत्येक धन विधेयक पर विधानसभा के अध्यक्ष के हस्ताक्षर सहित यह प्रमाण अंकित रहेगा कि वह धन विधेयक है।

1595. राज्य स्तर पर मंत्रिपरिषद के मंत्रियों की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) दल का अध्यक्ष (ब) मुख्यमंत्री
(स) राज्यपाल (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (स)
व्याख्या– सबसे पहले राज्यपाल द्वारा राज्य के मंत्रिपरिषद के लिए मुख्यमंत्री की नियुक्ति की जाती है। प्रत्यक्ष चुनाव प्रणाली के अंतर्गत जनता द्वारा निर्वाचित होकर जिस दल का बहुमत होता है, उस दल के नेता को राज्यपाल मुख्यमंत्री नियुक्त करता है। उसके पश्चात मुख्यमंत्री, राज्यपाल को मंत्रियों की नियुक्ति के संबंध में परामर्श देता है, तब राज्यपाल अन्य मंत्रियों की नियुक्ति करता है।

1596. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(अ) सामान्य रूप से राज्यपाल का कार्यकाल 5 वर्ष होता है
(ब) राज्यपाल की पदावधि राष्ट्रपति की इच्छा पर निर्भर करती है
(स) राष्ट्रपति किसी भी समय राज्यपाल का उसके पद से पदच्युत कर सकता है
(द) राज्यपाल की पदावधि प्रधानमंत्री की इच्छा पर निर्भर करती है
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 156 के अनुसार यद्यपि राज्यपाल का कार्यकाल उसके पद ग्रहण करने की तिथि से 5 वर्ष का होता है, किंतु इस अवधि की समाप्ति के बाद भी वह तब तक अपने पद पर बना रहता है, जब तक कि उसका उत्तराधिकारी पद ग्रहण नहीं कर लेता। राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद पर बना रहता है। राष्ट्रपति किसी भी समय राज्यपाल को उसके पद से पदच्युत कर सकता है।

1597. राज्यपालों के लिए एक मार्ग निर्देशक सिद्धांत निर्धारित करने की अनुशंसा किस समिति/आयोग ने की थी ?
(अ) बलवंत राय मेहता समिति
(ब) अशोक मेहता समिति
(स) गोरेवाला समिति
(द) प्रशासनिक सुधार आयोग
उत्तर : (द)
व्याख्या– प्रशासनिक सुधार आयोग एक समिति है जो भारत के लोक प्रशासन को और अधिक कारगर बनाने के लिये सुझाव देने हेतु भारत सरकार द्वारा नियुक्त की गयी है। प्रथम प्रशासनिक सुधार आयोग 5 जनवरी 1966 को नियुक्त किया गया था। दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग 31 अगस्त 2005 को बनाया गया था।

1598. राज्यपाल की स्वस्थ पुस्तिका है–
(अ) राज्य के संवैधानिक अध्यक्ष की
(ब) केंद्र एवं राज्य के मध्य कड़ी की
(स) केंद्र के अभिकर्ता की
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यपाल राज्य के संवैधानिक प्रधान के रूप में कम और केंद्र के अभिकर्ता के रूप में कहीं अधिक भूमिका का निर्वाह करता है। उससे राज्य सरकारों पर केंद्र का कठोर नियंत्रण बना रहता है। यह सही है कि राज्यपाल केंद्र और राज्य सरकार के बीच की एक कड़ी है।

1599. गवर्नर द्वारा जारी किया गया अध्यादेश किसके द्वारा मंजूर किया जाता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) विधान परिषद के मंत्रियों द्वारा
(स) विधानमंडल
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (स) RRB 2003
व्याख्या– किसी राज्य के गवर्नर (राज्यपाल) द्वारा जारी किया गया अध्यादेश विधानमंडल द्वारा मंजूर किया जाता है।

1600. राज्य विधानमंडल के अनुमोदक के बिना राज्यपाल द्वारा जारी अध्यादेश कितनी अवधि के लिए लागू रहेगा ?
(अ) 6 माह (ब) 6 सप्ताह
(स) एक वर्ष (द) एक माह
उत्तर : (ब) SSC 2013

व्याख्या– राज्यपाल को उस समय जब राज्य का विधानमंडल सत्र में नहीं है तब अध्यादेश जारी करने की शक्ति होती है। हालाँकि राज्यपाल की यह शक्ति कुछ शर्तों के अधीन भी है जिनकी जानकारी अनुच्छेद 213 में मिलती है। ऐसे अध्यादेश को अगले सत्र आने पर विधानमंडल के समक्ष रखा जाता है और यह विधानमंडल के स्तर में आने की तारीख से 6 सप्ताह में स्वयं ही निष्प्रभावी हो जाता है। जहाँ दो सदन है वहाँ बाद वाले सदन के सत्र में आने की तारीख से 6 सप्ताह में स्वयं निष्प्रभावी होगा। वह राज्यपाल के द्वारा किसी भी समय वापस लिया जा सकता है परन्तु विधानमंडल चाहे तो उस 6 सप्ताह की अवधि के दौरान अध्यादेश को पारित करके कानून का रूप देकर जारी रख सकता है।

1601. राज्यपाल को निम्नलिखित में से कौनसी शक्ति प्राप्त नहीं है ?
(अ) मृत्यु के दंडादेश के विरुद्ध क्षमादान का
(ब) मृत्यु दंड के प्रतिलम्बन का
(स) मृत्यु दंड के परिहार या लघुकरण का
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्यपाल को राष्ट्रपति के समान ही कार्यकारी, विधायी, वित्तीय व न्यायिक शक्तियाँ प्राप्त है, किन्तु राज्यपाल को राष्ट्रपति के समान सैन्य व आपातकालीन शक्तियाँ प्राप्त नहीं है। राज्यपाल को मृत्यु के दंडादेश के विरुद्ध क्षमादान का अधिकार नहीं है। यह अधिकार सिर्फ राष्ट्रपति को है।

1602. विधानमंडल द्वारा पारित किसी विधेयक के संदर्भ में राज्यपाल क्या निर्णय ले सकता है ?
(अ) स्वीकार कर सकता है अथवा अस्वीकार कर सकता है
(ब) पुनर्विचार के लिए विधानमंडल वापस भेज सकता है
(स) राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए सुरक्षित रख सकता है
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य के विधानमंडल द्वारा पारित किसी बिल को कानून बनाने के लिए राज्यपाल की सहमति जरूरी होती है। इस संदर्भ में राज्यपाल के पास निम्नलिखित अधिकार हैं– (1) वह बिल को अपनी सहमति दे सकता है, इस स्थिति में वह बिल कानून बन जाता है। (2) वह बिल पर अपनी सहमति रोक सकता है, इस स्थिति में वह बिल कानून नहीं बन पाता। (3) वह उस बिल को अपने संदेश के साथ वापस भेज सकता है परन्तु यदि विधानमंडल उस बिल को पुनः उसी रूप में या कुछ परिवर्तनों के साथ पारित कर देता है तो राज्यपाल को उस पर सहमति देनी होगी। (4) वह बिल को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रख सकता है।

1603. राज्यपाल की अध्यादेश जारी करने की शक्ति के बारे में निम्नलिखित में से क्या सही नहीं है ?
(अ) यह विवेकाधीन शक्ति नहीं है
(ब) राज्यपाल किसी भी समय अध्यादेश को वापस ले सकता है
(स) अध्यादेश की शक्ति का प्रयोग तभी किया जा सकता है, जब विधानमंडल सत्र में न हो
(द) अध्यादेश जारी करने के लिए मंत्रियों की सहायता और सलाह की आवश्यकता नहीं होती है
उत्तर : (द) CDS 2018
व्याख्या– राज्यपाल को उस समय जब राज्य का विधानमंडल सत्र में नहीं है तब अध्यादेश जारी करने की शक्ति होती है। हालाँकि राज्यपाल की यह शक्ति कुछ शर्तों के अधीन भी है जिनकी जानकारी अनुच्छेद 213 में मिलती है। ऐसे अध्यादेश को अगले सत्र आने पर विधानमंडल के समक्ष रखा जाता है और यह विधानमंडल के स्तर में आने की तारीख से 6 सप्ताह में स्वयं ही निष्प्रभावी हो जाता है। जहाँ दो सदन है वहाँ बाद वाले सदन के सत्र में आने की तारीख से 6 सप्ताह में स्वयं निष्प्रभावी होगा। वह राज्यपाल के द्वारा किसी भी समय वापस लिया जा सकता है परन्तु विधानमंडल चाहे तो उस 6 सप्ताह की अवधि के दौरान अध्यादेश को पारित करके कानून का रूप देकर जारी रख सकता है। वास्तव में राज्यपाल की कार्यपालिका शक्तियों की तरह ही उसकी विधायी शक्तियों का प्रयोग भी राज्य के विधानमंडल के माध्यम से किया जाता है जिसका मुखिया मुख्यमंत्री होता है।

1604. किसी राज्य के राज्यपाल को निम्नलिखित में से किसकी शक्ति प्राप्त नहीं है ?
(अ) विधान सभा का सत्रावसान करने का
(ब) विधान सभा भंग करने का
(स) विधान सभा स्थगित करने का
(द) विधान सभा बुलाने का
उत्तर : (स) SSC 2002
व्याख्या– विधानसभा का सत्रावसान करने, विधान सभा भंग करने, विधान सभा बुलाने की शक्तियाँ राज्यपाल को है, किन्तु विधानसभा स्थगित करने की शक्ति राज्यपाल को प्राप्त नहीं है।

1605. राज्यपाल द्वारा जारी किये गये अध्यादेशों पर कौनसी कार्यवाही आवश्यक होती है ?
(अ) राष्ट्रपति की स्वीकृति
(ब) राज्य विधान मंडल की स्वीकृति
(स) लोकसभा की स्वीकृति
(द) प्रधानमंत्री की स्वीकृति
उत्तर : (ब)

व्याख्या– राज्यपाल द्वारा जारी किये गये अध्यादेशों पर राज्य विधान मंडल की स्वीकृति आवश्यक है। राज्यपाल को उस समय, जब राज्य का विधानमंडल सत्र में नहीं है, तब अध्यादेश जारी करने की शक्ति होती है। हालाँकि राज्यपाल की यह शक्ति कुछ शर्तों के अधीन भी है, जिनकी जानकारी अनुच्छेद 213 में मिलती है। ऐसे अध्यादेश को अगले सत्र आने पर विधानमंडल के समक्ष रखा जाता है और यह विधानमंडल के स्तर में आने की तारीख से 6 सप्ताह में स्वयं ही निष्प्रभावी हो जाता है। जहाँ दो सदन है वहाँ बाद वाले सदन के सत्र में आने की तारीख से 6 सप्ताह में स्वयं निष्प्रभावी होगा। वह राज्यपाल के द्वारा किसी भी समय वापस लिया जा सकता है परन्तु विधानमंडल चाहे तो उस 6 सप्ताह की अवधि के दौरान अध्यादेश को पारित करके कानून का रूप देकर जारी रख सकता है। वास्तव में राज्यपाल की कार्यपालिका शक्तियों की तरह ही उसकी विधायी शक्तियों का प्रयोग भी राज्य के विधानमंडल के माध्यम से किया जाता है जिसका मुखिया मुख्यमंत्री होता है।

1606. विधान सभा में धन–विधेयक किसकी पूर्व अनुमति पर पेश होता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) राज्यपाल
(स) प्रधानमंत्री (द) मुख्यमंत्री
उत्तर : (ब)
व्याख्या– विधानसभा में धन विधेयक राज्यपाल की पूर्व अनुमति पर पेश होता है। राज्यपाल का कार्य यह सुनिश्चित करना होता है कि वार्षिक वित्तीय विवरण (राज्य बजट) को राज्य विधानमंडल के सामने रखा जाए। इसके साथ ही किसी भी धन विधेयक को विधानमंडल में उसकी अनुमति के बाद ही प्रस्तुत किया जा सकता है। पंचायतों एवं नगरपालिका की वित्तीय स्थिति की प्रत्येक 5 वर्षों बाद समीक्षा करने के लिये राज्यपाल राज्य वित्त आयोग का भी गठन करता है।

1607. राज्य सरकार को बर्खास्त किया जा सकता है–
(अ) राज्यपाल की सिफारिश पर राष्ट्रपति द्वारा
(ब) राज्यपाल की सिफारिश पर प्रधानमंत्री द्वारा
(स) राज्यपाल की सिफारिश पर गृहमंत्री द्वारा
(द) भारत के प्रधानमंत्री द्वारा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्यपाल संविधान के अनुच्छेद 356 के अंतर्गत राष्ट्रपति से राज्य में राष्ट्रपति शासन की सिफारिश कर सकता है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 356, केन्द्र की संघीय सरकार को राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता या संविधान के स्पष्ट उल्लंघन की दशा में उस राज्य की सरकार को बर्खास्त कर उस राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने का अधिकार देता है।

1608. निम्नलिखित में से किस मुद्दे पर राज्यपाल राष्ट्रपति को सिफारिश कर सकते हैं ?
1. राज्य मंत्रिपरिषद की बर्खास्तगी
2. उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का निष्कासन
3. राज्य विधान सभा का विघटन
4. राज्य में संवैधानिक मशीनरी के भंग होने की घोषणा
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए–
(अ) 1,3 और 4 (ब) 1,2 और 4
(स) 1,2 और 3 (द) 2,3 और 4
उत्तर : (अ) SSC 2007
व्याख्या– राज्य मंत्रिपरिषद की बर्खास्तगी, राज्य विधानसभा का विघटन, राज्य में संवैधानिक मशीनरी के भंग होने की घोषणा के मामले में राज्यपाल राष्ट्रपति को सिफारिश कर सकते हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का निष्कासन के संबंध में राज्यपाल कोई सिफारिश नहीं कर सकता।

1609. निम्नलिखित में से कौन भारत के राष्ट्रपति की इच्छा तक ही पद पर बने रह सकते हैं ?
(अ) राज्यपाल
(ब) निर्वाचन आयुक्त
(स) उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश
(द) लोकसभा अध्यक्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्यपाल की कार्य अवधि उसके पद ग्रहण की तिथि से पाँच वर्ष तक होती है, लेकिन इस पाँच वर्ष की अवधि के समापन के बाद वह तब तक अपने पद पर बना रहता है, जब तक उसका उत्तराधिकारी पद ग्रहण नहीं कर लेता। जब राज्यपाल पाँच वर्ष की अवधि की समाप्ति के बाद पद पर रहता है, तब वह प्रतिदिन के वेतन के आधार पर पद पर बना रहता है।

1610. राज्यपाल का मुख्य सलाहकार कौन रहता है ?
(अ) उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(ब) मुख्यमंत्री
(स) लोकसभा अध्यक्ष
(द) राष्ट्रपति
उत्तर : (ब) SSC 2007
व्याख्या– किसी राज्य के राज्यपाल का मुख्य सलाहकार उस राज्य का मुखिया अर्थात् मुख्यमंत्री होता है। राज्य के जो भी फैसले लिये जाते हैं, उनमें दोनों की चर्चा, सहमति या आपसी विचार–विमर्श किया जाता है।

1611. किसी राज्य में राज्यपाल की नियुक्ति संविधान के किस अनुच्छेद के तहत होती है ?
(अ) अनुच्छेद 153 (ब) अनुच्छेद 154
(स) अनुच्छेद 155 (द) अनुच्छेद 156
उत्तर : (स) SSC 2013

व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 155 के अनुसार राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से की जाएगी, किन्तु वास्तव में राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा केन्द्रीय मंत्रिमंडल की सिफारिश पर की जाती है। राज्यपाल की नियुक्ति के संबंध में निम्न दो प्रकार की प्रथाएँ बन गयी– (1) किसी व्यक्ति को उस राज्य का राज्यपाल नियुक्त नहीं किया जाएगा, जिसका वह निवासी है। (2) राज्यपाल की नियुक्ति से पहले संबंधित राज्य के मुख्यमंत्री से विचार विमर्श किया जाएगा।

1612. स्वतंत्र भारत में निम्नलिखित में से कौनसी महिला किसी राज्य की पहली राज्यपाल थी ?
(अ) श्रीमती सरोजिनी नायडू
(ब) श्रीमती सुचेता कृपलानी
(स) श्रीमती इंदिरा गांधी
(द) श्रीमती विजयालक्ष्मी पंडित
उत्तर : (अ) SSC 2009
व्याख्या– स्वतंत्र भारत की पहली महिला राज्यपाल सरोजिनी नायडू थी। वे 15 अगस्त, 1947 से 2 मार्च 1949 तक उत्तर प्रदेश की राज्यपाल रही।

1613. राज्य मंत्रिपरिषद का गठन कौन करता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) प्रधानमंत्री
(स) मुख्यमंत्री (द) राष्ट्रपति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य मंत्रिपरिषद का गठन मुख्यमंत्री की सिफारिश पर राज्यपाल करता है।

1614. संविधान के किस भाग में राज्य शासन के लिए राज्यपाल पद का प्रावधान किया गया है ?
(अ) भाग–4 (ब) भाग–8
(स) भाग–6 (द) भाग–3
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के भाग–6 में राज्य शासन के लिए राज्यपाल पद का प्रावधान किया गया है। राज्य की कार्यपालिका का प्रमुख राज्यपाल होता है। वह प्रत्यक्ष रूप से अथवा अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से इसका उपयोग करता है, अर्थात् राज्यों में राज्यपाल की स्थिति कार्यपालिका के प्रधान की होती है परंतु वास्तविक शक्ति मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद में निहित होती है।

1615. राष्ट्रपति किसकी सलाह पर किसी राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति करते हैं ?
(अ) मुख्यमंत्री (ब) मुख्य न्यायाधीश
(स) प्रधानमंत्री (द) उपराष्ट्रपति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री की सलाह पर उस राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति करते हैं। संविधान के भाग–6 में राज्य शासन के लिए राज्यपाल पद का प्रावधान किया गया है। मूल संविधान में अनुच्छेद 153 में यह उल्लिखित था कि प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्यपाल होगा किन्तु सातवें संविधान संशोधन, 1956 द्वारा इसमें एक उपबंध (परंतुक) जोड़ दिया गया, जिसके अनुसार एक ही व्यक्ति को दो या दो से अधिक राज्यों के लिए भी राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है। अनुच्छेद 156(1) के अंतर्गत राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा पाँच वर्षों के लिए की जाती है, परन्तु वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करता हैं। संविधान के अनुच्छेद 156(2) के अंतर्गत राज्यपाल अपना पदत्याग कर सकता है। भारत के संविधान में राज्यपाल को उसके पद से हटाने हेतु किसी भी प्रक्रिया का उल्लेख नहीं है।

1616. किसी भारतीय राज्य के राज्यपाल से संबंधित निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(अ) वह भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त होता है
(ब) वह 5 वर्ष तक पद पर रह सकता है
(स) यदि संबंधित राज्य की विधायिका उसे पद से हटाए जाने के लिए प्रस्ताव पारित करता है तो वह पदमुक्त किया जा सकता है
(द) वह एक से अधिक राज्यों का राज्यपाल हो सकता है
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के भाग–6 में राज्य शासन के लिए राज्यपाल पद का प्रावधान किया गया है। मूल संविधान में अनुच्छेद 153 में यह उल्लिखित था कि प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्यपाल होगा किन्तु सातवें संविधान संशोधन, 1956 द्वारा इसमें एक उपबंध (परंतुक) जोड़ दिया गया, जिसके अनुसार एक ही व्यक्ति को दो या दो से अधिक राज्यों के लिए भी राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है।

1617. राज्यपाल के पद पर नियुक्ति की न्यूनतम उम्र सीमा है–
(अ) 25 वर्ष (ब) 30 वर्ष
(स) 35 वर्ष (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्यपाल पद पर नियुक्त किये जाने वाले व्यक्ति में निम्न योग्यताएँ होना अनिवार्य है– (1) वह भारत का नागरिक हो (2) वह 35 वर्ष की उम्र पूरी कर चुका हो (3) किसी प्रकार के लाभ के पद पर नहीं हो (4) वह राज्य विधानसभा का सदस्य चुने जाने योग्य हो।

1618. राज्यपाल को निम्नलिखित में से किस प्रकार की शक्ति प्राप्त नहीं है ?
(अ) विधायी शक्ति
(ब) कार्यपालिका शक्ति
(स) सैन्य एवं राजनयिक शक्ति
(द) न्यायिक शक्ति
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य के समस्त कार्यपालिका कार्य राज्यपाल के नाम से किये जाते हैं। राज्यपाल मुख्यमंत्री को तथा मुख्यमंत्री की सलाह से उसकी

मंत्रिपरिषद के सदस्यों को नियुक्त करता है तथा उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाता है। राज्यपाल राज्य के उच्चाधिकारियों जैसे–मुख्य सचिव, महाधिवक्ता, राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति करता है। राज्यपाल को कार्यपालिका, विधायी एवं न्यायिक शक्ति प्राप्त है किन्तु राष्ट्रपति की भाँति सैन्य व राजनयिक शक्ति प्राप्त नहीं है।

1619. किस अनुच्छेद के अंतर्गत राज्य के उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में राज्यपाल राष्ट्रपति को परामर्श देता है ?
(अ) अनुच्छेद 217(1) (ब) अनुच्छेद 317
(स) अनुच्छेद 171(5) (द) अनुच्छेद 164
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 217(1) के अंतर्गत राज्य के उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में राष्ट्रपति को परामर्श देता है। राज्यपाल का अधिकार है कि वह राज्य के प्रशासन के संबंध में राष्ट्रपति को परामर्श देता है। राष्ट्रपति शासन के समय राज्यपाल केन्द्र सरकार के अभिकर्ता के रूप में राज्य का प्रशासन चलाता है।

1620. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राज्यपाल राज्य विधानपरिषद की कुल सदस्य संख्या का 1/6 भाग सदस्यों को नियुक्त करता है ?
(अ) अनुच्छेद 217(1) (ब) अनुच्छेद 317
(स) अनुच्छेद 171(5) (द) अनुच्छेद 164
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 171(5) के तहत राज्यपाल विधानपरिषद की कुल सदस्य संख्या का 1/6 भाग सदस्यों को नियुक्त करता है जिनका संबंध विज्ञान, साहित्य, कला, समाज सेवा, सहकारी आन्दोलन आदि से रहता है। हालाँकि राज्य सभा से संबंधित तत्समान सूची में सहकारी आन्दोलन सम्बन्धित नहीं है।

1621. किस अनुच्छेद के अनुसार राज्यपाल राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों को नहीं हटा सकता ?
(अ) अनुच्छेद 217(1) (ब) अनुच्छेद 317
(स) अनुच्छेद 171(5) (द) अनुच्छेद 164
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यपाल राज्य के उच्च अधिकारियों जैसे–मुख्य सचिव, महाधिवक्ता, राज्य लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति करता है। अनुच्छेद 317 के अंतर्गत राज्यपाल राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों को नहीं हटा सकता। आयोग के सदस्य राष्ट्रपति द्वारा निर्देशित किए जाने पर उच्चतम न्यायालय के प्रतिवेदन पर और कुछ निरहर्ताओं के होने पर ही राष्ट्रपति द्वारा हटाए जा सकते हैं।

1622. किस अनुच्छेद के अंतर्गत राज्यपाल विधानमंडल का अभिन्न अंग है ?
(अ) अनुच्छेद 217(1) (ब) अनुच्छेद 317
(स) अनुच्छेद 171(5) (द) अनुच्छेद 164
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 164 के तहत राज्यपाल विधान मंडल का अभिन्न अंग है। राज्यपाल विधान मंडल को बुलाता है, उसका सत्रावसान करता है तथा उसका विघटन करता है। राज्यपाल विधान सभा के अधिवेशन अथवा दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करता है। राज्य विधान मंडल द्वारा पारित विधेयक राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद ही अधिनियम बन जाता है।

1623. संविधान के किस भाग में राज्य शासन के लिए प्रावधान किया गया है ?
(अ) भाग–4 (ब) भाग–5
(स) भाग–6 (द) भाग–7
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के भाग–6 में राज्य शासन के लिए प्रावधान किया गया है।

1624. राज्य की कार्यपालिका का प्रमुख होता है–
(अ) राज्यपाल (ब) मुख्यमंत्री
(स) मंत्रिपरिषद् (द) लोकसभा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– किसी राज्य की कार्यपालिका का प्रमुख राज्यपाल होता है। वह प्रत्यक्ष रूप से अथवा अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से इसका उपयोग करता है, अर्थात् राज्यों में राज्यपाल की स्थिति कार्यपालिका के प्रधान की होती है, परन्तु वास्तविक शक्ति मुख्यमंत्री के नेतृत्व में मंत्रिपरिषद् में निहित होती है।

1625. प्रत्येक राज्य का एक राज्यपाल होगा। यह प्रावधान मूल संविधान में किस अनुच्छेद में उल्लिखित था ?
(अ) अनुच्छेद–153 (ब) अनुच्छेद–156(1)
(स) अनुच्छेद–217(1) (द) अनुच्छेद–164
उत्तर : (अ)
व्याख्या– प्रत्येक राज्य का एक राज्यपाल होगा। यह प्रावधान मूल संविधान में अनुच्छेद–153 में उल्लिखित था, किन्तु सातवें संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 ई. के द्वारा इसमें एक परंतुक जोड़ दिया गया जिसके अनुसार एक ही व्यक्ति को दो या दो से अधिक राज्यों के लिए भी राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है।

1626. राज्यपाल बनने के लिए कम–से–कम कितनी आयु होना आवश्यक है ?
(अ) 35 वर्ष (ब) 25 वर्ष
(स) 21 वर्ष (द) 30 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्यपाल पद पर नियुक्त किये जाने वाले व्यक्ति में निम्न योग्यताएँ होना अनिवार्य है–(1) वह

भारत का नागरिक हो। (2) वह 35 वर्ष की उम्र पूरी कर चुका हो। (3) वह किसी प्रकार के लाभ के पद पर नहीं हो। (4) वह राज्य विधानसभा का सदस्य चुने जाने योग्य हो।

1627. किस संविधान संशोधन अधिनियम के अनुसार एक ही व्यक्ति को दो या दो से अधिक राज्यों के लिए भी राज्यपाल नियुक्त किया जा सकता है ?
(अ) सातवाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 ई.
(ब) आठवाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1959 ई.
(स) नौवाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1960 ई.
(द) ग्यारवाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1961 ई.
उत्तर : (अ)
व्याख्या–सातवें संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 के द्वारा भाषायी आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किया गया, जिसमें पहले के तीन श्रेणियों में राज्यों के वर्गीकरण को समाप्त करते हुए राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों में उन्हें विभाजित किया गया। साथ ही, इनके अनुरूप केन्द्र एवं राज्य की विधान पालिकाओं में सीटों को पुनर्व्यवस्थित किया गया। इस संविधान संशोधन के द्वारा ही प्रावधान किया गया कि एक ही व्यक्ति को दो या दो से अधिक राज्यों के लिए भी नियुक्त किया जा सकता है।

1628. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा 5 वर्ष के लिए की जाती है, परन्तु वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त पद धारण करता है।
(अ) अनुच्छेद–153 (ब) अनुच्छेद–156(1)
(स) अनुच्छेद–156(2) (द) अनुच्छेद–164
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–156(1) के अनुसार राज्यपाल की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा 5 वर्ष के लिए की जाती है, परन्तु वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त पद धारण करता है।

1629. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार राज्यपाल अपनी पदावधि 5 वर्ष से पहले भी पदत्याग कर सकता है ?
(अ) अनुच्छेद–153 (ब) अनुच्छेद–156(1)
(स) अनुच्छेद–156(2) (द) अनुच्छेद–164
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–156(2) के अनुसार राज्यपाल अपनी पदावधि 5 वर्ष से पहले भी पदत्याग कर सकता है। भारत के संविधान में राज्यपाल को उसके पद से हटाने हेतु किसी भी प्रक्रिया का उल्लेख नहीं है।

1630. राज्यपाल का मासिक वेतन है–
(अ) 3,50,000 रुपये (ब) 2,50,000 रुपये
(स) 4,00,000 रुपये (द) 5,00,000 रुपये
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्यपाल का मासिक वेतन 3,50,000 रुपये है। यदि दो या दो से अधिक राज्यों का एक ही राज्यपाल हो, तब उसे दोनों राज्यपालों का वेतन उस अनुपात में दिया जायेगा, जैसा कि राष्ट्रपति निर्धारित करे।

1631. राज्यपाल पद ग्रहण करने से पूर्व किसके समक्ष शपथ लेते हैं ?
(अ) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के
(ब) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के
(स) विधान सभा का अध्यक्ष के
(द) राज्य के महाधिवक्ता के
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्यपाल पद ग्रहण करने से पूर्व उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अथवा वरिष्ठतम न्यायाधीश के सम्मुख अपने पद की शपथ लेता है।

1632. राज्यपाल का पद ग्रहण करने से पूर्व या पश्चात् उसके द्वारा किये कार्य के संबंध में कोई सिविल कार्रवाई करने से पहले उसे कितने समय पूर्व सूचना देनी पड़ती है ?
(अ) 2 माह (ब) 3 माह
(स) 1 माह (द) 14 दिन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्यपाल की उन्मुक्तियाँ व विशेषाधिकार निम्न है–(1) वह अपने पद की शक्तियों के प्रयोग तथा कर्तव्यों के पालन के लिए किसी न्यायालय के प्रति उत्तरदायी नहीं है। (2) राज्यपाल की पदावधि के दौरान उसके विरुद्ध किसी भी न्यायालय में किसी प्रकार की आपराधिक कार्रवाई नहीं प्रारंभ की जा सकती है। (3) जब वह पद पर हो तब उसकी गिरफ्तारी का आदेश किसी न्यायालय द्वारा जारी नहीं किया जा सकता। (4) राज्यपाल का पद ग्रहण करने से पूर्व या पश्चात् उसके द्वारा किये गये कार्य के संबंध में कोई सिविल कार्रवाई करने से पहले उसे दो माह पूर्व सूचना देना आवश्यक है।

1633. राज्य के समस्त कार्यपालिका कार्य किसके नाम से किये जाते हैं ?
(अ) मुख्यमंत्री (ब) राज्यपाल
(स) राष्ट्रपति (द) विधानसभा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य के समस्त कार्यपालिका कार्य राज्यपाल के नाम से किये जाते हैं।

1634. निम्नलिखित में से किसकी नियुक्ति राज्यपाल द्वारा नहीं की जाती है ?
(अ) राज्य के मुख्य सचिव की
(ब) महाधिवक्ता की
(स) राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की
(द) महान्यायवादी की
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्यपाल राज्य के उच्च अधिकारियों, जैसे–मुख्य सचिव, महाधिवक्ता, राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति करता

है। संविधान के अनुच्छेद–317 के अनुसार राज्यपाल राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों को नहीं हटा सकता। आयोग के सदस्य राष्ट्रपति द्वारा निर्देशित किए जाने पर उच्चतम न्यायालय के प्रतिवेदन पर और कुछ निरहर्ताओं के होने पर ही राष्ट्रपति द्वारा हटाए जा सकते हैं।

1635. मुख्यमंत्री की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) राज्यपाल
(स) मंत्रिपरिषद् (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यपाल, मुख्यमंत्री को तथा मुख्यमंत्री की सलाह से उसकी मंत्रिपरिषद् के सदस्यों को नियुक्त करता है तथा उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाता है।

1636. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राज्यपाल राज्य के उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में राष्ट्रपति को परामर्श देता है ?
(अ) अनुच्छेद–217(1) (ब) अनुच्छेद–156(1)
(स) अनुच्छेद–317 (द) अनुच्छेद–164
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–217(1) के अनुसार राज्यपाल, राज्य के उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में, राष्ट्रपति को परामर्श देता है।

1637. राष्ट्रपति शासन के समय राज्यपाल किस रूप में राज्य का प्रशासन चलाता है ?
(अ) केन्द्र सरकार के अभिकर्ता
(ब) राज्य सरकार के अभिकर्ता
(स) मुख्यमंत्री के सहयोगी
(द) राज्य के प्रशासनिक अधिकारी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रपति शासन के समय राज्यपाल केन्द्र सरकार के अभिकर्ता के रूप में राज्य का प्रशासन चलाता है।

1638. राज्य के प्रशासन के संबंध में संबंधित राज्यपाल को किससे सूचना प्राप्त करने का अधिकार है ?
(अ) मुख्यमंत्री (ब) विधानसभा अध्यक्ष
(स) महाधिवक्ता (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्यपाल का अधिकार है कि वह राज्य के प्रशासन के संबंध में मुख्यमंत्री से सूचना प्राप्त करे।

1639. राज्य के विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति होता है–
(अ) मुख्यमंत्री (ब) राज्यपाल
(स) महाधिवक्ता (द) मुख्य सचिव
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यपाल राज्य के विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति होता है तथा उपकुलपतियों को भी नियुक्त करता है।

1640. राज्यपाल, राज्य विधान परिषद् की कुल सदस्य संख्या का कितना भाग सदस्यों को नियुक्त करता है ?
(अ) 2/3 (ब) 1/3
(स) 1/6 (द) 1/4
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्यपाल, राज्य विधान परिषद् की कुल सदस्य संख्या का 1/6 भाग सदस्यों को नियुक्त करता है, जिनका संबंध विज्ञान, साहित्य, कला, समाज–सेवा, सहकारी आन्दोलन आदि से रहता है। यह प्रावधान अनुच्छेद–171(5) में उल्लिखित है। राज्य सभा से संबंधित तत्समान सूची में 'सहकारी आन्दोलन' सम्मिलित नहीं है।

1641. किसी राज्य के विधान मंडल सत्र को बुलाने, उसका सत्रावसान करने एवं उसका विघटन करने का अधिकार किसे है ?
(अ) मुख्यमंत्री (ब) राज्यपाल
(स) राष्ट्रपति (द) मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यपाल विधान मंडल सत्र को बुलाता है, उसका सत्रावसान करता है तथा उसका विघटन करता है। राज्यपाल विधान सभा के अधिवेशन अथवा दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करता है।

1642. राज्य विधानसभा के किसी सदस्य पर अयोग्यता का प्रश्न उत्पन्न होता है, तो अयोग्यता संबंधी विवाद का निर्धारण कौन करता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) विधानसभा
(स) मुख्य मंत्री (द) उच्च न्यायालय
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य विधानसभा के किसी सदस्य पर अयोग्यता का प्रश्न उत्पन्न होता है, तो अयोग्यता संबंधी विवाद का निर्धारण राज्यपाल चुनाव आयोग से परामर्श करके करता है।

1643. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत यदि विधानसभा में आँग्ल भारतीय समुदाय को पर्याप्त प्रतिनिधितव नहीं प्राप्त है, तो राज्यपाल उस समुदाय के एक व्यक्ति को विधानसभा का सदस्य मनोनीत कर सकता था और अब यह प्रावधान 104वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा समाप्त कर दिया गया है ?
(अ) अनुच्छेद–164 (ब) अनुच्छेद–333
(स) अनुच्छेद–213 (द) अनुच्छेद–201
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–333 के अन्तर्गत यदि विधानसभा में आँग्ल भारतीय समुदाय को पर्याप्त प्रतिनिधित्व प्राप्त नहीं होता था, तब उस राज्य का राज्यपाल उस समुदाय के एक व्यक्ति को विधानसभा का सदस्य मनोनीत कर सकता है। जम्मू–कश्मीर में राज्य विधानसभा में दो महिलाओं

को प्रदेश का राज्यपाल नामजद करता है। 104वें संविधान संशोधन, 2019 ई. के द्वारा लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में आंग्ल भारतीयों के लिए सीटों के आरक्षण को समाप्त कर दिया गया है।

1644. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार राज्यपाल विधान मंडल का अभिन्न अंग है ?
(अ) अनुच्छेद–164 (ब) अनुच्छेद–333
(स) अनुच्छेद–213 (द) अनुच्छेद–201
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–164 के अनुसार राज्यपाल विधान मंडल का अभिन्न अंग है।

1645. राज्य विधान मंडल द्वारा पारित विधेयक, किसके हस्ताक्षर के बाद ही अधिनियम बन पाता है ?
(अ) मुख्यमंत्री (ब) राज्यपाल
(स) मुख्य सचिव (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य विधान मंडल द्वारा पारित विधेयक, राज्यपाल के हस्ताक्षर के बाद ही अधिनियम बन पाता है।

1646. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राज्यपाल द्वारा जारी अध्यादेश 6 सप्ताह के भीतर विधान मंडल द्वारा स्वीकृत नहीं हो, तो उस अध्यादेश की वैधता समाप्त हो जाती है ?
(अ) अनुच्छेद–164 (ब) अनुच्छेद–333
(स) अनुच्छेद–213 (द) अनुच्छेद–201
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–213 के अनुसार जब विधान मंडल का सत्र नहीं चल रहा हो और राज्यपाल को ऐसा लगे कि तत्काल कार्यवाही की आवश्यकता है, तो वह अध्यादेश जारी कर सकता है, जिसे वही स्थान प्राप्त है, जो विधान मंडल द्वारा पारित किसी अधिनियम का है। ऐसे अध्यादेश 6 सप्ताह के भीतर विधान मंडल द्वारा स्वीकृत होना आवश्यक है। यदि विधान मंडल 6 सप्ताह के भीतर उसे अपनी स्वीकृति नहीं देता है, तो उस अध्यादेश की वैधता समाप्त हो जाती है। इस प्रकार संविधान के अनुच्छेद–213 के अंतर्गत राज्य विधायिका के सत्र में नहीं रहने पर राज्यपाल अध्यादेश जारी कर सकता है।

1647. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार राज्य की विधायिका द्वारा पारित विधेयक राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। राज्यपाल इसे स्वीकृत या अस्वीकृत कर सकता है या इसे संदेश के साथ पुनर्विचार के लिए विधायिका को वापस भेज सकता है ?
(अ) अनुच्छेद–200 (ब) अनुच्छेद–333
(स) अनुच्छेद–213 (द) अनुच्छेद–201
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 200 के अनुसार किसी राज्य की विधायिका द्वारा पारित विधेयक राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। वह इस पर अपनी सम्मति दे सकता है या इसे अस्वीकृत कर सकता है। वह इस विधेयक को संदेश के साथ या बिना संदेश के पुनर्विचार हेतु विधायिका को वापस भेज सकता है, पर पुनर्विचार के बाद दुबारा विधेयक आ जाने पर वह इसे अस्वीकृत नहीं कर सकता। इसके अतिरिक्त वह विधेयक को राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भी भेज सकता है। राज्यपाल धन विधेयक के अतिरिक्त किसी विधेयक को पुनर्विचार के लिए राज्य विधान मंडल के पास भेज सकता है, परन्तु राज्य विधान मंडल द्वारा इसे दुबारा पारित किये जाने पर वह उस पर अपनी सहमति देने के लिए बाध्य होता है, लेकिन राष्ट्रपति के आरक्षित विधेयक जब राष्ट्रपति के निर्देश पर राज्यपाल पुनर्विचार के लिए विधान मंडल को लौटा दे, तो ऐसे लौटाए जाने पर विधान मंडल 6 माह के भीतर उस विधेयक पर पुनर्विचार करेगा और यदि उसे पुनः पारित किया जाता है तो विधेयक राष्ट्रपति को पुनः प्रस्तुत किया जायेगा किन्तु इस पर भी राष्ट्रपति के लिए अनुमति देना अनिवार्य नहीं है (अनुच्छेद–201)।

1648. राज्यपाल किसी विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रख सकता है। यह आरक्षित विधेयक तभी प्रभावी होगा जब–
(अ) राष्ट्रपति अनुमति प्रदान कर दे।
(ब) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश अनुमति प्रदान कर दे।
(स) मुख्यमंत्री अनुमति प्रदान कर दे।
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्यपाल किसी विधेयक को राष्ट्रपति के विचार के लिए आरक्षित रख सकता है। यह आरक्षित विधेयक तभी प्रभावी होगा जब राष्ट्रपति उसे अनुमति प्रदान कर दे। राज्यपाल को राष्ट्रपति के लिए विधेयक आरक्षित करना उस समय अनिवार्य है जब विधेयक उच्च न्यायालय की शक्तियों को अल्पीकरण करता है, जिससे यदि विधेयक विधि बन जायेगा तो उच्च न्यायालय की सांविधानिक स्थिति को खतरा होगा।

1649. राज्यपाल प्रत्येक वित्तीय वर्ष में किसे विधान मंडल के सम्मुख वार्षिक वित्तीय विवरण (बजट) प्रस्तुत करने के लिए कहता है ?
(अ) मुख्यमंत्री (ब) वित्त मंत्री
(स) मुख्य सचिव (द) वित्त सचिव
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यपाल प्रत्येक वित्तीय वर्ष में वित्त मंत्री को विधान मंडल के सम्मुख वार्षिक वित्तीय विवरण (बजट) प्रस्तुत करने के लिए कहता है।

1650. विधानसभा में धन विधेयक किसकी पूर्व अनुमति से ही पेश किया जाता है ?
(अ) मुख्यमंत्री (ब) राज्यपाल
(स) वित्त मंत्री (द) विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– विधानसभा में धन विधेयक राज्यपाल की पूर्व अनुमति से ही पेश किया जाता है।

1651. किसकी संस्तुति के बिना अनुदान की किसी माँग को विधान मंडल के सम्मुख नहीं रखा जा सकता है ?
(अ) मुख्यमंत्री (ब) राज्यपाल
(स) वित्त मंत्री (द) नीति आयोग
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यपाल की संस्तुति के बिना अनुदान की किसी माँग को विधान मंडल के सम्मुख नहीं रखा जा सकता।

1652. राज्य में मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से किसके प्रति उत्तरदायी होती है ?
(अ) राज्यपाल (ब) विधानसभा
(स) विधानसभा अध्यक्ष (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत में संसदीय शासन प्रणाली अपनायी गयी है, जिसमें मंत्रिपरिषद् विधान मंडल के प्रति सामूहिक रूप से उत्तरदायी होती है।

1653. किसी राज्य के राज्यपाल को, उस विशेष राज्य की पंचायतों द्वारा विनियोजित हो सकने वाले करों और शुल्कों के निर्धारण के सिद्धांतों के विषय में संस्तुति कौन करता है ?
(अ) राज्य वित्त आयोग (ब) मुख्यमंत्री
(स) विधानसभा अध्यक्ष (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– किसी राज्य के राज्यपाल को, उस विशेष राज्य की पंचायतों द्वारा विनियोजित हो सकने वाले करों और शुल्कों के निर्धारण के सिद्धांतों के विषय में संस्तुति राज्य वित्त आयोग करता है।

1654. ऐसा कोई विधेयक जो राज्य की संचित निधि से खर्च निकालने की व्यवस्था करता हो, उस समय तक विधान मंडल द्वारा पारित नहीं किया जा सकता, जब तक–
(अ) राज्यपाल इसकी संस्तुति न कर दे।
(ब) मुख्यमंत्री इसकी संस्तुति न कर दे।
(स) वित्त मंत्री इसकी संस्तुति न कर दे।
(द) राष्ट्रपति इसकी संस्तुति न कर दे।
उत्तर : (अ)
व्याख्या– ऐसा कोई विधेयक जो राज्य की संचित निधि से खर्च निकालने की व्यवस्था करता हो, उस समय तक विधान मंडल द्वारा पारित नहीं किया जा सकता, जब तक राज्यपाल इसकी संस्तुति न कर दे।

1655. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राज्यपाल को न्यायिक अधिकार प्राप्त है ?
(अ) अनुच्छेद–161 (ब) अनुच्छेद–213
(स) अनुच्छेद–201 (द) अनुच्छेद–200
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अनुच्छेद–161 के अंतर्गत राज्यपाल को न्यायिक अधिकार प्राप्त है। राज्यपाल किसी दंड को क्षमा, उसका प्रविलंबन, विराम या परिहार कर सकेगा या किसी दंडादेश का निलंबन, परिहार या लघुकरण कर सकेगा। यह ऐसे व्यक्ति के संबंध में होगा जिसे ऐसी विधि के अधीन अपराध के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है जिसके संबंध में राज्य की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार है। राष्ट्रपति को सभी प्रकार के मृत्यु दंडादेश के मामले में क्षमादान की शक्ति प्राप्त है, जबकि राज्यपाल को मृत्यु दंडादेश के मामले में ऐसी शक्ति प्राप्त नहीं है। इसी प्रकार राष्ट्रपति को सेना–न्यायालय (कोर्ट मार्शल) के दंडादेश के मामले में क्षमादान की शक्ति प्राप्त है जबकि राज्यपाल को ऐसी शक्ति प्राप्त नहीं है।

1656. जब राज्यपाल को यह समाधान हो जाता है कि ऐसी परिस्थितियाँ पैदा हो गई हैं, जिनमें राज्य का शासन संविधान के उपबंधों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता, तो किस अनुच्छेद के अंतर्गत राज्यपाल, राष्ट्रपति को प्रतिवेदन भेजकर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश करता है ?
(अ) अनुच्छेद–256 (ब) अनुच्छेद–352
(स) अनुच्छेद–356 (द) अनुच्छेद–360
उत्तर : (स)
व्याख्या– जब राज्यपाल को यह समाधान हो जाता है कि ऐसी परिस्थितियाँ उत्पन्न हो गई है जिनमें राज्य का शासन संविधान के उपबंधों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता तो संविधान के अनुच्छेद–356 के अंतर्गत राज्यपाल, राष्ट्रपति को प्रतिवेदन भेजकर यह कह सकता है कि राष्ट्रपति राज्य के शासन के सभी या कोई कृत्य स्वयं ग्रहण कर ले। इसे सामान्यतः राष्ट्रपति शासन कहा जाता है।

23.मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद

1657. राज्यों के मुख्यमंत्री–
(अ) नियुक्त होते हैं (ब) निर्वाचित होते हैं
(स) मनोनीत होते हैं (द) चयनित होते हैं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मुख्यमंत्री की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत राज्यपाल द्वारा की जाती है। साधारणतः उस व्यक्ति को मुख्यमंत्री नियुक्त किया जाता है जो विधानसभा में बहुमत दल का नेता होता है। मुख्यमंत्री ही शासन का प्रमुख प्रवक्ता है और मंत्रिपरिषदों की बैठकों की अध्यक्षता करता है। मंत्रिपरिषद के निर्णयों को मुख्यमंत्री ही राज्यपाल तक पहुँचाता है। जब कभी राज्यपाल कोई बात मंत्रिपरिषद तक पहुँचाना चाहता है, तो वह मुख्यमंत्री के द्वारा ही यह कार्य करता है।

1658. मुख्यमंत्री की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) राज्यपाल (द) विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर : (स) SSC 2011
व्याख्या– मुख्यमंत्री की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत राज्यपाल द्वारा की जाती है। साधारणतः उस व्यक्ति को मुख्यमंत्री नियुक्त किया जाता है, जो विधानसभा में बहुमत दल का नेता होता है। मुख्यमंत्री ही शासन का प्रमुख प्रवक्ता है और मंत्रिपरिषदों की बैठकों की अध्यक्षता करता है। मंत्रिपरिषद के निर्णयों को मुख्यमंत्री ही राज्यपाल तक पहुँचाता है। जब कभी राज्यपाल कोई बात मंत्रिपरिषद तक पहुँचाना चाहता है, तो वह मुख्यमंत्री के द्वारा ही यह कार्य करता है।

1659. मुख्यमंत्री की नियुक्ति संविधान के किस अनुच्छेद के तहत की जाती है ?
(अ) अनुच्छेद 153 (ब) अनुच्छेद 161
(स) अनुच्छेद 163 (द) अनुच्छेद 165
उत्तर : (स)
व्याख्या– मुख्यमंत्री की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत राज्यपाल द्वारा की जाती है। साधारणतः उस व्यक्ति को मुख्यमंत्री नियुक्त किया जाता है जो विधानसभा में बहुमत दल का नेता होता है। मुख्यमंत्री ही शासन का प्रमुख प्रवक्त है और मंत्रिपरिषदों की बैठकों की अध्यक्षता करता है। मंत्रिपरिषद के निर्णयों को मुख्यमंत्री ही राज्यपाल तक पहुँचाता है। जब कभी राज्यपाल कोई बात मंत्रिपरिषद तक पहुँचाना चाहता है, तो वह मुख्यमंत्री के द्वारा ही यह कार्य करता है।

1660. राज्यों के शासन का वास्तविक अध्यक्ष कौन होता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) मुख्यमंत्री
(स) विधानसभा अध्यक्ष (द) कैबिनेट सचिव
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य के शासन का वास्तविक अध्यक्ष मुख्यमंत्री होता है और इस रूप में वह अपने मंत्रियों तथा संसदीय सचिवों के चयन, उनके विभागों के वितरण तथा पदमुक्ति और लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा अन्य सदस्यों एवं महाधिक्ता और अन्य महत्वपूर्ण पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए राज्यपाल को परामर्श देता है। मुख्यमंत्री राज्य में असैनिक पदाधिकारियों के स्थानान्तरण के आदेश को जारी करवाता है तथा वह राज्य की नीति से सम्बन्धित विषयों के संबंध में निर्णय करता है। मुख्यमंत्री, राष्ट्रीय विकास परिषद में राज्य का प्रतिनिधित्व करता है। वह मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता करता है। राज्यपाल को राज्य के प्रशासन तथा विधायन संबंधी सभी प्रस्तावों की जानकारी मुख्यमंत्री देता है। राज्यपाल को विधानसभा भंग करने की सलाह भी मुख्यमंत्री देता है।

1661. सामान्यतः राज्यों के मुख्यमंत्री होते हैं–
(अ) विधान सभा के सदस्य
(ब) विधान परिषद के सदस्य
(स) विधान सभा में बहुमत दल का नेता
(द) विधान परिषद में बहुमत दल का नेता
उत्तर : (स)
व्याख्या– मुख्यमंत्री की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत राज्यपाल द्वारा की जाती है। साधारणतः उस व्यक्ति को मुख्यमंत्री नियुक्त किया जाता है जो विधानसभा में बहुमत दल का नेता होता है। मुख्यमंत्री ही शासन का प्रमुख प्रवक्त है और मंत्रिपरिषदों की बैठकों की अध्यक्षता करता है। मंत्रिपरिषद के निर्णयों को मुख्यमंत्री ही राज्यपाल तक पहुँचाता है। जब कभी राज्यपाल कोई बात मंत्रिपरिषद तक पहुँचाना चाहता है, तो वह मुख्यमंत्री के द्वारा ही यह कार्य करता है।

1662. राज्य मंत्रिपरिषद का निर्माता, संहारक तथा प्राणदाता होता है–
(अ) राज्यपाल (ब) मुख्यमंत्री
(स) विधानसभा अध्यक्ष (द) राष्ट्रपति
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यपाल को उसके कार्यों में सहायता देने के लिए एक मंत्रिपरिषद का गठन किया गया है, जिसका अध्यक्ष मुख्यमंत्री होता है। मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है। प्रायः राज्यपाल विधानसभा के बहुमत दल के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त करता है। राज्य में मुख्यमंत्री की स्थिति लगभग वैसी ही है, जैसी केन्द्र में प्रधानमंत्री की। मुख्यमंत्री का कार्यकाल राज्य विधानसभा के कार्याकाल के समानांतर 5 वर्ष है। यदि विधानसभा का कार्यकाल बढ़ा दिया जाए, तो मुख्यमंत्री का कार्यकाल अपने आप बढ़ जाता है। मुख्यमंत्री राज्य मंत्रिपरिषद का निर्माता, संहारक तथा प्राणदाता होता है।

1663. राज्य मंत्रिपरिषद रूपी जहाज के निर्देशन चक्र का चालक होता है–
(अ) राज्यपाल (ब) मुख्यमंत्री
(स) विधानसभा अध्यक्ष (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यपाल को उसके कार्यों में सहायता देने के लिए एक मंत्रिपरिषद का गठन किया गया है, जिसका अध्यक्ष मुख्यमंत्री होता है। मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है। प्रायः राज्यपाल विधानसभा के बहुमत दल के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त करता है। राज्य में मुख्यमंत्री की स्थिति लगभग वैसी ही है, जैसी केन्द्र में प्रधानमंत्री की। मुख्यमंत्री का कार्यकाल राज्य विधानसभा के कार्याकाल के समानांतर 5 वर्ष है। यदि विधानसभा का कार्यकाल बढ़ा दिया जाए तो मुख्यमंत्री का कार्यकाल अपने आप बढ़ जाता है। मुख्यमंत्री राज्य मंत्रिपरिषद का निर्माता, संहारक तथा प्राणदाता होता है।

1664. राज्यपाल तथा मंत्रिपरिषद के बीच की कड़ी होता है–
(अ) मुख्यमंत्री (ब) विधानसभा अध्यक्ष
(स) मुख्य सचिव (द) कैबिनेट सचिव
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मुख्यमंत्री शासन के विभिन्न भागों में समन्वय स्थापित करता है और सभी विभागों की देखभाल करता है। राज्यों में मुख्यमंत्री राज्यपाल और मंत्रिपरिषद के बीच की कड़ी का काम करता है। मंत्रिपरिषद के निर्णय को मुख्यमंत्री राज्यपाल को अवगत कराता है। राज्यपाल किसी विषय को मंत्रिपरिषद में विचार करने के लिए मुख्यमंत्री को कह सकता है। मुख्यमंत्री विधान मंडल का नेता होता है। यह सरकार के सभी महत्वपूर्ण नीतियों की घोषणा करता है।

1665. किसी राज्य के मंत्रिपरिषद की बैठक की अध्यक्षता कौन करता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) मुख्यमंत्री
(स) विधानसभा अध्यक्ष (द) मुख्य सचिव
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यपाल को उसके कार्यों में सहायता देने के लिए एक मंत्रिपरिषद का गठन किया गया है, जिसका अध्यक्ष मुख्यमंत्री होता है। मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है। प्रायः राज्यपाल विधानसभा के बहुमत दल के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त करता है। राज्य में मुख्यमंत्री की स्थिति लगभग वैसी ही है जैसी केन्द्र में प्रधानमंत्री की। मुख्यमंत्री का कार्यकाल राज्य विधानसभा के कार्याकाल के समानांतर 5 वर्ष है। यदि विधानसभा का कार्यकाल बढ़ा दिया जाए तो मुख्यमंत्री का कार्यकाल अपने आप बढ़ जाता है। मुख्यमंत्री राज्य मंत्रिपरिषद का निर्माता, संहारक तथा प्राणदाता होता है।

1666. राष्ट्रीय विकास परिषद की बैठक में राज्य का प्रतिनिधित्व कौन करता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) मुख्यमंत्री
(स) विधानसभा अध्यक्ष (द) कैबिनेट सचिव
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रीय विकास परिषद में राज्य का प्रतिनिधित्व मुख्यमंत्री करता है। वह परिषद की बैठक की अध्यक्षता करता है तथा सामूहिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत का पालन करता है। यदि मंत्रिपरिषद का कोई सदस्य मंत्रिपरिषद की नीतियों से भिन्न मत रखता है, तो मुख्यमंत्री उसे त्यागपत्र देने के लिए कहता है या राज्यपाल से उसे बर्खास्त करने की सिफारिश कर सकता है। वह राज्यपाल को राज्य के प्रशासन तथा विधायन संबंधी सभी प्रस्तावों की जानकारी देता है।

1667. राज्य का मुख्यमंत्री किसके प्रति उत्तरदायी होता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) विधान सभा
(स) विधान परिषद (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (ब)
व्याख्या– प्रत्येक राज्य का अपना विधानमंडल होता है, वह एक सदनीय भी हो सकता है या द्विसदनीय भी हो सकता है। मुख्यमंत्री बहुमत प्राप्त दल का नेता होता है, वह अपने पूरे सदन के प्रति उत्तरदायी होता है। पूरा सदन अपने राज्य की जनता के प्रति उत्तरदायी होता है।

1668. भारत के किस राज्य में सर्वप्रथम कोई महिला मुख्यमंत्री नियुक्त हुई ?
(अ) बिहार (ब) राजस्थान
(स) उत्तर प्रदेश (द) तमिलनाडु
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के उत्तर प्रदेश राज्य में सर्वप्रथम महिला मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी नियुक्त हुई। वह भारत की प्रथम महिला मुख्यमंत्री थी। इनका जन्म भारत के हरियाणा राज्य की अम्बाला शहर में हुआ। ये बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में संवैधानिक इतिहास की प्राध्यापक थी। सन् 1946 में संविधान सभा की सदस्य चुनी गयी। 15 अगस्त 1947 को संविधान सभामें वन्देमातरम भी गाया। सन् 1958 से 1960 तक वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव भी रहीं। 1963 से 1967 तक वह उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रही। सुचेता कृपलानी न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में किसी भी राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री थी। इससे पहले वह दो बार लोकसभा के लिए भी चुनी गई थीं।

1669. निम्नलिखित में से कौन उत्तर प्रदेश की प्रथम महिला मुख्यमंत्री बनी ?
(अ) सरोजिनी नायडू (ब) सुचेता कृपलानी
(स) इंदिरा गांधी (द) मायावती
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के उत्तर प्रदेश राज्य में सर्वप्रथम महिला मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी नियुक्त हुई। वह भारत की प्रथम महिला मुख्यमंत्री थी। सन् 1958 से 1960 तक वह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की महासचिव भी रहीं। 1963 से 1967 तक वह उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रही। सुचेता कृपलानी न सिर्फ उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में किसी भी राज्य की पहली महिला मुख्यमंत्री थी। इससे पहले वह दो बार लोकसभा के लिए भी चुनी गई थीं।

1670. किसी भारतीय राज्य की प्रथम महिला मुख्यमंत्री बनी–
(अ) सुचेता कृपलानी (ब) विजयालक्ष्मी पंडित
(स) नन्दिनी सत्पथी (द) सरोजिनी नायडू
उत्तर : (अ) RRB 2008
व्याख्या– भारत की प्रथम महिला मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी उत्तर प्रदेश में सर्वप्रथम महिला मुख्यमंत्री सुचेता कृपलानी नियुक्त हुई। 1963 से 1967 तक वह उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री रही। इससे पहले वह दो बार लोकसभा के लिए भी चुनी गई थीं।

1671. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में मुख्यमंत्री के कार्यों को परिभाषित किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 164 (ब) अनुच्छेद 166
(स) अनुच्छेद 167 (द) अनुच्छेद 163
उत्तर : (स) SSC 2015
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 167 में राज्यपाल को जानकारी देने आदि के संबंध में मुख्यमंत्री के कर्तव्यों को परिभाषित किया गया है, जिसके अन्तर्गत मुख्यमंत्री मंत्रिपरिषद द्वारा दिए गये सभी निर्णयों को राज्यपाल को सूचित करेगा तथा राज्य के कार्यों की प्रशासनिक जानकारी राज्यपाल द्वारा मांगने पर उसे प्रदान करेगा। अनुच्छेद 163 में राज्यपाल को सहायता और सलाह देने के लिए मंत्रिपरिषद के गठन के संबंध में उल्लेख है। अनुच्छेद 164 में मंत्रियों के बारे में अन्य उपबन्ध तथा अनुच्छेद 166 में राज्य की सरकार के कार्य के संचालन का वर्णन किया गया है।

1672. निम्नलिखित में से किसे राज्यों में विधानमंडल का भाग नहीं माना जाता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) विधान सभा
(स) विधान परिषद (द) मुख्यमंत्री
उत्तर : (द)
व्याख्या– विधान परिषद भारतीय राज्यों में लोकतंत्र की ऊपरी प्रतिनिधि सभा है। इसके सदस्य अप्रत्यक्ष चुनाव के द्वारा चुने जाते हैं। कुछ सदस्य राज्यपाल के द्वारा मनोनीत किये जाते हैं। विधानसभा निचली प्रतिनिधि सभा है। विधान सभा तथा विधान परिषद मिलकर विधानमंडल कहलाते हैं। इसमें राज्यपाल भी शामिल माना जाता है।

1673. मुख्यमंत्री की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) राष्ट्रपति
(स) विधानसभा अध्यक्ष (द) कैबिनेट सचिव
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मुख्यमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। साधारणतः वैसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री नियुक्त किया जाता है जो विधानसभा में बहुमत दल का नेता होता है। मुख्यमंत्री ही शासन का प्रमुख प्रवक्ता है और मंत्रिपरिषदों की बैठकों की अध्यक्षता करता है। मंत्रिपरिषद् के निर्णयों को मुख्यमंत्री ही राज्यपाल तक पहुँचाता है। राज्यपाल के सारे अधिकारों का प्रयोग मुख्यमंत्री ही करता है।

1674. किस संविधान संशोधन के अनुसार मुख्यमंत्री सहित सम्पूर्ण मंत्रिपरिषद् का आकार, राज्य की विधान सभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए लेकिन मुख्यमंत्री सहित सम्पूर्ण मंत्रिपरिषद् की कुल संख्या 12 से कम नहीं होनी चाहिए ?
(अ) 91वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 ई.
(ब) 93वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2006 ई.
(स) 95वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2009 ई.
(द) 97वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2011 ई.
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 ई. के अनुसार मुख्यमंत्री सहित सम्पूर्ण मंत्रिपरिषद् का आकार, राज्य की विधान सभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए लेकिन मुख्यमंत्री सहित सम्पूर्ण मंत्रिपरिषद् की कुल संख्या 12 से कम नहीं होनी चाहिए।

1675. संविधान के अनुसार मुख्यमंत्री किया जाता है–
(अ) निर्वाचित (ब) नियुक्त
(स) चयनित (द) मनोनीत
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मुख्यमंत्री की नियुक्ति संविधान के अनुच्छेद 163 के तहत राज्यपाल द्वारा की जाती है। साधारणतः उस व्यक्ति को मुख्यमंत्री नियुक्त किया जाता है, जो विधानसभा में बहुमत दल का नेता होता है।

1676. किस मुख्यमंत्री के कार्यकाल में पहली बार राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू हुआ ?
(अ) मोहन लाल सुखाड़िया
(ब) शिवचरण माथुर
(स) भैरोसिंह शेखावत
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

व्याख्या– राजस्थान में पहली बार राष्ट्रपति शासन मुख्यमंत्री मोहन लाल सुखाड़िया के कार्यकाल में लागू हुआ।

1677. राज्य मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से उत्तरदायी है–
(अ) विधानसभा के प्रति (ब) लोकसभा के प्रति
(स) मुख्यमंत्री के प्रति (द) राज्यपाल के प्रति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से विधान सभा के प्रति उत्तरदायी होती है।

1678. संविधान के किस अनुच्छेद में मुख्यमंत्री के कर्तव्य निर्धारित है ?
(अ) अनुच्छेद 170 (ब) अनुच्छेद 167
(स) अनुच्छेद 169 (द) अनुच्छेद 171
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 167 में मुख्यमंत्री के कर्तव्यों का उल्लेख किया गया है।

1679. राजस्थान के प्रथम मुख्यमंत्री थे–
(अ) सी.एम. वेंकटाचारी (ब) हीरालाल शास्त्री
(स) जयनारायण व्यास (द) माणिक्य लाल वर्मा
उत्तर : (ब)
व्याख्या–राजस्थान के प्रथम मुख्यमंत्री हीरालाल शास्त्री थे।

1680. राजस्थान के प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री थे–
(अ) टीकाराम पालीवाल (ब) जयनारायण व्यास
(स) हीरालाल शास्त्री (द) बरकतुल्ला खाँ
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राजस्थान के प्रथम निर्वाचित मुख्यमंत्री टीकाराम पालीवाल थे।

1681. राजस्थान की पहली महिला मुख्यमंत्री थी–
(अ) माग्रेट अल्वा (ब) प्रतिभा पाटिल
(स) गिरिजा व्यास (द) वसुंधरा राजे
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राजस्थान की पहली महिला मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे थी।

1682. राजस्थान में मंत्रिपरिषद के सदस्यों की अधिकतम संख्या कितनी हो सकती है ?
(अ) 25 (ब) 30
(स) 35 (द) 40
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राजस्थान में मंत्रिपरिषद की अधिकतम संख्या विधानसभा की सदस्य संख्या का 15 प्रतिशत तक हो सकती है। राजस्थान विधानसभा की कुल सदस्य संख्या 200 है। मुख्यमंत्री सहित मंत्रिपरिषद की कुल सदस्य संख्या 30 होगी।

1683. राजस्थान में प्रथम निर्वाचित लोकतांत्रिक सरकार का गठन हुआ ?
(अ) 26 जनवरी, 1952 (ब) 2 फरवरी, 1952
(स) 3 मार्च, 1952 (द) 15 मार्च, 1952
उत्तर : (स)
व्याख्या– 3 मार्च, 1952 को गठन हुआ था।

24.विधान परिषद

1684. राज्य विधानमंडल का ऊपरी सदन है–
(अ) विधान परिषद (ब) विधान सभा
(स) राज्यसभा (द) लोकसभा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– जिस प्रकार केन्द्र में संसद की व्यवस्था की गई है, उसी प्रकार राज्यों में भी विधानमंडल की व्यवस्था की गयी है। कुछ राज्यों में विधानमंडल के एक सदन विधानसभा की व्यवस्था है तो कुछ राज्यों में दो सदन विधानसभा और विधान परिषद की व्यवस्था की गई है। विधानसभा को निचला सदन तथा विधान परिषद को ऊपरी सदन कहते हैं।

1685. भारत में राज्य विधानपालिकाओं का उच्च सदन कौनसा है ?
(अ) विधानपालिका परिषद
(ब) विधानसभा
(स) नगरपालिका
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ) SSC 2011
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 168 के अनुसार राज्य की विधानपालिका एक सदनीय या द्विसदनीय होगी। द्विसदनीय विधानमंडल की स्थिति में विधानपालिका परिषद उच्च सदन होगा और विधानसभा निम्न सदन।

1686. भारत में कितने राज्यों में द्विसदनात्मक विधानमंडल है ?
(अ) 5 (ब) 6
(स) 7 (द) 12
उत्तर : (ब)
व्याख्या– अनुच्छेद 168 के अनुसार प्रत्येक राज्य में एक विधानमंडल होगा, जो राज्यपाल तथा कुछ राज्यों में दो सदनों (विधानसभा और विधान परिषद) तथा कुछ राज्यों में एक सदन से मिलकर बनेगा। वर्तमान में भारत के 6 राज्यों क्रमशः आन्ध्र प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में विधानपरिषद है।

1687. निम्नलिखित में से किस राज्य में द्विसदनात्मक विधानमंडल है ?
(अ) उत्तराखंड (ब) हिमाचल प्रदेश
(स) महाराष्ट्र (द) पश्चिम बंगाल
उत्तर : (स) RRB 2006
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 169 के अंतर्गत राज्य विधान परिषद विधानमंडल का उच्च एवं स्थायी सदन है। भारत के 6 राज्यों–आंध्र प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में द्विसदनीय विधानमंडल अर्थात विधानसभा और विधान परिषद दोनों है।

1688. विधान परिषद की सदस्य संख्या कम–से–कम कितनी होनी चाहिए ?
(अ) 40 (ब) 50
(स) 60 (द) 75
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य की विधान परिषद का आकार राज्य की विधानसभा में स्थित सदस्यों की कुल संख्या के एक तिहाई से अधिक नहीं होनी चाहिए और किसी भी स्थिति में 40 सदस्य से कम नहीं होनी चाहिए।

1689. भारतीय संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किस एक के अंतर्गत विधान परिषद की स्थापना या समाप्ति की व्यवस्था की गई है ?
(अ) अनुच्छेद 168 (ब) अनुच्छेद 169
(स) अनुच्छेद 170 (द) अनुच्देद 171
उत्तर : (ब) UPPCS 2013
व्याख्या– विधान परिषद के सृजन एवं समाप्त किये जाने की व्यवस्था एवं प्रक्रिया अनुच्छेद 169 में है। अनुच्छेद 169 के अनुसार किसी राज्य में विधान परिषद के निर्माण के लिए संसद विधि बना सकती है, परन्तु इसके लिए उस राज्य की विधानसभा द्वारा उसकी कुल सदस्य संख्या के बहुमत द्वारा तथा उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों की संख्या के कम से कम दो तिहाई बहुमत द्वारा इस आशय का प्रस्ताव पारित किया जाना आवश्यक

1690. सामान्यतया विधान मंडल के ऊपरी सदन के सदस्यों की कुल संख्या निचले सदन की कुल संख्या की–
(अ) एक चौथाई होनी चाहिए
(ब) एक तिहाई होनी चाहिए
(स) 1/5 होनी चाहिए
(द) आधी होनी चाहिए
उत्तर : (ब) BPSC 2015
व्याख्या– सामान्यतया विधानमंडल के ऊपरी सदन के सदस्यों की कुल संख्या निचले सदन की कुल संख्या की एक तिहाई होनी चाहिए।
है।

1691. किसको समाप्त किया जा सकता है, लेकिन भंग नहीं किया जा सकता ?
(अ) राज्यसभा (ब) नगरपालिका
(स) ग्राम पंचायत (द) विधानपरिषद
उत्तर : (द) IAS 1991
व्याख्या– राज्य विधान परिषद एक स्थायी सदन है, जिसे विघटित नहीं किया जा सकता है। इसके एक–तिहाई सदस्य प्रत्येक दूसरे वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं। इस प्रकार इस सदन को भंग नहीं किया जा सकता है, परन्तु इस सदन को समाप्त किया जा सकता है, क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 169 के अंतर्गत इसके गठन एवं विघटन की व्यवस्था की गई है। संसद एक विधानपरिषद को तब विघटित कर सकती है और इसका गठन कर सकती है, जब संबंधित राज्य की विधानसभा इस संबंध में संकल्प पारित करें।

1692. विधानपरिषद के सदस्य कितने वर्षों के लिए निर्वाचित होते हैं ?
(अ) 3 वर्ष (ब) 4 वर्ष
(स) 5 वर्ष (द) 6 वर्ष
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान में विधान परिषद के गठन का प्रावधान अनुच्छेद 169 में है। यह एक स्थयी सदन होता है। विधान परिषद का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 30 वर्ष है तथा प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष होता है किन्तु प्रति दूसरे वर्ष एक तिहाई सदस्य अवकाश ग्रहण करते हैं तथा उनके स्थान पर नवीन सदस्य निर्वाचित होते हैं। इनके सदस्यों का निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व की एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा होता है।

1693. विधानपरिषद का सदस्य होने के लिए कम से कम कितनी आयु सीमा होनी चाहिए ?
(अ) 21 वर्ष (ब) 25 वर्ष
(स) 30 वर्ष (द) 35 वर्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान में विधान परिषद के गठन का प्रावधान अनुच्छद 169 में है। यह एक स्थयी सदन होता है। विधान परिषद का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 30 वर्ष है तथा प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष होता है किन्तु प्रति दूसरे वर्ष एक तिहाई सदस्य अवकाश ग्रहण करते हैं तथा उनके स्थान पर नवीन सदस्य निर्वाचित होते हैं। इनके सदस्यों का निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व की एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा होता है।

1694. विधानपरिषद के कितने सदस्य प्रत्येक दूसरे वर्ष अवकाश ग्रहण करते हैं ?
(अ) 1/2 (ब) 1/3
(स) 1/4 (द) 2/3
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान में विधान परिषद के गठन का प्रावधान अनुच्छद 169 में है। यह एक स्थयी सदन होता है। विधान परिषद का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 30 वर्ष है तथा प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष होता है किन्तु प्रति दूसरे वर्ष एक तिहाई सदस्य अवकाश ग्रहण करते हैं तथा उनके स्थान पर नवीन सदस्य निर्वाचित होते हैं। इनके सदस्यों का निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व की एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा होता है।

1695. विधानपरिषद की गणपूर्ति (कोरम) कुल सदस्य संख्या का कितना भाग होता है ?
(अ) 1/4 (ब) 1/3
(स) 1/9 (द) 1/10
उत्तर : (द)
व्याख्या– किसी सभा के संदर्भ में यह नियम है कि उसकी अधिकृत कार्यवाही प्रारम्भ करने या जारी रखने के लिए कितने सदस्यों की उपस्थिति आवश्यक होगी। लोकसभा तथा राज्यसभा दोनों में गणपूर्ति (कोरम) के लिए कम से कम सदन की कुल सदस्य संख्या का 1/10 भाग सदस्यों की उपस्थिति आवश्यक है।

1696. विधान परिषद की एक वर्ष में कम से कम कितनी बैठकें होना अनिवार्य है ?
(अ) एक (ब) दो
(स) तीन (द) चार
उत्तर : (ब)
व्याख्या– विधान परिषद की बैठक वर्ष में कम से कम दो बार अवश्य होना चाहिए एवं इन बैठकों के मध्य का अंतराल छः माह से अधिक नहीं होना चाहिए।

1697. विधान परिषद की बैठक की अंतिम तिथि तथा दूसरी बैठक की प्रथम तिथि के बीच कितने समय से अधिक का अंतर नहीं होना चाहिए ?
(अ) 1 माह (ब) 2 माह
(स) 6 माह (द) 3 माह
उत्तर : (स)
व्याख्या– विधान परिषद की बैठक की अंतिम तिथि तथा दूसरी बैठक की प्रथम तिथि के बीच 6 माह से अधिक का अंतर नहीं होना चाहिए।

1698. किसी राज्य में विधान परिषद के सृजन अथवा उत्सादन हेतु उस राज्य की विधानसभा एक संकल्प पारित करती है, जिसके अनुसरण में संसद अधिनियम बनाती है। विधानसभा यह संकल्प किस प्रकार पारित करती है ?
(अ) साधारण बहुमत द्वारा
(ब) मतदान करने वाले सदस्यों के दो–तिहाई बहुमत द्वारा
(स) कुल सदस्य संख्या के बहुमत द्वारा तथा उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों के दो–तिहाई बहुमत द्वारा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– किसी राज्य में विधान परिषद के सृजन अथवा उत्सादन हेतु उस राज्य की विधानसभा एक संकल्प पारित करती है, जिसके अनुसरण में संसद अधिनियम बनाती है। विधान सभा यह संकल्प कुल सदस्य संख्या के बहुमत द्वारा तथा उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों के दो–तिहाई बहुमत द्वारा पारित करती है।

1699. किसी राज्य में विधान परिषद की संरचना अथवा विघटन किया जा सकता है–
(अ) उस राज्य की विधान सभा द्वारा
(ब) संसद द्वारा
(स) संसद द्वारा राज्यपाल की अनुशंसा पर
(द) राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल की अनुशंसा पर
उत्तर : (स)
व्याख्या– संसद द्वारा राज्यपाल की अनुशंसा पर किसी राज्य में विधान परिषद की संरचना अथवा विघटन किया जा सकता है।

1700. किसी राज्य में विधान परिषद् की संरचना अथवा विघटन किया जा सकता है–
(अ) उस राज्य की विधान सभा द्वारा
(ब) संसद द्वारा
(स) संसद द्वारा राज्यपाल की अनुशंसा पर
(द) राष्ट्रपति द्वारा राज्यपाल की अनुशंसा पर
उत्तर : (स)
व्याख्या– किसी राज्य में विधान परिषद की संरचना अथवा विघटन संसद द्वारा राज्यपाल की अनुशंसा पर किया जा सकता है।

1701. किसी राज्य में विधान परिषद का सृजन अथवा समाप्ति की जा सकती है–
(अ) संसद द्वारा राज्यपाल की अनुशंसा पर
(ब) राज्य के राज्यपाल की संस्तुति पर राष्ट्रपति द्वारा
(स) मंत्रिपरिषद की संस्तुति पर राज्य के राज्यपाल द्वारा
(द) राज्य विधानसभा की तत्संबंधी संकल्प को पारित करने पर संसद द्वारा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 169 के अंतर्गत संसद विधि द्वारा किसी राज्य में विधान परिषद का सृजन कर सकती है। यदि उस राज्य की विधान सभा इस आशय का संकल्प कुल सदस्यों के बहुमत तथा उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के दो–तिहाई बहुमत से पारित कर देती है। अनुच्छेद 171 के अनुसार विधान परिषद के सदस्यों की समस्त संख्या उस राज्य के विधान सभा के कुल सदस्यां की संख्या 1/3 से अधिक होगी किन्तु किसी भी दशा में विधान परिषद के सदस्यों की संख्या 40 से कम नहीं होगी।

1702. राज्य विधान परिषद के निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन किसके द्वारा किया जाता है ?
(अ) परिसीमन आयोग (ब) निर्वाचन आयोग
(स) संसद (द) राष्ट्रपति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– परिसीमन आयोग में देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त सहित सभी राज्य एवं केन्द्रशासित प्रदेशों के निर्वाचन आयुक्त सदस्य होते हैं। परिसीमन आयोग का प्रमुख कार्य हाल की

जनगणना के आधार पर विभिन्न विधानसभाओं एवं लोकसभा के निर्वाचन क्षेत्रों के सीमा का पुनः सीमांकन करना होता है। परिसीन आयोग के आदेशों को लोकसभा एवं संबंधित राज्य विधान सभाओं में रखा जाता है, किंतु लोकसभा एवं राज्य विधान सभाएँ परिसीमन आयोग के आदेशों में कोई सुधार या संशोधन नहीं कर सकती है।

1703. राज्य के विधान परिषद के कितने सदस्य विधानसभा द्वारा चुने जाते हैं ?
(अ) 1/6 (ब) 1/3
(स) 1/12 (द) 5/6
उत्तर : (ब) SSC 2000
व्याख्या– भारतीय संविधान में विधान परिषद के गठन का प्रावधान अनुच्छद 169 में है। यह एक स्थायी सदन होता है। विधान परिषद का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 30 वर्ष है तथा प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष होता है किन्तु प्रति दूसरे वर्ष एक तिहाई सदस्य अवकाश ग्रहण करते हैं तथा उनके स्थान पर नवीन सदस्य निर्वाचित होते हैं। इनके सदस्यों का निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व की एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा होता है।

1704. भारत में राज्य विधान परिषद के सदस्यों का कितना हिस्सा स्थानीय निकायों द्वारा चुना जाता है ?
(अ) एक तिहाई (ब) एक चौथाई
(स) एक छठा भाग (द) एक बारहवाँ भाग
उत्तर : (अ) SSC 2001
व्याख्या– भारत में राज्य विधान परिषद के सदस्यों का एक तिहाई हिस्सा स्थानीय निकायों द्वारा चुना जाता है।

1705. विधान परिषद के कितने सदस्य राज्य के राज्यपाल द्वारा मनोनीत किये जाते हैं ?
(अ) 1/4 (ब) 1/3
(स) 1/6 (द) 1/12
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य विधान मंडल का दूसरा और उच्च सदन विधान परिषद है। राज्य सभा के समान ही यह भी एक स्थायी सदन है। अतः इसका विघटन राज्यपाल नहीं कर सकते। अनुच्छेद 169 के तहत संसद को किसी राज्य में विधान परिषद को स्थापित करने या समाप्त करने का अधिकार है। विधान परिषद के कुल सदस्य संख्या के 1/6 भाग सदस्य राज्यपाल द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।

1706. राज्यपाल अधिक–से–अधिक कितने सदस्यों को विधान परिषद में मनोनीत कर सकता है ?
(अ) 5 (ब) 10
(स) 15 (द) अनिश्चित
उत्तर : (द) SSC 2000
व्याख्या– राज्यपाल अधिक–से–अधिक अनिश्चित सदस्यों को विधान परिषद में मनोनीत कर सकता है।

1707. विधान परिषद की कुल सदस्य संख्या का कितना हिस्सा राज्य के विश्वविद्यालयों के स्नातकों द्वारा चुना जाता है ?
(अ) 1/4 (ब) 1/3
(स) 1/6 (द) 1/12
उत्तर : (द)
व्याख्या– विधान परिषद की कुल सदस्य संख्या का 1/12 हिस्सा राज्य के विश्वविद्यालयों के स्नातकों द्वारा चुना जाता है।

1708. विधान परिषद की कुल सदस्य संख्या का कितना भाग माध्यमिक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के शिक्षकों द्वारा निर्वाचित होता है ?
(अ) 1/3 (ब) 1/4
(स) 1/6 (द) 1/12
उत्तर : (द)
व्याख्या– विधान परिषद की कुल सदस्य संख्या का 1/12 भाग माध्यमिक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के शिक्षकों द्वारा निर्वाचित होता है।

1709. यदि किसी राज्य विधान परिषद का सभापति अपने पद से त्यागपत्र देना चाहे तो वह अपना त्यागपत्र किसको देगा ?
(अ) मुख्यमंत्री को
(ब) राज्यपाल को
(स) उपसभापति को
(द) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को
उत्तर : (स)
व्याख्या– यदि किसी राज्य विधान परिषद का सभापति अपने पद से त्यागपत्र देना चाहे तो वह अपना त्यागपत्र उपसभापति को देगा।

1710. किसी साधारण विधेयक को विधान परिषद अधिक–से–अधिक कितने दिनों तक रोककर रख सकती है ?
(अ) 4 माह (ब) 6 माह
(स) 1 वर्ष (द) 2 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– विधानसभा के साथ मिलकर विधान परिषद राज्य सूची में अंकित 66 विषयों पर कानून बनाने का कार्य करती है। विधान परिषद साधारण कानून बनाने की प्रक्रिया में विधान सभा से कम शक्तिशाली है। विधान परिषद साधारण विधेयक को अपने पास अधिक–से–अधिक 4 माह तक रोक सकती है। इस अवधि के बाद विधेयक दोनों सदनों से पास समझा जाता है और अंतिम स्वीकृति के लिए राज्यपाल के पास भेज दिया जाता है।

1711. यदि 14 दिन के अंदर विधान परिषद वित्त विधेयक को नहीं लौटाती है, तब–
(अ) दोनों सदनों का संयुक्त अधिवेशन आवश्यक है
(ब) दोनों सदनों की संयुक्त समिति में विचार होगा
(स) विधान सभा को परिषद द्वारा सुझाए संशोधनों को मानना होगा
(द) वह दोनों सदनों द्वारा पारित माना जाएगा
उत्तर : (द)
व्याख्या– यदि 14 दिन के अंदर विधान परिषद वित्त विधेयक को नहीं लौटाती है, तब वह दोनों सदनों द्वारा पारित माना जाएगा।

1712. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(अ) कानून बनाने में विधान परिषद भाग लेती है
(ब) मंत्रियों से प्रश्न पूछने का अधिकार विधान परिषद के सदस्यों को नहीं है
(स) विधान परिषद मंत्रियों के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव नहीं ला सकती है
(द) धन विधेयक के मामले में विधान परिषद के अधिकार नहीं के बराबर है
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मंत्रियों से प्रश्न पूछने का अधिकार विधान परिषद के सदस्यों को नहीं है।

1713. विधान परिषद का सभापति–
(अ) राज्यपाल द्वारा नियुक्त किया जाता है
(ब) राज्यपाल (पदेन) होता है
(स) विधान परिषद के सदस्यों द्वारा अपने बीच से चुना जाता है
(द) विधान सभाध्यक्ष द्वारा नियुक्त किया जाता है
उत्तर : (स)
व्याख्या– विधान परिषद के सदस्य अपने में से ही विधान परिषद का सभापति चुनते हैं।

1714. वह राज्य जहाँ विधान परिषद नहीं है, है–
(अ) उत्तर प्रदेश (ब) महाराष्ट्र
(स) कर्नाटक (द) तमिलनाडु
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 169 के अधीन संसद विधि द्वारा किसी राज्य में विधान परिषद के उत्सादन का उपबन्ध कर सकती है। संसद को यह शक्ति है कि वह किसी राज्य में जिसमें विधान परिषद नहीं है, विधान परिषद का सृजन करे। संसद परिषद के उत्सादन या सृजन के लिए विधि तभी बना सकती है, जब राज्य की विधान सभा एक विनिर्दिष्ट संकल्प पारित करे। वर्तमान में विधान परिषद वाले राज्ये हैं– उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, जम्मू–कश्मीर, आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना।

1715. निम्नलिखित में से किस राज्य में द्विसदनात्मक विधायिका नहीं है ?
(अ) उत्तर प्रदेश (ब) मध्य प्रदेश
(स) बिहार (द) कर्नाटक
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मध्य प्रदेश में द्विसदनात्मक विधायिका नहीं है, अर्थात् मध्य प्रदेश में केवल विधान सभा है, विधान परिषद नहीं है। अनुच्छेद 169 के अधीन संसद विधि द्वारा किसी राज्य में विधान परिषद के उत्सादन का उपबन्ध कर सकती है। संसद को यह शक्ति है कि वह किसी राज्य में जिसमें विधान परिषद नहीं है, परिषद का सृजन करे। संसद विधान परिषद के उत्सादन या सृजन के लिए विधि तभी बना सकती है, जब राज्य की विधान सभा एक विनिर्दिष्ट संकल्प पारित करे। वर्तमान में विधान परिषद वाले राज्ये हैं–उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश और तेलंगाना।

1716. विधान परिषद् की स्थापना और समाप्ति का प्रावधान किस अनुच्छेद में दिया गया है ?
(अ) अनुच्छेद–169 (ब) अनुच्छेद–167
(स) अनुच्छेद–164 (द) अनुच्छेद–333
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद–169 में किसी राज्य में विधान परिषद् की स्थापना और समाप्ति का प्रावधान किया गया है।

1717. विधान मंडल का उच्च सदन होता है–
(अ) विधान सभा (ब) विधान परिषद्
(स) विधायिका (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– विधान परिषद् राज्य विधान मंडल का उच्च सदन होता है। यदि किसी राज्य की विधान सभा अपने कुल सदस्यों के पूर्ण बहुमत तथा उपस्थित मतदान करने वाले सदस्यों के दो–तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित करे तो संसद उस राज्य में विधान परिषद् स्थापित कर सकती है अथवा उसका लोप कर सकती है।

1718. वर्तमान में केवल कितने राज्यों में विधान परिषदें विद्यमान है ?
(अ) 5 (ब) 7
(स) 6 (द) 8
उत्तर : (स)
व्याख्या– विधान परिषद् राज्य विधान मंडल का उच्च सदन होता है। वर्तमान में केवल 6 राज्यों उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, बिहार, आन्ध्र प्रदेश तथा तेलंगाना में विद्यमान है। इन विधान परिषदों में सदस्यों की संख्या उत्तर प्रदेश में 100, कनार्टक में 75, महाराष्ट्र में 78, बिहार में 75, आन्ध्र प्रदेश में 58 तथा तेलंगाना में 40 थी। विधान परिषद् के कुल सदस्यों की संख्या, उस राज्य की विधानसभा के कुल सदस्यों की संख्या की एक–तिहाई से अधिक नहीं हो सकती है, किन्तु किसी भी अवस्था में विधान परिषद् के सदस्यों की कुल संख्या 40 से कम नहीं हो सकती है।

1719. राज्यपाल विधान परिषद् के कुल सदस्यों का कितना भाग उन व्यक्तियों में से मनोनीत करता है, जिन्हें साहित्य, कला, विज्ञान, सहकारिता आन्दोलन या सामाजिक सेवा के संबंध में विषय ज्ञान हो ?
(अ) 1/12 भाग (ब) 1/6 भाग
(स) 1/10 भाग (द) 1/3 भाग
उत्तर : (ब)
व्याख्या– विधान परिषद् के कुल सदस्यों के एक–तिहाई सदस्य, स्थानीय स्वशासी संस्थाओं के एक निर्वाचक मंडल द्वारा निर्वाचित होते हैं, एक–तिहाई सदस्य राज्य की विधानसभा के सदस्यों द्वारा निर्वाचित होते हैं, 1/12 सदस्य उन स्नातकों द्वारा निर्वाचित होते हैं, जिन्होंने कम–से–कम 3 वर्ष पूर्व स्नातक की उपाधि प्राप्त कर ली हो, 1/12 सदस्य उन अध्यापकों के द्वारा निर्वाचित होते हैं, जो कम–से–कम 3 वर्षों से माध्यमिक पाठशालाओं अथवा उनसे ऊँची कक्षाओं में शिक्षण कार्य कर रहे हों तथा 1/6 सदस्यों का राज्यपाल उन व्यक्तियों में से मनोनीत करता है, जिन्हें साहित्य, कला, विज्ञान, सहकारिता आन्दोलन या सामाजिक सेवा के संबंध में विषय ज्ञान हो।

1720. विधान परिषद् का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु सीमा कितनी है ?
(अ) 30 वर्ष (ब) 35 वर्ष
(स) 25 वर्ष (द) 21 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– विधान परिषद् का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 30 वर्ष है। विधान परिषद् के प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष का होता है, किन्तु प्रति दूसरे वर्ष एक–तिहाई सदस्य अवकाश ग्रहण करते हैं व उनके स्थान पर नवीन सदस्य निर्वाचित होते हैं। यदि कोई व्यक्ति किसी सदस्य की मृत्यु या त्यागपत्र द्वारा हुई आकस्मिक रिक्ति को भरने के लिए निर्वाचित होता है, तो वह सदस्य शेष अवधि के लिए ही सदस्य रहता है, 6 वर्ष के लिए नहीं। विधान परिषद् के सदस्यों का निर्वाचन आनुपातिक प्रतिनिधित्व की एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा होता है।

1721. विधान परिषद् की किसी भी बैठक के लिए कम–से–कम 10 या विधान परिषद् के कुल सदस्यों का कितना भाग, इनमें जो भी अधिक हो, गणपूर्ति होगा।
(अ) 1/12 भाग (ब) 1/6 भाग
(स) 1/10 भाग (द) 1/3 भाग
उत्तर : (स)
व्याख्या– विधान परिषद् को किसी भी बैठक के लिए कम–से–कम 10 या विधान परिषद् के कुल सदस्यों का 1/10 भाग, इनमें जो भी अधिक हो, गणपूर्ति होगा।

1722. भारत के छः राज्यों में विधानसभा के साथ–साथ विधान परिषद् है। विधान परिषद् के सदस्यों की संख्या के अनुसार उन राज्यों का अवरोही क्रम है–
(अ) उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक, आन्ध्र प्रदेश एवं तेलंगाना
(ब) उत्तर प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार एवं तेलंगाना
(स) उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, बिहार एवं तेलंगाना
(द) उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक एवं तेलंगाना
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के छः राज्यों क्रमशः उत्तर प्रदेश (100), महाराष्ट्र (78), बिहार (75), कर्नाटक (75), आन्ध्रप्रदेश (58) और तेलंगाना (40) में विधानसभा के साथ–साथ विधान परिषदें हैं।

1723. विधान परिषद् के सभापति एवं उपसभापति को किसके द्वारा निर्धारित वेतन एवं भत्ते प्राप्त होते हैं ?
(अ) विधान मंडल (ब) मुख्यमंत्री
(स) राज्यपाल (द) वित्त आयोग
उत्तर : (अ)
व्याख्या– विधान परिषद् के सभापति व उपसभापति को विधानमंडल द्वारा निर्धारित वेतन एवं भत्ते प्राप्त होते हैं।

1724. उत्तर प्रदेश विधान परिषद् सदस्यों की संख्या है–
(अ) 100 (ब) 78
(स) 75 (द) 75
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उत्तर प्रदेश राज्य की विधान सभा के सदस्यों की संख्या 403 तथा विधान परिषद् के सदस्यों की 100 हैं।

1725. महाराष्ट्र विधान परिषद् सदस्यों की संख्या है–
(अ) 78 (ब) 58
(स) 75 (द) 40
उत्तर : (अ)
व्याख्या– महाराष्ट्र राज्य की विधान सभा के सदस्यों की संख्या 288 तथा विधान परिषद् के सदस्यों की 78 है।

1726. बिहार विधान परिषद् सदस्यों की संख्या है–
(अ) 78 (ब) 100
(स) 75 (द) 40
उत्तर : (स)
व्याख्या– बिहार राज्य की विधान सभा के सदस्यों की संख्या 243 तथा विधान परिषद् के सदस्यों की 75 है।

1727. कर्नाटक विधान परिषद् के सदस्यों की संख्या है–
(अ) 78 (ब) 75
(स) 80 (द) 40
उत्तर : (ब)

व्याख्या– कर्नाटक राज्य की विधान सभा के सदस्यों की संख्या 224 तथा विधान परिषद् के सदस्यों की 75 है।

1728. आन्ध्रप्रदेश राज्य की विधान परिषद् के सदस्यों की संख्या है–
(अ) 75 (ब) 80
(स) 58 (द) 40
उत्तर : (स)
व्याख्या– आन्ध्रप्रदेश राज्य की विधान सभा के सदस्यों की संख्या 175 तथा विधान परिषद् के सदस्यों की 58 है।

1729. तेलंगाना विधान परिषद् के सदस्यों की संख्या है–
(अ) 75 (ब) 75
(स) 58 (द) 40
उत्तर : (द)
व्याख्या– तेलंगाना राज्य की विधान सभा के सदस्यों की संख्या 119 तथा विधान परिषद् के सदस्यों की 40 है।

25.विधान सभा

1730. राज्य विधान सभा का गठन संविधान के किस अनुच्छेद के तहत किया जाता है ?
(अ) अनुच्छेद 163 (ब) अनुच्छेद 169
(स) अनुच्छेद 170 (द) अनुच्छेद 174
उत्तर : (स)
व्याख्या– विधानसभा राज्य विधानमंडल का निम्न सदन होता है। राज्य विधानसभा का गठन संविधान के अनुच्छेद 170 के तहत किया गया है। इस अनुच्छेद में उपबंध है कि प्रत्येक राज्य की विधानसभा के सदस्यों की अधिकतम संख्या 500 तथा न्यूनतम संख्या 60 होगी। कुछ अपवाद स्वरूप गोवा में 40, मिजोरम में 40, सिक्किम में 32 तथा पुदुचेरी में 30 है।

1731. किसी राज्य की विधान सभा में अधिकतम कितने सदस्य हो सकते हैं ?
(अ) 400 (ब) 450
(स) 500 (द) 550
उत्तर : (स) SSC 2001
व्याख्या– विधानसभा राज्य विधानमंडल का निम्न सदन होता है। राज्य विधानसभा का गठन संविधान के अनुच्छेद 170 के तहत किया गया है। इस अनुच्छेद में उपबंध है कि प्रत्येक राज्य की विधानसभा के प्रश्न सदस्यों की अधिकतम संख्या 500 तथा न्यूनतम संख्या 60 होगी। कुछ अपवाद स्वरूप गोवा में 40, मिजोरम में 40, सिक्किम में 32 तथा पुदुचेरी में 30 है।

1732. भारतीय संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों में कौन राज्य की विधान सभाओं के निर्वाचन का प्रावधान करती है ?
(अ) अनुच्छेद 170 (ब) अनुच्छेद 176
(स) अनुच्छेद 178 (द) अनुच्छेद 172
उत्तर : (अ) SSC 2011
व्याख्या– विधानसभा राज्य विधानमंडल का निम्न सदन होता है। राज्य विधानसभा का गठन संविधान के अनुच्छेद 170 के तहत किया गया है। इस अनुच्छेद में उपबंध है कि प्रत्येक राज्य की विधानसभा के प्रश्न सदस्यों की अधिकतम संख्या 500 तथा न्यूनतम संख्या 60 होगी। कुछ अपवाद स्वरूप गोवा में 40, मिजोरम में 40, सिक्किम में 32 तथा पुदुचेरी में 30 है।

1733. किसी राज्य की विधान सभा में न्यूनतम कितने सदस्य हो सकते हैं ?
(अ) 30 (ब) 40
(स) 60 (द) 75
उत्तर : (स)
व्याख्या– विधानसभा राज्य विधानमंडल का निम्न सदन होता है। राज्य विधानसभा का गठन संविधान के अनुच्छेद 170 के तहत किया गया है। इस

अनुच्छेद में उपबंध है कि प्रत्येक राज्य की विधानसभा के प्रश्न सदस्यों की अधिकतम संख्या 500 तथा न्यूनतम संख्या 60 होगी। कुछ अपवाद स्वरूप गोवा में 40, मिजोरम में 40, सिक्किम में 32 तथा पुदुचेरी में 30 है।

1734. भारतीय संविधान यह प्रावधान करता है कि किसी भी राज्य विधान सभा में 60 से कम सदस्य नहीं हो सकते है। निम्नलिखित में से कौनसा राज्य इसका अपवाद है ?
(अ) त्रिपुरा (ब) मेघालय
(स) सिक्किम (द) मणिपुर
उत्तर : (स)
व्याख्या– विधानसभा राज्य विधानमंडल का निम्न सदन होता है। राज्य विधानसभा का गठन संविधान के अनुच्छेद 170 के तहत किया गया है। इस अनुच्छेद में उपबंध है कि प्रत्येक राज्य की विधानसभा के प्रश्न सदस्यों की अधिकतम संख्या 500 तथा न्यूनतम संख्या 60 होगी। कुछ अपवाद स्वरूप गोवा में 40, मिजोरम में 40, सिक्किम में 32 तथा पुदुचेरी में 30 है।

1735. उस संघ राज्य का नाम बताइए जहाँ निर्वाचित विधान सभा एवं मंत्रिपरिषद है–
(अ) अंडमान निकोबार द्वीप समूह
(ब) लक्षद्वीप
(स) दमन व दीव
(द) पुडुचेरी
उत्तर : (द)
व्याख्या– पुदुचेरी एक संघ राज्य है जहाँ निर्वाचित विधान सभा एवं मंत्रिपरिषद है।

1736. भारत के किन–किन संघ शासित क्षेत्रों में विधान सभा अस्तित्व में है ?
(अ) दिल्ली व चंडीगढ़ (ब) दिल्ली व पुदुचेरी
(स) चंडीगढ़ व पुदुचेरी (द) दिल्ली व दमन दीव
उत्तर : (ब)
व्याख्या– वर्तमान में भारत में 8 केन्द्र शासित प्रदेश हैं जिनमें से दो केन्द्र शासित प्रदेश क्रमशः दिल्ली और पुदुचेरी संघ राज्यों की श्रेणी में आते हैं और जहाँ निर्वाचित विधानसभा एवं मंत्रिपरिषद अस्तित्व में है।

1737. विधान सभा में प्रत्येक सदस्य कम–से–कम कितनी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करते हैं ?
(अ) 50,000 (ब) 75,000
(स) 80,000 (द) 10,000
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य विधानसभा के निम्न सदन को विधानसभा कहा जाता है। विधानसभा सदस्यों के निर्वाचन क्षेत्र का विभाजन इस प्रकार से किया गया है कि प्रत्येक सदस्य कम से कम 75,000 जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करें। किसी भी विधानसभा में 500 से अधिक और 60 से कम सदस्य नहीं होने चाहिए। विधान सभा सदस्य के लिए उम्र सीमा 25 वर्ष निर्धारित की गयी है।

1738. किस राज्य में विधान सभा सदस्यों की संख्या सबसे अधिक है ?
(अ) मध्य प्रदेश (ब) उत्तर प्रदेश
(स) बिहार (द) राजस्थान
उत्तर : (ब) RRB 2003
व्याख्या– उत्तर प्रदेश में विधानसभा के सदस्यों की संख्या अधिकतम है। 9 नवम्बर, 2000 को राज्य के पुनर्गठन एवं उत्तराखंड के गठन के पश्चात् उत्तर प्रदेश के विधानसभा के सदस्यों की संख्या 403 है।

1739. सामान्यतः विधान सभा का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है ?
(अ) 3 वर्ष (ब) 4 वर्ष
(स) 5 वर्ष (द) 6 वर्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– विधानसभा राज्य विधानमंडल का निम्न सदन अथवा प्रथम सदन होता हैं विधानसभा के सदस्यों का निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से पूर्ण वयस्क मताधिकार के आधार पर साधारण बहुमत की पद्धति द्वारा होता है। विधानसभा का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है, परन्तु कार्यकाल पूर्ण होने के पूर्व मुख्यमंत्री के परामर्श पर राज्यपाल द्वारा इसे भंग किया जा सकता है।

1740. राष्ट्रीय आपातकाल के उद्घोषणा के प्रवर्तन रहने की स्थिति में विधान सभा की अवधि को कितने समय के लिए बढ़ाया जा सकता है ?
(अ) 6 माह (ब) 1 वर्ष
(स) 2 वर्ष (द) 3 वर्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रीय आपातकाल के उद्घोषणा के प्रवर्तन में रहने की स्थिति में विधानसभा की अवधि को 1 वर्ष के लिए बढ़ाया जा सकता है।

1741. विधान सभा की सदस्यता के लिए उम्मीदवार को कितने वर्ष से कम का नहीं होना चाहिए ?
(अ) 18 वर्ष (ब) 21 वर्ष
(स) 25 वर्ष (द) 30 वर्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– विधानसभा की सदस्यता के लिए उम्मीदवार की आयु 25 वर्ष होनी चाहिए।

1742. विधान सभा की गणपूर्ति (कोरम) कुल संख्या का कितना हिस्सा है ?
(अ) 1/4 (ब) 1/5
(स) 1/8 (द) 1/10
उत्तर : (द)
व्याख्या– किसी सभा के संदर्भ में यह नियम है कि उसकी अधिकृत कार्यवाही प्रारम्भ करने या जारी रखने के लिए कम से कम कुल सदस्य संख्या का 1/10 भाग सदस्यों की उपस्थिति आवश्यक है।

विधानसभा की गणपूर्ति (कोरम) कुल संख्या का 1/10 भाग होता है।

1743. विधान सभा का सत्र वर्ष में कम–से–कम कितनी बार आहूत किया जाना आवश्यक है–
(अ) 1 (ब) 2
(स) 3 (द) 4
उत्तर : (ब)
व्याख्या– विधानसभा का सत्र एक वर्ष में कम से कम दो बार आहूत किया जाना चाहिए और किन्हीं दो सत्रों के मध्य 6 माह से अधिक का अंतर नहीं होना चाहिए। विशेष परिस्थिति में विधानसभा का विशेष सत्र भी बुलाया जा सकता है।

1744. विधान सभा की बैठक की अंतिम तिथि तथा दूसरी बैठक की प्रथम तिथि के बीच कितने समय से अधिक का अंतर नहीं होना चाहिए ?
(अ) 1 माह (ब) 2 माह
(स) 3 माह (द) 6 माह
उत्तर : (द)
व्याख्या– विधानसभा का सत्र एक वर्ष में कम से कम दो बार आहूत किया जाना चाहिए और किन्हीं दो सत्रों के मध्य 6 माह से अधिक का अंतर नहीं होना चाहिए। विशेष परिस्थिति में विधानसभा का विशेष सत्र भी बुलाया जा सकता है। विधानसभा की बैठक की अंतिम तिथि तथा दूसरी बैठक की प्रथम तिथि के बीच 6 माह से अधिक का अंतर नहीं होना चाहिए।

1745. विधान सभा अध्यक्ष (स्पीकर) अपना त्यागपत्र किसको देता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) राष्ट्रपति
(स) मुख्यमंत्री (द) विधान सभा उपाध्यक्ष
उत्तर : (द) IAS 1989
व्याख्या– राज्य विधानसभा के निम्न सदन को विधानसभा कहा जाता है। विधानसभा सदस्यों के निर्वाचन क्षेत्र का विभाजन इस प्रकार से किया गया है कि प्रत्येक सदस्य कम से कम 75,000 जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करें। किसी भी विधानसभा में 500 से अधिक और 60 से कम सदस्य नहीं होने चाहिए। विधान सभा सदस्य के लिए उम्र सीमा 25 वर्ष निर्धारित की गयी है। विधानसभा का प्रत्येक सदस्य अपनी सदस्यता ग्रहण करने से पूर्व राज्यपाल या उसके द्वारा नियुक्त किये गये व्यक्ति के समक्ष शपथ ग्रहण करता है। प्रत्येक राज्य की विधानसभा यथाशीघ्र अपने दो सदस्यों को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में चुनती है। अध्यक्ष अपना शपथ ग्रहण राज्यपाल के समक्ष करता है, लेकिन अपना त्यागपत्र उपाध्यक्ष को देता है। विधानसभा अध्यक्ष हटाने की वही प्रक्रिया है जो प्रक्रिया लोकसभा अध्यक्ष को हटाने की है। विधानसभा अध्यक्ष अपना शपथ विधानसभा अध्यक्ष के रूप में न लेकर विधानसभा सदस्य के रूप में लेता है।

1746. विधान सभा अध्यक्ष का चुनाव कौन करता है ?
(अ) राज्यपाल
(ब) मुख्यमंत्री
(स) विधान सभा सदस्य
(द) विधान सभा के निर्वाचित सदस्य
उत्तर : (स)
व्याख्या– विधानसभा जनता के प्रतिनिधियों का सदन है। संविधान के अनुच्छेद 170 के अनुसार राज्य विधानसभा के सदस्यों की संख्या 500 से अधिक एवं 60 से कम नहीं होगी। राज्य के चुनाव क्षेत्रों से वयस्क मताधिकार के आधार पर प्रत्यक्ष मतदान द्वारा विधानसभा का चुनाव होता है।

1747. राज्य मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से किसके प्रति उत्तरदायी होती है ?
(अ) विधान सभा (ब) विधान परिषद
(स) राज्यपाल (द) मुख्यमंत्री
उत्तर : (अ) SSC 1999
व्याख्या– मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी है। इसी प्रकार राज्यों में राज्यपाल की स्थिति कार्यपालिका के प्रधान की होती है, परन्तु वास्तविक शक्ति मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निहित होती है। मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से विधानसभा के प्रति उत्तरदायी होती है।

1748. अस्थायी विधान सभा अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) राज्यपाल
(ब) मुख्यमंत्री
(स) निवर्तमान विधान सभा अध्यक्ष
(द) निर्वाचन आयोग
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अस्थायी विधानसभा अध्यक्ष की नियुक्ति राज्यपाल करता है। इसे प्रोटेम स्पीकर भी कहा जाता है।

1749. विधान सभा अध्यक्ष को उसके पद की शपथ कौन दिलाता है ?
(अ) राज्यपाल
(ब) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(स) निवर्तमान विधान सभा अध्यक्ष
(द) शपथ ग्रहण की आवश्यकता नहीं
उत्तर : (स) SSC 2001
व्याख्या– राज्य विधानसभा के निम्न सदन को विधानसभा कहा जाता है। विधानसभा का प्रत्येक सदस्य अपनी सदस्यता ग्रहण करने से पूर्व राज्यपाल या उसके द्वारा नियुक्त किये गये व्यक्ति के समक्ष शपथ ग्रहण करता है। प्रत्येक राज्य की विधानसभा यथाशीघ्र अपने दो सदस्यों को अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के रूप में चुनती है। अध्यक्ष अपना शपथ ग्रहण राज्यपाल के समक्ष करता है, लेकिन

अपना त्यागपत्र उपाध्यक्ष को देता है। विधानसभा अध्यक्ष को हटाने की वही प्रक्रिया है जो प्रक्रिया लोकसभा अध्यक्ष को हटाने की है। विधानसभा अध्यक्ष अपना शपथ विधानसभा अध्यक्ष के रूप में न लेकर विधानसभा सदस्य के रूप में लेता है।

1750. विधानसभा अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को हटाने से संबंधित प्रस्ताव पेश करने के लिए कितने दिन पूर्व इसकी सूचना अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को देना चाहिए ?
(अ) 14 दिन (ब) 15 दिन
(स) 21 दिन (द) 30 दिन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– विधानसभा अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को हटाने से संबंधित प्रस्ताव पेश करने के लिए 14 दिन पूर्व इसकी सूचना अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को देना चाहिए।

1751. राज्य विधान सभा के सदन की बैठक के लिए गणपूर्ति है–
(अ) 30 सदस्य अथवा कुल सदस्य संख्या का 10वां भाग जो भी अधिक हो
(ब) 10 सदस्य अथवा कुल सदस्य संख्या का 10वां भाग जो भी अधिक हो
(स) सदन की कुल सदस्य संख्या का आधा भाग
(द) सदन की कुल सदस्य संख्या का 10वां भाग
उत्तर : (ब)
व्याख्या– जब तक राज्य का विधानमंडल विधि द्वारा अन्यथा उपबन्ध न करें तब तक राज्य के विधानमंडल के किसी सदन का अधिवेशन गठित करने के लिए गणपूर्ति दस सदस्य या सदन के सदस्यों की कुल संख्या का दसवाँ भाग, इसमें से जो भी अधिक हो, होगी।

1752. राज्य विधान मंडल का कोई सदस्य अपने सदन की आज्ञा के बिना सदन के सत्र से लगातार कितने दिनों तक अनुपस्थित रहता है तो सदन उसे निष्कासित करके उसके स्थान को रिक्त घोषित कर सकती है ?
(अ) 30 दिन (ब) 45 दिन
(स) 60 दिन (द) 100 दिन
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य विधानमंडल का कोई सदस्य अपने सदन की आज्ञा के बिना सदन के सत्र से लगातार 60 दिनों तक अनुपस्थित रहता है तो सदन उसे निष्कासित करके उसके स्थान को रिक्त घोषित कर सकती है।

1753. राज्य की विधानसभा के सत्रावसान के आदेश किसके द्वारा दिए जाते है ?
(अ) राज्यपाल (ब) विधान सभा अध्यक्ष
(स) मुख्यमंत्री (द) विधि मंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 164 के अंतर्गत राज्यपाल विधानमंडल का अंग होता है। राज्यपाल को विधानमंडल को संबोधित करने, संदेश भेजने सत्रावसान करने एवं विघटन करने का अधिकार होता है।

1754. विधानसभा का सदस्य रहे बिना कोई भी व्यक्ति कितने दिनों तक मंत्री पद पर आसीन रह सकता है ?
(अ) 3 माह
(ब) 6 माह
(स) 1 वर्ष
(द) राज्यपाल के प्रसाद पर्यंत
उत्तर : (ब)
व्याख्या– विधानसभा का सदस्य रहे बिना कोई भी व्यक्ति 6 माह तक मंत्री पद पर आसीन रह सकता है।

1755. विधानसभा अध्यक्ष को किस प्रकार पद से हटाया जा सकता है ?
(अ) विधान सभा के सदस्यों द्वारा साधारण बहुमत से पारित संकल्प द्वारा
(ब) विधान सभा के सदस्यों द्वारा दो तिहाई बहुमत से पारित संकल्प द्वारा
(स) विधान मंडल के सदस्यों द्वारा साधारण बहुमत से पारित संकल्प द्वारा
(द) विधान मंडल के सदस्यों द्वारा तीन चौथाई बहुमत से पारित संकल्प पारित करके
उत्तर : (अ)
व्याख्या– विधानसभा अध्यक्ष को विधानसभा के सदस्यों द्वारा साधारण बहुमत से पारित संकल्प द्वारा हटाया जा सकता है।

1756. विधानसभा सदस्यों का निर्वाचन किसकी देखरेख में होता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) निर्वाचन आयोग
(स) मुख्यमंत्री (द) उच्च न्यायालय
उत्तर : (ब)
व्याख्या– विधानसभा के सदस्यों का निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से पूर्ण वयस्क मताधिकार के आधार पर साधारण बहुमत की पद्धति द्वारा होता है। निर्वाचन हेतु विधानसभा के निर्वाचित सदस्य (मनोनीत सदस्य को छोड़कर) निर्वाचन हेतु गठित निर्वाचक मंडल के सदस्य होते हैं अर्थात् विधानसभा के निर्वाचित सदस्य राष्ट्रपति के चुनाव में भाग ले सकते हैं।

1757. कोई विधयेक धन विधेयक है अथवा नहीं, इसका निर्णय राज्य में कौन करता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) मुख्यमंत्री
(स) विधान सभाध्यक्ष (द) वित्त मंत्री
उत्तर : (स)
व्याख्या– कोई विधयेक धन विधेयक है या नहीं, इसके निर्णय का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 110 के द्वारा लोकसभा अध्यक्ष को दिया गया है। इसी प्रकार विधानसभा में कोई विधेयक

धन विधेयक है या नहीं, इसका निर्णय विधानसभा अध्यक्ष करता है।

1758. राज्यों की विधान सभा को कितनी समयावधि के भीतर संवैधानिक संशोधन विधेयक को स्वीकार अथवा अस्वीकार करना पड़ता है ?
(अ) 14 दिन
(ब) 30 दिन
(स) 6 माह
(द) कोई निश्चित सीमा नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्यों की विधानसभा को अनिश्चित समायावधि के अंदर संवैधानिक संशोधन विधेयक को स्वीकार अथवा अस्वीकार करना पड़ता है।

1759. भारत में विधानसभा चुनाव किस आधार पर होते हैं ?
(अ) एकल हस्तांतरीय मत
(ब) सीमित मताधिकार
(स) आनुपातिक प्रतिनिधित्व
(द) वयस्क मताधिकार
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य विधानसभा का चुनाव वयस्क मताधिकार के आधार पर होता है। प्रत्येक नागरिक को, जिसकी उम्र 18 वर्ष हो, मतदान का अधिकार होगा, बशर्ते कि वह उस क्षेत्र का निवासी हो, पागल न हो, भ्रष्ट या अवैधानिक कार्यों के लिए दण्डित न किया गया हो।

1760. राज्यों में मनी बिल प्रस्तुत किया जा सकता है–
(अ) दोनों सदनों में से किसी सदन में
(ब) दोनों सदनों में परस्पर एक साथ
(स) केवल विधान सभा में
(द) केवल उच्च सदन में
उत्तर : (स)
व्याख्या– मनी बिल केवल लोकसभा या विधानसभा में ही प्रस्तुत किया सकता है। लोकसभा अध्यक्ष एवं विधानसभा अध्यक्ष, जिसे मनी बिल कहें, वही धन विधेयक समझा जाएगा।

1761. विधान सभा में किसी दल के निर्वाचित सदस्यों के दल–बदल पर निम्नलिखित में से किसने प्रतिबन्ध लगाया है ?
(अ) संविधान का 52वाँ संशोधन कानून
(ब) जनता के प्रतिनिधित्व का कानून
(स) संविधान का 42वाँ संशोधन कानून
(द) संविधान का 44वाँ संशोधन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1985 ई. के संविधान के 52वें संशोधन द्वारा राजीव गाँधी सरकार ने दल–बदल कानून पारित करवाया। इस संशोधन के द्वारा संविधान में 10वीं अनुसूची को जोड़ा गया। इसमें यह प्रावधान किया गया कि यदि कोई सांसद या विधायक दल–दल करता है या दल द्वारा बाहर निकाल दिया जाता है जिसने उसे चुनाव में उम्मीदवार बनाया था, को निर्दलीय उम्मीदवार जिसने चुनाव जीतने के बाद 6 महीने के अंदर राजनीतिक दल का सदस्य बन जाता है तो अब वह संसद या विधानसभा की सदस्यता के अयोग्य हो जाएगा। इस अधिनियम में ऐसा प्रावधान था कि यदि दल–बदल करना है, तो सदस्यों की संख्या राजनीतिक पार्टी की सदस्य संख्या की कम से कम एक–तिहाई होना चाहिए।

1762. किसी विधान सभा में कोई धन विधेयक निम्न में से किसकी अनुमति के बिना प्रस्तुत नहीं किया जा सकता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) मुख्यमंत्री
(स) वित्त मंत्री (द) स्पीकर
उत्तर : (अ) IAS 1989
व्याख्या– राज्यपाल के अधीन राज्य की संचित निधि होती है। इसकी अनुमति के बिना उसमें से खर्च नहीं किया जा सकता और न ही उसमें डाला जा सकता है, इसलिए राज्य का बजट राज्यपाल की पूर्वानुमति से ही विधानमंडल में प्रस्तुत होता है। विधानसभा में कोई भी धन विधेयक या वित्त विधेयक राज्यपाल की पूर्वानुमति के बिना पेश नहीं किया जा सकता। राज्यपाल की अनुमति के बिना कोई भी अनुदान माँग विधानमंडल में प्रस्तुत नहीं की जा सकती। जब राष्ट्रीय वित्तीय आपातकाल हो, तब वह वित्त विधेयकों को राष्ट्रपति के पास विचारार्थ भेज सकता है। राज्यपाल को यह अधिकार भी प्राप्त है कि वह विधानमंडल से पूरक और अतिरिक्त अनुदान की माँग करे। राज्यपाल किसी अप्रत्याशित व्यय की पूर्ति के लिए राज्य की आकस्मिक निधि से अग्रिम राशि ले सकता है।

1763. राज्य विधान सभाओं में आंग्ल भारतीय समुदाय के लिए प्रतिनिधित्व का प्रावधान भारत के संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा किया गया ?
(अ) अनुच्छेद 330 (ब) अनुच्छेद 331
(स) अनुच्छेद 332 (द) अनुच्छेद 333
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य विधानसभाओं में आंग्ल भारतीय समुदाय के लिए प्रतिनिधित्व का प्रावधान भारत के संविधान के अनुच्छेद 333 में किया गया, किन्तु 104वाँ संविधान संशोधन, 2019 ई. लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में आंग्ल भारतीयों के लिए सीटों के आरक्षण को समाप्त करता है।

1764. राजस्थान विधानसभा की प्रथम महिला अध्यक्ष का नाम है–
(अ) श्रीमती तारा भण्डारी
(ब) श्रीमती कमला
(स) श्रीमती सुमित्रा सिंह
(द) श्रीमती वसुंधरा राजे
उत्तर : (स) RPSC IIgr. Tch. 2011

व्याख्या– राजस्थान विधानसभा की प्रथम महिला अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा सिंह का संबंध झुँझुनूँ जिले से है।

1765. राजस्थान की प्रथम महिला विधायक थी–
(अ) सुमित्रासिंह (ब) यशोदादेवी
(स) कमला बेनीवाल (द) नगेन्द्र बाला
उत्तर : (ब) RPSC IIgr. Teacher 2011
व्याख्या– राजस्थान की प्रथम महिला विधायक यशोदादेवी थी।

1766. यदि किसी राज्य विधान सभा के निर्वाचन में निर्वाचित घोषित होने वाला प्रत्याशी अपनी जमानत राशि खो देता है तो उसका अर्थ है कि–
(अ) मतदान बहुत कम हुआ
(ब) बहुसदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए निर्वाचन था
(स) निर्वाचित प्रत्याशी की अपने निकटतम प्रतिद्वंदी पर विजय बहुत कम मतों से बनी
(द) निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्याशियों की संख्या बहुत अधिक थी
उत्तर : (द) IAS 1995

1767. निम्नलिखित में से कहाँ विधानसभा अस्तित्व में नहीं है ?
(अ) पुदुचेरी (ब) गोवा
(स) दिल्ली (द) लक्षद्वीप
उत्तर : (द) RRB 2003
व्याख्या– भारत के केन्द्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप में विधानसभा का अस्तित्व नहीं है।

1768. सर्वप्रथम किस राज्य की विधान सभा का विघटन उसकी प्रथम बैठक होने से पहले ही कर दिया गया ?
(अ) तमिलनाडु (ब) आन्ध्र प्रदेश
(स) केरल (द) कर्नाटक
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1965 ई. में केरल विधानसभा का विघटन उसकी प्रथम बैठक होने से पूर्व कर दिया गया था जिसे केरल उच्च न्यायालय में वैध ठहराया था।

1769. विधानसभा का कार्यकाल होता है–
(अ) 5 वर्ष (ब) 6 वर्ष
(स) 3 वर्ष (द) 1 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– विधानसभा का कार्यकाल 5 वर्ष है, किन्तु विशेष परिस्थिति में राज्यपाल का अधिकार है कि वह इससे पूर्व भी उसक विघटित कर सकता है।

1770. विधानसभा के सत्रावसान के आदेश किसके द्वारा दिये जाते हैं ?
(अ) राज्यपाल (ब) मुख्यमंत्री
(स) मुख्य सचिव (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– विधानसभा का कार्यकाल 5 वर्ष है, किन्तु राज्यपाल को यह अधिकार है कि इससे पूर्व भी उसको विघटित कर सकता है। विधानसभा के सत्रावसान के आदेश राज्यपाल के द्वारा लिये जाते हैं।

1771. विधानसभा में निर्वाचित होने के लिए न्यूनतम आयु सीमा है–
(अ) 25 वर्ष (ब) 30 वर्ष
(स) 21 वर्ष (द) 18 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– विधानसभा में निर्वाचित होने के लिए न्यूनतम आयु सीमा 25 वर्ष है।

1772. प्रत्येक राज्य की विधानसभा में अधिकतम कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 500 (ब) 545
(स) 600 (द) 550
उत्तर : (अ)
व्याख्या–प्रत्येक राज्य की विधानसभा में अधिक से अधिक 500 तथा कम–से–कम 60 सदस्य होते हैं। अपवाद–गोवा (40), मिजोरम (40), सिक्किम (32)। इसे अनुच्छेद–371 के तहत विशेष राज्य को दर्जा देकर यह व्यवस्था की गई है।

1773. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत विधान सभाओं में जनसंख्या के आधार पर अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए स्थानों का आरक्षण किया जाता है ?
(अ) अनुच्छेद–371 (ब) अनुच्छेद 331
(स) अनुच्छेद 332 (द) अनुच्छेद 333
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद–332 के तहत विधान सभाओं में जनसंख्या के आधार पर एक अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए स्थानों का आरक्षण किया जाता है।

1774. किसी विधेयक को धन विधेयक माना जाए अथवा नहीं, इसका निर्णय कौन करता है ?
(अ) विधानसभा अध्यक्ष (ब) राज्यपाल
(स) मुख्यमंत्री (द) वित्त सचिव
उत्तर : (अ)
व्याख्या– किसी विधेयक को धन विधेयक माना जाए अथवा नहीं, इसका निर्णय विधानसभा अध्यक्ष ही करता है।

1775. विधानसभा से पारित किसी धन विधेयक को जब विधान परिषद् के पास भेज दिया जाता है, तो विधान परिषद् कितने दिनों के भीतर विधानसभा को लौटाना पड़ता है ?
(अ) 14 दिन (ब) 10 दिन
(स) 15 दिन (द) 1 महीना
उत्तर : (अ)
व्याख्या– विधान सभा की वित्तीय विषयों से संबंधित प्रक्रियाः– 1.राज्य विधान मंडल राज्य सरकार को वित्तीय अवस्था को पूर्णतया नियंत्रित करता है। प्रत्येक वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में विधान मंडल के सम्मुख वार्षिक वित्तीय विवरण अथवा बजट प्रस्तुत

किया जाता है, जिसमें शासन की आय और व्यय का विवरण रहता है। बजट वित्त मंत्री द्वारा रखा जाता है। 2.कोई धन विधेयक प्रारंभ में विधान परिषद् में प्रस्तुत नहीं किया जा सकता। जब विधानसभा किसी धन विधेयक को पारित कर देती है, तब वह विधान परिषद् के पास भेज दिया जाता है। विधान परिषद् को 14 दिनों के भीतर विधानसभा को लौटाना पड़ता है। विधान परिषद् उस विधेयक के संबंध में संस्तुतियाँ तो दे सकती है किन्तु वह न तो उसे अस्वीकार कर सकती है औ न उसमें संशोधन नही कर सकती है। 3. विधानसभा द्वारा पारित किये जाने के 14 दिनों के बाद विधेयक को दोनों सदनों द्वारा पारित समझ लिया जाता है तथा राज्यपाल को उस पर अपनी सहमति देनी पड़ती है।

1776. जब कभी विधानसभा अध्यक्ष को उसके पद से हटाने का प्रस्ताव विचाराधीन हो, उस समय वह–
(अ) सदन की बैठकों की अध्यक्षता नहीं करता है।
(ब) सदन की बैठकों की अध्यक्षता करता है।
(स) सदन से अनुपस्थित रहता है।
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– जब कभी विधानसभा अध्यक्ष को उसके पद से हटाने का प्रस्ताव विचाराधीन हो, उस समय वह सदन की बैठकों की अध्यक्षता नहीं करता है।

1777. विधानसभा अथवा विधान परिषद् की बैठकों के लिए सदन के कुल सदनों के कितने सदस्यों की उपस्थितियाँ गणपूर्ति हेतु आवश्यक है ?
(अ) 1/4 (ब) 1/5
(स) 1/8 (द) 1/10
उत्तर : (द)
व्याख्या– सदन की बैठकों के लिए सदन के कुल सदस्यों के 1/10 भाग सदस्यों की उपस्थितियाँ गणपूर्ति हेतु आवश्यक है।

1778. मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से किसके प्रति उत्तरदायी होती है ?
(अ) विधानसभा (ब) विधान परिषद्
(स) मुख्यमंत्री (द) राज्यपाल
उत्तर : (अ)
व्याख्या–मंत्रिपरिषद् सामूहिक रूप से विधानसभा के प्रति उत्तरदायी है। जब कभी मंत्रिपरिषद् के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाता है, तो समूचा मंत्रिपरिषद् को त्यागपत्र देना पड़ता है।

1779. किसके निर्वाचन में जितना मताधिकार संसद के दोनों सदनों के सदस्यों को प्राप्त है, उतना ही राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों को प्राप्त है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) उपराष्ट्रपति (द) राज्यपाल
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति के निर्वाचन संबंधी अधिकार भी विधानसभा को प्राप्त है। इसके अनुसार राष्ट्रपति के निर्वाचन में जितना मताधिकार संसद के दोनों सदनों के सदस्यों को प्राप्त है, उतना ही राज्यों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों को प्राप्त है।

1780. विधानसभा अध्यक्ष सदन में मतदान नहीं करता है किन्तु यदि सदन में मत बराबरी में बँट जाएँ तो–
(अ) वह निर्णायक मत देता है।
(ब) वह सदन से अनुपस्थित रहता है।
(स) वह मत नहीं देता है।
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– साधारणतया विधानसभा अध्यक्ष सदन में मतदान नहीं करता किन्तु यदि सदन में मत बराबरी में बँट जाएँ तो वह निर्णायक मत देता है।

1781. संघीय स्वरूप को प्रभावित करने वाला कोई संविधान संशोधन विधेयक यदि संसद के दोनों सदनों के द्वारा पारित हो जाता है, तो कितने राज्यों के विधान मंडलों द्वारा उसकी पुष्टि आवश्यक है ?
(अ) एक–तिहाई राज्यों की
(ब) आधे से कम राज्यों की
(स) आधे से अधिक राज्यों की
(द) एक–चौथाई राज्यों की
उत्तर : (स)
व्याख्या– विधानसभा के संवैधानिक संशोधन के संबंध में अधिकार है कि संघीय स्वरूप को प्रभावित करने वाला कोई संविधान संशोधन विधेयक यदि संसद के दोनों सदनों के द्वारा पारित हो जाता है, तो आधे से अधिक राज्यों के विधान मंडलों द्वारा उसकी पुष्टि आवश्यक है।

1782. उत्तर प्रदेश विधानसभा की सदस्य संख्या हैं–
(अ) 403 (ब) 288
(स) 243 (द) 224
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उत्तर प्रदेश राज्य की विधान सभा के सदस्यों की संख्या 403 तथा विधान परिषद् के सदस्यों की 100 हैं।

1783. महाराष्ट्र विधानसभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 288 (ब) 175
(स) 243 (द) 119
उत्तर : (अ)
व्याख्या– महाराष्ट्र राज्य की विधान सभा के सदस्यों की संख्या 288 तथा विधान परिषद् के सदस्यों की 78 है।

1784. बिहार विधान सभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 288 (ब) 403
(स) 243 (द) 119
उत्तर : (स)

व्याख्या– बिहार विधानसभा की सदस्य संख्या 243 तथा विधान परिषद् की सदस्य संख्या 75 है।

1785. ओड़िशा विधानसभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 182 (ब) 147
(स) 140 (द) 126
उत्तर : (ब)
व्याख्या– ओड़िशा की विधानसभा के सदस्यों की संख्या 147 निर्धारित है।

1786. आन्ध्रप्रदेश विधान सभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 243 एवं 75 (ब) 224 एवं 75
(स) 175 एवं 58 (द) 119 एवं 40
उत्तर : (स)
व्याख्या– आन्ध्रप्रदेश राज्य की विधान सभा के सदस्यों की संख्या 175 तथा विधान परिषद् के सदस्यों की 58 है।

1787. तेलंगाना विधान सभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 243 एवं 75 (ब) 224 एवं 75
(स) 175 एवं 58 (द) 119 एवं 40
उत्तर : (द)
व्याख्या– तेलंगाना राज्य की विधान सभा के सदस्यों की संख्या 119 तथा विधान परिषद् के सदस्यों की 40 है।

1788. पश्चिम बंगाल विधानसभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 294 (ब) 234
(स) 230 (द) 200
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पश्चिम बंगाल की विधानसभा के सदस्यों की संख्या 294 निर्धारित है।

1789. तमिलनाडु विधानसभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 294 (ब) 234
(स) 230 (द) 200
उत्तर : (ब)
व्याख्या– तमिलनाडु कीं विधानसभा के सदस्यों की संख्या 234 निर्धारित है।

1790. मध्यप्रदेश विधानसभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 294 (ब) 234
(स) 230 (द) 200
उत्तर : (स)
व्याख्या– मध्यप्रदेश की विधानसभा के सदस्यों की संख्या 230 निर्धारित है।

1791. राजस्थान विधानसभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 294 (ब) 234
(स) 230 (द) 200
उत्तर : (द)
व्याख्या– राजस्थान की विधानसभा के सदस्यों की संख्या 200 निर्धारित है।

1792. गुजरात विधानसभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 182 (ब) 147
(स) 140 (द) 126
उत्तर : (अ)
व्याख्या– गुजरात की विधानसभा के सदस्यों की संख्या 182 निर्धारित है।

1793. कर्नाटक विधानसभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 288 (ब) 224
(स) 243 (द) 119
उत्तर : (ब)
व्याख्या– कर्नाटक राज्य की विधान सभा के सदस्यों की संख्या 224 तथा विधान परिषद् के सदस्यों की 75 है।

1794. केरल विधानसभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 182 (ब) 147
(स) 140 (द) 126
उत्तर : (स)
व्याख्या– केरल की विधानसभा सदस्यों की संख्या 140 निर्धारित है।

1795. असम विधानसभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 182 (ब) 147
(स) 140 (द) 126
उत्तर : (द)
व्याख्या– असम की विधानसभा सदस्यों की संख्या 126 निर्धारित है।

1796. पंजाब विधानसभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 117 (ब) 90
(स) 81 (द) 70
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पंजाब की विधानसभा सदस्यों की संख्या 117 निर्धारित है।

1797. झारखंड विधानसभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 81 (ब) 70
(स) 68 (द) 32
उत्तर : (अ)
व्याख्या– झारखंड विधानसभा के सदस्यों की संख्या 81 निर्धारित है।

1798. सिक्किम विधानसभा के सदस्यों की संख्या निर्धारित है–
(अ) 81 (ब) 70
(स) 68 (द) 32
उत्तर : (द)
व्याख्या– सिक्किम विधानसभा के सदस्यों की संख्या 32 निर्धारित है।

1799. मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड राज्यों की विधानसभा सदस्यों की संख्या समान है। वह है–
(अ) 90 (ब) 60
(स) 40 (द) 32
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, अरुणाचल प्रदेश और नगालैंड राज्यों की विधानसभा सदस्यों की संख्या समान (60) निर्धारित है।

1800. हिमाचल प्रदेश विधानसभा की सदस्य संख्या है–
(अ) 81 (ब) 70
(स) 68 (द) 32
उत्तर : (स)
व्याख्या– हिमाचल प्रदेश विधानसभा के सदस्यों की संख्या 68 निर्धारित है।

1801. किस राज्य की विधानसभा सदस्यों की संख्या 70 निर्धारित है ?
(अ) उत्तराखंड (ब) दिल्ली
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) केरल
उत्तर : (स)
व्याख्या– उत्तराखंड और दिल्ली विधानसभाओं के सदस्यों की संख्या एक समान 70–70 निर्धारित है।

1802. किस राज्य की विधानसभा सदस्यों की संख्या 90 निर्धारित है ?
(अ) हरियाणा (ब) छत्तीसगढ़
(स) जम्मू–कश्मीर (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– हरियाणा, छत्तीसगढ़ और जम्मू–कश्मीर तीनों राज्यों की विधानसभाओं के सदस्यों की संख्या समान (90) है।

1803. किस राज्य की विधानसभा सदस्यों की संख्या 40 निर्धारित है ?
(अ) मिजोरम (ब) गोवा
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) पुदुचेरी
उत्तर : (स)
व्याख्या– मिजोरम और गोवा दोनों राज्यों की विधानसभाओं के सदस्यों की संख्या समान (40) निर्धारित है।

1804. किस राज्य की विधानसभा सदस्यों की संख्या 30 निर्धारित है ?
(अ) मिजोरम (ब) गोवा
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) पुदुचेरी
उत्तर : (द)
व्याख्या– पुदुचेरी राज्य की विधानसभा सदस्यों की संख्या 30 निर्धारित है।

1805. विधानसभा सदस्यों की संख्या के आधार पर राज्यों का सही अवरोही क्रम है–
(अ) उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, बिहार, तमिलनाडु एवं मध्य प्रदेश
(ब) उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु एवं मध्य प्रदेश
(स) उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु एवं मध्य प्रदेश
(द) उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, बिहार, मध्य प्रदेश एवं तमिलनाडु
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उत्तर प्रदेश (403), पश्चिम बंगाल (294), महाराष्ट्र (288), बिहार (243), तमिलनाडु (234) एवं मध्य प्रदेश (230)।

26.भारत का महान्यायवादी

1806. भारत सरकार का प्रथम विधि अधिकारी कौन है ?
(अ) संघीय विधि मंत्री
(ब) भारत का महान्यायवादी
(स) विधि सचिव
(द) भारत का मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (ब)
व्याख्या– महान्यायवादी भारत का प्रमुख विधि अधिकारी होता है। यह विधि के उन विषयों पर सुझाव देता है एवं उनके कार्यों को सम्पन्न करता है, जो राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं। संविधान के अनुच्छेद 76 में भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति, योग्यता, पदावधि, वेतन तथा अधिकारों का उल्लेख है। महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

1807. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति, योग्यता, पदावधि, वेतन तथा अधिकारों का उल्लेख है ?
(अ) अनुच्छेद–76 (ब) अनुच्छेद–88
(स) अनुच्छेद–165(1) (द) अनुच्छेद–165(2)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 76 के अनुसार, भारत सरकार को कानूनी मामलों में परामर्श देने के लिए राष्ट्रपति अटॉर्नी जनरल (महान्यायवादी) की नियुक्ति करता है। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त होने की योग्यता रखने वाले किसी व्यक्ति को अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया जाता है। यह भारत सरकार का प्रथम विधि अधिकारी है। यह विधि के उन विषयों पर सुझाव देता है एवं उनके कार्यों को सम्पन्न करता है, जो राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं। संविधान के अनुच्छेद 76 में भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति, योग्यता, पदावधि, वेतन तथा अधिकारों का उल्लेख है। महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त अपना पद धारण करता है।

1808. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत महान्यायवादी संसद के किसी भी सदन में अथवा उनकी समितियों में बोल सकता है, किन्तु उसे मत देने का अधिकार नहीं है ?
(अ) अनुच्छेद–88 (ब) अनुच्छेद–165(1)
(स) अनुच्छेद–165(2) (द) अनुच्छेद–76
उत्तर : (अ) IAS 1998
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–88 के अनुसार भारत का महान्यायवादी न तो संसद का सदस्य होता है और न ही मंत्रिमण्डल का सदस्य होता है, लेकिन वह किसी भी सदन में अथवा उनकी समितियों में बोल सकता है, किन्तु उसे मत दने का अधिकार नहीं है।

1809. संसद के प्रत्येक सदन की कार्यवाही में संसद का सदस्य न होते हुए भी कौन भाग ले सकता है ?
(अ) उपराष्ट्रपति (ब) मुख्य न्यायाधीश
(स) महान्यायवादी (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– धारा 88 के अनुसार महान्यायवादी को संसद की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार है, हालाँकि उनके पास मतदान का अधिकार नहीं होता। महान्यायवादी संसद का सदस्य नहीं होने के बावजूद उसे संसद को संबोधित करने का अधिकार है।

1810. निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
(अ) महान्यायवादी को सहायता देने के लिए एक सॉलिसिटर जनरल तथा दो अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल भी नियुक्त किये जाते है।
(ब) महान्यायवादी बनने के लिए वही अर्हताएँ होनी चाहिए जो उच्चतम न्यायालय के न्यायालय बनने के लिए होती है।
(स) महान्यावादी को भारत के राज्य क्षेत्र के सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार है।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– महान्यायवादी सर्वप्रथम भारत सरकार का विधि अधिकारी होता है। भारत का महान्यावादी न तो संसद का सदस्य होता है और न ही मंत्रिमंडल का सदस्य होता है, लेकिन वह किसी भी सदन में अथवा उनकी समितियों में बोल सकता है, किन्तु उसे मत देने का अधिकार नहीं है। महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है तथा वह उसके प्रसादपर्यंत पद धारण करता है। महान्यायवादी बनने के लिए वही अर्हताएँ होनी चाहिए जो उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश बनने के लिए होती है। महान्यायवादी को भारत के राज्य क्षेत्र के सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार है। महान्यायवादी को सहायता देने के लिए एक सॉलिसिटर जनरल तथा दो अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल भी नियुक्त किये जाते हैं।

1811. भारत के एटॉर्नी जनरल (महान्यायवादी) की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(ब) भारत का प्रधानमंत्री
(स) भारत का राष्ट्रपति
(द) संघ लोक सेवा आयोग
उत्तर : (स) IAS 1986
व्याख्या– महान्यायवादी भारत का प्रमुख विधि अधिकारी होता है। यह विधि के उन विषयों पर सुझाव देता है एवं उनके कार्यों को सम्पन्न करता है जो राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं। संविधान के अनुच्छेद 76 में भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति, योग्यता, पदावधि, वेतन तथा अधिकारों का उल्लेख है। महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

1812. भारत सरकार को कानूनी विषयों पर परामर्श कौन देता है ?
(अ) एटॉर्नी जनरल (महान्यायवादी)
(ब) उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(स) विधि आयोग का अध्यक्ष
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 76 के अनुसार, भारत सरकार को कानूनी मामलों में परामर्श देने के लिए राष्ट्रपति अटॉर्नी जनरल (महान्यायवादी) की नियुक्ति करता है। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त होने की योग्यता रखने वाले किसी व्यक्ति को अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया जाता है। यह भारत सरकार का प्रथम विधि अधिकारी है। यह विधि के उन विषयों पर सुझाव देता है एवं उनक कार्यों को सम्पन्न करता है, जो राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं। संविधान के अनुच्छेद 76 में भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति, योग्यता, पदावधि, वेतन तथा अधिकारों का उल्लेख है। महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है और राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त अपना पद धारण करता है।

1813. भारत सरकार का मुख्य विधि परामर्शदाता है–
(अ) सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया
(ब) उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(स) सचिव, विधि मंत्रालय
(द) एटॉर्नी जनरल ऑफ इंडिया
उत्तर : (द)
व्याख्या– महान्यायवादी (एटॉर्नी जनरल ऑफ इंडिया) भारत का प्रमुख विधि अधिकारी होता है। यह विधि के उन विषयों पर सुझाव देता है एवं उनके कार्यों को सम्पन्न करता है जो राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं। संविधान के अनुच्छेद 76 में भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति, योग्यता, पदावधि, वेतन तथा अधिकारों का उल्लेख है। महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। महान्यायवादी का कर्तव्य कानूनी मामलों में केंद्र सरकार को सलाह देना और कानूनी प्रक्रिया की उन जिम्मेदारियों को निभाना है, जो राष्ट्रपति की ओर से उनके पास भेजे जाते हैं। अपने कर्तव्य के निर्वहन के दौरान उन्हें देश के किसी भी न्यायालय में उपस्थित होने का अधिकार है।

1814. निम्नलिखित में से कौन लोकसभा की कार्यवाहियों में भाग तो ले सकता है, किन्तु मतदान नहीं कर सकता ?
(अ) एटॉर्नी जनरल (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) लोकसभा उपाध्यक्ष (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (अ) IAS 1998

व्याख्या– भारत का महान्यायवादी न तो संसद का सदस्य होता है और न ही मंत्रिमंडल का सदस्य होता है, लेकिन वह किसी भी सदन में अथवा उनकी समितियों में बोल सकता है, किन्तु उसे मत देने का अधिकार नहीं है।

1815. निम्नलिखित में वह व्यक्ति कौन है जो संसद सदस्य नहीं होता है, लेकिन जिसे संसद को संबोधित करने का अधिकार है ?
(अ) भारत का एटॉर्नी जनरल
(ब) भारत का सॉलिसिटर जनरल
(स) भारत के मुख्य न्यायमूर्ति
(द) मुख्य निर्वाचन आयुक्त
उत्तर : (अ)
व्याख्या– धारा 88 के अनुसार महान्यायवादी को संसद की कार्यवाही में भाग लेने का अधिकार है, हालाँकि उनके पास मतदान का अधिकार नहीं होता। महान्यायवादी संसद का सदस्य नहीं होने के बावजूद उसे संसद को संबोधित करने का अधिकार है।

1816. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राष्ट्रपति द्वारा भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति की जाती है ?
(अ) अनुच्छेद 52 (ब) अनुच्छेद 63
(स) अनुच्छेद 76 (द) अनुच्छेद 148
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 76 में भारत के महान्यायवादी के बारे में विस्तार से उल्लेख है– (1) महान्यायवादी भारत सरकार का प्रथम विधि अधिकारी होता है (2) अनुच्छेद 88 के अनुसार भारत का महान्यायवादी न तो संसद का सदस्य होता है और न ही मंत्रिमंडल का सदस्य होता है, लेकिन वह किसी भी सदन में अथवा उनकी समितियों में बोल सकता है, किन्तु उसे मत देने अधिकार नहीं है (3) महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है (4) महान्यायवादी बनने के लिए वही अर्हताएं होनी चाहिए जो उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश बनने के लिए होती है (5) भारत के महान्यायवादी को भारत के राज्य क्षेत्र के सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार है।

1817. निम्नलिखित में से किसे संसद के दोनों सदनों में बोलने, अन्य कार्यवाहियों में सम्मिलित होने तथा किसी भी संसदीय कमेटी का सदस्य होने का अधिकार तो है, परन्तु उसे वोट देने का अधिकार नहीं है ?
(अ) भारत के महालेखा परीक्षक एवं लेखा नियंत्रक
(ब) भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त
(स) भारत के वित्त आयोग के अध्यक्ष
(द) भारत के एटॉर्नी जनरल
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 88 के अनुसार संसद के दोनों सदनों या उनके संयुक्त बैठकों की कार्यवाही में हिस्सा लेने का अधिकार है, परन्तु उसे मत देने का अधिकार नहीं है।

1818. क्या भारत का महान्यायवादी संसद के किसी भी सदन या उनकी समिति की बैठक में अपना वक्तव्य रख सकता है ?
(अ) हाँ
(ब) नहीं
(स) केवल लोक लेखा समिति में
(द) प्राक्कलन समिति में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 88 के अनुसार संसद के दोनों सदनों या उनके संयुक्त बैठकों की कार्यवाही में हिस्सा लेने का अधिकार है, परन्तु उसे मत देने का अधिकार नहीं है।

1819. भारत के महान्यायवादी के संबंध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(अ) वह भारत सरकार का प्रथम विधि अधिकारी होता है
(ब) उसे भारत के समस्त न्यायालयों में सरकार का पक्ष प्रस्तुत करने का अधिकार होता है
(स) वह संसद में अथवा संसद के किसी भी बैठक में भाग ले सकता है
(द) उसे संसद की कार्यवाही में भाग लेते समय मतदान का अधिकार प्राप्त है
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 76 के अनुसार, भारत सरकार को कानूनी मामलों में परामर्श देने के लिए राष्ट्रपति अटॉर्नी जनरल (महान्यायवादी) की नियुक्ति करता है। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त होने की योग्यता रखने वाले किसी व्यक्ति को अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया जा सकता है। यह भारत का प्रथम विधि अधिकारी है और राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपना पद धारण करता है। संविधान के अनुच्छेद 88 के अनुसार संसद के दोनों सदनों या उनके संयुक्त बैठकों की कार्यवाही में हिस्सा लेने का अधिकार है, परन्तु उसे मत देने का अधिकार नहीं है।

1820. निम्नलिखित में से किसको हटाने का अधिकार संसद को नहीं है ?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश
(ब) उच्च न्यायालय के न्यायाधीश
(स) मुख्य निर्वाचन आयुक्त
(द) भारत का महान्यायवादी
उत्तर : (द)
व्याख्या– महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। संविधान, महान्यायवादी को निश्चित पद अवधि प्रदान नही करता, इसलिए वह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त अपना पद धारण करता है। उसे

किसी भी समय राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है। उसे हटाने के लिए संविधान में कोई भी प्रक्रिया का उल्लेख नहीं है।

1821. भारत का महान्यायवादी कब तक पद धारण करता है ?
(अ) दो वर्ष तक
(ब) पांच वर्ष तक
(स) राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत
(द) प्रधानमंत्री के प्रसादपर्यनत
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 76 के अनुसार, भारत सरकार को कानूनी मामलों में परामर्श देने के लिए राष्ट्रपति अटॉर्नी जनरल (महान्यायवादी) की नियुक्ति करता है। उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त होने की योग्यता रखने वाले किसी व्यक्ति को अटॉर्नी जनरल नियुक्त किया जा सकता है। यह भारत का प्रथम विधि अधिकारी है और राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपना पद धारण करता है।

1822. एक गैर सदस्य के रूप में संसद के किसी एक सदन की कार्यवाही में भाग ले सकता है–
(अ) उपराष्ट्रपति (ब) मुख्य न्यायाधीश
(स) महान्यायवादी (द) मुख्य निर्वाचन आयुक्त
उत्तर : (स) RRB 2008
व्याख्या– अनुच्छेद 88 के अनुसार भारत का महान्यायवादी न तो संसद का सदस्य होता है और न ही मंत्रिमंडल का सदस्य होता है, लेकिन वह किसी भी सदन में अथवा उनकी समितियों में बोल सकता है, किन्तु उसे मत देने अधिकार नहीं है।

1823. निम्नलिखित में से किस पदाधिकारी को संसद के सदस्य नहीं होने पर भी उसे संबोधित करने का अधिकार है ?
(अ) भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त
(ब) भारत के मुख्य न्यायमूर्ति
(स) एटॉर्नी जनरल ऑफ इंडिया
(द) सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– अनुच्छेद 88 में उपबंध है कि भारत का महान्यायवादी न तो संसद का सदस्य होता है और न ही मंत्रिमंडल का सदस्य होता है, लेकिन वह किसी भी सदन में अथवा उनकी समितियों में बोल सकता है, किन्तु उसे मत देने अधिकार नहीं है।

1824. निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपना पद धारण करता है ?
(अ) भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(ब) मुख्य निर्वाचन आयुक्त
(स) लोकसभा अध्यक्ष
(द) भारत का महान्यायवादी
उत्तर : (द)
व्याख्या– महान्यायवादी भारत का प्रमुख विधि अधिकारी होता है। यह विधि के उन विषयों पर सुझाव देता है एवं उनके कार्यों को सम्पन्न करता है जो राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं। संविधान के अनुच्छेद 76 में भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति, योग्यता, पदावधि, वेतन तथा अधिकारों का उल्लेख है। महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपना पद धारण करता है।

1825. भारत सरकार का प्रमुख विधि अधिकारी कौन है ?
(अ) भारत के मुख्य न्यायाधीश
(ब) उच्चतम न्यायालय के पंजीयक
(स) भारत के विधि मंत्री
(द) भारत के महान्यायवादी
उत्तर : (द) SSC 2006
व्याख्या– महान्यायवादी भारत का प्रमुख विधि अधिकारी होता है। यह विधि के उन विषयों पर सुझाव देता है एवं उनके कार्यों को सम्पन्न करता है जो राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किये जाते हैं। संविधान के अनुच्छेद 76 में भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति, योग्यता, पदावधि, वेतन तथा अधिकारों का उल्लेख है। महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

1826. सदस्य न होते हुए निम्नलिखित में से कौन संसद के किसी भी सदन की कार्यवाही में हिस्सा ले सकता है, किन्तु मत देने का अधिकार नहीं है ?
(अ) भारत का मुख्य न्यायमूर्ति
(ब) भारत का राष्ट्रपति
(स) नियंत्रक और महालेखा परीक्षक
(द) महान्यायवादी
उत्तर : (द) SSC 2007
व्याख्या– अनुच्छेद 88 के अनुसार भारत का महान्यायवादी न तो संसद का सदस्य होता है और न ही मंत्रिमंडल का सदस्य होता है, लेकिन वह किसी भी सदन में अथवा उनकी समितियों में बोल सकता है, किन्तु उसे मत देने अधिकार नहीं है।

1827. संविधान के किस भाग में महान्यायवादी का उल्लेख किया गया है ?
(अ) भाग 3 (ब) भाग 4
(स) भाग 5 (द) भाग 6
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 5 में भारत के महान्यायवादी का उल्लेख किया गया है।

1828. संविधान के किस अनुच्छेद में महान्यायवादी पद की व्यवस्था है ?
(अ) अनुच्छेद 165 (ब) अनुच्छेद 76
(स) अनुच्छेद 120 (द) अनुच्छेद 72
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 76 में भारत के महान्यायवादी पद की व्यवस्था का प्रावधान किया गया है।

1829. भारत का सॉलिसिटर जनरल होता है–
(अ) एक प्रशासनिक अधिकारी
(ब) एक न्यायिक सलाहकार
(स) प्रधानमंत्री का सलाहकार
(द) राष्ट्रपति को सलाह देने के लिए एक कानूनी अधिकारी
उत्तर : (ब)
व्याख्या–सॉलिसिटर जनरल, अटॉर्नी जनरल (भारत के महान्यायवादी) के अधीन कार्य करता है। सॉलिसिटर जनरल की नियुक्ति 3 वर्ष के लिए की जाती है। सॉलिसिटर जनरल देश का दूसरा सर्वोच्च कानूनी अधिकारी होता है तथा भारत के महान्यायवादी के सहायक के रूप में कार्य करता है। सॉलिसिटर जनरल भी कानूनी मामलों में सरकार को परामर्श देता है।

27.राज्य का महाधिवक्ता

1830. कानूनी विषयों पर राज्य सरकार को कौन परामर्श देता है ?
(अ) महान्यायवादी
(ब) एडवोकेट जनरल
(स) महान्याय अभिकर्ता
(द) उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायधीश
उत्तर : (ब) BPSC 2002
व्याख्या– कानूनी विषयों पर राज्य सरकार को परामर्श देने हेतु एडवोकेट जनरल (महाधिवक्ता) की नियुक्ति की जाती है। संविधान के अनुच्छेद 165 के अनुसार राज्यपाल, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बनने की योग्यता धारण करने वाले किसी व्यक्ति को एडवोकेट जनरल (महाधिवक्ता) नियुक्त करता है। वह राज्यपाल के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है।

1831. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राज्य के महाविधक्ता की व्यवस्था की गई है ?
(अ) अनुच्छेद–76 (ब) अनुच्छेद–88
(स) अनुच्छेद–165 (द) अनुच्छेद–93
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–165 में राज्य के महाधिवक्ता की व्यवस्था की गई है। यह राज्य का सर्वोच्च कानून अधिकार होता है। महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्यपाल के द्वारा की जाती है। राज्यपाल ऐसे व्यक्ति को महाधिवक्ता नियुक्त करता है, जिसमें उच्च न्यायालय के न्यायाधीश बनने की योग्यता हो। वह अपने पद पर राज्यपाल के प्रसाद पर्यंत बना रहता है।

1832. किसी राज्य के महाधिवक्ता के संबंध में कौनसा कथन सत्य है ?
(अ) महाधिवक्ता को अपने कार्य संबंधी कर्तव्यों के तहत राज्य के किसी न्यायालय के समक्ष सुनवाई का अधिकार है।
(ब) उसे विधानमंडल के दोनों सदनों या संबंधित समिति अथवा उस सभा में, जहाँ के लिए यह अधिकृत है, में बिना मताधिकार के बोलने व भाग लेने का अधिकार है।
(स) महाधिवक्ता को वे सभी विशेषाधिकार एवं भत्ते मिलते हैं जो विधानमंडल के किसी सदस्य को मिलते हैं।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–165 में राज्य के महाधिवक्ता की व्यवस्था की गई है। यह राज्य का सर्वोच्च कानून अधिकार होता है। महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्यपाल के द्वारा की जाती है। महाधिवक्ता को अपने कार्य संबंधी कर्तव्यों के तहत राज्य के किसी न्यायालय के समक्ष सुनवाई का

अधिकार है। उसे विधानमंडल के दोनों सदनों या संबंधित समिति अथवा उस सभा में, जहाँ के लिए यह अधिकृत है, में बिना मताधिकार के बोलने व भाग लेने का अधिकार है। महाधिवक्ता को वे सभी विशेषाधिकार एवं भत्ते मिलते हैं जो विधानमंडल के किसी सदस्य को मिलते हैं।

1833. राज्य के महाधिवक्ता कार्य है कि–
(अ) राज्य सरकार को विधि संबंधी ऐसे विषयों पर सलाह दे जो राष्ट्रपति द्वारा सौंपे गये हों।
(ब) विधिक स्वरूप से ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करें जो राज्यपाल द्वारा सौंपे गये हों।
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–165 में राज्य के महाधिवक्ता की व्यवस्था की गई है। राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है। महाधिवक्ता के कार्य हैं–1. राज्य सरकार को विधि संबंधी ऐसे विषयों पर सलाह दे जो राष्ट्रपति द्वारा सौंपे गये हों। 2.विधिक स्वरूप से ऐसे अन्य कर्तव्यों का पालन करें जो राज्यपाल द्वारा सौंपे गये हों।

1834. संविधान के किस अनुच्छेद में महाधिवक्ता का पद दिया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 76 (ब) अनुच्छेद 88
(स) अनुच्छेद 165 (द) अनुच्छेद 148
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 165 में राज्य के महाधिवक्ता के पद का प्रावधान है।

1835. राज्य सरकार को कानूनी विषयों पर कौन परामर्श देता है ?
(अ) उच्चतम न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(ब) विधि आयोग का अध्यक्ष
(स) राज्य का महाधिवक्ता
(द) विधि मंत्री
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य सरकार को कानूनी विषयों पर परामर्श राज्य का महाधिवक्ता देता है।

1836. राज्य का उच्चतम विधि अधिकारी निम्नलिखित में से कौन होता है ?
(अ) एटॉर्नी जनरल
(ब) एडवोकेट जनरल (महाधिवक्ता)
(स) सॉलिसिटर जनरल
(द) विधि विभाग का सेक्रेटरी जनरल
उत्तर : (ब) RRB 2008
व्याख्या– संविधान में अनुच्छेद 165(1) के तहत प्रत्येक राज्य का राज्यपाल, उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए अर्हित किसी व्यक्ति को राज्य का महाधिवक्ता नियुक्त करता है। अनुच्छेद 165(2) के तहत महाधिवक्ता राज्य का उच्चतम विधि अधिकारी होता है। उसका कार्य राज्य सरकार को विधि संबंधी विषयों पर सलाह देना है। अनुच्छेद 165(3) के तहत महाधिवक्ता राज्यपाल के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है।

1837. किसी राज्य का उच्चतम विधि अधिकारी होता है–
(अ) एटॉर्नी जनरल
(ब) एडवोकेट जनरल (महाधिवक्ता)
(स) सॉलिसिटर जनरल
(द) विधि विभाग का महासचिव
उत्तर : (ब) RRB 2004
व्याख्या– संविधान में अनुच्छेद 165(1) के तहत प्रत्येक राज्य का राज्यपाल, उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए अर्हित किसी व्यक्ति को राज्य का महाधिवक्ता नियुक्त करता है। अनुच्छेद 165(2) के तहत महाधिवक्ता राज्य का उच्चतम विधि अधिकारी होता है। उसका कार्य राज्य सरकार को विधि संबंधी विषयों पर सलाह देना है। अनुच्छेद 165(3) के तहत महाधिवक्ता राज्यपाल के प्रसादपर्यंत पद धारण करता है।

1838. निम्नलिखित में से किसे राज्य विधानमंडल के सदनों की कार्यवाहियों में भाग लेने और बोलने का अधिकार है, किन्तु मतदान का अधिकार नहीं है ?
(अ) महाधिवक्ता (ब) मुख्य सचिव
(स) कैबिनेट सचिव (द) निर्वाचन आयुक्त
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 165 के अनुसार राज्यपाल द्वारा महाधिवक्ता की नियुक्ति की जाती है। राज्य का सर्वोच्च विधि अधिकारी महाधिवक्ता होता है। महाधिवक्ता राज्यपाल के प्रसादपर्यंत कार्य करता है। वह राज्य के दोनों सदनों (विधानसभा व विधान परिषद) की कार्यवाही में तथा सदन में बोलने की शक्ति रखता है, लेकिन वह मतदान नहीं कर सकता है। इसे विधानमंडल के सदस्यों को मिलने वाले सभी वेतन व भत्ते एवं विशेषाधिकार प्राप्त है।

1839. राज्य में महाधिवक्ता की नियुक्ति निम्नलिखित में से किसके द्वारा की जाती है ?
(अ) राज्यपाल
(ब) राष्ट्रपति
(स) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(द) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 165 के अनुसार राज्यपाल द्वारा महाधिवक्ता की नियुक्ति की जाती है। राज्य का सर्वोच्च विधि अधिकारी महाधिवक्ता होता है। महाधिवक्ता राज्यपाल के प्रसादपर्यंत कार्य करता है। राज्यपाल उसे कभी भी उसके पद से हटा सकता है। यह एक उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनने की क्षमता रखता है।

1840. राज्य का महाधिवक्ता कितने समय तक अपने पद पर रह सकता है ?
(अ) 5 वर्ष तक
(ब) मुख्यमंत्री की इच्छा पर
(स) राज्यपाल के प्रसादपर्यंत तक
(द) 6 वर्ष तक
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य का महाधिवक्ता राज्यपाल के प्रसादपर्यंत तक अपने पद पर बना रह सकता है।

1841. महाधिवक्ता के संदर्भ में निम्नलिखित में से सत्य कथन है–
(अ) वह राज्य का प्रथम विधि अधिकारी होता है।
(ब) संविधान के अनुच्छेद 177 में इस पद का प्रावधान है।
(स) महाधिवक्ता को राज्य के विधान मण्डल के सदनों को कार्यवाहियों में भाग लेने, बोलने का अधिकार है, परन्तु मत देने का अधिकार नहीं है।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या–महाधिवक्ता राज्य का प्रथम विधि अधिकारी होता है। संविधान के अनुच्छेद 177 में इस पद का प्रावधान है। महाधिवक्ता को राज्य के विधान मण्डल के सदनों को कार्यवाहियों में भाग लेने, बोलने का अधिकार है, परन्तु मत देने का अधिकार नहीं है। महाधिवक्त का प्रमुख कार्य राज्यपाल को कानूनी परामर्श देना है।

1842. राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) मुख्यमंत्री
(ब) राज्य का वित्त मंत्री
(स) राज्य निर्वाचन आयोग
(द) राज्यपाल
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 165 में राज्य के महाधिवक्ता के पद का प्रावधान है। राज्य के महाधिवक्ता की नियुक्ति राज्य सरकार की सलाह पर राज्यपाल करता है।

28.नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG)

1843. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) राष्ट्रपति (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है, किन्तु उसे पद से संसद के दोनों सदनों के समावेदन पर ही हटाया जा सकेगा, जिसका आधार साबित कदाचार या असमर्थता होगा, अर्थात् इसे हटाने की प्रक्रिया उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के समान होगी।

1844. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के संबंध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
(अ) इसकी पदावधि पद ग्रहण करने की तिथि से 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु पूर्ण करने तक होगी।
(ब) वह सेवानिवृत्ति के पश्चात् भारत सरकार के अधीन कोई पद धारण नहीं कर सकता।
(स) वह सार्वजनिक धन का संरक्षक होता है।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पदावधि पद ग्रहण करने की तिथि से 6 वर्ष होगी, लेकिन यदि इससे पूर्व 65 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेता है तो वह अवकाश ग्रहण कर लेगा। वह सेवानिवृत्ति के पश्चात् भारत सरकार के अधीन कोई पद धारण नहीं कर सकता। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक सार्वजनिक धन का संरक्षक होता है।

1845. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक केन्द्र सरकार के लेखाओं से संबंधित प्रतिवेदनों को राष्ट्रपति को देता है, जिसे वह संसद के प्रत्येक सदन के पटल पर रखते हैं। यह प्रावधान किस अनुच्छेद में है ?
(अ) अनुच्छेद–148 (ब) अनुच्छेद– 151(1)
(स) अनुच्छेद–266(1) (द) अनुच्छेद–267
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक सार्वजनिक धन का संरक्षक होता है। भारत तथा प्रत्येक राज्य एवं प्रत्येक संघ राज्य क्षेत्र की संचित निधि से किये गये सभी व्यय विधि के अधीन ही हुए है, यह इस बात की संपरीक्षा करता है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक राष्ट्रपति या राज्यपाल के निवेदन पर किसी अन्य प्राधिकरण के लेखाओं को भी लेखा परीक्षा करता है, जैसे–स्थानीय निकायों की लेखा परीक्षा। नित्रयंक एवं महालेखा परीक्षक किसी राज्य के लेखाओं से संबंधित प्रतिवेदनों को उस राज्य के राज्यपाल को देता है, जिसे वह उस राज्य के विधानमंडल के पटल पर रखते हैं। संविधान के अनुच्छेद–151(1)

के अंतर्गत भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक केन्द्र सरकार के लेखाओं से संबंधित प्रतिवेदनों को राष्ट्रपति को देता है, जिसे वह संसद के प्रत्येक सदन के पटल पर रखते हैं।

1846. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक.....को तीन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है।
(अ) प्रधानमंत्री (ब) प्राक्कलन समिति
(स) राष्ट्रपति (द) लोक लेखा समिति
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक राष्ट्रपति को तीन लेखा परीक्षा प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है– (1) विनियोग लेखाओं पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट (2) वित्त लेखाओं पर लोक परीक्षा रिपोर्ट तथा (3) सरकारी उपक्रमों पर लेखा परीक्षा रिपोर्ट। राष्ट्रपति इन रिपोर्टों को संसद के दोनों सदनों के सभा पटल पर रखता है। इसके उपरांत लोक लेखा समिति इनकी जाँच करती है और निष्कर्षों से संसद को अवगत कराती है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक संसद की लोक लेखा समिति के गाइड, मित्र एवं मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है।

1847. भारत के संपरीक्षा एवं लेखा प्रणालियों का प्रधान कौन होता है ?
(अ) योजना आयोग
(ब) वित्त आयोग
(स) भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(द) भारत का महान्यायवादी
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक, भारतीय संविधान के भाग–5 द्वारा स्थापित एक प्राधिकारी है, जो भारत सरकार तथा सभी प्रादेशिक सरकारों के सभी तरह के लेखों का अंकेक्षण करता है। उसकी रिपोर्ट पर सार्वजनिक लेखा समितियाँ ध्यान देती है। नियंत्रण और महालेखापरीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

1848. केन्द्र सरकार के व्यय को नियंत्रित करने की शक्ति किसमें निहित है ?
(अ) संसद में
(ब) राष्ट्रपति में
(स) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक में
(द) केन्द्रीय वित्त मंत्री में
उत्तर : (स) RRB 2006
व्याख्या– अनुच्छेद 148 भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक से संबंधित है। वह केन्द्र और राज्य स्तर पर पूरे देश की वित्तीय व्यवस्था प्रणाली को नियंत्रित/समीक्षा करता है। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा 6 वर्ष के लिए की जाती है। अपना पद ग्रहण करने से पहले नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक तीसरी अनुसूची में अपने प्रयोजन के लिए निर्धारित प्रपत्र के अनुसार, राष्ट्रपति के समक्ष शपथ या प्रतिज्ञा लेते हैं। इसे जनता के रुपयों का रखवाला भी कहा जाता है।

1849. निम्नलिखित में वह कौनसा अधिकारी है जो भारत सरकार के वित्तीय लेन–दनों हेतु लेखाकरण के लिए जिम्मेदार होता है ?
(अ) वित्त सचिव
(ब) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(स) महोलखा नियंत्रक
(द) अध्यक्ष, वित्त आयोग
उत्तर : (ब)
व्याख्या– नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) जनता की धनराशि का प्रहरी होता है। वह उस खर्च की गई धनराशि की जाँच करता है, जिसे कार्यपालिका एक समान रूप से कानून द्वारा स्थापित और संसद के दिशा–निर्देशों के अनुसार उपलब्ध कराती है। वह केवल संसद के प्रति उत्तरदायी है जो कार्यपालिका के प्रभाव से उसको स्वतंत्र बनाती है।

1850. भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (C.A.G.) किसके लिए मुख्य लेखाकार तथ लेखा परीक्षक के रूप में काम करता है ?
(अ) संघ सरकार के लिए
(ब) राज्य सरकार के लिए
(स) संघ तथा राज्य सरकार के लिए
(द) न संघ सरकार के लिए और न ही राज्य सरकार के लिए
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 149 में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (C.A.G.) की शक्तियों को निर्धारित करने के लिए संसद को शक्तियाँ अथवा अधिकार प्रदान करता है। कैग के कर्तव्यों और कैग की शक्तियों को निर्दिष्ट करने के लिए संसद द्वारा सीएजी अधिनियम 1971 को अधिनियमित किया गया था।

1851. लेखा परीक्षण का मुख्य उद्देश्य किस व्यय पर नियंत्रण करना होता है ?
(अ) कार्यपालिका के (ब) व्यवस्थापिका के
(स) न्यायपालिका के (द) उपर्युक्त सभी के
उत्तर : (अ)
व्याख्या– नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) जनता के पैसे का प्रहरी है। वह उस खर्च की गयी धनराशि की जाँच करता है, जिसे कार्यपालिका एक समान रूप से कानून द्वारा स्थापित और संसद के दिशा–निर्देशों के अनुसार उपलब्ध कराती है। वह केवल संसद के प्रति जवाबदेह है, जो कार्यपालिका के प्रभाव से उसको स्वतंत्र बनाती है। वह निम्नलिखित रिपोर्ट राष्ट्रपति को प्रस्तुत करता है–(1) विनियोग खातों पर ऑडिट रिपोर्ट (2) वितीय खातों का ऑडिट रिपोर्ट (3) सार्वजनिक उपक्रमों पर लेखापरीक्षा रिपोर्ट

1852. भारत के केन्द्रीय स्तर पर लेखांकन तथा लेखा परीक्षण किसके अधिकार क्षेत्र में आता है ?
(अ) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(ब) लोक लेखा समिति
(स) अनुमान समिति
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक एक स्वतंत्र संस्था के रूप में कार्य करते हैं और इस पर सरकार का नियंत्रण नहीं होता है। भारत के नियंत्रण और महालेखापरीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा का भी मुखिया होता है। अनुच्छेद 148 के अनुसार भारत का एक नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक होगा। यह भारत सरकार की रिपोर्ट राष्ट्रपति को और राज्य सरकार की रिपोर्ट राज्य के राज्यपाल को देता है।

1853. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) लोकसभा (ब) प्रधानमंत्री
(स) राष्ट्रपति (द) वित्त मंत्री
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– अनुच्छेद 148 भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक से संबंधित है जो केंद्र और राज्य स्तर पर पूरे देश की वित्तीय व्यवस्था प्रणाली को नियंत्रित/समीक्षा करता है। भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा 6 वर्ष के लिए की जाती है।

1854. निम्नलिखित में से किसके द्वारा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के पद का सृजन किया गया था ?
(अ) संसदीय अधिनियम द्वारा
(ब) संविधान द्वारा
(स) मंत्रिमंडल के संकल्प द्वारा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– अनुच्छेद 148 भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक से संबंधित है। इसकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा 6 वर्ष के लिए की जाती है। उसे उसके पद से केवल उसी रीति से और उन्हीं आधारों पर हटाया जाएगा जिस रीति से और जिन आधारों पर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाना है।

1855. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति संविधान के किस अनुच्छेद के तहत की जाती है ?
(अ) अनुच्छेद 63 (ब) अनुच्छेद 76
(स) अनुच्छेद 148 (द) अनुच्छेद 280
उत्तर : (स)
व्याख्या– अनुच्छेद 148 भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक से संबंधित है। वह केन्द्र और राज्य स्तर पर पूरे देश की वित्तीय व्यवस्था प्रणाली को नियंत्रित/समीक्षा करता है। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा 6 वर्ष के लिए की जाती है। अपना पद ग्रहण करने से पहले नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक तीसरी अनुसूची में अपने प्रयोजन के लिए निर्धारित प्रपत्र के अनुसार, राष्ट्रपति के समक्ष शपथ या प्रतिज्ञा लेते हैं। इसे जनता के रुपयों का रखवाला भी कहा जाता है।

1856. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक सेवानिवृत्त होते हैं–
(अ) नियुक्ति के 6 वर्ष बाद या 65 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर
(ब) नियुक्ति के 6 वर्ष बाद या 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर
(स) नियुक्ति के 5 वर्ष बाद या 62 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर
(द) नियुक्ति के 5 वर्ष बाद या 65 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर
उत्तर : (अ)
व्याख्या– नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो, की अवधि के लिए राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किया जाता है। वह केन्द्र अथवा राज्य सरकार के अनुरोध पर किसी भी सरकारी विभाग की जाँच कर सकता है।

1857. किन आधारों पर दोषसिद्धि करने के बाद संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत से प्रस्ताव पारित कर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को पद से हटाया जा सकता है ?
(अ) कदाचार (ब) अक्षमता
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है, किन्तु उसे पद से संसद के दोनों सदनों के समावेदन पर कचादार या असमर्थता के आधार पर हटाया जा सकेगा। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की पदावधि पद ग्रहण करने की तिथि से 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु प्राप्ति तक होती है।

1858. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को पद से केवल किसके द्वारा हटाया जा सकता है ?
(अ) संघ के मंत्रिमंडल के परामर्श से राष्ट्रपति द्वारा
(ब) उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति द्वारा
(स) भारत की संसद के दोनों सदनों में संबोधन के उपरांत राष्ट्रपति द्वारा
(द) भारत के मुख्य न्यायमूर्ति के परामर्श से राष्ट्रपति द्वारा
उत्तर : (स)

व्याख्या– भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को पद से केवल उसी रीति से और उन्हीं आधारों पर हटाया जाएगा जिस रीति से और जिन आधारों पर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है, अर्थात् संसद के दोनों सदनों के सम्बोधन पर राष्ट्रपति द्वारा महाभियोग प्रक्रिया के तहत हटाया जाता है।

1859. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को पदमुक्त किया जा सकता है–
(अ) उसी प्रकार जिस प्रकार राष्ट्रपति को हटाया जाता है
(ब) उसी प्रकार जिस प्रकार उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जा सकता है
(स) सर्वोच्च न्यायालय के प्रतिवेदन पर राष्ट्रपति द्वारा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक को राष्ट्रपति द्वारा केवल संविधान में दर्ज प्रक्रिया के अनुसार हटाया जा सकता है, जो कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने के तरीके के समान है।

1860. भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक अपना प्रतिवेदन देता है–
(अ) लोकसभाध्यक्ष को (ब) प्रधानमंत्री को
(स) वित्त मंत्री को (द) राष्ट्रपति को
उत्तर : (द)
व्याख्या– नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा का मुखिया होता है। अनुच्छेद 148 के अनुसार भारत का एक नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक होगा। यह भारत सरकार की रिपोर्ट राष्ट्रपति को और राज्य सरकार की रिपोर्ट राज्य के राज्यपाल को देता है।

1861. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) निम्नलिखित में से किस समिति के मित्र, दार्शनिक और निर्देशक के रूप में कार्य करता है ?
(अ) लोक लेखा समिति
(ब) सरकारी उपक्रम समिति
(स) प्राक्कलन समिति
(द) सार्वजनिक उपक्रम समिति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोक लेखा समिति भारतीय संसद की सबसे पुरानी और सबसे महत्वपूर्ण समितियों में से एक है। भारतीय संसद के भी बनने से पहले 1921 में सेन्ट्रल लेजिस्लेटिव असेम्बली में लोक लेखा समितियाँ होती थीं। इसका मुख्य काम सरकारी खर्चों के खातों की जाँच करना है। इसका आधार हमेशा नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट ही होती है। 1967 तक इसका अध्यक्ष सत्तारूढ़ दल से होता था। इसके बाद हमेशा इसका अध्यक्ष विपक्ष से होता है। विपक्षी दलों की राय से लोक सभा अध्यक्ष लोक लेखा समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति करता है।

1862. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर कौन समिति कार्य करती है ?
(अ) लोक लेखा समिति
(ब) प्राक्कलन समिति
(स) सरकारी उपक्रम समिति
(द) विशेषाधिकार समिति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोक लेखा समिति भारतीय संसद के कुछ चुने हुए सदस्यों वाली समिति है, जो भारत सरकार के खर्चों की लेखा परीक्षा करती है। यह समिति संसद द्वारा निर्मित है। यह समिति भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा दिये गये लेखा परीक्षण सम्बन्धी प्रतिवेदनों की जाँच करती है। लोक सभा सचिवालय इस समिति के कार्यालय की भूमिका निभाता है।

1863. क्या भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक पद ग्रहण के पूर्व शपथ लेता है ?
(अ) हाँ (ब) नहीं
(स) स्पष्ट नहीं है (द) कहा नहीं जा सकता
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद 148 भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति, शपथ और सेवा की शर्तों से संबंधित है। भारत का राष्ट्रपति नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाता है।

1864. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा की गई टिप्पणियों पर कार्यवाही करने की अंतिम जिम्मेदारी निम्नलिखित में से किसकी है ?
(अ) उच्चतम न्यायालय
(ब) संसद
(स) भारत के राष्ट्रपति
(द) राष्ट्रीय विकास परिषद्
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 151(1) के तहत नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट राष्ट्रपति द्वारा संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखवायी जाती है। इस रिपोर्ट अथवा टिप्पणी पर उचित कार्यवाही करने की अंतिम जिम्मेदारी संसद की है।

1865. निम्नलिखित में से किसकी नियुक्ति लोकधन के व्यय की निगरानी के लिए संसदीय प्रहरी के रूप में की जाती है ?
(अ) महान्यायवादी
(ब) सॉलिसिटर जनरल
(स) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(द) महाधिवक्ता
उत्तर : (स)

व्याख्या– अनुच्छेद 148 भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक से संबंधित है। वह केन्द्र और राज्य स्तर पर पूरे देश की वित्तीय व्यवस्था प्रणाली को नियंत्रित/समीक्षा करता है। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा 6 वर्ष के लिए की जाती है। अपना पद ग्रहण करने से पहले नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक तीसरी अनुसूची में अपने प्रयोजन के लिए निर्धारित प्रपत्र के अनुसार, राष्ट्रपति के समक्ष शपथ या प्रतिज्ञा लेते हैं। इसे जनता के रुपयों का रखवाला भी कहा जाता है।

1866. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है। अपने पद से उसे हटाया जाता है–
(अ) राष्ट्रपति द्वारा
(ब) संसद के दोनों सदनों के संबोधन पर
(स) सर्वोच्च न्यायालय द्वारा
(द) राष्ट्रपति की संस्तुति पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है, किन्तु उसे पद से संसद के दोनों सदनों के समावेदन पर कचादार या असमर्थता के आधार पर हटाया जा सकेगा। भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को पद से केवल उसी रीति से और उन्हीं आधारों पर हटाया जाएगा जिस रीति से और जिन आधारों पर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है, अर्थात् संसद के दोनों सदनों के सम्बोधन पर राष्ट्रपति द्वारा महाभियोग प्रक्रिया के तहत हटाया जाता है।

1867. निम्नलिखित में से कौन भारत का कन्सोलिडेटेड फण्ड का नियंत्रण/पर्यवेक्षण करता है ?
(अ) भारतीय वित्त मंत्री
(ब) भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(स) संसद
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) RRB 2009
व्याख्या– नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक भारत का कन्सोलिडेटेड फण्ड का नियंत्रण/पर्यवेक्षण करता है। वह भारत की संचित निधि, प्रत्येक राज्य की संचित और प्रत्येक संघ शासित प्रदेश, जहाँ विधानसभा हो, से संबंधित सभी व्यय सम्बन्धी लेखाओं की लेखा परीक्षा करता है।

1868. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) लोकसभा (ब) प्रधानमंत्री
(स) राष्ट्रपति (द) वित्त मंत्री
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।

1869. निम्नलिखित में से किसके द्वारा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के पद का सृजन किया गया था ?
(अ) संसदीय अधिनियम द्वारा
(ब) संविधान द्वारा
(स) मंत्रिमंडल के संकल्प द्वारा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद 148 भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति, शपथ और सेवा की शर्तों से संबंधित है।

1870. भारत के संपरीक्षा एवं लेखा प्रणालियों का प्रधान कौन होता है ?
(अ) योजना आयोग
(ब) वित्त आयोग
(स) भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(द) भारत का महान्यायवादी
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के संपरीक्षा एवं लेखा प्रणालियों का प्रधान भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक होता है।

1871. केन्द्र सरकार के व्यय को नियंत्रित करने की शक्ति किसमें निहित है ?
(अ) संसद में
(ब) राष्ट्रपति में
(स) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक में
(द) केन्द्रीय वित्त मंत्री में
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्र सरकार के व्यय को नियंत्रित करने की शक्ति भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक में है।

1872. निम्नलिखित में से कौनसा अधिकारी है, जो भारत सरकार के वित्तीय लेन–देनों में लेखाकरण के लिए जिम्मेदार होता है ?
(अ) वित्त सचिव
(ब) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(स) महालेखा नियंत्रक
(द) अध्यक्ष, वित्त आयोग
उत्तर : (स) SSC 2002
व्याख्या– भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक भारत सरकार के वित्तीय लेन–देनों में लेखाकरण के लिए जिम्मेदार होता है।

1873. लेखा परीक्षण का मुख्य उद्देश्य किसके व्यय पर नियंत्रण करना होता है ?
(अ) कार्यपालिका के (ब) व्यवस्थापिका के
(स) न्यायपालिका के (द) उपर्युक्त सभी के
उत्तर : (अ)

व्याख्या– भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, संघ एवं राज्य सरकार के लिए मुख्य लेखाकार तथा लेखा परीक्षक के रूप में काम करता है। लेखा परीक्षण का मुख्य उद्देश्य कार्यपालिका के व्यय पर नियंत्रण करना होता है।

1874. भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (C.A.G.) किसके लिए मुख्य लेखाकार तथा लेखा परीक्षक के रूप में काम करता है ?
(अ) संघ सरकार के लिए
(ब) राज्य सरकार के लिए
(स) संघ तथा राज्य सरकार के लिए
(द) न संघ सरकार के लिए और न ही राज्य सरकार के लिए
उत्तर : (स) SSC 2002
व्याख्या– भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (C.A.G.) संघ एवं राज्य सरकार के लिए मुख्य लेखाकार तथा लेखा परीक्षक के रूप में काम करता है।

29.भारत की संचित निधि

1875. भारत की संचित निधि की व्यवस्था संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत की गई है ?
(अ) अनुच्छेद–266(1) (ब) अनुच्छेद–114(3)
(स) अनुच्छेद–267 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत की संचित निधि की व्यवस्था का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद–266(1) में है। भारत सरकार को प्राप्त सभी राजस्व, जैसे–आयकर, निगम आयकर, सीमा शुल्क, उत्पादन शुल्क, ट्रेजरी बिल जारी करके लिया गया ऋण, आंतरिक एवं बाह्य ऋण, दिए गए ऋण की अदायगी से प्राप्त राशि आदि की एक निधि है, जिसे भारत की संचित निधि कहा जाता है।

1876. संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत भारत की संचित निधि से कोई धनराशि संसद द्वारा विनियोग विधेयक पारित कर दिये जाने के पश्चात् ही निकाली या व्यय की जा सकती है, अन्यथा नही ?
(अ) अनुच्छेद–266 (ब) अनुच्छेद–114(3)
(स) अनुच्छेद–267 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–114(3) के अन्तर्गत भारत की संचित निधि से कोई धनराशि संसद द्वारा विनियोग विधेयक पारित कर दिये जाने के पश्चात् ही निकाली या व्यय की जा सकती है, अन्यथा नहीं। अतः विनियोग विधेयक को हर हालत में नए वित्तीय वर्ष के प्रारंभ (1अप्रैल) से पहले पारित करा लेती है, किन्तु कभी–कभी ऐसी परिस्थिति आ जाती है, जब बजट प्रक्रिया एक अप्रैल से पहले सम्पन्न नहीं हो पाती। इसके लिए लेखानुदान पारित कर धन की व्यवस्था की जाती है, अर्थात् लेखानुदान सरकार के व्यय पक्ष से संबंधित होता है जो बजट प्रक्रिया पूरी न होने के चलते व्यय की व्यवस्था करने के लिए पारित किया जाता है। लेखानुदान का प्रावधान स्थायी एवं अस्थायी दोनों प्रकार की सरकारों के द्वारा किया जा सकता है।

1877. चुनावी वर्ष में लोकसभा के विघटन से पहले और नई सरकार के गठन होने तक वित्तीय वर्ष के एक भाग के लिए व्यय की व्यवस्था के लिए प्रावधान किया जाता है–
(अ) लेखानुदान का (ब) सामान्य बजट का
(स) अंतरिम बजट का (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– चुनावी वर्ष में लोकसभा के विघटन से पहले और नई सरकार के गठन होने तक वित्तीय वर्ष के एक भाग के लिए व्यय की व्यवस्था के लिए अंतरिम बजट का प्रावधान किया गया है। लेखानुदान और अंतरिम बजट के बीच अंतर यह है कि लेखानुदान पारित करने का कारण व्यय के

लिए धन की व्यवस्था करना होता है जबकि अंतरिम बजट में व्यय एवं प्राप्तियों दोनों का विवरण होता है। अंतरिम बजट, सामान्य बजट से इस रूप में अलग होता है कि उसे चुनावी वर्ष में नई सरकार के गठन तक की अवधि के लिए किया जाता है। आगे नई सरकार अपने हिसाब से बजट प्रस्तुत करती है।

1878. निम्नलिखित में से भारत की संचित निधि पर भारित व्यय नहीं है ?
(अ) राष्ट्रपति का वेतन, भत्ते एवं अन्य व्यय
(ब) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का वेतन
(स) नियंत्रक व महालेखा परीक्षक का वेतन
(द) प्रधानमंत्री का वेतन व भत्ते
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत की संचित निधि पर भारित व्यय निम्न हैं– (1) राष्ट्रपति का वेतन व भत्ता और अन्य व्यय (2) राज्यसभा के सभापति और उपसभापति तथा लोकसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन एवं भत्ते (3) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का वेतन, भत्ता तथा पेंशन और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का पेंशन (4) भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का वेतन, भत्ता तथा पेंशन (5) ऐसा ऋण–भार, जिनका दायित्व भारत सरकार पर है (6) भारत सरकार पर किसी न्यायालय द्वारा दी गयी डिक्री या पंचाट (7) कोई अन्य व्यय जो संविधान द्वारा या संसद निधि द्वारा इस प्रकार भारित घोषित करे।

1879. भारत के लोक वित्त पर संसदीय नियंत्रण की विधियाँ हैं–
(अ) संसद के सम्मुख वार्षिक वित्तीय विवरण का प्रस्तुत किया जाना।
(ब) विनियोजन विधेयक के पारित होने के बाद ही भारत की संचित निधि से मुद्रा निकाल पाना।
(स) संसद में वित्त विधेयक का प्रस्तुत किया जाना।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के लोक वित्त पर संसदीय नियंत्रण की विधियाँ हैं– (1) संसद के सम्मुख वार्षिक वित्तीय विवरण का प्रस्तुत किया जाना–लोक वित्त पर नियंत्रण रखने के लिए संविधान के अनुच्छेद–112 में प्रावधान किया गया है कि राष्ट्रपति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संदर्भ में संसद के दोनों सदनों के समक्ष वार्षिक वित्तीय विवरण प्रस्तुत करवाएगा। (2) विनियोजन विधेयक के पारित होने के बाद ही भारत की संचित निधि से मुद्रा निकाला जाना–भारत की संचित निधि से राशि तभी निकाली जा सकती है जब इसके लिए विनियोग विधेयक को पारित करा लिया जाए। (3) अनुपूरक अनुदानों तथा लेखानुदान का प्रावधान– अनुपूरक अनुदानों एवं लेखानुदान के माध्यम से भी लोक वित्त पर प्रभावी नियंत्रण रखा जाता है। अनुपूरक अनुदान की माँग को उस समय सरकार के द्वारा लोक सभा में लाया जाता है, जब कभी वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पहले सरकार को यह अनुभव होता है कि पहले स्वीकृत किया गया अनुदान उस प्रयोजन के लिए अपर्याप्त है। इसी प्रकार, जब एक अप्रैल से पूर्व सरकार विनियोग विधेयक पारित नहीं करा पाती तो सरकार लेखानुदान के माध्यम से तब तक के खर्च का प्रबंध करती है, जब तक कि पुनः विनियोग विधेयक न पारित करा लिया जाए। ऐसा सामान्यतः चुनावी वर्ष या लोकसभा के विघटन होने की स्थिति में होता है। (4) संसद ने वित्तीय विधेयक का प्रस्तुत किया जाना–संसद में वित्त विधेयक के द्वारा भी लोक वित्त पर नियंत्रण रखा जाता है। वित्त विधेयक को बजट सत्र में विनियोग विधेयकों के साथ–साथ पारित किया जाता है।

1880. लोक वित्त पर नियंत्रण रखने के लिए संविधान के किस अनुच्छेद में प्रावधान किया गया है कि राष्ट्रपति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संदर्भ में संसद के दोनों सदनों के समक्ष वार्षिक वित्तीय विवरण प्रस्तुत करवाएगा ?
(अ) अनुच्छेद–266(1) (ब) अनुच्छेद–114(3)
(स) अनुच्छेद–112 (द) अनुच्छे–267
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोक वित्त पर नियंत्रण रखने के लिए संविधान के अनुच्छेद–112 में प्रावधान किया गया है कि राष्ट्रपति प्रत्येक वित्तीय वर्ष के संदर्भ में संसद के दोनों सदनों के समक्ष वार्षिक वित्तीय विवरण प्रस्तुत करवाएगा।

1881. निम्नलिखित में से किसका वेतन भारत की संचित निधि से नहीं दिया जाता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) महालेखा परीक्षक (द) मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (ब)
व्याख्या– प्रधानमंत्री को लोकसभा के सामान्य सदस्य के रूप में वेतन मिलता है। भारत की संचित निधि पर भारित व्यय निम्न हैं– (1) राष्ट्रपति का वेतन व भत्ता और अन्य व्यय (2) राज्यसभा के सभापति और उपसभापति तथा लोकसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन एवं भत्ते (3) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का वेतन, भत्ता तथा पेंशन और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का पेंशन (4) भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का वेतन, भत्ता तथा पेंशन (5) ऐसा ऋण–भार, जिनका दायित्व भारत सरकार पर है (6) भारत सरकार पर किसी न्यायालय द्वारा दी गयी डिक्री या पंचाट (7) कोई अन्य व्यय जो संविधान द्वारा या संसद निधि द्वारा इस प्रकार भारित घोषित करे।

1882. भारत की संचित निधि के बारे में किस अनुच्छेद में बताया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 123 (ब) अनुच्छेद 143
(स) अनुच्छेद 266 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या–भारत की संचित निधि के बारे में संविधान के अनुच्छेद 266 में बताया गया है।

1883. भारत सरकार को प्राप्त सभी आय का पैसा जिस निधि में जमा होता है, उसे क्या कहते हैं ?
(अ) आकस्मिक निधि (ब) संचित निधि
(स) लोक लेखा निधि (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत सरकार को प्राप्त सभी आय का पैसा जिस निधि में जमा होता है, उसे संचित निधि कहते हैं।

1884. संचित निधि से धन निकालने के लिए जो विधेयक प्रस्तुत किया जाता है, उसे क्या कहते हैं ?
(अ) साधारण विधेयक
(ब) विनियोग विधेयक
(स) कार्यकारिणी विधेयक
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संचित निधि से धन निकालने के लिए जो विधेयक प्रस्तुत किया जाता है, उसे विनियोग विधेयक कहा जाता है।

1885. संचित निधि पर किस प्रकार के व्यय होते हैं ?
(अ) साधारण व्यय (ब) भारित व्यय
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– संचित निधि का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 266 में किया गया है। संचित निधि पर साधारण व्यय और भारित व्यय होते हैं। साधारण व्यय के लिए संसद में मतदान आवश्यक हैं और भारित व्यय के लिए संसद में मतदान नहीं होता, केवल चर्चा होती है।

30.भारत की आकस्मिकता निधि

1886. भारत की आकस्मिकता निधि की व्यवस्था संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत की गई है ?
(अ) अनुच्छेद–266(1) (ब) अनुच्छेद–114(3)
(स) अनुच्छेद–267 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद 267 संसद और राज्य विधान मंडल को, भारत या राज्य की आकस्मिकता निधि सृजित करने की शक्ति देता है।

1887. भारत की आकस्मिकता निधि, किस अधिनियम के द्वारा गठित की गई है ?
(अ) भारत की आकस्मिकता अधिनियम, 1950 ई.
(ब) भारत की आकस्मिकता अधिनियम, 1947 ई.
(स) भारत की आकस्मिकता अधिनियम, 1961 ई.
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत की आकस्मिकता अधिनियम, 1950 के द्वारा भारत की आकस्मिकता निधि गठित की गई है। यह निधि कार्यपालिका के अधीन है। जब तक विधान मंडल अनुपूरक, अतिरिक्त या अधिक अनुदान द्वारा ऐसे व्यय को प्राधिकृत नहीं करता है, तब तक समय–समय पर अनपेक्षित व्यय करने के प्रयोजन के लिए कार्यपालिका इस निधियों से अग्रिम धन दे सकती।

1888. भारत की आकस्मिकता निधि को संविधान के किस अनुच्छेद में बताया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 266 (ब) अनुच्छेद 267
(स) अनुच्छेद 360 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत की आकस्मिकता निधि का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद 267 में किया गया है।

1889. भारत की आकस्मिकता निधि का निर्माण किसके द्वारा हुआ है ?
(अ) संसद (ब) राष्ट्रपति
(स) संविधान (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत की आकस्मिकता निधि का निर्माण संसद द्वारा हुआ है। वर्ष 1950 में भारत की आकस्मिकता अधिनियम पारित हुआ और इसके द्वारा भारत की आकस्मिकता निधि का निर्माण हुआ।

1890. भारत की लोक लेखा निधि के बारे में किस अनुच्छेद में बताया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 102 (ब) अनुच्छेद 143
(स) अनुच्छेद 266 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत की संचित निधि, आकस्मिकता निधि की तरह ही भारत की लोक लेखा निधि होती

है, जिसके बारे में भारतीय संविधान के अनुच्छेद 266 में बताया गया है।

1891. भारत की आकस्मिकता निधि किसके अधीन कार्य करती है ?
(अ) लोकसभा (ब) न्यायपालिका
(स) कार्यपालिका (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या–भारत की आकस्मिकता निधि कार्यपालिका के अधीन कार्य करती है। भारत की आकस्मिकता निधि का निर्माण संसद द्वारा हुआ है। वर्ष 1950 में भारत की आकस्मिकता अधिनियम पारित हुआ और इसके द्वारा भारत की आकस्मिकता निधि का निर्माण हुआ।

1892. जब तक विधान मंडल अतरिक्त या अधिक अनुदान द्वारा ऐसे व्यय को प्राधिकृत नहीं करता है, तब तक समय–समय पर अनवेक्षित व्यय करने के प्रयोजन के लिए कार्यपालिका किस निधि से अग्रिम धन दे सकती है ?
(अ) संचित निधि (ब) आकस्मिकता निधि
(स) लोक लेखा समिति (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– जब तक विधान मंडल अतिरिक्त या अधिक अनुदान द्वारा ऐसे व्यय को प्राधिकृत नहीं करता है, तब तक समय–समय पर अनवेक्षित व्यय करने के प्रयोजन के लिए कार्यपालिका किस निधि से अग्रिम धन दे सकती है। आकस्मिकता निधि के बारे में संविधान के अनुच्छेद 267 में उल्लेख है। इसका गठन भारत की आकस्मिकता अधिनियम, 1950 के द्वारा हुआ।

1893. भारत की आकस्मिकता निधि में कितनी रकम हो, इसे विनियमित करने का अधिकार किसे है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) विधान मंडल (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत की आकस्मिकता निधि के बारे में संविधान के अनुच्छेद 267 में उल्लेख है। इसका गठन भारत की आकस्मिकता अधिनियम, 1950 के द्वारा हुआ। जब तक विधान मंडल अतिरिक्त या अधिक अनुदान द्वारा ऐसे व्यय को प्राधिकृत नहीं करता है, तब तक समय–समय पर अनवेक्षित व्यय करने के प्रयोजन के लिए कार्यपालिका किस निधि से अग्रिम धन दे सकती है। इस निधि मे कितनी रकम हो, यह विधान मंडल द्वारा विनियमित किया जाएगा।

31.संसद की वित्तीय समितियाँ

1894. प्राक्कलन समिति में कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 15 (ब) 30
(स) 22 (द) 25
उत्तर : (ब)
व्याख्या– प्राक्कलन समिति सबसे बड़ी संसदीय समिति है, जिसमें केवल लोकसभा के ही सदस्य होते हैं, जिनकी संख्या 30 निर्धारित है।

1895. प्राक्कलन समिति के सदस्यों का कार्यकाल कितनी अवधि का होता है ?
(अ) 1 वर्ष (ब) 2 वर्ष
(स) 6 वर्ष (द) 5 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– प्राक्कलन समिति के सदस्यों का चुनाव प्रत्येक वर्ष आनुपातिक प्रतिनिधित्व के अनुसार एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से किया जाता है। इसके सदस्यों का कार्यकाल 1 वर्ष का होता है।

1896. प्राक्कलन समिति का अध्यक्ष किसके द्वारा मनोनीत किया जाता है ?
(अ) कैबिनेट सचिव (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) राष्ट्रपति (द) राज्यसभा का अध्यक्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– प्राक्कलन समिति का अध्यक्ष लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत किया जाता है, किन्तु यदि लोकसभा का उपाध्यक्ष इस समिति में चुना जाता है तो फिर वही समिति का अध्यक्ष भी चुना जाता है।

1897. प्राक्कलन समिति के संबंध में निम्न में से कौनसा कथन असत्य है ?
(अ) प्राक्कलन समिति में राज्यसभा के सदस्यों को शामिल नहीं किया जाता है।
(ब) यह समिति सरकारी खर्च में कैसे कमी लाई जाए, संगठन में कैसे कुशलता लाई जाए तथा प्रशासन में कैसे सुधार किये जाए आदि विषयों पर रिपोर्ट देती है।
(स) प्राक्कलन समिति के प्रतिवेदन पर सदन में बहस होती है।
(द) यह समिति अपना कार्य वर्ष भर करती है और अपना दृष्टिकोण सदन के समक्ष रखती है।
उत्तर : (स)
व्याख्या– प्राक्कलन समिति सरकारी खर्च में कैसे कमी लाई जाए, संगठन में कैसे कुशलता लाई जाए तथा प्रशासन में कैसे सुधार किये जाएं आदि विषयों पर रिपोर्ट देती है। प्राक्कलन समिति के प्रतिवेदन पर सदन में बहस नहीं होती है, परन्तु यह समिति अपना कार्य वर्ष भर करती है और अपना दृष्टिकोण सदन के समक्ष रखती है।

1898. लोक लेखा समिति में कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 15 (ब) 30
(स) 22 (द) 25
उत्तर : (स)
व्याख्या– प्राक्कलन समिति की जुड़वाँ बहन के रूप में ज्ञात इस समिति में 22 सदस्य होते हैं, जिसमें से 15 सदस्य लोकसभा द्वारा तथा 7 सदस्य राज्यसभा द्वारा एक वर्ष के लिए निर्वाचित किये जाते हैं। इसे लघु लोकसभा भी कहते हैं।

1899. लोक लेखा समिति के अध्यक्ष का मनोनयन किसके द्वारा किया जाता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) प्रधानमंत्री (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लोक लेखा समिति के सदस्यों का संसद द्वारा प्रतिवर्ष आनुपातिक प्रतिनिधित्व के आधार पर एकल संक्रमणीय मत प्रणाली की सहायता से चयन किया जाता है। इस समिति के अध्यक्ष का मनोनयन लोकसभा अध्यक्ष के द्वारा किया जाता है तथा लोकसभा सचिवालय इस समिति के कार्यालय की भूमिका निभाता है। 1967 में प्रथम बार श्री मीनू मसानी विरोधी दल के नेता बने, तो उन्हें लोक लेखा समिति का अध्यक्ष भी मनोनीत कर लिया गया और उसी समय से विरोधी दल के सदस्यों में से किसी सदस्य को इस समिति के अध्यक्ष मनोनीत करने की परंपरा की शुरुआत हुई। इस समिति में राज्यसभा के सदस्यों को सह–सदस्य माना जाता है तथा उन्हें मत देने का अधिकार प्राप्त नहीं है।

1900. लोक लेखा समिति अपना प्रतिवदेन देती है–
(अ) लोकसभा में
(ब) राज्यसभा में
(स) प्राक्कलन समिति में
(द) कार्य–मंत्रणा समिति में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोक लेखा समिति अपना प्रतिवेदन लोक सभा में देती है, जिससे कि जो अनियमितताएँ उनके ध्यान में आई हैं, उन पर संसद में बहस हो और उन पर प्रभावी कदम उठाये जा सके।

1901. सरकारी उपक्रमों की समिति में कुल कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 15 (ब) 30
(स) 22 (द) 25
उत्तर : (स)
व्याख्या– सरकारी उपक्रमों की समिति में कुल 22 सदस्य होते हैं, जिनमें से 15 सदस्य लोकसभा एवं 7 सदस्य राज्यसभा द्वारा आनुपातिक प्रतिनिधित्व की एकल संक्रमणीय मत पद्धति द्वारा निर्वाचित किये जाते हैं। कोई भी मंत्री इस समिति का सदस्य नहीं होता है। प्रत्येक वर्ष मई के प्रारंभ में इस समिति का गठन किया जाता है। समिति का अध्यक्ष लोकसभा अध्यक्ष द्वारा नामजद (मनोनीत) किया जाता है।

1902. किस समिति की संस्तुति पर सार्वजनिक उपक्रमों पर नियंत्रण के लिए लोकसभा ने सार्वजनिक उपक्रम समिति की व्यवस्था की ?
(अ) हस्कर समिति
(ब) देवधर समिति
(स) कृष्ण मेनन समिति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– कृष्ण मेनन समिति की संस्तुति पर वर्ष 1963 में सार्वजनिक उपक्रमों पर नियंत्रण के लिए लोकसभा ने सार्वजनिक उपक्रम समिति की व्यवस्था की।

1903. निम्नलिखित में से कौनसा कार्य सरकारी उपक्रमों की समिति से संबंधित है ?
(अ) सरकारी उपक्रमों के प्रतिवेदनों और लेखाओं की तथा उन पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के प्रतिवेदनों की जाँच करना।
(ब) ऐसे विषयों की जाँच करना, जो सदन या अध्यक्ष द्वारा निर्दिष्ट किये जाएँ।
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– समिति के कार्य– 1.सरकारी उपक्रमों के प्रतिवदेनों और लेखाओं की तथा उन पर नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के प्रतिवेदनों की जाँच करना। 2.ऐसे विषयों की जाँच करना, जो सदन या अध्यक्ष द्वारा निर्दिष्ट किये जाएँ।

1904. लोक सभा की कार्य मंत्रणा समिति में अध्यक्ष सहित कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 15 (ब) 30
(स) 22 (द) 25
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोकसभा की कार्य–मंत्रणा समिति में अध्यक्ष सहित 15 सदस्य होते हैं। लोकसभा का अध्यक्ष इसका पदेन अध्यक्ष होता है। राज्यसभा की कार्य–मंत्रणा समिति में इसकी सभा का सभापति इसका पदेन सभापति होता है।

1905. लोक सभा की गैर–सरकारी सदस्यों के विधेयकों तथा संकल्प संबंधी समिति में कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 15 (ब) 30
(स) 22 (द) 25
उत्तर : (अ)
व्याख्या– गैर–सरकारी सदस्यों के विधेयकों तथा संकल्प संबंधी समिति का गठन लोकसभा में किया जाता है। इस समिति में 15 सदस्य होते हैं।

लोकसभा का उपाध्यक्ष इस समिति का अध्यक्ष होता है।

1906. लोक सभा की नियम समिति में लोकसभा अध्यक्ष सहित कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 15 (ब) 30
(स) 22 (द) 25
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोकसभा की नियम समिति में लोकसभा अध्यक्ष सहित 15 सदस्य होते हैं, जबकि राज्यसभा की नियम समिति में सभापति एवं उपसभापति सहित 16 सदस्य होते हैं। लोकसभा अध्यक्ष एवं राज्यसभा के सभापति अपने–अपने सदन की समितियों के पदेन अध्यक्ष होते हैं।

1907. अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समिति में कितने सदस्य होते है ?
(अ) 15 (ब) 30
(स) 22 (द) 25
उत्तर : (ब)
व्याख्या– अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी समिति में कुल 30 सदस्य होते हैं इसमें 20 सदस्य लोकसभा तथा 10 सदस्य राज्यसभा के शामिल होते हैं।

1908. संचालन समिति में कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 15 (ब) 30
(स) 22 (द) 9
उत्तर : (द)
व्याख्या– संचालन समिति में 9 सदस्य होते हैं, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष द्वारा मनोनीत 6 सदस्य तथा राज्यसभा के सभापति द्वारा मनोनीत 3 सदस्य शामिल किये जाते हैं। इस समिति का गठन प्रत्येक वर्ष किया जाता है।

1909. निम्नलिखित में से कौनसा कार्य लोक लेखा समिति का नहीं है ?
(अ) यह समिति भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक द्वारा दिया गया लेखा–परीक्षण संबंधी प्रतिवेदनों की जाँच करती है।
(ब) भारत सरकार के व्यय के लिए सदन द्वारा प्रदान की गयी राशियों का विनियोग दर्शाने वाली लेखाओं की जाँच करना।
(स) संसद द्वारा प्रदान की गई धनराशि के अलावा धनराशि व्यय की गई हो, तो उन परिस्थितियों की जाँच करना, जिसके कारण अतिरिक्त व्यय करना पड़ा।
(द) यह समिति प्रधानमंत्री के वित्तीय मामलों के संचालन में अप–व्यय, भ्रष्टाचार, अकुशलता में कमी के किसी प्रमाण को खोज सकती है।
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोक लेखा समिति के मुख्य कार्य हैं– (1) समिति भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक द्वारा दिया गया लेखा–परीक्षण सम्बन्धी प्रतिवेदनों की जाँच करती है। (2) भारत सरकार के व्यय के लिए सदन द्वारा प्रदान की गयी राशियों का विनियोग दर्शाने वाली लेखाओं की जाँच करना। (3) संसद द्वारा प्रदान की गई धनराशि के अतिरिक्त धनराशि को व्यय किया गया हो, तो समिति उन परिस्थितियों की जाँच करती है, जिसके कारण अतिरिक्त व्यय करना पड़ा। (4) समिति राष्ट्रपति के वित्तीय मामलों के संचालन में अप–व्यय, भ्रष्टाचार, अकुशलता में कमी के किसी प्रमाण को खोज सकती है।

1910. भारत में संसदीय समिति प्रणाली की शुरूआत निम्नलिखित में से किसकी सिफारिश पर की गई ?
(अ) हस्कर समिति
(ब) देवधर समिति
(स) संसद की नियम समिति
(द) संसद की अधीनस्थ विधान संबंधी समिति
उत्तर : (स)
व्याख्या– संसद की नियम समिति सदन में कार्यविधि और कार्यवाही के संचालन से संबंधित मामलों पर विचार करती है और नियमों में संशोधन या संयोजन की सिफारिश करती है। लोकसभा समिति में स्पीकर जो समिति के पदेन अध्यक्ष होते हैं, सहित 15 सदस्य होते हैं। राज्यसभा समिति में राज्यसभा के अध्यक्ष समिति के पदेन अध्यक्ष होते हैं और इसके सदस्यों की कुल संख्या 16 होती है।

1911. भारत में नई संसदीय समिति प्रणाली की शुरूआत कब हुई ?
(अ) 1984 में (ब) 1987 में
(स) 1991 में (द) 1994 में
उत्तर : (स)
व्याख्या– संसदीय लोकतंत्र में ससंद के मुख्यतः दो कार्य होते हैं–पहला कानून बनान और दूसरा सरकार की कार्यात्मक शाखा का निरीक्षण करना। संसद के इन्हीं कार्यों को प्रभावी ढंग से सम्पन्न करने के लिये संसदीय समितियों को एक माध्यम के तौर पर प्रयोग किया जाता है।

1912. संसदीय समिति प्रणाली के तहत 12 अप्रैल, 1993 से कितनी समितियों ने कार्य करना शुरू किया ?
(अ) 11 (ब) 17
(स) 22 (द) 26
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संसदीय प्रणाली के तहत 12 अप्रैल, 1993 को 17 समितियों का गठन किया गया। जुलाई 2004 में नियमों में संशोधन किया गया ताकि ऐसी ही सात और समितियाँ गठित की जा सके। इस प्रकार इन समितियों की संख्या 24 हो गई है।

1913. संसद की कितने प्रकार की समितियाँ होती है ?
(अ) स्थायी समिति (ब) तदर्थ समिति
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– सामान्यतः संसदीय समितियाँ दो प्रकार की होती हैं–स्थायी और तदर्थ समितियाँ। स्थायी समितियाँ प्रतिवर्ष समय–समय पर निर्वाचित या नियुक्त की जाती है और इनका कार्य निरंतर चलता रहता है। तदर्थ समितियों की नियुक्ति जरूरत पड़ने पर की जाती है तथा अपना काम पूरा करने लेने और अपनी रिपोर्ट पेश कर देने के बाद वे समाप्त हो जाती है।

1914. निम्नलिखित में से कौन स्थायी समिति है ?
(अ) प्राक्कलन समिति
(ब) लोक लेखा समिति
(स) सरकारी उपक्रम समिति
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा की स्थायी समितियों में तीन वित्तीय समितियों–लोक लेखा समिति, प्राक्कलन समिति तथा सरकारी उपक्रम समिति का विशिष्ट स्थान है और ये सरकारी खर्च और निष्पादन पर लगातार नजर रखती है। लोक लेखा समिति तथा सरकारी उपक्रम समिति में राज्य सभा के सदस्य भी होते हैं, लेकिन प्राक्कलन समिति के सभी सदस्य लोकसभा से होती है।

1915. निम्नलिखित में से कौन तदर्थ समिति है ?
(अ) याचिका समिति (ब) विशेषाधिकार समिति
(स) आवास समिति (द) प्रवर समिति
उत्तर : (द)
व्याख्या– तदर्थ समितियाँ किसी विशिष्ट प्रयोजन के लिए नियुक्त की जाती है और जब वे अपना काम समाप्त कर लेती है तथा अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत कर देती है, तब उनका अस्तित्व समाप्त हो जाता है। प्रमुख तदर्थ समितियाँ विधेयकों संबंधी प्रवर तथा संयुक्त समितियाँ हैं। प्रवर समिति, किसी विषय की छानबीन करने और विचार–विमर्श के बाद निश्चित मत प्रकट करने के लिए बनाई जाने वाली वह समिति है जिसमें उस विषय के चुने हुए विशेषज्ञ रखे जाते हैं।

1916. किस समिति को स्थायी मितव्ययिता समिति भी कहा जाता है ?
(अ) प्राक्कलन समिति (ब) लोक लेखा समिति
(स) नियम समिति (द) संयुक्त प्रवर समिति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– प्राक्कलन समिति को स्थायी मितव्ययिता समिति भी कहा जाता है। प्राक्कलन समिति संसद के माध्यम से सरकार द्वारा प्राप्त किए गए धन के व्ययों के अनुमान की जाँच पड़ताल करती है। यह स्थायी मितव्ययिता समिति के रूप में कार्य करती है और इसके आलोचना अथवा सुझाव सरकारी फिजूलखर्ची पर रोक लगाने का काम करते हैं।

1917. प्राक्कलन समिति में कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 15 (ब) 22
(स) 30 (द) 45
उत्तर : (स)
व्याख्या– प्राक्कलन समिति में केवल लोकसभा के 30 सदस्य होते हैं। इसमें राज्यसभा से कोई सदस्य नहीं रखा जाता है। इसके अध्यक्ष का चुनाव लोकसभा अध्यक्ष इन सदस्यों में से करते है, जो सत्तारूढ़ दल का होता है। इसका कार्यकाल एक वर्ष का होता है। मंत्री इस समिति के सदस्य नहीं होते हैं। समिति का अध्यक्ष लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत होता है।

1918. 30 सदस्यीय प्राक्कलन समिति संसद के किस सदन की समिति है ?
(अ) लोकसभा की
(ब) राज्य सभा की
(स) लोकसभा एवं राज्यसभा की
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– प्राक्कलन समिति में केवल लोकसभा के 30 सदस्य होते हैं। इसमें राज्यसभा से कोई सदस्य नहीं रखा जाता है। इसके अध्यक्ष का चुनाव लोकसभा अध्यक्ष इन सदस्यों में से करते है, जो सत्तारूढ़ दल का होता है। इसका कार्यकाल एक वर्ष का होता है। मंत्री इस समिति के सदस्य नहीं होते हैं। समिति का अध्यक्ष लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत होता है।

1919. निम्न में से कौनसी एक सबसे बड़ी संसदीय समिति है ?
(अ) लोकलेखा समिति
(ब) प्राक्कलन समिति
(स) सरकारी उपक्रम समिति
(द) याचिका समिति
उत्तर : (ब) UPPCS 2013
व्याख्या– प्राक्कलन समिति सबसे बड़ी संसदीय समिति है। प्राक्कलन समिति में केवल लोकसभा के 30 सदस्य होते हैं। इसमें राज्यसभा से कोई सदस्य नहीं रखा जाता है। इसके अध्यक्ष का चुनाव लोकसभा अध्यक्ष इन सदस्यों में से करते है, जो सत्तारूढ़ दल का होता है। इसका कार्यकाल एक वर्ष का होता है। मंत्री इस समिति के सदस्य नहीं होते हैं। समिति का अध्यक्ष लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत होता है। प्राक्कलन समिति को स्थायी मितव्ययिता समिति भी कहा जाता है। प्राक्कलन समिति संसद के माध्यम से सरकार द्वारा प्राप्त किए गए धन के व्ययों के अनुमान की जाँच पड़ताल करती है। यह स्थायी मितव्ययिता समिति के रूप में कार्य करती है और इसके आलोचना या

सुझाव सरकारी फिजूलखर्ची पर रोक लगाने का काम करते हैं।

1920. प्राक्कलन समिति के सदस्य–
(अ) संसद के दोनों सदनों से चुने जाते हैं
(ब) लोकसभा के सदस्यों में से ही चुने जाते हैं
(स) राज्यसभा के सदस्यों में से ही चुने जाते हैं
(द) राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किये जाते हैं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– प्राक्कलन समिति सबसे बड़ी संसदीय समिति है। प्राक्कलन समिति में केवल लोकसभा के 30 सदस्य होते हैं। इसमें राज्यसभा से कोई सदस्य नहीं रखा जाता है। इसके अध्यक्ष का चुनाव लोकसभा अध्यक्ष इन सदस्यों में से करते है, जो सत्तारूढ़ दल का होता है। इसका कार्यकाल एक वर्ष का होता है। मंत्री इस समिति के सदस्य नहीं होते हैं। समिति का अध्यक्ष लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत होता है।

1921. प्राक्कलन समिति का क्या अर्थ है ?
(अ) अर्थव्यवस्था में संगठनात्मक एवं प्रशासनिक सुधारों के तरीकों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत करना
(ब) देश की आर्थिक स्थिति पर संसद में आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत करना
(स) संसद में प्राक्कलनों के प्रस्तुत करने के प्रारूप के विषय पर सिफारिश करना
(द) (ब) और (स) दोनों
उत्तर : (द)
व्याख्या– प्राक्कलन समिति को स्थायी मितव्ययिता समिति भी कहा जाता है। प्राक्कलन समिति संसद के माध्यम से सरकार द्वारा प्राप्त किए गए धन के व्ययों के अनुमान की जाँच पड़ताल करती है। यह स्थायी मितव्ययिता समिति के रूप में कार्य करती है और इसके आलोचना या सुझाव सरकारी फिजूलखर्ची पर रोक लगाने का काम करते हैं।

1922. निम्नलिखित में से वह समिति कौनसी है जिसमें राज्यसभा का कोई सदस्य नहीं होता है ?
(अ) प्राक्कलन समिति
(ब) लोक लेखा समिति
(स) सार्वजनिक शिकायत समिति
(द) सार्वजनिक उपक्रम समिति
उत्तर : (अ) SSC 2011
व्याख्या– प्राक्कलन समिति सबसे बड़ी संसदीय समिति है। प्राक्कलन समिति में केवल लोकसभा के 30 सदस्य होते हैं। इसमें राज्यसभा से कोई सदस्य नहीं रखा जाता है। इसके अध्यक्ष का चुनाव लोकसभा अध्यक्ष इन सदस्यों में से करते है, जो सत्तारूढ़ दल का होता है। इसका कार्यकाल एक वर्ष का होता है। मंत्री इस समिति के सदस्य नहीं होते हैं। समिति का अध्यक्ष लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत होता है।

1923. निम्नलिखित में से संसद की वह स्थायी समिति कौनसी है, जिसमें राज्यसभा के सदस्य शामिल नहीं होते हैं ?
(अ) लोक लेखा समिति
(ब) प्राक्कलन समिति
(स) सरकारी उपक्रम समिति
(द) सरकारी बीमा समिति
उत्तर : (ब) SSC 2002, 2011
व्याख्या– प्राक्कलन समिति सबसे बड़ी संसदीय समिति है। प्राक्कलन समिति में केवल लोकसभा के 30 सदस्य होते हैं। इसमें राज्यसभा से कोई सदस्य नहीं रखा जाता है। इसके अध्यक्ष का चुनाव लोकसभा अध्यक्ष इन सदस्यों में से करते है, जो सत्तारूढ़ दल का होता है। इसका कार्यकाल एक वर्ष का होता है। मंत्री इस समिति के सदस्य नहीं होते हैं। समिति का अध्यक्ष लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत होता है।

1924. लोक लेखा समिति में कुल कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 20 (ब) 22
(स) 28 (द) 30
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लोक लेखा समिति में लोकसभा द्वारा निर्वाचित 15 सदस्य होते हैं और राज्य सभा के 7 सदस्य होते हैं। दोनों सदनों में सदस्यों का निर्वाचन एकल हस्तांतरणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत पर होता है। समिति का कार्यकाल एक वर्ष का होता है। समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति लोकसभा के स्पीकर करते हैं। अध्यक्ष समिति के सदस्यों में से ही एक होता है।

1925. लोक लेखा समिति में–
(अ) लोकसभा के सदस्यों को ही लिया जाता है
(ब) राज्यसभा के सदस्यों को ही लिया जाता है
(स) 15 सदस्य लोकसभा से तथा 7 सदस्य राज्यसभा से लिए जाते हैं
(द) 7 सदस्य लोकसभा से तथा 15 सदस्य राज्यसभा से लिए जाते हैं
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोक लेखा समिति में लोकसभा द्वारा निर्वाचित 15 सदस्य होते हैं और राज्य सभा के 7 सदस्य होते हैं। दोनों सदनों में सदस्यों का निर्वाचन एकल हस्तांतरणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत पर होता है। समिति का कार्यकाल एक वर्ष का होता है। समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति लोकसभा के स्पीकर करते हैं। अध्यक्ष समिति के सदस्यों में से ही एक होता है।

1926. लोक लेखा समिति में लोकसभा एवं राज्यसभा के क्रमशः कितने–कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 20, 15 (ब) 15, 10
(स) 15, 7 (द) 20, 10
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोक लेखा समिति में लोकसभा द्वारा निर्वाचित 15 सदस्य होते हैं और राज्य सभा के 7 सदस्य होते हैं। दोनों सदनों में सदस्यों का निर्वाचन एकल हस्तांतरणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत पर होता है। समिति का कार्यकाल एक वर्ष का होता है। समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति लोकसभा के स्पीकर करते हैं। अध्यक्ष समिति के सदस्यों में से ही एक होता है।

1927. सार्वजनिक लोक लेखा समिति में राज्यसभा के कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 7 (ब) 10
(स) 15 (द) 22
उत्तर : (अ)
व्याख्या– सार्वजनिक लोक लेखा समिति में राज्यसभा के 7 और लोकसभा के 15 सदस्य होते हैं। दोनों सदनों में सदस्यों का निर्वाचन एकल हस्तांतरणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत पर होता है। समिति का कार्यकाल एक वर्ष का होता है। समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति लोकसभा के स्पीकर करते हैं। अध्यक्ष समिति के सदस्यों में से ही एक होता है।

1928. भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर कौन समिति कार्य करती है ?
(अ) प्राक्कलन समिति
(ब) लोक लेखा समिति
(स) विशेषाधिकार समिति
(द) सरकारी उपक्रम समिति
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लोक लेखा समिति भारतीय संसद के कुछ चुने हुए सदस्यों वाली समिति है, जो भारत सरकार के खर्चों की लेखा परीक्षा करती है। इस समिति में 15 सदस्य लोकसभा के निर्वाचित होते हैं तथा 7 सदस्य राज्यसभा के होते हैं। इस प्रकार यह समिति संसद द्वारा निर्मित है। यह समिति भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा दिये गये लेखा परीक्षण सम्बन्धी प्रतिवेदनों की जाँच करती है। लोक सभा सचिवालय इस समिति के कार्यालय की भूमिका निभाता है।

1929. लोकसभा अध्यक्ष किस समिति का पदेन अध्यक्ष होता है ?
(अ) प्राक्कलन समिति (ब) लोक लेखा समिति
(स) नियम समिति (द) विशेषाधिकार समिति
उत्तर : (स)
व्याख्या– संसद की नियम समिति सदन में कार्यविधि और कार्यवाही के संचालन से संबंधित मामलों पर विचार करती है और नियमों में संशोधन या संयोजन की सिफारिश करती है। लोकसभा समिति में स्पीकर, जो समिति के पदेन अध्यक्ष होते हैं, समेत 15 सदस्य होते हैं। राज्यसभा समिति में राज्यसभा के अध्यक्ष समिति के पदेन अध्यक्ष होते हैं और इसके सदस्यों की कुल संख्या 16 होती है।

1930. परम्परा के अनुसार निम्न में से किस समिति के अध्यक्ष पद पर विरोधी दल के संसद सदस्य को नियुक्त किया जाता है ?
(अ) लोक लेखा समिति
(ब) प्राक्कलन समिति
(स) सरकारी उपक्रम समिति
(द) याचिका समिति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोक लेखा समिति में लोकसभा द्वारा निर्वाचित 15 सदस्य होते हैं और राज्य सभा के 7 सदस्य होते हैं। दोनों सदनों में सदस्यों का निर्वाचन एकल हस्तांतरणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व के सिद्धांत पर होता है। समिति का कार्यकाल एक वर्ष का होता है। लोक लेखा समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति लोक सभा के अध्यक्ष के द्वारा की जाती है। परम्परा के अनुसार लोक लेखा समिति के अध्यक्ष पद पर विरोधी दल के संसद सदस्य को नियुक्त किया जाता है।

1931. निम्नलिखित में से कौन विषयगत समिति है ?
(अ) कृषि समिति
(ब) पर्यावरण एवं वन समिति
(स) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समिति
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– कृषि समिति, पर्यावरण एवं वन समिति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समिति आदि विषयगत समितियाँ हैं।

1932. निम्नलिखित में वह प्राधिकारी कौनसा है, जो भारत की समेकित निधि से राज्यों के राजस्व सहायता अनुदान पर लागू होने वाले सिद्धांतों की सिफारिश करता है ?
(अ) लोक लेखा समिति
(ब) केन्द्रीय वित्त मंत्रालय
(स) वित्त आयोग
(द) अन्तर्राज्यीय परिषद्
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोक लेखा समिति भारत की समेकित निधि से राज्यों के राजस्व सहायता अनुदान पर लागू होने वाले सिद्धांतों की सिफारिश करता है। लोक लेखा समिति में लोकसभा द्वारा निर्वाचित 15 सदस्य होते हैं और राज्य सभा के 7 सदस्य होते हैं। समिति का कार्यकाल एक वर्ष का होता है।

लोक लेखा समिति के अध्यक्ष की नियुक्ति लोक सभा के अध्यक्ष के द्वारा की जाती है। परम्परा के अनुसार लोक लेखा समिति के अध्यक्ष पद पर विरोधी दल के संसद सदस्य को नियुक्त किया जाता है।

1933. विधेयकों पर प्रवर समितियों में सदस्यों की अधिकतम संख्या कितनी तक हो सकती है ?
(अ) 15 (ब) 20
(स) 30 (द) कोई निश्चित नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– प्रवर समिति का गठन लोकसभा तथा राज्यसभा के लिए अलग–अलग तथा एक साथ भी किया जा सकता है। अलग होने की स्थिति में सदस्य संख्या 30 तथा संयुक्त होने की स्थिति में सदस्य संख्या 45 होती है।

1934. अनुसूचित जाति और जनजातियों की कल्याण सम्बन्धी समिति में लोकसभा एवं राज्यसभा के क्रमशः कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 15, 7 (ब) 20, 10
(स) 15, 10 (द) 30, 15
उत्तर : (ब)
व्याख्या– अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति में कुल 30 सदस्य होते हैं जिनमें लोकसभा से 20 और राज्यसभा से 10 सदस्य शामिल होते हैं। समिति का मुख्य कार्य सरकार और केन्द्र शासित प्रदेशों के कार्यक्षेत्र में आने वाली अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के कल्याण संबंधी सभी मामलों पर विचार करना हैं।

1935. संसद की कौनसी समिति नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की रिपोर्टों (प्रतिवेदनों) की समीक्षा करती है ?
(अ) सार्वजनिक संस्थान समिति
(ब) प्राक्कलन समिति
(स) सामान्य उद्देश्य समिति
(द) लोक लेखा समिति
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट की संवीक्षा लोक लेखा समिति द्वारा की जाती है। लोक लेखा समिति में लोकसभा द्वारा निर्वाचित 15 सदस्य होते हैं और राज्य सभा के 7 सदस्य होते हैं।

1936. किस संसदीय समिति को प्राक्कलन समिति की जुड़वाँ बहन कहा जाता है ?
(अ) सरकारी उपक्रम समिति
(ब) नियम समिति
(स) याचिका समिति
(द) लोक लेखा समिति
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोक लेखा समिति को प्राक्कलन समिति की जुड़वाँ बहन कहा जाता है। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट की संवीक्षा लोक लेखा समिति द्वारा की जाती है। यह समिति जाँच करने वाले विषयों का चयन संघ के लेखाओं से संबंधित भारत के नियत्रंक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट के आधार पर करती है, जिन्हें संसद के प्रत्येक सदन में रखा जाता है। नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक भी समिति की बैठकों में भाग लेकर उसकी सहायता करता है।

1937. निम्नलिखित में से किस समिति में लोकसभा के 15 एवं राज्यसभा के 7 सदस्य होते हैं ?
(अ) सरकारी उपक्रम समिति
(ब) लोक लेखा समिति
(स) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समिति
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– सरकारी उपक्रम समिति, लोक लेखा समिति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समिति में लोकसभा के 15 एवं राज्यसभा के 7 सदस्य होते हैं।

1938. संयुक्त संसदीय समिति में लोकसभा तथा राज्यसभा के सदस्यों की संख्या क्रमशः होती है–
(अ) 30, 15 (ब) 25, 20
(स) 35, 10 (द) 20, 25
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संयुक्त संसदीय समिति में सदस्यों की संख्या 45 होती है जिनमें लोकसभा के 30 तथा राज्यसभा के 15 सदस्य होते हैं।

1939. संयुक्त संसदीय समिति में कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 15 (ब) 22
(स) 30 (द) 45
उत्तर : (द)
व्याख्या– संयुक्त संसदीय समिति में सदस्यों की संख्या 45 होती है जिनमें लोकसभा के 30 तथा राज्यसभा के 15 सदस्य होते हैं।

1940. संसदीय समितियों के गठन का उद्देश्य है–
(अ) विधि निर्माण की प्रक्रिया तेज करना
(ब) तकनीकी और उलझे हुए विधेयकों पर विशेष रूप से विचार करना
(स) संसद के सदनों द्वारा विचार करने के पूर्व विधेयक का परीक्षण करना
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संसदीय समिति से तात्पर्य उस समिति से है, जो सभा द्वारा नियुक्त या निर्वाचित की जाती है अथवा अध्यक्ष द्वारा नाम–निर्देशित की जाती है और अध्यक्ष के निर्देशानुसार कार्य करती हैं तथा अपना प्रतिवेदन सभा को या अध्यक्ष को प्रस्तुत करती है।

1941. संयुक्त प्रवर समिति में कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 22 (ब) 30
(स) 45 (द) 60
उत्तर : (स)

व्याख्या–प्रवर समिति का गठन लोकसभा तथा राज्यसभा के लिए अलग–अलग तथा एक साथ भी किया जा सकता है। अलग होने की स्थिति में सदस्य संख्या 30 तथा संयुक्त होने की स्थिति में सदस्य संख्या 45 होती है। इस प्रकार संयुक्त प्रवर समिति के कुल 45 सदस्य होते हैं।

1942. संयुक्त प्रवर समिति में लोकसभा एवं राज्यसभा के सदस्यों की संख्या क्रमशः कितनी होती है ?
(अ) 30, 15 (ब) 15, 30
(स) 25, 20 (द) 20, 25
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संयुक्त प्रवर समिति में सदस्य संख्या 45 होती है, जिनमें लोकसभा के 30 तथा राज्यसभा के 15 सदस्य होते हैं। इस समिति का मुख्य उद्देश्य विधेयकों पर गहन विचार–विमर्श करना होता है।

1943. निम्न में से कौन समिति विभिन्न विषयों पर चर्चा के लिए समय का निर्धारण करती है ?
(अ) प्रवर समिति
(ब) लोक लेखा समिति
(स) प्राक्कलन समिति
(द) कार्य सलाहकार समिति
उत्तर : (द)
व्याख्या– विभिन्न विषयों पर चर्चा के लिए समय का निर्धारण कार्य सलाहकार समिति करती है।

1944. लोक लेखा समिति अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करती है–
(अ) नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को
(ब) लोक सभा के अध्यक्ष को
(स) संसदीय मामलों के मंत्री को
(द) भारत के राष्ट्रपति को
उत्तर : (ब) BPSC 2011
व्याख्या– लोक लेखा समिति अपनी रिपोर्ट लोक सभा अध्यक्ष को प्रस्तुत करती है। अध्यक्ष उसे संसद के पटल पर चर्चा के लिए रखता है।

1945. लोक लेखा समिति अपनी रिपोर्ट किसे सौंपती है ?
(अ) राज्यभा के सभापति को
(ब) लोकसभा अध्यक्ष को
(स) केन्द्रीय वित्त मंत्री को
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लोक लेखा समिति अपनी रिपोर्ट लोक सभा अध्यक्ष को प्रस्तुत करती है। अध्यक्ष उसे संसद के पटल पर चर्चा के लिए रखता है।

1946. प्राक्कलन समिति के सदस्य–
(अ) केवल लोकसभा से चुने जाते हैं
(ब) केवल राज्यसभा से चुने जाते हैं
(स) लोकसभा और राज्यसभा दोनों से चुने जाते हैं
(द) लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा नामित किये जाते हैं
उत्तर : (अ) SSC 2007
व्याख्या– प्राक्कलन समिति में केवल लोकसभा के 30 सदस्य होते हैं। इसमें राज्यसभा से कोई सदस्य नहीं रखा जाता है। इसके अध्यक्ष का चुनाव लोकसभा अध्यक्ष इन सदस्यों में से करते है, जो सत्तारूढ़ दल का होता है। इसका कार्यकाल एक वर्ष का होता है। मंत्री इस समिति के सदस्य नहीं होते हैं। समिति का अध्यक्ष लोकसभा के अध्यक्ष द्वारा मनोनीत होता है।

1947. निम्न में से कौनसा सार्वजनिक व्यय पर संसदीय नियंत्रण का अंग नहीं है ?
(अ) लोक लेखा समिति
(ब) भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(स) प्राक्कलन समिति
(द) सार्वजनिक उपक्रम समिति
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक भारत की संचित निधि, प्रत्येक राज्य की संचित और प्रत्येक संघ शासित प्रदेश, जहाँ विधानसभा हो, के सभी व्यय सम्बन्धी लेखाओं की लेखा परीक्षा करता है।

1948. भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक किसके लिए एक मित्र दार्शनिक और मार्गदर्शक के रूप में कार्य करता है–
(अ) लोक लेखा समिति
(ब) प्राक्कलन समिति
(स) वित्त मंत्रालय
(द) लोक उपक्रम समिति
उत्तर : (ब) SSC 2009
व्याख्या– प्राक्कलन समिति संसद के माध्यम से सरकार द्वारा प्राप्त किए गए धन के व्ययों के अनुमान की जाँच पड़ताल करती है। यह स्थायी मितव्ययिता समिति के रूप में कार्य करती है। इसके आलोचना/सुझाव सरकारी फिजूलखर्ची पर रोक लगाने का काम करते हैं।

1949. लोकसभाध्यक्ष किस समिति का पदेन अध्यक्ष होता है ?
(अ) प्राक्कलन समिति (ब) लोक लेखा समिति
(स) नियम समिति (द) विशेषाधिकार समिति
उत्तर : (स)
व्याख्या– संसद की नियम समिति सदन में कार्यविधि और कार्यवाही के संचालन से संबंधित मामलों पर विचार करती है और नियमों में संशोधन या संयोजन की सिफारिश करती है। लोकसभा समिति में स्पीकर, जो समिति के पदेन अध्यक्ष होते हैं, सहित 15 सदस्य होते हैं। राज्यसभा समिति में राज्यसभा के अध्यक्ष समिति के पदेन अध्यक्ष होते हैं और इसके सदस्यों की कुल संख्या 16 होती है।

32.संविधान में संशोधन प्रक्रिया व प्रमुख संवैधानिक संशोधन

1950. संविधान के किस अनुच्छेद में संशोधन की प्रक्रिया का उल्लेख है ?
(अ) अनुच्छेद–368 (ब) अनुच्छेद–370
(स) अनुच्छेद–360 (द) अनुच्छेद–365
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–368 में संशोधन की प्रक्रिया का उल्लेख किया गया है।

1951. संविधान के किस भाग में संविधान की संशोधन प्रक्रिया का उल्लेख है ?
(अ) भाग I (ब) भाग VIII
(स) भाग XVI (द) भाग XX
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान का संशोधन भारत के संविधान में परिवर्तन करने की प्रक्रिया है। इस तरह के परिवर्तन भारत की संसद के द्वारा किये जाते हैं। इन्हें संसद के प्रत्येक सदन से पर्याप्त बहुमत के द्वारा अनुमोदन प्राप्त होना चाहिए और विशिष्ट संशोधनों को राज्यों के द्वारा भी अनुमोदित किया जाना चाहिए। संविधान संशोधन की प्रक्रिया का उल्लेख अनुच्छेद 368 में भाग 20 में दिया गया है।

1952. संसद के साधारण बहुमत द्वारा पारित विधेयक राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने पर कानून बन जाता है। इसके अन्तर्गत कौनसा संशोधन किया जा सकता है ?
(अ) नये राज्यों का निर्माण
(ब) राज्य क्षेत्र, सीमा और नाम में परिवर्तन
(स) संविधान की नागरिकता संबंधी अनुसूचित क्षेत्रों और जनजातियों की प्रशासन संबंधी तथा केन्द्र द्वारा प्रशासित क्षेत्रों की प्रशासन संबंधी व्यवस्थाएँ।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–368 में संशोधन प्रक्रिया का उल्लेख किया गया है। संशोधन की तीन विधियों को अपनाया गया है– (1) साधारण विधि (2) विशेष बहुमत द्वारा संशोधन (3) संसद के विशेष बहुमत एवं राज्य विधानमंडलों की स्वीकृति से संशोधन। पहली प्रक्रिया के अन्तर्गत संसद के साधारण बहुमत द्वारा पारित विधेयक राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति मिलने पर निम्न संशोधन किये जा सकते हैं–(1) नये राज्यों का निर्माण (2) राज्य क्षेत्र, सीमा और नाम में परिवर्तन (3) संविधान की नागरिकता संबंधी अनुसूचित क्षेत्रों और जनजातियों की प्रशासन संबंधी तथा केन्द्र द्वारा प्रशासित क्षेत्रों की प्रशासन संबंधी व्यवस्थाएँ।

1953. संविधान के किस अनुच्छेद में संविधान की संशोधन प्रक्रिया का उल्लेख है ?
(अ) अनुच्छेद 3 (ब) अनुच्छेद 239
(स) अनुच्छेद 36 (द) अनुच्छेद 368
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 में संशोधन की प्रक्रिया का उल्लेख किया गया है, इसमें संशोधन की तीन विधियों को अपनाया गया है– (1) साधारण विधि द्वारा संशोधन (2) संसद के विशेष बहुमत द्वारा (3) संसद के विशेष बहुमत और राज्य के विधान मंडलों की स्वीकृति से संशोधन।

1954. भारतीय संविधान की कौनसी विशेष व्यवस्था दक्षिण अफ्रीका के संविधान से ली गई है ?
(अ) संसदीय प्रणाली (ब) मूल अधिकार
(स) संविधान संशोधन (द) मूल कर्तव्य
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान में संविधान संशोधन की विशेष व्यवस्था दक्षिण अफ्रीका के संविधान से ली गई है। संविधान के अनुच्छेद–368 में संशोधन की प्रक्रिया का उल्लेख किया गया है।

1955. संविधान संशोधन कितने प्रकार से किया जा सकता है ?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 4 (द) 5
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 में संशोधन की प्रक्रिया का उल्लेख किया गया है, इसमें संशोधन की तीन विधियों को अपनाया गया है– (1) साधारण विधि द्वारा संशोधन (2) संसद के विशेष बहुमत द्वारा (3) संसद के विशेष बहुमत और राज्य के विधान मंडलों की स्वीकृति से संशोधन।

1956. संविधान संशोधन हेतु विधेयक सर्वप्रथम कहाँ प्रस्तुत किया जाता है ?
(अ) संसद में किसी एक सदन में
(ब) राज्यसभा में
(स) लोकसभा में
(द) राज्य विधानमंडल में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान संशोधन हेतु विधेयक सर्वप्रथम संसद में किसी एक सदन में प्रस्तुत किया जाता है। भारतीय संविधान का संशोधन भारत के संविधान में परिवर्तन करने की प्रक्रिया है। इस तरह के परिवर्तन भारत की संसद के द्वारा किये जाते हैं। इन्हें संसद के प्रत्येक सदन से पर्याप्त बहुमत के द्वारा अनुमोदन प्राप्त होना चाहिए और विशिष्ट संशोधनों को राज्यों के द्वारा भी अनुमोदित किया जाना चाहिए। संविधान संशोधन की प्रक्रिया का उल्लेख अनुच्छेद 368 में भाग XX में दिया गया है।

1957. संविधान में संशोधन की पहल की जा सकती है–
(अ) केवल लोकसभा में
(ब) केवल राज्य सभा में
(स) केवल राज्य विधान सभाओं में
(द) संसद में किसी एक सदन में
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान संशोधन हेतु विधेयक सर्वप्रथम संसद में किसी एक सदन में प्रस्तुत किया जाता है। भारतीय संविधान का संशोधन भारत के संविधान में परिवर्तन करने की प्रक्रिया है। इस तरह के परिवर्तन भारत की संसद के द्वारा किये जाते हैं। इन्हें संसद के प्रत्येक सदन से पर्याप्त बहुमत के द्वारा अनुमोदन प्राप्त होना चाहिए और विशिष्ट संशोधनों को राज्यों के द्वारा भी अनुमोदित किया जाना चाहिए। संविधान संशोधन की प्रक्रिया का उल्लेख अनुच्छेद 368 में भाग 20 में दिया गया है।

1958. भारत के संविधान में प्रथम संशोधन कब किया गया था ?
(अ) 1950 ई. (ब) 1951 ई.
(स) 1953 ई. (द) 1958 ई.
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के संविधान में पहला संविधन संशोधन अधिनियम, 1951 ई. में हुआ, जिसके द्वारा अनुच्छेद 15,19,85,87,174,176,314,342,374,376 में संशोधन किये गए तथा दो नये अनुच्छेद 31क तथा 31ख जोड़े गये और नौंवी अनुसूची को भी संविधान में जोड़े गये। अनुच्छेद 31क में जमींदारी प्रथा के उन्मूलन को वैधानिकता प्रदान की गयी तथा अनुच्छेद 31ख में नौंवी अनुसूची में शामिल किए गए अधिनियमों की वैधानिकता को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती।

1959. संविधान के अधिकांश अनुच्छेदों को संशोधित करने के लिए कौनसी प्रक्रिया अपनाई जाती है ?
(अ) साधारण बहुमत
(ब) दो तिहाई बहुमत
(स) दो तिहाई बहुमत एवं राज्यों का अनुमोदन
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 368 में संशोधन की प्रक्रिया का उल्लेख किया गया है। इसमें संशोधन की तीन विधियों को अपनाया गया है–(1) साधारण विधि द्वारा (2) विशेष बहुमत द्वारा संशोधन (3) संसद के विशेष बहुमत एवं राज्य विधानमंडलों की स्वीकृति से संशोधन। संविधान के अधिकांश अनुच्छेदों को संशोधित करने के लिस साधारण बहुमत की प्रक्रिया अपनाई जाती है। संसद के साधारण बहुमत द्वारा पारित विधेयक राष्ट्रपति की स्वीकृति मिलने पर कानून बन जाता है। इसके अन्तर्गत राष्ट्रपति की पूर्व अनुमति मिलने पर निम्न संशोधन किये जा सकते हैं– (1) नये राज्यों का निर्माण (2) राज्य क्षेत्र, सीमा और नाम में परिवर्तन (3) संविधान की नागरिकता संबंधी अनुसूचित क्षेत्रों और जनजातियों की प्रशासन संबंधी तथा केन्द्र द्वारा प्रशासित क्षेत्रों की प्रशासन संबंधी व्यवस्थाएँ।

1960. संविधान में संशोधन नहीं किये जा सकते हैं–
(अ) लोकसभा व राज्यसभा के साधारण बहुमत से
(ब) संसद सदस्यों के दो–तिहाई बहुमत से
(स) संसद सदस्यों के दो–तिहाई व राज्यों के एक तिहाई बहुमत से
(द) जनमत संग्रह से
उत्तर : (द) RRB 2006
व्याख्या– संविधान में संशोधन जनमत संग्रह से नहीं किये जो सकते हैं। जनमत संग्रह ऐसा प्रत्यक्ष मतदान प्रक्रिया है जिसमें किसी क्षेत्र विशेष के सभी मतदाताओं को मतदान के द्वारा किसी एक विशेष प्रस्ताव को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने के लिए कहा जाता है। दूसरे शब्दों में जनमत संग्रह के माध्यम से सरकार की नतियों या किसी प्रस्तावित कानून के बारे में जनता की राय मालूम की जाती है।

1961. प्रथम संवैधानिक संशोधन अधिनियम कब बना ?
(अ) 1950 ई. (ब) 1951 ई.
(स) 1952 ई. (द) 1958 ई.
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के संविधान में पहला संविधन संशोधन अधिनियम, 1951 ई. में हुआ, जिसके द्वारा अनुच्छेद 15,19,85,87,174,176,314,342,374,376 में संशोधन किये गए तथा दो नये अनुच्छेद 31क तथा 31ख जोड़े गये और नौंवी अनुसूची को भी संविधान में जोड़े गये। अनुच्छेद 31क में जमींदारी प्रथा के उन्मूलन को वैधानिकता प्रदान की गयी तथा अनुच्छेद 31ख में नौंवी अनुसूची में शामिल किए गए अधिनियमों की वैधानिकता को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती।

1962. क्या राज्य विधान मंडल संविधान संशोधन प्रक्रिया को प्रारम्भ कर सकता है ?
(अ) हाँ
(ब) नहीं
(स) यदि मामला राज्य के हितों से संबंधित हो .
(द) यदि राष्ट्रपति ऐसा करने की आज्ञा प्रदान करे
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान का संशोधन भारत के संविधान में परिवर्तन करने की प्रक्रिया है। इस तरह के परिवर्तन भारत की संसद के द्वारा किये जाते हैं। इन्हें संसद के प्रत्येक सदन में पर्याप्त बहुमत के द्वारा अनुमोदन प्राप्त होना चाहिए और विशिष्ट संशोधनों को राज्यों के द्वारा भी अनुमोदित किया जाना चाहिए। संविधान संशोधन की प्रक्रिया

का उल्लेख अनुच्छेद 368 में भाग 20 में दिया गया है।

1963. भूतकालिक प्रभाव से लागू होने वाला अपनी तरह का पहला संविधान संशोधन अधिनियम कौन सा है ?
(अ) 5वाँ (ब) 8वाँ
(स) 10वाँ (द) 13वाँ
उत्तर : (स)
व्याख्या– 10वें संविधान संशोधन के अंतर्गत भूतपूर्व पुर्तगाली अन्तःक्षेत्रों दादर एवं नगर हवेली को भारत में शामिल कर उन्हें केन्द्रशासित प्रदेश का दर्जा दिया गया। राष्ट्रपति की विनिमय बनाने की शक्ति के तहत उसमें प्रशासन की व्यवस्था करने के लिये अनुच्छेद 240 और पहली सूची को संशोधित किया गया।

1964. किस संविधान संशोधन द्वारा यह व्यवस्था की गई कि राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के चुनाव को इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती है कि निर्वाचक मंडल अपूर्ण है ?
(अ) 9वाँ संशोधन (ब) 11वाँ संशोधन
(स) 12वाँ संशोधन (द) 14वाँ संशोधन .
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 11वें संविधान संशोधन द्वारा यह व्यवस्था की गई कि उपराष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए निर्वाचक मंडल बनाने हेतु संसद की दोनों सभाओं की संयुक्त बैठक आवश्यक नहीं है। इस अधिनियम द्वारा अनुच्छेद 71 को संशोधित करके यह प्रावधान किया गया कि राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के निर्वाचन को इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती कि निर्वाचक मंडल में किसी कारण से कोई स्थान रिक्त था।

1965. संसद को मौलिक अधिकारों में संशोधन करने का अधिकार संविधान के किस संशोधन द्वारा दिया गया ?
(अ) 42वाँ संशोधन (ब) 24वाँ संशोधन
(स) 44वाँ संशोधन (द) 45वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 24वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1971 के द्वारा संसद को मौलिक अधिकारों के साथ संविधान के समस्त उपबंधों में संशोधन करने का अधिकार प्रदान किया गया। इसके लिए संविधान की धारा 368 और 13 में संशोधन किया गया। इसके द्वारा गोलकनाथ मुकदमें का निर्णय निष्प्रभावी हो गया।

1966. किस संविधान संशोधन द्वारा पंजाब राज्य को पुनर्गठित करके पंजाब तथा हरियाणा राज्य एवं चंडीगढ़ केन्द्रशासित प्रदेश की स्थापना की गई ?
(अ) 14वाँ संशोधन (ब) 18वाँ संशोधन
(स) 22वाँ संशोधन (द) 35वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 18वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1966 द्वारा पंजाब का पुनर्गठन किया गया और पंजाबी भाषी क्षेत्र में पंजाब और हिन्दी भाषी क्षेत्र में हरियाणा राज्य का गठन किया गया तथा चंडीगढ़ केन्द्रशासित प्रदेश की स्थापना की गई। इस अधिनियम द्वारा अनुच्छेद–3 में संशोधन कर यह प्रावधान किया गया कि राज्य शब्द में संघ शासित प्रदेश भी सम्मिलित होंगे। इसमें यह भी स्पष्ट कर दिया गया कि संसद को किसी राज्य या संघ शासित प्रदेश के किसी भाग को साथ मिलाकर किसी नए राज्य या संघ शासित प्रदेश का निर्माण करने की शक्ति होगी।

1967. प्रथम संवैधानिक संशोधन अधिनियम किससे संबंधित था ?
(अ) देश की सुरक्षा से
(ब) भारत के प्रधानमंत्री की सुरक्षा से
(स) कुछ राज्यों के कृषि–भूमि सुधार से
(द) स्थानीय स्वायत्त शासन से
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के संविधान में पहला संविधन संशोधन अधिनियम, 1951 ई. में हुआ जिसके द्वारा अनुच्छेद 15,19,85,87,174,176,314,342,374,376 में संशोधन किये गए तथा दो नये अनुच्छेद 31क तथा 31ख जोड़े गये और नौंवी अनुसूची को भी संविधान में जोड़े गये। अनुच्छेद 31क में जमींदारी प्रथा के उन्मूलन को वैधानिकता प्रदान की गयी तथा अनुच्छेद 31ख में नौंवी अनुसूची में शामिल किए गए अधिनियमों की वैधानिकता को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती।

1968. संविधान की आठवीं अनुसूची में सिन्धी भाषा को किस संवैधानिक संशोधन द्वारा शामिल किया गया ?
(अ) 15वाँ संशोधन (ब) 21वाँ संशोधन
(स) 24वाँ संशोधन (द) 31वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 21वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1967 द्वारा सिंधी भाषा को भारतीय भाषा मानकर संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित कर लिया गया।

1969. किस संविधान संशोधन द्वारा यह व्यवस्था की गई कि उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक बुलाना आवश्यक नहीं है ?
(अ) 11वाँ संशोधन (ब) 12वाँ संशोधन
(स) 14वाँ संशोधन (द) 18वाँ संशोधन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 11वें संविधान संशोधन द्वारा यह व्यवस्था की गई कि उपराष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए निर्वाचक मंडल बनाने हेतु संसद की दोनों सभाओं की संयुक्त बैठक आवश्यक नहीं है। इस अधिनियम

द्वारा अनुच्छेद 71 को संशोधित करके यह प्रावधान किया गया कि राष्ट्रपति अथवा उपराष्ट्रपति के निर्वाचन को इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती कि निर्वाचक मंडल में किसी कारण से कोई स्थान रिक्त था।

1970. किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा मेघालय राज्य की स्थापना की गई ?
(अ) 13वाँ संशोधन (ब) 18वाँ संशोधन
(स) 22वाँ संशोधन (द) 36वाँ संशोधन
उत्तर : (स)
व्याख्या– 22वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1969 द्वारा असम राज्य के अंतर्गत एक स्वायत्तशासी पहाड़ी राज्य मेघालय का सृजन किया गया।

1971. किस संशोधन द्वारा नागालैंड को राज्य का दर्जा प्रदान किया गया ?
(अ) 12वाँ संशोधन (ब) 13वाँ संशोधन
(स) 14वाँ संशोधन (द) 36वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 13वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1962 के द्वारा नागालैंड राज्य अधिनियम, 1962 बनाया गया, जिसके द्वारा नागालैंड की भारतीय संघ में 16वें राज्य के रूप में मान्यता प्रदान कर नागालैंड की जनता को विशेष संरक्षण प्रदान किया गया। इस संशोधन के द्वारा नागालैंड के राज्यपाल को कुछ विशेष जिम्मेदारियाँ भी दी गई।

1972. देशी नरेशों के प्रिविपर्सों और विशेषाधिकारों को किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा समाप्त किया गया ?
(अ) 24वाँ संशोधन (ब) 26वाँ संशोधन
(स) 27वाँ संशोधन (द) 30वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 26वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1971 द्वारा भूतपूर्व रियासतों के शासकों की मान्यता तथा उनको दी जाने वाली प्रिवीपर्स को समाप्त कर दिया गया। इस संशोधन से संविधान के अनुच्छेद 291 और 262 को समाप्त कर एक नये अनुच्छेद 360क को सम्मिलित किया गया।

1973. सिक्किम को भारतीय संघ के सह–राज्य का दर्जा किस संशोधन द्वारा प्रदान किया गया ?
(अ) 32वाँ संशोधन (ब) 34वाँ संशोधन
(स) 35वाँ संशोधन (द) 36वाँ संशोधन
उत्तर : (स)
व्याख्या– 35वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1974 के द्वारा संविधान में एक नये अनुच्छेद–2(क) को जोड़ा गया और अनुच्छेद–80 तथा अनुच्छेद–81 का संशोधन करके सिक्किम को सह–संयुक्त राज्य का दर्जा प्रदान किया गया। इस अधिनियम द्वारा संविधान में 10वीं अनुसूची को भी सम्मिलित किया गया।

1974. किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा लोकसभा सीटों की अधिकतम संख्या 545 निर्धारित की गई ?
(अ) 30वाँ संशोधन (ब) 31वाँ संशोधन
(स) 32वाँ संशोधन (द) 33वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 31वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1973 के द्वारा अनुच्छेद 81 में संशोधन करके लोकसभा में निर्वाचित सीटों की संख्या 525 से बढ़ाकर 545 कर दी गई।

1975. निम्नलिखित में से कौनसा संशोधन अधिनियम 'मिनी संविधान' माना जाता है ?
(अ) 7वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1956
(ब) 24वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1971
(स) 42वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1976
(द) 44वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1978
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– 42वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 संविधान में किए गए अब तक के संशोधनों में सबसे व्यापक संशोधन है। इस संविधान संशोधन में एक प्रकार से सम्पूर्ण संविधान का पुनरीक्षण किया गया। इसकी व्यापकता को दृष्टिगत रखते हुए ही इसे मिनी संविधान कहा जाता है। यह संशोधन सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिशों के आधार पर किया गया था। संवैधानिक संशोधन में कुल 59 प्रावधान थे और यह भारतीय संविधान का सर्वाधिक व्यापक एवं विवादास्पद संवैधानिक संशोधन था।

1976. सिक्किम को पूर्णतः राज्य का दर्जा किस संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा दिया गया ?
(अ) 35वाँ संशोधन (ब) 36वाँ संशोधन
(स) 53वाँ संशोधन (द) 22वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 36वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1975 द्वारा सिक्किम को भारतीय संघ के 22वें राज्य के रूप में मान्यता प्रदान की गई। इस अधिनियम द्वारा अनुच्छेद–2(क) और अनुसूची 10 को समाप्त करके अनुसूची–1 में बिन्दु संख्या 22 को जोड़ा गया।

1977. किस संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष कर दी गई ?
(अ) 41वाँ संशोधन (ब) 42वाँ संशोधन
(स) 43वाँ संशोधन (द) 44वाँ संशोधन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 41वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा अनुच्छेद–316 को संशोधित करके राज्यों के लोक सेवा आयोगों के सदस्यों की सेवानिवृत्ति की आयु 60 से बढ़ाकर 62 कर दी गई। संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों पर इसका कोई प्रभाव नहीं

पड़ेगा, क्योंकि उनकी सेवानिवृत्ति की आयु सीमा 65 वर्ष निश्चित की गई है।

1978. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' तथा 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द जोड़े गए–
(अ) 24वें संशोधन द्वारा (ब) 25वें संशोधन द्वारा
(स) 42वें संशोधन द्वारा (द) 41वें संशोधन द्वारा
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द 42वें संशोधन के द्वारा जोड़े गये। 42वें संविधान संशोधन, 1976 के द्वारा संविधान की प्रस्तावना में प्रभुत्व सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य शब्दों के स्थान पर प्रभुत्व संपन्न समाजवादी, धर्म निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य शब्द और राष्ट्र की एकता शब्द के स्थान पर राष्ट्र की एकता और अखंडता शब्द स्थापित किए गए।

1979. शिक्षा को किस संविधान संशोधन के द्वारा राज्य सूची से समवर्ती सूची में लाया गया ?
(अ) 24वाँ संशोधन (ब) 36वाँ संशोधन
(स) 42वाँ संशोधन (द) 44वाँ संशोधन
उत्तर : (स)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा शिक्षा को राज्य सूची से समवर्ती सूची में सम्मिलित किया गया। समवर्ती सूची के विषयों पर कानून बनाने का अधिकार संसद तथा राज्य विधान मंडल दोनों को है।

1980. भारतीय संविधान में किस संशोधन द्वारा नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों को सम्मिलित किया गया ?
(अ) 41वाँ संशोधन (ब) 42वाँ संशोधन
(स) 43वाँ संशोधन (द) 44वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर संविधान के 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा मौलिक कर्तव्यों को संविधान में जोड़ा गया। इसे सोवियत रूस के संविधान से लिया गया है।

1981. किस संविधान संशोधन द्वारा किन्हीं विशेष परिस्थितियों में नीति निर्देशक सिद्धांतों को मूल अधिकारों के ऊपर अधिक महत्व देने का प्रावधान है ?
(अ) 24वाँ संशोधन (ब) 42वाँ संशोधन
(स) 44वाँ संशोधन (द) 16वाँ संशोधन
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 अब तक का सबसे बड़ा तथा सर्वाधिक विवादास्पद संविधान संशोधन था। इसके प्रमुख प्रावधान थे– (1) प्रस्तावना में समाजवादी, पंथनिरपेक्षता और अखण्डता शब्दों को जोड़ा गया। (2) सभी नीति निर्देशक सिद्धांतों की मौलिक अधिकारों पर सर्वोच्चता सुनिश्चित की गई। (3) भाग–4क तथा अनुच्छेद 51क जोड़कर नागरिकों के 10 मूल कर्तव्यों को शामिल किया गया। इसके द्वारा किये गये संविधान संशोधन को न्यायिक परीक्षण से मुक्त कर दिया गया। शिक्षा, माप तौल, वन और जंगली जानवर तथा पक्षियों की रक्षा और जनसंख्या नियंत्रण को राज्य सूची से समवर्ती सूची में रख दिया गया।

1982. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'धर्मनिरपेक्ष', 'समाजवादी' तथा 'राष्ट्र की एकता एवं अखण्डता' वाक्यांश किस संशोधन द्वारा समाविष्ट किया गया ?
(अ) 40वाँ संशोधन (ब) 42वाँ संशोधन
(स) 44वाँ संशोधन (द) 52वाँ संशोधन
उत्तर : (ब) RRB 2004
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी, राष्ट्र की एकता एवं अखण्डता शब्दों को 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा जोड़ा गया। 42वें संविधान संशोधन, 1976 के द्वारा संविधान की प्रस्तावना में प्रभुत्व सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य शब्दों के स्थान पर प्रभुत्व संपन्न समाजवादी, धर्म निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य शब्द और राष्ट्र की 'एकता' शब्द के स्थान पर राष्ट्र की एकता और अखंडता शब्द स्थापित किए गए।

1983. भारतीय संविधान के किस संशोधन द्वारा राष्ट्रपति को कोई मामला मंत्रिपरिषद् के द्वारा पुनर्विचार किये जाने के लिए वापस भेजने का अधिकार दिया गया है ?
(अ) 41वाँ संशोधन (ब) 44वाँ संशोधन
(स) 43वाँ संशोधन (द) 52वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार से हटाकर केवल संवैधानिक अधिकार बना दिया गया। संविधान के इस संशोधन द्वारा अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आपात उपबंधों में आंतरिक अव्यवस्था के स्थान पर सशस्त्र विद्रोह शब्द जोड़ा गया। अनुच्छेद 74 में यह उपबंध जोड़ा गया कि राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद से किसी परामर्श पर साधारण रूप से या अन्यथा पुनर्विचार करने की अपेक्षा करेगा और राष्ट्रपति ऐसे पुनर्विचार के पश्चात दिए गए परामर्श के अनुसार कार्य करेगा।

1984. दल बदल निरोधक कानून किस संविधान संशोधन विधेयक से संबंधित है ?
(अ) 51वाँ संशोधन (ब) 52वाँ संशोधन
(स) 53वाँ संशोधन (द) 54वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 के द्वारा अनुच्छेद 101,102,190,191 का संशोधन किया गया तथा साथ ही दल–बदल से संबद्ध

कानून बनाकर संविधान में दसवीं अनुसूची को स्थापित किया गया। इस संशोधन द्वारा यह उपबंध किया गया कि यदि संसद अथवा विधान मंडल का कोई सदस्य अपने दल का त्याग करता है या निर्वाचन के लिए नामित करने वाली पार्टी के द्वारा दल से निष्कासित कर दिया जाता है अथवा कोई स्वतंत्र सदस्य सदन में सीट प्राप्त करने के 6 महीने बाद किसी अन्य राजनैतिक दल में शामिल हो जाता है तो ऐसे सदस्यों की सदस्यता सदन में समाप्त हो जाती है।

1985. निम्नलिखित में से संविधान के किस संशोधन के द्वारा यह स्पष्ट रूप से बताया गया कि भारत का राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद द्वारा दिए गये परामर्श को मानने हेतु बाध्य है ?
(अ) 42वाँ संशोधन (ब) 38वाँ संशोधन
(स) 25वाँ संशोधन (द) 44वाँ संशोधन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा यह स्पष्ट रूप से बताया गया कि भारत का राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद द्वारा दिए गए परामर्श को मानने हेतु बाध्य है।

1986. किस संविधान संशोधन के माध्यम से राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभाध्यक्ष तथा प्रधानमंत्री के निर्वाचन को सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय में चुनौती देने के अधिकार को समाप्त किया गया था ?
(अ) 36वाँ संशोधन (ब) 37वाँ संशोधन
(स) 38वाँ संशोधन (द) 39वाँ संशोधन
उत्तर : (द)
व्याख्या– 39वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1975 के द्वारा राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और लोकसभा के अध्यक्ष के निर्वाचन को न्यायिक समीक्षा की परिधि से बाहर कर दिया गया। इस संशोधन द्वारा अनुच्छेद 71 को संशोधित किया गया और अनुच्छेद 329(क) को अंतःस्थापित किया गया।

1987. 42वाँ संविधान संशोधन अधिनियम,1976 निम्न में से किस समिति की रिपोर्ट के आधार पर तैयार किया गया ?
(अ) स्वर्ण सिंह समिति
(ब) सरकारिया आयोग
(स) एल.एम. सिंघवी समिति
(द) हुकुम सिंह समिति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा संविधान में किए गए अब तक के संशोधनों में सबसे व्यापक संशोधन है। इस संविधान संशोधन में एक प्रकार से सम्पूर्ण संविधान का पुनरीक्षण किया गया। इसकी व्यापकता को दृष्टिगत रखते हुए ही इसे मिनी सचिवालय कहा जाता है। मुख्यतः यह संशोधन स्वर्ण सिंह आयोग की सिफारिशों को लागू करने के लिए किया गया था। संवैधानिक संशोधन में कुल 59 प्रावधान थे और यह भारत के संविधान का सर्वाधिक व्यापक एवं विवादस्पद संवैधानिक संशोधन था।

1988. संविधान की प्रस्तावना को निम्नलिखित में से किस संवैधानिक संशोधन के अंतर्गत संशोधित किया गया था ?
(अ) 31वाँ संशोधन (ब) 34वाँ संशोधन
(स) 42वाँ संशोधन (द) 44वाँ संशोधन
उत्तर : (स)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 को मिनी संविधान का दर्जा दिया गया है। यह अब तक का सबसे बड़ा तथा सर्वाधिक विवादास्पद संविधान संशोधन था। इसके प्रमुख प्रावधान थे– (1) प्रस्तावना में समाजवादी, पंथनिरपेक्षता और अखण्डता शब्दों को जोड़ा गया। (2) सभी नीति निर्देशक सिद्धांतों की मौलिक अधिकारों पर सर्वोच्चता सुनिश्चित की गई। (3) भाग–4क तथा अनुच्छेद 51क जोड़कर नागरिकों के 10 मूल कर्तव्यों को शामिल किया गया। इसके द्वारा किये गये संविधान संशोधन को न्यायिक परीक्षण से मुक्त कर दिया गया। शिक्षा, माप तौल, वन और जंगली जानवर तथा पक्षियों की रक्षा और जनसंख्या नियंत्रण को राज्य सूची से समवर्ती सूची में रख दिया गया।

1989. 52वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 सम्बन्धित है–
(अ) संघ राज्य क्षेत्र
(ब) दल–बदल तथा अहर्ताएँ
(स) आरक्षण बढ़ाना
(द) प्रिवीपर्स समाप्त
उत्तर : (ब) SSC 2002
व्याख्या– 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 के द्वारा यह उपबंध किया गया कि यदि संसद अथवा विधान मंडल का कोई सदस्य अपने दल का त्याग करता है या निर्वाचन के लिए नामित करने वाली पार्टी के द्वारा दल से निष्कासित कर दिया जाता है अथवा कोई स्वतंत्र सदस्य सदन में सीट प्राप्त करने के 6 महीने बाद किसी अन्य राजैनतिक दल में शामिल हो जाता है, तो ऐसे सदस्यों की सदस्यता सदन में समाप्त हो जाएगी।

1990. वह संवैधानिक संशोधन कौनसा है, जिसके द्वारा राजनीतिक दल–बदल पर प्रतिबन्ध लगाया गया था ?
(अ) 1984 का 50वाँ संशोधन
(ब) 1986 का 53वाँ संशोधन
(स) 1985 का 52वाँ संशोधन
(द) 1986 का 54वाँ संशोधन
उत्तर : (स) SSC 2002

व्याख्या– 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 के द्वारा यह उपबंध किया गया कि यदि संसद अथवा विधान मंडल का कोई सदस्य अपने दल का त्याग करता है या निर्वाचन के लिए नामित करने वाली पार्टी के द्वारा दल से निष्कासित कर दिया जाता है अथवा कोई स्वतंत्र सदस्य सदन में सीट प्राप्त करने के 6 महीने बाद किसी अन्य राजनैतिक दल में शामिल हो जाता है, तो ऐसे सदस्यों की सदस्यता सदन में समाप्त हो जाएगी।

1991. निम्नलिखित में से किस एक संवैधानिक संशोधन द्वारा मिजोरम को राज्य का दर्जा दिया गया ?
(अ) 55वाँ संशोधन (ब) 52वाँ संशोधन
(स) 53वाँ संशोधन (द) 54वाँ संशोधन
उत्तर : (स) RAS/RTS 2013
व्याख्या– 53वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1986 के द्वारा संविधान में एक नये अनुच्छेद 37(छ) को सम्मिलित किया गया। इस अधिनियम द्वारा मिजोरम को पूर्णराज्य का दर्जा प्रदान किया गया और यह व्यवस्था की गई कि मिजोरम निवासियों की धार्मिक और सामाजिक मान्यताओं, परम्परागत कानून और विधि के सम्बन्ध में संसद कानून का निर्माण नहीं कर सकती। इस उपबंध के अंतर्गत यह भी व्यवस्था की गई कि मिजोरम की विधान सभा की न्यूनतम संख्या 40 होगी।

1992. किस संवैधानिक संशोधन द्वारा अरुणाचल प्रदेश को राज्य का दर्जा प्रदान किया गया ?
(अ) 36वाँ संशोधन (ब) 53वाँ संशोधन
(स) 55वाँ संशोधन (द) 56वाँ संशोधन
उत्तर : (स)
व्याख्या– 55वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1986 के द्वारा केन्द्रशासित प्रदेश अरुणाचल प्रदेश को पूर्णराज्य का दर्जा प्रदान कर दिया गया। इस अधिनियम द्वारा यह भी व्यवस्था की गई कि अरुणाचल प्रदेश राज्य में कानून और व्यवस्था के क्षेत्र में राज्यपाल को विशेष अधिकार प्राप्त होंगे। राज्यपाल का यह विशेषाधिकार राष्ट्रपति द्वारा ही समाप्त किया जा सकता है।

1993. किस संवैधानिक संशोधन द्वारा गोवा को राज्य का दर्जा प्रदान किया गया ?
(अ) 36वाँ संशोधन (ब) 53वाँ संशोधन
(स) 55वाँ संशोधन (द) 56वाँ संशोधन
उत्तर : (द)
व्याख्या– 56वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1987 के द्वारा गोवा को पूर्ण राज्य का दर्जा प्रदान करके, दमन और दीव को पृथक् केन्द्रशासित प्रदेश के रूप में स्थापित कर दिया गया। इस संशोधन द्वारा गोवा राज्य की विधान सभा में 30 सदस्यों की संख्या निर्धारित कर दी गई।

1994. किस संवैधानिक संशोधन द्वारा मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गई ?
(अ) 61वाँ संशोधन (ब) 63वाँ संशोधन
(स) 60वाँ संशोधन (द) 64वाँ संशोधन
उत्तर : (अ) SSC 199
व्याख्या– 61वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1989 के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 326 में संशोधन करके मताधिकार की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की दी गई।

1995. 74वें संविधान संशोधन का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किस संस्था से है ?
(अ) ग्राम पंचायत
(ब) नगर पालिकाएँ
(स) जिला परिषद
(द) कृषि उत्पाद बाजार समितियाँ
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 74वें संविधान संविधान अधिनियम, 1992 (01.06.1993 से प्रभावी) के द्वारा संविधान में एक नया भाग–9क तथा 12वीं अनुसूची जोड़ी गई। इस अधिनियम के अधीन नगरपालिकाओं की संरचना, गठन सदस्यों की योग्यता, निर्वाचन, नगर पंचायतों के अधिकार एवं शक्तियों तथा उत्तरदायित्वों के संबंध में उपबंध स्थापित किए गए हैं। इस संशोधन में अनुच्छेद 243द से अनुच्छेद 243य तक वर्णित हैं।

1996. भारत के संविधान का निम्नलिखित में से कौनसा एक संशोधन संघ शासित प्रदेश दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में संपरिवर्तित करता है ?
(अ) 69वाँ संशोधन (ब) 70वाँ संशोधन
(स) 73वाँ संशोधन (द) 74वाँ संशोधन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 69वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1991 द्वारा दिल्ली को संघ राज्य क्षेत्र के लिए विधान सभा और मंत्रिपरिषद का उपबंध किया गया। इस संशोधन द्वारा दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र घोषित किया गया और केंद्रशासित प्रदेशों की तुलना में इसे विशेष दर्जा प्रदान कर दिया गया।

1997. किस संवैधानिक संशोधन के द्वारा राष्ट्रीय क्षेत्र दिल्ली तथा संघ शासित क्षेत्र पुदुचेरी के विधानसभा सदस्यों को राष्ट्रपति के निर्वाचक मंडल में शामिल करने का प्रावधान किया गया ?
(अ) 69वाँ संशोधन (ब) 70वाँ संशोधन
(स) 71वाँ संशोधन (द) 73वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 70वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा अनुच्छेद 54 और अनुच्छेद 368 को संशोधित करके दिल्ली और पुदुचेरी संघ राज्य क्षेत्रों की विधान सभाओं के सदस्यों को राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए निर्मित निर्वाचक मण्डल में शामिल कर लिया गया।

1998. भारतीय संविधान के किस संशोधन में नगरीय स्थानीय सरकारों को संवैधानिक दर्जा दिया था ?
(अ) 73वाँ संशोधन (ब) 74वाँ संशोधन
(स) 71वाँ संशोधन (द) 72वाँ संशोधन
उत्तर : (ब) SSC 2014
व्याख्या– 74वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 (01.06.1993 से प्रभावी) के द्वारा संविधान में भाग–9(क) तथा 12वीं अनुसूची को जोड़ा गया। इस अधिनियम के अधीन नगरपालिकाओं की संरचना, गठन, सदस्यों की योग्यता, निर्वाचन, नगर पंचायतों के अधिकार एवं शक्तियों तथा उत्तरदायित्वों के संबंध में उपबंध स्थापित किए गए हैं।

1999. भारतीय संविधान के किस संशोधन अधिनियम द्वारा 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों के लिए शिक्षा के अधिकार को मूल अधिकार बनाया गया है ?
(अ) 84वाँ संशोधन (ब) 86वाँ संशोधन
(स) 92वाँ संशोधन (द) 76वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 86वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा प्रथमिक शिक्षा को मुफ्त एवं अनिवार्य बनाते हुए इसे मौलिक अधिकार का दर्जा प्रदान किया गया। संविधान के अनुच्छेद–21 के तहत राज्य द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को मुफ्त व अनिवार्य शिक्षा प्रदान करेगी। यह अनुच्छेद इसे मौलिक कर्तव्यों (अनुच्छेद 51क) में शामिल करते हुए अभिभावकों से अपेक्षा करता है कि वे अपने बच्चों को विद्यालय भेजेंगे। इस संशोधन के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 45 को संशोधित किया गया है, जिसमें 6 से 14 वर्ष तक की आयु के सभी बच्चों को प्रारंभिक बाल सुरक्षा तथा शिक्षा उपलब्ध कराने का उल्लेख है।

2000. किस संवैधानिक संशोधन द्वारा संविधान की आठवीं अनुसूची में तीन भाषाओं मणिपुरी, नेपाली और कोंकणी को शामिल किया गया ?
(अ) 21वाँ संशोधन (ब) 52वाँ संशोधन
(स) 71वाँ संशोधन (द) 97वाँ संशोधन
उत्तर : (स)
व्याख्या– 71वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 द्वारा संविधान की आठवीं अनुसूची में कोंकणी, मणिपुरी और नेपाली भाषा को शामिल किया गया।

2001. किस संवैधानिक संशोधन द्वारा महिलाओं के लिए नगरपालिकाओं एवं ग्राम पंचायतों में एक तिहाई सीटों के आरक्षण की व्यवस्था की गई है ?
(अ) 73वाँ संशोधन (ब) 74वाँ संशोधन
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) 82वाँ संशोधन
उत्तर : (स)
व्याख्या– महिलाओं के लिए नगरपालिकाओं एवं ग्राम पंचायतों में एक तिहाई सीटों के आरक्षण की व्यवस्था की 73वें एवं 74वें संविधान संशाधन द्वारा की गई है।

2002. निम्नलिखित में से कौन से संशोधन के पश्चात् बोडो और डोंगरी भाषाएँ आठवीं अनुसूची में शामिल की गई थी ?
(अ) 91वाँ संशोधन (ब) 92वाँ संशोधन
(स) 81वाँ संशोधन (द) 85वाँ संशोधन
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– 92वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 द्वारा बोडो, संथाली, मैथिली तथा डोगरी भाषाओं की संविधान की आठवीं अनुसूची में समाविष्ट किया गया है।

2003. भारतीय संविधान के संशोधनों में से कौनसा संशोधन केन्द्रीय मंत्रिमंडल के आकार को सीमित करता है ?
(अ) 78वाँ संशोधन (ब) 91वाँ संशोधन
(स) 90वाँ संशोधन (द) 92वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 के अनुसार मंत्रिमंडल में प्रधानमंत्री समेत मंत्रियों की कुल संख्या लोकसभा के कुल सदस्यों के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

2004. किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा लोकसभा तथा विधान सभाओं की सीटों की संख्या वर्ष 2026 तक कोई परिवर्तन न करने का प्रावधान किया गया है ?
(अ) 83वाँ संशोधन (ब) 84वाँ संशोधन
(स) 86वाँ संशोधन (द) 92वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 84वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 में 1976 के 42वें संविधान संशोधन अधिनियम में निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर लगे प्रतिबंध को हटाने का प्रावधान है तथा यह 1991 की जनगणना के आधार पर राज्य के भीतर परिसीमन की अनुमति प्रदान करता है। इस विधयेक द्वारा संविधान के संबंधित अनुच्छेदों के प्रावधानों में भी संशोधन करते हुए लोक सभा एवं विधान सभा सीटों की संख्या के निर्धारण पर लगे प्रतिबंध को 2000 से 2026 तक बढ़ा दिया गया है। इस विधेयक द्वारा 2026 तक लोकसभा एवं राज्य विधानसभा की सीटों के राज्यवार विभाजन पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है।

2005. 91वाँ संविधान संशोधन विधेयक मंत्रिपरिषद को कितना प्रतिशत तक सीमित करने के लिए जारी किया गया है ?
(अ) 10 प्रतिशत (ब) 8 प्रतिशत
(स) 12 प्रतिशत (द) 15 प्रतिशत
उत्तर : (द) RRB 2004
व्याख्या– 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 के अनुसार मंत्रिमंडल में प्रधानमंत्री समेत मंत्रियों

की कुल संख्या लोकसभा के कुल सदस्यों के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

2006. भारत के संविधान के 73वें संशोधन का सम्बन्ध है–
(अ) केंद्र–राज्य संबंध में
(ब) सर्वोच्च न्यायालय की शक्तियों से
(स) संसद सदस्यों के वेतन तथा विशेषाधिकारों से
(द) पंचायती राज व्यवस्था से
उत्तर : (द)
व्याख्या– 73वें संविधान संशोधन,1992 (25.04.1993 से प्रभावी) के द्वारा संविधान में एक नया भाग–9 तथा ग्यारहवीं अनुसूची को जोड़ा गया। इस अधिनियम द्वारा पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया। इस अधिनियम में पंचायतों के गठन, संरचना, निर्वाचन, सदस्यों की अर्हताएं, पंचायतों के अधिकार एवं शक्तियों तथा उत्तरदायित्वों आदि के प्रावधान है।

2007. किस संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा अनुसूचित जनजातियों हेतु एक पृथक राष्ट्रीय आयोग की स्थान का प्रावधान किया गया है ?
(अ) 86वाँ संशोधन (ब) 89वाँ संशोधन
(स) 91वाँ संशोधन (द) 92वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 89वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2008 के अनुसार राष्ट्रीय अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग को दो पृथक् भागों–राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग तथा राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में विभाजित किया गया है। इसके द्वारा संविधान में अनुच्छेद 388(क) जोड़ा गया। राष्ट्रीय जनजाति आयोग में एक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा तीन अन्य सदस्य होंगे। इन पदाधिकारियों की सेवा शर्तों व अवधि बाद का निर्धारण समय–समय पर राष्ट्रपति द्वारा निश्चित किया जाएगा। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग में भी एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष तथा तीन अन्य सदस्य होंगे। इनकी सेवा शर्तें इत्यादि का निर्धारण भी राष्ट्रपति द्वारा ही निश्चित किया जाएगा।

2008. निम्न संवैधानिक संशोधनों में से कौनसे राज्यों से निर्वाचित होने वाले लोक सभा के सदस्यों की संख्या में वृद्धि करने से संबंधित है ?
(अ) छठा और बाईसवाँ
(ब) तेरहवाँ और अड़तीसवाँ
(स) सातवाँ और इकतीसवाँ
(द) ग्यारहवाँ और बयालीसवाँ
उत्तर : (स) IAS 2003
व्याख्या– 7वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 द्वारा भाषीय आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किया गया, जिसमें अगली तीन श्रेणियों में राज्यों के वर्गीकरण को समाप्त करते हुए राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में उन्हें विभाजित किया गया, साथ ही इनके अनुरूप केंद्र एवं राज्य की विधानमंडलों में सीटों को पुनर्व्यवस्थित किया गया। 31वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1973 के द्वारा लोक सभा के सदस्यों की संख्या 525 से 545 कर दी गई तथा केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व 25 से घटाकर 20 कर दिया गया।

2009. 42वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़ा गया नया अनुच्छेद सम्बन्धित है–
(अ) सम्पत्ति के अधिकार से
(ब) मूल कर्तव्यों से
(स) भूमि सुधार से
(द) व्यवसाय से
उत्तर : (ब) IAS 1982
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के तहत संविधान में भाग–4क तथा अनुच्छेद–51क जोड़ा गया जिसमें मौलिक कर्तव्यों को उल्लेख मिलता है।

2010. भारतीय संविधान के निम्नलिखित में से किस एक संशोधन द्वारा राष्ट्रपति को भी मामला मंत्रिपरिषद द्वारा पुनर्विचार किये जाने के लिए वापस भेजने का अधिकार दिया गया है ?
(अ) 39वाँ संशोधन (ब) 40वाँ संशोधन
(स) 42वाँ संशोधन (द) 44वाँ संशोधन
उत्तर : (द) IAS 2002
व्याख्या– 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के अंतर्गत राष्ट्रीय आपात स्थिति लागू करने के लिए आंतरिक अशांति के स्थान पर सैन्य विद्रोह का आधार रखा गया एवं आपात स्थिति संबंधी अन्य प्रावधानों में परिवर्तन लाया गया, जिससे उनका दुरुपयोग न हो। इसके द्वारा संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकारों के भाग से हटाकर विधेयक (कानूनी) अधिकारों की श्रेणी में रख दिया गया। लोक सभा तथा राज्य विधान सभाओं की अवधि 6 वर्ष से घटाकर पुनः 5 वर्ष कर दी गई। उच्चतम न्यायालय को राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के निर्वाचन संबंधी विवाद को हल करने की अधिकारिता प्रदान की गई।

2011. संविधान का 93वाँ संशोधन विधेयक संबंधित है–
(अ) सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण जारी रखने में
(ब) 6 और 14 वर्ष के बीच की आयु के बच्चों को निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा से
(स) सरकारी भर्तियों में महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत पदों के आरक्षण से
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 93वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2005 के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 15 में एक नया उपबंध (5) जोड़ा गया है। इस अधिनियम के अंतर्गत राज्यों को सरकारी अनुदान के बिना ही चल रही निजी शैक्षणिक संस्थाओं में अनुसूचित

जाति व जनजाति तथा सामाजिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों के प्रवेशार्थियों को प्रवेश में आरक्षण उपलब्ध कराने का अधिकार प्राप्त हो गया है।

2012. नीचे दिए गये स्तम्भों में कौनसा सुमेल गलत है ?
(अ) 52वाँ संशोधन – दल बदल विधेयक
(ब) 48वाँ संशोधन – पंजाब आपात उपबंध
(स) 56वाँ संशोधन – गोवा को राज्य का दर्जा
(द) 62वाँ संशोधन – पिछड़ी जाति
उत्तर : (द)
व्याख्या– 62वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1989 के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 334 को संशोधित करके अनुसूचित जातियों व अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था को 10 वर्ष के लिए (वर्ष 2000 तक) बढ़ा गया था।

2013. निम्नलिखित में से भारतीय संविधान का कौनसा संशोधन पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्रदान करता है ?
(अ) 71वाँ संशोधन (ब) 72वाँ संशोधन
(स) 73वाँ संशोधन (द) 72वाँ संशोधन
उत्तर : (स)
व्याख्या– 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 (23.04.1993 से प्रभावी) के द्वारा संविधान में एक नया भाग–9 तथा ग्यारहवीं अनुसूची को जोड़ा गया। इस अधिनियम द्वारा पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया। इस अधिनियम में पंचायतों के गठन, संरचना, निर्वाचन, सदस्यों की अर्हताएं, पंचायतों के अधिकार एवं शक्तियों तथा उत्तरदायित्वों आदि के प्रावधान है।

2014. 42वाँ संविधान संशोधन विधेयक सम्बन्धित है–
(अ) नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों से
(ब) सम्पत्ति के अधिकार से
(स) 42वें संविधान संशोधन अधिनियम से
(द) राज्यपाल के विवेकाधिकार से
उत्तर : (अ) IAS 1983
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के अंतर्गत संविधान में दस मौलिक कर्तव्यों को अनुच्छेद 51(क) और भाग–4क में जोड़ा गया।

2015. निम्नलिखित संविधान संशोधनों में से कौनसा एक बताता है कि मंत्रिमंडल में कुल मंत्रियों की संख्या प्रधानमंत्री को सम्मिलित करते हुए लोकसभा के कुल सदस्यों की संख्या के पंद्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होगी ?
(अ) 91वाँ संशोधन (ब) 92वाँ संशोधन
(स) 90वाँ संशोधन (द) 85वाँ संशोधन
उत्तर : (अ) IAS 2009
व्याख्या– 91वें संविधान संशोधन अधिनियम 2008 के द्वारा केन्द्र या राज्य की मंत्रिपरिषद के आकार की निम्न सदन के सदस्यों की संख्या के 15 प्रतिशत करने की व्यवस्था की गई। इसमें दल–बदल करने वाले सदस्यों को लाभ का राजनैतिक पद पाने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है।

2016. भारत के संविधान में मौलिक कर्तव्य किस संविधान संशोधन के द्वारा जोड़ा गया है ?
(अ) 32वाँ संशोधन अधिनियम
(ब) 42वाँ संशोधन अधिनियम
(स) 15वाँ संशोधन अधिनियम
(द) 46वाँ संशोधन अधिनियम
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के अंतर्गत संविधान में दस मौलिक कर्तव्यों को अनुच्छेद 51(क) और भाग–4क में जोड़ा गया।

2017. भारत के संविधान में नौवीं अनुसूची किस संशोधन अधिनियम द्वारा जोड़ी गयी ?
(अ) तीसरा संशोधन अधिनियम
(ब) चौथा संशोधन अधिनियम
(स) पहला संशोधन अधिनियम
(द) छठा संशोधन अधिनियम
उत्तर : (स) BPSC 2008
व्याख्या– प्रथम संविधान संशोधन अधिनियम, 1951 के द्वारा संविधान के अनुच्छेद–19 में वर्णित भाषण देने तथा विचार की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सम्बन्धी अधिकारों के साथ–साथ कोई वृत्ति, उपजीविका, व्यापार या कारोबार करने के अधिकारों से संबंधित व्यावहारिक कठिनाईयों को दूर करने की व्यवस्था की गई। इस संशोधन के द्वारा संविधान में नौवीं अनुसूची को सम्मिलित किया गया और विदेशी राज्यों से मैत्रीपूर्ण संबंधों के संदर्भ में उपबंध भी विहित किया गया। इसके अलावा अनुच्छेद 15,19,31,85,87,174,176,341,342,372 और 376 को भी संशोधित किया गया।

2018. 42वें संविधान संशोधन उल्लेखनीय है, क्योंकि–
(अ) नीति निर्देशक तत्वों को मौलिक अधिकारों पर वरीयता प्रदान करता है
(ब) मौलिक अधिकारों को नीति निर्देशक तत्वों पर वरीयता प्रदान करता है
(स) जम्मू–कश्मीर को विशेष दर्जा प्रदान करता है
(द) सिक्किम को विशेष दर्जा प्रदान करता है
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 को मिनी संविधान का दर्जा दिया गया है। यह अब तक का सबसे बड़ा तथा सर्वाधिक विवादास्पद संविधान संशोधन था। इसके प्रमुख प्रावधान थे– (1) प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'पंथनिरपेक्षता' और 'अखण्डता' शब्दों को जोड़ा गया। (2) सभी नीति निर्देशक सिद्धांतों की मौलिक अधिकारों पर सर्वोच्चता सुनिश्चित की गई। (3) भाग–4क तथा अनुच्छेद 51क जोड़कर नागरिकों के 10 मूल कर्तव्यों को शामिल किया गया। इसके द्वारा किये गये संविधान संशोधन को न्यायिक परीक्षण से मुक्त

कर दिया गया। शिक्षा, माप तौल, वन और जंगली जानवर तथा पक्षियों की रक्षा और जनसंख्या नियंत्रण को राज्य सूची से समवर्ती सूची में रख दिया गया।

2019. भारतीय संविधान का अनुच्छेद 51A नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों से सम्बन्धित है। इसे किस संविधान संशोधन से लाया गया था ?
(अ) 46वाँ संशोधन (ब) 42वाँ संशोधन
(स) 71वाँ संशोधन (द) 73वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन के अंतर्गत संविधान में 10 मौलिक कर्तव्यों को अनुच्छेद 51क, भाग–4क के अंतर्गत जोड़ा गया।

2020. निम्नलिखित संविधान संशोधन अधिनियमों में से किस एक के अंतर्गत भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में चार भाषाएँ जोड़ी गई, जिनसे उनकी संख्या बढ़कर 22 हो गई ?
(अ) 90वाँ संशोधन (ब) 92वाँ संशोधन
(स) 83वाँ संशोधन (द) 85वाँ संशोधन
उत्तर : (ब) IAS 2008
व्याख्या– 92वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 के द्वारा बोडो, संथाली, मैथिली तथा डोगरी भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में समाविष्ट किया गया है। इस प्रकार अब इस अनुसूची में शामिल भाषाओं की संख्या 22 हो गई है।

2021. किस संविधान संशोधन एक्ट के तहत मतदाताओं की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गई ?
(अ) 61वाँ संशोधन (ब) 62वाँ संशोधन
(स) 63वाँ संशोधन (द) 64वाँ संशोधन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 61वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1989 के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 326 में संशोधन करके मताधिकार की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की दी गई।

2022. निम्नलिखित संविधान संशोधन अधिनियमों में से किस एक में यह प्रावधान है कि केन्द्र और किसी राज्य में मंत्रिपरिषद का आकार क्रमशः लोकसभा के सदस्यों की कुल संख्या व उस राज्य की विधान सभा के सदस्यों की कुल संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा ?
(अ) 91वाँ संशोधन (ब) 93वाँ संशोधन
(स) 95वाँ संशोधन (द) 97वाँ संशोधन
उत्तर : (अ) IAS 2007
व्याख्या– 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2008 के द्वारा केन्द्र या राज्य की मंत्रिपरिषद के आकार की निम्न सदन के सदस्यों की संख्या के 15 प्रतिशत करने की व्यवस्था की गई, लेकिन छोटे राज्यों जैसे मिजोरम व सिक्किम आदि में कम से कम 12 मंत्रियों को नियुक्त करने का अधिकार प्रदान किया गया है, भले ही यह संख्या निम्न सदन की सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक क्यों न हो।

2023. 104वाँ संविधान संशोधन विधेयक किससे संबंधित था ?
(अ) कुछ राज्यों में विधान परिषद् के उत्सादन से
(ब) भारत के बाहर रहने वाले भारतीय मूल के लोगों के लिए द्वैध नागरिकता आरम्भ करने से
(स) निजी शिक्षा संस्थाओं में सामाजिक तथा आर्थिक दृष्टि से पिछड़े वर्गों के लिए कोटा प्रदान करने से
(द) केंद्र सरकार के अधीन नौकरियों पर धार्मिक अल्पसंख्यकों के लिए कोटा प्रदान करने से
उत्तर : (स) IAS 2008
व्याख्या– 104वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ई. के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 334(क) में संशोधन करते हुए लोक सभा एवं राज्यों की विधान सभाओं में अनुसूचित जातियों एवं अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण संबंधी प्रावधान को पुनः अगले 10 वर्षों के लिए बढ़ाते हुए इसे 25 जनवरी, 1930 तक के लिए प्रभावी बना दिया गया है। यह संशोधन लोकसभा एवं राज्य विधानसभाओं में आंग्ल–भारतीयों के लिए सीटों के आरक्षण को समाप्त करता है।

2024. निम्नलिखित संवैधानिक संशोधनों में से कौनसे राज्यों से निर्वाचित होने वाले लोक सभा के सदस्यों की संख्या में वृद्धि करने से संबंधित है ?
(अ) छठा और बाईसवाँ
(ब) तेहरवाँ और अड़तीसवाँ
(स) सातवाँ और इकतीसवाँ
(द) ग्यारहवाँ और बयालीसवाँ
उत्तर : (स) Utt.PCS 2005
व्याख्या– 7वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 के द्वारा भाषीय आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किया गया, जिसमें अगली तीन श्रेणियों में राज्यों के वर्गीकरण को समाप्त करते हुए राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में उन्हें विभाजित किया गया, साथ ही इनके अनुरूप केन्द्र एवं राज्य की विधानमंडलों में सीटों को पुनर्व्यवस्थित किया गया। 31वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1973 के द्वारा लोक सभा के सदस्यों की संख्या 525 से 545 कर दी गई तथा केन्द्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व 25 से घटकर 20 कर दिया गया।

2025. किस संशोधन द्वारा संविधान में मौलिक कर्तव्य सम्मिलित किये गये ?
(अ) 42वां संशोधन (ब) 43वां संशोधन
(स) 44वां संशोधन (द) 46वां संशोधन
उत्तर : (अ) RPSC IIgr. Teacher 2011
व्याख्या– सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर संविधान के 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा मौलिक कर्तव्यों को संविधान में

जोड़ा गया। इसे सोवियत रूस के संविधान से लिया गया है।

2026. भारत के 44वें संशोधन द्वारा निम्नलिखित अधिकार को मौलिक अधिकार की श्रेणी से हटा दिया गया–
(अ) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
(ब) संवैधानिक उपचार
(स) सम्पत्ति का अधिकार
(द) धर्म की स्वतंत्रता
उत्तर : (स)MPPSC 2008
व्याख्या– 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार से हटाकर केवल संवैधानिक अधिकार बना दिया गया।

2027. संविधान संशोधन करने के विधेयक को वीटो करने की राष्ट्रपति की शक्ति 'सहमति देनी होगी' शब्द से स्थानापन्न करके किस संशोधन द्वारा छीन ली गई थी ?
(अ) 24वाँ संशोधन (ब) 42वाँ संशोधन
(स) 44वाँ संशोधन (द) 23वाँ संशोधन
उत्तर : (अ) RAS/RTS 2013
व्याख्या– 24वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1971 के अंतर्गत संसद की इस शक्ति को स्पष्ट किया गया कि वह संशोधन के किसी भी भाग को, जिसमें भाग–3 के अंतर्गत आने वाले मूल अधिकार भी हैं, संशोधन कर सकती है। इसके साथ ही यह भी निर्धारित किया गया कि संशोधन संबधी विधेयक जब दोनों सदनों से पारित होकर राष्ट्रपति के समक्ष जाएगा, तो इस पर राष्ट्रपति द्वारा सहमति दिया जाना बाध्यकारी होगा।

2028. 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 से भारतीय संविधान में एक नया अध्याय जोड़ा गया–
(अ) संघीय क्षेत्रों के प्रशासन से संबंधित
(ब) अन्तर्राष्ट्रीय परिषद के निर्माण
(स) मौलिक कर्तव्य
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– सरदार स्वर्ण सिंह समिति की अनुशंसा पर संविधान के 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा मौलिक कर्तव्यों को संविधान में जोड़ा गया। इसे सोवियत रूस के संविधान से लिया गया है।

2029. किस संविधान संशोधन से समाजवादी, धर्मनिपेक्षता तथा राष्ट्र की एकता एवं अखंडता शब्द भारतीय संविधान में जोड़े गए थे ?
(अ) 42वाँ संशोधन (ब) 44वाँ संशोधन
(स) 52वाँ संशोधन (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की प्रस्तावना में 'समाजवादी' और 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द 42वें संशोधन के द्वारा जोड़े गये। 42वें संविधान संशोधन, 1976 के द्वारा संविधान की प्रस्तावना में प्रभुत्व सम्पन्न लोकतांत्रिक गणराज्य शब्दों के स्थान पर प्रभुत्व संपन्न समाजवादी, धर्म निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य शब्द और राष्ट्र की एकता शब्द के स्थान पर राष्ट्र की एकता और अखंडता शब्द स्थापित किए गए।

2030. किस संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों की संख्या को सात से घटाकर छः किया गया ?
(अ) 42वाँ संशोधन (ब) 43वाँ संशोधन
(स) 44वाँ संशोधन (द) 45वाँ संशोधन
उत्तर : (स)
व्याख्या– 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार से हटाकर केवल संवैधानिक अधिकार बना दिया गया। संविधान के इस संशोधन द्वारा अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आपात उपबंधों में आंतरिक अव्यवस्था के स्थान पर सशस्त्र विद्रोह शब्द जोड़ा गया। अनुच्छेद 74 में यह उपबंध जोड़ा गया कि राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद से किसी परामर्श पर साधारण रूप से या अन्यथा पुनर्विचार करने की अपेक्षा करेगा और राष्ट्रपति ऐसे पुनर्विचार के पश्चात दिए गए परामर्श के अनुसार कार्य करेगा।

2031. संविधान के किस संशोधन द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को मूल अधिकार की श्रेणी से निकाल दिया गया है ?
(अ) 24वाँ संशोधन (ब) 42वाँ संशोधन
(स) 44वाँ संशोधन (द) 48वाँ संशोधन
उत्तर : (स)
व्याख्या– 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार से हटाकर केवल संवैधानिक अधिकार बना दिया गया। संविधान के इस संशोधन द्वारा अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आपात उपबंधों में आंतरिक अव्यवस्था के स्थान पर सशस्त्र विद्रोह शब्द जोड़ा गया। अनुच्छेद 74 में यह उपबंध जोड़ा गया कि राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद से किसी परामर्श पर साधारण रूप से या अन्यथा पुनर्विचार करने की अपेक्षा करेगा और राष्ट्रपति ऐसे पुनर्विचार के पश्चात दिए गए परामर्श के अनुसार कार्य करेगा।

2032. किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा 'वन' को राज्य सूची से समवर्ती सूची में अंतः स्थापित किया गया ?
(अ) 40वाँ संशोधन (ब) 42वाँ संशोधन
(स) 43वाँ संशोधन (द) 44वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के प्रमुख प्रावधान हैं– (1) प्रस्तावना में समाजवादी, पंथनिरपेक्षता और अखण्डता शब्दों को जोड़ा गया। (2) सभी नीति निर्देशक सिद्धांतों की मौलिक

अधिकारों पर सर्वोच्चता सुनिश्चित की गई। (3) भाग–4क तथा अनुच्छेद 51क जोड़कर नागरिकों के 11 मूल कर्तव्यों को शामिल किया गया। इसके द्वारा किये गये संविधान संशोधन को न्यायिक परीक्षण से मुक्त कर दिया गया। शिक्षा, माप तौल, वन और जंगली जानवर तथा पक्षियों की रक्षा और जनसंख्या नियंत्रण को राज्य सूची से समवर्ती सूची में रख दिया गया।

2033. भारतीय संविधान की कौनसी विशेष व्यवस्था दक्षिण अफ्रीका के संविधान से ली गई है ?
(अ) संसदीय प्रणाली (ब) संविधान संशोधन
(स) मूल अधिकार (द) मूल कर्तव्य
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान संशोधन संबंधी विशेष व्यवस्था दक्षिण अफ्रीका के संविधान से लिया गया है।

2034. ''राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद से उसके द्वारा दी गई सलाह पर पुनर्विचार करने की अपेक्षा कर सकेगा और राष्ट्रपति ऐसे पुनर्विचार के बाद दी गई सलाह के अनुसार कार्य करेगा।'' यह उपबंध निम्नलिखित में से किसके द्वारा भारतीय संविधान में अंतः स्थापित किया गया है ?
(अ) 38वाँ संशोधन (ब) 42वाँ संशोधन
(स) 44वाँ संशोधन (द) 52वाँ संशोधन
उत्तर : (स)
व्याख्या– 44वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार से हटाकर केवल संवैधानिक अधिकार बना दिया गया। संविधान के इस संशोधन द्वारा अनुच्छेद 352 के अंतर्गत आपात उपबंधों में आंतरिक अव्यवस्था के स्थान पर सशस्त्र विद्रोह शब्द जोड़ा गया। अनुच्छेद 74 में यह उपबंध जोड़ा गया कि राष्ट्रपति मंत्रिपरिषद से किसी परामर्श पर साधारण रूप से या अन्यथा पुनर्विचार करने की अपेक्षा करेगा और राष्ट्रपति ऐसे पुनर्विचार के पश्चात दिए गए परामर्श के अनुसार कार्य करेगा।

2035. निम्नलिखित संविधान संशोधनों में से कौनसा एक बताता है कि मन्त्रिमण्डल में कुल मंत्रियों की संख्या, प्रधानमंत्री को सम्मिलित करते हुए लोकसभा के सदस्यों की कुल संख्या के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होगी ?
(अ) 90वाँ (ब) 91वाँ
(स) 92वाँ (द) 93वाँ
उत्तर : (ब) IAS 2009
व्याख्या– 91वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 के द्वारा संविधान के अनुच्छेद 75 में धारा (1) के बाद धाराएँ जोड़ी गई, जिसके अनुसार मंत्रिपरिषद् मं प्रधानमंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या सदन के कुल सदस्यों की संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए।

2036. संविधान के किस भाग एवं अनुच्छेद में संविधान संशोधन की प्रक्रिया का उल्लेख है ?
(अ) भाग 1 अनुच्छेद 3
(ब) भाग 8 अनुच्छेद 239
(स) भाग 22 अनुच्छेद 336
(द) भाग 20 अनुच्छेद 368
उत्तर : (द)
व्याख्या–भारतीय संविधान के भाग 20 में अनुच्छेद 368 में संविधान की प्रक्रिया का उल्लेख किया है।

2037. संविधान के अधिकांश अनुच्छेदों को संशोधित करने के लिए कौनसी प्रक्रिया अपनाई जाती है ?
(अ) साधारण बहुमत
(ब) दो तिहाई बहुमत
(स) दो तिहाई बहुमत एवं राज्यों का अनुमोदन
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के संविधान में तीन प्रकार से संशोधन किया जाता है। संविधान के अधिकांश संशोधन के लिए साधारण बहुमत की प्रक्रिया अपनाई जाती है।

2038. किस संवैधानिक संशोधन अधिनियम ने राज्य के नीति निर्देशक तत्वों को मौलिक अधिकारों की अपेक्षा अधिक प्रभावशाली बनाया ?
(अ) 42वाँ संशोधन (ब) 43वाँ संशोधन
(स) 44वाँ संशोधन (द) 45वाँ संशोधन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 को मिनी संविधान का दर्जा दिया गया है। यह अब तक का सबसे बड़ा तथा सर्वाधिक विवादास्पद संविधान संशोधन था। इसके प्रमुख प्रावधान थे– (1) प्रस्तावना में समाजवादी, पंथनिरपेक्षता और अखण्डता शब्दों को जोड़ा गया। (2) सभी नीति निर्देशक सिद्धांतों की मौलिक अधिकारों पर सर्वोच्चता सुनिश्चित की गई। (3) भाग–4क तथा अनुच्छेद 51क जोड़कर नागरिकों के 10 मूल कर्तव्यों को शामिल किया गया। इसके द्वारा किये गये संविधान संशोधन को न्यायिक परीक्षण से मुक्त कर दिया गया। शिक्षा, माप तौल, वन और जंगली जानवर तथा पक्षियों की रक्षा और जनसंख्या नियंत्रण को राज्य सूची से समवर्ती सूची में रख दिया गया।

33.भारतीय संविधान के प्रमुख अनुच्छेद

2039. संविधान सभा द्वारा अंतिम रूप से पारित संविधान में कुल कितने अनुच्छेद तथा अनुसूचियाँ है ?
(अ) 378 अनुच्छेद, 7 अनुसूचियाँ
(ब) 395 अनुच्छेद, 8 अनुसूचियाँ
(स) 395 अनुच्छेद, 10 अनुसूचियाँ
(द) 395 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियाँ
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 26 नवम्बर, 1949 को जब संविधान बनकर तैयार हुआ तब इसमें 395 अनुच्छेद, 22 भाग और 8 अनुसूचियाँ थीं। लेकिन समय की आवश्यकता के अनुसार इसमें समय–समय पर बदलाव किये गए, जिससे वर्तमान में 448 अनुच्छेद, 25 भाग और 12 अनुसूचियाँ हैं।

2040. वर्तमान समय में भारतीय संविधान में गणना की दृष्टि से कुल कितने अनुच्छेद और अनुसूचियाँ थीं ?
(अ) 390 अनुच्छेद, 5 अनुसूचियाँ
(ब) 448 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियाँ
(स) 395 अनुच्छेद, 8 अनुसूचियाँ
(द) 398 अनुच्छेद, 8 अनुसूचियाँ
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 26 नवम्बर, 1949 को जब संविधान बनकर तैयार हुआ तब इसमें 395 अनुच्छेद, 22 भाग और 8 अनुसूचियाँ थीं। लेकिन समय की आवश्यकता के अनुसार इसमें समय–समय पर बदलाव किये गए, जिससे वर्तमान में 448 अनुच्छेद, 25 भाग और 12 अनुसूचियाँ हैं।

2041. वर्तमान समय में भारतीय संविधान में धाराओं की कुल संख्या है–
(अ) 356 (ब) 448
(स) 404 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान में वर्तमान समय में 448 अनुच्छेद, 25 भाग और 12 अनुसूचियाँ हैं, परन्तु इसके निर्माण के समय मूल संविधान में 395 अनुच्छेद, 22 भाग और 8 अनुसूचियाँ थीं।

2042. संविधान के अनुच्छेद–I में भारत को क्या कहा गया है ?
(अ) परिसंघ (ब) महासंघ
(स) परिसंघ प्रबल एकात्मक आधार के साथ
(द) राज्यों का संघ
उत्तर : (द) SSC 2002
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद–I में कहा गया है कि 'भारत अर्थात् इंडिया राज्यों का संघ होगा।' भारत के राज्य तथा उसके राज्य क्षेत्रों को पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट किया गया है। भारत के राज्य में राज्यों के क्षेत्र, संघ राज्य क्षेत्र तथा अन्य अर्जित क्षेत्र शामिल होंगे।

2043. संविधान के किस अनुच्छेद में यह अंकित है कि इंडिया अर्थात् भारत राज्यों का एक संघ होगा'?
(अ) अनुच्छेद–1 (ब) अनुच्छेद–2
(स) अनुच्छेद–3 (द) अनुच्छेद–4
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के पहले अनुच्छेद में यह अंकित है कि इंडिया अर्थात् भारत राज्यों का एक संघ होगा।

2044. भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में नागरिकता सम्बन्धी प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 1 से 5 (ब) अनुच्छेद 5 से 11
(स) अनुच्छेद 12 से 35 (द) अनुच्छेद 36 से 51
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान निर्माताओं ने भारतीय संविधान के दूसरे भाग में अनुच्छेद 5 से 11 तक नागरिकता संबंधी विभिन्न उपबन्धों का प्रावधान किया। 26 नवम्बर, 1949 को नागरिकता से संबंधित 5 से 93 तक के अनुच्छेदों को लागू किया गया, परन्तु भारतीय नागरिकता अधिनियम, 1955 के संबंध में विभिन्न प्रावधान लागू किये गये।

2045. निम्न में से किन अनुच्छेदों द्वारा भारतीय संविधान नागरिकों को मूल अधिकार निश्चितता प्रदान करता है ?
(अ) अनुच्छेद 12 से 35 तक द्वारा
(ब) अनुच्छेद 12 से 30 तक द्वारा
(स) अनुच्छेद 15 से 35 तक द्वारा
(द) अनुच्छेद 14 से 32 तक द्वारा
उत्तर : (अ) RRB 2004
व्याख्या– अनुच्छेद 12 से 35 तक में भारतीय संविधान नागरिकों को मूल अधिकार निश्चितता प्रदान करता है।

2046. नौकरियों तथा शैक्षणिक संस्थाओं में समाज के कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार को संविधान का कौनसा अनुच्छेद अधिकार प्रदान करता है ?
(अ) अनुच्छेद 14 (ब) अनुच्छेद 16
(स) अनुच्छेद 17 (द) अनुच्छेद 23
उत्तर : (ब)
व्याख्या– नौकरियों तथा शैक्षणिक संस्थाओं में समाज के कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार को संविधान का 16वाँ अनुच्छेद अधिकार प्रदान करता है।

2047. भारत के संविधान का निम्न में से कौनसा अनुच्छेद अस्पृश्यता का उन्मूलन करता है तथा किसी भी रूप में इसके आचरण का निषेध करता है ?
(अ) अनुच्छेद 15 (ब) अनुच्छेद 16
(स) अनुच्छेद 17 (द) अनुच्छेद 18
उत्तर : (स)

व्याख्या– भारत के संविधान का 17वाँ अनुच्छेद अस्पृश्यता का उन्मूलन करता है तथा किसी भी रूप में इसके आचरण का निषेध करता है।

2048. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद राष्ट्रपति के पद के लिए पुनः निर्वाचन की योग्यताएँ निर्धारित करता है ?
(अ) अनुच्छेद 52 (ब) अनुच्छेद 54
(स) अनुच्छेद 55 (द) अनुच्छेद 57
उत्तर : (द) CgPSC 2012
व्याख्या– भारतीय संविधान का 57वाँ अनुच्छेद राष्ट्रपति के पद के लिए पुनः निर्वाचन की योग्यताएँ निर्धारित करता है।

2049. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी दी गई है ?
(अ) अनुच्छेद 19 (ब) अनुच्छेद 20
(स) अनुच्छेद 21 (द) अनुच्छेद 22
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19 के अंतर्गत भाषण एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार की गारंटी दी गई है।

2050. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में 'प्रेस की स्वतंत्रता' दी गई है ?
(अ) अनुच्छेद 14 (ब) अनुच्छेद 25
(स) अनुच्छेद 21A (द) अनुच्छेद 19(i)
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(i) के अंतर्गत वाक् स्वतंत्रता या प्रेस की स्वतंत्रता का प्रावधान किया जाता है।

2051. मौलिक अधिकार के अंतर्गत कौनसा अनुच्छेद बच्चों के शोषण से सम्बन्धित है ?
(अ) अनुच्छेद 17 (ब) अनुच्छेद 19
(स) अनुच्छेद 23 (द) अनुच्छेद 24
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अंतर्गत अनुच्छेद 12 से 31 तक भारतीय नागरिकों के मूल अधिकारों का वर्णन है। इसमें अनुच्छेद 19 से 22 तक स्वतंत्र अधिकार का वर्णन है। शोषण के विरुद्ध अधिकार का वर्णन अनुच्छेद 23 और 24 में है। अनुच्छेद 23 में मानव के दुर्व्यापार और बालश्रम के प्रतिषेध से संबंधित कानूनों एवं अनुच्छेद 24 में कारखानों आदि में बालकों के नियोजन अर्थात् उन्हें खतरे वाले कार्यों में लगाने से रोकने से संबंधित है।

2052. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में अल्पसंख्यकों के हितों के संरक्षण की व्यवस्था है ?
(अ) अनुच्छेद 32 (ब) अनुच्छेद 29
(स) अनुच्छेद 19 (द) अनुच्छेद 14
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 29 में अल्पसंख्यक वर्गों के हितों के संरक्षण का उपबन्ध का प्रावधान है।

2053. भारतीय संविधान के किन अनुच्छेदों में राज्य के नीति निर्देशक तत्वों का उल्लेख है ?
(अ) अनुच्छेद 33 से 46
(ब) अनुच्छेद 34 से 48
(स) अनुच्छेद 36 से 51
(द) अनुच्छेद 37 से 52
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निर्देशक तत्व शामिल किए गये हैं। भारतीय संविधान के भाग 3 तथा 4 मिलकर संविधान की आत्मा तथा चेतना कहलाते हैं। इन तत्वों में संविधान तथा सामाजिक न्याय के दर्शन का वास्तविक तत्व निहित है। निर्देशक तत्व कार्यपालिका और विधायिका के वे तत्व हैं, जिनके अनुसार इन्हें अपने अधिकारों का प्रयोग करना होता है।

2054. कौनसे अनुच्छेद के अंतर्गत भारत का सर्वोच्च न्यायालय नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है ?
(अ) अनुच्छेद 74 (ब) अनुच्छेद 61
(स) अनुच्छेद 54 (द) अनुच्छेद 32
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 32 के अंतर्गत भारत का सर्वोच्च न्यायालय नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है। मूल संविधान में सात मौलिक अधिकारों की रक्षा करता है, परन्तु वर्तमान में छः ही मौलिक अधिकार है। संविधान के भाग 3 में सन्निहित अनुच्छेद 12 से 35 मौलिक अधिकारों के संबंध में है जिसे संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से लिया गया है।

2055. भारतीय संविधान के अंतर्गत कल्याणकारी राज्य की अवधारणा निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 31 (ब) अनुच्छेद 39
(स) अनुच्छेद 49 (द) अनुच्छेद 51
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 36 से 51 तक राज्य के नीति निर्देशक तत्व शामिल किए गये हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 39 में कल्याणकारी राज्य की अवधारणा निहित है।

2056. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद राज्य सरकारों को ग्राम पंचायत के गठन का निर्देश देता है ?
(अ) अनुच्छेद 51 (ब) अनुच्छेद 32
(स) अनुच्छेद 37 (द) अनुच्छेद 40
उत्तर : (द) SSC 2013

व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद 40 राज्य की सरकारों को ग्राम पंचायतों को संगठित करने का निर्देश देता है। यह राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में शामिल है।

2057. 42वें संशोधन द्वारा संविधान के किस अनुच्छेद में मौलिक कर्तव्यों को जोड़ा गया है ?
(अ) अनुच्छेद 51 (ब) अनुच्छेद 51A
(स) अनुच्छेद 29 (द) अनुच्छेद 39
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन द्वारा मौलिक कर्तव्यों को संविधान में शामिल किया गया है। इसके तहत मौलिक कर्तव्यों से संबंधित भाग–4(क) एवं अनुच्छेद–51(क) को शामिल किया गया। मूलतः मौलिक कर्तव्यों की संख्या 10 थी। 86वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा 11वाँ मौलिक कर्तव्य जोड़ा गया। मौलिक कर्तव्यों को आचार आदर्शों के नाम से भी जाना जाता है।

2058. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में मौलिक कर्तव्यों की चर्चा की गई है ?
(अ) अनुच्छेद 50A (ब) अनुच्छेद 51A
(स) अनुच्छेद 49A (द) अनुच्छेद 52A
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मौलिक कर्तव्यों को 42वें संविधान संशोधन द्वारा संविधान में शामिल किया गया। इसके तहत मौलिक कर्तव्यों से संबंधित भाग–4(क) एवं अनुच्छेद–51(क) को शामिल किया गया। मूलतः मौलिक कर्तव्यों की संख्या 10 थीं। 86वें संशोधन अधिनियम द्वारा 11वाँ मौलिक कर्तव्य जोड़ा गया। मौलिक कर्तव्यों को आचार आदर्शों के नाम से भी जाना जाता है।

2059. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत भारत के राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाया जा सकता है ?
(अ) अनुच्छेद 61 (ब) अनुच्छेद 75
(स) अनुच्छेद 76 (द) अनुच्छेद 85
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के संविधान के अनुच्छेद 61 के अंतर्गत भारत के राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाया जा सकता है।

2060. संविधान के किस अनुच्छेद में उपराष्ट्रपति पद का प्रावधान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 52 (ब) अनुच्छेद 53
(स) अनुच्छेद 63 (द) अनुच्छेद 76
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 63 में उपराष्ट्रपति पद का प्रावधान किया गया है। भारत में राष्ट्रपति के बाद उपराष्ट्रपति का पद कार्यकारिणी में दूसरा सबसे बड़ा पद होता है। भारत का उपराष्ट्रपति राज्यसभा के अध्यक्ष के तौर पर विधायी कार्यों में भी हिस्सा लेता है।

2061. संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित होगी, जिनका प्रयोग वह स्वयं अथवा अपने अधिकारियों के द्वारा करेगा। यह किस अनुच्छेद में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 51 (ब) अनुच्छेद 52
(स) अनुच्छेद 53 (द) अनुच्छेद 54
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–53 में संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित होगी, जिनका प्रयोग वह स्वयं या अपने अधिकारियों के द्वारा करेगा।

2062. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत मंत्रीगण सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी हैं ?
(अ) अनुच्छेद 73 (ब) अनुच्छेद 74
(स) अनुच्छेद 75 (द) अनुच्छेद 76
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 75 के अंतर्गत मंत्रीगण सामूहिक रूप से लोकसभा के प्रति उत्तरदायी है।

2063. संविधान का कौनसा अनुच्छेद मंत्रिपरिषद के गठन के बारे में आधारभूत नियम निर्धारित करता है ?
(अ) अनुच्छेद 26 (ब) अनुच्छेद 32
(स) अनुच्छेद 75 (द) अनुच्छेद 356
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद 75 मंत्रिपरिषद के गठन के बारे में आधारभूत नियम निर्धारित करता है।

2064. भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति से संबंधित अनुच्छेद कौनसा है ?
(अ) अनुच्छेद 53 (ब) अनुच्छेद 63
(स) अनुच्छेद 76 (द) अनुच्छेद 79
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 76 के अंतर्गत भारत के महान्यायवादी की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

2065. कौनसा अनुच्छेद संसद के दो अधिवेशनों के बीच छह माह के अंतराल की अनिवार्यता का उल्लेख करता है ?
(अ) अनुच्छेद 81 (ब) अनुच्छेद 82
(स) अनुच्छेद 83 (द) अनुच्छेद 85
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 85 संसद के दो अधिवेशनों के बीच 6 माह के अंतराल की अनिवार्यता का उल्लेख करता है।

2066. राष्ट्रपति संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत लोकसभा को भंग कर सकता है ?
(अ) अनुच्छेद 85 (ब) अनुच्छेद 95
(स) अनुच्छेद 356 (द) अनुच्छेद 365
उत्तर : (अ)

व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 85 के अनुसार संसद संसद के दो सत्रों के मध्य 6 माह से अधिक अंतर नहीं होना चाहिए। संसद तीन नियमित सत्रों तथा विशेष सत्रों में आयोजित की जाती है। सत्रों का आयोजन राष्ट्रपति की विज्ञप्ति से होता है। राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 85 के अंतर्गत लोकसभा भंग कर सकता है।

2067. संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा संसद की संयुक्त बैठक का प्रावधान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 106 (ब) अनुच्छेद 108
(स) अनुच्छेद 110 (द) अनुच्छेद 112
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 108 के तहत संसद के संयुक्त अधिवेशन का उपबन्ध किया गया है। जब कोई साधारण विधेयक एक सदन द्वारा पारित करके दूसरे सदन को भेजा जाता है, तो कुछ परिस्थितियों में राष्ट्रपति संयुक्त अधिवेशन बुलाते हैं। संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष करता है।

2068. लोकसभा एवं राज्यसभा के संयुक्त अधिवेशन के विषय में प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 105 (ब) अनुच्छेद 108
(स) अनुच्छेद 110 (द) अनुच्छेद 85
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 108 के तहत संसद के संयुक्त अधिवेशन का उपबन्ध किया गया है। जब कोई साधारण विधेयक एक सदन द्वारा पारित करके दूसरे सदन को भेजा जाता है, तो कुछ परिस्थितियों में राष्ट्रपति संयुक्त अधिवेशन बुलाते हैं। संयुक्त अधिवेशन की अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष करता है।

2069. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद भारत के संचित कोष से संबंधित है ?
(अ) अनुच्छेद 112(29) (ब) अनुच्छेद 146(3)
(स) अनुच्छेद 148(6) (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान में अनुच्छेद 112(29), अनुच्छेद 146(3) तथा अनुच्छेद 148(6) संचित कोष से संबंधित है।

2070. भारतीय संविधान का निम्न में से कौनसा अनुच्छेद भारत के राष्ट्रपति में अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान करता है ?
(अ) अनुच्छेद 74 (ब) अनुच्छेद 78
(स) अनुच्छेद 123 (द) अनुच्छेद 124(2)
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 123 भारत के राष्ट्रपति को अध्यादेश जारी करने की शक्ति प्रदान करता है।

2071. संविधान के किस अनुच्छेद में धन विधेयक की परिभाषा दी गई है ?
(अ) अनुच्छेद 103 (ब) अनुच्छेद 109
(स) अनुच्छेद 110 (द) अनुच्छेद 124
उत्तर : (स) UPPCS 2000
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 110 में धन विधेयक की परिभाषा दी गयी है। धन विधेयक के संबंध में लोकसभा अध्यक्ष का निर्णय अंतिम होता है। उसके निर्णय को किसी न्यायालय संसद या राष्ट्रपति द्वारा चुनौती नहीं दी जा सकती है। जब धन विधेयक राज्यसभा एवं राष्ट्रपति के पास स्वीकृति हेतु जाता है, तो लोकसभा अध्यक्ष इसे धन विधेयक के रूप में पृष्ठांकन करता है। इसे केवल लोकसभा में राष्ट्रपति की सिफारिश से प्रस्तुत किया जा सकता है।

2072. संविधान के किस अनुच्छेद में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश पर महाभियोग चलाए जाने का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 256 (ब) अनुच्छेद 151
(स) अनुच्छेद 124 (द) अनुच्छेद 111
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 124 में सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश पर महाभियोग चलाए जाने का प्रावधान है।

2073. राष्ट्रपति सर्वोच्च न्यायालय से संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत परामर्श ले सकता है ?
(अ) अनुच्छेद 123 (ब) अनुच्छेद 352
(स) अनुच्छेद 312 (द) अनुच्छेद 143
उत्तर : (द)
व्याख्या– राष्ट्रपति संघ सरकार का कोई भी कार्य राज्य सरकार से परामर्श करके राज्य सरकार को सौंप सकते हैं। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत राष्ट्रपति विधि अथवा तथ्य के व्यापक महत्व की स्थिति में सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श ले सकता है, किन्तु न्यायालय के निर्णय को मानने के लिए बाध्य नहीं है।

2074. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद संवैधानिक प्रावधानों की संघीय संसद/राज्य विधानपालिकाओं के द्वारा बनाये गये नियमों/कानूनों पर प्राथमिकता प्रदान करती है ?
(अ) अनुच्छेद 13 (ब) अनुच्छेद 32
(स) अनुच्छेद 245 (द) अनुच्छेद 326
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 13 में यह प्रावधान है कि संघ व राज्य कोई ऐसा कानून नहीं बनाएंगे जो भाग 3 में प्रदत्त मौलिक अधिकारों को छीनता या कम करता है। अनुच्छेद 32 में संवैधानिक उपचारों से संबंधित उपबंध है। अनुच्छेद 245 केंद्र व राज्य के मध्य संवैधानिक शक्तियों का विस्तार,

अनुच्छेद 326 लोकसभा व विधानसभा का निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होना।

2075. सर्वोच्च न्यायालय अपने द्वारा सुनाये गये किसी निर्णय या आदेश का पुनरावलोकन कर सकता है। यह व्यवस्था संविधान के किस अनुच्छेद में उपबंधित है ?
(अ) अनुच्छेद 138 (ब) अनुच्छेद 139
(स) अनुच्छेद 137 (द) अनुच्छेद 143
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 137 में यह उपबंध है कि सर्वोच्च न्यायालय अपने द्वारा सुनाये गये किसी निर्णय या आदेश का पुरावलोकन कर सकता है।

2076. संविधान के निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद में यह व्यवस्था की गई कि उच्चतम न्यायालय द्वारा विनिश्चत विधि भारत के राज्य क्षेत्र के भीतर सभी न्यायालयों पर आबद्धकर होगी ?
(अ) अनुच्छेद 141 (ब) अनुच्छेद 142
(स) अनुच्छेद 143 (द) अनुच्छेद 144
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 141 में यह व्यवस्था की गई है कि उच्चतम न्यायालय द्वारा विनिश्चित विधि भारत के राज्य क्षेत्र के भीतर सभी न्यायालयों पर आबद्धकर होगी।

2077. भारतीय संविधान में सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय को न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति प्रदान की गई है, जिसका आधार है–
(अ) अनुच्छेद 13 (ब) अनुच्छेद 32
(स) अनुच्छेद 226 (द) अनुच्छेद 368
उत्तर : (ब)
व्याख्या– अनुच्छेद 32 में यह उपबंध है कि भारतीय संविधान में सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय को न्यायिक पुनरावलोकन की शक्ति प्रदान की गई है।

2078. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत अधीनस्थ न्यायालय या जिला न्यायालय का प्रावधान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 231 (ब) अनुच्छेद 233
(स) अनुच्छेद 131 (द) अनुच्छेद 143
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 233 के अंतर्गत अधीनस्थ न्यायालय या जिला न्यायालय का प्रावधान किया गया है।

2079. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र के पास है–
(अ) अनुच्छेद 243 (ब) अनुच्छेद 246
(स) अनुच्छेद 247 (द) अनुच्छेद 248
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 248 के तहत अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र के पास है।

2080. राज्यों द्वारा प्रार्थना करने पर भारत की संसद उन राज्यों के लिए किस अनुच्छेद के अंतर्गत कानून बना सकती है ?
(अ) अनुच्छेद 251 (ब) अनुच्छेद 252
(स) अनुच्छेद 253 (द) अनुच्छेद 254
उत्तर : (ब)
व्याख्या–राज्यों द्वारा प्रार्थना करने पर भारत की संसद उन राज्यों के लिए अनुच्छेद 252 के अंतर्गत कानून बना सकती है।

2081. भारतीय संविधान के अंतर्गत निम्नलिखित में से कौन सा अनुच्छेद संसद को राज्य सूची के विषय में विधि बनाने की शक्ति प्रदान करता है ?
(अ) अनुच्छेद 115 (ब) अनुच्छेद 116
(स) अनुच्छेद 226 (द) अनुच्छेद 249
उत्तर : (द) UPPCS 2013
व्याख्या– संविधान में राज्य सभा को दो एकान्तिक शक्तियाँ प्राप्त है। (1) अनुच्छेद 312 के अधीन अखिल भारतीय सेवाओं के गठन से संबंधित और (2) अनुच्छेद 249 के अधीन राज्य सूची के विषय में विधि बनाने की संसद की शक्ति। राज्य सभा के उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों में से कम से कम दो तिहाई सदस्यों द्वारा समर्थित संकल्प पारित करने के उपरान्त ही संसद कानून बना सकती है।

2082. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद संसद को अंतर्राष्ट्रीय समझौतों को लागू करने के लिए विधि निर्माण करने की शक्ति प्रदान करता है ?
(अ) अनुच्छेद 249 (ब) अनुच्छेद 250
(स) अनुच्छेद 252 (द) अनुच्छेद 253
उत्तर : (द) UPPCS 2000
व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 253 संसद को अंतर्राष्ट्रीय समझौतों को लागू करने के लिए विधि निर्माण करने की शक्ति प्रदान करता है।

2083. केन्द्र–राज्य के प्रशासनिक सम्बन्ध भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद 256 से 263 तक
(ब) अनुच्छेद 352 से 356 तक
(स) अनुच्छेद 250 से 280
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 256 से 263 तक में केंद्र–राज्य के प्रशासनिक सम्बन्ध के बारे में वर्णित है।

2084. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत केन्द्र सरकार राज्य सरकारों को निर्देश दे सकती है ?
(अ) अनुच्छेद 256 (ब) अनुच्छेद 253
(स) अनुच्छेद 356 (द) अनुच्छेद 370
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 256 के अंतर्गत केंद्र सरकार राज्य सरकारों को निर्देश दे सकती है।

2085. अन्तर्राज्यीय परिषद् के गठन का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 293 (ब) अनुच्छेद 280
(स) अनुच्छेद 263 (द) अनुच्छेद 249
उत्तर : (स)
व्याख्या– अंतर्राज्यीय परिषद् के गठन का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 263 के अंतर्गत किया गया है।

2086. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत वित्त आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 249 (ब) अनुच्छेद 280
(स) अनुच्छेद 368 (द) अनुच्छेद 370
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 280 में वित्त आयोग का प्रावधान है। वित्त आयोग का गठन प्रत्येक पांचवें वर्ष किया जाता है। इसके अनुसार राष्ट्रपति इस संविधान के प्रारम्भ से दो वर्ष के भीतर और तत्पश्चात् प्रत्येक पांचवें वर्ष की समाप्ति पर या ऐसे पूर्वोत्तर समय पर, जिसे राष्ट्रपति आवश्यक समझता है, आदेश द्वारा वित्त आयोग का गठन करेगा जो राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किये जाने वाले एक अध्यक्ष और चार अन्य सदस्यों से मिलकर बनेगा।

2087. सम्पत्ति का अधिकार संवैधानिक अधिकार है। यह किस अनुच्छेद में बताया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 28 (ब) अनुच्छेद 30
(स) अनुच्छेद 31 (घ) (द) अनुच्छेद 300 (क)
उत्तर : (द)
व्याख्या– सम्पत्ति का अधिकार अब मौलिक अधिकारों की श्रेणी में सम्मिलित नहीं है। 44वें संविधान संशोधन अधिनियम 1978 के द्वारा सम्पत्ति के अधिकार को 300(क) के अंतर्गत संवैधानिक एवं विधिक अधिकार बना दिया गया है।

2088. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में नैसर्गिक न्याय के प्रसिद्ध सिद्धांत 'सुनवाई के अधिकार' का समावेश किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 308 (ब) अनुच्छेद 309
(स) अनुच्छेद 310 (द) अनुच्छेद 311
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311 में नैसर्गिक न्याय के प्रसिद्ध सिद्धांत 'सुनवाई के अधिकार' का समावेश किया गया है।

2089. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में नई अखिल भारतीय सेवा की स्थापना का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 311 (ब) अनुच्छेद 312
(स) अनुच्छेद 313 (द) अनुच्छेद 314
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 312 संसद को राज्यसभा के प्रस्ताव के आधार पर नई अखिल भारतीय सेवा के गठन का अधिकार प्रदान करता है। 1947 में अखिल भारतीय सेवाओं में भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा अखिल भारतीय पुलिस सेवा शामिल थी। 1966 में इसमें भारतीय वन सेवा को भी शामिल किया गया। इनकी नियुक्ति और प्रशिक्षण केन्द्र सरकार द्वारा किया जाता है।

2090. संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा लोक सेवाओं को संरक्षण प्रदान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 310 (ब) अनुच्छेद 311
(स) अनुच्छेद 312 (द) अनुच्छेद 315
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 311 द्वारा लोक सेवाओं को संरक्षण प्रदान किया गया है।

2091. संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा संघ और राज्यों के लिए लोक सेवा आयोग का प्रावधान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 310 (ब) अनुच्छेद 312
(स) अनुच्छेद 313 (द) अनुच्छेद 315
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 315 द्वारा संघ और राज्यों के लिए लोक सेवा आयोग का प्रावधान किया गया है।

2092. संविधान का अनुच्छेद 312 संबंधित है–
(अ) अखिल भारतीय सेवाओं से
(ब) प्रवक्ताओं से
(स) हिंदी भाषा से
(द) राष्ट्रपति से
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 312 के अनुसार, यदि राज्यसभा ने उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों में से कम से कम 2/3 सदस्यों द्वारा समर्पित संकल्प द्वारा यह घोषित किया है कि राष्ट्रीय हित में ऐसा करना आवश्यक है, तो संसद, विधि द्वारा संघ और राज्यों के लिए सम्मिलित एक या अधिक अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन के लिए उपबन्ध कर सकेगी।

2093. संघ लोक सेवा आयोग के कार्यों का उल्लेख किस अनुच्छेद के अंतर्गत है ?
(अ) अनुच्छेद 320 (ब) अनुच्छेद 322
(स) अनुच्छेद 324 (द) अनुच्छेद 325
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग के कार्यों का उल्लेख अनुच्छेद 320 के अंतर्गत है।

2094. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में निर्वाचन आयोग के लिए प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 320 (ब) अनुच्छेद 322
(स) अनुच्छेद 324 (द) अनुच्छेद 325
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 में निर्वाचन आयोग के गठन का प्रावधान है। इस

अनुच्छेद में भारत निर्वाचन आयोग के गठन आदि का वर्णन किया गया है।

2095. लोकसभा में एंग्लो–इंडियन समुदाय के प्रतिनिधित्व के लिए प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत किया गया था, जिसे 104वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ई. के द्वारा समाप्त कर दिया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 331 (ब) अनुच्छेद 221
(स) अनुच्छेद 121 (द) अनुच्छेद 139
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 330(i)(क) के तहत लोक सभा में अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षण का प्रावधान किया गया है। अनुच्छेद 330(i)(ख) में असम के स्वशासी जिलों की अनुसूचित जनजातियों को छोड़कर अन्य अनुसूचित जनजातियों के लिए तथा 330(i)(ग) में असम के स्वशासी जिलों की अनुसूचित जनजातियों के लिए लोक सभा में आरक्षण की व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त अनुच्छेद 331 में लोक सभा में एंग्लो–इंडियन समुदाय को प्रतिनिधित्व दिया गया है। अनुच्छेद 332 में राज्य की विधानसभाओं में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण की व्यवस्था है। अनुच्छेद 333 में राज्य की विधानसभाओं में आंग्ल–भारतीय समुदाय के प्रतिनिधित्व का उल्लेख है। अनुच्छेद 331 एवं 333 को 104वें संविधान संशोधन द्वारा समाप्त कर दिया गया है।

2096. अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए एक राष्ट्रीय आयोग गठित करने का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 338 एवं 338A
(ब) अनुच्छेद 337
(स) अनुच्छेद 334
(द) अनुच्छेद 339
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए एक राष्ट्रीय आयोग गठित करने का प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 338 एवं 338A के अंतर्गत किया गया है।

2097. संविधान में 'मंत्रिमंडल' शब्द का एक बार प्रयोग हुआ है और किस अनुच्छेद में वर्णित है–
(अ) अनुच्छेद 352 (ब) अनुच्छेद 74
(स) अनुच्छेद 356 (द) अनुच्छेद 76
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान में मंत्रिमंडल शब्द का प्रयोग केवल एक बार अनुच्छेद 352(iii) में किया गया है। इसके अनुसार, राष्ट्रपति आपातकाल की उद्घोषणा तभी कर सकेगा जब मंत्रिमंडल उसे लिखित रूप से संसूचित करे।

2098. संविधान के किस अनुच्छेद में यह प्रावधान किया गया है कि संघ की राजभाषा हिंदी तथा लिपि देवनागरी होगी ?
(अ) अनुच्छेद 324 (ब) अनुच्छेद 343
(स) अनुच्छेद 352 (द) अनुच्छेद 371
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 343(i) में संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी।

2099. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 343 (i) (ब) अनुच्छेद 345 (i)
(स) अनुच्छेद 346 (i) (द) अनुच्छेद 348 (i)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 343(i) के अंतर्गत हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है।

2100. संविधान के किस अनुच्छेद में हिंदी भाषा के विकास के लिए निर्देश दिया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 330 (ब) अनुच्छेद 336
(स) अनुच्छेद 343 (द) अनुच्छेद 351
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 343 में हिंदी भाषा के विकास के लिए निर्देश दिया गया है।

2101. भारत में बाहरी आक्रमण अथवा सशस्त्र विद्रोह के कारण भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा किसके अंतर्गत की गई ?
(अ) अनुच्छेद 352 (ब) अनुच्छेद 356
(स) अनुच्छेद 360 (द) अनुच्छेद 368
उत्तर : (अ) SSC 2013
व्याख्या– भारत में बाहरी आक्रमण अथवा सशस्त्र विद्रोह के कारण भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा अनुच्छेद 352 के अंतर्गत की गई।

2102. संसद को संविधान संशोधन का अधिकार किस अनुच्छेद में दिया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 349 (ब) अनुच्छेद 368
(स) अनुच्छेद 390 (द) अनुच्छेद 351
उत्तर : (ब) RRB 2006
व्याख्या– संसद को संविधान संशोधन का अधिकार अनुच्छेद 368 के अंतर्गत दिया गया है।

2103. भारत के संविधान के अनुच्छेद 350A के अधीन उपबंध किससे सम्बन्धित है ?
(अ) नागरिकों के किसी भी वर्ग का अपनी विशेष भाषा या संस्कृति को संरक्षित रखने का अधिकार
(ब) सिख समुदाय का कृपाण साथ रखने का तथा धारण करने का अधिकार
(स) प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधाओं की व्यवस्था करने का उपबन्ध
(द) अल्पसंख्यक प्रबंधित शिक्षण संस्थानों को राज्य से प्राप्त होने वाली सहायता में भेदभाव से मुक्ति
उत्तर : (स) RRB 2006

व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद के 350A के अधीन उपलब्ध प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधाओं की व्यवस्था करने का उपबन्ध है।

2104. संविधान के किस अनुच्छेद के आधार पर वित्तीय आपात की उद्घोषणा राष्ट्रपति करता है ?
(अ) अनुच्छेद 352 (ब) अनुच्छेद 356
(स) अनुच्छेद 360 (द) अनुच्छेद 355
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 360 के आधार पर वित्तीय आपात की उद्घोषणा राष्ट्रपति करता है।

2105. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राज्यों में संवैधानिक तंत्र के विफल होने पर राष्ट्रपति शासन लागू किया जा सकता है ?
(अ) अनुच्छेद 356 (ब) अनुच्छेद 365
(स) अनुच्छेद 359 (द) अनुच्छेद 360
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत राज्यों में संवैधानिक तंत्र के विफल होने पर राष्ट्रपति शासन लागू किया जा सकता है।

2106. संविधान का वह कौन सा अनुच्छेद है जिसके दुरूपयोग की शिकायत संसद के भीतर तथा बाहर सर्वाधिक हुई है और जिसका प्रयोग केन्द्र मं सत्तारूढ़ दल ने अनेक बार अपने स्वार्थ में किया है ?
(अ) अनुच्छेद 352 (ब) अनुच्छेद 356
(स) अनुच्छेद 360 (द) अनुच्छेद 370
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान का वह अनुच्छेद 356 है जिसके दुरूप्योग की शिकायत संसद के भीतर तथा बाहर सर्वाधिक हुई है और जिसका प्रयोग केंद्र में सत्तारूढ़ दल ने अनेक बार अपने स्वार्थ में किया है।

2107. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत नागालैंड राज्य के संबंध में विशेष उपबंधों का प्रावधान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 370 (ब) अनुच्छेद 371(क)
(स) अनुच्छेद 371(ख) (द) अनुच्छेद 371(च)
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 371(क) के अंतर्गत नागालैंड राज्य के संबंध में विशेष उपबन्धों का प्रावधान किया गया है।

2108. अनुच्छेद 356 का सम्बन्ध किससे है ?
(अ) वित्तीय आपात (ब) राष्ट्रीय आपात
(स) राष्ट्रपति शासन (द) संविधान संशोधन
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 356 का संबंध राष्ट्रपति शासन से है। भारत के संदर्भ मं राष्ट्रपति शासन उस समय प्रयोग किया जाने वाला एक पारिभाषिक शब्द है, जब किसी राज्य सरकार को भंग या निलंबित कर दिया जाता है और राज्य प्रत्यक्ष रूप से संघीय शासन के अधीन आ जाता है। भारत के संविधान का अनुच्छेद 356 केंद्र की संघीय सरकार को राज्य में संवैधानिक तंत्र की विफलता या संविधान के स्पष्ट उल्लंघन की दशा में उस राज्य की सरकार को बर्खास्त कर उस राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने का अधिकार देता है। राष्ट्रपति शासन उस स्थिति में भी लागू होता है, जब राज्य विधानसभा में किसी भी दल या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं हो।

2109. भारत के संविधान का अनुच्छेद 368 का सम्बन्ध किससे है ?
(अ) संविधान का सांशेधन करने की भारत की संसद की शक्ति
(ब) वित्तीय आपात
(स) लोकसभा में अनुसूचित जाति व जनजाति का आरक्षण
(द) भारत संघ राजभाषा
उत्तर : (अ) RRB 2005
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 368 का संबंध संविधान में संशोधन करने की संसद की शक्ति और उसकी प्रक्रिया से है।

2110. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में विभिन्न राज्यों से संबंधित विशिष्ट प्रावधान का उल्लेख है ?
(अ) अनुच्छेद 369 (ब) अनुच्छेद 370
(स) अनुच्छेद 371 (द) अनुच्छेद 372
उत्तर : (स) UPPCS 1997
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 371 में विभिन्न राज्यों से संबंधित विशिष्ट प्रावधान का उल्लेख है।

2111. भारत के संविधान के अनुच्छेद 371G में दिए गये विशिष्ट उपबन्ध किस राज्य से सम्बन्धित है ?
(अ) जम्मू कश्मीर (ब) झारखण्ड
(स) मिजोरम (द) नागालैंड
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 371G में दिए गये विशिष्ट उपबन्ध मिजोरम से सम्बन्धित है।

2112. संविधान के किस अनुच्छेद में यह व्यवस्था की गई है कि प्रत्येक राज्य शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की पर्याप्त सुविधाओं की व्यवस्था करने का प्रयास करेगा ?
(अ) अनुच्छेद 349 (ब) अनुच्छेद 35
(स) अनुच्छेद 350A (द) अनुच्छेद 351
उत्तर : (स) IAS 2001
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 350A प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधाओं से संबंधित है। इसके अनुसार प्रत्येक राज्य और राज्य के भीतर प्रत्येक स्थानीय प्राधिकारी भाषाई अल्पसंख्यक वर्गों के बालकों को शिक्षा के प्राथमिक

स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की पर्याप्त सुविधाओं की व्यवस्था करने का प्रयास करेगा और राष्ट्रपति किसी राज्य को ऐसे निर्देश दे सकेगा जो वह ऐसी सुविधाओं का उपबन्ध सुनिश्चित करने के लिस आवश्यक या उचित समझता है।

2113. संविधान के किस अनुच्छेद के प्रावधानों के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा भारत रत्न, पद्म विभूषण आदि अलंकरण प्रदान किये जाते हैं ?
(अ) अनुच्छेद 15 (ब) अनुच्छेद 18
(स) अनुच्छेद 23 (द) अनुच्छेद 32
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 18 के प्रावधानों के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा भारत रत्न, पद्म विभूषण आदि अलंकरण प्रदान किये जाते हैं।

2114. संविधान के किन अनुच्छेदों के अंतर्गत अल्पसंख्यकों को अपनी संस्कृति के संरक्षण तथा अपनी पसंद की शिक्षा संस्थाओं की स्थापना व संचालन के अधिकार को मान्यता प्रदान की गई है ?
(अ) अनुच्छेद 231 (ब) अनुच्छेद 29 व 30
(स) अनुच्छेद 324 (द) अनुच्छेद 38 व 39
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 29 व 30 के अंतर्गत अल्पसंख्यकों को अपनी संस्कृति के संरक्षण तथा अपनी पसंद की शिक्षा संस्थाओं की स्थापना व संचालन के अधिकार को मान्यता प्रदान की गई है।

2115. भारतीय संविधान में समानता का अधिकार किन अनुच्छेदों में किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 16 से 20 (ब) अनुच्छेद 15 से 19
(स) अनुच्छेद 14 से 18 (द) अनुच्छेद 13 और 17
उत्तर : (स) IAS 2002
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–3 में मौलिक अधिकारों का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत 'समानता का अधिकार' अनुच्छेद 14 से 18 तक है। स्वतंत्रता का अधिकार अनुच्छेद 19 से 22 तक, शोषण के विरुद्ध अधिकार अनुच्छेद 23 से 24 तक, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार अनुच्छेद 25 से 28 तक, संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार अनुच्छेद 29 से 30 तक तथा संवैधानिक उपचारों का अधिकार अनुच्छेद 32 में वर्णित है।

2116. नीति निर्देशक सिद्धांतों के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से कौनसा अंतर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा के संवर्द्धन से संबंधित है ?
(अ) अनुच्छेद 51 (ब) अनुच्छेद 48(क)
(स) अनुच्छेद 43(क) (द) अनुच्छेद 41
उत्तर : (अ) IAS 2002
व्याख्या– नीति निर्देशक सिद्धांतों के अनुच्छेद 51 अंतर्राष्ट्रीय शान्ति और सुरक्षा के संवर्द्धन से संबंधित है।

2117. जब केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2002 में चुनाव सुधारों पर अध्यादेश में बिना किसी बदलाव के उसे राष्ट्रपति को वापस भेजा, तब राष्ट्रपति ने भारतीय संविधान के कौन से अनुच्छेद के अंतर्गत उसे अपनी सहमति दी ?
(अ) अनुच्छेद 121 (ब) अनुच्छेद 122
(स) अनुच्छेद 123 (द) अनुच्छेद 124
उत्तर : (स) IAS 2003
व्याख्या– जब केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2002 में चुनाव सुधारों पर अध्यादेश में बिना किसी बदलाव के उसे राष्ट्रपति को वापस भेजा, तब राष्ट्रपति ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 123 के अंतर्गत अपनी सहमति दी।

2118. भारत के संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से किसके अनुसार प्रत्येक राज्य की कार्यपालिका शक्ति का इस प्रकार प्रयोग किया जाएगा, जिससे कोई प्रतिकूल प्रभाव न पड़े ?
(अ) अनुच्छेद 257 (ब) अनुच्छेद 258
(स) अनुच्छेद 355 (द) अनुच्छेद 356
उत्तर : (ब) IAS 2004
व्याख्या– भारत के संविधान के अनुच्छेद 258 के अनुसार प्रत्येक राज्य की कार्यपालिका शक्ति का इस प्रकार प्रयोग किया जाएगा, जिससे कोई पतिकूल प्रभाव न पड़े।

2119. भारतीय संविधान में समानता का अधिकार पांच अनुच्छेदों द्वारा प्रदान किया गया है, यह हैं–
(अ) अनुच्छेद 16 से 20 (ब) अनुच्छेद 15 से 19
(स) अनुच्छेद 14 से 18 (द) अनुच्छेद 13 और 17
उत्तर : (स) IAS 2002
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–3 में मौलिक अधिकारों का प्रावधान किया गया है। इसके अंतर्गत 'समानता का अधिकार' अनुच्छेद 14 से 18 तक है। स्वतंत्रता का अधिकार अनुच्छेद 19 से 22 तक, शोषण के विरुद्ध अधिकार अनुच्छेद 23 से 24 तक, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार अनुच्छेद 25 से 28 तक, संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार अनुच्छेद 29 से 30 तक तथा संवैधानिक उपचारों का अधिकार अनुच्छेद 32 में वर्णित है।

2120. भारत के संविधान के निम्नलिखित कौनसे अनुच्छेद में उपबन्ध है कि 14 वर्ष से कम उम्र के किसी बालक को किसी कारखाने या खान में काम करने के लिए नियोजित नहीं किया जाएगा या किसी अन्य परिसंकटमय नियोजन में नहीं लगाया जाएगा ?
(अ) अनुच्छेद 24 (ब) अनुच्छेद 45
(स) अनुच्छेद 330 (द) अनुच्छेद 368
उत्तर : (अ) IAS 2004
व्याख्या– भारत के संविधान के अनुच्छेद 24 में उपबन्ध है कि 14 वर्ष से कम उम्र के किसी बालक को किसी कारखाने या खान में काम करने के लिए

नियोजित नहीं किया जाएगा या किसी अन्य परिसंकटमय नियोजन में नहीं लगाया जाएगा।

2121. भारत के संविधान के अनुच्छेद 3 के अनुसार संसद विधि द्वारा–
1. किसी भी देश पर आक्रमण की घोषणा कर सकेगी
2. किसी भी राज्य की सीमाओं में परिवर्तन कर सकेगी
3. किसी भी राज्य का क्षेत्रफल बढ़ा सकेगी
4. किसी भी राज्य के अंतर्गत स्वायत्त परिषद् की स्थापना कर सकेगी
नीचे दिए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए।
(अ) 3 (ब) 1, 2, 4
(स) 2, 3 (द) 1, 2, 3
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 3 के अनुसार संसद विधि द्वारा किसी भी राज्य की सीमाओं में परिवर्तन कर सकेगी और किसी भी राज्य का क्षेत्रफल बढ़ा सकेगी।

2122. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत भारत सरकार का दायित्व है कि वह बाह्य आक्रमण एवं आंतरिक अशांति से राज्यों की रक्षा करे ?
(अ) अनुच्छेद 355 (ब) अनुच्छेद 356
(स) अनुच्छेद 352 (द) अनुच्छेद 360
उत्तर : (अ) RAS/RTS 2008
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 355 के अंतर्गत भारत सरकार का दायित्व है कि वह बाह्य आक्रमण एवं आंतरिक अशांति से राज्यों की रक्षा करे।

2123. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की नियुक्ति होती है ?
(अ) अनुच्छेद 146 (ब) अनुच्छेद 147
(स) अनुच्छेद 148 (द) अनुच्छेद 149
उत्तर : (स) SSC 2008
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 148(i) के प्रावधानों के अंतर्गत भारत के नियंत्रक तथा महालेक्षा परीक्षक की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

2124. भारत के संविधान के अनुच्छेद 355 के अधीन संघ का यह दायित्व है कि वह–
(अ) बाहरी आक्रमण और आंतरिक अशांति से राज्य की सुरक्षा करे
(ब) किसी भी राज्य पर संघ की कार्यपालिका शक्ति का विस्तार अनुज्ञात करे
(स) यह घोषणा करे कि किसी राज्य विधान मंडल के अधिकार संसद द्वारा अथवा संसद के प्राधिकार के अधीन प्रयोज्य होंगे
(द) संसद को अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति की सूची में किसी भी जाति प्रजाति अथवा जनजाति को सम्मिलित अथवा अपवर्जित करने का अनुज्ञात करे
उत्तर : (अ) IAS 2003
व्याख्या– भारत के संविधान के अनुच्छेद 355 के अधीन संघ का यह दायित्व है कि वह बाहरी आक्रमण और आंतरिक अशांति से राज्य की सुरक्षा करे।

2125. ''भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण एवं सुधार''। यह कथन भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में संदर्भित है ?
(अ) अनुच्छेद 48A (ब) अनुच्छेद 51A
(स) अनुच्छेद 56 (द) अनुच्छेद 21
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य होगा कि प्राकृतिक पर्यावरण का संरक्षण एवं सुधार करे। यह कथन संविधान के अनुच्छेद 48A में संदर्भित है।

2126. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत अर्न्राष्ट्रीय समझौतों को प्रभावी बनाने हेतु संसद राज्य सूची के विषय पर कानून बना सकती है ?
(अ) अनुच्छेद 249 (ब) अनुच्छेद 250
(स) अनुच्छेद 252 (द) अनुच्छेद 253
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 253 में उल्लेख है कि संसद को किसी अन्य देश या देशों के साथ की गयी किसी संधि, करार के कार्यान्वयन के लिए भारत के संपूर्ण राज्यक्षेत्र या उसके किसी भाग के लिए कोई विधि बनाने की शक्ति है। इस प्रकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 253 के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय समझौतों को प्रभावी बनाने हेतु संसद राज्य सूची के विषय पर कानून बना सकती है।

2127. राज्य विधान सभाओं में आंग्ल भारतीय समुदाय के लिए प्रतिनिधित्व का प्रावधान भारत के संविधान के किस अनुच्छेद से संदर्भित है ?
(अ) अनुच्छेद 330 (ब) अनुच्छेद 331
(स) अनुच्छेद 332 (द) अनुच्छेद 333
उत्तर : (द) SSC 2010
व्याख्या– राज्य विधान सभाओं में आंग्ल भारतीय समुदाय के लिए प्रतिनिधित्व का प्रावधान भारत के संविधान के अनुच्छेद 333 में संदर्भित है।

2128. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद भारत की विदेश नीति से सम्बन्धित है ?
(अ) अनुच्छेद 380 (ब) अनुच्छेद 312
(स) अनुच्छेद 60 (द) अनुच्छेद 51
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 51 विदेश नीति से संबंधित है। अनुच्छेद 51 में अंतर्राष्ट्रीय शान्ति एवं सुरक्षा में अभिवृद्धि के लिए गुटनिरपेक्ष नीति, पंचशील सिद्धांत तथा संयुक्त राष्ट्र संघ का

समर्थन आदि को अपनी विदेश नीति के आधार स्तम्भ के रूप में स्वीकार किया है।

2129. निम्न में से भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद का उपयोग अभी तक नहीं किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 60 (ब) अनुच्छेद 352
(स) अनुच्छेद 356 (द) अनुच्छेद 360
उत्तर : (द)
व्याख्या– किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन अनुच्छेद 356 के तहत लगाया जाता है। राज्य की स्थिति के बारे में राज्यपाल रिपोर्ट भेजता है। अनुच्छेद 352 के तहत देश में आंतरिक अशान्ति या बाह्य आक्रमण के अवसर पर राष्ट्रपति शासन लगाया जाता है, जबकि अनुच्छेद 360 के तहत देश में वित्तीय आपात की घोषणा की जा सकती है। अभी तक अनुच्छेद 360 का उपयोग नहीं हुआ है।

2130. डॉ. अम्बेडकर के अनुसार कौनसा अनुच्छेद भारतीय संविधान का सबसे महत्वपूर्ण अनुच्छेद है ?
(अ) अनुच्छेद 21 (ब) अनुच्छेद 24
(स) अनुच्छेद 32 (द) अनुच्छेद 256
उत्तर : (स) SSC 2017
व्याख्या– डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने अनुच्छेद 32 को 'संविधान की आत्मा' कहा है। उनके अनुसार 'यदि मुझसे पूछा जाए कि संविधान में कौनसा अनुच्छेद सबसे महत्वपूर्ण है जिसके बिना यह संविधान शून्य हो जाएगा तो अनुच्छेद 32 के सिवाय किसी दूसरे अनुच्छेद का नाम नहीं लूंगा। यह संविधान की आत्मा है। अनुच्छेद 32 का सम्बन्ध संवैधानिक उपचारों के अधिकार से है।

2131. सूची–I का सूची–II से सुमेलित कीजिए :
सूची–I (संस्थान)
A. भारत का नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक
B. वित्त आयोग
C. प्रशासनिक अधिकरण
D. संघ लोक सेवा आयोग
सूची–II (अनुच्छेद)
1. 315
2. 280
3. 148
4. 323A
(अ) A – 3, B – 2, C – 4, D - 1
(ब) A – 3, B – 4, C – 2, D - 1
(स) A – 4, B – 1, C – 2, D - 3
(द) A – 2, B – 3, C – 1, D - 4
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान का अनुच्छेद 315 संघ लोक सेवा आयोग, अनुच्छेद 280 वित्त आयोग, अनुच्छेद 148 भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक तथा अनुच्छेद 323A प्रशासनिक अधिकरण से सबंधित है।

2132. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में नए राज्य के प्रवेश या स्थापना का प्रावधान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 1 (ब) अनुच्छेद 2
(स) अनुच्छेद 3 (द) अनुच्छेद 4
उत्तर : (ब) SSC 2017
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 2 में नए राज्य के प्रवेश या स्थापना का प्रावधान किया गया है।

2133. 42वें संशोधन द्वारा संविधान के किस अनुच्छेद में मौलिक कर्तव्यों को जोड़ा गया है ?
(अ) अनुच्छेद 51 (ब) अनुच्छेद 51क
(स) अनुच्छेद 29ख (द) अनुच्छेद 39ग
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 के द्वारा संविधान में अनुच्छेद 51क जोड़ा गया, जिसमें भारतीय नागरिकों के कुल 11 मौलिक कर्तव्यों के बारे में उल्लेख किया गया है।

2134. किसी राज्य में विधान परिषद् की स्थापना ओर समाप्ति का प्रावधान किस अनुच्छेद में है ?
(अ) अनुच्छेद 170 (ब) अनुच्छेद 169
(स) अनुच्छेद 168 (द) अनुच्छेद 167
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 169 में किसी राज्य में विधान परिषद की स्थापना और समाप्ति का प्रावधान है।

2135. संविधान के किस अनुच्छेद में यह अंकित है कि इंडिया अर्थात् 'भारत राज्यों का एक संघ होगा'?
(अ) अनुच्छेद 1 (ब) अनुच्छेद 2
(स) अनुच्छेद 3 (द) अनुच्छेद 4
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 में यह अंकित है कि इंडिया अर्थात् भारत राज्यों का एक संघ होगा।

2136. संविधान के किस अनुच्छेद में धन विधेयक की परिभाषा दी गई है ?
(अ) अनुच्छेद 103 (ब) अनुच्छेद 109
(स) अनुच्छेद 110 (द) अनुच्छेद 124
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 110 में धन विधेयक की परिभाषा दी गई है।

2137. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत भारत के राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाया जा सकता है ?
(अ) अनुच्छेद 61 (ब) अनुच्छेद 75
(स) अनुच्छेद 76 (द) अनुच्छेद 85
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 61 के अंतर्गत भारत के राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाया जा सकता है। अभी तक किसी भी राष्ट्रपति पर महाभियोग की प्रक्रिया नहीं चलायी गई है।

2138. संविधान के किस अनुच्छेद में राष्ट्रपति को क्षमादान की शक्ति प्राप्त है ?
(अ) अनुच्छेद 61 (ब) अनुच्छेद 75
(स) अनुच्छेद 74 (द) अनुच्छेद 72
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 72 में राष्ट्रपति को क्षमादान की शक्ति प्राप्त है।

2139. भारत के संविधान का निम्नलिखित में से कौनसा अनुच्छेद अस्पृश्यता का उन्मूलन करता है तथा किसी भी रूप में इसके आचरण का निषेध करता है ?
(अ) अनुच्छेद 15 (ब) अनुच्छेद 16
(स) अनुच्छेद 17 (द) अनुच्छेद 18
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद 17 में भारत में अस्पृश्यता का उन्मूलन करता है तथा किसी भी रूप में इसके आचरण पर निषेध करता है।

34.राजभाषा

2140. संविधान की कौनसी अनुसूची में क्षेत्रीय भाषाओं का उल्लेख है ?
(अ) सातवीं अनुसूची (ब) आठवीं अनुसूची
(स) नौवीं अनुसूची (द) दसवीं अनुसूची
उत्तर : (ब) RRB 2004
व्याख्या– भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची भारत की भाषाओं से संबंधित है। इस अनुसूची में 22 भारतीय भाषाओं को शामिल किया गया है। इसके बाद कोंकणी, मणिपुरी और नेपाली भाषा को 1992 ई. में जोड़ा गया। 2003 में बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली भाषा शामिल की गई।

2141. संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं की संख्या कितनी है ?
(अ) 19 (ब) 18
(स) 22 (द) 16
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची भारत की भाषाओं से संबंधित है। इस अनुसूची में 22 भारतीय भाषाओं को शामिल किया गया है।

2142. भारतीय संविधान में किन अनुच्छेदों में राजभाषा सम्बन्धी प्रावधानों का उल्लेख है ?
(अ) 343 से 351 तक (ब) 434 से 315 तक
(स) 443 से 451 तक (द) 334 से 353 तक
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान में अनुच्छेद 343 से 351 तक में राजभाषा सम्बन्धी प्रावधानों का उल्लेख है।

2143. भारत की राजभाषा है–
(अ) हिंदी (ब) अंग्रेजी
(स) हिंदी व अंग्रेजी (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को हिन्दी को भारत की राजभाषा स्वीकार किया। इसके बाद संविधान में अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा के सम्बन्ध में व्यवस्था की गयी। इसकी स्मृति में 14 सितम्बर का दिन प्रतिवर्ष हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत की राजभाषा हिन्दी है। भारतीय संविधान में राष्ट्रभाषा का उल्लेख नहीं है।

2144. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत हिंदी को राजभाषा के रूप में दर्जा प्रदान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 348 (i) (ब) अनुच्छेद 346 (i)
(स) अनुच्छेद 343 (i) (द) अनुच्छेद 345 (i)
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343(1) के अनुसार भारतीय संघ की राजभाषा हिन्दी एवं लिपि देवनागरी है।

2145. भारतीय संघ की आधिकारिक भाषा के रूप में संविधान द्वारा किसे मान्यता प्राप्त है ?
(अ) 8वीं अनुसूची में वर्णित भाषाओं में से एक
(ब) हिंदी
(स) संस्कृत
(द) अंग्रेजी
उत्तर : (ब) RRB 2006
व्याख्या– भारतीय संविधान की धारा 343(1) के अनुसार भारतीय संघ की राजभाषा हिन्दी एवं लिपि देवनागरी है। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिये प्रयुक्त अंको का रूप भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप अर्थात् 1,2,3 आदि है, किन्तु इसके साथ संविधान में यह भी व्यवस्था की गई है कि संघ के कार्यकारी, न्यायिक और वैधानिक प्रयोजनों के लिए 1965 तक अंग्रेजी का प्रयोग जारी रहे, तथापि यह प्रावधान किया गया था कि उक्त अवधि के दौरान भी राष्ट्रपति कपितय विशिष्ट प्रयोजनों के लिए हिंदी के प्रयोग का प्राधिकार दे सकते हैं।

2146. हिंदी देश की राजभाषा है, लेकिन शासकीय प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी भाषा को प्रयोग को कब तक करने की अनुमति प्रदान की गई है ?
(अ) 2009 ई.
(ब) 2011 ई.
(स) 2026 ई.
(द) अनिश्चित काल के लिए
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान में यह व्यवस्था की गई कि संघ के कार्यकारी, न्यायिक और वैधानिक प्रयोजनों के लिए 1965 तक अंग्रेजी का प्रयोग जारी रहे तथापि यह प्रावधान किया गया था कि उक्त अवधि के दौरान भी राष्ट्रपति कतिपय विशिष्ट प्रयोजनों के लिए हिदी के प्रयोग का प्राधिकार दे सकते है।

2147. किसी भाषा को किसी राज्य की राजभाषा के रूप में अंगीकार करने का अधिकार किसे है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) संसद
(स) राज्य विधानमंडल (द) राजभाषा आयोग
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 346 और अनुच्छेद 347 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, किसी राज्य का विधान मंडल, विधि द्वारा, उस राज्य में प्रयोग होने वाली भाषाओं में से किसी एक या अधिक भाषाओं को या हिंदी को उस राज्य के सभी या किन्हीं शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग की जाने वाली भाषा या भाषाओं के रूप में अंगीकार कर सके, परन्तु जब तक राज्य विधानमंडल विधि द्वारा, अन्यथा उपबंध न करे तब तक राज्य के भीतर उन शासकीय प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया जाता रहेगा जिनके लिए उसका इस संविधान के प्रारंभ से ठीक पहले प्रयोग किया जा रहा था।

2148. संविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं में निम्नांकित में से कौनसी भाषा बोलने वाले सर्वाधिक है ?
(अ) बांग्ला (ब) गुजराती
(स) मराठी (द) तेलुगू
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान की 8वीं अनुसूची में सम्मिलित भाषाओं में से बांग्ला भाषा बोलने वाले सर्वाधिक है। बांग्ला भाषा बांग्लादेश और भारत के पश्चिम बंगाल, असम तथा त्रिपुरा राज्यों में बोली जाती है। यह बांग्लादेश की राजभाषा और भारत के संविधान द्वारा मान्यता प्राप्त 18 भाषाओं में से एक है।

2149. संविधान की आठवीं अनुसूची में सूचीबद्ध निम्नलिखित में से कौनसी एक किसी राज्य की भाषा है ?
(अ) कश्मीरी (ब) उर्दू
(स) सिंधी (द) नेपाली
उत्तर : (ब) SSC 2002
व्याख्या– उर्दू भाषा हिन्दुस्तानी भाषा की एक मानकीकृत रूप मानी जाती है। ये पाकिस्तान की राष्ट्रभाषा है। उर्दू भारत के राज्य जम्मू और कश्मीर की मुख्य प्रशासनिक भाषा है, साथ ही तेलंगाना, दिल्ली, बिहार और उत्तर प्रदेश की अतिरिक्त शासकीय भाषा है।

2150. निम्नलिखित में से किस राज्य में उर्दू को राजकाज की भाषा के रूप में अंगीकार किया है ?
(अ) राजस्थान (ब) मध्य प्रदेश
(स) आन्ध्र प्रदेश (द) जम्मू–कश्मीर
उत्तर : (द)
व्याख्या– उर्दू भारत के राज्य जम्मू और कश्मीर की मुख्य प्रशासनिक भाषा है, साथ ही तेलंगाना, दिल्ली, बिहार और उत्तर प्रदेश की अतिरिक्त शासकीय भाषा है।

2151. निम्नलिखित में कौनसी भाषा संविधान की आठवीं अनुसूची में नहीं है ?
(अ) उर्दू (ब) नेपाली
(स) कोंकणी (द) भोजपुरी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाएँ है– असमिया, उड़िया, उर्दू, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, गुजराती, डोगरी, तमिल, तेलुगू, नेपाली पंजाबी, बांग्ला, बोडो, मणिपुरी, मराठी, मलयालम, मैथिली, संथाली, संस्कृत, सिंधी, हिंदी।

2152. डोगरी भाषा किस राज्य में बोली जाती है ?
(अ) जम्मू–कश्मीर (ब) असम
(स) बिहार (द) ओड़िसा
उत्तर : (अ)

व्याख्या– डोगरी भारत के जम्मू और कश्मीर राज्य में बोली जाने वाली भाषा है। वर्ष 2004 में इसे भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया है।

2153. सिंधी को किस संवैधानिक संशोधन द्वारा संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया ?
(अ) 21वाँ (ब) 23वाँ
(स) 30वाँ (द) 32वाँ
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 21वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1967 के द्वारा सिंधी भाषा को 8वीं अनुसूची में जोड़ा गया। सन् 1992 में 71वें संविधान संशोधन द्वारा कोंकणी, नेपाली तथा मणिपुरी भाषाएँ आठवीं अनुसूची में जोड़ी गई थी।

2154. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 344 के तहत प्रथम राजकीय भाषा आयोग का गठन हुआ था–
(अ) 1950 ई. में के.एम. मुंशी की अध्यक्षता में
(ब) 1955 ई. में बी.जी. खेर की अध्यक्षता में
(स) 1960 ई. में एम.सी. खालसा की अध्यक्षता में
(द) 1965 ई. में हुमायूं कबीर की अध्यक्षता में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 344(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 7 जून, 1955 को श्री बी.जी. खेर की अध्यक्षता में राजभाषा आयोग का गठन किया था।

2155. संविधान के किस अनुच्छेद में यह व्यवस्था की गई है कि प्रत्येक राज्य शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की पर्याप्त सुविधाओं को उपलब्ध कराने का प्रयास करेगा ?
(अ) अनुच्छेद 349 (ब) अनुच्छेद 350
(स) अनुच्छेद 350A (द) अनुच्छेद 351
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 350क में प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की सुविधाओं से संबंधित उपबंध है। प्रत्येक राज्य और राज्य के भीतर प्रत्येक स्थानीय प्राधिकारी भाषाई अल्पसंख्यक वर्गों के बालकों को शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर मातृभाषा में शिक्षा की पर्याप्त सुविधाओं की व्यवस्था करने का प्रयास करेगा और राष्ट्रपति किसी राज्य को ऐसे निर्देश दे सकेगा जो वह ऐसी सुविधाओं का उपबंध सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक या उचित समझता है।

2156. संविधान के 21वें संशोधन द्वारा संविधान की आठवीं अनुसूची में निम्नांकित में से कौनसी भाषा सम्मिलित की गई ?
(अ) संस्कृत (ब) सिंधी
(स) उर्दू (द) अंग्रेजी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सन् 1967 में 21वें संविधान संशोधन द्वारा सिंधी भाषा आठवीं अनुसूची में जोड़ी गई थी।

2157. कौनसी भाषा हमारे सविधान की आठवीं अनुसूची में सम्मिलित नहीं है ?
(अ) गुजराती (ब) कश्मीरी
(स) राजस्थानी (द) डोगरी
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान की धारा 343(1) के अनुसार भारतीय संघ की राजभाषा हिन्दी एवं लिपि देवनागरी है। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिये प्रयुक्त अंको का रूप भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप अर्थात् 1,2,3 आदि है किन्तु इसके साथ संविधान में यह भी व्यवस्था की गई है कि संघ के कार्यकारी, न्यायिक और वैधानिक प्रयोजनों के लिए 1965 तक अंग्रेजी का प्रयोग जारी रहे तथापि यह प्रावधान किया गया था कि उक्त अवधि के दौरान भी राष्ट्रपति कपितय विशिष्ट प्रयोजनों के लिए हिंदी के प्रयोग का प्राधिकार दे सकते हैं। अंग्रेजी नागालैंड की राजकीय भाषा है।

2158. निम्न में से किस भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल नहीं किया गया है जबकि वह एक राज्य की राजकीय भाषा है ?
(अ) अंग्रेजी (ब) सिंधी
(स) उर्दू (द) संस्कृत
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की धारा 343(1) के अनुसार भारतीय संघ की राजभाषा हिन्दी एवं लिपि देवनागरी है। संघ के राजकीय प्रयोजनों के लिये प्रयुक्त अंको का रूप भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप अर्थात् 1,2,3 आदि है किन्तु इसके साथ संविधान में यह भी व्यवस्था की गई है कि संघ के कार्यकारी, न्यायिक और वैधानिक प्रयोजनों के लिए 1965 तक अंग्रेजी का प्रयोग जारी रहे तथापि यह प्रावधान किया गया था कि उक्त अवधि के दौरान भी राष्ट्रपति कपितय विशिष्ट प्रयोजनों के लिए हिंदी के प्रयोग का प्राधिकार दे सकते हैं।

2159. किस संवैधानिक संशोधन के द्वारा संविधान की आठवीं अनुसूची में बोडो, डोगरी, संथाली और मैथिली भाषाओं का समावेश किया गया ?
(अ) 21वां (ब) 71वां
(स) 91वां (द) 92वां
उत्तर : (द)
व्याख्या– 92वें संविधान संशोधन, 2003 के तहत संविधान की आठवीं अनुसूची में बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली भाषाओं का समावेश किया गया।

2160. भारत के किस राज्य में उर्दू को प्रथम राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया है ?
(अ) उत्तर प्रदेश (ब) बिहार
(स) जम्मू एवं कश्मीर (द) महाराष्ट्र
उत्तर : (स) IAS 1986

व्याख्या– उर्दू भारत के राज्य जम्मू और कश्मीर की मुख्य प्रशासनिक भाषा है, साथ ही तेलंगाना, दिल्ली, बिहार और उत्तर प्रदेश की अतिरिक्त शासकीय भाषा है।

2161. आठवें परिशिष्ट का संबंध है–
(अ) भाषा से (ब) अनुसूचित जाति से
(स) आरक्षण से (द) मूल अधिकार से
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची भारत की भाषाओं से संबंधित है। इस अनुसूची में 22 भारतीय भाषाओं को शामिल किया गया है। इसके बाद कोंकणी, मणिपुरी और नेपाली भाषा को 1992 ई. में जोड़ा गया। 2003 में बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली भाषा शामिल की गई।

2162. भारतीय संविधान में कितनी भाषाएँ क्षेत्रीय भाषाओं के रूप में मान्यता प्राप्त है ?
(अ) 12 (ब) 13
(स) 14 (द) 22
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची भारत की भाषाओं से संबंधित है। इस अनुसूची में 22 भारतीय भाषाओं को शामिल किया गया है। भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाएँ है– असमिया, उड़िया, उर्दू, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, गुजराती, डोगरी, तमिल, तेलुगू, नेपाली पंजाबी, बांग्ला, बोडो, मणिपुरी, मराठी, मलयालम, मैथिली, संथाली, संस्कृत, सिंधी, हिंदी।

2163. निम्न में से कौनसी भाषा भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लेखित नहीं है ?
(अ) संस्कृत (ब) सिंधी
(स) अंग्रेजी (द) नेपाली
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल भाषाएँ है– असमिया, उड़िया, उर्दू, कन्नड़, कश्मीरी, कोंकणी, गुजराती, डोगरी, तमिल, तेलुगू, नेपाली पंजाबी, बांग्ला, बोडो, मणिपुरी, मराठी, मलयालम, मैथिली, संथाली, संस्कृत, सिंधी, हिंदी। नागालैंड की राजकीय भाषा अंग्रेजी है।

2164. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में राष्ट्रपति को राजभाषा से संबंधित कुछ विषयों में सलाह देने के लिए एक आयोग की नियुक्ति का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद–343 (ब) अनुच्छेद–243
(स) अनुच्छेद–344 (द) अनुच्छेद–345
उत्तर : (स)
व्याख्या–भारतीय संविधान के अनुच्छेद–344 में राष्ट्रपति को राजभाषा से संबंधित कुछ विषयों में सलाह देने के लिए एक आयोग की नियुक्ति का प्रावधान है। राष्ट्रपति ने इस अधिकार का प्रयोग करते हुए 1955 ई. में श्री बी.जी. खरे की अध्यक्षता में प्रथम राजभाषा आयोग का गठन किया गया। इस आयोग ने 1956 ई. में अपना प्रतिवेदन दिया।

2165. भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में कौनसी भाषा वर्ष 2003 में जोड़ी गई ?
(अ) कोंकणी (ब) सिंधी
(स) मणिपुरी (द) संथाली
उत्तर : (द)
व्याख्या– 92वें संविधान संशोधन, 2003 के तहत संविधान की आठवीं अनुसूची में बोडो, डोगरी, मैथिली और संथाली भाषाओं का समावेश किया गया।

2166. 1955 ई. में गठित राजभाषा आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?
(अ) बी.जी. खेर (ब) बी. कृष्णा
(स) जी.जी. मीरचंदानी (द) इकबाल नारायण
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रपति ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 344(1) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 7 जून, 1955 को श्री बी.जी. खेर की अध्यक्षता में राजभाषा आयोग का गठन किया था।

2167. संविधान के किस भाग के अनुसार संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी है ?
(अ) भाग–11 (ब) भाग–18
(स) भाग–17 (द) भाग–10
उत्तर : (स)
व्याख्या–संविधान के भाग–17 के अनुच्छेद–343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी है।

2168. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी है ?
(अ) अनुच्छेद–343 (ब) अनुच्छेद–243
(स) अनुच्छेद–344 (द) अनुच्छेद–345
उत्तर : (अ)
व्याख्या–संविधान के भाग–17 के अनुच्छेद–343 के अनुसार संघ की राजभाषा हिन्दी और लिपि देवनागरी है।

2169. 1955 ई. में राष्ट्रपति ने किसकी अध्यक्षता में प्रथम राजभाषा आयोग का गठन किया ?
(अ) श्री बी.जी. खरे (ब) मदन मोहन पुंछी
(स) राजीव कुमार (द) इनमें से कुछ नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या–भारतीय संविधान के अनुच्छेद–344 में राष्ट्रपति को राजभाषा से संबंधित कुछ विषयों में सलाह देने के लिए एक आयोग की नियुक्ति का प्रावधान है। राष्ट्रपति ने इस अधिकार का प्रयोग करते हुए 1955 ई. में श्री बी.जी. खरे की अध्यक्षता में प्रथम राजभाषा आयोग का गठन किया। इस आयोग ने 1956 ई. में अपना प्रतिवेदन दिया।

2170. प्रथम राजभाषा आयोग का गठन कब किया गया ?
(अ) 1956 ई. (ब) 1957 ई.
(स) 1955 ई. (द) 1958 ई.
उत्तर : (अ)
व्याख्या–भारतीय संविधान के अनुच्छेद–344 में राष्ट्रपति को राजभाषा से संबंधित कुछ विषयों में सलाह देने के लिए एक आयोग की नियुक्ति का प्रावधान है। राष्ट्रपति ने इस अधिकार का प्रयोग करते हुए 1955 ई. में श्री बी.जी. खरे की अध्यक्षता में प्रथम राजभाषा आयोग का गठन किया। इस आयोग ने 1956 ई. में अपना प्रतिवेदन दिया।

2171. 21वें संविधान संशोधन, 1967 ई. के द्वारा किस भाषा को आठवीं अनुसूची में जोड़ा गया ?
(अ) सिन्धी (ब) मणिपुरी
(स) कोंकणी (द) नेपाली
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 21वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1967 ई. के द्वारा सिन्धी भाषा को आठवीं अनुसूची में जोड़ा गया।

2172. 71वें संविधान संशोधन, 1992 ई. के द्वारा किस भाषा को आठवीं अनुसूची में जोड़ा गया ?
(अ) मणिपुरी (ब) कोंकणी
(स) नेपाली (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– 71वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 ई. के द्वारा मणिपुरी, कोंकणी एवं नेपाली को आठवीं अनुसूची में जोड़ा गया।

2173. संविधान की किस अनुसूची में 22 भाषाओं को राजभाषा के रूप में मान्यता दी गई है ?
(अ) आठवीं अनुसूची (ब) सातवीं अनुसूची
(स) छठी अनुसूची (द) पाँचवीं अनुसूची
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की 8वीं अनुसूची में 22 भाषाओं को राजभाषा के रूप में मान्यता प्राप्त है– (1) असमिया (2) बंगला (3) गुजराती (4) हिन्दी (5) कन्नड़ (6) कश्मीरी (7) मलयालम (8) मराठी (9) उड़िया (10) पंजाबी (11) संस्कृत (12) सिन्धी (13) तमिल (14) तेलुगू (15) उर्दू (16) कोंकणी (17) मणिपुरी (18) नेपाली (19) मैथिली (20) संथाली (21) डोगरी (22) बोडो।

2174. 92वें संविधान संशोधन, 2003 ई. के द्वारा किस भाषा को आठवीं अनुसूची में जोड़ा गया ?
(अ) मणिपुरी, कोंकणी एवं नेपाली
(ब) मैथिली, संथाली, डोगरी एवं बोडो
(स) असमिया, बंगला, गुजराती
(द) गुजराती, हिन्दी एवं कन्नड़
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 92वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 ई. के द्वारा भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में मैथिली, संथाली, डोगरी एवं बोडो भाषाओं को जोड़ा गया।

2175. संविधान के किस अनुच्छेद के अधीन प्रत्येक राज्य के विधान मंडल को यह अधिकार दिया गया है कि वह विधि द्वारा राज्य के राजकीय प्रयोजनों में से सब अथवा किसी के प्रयोग के लिए उस राज्य में प्रयुक्त होने वाली भाषाओ में से किसी एक या अनेक को या हिन्दी को अंगीकार कर सकता है ?
(अ) अनुच्छेद–343 (ब) अनुच्छेद–243
(स) अनुच्छेद–344 (द) अनुच्छेद–345
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–345 के अधीन प्रत्येक राज्य के विधान मंडल को यह अधिकार दिया गया है कि वह विधि द्वारा राज्य के राजकीय प्रयोजनों में से सब या किसी के प्रयोग के लिए उस राज्य में प्रयुक्त होने वाली भाषाओ में से किसी एक या अनेक को या हिन्दी को अंगीकार कर सकता है, परंतु जब तक राज्य का विधान मंडल, विधि द्वारा, अन्यथा उपबंध न करे तब तक राज्य के भीतर उन शासकीय प्रयोजनों के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया जाता रहेगा जिनके लिए उसका इस संविधान के प्रारंभ से ठीक पहले प्रयोग किया जा रहा था। इस उपबंध के अंतर्गत अधिकांश राज्यों ने मुख्य क्षेत्रीय भाषा को अपनी राजभाषा के रूप में अंगीकार किया। इस उपबंध के तहत आन्ध्रप्रदेश ने तेलुगू, केरल ने मलयामल, असम ने असमिया, पश्चिम बंगाल ने बंगाली, ओड़िशा ने उड़िया, गुजरात ने गुजराती, के अलावा हिन्दी, गोवा ने कोंकणी के अतिरिक्त मराठी एवं गुजराती, जम्मू–कश्मीर ने उर्दू, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय एवं नगालैंड ने अंग्रेजी, त्रिपुरा ने कोक्बोरोक, पुदुचेरी ने फ्रांसीसी, मिजोरम ने मिजो। राज्यों द्वारा भाषा का चुनाव संविधान की बनी आठवीं अनुसूची में उल्लेखित भाषाओं तक ही सीमित नहीं है।

2176. संविधान के किस अनुच्छेद के अधीन यदि दो या अधिक राज्य यह करार करते हैं कि उन राज्यों के बीच पत्रादि की राजभाषा हिन्दी भाषा होगी तो ऐसे पत्रादि के लिए उस भाषा का प्रयोग किया जा सकेगा ?
(अ) अनुच्छेद–343 (ब) अनुच्छेद–346
(स) अनुच्छेद–344 (द) अनुच्छेद–345
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्यों के परस्पर संबंध में तथा संघ तथा राज्यों के परस्पर संबंधों में संघ की राजभाषा को ही प्राधिकृत भाषा माना जायेगा, परंतु यदि दो या अधिक राज्य यह करार करते हैं कि उन राज्यों के बीच पत्रादि की राजभाषा हिन्दी भाषा होगी तो ऐसे पत्रादि के लिए उस भाषा का प्रयोग किया जा सकेगा।

2177. भारत के संविधान के अधीन किस भाषा को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिया गया है ?
(अ) हिन्दी (ब) अंग्रेजी
(स) संस्कृत (द) किसी भाषा को नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान के अधीन किसी भाषा को राष्ट्रीय भाषा को राष्ट्रीय भाषा क रूप में नहीं अपनाया गया है। इसके अधीन हिन्दी को केवल राजभाषा के रूप में रखा गया है, अर्थात् भारत की कोई राष्ट्रीय भाषा नहीं है।

2178. संविधान की कौनसी अनुसूची में क्षेत्रीय भाषाओं का उल्लेख है ?
(अ) सातवीं अनुसूची (ब) आठवीं अनुसूची
(स) नौवीं अनुसूची (द) दसवीं अनुसूची
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान की आठवीं सूची में क्षेत्रीय भाषाओं का उल्लेख किया गया है। संविधान की आठवीं अनुसूची में कुल 22 भाषाओं का उल्लेख है। भारतीय संविधान में 343 से 351 तक राजभाषा संबंधी प्रावधानों का उल्लेख है।

35. भारत के राष्ट्रीय चिन्ह

2179. भारत का राष्ट्रीय प्रतीक भारत सरकार द्वारा कब अपनाया गया था ?
(अ) 26 जनवरी, 1950 ई.
(ब) 22 जुलाई, 1947 ई.
(स) 24 जनवरी, 1950 ई.
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत का राष्ट्रीय प्रतीक सारनाथ स्थित अशोक के सिंह स्तम्भ के शीर्ष भाग की अनुकृति है। भारत सरकार ने इसे 26 जनवरी, 1950 ई. को अपनाया। इस प्रतीक के नीचे मुंडकोपनिषद् में लिखा सूत्र 'सत्यमेव जयते' देवनागरी लिपि में अंकित है। शासकीय कार्यों में प्रयोग में लाये जाने वाले राष्ट्रीय प्रतीक अलग–अलग रंग के होते हैं। नीला राष्ट्रीय प्रतीक भारत के मंत्रियों द्वारा, हरा राष्ट्रीय प्रतीक लोक सभा के सदस्यों द्वारा उपयोग में लाया जाता है। इस प्रतीक का उपयोग भारत के राजकीय (अनुचित उपयोग निषेध) अधिनियम, 2005 के तहत नियंत्रित होता है।

2180. भारत के राष्ट्रीय ध्वज का पहली बार प्रदर्शन कब हुआ था ?
(अ) 14 अगस्त, 1947 ई. की मध्य रात्रि को
(ब) 14 अगस्त, 1947 ई. की दोपहर को
(स) 15 अगस्त, 1947 ई. को प्रातःकाल
(द) 15 अगस्त, 1947 ई. को मध्य रात्रि को
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रीय ध्वज का पहली बार प्रदर्शन 14 अगस्त, 1947 ई. को मध्य रात्रि में हुआ था।

2181. भारत की संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज का प्रारूप कब अपनाया ?
(अ) 26 जनवरी, 1950 ई.
(ब) 22 जुलाई, 1947 ई.
(स) 24 जनवरी, 1950 ई.
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत की संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज का प्रारूप 22 जुलाई, 1947 को अपनाया। राष्ट्रीय ध्वज को संविधान सभा में हंसा मेहता ने प्रस्तुत किया। तीन पट्टियों वाला तिरंगा, गहरा केसरिया (सबसे ऊपर), सफेद (बीच में) और गहरा हरा रंग (सबसे नीचे) है। सफेद पट्टी के बीच में नीले रंग का चक्र है, जिसमें 24 तीलियाँ हैं तथा इसे सारनाथ में अशोक के सिंह स्तम्भ पर बने चक्र से लिया गया है। ध्वज की लम्बाई एवं चौड़ाई 3 : 2 है। राष्ट्रीय ध्वज का केसरिया रंग जागृति, शौर्य व त्याग का, सफेद रंग सत्य एवं पवित्रता का एवं हरा रंग जीवन–समृद्धि का प्रतीक है।

2182. भारतीय ध्वज की लम्बाई और चौड़ाई का अनुपात है–
(अ) 4 : 3 (ब) 3 : 2
(स) 3 : 4 (द) 2 : 3
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के राष्ट्रीय ध्वज की लम्बाई एवं चौड़ाई 3 : 2 है। तीन पट्टियों वाला तिरंगा, गहरा केसरिया (सबसे ऊपर), सफेद (बीच में) और गहरा हरा रंग (सबसे नीचे) है। सफेद पट्टी के बीच में नीले रंग का चक्र है, जिसमें 24 तीलियाँ हैं तथा इसे सारनाथ में अशोक के सिंह स्तम्भ पर बने चक्र से लिया गया है। राष्ट्रीय ध्वज का केसरिया रंग जागृति, शौर्य व त्याग का, सफेद रंग सत्य एवं पवित्रता का एवं हरा रंग जीवन–समृद्धि का प्रतीक है।

2183. संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रीय ध्वज फहराना नागरिकों का मूल अधिकार है ?
(अ) अनुच्छेद 19(1)(अ) (ब) अनुच्छेद 19(1)(ब)
(स) अनुच्छेद 19(3)(ब) (द) अनुच्छेद 19(4)(अ)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय ध्वज संहिता 2002 के अनुसार सभी भारतीय नागरिकों व निजी संस्थाओं आदि को भी राष्ट्रीय ध्वज प्रदर्शन का अधिकार है। मुख्य न्यायाधीश बी.एन. खरे की अध्यक्षता में, उच्चतम न्यायालय ने जनवरी, 2004 ई. में एक महत्वपूर्ण विनिर्णय में यह घोषणा की कि संविधान के अनुच्छेद 19(1)(अ) के अधीन राष्ट्रीय ध्वज फहराना नागरिकों का मूल अधिकार है।

2184. राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, उपराष्ट्रपति के निधन हो जाने पर सम्पूर्ण देश में राष्टीय ध्वज को कितने दिनों तक झुका दिया जाता है ?
(अ) 12 (ब) 7
(स) 10 (द) 3
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रीय शोक के समय राष्ट्रीय ध्वज को झुका दिया जाता है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति के निधन हो जाने पर देश में राष्ट्रीय ध्वज को 12 दिनों तक झुका दिया जाता है जबकि पूर्व राष्ट्रपति, पूर्व प्रधानमंत्री एवं पूर्व उपराष्ट्रपति के निधन हो जाने पर सात दिनों के लिए राष्ट्रीय ध्वज को झुका दिया जाता है।

2185. प्रसिद्ध झंडा गीत 'झंडा ऊँचा रहे हमारा' की रचना किसने की ?
(अ) जवाहर लाल नेहरू ने
(ब) श्यामलाल प्रसाद गुप्त ने
(स) रवीन्द्रनाथ टैगोर ने
(द) बंकिम चन्द्र चटर्जी ने
उत्तर : (ब)
व्याख्या– प्रसिद्ध झंडा गीत 'झंडा ऊँचा रहे हमारा' की रचना श्यामलाल प्रसाद गुप्त ने की थी।

2186. भारत के राष्ट्रगान 'जन–गण–मन' के रचयिता हैं–
(अ) रवीन्द्रनाथ टैगोर (ब) बंकिम चन्द्र चटर्जी
(स) श्यामलाल गुप्त (द) हंसा मेहता
उत्तर : (अ)
व्याख्या– रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा मूल रूप से बांग्ला में रचित 'जन–गण–मन' के हिन्दी संस्करण को संविधान सभा ने भारत के राष्ट्र गान के रूप में 24 जनवरी, 1950 ई. को स्वीकार किया। इसके गायन का समय 52 सेकण्ड है तथा संक्षिप्त अवधि 20 सेकण्ड है जिसमें इसकी प्रथम और अंतिम पंक्तियाँ गायी जाती है। यह सर्वप्रथम 27 दिसम्बर, 1911 ई. को कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में गाया गया। इस अधिवेशन के अध्यक्ष पं. विशन नारायण दत्त थे। इसे रवीन्द्रनाथ टैगोर ने 1912 ई. में 'तत्व बोधिनी' में 'भारत भाग्य विधाता' शीर्षक से प्रकाशित किया था।

2187. रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा मूल रूप से बांग्ला में रचित 'जन–गण–मन' के हिन्दी संस्करण को संविधान सभा ने भारत के राष्ट्रगान के रूप में कब स्वीकार किया था ?
(अ) 26 जनवरी, 1950 ई.
(ब) 22 जुलाई, 1947 ई.
(स) 24 जनवरी, 1950 ई.
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा मूल रूप से बांग्ला में रचित 'जन–गण–मन' के हिन्दी संस्करण को संविधान सभा ने भारत के राष्ट्रगान के रूप में 24 जनवरी, 1950 ई. को स्वीकार किया। इसके गायन का समय 52 सेकण्ड है तथा संक्षिप्त अवधि 20 सेकण्ड है, जिसमें इसकी प्रथम और अंतिम पंक्तियाँ गायी जाती है। यह सर्वप्रथम 27 दिसम्बर, 1911 ई. को कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में गाया गया। इस अधिवेशन के अध्यक्ष पं. विशन नारायण दत्त थे। इसे रवीन्द्रनाथ टैगोर ने 1912 ई. में 'तत्व बोधिनी' में 'भारत भाग्य विधाता' शीर्षक से प्रकाशित किया था तथा 1919 ई. में 'Morning Song of India' के नाम से अंग्रेजी अनुवाद किया।

2188. बंकिमचन्द्र चटर्जी के उपन्यास 'आनंदमठ' में रचित 'वन्दे मातरम्' को राष्ट्र गीत के रूप में कब स्वीकार किया गया था ?
(अ) 26 जनवरी, 1950 ई.
(ब) 22 जुलाई, 1947 ई.
(स) 24 जनवरी, 1950 ई.
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या–बंकिमचन्द्र चटर्जी के उपन्यास 'आनंदमठ' में रचित 'वन्दे मातरम्' को राष्ट्र गीत के रूप में 24 जनवरी, 1950 ई. को स्वीकार किया गया। इसे सर्वप्रथम 1896 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के

कोलकाता अधिवेशन में गाया गया था। उस समय कांग्रेस क अध्यक्ष रहीमतुल्ला सयानी थे। इस गीत का गायन समय 1 मिनट और 5 सेकण्ड है। किसी भी व्यक्ति को राष्ट्रगीत गान के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। भारतीय संसद के अधिवेशन का प्रारंभ 'जन–गण–मन' से और समापन 'वंदे मातरम्' के गायन से होता है।

2189. भारत के राष्ट्रगीत 'वन्दे मातरम्' किस पुस्तक से लिया गया है ?
(अ) तत्व बोधिनी (ब) आनंदमठ
(स) गीतांजली (द) भारत भाग्य विधाता
उत्तर : (ब)
व्याख्या–बंकिमचन्द्र चटर्जी के उपन्यास 'आनंदमठ' में रचित 'वन्दे मातरम्' को राष्ट्रगीत के रूप में 24 जनवरी, 1950 ई. को स्वीकार किया गया। इसे सर्वप्रथम 1896 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में गाया गया था। उस समय कांग्रेस के अध्यक्ष रहीमतुल्ला सयानी थे। इस गीत का गायन समय 1 मिनट और 5 सेकण्ड है।

2190. भारत के राष्ट्रगान 'जन–गण–मन' को भारतीय कांग्रेस के अधिवेशन में सर्वप्रथम कब गाया गया ?
(अ) 1911 ई. में (ब) 1896 ई. में
(स) 1912 ई. में (द) 1957 ई. में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा मूल रूप से बांग्ला में रचित 'जन–गण–मन' के हिन्दी संस्करण को संविधान सभा ने भारत के राष्ट्रगान के रूप में 24 जनवरी, 1950 ई. को स्वीकार किया। इसके गायन का समय 52 सेकण्ड है तथा संक्षिप्त अवधि 20 सेकण्ड है, जिसमें इसकी प्रथम और अंतिम पंक्तियाँ गायी जाती है। यह सर्वप्रथम 27 दिसम्बर, 1911 ई. को कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में गाया गया। इस अधिवेशन के अध्यक्ष पं. विशन नारायण दत्त थे। इसे रवीन्द्रनाथ टैगोर ने 1912 ई. में 'तत्व बोधिनी' में 'भारत भाग्य विधाता' शीर्षक से प्रकाशित किया था तथा 1919 ई. में 'Morning Song of India' के नाम से अंग्रेजी अनुवाद किया।

2191. भारत के राष्टगीत 'वन्दे मातरम्' को भारतीय कांग्रेस के अधिवेशन में सर्वप्रथम कब गाया गया ?
(अ) 1911 ई. में (ब) 1896 ई. में
(स) 1912 ई. में (द) 1957 ई. में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– बंकिमचन्द्र चटर्जी के उपन्यास 'आनंदमठ' में रचित 'वन्दे मातरम्' को राष्ट्रगीत के रूप में 24 जनवरी, 1950 ई. को स्वीकार किया गया। इसे सर्वप्रथम 1896 ई. में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कोलकाता अधिवेशन में गाया गया था। उस समय कांग्रेस के अध्यक्ष रहीमतुल्ला सयानी थे। इस गीत का गायन समय 1 मिनट और 5 सेकण्ड है। किसी भी व्यक्ति को राष्ट्रगीत गान के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। भारतीय संसद के अधिवेशन का प्रारंभ 'जन–गण–मन' से और समापन 'वंदे मातरम्' के गायन से होता है।

2192. ग्रेगोरियन कैलेण्डर के साथ देश भर के लिए शक संवत् पर आधारित राष्ट्रीय पंचांग को सरकारी प्रयोग के लिए कब अपनाया गया था ?
(अ) 22 मार्च, 1957 ई. (ब) 24 जनवरी, 1950 ई.
(स) 21 मार्च, 1957 ई. (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– गिगेरियन कैलेण्डर के साथ देश भर के लिए शक संवत् पर आधारित राष्ट्रीय पंचांग को सरकारी प्रयोग के लिए 22 मार्च, 1957 ई. को अपनाया गया था। इसका पहला महीना चैत्र आता है। यह प्रायः सामान्य वर्ष में 22 मार्च को एवं लीप वर्ष में 21 मार्च को प्रारम्भ होता है।

2193. भारत के राष्ट्रीय ध्वज के मध्य में बने 'धर्म चक्र' का रंग है–
(अ) समुद्री नीला (ब) गहरा नीला
(स) काला (द) हरा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय ध्वज में बने चक्र का रंग गहरा नीला है।

2194. भारत का राष्ट्रीय पुष्प है–
(अ) गुलाब (ब) कमल
(स) सूरजमुखी (द) मोगरा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत का राष्ट्रीय पुष्प कमल है। इसका अग्रेजी नाम नेलम्बां यूसिफेरा गार्टन है।

2195. भारत का राष्ट्रीय पक्षी है–
(अ) कोयल (ब) पपीहा
(स) बतख (द) मोर
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत का राष्ट्रीय पक्षी मोर है। इसका अग्रेजी नाम पावो क्रिस्टेटस है।

2196. भारत का राष्ट्रीय पशु है–
(अ) गाय (ब) बाघ
(स) हाथी (द) ऊँट
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है। इसका अग्रेजी नाम पैंथरा टाइग्रिस लिन्नायस है।

2197. भारत का राष्ट्रीय फल है–
(अ) आम (ब) केला
(स) तरबूज (द) पपीता
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत का राष्ट्रीय फल आम है। इसका अग्रेजी नाम मेनिगिफेरा इंडिका है।

2198. भारत का राष्ट्रीय वृक्ष है–
(अ) पीपल (ब) नीम
(स) बरगद (द) बबूल
उत्तर : (स)

व्याख्या– भारत का राष्ट्रीय वक्ष बरगद है। इसका अग्रेजी नाम फाइकस बेंधालेंसिस है।

2199. भारत की राष्ट्रीय नदी है–
(अ) गोदावरी (ब) यमुना
(स) कावेरी (द) गंगा
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत की राष्ट्रीय नदी गंगा है। इस नदी को 4 नवम्बर 2008 को राष्ट्रीय नदी घोषित किया गया।

2200. भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव है–
(अ) गंगा डॉल्फिन (ब) कछुआ
(स) जलीय सर्प (द) केंकड़ा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– गंगा डॉल्फिन को 5 अक्टूबर, 2009 को राष्ट्रीय जलीय जीव घोषित किया गया है।

2201. भारत का राष्ट्रीय विरासत पशु है–
(अ) ऊँट (ब) हाथी
(स) गाय (द) बकरी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत का राष्ट्रीय विरासत पशु हाथी है। इसका अंग्रेजी नाम एलिफास इंडिका है।

2202. भारत के राष्ट्रीय ध्वज की लम्बाई और चौड़ाई का अनुपात है–
(अ) 5 : 3 (ब) 3 : 2
(स) 3 : 4 (द) 2 : 3
उत्तर : (ब) RRB NTPC 2016
व्याख्या– राष्ट्रीय ध्वज की लम्बाई और चौड़ाई में अनुपात 3 : 2 है।

36.भारतीय संघ एवं उसके राज्य क्षेत्र, राज्यों का पुनर्गठन, राष्ट्रीय एकीकरण

2203. भारत एक है–
(अ) संघ राज्य (ब) राज्यों का संघ
(स) प्रान्तों का संघ (द) एक राज्य इकाई
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 में यह घोषणा की गई है कि इंडिया अर्थात् भारत राज्यों का संघ है।

2204. भारतीय संविधान के अनुच्छेद I में यह घोषणा की गई है कि इंडिया अर्थात् भारत है–
(अ) राज्यों का संघ
(ब) एकात्मक विशिष्टताओं वाला संघीय राज्य
(स) संघीय विशिष्टताओं वाला संघीय राज्य
(द) संघीय राज्य
उत्तर : (अ) SSC 2013
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 में यह घोषणा की गई है कि इंडिया अर्थात् भारत राज्यों का संघ है।

2205. भारत का संविधान भारत को कैसे वर्णित करता है ?
(अ) राज्यमंडल (ब) राज्यों का संघ
(स) महासंघ (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) SSC 2002
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 में यह घोषणा की गई है कि इंडिया अर्थात् भारत राज्यों का संघ है।

2206. आन्ध्र प्रदेश एक भाषाई राज्य के रूप में गठित किया गया–
(अ) 1950 में (ब) 1953 में
(स) 1956 में (द) 1961 में
उत्तर : (ब) UPPCS 2009
व्याख्या– संविधान सभा में 1948 में एस.के. धर के नेतृत्व में भाषाई राज्य आयोग की नियुक्ति की। 19 अक्टूबर, 1952 को विख्यात स्वतंत्रता सेनानी पोट्टी श्रीरामलू ने भाषाई आधार पर अलग आन्ध्र प्रदेश की मांग पर अनशन शुरू कर दिया और 50 दिनों बाद उनकी मृत्यु हो गयी। उनकी मृत्यु के बाद इस मांग को लेकर आन्ध्र प्रदेशज्ञ में काफी उग्र आन्दोलन हुआ। अंततः मजबूर होकर 1953 में नेहरु मंत्रिमंडल का अलग से आन्ध्र प्रदेश राज्य को भाषा के आधार पर मान्यता देनी पड़ी। इस प्रकार भाषाई आधार पर गठित होने वाला आन्ध्र प्रदेश देश का पहला राज्य था।

2207. भारतीय संघ में किसी राज्य को सम्मिलित करने का अधिकार किसे है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) संसद (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (स)

व्याख्या– भारतीय संघ में नये राज्य की स्वीकृति देने का अधिकार संसद को है। संसद अनुच्छेद 3 के अंतर्गत विधि द्वारा किसी राज्य में से उसका राज्यक्षेत्र अलग करके अथवा दो या अधिक राज्यों के भागों को मिलाकर या राज्यक्षेत्र को किसी राज्य के भाग के साथ मिलाकर नये राज्य का निर्माण अथवा नये राज्य का क्षेत्र बढ़ा सकेगी। संसद को यह भी अधिकार है कि वह राज्य की सीमाओं एवं नाम में परिवर्तन कर सकती है।

2208. किसी राज्य के नाम में परिवर्तन करने का अधिकार निम्नलिखित में से किसको प्राप्त है ?
(अ) राष्ट्रपति को
(ब) संसद को
(स) सम्बन्धित राज्य के विधानमंडल को
(द) सम्बन्धित राज्य के राज्यपाल को
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संघ में नये राज्य की स्वीकृति देने का अधिकार संसद को है। संसद अनुच्छेद–3 के अंतर्गत विधि द्वारा किसी राज्य में से उसका राज्यक्षेत्र अलग करके अथवा दो या अधिक राज्यों के भागों को मिलाकर या राज्यक्षेत्र को किसी राज्य के भाग के साथ मिलाकर नये राज्य का निर्माण अथवा नये राज्य का क्षेत्र बढ़ा सकेगी। संसद को यह भी अधिकार है कि वह राज्य की सीमाओं एवं नाम में परिवर्तन कर सकती है।

2209. नए राज्य के गठन अथवा सीमा में परिवर्तन करने का अधिकार किसको है ?
(अ) प्रधानमंत्री को (ब) मंत्रिमंडल को
(स) राष्ट्रपति को (द) संसद को
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संघ में नये राज्य की स्वीकृति देने का अधिकार संसद को है। संसद अनुच्छेद 3 के अंतर्गत विधि द्वारा किसी राज्य में से उसका राज्यक्षेत्र अलग करके अथवा दो या अधिक राज्यों के भागों को मिलाकर या राज्यक्षेत्र को किसी राज्य के भाग के साथ मिलाकर नये राज्य का निर्माण अथवा नये राज्य का क्षेत्र बढ़ा सकेगी। संसद को यह भी अधिकार है कि वह राज्य की सीमाओं एवं नाम में परिवर्तन कर सकती है।

2210. राज्यों में पुनर्गठन सम्बन्धी विधेयक को संसद में प्रस्तुत करने से पूर्व किसकी सहमति प्राप्त करना आवश्यक होता है ?
(अ) संबंधित राज्य के विधानमंडल को
(ब) संबंधित राज्य के राज्यपाल को
(स) राष्ट्रपति को
(द) राज्यसभा को
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्यों में पुनर्गठन संबंधी विधेयक को संसद में प्रस्तुत करने से पूर्व राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त करना आवश्यक होता है।

2211. निम्नलिखित में से कौन किसी राज्य का क्षेत्र घटा या बढ़ा सकता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) संसद
(स) प्रधानमंत्री (द) क्षेत्रीय परिषद्
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संघ में नये राज्य की स्वीकृति देने का अधिकार संसद को है। संसद अनुच्छेद 3 के अंतर्गत विधि द्वारा किसी राज्य में से उसका राज्यक्षेत्र अलग करके अथवा दो या अधिक राज्यों के भागों को मिलाकर या राज्यक्षेत्र को किसी राज्य के भाग के साथ मिलाकर नये राज्य का निर्माण अथवा नये राज्य का क्षेत्र बढ़ा सकेगी। संसद को यह भी अधिकार है कि वह राज्य की सीमाओं एवं नाम में परिवर्तन कर सकती है।

2212. अन्य रजवाड़ों के भारत में विलय के बाद भी किन तीन राज्यों को भारत में शामिल होना विलम्बित किया ?
(अ) जूनागढ़, मैसूर एवं जम्मू–कश्मीर
(ब) जूनागढ़, हैदराबाद एवं जम्मू–कश्मीर
(स) उदयपुर, कपूरथला एवं जम्मू–कश्मीर
(द) हैदराबाद, उदयपुर एवं ट्रावणकोर
उत्तर : (ब) UPPCS 1998
व्याख्या– कश्मीर का भारत में विलय 17 अक्टूबर, 1948 को राजा हरिसिंह के भारत में विलय पत्र पर हस्ताक्षर करने से हुआ। हैदराबाद का विलय तत्कालीन गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा करवाई गयी पुलिस कार्यवाही से 17 सितम्बर, 1947 को संभव हुआ। जूनागढ़ का शासक पाकिस्तान भाग गया फलस्वरूप जनमत संग्रह को आधार बनाकर इसे 9 नवम्बर, 1948 को भारत संघ में विलय सुनिश्चित किया गया।

2213. मूल संविधान में राज्यों को कितने वर्गों में रखा गया था ?
(अ) 1 (ब) 2
(स) 3 (द) 4
उत्तर : (द)
व्याख्या– मूल संविधान में राज्यों को चार वर्गों में बांटा गया। अ श्रेणी में 10, ब श्रेणी में 8, स श्रेणी में 9 तथा द श्रेणी में 1 राज्य थे। 1953 में न्यायमूर्ति फजल अली की अध्यक्षता में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया। इसकी रिपोर्ट के आधार पर 1956 में राज्यों के पुनर्गठन के उद्देश्य से सातवां संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 पारित किया गया।

2214. भारत संघ में कितने राज्य हैं ?
(अ) 27 (ब) 30
(स) 28 (द) 29
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत राज्यों का एक संघ है। इसमें 28 राज्य और 8 केन्द्र शासित प्रदेश है। भारत में

वर्तमान में निम्नलिखित केन्द्र शासित प्रदेश है– (1) दिल्ली, भारत का राष्ट्रीय राजधानी प्रदेश भी है (2) अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह (3) चण्डीगढ़ (4) दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव की स्थापना दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के विलय द्वारा हुई। यह 26 जनवरी 2020 को अस्तित्व में आया। इसकी राजधानी दमन में स्थित है (5) लक्षद्वीप (6) पुदुचेरी (7) जम्मू और कश्मीर– 5 अगस्त 2019 को घोषित और 31 अक्टूबर 2019 से प्रभावी। (8) लद्दाख–5 अगस्त 2019 को घोषित और 31 अक्टूबर 2019 से प्रभावी।

2215. 500 से अधिक रजवाड़ों (देशी रियासतों) के भारत में विलय के लिए कौन उत्तरदायी था ?
(अ) के.एम. मुंशी
(ब) बी.आर. अम्बेडकर
(स) सरदार वल्लभ भाई पटेल
(द) सरदार बलदेव सिंह
उत्तर : (स) RRB 2005
व्याख्या– 500 से अधिक रजवाड़ों (देशी रियासतों) के भारत में विलय के लिए सरदार पटेल को श्रेय जाता है।

2216. निम्नलिखित जोड़ों में से किसने देशी रियासतों को भारतीय संघ का अंग बनाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा की ?
(अ) सरदार पटेल एवं जवाहर लाल नेहरू
(ब) सरदार पटेल और वी.पी. मेनन
(स) सरदार पटेल और महात्मा गांधी
(द) सरदार पटेल और के.एम. मुंशी
उत्तर : (ब) SSC 2002
व्याख्या– सरदार वल्लभभाई पटेल और वी.पी. मेनन ने देशी रियासतों को भारतीय संघ का अंग बनाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

2217. भाषाई आधार पर भारत में पहला राज्य कौन बनाया गया ?
(अ) केरल (ब) तमिलानाडु
(स) आंध्रप्रदेश (द) महाराष्ट्र
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– संविधान सभा में 1948 में एस.के. धर के नेतृत्व में भाषाई राज्य आयोग की नियुक्ति की। 19 अक्टूबर, 1952 को विख्यात स्वतंत्रता सेनानी पोट्टी श्रीरामलू ने भाषाई आधार पर अलग आन्ध्र प्रदेश की मांग पर अनशन शुरू कर दिया और 50 दिनों बाद उनकी मृत्यु हो गयी। उनकी मृत्यु के बाद इस मांग को लेकर आन्ध्र प्रदेश में काफी उग्र आन्दोलन हुआ। अंततः मजबूर होकर 1953 में नेहरु मंत्रिमंडल का अलग से आन्ध्र प्रदेश राज्य को भाषा के आधार पर मान्यता देनी पड़ी। इस प्रकार भाषाई आधार पर गठित होने वाला आन्ध्र प्रदेश देश का पहला राज्य था।

2218. भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किस वर्ष किया गया ?
(अ) 1956 (ब) 1952
(स) 1950 (द) 1951
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के लिए केंद्र सरकार ने फजल अली की अध्यक्षता में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन वर्ष 1953 में किया गया। इस आयोग के अन्य सदस्य हृदयनाथ कुंजरू तथा के.एम. पणिक्कर थे। यद्यपि आयोग ने 16 राज्यों एवं 3 राज्य क्षेत्रों के गठन का सुझाव दिया था, लेकिन राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के अंतर्गत 14 राज्यों एवं 6 संघ राज्य क्षेत्रों का गठन किया गया।

2219. संविधान के प्रवर्तन के समय राज्यों को चार श्रेणियों (अ, ब, स एवं द) में बाँटा गया था। इन श्रेणियों को किस वर्ष समाप्त किया गया ?
(अ) 1951 में (ब) 1954 में
(स) 1956 में (द) 1962 में
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के प्रवर्तन के समय राज्यों को चार श्रेणियों में बांटा गया था। अ श्रेणी में 10, ब श्रेणी में 8, स श्रेणी में 9 तथा द श्रेणी में 1 राज्य थे। 1953 में न्यायमूर्ति फजल अली की अध्यक्षता में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया। इसकी रिपोर्ट के आधार पर 1956 में राज्यों के पुनर्गठन के उद्देश्य से सातवां संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 पारित किया गया। इस प्रकार इन श्रेणियों को वर्ष 1956 में समाप्त किया गया।

2220. मूल संविधान में राज्यों को चार अलग–अलग प्रवर्गों को समाप्त करने के लिए किसकी अध्यक्षता में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया ?
(अ) फजल अली (ब) के.एम. पाणिक्कर
(स) एच.एन. कुंजरू (द) पी. श्रीरामुलु
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मूल संविधान में राज्यों को चार वर्गों में बांटा गया। अ श्रेणी में 10, ब श्रेणी में 8, स श्रेणी में 9 तथा द श्रेणी में 1 राज्य थे। 1953 में न्यायमूर्ति फजल अली की अध्यक्षता में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया। इसकी रिपोर्ट के आधार पर 1956 में राज्यों के पुनर्गठन के उद्देश्य से सातवां संविधान संशोधन अधिनियम, 1956 पारित किया गया।

2221. राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किस वर्ष किया गया था ?
(अ) 1950 में (ब) 1951 में
(स) 1952 में (द) 1953 में
उत्तर : (द)
व्याख्या– भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के लिए केंद्र सरकार ने फजल अली की अध्यक्षता में

राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन वर्ष 1953 में किया गया। इस आयोग के अन्य सदस्य हृदयनाथ कुंजरू तथा के.एम. पणिक्कर थे। यद्यपि आयोग ने 16 राज्यों एवं 3 राज्य क्षेत्रों के गठन का सुझाव दिया था, लेकिन राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के अंतर्गत 14 राज्यों एवं 6 संघ राज्य क्षेत्रों का गठन किया गया।

2222. मूल संविधान में राज्यों को चार अलग–अलग प्रवर्गों को समाप्त करने के लिए किसकी अध्यक्षता में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया ?
(अ) फजल अली (ब) के.एम. पाणिक्कर
(स) एच.एन. कुंजरू (द) पी. श्रीरामुलु
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान सभा में 1948 में एस.के. धर के नेतृत्व में भाषाई राज्य आयोग की नियुक्ति की। 19 अक्टूबर, 1952 को विख्यात स्वतंत्रता सेनानी पोट्टी श्रीरामलू ने भाषाई आधार पर अलग आन्ध्र प्रदेश की मांग पर अनशन शुरू कर दिया और 50 दिनों बाद उनकी मृत्यु हो गयी। उनकी मृत्यु के बाद इस मांग को लेकर आन्ध्र प्रदेश में काफी उग्र आन्दोलन हुआ। अंततः मजबूर होकर 1953 में नेहरु मंत्रिमंडल का अलग से आन्ध्र प्रदेश राज्य को भाषा के आधार पर मान्यता देनी पड़ी। इस प्रकार भाषाई आधार पर गठित होने वाला आन्ध्र प्रदेश देश का पहला राज्य था।

2223. भाषागत आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के लिए भारत सरकार ने दिसम्बर, 1953 ई. में 'राज्य पुनर्गठन आयोग' की नियुक्ति की थी, जिसकी रिपोर्ट के आधार 1956 ई. में 'राज्य पुनर्गठन अधिनियम' संसद ने पारित किया था। इस आयोग के अध्यक्ष थे–
(अ) जस्टिस फजल अली
(ब) जस्टिस एम.पी. छागला
(स) गुलजारी लाल नंदा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के लिए केंद्र सरकार ने फजल अली की अध्यक्षता में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन वर्ष 1953 में किया गया। इस आयोग के अन्य सदस्य हृदयनाथ कुंजरू तथा के.एम. पणिक्कर थे। यद्यपि आयोग ने 16 राज्यों एवं 3 राज्य क्षेत्रों के गठन का सुझाव दिया था, लेकिन राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के अंतर्गत 14 राज्यों एवं 6 संघ राज्य क्षेत्रों का गठन किया गया।

2224. निम्नलिखित में से किस वर्ष सिक्किम को राज्य का दर्जा दिया गया था ?
(अ) 1973 में (ब) 1974 में
(स) 1975 में (द) 1976 में
उत्तर : (स) SSC 2002
व्याख्या– 36वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1975 सिक्किम को भारतीय संघ का पूर्ण सदस्य बनाने और संविधान की प्रथम अनुसूची में शामिल करने और सिक्कम को राज्यसभा और लोकसभा में एक–एक स्थान देने के लिए पारित किया गया। 35वां संविधान संशोधन अधिनियम, 1974 द्वारा सिक्किम को भारतीय संघ के सह–राज्य का दर्जा दिया गया था।

2225. सर्वप्रथम भाषा के आधार पर आन्ध्र प्रदेश राज्य का गठन 1953 ई. में हुआ था। इसके पूर्व वहाँ एक आन्दोलन हुआ था। इस आन्दोलन में किसकी मृत्यु हो गई थी ?
(अ) जाग्यार श्रीरामुलु (ब) आदित्यन श्रीरामुलु
(स) पोट्टी श्रीरामुलु (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के लिए केंद्र सरकार ने फजल अली की अध्यक्षता में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन वर्ष 1953 में किया गया। इस आयोग के अन्य सदस्य हृदयनाथ कुंजरू तथा के.एम. पणिक्कर थे। यद्यपि आयोग ने 16 राज्यों एवं 3 राज्य क्षेत्रों के गठन का सुझाव दिया था, लेकिन राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के अंतर्गत 14 राज्यों एवं 6 संघ राज्य क्षेत्रों का गठन किया गया।

2226. 1956 में राज्यों का पुनर्गठन करने से–
(अ) 17 राज्य और 6 संघ राज्य क्षेत्र बने
(ब) 17 राज्य और 9 संघ राज्य क्षेत्र बने
(स) 14 राज्य और 6 संध राज्य क्षेत्र बने
(द) 15 राज्य और 9 संघ राज्य क्षेत्र बने
उत्तर : (स) MPPSC 2003
व्याख्या– भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के लिए केंद्र सरकार ने फजल अली की अध्यक्षता में राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन वर्ष 1953 में किया गया। इस आयोग के अन्य सदस्य हृदयनाथ कुंजरू तथा के.एम. पणिक्कर थे। यद्यपि आयोग ने 16 राज्यों एवं 3 राज्य क्षेत्रों के गठन का सुझाव दिया था, लेकिन राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के अंतर्गत 14 राज्यों एवं 6 संघ राज्य क्षेत्रों का गठन किया गया।

2227. किस आयोग की अनुशंसा के आधार पर पंजाब पुनर्गठन अधिनियम द्वारा पंजाब और हरियाणा राज्य गठित किये गए ?
(अ) धर आयोग (ब) दास आयोग
(स) शाह आयोग (द) महाजन आयोग
उत्तर : (अ)
व्याख्या– धर आयोग की अनुशंसा के आधार पर पंजाब पुनर्गठन अधिनियम द्वारा पंजाब और हरियाणा राज्य गठित किये गए।

2228. उत्तराखंड राज्य के सृजन के समय 11वें वित्त आयोग ने इसे निम्नांकित राज्य का दर्जा दिया था–
(अ) गरीब पहाड़ी राज्य
(ब) अविकसित राज्य
(स) विशेष वर्ग का राज्य
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– उत्तराखंड राज्य के सृजन के समय 11वें वित्त आयोग ने इसे विशेष वर्ग के राज्य का दर्जा दिया गया।

2229. भारतीय संघ में सम्मिलित किया गया 29वाँ राज्य है–
(अ) छत्तीसगढ़ (ब) झारखंड
(स) उत्तराखंड (द) तेलंगाना
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संघ में सम्मिलित किया गया 29वां राज्य तेलंगाना है।

2230. किसी राज्य से कोई क्षेत्र पृथक करने अथवा दो या दो से अधिक राज्यों को मिलाकर या किसी राज्य क्षेत्र को किसी राज्य के साथ मिलाकर नये राज्य का निर्माण कौन कर सकता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) संसद
(स) क्षेत्रीय परिषद् (द) संबंधित राज्य
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संघ में नये राज्य की स्वीकृति देने का अधिकार संसद को है। संसद अनुच्छेद 3 के अंतर्गत विधि द्वारा किसी राज्य में से उसका राज्यक्षेत्र अलग करके अथवा दो या अधिक राज्यों के भागों को मिलाकर या राज्यक्षेत्र को किसी राज्य के भाग के साथ मिलाकर नये राज्य का निर्माण अथवा नये राज्य का क्षेत्र बढ़ा सकेगी। संसद को यह भी अधिकार है कि वह राज्य की सीमाओं एवं नाम में परिवर्तन कर सकती है।

2231. भारत में एक नया राज्य सृजित करने वाले विधेयक को पारित होना अनिवार्य है–
(अ) संसद में साधारण बहुमत तथा कम से कम दो तिहाई राज्यों के अनुसमर्थन द्वारा
(ब) संसद में साधारण बहुमत द्वारा
(स) संसद में दो तिहाई बहुमत तथा कम से कम दो तिहाई राज्यों के अनुसमर्थन द्वारा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत में एक नया राज्य सृजित करने वाले विधेयक को संसद में साधारण बहुमत द्वारा पारित होना अनिवार्य हें

2232. मध्य प्रदेश राज्य का गठन कब हुआ था ?
(अ) 1 नवम्बर, 1959 (ब) 1 सितम्बर, 1956
(स) 1 नवम्बर, 1956 (द) 1 सितम्बर, 1951
उत्तर : (स) SSC 2007
व्याख्या– वर्तमान मध्य प्रदेश राज्य का पुनर्गठन राज्य पुनर्गठन आयोग 1956 के द्वारा 31 अक्टूबर 1956 की मध्य रात्रि (1 नवम्बर, 1956 की सुबह होने वाला था) को किया गया। इस नवगठित प्रदेश के प्रथम राज्यपाल पट्टाभिसीतारमैया तथा मुख्यमंत्री पं. रविशंकर शुक्ल थे।

2233. नीचे दिए गये राज्यों का भारत संघ के सम्पूर्ण राज्य का दर्जा प्राप्त होने का सही कालानुक्रम कौन सा है ?
(अ) सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, हरियाणा
(ब) नागालैंड, हरियाणा, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश
(स) सिक्किम, हरियाणा, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश
(द) नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, हरियाणा
उत्तर : (ब) IAS 2007

2234. संविधान के प्रथम अनुच्छेद के अनुसार भारत है–
(अ) राज्यों का समूह
(ब) राज्यों का फेडरेशन
(स) राज्यों का कन्फेडरेशन
(द) राज्यों का यूनियन
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 में यह घोषणा की गई है कि इंडिया अथात् भारत राज्यों का संघ है।

2235. पुदुचेरी को किस वर्ष भारतीय संघ में सम्मिलित किया गया है ?
(अ) 1956 (ब) 1959
(स) 1962 (द) 1963
उत्तर : (स)
व्याख्या– पुदुचेरी को वर्ष 1962 में भारतीय संघ में सम्मिलित किया गया।

2236. किस वर्ष गोवा सहित अन्य पुर्तगाली बस्तियों को भारतीय संघ का राज्य क्षेत्र बनाया गया ?
(अ) 1960 (ब) 1961
(स) 1963 (द) 1965
उत्तर : (ब)
व्याख्या– वर्ष 1961 में गोवा सहित अन्य पुर्तगाली बस्तियों को भारतीय संघ का राज्य क्षेत्र बनाया गया।

2237. सिक्किम भारत का 22वाँ राज्य किस संविधान संशोधन द्वारा बना ?
(अ) 42वें संशोधन (ब) 40वें संशोधन
(स) 39वें संशोधन (द) 36वें संशोधन
उत्तर : (द)
व्याख्या– सिक्किम को भारत का 22वां राज्य बनाने के लिए 23 अप्रैल, 1975 को लोकसभा में संविधान संशोधन विधेयक को पेश किया गया। लोकसभा में पास होने के बाद 26 अप्रैल को राज्यसभा में पास हुआ और 15 मई, 1975 को राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने इस बिल पर हस्ताक्षर किये और 16 मई, 1975 को सिक्कम को 36वें

संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा और औपचारिक रूप से भारतीय गणराज्य का 20वां प्रदेश बना लिया गया।

2238. सिक्किम को किस वर्ष भारतीय संघ में सहयुक्त राज्य के रूप में शामिल किया गया ?
(अ) 1971 में (ब) 1972 में
(स) 1974 में (द) 1975 में
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1974 में किए गए 35वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान के संघीय स्वरूप में मूलभूत संशोधन करके सिक्किम को सहराज्य का दर्जा दिया गया।

2239. हिमाचल प्रदेश को राज्य का दर्जा प्रदान किया गया–
(अ) 1956 में (ब) 1967 में
(स) 1971 में (द) 1975 में
उत्तर : (स)
व्याख्या– हिमाचल प्रदेश को पूर्ण राज्य का दर्जा 25 जनवरी, 1971 को मिला।

2240. किस संवैधानिक संशोधन के अंतर्गत सिक्किम को भारत का एक सहराज्य बनाया गया ?
(अ) 30वाँ संशोधन (ब) 35वाँ संशोधन
(स) 36वाँ संशोधन (द) 42वाँ संशोधन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 1974 में किए गए 35वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा भारतीय संविधान के संघीय स्वरूप में मूलभूत संशोधन करके सिक्किम को सहराज्य का दर्जा दिया गया।

2241. निम्नलिखित में से 35वें संविधान संशोधन द्वारा किस वर्ष सिक्किम को सह–राज्य का दर्जा दिया गया था ?
(अ) 1973 (ब) 1974
(स) 1975 (द) 1976
उत्तर : (ब)

2242. निम्नलिखित में से 36वें संविधान संशोधन द्वारा किस वर्ष सिक्किम को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया था ?
(अ) 1973 (ब) 1974
(स) 1975 (द) 1976
उत्तर : (स)

2243. पुदुचेरी को किस वर्ष भारतीय संघ में सम्मिलित किया गया ?
(अ) 1956 (ब) 1959
(स) 1962 (द) 1963
उत्तर : (स)

2244. किस वर्ष गोवा सहित अन्य पुर्तगाली बस्तियों को भारतीय संघ का राज्य क्षेत्र बनाया गया ?
(अ) 1960 (ब) 1961
(स) 1963 (द) 1965
उत्तर : (ब)

2245. एक भारतीय राज्य के रूप में बिहार बना–
(अ) 1911 में (ब) 1912 में
(स) 1936 में (द) 2000 में
उत्तर : (ब) SSC 2008
व्याख्या– 22 मार्च, 1912 को बिहार को बंगाल प्रेसिडेंसी से अलग कर राज्य बनाया गया।

2246. झारखंड राज्य का गठन कब हुआ ?
(अ) 1 नवम्बर, 2000 (ब) 9 नवम्बर, 2000
(स) 15 नवम्बर, 2000 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– झारखण्ड राज्य का गठन 15 नवम्बर 2000 को हुआ। इसकी राजधानी राँची है।

2247. देशी रियासतों को भारत में सम्मिलित करने के लिए किसके नेतृत्व में रियासती मंत्रालय बनाया गया था ?
(अ) सरदार बल्लभ भाई पटेल
(ब) पंडित जवाहर लाल नेहरू
(स) बाल गंगाधर तिलक
(द) डॉ. भीमराव अम्बेडकर
उत्तर : (अ)
व्याख्या– देशी रियासतों को भारत में सम्मिलित करने के लिए सरदार बल्लभ भाई पटेल के नेतृत्व में रियासती मंत्रालय बनाया गया।

2248. निम्नलिखित में कौन एक संघ शासित प्रदेश नहीं है ?
(अ) लक्षद्वीप
(ब) दादरा एवं नगर हवेली
(स) पुदुचेरी
(द) नागालैंड
उत्तर : (द)

2249. निम्नलिखित में से कौन भारत का एक केन्द्रशासित प्रदेश नहीं है ?
(अ) चंडीगढ़ (ब) त्रिपुरा
(स) पुदुचेरी (द) लक्षद्वीप
उत्तर : (ब) RRB 2003

2250. संविधान लागू होने के पश्चात् निम्न में से कौन भारतीय संघ का एक आरक्षित राज्य था ?
(अ) दादरा एवं नागर हवेली
(ब) लक्षद्वीप समूह
(स) अंडमान निकोबार द्वीप समूह
(द) सिक्किम
उत्तर : (द)

2251. निम्नलिखित में से किस देशी रियासत को जनमत संग्रह के आधार पर भारत में सम्मिलित किया गया था ?
(अ) जूनागढ़ (ब) हैदराबाद
(स) जम्मू–कश्मीर (द) अवध
उत्तर : (अ)
व्याख्या– जूनागढ़ रियासत को जनमत संग्रह के आधार पर, हैदराबाद की रियासत को पुलिस

कार्रवाई के माध्यम से और जम्मू–कश्मीर रियासत को विलय–पत्र पर हस्ताक्षर के द्वारा भारत में मिलाया गया।

2252. निम्नलिखित में से किस देशी रियासत को पुलिस कार्रवाई के माध्यम से भारत में सम्मिलित किया गया था ?
(अ) जूनागढ़ (ब) हैदराबाद
(स) जम्मू–कश्मीर (द) सतारा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– जूनागढ़ रियासत को जनमत संग्रह के आधार पर, हैदराबाद की रियासत को पुलिस कार्रवाई के माध्यम से और जम्मू–कश्मीर रियासत को विलय–पत्र पर हस्ताक्षर के द्वारा भारत में मिलाया गया।

2253. किस देशी रियासत को विलय–पत्र पर हस्ताक्षर के द्वारा भारत में सम्मिलित किया गया था ?
(अ) जूनागढ़ (ब) हैदराबाद
(स) जम्मू–कश्मीर (द) झाँसी
उत्तर : (स)
व्याख्या– जूनागढ़ रियासत को जनमत संग्रह के आधार पर, हैदराबाद की रियासत को पुलिस कार्रवाई के माध्यम से और जम्मू–कश्मीर रियासत को विलय–पत्र पर हस्ताक्षर के द्वारा भारत में मिलाया गया।

2254. भारत में भाषा के आधार पर गठित होने वाला पहला राज्य था ?
(अ) राजस्थान (ब) महाराष्ट्र
(स) आन्ध्र प्रदेश (द) गुजरात
उत्तर : (स)
व्याख्या– धर आयोग के निर्णयों की परीक्षा करने के लिए कांग्रेस कार्य समिति ने अपने जयपुर अधिवेशन में जवाहर लाल नेहरू, बल्लभ भाई पटेल और पट्टाभि सीतारमैय्या की एक समिति का गठन किया गया। इस समिति ने भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की माँग को खारिज कर दिया। नेहरू, पटेल एवं सीतारमैय्या समिति की रिपोर्ट के बाद मद्रास राज्य के तेलुगू भाषियों ने पोटी श्री रामुल्लू के नेतृत्व में आन्दोलन प्रारंभ किया। 58 दिन के आमरण अनशन के बाद 15 दिसम्बर, 1952 ई. को रामुल्लू की मृत्यु हो गयी। रामुल्लू की मृत्यु के बाद तेलुगू भाषियों के लिए पृथक् आन्ध्र प्रदेश के गठन की घोषणा की कर दी गयी तथा 1 अक्टूबर, 1953 ई. को आन्ध्र प्रदेश राज्य का गठन हो गया। भारत में भाषा के आधार पर गठित होने वाला पहला राज्य था। उस समय आन्ध्र प्रदेश की राजधानी कर्नूल थी।

2255. राज्य पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष थे–
(अ) फजल अली (ब) हृदयनाथ कुंजरू
(स) सीतारमैय्या (द) के.एम. पणिक्कर
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य पुनर्गठन आयोग 1953 ई. में गठित हुआ था। इस आयोग के अध्यक्ष फजल अली थे। इसके अन्य सदस्य हृदयनाथ कुंजरू और सरदार के.एम. पणिक्कर थे।

2256. भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का विरोध किसने किया था ?
(अ) सरदार बल्लभ भाई पटेल ने
(ब) पंडित जवाहर लाल नेहरू ने
(स) एस.के. धर ने
(द) पट्टाभि सीतारमैय्या ने
उत्तर : (स)
व्याख्या– भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन उचित है या नहीं, इसकी जाँच के लिए संविधान सभ के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अवकाशप्राप्त न्यायाधीश एस.के. धर की अध्यक्षता में एक चार सदस्यीय आयोग की नियुक्ति की गई। इस आयोग ने भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का विरोध किया और प्रशासनिक सुविधा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन का समर्थन किया। धर आयोग के निर्णयों की परीक्षा करने के लिए कांग्रेस कार्य समिति ने अपने जयपुर अधिवेशन में जवाहर लाल नेहरू, बल्लभ भाई पटेल और पट्टाभि सीतारमैय्या की एक समिति का गठन किया गया। इस समिति ने भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की माँग को खारिज कर दिया।

2257. नेहरू, पटेल एवं सीतारमैय्या समिति की रिपोर्ट के बाद मद्रास राज्य के तेलुगू भाषियों ने भाषाई आधार पर राज्यों के पुनर्गठन के समर्थन में किसके नेतृत्व में आन्दोलन प्रारंभ किया था ?
(अ) के.एम. पणिक्कर (ब) फजल अली
(स) हृदयनाथ कुंजरू (द) रामुल्लू
उत्तर : (द)
व्याख्या– धर आयोग के निर्णयों की परीक्षा करने के लिए कांग्रेस कार्य समिति ने अपने जयपुर अधिवेशन में जवाहर लाल नेहरू, बल्लभ भाई पटेल और पट्टाभि सीतारमैय्या की एक समिति का गठन किया गया। इस समिति ने भाषायी आधार पर राज्यों के पुनर्गठन की माँग को खारिज कर दिया। नेहरू, पटेल एवं सीतारमैय्या समिति की रिपोर्ट के बाद मद्रास राज्य के तेलुगू भाषियों ने पोटी श्री रामुल्लू के नेतृत्व में आन्दोलन प्रारंभ किया। 58 दिन के आमरण अनशन के बाद 15 दिसम्बर, 1952 ई. को रामुल्लू की मृत्यु हो गयी। रामुल्लू की मृत्यु के बाद तेलुगू भाषियों के लिए पृथक् आन्ध्र प्रदेश के गठन की घोषणा की कर दी गयी तथा 1 अक्टूबर, 1953 ई. को आन्ध्र प्रदेश राज्य का गठन हो गया। भारत में भाषा के आधार पर गठित होने वाला पहला राज्य था। उस समय आन्ध्र प्रदेश की राजधानी कर्नूल थी।

2258. राज्य पुनर्गठन अधिनियम, जुलाई, 1956 ई. में पास किया गया, जिसके अनुसार भारत में स्थापित किये गये–
(अ) 14 राज्य एवं 6 केन्द्रशासित प्रदेश
(ब) 14 राज्य एवं 8 केन्द्रशासित प्रदेश
(स) 18 राज्य एवं 8 केन्द्रशासित प्रदेश
(द) 22 राज्य एवं 8 केन्द्रशासित प्रदेश
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य पुनर्गठन अधिनियम, जुलाई, 1956 ई. में पास किया गया। इसके अनुसार भारत में 14 राज्य एवं 6 केन्द्रशासित प्रदेश स्थापित किये गये।

2259. नवम्बर, 1954 ई. में किस देश की सरकार ने अपनी सभी बस्तियों पांडिचेरी, बनाम, चन्द्रनगर और केरीकल को भारत को सौंप दिया, बाद में जिन्हें मिलाकर पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र का गठन हुआ ?
(अ) फ्रांस (ब) ब्रिटेन
(स) पुर्तगाल (द) सं.रा. अमेरिका
उत्तर : (अ)
व्याख्या– नवम्बर, 1954 ई. में फ्रांस की सरकार ने अपनी सभी बस्तियों पांडिचेरी, बनाम, चन्द्रनगर और केरीकल को भारत को सौंप दिया। 28 मई 1956 ई. को इस संबंध में संधि पर हस्ताक्षर हो गये। इसके बाद इन सभी बस्तियों को मिलाकर पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र का गठन किया गया।

2260. भारत में नये राज्यों के गठन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित में से सही सुमेलित है–
(अ) आन्ध्र प्रदेश – 1 अक्टूबर, 1953
(ब) महाराष्ट्र – 1 मई, 1960
(स) गुजरात – 1 मई, 1960
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भाषाई आधार पर गठित होने वाला राज्य आन्ध्र प्रदेश था। इसका गठन 1 अक्टूबर, 1953 ई. को हुआ जबकि महाराष्ट्र और गुजरात दोनों राज्यों का गठन 1 मई, 1960 ई. को किया गया था।

2261. भारत सरकार ने 18 दिसम्बर, 1961 ई. को पुर्तगालियों के विरुद्ध कार्रवाई करके किन बस्तियों पर पूर्ण अधिकार कर लिया था ?
(अ) गोवा, दमन और दीव
(ब) पंडिचेरी, चन्द्रनगर और केरीकल
(स) लक्षद्वीप
(द) अण्डमान निकोबार द्वीप समूह
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत सरकार ने 18 दिसम्बर, 1961 ई. को गोवा, दमन और दीव की मुक्ति के लिए पुर्तगालियों के विरुद्ध कार्रवाई की और उन पर पूर्ण अधिकार कर लिया। बारहवें संविधान संशोधन, 1962 ई. के अंगर्तत संविधान की प्रथम अनुसूची में संशोधन कर द्वारा गोवा, दमन व दीव को भारत में केन्द्रशासित प्रदेश के रूप में शामिल कर लिया गया।

2262. भारत में नये राज्यों के गठन वर्ष के अनुसार निम्नलिखित में से सही सुमेलित है–
(अ) नागालैंड – 1 दिसमबर, 1963
(ब) हरियाणा – 1 नवम्बर, 1963
(स) हिमाचल प्रदेश – 25 जनवरी, 1971
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– नागालैंड का गठन 1 दिसम्बर, 1963 को हुआ। हरियाणा का गठन 1 नवम्बर, 1963 को तथा हिमाचल प्रदेश का गठन 25 जनवरी, 1971 को हुआ था।

2263. निम्नलिखित में से किन राज्यों का गठन 21 जनवरी, 1972 को हुआ था ?
(अ) मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा
(ब) मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा
(स) मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा
(द) सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और त्रिपुरा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा राज्यों का गठन 21 जनवरी, 1972 को हुआ था।

2264. निम्नलिखित में से किन राज्यों के गठन की तिथि एक ही है ?
(अ) सिक्किम और गोवा
(ब) मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश
(स) छत्तीसगढ़ और उत्तराखंड
(द) झारखंड और तेलंगाना
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश दोनों राज्यों का गठन 20 फरवरी, 1987 को हुआ था। सिक्किम राज्य का गठन 26 अप्रैल, 1975 को, गोवा का 30 मई, 1987 को, छत्तीसगढ़ का 1 नवम्बर, 2000 को, उत्तराखंड का 9 नवम्बर, 2000 को, झारखंड का 15 नवम्बर, 2000 को तथा तेलंगाना का 2 जून, 2014 को गठन हुआ था।

2265. भारत में संघ राज्यों का प्रशासन होता है–
(अ) राष्ट्रपति द्वारा (ब) उपराज्यपाल द्वारा
(स) गृहमंत्री द्वारा (द) प्रशासक द्वारा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में संघ राज्यों या केन्द्र शासित प्रदेशों का प्रशासन राष्ट्रपति द्वारा होता है।

2266. संघ शासित क्षेत्रों के लिए प्रशासकों की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभाध्यक्ष (द) उपराष्ट्रपति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के राज्यों की अपनी चुनी हुई सरकारें होती हैं, लेकिन केन्द्र शासित प्रदेशों में सीधे–सीधे भारत सरकार का शासन होता है।

भारत का राष्ट्रपति हर केन्द्र शासित प्रदेश का एक सरकारी प्रशासक/उपराज्यपाल नामित करता है।

2267. संघ शासित क्षेत्रों, जिनकी अपनी विधायिका नहीं है, के लिए विधि निर्माण कौन करता है ?
(अ) संसद
(ब) लोकसभा
(स) राज्यसभा
(द) राष्ट्रपति अध्यादेश द्वारा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संघ शासित क्षेत्रों, जिनकी अपनी विधायिका नहीं है, के लिए विधि निर्माण संसद करती है। वर्तमान में भारत में आठ केन्द्र शासित प्रदेश है। भारत के केन्द्र शासित प्रदेश नई दिल्ली और पुदुचेरी को आंशिक राज्य का दर्जा दे दिया गया है। दिल्ली और पुदुचेरी दोनों की अपनी चयनित विधानसभा, मंत्रिमंडल व कार्यपालिका है, लेकिन उनकी शक्तियाँ सीमिति हैं, उनके कुछ कानून भारत के राष्ट्रपति के विचार और स्वीकृति मिलने पर ही लागू होते हैं।

2268. भारत के किस एकमात्र संघ राज्य क्षेत्र का अपना उच्च न्यायालय है ?
(अ) पांडिचेरी (ब) लक्षद्वीप
(स) चंडीगढ़ (द) दिल्ली
उत्तर : (द)
व्याख्या– दिल्ली अकेला ऐसा संघ शासित क्षेत्र है जिसे अपना स्वतंत्र उच्च न्यायालय मिला हुआ है। 1956 से 1991 तक नई दिल्ली केन्द्रशासित प्रदेश ही था। 1991 में इसे राष्ट्रीय राजधानी प्रदेश का दर्जा प्राप्त हुआ।

2269. वर्तमान समय में भारत के किस संघ राज्य क्षेत्र में विधानसभा तथा मंत्रिपरिषद के गठन का प्रावधान है ?
(अ) दिल्ली एवं पांडिचेरी
(ब) दिल्ली एवं चंडीगढ़
(स) लक्षद्वीप एवं पांडिचेरी
(द) लक्षद्वीप एवं चंडीगढ़
उत्तर : (अ)
व्याख्या– वर्तमान में भारत में 8 केन्द्र शासित प्रदेश हैं। भारत की राजधानी नई दिल्ली, जो कि दिल्ली नामक केन्द्र शासित प्रदेश भी था और पुदुचेरी को आंशिक राज्य का दर्जा दे दिया गया है। दिल्ली व पुदुचेरी दोनों की अपनी चयनित विधानसभा, मंत्रिमंडल व कार्यपालिका है, लेकिन उनकी शक्तियाँ सीमित हैं। उनके कुछ कानून भारत के राष्ट्रपति के विचार और स्वीकृति मिलने पर ही लागू होते हैं।

2270. राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के प्रशासक को क्या कहा जाता है ?
(अ) प्रशासक (ब) राज्यपाल
(स) उपराज्यपाल (द) मुख्य सचिव
उत्तर : (स)
व्याख्या– दिल्ली का उपराज्यपाल राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली का संवैधानिक प्रमुख होता है। इस पद का सृजन पहली बार सितंबर 1966 में किया गया था। दिल्ली के सबसे पहले लेफ्टिनेंट गवर्नर आदित्य नाथ झा थे। सन् 1991 में 69वें संविधान संशोधन, 1991 से दिल्ली को विशेष राज्य का दर्जा दिया गया और इसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र घोषित किया गया।

2271. चंडीगढ़ संघ शासित क्षेत्र के प्रशासक को किस नाम से जाना जाता है ?
(अ) आयुक्त (ब) मुख्य आयुक्त
(स) प्रशासक (द) मुख्य प्रशासक
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत का केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ़ दो भारतीय राज्यों पंजाब और हरियाणा की राजधानी है। चंडीगढ़ प्रशासन संविधान के अनुच्छेद–239 के तहत नियुक्त किये गए प्रशासन के अधीन कार्यरत है। चंडीगढ़ शहर का प्रशासनिक नियंत्रण भारत के गृह मंत्रालय के पास है। वर्तमान में पंजाब के राज्यपाल ही चंडीगढ़ के प्रशासक होते हैं। प्रशासक का सलाहकार एक अखिल भारतीय सेवाओं से नियुक्त अति वरिष्ठ अधिकारी होता है। चंडीगढ़ संघ शासित क्षेत्र के प्रशासक को मुख्य आयुक्त नाम से जाना जाता है।

2272. निम्नलिखित में से किस संघ शासित क्षेत्र के प्रशासक को 'प्रशासक' कहा जाता है ?
(अ) लक्षद्वीप
(ब) पांडिचेरी
(स) अंडमान निकोबार द्वीप समूह
(द) दिल्ली
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लक्षद्वीप भारत के दक्षिण–पश्चिम में अरब सागर में स्थित एक भारतीय द्वीप समूह है। इसकी राजधानी कवरत्ती है। लक्षद्वीप द्वीप समूह में कुल 36 द्वीप है, परन्तु केवल 10 द्वीपों पर जनजीवन है। देशी पर्यटकों को 6 द्वीपों पर जाने की अनुमति है जबकि विदेशी पर्यटकों को केवल 2 द्वीपों (अगाती व बंगाराम) पर जाने की अनुमति है। संघ शासित क्षेत्र लक्षद्वीप के प्रशासक को 'प्रशासक' कहा जाता है।

2273. निम्नलिखित में से किस संघ शासित क्षेत्र के प्रशासक को 'उपराज्यपाल' कहा जाता है ?
(अ) चंडीगढ़
(ब) लक्षद्वीप
(स) अंडमान निकोबार द्वीप समूह
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह भारत का एक केन्द्र शाासित प्रदेश है। ये बंगाल की खाड़ी के दक्षिण में हिन्द महासागर में स्थित है।

अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह लगभग 572 छोटे–बड़े द्वीपों से मिलकर बना है जिनमें से सिर्फ कुछ ही द्वीपों पर लोग रहते हैं। इसकी राजधानी पोर्ट ब्लेयर है। तीन केन्द्र शासित राज्यों दिल्ली, पुदुचेरी तथा अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के प्रशासक को उपराज्यपाल कहा जाता है।

2274. निम्नलिखित में से किस संघ शासित क्षेत्र के प्रशासक को मुख्य आयुक्त कहा जाता था ?
(अ) लक्षद्वीप (ब) चंडीगढ़
(स) पांडिचेरी (द) दिल्ली
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत का केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ़ दो भारतीय राज्यों पंजाब और हरियाणा की राजधानी है। चंडीगढ़ प्रशासन संविधान के अनुच्छेद–239 के तहत नियुक्त किये गए प्रशासन के अधीन कार्यरत है। शहर का प्रशासनिक नियंत्रण भारत के गृह मंत्रालय के पास है। वर्तमान में पंजाब के राज्यपाल ही चंडीगढ़ के प्रशासक होते हैं। प्रशासक का सलाहकार एक अखिल भारतीय सेवाओं से नियुक्त अति वरिष्ठ अधिकारी होता है। चंडीगढ़ संघ शासित क्षेत्र के प्रशासक को मुख्य आयुक्त नाम से जाना जाता है।

2275. किस संविधान संशोधन द्वारा संसद को दिल्ली के लिए विधानसभा तथा मंत्रिपरिषद के गठन करने की शक्ति प्रदान की गई ?
(अ) 61वें संशोधन (ब) 65वें संशोधन
(स) 69वें संशोधन (द) 70वें संशोधन
उत्तर : (स)
व्याख्या– वर्ष 1991 में 69वें संविधान संशोधन से दिल्ली को विशेष राज्य का दर्जा दिया गया और इसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र घोषित किया गया, साथ ही लेफ्टिनेंट गवर्नर (उपराज्यपाल) को दिल्ली का प्रशासक नामित किया गया।

2276. भारतीय संघ में किसी राज्य को सम्मिलित करने का अधिकार किसे है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) संसद (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या–भारतीय संघ में किसी राज्य को सम्मिलित करने का अधिकार संसद को है। संसद, लोकसभा, राज्यसभा एवं राष्ट्रपति से मिलकर बनती है।

2277. निम्न कथनों पर विचार कीजिए :
1. पंजाब का राज्यपाल अपने दायित्व के साथ ही चंडीगढ़ का प्रशासक भी होता है।
2. केरल का राज्यपाल अपने दायित्व के साथ ही लक्षद्वीप का प्रशासक भी होता है।
इन कथनों में कौनसा/से सही है/हैं ?
(अ) केवल 1 (ब) केवल 3
(स) 1 तथा 2 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– पंजाब का राज्यपाल अपने दायित्व के साथ–साथ चण्डीगढ़ का प्रशासक भी होता है, जबकि केरल का राज्यपाल लक्षद्वीप का प्रशासक नहीं होता है। लक्षद्वीप केरल उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में आता है। केन्द्र शासित प्रदेशों में उपराज्यपाल की नियुक्ति होती है। भारत में 8 केन्द्र शासित राज्य है जिनमें से 3 केन्द्र शासित राज्यों दिल्ली, पुदुचेरी तथा अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में उपराज्यपाल का पद है। चंडीगढ़, दमन और दीव/दादर और नगर हवेली, लक्षद्वीप, जम्मू–कश्मीर, लद्दाख में उपराज्यपाल के स्थान पर प्रशासक होते हैं। भारत का केन्द्र शासित प्रदेश चण्डीगढ़ दो भारतीय राज्यों पंजाब और हरियाणा की राजधानी है। चंडीगढ़ प्रशासन संविधान की धारा 239 के तहत नियुक्त किये गए प्रशासन के अधीन कार्यरत है। शहर का प्रशासनिक नियंत्रण भारत के गृह मंत्रालय के पास है। वर्तमान में पंजाब के राज्यपाल ही चंडीगढ़ के प्रशासक होते हैं। प्रशासक का सलाहकार एक अखिल भारतीय सेवाओं से नियुक्त अति वरिष्ठ अधिकारी होता है। चंडीगढ़ संघ शासित क्षेत्र के प्रशासक को मुख्य आयुक्त नाम से जाना जाता है।

2278. भारत का संविधान भारत को कैसे वर्णित करता है ?
(अ) राज्यमंडल (ब) राज्यों का संघ
(स) महासंघ (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 1 में अनुच्छेद 1 से 4 तक में भारत एक राज्यों का संघ है, परिभाषित किया गया है।

2279. राज्यों में पुनर्गठन संबंधी विधेयक को संसद में प्रस्तुत करने से पूर्व किसकी सहमति प्राप्त करना आवश्यक होता है ?
(अ) संबंधित राज्य के विधानमंडल की
(ब) संबंधित राज्य के राज्यपाल की
(स) राष्ट्रपति की
(द) राज्यसभा की
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्यों में पुनर्गठन संबंधी विधेयक को संसद में प्रस्तुत करने से पूर्व राष्ट्रपति की सहमति प्राप्त करना आवश्यक होता है।

2280. निम्नलिखित में से कौन किसी राज्य का क्षेत्र घटा या बढ़ा सकता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) संसद
(स) राजव्यवस्था (द) क्षेत्रीय परिषद्
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के किसी राज्य के क्षेत्र को घटाने या बढ़ाने का अधिकार संसद को है।

2281. भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन किस वर्ष किया गया ?
(अ) 1956 (ब) 1952
(स) 1950 (द) 1951
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन अधिनियम जुलाई, 1956 में पारित हुआ। इसके तहत 1 अक्टूबर, 1956 को सर्वप्रथम आंध्रप्रदेश राज्य का पुनर्गठन किया गया।

2282. राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किस वर्ष किया गया था ?
(अ) 1950 (ब) 1951
(स) 1952 (द) 1953
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन वर्ष 1953 में किया गया तथा भाषा के आधार पर राज्यों का पुनर्गठन अधिनियम जुलाई, 1956 में पारित हुआ। राज्य पुनर्गठन अधिनियम के तत्कालीन अध्यक्ष फजल अली थे तथा दो सदस्य हृदयनाथ कुंजरू और पणिक्कर थे।

2283. किस आयोग की अनुशंसा के आधार पर पंजाब पुनर्गठन अधिनियम द्वारा पंजाब और हरियाणा राज्य गठित किये गए ?
(अ) धर आयोग (ब) दास आयोग
(स) शाह आयोग (द) महाजन आयोग
उत्तर : (अ)
व्याख्या– धर आयोग की अनुशंसा के आधार पर पंजाब पुनर्गठन अधिनियम द्वारा पंजाब और हरियाणा राज्य गठित किये गए थे।

2284. भारतीय संविधान के प्रथम अनुच्छेद के अनुसार भारत है–
(अ) राज्यों का समूह
(ब) राज्यों को फेडरेशन
(स) राज्यों का कन्फेडरेशन
(द) राज्यों का यूनियन
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के प्रथम अनुच्छेद के अनुसार भारत एक राज्यों का यूनियन है।

37.क्षेत्रीय परिषदें

2285. क्षेत्रीय परिषदों का गठन किसके द्वारा किया जाता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभाध्यक्ष (द) गृह मंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– क्षेत्रीय परिषदों का गठन राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है। क्षेत्रीय परिषदों के गठन के संबंध में राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 15 के अंतर्गत प्रावधान किया गया है।

2286. सामान्यतः किसी क्षेत्रीय परिषद की अध्यक्षता कौन करता है ?
(अ) लोकसभाध्यक्ष (ब) प्रधानमंत्री
(स) केन्द्रीय गृह मंत्री (द) उपप्रधानमंत्री
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान में क्षेत्रीय परिषदों के संबंध में कोई प्रावधान नहीं था। राज्य पुनर्गठन आयोग की रिपोर्ट पर 1956 ई. में संसद के अधिनियम के माध्यम से पाँच क्षेत्रीय परिषदों उत्तर, दक्षिण, केन्द्रीय, पूर्वी और पश्चिम का गठन किया गया। उत्तर–पूर्वी के लिए वर्ष 1971 में छठी क्षेत्रीय परिषद उत्तर–पूर्व का गठन किया गया। प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद का अध्यक्ष भारत के केन्द्रीय गृह मंत्री होते हैं।

2287. क्षेत्रीय परिषदों का सृजन हुआ है–
(अ) संविधान द्वारा
(ब) संसदीय कानून द्वारा
(स) सरकारी संकल्प द्वारा
(द) राष्ट्रीय विकास परिषद द्वारा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान में क्षेत्रीय परिषदों के संबंध में कोई प्रावधान नहीं था। राज्य पुनर्गठन आयोग की रिपोर्ट पर 1956 ई. में संसद के अधिनियम के माध्यम से पाँच क्षेत्रीय परिषदों उत्तर, दक्षिण, केन्द्रीय, पूर्वी और पश्चिम का गठन किया गया। उत्तर–पूर्वी के लिए वर्ष 1971 में छठी क्षेत्रीय परिषद उत्तर–पूर्व का गठन किया गया। प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद का अध्यक्ष भारत के केन्द्रीय गृह मंत्री होते हैं। क्षेत्रीय परिषदों के निर्माण का विचार प्रथम बार वर्ष 1956 में जवाहरलाल नेहरू द्वारा किया गया था।

2288. क्षेत्रीय परिषदें–
(अ) विधि निर्माणकारी इकाइयाँ है
(ब) परामर्शदात्री इकाइयाँ है
(स) प्रशासकीय इकाइयाँ है
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– क्षेत्रीय परिषदें परामर्शदात्री इकाइयाँ हैं। भारतीय संविधान में क्षेत्रीय परिषदों के संबंध में

कोई प्रावधान नहीं था। राज्य पुनर्गठन आयोग की रिपोर्ट पर 1956 ई. में संसद के अधिनियम के माध्यम से पाँच क्षेत्रीय परिषदों उत्तर, दक्षिण, केन्द्रीय, पूर्वी और पश्चिम का गठन किया गया। उत्तर–पूर्वी के लिए वर्ष 1971 में छठी क्षेत्रीय परिषद उत्तर–पूर्व का गठन किया गया। प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद का अध्यक्ष भारत के केन्द्रीय गृह मंत्री होते हैं।

2289. क्षेत्रीय परिषदों के गठन के संबंध में किस वर्ष प्रावधान किया गया है ?
(अ) 1950 ई. (ब) 1951 ई.
(स) 1956 ई. (द) 1957 ई.
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान में क्षेत्रीय परिषदों के संबंध में कोई प्रावधान नहीं था। राज्य पुनर्गठन आयोग की रिपोर्ट पर 1956 ई. में संसद के अधिनियम के माध्यम से पाँच क्षेत्रीय परिषदों उत्तर, दक्षिण, केन्द्रीय, पूर्वी और पश्चिम का गठन किया गया। उत्तर–पूर्वी के लिए वर्ष 1971 में छठी क्षेत्रीय परिषद उत्तर–पूर्व का गठन किया गया। प्रत्येक क्षेत्रीय परिषद का अध्यक्ष भारत के केन्द्रीय गृह मंत्री होते हैं।

2290. राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 15 के अनुसार भारत में कितने क्षेत्रीय परिषदों का गठन किया जाना था ?
(अ) 4 (ब) 5
(स) 6 (द) 7
उत्तर : (अ)
व्याख्या– क्षेत्रीय परिषदों का गठन राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है। क्षेत्रीय परिषदों के गठन के संबंध में राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 की धारा 15 के अंतर्गत प्रावधान किया गया है, जिसके अनुसार भारत में चार क्षेत्रीय परिषदों उत्तरी क्षेत्र मध्य क्षेत्र, पश्चिमी क्षेत्र तथा दक्षिणी क्षेत्र का गठन किया जाना था। लेकिन नये राज्यों के निर्माण के कारण क्षेत्रीय परिषदों की संख्या बढ़कर 5 कर दी गई।

2291. वर्तमान में भारत में कितने क्षेत्रीय परिषदें अस्तित्व में है ?
(अ) 4 (ब) 5
(स) 6 (द) 7
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 के भाग–3 के अनुसार पाँच क्षेत्रीय परिषद उत्तरी, दक्षिणी, पूर्वी, पश्चिमी व मध्य क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की गयी थी, जबकि पूर्वोत्तर क्षेत्रीय परिषद का गठन राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1971 के द्वारा किया गया और जो 8 अगस्त 1972 में अस्तित्व में आया था। वर्तमान में कुल 6 क्षेत्रीय परिषदें हैं।

2292. उत्तरी क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय है–
(अ) नई दिल्ली में (ब) इलाहाबाद में
(स) मुम्बई में (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उत्तरी क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय नई दिल्ली में है।

2293. मध्य क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय है–
(अ) नई दिल्ली में (ब) इलाहाबाद में
(स) मुम्बई में (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– इलाहाबाद में मध्य क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय स्थित है।

2294. पूर्वी क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय है–
(अ) नई दिल्ली में (ब) इलाहाबाद में
(स) कोलकाता में (द) भुवनेश्वर में
उत्तर : (स)
व्याख्या– कोलकाता में पूर्वी क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय स्थित है।

2295. पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय है–
(अ) नई दिल्ली में (ब) इलाहाबाद में
(स) मुम्बई में (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– मुम्बई में पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय स्थित है।

2296. दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय है–
(अ) बंगलौर में (ब) त्रिवेंद्रम में
(स) चेन्नई में (द) अर्नाकुलम में
उत्तर : (स)
व्याख्या– दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद का मुख्यालय चेन्नई में है।

2297. पूर्वोत्तर परिषद का पदेन अध्यक्ष होता है–
(अ) भारत के राष्ट्रपति
(ब) भारत के प्रधानमंत्री
(स) केन्द्रीय गृहमंत्री
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स) NDA 2018
व्याख्या– पूर्वोत्तर परिषद का पदेन अध्यक्ष भारत का गृह मंत्री होता है।

2298. क्षेत्रीय परिषदों का गठन किसके द्वारा किया जाता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभा अध्यक्ष (द) गृह मंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– क्षेत्रीय परिषदों का गठन राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है।

2299. सामान्यतः किसी क्षेत्रीय परिषद की अध्यक्ष कौन करता है ?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष (ब) प्रधानमंत्री
(स) केन्द्रीय गृह मंत्री (द) उपप्रधानमंत्री
उत्तर : (स)

व्याख्या– सामान्यतः किसी क्षेत्रीय परिषद की अध्यक्षता केन्द्रीय गृह मंत्री करते हैं।

2300. क्षेत्रीय परिषदों का सृजन हुआ है–
(अ) संविधान द्वारा
(ब) संसदीय कानून द्वारा
(स) सरकारी संकल्प द्वारा
(द) राष्ट्रीय विकास परिषद द्वारा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– क्षेत्रीय परिषदों का सृजन संसदीय कानून द्वारा हुआ है।

2301. क्षेत्रीय परिषदें हैं–
(अ) विधि निर्माणकारी इकाईयाँ
(ब) परामर्शदात्री इकाईयाँ
(स) प्रशासकीय इकाईयाँ
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– क्षेत्रीय परिषदें परामर्शदात्री इकाईयाँ हैं।

2302. क्षेत्रीय परिषदों के गठन के संबंध में किस वर्ष प्रावधान किया गया ?
(अ) 1950 ई. (ब) 1951 ई.
(स) 1956 ई. (द) 1957 ई.
उत्तर : (स)
व्याख्या– क्षेत्रीय परिषदों के गठन के संबंध में वर्ष 1956 में प्रावधान किया गया।

2303. राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के भाग 3 के तहत कितने क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की गई थी ?
(अ) 4 (ब) 5
(स) 6 (द) 7
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 के भाग 3 के तहत पाँच क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना की गई थी।

38.केन्द्र–राज्य संबंध

2304. संघ सूची, राज्य सूची तथा समवर्ती सूची का विस्तृत उल्लेख संविधान की किस अनुसूची में किया गया है ?
(अ) छठी (ब) सातवीं
(स) आठवीं (द) नवीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची में संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची के विषयों का उल्लेख किया गया है।

2305. भारतीय संविधान में तीनों सूचियों (संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची) से संबंधित व्यवस्था निम्नलिखित में से कहाँ से ली गई है ?
(अ) संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से
(ब) ऑस्ट्रेलिया के संविधान से
(स) कनाडा के संविधान से
(द) भारत सरकार अधिनियम 1935 से
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान में तीनों अनुसूचियों (संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची) से सम्बन्धित व्यवस्था भारत सरकार अधिनियम 1935 से ली गई है।

2306. सरकारिया आयोग की सिफारिशों का संबंध है–
(अ) राजस्व वितरण से
(ब) भारत के राष्ट्रपति की शक्तियों एवं कार्यों से
(स) संसद की सदस्यता से
(द) केन्द्र और राज्यों के बीच संबंधों से
उत्तर : (द) SSC 2010
व्याख्या– केंद्र तथा राज्य संबंधों पर विचार करने के लिए 1983 में न्यायमूर्ति आर.एस. सरकारिया की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय आयोग का गठन किया गया था। इस समिति ने 1987 में अपनी रिपोर्ट पेश की। सरकारिया आयोग ने केंद्र तथा राज्यों के विधायी व वित्तीय संबंधों, राज्यपाल की नियुक्ति तथा राज्यों में राष्ट्रपति शासन के संबंध में महत्वपूर्ण सिफारिशें दी। सरकारिया आयोग के अन्य दो सदस्य थे–वी. शिवराम एवं एस.आर. सेन।

2307. केन्द्र राज्य संबंध पर 1971 में राजमन्नार समिति किस राज्य के द्वारा गठित की गई थी ?
(अ) आन्ध्र प्रदेश (ब) केरल
(स) तमिलनाडु (द) कर्नाटक
उत्तर : (स)
व्याख्या– तमिलनाडु सरकार केंद्र राज्य संबंध पर डॉ. पी.वी. राजमन्नार की अध्यक्षता में राजमन्नार समिति गठित की गयी थी। केंद्र तथा राज्य के पारम्परिक संबंधों को पुनर्निर्धारित करने और उनमें संस्थागत परिवर्तन लाने के उद्देश्य से 22 सितम्बर, 1969 को तमिलनाडु के तत्कालीन मुख्यमंत्री करुणानिधि ने विधानसभा में तीन सदस्यों की एक

समिति की घोषणा की। इस समिति के सभापति डॉ. पी.वी. राजमन्नार तथा सदस्यों में डॉ. लक्ष्मण एस. मुदालियार तथा पी.सी. चन्द्र रेड्डी थे।

2308. भारतीय संविधान में राज्य की शक्तियों एवं कार्य किस प्रकार से विभाजित किये गये हैं ?
(अ) दो सूचियों में (ब) तीन सूचियों में
(स) चार सूचियों में (द) पांच सूचियों में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–11 में केंद्र और राज्य की शक्ति के विभाजन को बताता है। यह भाग वैधानिक, प्रशासनिक और कार्यकारी शक्तियों में विभाजित किया गया है। वैधानिक भाग को तीन सूचियों में बाँटा गया है–संघीय सूची, राज्य सूची और अवशिष्ट सूची।

2309. संघ और राज्यों के विधायी संबंधों का संचालन किन सूचियों के आधार पर किया जाता है ?
(अ) संघ सूची (ब) राज्य सूची
(स) समवर्ती सूची (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संघ और राज्यों के विधायी सम्बन्धों का संचालन संघ सूची, राज्य सूची तथा समवर्ती सूचियों के आधार पर किया जाता है।

2310. सरकारिया आयोग संबंधित है–
(अ) उच्च शिक्षा से (ब) नदी जल विवादों से
(स) शेयर घोटालों से (द) केन्द्र–राज्य संबंधों से
उत्तर : (द) JPSC 2003
व्याख्या– केंद्र तथा राज्य संबंधों पर विचार करने के लिए 1983 में न्यायमूर्ति आर.एस. सरकारिया की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय आयोग का गठन किया गया था। इस समिति ने 1987 में अपनी रिपोर्ट पेश की। सरकारिया आयोग ने केंद्र तथा राज्यों के विधायी एवं वित्तीय संबंधों, राज्यपाल की नियुक्ति तथा राज्यों में राष्ट्रपति शासन के संबंध में महत्वपूर्ण सिफारिशें दी। सरकारिया आयोग के अन्य दो सदस्य थे–वी. शिवराम एवं एस.आर. सेन।

2311. भारतीय संविधान में अवशिष्ट अधिकार हैं–
(अ) राज्यों के पास
(ब) केन्द्र के पास
(स) केन्द्र व राज्य दोनों के पास
(द) किसी के पास नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान में अवशिष्ट अधिकार केंद्र के पास है। अवशिष्ट अधिकार वे अधिकार हैं जिनको संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची में स्पष्ट रूप से शामिल नहीं किया गया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 249 के अनुसार अवशिष्ट विषयों पर कानून बनाने का संसद को अनन्य अधिकार है।

2312. केन्द्र तथा राज्य के मध्य शक्तियों के वितरण के लिए भारत का संविधान तीन सूचियों को प्रस्तुत करता है। निम्न में से कौन दो अनुच्छेद शक्तियों के वितरण को विनियमित करते हैं ?
(अ) अनुच्छेद 4 तथा 5
(ब) अनुच्छेद 56 तथा 57
(स) अनुच्छेद 141 तथा 142
(द) अनुच्छेद 245 तथा 246
उत्तर : (द) UPPCS 2003
व्याख्या– अनुच्छेद 245 में संसद द्वारा और राज्यों के विधानमंडलों द्वारा बनाई गयी विधियों का विस्तार तथा अनुच्छेद 246 में संसद द्वारा राज्यों के विधान मंडलों द्वारा बनाई गयी विधियों की विषय वस्तु के संबंध में उपबंध है।

2313. भारतीय संविधान के अनुसार अवशिष्ट शक्तियाँ किसको सौंपी गई है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) संघीय संसद
(स) राज्य विधानमंडल (द) राज्यपाल
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुसार अवशिष्ट शक्तियाँ संघीय संसद को सौंपी गई है।

2314. निम्न में से कौनसा कथन सही है ?
(अ) संघ सूची के विषयों पर विधि निर्माण का अनन्य अधिकार संसद को प्राप्त है
(ब) राज्य सूची के विषयों पर विधि निर्माण का अनन्य अधिकार राज्य विधानमंडल को प्राप्त है
(स) समवर्ती सूची के विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों को ही विधि निर्माण का अधिकार प्राप्त है
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संघ सूची के विषयों पर विधि निर्माण का अनन्य अधिकार संसद को प्राप्त है। राज्य सूची के विषयों पर विधि निर्माण का अनन्य अधिकार राज्य विधानमंडल को प्राप्त है। समवर्ती सूची के विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों को ही विधि निर्माण का अधिकार प्राप्त है।

2315. भारतीय संविधान में केंद्र व राज्य सरकारों के कार्यक्षेत्र को संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची द्वारा स्पष्ट किया गया है। जो कार्य इन सूचियों में वर्णित नहीं है, वह किसके अधिकार क्षेत्र में आते हैं ?
(अ) राज्य के (ब) संघ के
(स) संघ व राज्य के (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान में केंद्र व राज्य सरकारों के कार्यक्षेत्र को संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची द्वारा स्पष्ट किया गया है। जो कार्य इन सूचियों में वर्णित नहीं है, वह संघ के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

2316. अवशिष्ट विषयों पर विधि निर्माण का अधिकार किसे प्राप्त है ?
(अ) संघ
(ब) राज्य
(स) संघ और राज्य दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अवशिष्ट विषयों पर विधि निर्माण का अधिकार संघ सरकार को प्राप्त है।

2317. किन स्थितियों में संसद राज्य सूची के विषयों पर विधि निर्माण कर सकती है ?
(अ) आपातकाल की स्थिति में
(ब) दो या अधिक राज्यों की सहमति से
(स) अंतर्राष्ट्रीय संधि व समझौते को लागू करने
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– आपातकाल की स्थिति में, दो या अधिक राज्यों की सहमति से अथवा अंतर्राष्ट्रीय संघ व समझौते को लागू करने हेतु संसद राज्य सूची के विषयों पर विधि निर्माण कर सकती है।

2318. यदि समवर्ती सूची के किसी विषय पर राज्य विधानमंडल द्वारा निर्मित अधिनियम, उसी विषय पर संसदीय अधिनियम परस्पर विरोधी हो तो–
(अ) जो नियम पहले बना है, वह दूसरे पर अभिवासी होगा
(ब) जो नियम बाद में बना है, वह पहले पर अभिवासी होगा
(स) संसदीय अधिनियम राज्यीय अधिनियम पर अभिवासी होगा
(द) संसद और राज्य विधानमंडल दोनों को पुनः अधिनियम निर्माण करना होगा
उत्तर : (स)
व्याख्या– यदि समवर्ती सूची के किसी विषय पर राज्य विधानमंडल द्वारा निर्मित अधिनियम, उसी विषय पर संसदीय अधिनियम परस्पर विरोधी हो तो संसदीय अधिनियम राज्यीय अधिनियम पर अभिवासी होगा।

2319. सरकारिया आयोग की स्थापना निम्नलिखित में से किसके संबंध में जांच के लिए हुई थी ?
(अ) जेल सुधार
(ब) केंद्र–राज्य संबंध का
(स) पिछड़े वर्ग के उत्थान के लिए
(द) शिक्षा सुधार
उत्तर : (ब) SSC 2010
व्याख्या– केंद्र तथा राज्य संबंधों पर विचार करने के लिए 1983 में न्यायमूर्ति आर.एस. सरकारिया की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय आयोग का गठन किया गया था। इस समिति ने 1987 में अपनी रिपोर्ट पेश की। सरकारिया आयोग ने केंद्र तथा राज्यों के विधायी व वित्तीय संबंधों, राज्यपाल की नियुक्ति तथा राज्यों में राष्ट्रपति शासन के संबंध में महत्वपूर्ण सिफारिशें दी। सरकारिया आयोग के अन्य दो सदस्य थे–वी. शिवराम एवं एस.आर. सेन।

2320. क्या भारतीय संघ का कोई राज्य किसी विदेशी राष्ट्र या अंतर्राष्ट्रीय संगठन से ऋण ले सकता है ?
(अ) हाँ (ब) नहीं
(स) संघीय सरकार से (द) राष्ट्रपति से
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संघ का कोई राज्य किसी विदेशी राष्ट्र या अंतर्राष्ट्रीय संगठन से ऋण नहीं ले सकता है।

2321. केन्द्र–राज्य संबंधों पर विचार करने के लिए सरकारिया आयोग का गठन कब हुआ ?
(अ) 1967 ई. (ब) 1981 ई.
(स) 1983 ई. (द) 1982 ई.
उत्तर : (स)
व्याख्या– केंद्र तथा राज्य संबंधों पर विचार करने के लिए 1983 में न्यायमूर्ति आर.एस. सरकारिया की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय आयोग का गठन किया गया था। इस समिति ने 1987 में अपनी रिपोर्ट पेश की। सरकारिया आयोग ने केंद्र तथा राज्यों के विधायी व वित्तीय संबंधों, राज्यपाल की नियुक्ति तथा राज्यों में राष्ट्रपति शासन के संबंध में महत्वपूर्ण सिफारिशें दी। सरकारिया आयोग के अन्य दो सदस्य थे–वी. शिवराम एवं एस.आर. सेन।

2322. भारतीय संविधान में अवशिष्ट अधिकारों को–
(अ) संघीय सरकार को दिया गया है
(ब) राज्य सरकारों को दिया गया है
(स) संघीय और राज्य सरकारों को दिया गया है
(द) न संघीय और न ही राज्य सरकारों को दिया गया है
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुसार अवशिष्ट शक्तियाँ संघीय सरकार को प्राप्त है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 248 में अवशिष्ट शक्तियों का वर्णन है, जिसके अनुसार अवशिष्ट शक्तियाँ वह शक्तियाँ है, जिसका वर्णन संविधान की नौवीं अनुसूची में किया गया है। भारतीय संविधान में अवशिष्ट शक्तियाँ कनाडा की भांति संघीय सरकार को प्राप्त है जबकि अमेरिकी संविधान में यह शक्ति राज्यों को दी गई है।

2323. समवर्ती सूची में लिखे विषयों पर अधिनियम बनाने का अधिकार किसके पास है ?
(अ) राज्य और संघ (ब) केवल संघ
(स) केवल राज्य (द) राज्य और संघ क्षेत्र
उत्तर : (अ) SSC 1999
व्याख्या– समवर्ती सूची में लिखे विषयों पर अधिनियम बनने का अधिकार राज्य और संघ के पास है।

2324. निम्नलिखित में से किसके अंतर्गत आने वाले विषयों पर नियमन बना सकने का संसद को एकमात्र अधिकार है ?
(अ) संघीय सूची
(ब) समवर्ती सूची
(स) राज्य सूची
(द) संघीय और समवर्ती सूची
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संघीय सूची के अंतर्गत आने वाले विषयों पर नियमन बना सकने का संसद को एकमात्र अधिकार है।

2325. उन अवशिष्ट मामलों पर जिनका केन्द्रीय/राज्य /समवर्ती सूचियों में उल्लेख न हो, कौन विधि निर्माण कर सकता है ?
(अ) अनन्य रूप से केवल राज्य विधानमंडल
(ब) केवल संसद
(स) राज्य विधानमंडल के सहमत होने पर संसद
(द) सर्वोच्च न्यायालय द्वारा न्याय निर्णयन के अनुसार संसद अथवा राज्य विधानमंडल
उत्तर : (ब) SSC 2001
व्याख्या– संघीय सूची की 97वीं प्रविष्टि के अनुसार जिन विषयों का वर्णन तीनों सूचियों में नहीं है, वे अवशिष्ट शक्तियाँ संघ सरकार को प्रदान की गयी है। संयुक्त राज्य अमेरिका में अवशिष्ट शक्तियाँ राज्यों को प्राप्त है। कनाडा में अवशिष्ट विधायी शक्तियाँ केन्द्र को प्राप्त है जिसे भारत में भी अपनाया गया है, जिनका राज्य और समवर्ती सूचियों में उल्लेख नहीं है। संसद को यह अधिकार है कि वह किसी देश अथवा अंतर्राष्ट्रीय संस्था से की गयी संधि/ समझौते/करार के क्रियान्वयन की दृष्टि से आवश्यक कानून बनाए। सर्वोच्च न्यायालय को अधिकार है कि वह निर्णय करें कि कौनसा विषय इसके तहत आता है।

2326. मूल संविधान में संघ सूची में 97 विषय थे। वर्तमान में उनकी संख्या कितनी है ?
(अ) 94 (ब) 96
(स) 97 (द) 100
उत्तर : (द)
व्याख्या– संघ सूची में दिए गए विषय पर केंद्र सरकार कानून बनाती है। संविधान के लागू होने के समय इसमें 97 विषय थे। वर्तमान में इसमें 100 विषय हैं।

2327. मूल संविधान में क्षेत्रीय महत्व के 66 विषय राज्य सूची में थे। वर्तमान में उनकी संख्या कितनी है ?
(अ) 61 (ब) 64
(स) 69 (द) 72
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मूल संविधान में क्षेत्रीय महत्व के 66 विषय सूची में थे। अब इनकी संख्या 61 है।

2328. मूल संविधान में समवर्ती सूची के अंतर्गत विषयों की संख्या 47 थीं। वर्तमान में यह संख्या कितनी है ?
(अ) 42 (ब) 45
(स) 50 (द) 52
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची में दिये गये 52 विषयों की सूची है। इसमें राज्य सरकार और केन्द्र सरकार दोनों के साझा अधिकारों को वर्णित किया गया है। विधायी खंड को तीन भागों में बांटा गया है। संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। संयुक्त राज्य अमेरिका, स्विट्जरलैण्ड और ऑस्ट्रेलिया के विपरीत अन्य सभी अधिकार संघीय सरकार के पास है जो कनाडा संघीय सरकार के समरूप है।

2329. पंचायती राज विषय है–
(अ) समवर्ती सूची में
(ब) केंद्र की सूची में
(स) राज्य की सूची में
(द) विशेषाधिकार की सूची में
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में तीन सूचियाँ दी गई हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। पंचायती राज प्रणाली राज्य सूची का विषय है।

2330. भूमि सुधार.....के विषय के अंतर्गत है।
(अ) संघ सूची (ब) समवर्ती सूची
(स) राज्य सूची (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में वर्णित राज्य सूची के अंतर्गत भूमि सुधारों को सम्मिलित किया गया है। भूमि सुधार के कार्यों को कारगर बनाने के लिए नवीं अनुसूची का प्रावधान किया गया है, जिसके अंतर्गत भूमि सुधार संबंधी एवं अन्य अधिनियम है जो अनुच्छेद 31(ख) द्वारा संरक्षित है अर्थात् इसमें रखे गये अधिनियम–नियमों आदि को भाग–3 के आधार पर असंवैधानिक नहीं घोषित किया जा सकता है।

2331. निम्नलिखित में से कौनसा विषय समवर्ती सूची में है ?
(अ) कृषि (ब) शिक्षा
(स) पुलिस (द) रक्षा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में केन्द्र एवं राज्य की शक्तियों के बँटवारे से संबंधित तीन सूची दी गई है–1.संघ सूची 2.राज्य सूची और 3.समवर्ती सूची। औपचारिक रूप से और कानूनी दृष्टि से इन सूचियों की संख्या वही बनी हुई है, जो मूल संविधान में थी। संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची,

राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। समवर्ती सूची में शामिल विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों के द्वारा कानून बनाया जाता है और यदि दोनों कानूनों में विरोध हो, तो संसद द्वारा निर्मित कानून लागू होगा। इसमें इस समय 52 विषय हैं (मूलतः 47 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं– राष्ट्रीय जलमार्ग, परिवार नियोजन, जनसंख्या नियंत्रण, समाचार–पत्र, कारखाना, शिक्षा, आर्थिक तथा सामाजिक योजना, दांडिक विधि, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक बीमा और सिविल प्रक्रिया, विवाह, संविदा, श्रम कल्याण, शिक्षा, वन आदि विषय आते हैं।

2332. आर्थिक नियोजन विषय है–
(अ) संघ सूची में
(ब) राज्य सूची में
(स) समवर्ती सूची में
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– आर्थिक नियोजन विषय समवर्ती सूची का है। आर्थिक नियोजन विषय को लेकर ही भारत सरकार ने योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) की स्थापना की थी।

2333. भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत संघ सूची में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख नहीं है ?
(अ) बैंकिंग (ब) बीमा
(स) जनगणना (द) गैस
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। संघ सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो राष्ट्रीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार केन्द्रीय विधायिका अर्थत् संसद को है। इस सूची में इस समय कुल 100 विषय (मूलतः 97 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–रक्षा, विदेशी मामले, युद्ध, अणु शक्ति, सीमा शुल्क, जनगणना, विदेशी ऋण, डाक एवं तार, प्रसारण, टेलीफोन, विदेशी व्यापार, रेल तथा वायु एवं जल परिवहन, बीमा, मुद्रा और सिक्के, बैंकिंग, संघ के शुल्क और कर शामिल है।

2334. भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत राज्य सूची में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख है ?
(अ) शिक्षा (ब) विद्युत
(स) पुलिस (द) वन
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। राज्य सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो स्थानीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार राज्य विधानमंडल को है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में संसद भी कानून बना सकती है। इस सूची में शामिल विषयों में वतर्मान में 61 विषय (मूलतः 66 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–लोक सेवा, कृषि, कारागार, भू–राजस्व, लोक व्यवस्था, पुलिस, लोक स्वास्थ्य, स्थानीय शासन, क्रय–विक्रय, सिंचाई, मात्स्यिकी आदि शामिल है।

2335. निम्नलिखित में से कौनसा विषय संघ सूची के अंतर्गत समाविष्ट है ?
(अ) पुलिस
(ब) जनगणना
(स) भू–आगम
(द) लोक स्वास्थ्य और सफाई का प्रबंध
उत्तर : (ब) SSC 2000
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। राज्य सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो स्थानीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार राज्य विधानमंडल को है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में संसद भी कानून बना सकती है। इस सूची में शामिल विषयों में वतर्मान में 61 विषय (मूलतः 66 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–लोक सेवा, कृषि, कारागार, भू–राजस्व, लोक व्यवस्था, पुलिस, लोक स्वास्थ्य, स्थानीय शासन, क्रय–विक्रय, सिंचाई, मात्स्यिकी आदि शामिल है।

2336. निम्नलिखित सूचियों में से किसके अंतर्गत शिक्षा आती है ?
(अ) केन्द्रीय सूची (ब) राज्य सूची
(स) समवर्ती सूची (द) स्थानीय सूची
उत्तर : (स) SSC 2000
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। समवर्ती सूची में शामिल विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों के द्वारा कानून बनाया जाता है और यदि दोनों कानूनों में विरोध हो, तो संसद द्वारा निर्मित कानून लागू होगा। इसमें इस समय 52 विषय हैं (मूलतः 47 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–राष्ट्रीय जलमार्ग, परिवार नियोजन,

जनसंख्या नियंत्रण, समाचार–पत्र, कारखाना, शिक्षा, आर्थिक तथा सामाजिक योजना, दांडिक विधि, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक बीमा और सिविल प्रक्रिया, विवाह, संविदा, श्रम कल्याण, शिक्षा, वन आदि विषय आते हैं।

2337. निम्नलिखित में से कौन राज्य सूची में नहीं है ?
(अ) कृषि (ब) जेल
(स) सिंचाई (द) सुरक्षा
उत्तर : (द) RRB 2004
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। राज्य सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो स्थानीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार राज्य विधानमंडल को है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में संसद भी कानून बना सकती है। इस सूची में शामिल विषयों में वतर्मान में 61 विषय (मूलतः 66 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–लोक सेवा, कृषि, कारागार, भू–राजस्व, लोक व्यवस्था, पुलिस, लोक स्वास्थ्य, स्थानीय शासन, क्रय–विक्रय, सिंचाई, मात्स्यिकी आदि शामिल है।

2338. सामाजिक सुरक्षा एवं सामाजिक बीमा विषय है–
(अ) समवर्ती सूची में (ब) अवशिष्ट सूची में
(स) राज्य सूची में (द) संघीय सूची में
उत्तर : (अ) RRB 2003
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। समवर्ती सूची में शामिल विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों के द्वारा कानून बनाया जाता है और यदि दोनों कानूनों में विरोध हो, तो संसद द्वारा निर्मित कानून लागू होगा। इसमें इस समय 52 विषय हैं (मूलतः 47 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं– राष्ट्रीय जलमार्ग, परिवार नियोजन, जनसंख्या नियंत्रण, समाचार–पत्र, कारखाना, शिक्षा, आर्थिक तथा सामाजिक योजना, दांडिक विधि, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक बीमा और सिविल प्रक्रिया, विवाह, संविदा, श्रम कल्याण, शिक्षा, वन आदि विषय आते हैं।

2339. शिक्षा को किस संविधान संशोधन द्वारा रज्य सूची से हटाकर समवर्ती सूची में शामिल किया गया ?
(अ) 40वें (ब) 42वें
(स) 44वें (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) RRB 2004
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा सूची के राज्य सूची के निम्न विषयों–वन, जंगली जानवरों और पक्षियों की रक्षा तथा नाप–तौल को राज्य सूची से निकालकर समवर्ती सूची में शामिल कर लिया गया।

2340. समवर्ती सूची का विषय नहीं है–
(अ) समाचार पत्र (ब) परिवार नियोजन
(स) कारखाना (द) लोक स्वास्थ्य
उत्तर : (द) RRB 2004
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। समवर्ती सूची में शामिल विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों के द्वारा कानून बनाया जाता है और यदि दोनों कानूनों में विरोध हो, तो संसद द्वारा निर्मित कानून लागू होगा। इसमें इस समय 52 विषय हैं (मूलतः 47 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं– राष्ट्रीय जलमार्ग, परिवार नियोजन, जनसंख्या नियंत्रण, समाचार–पत्र, कारखाना, शिक्षा, आर्थिक तथा सामाजिक योजना, दांडिक विधि, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक बीमा और सिविल प्रक्रिया, विवाह, संविदा, श्रम कल्याण, शिक्षा, वन आदि विषय आते हैं।

2341. भारतीय संविधान के संबंध में निम्न में से कौनसा युग्म सुमेलित नहीं है ?
(अ) वन – समवर्ती सूची
(ब) स्टॉक एक्सचेंज – समवर्ती सूची
(स) पोस्ट ऑफिस सेविंग बैंक – संघीय सूची
(द) लोक स्वास्थ्य – राज्य सूची
उत्तर : (ब) IAS 2004, RRB 2004
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। संघ सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो राष्ट्रीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार केन्द्रीय विधायिका अर्थत् संसद को है। इस सूची में इस समय कुल 100 विषय (मूलतः 97 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–रक्षा, विदेशी मामले, युद्ध, अणु शक्ति, सीमा शुल्क, जनगणना, विदेशी ऋण, डाक एवं तार, प्रसारण, टेलीफोन, विदेशी व्यापार, रेल तथा वायु एवं जल परिवहन, बीमा, मुद्रा और सिक्के, स्टॉक एक्सचेंज (शेयर), बैंकिंग, संघ के शुल्क और कर शामिल है।

2342. निम्न में से कौन राज्य सूची में है ?
(अ) पुलिस
(ब) निगमीय कर
(स) जनगणना
(द) आर्थिक एवं सामाजिक नियोजन
उत्तर : (अ)

व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। राज्य सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो स्थानीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार राज्य विधानमंडल को है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में संसद भी कानून बनान कसती है। इस सूची में शामिल विषयों में वतर्मान में 61 विषय (मूलतः 66 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–लोक सेवा, कृषि, कारागार, भू–राजस्व, लोक व्यवस्था, पुलिस, लोक स्वास्थ्य, स्थानीय शासन, क्रय–विक्रय, सिंचाई, मात्स्यिकी आदि शामिल हैं।

2343. 42वें संवैधानिक संशोधन द्वारा वन, शिक्षा, प्राणियों का संरक्षण और नाप–तौल को किस सूची में स्थानांतरण किया गया ?
(अ) संघ सूची से राज्य सूची
(ब) राज्य सूची से संघ सूची
(स) राज्य सूची से समवर्ती सूची
(द) संघ सूची से समवर्ती सूची
उत्तर : (स)
व्याख्या– 42वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा सूची के राज्य सूची के निम्न विषयों–वन, जंगली जानवरों और पक्षियों की रक्षा तथा नाप–तौल को राज्य सूची से निकालकर समवर्ती सूची में शामिल कर लिया गया।

2344. मुद्रा, प्रतिरक्षा, बैंक, प्रादेशिक मामले, डाक–तार, नागरिकता आदि विषय किस सूची में रखे गये हैं ?
(अ) संघ सूची (ब) राज्य सूची
(स) समवर्ती सूची (द) अवशिष्ट शक्तियाँ
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। संघ सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो राष्ट्रीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार केन्द्रीय विधायिका अर्थत् संसद को है। इस सूची में इस समय कुल 100 विषय (मूलतः 97 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–रक्षा, विदेशी मामले, युद्ध, अणु शक्ति, सीमा शुल्क, जनगणना, विदेशी ऋण, डाक एवं तार, प्रसारण, टेलीफोन, विदेशी व्यापार, रेल तथा वायु एवं जल परिवहन, बीमा, मुद्रा और सिक्के, स्टॉक एक्सचेंज (शेयर), बैंकिंग, संघ के शुल्क और कर शामिल है।

2345. पुलिस, न्याय, स्थानीय स्वशासन, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई आदि विषयों को किस सूची में रखा गया है ?
(अ) संघ सूची (ब) राज्य सूची
(स) समवर्ती सूची (द) अवशिष्ट शक्तियाँ
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। राज्य सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो स्थानीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार राज्य विधानमंडल को है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में संसद भी कानून बनान कसती है। इस सूची में शामिल विषयों में वतर्मान में 61 विषय (मूलतः 66 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–लोक सेवा, कृषि, कारागार, भू–राजस्व, लोक व्यवस्था, पुलिस, लोक स्वास्थ्य, स्थानीय शासन, क्रय–विक्रय, सिंचाई, मात्स्यिकी आदि शामिल हैं।

2346. निम्नलिखित में से कौन समवर्ती सूची में है ?
(अ) करेंसी (ब) शिक्षा
(स) पुलिस (द) कृषि
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। समवर्ती सूची में शामिल विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों के द्वारा कानून बनाया जाता है और यदि दोनों कानूनों में विरोध हो, तो संसद द्वारा निर्मित कानून लागू होगा। इसमें इस समय 52 विषय हैं (मूलतः 47 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं– राष्ट्रीय जलमार्ग, परिवार नियोजन, जनसंख्या नियंत्रण, समाचार–पत्र, कारखाना, शिक्षा, आर्थिक तथा सामाजिक योजना, दांडिक विधि, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक बीमा और सिविल प्रक्रिया, विवाह, संविदा, श्रम कल्याण, शिक्षा, वन आदि विषय आते हैं।

2347. निम्नलिखित में से कौनसा विषय राज्य सूची में सम्मिलित नहीं है ?
(अ) पुलिस (ब) न्याय
(स) जेल (द) शिक्षा
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। समवर्ती सूची में शामिल विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों के द्वारा कानून बनाया

जाता है और यदि दोनों कानूनों में विरोध हो, तो संसद द्वारा निर्मित कानून लागू होगा। इसमें इस समय 52 विषय हैं (मूलतः 47 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं– राष्ट्रीय जलमार्ग, परिवार नियोजन, जनसंख्या नियंत्रण, समाचार–पत्र, कारखाना, शिक्षा, आर्थिक तथा सामाजिक योजना, दांडिक विधि, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक बीमा और सिविल प्रक्रिया, विवाह, संविदा, श्रम कल्याण, शिक्षा, वन आदि विषय आते हैं।

2348. निम्नलिखित में से कौनसा विषय राज्य सूची का नहीं है ?
(अ) पुलिस
(ब) भू–राजस्व
(स) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण
(द) कारागार
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। संघ सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो राष्ट्रीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार केन्द्रीय विधायिका अर्थत् संसद को है। इस सूची में इस समय कुल 100 विषय (मूलतः 97 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–रक्षा, विदेशी मामले, युद्ध, अणु शक्ति, सीमा शुल्क, जनगणना, विदेशी ऋण, डाक एवं तार, प्रसारण, टेलीफोन, विदेशी व्यापार, रेल तथा वायु एवं जल परिवहन, बीमा, मुद्रा और सिक्के, स्टॉक एक्सचेंज (शेयर), बैंकिंग, संघ के शुल्क और कर शामिल है।

2349. राज्य सूची से हटाकर समवर्ती सूची में लाया गया है–
(अ) कृषि (ब) वन
(स) सिंचाई (द) न्याय
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के 42वें संविधान संशोधन, 1976 के द्वारा वन, शिक्षा, जनसंख्या नियंत्रण व परिवार नियोजन, बाँट व माप, जानवर तथा पक्षियों की सुरक्षा आदि विषय को समवर्ती सूची में शामिल कर दिया गया है।

2350. राज्य सूची का विषय है–
(अ) न्याय (ब) श्रमिक संघ
(स) परिवार नियोजन (द) निवारक निरोध
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। राज्य सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो स्थानीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार राज्य विधानमंडल को है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में संसद भी कानून बना सकती है। इस सूची में शामिल विषयों में वतर्मान में 61 विषय (मूलतः 66 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–लोक सेवा, कृषि, कारागार, भू–राजस्व, लोक व्यवस्था, पुलिस, लोक स्वास्थ्य, स्थानीय शासन, क्रय–विक्रय, सिंचाई, मात्स्यिकी आदि शामिल हैं।

2351. संघ सूची का विषय है–
(अ) पुलिस
(ब) बीमा कर
(स) न्याय
(द) फौजदारी विधि और प्रक्रिया
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। संघ सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो राष्ट्रीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार केन्द्रीय विधायिका अर्थत् संसद को है। इस सूची में इस समय कुल 100 विषय (मूलतः 97 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–रक्षा, विदेशी मामले, युद्ध, अणु शक्ति, सीमा शुल्क, जनगणना, विदेशी ऋण, डाक एवं तार, प्रसारण, टेलीफोन, विदेशी व्यापार, रेल तथा वायु एवं जल परिवहन, बीमा, मुद्रा और सिक्के, स्टॉक एक्सचेंज (शेयर), बैंकिंग, संघ के शुल्क और कर शामिल है।

2352. 42वें संविधान संशोधन द्वारा समवर्ती सूची में जोड़ा गया है–
(अ) जनंसख्या नियंत्रण (ब) सार्वजनिक स्वास्थ्य
(स) जेल (द) फौजदारी विधि
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के 42वें संविधान संशोधन, 1976 के द्वारा वन, शिक्षा, जनसंख्या नियंत्रण व परिवार नियोजन, बाँट व माप, जानवर तथा पक्षियों की सुरक्षा आदि विषय को समवर्ती सूची में शामिल कर दिया गया है।

2353. संघ सूची का विषय नहीं है–
(अ) पुलिस (ब) सिक्का
(स) डाक (द) तार
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। संघ सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो राष्ट्रीय महत्व के हैं तथा

जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार केन्द्रीय विधायिका अर्थत् संसद को है। इस सूची में इस समय कुल 100 विषय (मूलतः 97 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–रक्षा, विदेशी मामले, युद्ध, अणु शक्ति, सीमा शुल्क, जनगणना, विदेशी ऋण, डाक एवं तार, प्रसारण, टेलीफोन, विदेशी व्यापार, रेल तथा वायु एवं जल परिवहन, बीमा, मुद्रा और सिक्के, स्टॉक एक्सचेंज (शेयर), बैंकिंग, संघ के शुल्क और कर शामिल है।

2354. कृषि आय पर लगने वाला कर 'भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची में दी गई.....सूची में सूचीबद्ध है।
(अ) केन्द्रीय (ब) राज्य
(स) संघ (द) समवर्ती
उत्तर : (ब) IAS 2003
व्याख्या– कृषि आय पर लगने वाला कर भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में दी गई राज्य सूची में सूचीबद्ध है।

2355. समवर्ती सूची का विषय है–
(अ) सिक्का (ब) विदेशी ऋण
(स) जेल (द) विवाह
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। समवर्ती सूची में शामिल विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों के द्वारा कानून बनाया जाता है और यदि दोनों कानूनों में विरोध हो, तो संसद द्वारा निर्मित कानून लागू होगा। इसमें इस समय 52 विषय हैं (मूलतः 47 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं– राष्ट्रीय जलमार्ग, परिवार नियोजन, जनसंख्या नियंत्रण, समाचार–पत्र, कारखाना, शिक्षा, आर्थिक तथा सामाजिक योजना, दांडिक विधि, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक बीमा और सिविल प्रक्रिया, विवाह, संविदा, श्रम कल्याण, शिक्षा, वन आदि विषय आते हैं।

2356. निम्नलिखित में कौन समवर्ती सूची में है ?
(अ) करेंसी (ब) शिक्षा
(स) पुलिस (द) कृषि
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। समवर्ती सूची में शामिल विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों के द्वारा कानून बनाया जाता है और यदि दोनों कानूनों में विरोध हो, तो संसद द्वारा निर्मित कानून लागू होगा। इसमें इस समय 52 विषय हैं (मूलतः 47 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं– राष्ट्रीय जलमार्ग, परिवार नियोजन, जनसंख्या नियंत्रण, समाचार–पत्र, कारखाना, शिक्षा, आर्थिक तथा सामाजिक योजना, दांडिक विधि, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक बीमा और सिविल प्रक्रिया, विवाह, संविदा, श्रम कल्याण, शिक्षा, वन आदि विषय आते हैं।

2357. राज्य सूची का विषय नहीं है–
(अ) पुलिस (ब) न्याय
(स) जेल (द) सीमा कर
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। राज्य सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो स्थानीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार राज्य विधानमंडल को है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में संसद भी कानून बना सकती है। इस सूची में शामिल विषयों में वतर्मान में 61 विषय (मूलतः 66 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–लोक सेवा, कृषि, कारागार, भू–राजस्व, लोक व्यवस्था, पुलिस, लोक स्वास्थ्य, स्थानीय शासन, क्रय–विक्रय, सिंचाई, मात्स्यिकी आदि शामिल हैं।

2358. अंतर्राष्ट्रीय संधियों के भारत के किसी भाग अथवा सम्पूर्ण भारत में लागू करने के लिए संसद कोई भी कानून बना सकती है–
(अ) सभी राज्यों की सहमति से
(ब) बहुसंख्य राज्यों की सहमति से
(स) संबंधित राज्यों की सहमति से
(द) बिना किसी राज्य की सहमति से
उत्तर : (द) IAS 2000
व्याख्या– अंतर्राष्ट्रीय संधियों के भारत के किसी भाग अथवा सम्पूर्ण भारत में लागू करने के लिए संसद कोई भी कानून बिना किसी राज्य की सहमति से बना सकती है।

2359. निम्नलिखित में कौनसा विषय राज्य सूची का नहीं है ?
(अ) पुलिस
(ब) भू–राजस्व
(स) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण
(द) कृषि
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। राज्य सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो स्थानीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार

राज्य विधानमंडल को है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में संसद भी कानून बना सकती है। इस सूची में शामिल विषयों में वतर्मान में 61 विषय (मूलतः 66 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–लोक सेवा, कृषि, कारागार, भू–राजस्व, लोक व्यवस्था, पुलिस, लोक स्वास्थ्य, स्थानीय शासन, क्रय–विक्रय, सिंचाई, मात्स्यिकी आदि शामिल हैं।

2360. राज्य सूची से हटाकर समवर्ती सूची में लाया गया है–
(अ) कृषि (ब) वन
(स) सिंचाई (द) न्याय
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के 42वें संविधान संशोधन, 1976 के द्वारा वन, शिक्षा, जनसंख्या नियंत्रण व परिवार नियोजन, बाँट व माप, जानवर तथा पक्षियों की सुरक्षा आदि विषय को समवर्ती सूची में शामिल कर दिया गया है।

2361. राज्य सूची का विषय है–
(अ) न्याय (ब) श्रमिक संघ
(स) परिवार नियोजन (द) निवारक निरोध
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। राज्य सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो स्थानीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार राज्य विधानमंडल को है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में संसद भी कानून बना सकती है। इस सूची में शामिल विषयों में वतर्मान में 61 विषय (मूलतः 66 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–लोक सेवा, कृषि, कारागार, भू–राजस्व, लोक व्यवस्था, पुलिस, लोक स्वास्थ्य, स्थानीय शासन, क्रय–विक्रय, सिंचाई, मात्स्यिकी आदि शामिल हैं।

2362. संघ सूची का विषय है–
(अ) पुलिस
(ब) सीमा कर
(स) न्याय
(द) फौजदारी विधि और प्रक्रिया
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। संघ सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो राष्ट्रीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार केन्द्रीय विधायिका अर्थत् संसद को है। इस सूची में इस समय कुल 100 विषय (मूलतः 97 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–रक्षा, विदेशी मामले, युद्ध, अणु शक्ति, सीमा शुल्क, जनगणना, विदेशी ऋण, डाक एवं तार, प्रसारण, टेलीफोन, विदेशी व्यापार, रेल तथा वायु एवं जल परिवहन, बीमा, मुद्रा और सिक्के, स्टॉक एक्सचेंज (शेयर), बैंकिंग, संघ के शुल्क और कर शामिल हैं।

2363. समवर्ती सूची का विषय है–
(अ) सिक्का
(ब) विदेशी ऋण
(स) जेल
(द) विवाह और विवाह विच्छेद
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। समवर्ती सूची में शामिल विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों के द्वारा कानून बनाया जाता है और यदि दोनों कानूनों में विरोध हो, तो संसद द्वारा निर्मित कानून लागू होगा। इसमें इस समय 52 विषय हैं (मूलतः 47 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं– राष्ट्रीय जलमार्ग, परिवार नियोजन, जनसंख्या नियंत्रण, समाचार–पत्र, कारखाना, शिक्षा, आर्थिक तथा सामाजिक योजना, दांडिक विधि, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक बीमा और सिविल प्रक्रिया, विवाह, संविदा, श्रम कल्याण, शिक्षा, वन आदि विषय आते हैं।

2364. 42वें संविधान संशोधन द्वारा समवर्ती सूची में जोड़ा गया है–
(अ) जनसंख्या नियंत्रण (ब) सार्वजनिक स्वास्थ्य
(स) जेल (द) फौजदारी विधि
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के 42वें संविधान संशोधन, 1976 के द्वारा वन, शिक्षा, जनसंख्या नियंत्रण व परिवार नियोजन, बाँट व माप, जानवर तथा पक्षियों की सुरक्षा आदि विषय को समवर्ती सूची में शामिल कर दिया गया है।

2365. संविधान की राज्य सूची में कौनसा विषय नहीं है ?
(अ) मत्स्य (ब) कृषि
(स) बीमा (द) सट्टेबाजी
उत्तर : (स) IAS 1992
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। राज्य सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो स्थानीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार राज्य विधानमंडल को है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में संसद भी कानून बना सकती है।

इस सूची में शामिल विषयों में वतर्मान में 61 विषय (मूलतः 66 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–लोक सेवा, कृषि, कारागार, भू–राजस्व, लोक व्यवस्था, पुलिस, लोक स्वास्थ्य, स्थानीय शासन, क्रय–विक्रय, सिंचाई, मात्स्यिकी आदि शामिल हैं।

2366. समवर्ती सूची में कौनसा विषय है ?
(अ) दिवालियापन (ब) कृषि
(स) भू–राजस्व (द) श्रम कल्याण
उत्तर : (द) IAS 1993
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। समवर्ती सूची में शामिल विषयों पर संसद तथा राज्य विधानमंडल दोनों के द्वारा कानून बनाया जाता है और यदि दोनों कानूनों में विरोध हो, तो संसद द्वारा निर्मित कानून लागू होगा। इसमें इस समय 52 विषय हैं (मूलतः 47 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं– राष्ट्रीय जलमार्ग, परिवार नियोजन, जनसंख्या नियंत्रण, समाचार–पत्र, कारखाना, शिक्षा, आर्थिक तथा सामाजिक योजना, दांडिक विधि, सामाजिक सुरक्षा, सामाजिक बीमा और सिविल प्रक्रिया, विवाह, संविदा, श्रम कल्याण, शिक्षा, वन आदि विषय आते हैं।

2367. केंद्र और राज्यों के बीच वैधानिक शक्तियों का बंटवारा दिया हुआ है–
(अ) 5वीं अनुसूची में (ब) 8वीं अनुसूची में
(स) 6ठी अनुसूची में (द) 7वीं अनुसूची में
उत्तर : (द)
व्याख्या– केन्द्र व राज्य के बीच वैधानिक शक्तियों को बंटवारा अनुसूची सात के अंतर्गत किया गया है। सातवीं अनुसूची के तहत संघ सूची (100 विषय) पर कानून बनाने का अधिकार केन्द्र को तथा राज्य सूची (61 विषय) का कानून बनाने का अधिकार राज्य को है। समवर्ती सूची (52 विषय) केन्द्र एवं राज्य दोनों कानून बना सकती है। अवशिष्ट शक्तियाँ केंद्र में निहित है।

2368. संविधान में जन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता तथा अस्पताल एवं औषधालय किस सूची मे आते हैं ?
(अ) समवर्ती सूची (ब) राज्य सूची
(स) केंद्र सूची (द) किसी सूची में नहीं
उत्तर : (ब) SSC 2015
व्याख्या– संविधान की सातवीं अनुसूची के अंतर्गत तीन भाग आते हैं–संघ सूची, राज्य सूची एवं समवर्ती सूची। मूल संविधान में संघ सूची में 97, राज्य सूची में 66 तथा समवर्ती सूची में 47 विषय शमिल किये गये हैं। राज्य सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो स्थानीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार राज्य विधानमंडल को है, लेकिन कुछ विशेष परिस्थितियों में संसद भी कानून बना सकती है। इस सूची में शामिल विषयों में वतर्मान में 61 विषय (मूलतः 66 विषय) हैं। इनमें प्रमुख हैं–लोक सेवा, कृषि, कारागार, भू–राजस्व, लोक व्यवस्था, पुलिस, लोक स्वास्थ्य, स्थानीय शासन, क्रय–विक्रय, सिंचाई, मात्स्यिकी आदि शामिल हैं।

2369. केंद्र राज्य संबंध में विवाद का एक कारण रहा है–
(अ) राष्ट्रपति का पद (ब) प्रधानमंत्री का पद
(स) राज्यपाल का पद (द) मुख्यमंत्री का पद
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्र राज्य संबंध में विवाद का एक कारण राज्यपाल का पद रहा है।

2370. भारत के संविधान के अंतर्गत विषय तथा संबंधित सूची के बारे में निम्न युग्मों में से कौन एक सुमेलित नहीं है ?
(अ) वन – समवर्ती सूची
(ब) शेयर बाजार – समवर्ती सूची
(स) डाकघर बचत बैंक – संघीय सूची
(द) जन स्वास्थ्य – राज्य सूची
उत्तर : (ब) UPPCS 2009
व्याख्या– भारत के संविधान के अंतर्गत विषय तथा संबंधित सूची के बारे में शेयर बाजार समवर्ती सूची में नहीं है।

2371. भारतीय संविधान के अंतर्गत 'अवशिष्ट अधिकारों' का अर्थ है–
(अ) अंतर्राष्ट्रीय मामलों से संबंधित अधिकार
(ब) आंतरिक आपात स्थिति से संबंधित अधिकार
(स) अधिकार जिनका प्रयोग केन्द्रीय सरकार और राज्यों दोनों द्वारा किया जाता है
(द) अधिकार जिनको केन्द्रीय सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची में स्पष्ट रूप से शामिल नहीं किया गया है
उत्तर : (द) SSC 2013
व्याख्या– अवशिष्ट अधिकार वे अधिकार हैं जिनको केन्द्रीय सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची में स्पष्ट रूप से शामिल नहीं किया गया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 248 के अनुसार अवशिष्ट विषयों पर कानून बनाने का संसद को अनन्य अधिकार है।

2372. बेटिंग और जुआ भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची में दी गई.....सूची में सूचीबद्ध है।
(अ) केन्द्रीय (ब) राज्य
(स) विश्व (द) समवर्ती
उत्तर : (ब) SSC 2017
व्याख्या– बेटिंग और जुआ भारत के संविधान की सातवीं अनुसूची में दी गई राज्य सूची में सूचीबद्ध है। राज्य सूची में पुलिस, लोक स्वास्थ्य, कृषि, वन, मात्स्यिकी आदि शामिल है।

2373. रेलवे, भारत के संविधान में कौनसी सूची में आता है ?
(अ) समवर्ती सूची (ब) केन्द्रीय सूची
(स) राज्य सूची (द) विशिष्ट सूची
उत्तर : (ब) RRB 2008
व्याख्या– भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में केंद्र और राज्य से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों की सूचियों को तीन भागों यथा संघ सूची, राज्य सूची तथा समवर्ती सूची में बाँटा गया है। संघ सूची के अंतर्गत खादानों एवं तेल क्षेत्रों में श्रम एवं सुरक्षा का निगमन, रक्षा, रेल, बैंक आदि कुछ महत्वपूर्ण विषय है।

2374. भारतीय संविधान की अनुसूची में केन्द्र एवं राज्य की शक्तियों के बँटवारे से संबंधित तीन सूची दी गई है ?
(अ) सातवीं (ब) आठवीं
(स) नौवीं (द) पाँचवीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में केन्द्र एवं राज्य की शक्तियों के बँटवारे से संबंधित तीन सूची दी गई है–1.संघ सूची 2.राज्य सूची और 3.समवर्ती सूची। औपचारिक रूप से और कानूनी दृष्टि से इन सूचियों की विषयों की संख्या वही हुई है, जो मूल संविधान में थी।

2375. भारतीय संविधान में केन्द्र तथा राज्य के मध्य विधायी, प्रशासनिक तथा वित्तीय शक्तियों का विभाजन किया गया है, लेकिन इस विभाजन की परिधि से बाहर रखा गया है–
(अ) न्यायपालिका (ब) लोक सेवा आयोग
(स) नीति आयोग (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान में केन्द्र तथा राज्य के मध्य विधायी, प्रशासनिक तथा वित्तीय शक्तियों का विभाजन किया गया है, लेकिन न्यायपालिका को विभाजन की परिधि से बाहर रखा गया है।

2376. संघ सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो राष्ट्रीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार है–
(अ) संसद को (ब) राष्ट्रपति को
(स) प्रधानमंत्री को (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में केन्द्र एवं राज्य की शक्तियों के बँटवारे से संबंधित तीन सूची दी गई है–1.संघ सूची 2.राज्य सूची और 3.समवर्ती सूची। संघ सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो राष्ट्रीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार केन्द्रीय विधायिका अर्थात् संसद को है। इस सूची में इस समय कुल 100 विषय हैं। मूल संविधान में इन विषयों की संख्या 97 थी। रक्षा, विदेशी मामले, युद्ध, अन्तर्राष्ट्रीय संधि, अणु शक्ति, सीमा शुल्क, जनगणना, विदेशी ऋण, डाक एवं तार, प्रसारण, टेलीफोन, विदेशी व्यापार, रेल तथा वायु एवं जल परिवहन आदि विषय संघ सूची से सबंधित है।

2377. भारत के संविधान में केन्द्र और राज्यों के बीच किए गए शक्तियों का विभाजन किस योजना पर आधारित है ?
(अ) भारत सरकार अधिनियम, 1935
(ब) भारत सरकार अधिनियम, 1947
(स) भारत सरकार अधिनियम, 1961
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के संविधान में केन्द्र और राज्यों के बीच किए गए शक्तियों का विभाजन भारत सरकार अधिनियम, 1935 में उल्लिखित योजना पर आधारित है।

2378. भारत में केन्द–राज्य संबंध संघवाद की ओर उन्मुख है। संघवाद की इस प्रणाली को किस देश के संविधान से लिया गया है ?
(अ) जर्मनी (ब) इटली
(स) रूस (द) कनाडा
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत में केन्द्र–राज्य संबंध संघवाद की आरे उन्मुख है और संघवाद की इस प्रणाली को कनाडा के संविधान से लिया गया है।

2379. भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में केन्द्र एवं राज्य की शक्तियों के बँटवारे से संबंधित कितनी सूची दी गई है ?
(अ) 3 (ब) 4
(स) 5 (द) 6
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में केन्द्र एवं राज्य की शक्तियों के बँटवारे से संबंधित तीन सूची दी गई है–1.संघ सूची 2.राज्य सूची और 3.समवर्ती सूची। औपचारिक रूप से और कानूनी दृष्टि से इन सूचियों की विषयों की संख्या वही हुई है, जो मूल संविधान में थी।

2380. राज्य सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो स्थानीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार है–
(अ) संसद को (ब) राज्य विधानमंडल को
(स) प्रधानमंत्री को (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में केन्द्र एवं राज्य की शक्तियों के बँटवारे से संबंधित तीन सूची दी गई है–1.संघ सूची 2.राज्य सूची और 3.समवर्ती सूची। राज्य सूची में उन विषयों को शामिल किया गया है, जो स्थानीय महत्व के हैं तथा जिन पर कानून बनाने का एकमात्र अधिकार राज्य विधान मंडल को है, लेकिन कुछ विशेष

परिस्थितियों में संसद भी कानून बना सकती है। इस सूची में शामिल विषयों की संख्या वर्तमान में 61 है। मूल संविधान में इन विषयों की संख्या 66 थी। लोक सेवा, कृषि, कारागार, भू–राजस्व, लोक व्यवस्था, पुलिस, लोक स्वास्थ्य, स्थानीय शासन, क्रय–विक्रय एवं सिंचाई आदि विषय राज्य सूची से संबंधित है।

2381. समवर्ती सूची में शामिल विषयों पर कानून बनाने का अधिकार है–
(अ) संसद को (ब) राज्य विधानमंडल को
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में केन्द्र एवं राज्य की शक्तियों के बँटवारे से संबंधित तीन सूची दी गई है–1.संघ सूची 2.राज्य सूची और 3.समवर्ती सूची। समवर्ती सूची में शामिल विषयों पर संसद तथा राज्य विधान मंडल दोनों द्वारा कानून बनाया जाता है और यदि दोनों कानूनों में विरोध है, तो संसद द्वारा निर्मित कानून लागू होगा। इसमें वर्तमान में 52 विषय शामिल है। मूल संविधान में 47 विषय थे। संविधान के 42वें संविधान संशोधन, 1976 के द्वारा वन, शिक्षा, जनसंख्या नियंत्रण व परिवार नियोजन, बाँट व माप, जानवार तथा पक्षियों की सुरक्षा आदि विषय को समवर्ती सूची में शामिल कर दिया गया है। समवर्ती सूची में शामिल विषय हैं–राष्ट्रीय जलमार्ग, परिवार नियोजन, जनसंख्या नियंत्रण, कारखाना, शिक्षा, वन, समाचार–पत्र, आर्थिक तथा सामाजिक योजना।

2382. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर संसद को राज्य सूची में वर्णित विषयों पर कानून बनाने की शक्ति प्राप्त है ?
(अ) अनुच्छेद–249 (ब) अनुच्छेद–253
(स) अनुच्छेद–247 (द) अनुच्छेद–250
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के संविधान के अनुच्छेद–249 में यह प्रावधान किया गया है कि यदि राज्यसभा अपने उपस्थित तथा मतदान करने वाले सदस्यों के दो–तिहाई बहुमत से यह पारित कर दे कि राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर संसद राज्य सूची के विषयों पर कानून बनाये, तो संसद को राज्य सूची में वर्णित विषयों पर कानून बनाने की शक्ति प्राप्त हो जाती है। संसद द्वारा इस प्रकार बनाया गया कानून एक वर्ष के लिए प्रवर्तनीय होता है, लेकिन राज्यसभा द्वारा पारित कर इसे बार–बार कई वर्षों के लिए बढ़ाया जा सकता है।

2383. निम्नलिखित में से संघ का प्रमुख राजस्व स्रोत है–
(अ) सीमा शुल्क (ब) शेयर बाजार
(स) रेल (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संघ के प्रमुख राजस्व स्रोत हैं– निगम कर, सीमा शुल्क, निर्यात शुल्क, कृषि भूमि को छोड़कर अन्य सम्पत्ति पर सम्पदा शुल्क, विदेशी ऋण, रेल, रिजर्व बैंक तथा शेयर बाजार।

2384. जिन विषयों को संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची में शामिल नहीं किया गया है, उन विषयों पर कानून बनाने का अधिकार प्रदान किया गया है–
(अ) संसद को (ब) राज्य विधानमंडल को
(स) राष्ट्रपति को (द) नीति आयोग को
उत्तर : (अ)
व्याख्या– जिन विषयों को संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची में शामिल नहीं किया गया है, उन विषयों पर कानून बनाने का अधिकार संसद को प्रदान किया गया है। अब भी (संघ सूची में) अंतिम प्रविष्टि की संख्या 97 है, लेकिन कुल संख्या 100 है। प्रविष्टि संख्या 2क, 92क और 92ख जो जोड़ा गया है। अब भी (राज्य सूची) में अंतिम प्रविष्टि संख्या 66 है, लेकिन कुल संख्या 61 है। प्रविष्टि संख्या 11, 19, 20, 29 और 36 को हटाया गया। अब भी (समवर्ती सूची में) प्रविष्टि संख्या 47 है, लेकिन इसमें कुल संख्या 52 है। प्रविष्टि 11क, 17क, 17ख, 20क और 33क को जोड़ा गया।

2385. किन परिस्थितियों में संसद को राज्य सूची पर कानून बनाने का अधिकार होता है ?
(अ) देश में राष्ट्रीय आपात की स्थिति में
(ब) किसी राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होने पर
(स) राज्यों की सहमति से
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– राष्ट्रीय आपात एवं राष्ट्रपति शासन के समय भी संसद को राज्य सूची पर कानून बनाने का अधिकार होता है। राज्यों की सहमति से भी संसद राज्य सूची पर कानून बना सकती है।

2386. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत अन्तर्राष्ट्रीय समझौता को प्रभावी बनाने हेतु संसद राज्य सूची के विषय पर कानून बना सकती है ?
(अ) अनुच्छेद–249 (ब) अनुच्छेद–253
(स) अनुच्छेद–247 (द) अनुच्छेद–250
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–253 के अन्तर्गत अन्तर्राष्ट्रीय समझौता को प्रभावी बनाने हेतु संसद राज्य सूची के विषय पर कानून बना सकती है।

2387. निम्नलिखित में से राज्य का प्रमुख राजस्व स्रोत है–
(अ) पशुओं तथा नौकायन पर कर
(ब) कृषि भूमि पर कर
(स) भूमि एवं भवनों पर कर
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)

व्याख्या– राज्य के प्रमुख राजस्व स्रोत हैं– व्यक्ति कर, कृषि, भूमि पर कर, सम्पदा शुल्क, भूमि एवं भवनों पर कर, पशुओं तथा नौकायन पर कर, विक्रय कर, वाहनों पर चुंगी।

2388. केन्द्र व राज्यों के मध्य विवाद को सुलझाने के लिए आयोग गठित किया गया–
(अ) प्रशासनिक सुधार आयोग
(ब) राजमन्नार आयोग
(स) सरकारिया आयोग
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– केन्द्र व राज्यों के मध्य होने वाले विवाद को सुलझाने के लिए मुख्यतः चार आयोग गठित किये गये, जो इस प्रकार हैं–प्रशासनिक सुधार आयोग, राजमन्नार आयोग, भगवान सहाय समिति व सरकारिया आयोग।

2389. सरकारिया आयोग से संबंधित नहीं है–
(अ) आर.एस. सरकारिया
(ब) वी. शिवरामन
(स) एम.आर. सेन
(द) प्रो. एन.आर. माधव मेनन
उत्तर : (द)
व्याख्या– केन्द्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश आर.एस. सरकारिया की अध्यक्षता में 1983 ई. में केन्द्र–राज्य संबंधों पर एक तीन सदस्यीय आयोग का गठन किया। इसके दो अन्य सदस्य–वी. शिवरामन एवं एम.आर. सेन थे। आयोग से कहा गया कि वह केन्द्र और राज्य सरकार के बीच सभी व्यवस्थाओं व कार्य पद्धतियों का परीक्षण करे और इस संबंध में उचित परिवर्तन व प्रमाणिक सिफारिशें प्रदान करे। इसे अपने काम को पूरा करने के लिए एक वर्ष का समय दिया गया, तथापि इसका कार्यकाल चार बार बढ़ाना पड़ा। रिपोर्ट अंतिम अक्टूबर, 1987 ई. में पेश की गई और इसका सार आधिकारिक तौर पर जनवरी, 1988 ई. में जारी किया गया। आयोग ने केन्द्र राज्य संबंधों को सुधार की दिशा में 247 सिफारिशें प्रस्तुत की।

2390. पूंछी आयोग से संबंधित नहीं है–
(अ) मदन मोहन पुंछी
(ब) धीरेन्द्र सिंह
(स) डॉ. अमरेश बागची
(द) वी. शिवरामन
उत्तर : (द)
व्याख्या– अप्रैल, 2007 ई. में केन्द्र सरकार ने केन्द्र राज्य संबंधों की समीक्षा के लिये उच्चतम न्यायालय के भूतपूर्व मुख्य न्यायाधीश मदन मोहन पुंछी की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया। इस आयोग के अन्य चार सदस्य थे–धीरेन्द्र सिंह, विनोद कुमार, प्रो.एन.आर. माधव मेनन और डॉ. अमरेश बागची। फरवरी, 2008 ई. में डॉ. अमरेश बागची के निधन के पश्चात् विजय शंकर को आयोग के एक सदस्य के रूप में अक्टूबर, 2008 ई. में नियुक्त किया गया। इस आयोग का गठन इसलिये किया गया था कि दो दशक पहले गठित सरकारिया आयोग के बाद बदलते राजनीतिक एवं आर्थिक परिदृश्य के कारण काफी परिवर्तन हो चुके हैं। अतः नयी परिस्थितियों में केन्द्र–राज्य संबंधों का पुनः आकलन किया जाना आवश्यक है।

2391. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार संसद को कुछ अतिरिक्त न्यायालयों की स्थापना करने की शक्ति प्राप्त है ?
(अ) अनुच्छेद–249 (ब) अनुच्छेद–253
(स) अनुच्छेद–247 (द) अनुच्छेद–250
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–247 के अंतर्गत कुछ अतिरिक्त न्यायालयें की स्थापना करने की शक्ति संसद को प्राप्त है।

2392. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार राष्ट्रहित में राज्य सूची से संबंधित किसी मामले में संसद को कानून बनाने की शक्ति प्राप्त है ?
(अ) अनुच्छेद–249 (ब) अनुच्छेद–253
(स) अनुच्छेद–247 (द) अनुच्छेद–250
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–249 के अनुसार राष्ट्रहित में राज्य सूची से संबंधित किसी मामले में संसद को कानून बनाने की शक्ति प्राप्त है।

2393. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार राज्य सूची के किसी विषय पर आपातकाल की स्थिति में संसद को कानून बनाने की शक्ति प्राप्त है ?
(अ) अनुच्छेद–249 (ब) अनुच्छेद–253
(स) अनुच्छेद–247 (द) अनुच्छेद–250
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–250 के अनुसार राष्ट्रहित में राज्य सूची के किसी विषय पर आपातकाल की स्थिति में संसद को कानून बनाने की शक्ति प्राप्त है।

2394. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार दो या अधिक राज्यों के लिए, उनकी सहमति के पश्चात् संसद द्वारा कानून बनाने की शक्ति तथा किसी अन्य राज्य द्वारा इस विधायन को अंगीकार करने का उपबंध है ?
(अ) अनुच्छेद–252 (ब) अनुच्छेद–253
(स) अनुच्छेद–257 (द) अनुच्छेद–262
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–252 के अंतर्गत दो या अधिक राज्यों के लिए, उनकी सहमति के पश्चात् संसद द्वारा कानून बनाने की शक्ति तथा किसी अन्य राज्य द्वारा इस विधायन को अंगीकार करने का उपबंध है।

2395. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार संसद को किसी अन्य देश या देशों के साथ की गई किसी संधि, करार या अधिगमय अथवा किसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, संगम या अन्य निकाय में किये गए किसी विनिश्चय के कार्यान्वयन के लिए भारत के संपूर्ण राज्य क्षेत्र या उसके किसी भाग के लिए विधि बनाने की शक्ति प्राप्त है ?
(अ) अनुच्छेद–252 (ब) अनुच्छेद–253
(स) अनुच्छेद–257 (द) अनुच्छेद–262
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–253 के अनुसार संसद को किसी अन्य देश या देशों के साथ की गई किसी संधि, करार या अधिगमय अथवा किसी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, संगम या अन्य निकाय में किये गए किसी विनिश्चय के कार्यान्वयन के लिए भारत के संपूर्ण राज्य क्षेत्र या उसके किसी भाग के लिए विधि बनाने की शक्ति प्राप्त है।

2396. अंतर्राष्ट्रीय नदियों अथवा नदी घाटियों के पानी से संबंधित विवादों के संबंध में न्यायनिर्णयन का उपबंध संविधान के किस अनुच्छेद में है ?
(अ) अनुच्छेद–252 (ब) अनुच्छेद–253
(स) अनुच्छेद–257 (द) अनुच्छेद–262
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–262 में अंतर्राष्ट्रीय नदियों अथवा नदी घाटियों के पानी से सबंधित विवादों के संबंध में न्यायनिर्णयन का उपबंध है।

2397. कुछ मामलों में संघ का राज्यों के ऊपर नियंत्रण रहता है। यह उपबंध संविधान के किस अनुच्छेद में उल्लिखित है ?
(अ) अनुच्छेद–252 (ब) अनुच्छेद–253
(स) अनुच्छेद–257 (द) अनुच्छेद–262
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–257 के अंतर्गत यह उपबंध है कि कुछ मामलों में संघ का राज्यों के ऊपर नियंत्रण रहता है।

2398. संघ द्वारा आरोपित किन्तु राज्यों द्वारा संगृहीत एवं उपयोग किए गए कर का उल्लेख संविधान के किस अनुच्छेद में किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद–268 (ब) अनुच्छेद–268A
(स) अनुच्छेद–269 (द) अनुच्छेद–270
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संघ द्वारा आरोपित किन्तु राज्यों द्वारा संगृहित एवं उपयोग किए गए कर का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद–268 में किया गया है।

2399. संघ द्वारा आरोपित तथा राज्यों द्वारा संगृहीत एवं उपयोग किया गया सेवा कर है–
(अ) अनुच्छेद–268 (ब) अनुच्छेद–268A
(स) अनुच्छेद–269 (द) अनुच्छेद–270
उत्तर : (स)
व्याख्या– संघ द्वारा आरोपित तथा राज्यों द्वारा संगृहीत एवं उपयोग किया गया सेवा कर का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद–269 में है।

2400. केन्द्र द्वारा लगाए गए एवं संगृहीत किए गए किन्तु राज्यों को दिये जाने वाले कर संविधान के किस अनुच्छेद में उल्लिखित है ?
(अ) अनुच्छेद–268 (ब) अनुच्छेद–268A
(स) अनुच्छेद–269 (द) अनुच्छेद–270
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्र द्वारा लगाए गए एवं संगृहीत किए गए किन्तु राज्यों को दिये जाने वाले कर संविधान के अनुच्छेद–269 में उल्लिखित है।

2401. केन्द्र एवं राज्यों के बीच लगाये गये कर एवं संघ तथा राज्यों के बीच वितरण से संबंधित प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में उल्लिखित है ?
(अ) अनुच्छेद–268 (ब) अनुच्छेद–268A
(स) अनुच्छेद–269 (द) अनुच्छेद–270
उत्तर : (द)
व्याख्या– केन्द्र एवं राज्यों के बीच लगाये गये कर एवं संघ तथा राज्यों के बीच वितरण से संबंधित प्रावधान संविधान के अनुच्छेद–270 में वर्णित है।

2402. संविधान के किस अनुच्छेद में संचित निधियों, आकस्मिकता निधियों तथा लोक लेखा में जमा धनराशियों की अभिरक्षा से संबंधित उपबंध है ?
(अ) अनुच्छेद–275 (ब) अनुच्छेद–283
(स) अनुच्छेद–289 (द) अनुच्छेद–292
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–283 के अंतर्गत संचित निधियों, आकस्मिकता निधियों तथा लोक लेखा में जमा धनराशियों की अभिरक्षा से संबंधित उपबंध उल्लिखित है।

2403. संविधान के किस अनुच्छेद में कुछ राज्यों को संघ से अनुदान देने की व्यवस्था का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद–275 (ब) अनुच्छेद–283
(स) अनुच्छेद–286 (द) अनुच्छेद–287
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–275 में कुछ राज्यों को संघ से अनुदान देने की व्यवस्था का प्रावधान उल्लिखित है।

2404. वस्तुओं की बिक्री अथवा खरीद पर करारोपण पर प्रतिबंध का प्रावधान संविधान के किस अनुच्छेद में उल्लिखित है ?
(अ) अनुच्छेद–275 (ब) अनुच्छेद–283
(स) अनुच्छेद–286 (द) अनुच्छेद–292
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–286 में वस्तुओं की बिक्री अथवा खरीद पर करारोपण पर प्रतिबंध से संबंधित उपबंध उल्लिखित है।

2405. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सत्य है ?
(अ) अनुच्छेद 287–बिजली पर करों से छूट
(ब) अनुच्छेद 292–भारत सरकार द्वारा लिए गए उधार
(स) अनुच्छेद 293–राज्यों द्वारा लिये गये उधार
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद–287 का संबंध बिजली पर करों से छूट से संबंधित प्रावधान से है। संविधान के अनुच्छेद–292 में भारत सरकार द्वारा लिए गये उधार तथा अनुच्छेद–293 में राज्यों द्वारा लिये गये उधार से संबंधित प्रावधान है।

2406. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सत्य है ?
(अ) अनुच्छेद 289–किसी राज्य को संपत्ति एवं आय का संघीय करारोपण से छूट
(ब) अनुच्छेद 290–कुछ व्ययों और पेंशनों के संबंध में समायोजन
(स) अनुच्छेद 292–भारत सरकार द्वारा लिए गए उधार
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–289 में किसी राज्य को संपत्ति एवं आय का संघीय करारोपण से छूट से संबंधित प्रावधान है। अनुच्छेद–290 में कुछ व्ययों और पेंशनों के संबंध में समायोजन से संबंधित प्रावधान उल्लिखित है। अनुच्छेद–292 में भारत सरकार द्वारा लिए गये उधार से संबंधित प्रावधान उल्लिखित है।

39.अंतर्राज्यीय परिषद

2407. अंतर्राज्यीय परिषद का गठन संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 293 (ब) अनुच्छेद 280
(स) अनुच्छेद 263 (द) अनुच्छेद 370
उत्तर : (स)
व्याख्या– अन्तर्राज्यीय परिषद एक संवैधानिक संसथा है। केन्द्र तथा राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा अंतर्राज्यीय परिषद का गठन किया जाता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 263 में ऐसी परिषद की स्थापना, संगठन, प्रक्रिया तथा कार्यों का उल्लेख किया गया है। परिषद के प्रमुख कार्य हैं– राज्य तथा केंद्र के मध्य जो विवाद हों, उनकी जाँच कर उचित सलाह देना। राज्यों तथा केंद्र के समान लाभ से सम्बन्धित विषयों पर अनुसन्धान करना। उचित विषयों के बारे में उत्तम समन्वय हेतु कार्यवाही की सिफारिश करना। अनुच्छेद 263 के अंतर्गत यह वर्णन है कि यह परिषद एक परामर्शदात्री संस्था के रूप में कार्य करेगी।

2408. अंतर्राज्यीय परिषद की स्थापना किसके द्वारा की जाती है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राज्यपाल
(स) राष्ट्रपति (द) लोकसभा अध्यक्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–263 के अन्तर्गत केन्द्र एवं राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए राष्ट्रपति एक अन्तर्राज्य परिषद् की स्थापना कर सकता है। पहली बार अन्तर्राज्य परिषद् की स्थापना जून, 1990 ई. में की गई थी, जिसकी पहली बैठक 10 अक्टूबर, 1990 ई. को हुई थी। प्रधानमंत्री तथा उनके द्वारा मनोनीत छः कैबिनेट स्तर के मंत्री, सभी राज्यों एवं संघ राज्य क्षेत्रों के मुख्यमंत्री एवं संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासक इसके सदस्य होते हैं। अन्तर्राज्य परिषद् की बैठक वर्ष में तीन बार की जाती है जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री या उनकी अनुपस्थिति में प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त कैबिनेट स्तर का मंत्री करता है। परिषद् की बैठक के लिए आवश्यक है कि कम–से–कम 10 सदस्य अवश्य उपस्थित हों।

2409. अंतर्राज्यीय परिषद का निर्माण होता है–
(अ) संवैधानिक प्रावधान द्वारा
(ब) संसदीय कानून द्वारा
(स) योजना आयोग (नीति आयोग) की अनुशंसा से
(द) मुख्यमंत्री सम्मेलन द्वारा स्वीकृत संकल्प पर
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अन्तर्राज्यीय परिषद एक संवैधानिक संसथा है। केन्द्र तथा राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा अंतर्राज्यीय

परिषद का गठन किया जाता है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 263 में ऐसी परिषद स्थापना, संगठन, प्रक्रिया तथा कार्यों का उल्लेख किया गया है। परिषद के प्रमुख कार्य हैं– राज्य तथा केंद्र के मध्य जो विवाद हों, उनकी जाँच कर उचित सलाह देना। राज्यों तथा केंद्र के समान लाभ से सम्बन्धित विषयों पर अनुसन्धान करना। उचित विषयों के बारे में उत्तम समन्वय हेतु कार्यवाही की सिफारिश करना। अनुच्छेद 263 के अंतर्गत यह वर्णन है कि यह परिषद एक परामर्शदात्री संस्था के रूप में कार्य करेगी।

2410. निम्नलिखित में से किस आयोग/सीमिति ने अंतर्राज्यीय परिषद के गठन की सिफारिश की थी ?
(अ) राजामन्नार आयोग (ब) फजल अली आयोग
(स) स्वर्ण सिंह समिति (द) सरकारिया आयोग
उत्तर : (द)
व्याख्या– सरकारिया आयोग ने अंतर्राज्यीय परिषद के गठन की सिफारिश की थी।

2411. सरकारिया आयोग द्वारा संस्तुति की गई अंतर्राज्यीय परिषद का गठन संविधान की किस धारा के अंतर्गत किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 236 (ब) अनुच्छेद 352
(स) अनुच्छेद 263 (द) अनुच्छेद 370
उत्तर : (स)
व्याख्या– सरकारिया कमीशन द्वारा संस्तुति की गई अंतर्राज्यीय परिषद का गठन संविधान की धारा 263 के अंतर्गत किया गया है।

2412. अंतर्राज्यीय परिषद की स्थापना कब हुई ?
(अ) 28 मई, 1989 (ब) 28 मई, 1990
(स) 28 मई, 1991 (द) 28 मई, 1992
उत्तर : (ब)
व्याख्या– अन्तर्राज्यीय परिषद एक संवैधानिक संस्था है। केन्द्र तथा राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए राष्ट्रपति ऐसी परिषद का गठन कर सकता है। संविधान के अनुच्छेद 263 में ऐसी परिषद की स्थापना, संगठन, प्रक्रिया तथा कार्यों का उल्लेख किया गया है। अन्तर्राज्यीय परिषद की स्थापना 28 मई, 1990 को हुई। परिषद के प्रमुख कार्य हैं– राज्य तथा केंद्र के मध्य जो विवाद हों, उनकी जाँच कर उचित सलाह देना। राज्यों तथा केंद्र के समान लाभ से सम्बन्धित विषयों पर अनुसन्धान करना। उपयुक्त विषयों के बारे में उत्तम समन्वय हेतु कार्यवाही की सिफारिश करना। अनुच्छेद 263 के अंतर्गत यह वर्णन है कि यह परिषद एक परामर्शदात्री संस्था के रूप में कार्य करेगी।

2413. अंतर्राज्यीय परिषद का गठन का अधिकार है–
(अ) राष्ट्रपति को (ब) प्रधानमंत्री को
(स) लोकसभाध्यक्ष को (द) केन्द्रीय गृह मंत्री को
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अन्तर्राज्यीय परिषद एक संवैधानिक संस्था है। केन्द्र तथा राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए राष्ट्रपति ऐसी परिषद का गठन कर सकता है। संविधान के अनुच्छेद 263 में ऐसी परिषद की स्थापना, संगठन, प्रक्रिया तथा कार्यों का उल्लेख किया गया है। अन्तर्राज्यीय परिषद की स्थापना 28 मई, 1990 को हुई। परिषद के प्रमुख कार्य हैं– राज्य तथा केंद्र के मध्य जो विवाद हों, उनकी जाँच कर उचित सलाह देना। राज्यों तथा केंद्र के समान लाभ से सम्बन्धित विषयों पर अनुसन्धान करना। उपयुक्त विषयों के बारे में उत्तम समन्वय हेतु कार्यवाही की सिफारिश करना। अनुच्छेद 263 के अंतर्गत यह वर्णन है कि यह परिषद एक परामर्शदात्री संस्था के रूप में कार्य करेगी।

2414. वर्ष 1990 में अंतर्राज्यीय परिषद की स्थापना किस समिति की संस्तुति पर की गई थी ?
(अ) पूंछी आयोग (ब) सरकारिया आयोग
(स) राजमन्नार आयोग (द) मुंगेरीलाल आयोग
उत्तर : (ब) CDS 2019
व्याख्या– अन्तर्राज्यीय परिषद एक संवैधानिक संस्था है। केन्द्र तथा राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए राष्ट्रपति ऐसी परिषद का गठन कर सकता है। संविधान के अनुच्छेद 263 में ऐसी परिषद की स्थापना, संगठन, प्रक्रिया तथा कार्यों का उल्लेख किया गया है। अन्तर्राज्यीय परिषद की स्थापना 28 मई, 1990 को हुई। परिषद के प्रमुख कार्य हैं– राज्य तथा केंद्र के मध्य जो विवाद हों, उनकी जाँच कर उचित सलाह देना। राज्यों तथा केंद्र के समान लाभ से सम्बन्धित विषयों पर अनुसन्धान करना। उपयुक्त विषयों के बारे में उत्तम समन्वय हेतु कार्यवाही की सिफारिश करना। अनुच्छेद 263 के अंतर्गत यह वर्णन है कि यह परिषद एक परामर्शदात्री संस्था के रूप में कार्य करेगी।

2415. भारत के राज्यों के बीच सहयोग और समन्वय प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित संस्थाओं में से कौनसी संविधानेत्तर और विधित्तर संस्थाएं हैं ?
1. राष्ट्रीय विकास परिषद
2. राज्यपाल सम्मेलन
3. आंचलिक परिषदें
4. अंतर्राज्यीय परिषद
नीचे दिए गये कूट से सही उत्तर का चयन करें।
(अ) 1,2 (ब) 1,3,4
(स) 3,4 (द) केवल 4
उत्तर : (द)

व्याख्या– भारत में राज्यों के बीच सहयोग और समन्वय स्थापित करने के लिए अन्तर्राज्यीय परिषद संविधानेत्तर एवं विधित्तर संस्था है।

2416. किस प्रधानमंत्री के कार्यकाल में अंतर्राज्यीय परिषद का प्रथम बार गठन किया गया ?
(अ) राजीव गांधी (ब) वी.पी. सिंह
(स) चन्द्रशेखर (द) पी.वी. नरसिंह राव
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 263 के अंतर्गत केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए राष्ट्रपति एक अन्तर्राज्यीय परिषद की स्थापना कर सकता है। भारतीय राजव्यवस्था में पहली बार 1990 में अन्तर्राज्यीय परिषद की स्थापना की गयी तथा पहली बैठक 10 अक्टूबर, 1990 को हुई थी। प्रधानमंत्री वी.पी. सिंह के कार्यकाल में अन्तर्राज्यीय परिषद का प्रथम बार गठन किया गया।

2417. अंतर्राज्यीय परिषद का गठन संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 293 (ब) अनुच्छेद 280
(स) अनुच्छेद 263 (द) अनुच्छेद 370
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 263 के अंतर्गत केंद्र और राज्यों के बीच समन्वय स्थापित करने के लिए राष्ट्रपति एक अन्तर्राज्यीय परिषद की स्थापना कर सकता है। भारतीय राजव्यवस्था में पहली बार 1990 में अन्तर्राज्यीय परिषद की स्थापना की गयी।

40.सर्वोच्च न्यायालय

2418. समस्त न्यायालयों को सामूहिक रूप से कहते हैं–
(अ) व्यवस्थापिका (ब) कार्यपालिका
(स) न्यायपालिका (द) संसदीय व्यवस्था
उत्तर : (स)
व्याख्या– समस्त न्यायालयों को सामूहिक रूप से न्यायपालिका कहते हैं। न्यायालयों में शक्ति का विभाजन नहीं होता है। भारतीय न्याय प्रणाली में छोटे–छोटे न्यायालयों के ऊपर प्रत्येक जिले का जिला न्यायालय, उनके ऊपर राज्य के उच्च न्यायालय और सबसे ऊपर सर्वोच्च न्यायालय है।

2419. भारत की न्यायिक व्यवस्था इकहरी और एकीकृत है, जिसके सर्वोच्च शिखर पर भारत का–
(अ) सर्वोच्च न्यायालय है
(ब) भारत का राष्ट्रपति है
(स) भारत का प्रधानमंत्री है
(द) भारत का महान्यायवादी है
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत की न्यायिक व्यवस्था इकहरी और एकीकृत है, जिसके सर्वोच्च शिखर पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय है। सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली में स्थित है।

2420. सर्वोच्च न्यायालय का गठन संबंधी प्रावधान किस अनुच्छेद में दिया गया है ?
(अ) अनुच्छेद–124 (ब) अनुच्छेद–124(2)
(स) अनुच्छेद–125 (द) अनुच्छेद–129
उत्तर : (अ)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना, गठन, अधिकारिता, शक्तियों के विनियमन से संबंधित विधि निर्माण की शक्ति भारतीय संसद को प्राप्त है। सर्वोच्च न्यायालय का गठन संबंधी प्रावधान अनुच्छेद–124 में दिया गया है।

2421. सर्वोच्च न्यायालय के समस्त न्यायाधीशों की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) राष्ट्रपति (द) महान्यायवादी
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–124(2) में राष्ट्रपति द्वारा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के संबंध में प्रावधान वर्णित है। इसके अनुसार सर्वोच्च न्यायालय के समस्त न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करने से पूर्व राष्ट्रपति इसी न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों से परामर्श कर सकता है, परन्तु अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति राष्ट्रपति सदैव मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से करता है। वह चाहे तो सर्वोच्च न्यायालय एवं राज्य के उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीश से भी परामर्श कर सकता है।

2422. भारत के सभी उच्च न्यायालयों के निर्णयों के विरुद्ध अपील सुनने का अधिकार किसे है ?
(अ) महान्यायवादी को (ब) सर्वोच्च न्यायालय को
(स) राष्ट्रपति (द) महाधिवक्ता
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत का सबसे बड़ा अपीलीय न्यायालय सर्वोच्च न्यायालय है। सर्वोच्च न्यायालय को अपीलीय क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत भारत के सभी उच्च न्यायालयों के निर्णयों के विरुद्ध अपील सुनने का अधिकार है। इसके अन्तर्गत तीन प्रकार के प्रकरण आते हैं–(1) सांविधानिक (2) दीवानी और (3)फौजदारी।

2423. वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त कितने अन्य न्यायाधीश हैं ?
(अ) 33 (ब) 25
(स) 32 (द) 28
उत्तर : (अ)
व्याख्या– न्यायाधीशों की संख्या के निर्धारण से संबंधित सर्वोच्च न्यायालय संशोधन विधेयक–2019 के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश तथा 33 अन्य न्यायाधीश होते हैं। मूल संविधान में सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित कुल 8 न्यायाधीशों की व्यवस्था की गई थी। बाद में काम के बढ़ते दबाव को ध्यान में रखते हुए 1956 ई. में सर्वोच्च न्यायालय अधिनियम में संशोधन कर न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाकर 11 की गई। तदुपरान्त 1960 ई. में यह संख्या पुनः बढ़ाकर 14 की गई। इसके बाद 1978 ई. में 18 की गई। 1986 ई. में 26 तथा 2009 ई. में 31 की गई। 2019 ई. में 33 कर दी गई।

2424. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पद एवं गोपनीयता की शपथ कौन दिलाता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) राष्ट्रपति (द) महान्यायवादी
उत्तर : (स)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को पद एवं गोपनीयता की शपथ राष्ट्रपति दिलाता है।

2425. सर्वोच्च न्यायालय को किन मामलों में प्रारंभिक क्षेत्राधिकार प्राप्त है ?
(अ) भारत संघ तथा एक या एक से अधिक राज्यों के मध्य उत्पन्न विवादों में।
(ब) भारत संघ तथा कोई एक राज्य या अनेक राज्यों और एक या एक से अधिक राज्यों के बीच विवादों में
(स) दो या दो से अधिक राज्यों के बीच ऐसे विवाद में, जिसमें उनके वैधानिक अधिकारों का प्रश्न शामिल हो।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– प्रारंभिक क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत सर्वोच्च न्यायालय उसी विवाद को निर्णय के लिए स्वीकार करेगा, जिसमें किसी तथ्य या विधि का प्रश्न शामिल है। सर्वोच्च न्यायालय को निम्न मामलों में प्रारंभिक क्षेत्राधिकार प्राप्त है–(1) भारत संघ तथा एक या एक से अधिक राज्यों के मध्य उत्पन्न विवादों में। (2) भारत संघ तथा कोई एक राज्य या अनेक राज्यों और एक या एक से अधिक राज्यों के बीच विवादों में (3) दो या दो से अधिक राज्यों के बीच ऐसे विवाद में, जिसमें उनके वैधानिक अधिकारों का प्रश्न निहित है।

2426. संविधान का कौनसा अनुच्छेद सर्वोच्च न्यायलय को अभिलेख न्यायालय का स्थान प्रदान करता है ?
(अ) अनुच्छेद–129 (ब) अनुच्छेद–143
(स) अनुच्छेद–137 (द) अनुच्छेद–243
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद–129 भारत के सर्वोच्च न्यायालय को अभिलेख न्यायालय का स्थान प्रदान करता है। इसका आशय यह है कि न्यायालय के सभी निर्णयों को रिकॉर्ड या अभिलेख के रूप में सुरक्षित रखा जाता है। इन विषयों को भविष्य में देश के किसी भी न्यायालय में नजीर (उदाहरण) के रूप में पेश किया जा सकता है।

2427. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय को यह अधिकार प्राप्त है कि वह स्वयं द्वारा दिये गये आदेश या निर्णय पर पुनर्विचार कर सके तथा यदि उचित समझे तो उसमें आवश्यक परिवर्तन कर सकता है ?
(अ) अनुच्छेद–129 (ब) अनुच्छेद–143
(स) अनुच्छेद–137 (द) अनुच्छेद–243
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–137 के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय को यह अधिकार प्राप्त है कि वह स्वयं द्वारा दिये गये आदेश या निर्णय पर पुनर्विचार कर सके तथा यदि उचित समझे तो उसमें आवश्यक परिवर्तन कर सकता है।

2428. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार राष्ट्रपति को यह अधिकार है कि वह सार्वजनिक महत्व के विवादों पर सर्वोच्च न्यायालय का परामर्श माँग सकता है ?
(अ) अनुच्छेद–129 (ब) अनुच्छेद–143
(स) अनुच्छेद–32 (द) अनुच्छेद–137
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–143 के अनुसार राष्ट्रपति को यह अधिकार है कि वह सार्वजनिक महत्व के विवादों पर सर्वोच्च न्यायालय का परामर्श माँग सकता है। न्यायालय के परामर्श को स्वीकार या अस्वीकार करना राष्ट्रपति के विवेक पर निर्भर करता है। यह सर्वोच्च न्यायालय के परामर्शदात्री अधिकार के अन्तर्गत आता है।

2429. संविधान का कौनसा अनुच्छेद सर्वोच्च न्यायालय को विशेष रूप से उत्तरदायी ठहराता है कि वह मौलिक अधिकारों को लागू कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करें ?
(अ) अनुच्छेद–129 (ब) अनुच्छेद–143
(स) अनुच्छेद–137 (द) अनुच्छेद–32
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत का सर्वोच्च न्यायालय नागरिकों के मौलिक अधिकारों का रक्षक है। संविधान का अनुच्छेद–32 सर्वोच्च न्यायालय को विशेष रूप से उत्तरदायी ठहराता है कि वह मौलिक अधिकारों को लागू कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करें। न्यायालय मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए बन्दी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, प्रतिषेध, अधिकार पृच्छा लेख और उत्प्रेषण के लेख जारी कर सकता है।

2430. सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को मिलने वाले वेतन, भत्ते एवं अन्य सुविधाओं का उल्लेख किस अनुच्छेद में उल्लिखित है ?
(अ) अनुच्छेद–124 (ब) अनुच्छेद–125
(स) अनुच्छेद–124(2) (द) अनुच्छेद–217
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को मिलने वाले वेतन, भत्ते एवं अन्य सुविधाओं का उल्लेख संविधान के अनुच्छेद–125 में उल्लिखित है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को 2,80,000 रुपये प्रतिमाह व अन्य न्यायाधीशों को 2,50,000 रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता है। इसके अलावा निःशुल्क आवास और अन्य सुविधा यथा चिकित्सा, कार, टेलीफोन आदि भी मिलती है। न्यायाधीशों का वेतन एवं उसे मिलने वाली अन्य सुविधाएँ उसके कार्यकाल में कम नहीं की जा सकती है। सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश एवं अन्य न्यायाधीशों का पेंशन उनके अंतिम माह के वेतन का 50 प्रतिशत निर्धारित है।

2431. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय में संविधान के निर्वाचन से संबंधित मामले की सुनवाई करने के लिए न्यायाधीशों की संख्या कम–से–कम पाँच होनी चाहिए ?
(अ) अनुच्छेद–145(2) (ब) अनुच्छेद–143
(स) अनुच्छेद–129 (द) अनुच्छेद–137
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–145(2) के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय में संविधान के निर्वाचन से संबंधित मामले की सुनवाई करने हेतु न्यायाधीशों की संख्या कम–से–कम पाँच होनी चाहिए।

2432. भारतीय संविधान की व्याख्या करने का मुख्य अधिकारी कौन है ?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष (ब) राष्ट्रपति
(स) एटॉर्नी जनरल (द) सर्वोच्च न्यायालय
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के उच्चतम न्यायालय ने भारतीय अदालत प्रणाली के शीर्ष पर पहुँचते हुए भारत की संघीय अदालत और प्रिवी काउंसिल की न्यायिक समिति को प्रतिस्थापित किया था। भारतीय संविधान की व्याख्या करने का मुख्य अधिकारी व इसका संरक्षक भारत का सर्वोच्च न्यायालय है।

2433. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बनने के लिए उसे किसी उच्च न्यायालय अथवा दो या दो से अधिक न्यायालयों में लगातार कम–से–कम कितने वर्षों तक न्यायाधीश के रूप में कार्य करना आवश्यक है ?
(अ) 10 वर्ष (ब) 5 वर्ष
(स) 8 वर्ष (द) 3 वर्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बनने के लिए निर्धारित योग्यताएँ–1. वह भारत का नागरिक हो। 2.वह किसी उच्च न्यायालय अथवा दो या दो से अधिक न्यायालय में लगातार कम–से–कम 5 वर्षों तक न्यायाधीश के रूप में कार्य कर चुका हो या किसी उच्च न्यायालय या न्यायालयों में लगातार 10 वर्षों तक अधिवक्ता रह चुका हो या राष्ट्रपति की दृष्टि में कानून का उच्च कोटि का ज्ञाता हो।

2434. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को उसके पद से केवल किन प्रमाणित आधारों पर हटाया जा सकता है ?
(अ) कदाचार (ब) असमर्थता
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की पद विमुक्ति के लिए संसद के दोनों सदन एक प्रस्ताव पारित करते हैं जिसे प्रार्थना कहते हैं, जिसमें वह किसी न्यायाधीश को सिद्ध भ्रष्टाचार अथवा असमर्थता के कारण पद से हटाना चाहते हैं। यह प्रस्ताव दोनों सदनों में, कुल सदस्य संख्या के स्पष्ट बहुमत से पारित होना चाहिए तथा साथ ही यह भी आवश्यक है कि प्रस्ताव पर मतदान के समय जितने सदस्य उपस्थित हैं व मतदान में भाग लेते है, उनका दो–तिहाई बहुमत उस प्रस्ताव का समर्थन करें। जब इस प्रकार पास हुआ प्रस्ताव संसद राष्ट्रपति के पास प्रार्थना (समावेदन) के रूप में भेजती है तभी वह आदेश जारी करके संबद्ध न्यायाधीश को हटा सकता है। पद विमुक्ति प्रस्ताव 100 सदस्यों (लोकसभा के मामले में) या 50 सदस्यों (राज्यसभा के मामले में) द्वारा हस्ताक्षर करने के बाद अध्यक्ष/सभापति को दिया जाना चाहिए। सबसे अधिक समय तक मुख्य न्यायाधीश के पद पर रहने वाले न्यायाधीश यशवंत विष्णु चन्द्रचूड़ (22 फरवरी, 1978 से 11 जुलाई 1985 तक) थे। जब भारतीय न्यायिक पद्धति में लोकहित मुकदमा (पी.आई.एल.) लाया गया तब भारत के

मुख्य न्यायमूर्ति पी.एन. भगवती थे। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश अवकाश प्राप्त करने के बाद भारत में किसी भी न्यायालय या किसी भी अधिकारी के सामने वकालत नहीं कर सकते हैं। मुख्य न्यायाधीश, राष्ट्रपति की पूर्व स्वीकृति लेकर, दिल्ली के अतिरिक्त अन्य किसी स्थान पर सर्वोच्च न्यायालय की बैठकें बुला सकता है। अब तक हैदराबाद और श्रीनगर में इस प्रकार की बैठकें आयोजित की जा चुकी हैं।

2435. भारतीय संविधान के किस भाग में संघीय न्यापालिका का उल्लेख है ?
(अ) भाग II (ब) भाग III
(स) भाग IV (द) भाग V
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–V के अध्याय 4 में संघीय न्यायपालिका का उल्लेख मिलता है। संघीय न्यायपालिका का वर्णन संविधान के अनुच्छेद 124 से 147 तक में है।

2436. संविधान के व्याख्याकार और संरक्षक कौन है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) संसद
(स) सर्वोच्च न्यायालय (द) भारत का महाधिवक्ता
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत का उच्चतम न्यायालय भारत का शीर्ष न्यायिक प्राधिकारण है जिसे भारतीय संविधान के भाग–5 के अध्याय 4 के तहत स्थापित किया गया है। भारतीय संघ की अधिकतम और व्यापक न्यायिक अधिकारिता उच्चतम न्यायालय को प्राप्त है। संविधान के अनुसार उच्चतम न्यायालय की भूमिका संघीय न्यायालय और भारतीय संविधान के संरक्षक की है।

2437. निम्नलिखित में से किसके अन्तर्गत भारत में सर्वप्रथम सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना हुई ?
(अ) रेग्युलेटिंग एक्ट, 1773
(ब) चाट्रर अधिनियम, 1853
(स) भारत सरकार अधिनियम, 1935
(द) भारतीय संविधान, 1950
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1773 ई. में रेग्युलेटिंग एक्ट के अंतर्गत न्यायिक प्रशासन के लिए कलकत्ता में एक सुप्रीम कोर्ट की स्थापना का प्रस्ताव शामिल किया गया और इसके तहत कलकत्ता में सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना की गई, जो भारत का पहला सर्वोच्च न्यायालय था।

2438. भारत के सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना हुई थी–
(अ) 1950 के संसद के एक अधिनियम द्वारा
(ब) भारतीय स्वाधीनता अधिनियम 1947 के अधीन
(स) भारत सरकार अधिनियम 1935 के अधीन
(द) भारतीय संविधान के द्वारा
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत सरकार अधिनियम, 1935 भारतीय संविधान का एक प्रमुख स्रोत रहा है। इस एक्ट के अन्तर्गत एक संघीय न्यायालय की स्थापना की गई। इस एक्ट के तहत ही एक केन्द्रीय बैंक की स्थापना की गई।

2439. वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त कितने न्यायाधीश का प्रावधान किया गया है ?
(अ) 20 (ब) 22
(स) 25 (द) 33
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 124(1) के तहत भारतीय संविधान में कहा गया है कि भारत का एक सर्वोच्च न्यायालय होगा जिसमें एक मुख्य न्यायाधीश होगा तथा सात से अधिक अन्य न्यायाधीश नहीं हो सकते जब तक कि कानून द्वारा संसद अन्य न्यायाधीशों की बढ़ी संख्या निर्धारित नहीं करती है। वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त 33 न्यायाधीश का प्रावधान किया गया है। उच्चतम न्यायालय के अन्य सभी न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश परामर्शानुसार की जाती है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश इस प्रसंग में राष्ट्रपति को परामर्श देने से पूर्व अनिवार्य रूप से चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों के समूह से परामर्श प्राप्त करता हैं तथा इस समूह से प्राप्त परामर्श के आधार पर राष्ट्रपति को परामर्श देते हैं।

2440. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की निम्न में से कौनसी अहर्ता होनी चाहिए ?
(अ) वह किसी एक या अधिक उच्च न्यायालयों में लगातार कम से कम 5 वर्ष तक न्यायाधीश के रूप में कार्य कर चुका हो।
(ब) वह किसी एक या अधिक उच्च न्यायालय में लगातार 10 वर्षों तक अधिवक्ता रहा हो
(स) वह एक पारंगत विधिवेत्ता हो
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की निम्न योग्यताएँ होनी चाहिए– (1) वह व्यक्ति भारत का नागरिक हो (2) कम से कम पांच साल के लिए उच्च न्यायालय का न्यायाधीश अथवा दो या दो से अधिक न्यायालयों में लगातार कम से कम पांच वर्षों तक न्यायाधीश के रूप में कार्य कर चुका हो अथवा किसी उच्च न्यायालय या न्यायालयों में लगातार 10 वर्ष तक अधिवक्ता रह चुका हो अथवा राष्ट्रपति की राय में एक प्रतिष्ठित विधिवेत्ता होना चाहिए। (3) किसी भी प्रदेश के उच्च न्यायालय में न्यायाधीश का पांच वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य है।

2441. उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि करने की शक्ति किसके पास है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) संसद (द) विधि मंत्रालय
उत्तर : (स)
व्याख्या– उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि करने की शक्ति संसद के पास होती है।

2442. सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष (ब) राज्यसभा का सभापति
(स) प्रधानमंत्री (द) राष्ट्रपति
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 124 के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते समय राष्ट्रपति अपनी इच्छानुसार सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सलाह लेगा। वहीं अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति के समय उसे अनिवार्य रूप से मुख्य न्यायाधीश की सलाह माननी पड़ेगी।

2443. सर्वोच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) मुख्य न्यायाधीश
(स) प्रधानमंत्री (द) मंत्रिपरिषद
उत्तर : (अ) IAS 1991
व्याख्या– उच्चतम न्यायालय के सभी न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा उच्चतम न्यायालय के परामर्शानुसार की जाती है। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश इस प्रसंग में राष्ट्रपति को सलाह देने से पूर्व अनिवार्य रूप से चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों के समूह में से परामर्श प्राप्त करते हैं तथा इस समूह से प्राप्त परामर्श के आधार पर राष्ट्रपति को परामर्श देते हैं।

2444. भारत का कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) भारत का मुख्य न्यायाधीश
(ब) राष्ट्रपति की पूर्व स्वीकृति से भारत का मुख्य न्यायाधीश
(स) भारत के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से राष्ट्रपति
(द) राष्ट्रपति
उत्तर : (द)
व्याख्या– कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। अनुच्छेद 126 के अनुसार जब भारत के मुख्य न्यायाधीश का पद रिक्त है या जब मुख्य न्यायाधीश अनुपस्थिति के कारण या अन्यथा अपने पद के कर्तव्यों का पालन करने में असमर्थ है तब उच्चतम न्यायालय के लिए अन्य न्यायाधीशों में से ऐसा एक न्यायाधीश जिसे राष्ट्रपति इस प्रयोजन के लिए नियुक्त करे जो उस पद के कर्तव्यों का पालन करेगा।

2445. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए व्यक्ति को कम–से–कम कितने वर्ष उच्च न्यायालय का वकील होना चाहिए ?
(अ) 20 (ब) 10
(स) 6 (द) 25
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की निम्न योग्यताएँ होनी चाहिए– (1) वह व्यक्ति भारत का नागरिक हो (2) कम से कम पांच साल के लिए उच्च न्यायालय का न्यायाधीश अथवा दो या दो से अधिक न्यायालयों में लगातार कम से कम पांच वर्षों तक न्यायाधीश के रूप में कार्य कर चुका हो अथवा किसी उच्च न्यायालय या न्यायालयों में लगातार 10 वर्ष तक अधिवक्ता रह चुका हो अथवा राष्ट्रपति की राय में एक प्रतिष्ठित विधिवेत्ता होना चाहिए। (3) किसी भी प्रदेश के उच्च न्यायालय में न्यायाधीश का 5 वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य है।

2446. सर्वोच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति में राष्ट्रपति किससे परामर्श करते हैं ?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से
(ब) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से
(स) भारत के महान्यायवादी से
(द) भारत के विधि मंत्री से
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 124 के अनुसार सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति करते समय राष्ट्रपति अपनी इच्छानुसार सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सलाह लेगा। वहीं अन्य न्यायाधीशों की नियुक्ति के समय उसे अनिवार्य रूप से मुख्य न्यायाधीश की सलाह माननी पड़ेगी।

2447. भारतीय संविधान में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति का प्रावधान है–
(अ) सर्वोच्च न्यायालय में
(ब) उच्च न्यायालय में
(स) जनपद एवं सत्र न्यायालय में
(द) उपर्युक्त सभी में
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 127 में सर्वाच्च न्यायालय में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित उपबंध है। यदि किसी समय उच्चतम न्यायालय के सत्र को आयोजित करने या चालू रखने के लिए उस न्यायालय के न्यायाधीशों की गणपूर्ति प्राप्त न हो तो भारत का मुख्य न्यायमूर्ति राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से और संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति से परामर्श करने के पश्चात् किसी उच्च न्यायालय के किसी ऐसे न्यायाधीश से, जो उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए

सम्यक् रूप से अर्हित है और जिसे भारत का मुख्य न्यायमूर्ति नामनिर्दिष्ट करे, न्यायालय की बैठकों में उतनी अवधि के लिए, जितनी आवश्यक हो, तदर्थ न्यायाधीश के रूप में उपस्थित रहने के लिए लिखित रूप से अनुरोध कर सकेगा।

2448. सर्वोच्च न्यायालय के तदर्थ न्यायाधीश की नियुक्ति होती है जब–
(अ) कतिपय न्यायाधीश दीर्घकालीन अवकाश पर चले जाते हैं
(ब) स्थायी नियुक्ति के लिए कोई उपलब्ध नहीं होता
(स) न्यायालय के समक्ष लम्बित वादों में असाधारण वृद्धि होती है
(द) न्यायालय के किसी सत्र के लिए न्यायाधीशों का कोरम (गणपूर्ति) नहीं होता
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 127 में सर्वाच्च न्यायालय में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित उपबंध है। यदि किसी समय उच्चतम न्यायालय के सत्र को आयोजित करने या चालू रखने के लिए उस न्यायालय के न्यायाधीशों की गणपूर्ति प्राप्त न हो तो भारत का मुख्य न्यायमूर्ति राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से और संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति से परामर्श करने के पश्चात् किसी उच्च न्यायालय के किसी ऐसे न्यायाधीश से, जो उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए सम्यक् रूप से अर्हित है और जिसे भारत का मुख्य न्यायमूर्ति नामनिर्दिष्ट करे, न्यायालय की बैठकों में उतनी अवधि के लिए, जितनी आवश्यक हो, तदर्थ न्यायाधीश के रूप में उपस्थित रहने के लिए लिखित रूप से अनुरोध कर सकेगा।

2449. सर्वोच्च न्यायालय में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति किस देश की न्याय प्रणाली से प्रेरित है ?
(अ) ऑस्ट्रेलिया (ब) कनाडा
(स) सं.रा. अमेरिका (द) फ्रांस
उत्तर : (द)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति फ्रांस की न्याय प्रणाली से प्रेरित है।

2450. सर्वोच्च न्यायालय में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति कौन कर सकता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से राष्ट्रपति
(स) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(द) राष्ट्रपति की अनुमति प्राप्त कर सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 127 में सर्वाच्च न्यायालय में तदर्थ न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित उपबंध है। यदि किसी समय उच्चतम न्यायालय के सत्र को आयोजित करने या चालू रखने के लिए उस न्यायालय के न्यायाधीशों की गणपूर्ति प्राप्त न हो तो भारत का मुख्य न्यायमूर्ति राष्ट्रपति की पूर्व सहमति से और संबंधित उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति से परामर्श करने के पश्चात् किसी उच्च न्यायालय के किसी ऐसे न्यायाधीश से, जो उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए सम्यक् रूप से अर्हित है और जिसे भारत का मुख्य न्यायमूर्ति नामनिर्दिष्ट करे, न्यायालय की बैठकों में उतनी अवधि के लिए, जितनी आवश्यक हो, तदर्थ न्यायाधीश के रूप में उपस्थित रहने के लिए लिखित रूप से अनुरोध कर सकेगा।

2451. भारत के सर्वोच्च न्यायालय का एक न्यायाधीश कितन उम्र तक अपने पद पर बना रह सकता है ?
(अ) 65 वर्ष (ब) 60 वर्ष
(स) 62 वर्ष (द) 58 वर्ष
उत्तर : (अ) RRB 2004
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष होती है।

2452. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की अवकाश ग्रहण करने की आयु सीमा है–
(अ) 65 वर्ष (ब) 58 वर्ष
(स) 60 वर्ष (द) 62 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश बनने के लिए न्यूनतम आयु सीमा निर्धारित नहीं की गयी है। एक बार नियुक्ति होने के बाद इनके अवकाश ग्रहण करने की आयु सीमा 65 वर्ष है।

2453. सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश कितनी आयु तक कार्यरत रहता है ?
(अ) 56 वर्ष (ब) 58 वर्ष
(स) 65 वर्ष (द) 50 वर्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष होती है।

2454. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए व्यक्ति को कम–से–कम कितने वर्ष उच्च न्यायालय का वकील होना चाहिए ?
(अ) 20 (ब) 10
(स) 6 (द) 25
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की निम्न योग्यताएँ होनी चाहिए– (1) वह व्यक्ति भारत का नागरिक हो (2) कम से कम पांच साल के लिए उच्च न्यायालय का न्यायाधीश अथवा दो या दो से अधिक न्यायालयों में लगातार कम से कम पांच वर्षों तक न्यायाधीश के रूप में कार्य कर चुका हो अथवा किसी उच्च न्यायालय या न्यायालयों में लगातार 10 वर्ष तक अधिवक्ता रह चुका हो अथवा राष्ट्रपति की राय में एक प्रतिष्ठित विधिवेत्ता होना

चाहिए। (3) किसी भी प्रदेश के उच्च न्यायालय में न्यायाधीश का 5 वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य है।

2455. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को उसके पद से केवल किन प्रमाणित आधारों पर हटाया जा सकता है ?
(अ) कदाचार (ब) असमर्थता
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष होती है। न्यायाधीशों को केवल दुर्व्यवहार या असमर्थता के सिद्ध होने पर संसद के दोनों सदनों द्वारा दो–तिहाई बहुमत से पारित प्रस्ताव के आधार पर ही राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।

2456. निम्नलिखित में से भारत के किस मुख्य न्यायाधीश ने राष्ट्रपति के रूप में काम किया ?
(अ) जस्टिस एम. हिदायतुल्लाह
(ब) जस्टिस मेहर चंद महाजन
(स) जस्टिस पी.एन. भगवती
(द) जस्टिस बी.के. मुखर्जी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के संविधान में ऐसी व्यवस्था है कि राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में उपराष्ट्रपति, कार्यकारी राष्ट्रपति का दायित्व निभाते हैं। यदि किन्हीं कारणों से राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति दोनों के पद खाली हो तो, सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश राष्ट्रपति का दायित्व निभाते हैं। सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश एम. हिदायतुल्लाह ने राष्ट्रपति जाकिर हुसैन के निधन के बाद और उपराष्ट्रपति वी.वी. गिरी के त्यागपत्र देने के कारण, 20 जुलाई 1969 से 24 अगस्त, 1969 तक भारत के कार्यकारी राष्ट्रपति का दायित्व निभाया।

2457. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायिक काम–काज के लिए किस भाषा का प्रयोग किया जाता है ?
(अ) हिन्दी
(ब) अंग्रेजी
(स) हिन्दी व अंग्रेजी दोनों
(द) 8वीं अनुसूची में शामिल कोई भी भाषा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायिक काम–काज के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया जाता है।

2458. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के विरुद्ध महाभियोग का प्रस्ताव पारित हो जाने पर पदच्युति का आदेश कौन जारी कर सकता है ?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(ब) राष्ट्रपति
(स) लोकसभा अध्यक्ष
(द) मंत्रिपरिषद
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को तब पदच्युत करेगा, जब संसद के दोनों सदनों के कम से कम 2/3 उपस्थित तथा मत देने वाले तथा सदन के कुल बहुमत द्वारा पारित प्रस्ताव जो कि सिद्ध कदाचार या अक्षमता के आधार पर लाया गया हो, के द्वारा उसे अधिकार दिया गया हो। ये आदेश उसी संसद सत्र में लाया जाएगा जिस सत्र में ये प्रस्ताव संसद ने पारित किया हो।

2459. सेवानिवृत्ति के पश्चात् सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश वकालत कर सकते हैं–
(अ) केवल सर्वोच्च न्यायालय में
(ब) केवल उच्च न्यायालय में
(स) सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय दोनों में
(द) किसी भी न्यायालय में नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– सेवानिवृत्ति के पश्चात् सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश भारत के किसी भी न्यायालय में वकालत नहीं कर सकते हैं जबकि उच्च न्यायालय से सेवानिवृत्त न्यायाधीश सर्वोच्च न्यायालय और अन्य उच्च न्यायालयों में वकालत कर सकते हैं। ऐसा यह सुनिश्चित करने के लिये किया गया है कि वह निर्णय देते समय भविष्य की चिंता न करें।

2460. सर्वोच्च न्यायालय किस संस्था का निरीक्षण कर सकता है ?
(अ) केन्द्रीय मंत्रिमण्डल (ब) संसद
(स) अधीनस्थ न्यायालय (द) निर्वाचन आयोग
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग–6 में अनुच्छेद 233 से 237 तक अधीनस्थ न्यायालयों से संबंधित है, जो उच्च न्यायालय के अधीन आते हैं तथा इनका गठन राज्य अधिनियम कानून के द्वारा होता है। अधीनस्थ न्यायालयों का निरीक्षण करने का अधिकार सर्वोच्च न्यायालय को प्राप्त है।

2461. सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में वृद्धि करने का अधिकार किसे प्राप्त है ?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय (ब) राष्ट्रपति
(स) संसद (द) मंत्रिपरिषद
उत्तर : (स)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में वृद्धि करने का अधिकार संसद को है।

2462. भारत में न्यायपालिका है–
(अ) स्वतंत्र (ब) संसद के अधीन
(स) राष्ट्रपति के अधीन (द) प्रधानमंत्री के अधीन
उत्तर : (अ) RRB 2005
व्याख्या– किसी भी जनतंत्र के तीन प्रमुख अंग हैं– कार्यपालिका, व्यवस्थापिका और न्यायपालिका। न्यायपालिका, संप्रभुतासम्पन्न राज्य की तरफ से कानून का सही अर्थ निकालती है एवं कानून के अनुसार न चलने वालों को दण्डित करती है। भारत की स्वतंत्र न्यायपालिका का शीर्ष सर्वोच्च

न्यायालय है, जिसका प्रधान मुख्य न्यायाधीश होता है।

2463. राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के निर्वाचन में विवाद के मामलों को किसको प्रस्तुत किया जाता है ?
(अ) मुख्य निर्वाचन आयुक्त
(ब) संसद
(स) भारत का उच्चतम न्यायालय
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स) SSC 2002
व्याख्या– राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव से संबंधित विवादों का निपटारा उच्चतम न्यायालय करता है। संविधान के अनुच्छेद 71 के तहत राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनाव से संबंधित किसी विवाद के समाधान के लिए सुप्रीम कोर्ट उस पर निर्णय करता है।

2464. संविधान के किस अनुच्छेद में उच्चतम न्यायालय को परामर्शदात्री बनाया गया है–
(अ) अनुच्छेद 124 में (ब) अनुच्छेद 137 में
(स) अनुच्छेद 143 में (द) अनुच्छेद 148 में
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रपति को किसी विधि या सार्वजनिक महत्व के तथ्य पर अनुच्छेद–143 के तहत उच्चतम न्यायालय से परामर्श लेने का अधिकार है।

2465. भारत में न्यायिक पुनरीक्षण की शक्ति का प्रयोग किया जाता है–
(अ) केवल सर्वोच्च न्यायालय द्वारा
(ब) सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालय द्वारा
(स) भारत में स्थित सभी न्यायालयों द्वारा
(द) भारत के राष्ट्रपति द्वारा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में न्यायिक पुनरीक्षण सर्वोच्च न्यायालय का अधिकार है । इस संदर्भ में वह विधायी कार्य की वैधता या अवैधता के सम्बन्ध में अंतिम निर्णय सुना सकता है कि मूल विधि देश के संविधान के उपबन्धों के अनुरूप है या नहीं।

2466. राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से संबंधित चुनाव विवादों को सुलझाने का अधिकार उच्चतम न्यायालय को है। यह उसका–
(अ) मौलिक अधिकार है
(ब) पूर्वाहिक अधिकार है
(स) परामर्शी अधिकार है
(द) बहुमुखी अधिकार है
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से संबंधित चुनाव विवादों को सुलझाने का अधिकार उच्चतम न्यायालय को है और यह उसका मौलिक अधिकार है। राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति के चुनाव के संबंध में या उससे उत्पन्न होने वाले सभी संदेह और विवादों की सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जाँच की जाएगी और निर्णय लिया जाएगा और वह निर्णय अंतिम होगा।

2467. न्यायिक पुनर्विलोकन का अधिकार किसे है ?
(अ) उच्च न्यायालय (ब) उच्चतम न्यायालय
(स) राष्ट्रपति (द) लोकसभा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– न्यायिक पुनरावलोकन उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसके अन्तर्गत कार्यकारिणी के कार्यों की न्यायपालिका द्वारा पुनरीक्षण का प्रावधान हो। दूसरे शब्दों में न्यायिक पुनरावलोकन से तात्पर्य न्यायालय की उस शक्ति से है जिसके बल पर वह विधायिका द्वारा बनाये कानूनों, कार्यपालिका द्वारा जारी किये गये आदेशों तथा प्रशासन द्वारा किये गये कार्यों की जाँच करती है कि वह मूल ढाँचे के अनुरूप है या नहीं। मूल ढाँचे के प्रतिकूल होने पर न्यायालय उसे अवैध घोषित करती है। भारतीय संविधान में न्यायिक पुनरावलोकन सिद्धांत का स्पष्ट उल्लेख नहीं हुआ है, परन्तु इसका आधार है–अनुच्छेद 13(2), 32, 131, 226 और 243 तथा न्यायाधीशों द्वारा संविधान के संरक्षण की शपथ।

2468. राष्ट्रपति कानूनी मामलो में किससे परामर्श ले सकता है ?
(अ) न्याय मंत्री से (ब) महान्यायवादी से
(स) उच्च न्यायालय से (द) सर्वोच्च न्यायालय
उत्तर : (द)
व्याख्या– राष्ट्रपति को किसी विधि या सार्वजनिक महत्व के तथ्य पर अनुच्छेद–143 के तहत उच्चतम न्यायालय से परामर्श लेने का अधिकार है।

2469. भारत में न्यायपालिका का स्वरूप है–
(अ) विकेंद्रीकृत (ब) एकीकृत
(स) सामूहिक (द) व्यावहारिक
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के तहत त्रिस्तरीय न्यायपालिका की व्यवस्था की गयी है, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय और स्थानीय स्तर पर जिला अदालतें हैं। न्यायपालिका स्वतंत्र और मजबूत व्यवस्था है, जो संविधान और नागरिकों के मूल अधिकारों की संरक्षक के तौर पर जानी जाती है।

2470. उच्चतम न्यायालय के न्यायिक पुनरीक्षण कार्य का क्या अर्थ है ?
(अ) स्वयं अपने निर्णय का पुनरीक्षण
(ब) देश में न्यायपालिका के काम–काज का पुनरीक्षण
(स) कानूनों की सांविधानिक वैधता का पुनरीक्षण
(द) संविधान का आवधिक पुनरीक्षण
उत्तर : (स) SSC 2005
व्याख्या– न्यायिक पुनरावलोकन उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसके अन्तर्गत कार्यकारिणी के कार्यों की न्यायपालिका द्वारा पुनरीक्षण का प्रावधान हो। दूसरे शब्दों में न्यायिक पुनरावलोकन से तात्पर्य न्यायालय की उस शक्ति से है जिसके बल पर वह विधायिका

द्वारा बनाये कानूनों, कार्यपालिका द्वारा जारी किये गये आदेशों तथा प्रशासन द्वारा किये गये कार्यों की जाँच करती है कि वह मूल ढाँचे के अनुरूप है या नहीं। मूल ढाँचे के प्रतिकूल होने पर न्यायालय उसे अवैध घोषित करती है।

2471. न्यायिक पुनर्विलोकन का अर्थ है–
(अ) न्यायालय को सभी प्रकरणों में अंतिम अधिकार प्राप्त है
(ब) राष्ट्रपति के विरुद्ध दोषारोपण कर सकता है
(स) उच्च न्यायालय द्वारा निर्णित प्रकरणों का समालोचना कर सकता है
(द) किसी भी राज्य के कानून को अवैध घोषित कर सकता है
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 13(2) के तहत राज्य ऐसी कोई विधि नहीं बनायेगा, जो मूल अधिकारों को छीनती है। न्यायिक पुनरावलोकन उस प्रक्रिया को कहते हैं जिसके अन्तर्गत कार्यकारिणी के कार्यों की न्यायपालिका द्वारा पुनरीक्षण का प्रावधान हो। दूसरे शब्दों में न्यायिक पुनरावलोकन से तात्पर्य न्यायालय की उस शक्ति से है जिसके बल पर वह विधायिका द्वारा बनाये कानूनों, कार्यपालिका द्वारा जारी किये गये आदेशों तथा प्रशासन द्वारा किये गये कार्यों की जाँच करती है कि वह मूल ढाँचे के अनुरूप है या नहीं। मूल ढाँचे के प्रतिकूल होने पर न्यायालय उसे अवैध घोषित करती है।

2472. न्यायिक पुनर्विलोकन की व्यवस्था है–
(अ) केवल भारत में
(ब) केवल संयुक्त राज्य अमेरिका में
(स) भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका में
(द) केवल ब्रिटेन में
उत्तर : (स)
व्याख्या– न्यायिक पुनर्विलोकन की व्यवस्था संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान से ली गई है।

2473. न्यायिक पुनर्विलोकन में न्यायालय को निम्नलिखित अधिकार प्राप्त है–
(अ) यदि कोई कानून या आदेश संविधान के विपरीत हो तो उसे असंवैधानिक घोषित करना
(ब) निचले न्यायालयों के आदेश का पुनरावलोकन करना
(स) निचले न्यायालयों के निर्णय के विरुद्ध अपील सुनना
(द) कानून को इस दृष्टि से परीक्षण करना कि क्या उसके बनाने में निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन हुआ अथवा नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– न्यायिक पुनर्विलोकन के तहत यदि कोई कानून या आदेश संविधान के विपरीत हो तो उच्चतम न्यायालय उसे शून्य घोषित कर सकता है। सर्वोच्च न्यायालय संविधान के संरक्षक के रूप में कार्य करता है। इस रूप में उसका यह दायित्व बनता है कि वह यह देखे कि किसी कानून के निर्माण में सांविधानिक सीमा का अतिक्रमण हुआ है या नहीं। विशेष रूप से मूलाधिकारों को इसके लिए चुना गया है।

2474. केन्द्र और राज्यों के विवादों का समाधान करना, सर्वोच्च न्यायालय के किस क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है ?
(अ) परामर्शदात्री (ब) अपीलीय
(स) संवैधानिक (द) प्रारंभिक
उत्तर : (द)
व्याख्या– केन्द्र और राज्यों के विवादों का समाधान करना, सर्वोच्च न्यायालय के प्रारंभिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है। संविधान के अनुच्छेद 131 के द्वारा यह भूमिका और अधिकारिता उच्चतम न्यायालय को सौंपी गई है। उसे निम्नलिखित विवादों में प्रारम्भिक अधिकारिता है, जो किसी अन्य न्यायालय को नहीं है– (1) भारत सरकार और एक या अधिक राज्यों के बीच (2) एक ओर भारत सरकार और किसी राज्य या राज्यों और दूसरी ओर एक या अधिक अन्य राज्यों के बीच या (3) दो या अधिक राज्यों के बीच (4) विवाद में विधि या तथ्य का कोई ऐसा प्रश्न अंतवर्लित होना चाहिए जिस पर किसी विधिक अधिकार का अस्तित्व या विस्तार निर्भर है।

2475. सर्वोच्च न्यायालय कौनसा प्रलेख जारी नहीं कर सकता है ?
(अ) बंदी प्रत्यक्षीकरण (ब) निषेधाज्ञा
(स) प्रतिषेध (द) परमादेश
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय द्वारा नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए निम्नलिखित पाँच प्रकार के प्रलेख (रिट) जारी किये जा सकते हैं– (1) बंदी प्रत्यक्षीकरण (2) परमादेश (3) प्रतिषेध (4) उत्प्रेषण (5) अधिकार पृच्छा।

2476. सर्वोच्च न्यायालय किसे हटाने के लिए राष्ट्रपति से सिफारिश कर सकता है ?
(अ) मंत्रिपरिषद के किसी भी सदस्य को
(ब) संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्य
(स) लोकसभा अध्यक्ष को
(द) उपर्युक्त सभी को
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या दूसरे सदस्यों को उनके कदाचार के कारण हटा सकता है। राष्ट्रपति को यह मामला जाँच के लिए सर्वोच्च न्यायालय में भेजना होता है। यदि सर्वोच्च न्यायालय जाँच के बाद बर्खास्त करने

का परामर्श का समर्थन करता है, तो राष्ट्रपति अध्यक्ष या दूसरे सदस्यों को हटा सकते हैं।

2477. जनहित याचिका दायर की जा सकती है–
(अ) उच्च न्यायालय में
(ब) सर्वोच्च न्यायालय में
(स) (अ) और (ब) दोनों में
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत में जनहित याचिका (पीआईएल) एक ऐसा तंत्र है जो नागरिकों या समूहों को सार्वजनिक हित के मामलों में न्यायिक हस्तक्षेप की माँ करने की अनुमति देता है। जनहित याचिका (पब्लिक इंट्रेस्ट लिटिगेशन–पीआईएल) उच्च न्यायालय अथवा सर्वोच्च न्यायालय में दायर की जा सकती है। यदि अदालत को लगता है कि ये जनहित से जुड़ा मामला है तो लिखित पत्र को ही पीआईएल के तौर पर लिया जाता है और सुनवाई की जाती है।

2478. उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु है–
(अ) 65 वर्ष (ब) 55 वर्ष
(स) 60 वर्ष (द) 56 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष होती है।

2479. निम्नलिखित में से किस मामले को उच्च न्यायालय में प्रत्यक्ष रूप से दाखिल नहीं किया जा सकता है ?
(अ) दो अथवा अधिक राज्यों के बीच विवाद
(ब) मूल अधिकारों के अतिक्रमण के विरुद्ध मामला
(स) किसी व्यक्ति की सम्पत्ति दूसरे के द्वारा बलपूर्वक अधिकृत होने से
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– दो अथवा अधिक राज्यों के बीच विवाद उच्च न्यायालय में प्रत्यक्ष रूप से दाखिल नहीं किया जा सकता है।

2480. उच्चतम न्यायालय द्वारा परमादेश किसे जारी किया जाता है ?
(अ) किसी अधिकारी को सरकारी आदेश निभाने के लिए
(ब) प्रधानमंत्री को मंत्रिमंडल भंग करने के लिए
(स) कम्पनी को मजदूरी बढ़ाने के लिए
(द) सरकार को कर्मचारियों का वेतन देने के लिए
उत्तर : (अ)
व्याख्या– परमादेश उस समय जारी किया जाता है कि जब कोई पदाधिकारी अपने सार्वजनिक कर्तव्य का निर्वाह नहीं करता है। इसमें सरकार और निगम दोनों के ही अधिकार सम्मिलित होते हैं। परमादेश के माध्यम से न्यायालय द्वारा विधिक या लोक कर्तव्य या किसी संवैधानिक कर्तव्य को करने का आदेश दिया जाता हैं परमादेश प्रलेख के लिए आवश्यक है कि सम्बन्धित कृत्य प्राधिकारी के विधिक अधिकार में हो। विवेकीय मामलों में तथा निजी संस्थाओं के विरुद्ध यह प्रलेख जारी नहीं किया जा सकता है। इसी प्रकार यह प्रलेख संविदात्मक कर्तव्यों के पालन के लिए भी जारी नहीं किया जा सकता है।

2481. निम्नलिखित में से उच्च न्यायालय या उच्चतम न्यायालय की वह रिट, जो किसी प्राधिकार को रद्द करने के लिए जारी की जाती है, है–
(अ) परमादेश (ब) उत्प्रेषण रिट
(स) अधिकार पृच्छा (द) बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट
उत्तर : (स)
व्याख्या– अधिकार पृच्छा रिट को उस व्यक्ति के विरुद्ध जारी किया जाता है जो किसी ऐसे लोक पद को धारण करता है जिसे धारण करने का अधिकार उसे प्राप्त नहीं है। इस रिट के द्वारा न्यायालय के लोक पद पर किसी व्यक्ति के दावे की वैधता की जाँच करता है। यदि उसका दावा निराधार है तो वह उसे पद से निष्कासन कर देता है। इस रिट के माध्यम से किसी लोक पदाधिकारी को अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर आदेश देने से रोका जाता है।

2482. लाभ का पद किसके द्वारा परिभाषित हुआ है–
(अ) संविधान (ब) सर्वोच्च न्यायालय
(स) संघीय मंत्रिपरिषद (द) संसद
उत्तर : (ब)
व्याख्या– लाभ का पद सर्वोच्च न्यायालय द्वारा परिभाषित हुआ है। वर्ष 1984 में सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय सुनाया कि कोई व्यक्ति लाभ के पद पर है या नहीं। इसके लिये उसकी नियुक्ति से संबंधित कुछ बिंदुओं का परीक्षण किया जाना चाहिए।

2483. केन्द्र और राज्यों के बीच होने वाले विवादों का निर्णय करने की भारत के उच्चतम न्यायालय की शक्ति आती है–
(अ) इसकी परामर्शी अधिकारिता के अंतर्गत
(ब) इसकी अपीलीय अधिकारिता के अंतर्गत
(स) इसकी मूल अधिकारिता के अंतर्गत
(द) इसकी सांविधिक अधिकारिता के अंतर्गत
उत्तर : (स) IAS 1995
व्याख्या– परिसंघ का संविधान विभिन्न सरकारों के बीच न्यायकर्ता के रूप में एक न्यायालय की व्यवस्था करता है। अनुच्छेद 131 के द्वारा यह भूमिका और अधिकारिता उच्चतम न्यायालय को सौंपी गई है। उसे निम्नलिखित विवादों में प्रारम्भिक अधिकारिता है जो किसी अन्य न्यायालय में नहीं है– (1) भारत सरकार और एक या अधिक राज्यों के बीच (2) एक और भारत सरकार और किसी राज्य या राज्यों और दूसरी ओर एक या अधिक

अन्य राज्यों के बीच या (3) दो या अधिक राज्यों के बीच (4) विवाद में विधि या तथ्य का कोई ऐसा प्रश्न अंतर्विलत होना चाहिए जिस पर किसी विधिक अधिकार का अस्तित्व या विस्तार निर्भर है।

2484. निम्नलिखित में से किस मुकदमे में भारतीय सर्वोच्च न्यायालय ने सर्वप्रथम संविधान के मौलिक लक्षण का सिद्धांत प्रतिपादित किया ?
(अ) गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य
(ब) केशवानंद बनाम केरल राज्य
(स) मिनर्वा मिल बनाम भारतीय संघ
(द) संसद
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1967 ई. में उच्चतम न्यायालय ने गोलकनाथ बनाम पंजाब सरकार विवाद में अपने पूर्ववर्ती विनिश्चयों को उलट दिया और यह निर्णय दिया कि संसद अनुच्छेद 368 के अधीन मौलिक अधिकारों को समाप्त या सीमित करने की शक्ति नहीं रखता।

2485. निम्नलिखित में से किस वाद में उच्चतम न्यायालय ने संविधान के मूल ढाँचे का सिद्धांत प्रतिपादित किया था ?
(अ) गोलकनाथ वाद
(ब) ए.के. गोपालन वाद
(स) केशवानन्द भारती वाद
(द) मेनका गाँधी वाद
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1973 में केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के मामले में सर्वोच्च न्यायालय की 13 न्यायाधीशों की पीठ ने अपने संवैधानिक रुख में संशोधन करते हुए कहा कि संविधान संशोधन के अधिकार पर एकमात्र प्रतिबंध यह है कि इसके माध्यम से संविधान के मूल ढाँचे को क्षति नहीं पहुँचनी चाहिए। अपने तमाम अंतर्विरोधों के बावजूद यह सिद्धांत अभी भी कायम है और जल्दबाजी में किए जाने वाले संशोधनों पर अंकुश के रूप में कार्य कर रहा है। चीफ जस्टिस सीकरी और उच्चतम न्यायालय के 12 अन्य न्यायाधीशों ने न्यायिक इतिहास का यह सबसे महत्वपूर्ण निर्णय दिया।

2486. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अधिनियम 1993 के अनुसार निम्नलिखित में से कौन इस आयोग का अध्यक्ष बन सकता है ?
(अ) उच्चतम न्यायालय का कोई सेवारत न्यायाधीश
(ब) उच्च न्यायालय का कोई सेवारत न्यायमूर्ति
(स) केवल भारत के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायमूर्ति
(द) केवल उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायमूर्ति
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार अधिकार आयोग के अधिनियम 1993 के तहत भारत का मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त किसी ऐसे व्यक्ति को भी आयोग के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया जा सकता है, जो उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश रहा हो।

2487. कौनसा अनुच्छेद सर्वोच्च न्यायालय को अभिलेख न्यायालय का स्थान प्रदान करता है ?
(अ) अनुच्छेद 123 (ब) अनुच्छेद 124
(स) अनुच्छेद 129 (द) अनुच्छेद 143
उत्तर : (स)
व्याख्या– अनुच्छेद 129 में उपबंध है कि उच्चतम न्यायालय अभिलेख न्यायालय होगा और उसको अवमानना के लिये दंड देने की शक्ति सहित ऐसे न्यायालय की सभी शक्तियाँ होगी।

2488. भारत का उच्चतम न्यायालय कानूनी तथ्य के मामले में राष्ट्रपति को परामर्श देता है–
(अ) अपनी पहल पर
(ब) तभी जब वह ऐसे परामर्श के लिए कहता है
(स) तभी जब मामला नागरिकों के मूलभूत अधिकारों से संबंधित हो
(द) तभी जब मामला देश की एकता और अखंडता के लिए खतरा पैदा करता हो
उत्तर : (ब) IAS 2001
व्याख्या– राष्ट्रपति को किसी विधि या सार्वजनिक महत्व के विषय पर अनुच्छेद–143 के तहत उच्चतम न्यायालय से परामर्श लेने का अधिकार है।

2489. भारतीय संविधान का कौनसा अनुच्छेद संवैधानिक विवाद में सर्वोच्च न्यायालय के अपीलीय क्षेत्राधिकार से संबंधित है ?
(अ) अनुच्छेद 131
(ब) अनुच्छेद 132
(स) अनुच्छेद 134क को मिलाकर अनुच्छेद 132
(द) अनुच्छेद 134क को मिलाकर अनुच्छेद 133
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद 133 व 134क संवैधानिक विवाद में सर्वोच्च न्यायालय के अपीलीय क्षेत्राधिकार से संबंधित है।

2490. किस वाद में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि संसद को मूल अधिकार में संशोधन करने की शक्ति प्राप्त है, परन्तु वह संविधान के मूल ढाँचे में संशोधन नहीं कर सकती ?
(अ) केशवानन्द भारती वाद
(ब) गोलकनाथ वाद
(स) गोपालन वाद
(द) मिनर्वा वाद
उत्तर : (अ) IAS 1985
व्याख्या– 1973 में केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य के मामले में सर्वोच्च न्यायालय की 13 न्यायाधीशों की पीठ ने अपने संवैधानिक रुख में संशोधन करते हुए कहा कि संविधान संशोधन के अधिकार पर एकमात्र प्रतिबंध यह है कि इसके

माध्यम से संविधान के मूल ढाँचे को क्षति नहीं पहुँचनी चाहिए। अपने तमाम अंतर्विरोधों के बावजूद यह सिद्धांत अभी भी कायम है और जल्दबाजी में किए जाने वाले संशोधनों पर अंकुश के रूप में कार्य कर रहा है।

2491. संविधान की व्याख्या करने का अंतिम अधिकार किसे प्राप्त है ?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष
(ब) राष्ट्रपति
(स) एटॉर्नी जनरल ऑफ इंडिया
(द) सर्वोच्च न्यायालय
उत्तर : (द) SSC 2010
व्याख– भारत का उच्चतम न्यायालय भारत का शीर्ष न्यायिक प्राधिकरण है, जिसे भारतीय संविधान के भाग–5 अध्याय 4 के तहत स्थापित किया गया।

2492. सर्वोच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश कौन थे ?
(अ) हीरालाल जे. कानिया
(ब) के.एन. वांचू
(स) एस.एस. सीकरी
(द) व्हाई.वी. चन्द्रचूड़
उत्तर : (अ)
व्याख्या– हीरालाल जेकिसुनदास कानिया स्वतंत्र भारत के पहले मुख्य न्यायाधीश थे।

2493. निम्नलिखित में उच्चतम न्यायालय की सबसे पहली महिला न्यायाधीश कौन थी ?
(अ) सुनन्दा भंडारी (ब) लीला सेठ
(स) फातिमा बीबी (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स) SSC 2002, RRB 2004
व्याख्या– उच्चतम न्यायालय की सबसे पहली महिला न्यायाधीश फातिमा बीबी थी। वे वर्ष 1989 में इस पद पर नियुक्त होने वाली पहली भारतीय महिला थी।

2494. निम्नलिखित में से कौन सबसे पहली महिला वकील है, जिनको सीधे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया ?
(अ) वृन्दा ग्रोवर (ब) मेनका गुरुस्वामी
(स) मीनाक्षी अरोड़ा (द) इन्दु मल्होत्रा
उत्तर : (द)
व्याख्या– इंदु मल्होत्रा देश की पहली ऐसी महिला अधिवक्ता है जो अधिवक्ता से सीधे उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश बनी।

2495. सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त होने के लिए कम–से–कम कितने वर्ष उच्च न्यायालय का एडवोकेट होना चाहिए ?
(अ) 20 (ब) 10
(स) 8 (द) 25
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की निम्न योग्यताएँ होनी चाहिए– (1) वह व्यक्ति भारत का नागरिक हो (2) कम से कम पांच साल के लिए उच्च न्यायालय का न्यायाधीश अथवा दो या दो से अधिक न्यायालयों में लगातार कम से कम पांच वर्षों तक न्यायाधीश के रूप में कार्य कर चुका हो अथवा किसी उच्च न्यायालय या न्यायालयों में लगातार 10 वर्ष तक अधिवक्ता रह चुका हो अथवा राष्ट्रपति की राय में एक प्रतिष्ठित विधिवेत्ता होना चाहिए। (3) किसी भी प्रदेश के उच्च न्यायालय में न्यायाधीश का 5 वर्ष का अनुभव होना अनिवार्य है।

2496. निम्नलिखित में से कौन सा मामला उच्च न्यायालय व उच्चतम न्यायालय दोनों की अधिकारिता में आते हैं ?
(अ) केन्द्र और राज्यों के बीच विवाद
(ब) राज्यों के परस्पर विवाद
(स) मूल अधिकारों का संरक्षण
(द) संविधान के उल्लंघन से संरक्षण
उत्तर : (स) IAS 1993
व्याख्या– मूल अधिकारों के संरक्षण का अधिकार जहाँ अनुच्छेद 32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय को प्राप्त है, वहीं अनुच्छेद 226 के तहत यह राज्य उच्च न्यायालय को भी प्राप्त है।

2497. परामर्शदायी अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत उच्चतम न्यायालय किसी विधि के प्रश्न या जनता के लिए विशेष महत्व के तथ्य पर परामर्श देता है, तो उसे भेजा जाए–
(अ) संघीय विधि मंत्री द्वारा
(ब) किसी भी उच्च न्यायालय द्वारा
(स) प्रधानमंत्री द्वारा
(द) राष्ट्रपति द्वारा
उत्तर : (द) SSC 2013
व्याख्या– परामर्शदायी अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत उच्चतम न्यायालय किसी विधि के प्रश्न या जनता के लिए विशेष महत्व के तथ्य पर परामर्श देता है। राष्ट्रपति को सर्वोच्च न्यायालय से परामर्श लेने का अधिकार है।

2498. भारत में उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने का अधिकार किसके पास होता है ?
(अ) भारत की संसद
(ब) भारत का राष्ट्रपति
(स) केन्द्रीय विधि मंत्रालय
(द) भारत का मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (अ) RRB 2009
व्याख्या– भारतीय संविधान द्वारा उच्चतम न्यायालय के लिए मूल ढाँचे में व्यवस्था है कि उच्चतम न्यायालय में एक मुख्य न्यायाधीश तथा सात अन्य न्यायाधीशों को अधिनियमित किया गया था और इस संख्या को बढ़ाने का जिम्मा संसद पर छोड़ा गया था। प्रारंभिक वर्षों में, न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत मामलों को सुनने के लिए उच्चतम न्यायालय की पूरी पीठ एक साथ बैठा करती थी।

जैसे–जैसे न्यायालय के कार्यो में वृद्धि हुई और लंबित मामले बढ़ने लगे तो भारतीय संसद द्वारा न्यायाधीशों की मूल संख्या को 1956 में 8 से बढ़ाकर 11 की गई। 1960 में 14, 1978 में 18, 1996 में 26, 2008 में 31 और 2019 में 34 तक कर दिया गया। वर्तमान में एक मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त 33 अन्य सदस्य होगे।

2499. सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश भारत के राष्ट्रपति द्वारा हटाये जाते हैं–
(अ) सी.बी.आई. की जाँच पर
(ब) भारत के मुख्य न्यायाधीश की जाँच पर
(स) भारत की काउंसिल की रिपोर्ट पर
(द) संसद में महाभियोग प्रस्ताव पारित होने पर
उत्तर : (द)
व्याख्या– उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष होती है। न्यायाधीशों को केवल (महाभियोग) दुर्व्यवहार या असमर्थता के सिद्ध होने पर संसद के दोनों सदनों द्वारा दो–तिहाई बहुमत से पारित प्रस्ताव के आधार पर ही राष्ट्रपति द्वारा हटाया जा सकता है।

2500. भारत के उच्चतम न्यायालय अधिकार प्राप्त है–
(अ) केवल प्रारम्भिक क्षेत्राधिकार
(ब) केवल अपीलीय क्षेत्राधिकार
(स) प्रारम्भिक और अपीलीय क्षेत्राधिकार
(द) प्रारम्भिक, अपीलीय व परामर्शदायी क्षेत्राधिकार
उत्तर : (द) SSC 2013
व्याख्या– भारत के उच्चतम न्यायालय को प्रारंभिक, अपीलीय और परामर्शदायी क्षेत्राधिकार प्राप्त हैं।

2501. निम्नलिखित में से व्यक्तिगत स्वतंत्रता से सर्वाधिक संबंधित है–
(अ) उत्प्रेषण (ब) बंदी प्रत्यक्षीकरण
(स) परमादेश (द) अधिकार पृच्छा
उत्तर : (ब) RPSC IIgr. Teacher 2011
व्याख्या– सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय द्वारा नागरिकों के मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए निम्नलिखित पाँच प्रकार के प्रलेख (रिट) जारी किये जा सकते हैं– (1) बंदी प्रत्यक्षीकरण (2) परमादेश (3) प्रतिषेध (4) उत्प्रेषण (5) अधिकार पृच्छा। बंदी प्रत्यक्षीकरण प्रलेख व्यक्तिगत स्वतंत्रता से सर्वाधिक संबंधित है।

2502. सर्वोच्च न्यायालय के जजों का वेतन किससे आहरित होता है ?
(अ) सहायक अनुदान (ब) आकस्मिकता निधि
(स) संचित निधि (द) लोक लेखा
उत्तर : (स) RRB 2008
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 112(3)(घ) के तहत सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन, भत्ते एवं पेंशन भारत की संचित निधि पर भारित हैं।

41.उच्च न्यायालय

2503. संविधान के किस अनुच्छेद में प्रावधान है कि प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय होगा ?
(अ) अनुच्छेद–214 (ब) अनुच्छेद–231
(स) अनुच्छेद–215 (द) अनुच्छेद–226
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–214 में प्रावधान है कि प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय होगा, लेकिन अनुच्छेद–231 के अनुसार संसद विधि द्वारा दो या दो से अधिक राज्यों और किसी संघ राज्य क्षेत्र के लिए एक ही उच्च न्यायालय स्थापित कर सकती है।

2504. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार संसद विधि द्वारा दो या दो से अधिक राज्यों और किसी संघ राज्य क्षेत्र के लिए एक ही उच्च न्यायालय स्थापित कर सकती है ?
(अ) अनुच्छेद–214 (ब) अनुच्छेद–231
(स) अनुच्छेद–215 (द) अनुच्छेद–226
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–214 में प्रावधान है कि प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय होगा, लेकिन अनुच्देद–231 के अनुसार संसद विधि द्वारा दो या दो से अधिक राज्यों और किसी संघ राज्य क्षेत्र के लिए एक ही उच्च न्यायालय स्थापित कर सकती है।

2505. वर्तमान में भारत में कितने उच्च न्यायालय हैं ?
(अ) 25 (ब) 20
(स) 22 (द) 28
उत्तर : (अ)
व्याख्या– वर्तमान में भारत में 25 उच्च न्यायालय हैं।

2506. प्रत्येक उच्च न्यायालय का गठन एक मुख्य न्यायाधीश तथा अन्य न्यायाधीशों से मिलाकर किया जाता है। इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा होती है। यह प्रावधान किस अनुच्छेद में उल्लिखित है ?
(अ) अनुच्छेद–217 (ब) अनुच्छेद–231
(स) अनुच्छेद–215 (द) अनुच्छेद–226
उत्तर : (अ)
व्याख्या– प्रत्येक उच्च न्यायालय का गठन एक मुख्य न्यायाधीश तथा अन्य न्यायाधीशों से मिलाकर किया जाता है। इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा होती है। यह प्रावधान संविधान के अनुच्छेद–217 में उल्लिखित है।

2507. उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को उसके पद की शपथ कौन दिलाता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) राज्यपाल
(स) मुख्यमंत्री (द) मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (ब)

व्याख्या– उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को उस राज्य, जिसमें उच्च न्यायालय स्थित है, का राज्यपाल उसके पद की शपथ दिलाता है।

2508. उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनने के लिए उसे किसी उच्च न्यायालय में या एक से अधिक उच्च न्यायालयों में लगातार कितने वर्षों तक अधिवक्ता रहना आवश्यक है ?
(अ) 10 वर्ष (ब) 5 वर्ष
(स) 6 वर्ष (द) 3 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनने के लिए योग्यताएँ– 1.वह भारत का नागरिक हो। 2.कम–से–कम दस वर्ष तक न्यायिक पद धारण कर चुका हो अथवा किसी उच्च न्यायालय में या एक से अधिक उच्च न्यायालयों में लगातार 10 वर्षों तक अधिवक्ता रहा हो।

2509. उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीश कितनी आयु तक पद पर बने रहते हैं ?
(अ) 62 वर्ष (ब) 65 वर्ष
(स) 60 वर्ष (द) 58 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– वर्तमान में भारत में इस समय उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 65 वर्ष है और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के मामले में यह आयु 62 वर्ष है।

2510. निम्नलिखित में से किसे आवश्यकतानुसार किसी भी उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि करने अथवा अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति करने का अधिकार प्राप्त है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) महान्यायवादी (द) मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत का राष्ट्रपति आवश्यकतानुसार किसी भी उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या में वृद्धि कर सकता है अथवा अतिरिक्त न्यायाधीशों की नियुक्ति कर सकता है। वह उच्च न्यायालय के किसी अवकाश प्राप्त न्यायाधीश को भी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में कार्य करने का अनुरोध कर सकता है। भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श कर राष्ट्रपति उच्च न्यायालय के किसी भी न्यायाधीश का स्थानांतरण किसी दूसरे उच्च न्यायालय में कर सकता है।

2511. उच्च न्यायालय एक अभिलेख न्यायालय होता है। उसके निर्णय आधिकारिक माने जाते हैं तथा उनके आधार पर न्यायालय अपना निर्णय दते हैं। यह प्रावधान किस अनुच्छेद में वर्णित है ?
(अ) अनुच्छेद–215 (ब) अनुच्छेद–217
(स) अनुच्छेद–226 (द) अनुच्छेद–214
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–215 के अनुसार उच्च न्यायालय एक अभिलेख न्यायालय होता है। उसके निर्णय आधिकारिक होते हैं तथा उनके आधार पर न्यायालय अपना निर्णय देते हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श कर राष्ट्रपति उच्च न्यायालय के किसी भी न्यायाधीश का स्थानांतरण किसी दूसरे उच्च न्यायालय में कर सकता है।

2512. उच्च न्यायालय के प्रारंभिक क्षेत्राधिकार किस अनुच्छेद के अंतर्गत आते हैं ?
(अ) अनुच्छेद–215 (ब) अनुच्छेद–217
(स) अनुच्छेद–226 (द) अनुच्छेद–214
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–226 के अनुसार उच्च न्यायालय के प्रारंभिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत उच्च न्यायालय को नौकाधिकरण, इच्छा–पत्र, तलाक, विवाह, न्यायालय की अवमानना तथा कुछ राजस्व संबंधी प्रकरणों, नागरिकों के मौलिक अधिकारों के क्रियान्वयन के लिए आवश्यक निर्देश विशेषकर बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, निषेध, उत्प्रेषण तथा अधिकार–पृच्छा के लेख जारी करने के अधिकार प्राप्त है।

2513. निम्नलिखित में से उच्च न्यायालय का क्षेत्राधिकार है–
(अ) मौलिक अधिकारों का रक्षक
(ब) पुनर्विचार संबंधी क्षेत्राधिकार
(स) उच्च न्यायालय में मुकदमों का हस्तांतरण
(द) परामर्शदात्री अधिकार
उत्तर : (स)
व्याख्या– उच्च न्यायालय के चार क्षेत्राधिकारों (1) प्रारंभिक क्षेत्राधिकार (2) अपीलीय क्षेत्राधिकार (3) उच्च न्यायालय में मुकदमों का हस्तांतरण (4) प्रशासकीय अधिकार, में से उच्च न्यायालय में मुकदमों का हस्तांतरण के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत यदि किसी उच्च न्यायालय को ऐसा लगे कि जो अभियोग अधीनस्थ न्यायालय में विचाराधीन है, वह विधि के किसी सारगर्भित प्रश्न से संबद्ध है तो वह उसे अपने यहाँ हस्तांतरित कर, या तो उसका निपटारा स्वयं कर देता है या विधि से संबद्ध प्रश्न को निपटाकर अधीनस्थ न्यायालय को निर्णय के लिए वापस भेज देता है।

2514. उच्च न्यायालयों को अपने अधीनस्थ न्यायालयों में नियुक्त, पदावनति, पदोन्नति तथा छुट्टियों के संबंध में नियम बनाने का अधिकार है। यह अधिकार उच्च न्यायालय के किस क्षेत्राधिकार में आता है ?
(अ) प्रारंभिक क्षेत्राधिकार
(ब) अपीलीय क्षेत्राधिकार
(स) प्रशासकीय अधिकार
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

व्याख्या– उच्च न्यायालय के प्रशासकीय अधिकार के अंतर्गत उच्च न्यायालयों को अपने अधीनस्थ न्यायालयों में नियुक्त, पदावनति, पदोन्नति तथा छुट्टियों के संबंध में नियम बनाने का अधिकार है।

2515. निम्नलिखित में से उच्च न्यायालय के अपीलीय क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है ?
(अ) फौजदारी मामलों में अगर सत्र न्यायाधीश ने मृत्युदंड दिया हो, तो उच्च न्यायालय में उसके विरुद्ध अपील हो सकती है।
(ब) दीवानी मामलों में उच्च न्यायालय में उन सब मामलों की अपील हो सकती है, जो 5 लाख रुपये या उससे अधिक संपत्ति से संबद्ध हो।
(स) उच्च न्यायालय पेटेंट और डिजाइन, उत्तराधिकार, भूमि–प्राप्ति, दिवालियापन और संरक्षकता आदि मामलों में भी अपील सुनता है।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– अपीलीय क्षेत्राधिकार के अंतर्गत उच्च न्यायालय के अधिकार हैं– (1) फौजदारी मामलों में अगर सत्र न्यायाधीश ने मृत्युदंड दिया हो, तो उच्च न्यायालय में उसके विरुद्ध अपील हो सकती है। (2) दीवानी मामलों में उच्च न्यायालय में उन सब मामलों की अपील हो सकती है, जो 5 लाख रुपये या उससे अधिक संपत्ति से संबंधित हो। (3) उच्च न्यायालय पेटेंट और डिजाइन, उत्तराधिकार, भूमि–प्राप्ति, दिवालियापन और संरक्षकता आदि मामलों में भी अपील सुनता है। उच्च न्यायालय राज्य में अपील का सर्वोच्च न्यायालय नहीं है। राज्य सूची से संबद्ध विषयों में भी उच्च न्यायालय के निर्णयों के विरुद्ध उच्चतम न्यायालय में अपील हो सकती है।

2516. भारत में कुल कितने उच्च न्यायालय है ?
(अ) 18 (ब) 21
(स) 25 (द) 28
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 214 के अनुसार प्रत्येक राज्य का एक उच्च न्यायालय होगा। दो या दो से अधिक राज्यों के लिए एक ही न्यायालय हो सकता है। वर्तमान में भारत में कुल 25 न्यायालय है।

2517. भारत के किस उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या सबसे अधिक है ?
(अ) बम्बई उच्च न्यायालय
(ब) कलकत्ता उच्च न्यायालय
(स) गुवाहाटी उच्च न्यायालय
(द) इलाहाबाद उच्च न्यायालय
उत्तर : (द)
व्याख्या– इलाहाबाद उच्च न्यायालय भारत में स्थापित सबसे पुराने उच्च न्यायालयों में से एक है। यह 1969 से संचालित है।

2518. भारत के 25 उच्च न्यायालयों में किसकी स्थापना सबसे बाद में हुई है ?
(अ) सिक्किम उच्च न्यायालय
(ब) छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय
(स) उत्तराखंड उच्च न्यायालय
(द) आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 214 के अनुसार प्रत्येक राज्य का एक उच्च न्यायालय होगा। दो या दो से अधिक राज्यों के लिए एक ही न्यायालय को सकता है। वर्तमान में भारत में कुल 25 न्यायालय है। आन्ध्र प्रदेश के अमरावती में देश का 25वाँ उच्च न्यायालय स्थापित किया गया है।

2519. बम्बई, कलकत्ता तथा मद्रास उच्च न्यायालयों की स्थापना किस वर्ष हुई थी ?
(अ) 1861 ई. (ब) 1866 ई.
(स) 1884 ई. (द) 1948 ई.
उत्तर : (अ)
व्याख्या– ब्रिटिश संसद ने वर्ष 1861 में भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम पारित किया और इसी के साथ भारत के उच्च न्यायालयों के इतिहास का आरंभ हुआ। इस अधिनियम द्वारा ब्रिटिश क्राउन को भारत में आवश्यकतानुसार उच्च न्यायालय स्थापित करने का प्राधिकार दिया गया था। प्रारंभ में कलकत्ता, मद्रास और बम्बई में उच्च न्यायालय स्थापित किए गए।

2520. भारत के किस संघ शासित क्षेत्र का अपना उच्च न्यायालय है ?
(अ) लक्षद्वीप (ब) चंडीगढ़
(स) दिल्ली (द) पुदुचेरी
उत्तर : (स)
व्याख्या– दिल्ली उच्च न्यायालय दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र का न्यायालय है। इसे 31 अक्टूबर 1966 को स्थापित किया गया।

2521. निम्नलिखित में से किस राज्य का अपना स्वयं का उच्च न्यायालय नहीं है ?
(अ) सिक्किम (ब) हिमाचल प्रदेश
(स) ओडिशा (द) नागालैंड
उत्तर : (द)
व्याख्या– नागालैंड राज्य का अपना स्वयं का उच्च न्यायालय नहीं है। यह गुवाहाटी उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में आता है।

2522. निम्नलिखित में से कौनसा उच्च न्यायालय एक से अधिक राज्यों का उच्च न्यायालय है ?
(अ) गुवाहाटी उच्च न्यायालय
(ब) पटना उच्च न्यायालय
(स) दिल्ली उच्च न्यायालय
(द) कर्नाटक उच्च न्यायालय
उत्तर : (अ)

व्याख्या– गुवाहाटी उच्च न्यायालय असम राज्य का न्यायालय है। इस उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में असम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड और मिजोरम राज्य आते हैं।

2523. भारत का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय है–
(अ) मद्रास उच्च न्यायालय
(ब) कलकत्ता उच्च न्यायालय
(स) इलाहाबाद उच्च न्यायालय
(द) बम्बई उच्च न्यायालय
उत्तर : (स)
व्याख्या– इलाहाबाद उच्च न्यायालय भारत में स्थापित सबसे पुराने उच्च न्यायालयों में से एक है। यह 1969 से संचालित है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय उत्तर प्रदेश राज्य का उच्च न्यायालय है। यह देश का सबसे बड़ा उच्च न्यायालय है। इसमें न्यायाधीशों की संख्या सबसे अधिक है।

2524. कुल संघ शासित क्षेत्रों में से मात्र एक में ही उसका अपना न्यायालय है। वह संघ शासित क्षेत्र है–
(अ) चंडीगढ़ (ब) दिल्ली
(स) दमन व दीव (द) पुडुचेरी
उत्तर : (ब) RRB 2003
व्याख्या– भारत के कुल संघ शासित क्षेत्रों में से मात्र एक दिल्ली का अपना न्यायालय है। दिल्ली उच्च न्यायालय दिल्ली राज्य का न्यायालय है। इसे 31 अक्टूबर, 1966 को स्थापित किया गया था।

2525. भारत में उच्च न्यायालय सर्वप्रथम आरम्भ हुआ–
(अ) बम्बई, मद्रास व कलकत्ता में
(ब) दिल्ली व कलकत्ता में
(स) बम्बई, दिल्ली व मद्रास में
(द) मद्रास व बम्बई में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– ब्रिटिश संसद ने सन् 1861 में भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम पारित किया और इसी के साथ भारत के उच्च न्यायालयों के इतिहास का आरंभ हुआ। इस अधिनियम द्वारा ब्रिटिश क्राउन को भारत में आवश्यकतानुसार उच्च न्यायालय स्थापित करने का प्राधिकार दिया गया था। प्रारंभ में कलकत्ता, मद्रास और बम्बई में उच्च न्यायालय स्थापित किए गए।

2526. किन राज्यों में साझा उच्च न्यायालय है ?
(अ) कर्नाटक व आन्ध्र प्रदेश
(ब) गुजरात व ओड़िशा
(स) महाराष्ट्र व गोवा
(द) मध्य प्रदेश व राजस्थान
उत्तर : (स) SSC 1999
व्याख्या– महाराष्ट्र के मुम्बई उच्च न्यायालय के कार्यक्षेत्र में महाराष्ट्र, गोवा, दादर और नगर हवेली तथा दमन आते हैं। इस न्यायालय की स्थापना 14 अगस्त, 1862 में हुई थी।

2527. किसके अंतर्गत कलकत्ता, मद्रास एवं बम्बई के उच्च न्यायालय स्थापित किये गये थे ?
(अ) भारत सरकार अधिनियम, 1909
(ब) भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम, 1861
(स) भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम, 1865
(द) भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम, 1911
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या– ब्रिटिश संसद ने वर्ष 1861 में भारतीय उच्च न्यायालय अधिनियम पारित किया और इसी के साथ भारत के उच्च न्यायालयों के इतिहास का आरंभ हुआ। इस अधिनियम द्वारा ब्रिटिश क्राउन को भारत में आवश्यकतानुसार उच्च न्यायालय स्थापित करने का प्राधिकार दिया गया था। प्रारंभ में कलकत्ता, मद्रास और बम्बई में उच्च न्यायालय स्थापित किए गए।

2528. गोवा राज्य किस उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार में आता है ?
(अ) आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय
(ब) बम्बई उच्च न्यायालय
(स) केरल उच्च न्यायालय
(द) कर्नाटक उच्च न्यायालय
उत्तर : (ब)
व्याख्या– गोवा राज्य मुम्बई उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार में आता है। महाराष्ट्र के मुम्बई उच्च न्यायालय के कार्यक्षेत्र में महाराष्ट्र, गोवा, दादर और नगर हवेली तथा दमन आते हैं। इस न्यायालय की स्थापना 14 अगस्त, 1862 में हुई थी।

2529. दो या अधिक राज्यों या संघीय प्रदेश के लिए एक सामान्य उच्च न्यायालय की स्थापना की जा सकती है–
(अ) राष्ट्रपति द्वारा
(ब) संसद द्वारा कानून बनाकर
(स) राज्य के राज्यपाल द्वारा
(द) भारत के मुख्य न्यायाधीश द्वारा
उत्तर : (ब) RRB 2005
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 214 से 237 तक में राज्य की न्यायपालिका का उल्लेख है। संविधान का अनुच्छेद 214 में उल्लेख है कि प्रत्येक राज्य में एक न्यायालय होगा और अनुच्छेद 215 के अनुसार प्रत्येक उच्च न्यायालय अभिलेख न्यायालय होगा। उसे अपने अपमान के लिए दण्ड देने की शक्ति के साथ–साथ अभिलेख न्यायालय की सभी शक्तियाँ प्राप्त होगी। अनुच्छेद 231 के अनुसार दो अथवा दो से अधिक राज्यों के लिए एक समान उच्च न्यायालय का गठन किया जा सकता है।

2530. छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय कहाँ स्थित है ?
(अ) रायपुर (ब) बिलासपुर
(स) भिलाई (द) रायगढ़
उत्तर : (ब) CDS 2004

व्याख्या– छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय छत्तीसगढ़ राज्य का उच्च न्यायालय है। यह बिलासपुर में स्थित है। इसे 1 नवम्बर 2000 को मध्य प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अंतर्गत मान्यता मिली थी। बिलासपुर उच्च न्यायालय देश का 19वाँ उच्च न्यायालय है।

2531. दादरा एवं नगर हवेली किस उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकर में आता है ?
(अ) कलकत्ता उच्च न्यायालय
(ब) गुवाहाटी उच्च न्यायालय
(स) बम्बई उच्च न्यायालय
(द) मद्रास उच्च न्यायालय
उत्तर : (स)
व्याख्या– महाराष्ट्र के मुम्बई उच्च न्यायालय के कार्यक्षेत्र में महाराष्ट्र, गोवा, दादर और नगर हवेली तथा दमन आते हैं। इस न्यायालय की स्थापना 14 अगस्त, 1862 में हुई थी।

2532. उत्तराखंड उच्च न्यायालय कहाँ स्थापित है ?
(अ) नैनीताल (ब) देहरादून
(स) मंसूरी (द) हरिद्वार
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उत्तराखंड उच्च न्यायालय नैनीताल है। इसकी स्थापना 9 नवम्बर, 2000 को हुई थी।

2533. अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह किस उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार में आते हैं ?
(अ) आन्ध्र प्रदेश उच्च न्यायालय
(ब) कलकत्ता उच्च न्यायालय
(स) मद्रास उच्च न्यायालय
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) RRB 2005, IAS 2003
व्याख्या– कोलकाता उच्च न्यायालय भारत का प्राचीनतम उच्च न्यायालय है जिसकी स्थापना 2 जुलाई 1862 को उच्च न्यायालय एक्ट 1861 के अंतर्गत की गयी थी।

2534. लक्षद्वीप संघ शासित प्रदेश किस उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार में आता है ?
(अ) मद्रास उच्च न्यायालय
(ब) बम्बई उच्च न्यायालय
(स) कलकत्ता उच्च न्यायालय
(द) केरल उच्च न्यायालय
उत्तर : (द)
व्याख्या– केरल उच्च न्यायालय केरल राज्य का न्यायालय हैं इसके अधिकार क्षेत्र में केरल एवं लक्षद्वीप आते है। इसकी स्थापना 1 नवम्बर, 1956 को हुई थी।

2535. झारखंड उच्च न्यायालय की स्थापना कहाँ की गई है ?
(अ) दुमका (ब) जमशेदपुर
(स) रांची (द) हजारीबाग
उत्तर : (स)
व्याख्या– झारखंड उच्च न्यायालय रांची में है। इसे वर्ष 2000 में बिहार पुनर्गठन अधिनियम, 2000 के अधीन, झारखण्ड राज्य के निर्माण के बाद स्थापित किया गया था।

2536. मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय कहाँ स्थित है ?
(अ) भोपाल (ब) इंदौर
(स) ग्वालियर (द) जबलपुर
उत्तर : (द) RRB 2004
व्याख्या– मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की स्थापना 2 जनवरी, 1936 को भारत अधिनियम, 1935 के अंतर्गत बनाया गया था। प्रारंभ में इसे नागपुर में स्थापित किया गया था, लेकिन जब 1956 में राज्यों का पुनर्गठन किया गया, तब इसे जबलपुर में स्थापित किया गया। इस न्यायालय की दो शाखाएँ इंदौर और ग्वालियर में स्थित है।

2537. केरल का उच्च न्यायालय कहाँ स्थित है ?
(अ) कोट्टायम (ब) कोच्चि
(स) अर्नाकुलम (द) त्रिवेंद्रम
उत्तर : (स) RRB 2002
व्याख्या– केरल उच्च न्यायालय एर्नाकुलम में स्थित है। इसके अधिकार में केरल के साथ लक्षद्वीप भी आता है। इसे 1 नवम्बर 1956 को स्थापित किया गया।

2538. ओड़िशा राज्य का उच्च न्यायालय कहाँ स्थित है ?
(अ) भुवनेश्वर (ब) कटक
(स) कोलकाता (द) चांदीपुर
उत्तर : (ब)
व्याख्या– उड़ीसा उच्च न्यायालय कटक में स्थित है। इसे 3 अप्रैल, 1948 को स्थापित किया गया था।

2539. राजस्थान उच्च न्यायालय स्थित है–
(अ) जयपुर (ब) कोटा
(स) जोधपुर (द) सीकर
उत्तर : (स) B.Ed. 2002
व्याख्या– राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर में स्थित है। इसकी खंडपीठ जयपुर में स्थित है।

2540. उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार को घटाने या बढ़ाने का अधिकार किसे है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) संसद
(स) राज्यपाल (द) राज्य विधानमंडल
उत्तर : (ब)
व्याख्या– उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार को घटाने या बढ़ाने का अधिकार संसद को प्राप्त है।

2541. उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) राज्यपाल
(स) राज्य सरकार (द) उच्चतम न्यायालय
उत्तर : (अ) SSC 2013
व्याख्या– किसी भी उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारत के मुख्य

न्यायाधीश और संबंधित राज्य के राज्यपाल के साथ परामर्श के साथ होती है। इसके अलावा राष्ट्रपति परामर्श के बिना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हस्तांतरण के अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

2542. उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए राष्ट्रपति निम्न में से किससे परामर्श करता है ?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(ब) संबंधित राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(स) संबंधित राज्य के राज्यपाल
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द) RRB 2004, IAS 1987
व्याख्या– किसी भी उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश और संबंधित राज्य के राज्यपाल के साथ परामर्श के साथ होती है। इसके अलावा राष्ट्रपति परामर्श के बिना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हस्तांतरण के अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

2543. उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के पद पर नियुक्त होने के लिए क्या अहर्ताएं होनी चाहिए ?
(अ) वह भारत का नागरिक हो एवं उसकी आयु 62 वर्ष से कम हो
(ब) उसने भारत क्षेत्र में कोई न्यायिक पद धारण किया हो
(स) वह किसी उच्च न्यायालय का या दो या अधिक ऐसे न्यायालय में लगातार अधिवक्ता रहा हो
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुसार उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर नियुक्त होने के लिए निम्न अहर्ताएं होनी चाहिए–(1) वह भारत का नागरिक हो (2) भारत के राज्य क्षेत्र में कम–से–कम 10 वर्षों तक किसी न्यायिक पद पर रह चुका हो अथवा किसी राज्य के या दो से अधिक राज्यों के उच्च न्यायालयों में कम–से–कम 10 वर्षों तक अधिवक्ता रह चुका है।

2544. उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के आचरण पर बहस कहाँ की जा सकती है ?
(अ) संसद में (ब) विधानसभा में
(स) लोकसभा में (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (द) RRB 2003
व्याख्या– उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के आचरण पर बहस करने का कोई उपबंध संविधान में नहीं है। संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित प्रस्ताव के आधार पर राष्ट्रपति ही उन्हें हटा सकते हैं। संविधान में उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश को हटाने की जटिल प्रक्रिया है। इनको असमर्थता के आधार पर ही हटाया जा सकता है। संविधान के अनुच्छेद 124(4) और न्यायाधीश जाँच अधिनियम, 1968 और उससे संबंधित नियमावली में इस बारे में समस्त प्रक्रिया का विस्तार से वर्णन है।

2545. उच्च न्यायालय में बकाया कार्य को निपटाने के लिए राष्ट्रपति अपर न्यायाधीश की नियुक्ति अधिक–से–अधिक कितने समय के लिए कर सकता है ?
(अ) 6 माह (ब) 1 वर्ष
(स) 2 वर्ष (द) 3 वर्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– किसी उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की नियुक्ति और उसके पद की शर्तें हैं– (1) भारत के मुख्य न्यायाधीश से, उस राज्य के राज्यपाल से और मुख्य न्यायमूर्ति से भिन्न किसी न्यायाधीश की नियुक्ति की दशा में उस उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति से परामर्श करने के पश्चात्, राष्ट्रपति अपने हस्ताक्षर और मुद्रा सहित अधिपत्र द्वारा उच्च न्यायालय के प्रत्येक न्यायाधीश को नियुक्त करेगा और वह न्यायाधीश अपर या कार्यकारी न्यायाधीश की दशा में अनुच्छेद 224 में उपबंधित रूप में पद धारण करेगा और किसी अन्य दशा में तब तक पद धारण करेगा जब तक वह 62 वर्ष की आयु प्राप्त नहीं कर लेता।

2546. उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों का–
(अ) वयस्क भारतीय नागरिकों द्वारा निर्वाचन होता है
(ब) विधानमंडल के सदस्यों द्वारा निर्वाचन होता है
(स) राष्ट्रपति के द्वारा नियुक्ति होती है
(द) मुख्यमंत्री के द्वारा नियुक्ति होती है
उत्तर : (स)
व्याख्या– किसी भी उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारत के मुख्य न्यायाधीश और संबंधित राज्य के राज्यपाल के साथ परामर्श के साथ होती है। इसके अलावा राष्ट्रपति परामर्श के बिना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश हस्तांतरण के अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं।

2547. उच्च न्यायालय का न्यायाधीश किसके समक्ष अपने पद और गोपनीयता की शपथ लेता है ?
(अ) भारत के मुख्य न्यायाधीश
(ब) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(स) राज्यपाल
(द) राष्ट्रपति
उत्तर : (स)
व्याख्या– उच्च न्यायालय का न्यायाधीश होने के लिए नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति अपना पद ग्रहण करने से पहले उस राज्य के राज्यपाल या उसके द्वारा इस निमित्त नियुक्त व्यक्ति के समक्ष, तीसरी अनुसूची में इस प्रयोजन के लिए दिए गए प्रारूप के अनुसार, शपथ लेगा या प्रतिज्ञान करेगा और उस पर अपने हस्ताक्षर करेगा।

2548. उच्च न्यायालय का न्यायाधीश अपना त्यागपत्र किसको देता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) अपने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(स) भारत के मुख्य न्यायाधीश
(द) अपने राज्य के राज्यपाल
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उच्च न्यायालय का न्यायाधीश राष्ट्रपति को संबोधित करके अपना त्यागपत्र दे सकता है।

2549. किसी न्यायाधीश को एक उच्च न्यायालय से दूसरे में स्थानांतरित करने का अधिकार निम्नलिखित में से किसको है ?
(अ) भारत के मुख्य न्यायमूर्ति को
(ब) भारत के राष्ट्रपति को
(स) भारत के विधि मंत्री को
(द) केन्द्रीय मंत्रिमंडल
उत्तर : (ब) SSC 2004
व्याख्या– किसी न्यायाधीश को एक उच्च न्यायालय से दूसरे न्यायालय में स्थानांतरित करने का अधिकार भारत के राष्ट्रपति को है। स्थानांतरित न्यायाधीश या मुख्य न्यायाधीश के किसी उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय में पहले या दूसरे स्थानांतरण के लिए उनकी सहमति की आवश्यकता नहीं है।

2550. उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के सेवानिवृत्ति की अधिकतम उम्र सीमा क्या है ?
(अ) 65 वर्ष (ब) 62 वर्ष
(स) 61 वर्ष (द) 60 वर्ष
उत्तर : (ब) RRB 2006
व्याख्या– उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की उम्र 62 वर्ष है, जबकि सर्वोच्च न्यायालय के मामले में यह उम्र 65 वर्ष है।

2551. उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायमूर्ति और अन्य न्यायाधीश कितनी आयु तक पद पर बने रहते हैं ?
(अ) 64 वर्ष (ब) 65 वर्ष
(स) 60 वर्ष (द) 62 वर्ष
उत्तर : (द) SSC 2013
व्याख्या– उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीश 62 वर्ष की उम्र तक अपने पद पर बने रहते हैं।

2552. किसी राज्य के उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन तथा भत्ते निम्नलिखित में से कौनसी निधि पर भारित होते हैं ?
(अ) भारत की आकस्मिक निधि
(ब) भारत की संचित निधि
(स) भारत की लोक–लेखा समिति
(द) संबंधित राज्य की संचित निधि
उत्तर : (ब) IAS 2002, CDS 2006
व्याख्या– किसी राज्य के उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन तथा भत्ते भारत की संचित निधि पर बिना संसदीय स्वीकृति के भारित होते हैं। ये व्यय या तो संविधान द्वारा स्वीकृत होते हैं या संसद की विधि बनाकर डाल दिए जाते हैं। कुछ संवैधानिक पदों की स्वतंत्रता बनाए रखने के लिये इस निधि पर निम्नांकित पदाधिकारियों के वेतन, भत्ते भारित होते हैं– (1) राष्ट्रपति का वेतन एवं भत्ता और अन्य व्यय (2) राज्य सभा के सभापति और उपसभापति तथा लोकसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के वेतन एवं भत्ते (3) सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन, भत्ते एवं पेंशन (4) भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के वेतन, भत्ते तथा पेंशन (5) ऐसा ऋणभार जिनका दायित्व भारत सरकार पर है (6) भारत सरकार पर किसी न्यायालय द्वारा दी गई डिक्री या पंचाट (7) कोई अन्य व्यय जो संविधान द्वारा या संसद विधि द्वारा इस प्रकार भारित घोषित करें।

2553. उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों को उसके पद से केवल किन प्रमाणित आधारों पर हटाया जा सकता है ?
(अ) कदाचार (ब) असमर्थता
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 124(4) में कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय के किसी न्यायाधीश को उसके पद से तब तक नहीं हटाया जाएगा जब तक साबित कदाचार या असमर्थता के आधार पर उसे हटाए जाने के लिए संसद के प्रत्येक सदन द्वारा अपनी कुल सदस्य संख्या के बहुमत द्वारा तथा उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के कम से कम दो–तिहाई बहुमत द्वारा समर्थित समावेदन राष्ट्रपति के समक्ष उसी सत्र में रखे जाने पर राष्ट्रपति ने आदेश नहीं दे दिया हो।

2554. उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को कौन हटा सकता है ?
(अ) विशेष बहुमत से पारित संसद के प्रस्ताव पर राष्ट्रपति
(ब) राष्ट्रपति अपनी ओर से
(स) मुख्यमंत्री की सलाह पर राज्यपाल
(द) भारत के मुख्य न्यायाधीश की सलाह पर राष्ट्रपति
उत्तर : (अ) SSC 2013
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 124(4) में कहा गया है कि उच्चतम न्यायालय के किसी न्यायाधीश को उसके पद से तब तक नहीं हटाया जाएगा जब तक साबित कदाचार या असमर्थता के आधार पर उसे हटाए जाने के लिए संसद के प्रत्येक सदन द्वारा अपनी कुल सदस्य संख्या के बहुमत द्वारा तथा उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों के कम से कम दो–तिहाई बहुमत द्वारा समर्थित समावेदन

राष्ट्रपति के समक्ष उसी सत्र में रखे जाने पर राष्ट्रपति ने आदेश नहीं दे दिया हो।

2555. उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश पद पर नियुक्त होने वाली प्रथम महिला कौन थी ?
(अ) अन्ना चण्डी (ब) लीला सेठ
(स) फातिमा बीबी (द) कार्नेलिया सोराबजी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश पर पद नियुक्त होने वाली प्रथम महिला अन्ना चांडी थीं।

2556. उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद पर नियुक्त होने वाली प्रथम महिला कौन है ?
(अ) अन्ना चण्डी (ब) लीला सेठ
(स) फातिमा बीबी (द) कार्नेलिया सोराबजी
उत्तर : (ब) SSC 2002
व्याख्या– लीला सेठ भारत में उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश बनने वाली पहली महिला थीं। वह दिल्ली उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश बनी थी। वे देश की पहली ऐसी महिला थीं, जिन्होंने लंदन बार परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

2557. बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) याचिका के अतिरिक्त निम्नलिखित में से किस याचिका को उच्च न्यायालय जारी कर सकता है ?
(अ) उत्प्रेषण (ब) परमादेश
(स) अधिकार पृच्छा (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 32 और अनुच्छेद 226 के तहत भारतीय संविधान के तीसरे भाग में प्रदत्त मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए भारत का संविधान उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों को अधिकार प्रदान करता है। याचिकायें पाँच प्रकार की होती हैं– बंदी प्रत्यक्षीकरण, परमादेश, उत्प्रेषण, निषेधाज्ञा, अधिकार पृच्छा।

2558. उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के अतिरिक्त कुल कितने न्यायाधीशों का प्रावधान है ?
(अ) 36 (ब) 48
(स) 64 (द) कोई सीमा नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 214 से 231 तक में वर्णित उच्च न्यायालय के प्रावधानों के अनुसार अलग–अलग राज्यों के लिए अलग–अलग उच्च न्यायालयों के गठन की व्याख्या करता है, लेकिन सातवें संविधान संशोधन अधिनियम के अनुसार एक ही उच्च न्यायालय एक से अधिक राज्य का न्यायालय हो सकता है।

2559. उच्च न्यायालय को किसका अधीक्षण करने का अधिकार है ?
(अ) विधि विभाग (ब) अधीनस्थ न्यायालय
(स) सर्वोच्च न्यायालय (द) लोक सेवा आयोग
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान अधीनस्थ अदालतों पर उच्च न्यायालय के अधीक्षण के इस अधिकार पर किसी प्रकार का कोई प्रतिबंध नहीं लगाता। यह किसी व्यक्ति द्वारा अपील के माध्यम से ही हो ऐसा नहीं हैं, यह स्वतः संज्ञान से भी हो सकता है। यह संशोधन की प्रकृति वाला है क्योंकि यह पहले किए गए फैसलों की पुष्टि करता है।

2560. उच्च न्यायालय अपने अधीनस्थ न्यायालय या अर्द्धन्यायिक निकायों के विरुद्ध उत्प्रेषण रिट तब जारी कर सकता है जब–
(अ) निर्णय आदेश में कोई विधि संबंधी त्रुटि हो
(ब) निर्णय या आदेश को पारित करने में नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन हुआ हो
(स) निर्णय या आदेश को पारित करने की अधिकारिता के आधिक्य में कार्य किया गया हो
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– उत्प्रेषण रिट जारी करने के निम्न आधार है– (1) अधिकार क्षेत्र का अभाव (2) न्याय क्षेत्र का दुरूपयोग (3) अधिकार क्षेत्र का दुरूपयोग (4) समान न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन।

2561. मौलिक अधिकारों को लागू करने अथवा अतिक्रमण करने के मामलों में उच्च न्यायालय निम्नलिखित में से किस प्रकार का आदेश जारी कर सकता है ?
(अ) अधिकार पृच्छा
(ब) परमादेश व प्रतिषेध
(स) बंदी प्रत्यक्षीकरण व उत्प्रेषण लेख
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 32 और अनुच्छेद 226 के तहत भारतीय संविधान के तीसरे भाग में प्रदत्त मौलिक अधिकारों को लागू करने के लिए भारत का संविधान उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों को अधिकार प्रदान करता है।

2562. उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन में कब कमी की जा सकती है ?
(अ) यदि संसद दो–तिहाई बहुमत से इसका आदेश पारित करे
(ब) वित्तीय आपातकाल में
(स) यदि राज्य विधानमंडल इस संदर्भ में कानून पारित करे
(द) किसी भी नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन, भत्ते, विशेषाधिकार, अवकाश एवं पेंशन समय–समय पर संसद द्वारा निर्धारित किये जाते हैं। वित्तीय आपातकाल के अतिरिक्त नियुक्ति के बाद इनमें कटौती नहीं की जा सकती है। भारतीय संविधान के भाग–18 में अनुच्छेद 352 से 360 तक में आपातकालीन प्रावधान निहित है।

2563. उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश की आयु के बारे में उत्पन्न किसी प्रश्न का विनिश्चय कौन करता है ?
(अ) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(ब) संबंधित राज्य का राज्यपाल
(स) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(द) सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से राष्ट्रपति
उत्तर : (द)
व्याख्या– उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश की आयु के बारे में उत्पन्न किसी प्रश्न का विनिश्चय सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से राष्ट्रपति करता है।

2564. उच्च न्यायालय की परमादेश जारी करने की शक्ति के अंतर्गत आते हैं–
(अ) संवैधानिक अधिकार (ब) सांविधिक अधिकार
(स) मौलिक अधिकार (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– उच्च न्यायालय की परमादेश जारी करने की शक्ति के अंतर्गत मौलिक अधिकार, संवैधानिक अधिकार व सांविधानिक अधिकार आते हैं।

2565. बम्बई उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत कौनसे राज्य/संघ शासित क्षेत्र आते हैं ?
1. महाराष्ट्र
2. गोवा
3. दादरा नागर हवेली
4. दमन व दीव
(अ) केवल 1 (ब) 1 एवं 2
(स) 1,3 एवं 4 (द) 1,2,3 एवं 4
उत्तर : (द)
व्याख्या– महाराष्ट्र के मुम्बई उच्च न्यायालय के कार्यक्षेत्र में महाराष्ट्र, गोवा, दादर और नगर हवेली तथा दमन आते हैं। इस न्यायालय की स्थापना 14 अगस्त, 1862 में हुई थी।

2566. भारत में चलित न्यायालय किसकी देन है ?
(अ) न्यायमूर्ति भगवती
(ब) राजीव गांधी
(स) डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
(द) श्रीमती प्रतिभा पाटिल
उत्तर : (स)
व्याख्या– चलित न्यायालय (Mobile Court) भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की देन है। इसकी शुरुआत वर्ष 2007 में हरियाणा राज्य से हुई थी।

2567. राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना किस वर्ष की गई ?
(अ) 1950 ई. (ब) 1956 ई.
(स) 1957 ई. (द) 1960 ई.
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 1950 ई. में राजस्थान उच्च न्यायालय की स्थापना जोधपुर मे की गई। इसकी मुख्यपीठ जोधपुर और खण्डपीठ जयपुर में है।

2568. एक उच्च न्यायालय का न्यायाधीश अपना त्यागपत्र संबोधित करता है–
(अ) राष्ट्रपति को
(ब) भारत के मुख्य न्यायाधीश को
(स) उसके राज्य के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को
(द) राज्य के राज्यपाल को
उत्तर : (अ) BPSC 2008
व्याख्या– उच्च न्यायालय का न्यायाधीश राष्ट्रपति को संबोधित करके अपना त्यागपत्र दे सकता है।

2569. भारत के कितने उच्च न्यायालयों की अधिकारिता में एक से अधिक राज्य है (संघ राज्य क्षेत्र शामिल नहीं) ?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 4 (द) 5
उत्तर : (ब) IAS 2008
व्याख्या– राज्य में न्यायपालिका के शीर्ष पर उच्च न्यायालय है। वर्तमान में भारत में कुल 25 उच्च न्यायालय है। गुवाहाटी उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार में असम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश व मिजोरम राज्य है। मुम्बई उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार में महाराष्ट्र, गोवा, दादर और नागर हवेली व दमन है। पंजाब उच्च न्यायालय पंजाब और हरियाणा का उच्च न्यायालय है। अतः कुल 3 उच्च न्यायालयों की अधिकारिता में एक से अधिक राज्य (संघ राज्य क्षेत्र शामिल नहीं)।

2570. विधि आयोग के किस अध्यक्ष से अपनी रिपोर्ट में समर्थन किया है कि–''प्रत्येक उच्च न्यायालय के एक–तिहाई न्यायाधीश दूसरे राज्य से होने चाहिए''?
(अ) न्यायाधीश पी.एन. भगवती
(ब) न्यायाधीश एम. हिदायतुल्लाह
(स) न्यायाधीश एच.आर. खन्ना
(द) न्यायाधीश वाई.के. चन्द्रचूड़
उत्तर : (स)
व्याख्या– 8वें विधि आयोग के अध्यक्ष न्यायाधीश एच.आर. खन्ना ने आयोग की रिपोर्ट में न्यायाधीशों की नियुक्ति के तरीके में उपबन्ध 5(VI) के अंतर्गत उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के सम्बन्ध में कहा कि किसी भी राज्य के उच्च न्यायालय के एक तिहाई न्यायाधीश दूसरे राज्य से होने चाहिए।

2571. 1862 ई. में किस उच्च न्यायालय की स्थापना की गई ?
(अ) कलकत्ता (ब) मुम्बई
(स) मद्रास (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)

व्याख्या– 1862 ई. में कलकत्ता, मुम्बई और मद्रास उच्च न्यायालयों की स्थापना की गई। कलकत्ता उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में पश्चिम बंगाल, अण्डमान और निकाबोर द्वीप समूह आता है। इसका मुख्य पीठ कोलकाता में है तथा दो खण्डपीठ पोर्ट ब्लेयर व जलापाईगुड़ी में है। मुम्बई उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में महाराष्ट्र, गोवा, दादर एवं नागर हवेली, दमन एवं दीव आते हैं। इसकी मुख्य पीठ मुम्बई में है तथा खण्डपीठ नागपुर, पणजी और औरंगाबाद में है। मद्रास उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में तमिलनाडु और पुदुचेरी आते हैं। इसकी मुख्य पीठ चेन्नई है तथा खण्डपीठ मदुरै में है।

2572. भारत में उच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश के पद पर आसीन सर्वप्रथम महिला न्यायाधीश कौन थी ?
(अ) एम. फातिमा बीबी (ब) रेवा क्षेत्रपाल
(स) लीला सेठ (द) कादम्बिनी गांगुली
उत्तर : (स)
व्याख्या– लीला सेठ भारत में उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश बनने वाली पहली महिला थीं। इन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय की पहली महिला न्यायाधीश बनने का श्रेय है। वे देश की पहली ऐसी महिला थीं, जिन्होंने लंदन बार परीक्षा में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

2573. संविधान के अनुच्छेद 226 के अंतर्गत उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया निर्देश परिवर्तित किया जा सकता है ?
(अ) राज्य के विधि मंत्री द्वारा
(ब) राज्य सरकार द्वारा
(स) राज्य के राज्यपाल द्वारा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 226 के अंतर्गत उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया निर्देश परिवर्तित नहीं किया जा सकता। भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत शक्ति के प्रयोग में उच्च न्यायालय किसी निविदा सूचना के नियम और शर्तों को शिथिल नहीं कर सकता। इस तरह की छूट देना भेदभावपूर्ण होगा, क्योंकि इसके बाद आवेदन करने के लिए अंतिम तिथि पर अयोग्य अन्य आवेदकों के लिए खुला होगा कि वो बाद में पात्रता हासिल कर सकते थे।

2574. 1948 ई. में किन दो उच्च न्यायालय की स्थापना की गई ?
(अ) ओड़िशा और गुवाहाटी
(ब) मध्यप्रदेश और केरल
(स) राजस्थान और दिल्ली
(द) हिमाचल प्रदेश और सिक्किम
उत्तर : (अ)
व्याख्या– वर्ष 1948 ई. में ओड़िशा उच्च न्यायालय की स्थापना कटक में की गई। वर्ष 1948 ई. में ही गुवाहाटी उच्च न्यायालय की स्थापना की गई। इस उच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में असम, नागालैंड, मिजोरम एवं अरुणाचल प्रदेश आते हैं। इस न्यायालय की मुख्यपीठ गुवाहाटी एवं खण्डपीठ कोहिमा, आइजोल और ईटानगर में है।

2575. 1957 ई. में स्थापित जम्मू–कश्मीर व लद्दाख उच्च न्यायालय की मुख्यपीठ कहाँ स्थित है ?
(अ) श्रीनगर में (ब) जम्मू में
(स) लेह में (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– वर्ष 1957 ई. में जम्मू–कश्मीर व लद्दाख उच्च न्यायालय की स्थापना की गई। इसकी मुख्य पीठ श्रीनगर में तथा खण्डपीठ जम्मू में है।

2576. 1956 ई. में किन दो उच्च न्यायालय की स्थापना की गई ?
(अ) ओड़िशा और गुवाहाटी
(ब) मध्यप्रदेश और केरल
(स) राजस्थान और दिल्ली
(द) हिमाचल प्रदेश और सिक्किम
उत्तर : (ब)
व्याख्या– वर्ष 1956 ई. में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की स्थापना की गई। इसकी मुख्यपीठ जबलपुर में तथा खण्डपीठ ग्वालियर और इंदौर में है। वर्ष 1956 ई. में ही केरल उच्च न्यायालय की स्थापना की गई। इस न्यायालय के अधिकार क्षेत्र में केरल और लक्षद्वीप आते हैं। यह उच्च न्यायालय एर्नाकुलम में स्थित है। केरल उच्च न्यायालय ने 1977 ई. में सबसे पहले बंद को असंवैधानिक घोषित किया था।

2577. वर्ष 2000 ई. में किन उच्च न्यायालयों की स्थापना की गई थी ?
(अ) छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड और झारखण्ड
(ब) मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा
(स) झारखण्ड, तेलंगाना और आन्ध्रप्रदेश
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– वर्ष 2000 ई. में छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड और झारखण्ड उच्च न्यायालयों की स्थापना हुई थी। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर में, उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय नैनीताल में तथा झारखण्ड उच्च न्यायालय राँची में स्थित है।

2578. गुजरात उच्च न्यायालय की स्थापना किस वर्ष की गई ?
(अ) 1950 ई. (ब) 1956 ई.
(स) 1957 ई. (द) 1960 ई.
उत्तर : (द)
व्याख्या– वर्ष 1960 ई. में गुजरात उच्च न्यायालय की स्थापना अहमदाबाद में की गई।

2579. 1966 ई. में किस न्यायालय की स्थापना की गई ?
(अ) दिल्ली (ब) पंजाब व हरियाणा
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) सिक्किम
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1966 ई. में दिल्ली उच्च न्यायालय की स्थापना के साथ ही पंजाब व हरियाणा उच्च न्यायालय की स्थापना की गई। पंजाब व हरियाणा का उच्च न्यायालय चण्डीगढ़ में स्थित है।

2580. हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय की स्थापना किस वर्ष की गई ?
(अ) 1950 ई. (ब) 1956 ई.
(स) 1971 ई. (द) 1960 ई.
उत्तर : (स)
व्याख्या– वर्ष 1971 ई. में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय की स्थापना शिमला में की गई थी।

2581. 1 जनवरी, 2019 ई. को किन उच्च न्यायालयों की स्थापना की गई थी ?
(अ) छत्तीसगढ़ और झारखण्ड
(ब) मेघालय और त्रिपुरा
(स) तेलंगाना और आन्ध्रप्रदेश
(द) मणिपुर और त्रिपुरा
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1 जनवरी, 2019 ई. को तेलंगाना और आन्ध्रप्रदेश उच्च न्यायालयों की स्थापना की गई थी। तेलंगाना उच्च न्यायालय हैदराबाद में तथा आन्ध्रप्रदेश उच्च न्यायालय अमरावती में स्थित है। जब आन्ध्रप्रदेश एवं तेलंगाना एक ही राज्य थे, तब इसका उच्च न्यायालय हैदराबाद में था, जिसकी स्थापना 1954 ई. में की गई थी।

2582. वर्ष 2013 ई. में किन उच्च न्यायालयों की स्थापना की गई थी ?
(अ) छत्तीसगढ़, उत्तराखण्ड और झारखण्ड
(ब) मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा
(स) झारखण्ड, तेलंगाना और आन्ध्रप्रदेश
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 25 मार्च, 2013 ई. को मेघालय उच्च न्यायालय की स्थापना शिलांग में की गई। इसी दिन 25 मार्च, 2013 ई. को मणिपुर उच्च न्यायालय की स्थापना इम्फाल में की गई। 26 मार्च, 2013 ई. को त्रिपुरा उच्च न्यायालय की स्थापना अगरतला में की गई।

2583. सिक्किम उच्च न्यायालय की स्थापना किस वर्ष की गई ?
(अ) 1950 ई. (ब) 1975 ई.
(स) 1971 ई. (द) 1960 ई.
उत्तर : (ब)
व्याख्या– वर्ष 1975 ई. में सिक्किम उच्च न्यायालय की स्थापना गंगटोक में की गई।

42.लोक अदालत, लोकपाल एवं लोकायुक्त

2584. कानूनी विवादों के मैत्रीपूर्ण समझौते के लिए वैधानिक मंच है–
(अ) लोक अदालत
(ब) उपभोक्ता संरक्षण न्यायालय
(स) केन्द्रीय प्रशासिनक अधिकरण
(द) जिला न्यायालय
उत्तर : (अ)
व्याख्या– लोक अदालत कानूनी विवादों के लिए वैधानिक मंच है। विधिक सेवा प्राधिकरण, 1987 (संशोधन 2002) द्वारा लोक उपयोगी सेवाओं के विवादों के संबंध में मुकदमेबाजी पूर्व सुलह और निर्धारण के लिए स्थायी लोक अदालतों की स्थापना के लिए प्रावधान करता है। ऐसे फौजदारी विवादों को छोड़कर जिनमें समझौता नहीं किया जा सकता, दीवानी, फौजदारी, राजस्व अदालतों में लंबित सभी कानूनी विवाद मैत्रीपूर्ण समझौते के लिए लोक अदालत में लाये जा सकते हैं। कानूनी विवादों को लोक अदालतें मुकदमा दायर होने से पूर्व भी अपने यहाँ स्वीकार कर सकती है। लोक अदालत के निर्णय अन्य किसी दीवानी न्यायालय के समान ही दोनों पक्षों पर लागू होते हैं। यह निर्णय अंतिम होते हैं। लोक अदालतों द्वारा दिये गये निर्णयों के विरुद्ध अपील नहीं की जा सकती। देश के लगभग सभी जिलों में स्थायी तथा सतत् लोक अदालते स्थापित की गई हैं। लोक अदालत में 5 लाख रुपये तक के दावे पर विचार कर सकती है।

2585. लोक अदालतों के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. एक लोक अदालत द्वारा किया गया अधिनिर्णय सिविल न्यायालय का आदेश (डिक्री) मान लिया जाता है और इसके विरुद्ध किसी न्यायालय में अपील नहीं होती।
2. विवाह–संबंधी/पारिवारिक विवाद लोक अदालत में सम्मिलित नहीं होते हैं।
उपरोक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(अ) केवल 1 (ब) केवल 2
(स) 1 और 2 दोनों (द) न तो 1 और न ही 2
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में लोक अदालतों की स्थापना उद्देश्य आपसी सहमति से विवादों को निपटाना है। लोक अदालत द्वारा किया गया अधिनिर्णय सिविल न्यायालय का आदेश (डिक्री) मान लिया जाता है। कोई भी विवाद पक्षकारों की सहमति से लोक अदालत में लाया जा सकता है। यदि लोक अदालत संतुष्ट हो जाती है कि संबंधित विषय लोक अदालत के अनुकूल है, तो मुकदमा चलाने हेतु स्वीकृति प्रदान की जाती है। विवाह–सम्बन्धी

या पारिवारिक विवाद लोक अदालत में सम्मिलित होते हैं।

2586. भारत में ओम्बड्समैन को क्या कहा जाता है ?
(अ) लोकपाल (ब) लोकायुक्त
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत में ओम्बड्समैन को लोकपाल तथा लोकायुक्त कहा जाता है। ब्रिटेन में ओम्बड्समैन कहा जाता है। ब्रिटेन में इसे संसदीय प्रशासन आयुक्त भी कहा जाता है तथा न्यूजीलैंड में इसे संसदीय जाँच आयुक्त कहा जाता है।

2587. निम्नलिखित में से किस एक के 'लोकपाल' के पद के सृजन की संस्तुति की ?
(अ) राष्ट्रीय पुलिस आयोग
(ब) राज्य पुनर्गठन आयोग
(स) प्रशासनिक सुधार आयोग
(द) अंतर राज्य परिषद
उत्तर : (स)
व्याख्या– 'लोकपाल' के पद के सृजन की संस्तुति प्रशासनिक सुधार अधिनियम के द्वारा की गई।

2588. लोकपाल बिल (लोकपाल व लोकायुक्त अधिनियम, 2013) भारत में कब से लागू हुआ था ?
(अ) 1 जनवरी, 2013 (ब) 1 जनवरी, 2014
(स) 16 जनवरी, 2014 (द) 16 जनवरी, 2013.
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकपाल बिल (लोकपाल तथा लोकायुक्त अधिनियम, 2013) भारत में 16 जनवरी, 2014 को लागू हुआ था।

2589. लोकपाल शब्द सर्वप्रथम किसने दिया ?
(अ) एन.ए. आयंगर (ब) मोरारजी देसाई
(स) एल.एम. सिंघवी (द) एन.के. जैन
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकपाल शब्द सर्वप्रथम एल.एम. सिंघवी ने दिया था।

2590. लोकपाल संस्था के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल होता है–
(अ) 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक
(ब) 7 वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक
(स) 5 वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक
(द) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकपाल संस्था के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष या 70 वर्ष की आयु तक होता है।

43.उपभोक्ता संरक्षण

2591. भारत सरकार ने उपभोक्ताओं के हितों के संरक्षण के लिए उपभोक्ता अधिनियम किस वर्ष पारित किया था ?
(अ) 1950 ई. (ब) 1956 ई.
(स) 1986 ई. (द) 1960 ई.
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत सरकार ने उपभोक्ताओ के हितों के संरक्षण के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 पारित किया।

2592. उपभोक्ता समस्याओं के निपटारे के लिए संस्था है–
(अ) जिला फोरम
(ब) राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग
(स) राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत सरकार द्वारा उपभोक्ता समस्याओं के हितों के संरक्षण के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 पारित किया गया है। उपभोक्ता समस्याओं के निपटारे के लिए जिला स्तर पर 'जिला फोरम', राज्य स्तर पर 'राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग' तथा राष्ट्रीय स्तर पर 'राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग' का गठन किया गया है।

2593. जिला फोरम कितनी राशि के मामलों की सुनवाई करता है ?
(अ) 20 लाख तक के मामलों की
(ब) 20 लाख से 1 करोड़ तक के मामलों की
(स) 1 करोड़ से अधिक के मामलों की
(द) 10 लाख तक के मामलों की
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत सरकार द्वारा उपभोक्ता समस्याओं के हितों के संरक्षण के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 पारित किया गया है। इस हेतु जिला स्तर पर 'जिला फोरम', राज्य स्तर पर 'राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग' तथा राष्ट्रीय स्तर पर 'राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग' का गठन किया गया है। जिला फोरम 20 लाख तक के मामलों की, राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग 20 लाख से एक करोड़ तक के मामलों की तथा राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग एक करोड़ से अधिक कीमत वाले मामलों की

2594. राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग कितनी राशि के मामलों की सुनवाई करता है ?
(अ) 20 लाख तक के मामलों की
(ब) 20 लाख से 1 करोड़ तक के मामलों की
(स) 1 करोड़ से अधिक के मामलों की
(द) 10 लाख तक के मामलों की
उत्तर : (स)

व्याख्या– भारत सरकार द्वारा उपभोक्ता समस्याओं के हितों के संरक्षण के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 पारित किया गया है। उपभोक्ता समस्याओं के निपटारे के लिए जिला स्तर पर 'जिला फोरम', राज्य स्तर पर 'राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग' तथा राष्ट्रीय स्तर पर 'राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग' का गठन किया गया है।जिला फोरम 20 लाख तक के मामलों की, राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग 20 लाख से एक करोड़ तक के मामलों की तथा राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग एक करोड़ से अधिक कीमत वाले मामलों की सुनवाई करता है।

2595. राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग कितनी राशि के मामलों की सुनवाई करता है ?
(अ) 20 लाख तक के मामलों की
(ब) 20 लाख से 1 करोड़ तक के मामलों की
(स) 1 करोड़ से अधिक के मामलों की
(द) 10 लाख तक के मामलों की
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत सरकार द्वारा उपभोक्ता समस्याओं के हितों के संरक्षण के लिए उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 पारित किया गया है। उपभोक्ता समस्याओं के निपटारे के लिए जिला स्तर पर 'जिला फोरम', राज्य स्तर पर 'राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग' तथा राष्ट्रीय स्तर पर 'राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग' का गठन किया गया है। जिला फोरम 20 लाख तक के मामलों की, राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग 20 लाख से एक करोड़ तक के मामलों की तथा राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग एक करोड़ से अधिक कीमत वाले मामलों की सुनवाई करता है।

44.केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (CAT)

2596. संविधान के किस अनुच्छेद के प्रावधानों के तहत केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण का गठन किया गया था ?
(अ) अनुच्छेद–323A (ब) अनुच्छेद–323B
(स) अनुच्छेद–323C (द) अनुच्छेद–324
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–323A के प्रावधानों से केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (CAT) का गठन 1985 में प्रशासनिक अधिकरण अधिनियम, 1985 के तहत किया गया। उस समय प्रधानमंत्री राजीव गाँधी थे। कैट के अध्यक्ष उच्च न्यायालय के वर्तमान अथवा सेवानिवृत्त न्यायाधीश होता है। अध्यक्ष के अलावा 16 उपाध्यक्ष एवं 49 सदस्य होते हैं। ये सदस्य न्यायिक एवं प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों से लिए जाते हैं।

2597. केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (CAT) का गठन किस अधिनियम के तहत किया गया ?
(अ) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986
(ब) प्रशासनिक अधिकरण अधिनियम, 1985
(स) विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनिम, 1987 ई. (संशोधन 2002 ई. में किया गया)
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–323A के प्रावधानों से केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (CAT) का गठन 1985 में प्रशासनिक अधिकरण अधिनियम, 1985 के तहत किया गया।

2598. केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (CAT) का उद्देश्य क्या है ?
(अ) न्यायिक प्रक्रिया को सरल बनाना
(ब) न्यायिक प्रक्रिया को शीघ्रता से निपटाना
(स) न्यायिक प्रक्रिया को कम पैसों में निपटाना
(द) न्यायिक प्रक्रिया को सरल बनाना जिससे कर्मचारियों के सेवा संबंध समस्याओं का कम पैसों से शीघ्रता से निपटाना
उत्तर : (द)
व्याख्या– केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (CAT) का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया को सरल बनाना, जिससे कर्मचारियों के सेवा संबंधी समस्याओं का कम पैसों से शीघ्रता से निपटाना है।

2599. केन्द्रीय प्रशासनिक ट्रिब्युनल की स्थापना कब हुई है ?
(अ) 04.04.1993 (ब) 22.07.1982
(स) 01.11.1985 (द) 10.11.1985
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्रीय प्रशासनिक ट्रिब्युनल (CAT) की स्थापना 1 नवम्बर, 1985 को हुई।

2600. केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) में किस प्रकार के मामलों को निपटाया जाता है ?
(अ) सशस्त्र बलों के कर्मचारियों के मामले
(ब) केवल सचिवालय/न्यायालयों में काम करने वाले कर्मचारियों के मामले
(स) सचिवालय/न्यायालय, आरपीएफ, सेवानिवृत्त सशस्त्र बल के कर्मचारियों के मामले और औद्योगिक संबंधों के मामले
(द) रेलवे सुरक्षा बल के कर्मचारियों के मामले
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) में सचिवालय/न्यायालय, आरपीएफ, सेवानिवृत्त सशस्त्र बल के कर्मचारियों के मामले और औद्योगिक संबंधों के मामले निपटाये जाते हैं।

2601. केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) की प्रधान पीठ में सदस्यों की संख्या कितनी है ?
(अ) 9 (ब) 11
(स) 15 (द) 6
उत्तर : (ब)
व्याख्या– केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) की प्रधान पीठ में सदस्यों की संख्या 11 है।

2602. केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के मसक्ष विवाद की तारीख से आवेदन करने की अवधि क्या है ?
(अ) 30 दिन (ब) 1 वर्ष
(स) 120 दिन (द) 90 दिन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के समक्ष विवाद की तारीख से आवेदन करने की अवधि 1 वर्ष है।

2603. केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के समक्ष आवेदन करने के लिए कितनी फीस का भुगतान किया जाता है ?
(अ) 500 रूपये (ब) 1000 रूपये
(स) 50 रूपये (द) 100 रूपये
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के समक्ष आवेदन करने के लिए 50 रूपये की फीस का भुगतान किया जाता है।

2604. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (CAT) लालबहादुर शास्त्री के प्रधानमंत्री रहने के काल में गठित हुआ था।
2. CAT के सदस्य न्यायिक तथ प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों से लिये जाते हैं।
उपरोक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(अ) केवल 1 (ब) केवल 2
(स) 1 और 2 दोनों (द) न तो 1 और न ही 2
उत्तर : (ब)
व्याख्या– केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (CAT) की स्थापना प्रशासनिक अधिकरण अधिनियम, 1985 के अन्तर्गत जुलाई, 1985 में प्रधानमंत्री राजीव गांधी के प्रधानमंत्रित्वकाल में हुई थी। केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (Central Administrative Tribunal-CAT) के सदस्य न्यायिक एवं प्रशासनिक दोनों क्षेत्रों से आते हैं।

2605. केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के समक्ष की जाने वाली प्रतियों की संख्या कितनी है ?
(अ) 5 पूर्ण सेट (ब) 3 पूर्ण सेट
(स) 7 पूर्ण सेट (द) 6 पूर्ण सेट
उत्तर : (द)
व्याख्या– केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के समक्ष की जाने वाली प्रतियों की संख्या 6 पूर्ण सेट होती है।

2606. केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष की सेवानिवृत्ति आयु क्या है ?
(अ) 60 वर्ष (ब) 62 वर्ष
(स) 58 वर्ष (द) 65 वर्ष
उत्तर : (द)
व्याख्या– केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) में नियुक्त अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष है।

2607. केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) की प्रधान पीठ कहाँ स्थित है ?
(अ) चेन्नई (ब) मुम्बई
(स) नई दिल्ली (द) कोलकाता
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) की प्रधान पीठ नई दिल्ली में स्थित है।

2608. केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के आदेशों के खिलाफ विशेष अवकाश याचिका किस अदालत के समक्ष दायर की जा सकती है ?
(अ) केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण की प्रधान पीठ
(ब) जिला अदालत
(स) उच्च न्यायालय
(द) उच्चतम न्यायालय
उत्तर : (ब)
व्याख्या– केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के आदेशों के खिलाफ विशेष अवकाश याचिका किस अदालत के समक्ष दायर की जा सकती है।

2609. केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) द्वारा प्रारंभिक चरण में दिए जाने वाली अंतरित राहत की अवधि क्या है ?
(अ) 30 दिन (ब) 14 दिन
(स) 6 महीने (द) 1 वर्ष
उत्तर : (ब)

व्याख्या– केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) द्वारा प्रारंभिक चरण में दिए जाने वाली अंतरित राहत की अवधि 14 दिन होती है।

2610. केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के आदेशों की अनुपालना की अवधि क्या है, यदि ऐसे आदेशों के विरुद्ध कोई अपील नहीं की जाती है ?
(अ) 30 दिन (ब) 180 दिन
(स) 90 दिन (द) 120 दिन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के आदेशों, यदि ऐसे आदेशों के विरुद्ध कोई अपील नहीं की जाती है, की अनुपालना की अवधि 180 दिन होती है।

2611. केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के समक्ष समीक्षा याचिका दायर करने की अवधि क्या है ?
(अ) 30 दिन से पहले (ब) 60 दिन से पहले
(स) 90 दिन से पहले (द) 120 दिन से पहले
उत्तर : (अ)
व्याख्या– केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (CAT) के समक्ष समीक्षा याचिका 30 दिन से पहले दायर की जा सकती है।

2612. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद के तहत केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण के आदेश के खिलाफ विशेष अवकाश याचिका दायर की जा सकती है ?
(अ) अनुच्छेद 226 (ब) अनुच्छेद 136
(स) अनुच्छेद 14 (द) अनुच्छेद 16
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत के संविधान के अनुच्छेद 136 के तहत केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण के आदेश के खिलाफ विशेष अवकाश याचिका दायर की जा सकती है।

2613. सभी केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरणों में अध्यक्ष सहित सदस्यों की कुल संख्या क्या है ?
(अ) 48 (ब) 90
(स) 66 (द) 70
उत्तर : (स)
व्याख्या– सभी केन्द्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरणों में अध्यक्ष सहित सदस्यों की कुल संख्या 66 होती है।

45.भारत निर्वाचन आयोग

2614. तारकुंड समिति तथा गोस्वामी समिति का संबंध है–
(अ) चुनाव व्यवस्था में आमूल सुधार से
(ब) चुनाव में अपराधी तत्वों की वृद्धि पर प्रतिबन्ध
(स) राज्य द्वारा निर्वाचन के लिए वित्तीय सहायता
(द) चुनाव में काला धन के बढ़ते प्रभाव पर रोक
उत्तर : (अ)
व्याख्या– तारकुंडे समिति तथा गोस्वामी समिति का संबंध चुनाव व्यवस्था में आमूल सुधार से संबंधित है।

2615. वर्ष 1952 भारतीय इतिहास में क्यों महत्वपूर्ण है ?
(अ) राज्य पुनर्गठन अधिनियम पारित हुआ था
(ब) हरियाणा राज्य विभाजित हुआ था
(स) भारत में प्रथम सरकारी जनगणना हुई थी
(द) लोकसभा का प्रथम आम निर्वाचन हुआ था
उत्तर : (द)
व्याख्या– वर्ष 1952 में लोकसभा का प्रथम आम चुनाव हुआ था। इसके बाद देश को अपनी पहली लोक सभा मिली। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 364 सीटों के साथ जीत हासिल करके सत्ता में पहुँची। इसके साथ ही जवाहर लाल नेहरू भारत के पहले प्रधानमंत्री बने।

2616. भारत की निर्वाचन पद्धति निम्न में से किस देश की निर्वाचन पद्धति के अनुरूप है ?
(अ) रूस (ब) अमेरिका
(स) ब्रिटेन (द) फ्रांस
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत की निर्वाचन पद्धति ब्रिटेन की निर्वाचन पद्धति के अनुरूप है।

2617. प्रत्यक्ष निर्वाचन किसे कहते हैं ?
(अ) निर्वाचक मंडल द्वारा प्रतिनिधि चुनना
(ब) अभिजात वर्ग द्वारा प्रतिनिधि चुनना
(स) जनता द्वारा प्रतिनिधि चुनना
(द) इनमें में कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– यदि जनता अपने प्रतिनिधियों का निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से करें, तो उसे प्रत्यक्ष निर्वाचन कहा जाता है। इसके अंतर्गत प्रत्येक मतदाता निर्वाचन स्थान पर विभिन्न उम्मीदवारों में से एक उम्मीदवार के पक्ष में मतदान करता है और उसे विजयी घोषित कर दिया जाता है। हमारे देश में लोकसभा तथा राज्यों की विधानसभाओं के सदस्यों का निर्वाचन इसी प्रणाली द्वारा होता है।

2618. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में निर्वाचन आयोग के लिए प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद 320 (ब) अनुच्छेद 324
(स) अनुच्छेद 322 (द) अनुच्छेद 326
उत्तर : (ब)

व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324 में भारत निर्वाचन आयोग के लिए प्रावधान है। संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार संसद और प्रत्येक राज्य के विधानमंडल के लिए कराये जाने वाले सभी निर्वाचनों तथा राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति पद हेतु निर्वाचन के लिए निर्वाचक नामावली तैयार कराने तथा सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के संचालन का अधीक्षण, निर्देशन व नियंत्रण हेतु एक निर्वाचन आयोग होगा।

2619. रिटर्निंग अधिकारी कौन होता है ?
(अ) वह अधिकारी जो भूमि को दिए जाने के अस्वीकृत प्रार्थना पत्र को वापस करता है
(ब) वह अधिकारी जिसे अपने मूल विभाग में वापस भेजा जाता है
(स) वह अधिकारी जो राज्य विधानसभा सचिवालय का प्रधान होता है
(द) वह अधिकारी जो किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव के लिए उत्तरदायी होता है और परिणाम की घोषणा करता है
उत्तर : (द)
व्याख्या– रिटर्निंग अधिकरी वह अधिकारी होता है जो किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव के लिए उत्तरदायी होता है और परिणाम की घोषणा करता है।

2620. भारत में निर्वाचन सूची तैयार करने की जिम्मेदारी किसकी है ?
(अ) निर्वाचन आयोग (ब) निर्वाचन अधिकारी
(स) संसद (द) स्थानीय प्रशासन
उत्तर : (अ) SSC 2013
व्याख्या– निर्वाचन आयोग के द्वारा लोकसभा या विधानसभा के प्रत्येक निर्वाचन या मध्यावधि निर्वाचन के पूर्व मतदाता सूचियाँ तैयार करवाई जाती है और इस कार्य के सम्पन्न होने पर ही निर्वाचन होते हैं।

2621. भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) संसद (ब) प्रधानमंत्री
(स) राष्ट्रपति (द) उपराष्ट्रपति
उत्तर : (स)
व्याख्या– मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति भारत का राष्ट्रपति करता है। मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल 6 वर्ष या आयु 65 साल, जो भी पहले हो, का होता है जबकि अन्य चुनाव आयुक्तों का कार्यकाल 6 वर्ष या आयु 62 साल, जो पहले हो, का होता है। चुनाव आयुक्त का वेतन, भत्ते भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान होता है। मुख्य चुनाव आयुक्त को संसद द्वारा महाभियोग के जरिए ही हटाया जा सकता है। भारत निर्वाचन आयोग के पास लोकसभा, विधानसभा, राज्यसभा और राष्ट्रपति आदि चुनाव से संबंधित सत्ता होती है जबकि ग्राम पंचायत, नगरपालिका, महानगर परिषद् और तहसील एवं जिला परिषद् के चुनाव की सत्ता संबंधित राज्य के निर्वाचन आयोग के पास होती है।

2622. निर्वाचन आयोग, सर्वोच्च न्यायालय, संघ लोक सेवा आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यालय जैसी संस्थाओं में कौनसा एक लक्षण समान है ?
(अ) वे परामर्शदात्री संस्थाएँ हैं
(ब) वे संविधानेत्तर संस्थाएँ हैं
(स) वे विधानमंडलों द्वारा नियंत्रित है
(द) वे संवैधानिक संस्थाएँ हैं
उत्तर : (द) SSC 1999
व्याख्या– निर्वाचन आयोग, सर्वोच्च न्यायालय, संघ लोक सेवा आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यालय जैसी संस्थाओं में संवैधानिक संस्थाएं एक लक्षण समान है।

2623. निर्वाचन आयोग का चेयरमैन कौन होता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री
(द) मुख्य निर्वाचन आयुक्त
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत निर्वाचन आयोग एक स्वायत्त एवं अर्ध–न्यायिक संस्थान है जिसका गठन भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से भारत के विभिन्न प्रतिनिधि संस्थानों में प्रतिनिधि चुनने के लिए किया गया था। निर्वाचन आयोग का चैयरमैन मुख्य निर्वाचन आयुक्त होता है। भारतीय चुनाव आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को की गयी थी।

2624. निर्वाचन आयोग का प्रमुख होता है–
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) मुख्य निर्वाचन आयुक्त
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत निर्वाचन आयोग एक स्वायत्त एवं अर्ध–न्यायिक संस्थान है, जिसका गठन भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से भारत के विभिन्न प्रतिनिधि संस्थानों में प्रतिनिधि चुनने के लिए किया गया था। निर्वाचन आयोग का चैयरमैन मुख्य निर्वाचन आयुक्त होता है। भारतीय चुनाव आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को की गयी थी।

2625. परिसीमन आयोग का अध्यक्ष होता है–
(अ) राष्ट्रपति (ब) गृहमंत्री
(स) मुख्य चुनाव आयुक्त (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (स)
व्याख्या– मुख्य निर्वाचन आयुक्त परिसीमन आयोग का अध्यक्ष होता है और इसके अतिरिक्त दो सदस्य उच्चतम न्यायालय अथवा उच्च न्यायालयों के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश होते हैं। आयोग की

सहायता के लिए प्रत्येक राज्य से 2 से लेकर 7 तक सहायक सदस्यों का प्रावधान है।

2626. संविधान लागू होने के बाद राष्ट्रपति ने पहली बार कब दो व्यक्तियों को मुख्य निर्वाचन आयुक्त की सहायता के लिए निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्त किया ?
(अ) 1986 ई. (ब) 1987 ई.
(स) 1988 ई. (द) 1989 ई.
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान लागू होने के बाद राष्ट्रपति ने पहली बार 1989 ई. में दो व्यक्तियों को मुख्य निर्वाचन आयुक्त की सहायता के लिए निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्त किया।

2627. निर्वाचन आयोग की सहायता के लिए लोकसभा या राज्य विधान मंडल के साधारण निर्वाचन के पहले प्रादेशिक निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति करने का अधिकार किसे प्राप्त है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) संसद
(स) राज्यपाल (द) मुख्य निर्वाचन आयुक्त
उत्तर : (अ)
व्याख्या– निर्वाचन आयोग की सहायता के लिए लोकसभा या राज्य विधान मंडल के साधारण निर्वाचन के पहले प्रादेशिक निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति करने का अधिकार राष्ट्रपति को प्राप्त है।

2628. संसद द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त तथा अन्य निर्वाचन आयुक्तों की सेवा शर्तों से संबंधित अधिनियम कब पारित हुआ ?
(अ) 1990 ई. (ब) 1911 ई.
(स) 1992 ई. (द) 1994 ई.
उत्तर : (द)
व्याख्या– संसद द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त तथा अन्य निर्वाचन आयुक्तों की सेवा शर्तों से संबंधित अधिनियम 1994 ई. में पारित हुआ।

2629. भारत के विभिन्न राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय या क्षेत्रीय दल का दर्जा देने का अधिकार किसको है ?
(अ) संसद (ब) राष्ट्रपति
(स) चुनाव आयोग (द) सर्वोच्च न्यायालय
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के विभिन्न राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय या क्षेत्रीय दल का दर्जा देने का अधिकार चुनाव आयोग को है। इसके लिए वह कुछ मानदंड घोषित करता है।

2630. निम्नलिखित में से कौन मतदाता सूची को अद्यतन बनाकर तैयार रखता है ?
(अ) प्रत्येक राज्य का विधानमंडल
(ब) गृह मंत्रालय
(स) संसदीय सचिवालय
(द) निर्वाचन आयोग
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत निर्वाचन आयोग एक स्वायत्त एवं अर्ध–न्यायिक संस्था है, जिसका गठन भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से भारत के विभिन्न प्रतिनिधिक संस्थानों में प्रतिनिधि चुनने के लिए किया गया था। निर्वाचन आयोग के चेयरमैन मुख्य निर्वाचन आयुक्त होता है। भारतीय चुनाव आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को की गयी थी। निर्वाचन आयोग मतदाता सूची को अद्यतन बनाकर तैयार रखता है।

2631. निर्वाचन आयोग निम्न में से किन निर्वाचनों के लिए अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण का कार्य करती है ?
(अ) राष्ट्रपति का चुनाव
(ब) उपराष्ट्रपति का चुनाव
(स) लोकसभा का चुनाव
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार संसद और प्रत्येक राज्य के विधानमंडल के लिए कराये जाने वाले सभी निर्वाचनों तथा राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति पद हेतु निर्वाचन के लिए निर्वाचक नामावली तैयार कराने तथा सम्पूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया के संचालन का अधीक्षण, निर्देशन व नियंत्रण हेतु एक निर्वाचन आयोग होगा।

2632. भारत में मतदान की आयु सीमा को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कब की गयी ?
(अ) 1988 ई. (ब) 1989 ई.
(स) 1990 ई. (द) 1991 ई.
उत्तर : (ब) SSC 2000
व्याख्या– अनुच्छेद–325 के अनुसार प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक साधारण मतदाता सूची होती है। इसमें सांप्रदायिक, पृथक् अथवा विशेष प्रतिनिधित्व के लिए कोई प्रावधान नहीं है। अनुच्छेद–326 के अनुसार निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होता है जिसके लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष निश्चित की गई है। संविधान के 61वें संशोधन अधिनियम, 1989 द्वारा 21 वर्ष की आयु सीमा को घटाकर 18 वर्ष कर दिया गया।

2633. मध्यावधि चुनाव कब कराया जाता है ?
(अ) समय के पूर्ण होने से पहले ही जब लोकसभा भंग हो जाए
(ब) जब कोई निश्चित सदस्य अपना पद त्याग देता है
(स) मतदान के समय जब कोई अंतर न हो
(द) जब कभी मंत्रीगण किसी पार्टी से अपना त्यागपत्र देते हैं
उत्तर : (अ) SSC 2000
व्याख्या– जब कभी मंत्रीगण किसी पार्टी से त्यागपत्र देते हैं अथवा समय से पहले ही जब

लोकसभा भंग हो जाने की स्थिति में मध्यावधि चुनाव होता है।

2634. भारत में प्रथम आम चुनाव किस वर्ष किये गये थे ?
(अ) 1947 (ब) 1950
(स) 1952 (द) 1956
उत्तर : (स) RRB 2002, SSC 2001
व्याख्या– स्वतंत्रता के बाद प्रथम आम चुनाव वर्ष 1952 में कराए गए जिसमें भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सरकार बनी।

2635. उपचुनाव कराया जाता है–
(अ) 2 वर्ष बाद (ब) 3 वर्ष बाद
(स) 5 वर्ष बाद (द) कभी भी
उत्तर : (द)
व्याख्या– उपचुनाव मुख्य चुनाव के बाद होने वाले चुनाव है जो मुख्य चुनाव न हो पाने की स्थिति में करवाया जाता है। अधिकतर मामलों में ये चुनाव अवलंबी के मरने या इस्तीफा देने के बाद होते हैं, लेकिन ये तब भी होते हैं जब पद पर बने रहने के लिए अवलंबी अपात्र हो जाता है।

2636. भारत में पहली बार महिलाओं को मताधिकार कब प्राप्त हुआ ?
(अ) 1920 ई. (ब) 1926 ई.
(स) 1933 ई. (द) 1936 ई.
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत में पहली बार महिलाओं को मताधिकार 1926 ई. में प्राप्त हुआ।

2637. पार्लियामेंट द्वारा दिसम्बर 1989 में निर्मित कानून के अनुसार एक नागरिक के वयस्क होने की कानूनी आयु है–
(अ) 23 वर्ष (ब) 22 वर्ष
(स) 20 वर्ष (द) 18 वर्ष
उत्तर : (द)
व्याख्या– अनुच्छेद 325 के अनुसार प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक साधारण मतदाता सूची होती है। इसमें सांप्रदायिक, पृथक् अथवा विशेष प्रतिनिधित्व के लिए कोई प्रावधान नहीं है। अनुच्छेद–326 के अनुसार निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होता है जिसके लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष निश्चित की गई है। संविधान के 61वें संशोधन अधिनियम, 1989 द्वारा 21 वर्ष की आयु सीमा को घटाकर 18 वर्ष कर दिया गया।

2638. मत देने का अधिकार किस आयु पर मिलता है ?
(अ) 18 वर्ष (ब) 21 वर्ष
(स) 19 वर्ष (द) 20 वर्ष
उत्तर : (अ) SSC 2013
व्याख्या– अनुच्छेद–325 के अनुसार प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के लिए एक साधारण मतदाता सूची होती है। इसमें सांप्रदायिक, पृथक् अथवा विशेष प्रतिनिधित्व के लिए कोई प्रावधान नहीं है। अनुच्छेद–326 के अनुसार निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होता है, जिसके लिए न्यूनतम आयु 18 वर्ष निश्चित की गई है। संविधान के 61वें संशोधन अधिनियम, 1989 द्वारा 21 वर्ष की आयु सीमा को घटाकर 18 वर्ष कर दिया गया।

2639. भारत का प्रथम मुख्य चुनाव आयुक्त कौन था ?
(अ) जी.वी. मावलंकर (ब) टी. स्वामीनाथन
(स) के.वी.के. सुन्दरम (द) सुकुमार सेन
उत्तर : (द) SSC 2013
व्याख्या– भारत के प्रथम मुख्य निर्वाचन आयुक्त सुकुमार सेन थे। इनका कार्यकाल 21 मार्च, 1950 से 19 दिसम्बर, 1958 तक था।

2640. चुनाव के समय किसी चुनाव क्षेत्र में चुनाव प्रचार कब बंद करना होता है ?
(अ) मतदान प्रारम्भ होने से 24 घंटे पहले
(ब) मतदान समाप्त होने से 24 घंटे पहले
(स) मतदान प्रारम्भ होने से 48 घंटे पहले
(द) मतदान समाप्त होने से 48 घंटे पहले
उत्तर : (द)
व्याख्या– किसी भी पार्टी को चुनाव प्रचार के लिए सरकारी संसाधनों को उपयोग करने की अनुमति नहीं होती है। आचार संहिता के नियमों के अनुसार मतदान के दिन से 48 घंटे पहले चुनाव प्रचार बंद कर दिया जाना चाहिए। भारतीय राज्यों के लिए चुनाव से पहले की गतिविधियाँ अत्यंत आवश्यक होती हैं।

2641. एक व्यक्ति–
(अ) एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव नहीं लड़ सकता है
(ब) दो से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव नहीं लड़ सकता है
(स) तीन से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव नहीं लड़ सकता है
(द) चार से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव नहीं लड़ सकता है
उत्तर : (ब)
व्याख्या– एक व्यक्ति दो से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव नहीं लड़ सकता है।

2642. किसी निर्वाचन के दौरान किसी राजनीतिक दल के उम्मीदवार की मृत्यु हो जाने की स्थिति में कितने दिनों के अंदर दूसरा प्रत्याशी खड़ा करना पड़ता है ?
(अ) 15 (ब) 10
(स) 7 (द) 30
उत्तर : (स)
व्याख्या– किसी चुनाव के दौरान किसी राजनीतिक दल के उम्मीदवार की मृत्यु हो जाने की स्थिति में सात दिनों के अंदर दूसरा प्रत्याशी खड़ा करना पड़ता है।

2643. मुख्य निर्वाचन आयुक्त की पदावधि होती है–
(अ) 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(ब) 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(स) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(द) 6 वर्ष या 60 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति भारत का राष्ट्रपति करता है। मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल 6 वर्ष या आयु 65 साल, जो भी पहले हो, का होता है जबकि अन्य चुनाव आयुक्तों का कार्यकाल 6 वर्ष या आयु 62 साल, जो पहले हो, का होता है। चुनाव आयुक्त का वेतन, भत्ते, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान होता है। मुख्य चुनाव आयुक्त को संसद द्वारा महाभियोग के जरिए ही हटाया जा सकता है। भारत निर्वाचन आयोग के पास लोकसभा, विधानसभा, राज्यसभा और राष्ट्रपति आदि चुनाव से संबंधित सत्ता होती है, जबकि ग्राम पंचायत, नगरपालिका, महानगर परिषद् और तहसील एवं जिला परिषद् के चुनाव की सत्ता संबंधित राज्य के निर्वाचन आयोग के पास होती है।

2644. अन्य निर्वाचन आयुक्त की पदावधि होती है–
(अ) 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(ब) 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(स) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(द) 6 वर्ष या 60 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति भारत का राष्ट्रपति करता है। मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल 6 वर्ष या आयु 65 साल, जो भी पहले हो, का होता है जबकि अन्य चुनाव आयुक्तों का कार्यकाल 6 वर्ष या आयु 62 साल, जो पहले हो, का होता है। चुनाव आयुक्त का वेतन, भत्ते, भारत के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान होता है। मुख्य चुनाव आयुक्त को संसद द्वारा महाभियोग के जरिए ही हटाया जा सकता है। भारत निर्वाचन आयोग के पास लोकसभा, विधानसभा, राज्यसभा और राष्ट्रपति आदि चुनाव से संबंधित सत्ता होती है, जबकि ग्राम पंचायत, नगरपालिका, महानगर परिषद् और तहसील एवं जिला परिषद् के चुनाव की सत्ता संबंधित राज्य के निर्वाचन आयोग के पास होती है।

2645. अन्य निर्वाचन आयुक्त अपना त्यागपत्र देते हैं–
(अ) राष्ट्रपति को
(ब) प्रधानमंत्री को
(स) उपराष्ट्रपति को
(द) मुख्य निर्वाचन आयुक्त को
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को देते हैं।

2646. निर्वाचन आयुक्त की सेवा शर्तें तथा कार्यकाल निश्चित करना है–
(अ) संविधान (ब) संसद
(स) राष्ट्रपति (द) सरकार
उत्तर : (ब) RRB 2008
व्याख्या– संसद द्वारा बनाए गये कानून के अंतर्गत निर्वाचन आयुक्तों की सेवा की शर्तें तथा कार्यकाल आदि राष्ट्रपति नियम द्वारा निर्धारित करता है। अक्टूबर 1993 से मुख्य निर्वाचन आयुक्त तथा अन्य निर्वाचन आयुक्तों को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के बराबर वेतन तथा भत्ते प्राप्त होंगे। इन निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति के बाद उनके कार्यकाल, वेतन तथ अन्य सेवा शर्तों में उनके हितों के विरुद्ध कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकेगा।

2647. चुनाव आयोग के निम्नलिखित कार्यों पर विचार कीजिए–
1. स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनावों का अधीक्षण, निर्देशन तथा संचालन
2. सांसद, राज्यों की विधायिकाओं, राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के चुनावों की निर्वाचक नामावली तैयार करना।
3. चुनाव लड़ने वाले व्यक्तियों तथा राजनीतिक दलों को चुनाव चिन्ह देना तथा राजनीतिक दलों को मान्यता देना।
4. चुनाव विवादों में अंतिम निर्णय की उद्घोषणा।
सही उत्तर का चयन कीजिए–
(अ) 1,2 और 3 (ब) 2,3 और 4.
(स) 1 और 3 (द) 1,2 और 4
उत्तर : (अ) IAS 2004
व्याख्या– स्वतंत्र तथा निष्पक्ष चुनावों का अधीक्षण, निर्देशन तथा संचालन। सांसद, राज्यों की विधायिकाओं, राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति के चुनावों की निर्वाचक नामावली तैयार करना तथा चुनाव लड़ने वाले व्यक्तियों तथा राजनीतिक दलों को चुनाव चिन्ह देना तथा राजनीतिक दलों को मान्यता देना चुनाव आयोग के कार्य हैं।

2648. दिनेश गोस्वामी समिति ने सिफारिश की थी–
(अ) राज्यस्तरीय निर्वाचन आयोग के गठन की
(ब) लोक सीमा के चुनाव के लिए सूची पद्धति की
(स) लोक सभा के चुनाव के सरकारी निधीयन की
(द) लोक सभा के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशियों की अभ्यर्थता पर प्रतिबंध की
उत्तर : (स) IAS 1997
व्याख्या– गोस्वामी समिति का गठन वर्ष 1990 में किया गया था। इस समिति ने भारत में हाने वाले चुनावों के सम्बन्ध में कई महत्वपूर्ण सुझाव तथा सिफारिशें पेश की। समिति की सबसे प्रमुख सिफारिश यह थी कि किसी भी व्यक्ति को दो से

अधिक निर्वाचन क्षेत्रों पर चुनाव लड़ने की अनुमति न दी जाए तथा निर्दलीय उम्मीदवारों की जमानत राशि बढ़ायी जानी चाहिए। ऐसे सभी उम्मीदवारों की जमानत राशि जब्त की जानी चाहिए, जो एक चौथाई मत प्राप्त नहीं कर सके हों।

2649. दिनेश गोस्वामी समिति का संबंध था–
(अ) बैंकों में राष्ट्रीयकरण की समाप्ति से
(ब) निर्वाचन सुधारों से
(स) पूर्वोत्तर में उपद्रव समाप्त करने के उपायों से
(द) चकम समस्या से
उत्तर : (ब) IAS 1995
व्याख्या– गोस्वामी समिति का गठन वर्ष 1990 में किया गया था। इस समिति ने भारत में हाने वाले चुनावों के सम्बन्ध में कई महत्वपूर्ण सुझाव तथा सिफारिशें पेश की। समिति की सबसे प्रमुख सिफारिश यह थी कि किसी भी व्यक्ति को दो से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों पर चुनाव लड़ने की अनुमति न दी जाए तथा निर्दलीय उम्मीदवारों की जमानत राशि बढ़ायी जानी चाहिए। ऐसे सभी उम्मीदवारों की जमानत राशि जब्त की जानी चाहिए, जो एक चौथाई मत प्राप्त नहीं किये हो।

2650. मुख्य निर्वाचन आयुक्त के संबंध में क्या सही है ?
1. इसकी नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।
2. इन्हें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की भांति पदच्युत किया जा सकता है।
3. वह राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, संसद व विधानमंडल सदस्यों का चुनाव करता है।
4. इसका कार्यकाल 5 वर्ष का होता है।
निम्न कूटों से उत्तर दीजिए
(अ) 1,2,3 एवं 4 सही है
(ब) 1,2 एवं 3 सही है.
(स) 1
(द) 1,2 एवं 4 सही है
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है। इन्हें सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की भांति पदच्युत किया जा सकता है। वह राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, संसद व विधानमंडल सदस्यों का चुनाव करता है। इनका कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु पूर्ण हो, दोनों में से जो भी पहले हो, सेवानिवृत्त हो जाता है।

2651. निम्न में से किसका सम्बन्ध चुनाव आयोग से नहीं है ?
(अ) चुनाव की अधिसूचना जारी करना
(ब) चुनाव चिन्ह का बँटवारा करना
(स) चुनाव की वैधता का निपटारा करना
(द) चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करना
उत्तर : (स) UPPCS 1999
व्याख्या– चुनाव की अधिसूचना राष्ट्रपति लोकसभा के लिए तथा राज्यपाल राज्य विधानसभा के लिए जारी करता है। चुनाव चिन्ह का बंटवारा, चुनाव संबंधी समस्याएं तथा चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराना चुनाव आयोग का कार्य है।

2652. मुख्य चुनाव आयुक्त को पदच्युत किया जा सकता है–
(अ) मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय द्वारा
(ब) राष्ट्रपति द्वारा
(स) मंत्रिमंडल के प्रस्ताव द्वारा
(द) संसद के दोनों सदनों के सदस्यों के दो तिहाई बहुमत से प्रमाणित कदाचार के आधार पर
उत्तर : (द) IAS 1986
व्याख्या– मुख्य चुनाव आयुक्त को संसद के दोनों सदनों के सदस्यों के दो तिहाई बहुमत से प्रमाणित कदाचार के आधार पर पदच्युत किया जा सकता है।

2653. निम्नलिखित में से कौनसा आयोग भारत के संविधान के एक अनुच्छेद के अंतर्गत सुस्पष्ट उपबन्ध के पालन में गठित हुआ ?
(अ) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
(ब) राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग
(स) निर्वाचन आयोग
(द) केन्द्रीय सतर्कता आयोग
उत्तर : (स) IAS 2006
व्याख्या– भारत का निर्वाचन आयोग एक स्थायी संवैधानिक संस्था है। इसका गठन 25 जनवरी, 1950 ई. को किया गया था। संविधान के भाग–15 के अनुच्छेद–324 से 329 तक निर्वाचन से संबंधित उपबंध किया गया है।

2654. लोकसभा अथवा विधान सभा के किसी चुनाव में प्रत्याशी की जमानत राशि कब जब्त कर ली जाती है ?
(अ) जब वह चुनाव जीतने में असफल हो जाता है
(ब) जब वह कुछ मतदान के 1/4 मत भी प्राप्त नहीं कर पाता
(स) जब वह कुछ मतदान के 1/5 मत भी प्राप्त नहीं कर पाता
(द) जब वह कुछ मतदान के 1/6 मत भी प्राप्त नहीं कर सकता
उत्तर : (द)
व्याख्या– लोकसभा या राज्य विधानसभा में जब कोई प्रत्याशी कुल वैध मतों के 1/6 मत से कम प्राप्त करता है, तो प्रत्याशी की जमानत राशि जब्त कर ली जाती है।

2655. निम्नलिखित में से कौनसा काम निर्वाचन आयोग का नहीं है ?
(अ) चिन्हों का आवंटन
(ब) निर्वाचन तारीखें तय करना
(स) चुनाव की निष्पक्षता बनाये रखना
(द) चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन करना
उत्तर : (द) SSC 2013

व्याख्या– निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक निकाय है। संविधान के अनुच्छेद 324 के अनुसार संसद, राज्यविधानमंडल, राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति के पदो के निर्वाचन के लिए संचालन, निर्देशन व नियंत्रण की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की है। चुनाव चिन्हों का आवंटन, निर्वाचन तारीखें तय करना तथा चुनाव की निष्पक्षता बनाए रखना, निर्वाचन के समय दलों व उम्मीदवारों के लिए आचार संहिता निर्मित करना आदि निर्वाचन आयोग के कार्य हैं। चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन करना इसका कार्य नहीं है।

2656. मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति तथा उसकी पदच्युत करने का अधिकार निम्नलिखित में से किसको है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) मुख्य न्यायाधीश
(स) राष्ट्रपति (द) संसद
उत्तर : (स)
व्याख्या– मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति तथा उसको पदच्युत करने का अधिकार राष्ट्रपति को है।

2657. कथन (A) : मुख्य चुनाव आयुक्त को संवैधानिक प्रस्तावों के बिना नहीं हटाया जा सकता है।
कारण (R) : मुख्य चुनाव आयुक्त एक संवैधानिक व्यक्ति है।
(अ) A और R दोनों सही है तथा R, A का सही व्याख्या करता है
(ब) A और R दोनों सही है तथा R, A का सही व्याख्या नहीं करता है
(स) A सही है किन्तु R गलत है
(द) A गलत है किन्तु R सही है
उत्तर : (अ)
व्याख्या– मुख्य चुनाव आयुक्त को संवैधानिक प्रस्तावों के बिना नहीं हटाया जा सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त एक संवैधानिक व्यक्ति है।

2658. भारत का मुख्य निर्वाचन आयुक्त अपना पद धारण करता है–
(अ) 6 वर्ष के लिए
(ब) 6 वर्ष के लिए या 65 वर्ष की आयु, जो कोई भी पहले हो, उस तक
(स) 5 वर्ष के लिए या 60 वर्ष की आयु, जो कोई भी पहले हो, उस तक
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) RRB 2008
व्याख्या– भारतीय मुख्य चुनाव आयुक्त भारतीय चुनाव आयोग का प्रमुख होता है और भारत में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष रूप से राष्ट्र और राज्य के चुनाव करवाने का जिम्मेदार होता है। मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति भारत का राष्ट्रपति करता है। मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 साल, जो पहले हो, का होता है।

2659. ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) का प्रयोग भारतीय चुनावों में कब से प्रारम्भ हुआ ?
(अ) 1996 (ब) 1997
(स) 1998 (द) 2000
उत्तर : (स) RRB 2000
व्याख्या– नवम्बर, 1998 के बाद से आम चुनाव व उपचुनावों में प्रत्येक संसदीय तथा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में ईवीएम का इस्तेमाल किया जा रहा है।

2660. संविधान के किस भाग में निर्वाचन से संबंधित उपबंध दिया गया है ?
(अ) भाग–11 (ब) भाग–12
(स) भाग–15 (द) भाग–10
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद–15 में अनुच्छेद–324 से 329 में निर्वाचन से संबंधित उपबन्ध दिया गया है।

2661. संविधान के किस अनुच्छेद में निर्वाचन से संबंधित उपबन्ध दिया गया है ?
(अ) अनुच्छेद–324 से 329
(ब) अनुच्छेद–330 से 3338
(स) अनुच्छेद–331 से 340
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद–324 से 329 में निर्वाचन से संबंधित उपबन्ध दिया गया है।

2662. निर्वाचन आयोग का गठन मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं अन्य निर्वाचन आयुक्तों से किया जाता है, जिनकी नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) मुख्य न्यायाधीश (द) लोकसभा अध्यक्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– निर्वाचन आयोग का गठन मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं अन्य निर्वाचन आयुक्तों से किया जाता है, जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है। पहले चुनाव आयोग एक सदस्यीय था, परन्तु अक्टूबर, 1993 ई. में तीन सदस्यीय आयोग बना दिया गया।

2663. भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल होता है–
(अ) 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(ब) 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(स) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(द) 6 वर्ष या 60 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो तब तक होगा। अन्य चुनाव आयुक्तों का कार्यकाल 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु जो पहले हो तब तक होगा।

2664. भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना कब हुई थी ?
(अ) 25 जनवरी, 1950 (ब) 26 जनवरी, 1950
(स) 15 अगस्त, 1948 (द) 1 अप्रैल, 1952
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना 25 जनवरी, 1950 को हुई थी। यह एक स्थानीय संवैधानिक निकाय है।

2665. निम्नलिखित में से कौनसा कार्य भारत निर्वाचन आयोग का नहीं है ?
(अ) चुनाव क्षेत्रों का परिसीमन
(ब) मतदाता सूचियों को तैयार करवाना
(स) राजीतिक दलों के लिए आचार संहिता तैयार करवाना
(द) नगरपालिका चुनाव करवाना
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य कार्य निम्न हैः– 1.चुनाव क्षेत्रों का परिसीमन 2.मतदाता सूचियों को तैयार करवाना 3.विभिन्न राजनीतिक दलों को मान्यता प्रदान करना 4.राजनीतिक दलों को आरक्षित चुनाव चिन्ह प्रदान करना 5.चुनाव करवाना 6.राजनीतिक दलों के लिए आचार संहिता तैयार करवाना।

2666. भारत की निर्वाचन पद्धति निम्नलिखित में से किस देश के निर्वाचन पद्धति के अनुरूप है ?
(अ) रूस (ब) अमेरिका
(स) ब्रिटेन (द) फ्रांस
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत की निर्वाचन पद्धति ब्रिटेन देश के निर्वाचन पद्धति के अनुरूप है।

2667. निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसका अर्थ है–
(अ) इसका निर्माण संविधान ने किया है
(ब) इसका निर्माण संसद द्वारा एक प्रस्ताव लेकर किया गया है
(स) इसका निर्माण सर्वोच्च न्यायालय द्वारा किया गया है
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है, अर्थात् इसका निर्माण संविधान ने किया है।

2668. किसी चुनाव पार्टी को राष्ट्रीय दल का दर्जा प्राप्त करने के लिए लोकसभा आम चुनाव अथवा राज्य विधानसभा चुनाव में किन्हीं चार अथवा अधिक राज्यों में कुल डाले गये वैध मतों को कितने प्रतिशत मत प्राप्त करना जरूरी है ?
(अ) 6 प्रतिशत (ब) 5 प्रतिशत
(स) 10 प्रतिशत (द) 8 प्रतिशत
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रीय दल का दर्जा प्राप्त करने के लिए आवश्यक शर्तेंः– (1) लोकसभा आम चुनाव अथवा राज्य विधानसभा चुनाव में किन्हीं चार अथवा अधिक राज्यों में कुल डाले गये वैध मतों का 6 प्रतिशत मत प्राप्त करना जरूरी होगा। (2) इसके अलावा इसे किसी एक राज्य अथवा राज्यों से विधानसभा की कम–से–कम चार सीटें जीतनी होंगी अथवा (3) लोकसभा में दो प्रतिशत सीटें हों और कम–से–कम तीन विभिन्न राज्यों में हासिल की गई हों।

2669. भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्तों से संबंधित कौन सा कथन असत्य है ?
(अ) निर्वाचन आयोग के मुख्य चुनाव आयुक्त का दर्जा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान ही होता है।
(ब) मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं।
(स) मुख्य चुनाव आयुक्त को महाभियोग जैसी प्रक्रिया से ही हटाया जा सकता है।
(द) मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्तों का वेतन विशिष्ट निधि में से दिया जाता है।
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है अर्थात् इसका निर्माण संविधान ने किया है। मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति करते हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त को महाभियोग जैसी प्रक्रिया से ही हटाया जा सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त का दर्जा सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के समान ही है। नियुक्ति पश्चात् मुख्य चुनाव आयुक्त की सेवा शर्तों में कोई अलाभकारी परिवर्तन नहीं किया जा सकता है। मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्तों का वेतन भारत की संचित निधि में से दिया जाता है।

2670. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म (मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दल और उनके चुनाव चिन्ह) गलत है ?
(अ) भारतीय कम्युनिस्ट दल – हंसिया और बाली
(ब) नेशनल पीपुल्स पार्टी – पुस्तक
(स) राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी – घड़ी
(द) तृणमूल कांग्रेस पार्टी – हथौड़ा एवं तारा
उत्तर : (द)
व्याख्या– मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के चुनाव चिन्ह हैंः– भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह कमल है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (आई) का चुनाव चिन्ह पंजा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का चुनाव चिन्ह हंसिया और बाली, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का चुनाव चिन्ह घड़ी, बहुजन समाज पार्टी का चुनाव चिन्ह हाथी (असम को छोड़कर), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) का चुनाव चिन्ह हंसिया, हथौड़ा एवं तारा, तृणमूल कांग्रेस पार्टी का

चुनाव चिन्ह जोड़ा फूल, नेशनल पीपुल्स पार्टी का चुनाव चिन्ह पुस्तक है।

2671. निम्नलिखित में से किस क्षेत्रीय राजनीतिक दल का चुनाव चिन्ह साइकिल है ?
(अ) तेलुगू देशम् (आन्ध्र प्रदेश)
(ब) समाजवादी पार्टी (उत्तर प्रदेश)
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– क्षेत्रीय राजनीतिक दल तेलुगू देशम् (आन्ध्र प्रदेश), समाजवादी पार्टी (उत्तर प्रदेश) तथा पैंथर्स पार्टी (जम्मू–कश्मीर) तीनों दलों का चुनाव चिन्ह साइकिल है।

2672. निम्नलिखित में से किस क्षेत्रीय राजनीतिक दल का चुनाव चिन्ह साइकिल है ?
(अ) असम गण परिषद् (असम)
(ब) सिक्किम संग्राम परिषद् (सिक्किम)
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– क्षेत्रीय पार्टी असम गण परिषद् (असम) तथा सिक्किम संग्राम परिषद् (सिक्किम) का चुनाव चिन्ह हाथी है। राष्ट्रीय राजनीतिक दल बहुजन समाज पार्टी (असम को छोड़कर) का चिन्ह भी हाथी ही है।

2673. निम्नलिखित में से किस क्षेत्रीय राजनीतिक दल का चुनाव तीर कमान है ?
(अ) झारखंड मुक्ति मोर्चा (झारखंड)
(ब) शिवसेना (महाराष्ट्र)
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– क्षेत्रीय राजनीतिक दल झारखंड मुक्ति मोर्चा (झारखंड) तथा शिवसेना (महाराष्ट्र) का चुनाव चिन्ह तीर कमान है।

2674. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म (क्षेत्रीय राजनीतिक दल और उसके चुनाव चिन्ह) गलत है ?
(अ) अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम(तमिलनाडु)–दो पत्ती
(ब) मुस्लिम लीग (केरल) – सीढ़ी
(स) नगालैंड पीपुल्स कौंसिल (नगालैंड) – मुर्गा
(द) द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (तमिलनाडु, पुदुचेरी)–तीर
उत्तर : (द)
व्याख्या– क्षेत्रीय राजनीतिक दल अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (तमिलनाडु) का चुनाव चिन्ह दो पत्ती, मुस्लिम लीग (केरल) का चुनाव चिन्ह सीढ़ी, नगालैंड पीपुल्स कौंसिल (नगालैंड) का चुनाव चिन्ह मुर्गा, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (तमिलनाडु, पुदुचेरी) का चुनाव चिन्ह उगता सूरज, जनता दल (यू.) (बिहार, झारखंड) का चुनाव चिन्ह तीर है।

2675. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म (क्षेत्रीय राजनीतिक दल और उसके चुनाव चिन्ह) गलत है ?
(अ) लोक जनशक्ति पार्टी (बिहार) – बंगला
(ब) तेलंगाना राष्ट्र संघ (तेलंगाना) – कार
(स) नेशनल कॉफ्रेंस (जम्मू–कश्मीर) – हल
(द) अकाली दल (पंजाब) – सीढ़ी
उत्तर : (द)
व्याख्या– क्षेत्रीय राजनीतिक दल लोक जनशक्ति पार्टी (बिहार) का चुनाव चिन्ह बंगला, तेलंगाना राष्ट्र संघ का चुनाव चिन्ह कार, नेशनल कॉफ्रेंस (जम्मू–कश्मीर) का चुनाव चिन्ह हल तथा अकाली दल (पंजाब) का चुनाव चिन्ह तराजू है।

2676. संविधान के किस अनुच्छेद में प्रत्येक जनगणना की समाप्ति पर लोक सभा एवं राज्य के निर्वाचन क्षेत्रों के विभाजन एवं पुनः समायोजन के कार्य संसद द्वारा विहित अधिकारी द्वारा किये जाने का प्रावधान है ?
(अ) अनुच्छेद–82 (ब) अनुच्छेद–85
(स) अनुच्छेद–81 (द) अनुच्छेद–80
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान में परिसीमन आयोग के संबंध में कोई स्पष्ट निर्देश नहीं किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 82 में प्रत्येक जनगणना की समाप्ति पर लोक सभा एवं राज्य के निर्वाचन क्षेत्रों के विभाजन एवं पुनः समायोजन के कार्य संसद द्वारा विहित अधिकारी द्वारा किये जाने का प्रावधान है।

2677. रिटर्निंग अधिकारी कौन होता है ?
(अ) वह अधिकारी जो भूमि को दिये जाने के अस्वीकृत प्रार्थना पत्र को वापस करता है।
(ब) वह अधिकारी जिसे अपने मूल विभाग में वापस भेजा जाता है।
(स) वह अधिकारी जो राज्य विधानसभा सचिवालय का प्रधान होता है।
(द) वह अधिकारी जो किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव के लिए उत्तरदायी होता है और परिणाम की घोषणा करता है।
उत्तर : (द)
व्याख्या–रिटर्निंग अधिकारी, वह अधिकारी होता है, जो किसी निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव के लिए उत्तरदायी होता है और परिणाम की घोषणा करता है। रिटर्निंग अधिकारी पर निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव कराने की समस्त जिम्मेदारी होती है।

2678. संविधान लागू होने के बाद राष्ट्रपति ने पहली बार कब दो व्यक्तियों को मुख्य निर्वाचन आयुक्त की सहायता के लिए निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्त किया ?
(अ) 1986 ई. (ब) 1987 ई.
(स) 1988 ई. (द) 1989 ई.
उत्तर : (द)

व्याख्या– संविधान लागू होने के बाद राष्ट्रपति ने पहली बार वर्ष 1989 ई. में दो व्यक्तियों को मुख्य निर्वाचन आयुक्त की सहायता के लिए निर्वाचन आयुक्त के पद पर नियुक्त किया था।

2679. किस संविधान संशोधन अधिनियम के द्वारा देश में लोकसभा एवं विधानसभा की सीटों की संख्या में वर्ष 2026 ई. तक कोई वृद्धि या कमी नहीं की जायेगी ?
(अ) 84वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2001 ई.
(ब) 85वों संविधान संशोधन अधिनियम, 2001 ई.
(स) 86वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 ई.
(द) 87वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 2003 ई.
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 84वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2001 ई. के द्वारा संविधान के अनुच्छेद–82 और 170(3) की शर्तों में संशोधन किया गया है। इसके तहत देश में लोकसभा एवं विधानसभा की सीटों की संख्या में वर्ष 2026 ई. तक कोई वृद्धि अथवा कमी नहीं की जायेगी।

2680. प्रत्यक्ष निर्वाचन किसे कहते हैं ?
(अ) निर्वाचक मण्डल द्वारा प्रतिनिधि चुनना
(ब) अभिजात वर्ग द्वारा प्रतिनिधि चुनना
(स) जनता द्वारा प्रतिनिधि चुनना
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– जनता द्वारा प्रतिनिधि चुनने की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष निर्वाचन कहा जाता है।

2681. भारत में निर्वाचन सूची तैयार करने की जिम्मेदारी किसकी है ?
(अ) निर्वाचन आयोग की (ब) निर्वाचन अधिकारी की
(स) संसद की (द) स्थानीय प्रशासन की
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में निर्वाचन सूची तैयार करने की जिम्मेदारी निर्वाचन आयोग की होती है।

2682. निर्वाचन आयोग, सर्वोच्च न्यायालय, संघ लोक सेवा आयोग नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यालय जैसी संस्थाओं में कौनसा एक लक्षण समान है ?
(अ) वे परामर्शदात्री संस्थाएँ हैं
(ब) वे संविधानेत्तर संस्थाएँ हैं
(स) वे विधानमण्डलों द्वारा नियंत्रित हैं
(द) वे संवैधानिक संस्थाएँ हैं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– निर्वाचन आयोग, सर्वोच्च न्यायालय, संघ लोक सेवा आयोग नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का कार्यालय संवैधानिक संस्थाएँ हैं, क्योंकि इनके गठन का प्रावधान संविधान में वर्णित है।

2683. निर्वाचन आयोग का चैयरमैन कौन होता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) मुख्य निर्वाचन आयुक्त
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत निर्वाचन आयोग का चैयरमैन मुख्य निर्वाचन आयुक्त होता है।

2684. भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) संसद (ब) प्रधानमंत्री
(स) राष्ट्रपति (द) उपराष्ट्रपति
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।

2685. संसद द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त तथा अन्य निर्वाचन आयुक्तों की सेवा शर्तों से संबंधित अधिनियम कब पारित हुआ ?
(अ) 1990 ई. (ब) 1991 ई.
(स) 1992 ई. (द) 1994 ई.
उत्तर : (द)
व्याख्या– संसद द्वारा मुख्य निर्वाचन आयुक्त तथा अन्य निर्वाचन आयुक्तों की सेवा शर्तों से संबंधित अधिनियम वर्ष 1994 ई. में पारित हुआ था।

2686. भारत में पहली बार महिलाओं को मताधिकार कब प्राप्त हुआ ?
(अ) 1920 ई. (ब) 1926 ई.
(स) 1933 ई. (द) 1936 ई.
उत्तर : (ब)
व्याख्या– वर्ष 1926 ई. में महिलाओं को भारत में पहली बार मताधिकार प्राप्त हुआ।

2687. निर्वाचन आयोग की सहायता के लिए लोकसभा या राज्य विधान मण्डल के साधारण निर्वाचन के पहले प्रादेशिक निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति करने का अधिकार किसे प्राप्त है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) संसद
(स) राज्यपाल (द) मुख्य निर्वाचन आयुक्त
उत्तर : (स)
व्याख्या– निर्वाचन आयोग की सहायता के लिए लोकसभा या राज्य विधान मण्डल के साधारण निर्वाचन के पहले प्रादेशिक निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति करने का अधिकार राष्ट्रपति को प्राप्त है।

2688. मध्यावधि चुनाव कब कराया जाता है ?
(अ) समय के पूर्ण होने से पहले ही जब लोकसभा भंग हो जाए
(ब) जब कोई निश्चित सदस्य अपना पद त्याग देता है
(स) मतदान के समय जब कोई अंतर न हो
(द) जब कभी मंत्रिगण किसी पार्टी से अपना त्यागपत्र देते हैं।
उत्तर : (अ)
व्याख्या– समय के पूर्ण होने से पहले ही जब लोकसभा भंग हो जाए, तो मध्यावधि चुनाव कराया जाता है।

2689. निम्नलिखित में कौन मतदाता सूची को बनाकर तैयार रखता है ?
(अ) प्रत्येक राज्य का विधानमण्डल
(ब) गृह मंत्रालय
(स) संसदीय सचिवालय
(द) निर्वाचन आयोग
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत निर्वाचन आयोग मतदाता सूची को बनाकर तैयार रखता है।

2690. भारत के विभिन्न राजनीति दलों को राष्ट्रीय या क्षेत्रीय दल का दर्जा देने का अधिकार किसको है ?
(अ) संसद (ब) राष्ट्रपति
(स) निर्वाचन आयोग (द) सर्वोच्च न्यायालय
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत के विभिन्न राजनीति दलों को राष्ट्रीय या क्षेत्रीय दल का दर्जा देने का अधिकार निर्वाचन आयोग को है।

2691. परिसीमन आयोग का अध्यक्ष होता है–
(अ) राष्ट्रपति (ब) गृहमंत्री
(स) प्रधानमंत्री (द) मुख्य निर्वाचन आयुक्त
उत्तर : (द)
व्याख्या–भारत निर्वाचन आयोग का अध्यक्ष मुख्य निर्वाचन आयुक्त होता है और वही परिसीमन आयोग का अध्यक्ष भी होता है।

2692. परिसीमन आयोग में शामिल सदस्य होते हैं–
(अ) मुख्य निर्वाचन आयुक्त
(ब) सभी राज्यों के निर्वाचन आयुक्त
(स) सभी केन्द्रशासित प्रदेशों के निर्वाचन आयुक्त
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या–परिसीमन आयोग में मुख्य निर्वाचन आयुक्त सहित समस्त राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों के निर्वाचन आयुक्त इस आयोग के सदस्य होते हैं।

2693. निम्नलिखित में से किस आयोग का प्रमुख कार्य हाल की जनगणना के आधार पर विभिन्न विधान सभाओं एवं लोकसभा के निर्वाचन क्षेत्रों की सीमा का पुनः सीमांकन करना होता है ?
(अ) निर्वाचन आयोग (ब) नीति आयोग
(स) परिसीमन आयोग (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– परिसीमन आयोग का प्रमुख कार्य हाल ही जनगणना के आधार पर विभिन्न विधान सभाओं एवं लोक सभा के निर्वाचन क्षेत्रों की सीमा का पुनः सीमांकन करना होता है।

46.नीति आयोग (योजना आयोग)

2694. भारत सरकार ने नीति आयोग की स्थापना निम्नलिखित में से किसका स्थान लेने के लिए की थी ?
(अ) मानवाधिकार आयोग
(ब) वित्त आयोग
(स) योजना आयोग
(द) विधि आयोग
उत्तर : (स)
व्याख्या– दिल्ली के लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 15 अगस्त, 2014 को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में योजना आयोग के स्थान पर एक नई संस्था लाने की घोषणा की। 1 जनवरी, 2015 को मंत्रिमंडल के एक प्रस्ताव के तहत एक नई संस्था 'राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान (National Institution for Transforming India-NITI), अस्तित्व में आई। आमतौर पर इसे नीति आयोग के नाम से जाना जाता है। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाला यह आयोग सरकार के थिंक टैंक के रूप में कार्य करेगा व केन्द्र सरकार के साथ–साथ राज्य सरकारों के लिए भी नीति निर्माण करने वाले संस्थान की भूमिका निभाएगा। केन्द्र एवं राज्य सरकारों को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण मुद्दों पर यह रणनीतिक व तकनीकी सलाह देगा। पंचवर्षीय योजनाओं के भावी स्वरूप आदि के संबंध में सरकार को सलाह देगा।

2695. ''योजना आयोग (नीति आयोग) ने संघवाद को निरस्त कर दिया है'' यह किसका विचार है ?
(अ) बी.आर. अम्बेडकर (ब) अशोक चंद्रा
(स) जवाहरलाल नेहरु (द) के.एस. हेगड़े
उत्तर : (ब)
व्याख्या– योजना आयोग (नीति आयोग) को मुख्यतया एक परामर्शकारी संस्था के रूप में गठित किया गया था, जिसका काम देश के संसाधनों का बेहतर ढंग से आकलन करते हुए योजना का निर्माण किया था, लेकिन कालांतर में यह सर्वाधिक महत्व की संस्था बनकर उभरी और इसने राज्यों को वित्तीय अनुदान देने तक के कार्य को अपने अधिकार क्षेत्र में शामिल किया। योजना आयोग (नीति आयोग) पर यह आरोप लगाया गया कि इसके द्वारा दिये जाने वाले अनुदान के संदर्भ में निष्पक्षता नहीं बरती जाती। गठबंधन राजनीतिक संस्कृति के दौर में तो सत्ताधारी दल के सहयोगी दल से संबंधित राज्यों को अधिक अनुदान देने के आरोप लगाये गये। राजनीतिक विश्लेषक अशोक चंदा का मत है कि योजना आयोग (नीति आयोग) ने संघवाद को निरस्त कर दिया है। कुछ अन्य लोगों ने इसे 'सुपर कैबिनेट' कहा है।

2696. योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) के उपाध्यक्ष को भारत सरकार के सरकारी वरीयता क्रम में महत्त्व का दर्जा दिया गया है ?
(अ) भारत सरकार के कैबिनेट मंत्री के समान
(ब) सुप्रीम कोर्ट के जज के समान
(स) संसदीय समिति के अध्यक्ष के समान
(द) भारत सरकार के सचिव के समान
उत्तर : (अ)
व्याख्या– योजना आयोग भारत सरकार की एक संस्था थी जिसका प्रमुख कार्य पंचवर्षीय योजनाएँ बनाना था। 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में योजना आयोग का नाम बदलकर नीति आयोग (राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान) किया गया। नीति आयोग में अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं तथा उपाध्यक्ष भी होता है, जिसका रैंक एक कैबिनेट मंत्री के बराबर होता है।

2697. योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) की स्थापना किस वर्ष की गई थी ?
(अ) 1950 (ब) 1951
(स) 1952 (द) 1949
उत्तर : (अ) SSC 2013
व्याख्या– भारत में योजना आयोग के संबंध में कोई संवैधानिक प्रावधान नहीं था। 15 मार्च, 1950 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पारित प्रस्ताव के द्वारा योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) की स्थापना की गई। योजना आयोग (नीति आयोग) का अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है। प्रथम योजना आयोग के उपाध्यक्ष गुलजारीलाल नंदा थे, जबकि नीति आयोग के प्रथम उपाध्यक्ष अरविन्द पनगड़िया थे।

2698. 1950 में भारत में योजना आयोग (नीति आयोग) की स्थापना की गई–
(अ) संसद के एक अधिनियम द्वारा
(ब) केन्द्रीय मंत्रिमंडल के एक प्रस्ताव द्वारा
(स) राष्ट्रपति के एक अध्यादेश द्वारा
(द) संविधान के एक प्रावधान द्वारा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) की स्थापना केन्द्रीय मंत्रिमण्डल के एक प्रस्ताव द्वारा 15 मार्च, 1950 को की गई थी। यह एक संविधानेत्तर निकाय है। 1 जनवरी 2015 को योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग का गठन हुआ हैं। इसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है तथा नीति आयोग भी संविधानेत्तर संस्था है।

2699. 1950 में योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) का गठन निम्न में से किसके संकल्प द्वारा किया गया ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) संघीय मंत्रिमंडल (द) संसद
उत्तर : (स)
व्याख्या– योजना (वर्तमान नीति आयोग) एक संविधानेत्तर संस्था है। इसका संविधान में कोई उल्लेख नहीं था। इसका गठन केन्द्रीय मंत्रिमंडल के एक संकल्प द्वारा 15 मार्च, 1950 को किया गया। प्रधानमंत्री इसका पदेन अध्यक्ष होता है। इसका प्रमुख कार्य केंद्र की पंचवर्षीय योजना तथा राज्यों की वार्षिक योजनाओं के संबंध में सलाह देना था। 1 जनवरी, 2015 से योजना आयोग को नीति आयोग में परिवर्तित किया गया है।

2700. योजना आयोग (नीति आयोग) के प्रथम उपाध्यक्ष थे–
(अ) जवाहर लाल नेहरु (ब) गुलजारी लाल नंदा
(स) बल्लभ भाई पटेल (द) बलदेव सिंह
उत्तर : (ब)
व्याख्या– योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) की स्थापना 15 मार्च, 1950 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पारित प्रस्ताव के द्वारा की गई थी, जिसके प्रथम अध्यक्ष जवाहरलाल नेहरु तथा उपाध्यक्ष गुलजारी लाल नंदा थे। 1 जनवरी, 2015 को मंत्रिमंडल के एक प्रस्ताव के तहत योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग की स्थापना की गयी। इसके प्रथम उपाध्यक्ष अरविन्द पनगढिया थे।

2701. योजना आयोग (नीति आयोग) से सर्वाधिक प्रभावित हुआ है–
(अ) संघ लोक सेवा आयोग
(ब) अल्पसंख्यक आयोग
(स) निर्वाचन आयोग
(द) वित्त आयोग
उत्तर : (द)
व्याख्या– योजना आयोग (नीति आयोग) का गठन 1 जनवरी, 2015 को किया गया। योजना आयोग (नीति आयोग) से वित्त आयोग सर्वाधिक प्रभावित हुआ है। योजना आयोग (नीति आयोग) का पूरा नाम राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान है।

2702. भारत सरकार ने नीति आयोग की स्थापना निम्नलिखित में से किसका स्थान लेने के लिए की गई थी ?
(अ) मानवाधिकार आयोग
(ब) वित्त आयोग
(स) योजना आयोग
(द) विधि आयोग
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत सरकार ने नीति आयोग की स्थापना योजना आयोग का स्थान लेने के लिए की थी।

2703. पूर्ववर्ती योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) को 'आर्थिक मंत्रिमंडल' किसने बताया था ?
(अ) पी.पी. अग्रवाल (ब) अशोक चंद्रा
(स) डी.आर. गाडगिल (द) के. संथानम
उत्तर : (ब)

व्याख्या– राजनीतिक विश्लेषक अशोक चन्दा द्वारा की गई टिप्पणी के आधार पर 'योजना आयोग' को समाप्त करके नीति आयोग प्रतिस्थापित किया गया। अशोक चन्द्रा ने पूर्ववर्ती योजना आयोग (नीति आयोग) को आर्थिक मंत्रिमंडल' बताया था।

2704. पूर्ववर्ती योजना आयोग (नीति आयोग) का गठन निम्नलिखित में से किसकी अनुशंसा से हुआ था–
(अ) राष्ट्रीय योजना समिति
(ब) गोरेवाला समिति
(स) योजना सलाहकार बोर्ड
(द) संविधान सभा
उत्तर : (स)
व्याख्या– पूर्ववर्ती योजना आयोग (नीति आयोग) का गठन योजना सलाहकार बोर्ड की अनुशंसा से हुआ था।

2705. पूर्ववर्ती योजना आयोग (नीति आयोग) को निम्न में से किसने कहा था कि–''न केवल केन्द्र बल्कि राज्यों के लिए भी आर्थिक मंत्रिमंडल है'' ?
(अ) के. संथानम
(ब) ओ.आर. गाडगिल
(स) प्रशासनिक सुधार आयोग
(द) अशोक चंद्रा
उत्तर : (द)
व्याख्या– पूर्ववर्ती योजना आयोग (नीति आयोग) को अशोक चन्द्रा ने कहा था कि –न केवल केन्द्र बल्कि राज्यों के लिए भी आर्थिक मंत्रिमंडल है'।

2706. निम्नलिखित में से कौन संविधानेत्तर संस्था है–
(अ) संघ लोक सेवा आयोग
(ब) वित्त आयोग
(स) योजना आयोग (नीति आयोग)
(द) निर्वाचन आयोग
उत्तर : (स)
व्याख्या– योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) एक असंवैधानिक संस्था है, जिसकी स्थापना 15 मार्च, 1950 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पारित एक प्रस्ताव के अंतर्गत प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु द्वारा किया गया था। यह एक परामर्शदात्री संस्था है। प्रधानमंत्री इसका पदेन अध्यक्ष होता है। वर्तमान में 1 जनवरी, 2015 को मंत्रिमंडल के एक प्रस्ताव के तहत योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग की स्थापना की गयी है।

2707. निम्नलिखित में से कौनसा एक संविधान का अंग नहीं है ?
(अ) निर्वाचन आयोग
(ब) वित्त आयोग
(स) अंतर्राज्यीय परिषद
(द) योजना आयोग (वित्त आयोग)
उत्तर : (द)
व्याख्या– योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) की स्थापना केन्द्रीय मंत्रिमंडल के प्रस्ताव पर 15 मार्च, 1950 को एक संविधानेत्तर निकाय के रूप में की गयी थी। इसकी स्थापना का उद्देश्य देश के आर्थिक संसाधनों तथा पहलुओं का आंकलन और विश्लेषण करते हुए व्यापक योजनाओं का निर्माण करना था। इसका अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है। इसके एक उपाध्यक्ष, तीन पूर्णकालिक सदस्य तथा केन्द्रीय गृहमंत्री, रक्षामंत्री एवं वित्तमंत्री इसके अंशकालिक सदस्य होते हैं। येाजना आयोग (नीति आयोग) एक परामर्शदात्री संस्था है, जिसका प्रमुख कार्य पंचवर्षीय योजनाओं का विस्तृत प्रारूप तैयार करना है। निर्वाचन आयोग का गठन 1950 ई. में संविधान के अनुच्छेद 324 के अंतर्गत किया गया। केंद्र और राज्यों के बीच कर–राजस्व के बंटवारे के लिए वित्त आयोग का गठन संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत किया गया। केंद्र तथा राज्यों अथवा राज्यों के बीच विवादों को निपटाने के लिए संविधान के अनुच्छेद 263 के अधीन राष्ट्रपति अन्तर्राज्यीय परिषद का गठन करता है। इस प्रकार निर्वाचन आयोग, वित्त आयोग तथा अन्तर्राज्यीय परिषद तीनों संवैधानिक निकाय है, जबकि योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) संविधान का अंग नहीं है।

2708. योजना आयोग (नीति आयोग) का स्वरूप क्या है ?
(अ) सरकारी विभाग (ब) परामर्शदात्री संस्था
(स) स्वायत्त विभाग (द) एक मंत्रालय
उत्तर : (ब)
व्याख्या– योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) एक संविधानेत्तर संस्था है, जिसकी स्थापना 15 मार्च, 1950 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पारित एक प्रस्ताव के अंतर्गत प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु द्वारा किया गया था। यह एक परामर्शदात्री संस्था है। प्रधानमंत्री इसका पदेन अध्यक्ष होता है। 1 जनवरी, 2015 को मंत्रिमंडल के एक प्रस्ताव के तहत योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग की स्थापना की गयी।

2709. योजना आयोग की जगह योजना आयोग (नीति आयोग) की स्थापना किस वर्ष की गई ?
(अ) 2011 ई. (ब) 2012 ई.
(स) 2015 ई. (द) 2016 ई.
उत्तर : (स)
व्याखया– योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) एक संविधानेत्तर संस्था है, जिसकी स्थापना 15 मार्च, 1950 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पारित एक प्रस्ताव के अंतर्गत प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु द्वारा किया गया था। यह एक परामर्शदात्री संस्था है। प्रधानमंत्री इसका पदेन अध्यक्ष होता है। 1 जनवरी, 2015 को मंत्रिमंडल के एक प्रस्ताव के तहत योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग की स्थापना की गयी।

2710. योजना आयोग (नीति आयोग) का पदेन सभापति कौन होता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) कानून मंत्री (द) वित्त मंत्री
उत्तर : (ब)
व्याख्या– योजना आयोग (नीति आयोग) का गठन 1 जनवरी, 2015 को किया गया। योजना आयोग (नीति आयोग) का पूरा नाम राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान (National Institution for Transforming India NITT) है। योजना आयोग (नीति आयोग) का अध्यक्ष और पदेन सभापति प्रधानमंत्री होता है।

2711. योजना आयोग (नीति आयोग) के उपाध्यक्ष को भारत सरकार में सरकारी वरीयता क्रम में किसके समान दर्जा दिया गया है–
(अ) भारत सरकार के कैबिनेट मंत्री के समान
(ब) सुप्रीम कोर्ट के जज के समान
(स) संसदीय समिति के अध्यक्ष के समान
(द) भारत सरकार के सचिव के समान
उत्तर : (अ)
व्याख्या– योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) एक संविधानेत्तर निकाय है, जिसकी स्थापना वर्ष 1950 में बिना विधान बनाए मंत्रिमंडल के एक संकल्प द्वारा की गयी। योजना आयोग (नीति आयोग) संघ की सरकार के लिए सलाहकारी निकाय के रूप में कार्य करता है। योजना आयोग (नीति आयोग) के उपाध्यक्ष की हैसियत भारत सरकार के कैबिनेट मंत्री के समकक्ष होती है। 1 जनवरी, 2015 को योजना आयोग के स्थान पर केन्द्रीय मंत्रिमंडल के एक संकल्प पर नीति आयोग का गठन किया गया है। योजना आयोग (नीति आयोग) का पूरा नाम राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान (National Institution for Transforming India NITT) है। योजना आयोग (नीति आयोग) का अध्यक्ष और पदेन सभापति प्रधानमंत्री होता है।

2712. योजना आयोग (नीति आयोग) के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा एक सही नहीं है ?
(अ) इसका गठन योजना आयोग (नीति आयोग) के स्थान पर लिया गया
(ब) इसमें एक पूर्णकालिक अध्यक्ष होता है
(स) इसका गठन जनवरी 2015 में किया गया था
(द) यह सरकारी संघवाद के सिद्धांत पर आधारित
उत्तर : (ब)
व्याख्या– योजना आयोग (नीति आयोग) का पदेन अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है। 1 जनवरी, 2015 को योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग का गठन किया गया। यह सहकारी संघवाद के सिद्धांत पर आधारित है क्योंकि अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, तीन पूर्णकालिक सदस्यों तथा भारत के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ–साथ पुदुचेरी एवं दिल्ली संघ राज्य क्षेत्र के मुख्यमंत्रियों तथा अंडमान निकोबार द्वीपसमूह संघ राज्य क्षेत्र के उपराज्यपाल को मिलकर इसका गठन किया जाता है। केन्द्र द्वारा आयोग की सिफारिश पर राज्यों को सहायता अनुदान प्रदान किया जाता है।

2713. योजना आयोग (नीति आयोग) का अध्यक्ष होता है–
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) उपराष्ट्रपति (द) गृहमंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– योजना आयोग (नीति आयोग) का गठन 1 जनवरी, 2015 को किया गया। योजना आयोग (नीति आयोग) का पूरा नाम राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान (National Institution for Transforming India NITT) है। योजना आयोग (नीति आयोग) का अध्यक्ष और पदेन सभापति प्रधानमंत्री होता है।

2714. योजना आयोग (नीति आयोग) का स्वरूप क्या है ?
(अ) सरकारी विभाग (ब) परामर्शदात्री संस्था
(स) स्वायत्त विभाग (द) एक मंत्रालय
उत्तर : (ब)
व्याख्या– प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाला यह योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) केन्द्र एवं राज्य सरकारों को राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण मुद्दों पर रणनीतिक एव तकनीकी सलाह देता है। पंचवर्षीय योजनाओं के भावी स्वरूप आदि के संबंध में यह आयोग सरकार को सलाह देता है।

2715. निम्नलिखित में से किसे अशोक चन्द्रा द्वारा भारत में 'आर्थिक मंत्रिपरिषद' कहा है ?
(अ) योजना आयोग (नीति आयोग)
(ब) वित्त आयोग
(स) केन्द्रीय मंत्रिपरिषद
(द) प्रशासनिक सुधार आयोग
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अशोक चन्द्रा द्वारा टिप्पणी के रूप में योजना आयोग समाप्त करके नीति आयोग प्रतिस्थापित किया गया। नीति आयोग को आर्थिक मंत्रिपरिषद कहा गया है।

2716. निम्नलिखित में से कौनसा एक संविधानेत्तर संस्था है–
(अ) वित्त आयोग
(ब) योजना आयोग (नीति आयोग)
(स) निर्वाचन आयोग
(द) अंतर्राज्यीय परिषद
उत्तर : (ब)
व्याख्या– योजना आयोग (नीति आयोग) एक संविधानेत्तर संस्था है, क्योंकि इसका उल्लेख संविधान में नहीं है। संघ लोक सेवा आयोग (अनुच्छेद 315), वित्त आयोग (अनुच्छेद 280) तथा निर्वाचन आयोग (अनुच्छेद 324) संवैधानिक संस्थाएँ है।

2717. निम्नलिखित में से कौन संविधानेत्तर और विधिबाह्य निकाय है ?
(अ) राष्ट्रीय विकास परिषद
(ब) राष्ट्रीय एकता परिषद
(स) योजना आयोग (नीति आयोग)
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– केन्द्रीय मंत्रिमण्डल के एक प्रस्ताव द्वारा 6 अगस्त, 1952 ई. को राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन हुआ। यह न तो संवैधानिक निकाय है और न ही सांविधिक निकाय। 15 मार्च, 1950 ई. को केन्द्रीय मंत्रिमंडल द्वारा पारित प्रस्ताव द्वारा योजना आयोग की स्थापना की गई थी। 1 जनवरी, 2015 को मंत्रिमंडल के एक प्रस्ताव के तहत इस योजना आयोग के स्थान पर नीति आयोग (राष्ट्रीय भारत परिवर्तन संस्थान) को अस्तित्व में लाया गया।

47.राष्ट्रीय विकास परिषद

2718. निम्नलिखित में से कौन 'सर्वोच्च मंत्रिपरिषद' के नाम से जाना जाता है ?
(अ) योजना आयोग (नीति आयोग)
(ब) वित्त आयोग
(स) निर्वाचन आयोग
(द) राष्ट्रीय विकास परिषद
उत्तर : (द)
व्याख्या– 6 अगस्त, 1952 को राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन किया गया था। इसका गठन प्रथम पंचवर्षीय योजना में भारत सरकार की कार्यकारिणी की सिफारिश के बाद किया गया। यह एक गैर संवैधानिक निकाय है। राष्ट्रीय विकास परिषद को सर्वोच्च परिषद के नाम से जाना जाता है।

2719. राष्ट्रीय विकास परिषद का अध्यक्ष कौन होता है ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) गृहमंत्री
(स) योजना आयोग (नीति आयोग) का उपाध्यक्ष
(द) योजना आयोग (नीति आयोग) का सचिव
उत्तर : (अ)
व्याख्या– योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) की तरह राष्ट्रीय विकास परिषद का अध्यक्ष भी प्रधानमंत्री होता है।

2720. प्रधानमंत्री, यूनियन कैबिनेट मंत्री, मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद सभी सदस्य होते हैं–
(अ) योजना आयोग (नीति आयोग) के
(ब) राष्ट्रीय विकास परिषद के
(स) आंचलिक परिषद के
(द) प्रादेशिक परिषद के
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रीय विकास परिषद के प्रधानमंत्री, यूनियन कैबिनेट मंत्री, मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद सदस्य होते हैं।

2721. राष्ट्रीय विकास परिषद के सदस्य निम्न में से कौन होते हैं ?
(अ) संघीय मंत्रीमंडल के सभी सदस्य
(ब) राज्यों के मुख्यमंत्री
(स) केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासक
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– 6 अगस्त, 1952 को राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन किया गया था। इसका गठन प्रथम पंचवर्षीय योजना में भारत सरकार की कार्यकारिणी की सिफारिश के बाद किया गया। यह एक गैर संवैधानिक निकाय है। राष्ट्रीय विकास परिषद, संसद के नीचे सबसे बड़ा निकाय है, जो सामाजिक और आर्थिक विकास से संबंधित नीति मामलों के प्रति उत्तरदायी है। राष्ट्रीय विकास

परिषद के सदस्य होते हैं– भारत का प्रधानमंत्री (इसके अध्यक्ष या प्रमुख के रूप में), सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (वर्ष 1967 से), सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, सभी केंद्रशासित राज्यों के मुख्यमंत्री या प्रशासक, योजना आयोग (नीति आयोग) के सदस्य।

2722. राष्ट्रीय विकास परिषद के सदस्य नहीं होते हैं–
(अ) राज्यों के राज्यपाल
(ब) राज्यों के राज्य मुखयमंत्री
(स) केंद्रशासित प्रदेशों के प्रशासक
(द) संघीय मंत्रिमंडल के समस्त सदस्य
उत्तर : (अ) IAS 1991
व्याख्या– 6 अगस्त, 1952 को राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन किया गया था। इसका गठन प्रथम पंचवर्षीय योजना में भारत सरकार की कार्यकारिणी की सिफारिश के बाद किया गया। यह एक गैर संवैधानिक निकाय है। राष्ट्रीय विकास परिषद, संसद के नीचे सबसे बड़ा निकाय है, जो सामाजिक और आर्थिक विकास से संबंधित नीति मामलों के प्रति उत्तरदायी है। राष्ट्रीय विकास परिषद के सदस्य होते हैं– भारत का प्रधानमंत्री (इसके अध्यक्ष या प्रमुख के रूप में), सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (वर्ष 1967 से), सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, सभी केंद्रशासित राज्यों के मुख्यमंत्री या प्रशासक, योजना आयोग (नीति आयोग) के सदस्य। भारत में राज्यों के बीच सहयोग और समन्वय स्थापित करने के लिए अन्तर्राज्यीय परिषद संविधानेत्तर एवं विधित्तर संस्था है।

2723. राष्ट्रीय विकास परिषद का उद्देश्य है–
(अ) पंचवर्षीय योजनाओं का निर्धारण व उन्हें सुनिश्चित करना
(ब) बजट ऑडिट करना
(स) सरकार को नये प्रोजेक्ट व नीतियों के विकास में सलाह देना
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ) IAS 1986
व्याख्या– 6 अगस्त, 1952 को राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन किया गया था। इसका गठन प्रथम पंचवर्षीय योजना में भारत सरकार की कार्यकारिणी की सिफारिश के बाद किया गया। यह एक गैर संवैधानिक निकाय है। राष्ट्रीय विकास परिषद, संसद के नीचे सबसे बड़ा निकाय है, जो सामाजिक और आर्थिक विकास से संबंधित नीति मामलों के प्रति उत्तरदायी है। राष्ट्रीय विकास परिषद के सदस्य होते हैं– भारत का प्रधानमंत्री (इसके अध्यक्ष या प्रमुख के रूप में), सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (वर्ष 1967 से), सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, सभी केंद्रशासित राज्यों के मुख्यमंत्री या प्रशासक, योजना आयोग (नीति आयोग) के सदस्य।

2724. राष्ट्रीय विकास परिषद की स्थापना कब की गई ?
(अ) 1956 में (ब) 1954 में
(स) 1952 में (द) 1953 में
उत्तर : (स) RRB 2018
व्याख्या– 6 अगस्त, 1952 को राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन किया गया था। इसका गठन प्रथम पंचवर्षीय योजना में भारत सरकार की कार्यकारिणी की सिफारिश के बाद किया गया। यह एक गैर संवैधानिक निकाय है। राष्ट्रीय विकास परिषद, संसद के नीचे सबसे बड़ा निकाय है, जो सामाजिक और आर्थिक विकास से संबंधित नीति मामलों के प्रति उत्तरदायी है। राष्ट्रीय विकास परिषद के सदस्य होते हैं– भारत का प्रधानमंत्री (इसके अध्यक्ष या प्रमुख के रूप में), सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (वर्ष 1967 से), सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, सभी केंद्रशासित राज्यों के मुख्यमंत्री या प्रशासक, योजना आयोग (नीति आयोग) के सदस्य।

2725. राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन कब किया गया था ?
(अ) 8 अक्टूबर, 1949 (ब) 21 सितम्बर, 1950
(स) 20 जुलाई 1948 (द) 6 अगस्त, 1952
उत्तर : (द) RRB 2018
व्याख्या– 6 अगस्त, 1952 को राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन प्रथम पंचवर्षीय योजना में भारत सरकार की कार्यकारिणी की सिफारिश के बाद किया गया था। यह एक गैर संवैधानिक निकाय है। राष्ट्रीय विकास परिषद, संसद के नीचे सबसे बड़ा निकाय है, जो सामाजिक और आर्थिक विकास से संबंधित नीति मामलों के प्रति उत्तरदायी है। राष्ट्रीय विकास परिषद के सदस्य होते हैं– भारत का प्रधानमंत्री (इसके अध्यक्ष या प्रमुख के रूप में), सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (वर्ष 1967 से), सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, सभी केंद्रशासित राज्यों के मुख्यमंत्री या प्रशासक, योजना आयोग (नीति आयोग) के सदस्य।

2726. राष्ट्रीय विकास परिषद् का पदेन अध्यक्ष कौन होता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) वित्त मंत्रीं (द) उपराष्ट्रपति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 6 अगस्त, 1952 को राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन किया गया था। इसका गठन प्रथम पंचवर्षीय योजना में भारत सरकार की कार्यकारिणी की सिफारिश के बाद किया गया। यह एक गैर संवैधानिक निकाय है। राष्ट्रीय विकास परिषद के सदस्य होते हैं– भारत का प्रधानमंत्री (इसके अध्यक्ष या प्रमुख के रूप में), सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (वर्ष 1967 से), सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, सभी केंद्रशासित राज्यों के मुख्यमंत्री या

प्रशासक, योजना आयोग (नीति आयोग) के सदस्य।

2727. निम्नलिखित में से कौनसा कथन राष्ट्रीय विकास परिषद् के लिए सही है ?
(अ) यह एक संवैधानिक निकाय है
(ब) यह एक सांविधिक निकाय है
(स) सभी राज्यों के मुख्यमंत्री इसके सदस्य होते हैं
(द) इसका अध्यक्ष वित्त मंत्री होता है
उत्तर : (स)
व्याख्या– 6 अगस्त, 1952 को राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन किया गया था। इसका गठन प्रथम पंचवर्षीय योजना में भारत सरकार की कार्यकारिणी की सिफारिश के बाद किया गया। यह एक गैर संवैधानिक निकाय है। राष्ट्रीय विकास परिषद के सदस्य होते हैं– भारत का प्रधानमंत्री (इसके अध्यक्ष या प्रमुख के रूप में), सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (वर्ष 1967 से), सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, सभी केंद्रशासित राज्यों के मुख्यमंत्री या प्रशासक, योजना आयोग (नीति आयोग) के सदस्य।

2728. पंचवर्षीय योजना को अंतिम अनुमोदन कौन देता है ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) राष्ट्रीय विकास परिषद्
(स) योजना आयोग
(द) वित्त मंत्री
उत्तर : (ब)
व्याख्या– पंचवर्षीय योजना को अंतिम अनुमोदन राष्ट्रीय विकास परिषद् देता है।

2729. राष्ट्रीय विकास परिषद् का पहला अध्यक्ष कौन था ?
(अ) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (ब) बल्लभ भाई पटेल
(स) जवाहर लाल नेहरू (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय विकास परिषद् के प्रथम अध्यक्ष थे। 6 अगस्त, 1952 को राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन किया गया था। इसका गठन प्रथम पंचवर्षीय योजना में भारत सरकार की कार्यकारिणी की सिफारिश के बाद किया गया। यह एक गैर संवैधानिक निकाय है। राष्ट्रीय विकास परिषद, संसद के नीचे सबसे बड़ा निकाय है, जो सामाजिक और आर्थिक विकास से संबंधित नीति मामलों के प्रति उत्तरदायी है। राष्ट्रीय विकास परिषद के सदस्य होते हैं– भारत का प्रधानमंत्री (इसके अध्यक्ष या प्रमुख के रूप में), सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (वर्ष 1967 से), सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, सभी केंद्रशासित राज्यों के मुख्यमंत्री या प्रशासक, योजना आयोग (नीति आयोग) के सदस्य।

2730. राष्ट्रीय विकास परिषद् की बैठक एक वर्ष में कम से कम कितनी बार होनी चाहिए ?
(अ) 2 बार (ब) 4 बार
(स) 6 बार (द) 8 बार
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रीय विकास परिषद् की बैठक एक वर्ष में दो बार होना आवश्यक है। इसका परिषद् का गठन 6 अगस्त, 1952 को किया गया था। इसका गठन प्रथम पंचवर्षीय योजना में भारत सरकार की कार्यकारिणी की सिफारिश के बाद किया गया। यह एक गैर संवैधानिक निकाय है।

2731. निम्नलिखित में से कौन राष्ट्रीय विकास परिषद् का सदस्य नहीं होता है ?
(अ) सभी कैबिनेट मंत्री
(ब) राज्यों के मुख्यमंत्री
(स) योजना आयोग के सदस्य
(द) राज्यों के राज्यपाल
उत्तर : (द)
व्याख्या– राष्ट्रीय विकास परिषद् का गठन 6 अगस्त, 1952 को प्रथम पंचवर्षीय योजना में भारत सरकार की कार्यकारिणी की सिफारिश के बाद किया गया था। राष्ट्रीय विकास परिषद के सदस्य होते हैं– भारत का प्रधानमंत्री (इसके अध्यक्ष या प्रमुख के रूप में), सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (वर्ष 1967 से), सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, सभी केंद्रशासित राज्यों के मुख्यमंत्री या प्रशासक, योजना आयोग (नीति आयोग) के सदस्य।

2732. निम्नलिखित में से कौनसा राष्ट्रीय विकास परिषद् का उद्देश्य नहीं है ?
(अ) किसी योजना के क्रियान्वयन में राज्यों से सहयोग प्राप्त करना
(ब) देश में कानून एवं व्यवस्था को बनाये रखना
(स) देश में संतुलित विकास को बढ़ावा देना
(द) किसी योजना के सफल होने के लिए संसाधनों का इंतजाम करना
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 6 अगस्त, 1952 को राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन किया गया था। इसका गठन प्रथम पंचवर्षीय योजना में भारत सरकार की कार्यकारिणी की सिफारिश के बाद किया गया। यह एक गैर संवैधानिक निकाय है। राष्ट्रीय विकास परिषद के सदस्य होते हैं– भारत का प्रधानमंत्री (इसके अध्यक्ष या प्रमुख के रूप में), सभी केंद्रीय कैबिनेट मंत्री (वर्ष 1967 से), सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, सभी केंद्रशासित राज्यों के मुख्यमंत्री या प्रशासक, योजना आयोग (नीति आयोग) के सदस्य। राष्ट्रीय विकास परिषद, संसद के नीचे सबसे बड़ा निकाय है, जो सामाजिक और आर्थिक विकास से संबंधित नीति मामलों के प्रति उत्तरदायी है। किसी योजना के क्रियान्वयन में राज्यों से

सहयोग प्राप्त करना, देश में संतुलित विकास को बढ़ावा देना, किसी योजना के सफल होने के लिए संसाधनों का इंतजाम करना आदि राष्ट्रीय विकास परिषद् के उद्देश्य होते हैं।

2733. निम्नलिखित में से कौनसा कार्य राष्ट्रीय विकास परिषद् का है ?
(अ) राष्ट्रीय विकास को प्रभावित करने वाली आर्थिक एवं सामाजिक नीतियों पर विचार करना।
(ब) राष्ट्रीय योजना के क्रियान्वयन में संसाधनों का अनुमान लगाना और सुझाव देना
(स) राष्ट्रीय योजना बनाने के लिए दिशा निर्देश जारी करना।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– 6 अगस्त, 1952 को राष्ट्रीय विकास परिषद का गठन किया गया था। इसका गठन प्रथम पंचवर्षीय योजना में भारत सरकार की कार्यकारिणी की सिफारिश के बाद किया गया। यह एक गैर संवैधानिक निकाय है। राष्ट्रीय विकास परिषद, संसद के नीचे सबसे बड़ा निकाय है, जो सामाजिक और आर्थिक विकास से संबंधित नीति मामलों के प्रति उत्तरदायी है। राष्ट्रीय विकास को प्रभावित करने वाली आर्थिक एवं सामाजिक नीतियों पर विचार करना, राष्ट्रीय योजना के क्रियान्वयन में संसाधनों का अनुमान लगाना और सुझाव देना, राष्ट्रीय योजना बनाने के लिए दिशा निर्देश जारी करना आदि राष्ट्रीय विकास परिषद् के कार्य हैं।

48.वित्त आयोग

2734. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत वित्त आयोग का गठन किया जाता है ?
(अ) अनुच्छेद 249 (ब) अनुच्छेद 368
(स) अनुच्छेद 280 (द) अनुच्छेद 141
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 280 में वित्त आयोग के गठन का प्रावधान है। वित्त आयोग के गठन का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है। वित्त आयोग का प्रमुख कार्य केंद्र सरकार के करों में राज्य के भाग तथा केंद्र द्वारा राज्यों के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता के सिद्धांत निर्धारित करना है।

2735. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत वित्त आयोग का गठन किया जाता है ?
(अ) अनुच्छेद 249 (ब) अनुच्छेद 368
(स) अनुच्छेद 280 (द) अनुच्छेद 141
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 280 में वित्त आयोग के गठन का प्रावधान है। वित्त आयोग के गठन का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है। वित्त आयोग का प्रमुख कार्य केंद्र सरकार के करों में राज्य के भाग तथा केंद्र द्वारा राज्यों के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता के सिद्धांत निर्धारित करना है।

2736. राज्यों को वित्तीय आवंटन किसकी संस्तुति पर किया जाता है ?
(अ) वित्त आयोग
(ब) योजना आयोग (नीति आयोग)
(स) केन्द्रीय वित्त मंत्री
(द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय है। संघीय वित्त आयोग पंचायतों को वित्तीय सहायता देने के लिए संस्तुति कर सकता है। संघीय वित्त आयोग राज्य वित्त आयोग सिफारिश पर अनुच्छेद 280(3)(ख) के तहत राज्यों की पंचायतों में संसाधन की उपलब्धता के लिए संचित निधि में वृद्धि की संस्तुति करता है।

2737. वित्त आयोग में अध्यक्ष के अतिरिक्त कितने सदस्यों की व्यवस्था है ?
(अ) 3 (ब) 4
(स) 5 (द) कोई सीमा नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– वित्त आयोग की स्थापना 1951 में की गयी थी। इसकी स्थापना का उद्देश्य भारत के केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकारों के बीच वित्तीय सम्बन्धों को परिभाषित करना था। वित्त आयोग प्रत्येक पाँच वर्ष बाद नियुक्त किया जाता है। वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय है जो अर्ध न्यायिक

कार्य करता है तथा इसकी सलाह को भारत सरकार तब तक मानने के लिए बाध्य नहीं है जब तक कि कोई आधिकारिता कारण ना हो। वित्त आयोग का कार्यकाल 5 वर्ष का होता है। वित्त आयोग का गठन एक संवैधानिक निकाय के रूप में अनुच्छेद 280 के अंतर्गत किया जाता है। यह अर्ध न्यायिक संस्था होती है। इसका गठन भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया जाता है। भारत में वित्त आयोग का गठन वित्त आयोग अधिनियम 1951 के अंतर्गत किया गया है। 1993 में भारत के सभी राज्यों में राज्य वित्त आयोग का गठन भी किया जाने लगा। वित्त आयोग में एक अध्यक्ष तथा चार सदस्य होते हैं। सदस्यों में दो सदस्य पूर्ण कालीन सदस्य जबकि दो सदस्य अंशकालीन सदस्य होते हैं।

2738. प्रथम वित्त आयोग के अध्यक्ष कौन थे ?
(अ) के.सी. नियोगी (ब) एन.के.पी. साल्वे
(स) के.सी. पन्त (द) के. संथानम
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत के संविधान के अनुच्छेद 280 के परिपालन हेतु राष्ट्रपति द्वारा 22 नवम्बर, 1951 को के.सी. नियोगी की अध्यक्षता में प्रथम वित्त आयोग का गठन किया गया। इसका कार्यकाल 1952 से 1957 तक था।

2739. केन्द्र–राज्य वित्तीय संबंधों का निर्धारण कौन करता है ?
(अ) योजना आयोग (नीति आयोग)
(ब) वित्त मंत्रालय
(स) वित्त आयोग
(द) सरकारिया आयोग
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत वित्त आयोग का गठन केंद्र–राज्य के वित्तीय संबंधों के निर्धारण के लिए किया जाता है।

2740. राज्य वित्त आयोग है, एक–
(अ) विधिक संस्था (ब) असांविधिक संस्था
(स) संवैधानिक संस्था (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स) RRB 2009, SSC 2010
व्याख्या– राज्य वित्त आयोग एक संवैधानिक निकाय है। संघीय वित्त आयोग पंचायतों को वित्तीय सहायता देने के लिए संस्तुति कर सकता है। संघीय वित्त आयोग राज्य वित्त आयोग की सिफारिश पर अनुच्छेद 280(3)(ख) के तहत राज्यों की पंचायतों को संसाधन की उपलब्धता के लिए संचित निधि में वृद्धि की संस्तुति करता है।

2741. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत वित्त आयोग का गठन किया जाता है ?
(अ) अनुच्छेद–249 (ब) अनुच्छेद–281
(स) अनुच्छेद–280 (द) अनुच्छेद–243(झ)
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद–280 में वित्त आयोग के गया है। वित्त आयोग के गठन का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है। वित्त आयोग में राष्ट्रपति द्वारा एक अध्यक्ष एवं चार अन्य सदस्य नियुक्त किये जाते हैं।

2742. निम्नलिखित में से किस सेवानिवृत्त नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को वित्त आयोग का अध्यक्ष बनाया गया, जबकि ऐसी नियुक्ति करने पर वर्जना है ?
(अ) के. संथानम (ब) ए.के. चन्दा
(स) महावीर त्यागी (द) जे.पी. शेलट
उत्तर : (ब)
व्याख्या– ए.के. चन्दा सेवानिवृत्त नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक को वित्त आयोग का अध्यक्ष बनाया गया, जबकि ऐसी नियुक्ति करने मनाही है।

2743. निम्नलिखित में से कौनसा प्राधिकरण भारत की समेकित निधि में राज्यों को राजस्व का सहायता अनुदान देने वाले सिद्धांतों की अनुशंसा करता है ?
(अ) वित्त आयोग
(ब) अंतर्राज्यीय परिषद
(स) केन्द्रीय वित्त मंत्रालय
(द) लोक लेखा समिति
उत्तर : (अ) IAS 2002
व्याख्या– वित्त आयोग प्राधिकरण भारत की समेकित निधि में राज्यों को राजस्व का सहायता अनुदान देने वाले सिद्धांतों की अनुशंसा करता है।

2744. केन्द्र और राज्य के बीच धन के बंटवारे के संबंध में कौन राय देता है ?
(अ) योजना आयोग (नीति आयोग)
(ब) प्रधानमंत्री
(स) संसद
(द) वित्त आयोग
उत्तर : (द)
व्याख्या– केंद्र तथा राज्यों के बीच वित्तीय व राजकोषीय संबंधों की व्याख्या संविधान के भाग–12 के अध्याय (1) में की गई है। संघ तथा राज्यों के मध्य वित्तीय साधनों का विभाजन किया गया है। भारतीय संविधान में यह विभाजन 1935 के अधिनियम में किये गए विभाजन पर आधारित है। वर्तमान विभाजन के अनुसार कुछ कर केवल राज्य सरकारों को सौंपे गए हैं। राज्य सरकारें अपने द्वारा लगाए गए करों को स्वयं एकत्रित करती है और स्वयं ही अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये उस धन को व्यय करती है। अनुच्छेद 266 के अंतर्गत भारत और राज्यों की संचित निधियों और लोक लेखाओं की स्थापना की गई है। संविधान के अनुच्छेद 273, 275 एवं 282 के तहत राज्यों को तीन प्रकार की सहायता अनुदान प्रदान किये जाते हैं। अनुच्छेद 280 के अनुसार संघ और राज्यों के

बीच करों के शुद्ध आगमों के वितरण, राज्यों के बीच ऐसे आगमों के आवंटन भारत की संचित निधि में से राज्यों के राजस्वों में सहायता अनुदान को शासित करने वाले सिद्धांतों, राज्यों में पंचायतों व नगरपालिकाओं के संसाधनों की पूर्ति के लिये किसी राज्य की संचित निधि के आवश्यक उपायों आदि के बारे में वित्त आयोग सर्वप्रथम राज्य सरकारों को पत्र लिखकर उनसे आगामी पाँच वर्षों में उनके सामान्य राजस्व व्यय और राजस्व से प्राप्त आय के आकलन देने को कहता है। आकलनों के प्राप्त होने पर इनकी विश्वसनीयता की जाँच करने और आवश्यक स्पष्टीकरण के लिये राज्यों के संबंधित अधिकारियों के साथ विचार–विमर्श करने इत्यादि हेतु ही वित्त आयोगों का गठन किया जाता है।

2745. वित्त आयोग का मुख्य कार्य है–
(अ) केन्द्रीय करों में राज्यों के भाग तथा केंद्र द्वारा राज्यों के लिए दिए जाने वाली वित्तीय सहायता के सिद्धांत निर्धारित करना
(ब) राज्यों पर वित्तीय नियंत्रण
(स) केंद्र पर वित्तीय नियंत्रण
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अनुच्छेद 280 यह उपबंधित करता है कि राष्ट्रपति संविधान के प्रारम्भ से दो वर्ष के भीतर और तत्पश्चात प्रत्येक 5 वर्ष की समाप्ति पर एक वित्त आयोग गठित करेगा। वित्त आयोग में एक अध्यक्ष और चार सदस्य होंगे। संसद विधि द्वारा आयोग के सदस्यों के लिए अपेक्षित अर्हताओं को विहित करेगी। आयोग संघ और राज्यों के बीच करों के शुद्ध आगमों के, जो इस अध्याय के अधीन उनमें विभाजित किये जाते हैं, वितरण के बारे में और ऐसे आगमों के राज्यों के भागों के आवंटन में सहायता करेगा।

2746. वित्त आयोग के गठन का अधिकार किसे है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) लोकसभा अध्यक्ष (द) नीति आयोग
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद–280 में वित्त आयोग का गठन किया गया है। वित्त आयोग के गठन का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है। वित्त आयोग में राष्ट्रपति द्वारा एक अध्यक्ष एवं चार अन्य सदस्य नियुक्त किये जाते हैं। वित्त आयोग वित्तीय प्रशासन में पारदर्शिता सुनिश्चित करता है।

2747. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राष्ट्रपति वित्त आयोग की सिफारिशों को संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखवाता है ?
(अ) अनुच्छेद–249 (ब) अनुच्छेद–281
(स) अनुच्छेद–280 (द) अनुच्छेद–141
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद–281 के तहत राष्ट्रपति वित्त आयोग की सिफारिशों को संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखवाता है।

2748. राज्य वित्त आयोग का गठन भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत किया जाता है ?
(अ) अनुच्छेद–249 (ब) अनुच्छेद–281
(स) अनुच्छेद–280 (द) अनुच्छेद–243(झ)
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य वित्त आयोग का गठन भारतीय संविधान के अनुच्छेद–243(झ) के द्वारा किया जाता है, जबकि संघ वित्त आयोग का गठन संविधान के अनुच्छेद–280 के तहत किया जाता है।

2749. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति वित्त आयोग की सिफारिशों को संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखवाता है ?
(अ) अनुच्छेद 280 (ब) अनुच्छेद 281
(स) अनुच्छेद 243(झ) (द) अनुच्छेद 284
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 281 के तहत राष्ट्रपति वित्त आयोग की सिफारिशों को संसद के प्रत्येक सदन के समक्ष रखवाता है ?

2750. वित्त आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) मंत्रिमंडल (द) संसद
उत्तर : (अ) SSC 1999
व्याख्या– वित्त आयोग की स्थापना संविधान के अनुच्छेद 280 के तहत राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है। इसके एक अध्यक्ष और पांच सदस्य होते हैं। इसका कार्यकाल पांच वर्ष का होता है। यह केंद्र और राज्यों के मध्य करों का बंटवारा करता है और राष्ट्रपति द्वारा कर बंटवारे के क्षेत्र में जो दिया जाए, उसकी भी संस्तुति वित्त आयोग करता है।

2751. किसके द्वारा वित्त आयोग को सुदृढ़ वित्त के हित में निर्दिष्ट कोई अन्य विषय सौंपें जाने पर वित्त आयोग सलाह देता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) लोकसभा अध्यक्ष (द) नीति आयोग
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति के द्वारा वित्त आयोग को सुदृढ़ वित्त के हित में निर्दिष्ट कोई अन्य विषय सौंपे जाने पर वित्त आयोग अपनी सलाह देता है।

2752. संघ व राज्यों के बीच करों की शुद्ध आगमों का वितरण और राज्यों के बीच ऐसे आगमों का आवंटन किसके द्वारा किया जाता है ?
(अ) नीति आयोग (योजना आयोग)
(ब) राष्ट्रीय विकास परिषद्
(स) वित्त आयोग
(द) क्षेत्रीय विकास परिषद्
उत्तर : (स)

व्याख्या– वित्त आयोग के द्वारा संघ व राज्यों के बीच करों की शुद्ध आगमों का वितरण और राज्यों के बीच ऐसे आगमों का आवंटन किया जाता है।

2753. भारतीय संविधान के अनुसार निम्नलिखित में से क्या सांविधानिक निकाय/संस्था है–
(अ) वित्त आयोग
(ब) राष्ट्रीय विकास परिषद
(स) योजना आयोग (नीति आयोग)
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 280 के अनुसार, संविधान प्रारम्भ होने के दो वर्ष के भीतर और तत्पश्चात् प्रत्येक 5 वर्ष की समाप्ति के बाद या राष्ट्रपति आवश्यक समझे, एक आदेश के द्वारा वित्त आयोग का गठन कर सकेगा। इसमें एक अध्यक्ष एवं चार अन्य सदस्य होंगे। पहले वित्त आयोग का गठन के.सी. नियोगी की अध्यक्षता में वर्ष 1951 में किया गया था। राष्ट्रीय विकास परिषद एवं योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) संविधानेत्तर संस्थाएँ हैं जिनका उल्लेख संविधान में नहीं है।

2754. वित्त आयोग किस निधि में से राज्यों के राजस्व में सहायता अनुदान को शासित करने वाले सिद्धांतों के बारे में बताता है
(अ) भारत की संचित निधि
(ब) भारत की आकस्मिकता निधि
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– वित्त आयोग भारत की संचित निधि में से राज्यों के राजस्व में सहायता अनुदान को शासित करने वाले सिद्धांतों के बारे में बताता है। राज्य, वित्त आयोग द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर राज्य के नगरपालिकाओं और पंचायतों के संसाधनों की पूर्ति के लिए राज्य की संचित निधि के संवर्द्धन के लिए जरूरी उपाय करता है।

2755. वित्त आयोग का गठन कितनी अवधि के लिए होता है ?
(अ) 2 वर्ष (ब) 1 वर्ष
(स) 5 वर्ष (द) 3 वर्ष
उत्तर : (स) SSC 2002
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 280 के अनुसार, संविधान प्रारम्भ होने के दो वर्ष के भीतर और तत्पश्चात् प्रत्येक 5 वर्ष की समाप्ति के बाद या राष्ट्रपति आवश्यक समझे, एक आदेश के द्वारा वित्त आयोग का गठन कर सकेगा। इसमें एक अध्यक्ष एवं चार अन्य सदस्य होंगे। पहले वित्त आयोग का गठन के.सी. नियोगी की अध्यक्षता में वर्ष 1951 में किया गया था। राष्ट्रीय विकास परिषद एवं योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) संविधानेत्तर संस्थाएँ हैं जिनका उल्लेख संविधान में नहीं है।

2756. राज्यों के कर भार को निर्धारित करने का अधिकार किसके पास है ?
(अ) संघीय न्यायालय (ब) न्याय मंत्री
(स) वित्त मंत्री (द) वित्त आयोग
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 280 में वित्त आयोग के गठन का प्रावधान है। वित्त आयोग के गठन का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है। वित्त आयोग का प्रमुख कार्य केन्द्र सरकार के करों में राज्य के भाग तथा केन्द्र द्वारा राज्यों के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता के सिद्धांत निर्धारित करना है। राज्यों की सहायता अनुदान राजस्व वित्त आयोग आवंटित होता है।

2757. संविधान के अनुच्छेद 280 में वर्णित वित्त आयोग का निर्माण करता है–
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) राष्ट्रपति
(स) सर्वोच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(द) संसद
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 280 के अनुसार, संविधान प्रारम्भ होने के दो वर्ष के भीतर और तत्पश्चात् प्रत्येक 5 वर्ष की समाप्ति के बाद या राष्ट्रपति आवश्यक समझे, एक आदेश के द्वारा वित्त आयोग का गठन कर सकेगा। इसमें एक अध्यक्ष एवं चार अन्य सदस्य होंगे। पहले वित्त आयोग का गठन के.सी. नियोगी की अध्यक्षता में वर्ष 1951 में किया गया था। राष्ट्रीय विकास परिषद एवं योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) संविधानेत्तर संस्थाएँ हैं जिनका उल्लेख संविधान में नहीं है।

2758. भारत में वित्त आयोग का प्रमुख कार्य है–
(अ) केंन्द्र और राज्य के बीच राजस्व का वितरण करना
(ब) वार्षिक बजट तैयार करना
(स) राष्ट्रपति को वित्तीय मामलों पर परामर्श देना
(द) संघ एवं राज्यों के विभिन्न मंत्रालयों के लिए निधि का बंटवारा करना
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 280 में वित्त आयोग के गठन का प्रावधान है। वित्त आयोग के गठन का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है। वित्त आयोग का प्रमुख कार्य केन्द्र सरकार के करों में राज्य के भाग तथा केन्द्र द्वारा राज्यों के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता के सिद्धांत निर्धारित करना है।

2759. भारत में राष्ट्रपति को विशिष्ट केन्द्र राज्य राजकोषीय संबंधों के बारे में सुझाव किसके द्वारा दिया जाता है ?
(अ) वित्त मंत्री (ब) भारतीय रिजर्व बैंक
(स) वित्त आयोग (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

व्याख्या– संविधान का अनुच्छेद 280 यह उपबंधित करता है कि राष्ट्रपति संविधान के प्रारम्भ से दो वर्ष के भीतर तथा प्रत्येक पाँच वर्ष की समाप्ति पर वित्त आयोग का गठन करेगा। आयोग का प्रमुख कार्य केन्द्र–राज्य से संबंधित वित्त के बारे में राष्ट्रपति को सुझाव देना होता है। वित्त मंत्री कैबिनेट मंत्री होता है और यह बजट तैयार करवाकर संसद के सम्मुख प्रस्तुत करता है। 15 मार्च, 1950 को केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने प्रस्ताव पारित करके योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) की स्थापना की थी। यह परामर्शदात्री निकाय है। इसकी स्थापना का उद्देश्य देश के सभी नागरिकों को जीविका के पर्याप्त साधन सुलभ करना, सामूहिक हित में सम्पत्ति का बंटवारा है। प्रधानमंत्री योजना आयोग (वर्तमान नीति आयेाग) का अध्यक्ष होता है। भारतीय रिजर्व बैंक भारत का केन्द्रीय बैंक है। इसकी स्थापना 1 अप्रैल, 1935 को की गयी थी। 1 जनवरी, 1949 को भारतीय रिजर्व बैंक का राष्ट्रीयकरण कर दिया गया। इसका मुख्य कार्यालय मुम्बई, कोलकाता, चेन्नई और दिल्ली में है।

2760. केन्द्र और राज्य के वितरण में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निम्नलिखित में कौन निभाता है ?
(अ) योजना आयोग (नीति आयोग)
(ब) वित्त आयोग
(स) राष्ट्रीय विकास परिषद
(द) अंतर्राज्यीय परिषद
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 280 में वित्त आयोग के गठन का प्रावधान है। वित्त आयोग के गठन का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है। वित्त आयोग का प्रमुख कार्य केन्द्र सरकार के करों में राज्य के भाग तथा केन्द्र द्वारा राज्यों के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता के सिद्धांत निर्धारित करना है।

2761. राज्यों की सहायता अनुदान राजस्व आवंटित होता है–
(अ) अंतर्राज्यीय परिषद द्वारा
(ब) योजना आयोग (नीति आयोग) द्वारा
(स) वित्त आयोग द्वारा
(द) राष्ट्रीय विकास परिषद
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 280 में वित्त आयोग के गठन का प्रावधान है। वित्त आयोग के गठन का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है। वित्त आयोग का प्रमुख कार्य केन्द्र सरकार के करों में राज्य के भाग तथा केन्द्र द्वारा राज्यों के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता के सिद्धांत निर्धारित करना है। राज्यों को सहायता अनुदान राजस्व वित्त आयोग द्वारा आवंटित होता है।

2762. भारत में संघीय वित्त संबंध रखता है–
(अ) राज्यों के बीच वित्त से
(ब) राज्यों एवं केन्द्र के बीच वित्त से
(स) केन्द्र एवं स्वशासित सरकारों के बीच वित्त से
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत में संघीय वित्त आयोग राज्यों एवं केन्द्र के बीच वित्त से संबंध रखता है। वह दोनों के मध्य कर एवं अनुदानों के बारे में विभाजन के सिद्धांतों के बारे में सुझाव देता है।

2763. कौनसा प्राधिकरण भारत की समेकित निधि में से राज्यों को राजस्व का सहायता अनुदान देने वाले सिद्धांतों की अनुशंसा करता है ?
(अ) योजना आयोग (वित्त आयोग)
(ब) राष्ट्रीय विकास परिषद
(स) क्षेत्रीय परिषद
(द) वित्त आयोग
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 280 में वित्त आयोग के गठन का प्रावधान है। वित्त आयोग के गठन का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है। वित्त आयोग का प्रमुख कार्य केंद्र सरकार के करों में राज्य के भाग तथा केंद्र द्वारा राज्यों के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता के सिद्धांत निर्धारित करना है। संघ और राज्यों के मध्य वित्तीय संसाधनों के वितरण के सम्बन्ध में सलाह देने के लिए राष्ट्रपति वित्त आयोग की नियुक्ति 5 वर्षों के लिए करते हैं। वित्त आयोग प्राधिकरण भारत की समेकित निधि में से राज्यों को राजस्व का सहायता अनुदान देने वाले सिद्धांतों की अनुशंसा करता है।

2764. सामान्यतः 5 वर्षों बाद वित्त आयोग की स्थापना की जाती है–
(अ) राज्यों की वित्तीय स्थिति निर्धारित करने के लिए
(ब) केन्द्र सरकार की वित्तीय स्थिति निर्धारित करन के लिए
(स) केन्द्र सरकार के वित्तीय संसाधन निर्धारित करने के लिए
(द) केन्द्रीय अनुदान और संघ के राजस्व में राज्यों का अंश निर्धारित करने के लिए
उत्तर : (द)
व्याख्या– केन्द्रीय अनुदान और संघ के राजस्व में राज्यों का अंश निर्धारित करने के लिए प्रत्येक पाँच बाद वित्त आयोग की स्थापना की जाती है।

2765. निम्नलिखित में से कौन वित्त आयोग के अध्यक्ष नहीं रहे ?
(अ) के.सी. नियोगी (ब) के. संथानम
(स) ए.के. चन्दा (द) राजीव कुमार
उत्तर : (द)

व्याख्या– वर्ष 1951 ई. में गठित प्रथम वित्त आयोग (1952–1957) के अध्यक्ष के.सी. नियोगी थे। 1956 ई. में गठित दूसरे वित्त आयोग (1957–1962) के अध्यक्ष के. संथानम थे। वर्ष 1960 ई. में गठित तीसरे वित्त आयोग (1962–1966) के अध्यक्ष ए.के. चन्दा थे। 1964 ई. में गठित चतुर्थ वित्त आयोग (1966–1969) के अध्यक्ष डॉ. पी.वी. राजमन्नार थे।

2766. निम्नलिखित में से कौनसा एक वित्त आयोग का कार्य नहीं है ?
(अ) आयकर विभाजन
(ब) उत्पाद शुल्क का विभाजन
(स) सहायतार्थ अनुदान
(द) व्यापार कर का विभाजन
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अधीन राष्ट्रपति वित्त आयोग का गठन करता है। आयोग को इस संबंध में राष्ट्रपति को निम्नलिखित विषयों में सिफारिशें करनी पड़ती है–(1) केंद्र और राज्यों के बीच करों से राजस्व की बाँट करना एवं फिर से विभिन्न राज्यों में राजस्व बाँटना (2) वे सिद्धांत निर्धारित करना, जिनके अधीन राज्यों को सहायता अनुदान उपलब्ध कराया जाए (3) केंद्र और राज्यों के वित्तीय संबंधों के बारे में किसी अन्य की जाँच करना।

2767. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म (वित्त आयोग व उसके अध्यक्ष) सही नहीं है ?
(अ) प्रथम वित्त आयोग – के.सी. नियोगी
(ब) दूसरा वित्त आयोग – के. संथानम
(स) तीसरा वित्त आयोग – ए.के. चन्दा
(द) चौथा वित्त आयोग – राजीव कुमार
उत्तर : (द)
व्याख्या– वर्ष 1951 ई. में गठित प्रथम वित्त आयोग (1952–1957) के अध्यक्ष के.सी. नियोगी थे। 1956 ई. में गठित दूसरे वित्त आयोग (1957–1962) के अध्यक्ष के. संथानम थे। वर्ष 1960 ई. में गठित तीसरे वित्त आयोग (1962–1966) के अध्यक्ष ए.के. चन्दा थे। 1964 ई. में गठित चौथे वित्त आयोग (1966–1969) के अध्यक्ष डॉ. पी.वी. राजमन्नार थे।

2768. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म (वित्त आयोग व उसके अध्यक्ष) सही नहीं है ?
(अ) पाँचवा वित्त आयोग – डॉ. पी.वी. राजमन्नार
(ब) छठा वित्त आयोग – पी. ब्रह्मानन्द रेड्डी
(स) सातवाँ वित्त आयोग – जे.पी. सेलट
(द) आठवाँ वित्त आयोग – एन.के.पी. साल्वे
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1968 ई. में गठित पाँचवें वित्त आयोग (1969–1974) के अध्यक्ष महावीर त्यागी थे। वर्ष 1972 ई. में गठित छठे वित्त आयोग (1974–1979) के अध्यक्ष पी. ब्रह्मानन्द रेड्डी थे। वर्ष 1977 मे गठित सातवें वित्त आयोग (1979–1984) के अध्यक्ष जे.पी. सेलट थे। 1982 ई. में गठित आठवें वित्त आयोग (1985–1989) के अध्यक्ष वाई.पी. चौहान थे।

2769. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म (वित्त आयोग व उसके अध्यक्ष) सही नहीं है ?
(अ) नौवाँ वित्त आयोग – एन.के.पी. साल्वे
(ब) दसवाँ वित्त आयोग – के.सी. पन्त
(स) ग्यारहवाँ वित्त आयोग – प्रो.ए.एम. खुसरो
(द) बारहवाँ वित्त आयोग – एन.के. सिंह
उत्तर : (द)
व्याख्या– 1987 ई. में गठित नौवें वित्त आयोग (1989–1995) के अध्यक्ष एन.के.पी. साल्वे थे। वर्ष 1992 ई. में गठित दसवें वित्त आयोग (1995–2000) के अध्यक्ष के.सी. पन्त थे। वर्ष 1998 ई. मे गठित ग्यारहवें वित्त आयोग (2000–2005) के अध्यक्ष प्रो.ए.एम. खुसरो थे। वर्ष 2003 ई. में गठित बारहवें वित्त आयोग (2005–2010) के अध्यक्ष डॉ. सी. रंगराजन थे।

2770. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म (वित्त आयोग व उसके अध्यक्ष) सही है ?
(अ) तेहरवाँ वित्त आयोग – एन.के.पी. साल्वे
(ब) चौदहवाँ वित्त आयोग – के.सी. पन्त
(स) पन्द्रहवाँ वित्त आयोग – प्रो.ए.एम. खुसरो
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– 2007 ई. में गठित तेरहवें वित्त आयोग (2010–2015) के अध्यक्ष डॉ. विजय एल. केलकर थे। वर्ष 2013 ई. में गठित चौदहवें वित्त आयोग (2015–2020) के अध्यक्ष वाई.वी. रेड्डी थे। 2017 ई. मे गठित पन्द्रहवें वित्त आयोग (2021–2026) के अध्यक्ष एन.के. सिंह थे।

2771. संघ और राज्यों के मध्य वित्तीय संसाधनों के वितरण के संबंध में सलाह देने के लिए राष्ट्रपति निम्न में से किसकी नियुक्ति 5 वर्षों के लिए करते हैं ?
(अ) योजना आयोग (नीति आयोग)
(ब) वित्त आयोग
(स) अंतर्राज्यीय परिषद
(द) राष्ट्रीय विकास परिषद
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 280 में वित्त आयोग के गठन का प्रावधान है। वित्त आयोग के गठन का अधिकार राष्ट्रपति को दिया गया है। वित्त आयोग का प्रमुख कार्य केंद्र सरकार के करों में राज्य के भाग तथा केंद्र द्वारा राज्यों के लिए दी जाने वाली वित्तीय सहायता के सिद्धांत निर्धारित करना है। संघ और राज्यों के मध्य वित्तीय संसाधनों के वितरण के सम्बन्ध में सलाह देने के लिए राष्ट्रपति वित्त आयोग की नियुक्ति 5 वर्षों के लिए करते हैं।

49.लोक सेवा आयोग एवं अखिल भारतीय सेवाएँ

2772. संविधान का कौनसा अनुच्छेद संघ लोक सेवा आयोग से संबंधित है ?
(अ) अनुच्छेद 312 (ब) अनुच्छेद 315
(स) अनुच्छेद 324 (द) अनुच्छेद 348
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315 के अंतर्गत संघ के लिए संघ लोक सेवा आयोग तथा राज्यों के लिए एक–एक राज्य लोक सेवा आयोग का प्रावधान किया गया है। संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की वर्तमान संख्या 10 है। संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु से पूर्व जो पहले हो उसे ही उसका कार्यकाल माना जाएगा, किन्तु दुराचरण तथा कदाचार के आधार पर उन्हें पदमुक्त किया जा सकता है।

2773. संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा संघ और राज्यों के लिए लोक सेवा आयोग का प्रावधान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 310 (ब) अनुच्छेद 312
(स) अनुच्छेद 313 (द) अनुच्छेद 315
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315 के अंतर्गत संघ के लिए संघ लोक सेवा आयोग तथा राज्यों के लिए एक–एक राज्य लोक सेवा आयोग का प्रावधान किया गया है। वर्तमान में संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या 10 है। संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु से पूर्व जो पहले हो उसे ही उसका कार्यकाल माना जाएगा, किन्तु दुराचरण तथा कदाचार के आधार पर उन्हें पदमुक्त किया जा सकता है।

2774. निम्नलिखित में से वह देश, जिसने सिविल सेवा की प्रतियोगी परीक्षा सबसे पहले शुरू की, है–
(अ) ब्रिटेन (ब) फ्रांस
(स) चीन (द) अमेरिका
उत्तर : (स)
व्याख्या– चीन में सबसे पुरानी सिविल सेवा होने के प्रमाण हैं, किन्तु आधुनिक विश्व में सिविल सेवाएं फ्रांस की देन है। भारत में इसकी शुरूआत ब्रिटिश शासन के दौरान सन् 1885 में हुई। ब्रिटिश शासन के दौरान सिविल सेवा के अधिकारियों को व्यापक अधिकार प्राप्त थे तथा उनका मुख्य कार्य कानून व्यवस्था बनाये रखना, न्याय करना तथा करों को एकत्र करना था। सिविल सेवा से तात्पर्य है–सभी सरकारी विभाग जिसमें सशस्त्र सेनाओं से संबंधित विभाग शामिल नहीं होते हैं तथा सिविल सेवकों से तात्पर्य है–अधिकारियों का वह समूह जो सरकारी कार्यक्रमों एवं योजनाओं का क्रियान्वयन करते हैं। इनका चयन योग्यता के आधार पर होता है। वे सरकारी नीतियों के माध्यम से लोगों की सेवा करते हैं।

2775. संघ लोक सेवा आयोग का प्रमुख कार्य है–
(अ) प्रशिक्षण (ब) भर्ती
(स) निर्वाचन (द) प्रशासन का संचालन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग की स्थापना 1 अक्टूबर, 1926 को ली आयोग की सिफारिश पर हुई थी। संघ और राज्य लोक सेवा का प्रमुख कार्य संघ और राज्य की सेवाओं में नियुक्ति के लिए परीक्षाओं का आयोजन करना है। सीधी भर्ती के लिए आयोग द्वारा साक्षात्कारों का आयोजन भी किया जाता है।

2776. संघ लोक सेवा आयोग अपना प्रतिवेदन किसको सौंपता है ?
(अ) राष्ट्रपति को (ब) विधि मंत्री को
(स) लोकसभाध्यक्ष को (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग भारत के संविधान द्वारा स्थापित एक संवैधानिक निकाय है, जो भारत सरकार के लोकसेवा के पदाधिकारियों की नियुक्ति लिए परीक्षाओं का संचालन करता है। संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है और संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति भी राष्ट्रपति करता है। संविधान के भाग–14 के अंतर्गत अनुच्छेद 315 से 323 में एक संघीय लोक सेवा आयोग और राज्यों के लिए राज्य लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान है। संघ लोक सेवा आयोग अपना प्रतिवेदन राष्ट्रपति को सौंपता है।

2777. संघ लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष के अलावा कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 5 (ब) 9
(स) 10 (द) 12
उत्तर : (ब)
व्याख्या– वर्तमान में संघ लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष के अलावा 9 सदस्य होते हैं। संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किये जाते हैं। कम से कम आधे सदस्य किसी लोक सेवा आयोग के सदस्य (कार्यरत या अवकाशप्राप्त) होते हैं, जिन्हें न्यूनतम 10 वर्षों का अनुभव प्राप्त हो। इनका कार्यकाल 6 वर्षों या 65 वर्ष की उम्र जो भी पहले हो, तक का होगा। इससे पहले राष्ट्रपति इन्हें पद की अवमानना या अवैध कार्यों में लिप्त होने के लिए बर्खास्त कर सकता है। संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) में अध्यक्ष सहित आम तौर पर 9 से 11 सदस्य होते हैं। हालांकि संविधान

में इसके सदस्यों की संख्या निर्धारित नहीं है। राष्ट्रपति ही इसके सदस्यों की संख्या का निर्धारण करते हैं। संघ लोक सेवा आयोग भारत की केंद्रीय भर्ती एजेंसी है। यह एक संवैधानिक और स्वायत्त निकाय है। यह कार्मिक मंत्रालय के तहत काम करता है। आयोग के सदस्य छह साल की अवधि के लिए या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक पद पर रहते हैं। आयोग के सदस्य राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त होते हैं। आयोग के सदस्य किसी भी समय राष्ट्रपति को अना इस्तीफा दे सकते हैं। राष्ट्रपति, आयोग के सदस्य को दुर्व्यवहार के आधार पर उनके पद से हटा सकते हैं। आयोग के कम से कम आधे सदस्य किसी लोक सेवा के सदस्य (कार्यरत या अवकाशप्राप्त) होते हैं।

2778. संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) संसद
(ब) राष्ट्रपति
(स) भारत के मुख्य न्यायाधीश
(द) प्रवर समिति
उत्तर : (ब) BPSC 2001
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग भारत के संविधान द्वारा स्थापित एक संवैधानिक निकाय है, जो भारत सरकार के लोकसेवा के पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए परीक्षाओं का संचालन करता है। संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है और संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति भी राष्ट्रपति करता है। संविधान के भाग–14 के अंतर्गत अनुच्छेद 315 से 323 में एक संघीय लोक सेवा आयोग और राज्यों के लिए राज्य लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान है। संघ लोक सेवा आयोग अपना प्रतिवेदन राष्ट्रपति को सौंपता है।

2779. संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष अपना त्यागपत्र किसको सौंपता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री
(द) भारत के मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को सौंपता है। संघ लोक सेवा आयोग भारत के संविधान द्वारा स्थापित एक संवैधानिक निकाय है, जो भारत सरकार के लोकसेवा के पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए परीक्षाओं का संचालन करता है। संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है और संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति भी राष्ट्रपति करता है। संविधान के भाग–14 के अंतर्गत अनुच्छेद 315 से 323 में एक संघीय लोक सेवा आयोग और राज्यों के लिए राज्य लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान है।

2780. संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या को निर्धारित करने की शक्ति किसको प्राप्त है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) उपराष्ट्रपति (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग भारत के संविधान द्वारा स्थापित एक संवैधानिक निकाय है, जो भारत सरकार के लोकसेवा के पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए परीक्षाओं का संचालन करता है। संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है और संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति भी राष्ट्रपति करता है। संविधान के भाग–14 के अंतर्गत अनुच्छेद 315 से 323 में एक संघीय लोक सेवा आयोग और राज्यों के लिए राज्य लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान है। संघ लोक सेवा आयोग अपना प्रतिवेदन राष्ट्रपति को सौंपता है।

2781. संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) उपराष्ट्रपति (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग भारत के संविधान द्वारा स्थापित एक संवैधानिक निकाय है, जो भारत सरकार के लोकसेवा के पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए परीक्षाओं का संचालन करता है। संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है और संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति भी राष्ट्रपति करता है। संविधान के भाग–14 के अंतर्गत अनुच्छेद 315 से 323 में एक संघीय लोक सेवा आयोग और राज्यों के लिए राज्य लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान है। संघ लोक सेवा आयोग अपना प्रतिवेदन राष्ट्रपति को सौंपता है।

2782. संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की पदावधि कितनी होती है ?
(अ) 5 वर्ष या 62 वर्ष की आयु, जो भी पहले पूर्ण हो
(ब) 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले पूर्ण हो
(स) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले पूर्ण हो
(द) 4 वर्ष या 62 वर्ष की आयु, जो भी पहले पूर्ण हो
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त होते हैं। कम से कम आधे सदस्य किसी लोक सेवा के सदस्य (कार्यरत या अवकाशप्राप्त)

होते हैं, जिन्हें न्यूनतम 10 वर्षों का अनुभव प्राप्त हो। इनका कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की उम्र जो भी पहले आए, तक का होगा। ये कभी भी अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को दे सकते हैं। इससे पहले राष्ट्रपति इन्हें पद की अवमानना या अवैध कार्यों में लिप्त कार्यों में लिप्त होने पर बर्खास्त कर सकता है।

2783. भारत में पहली बार लोक सेवा आयोग की स्थापना किस अधिनियम के तहत हुई थी ?
(अ) इंडियन काउंसिल एक्ट, 1892
(ब) इंडियन काउंसिल एक्ट, 1909
(स) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1919
(द) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एकट, 1935
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत शासन अधिनियम, 1919 ब्रिटिश संसद के द्वारा पारित अधिनियम था, जिसका उद्देश्य भारतीय शासन में भारतीयों की भागीदारी को बढ़ाना था। इस अधिनियम को भारत सचिव एडविन मांटेग्यू एवं वायसराय लॉर्ड चेम्सफोर्ड के कार्यकाल में पारित किया गया। इस अधिनियम में अपनी अलग प्रस्तावना थी, जिसमें अधिनियम के मूल तत्वों का वर्णन किया गया है। इसके अलावा इस अधिनियम द्वारा 1926 ई. में लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान किया गया तथा भारत सचिव को भारत में महालेखा परीक्षक की नियुक्ति का अधिकार दिया गया। ब्रिटिश सरकार ने वर्ष 1919 में अधिनियम को पारित करते समय यह घोषणा की थी कि वे 10 वर्ष के पश्चात इन सुधारों की समीक्षा करेंगे।

2784. संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य अपना त्यागपत्र किसे सौंपते है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) लोकसभाध्यक्ष
(स) प्रधानमंत्री
(द) सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश
उत्तर : (अ) RRB 2005
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग भारत के संविधान द्वारा स्थापित एक संवैधानिक निकाय है जो भारत सरकार के लोकसेवा के पदाधिकारियों की नियुक्ति के लिए परीक्षाओं का संचालन करता है। संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है और संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की नियुक्ति भी राष्ट्रपति करता है। संविधान के भाग–14 के अंतर्गत अनुच्छेद 315 से 323 में एक संघीय लोक सेवा आयोग और राज्यों के लिए राज्य लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान है। संघ लोक सेवा आयोग अपना प्रतिवेदन राष्ट्रपति को सौंपता है।

2785. भारत सरकार अधिनियम, 1919 के अधीन लोक सेवा आयोग की स्थापना कब की गई थी ?
(अ) 1919 ई. में (ब) 1921 ई. में
(स) 1926 ई. में (द) 1929 ई. में
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत शासन अधिनियम, 1919 ब्रिटिश संसद के द्वारा पारित अधिनियम था, जिसका उद्देश्य भारतीय शासन में भारतीयों की भागीदारी को बढ़ाना था। इस अधिनियम को भारत सचिव एडविन मांटेग्यू एवं वायसराय लॉर्ड चेम्सफोर्ड के कार्यकाल में पारित किया गया। इस अधिनियम में अपनी अलग प्रस्तावना थी, जिसमें अधिनियम के मूल तत्वों का वर्णन किया गया है। इसके अलावा इस अधिनियम द्वारा 1926 ई. में लोक सेवा आयोग के गठन का प्रावधान किया गया तथा भारत सचिव को भारत में महालेखा परीक्षक की नियुक्ति का अधिकार दिया गया। ब्रिटिश सरकार ने वर्ष 1919 में अधिनियम को पारित करते समय यह घोषणा की थी कि वे 10 वर्ष के पश्चात इन सुधारों की समीक्षा करेंगे।

2786. दो या दो से अधिक राज्यों के लिए गठित संयुक्त राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्य की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) राष्ट्रपति
(स) केन्द्रीय गृह मंत्री
(द) आपसी सहमति से संबंधित राज्यों के राज्यपाल
उत्तर : (ब)
व्याख्या– दो या दो से अधिक राज्यों के लिए गठित संयुक्त राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्य की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।

2787. लोक सेवा आयोग की स्थापना के लिए किस आयोग ने सिफारिश की थी ?
(अ) विधि आयोग (ब) खरे आयोग
(स) वाल्कर आयोग (द) राजमन्नार आयोग
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत सरकार अधिनियम, 1919 ई. के अधीन सर्वप्रथम 1926 में लोक सेवा आयोग की स्थापना की गयी थी। लोक सेवा आयोग की स्थापना के लिए 1924 ई. में विधि आयोग ने सिफारिश की थी।

2788. सर्वप्रथम लोक सेवा आयोग की स्थापना किस वर्ष की गई थी ?
(अ) 1924 ई. (ब) 1926 ई.
(स) 1919 ई. (द) 1925 ई.
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत सरकार अधिनियम, 1919 ई. के अधीन सर्वप्रथम 1926 में लोक सेवा आयोग की स्थापना की गयी थी। लोक सेवा आयोग की

स्थापना के लिए 1924 ई. में विधि आयोग ने सिफारिश की थी।

2789. भारत में संघ लोक सेवा आयोग के लिए निम्न में से कौन सही है ?
(अ) यह राज्य लोक सेवा आयोग का निरीक्षण करता है
(ब) इसका राज्य लोक सेवा आयोग से कोई लेना–देना नहीं है
(स) इसके सारे सदस्य राज्य लोक सेवा आयोग से लिए जाते हैं
(द) यह राज्य लोक सेवा आयोगों का वार्षिक दिशा–निर्देश भेजता है
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत में संघ लोक सेवा आयोग के लिए उपर्युक्त कथनों में से यह सही है कि इसका राज्य लोक सेवा आयोग से कोई लेना–देना नहीं है।

2790. संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) लोकसभा अध्यक्ष (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

2791. संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या निर्धारित करने की शक्ति किसको है ?
(अ) प्रधानमंत्री (ब) राष्ट्रपति
(स) लोकसभा अध्यक्ष (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या निर्धारित करने की शक्ति राष्ट्रपति को है। वर्तमान में इसकी संख्या अध्यक्ष सहित 10 है।

2792. संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति कितने वर्षों के लिए की जाती है ?
(अ) 6 वर्ष (ब) 5 वर्ष
(स) 1 वर्ष (द) 2 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति 6 वर्षों के लिए की जाती है। यदि वह 6 वर्षों के अन्दर 65 वर्ष की आयु पूरी कर लेता है तो वह पद से मुक्त हो जाता है।

2793. संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य किस आयु सीमा तक अपने पद पर रह सकता है ?
(अ) 65 वर्ष (ब) 62 वर्ष
(स) 60 वर्ष (द) 58 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति 6 वर्षों के लिए की जाती है। यदि वह 6 वर्षों के अन्दर 65 वर्ष की आयु पूरी कर लेता है तो वह पद से मुक्त हो जाता है।

2794. राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य किस आयु सीमा तक अपने पद पर रह सकते हैं ?
(अ) 65 वर्ष (ब) 62 वर्ष
(स) 60 वर्ष (द) 58 वर्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति 6 वर्षों के लिए की जाती है। यदि वह 6 वर्षों के अन्दर 62 वर्ष की आयु पूरी कर लेता है तो वह पद से मुक्त हो जाता है।

2795. राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल कितना होता है ?
(अ) 6 वर्ष (ब) 5 वर्ष
(स) 1 वर्ष (द) 2 वर्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष या 62 वर्ष की उम्र तक होता है। इन दोनों में जो पहले पूरा होता है, उसी के तहत वे अवकाश ग्रहण करते हैं, परन्तु उन्हें कार्यकाल के बीच उच्चतम न्यायालय के प्रतिवेदन पर तथा कुछ निर्हताओं के होने पर संविधान के अनुच्छेद–317 के अन्तर्गत राष्ट्रपति हटा सकते हैं।

2796. राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) राज्यपाल
(स) मुख्यमंत्री (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल के द्वारा की जाती है, परन्तु इन्हें हटाने का अधिकार राज्यपाल को नहीं है। राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष या 62 वर्ष की उम्र तक होता है। इन दोनों में जो पहले पूरा होता है, उसी के तहत वे अवकाश ग्रहण करते हैं, परन्तु उन्हें कार्यकाल के बीच उच्चतम न्यायालय के प्रतिवेदन पर तथा कुछ निर्हताओं के होने पर संविधान के अनुच्छेद–317 के अन्तर्गत राष्ट्रपति हटा सकते हैं।

2797. संयुक्त राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की पदावधि होती है–
(अ) 5 वर्ष या 62 वर्ष की आयु, जो भी पहले पूर्ण
(ब) 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु, जो भी पूर्ण हो
(स) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पूर्ण हो
(द) 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पूर्ण हो
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315 (1) के अनुसार, संघ के लिए एक लोक सेवा आयोग और प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्य लोक सेवा आयोग होगा। अनुच्छेद 315(2) में दो अथवा दो से अधिक राज्यों को मिलकर एक संयुक्त राज्य लोक सेवा आयोग की स्थापना का प्रावधान हैं। संयुक्त राज्य

लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है। संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा अन्य सदस्यों का कार्यकाल पदग्रहण करने की तारीख से 6 वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने तक होता है। राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों का कार्यकाल भी 6 वर्ष हेतु निर्धारित किया गया है, परन्तु अवकाश प्राप्ति की अधिकतम आयु 62 वर्ष है। लोक सेवा सदस्यों की प्रमाणित कदाचार, दिवालिया होने, कार्यकाल के दौरान कोई अन्य संवैधानिक पद ग्रहण करने, राष्ट्रपति की दृष्टि में मानसिक अथवा शारीरिक दुर्बलता के कारण अपने कर्तव्य निर्वाह में असमर्थ होने तथा अनुच्छेद 317 के अनुसार, लाभ प्राप्ति हेतु संघ अथवा राज्य सरकार के निर्देशन में कोई समझौता करने पर राष्ट्रपति द्वारा पदमुक्त किया जा सकता है। इसके अलावा संघ लोक सेवा आयोग अथवा राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष अथवा सदस्य क्रमशः राष्ट्रपति अथवा राज्यपाल को अपना त्याग पत्र देकर भी पदमुक्त हो सकते है।

2798. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों को उनके पद से हटाने का अधिकार राष्ट्रपति को है ?
(अ) अनुच्छेद–317 (ब) अनुच्छेद–312
(स) अनुच्छेद–249 (द) अनुच्छेद–365
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष या 62 वर्ष की उम्र तक होता है। इन दोनों में, जो पहले पूरा होता है, उसी के तहत वे अवकाश ग्रहण करते हैं, परन्तु उन्हें कार्यकाल के बीच उच्चतम न्यायालय के प्रतिवेदन पर तथा कुछ निर्हताओं के होने पर संविधान के अनुच्छेद–317 के अन्तर्गत राष्ट्रपति हटा सकते हैं।

2799. निम्नलिखित में से क्या भारत में सिविल सेवाओं की एक विशिष्टता है ?
(अ) पक्षपात
(ब) तटस्थता एवं निष्पक्षता
(स) अस्थायी राजनीतिक कार्यकारी संबंध
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब) SSC 2015
व्याख्या– तटस्थता एवं निष्पक्षता भारत में सिविल सेवाओं की एक विशिष्टता है।

2800. संयुक्त राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्य अपना त्यागपत्र किसको सौंपते हैं ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) राज्यपाल (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315 (1) के अनुसार, संघ के लिए एक लोक सेवा आयोग और प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्य लोक सेवा आयोग होगा। अनुच्छेद 315(2) में दो अथवा दो से अधिक राज्यों को मिलकर एक संयुक्त राज्य लोक सेवा आयोग की स्थापना का प्रावधान हैं। संयुक्त राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा तथा राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है। संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा अन्य सदस्यों का कार्यकाल पदग्रहण करने की तारीख से 6 वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने तक होता है। राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों का कार्यकाल भी 6 वर्ष हेतु निर्धारित किया गया है, परन्तु अवकाश प्राप्ति की अधिकतम आयु 62 वर्ष है। लोक सेवा सदस्यों की प्रमाणित कदाचार, दिवालिया होने, कार्यकाल के दौरान कोई अन्य संवैधानिक पद ग्रहण करने, राष्ट्रपति की दृष्टि में मानसिक अथवा शारीरिक दुर्बलता के कारण अपने कर्तव्य निर्वाह में असमर्थ होने तथा अनुच्छेद 317 के अनुसार, लाभ प्राप्ति हेतु संघ अथवा राज्य सरकार के निर्देशन में कोई समझौता करने पर राष्ट्रपति द्वारा पदमुक्त किया जा सकता है। इसके अलावा संघ लोक सेवा आयोग अथवा राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष अथवा सदस्य क्रमशः राष्ट्रपति अथवा राज्यपाल को अपना त्याग पत्र देकर भी पदमुक्त हो सकते है।

2801. प्रशासकीय (केन्द्रीय) सेवाओं के लिए नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) संघ लोक सेवा आयोग
(स) प्रधानमंत्री
(द) गृह मंत्रालय
उत्तर : (ब)
व्याख्या– प्रशासकीय (केन्द्रीय) सेवाओं के लिए नियुक्ति संघ लोक सेवा आयोग करेगा।

2802. निम्नलिखित में से किस संवैधानिक पदाधिकारी को उनके पद से पदच्युत करने के लिए महाभियोग की प्रक्रिया का पालन आवश्यक नहीं है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) उपराष्ट्रपति
(स) संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष
(द) सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश
उत्तर : (स) SSC 2015
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष एक संवैधानिक पदाधिकारी होता है और उसे उनके पद से पदच्युत करने के लिए महाभियोग की प्रक्रिया का पालन आवश्यक नहीं है।

2803. संविधान के अनुसार लोक सेवा आयोग के कृत्य सरकार के लिए है–
(अ) सलाहकारी (ब) आबद्धकारी
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुसार लोक सेवा आयोग के कृत्य सरकार के लिए सलाहकारी हैं।

2804. संयुक्त राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों को साबित कदाचार एवं असमर्थता के आधार पर कौन पदच्युत कर सकता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) प्रधानमंत्री
(स) संसद
(द) भारत के मुख्य न्यायाधीश
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 315 (1) के अनुसार, संघ के लिए एक लोक सेवा आयोग और प्रत्येक राज्य के लिए एक राज्य लोक सेवा आयोग होगा। अनुच्छेद 315(2) में दो अथवा दो से अधिक राज्यों को मिलकर एक संयुक्त राज्य लोक सेवा आयोग की स्थापना का प्रावधान हैं। संयुक्त राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है। संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा अन्य सदस्यों का कार्यकाल पदग्रहण करने की तारीख से 6 वर्ष अथवा 65 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने तक होता है। राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों का कार्यकाल भी 6 वर्ष हेतु निर्धारित किया गया है, परन्तु अवकाश प्राप्ति की अधिकतम आयु 62 वर्ष है। लोक सेवा सदस्यों की प्रमाणित कदाचार, दिवालिया होने, कार्यकाल के दौरान कोई अन्य संवैधानिक पद ग्रहण करने, राष्ट्रपति की दृष्टि में मानसिक अथवा शारीरिक दुर्बलता के कारण अपने कर्तव्य निर्वाह में असमर्थ होने तथा अनुच्छेद 317 के अनुसार, लाभ प्राप्ति हेतु संघ अथवा राज्य सरकार के निर्देशन में कोई समझौता करने पर राष्ट्रपति द्वारा पदमुक्त किया जा सकता है। इसके अलावा संघ लोक सेवा आयोग अथवा राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष अथवा सदस्य क्रमशः राष्ट्रपति अथवा राज्यपाल को अपना त्याग पत्र देकर भी पदमुक्त हो सकते है।

2805. भारतीय संविधान में सिविल सेवाओं की कौनसी तीन श्रेणियों का प्रावधान किया गया है ?
(अ) प्रशासनिक, पुलिस और राजस्व सेवाएँ
(ब) प्रशासनिक, रेलवे और पुलिस सेवाएँ
(स) प्रशासनिक, पुलिस और विदेश सेवाएँ
(द) अखिल भारतीय, केन्द्र एवं राज्य सेवाएँ
उत्तर : (द) SSC 2015
व्याख्या– भारतीय संविधान में सिविल सेवाओं में प्रशासनिक, पुलिस और भारतीय वन सेवाएं तीन श्रेणियों का प्रावधान किया गया है।

2806. संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति किसके द्वारा की जाती है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभा अध्यक्ष (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

2807. भारत में पहली बार लोक सेवा आयोग की स्थापना किस अधिनियम के द्वारा हुई ?
(अ) इंडियन काउंसिल एक्ट, 1892
(ब) इंडियन काउंसिल एक्ट, 1909
(स) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1919
(द) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट, 1935
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय शासन अधिनियम, 1919 ई. के अधीन सर्वप्रथम 1926 ई. में लोक सेवा आयोग की स्थापना की गयी थी। लोक सेवा आयोग की स्थापना के लिए 1924 ई. में विधि आयोग ने सिफारिश की थी।

2808. संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा अखिल भारतीय सेवाओं का प्रावधान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 309 (ब) अनुच्छेद 310
(स) अनुच्छेद 311 (द) अनुच्छेद 312
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद–312 के अंतर्गत अखिल भारतीय सेवाओं का प्रावधान किया गया है। यदि राज्य सभा ने उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों में से कम से कम दो–तिहाई सदस्यों द्वारा समर्थित संकल्प द्वारा यह घोषित किया है कि राष्ट्रीय हित में ऐसा करना आवश्यक है तो संसद विधि द्वारा संघ और राज्यों के लिए सम्मिलित एक या अधिक अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन के लिए उपबन्ध कर सकेगी।

2809. संविधान के किस अनुच्छेद द्वारा लोक सेवाओं को संरक्षण प्रदान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 310 (ब) अनुच्छेद 311
(स) अनुच्छेद 312 (द) अनुच्छेद 313
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद–311 में लोक सेवकों को संवैधानिक सुरक्षा प्रदान की गयी है अर्थात् किसी व्यक्ति को जो संघ की सिविल सेवा का या अखिल भारतीय सेवा का या राज्य की सिविल सेवा का सदस्य है अथवा संघ या राज्य के अधीन कोई सिविल पद धारण करता है, उसकी नियुक्ति करने वाले प्राधिकारी के अधीनस्थ किसी प्राधिकारी द्वारा पदच्युत नहीं किया जाएगा या पद से नहीं हटाया जाएगा।

2810. अखिल भारतीय सेवाओं का सृजन कौन कर सकता है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) संघ लोक सेवा आयोग
(स) 2/3 बहुमत से राज्यसभा
(द) 2/3 बहुमत से लोकसभा
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 312 में अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन के सम्बन्ध में प्रावधान किया गया है। संविधान के प्रारम्भ में केवल दो अखिल भारतीय सेवाएँ थी– भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा भारतीय पुलिस सेवा। इसके बाद भारतीय वन सेवा को भी इसमें शामिल किया गया। अनुच्छेद 312 में यह उपबन्ध है कि यदि राज्य सभा उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों में कम से कम दो–तिहाई सदस्यों द्वारा समर्थित संकल्प द्वारा यह घोषित करती है कि राष्ट्रीय हित में ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है तो संसद विधि बनाकर अखिल भारतीय सेवा का सृजन कर सकती है। अखिल भारतीय सेवाओं को काम करने में अधिक स्वतंत्रता होती है, क्योंकि यद्यपि वे राज्य में काम करते हैं, फिर भी वे राज्य के नियंत्रण के अधीन नहीं होते।

2811. संविधान के किस अनुच्छेद के अंतर्गत राज्य सभा नई अखिल भारतीय प्रशासनिक सेवाओं की रचना प्रस्तावित कर सकती है ?
(अ) अनुच्छेद 249 (ब) अनुच्छेद 311
(स) अनुच्छेद 312 (द) अनुच्छेद 365
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 312 में अखिल भारतीय सेवाओं के सृजन के सम्बन्ध में प्रावधान किया गया है। संविधान के प्रारम्भ में केवल दो अखिल भारतीय सेवाएँ थी– भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा भारतीय पुलिस सेवा। इसके बाद भारतीय वन सेवा को भी इसमें शामिल किया गया। अनुच्छेद 312 में यह उपबन्ध है कि यदि राज्य सभा उपस्थित और मत देने वाले सदस्यों में कम से कम दो–तिहाई सदस्यों द्वारा समर्थित संकल्प द्वारा यह घोषित करती है कि राष्ट्रीय हित में ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है तो संसद विधि बनाकर अखिल भारतीय सेवा का सृजन कर सकती है। अखिल भारतीय सेवाओं को काम करने में अधिक स्वतंत्रता होती है, क्योंकि यद्यपि वे राज्य में काम करते हैं, फिर भी वे राज्य के नियंत्रण के अधीन नहीं।

2812. भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की स्थापना कब हुई ?
(अ) मार्च, 1950 (ब) मार्च, 1954
(स) अप्रैल, 1951 (द) मार्च, 1955
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय लोक प्रशासन संस्थान की स्थापना 1954 में भारतीय प्रशासन पर पॉल एच. उप्पलबी द्वारा वर्ष 1953 में दी गई रिपोर्ट की सिफारिश पर की गयी थी।

2813. भारत में किस प्रकार की प्रशासनिक सेवाएं हैं ?
(अ) अखिल भारतीय सेवा
(ब) केन्द्रीय सेवा
(स) प्रांतीय सेवा
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत में प्रशासनिक सेवाओं के प्रकार हैं–अखिल भारतीय सेवा, केन्द्रीय सेवा और प्रांतीय सेवा।

2814. अखिल भारतीय सेवा में सम्मिलित नहीं है–
(अ) भारतीय प्रशासनिक सेवा
(ब) भारतीय पुलिस सेवा
(स) भारतीय विदेश सेवा
(द) भारतीय वन सेवा
उत्तर : (स) SSC 2010
व्याख्या– भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा तथा भारतीय वन सेवा अखिल भारतीय सेवाएँ हैं। इन तीनों सेवाओं का गठन अखिल भारतीय सेवाएँ अधिनियम, 1951 के तहत किया गया है जबकि भारतीय विदेश सेवा अखिल भारतीय सेवा के रूप में वर्गीकृत नहीं है।

2815. क्या भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका की भांति लोक सेवाओं का विभाजन है ?
(अ) हाँ (ब) नहीं
(स) कुछ विशेष सेवाओं में (द) अस्पष्ट
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत में संयुक्त राज्य अमेरिका की भाँति लोक सेवाओं का विभाजन नहीं है।

2816. अखिल भारतीय सेवा नहीं है–
(अ) भारतीय वन सेवा
(ब) भारतीय प्रशासनिक सेवा
(स) भारतीय पुलिस सेवा
(द) भारतीय राजस्व सेवा
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा तथा भारतीय वन सेवा, अखिल भारतीय सेवाएँ हैं। इन तीनों सेवाओं का गठन अखिल भारतीय सेवाएँ अधिनियम, 1951 के तहत किया गया है, जबकि भारतीय विदेश सेवा तथा भारतीय राजस्व सेवा अखिल भारतीय सेवा के रूप में वर्गीकृत नहीं है।

2817. भारतीय पुलिस सेवा का प्रशिक्षण कहाँ हुआ था ?
(अ) मंसूरी (ब) माउंट आबू
(स) नागपुर (द) हैदराबाद
उत्तर : (द)

व्याख्या– सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए भारतीय राष्ट्रीय संस्थान है। इस प्रशिक्षण के बाद इन अधिकारियों को उनकी ड्यूटी करने के लिए सम्बन्धित भारतीय राज्य कैडर (उच्च प्रशिक्षण प्राप्त सैनिकों, कर्मचारियों का समूह) में भेज दिया जाता है। यह अकादमी हैदराबाद में स्थित है।

2818. अखिल भारतीय सेवाओं की नियुक्ति की जाती है–
(अ) संघ लोक सेवा आयोग द्वारा
(ब) राष्ट्रपति द्वारा
(स) प्रधानमंत्री द्वारा
(द) संसद द्वारा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– अनुच्छेद 312 के अनुसार अखिल भारतीय सेवा राष्ट्रीय स्तर की सेवा है। इस सेवा के सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है जबकि सेवा की अन्य शर्तें संबंधित राज्य द्वारा निर्धारित की जाती है। वर्तमान में तीन अखिल भारतीय सेवाएँ हैं जिसमें दो स्वतंत्रता के समय से ही विद्यमान है–भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा जबकि भारतीय वन सेवा को वर्ष 1966 में शामिल किया गया है।

2819. भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) तथा भारतीय पुलिस सेवा (IPS) को समाप्त करने की सिफारिश किसने की थी ?
(अ) डेवर आयोग (ब) खरे आयोग
(स) वाल्कर आयोग (द) राजमन्नार आयोग
उत्तर : (द)
व्याख्या– वर्ष 1971 में प्रकाशित अपनी रिपोर्ट में राजमन्नार आयोग ने संघ राज्य सम्बन्धों में योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) की भूमिका को नकारने के साथ–साथ केंद्र सरकार द्वारा राज्यों में नियुक्त किये जाने वाले भारतीय प्रशासनिक सेवा (IAS) तथा भारतीय पुलिस सेवा (IPS) को समाप्त किये जाने की सिफारिश की थी।

2820. निम्नलिखित में से कौन अखिल भारतीय सेवा नहीं है ?
(अ) भारतीय प्रशासनिक सेवा
(ब) भारतीय पुलिस सेवा
(स) भारतीय ऑडिट एवं एकाउंट्स सेवा
(द) भारतीय वन सेवा
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय पुलिस सेवा तथा भारतीय वन सेवा अखिल भारतीय सेवाएँ हैं। इन तीनों सेवाओं का गठन अखिल भारतीय सेवाएँ अधिनियम, 1951 के तहत किया गया है जबकि भारतीय विदेश सेवा अखिल भारतीय सेवा के रूप में वर्गीकृत नहीं है। भारतीय ऑडिट एवं एकाउंट्स सेवा अखिल भारतीय सेवा नहीं है।

50.केन्द्रीय सतर्कता आयोग एवं मुख्य सतर्कता आयुक्त

2821. भारत के केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना निम्नलिखित में से किसकी सिफारिश पर की गई थी ?
(अ) प्रशासनिक सुधार आयोग
(ब) गोरेवाला समिति
(स) कृपलानी समिति
(द) संथानम समिति
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत में केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना संथानम समिति की सिफारिश के आधार पर की गई थी।

2822. केन्द्र सरकार द्वारा पारित एक प्रस्ताव के अंतर्गत केंद्रीय सतर्कता आयोग का गठन किस वर्ष हुआ था ?
(अ) 2003 में (ब) 1964 में
(स) 1965 में (द) 2000 में
उत्तर : (ब)
व्याख्या–केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 11 फरवरी, 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात् 2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया।

2823. केंद्रीय संस्थाओं में भ्रष्टाचार विरोधी शीर्ष संस्था है–
(अ) भारत निर्वाचन आयोग
(ब) भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
(स) केन्द्रीय सतर्कता आयोग
(द) राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 11 फरवरी, 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात् 2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया।

2824. केन्द्रीय सतर्कता आयोग भ्रष्टाचार के मामलों में केन्द्र के लिए है–
(अ) एक सलाहकारी निकाय
(ब) एक बाध्यकारी निकाय
(स) अपराध निरोधी निकाय
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

व्याख्या– केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात् 2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया। केन्द्रीय सतर्कता आयोग केन्द्र सरकार के लिए एक सलाहकारी निकाय के रूप में कार्य करता है।

2825. केन्द्रीय सतर्कता आयोग को भारतीय संसद द्वारा दर्जा प्राप्त है–
(अ) संवैधानिक (ब) वैधानिक
(स) सांविधिक (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात् 2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया।

2826. केन्द्रीय सतर्कता आयोग को संसद द्वारा किस वर्ष सांविधिक दर्जा दिया गया है ?
(अ) 1965 में (ब) 2000 में
(स) 2003 में (द) 2005 में
उत्तर : (स)
व्याख्या–केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात् 2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया।

2827. केन्द्रीय सतर्कता आयोग की सलाह/सिफारिश को केन्द्र सरकार–
(अ) स्वीकार करेगी
(ब) अस्वीकार करेगी
(स) दोनों का स्वंतत्र प्रावधान
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात् 2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया। केन्द्रीय सतर्कता आयोग केन्द्र सरकार के लिए एक सलाहकारी निकाय के रूप में कार्य करता है। केन्द्र सरकार केन्द्रीय सतर्कता आयोग की सलाह /सिफारिश को स्वीकार करना होगा।

2828. केन्द्रीय सतर्कता आयोग को भ्रष्टाचार की शिकायतों के संदर्भ में निम्न अधिकार प्राप्त है–
(अ) इसे आपराधिक अभियोजन की शक्ति प्राप्त है।
(ब) यह जाँच एजेंसियों से रिपोर्ट माँग सकता है।
(स) यह राज्यों की पुलिस बल का परीक्षण करता है।
(द) इसे राज्य सरकार के विभागों की जाँच का अधिकार प्राप्त है।
उत्तर : (ब)
व्याख्या– केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात् 2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया। यह जाँच एजेसियों से रिपोर्ट माँग सकता है।

2829. केन्द्रीय सतर्कता आयोग निम्न प्रकार की संस्था है–
(अ) बहु सदस्यीय संस्था
(ब) बहुआयामी संस्था
(स) एकल सदस्यीय संस्था
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या–केंद्रीय सतर्कता आयोग एक बहु सदस्यीय संस्था है। केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 1964 ई. में की गई थी।

2830. केन्द्रीय सतर्कता आयोग जागरूकता सप्ताह मनाता है–
(अ) महात्मा गाँधी के जन्मदिन वाला सप्ताह
(ब) सरदार पटेल के जन्मदिन वाला सप्ताह
(स) जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन वाला सप्ताह
(द) लालबहादुर शास्त्री के जन्मदिन वाला सप्ताह
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात् 2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया। सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्मदिन वाले सप्ताह को केन्द्रीय सतर्कता आयोग जागरूकता सप्ताह मनाता है।

2831. केन्द्रीय सतर्कता आयोग के संबंध में कौनसा कथन सत्य है ?
1. केन्द्रीय सतर्कत आयोग अपनी वार्षिक रिपोर्ट राष्ट्रपति को देता है।
2. आयोग की वार्षिक रिपोर्ट को राष्ट्रपति द्वारा संसद के दोनों पटलों में रखा जाता है।
3. आयुक्त (अध्यक्ष) का कार्यकाल 4 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो, तक होता है।
4. आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति की अध्यक्षता में गृहमंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता द्वारा की जाती है।
(अ) 1 एवं 4 (ब) 1 एवं 2
(स) 1 एवं 3 (द) 1, 2 एवं 3
उत्तर : (द)
व्याख्या– केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात् 2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया। यह आयोग अपनी वार्षिक रिपोर्ट राष्ट्रपति को देता है। आयोग की वार्षिक रिपोर्ट को राष्ट्रपति द्वारा संसद के दोनों पटलों में रखा जाता है। आयुक्त (अध्यक्ष) का कार्यकाल 4 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो, तक होता है।

2832. केन्द्रीय सतर्कता आयोग संस्था है–
(अ) सांविधिक (ब) संवैधानिक
(स) कार्यकारिणी (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात् 2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया।

2833. भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम किस वर्ष आया था ?
(अ) 1987 (ब) 1988
(स) 1964 (द) 2003
उत्तर : (स)
व्याख्या– भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम वर्ष 1988 में आया था।

2834. भारत में भ्रष्टाचार रोकने के लिए प्रमुख संस्था कौनसी है ?
(अ) केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
(ब) भ्रष्टाचार निरोधक आयोग
(स) केन्द्रीय सतर्कता आयोग
(द) केन्द्रीय सूचना आयोग
उत्तर : (स)
व्याख्या–केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात् 2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया।

2835. केन्द्रीय सतर्कता आयोग का गठन किस समिति की सिफारिश पर किया गया था ?
(अ) लोक लेखा समिति
(ब) संथानम समिति
(स) बक्सी टेकचंद समिति
(द) संसदीय समिति
उत्तर : (ब)
व्याख्या–केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 11 फरवरी, 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इस आयोग का गठन संथानम समिति की सिफारिश पर किया गया था।

2836. केन्द्रीय सतर्कता आयोग में कुल कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 5 (द) 6
उत्तर : (ब)
व्याख्या–केंद्रीय सतर्कता आयोग में अध्यक्ष सहित कुल तीन सदस्य होते हैं। केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात् 2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया।

2837. केन्द्रीय सतर्कता आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति के लिए बनी नियुक्ति समिति में कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 5 (द) 6
उत्तर : (ब)
व्याख्या–केंद्रीय सतर्कता आयोग में अध्यक्ष सहित कुल तीन सदस्य होते हैं। इनकी नियुक्ति के लिए बनी नियुक्ति समिति में भी तीन सदस्य होते हैं। केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात्

2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया।

2838. केन्द्रीय सतर्कता आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) लोकसभा अध्यक्ष
(स) गृहमंत्री (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या–केंद्रीय सतर्कता आयोग में अध्यक्ष सहित कुल तीन सदस्य होते हैं। इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है। केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात् 2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया।

2839. केंद्रीय सतर्कता आयोग में मुख्य आयुक्त के वेतन, भत्ते एवं अन्य सेवा शर्तें किसके समान होती है ?
(अ) वित्त आयोग के अध्यक्ष के समान
(ब) सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के समान
(स) संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के समान
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– केंद्रीय सतर्कता आयोग में मुख्य आयुक्त के वेतन, भत्ते एवं अन्य सेवा शर्तें संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के समान होते हैं। केंद्रीय सतर्कता आयोग के अन्य सदस्यों के वेतन, भत्ते एवं अन्य सेवा शर्तें संघ लोक सेवा आयोग के अन्य सदस्यों के समान होते हैं ।

2840. केन्द्रीय सतर्कता आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति के लिए बनी नियुक्ति समिति में कौन शामिल नहीं है ?
(अ) राष्ट्रपति
(ब) लोकसभा में विपक्ष का नेता
(स) गृहमंत्री
(द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या–केंद्रीय सतर्कता आयोग में अध्यक्ष सहित कुल तीन सदस्य होते हैं। इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है। केन्द्रीय सतर्कता आयोग में अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति के लिए बनी नियुक्ति समिति में प्रधानमंत्री अध्यक्ष होता है तथा गृहमंत्री और लोकसभा में विपक्ष का नेता सदस्य होते हैं।

2841. केन्द्रीय सतर्कता आयोग अपनी वार्षिक क्रिया कलापों की रिपोर्ट किसे सौंपता है ?
(अ) प्रधानमंत्री को (ब) संसद को
(स) राष्ट्रपति को (द) गृहमंत्री को
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 11 फरवरी, 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इस आयोग का गठन संथानम समिति की सिफारिश पर किया गया था। केन्द्रीय सतर्कता आयोग अपनी वार्षिक क्रिया कलापों की रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपता है। इसके पश्चात् राष्ट्रपति वार्षिक रिपोर्ट को संसद के दोनों पटलों पर रखता है।

2842. मुख्य सतर्कता आयुक्त एवं अन्य आयुक्तों का कार्यकाल कितने वर्ष का होता है ?
(अ) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु
(ब) 3 वर्ष या 60 वर्ष की आयु
(स) 4 वर्ष या 65 वर्ष की आयु
(द) 4 वर्ष या 60 वर्ष की आयु
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 11 फरवरी, 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इस आयोग का गठन संथानम समिति की सिफारिश पर किया गया था। केंद्रीय सतर्कत आयोग में मुख्य सतर्कता आयुक्त एवं अन्य आयुक्तों का कार्यकाल 4 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक होता है।

2843. केंद्रीय सतर्कता आयोग किस मंत्रालय के अधीन कार्य करता है ?
(अ) जनसंपर्क मंत्रालय के अधीन
(ब) लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के अधीन
(स) सतर्कता मंत्रालय के अधीन
(द) गृह मंत्रालय के अधीन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– केन्द्रीय सतर्कता आयोग कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के अधीन कार्य करता है। केंद्रीय सतर्कता आयोग में अध्यक्ष सहित कुल तीन सदस्य होते हैं। केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इसके पश्चात् 2003 ई. में संसद द्वारा पारित एक विधि द्वारा इसे सांविधिक दर्जा प्रदान किया गया।

2844. मुख्य सतर्कता आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) गृह मंत्री (द) राज्यपाल
उत्तर : (अ) RRB 2004

व्याख्या– मुख्य सतर्कता आयुक्त की नियुक्ति प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति करते है। समिति के अन्य सदस्यों में गृहमंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष शामिल होते हैं।

2845. मुख्य सतर्कता आयुक्त और अन्य आयुक्त अपना त्यागपत्र किसे सौंपते हैं ?
(अ) प्रधानमंत्री को (ब) संसद को
(स) राष्ट्रपति को (द) गृहमंत्री को
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्रीय सतर्कता आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा पारित एक प्रस्ताव के माध्यम से 11 फरवरी, 1964 ई. में की गई थी। इस आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार की संस्थाओं में भ्रष्टाचार को रोकने हेतु स्वायत्त संस्था के रूप में की गई। इस आयोग का गठन संथानम समिति की सिफारिश पर किया गया था। केंद्रीय सतर्कता आयोग में अध्यक्ष सहित कुल तीन सदस्य होते हैं। इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है। केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त और अन्य आयुक्त अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को सौंपता है।

2846. केन्द्रीय सतर्कता आयोग (C.V.C.) के कार्य में सहायता के लिए निम्न में से कौनसीं संस्थाएँ हैं ?
(अ) सचिवालय
(ब) मुख्य तकनीकी परीक्षक शाखा
(स) विभागीय जाँचों के लिए आयुक्त
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (ब)
व्याख्या– केन्द्रीय सतर्कता आयोग के कार्य में सहायता के लिए सचिवालय, मुख्य तकनीकी परीक्षक शाखा और विभागीय जाँचों के लिए आयुक्त होते हैं।

51.राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

2847. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) की स्थापना कब हुई थी ?
(अ) 1992 में (ब) 1991 में
(स) 1993 में (द) 1994 में
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) भारत की केन्द्रीय मानवाधिकार संस्था है। इसकी स्थापना 12 अक्टूबर, 1993 को हुई थी। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। इसमें एक अध्यक्ष और पाँच सदस्य होते हैं। आयोग का अध्यक्ष भारत का कोई सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश होना चाहिए। आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों को कार्यकाल तीन वर्ष या 70 वर्ष (जो भी पहले हो) होता है। इस आयोग के प्रथम अध्यक्ष न्यायमूर्ति रंगनाथ मिश्रा थे।

2848. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति समिति में निम्नलिखित में से कौन सदस्य नहीं होता है ?
(अ) लोक सभा का अध्यक्ष
(ब) राज्य सभा का सभापति
(स) लोक सभा का विपक्ष का नेता
(द) राज्य सभा में विपक्ष का नेता
उत्तर : (ब) SSC 2007
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) के अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति, प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में गठित एक समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति करते हैं। इस समिति में लोकसभा अध्यक्ष, गृह मंत्री, मुख्य विपक्षी दल के नेता और राज्यसभा के उपाध्यक्ष शामिल होते हैं।

2849. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एक निकाय है–
(अ) संवैधानिक निकाय (ब) कार्यकारिणी निकाय
(स) सांविधिक निकाय (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) एक सांविधिक निकाय है। इसका संविधान में कहीं उल्लेख नहीं है।

2850. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) का मुख्यालय कहाँ है ?
(अ) मुंबई में (ब) कोलकाता में
(स) चेन्नई में (द) दिल्ली में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन 12 अक्टूबर, 1993 में किया गया। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है।

2851. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) में कुल कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 12 (ब) 13
(स) 15 (द) 11
उत्तर : (ब)

व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन 12 अक्टूबर, 1993 में किया गया। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में कुल 13 सदस्य होते हैं।

2852. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में पदेन सदस्यों की संख्या कितनी है ?
(अ) 7 (ब) 5
(स) 8 (द) 6
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन 12 अक्टूबर, 1993 में किया गया। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में पदेन सदस्यों की संख्या 7 होती है।

2853. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) का गठन किस वर्ष हुआ था ?
(अ) 1992 में (ब) 1993 में
(स) 1994 में (द) 1995 में
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन 12 अक्टूबर, 1993 में किया गया। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) भारत की केन्द्रीय मानवाधिकार संस्था है। इसमें एक अध्यक्ष और पाँच सदस्य होते हैं। आयोग का अध्यक्ष भारत का कोई सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश होना चाहिए। आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों को कार्यकाल तीन वर्ष या 70 वर्ष (जो भी पहले हो) होता है।

2854. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में पदेन सदस्य कौन नहीं है ?
(अ) एससी आयोग का अध्यक्ष
(ब) एसटी आयोग का अध्यक्ष
(स) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(द) ओबीसी आयोग का अध्यक्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन 12 अक्टूबर, 1993 में किया गया। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग में एससी आयोग, एसटी आयोग एवं ओबीसी आयोग के अध्यक्ष पदेन सदस्य होते हैं और इनकी कुल संख्या 7 होती है।

2855. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के नियुक्त सदस्यों की नियुक्ति के लिए बनी कमेटी में कुल कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 7 (ब) 6
(स) 4 (द) 5
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के नियुक्त सदस्यों की नियुक्ति के लिए बनी कमेटी में कुल 6 सदस्य होते हैं। इस कमेटी के अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं।

2856. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की नियुक्ति कमेटी में कौन सदस्य नहीं हैं ?
(अ) लोकसभा अध्यक्ष
(ब) राज्यसभा का प्रतिपक्ष नेता
(स) लोकसभा का प्रतिपक्ष नेता
(द) राज्यसभा का सभापति
उत्तर : (द)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के नियुक्त सदस्यों की नियुक्ति के लिए बनी कमेटी में कुल 6 सदस्य होते हैं। इन सदस्यों में लोकसभा अध्यक्ष, राज्यसभा का प्रतिपक्ष नेता, लोकसभा का प्रतिपक्ष नेता, राज्यसभा का उपसभापति होते है तथा प्रधानमंत्री इस कमेटी का अध्यक्ष होता है।

2857. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष की योग्यताएँ क्या है ?
(अ) सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश या अन्य न्यायाधीश रहा हो
(ब) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश रहा हो
(स) जिला न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश रहा हो
(द) राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का ज्ञात हो
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का अध्यक्ष हेतु सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश या अन्य न्यायाधीश होना आवश्यक है।

2858. राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस प्रतिवर्ष कब मनाया जाता है ?
(अ) 10 अक्टूबर (ब) 10 सितम्बर
(स) 10 नवम्बर (द) 10 दिसम्बर
उत्तर : (द)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस प्रतिवर्ष 10 दिसम्बर को मनाया जाता है।

2859. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल कितने वर्ष है ?
(अ) 3 वर्ष या 65 वर्ष (ब) 3 वर्ष या 70 वर्ष
(स) 4 वर्ष या 70 वर्ष (द) 5 वर्ष या 70 वर्ष
उत्तर : (द)
व्याख्या– वर्तमान में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का कार्यकाल 3 वर्ष या 70 वर्ष की आयु होता है।

2860. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के संबंध में किसने कहा था कि यह भारत का चिढ़ा भ्रम है ?
(अ) जनरल बक्शी ने
(ब) जनरल सरबजीत ने
(स) जनरल सोली सोराबजी ने
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन 1993 के अधिनियम के तहत किया गया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को भारत का चिढ़ा भ्रम जनरल सोली सोराबजी ने कहा था।

2861. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य अपना त्यागपत्र किसे सौंपते हैं ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) गृहमंत्री (द) उपराष्ट्रपति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को सौंपते हैं। इनकी नियुक्ति भी राष्ट्रपति करते हैं तथा इन्हें हटाने का अधिकार भी राष्ट्रपति को है।

2862. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अन्य विभागो में कौनसा नहीं है ?
(अ) विधि विभाग (ब) प्रशासन विभाग
(स) प्रशिक्षण विभाग (द) मुख्य तकनीकी विभाग
उत्तर : (द)
व्याख्या–विधि विभाग, प्रशासन विभाग एवं प्रशिक्षण विभाग राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से संबंधित है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन 12 अक्टूबर, 1993 में किया गया।

2863. निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(अ) इसका गठन 1993 के अधिनियम के तहत हुआ था।
(ब) इसमें नियुक्त सदस्यों की संख्या 6 है।
(स) आयोग का प्रथम संशोधन अधिनियम 2003 में आया था।
(द) आयोग का वर्तमान संशोधन अधिनियम 2019 में आया था।
उत्तर : (स)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन 1993 के अधिनियम के तहत किया गया है। इसमें नियुक्त सदस्यों की संख्या 6 होती है। इस आयोग का प्रथम संशोधन अधिनियम वर्ष 2006 में आया था। इस आयोग का वर्तमान संशोधन अधिनियम 2019 आया है।

2864. संयुक्त राष्ट्र संघ ने मानवाधिकार की सार्वभौमिक घोषणा कब की ?
(अ) 10 दिसम्बर, 1949 (ब) 10 दिसम्बर, 1950
(स) 10 दिसम्बर, 1948 (द) 10 दिसम्बर, 1951
उत्तर : (स)
व्याख्या– संयुक्त राष्ट्र संघ ने मानवाधिकार की सार्वभौमिक घोषणा 10 दिसम्बर, 1948 को की थी।

2865. राष्ट्रीय मानवाधिकार अधिनियम कब पारित किया गया था ?
(अ) 12 अक्टूबर, 1993 (ब) 11 दिसम्बर, 1994
(स) 12 अक्टूबर, 1955 (द) 14 दिसम्बर, 1996
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का गठन 12 अक्टूबर, 1993 को पारित राष्ट्रीय मानवाधिकार अधिनियम, 1993 के अधिनियम के तहत किया गया है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली में है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (NHRC) भारत की केन्द्रीय मानवाधिकार संस्था है। इसमें एक अध्यक्ष और पाँच सदस्य होते हैं। आयोग का अध्यक्ष भारत का कोई सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश होना चाहिए। आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों को कार्यकाल तीन वर्ष या 70 वर्ष (जो भी पहले हो) होता है।

2866. अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस कब मनाया जाता है ?
(अ) 10 दिसम्बर को (ब) 11 दिसम्बर को
(स) 12 दिसम्बर को (द) 14 दिसम्बर को
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस प्रतिवर्ष 10 दिसम्बर को मनाया जाता है।

52.केन्द्रीय सूचना आयोग

2867. निम्न में से कौनसा कथन केन्द्रीय सूचना आयोग के बारे में सही नहीं है ?
(अ) यह एक संवैधानिक निकाय नहीं है
(ब) यह एक स्वतंत्र निकाय है
(स) इस आयोग की स्थापना शासकीय राजपत्रित अधिसूचना के माध्यम से की गई थी
(द) संविधान के अनुच्छेद 79 में केन्द्रीय सूचना आयोग की स्थापना का प्रावधान है
उत्तर : (द)
व्याख्या– केन्द्रीय सूचना आयोग भारत सरकार का एक सांविधानिक निकाय है। इसकी स्थापना वर्ष 2005 में सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत की गयी थी। इसका उद्देश्य उन आवेदकों को सुविधा देना है, जो किसी सरकारी विभाग या मंत्रालय से मांगी गई सूचनाओं से संतुष्ट नहीं है या उसे सूचनाएँ नहीं दी गई है।

2868. केन्द्रीय सूचना आयोग का गठन किस वर्ष किया गया–
(अ) 1964 में (ब) 1993 में
(स) 1992 में (द) 2005 में
उत्तर : (द)
व्याख्या– सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत केन्द्रीय सूचना आयोग का गठन 12 अक्टूबर, 2005 को किया गया है। इसमें एक मुख्य सूचना आयुक्त और कुछ सूचना आयुक्त होते हैं, जिसकी संख्या दस से अधिक नहीं होती है। इसके प्रथम अध्यक्ष वजाहत हबीबुल्लाह थे, जिनका कार्यकाल 26 अक्टूबर, 2005 से 19 सितम्बर, 2010 तक रहा।

2869. सूचना का अधिकार दिलाने का अभियान चलाने के लिए किसे मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया ?
(अ) श्रीमती अरुणा रॉय (ब) डॉ. पी.के. सेठी
(स) श्रीमती रतन शास्त्री (द) श्रीमती जानकी देवी
उत्तर : (अ) RPSC IIgr. Tch. 2011
व्याख्या– सूचना का अधिकार दिलाने का अभियान चलाने के लिए श्रीमती अरुणा रॉय को मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अरुणा रॉय एमकेएसएस और राष्ट्रीय जन सूचना अधिकार अभियान (एनसीपीआरआई) के माध्यम से भारत में सूचना के अधिकार आंदोलन की नेता रहीं हैं, जो अंततः वर्ष 2005 में सूचना का अधिकार अधिनियम के पारित को कराने में सफल रहीं।

2870. केन्द्रीय सूचना आयोग में कितने सदस्य (मुख्य सूचना आयुक्त सहित) हो सकते हैं ?
(अ) 10 (ब) 6
(स) 12 (द) तय नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– केन्द्रीय सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त सहित कुल 10 सदस्य हो सकते हैं।

2871. निम्न में से किस अनुच्छेद के अंतर्गत केन्द्रीय सूचना आयोग की स्थापना की बात कही गयी है ?
(अ) अनुच्छेद 280 (ब) अनुच्छेद 125
(स) अनुच्छेद 79 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (द)
व्याख्या– केन्द्रीय सूचना आयोग भारत सरकार का एक सांविधानिक निकाय है। इसकी स्थापना वर्ष 2005 में सूचना के अधिकार अधिनियम के तहत की गयी थी। इसका उद्देश्य उन आवेदकों को सुविधा देना है जो किसी सरकारी विभाग या मंत्रालय से मांगी गई सूचनाओं से संतुष्ट नहीं है या उसे सूचनाएँ नहीं दी गई है।

2872. मुख्य सूचना आयुक्त के वेतन एवं भत्ते किसके समान होते हैं ?
(अ) सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के समान
(ब) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के समानं
(स) मुख्य निर्वाचन आयुक्त के समान
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– मुख्य सूचना आयुक्त के वेतन एवं भत्ते मुख्य निर्वाचन आयुक्त के समान होते हैं।

2873. मुख्य सूचना आयुक्त एवं अन्य सूचना आयुक्त को उनके पद से कौन हटा सकता है ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश
(स) सुप्रीम कोर्ट की जाँच सही पाए जाने के बाद राष्ट्रपति हटा सकता है
(द) संसद के दोनों सदनों में बिल पास करके
उत्तर : (स)
व्याख्या– सुप्रीम कोर्ट की जाँच सही पाए जाने पर राष्ट्रपति को मुख्य सूचना आयुक्त एवं अन्य सूचना आयुक्त को उनके पद से हटाने का अधिकार है।

2874. मुख्य सूचना आयुक्त और अन्य सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) केवल राष्ट्रपति
(ब) प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में गठित एक समिति के आदेश पर राष्ट्रपति द्वारा
(स) सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– मुख्य सूचना आयुक्त और अन्य सदस्यों की नियुक्ति प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में गठित एक समिति के आदेश पर राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। सुप्रीम कोर्ट की जाँच सही पाए जाने पर राष्ट्रपति को मुख्य सूचना आयुक्त एवं अन्य सूचना आयुक्त को उनके पद से हटाने का अधिकार है।

2875. केन्द्रीय सूचना आयोग किस मंत्रालय के अंतर्गत आता है ?
(अ) कार्मिक मंत्रालय (ब) गृह मंत्रालय
(स) प्रधानमंत्री कार्यालय (द) कानून मंत्रालय
उत्तर : (अ)
व्याख्या– केन्द्रीय सूचना आयोग कार्मिक मंत्रालय के अंतर्गत आता है।

2876. दुनिया का पहला देश जिसने सूचना के अधिकार कानून को लागू किया था ?
(अ) अमेरिका (ब) स्वीडन
(स) इंग्लैंड (द) भारत
उत्तर : (ब)
व्याख्या– यूरोपीय देश स्वीडन दुनिया का पहला देश है जिसने सूचना के अधिकार कानून को लागू किया। इस देश में सन् 1766 में सूचना के अधिकार का कानून लागू हुआ था।

2877. मुख्य सूचना आयुक्त एवं अन्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए गठित समिति में कौन शामिल नहीं होता है ?
(अ) प्रधानमंत्री
(ब) राष्ट्रपति
(स) लोकसभा में विपक्ष का नेता
(द) एक कैबिनेट मंत्री (प्रधानमंत्री द्वारा नामित)
उत्तर : (ब)
व्याख्या– केन्द्रीय सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त एवं अन्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए गठित समिति में प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष का नेता एवं एक कैबिनेट मंत्री (प्रधानमंत्री द्वारा नामित) शामिल होते हैं।

2878. केन्द्रीय सूचना आयोग की स्थापना कब हुई थी ?
(अ) 16 अक्टूबर (ब) 18 अक्टूबर
(स) 12 अक्टूबर (द) 15 अक्टूबर
उत्तर : (स)
व्याख्या–केन्द्रीय सूचना आयोग की स्थापना 12 अक्टूबर, 2005 को हुई थी।

2879. केन्द्रीय सूचना आयोग की स्थापना किसके द्वारा की जाती है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) केन्द्र सरकार
(स) संसद (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– केन्द्रीय सूचना आयोग की स्थापना केन्द्र सरकार के द्वारा की जाती है।

2880. केन्द्रीय सूचना आयोग में अधिकतम कितने सदस्यों का प्रावधान है ?
(अ) 8 (ब) 5
(स) 10 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– केन्द्रीय सूचना आयोग में अधिकतम 10 सदस्यों का प्रावधान है। वर्तमान में इस आयोग के 6 सदस्य हैं।

2881. केन्द्रीय सूचना आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की पदावधि कितनी होती है ?
(अ) 3 वर्ष (ब) 5 वर्ष
(स) 6 वर्ष (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संशोधन अधिनियम, 2019 के पश्चात् यह निर्णय लिया गया कि पदावधि का निर्धारण केन्द्र सरकार करेगी और केन्द्र सरकार ने केन्द्रीय सूचना आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की पदावधि 3 वर्ष निर्धारित की है। संशोधन से पूर्व पदावधि 5 वर्ष हुआ करती थी।

2882. केन्द्रीय सूचना आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) केन्द्र सरकार
(स) संसद (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– केन्द्रीय सूचना आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति चयन समिति की सिफारिश पर राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है। इस चयन समिति के अध्यक्ष प्रधानमंत्री होते हैं।

2883. केन्द्रीय सूचना आयोग के अध्यक्ष व सदस्य अपना त्यागपत्र किसे सौंपते हैं ?
(अ) राष्ट्रपति को (ब) केन्द्र सरकार को
(स) संसद को (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– केन्द्रीय सूचना आयोग के अध्यक्ष व सदस्य अपना त्यागपत्र राष्ट्रपति को सौंपते हैं।

2884. केन्द्रीय सूचना आयोग में मुख्य सूचना आयुक्त का वेतन व सेवा शर्तें कौन निर्धारित करता है ?
(अ) केन्द्र सरकार (ब) राष्ट्रपति
(स) संसद (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– केन्द्र सरकार मुख्य सूचना आयुक्त का वेतन व सेवा शर्तें निर्धारित करता है।

2885. केन्द्रीय सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त को किसके द्वारा हटाया जा सकता है ?
(अ) केन्द्र सरकार (ब) राष्ट्रपति
(स) संसद (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– केन्द्रीय सूचना आयोग के मुख्य सूचना आयुक्त को हटाने का अधिकार राष्ट्रपति को है।

53.राज्य निर्वाचन आयोग

2886. राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग का गठन हुआ–
(अ) जून, 1993 को (ब) जुलाई, 1994 को
(स) अगस्त, 1995 को (द) सितम्बर, 1996 को
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राजस्थान पंचायती राज अधिनियम की धारा 130 के तहत राज्य निर्वाचन आयोग के गठन हेतु 17 जून, 1994 को एक अध्यादेश जारी हुआ, जिसके तहत 1 जुलाई, 1994 को राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग का गठन किया गया। इसका मुख्यालय जयपुर में है।

2887. राजस्थान का राज्य निर्वाचन आयोग है–
(अ) एक वैधानिक संस्था
(ब) एक कार्यपालिका संस्था
(स) एक संवैधानिक संस्था
(द) भारत के चुनाव आयोग की एक इकाई
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के भाग 9 में पंचायती राज संस्थाओं एवं भाग 9(क) में शहरी निकायों के गठन के संबंध में प्रावधान है और राजस्थान का राज्य निर्वाचन आयोग इन निकायों का चुनाव करवाता है। इसलिए राजस्थान का निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है।

2888. किसकी सलाह पर राज्यपाल राजस्थान विधानसभा सदस्य की निर्योग्यता संबंधी मामलों का निर्णय कर सकता है ?
(अ) मुख्यमंत्री (ब) निर्वाचन आयोग
(स) राष्ट्रपति (द) विधानसभा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– निर्वाचन आयोग की सलाह पर राज्यपाल राजस्थान विधानसभा सदस्य की निर्योग्यता संबंधी मामलों का निर्णय कर सकता है।

2889. राज्य निर्वाचन आयोग राजस्थान के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है ?
(अ) यह राज्य निर्वाचन आयुक्त की अध्यक्षता में एक एकल सदस्यीय आयोग है।
(ब) इस आयोग में एक सचिव होता है जो राज्य का मुख्य निर्वाचन अधिकारी भी होता है।
(स) यह आयोग मानव और बाल अधिकारों से संबंधित है।
(द) यह आयोग अनुच्छेद 243यद (243ZA) के तहत नगर निकायों के लिए निर्वाचन कराता है।
उत्तर : (स)
व्याख्या– राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग में राज्य निर्वाचन आयुक्त की अध्यक्षता में एक एकल सदस्यीय आयोग है। इस आयोग में एक सचिव होता है जो राज्य का मुख्य निर्वाचन अधिकारी भी होता है। यह आयोग अनुच्छेद 243यद (243ZA) के तहत नगर निकायों के लिए निर्वाचन कराता है।

2890. राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(ब) भारत का मुख्य निर्वाचन आयुक्तक
(स) राज्य का राज्यपाल
(द) राज्य का मुख्यमंत्री
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति राज्य मंत्रिपरिषद् की सलाह पर राज्यपाल करता है।

2891. राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग के संबंध में कौनसा/कौनसे कथन सही हैं ?
1. राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग का गठन संविधान के अनुच्छेद 243ट के अधीन अप्रैल, 1994 में हुआ।
2. राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग एक एकल सदस्ययीय आयोग है, जिसकी अध्यक्षता राज्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा की जाती है।
3. राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग का एक सचिव है, जो राज्य का मुख्य निर्वाचन अधिकारी भी होता है।
(अ) केवल 1 (ब) 1 एवं 2
(स) 2 एवं 3 (द) 1, 2 एवं 3
उत्तर : (स)
व्याख्या– राजस्थान पंचायती राज अधिनियम की धारा 130 के तहत राज्य निर्वाचन आयोग के गठन हेतु 17 जून, 1994 को एक अध्यादेश जारी हुआ जिसके तहत 1 जुलाई, 1994 को राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग का गठन किया गया। राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग में राज्य निर्वाचन आयुक्त की अध्यक्षता में एक एकल सदस्यीय आयोग है। इस आयोग में एक सचिव होता है जो राज्य का मुख्य निर्वाचन अधिकारी भी होता है। यह आयोग अनुच्छेद 243यद (243ZA) के तहत नगर निकायों के लिए निर्वाचन कराता है।

2892. राजस्थान के पहले राज्य निर्वाचन आयुक्त कौन थे ?
(अ) नेकराम भसीन (ब) कांता कुमारी
(स) प्रेमसिंह मेहरा (द) अमरसिंह राठौड़
उत्तर : (द)
व्याख्या–राजस्थान के पहले राज्य निर्वाचन आयुक्त अमरसिंह राठौड़ थे। इनका कार्यकाल 1 जुलाई, 1994 से 1 जुलाई, 2000 तक रहा। दूसरे राज्य निर्वाचन आयुक्त नेकराम भसीन थे। तीसरे आयुक्त इन्द्रजीत खन्ना थे।

2893. निम्नलिखित में से कौन राज्य चुनाव आयोग का अध्यक्ष नहीं रहा ?
(अ) अमरसिंह राठौड़ (ब) नेकराम भसीन
(स) इन्द्रजीत खन्ना (द) सगीर अहमद
उत्तर : (द)
व्याख्या–राजस्थान के पहले राज्य निर्वाचन आयुक्त अमरसिंह राठौड़ थे। इनका कार्यकाल 1 जुलाई,

1994 से 1 जुलाई, 2000 तक रहा। दूसरे राज्य निर्वाचन आयुक्त नेकराम भसीन थे। तीसरे आयुक्त इन्द्रजीत खन्ना थे।

2894. राज्य निर्वाचन आयोग के बारे में निम्न कथनों पर विचार कीजिए एवं सही निर्णय का चुनाव कीजिए–
1. राज्य की पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के चुनावों के लिए निर्वाचन सूची तैयार करना।
2. पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के लिए चुनाव सम्पन्न कराना।
3. भारतीय निर्वाचन आयोग द्वारा प्रस्तुत निर्वाचन सूची चयन और तैयार करने का कार्य।
(अ) 2 एवं 3 (ब) 1, 2 एवं 3
(स) 1 एवं 2 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– राजस्थान राज्य निर्वाचन आयोग राज्य की पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के चुनाव के लिए निर्वाचन सूची तैयार करवाता है। पंचायतों एवं नगरपालिकाओं के लिए चुनाव सम्पन्न करवाता है।

2895. राज्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यकाल होता–
(अ) 3 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक
(ब) 4 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक
(स) 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक
(द) 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यकाल 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, होता है।

2896. राज्य निर्वाचन आयुक्त अपना त्यागपत्र किसे सौंपता है ?
(अ) मुख्यमंत्री को (ब) राज्यपाल को
(स) राष्ट्रपति को (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य निर्वाचन आयुक्त अपना त्यागपत्र राज्यपाल को सौंपता है। राज्य निर्वाचन आयुक्त की नियुक्ति रज्यपाल करता है। राज्य निर्वाचन आयुक्त का कार्यकाल 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, होता है।

2897. संविधान के किस अनुच्छेद में राज्य निर्वाचन आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 243K (ब) अनुच्छेद 243ZA
(स) (अ) और (ब) दोनों (द) अनुच्छेद 136
उत्तर : (स)
व्याख्या– पंचायती राज संस्थाओं के लिए 73वें संविधान संशोधन के द्वारा अनुच्छेद 243K जोड़ा गया तथा शहरी निकायों के लिए 74वें संविधान संशोधन के द्वारा अनुच्छेद 243ZA के जोड़ा गया। अनुच्छेद 243K में पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन के लिए तथा अनुच्छेद 243ZA में शहरी निकायों के निर्वाचन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है।

2898. राज्य निर्वाचन आयुक्त को उसके कार्यकाल की समाप्ति से पूर्व पद से कैसे हटाया जा सकता है ?
(अ) राज्यपाल द्वारा उच्च न्यायालय के परामर्श से
(ब) राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री के परामर्श से
(स) राज्य विधानसभा में महाभियोग प्रस्ताव पास करके राज्यपाल द्वारा
(द) राष्ट्रपति द्वारा, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया द्वारा
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य निर्वाचन आयोग में नियुक्त राज्य निर्वाचन आयुक्त को उसके कार्यकाल की समाप्ति से पूर्व पद से राष्ट्रपति द्वारा, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाने की प्रक्रिया द्वारा हटाया जा सकता है।

2899. राज्य निर्वाचन आयोग कितने वर्ष में पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन करवाता है ?
(अ) प्रत्येक 5 वर्ष में
(ब) किसी पंचायती राज संस्था का विघटन हो जाने पर
(स) (अ) और (ब) दोनों स्थितियों में
(द) प्रत्येक 6 वर्ष में
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य निर्वाचन आयोग प्रत्येक 5 वर्ष में अथवा किसी पंचायती राज संस्था के विघटन हो जाने पर, दोनों ही स्थितियों में पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन करवाता है।

2900. राज्य निर्वाचन आयोग है, एक–
(अ) संवैधानिक निकाय (ब) संविधानेत्तर निकाय
(स) विधिक इकाई (द) सलाहकारी निकाय
उत्तर : (अ)
व्याख्या–राज्य निर्वाचन आयोग का गठन संविधान में संशोधन करके किया गया है, इसलिए यह एक संवैधानिक निकाय है।

54.राज्य लोक सेवा आयोग

2901. राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों को साबित कदाचार तथा असमर्थता के आधार पर कौन पदच्युत कर सकता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) राज्यपाल (द) संसद
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष तथा सदस्यों को साबित कदाचार तथा असमर्थता के आधार पर राष्ट्रपति पद से हटा सकता है।

2902. राजस्थान लोक सेवा आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?
(अ) एस. के. घोष (ब) एस.सी. त्रिपाठी
(स) डी.एस. तिवाड़ी (द) एम.एम. शर्मा
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राजस्थान लोक सेवा आयोग के प्रथम अध्यक्ष राजस्थान उच्च न्यायालय के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एस.के. घोष थे। इनका कार्यकाल 22 दिसम्बर, 1949 से 27 जुलाई, 1950 तक रहा। इनके समय अध्यक्ष सहित तीन सदस्य होते थे। वर्ष 2011 से इस आयोग में कुल सदस्य अध्यक्ष सहित 8 सदस्य होते हैं।

2903. राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्यों की, अध्यक्ष सहित कुल संख्या है–
(अ) 5 (ब) 6
(स) 7 (द) 8
उत्तर : (द)
व्याख्या– राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या अध्यक्ष सहित कुल 8 है। इस आयोग की पहली महिला अध्यक्ष कांता कथुरिया थी।

2904. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार राज्य लोक सेवा आयोग अपना प्रतिवेदन संबंधित राज्य के राज्यपाल को सौंपते है ?
(अ) 315 (ब) 316
(स) 320 (द) 323
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 323 के अनुसार राज्य लोक सेवा आयोग अपना प्रतिवेदन संबंधित राज्य के राज्यपाल को सौंपते हैं।

2905. राज्य महाधिवक्ता व राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) मुख्यमंत्री
(ब) राज्यपाल
(स) उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
(द) विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य महाधिवक्ता व राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल करते हैं।

2906. राजस्थान लोक सेवा आयोग का मुख्यालय कहाँ है ?
(अ) जयपुर (ब) जोधपुर
(स) अजमेर (द) उदयपुर
उत्तर : (स)
व्याख्या– राजस्थान लोक सेवा आयोग का गठन 20 अगस्त, 1949 को हुआ। राजस्थान लोक सेवा आयोग का मुख्यालय अजमेर में है। 16 अगस्त, 1949 को राजप्रमुख मानसिंह द्वारा जयपुर में राजस्थान लोक सेवा आयोग की स्थापना हेतु अध्यादेश जारी किया गया। 22 अगस्त, 1949 को यह अध्यादेश प्रभावी हुआ और 22 दिसम्बर, 1949 से राजस्थान लोक सेवा आयोग ने कार्य प्रारंभ किया अर्थात् 22 दिसम्बर, 1949 को इस आयोग का गठन हुआ। पी. सत्यनारायण राव समिति की सिफारिश पर इस आयोग का मुख्यालय जयपुर से हटाकर अजमेर स्थानांतरित की।

2907. राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्यों का कार्यकाल होता है–
(अ) 6 वर्ष
(ब) 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, दोनों में से जो भी पहले हो
(स) 5 वर्ष या 62 वर्ष की आयु, दोनों में से जो भी पहले हो
(द) 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु, दोनों में से जो भी पहले हो
उत्तर : (द)
व्याख्या– राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु, दोनों में से जो भी पहले हो, होता है। संविधान के अनुच्छेद 316(2) में राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्यों का कार्यकाल का उल्लेख है। 41वें संविधान संशोधन, 1976 के द्वारा सदस्यों का कार्यकाल 60 वर्ष से बढ़ाकर 62 वर्ष की गई थी।

2908. राजस्थान लोक सेवा आयोग का गठन हुआ–
(अ) 30 मार्च, 1948 (ब) 1 नवम्बर, 1956
(स) 20 अगस्त, 1949 (द) 26 जनवरी, 1950
उत्तर : (स)
व्याख्या– राजस्थान लोक सेवा आयोग का गठन 20 अगस्त, 1949 को हुआ था।

2909. 1956 में राज्य पुनर्गठन के बाद किस समिति की सिफारिश पर राजस्थान लोक सेवा आयोग को अजमेर स्थानांतरित किया गया ?
(अ) प्रशासनिक सुधार आयोग
(ब) सादिक अली समिति
(स) पी. सत्यनारायण राव समिति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– 1956 में राज्य पुनर्गठन के बाद पी. सत्यनारायण समिति द्वारा राजस्थान लोक सेवा

आयोग का मुख्यालय अजमेर में स्थानांतरित किया गया।

2910. राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या और सेवा शर्तों का अवधारण (निर्धारण) कौन करता है ?
(अ) राज्यपाल (ब) राष्ट्रपति
(स) राज्य विधानसभा (द) मुख्यमंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राजस्थान लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या और सेवा शर्तों का अवधारण (निर्धारण) राज्यपाल करता है।

2911. राजस्थान लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष अपना त्यागपत्र किसे देगा ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) राज्यपाल (द) मुख्यमंत्री
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 316(2)(क) के अंतर्गत राजस्थान लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष अपना त्यागपत्र राज्यपाल को देगा।

2912. राजस्थान लोक सेवा आयोग के संबंध में निम्नांकित में से कौनसा सत्य नहीं है ?
(अ) आयोग के सदस्य भारत के राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त किये जाएंगे।
(ब) आयोग के सदस्य अपने पद से भारत के राष्ट्रपति द्वारा हटाए जाएंगे।
(स) आयोग के सदस्यों का कार्यकाल अपने पद ग्रहण से 6 वर्ष या 62 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो, होगा।
(द) आयोग के सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति हेतु पात्र होंगे।
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है। आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य सेवानिवृत्ति के पश्चात् उस राजस्थान लोक सेवा आयोग में पुनर्नियुक्ति नहीं हो सकती।

2913. दो या दो से अधिक राज्यों के लिये गठित संयुक्त लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) सबसे बड़े राज्य के राज्यपाल द्वारा
(ब) भारत के राष्ट्रपति द्वारा
(स) सभी संबंधित राज्यों के राज्यपालों की समिति द्वारा
(द) संबंधित राज्यपालों की सिफारिश पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 315 के अंतर्गत दो या दो से अधिक राज्यों के लिये गठित संयुक्त लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

2914. लोक सेवा दिवस किस दिन मनाया जाता है ?
(अ) 22 जून (ब) 21 सितम्बर
(स) 21 अप्रैल (द) 15 अगस्त
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोक सेवा दिवस 21 अप्रैल को मनाया जाता है।

2915. राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष को निलम्बित किया जा सकता है–
(अ) राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा
(ब) राजस्थान के मुख्य सचिव द्वारा
(स) राजस्थान के राज्यपाल द्वारा
(द) राजस्थान के उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा
उत्तर : (स)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद 317(2) के तहत जब राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की जाँच सर्वोच्च न्यायालय द्वारा चल रही हो, उस समय राज्यपाल आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों को निलम्बित कर सकता है। इसी प्रकार संयुक्त लोक सेवा आयोग की जाँच चल रही हो, तो राष्ट्रपति द्वारा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों को निलम्बित किया जा सकता है।

2916. राजस्थान लोक सेवा आयोग किस दिन प्रभाव में आया ?
(अ) 22 नवम्बर, 1949 (ब) 22 दिसम्बर, 1949
(स) 22 जनवरी, 1950 (द) 22 फरवरी, 1950
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राजस्थान लोक सेवा आयोग 22 दिसम्बर, 1949 को प्रभाव में आया। संविधान के अनुच्छेद 320 में राजस्थान लोक सेवा आयोग के कार्य एवं कर्तव्यों का वर्णन है। संविधान के अनुच्छेद 319 के तहत राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य अन्य राज्यों के लोक सेवा आयोगों एवं संघ लोक सेवा आयोग में नियुक्ति ले सकते हैं।

2917. राजस्थान लोक सेवा आयोग के संबंध में निम्न में से कौनसा कथन सही है ?
1. आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्य तब तक अपने पद पर बने रहते हैं, जब तक कि वे 6 वर्ष का कार्यकाल अथवा 60 वर्ष की आयु पूर्ण नहीं कर लेते।
2. इसका गठन 1 अगस्त, 1949 का हुआ था।
3. आयोग का सदस्य बनने के लिए कोई योग्यता निर्धारित नहीं है, सिवाय इसके कि आधे सदस्य केन्द्र या राज्य सरकार के अधीन 10 वर्ष तक पदासीन रहे हों।
4. डॉ. एस.सी. त्रिपाठी आयोग के प्रथम अध्यक्ष थे।
(अ) 1, 3 और 4 (ब) केवल 3
(स) 2 और 4 (द) 2 और 3
उत्तर : (ब)

व्याख्या– राजस्थान लोक सेवा आयोग के आधे सदस्य केन्द्र या राज्य सरकार के अधीन 10 वर्ष तक पदासीन रहे हों अर्थात् वे आई.ए.एस. अथवा आर.ए.एस. के पद पर 10 वर्ष तक पदासीन रहे हो।

2918. राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्य अपना इस्तीफा किसको सौंपते हैं ?
(अ) विधानसभा अध्यक्ष (ब) राष्ट्रपति
(स) राज्यपाल (द) मुख्यमंत्री
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्य अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंपते हैं।

2919. राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या निर्धारित करने की शक्ति किसको प्राप्त है ?
(अ) विधानसभाध्यक्ष (ब) राज्यपाल
(स) मुख्यमंत्री (द) प्रधानमंत्री
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य लोक सेवा आयोग के सदस्यों की संख्या निर्धारित करने की शक्ति राज्यपाल को है।

2920. दो या अधिक राज्यों के लिए संयुक्त लोक सेवा आयोग का गठन कौन करेगा ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) राज्य विधान मण्डल (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– दो या अधिक राज्यों के लिए संयुक्त लोक सेवा आयोग का गठन राष्ट्रपति करता है।

2921. सत्यनारायण राव समिति की सिफारिश पर राजस्थान लोक सेवा आयोग को जयपुर से कहाँ स्थानांतरित किया गया ?
(अ) अजमेर (ब) जोधपुर
(स) कोटा (द) उदयपुर
उत्तर : (अ)
व्याख्या– सत्यनारायण राव समिति की सिफारिश पर राजस्थान लोक सेवा आयोग को जयपुर से अजमेर में स्थानांतरित किया गया।

2922. निम्नलिखित किस मामले में राज्य लोक सेवा आयोग से परामर्श नहीं लिया जाता है ?
(अ) सिविल सेवाओं का स्थानांतरण
(ब) सिविल सेवाओं में पदोन्नति एवं एक सेवा से दूसरी सेवा में अंतरण के लिए अनुसरण लिये जाने वाली सिद्धांतों पर
(स) सिविल सेवाओं की नियुक्ति में अनुसरण में लिये जाने वाले सिद्धांतों पर
(द) सिविल सेवाओं के लिए भर्ती की पद्धति पर
उत्तर : (अ)
व्याख्या–सिविल सेवा से सम्बद्ध अधिकारियों के स्थानांतरण के मामले में राज्य लोक सेवा आयोग से परामर्श नहीं लिया जाता है।

2923. राज्य लोक सेवा आयोग का प्रमुख कार्य है ?
(अ) आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत करता है।
(ब) यह राज्य की सेवा में विशेष अर्हता वाली नीतियों की पद्धति बनाता है तथा उनके प्रवर्तन में राज्य की सहायता करता है।
(स) राज्य सेवाओं में नियुक्ति के लिए परीक्षा का संचालन, सरकारे को पदोन्नति, अभ्यर्थियों की योग्यता तथा अनुशासन सम्बन्धी मामलों पर परामर्श देना।
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य लोक सेवा आयोग अपना वार्षिक प्रतिवेदन राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत करता है। यह राज्य की सेवा में विशेष अर्हता वाली नीतियों की पद्धति बनाता है तथा उनके प्रवर्तन में राज्य की सहायता करता है। राज्य सेवाओं में नियुक्ति के लिए परीक्षा का संचालन, सरकारे को पदोन्नति, अभ्यर्थियों की योग्यता तथा अनुशासन सम्बन्धी मामलों पर परामर्श देता है।

2924. राज्य लोक सेवा आयोग अपना प्रतिवेदन किसको सौंपता है ?
(अ) राज्यपाल को (ब) प्रधानमंत्री को
(स) मुख्यमंत्री को (द) राष्ट्रपति को
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य लोक सेवा आयोग अपना प्रतिवेदन राज्यपाल को सौंपता है।

55.राज्य मानवाधिकार आयोग

2925. राजस्थान की राज्य सरकार ने राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के गठन की अधिसूचना कब जारी की ?
(अ) 16 मार्च, 2001 (ब) 17 जनवरी, 1998
(स) 19 फरवरी, 1997 (द) 18 फरवरी, 1999
उत्तर : (द) RMSSB IInd Grade 2019
व्याख्या– राजस्थान की राज्य सरकार ने राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के गठन की अधिसूचना 18 फरवरी, 1999 को जारी की और इस आयोग ने मार्च, 2000 ई. में कार्य प्रारंभ किया।

2926. राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का विन्यास है–
(अ) एक अध्यक्ष एवं तीन सदस्य
(ब) एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष एवं एक सचिव
(स) एक अध्यक्ष एवं दो सदस्य
(द) एक अध्यक्ष एवं चार सदस्य
उत्तर : (स) SI 2018
व्याख्या– राजस्थान की राज्य सरकार ने राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के गठन की अधिसूचना 18 फरवरी, 1999 को जारी की और इस आयोग ने मार्च, 2000 ई. में कार्य प्रारंभ किया। प्रारम्भ में इस आयोग में एक अध्यक्ष एवं चार सदस्य होते थे, लेकिन वर्ष 2006 ई. में संशोधन के पश्चात् इस आयोग में एक अध्यक्ष एवं दो सदस्य होते हैं।

2927. राजस्थान मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा एक समिति की सिफारिश पर की जाएगी जो मिलकर बनेगी–
(अ) मुख्य न्यायमूर्ति, मुख्यमंत्री, विधानसभा के अध्यक्ष और गृहमंत्री
(ब) मुख्यमंत्री, विधानसभा के अध्या, गृहमंत्री और विपक्ष के नेता
(स) राज्यपाल, मुख्यमंत्री, गृहमंत्री और वित्त मंत्री
(द) मुख्यमंत्री, विधानसभा के अध्यक्ष, गृहमंत्री और वित्त मंत्री
उत्तर : (ब) कॉलेज व्याख्याता, 2019
व्याख्या– राजस्थान मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा एक समिति, जिसमें मुख्यमंत्री विधानसभा के अध्यक्ष, गृहमंत्री और विपक्ष के नेात होते हैं और मुख्यमंत्री इस समिति का अध्यक्ष होता है, की सिफारिश पर नियुक्ति होती है।

2928. राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) उपराष्ट्रपति (द) राज्यपाल
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा मुख्यमंत्री की अध्यक्षता वाली एक समिति की सिफारिश पर की जाती है। इस आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों को हटाने का अधिकार राष्ट्रपति को है। राजस्थान मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष या उनकी आयु 70 वर्ष हो, जो भी पहले हो, वह होगा।

2929. राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष पद पर नियुक्ति हेतु अधिकृत है–
(अ) मुख्य सचिव स्तर का अधिकारी
(ब) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(स) प्रमुख समाजसेवी व्यक्ति
(द) पुलिस महानिदेशक स्तर का अधिकारी
उत्तर : (ब) RAS 2021
व्याख्या– राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष पद पर उच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश या अन्य न्यायाधीश हो सकता है।

2930. राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के किसी सदस्य द्वारा अधिकतम किस उम्र तक पद धारित किया जा सकता है ?
(अ) 65 वर्ष (ब) 62 वर्ष
(स) 67 वर्ष (द) 70 वर्ष
उत्तर : (द) कॉलेज व्याख्याता, 2019
व्याख्या– राजस्थान मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष या उनकी आयु 70 वर्ष हो, जो भी पहले हो, वह होगा।

2931. राजस्थान राज्य मानवाधिकार के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?
(अ) श्री एन.के. जैन (ब) रंगनाथ मिश्र
(स) अरुण मिश्रा (द) अमिताभ राय
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के प्रथम अध्यक्ष श्री एन.के. जैन थे।

2932. राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का गठन कब किया गया ?
(अ) 1993 (ब) 1995
(स) 2000 (द) 1950
उत्तर : (स)
व्याख्या– राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का गठन 18 जनवरी, 1999 को किया गया था किन्तु मार्च 2000 से विधिवत् रूप से कार्य करना प्रारंभ किया।

2933. राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग अस्तित्व में आया–
(अ) 10 दिसम्बर, 1998 (ब) 26 जनवरी, 1995
(स) 18 जनवरी, 1999 (द) 2 अक्टूबर, 2000
उत्तर : (स)
व्याख्या– राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का गठन 18 जनवरी, 1999 को किया गया था किन्तु इस आयोग ने मार्च 2000 से विधिवत् रूप से कार्य करना प्रारंभ किया था।

2934. राज्य मानवाधिकार आयोग में कुल कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 3 (ब) 2
(स) 4 (द) 5
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य मानवाधिकार आयोग में एक अध्यक्ष एवं दो सदस्यों मिलाकर कुल तीन सदस्य होते हैं।

2935. राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष के अतिरिक्त कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 5 (ब) 6
(स) 7 (द) 4
उत्तर : (द)
व्याख्या– राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष के अतिरिक्त 4 सदस्य होते हैं। राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग में वर्तमान में अध्यक्ष के अतिरिक्त दो सदस्य हैं।

2936. राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के वर्तमान अध्यक्ष कौन है ?
(अ) श्री मधुकर गुप्ता
(ब) श्री गोपाल कृष्ण व्यास
(स) श्री रामचन्द्र सिंह झाला
(द) श्री महेश गोयल
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के वर्तमान अध्यक्ष श्री गोपाल कृष्ण व्यास हैं।

2937. राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के किसी सदस्य द्वारा अधिकतम किस उम्र तक पद धारित किया जा सकता है ?
(अ) 65 वर्ष (ब) 62 वर्ष
(स) 67 वर्ष (द) 70 वर्ष
उत्तर : (द) कॉलेज व्याख्याता, 2019
व्याख्या– राजस्थान मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 3 वर्ष या उनकी आयु 70 वर्ष हो, जो भी पहले हो, वह होगा।

2938. निम्नलिखित में से किस एक की परिस्थिति अन्य तीनों से भिन्न है ?
(अ) राज्य मानवाधिकार आयोग
(ब) राज्य वित्त आयोग
(स) राज्य निर्वाचन आयोग
(द) केन्द्र का वित्त आयोग
उत्तर : (अ)
व्याख्या–राज्य वित्त आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, केन्द्र वित्त आयोग संवैधानिक संस्थाएँ हैं, जबकि राज्य मानवाधिकार आयोग संवैधानिक संस्था नहीं है। अतः यह आयोग अन्य तीनों से भिन्न है।

2939. राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का मुख्यालय कहाँ स्थित है ?
(अ) जोधपुर (ब) उदयपुर
(स) जयपुर (द) अजमेर
उत्तर : (स)
व्याख्या– राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का मुख्यालय जयपुर में स्थित है।

2940. राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग का विन्यास है–
(अ) एक अध्यक्ष एवं तीन सदस्य
(ब) एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष एवं एक सचिव
(स) एक अध्यक्ष एवं दो सदस्य
(द) एक अध्यक्ष एवं चार सदस्य
उत्तर : (स)
व्याख्या– राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष के अतिरिक्त 4 सदस्य होते हैं। राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग में वर्तमान में अध्यक्ष के अतिरिक्त दो सदस्य हैं।

2941. राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति के लिए बनी समिति में कितने सदस्य होते हैं ?
(अ) 6 (ब) 4
(स) 3 (द) 2
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राज्य मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों की नियुक्ति के लिए बनी समिति में कुल 4 सदस्य होते है और ये चार सदस्य है।–मुख्यमंत्री, गृहमंत्री, विधानसभा का अध्यक्ष एवं नेता प्रतिपक्ष है।

2942. निम्नलिखित में से कौनसा एक राज्य मानवाधिकार आयोग का कार्य नहीं है ?
(अ) मानव अधिकार के उल्लंघन की स्वेच्छा से जाँच
(ब) किसी जेल को देखना
(स) मानव अधिकारों की सुरक्षा का पुनरावलोकन करना।
(द) मानव अधिकारों का उल्लंघन करने वालों को सजा देना
उत्तर : (द)
व्याख्या– मानव अधिकारों का उल्लंघन करने वालों का सजा देने का कार्य राज्य मानव अधिकार आयोग का कार्य नहीं है।

56.राज्य सूचना आयोग

2943. राज्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) प्रदेश का मुख्यमंत्री
(ब) प्रदेश का राज्यपाल
(स) उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश
(द) मुख्यमंत्री, विधानसभा में विपक्ष का नेता और एक कैबिनेट मंत्री की समिति द्वारा
उत्तर : (द)
व्याख्या–राज्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति मुख्यमंत्री, विधानसभा में विपक्ष का नेता और एक कैबिनेट मंत्री की समिति द्वारा की जाती है।

2944. राजस्थान सूचना आयोग का गठन कब हुआ था ?
(अ) 18 अप्रैल, 2005 (ब) 18 अप्रैल, 2007
(स) 18 अप्रैल, 2006 (द) 18 अप्रैल 2008
उत्तर : (स) Patwar 2021, RAS 2016
व्याख्या– राजस्थान सूचना आयोग का गठन सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15 के तहत राज्य सरकार द्वारा 18 अप्रैल, 2006 को किया गया था। सूचना का अधिकार अधिनियम लागू करने के लिए आंदोलन ब्यावर से श्रीमती अरूणा रॉय द्वारा किया गया था।

2945. निम्न में से राज्य सूचना आयोग राजस्थान के संदर्भ में कौनसा कथन सही है ?
1. यह एक सांविधिक निकाय है।
2. यह एक स्वायत्तशासी निकाय है।
3. इसका गठन 18 अप्रैल, 2005 को हुआ था।
(अ) केवल 1 (ब) केवल 1 एवं 2
(स) 1, 2 एवं 3 (द) केवल 3
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राजस्थान सूचना आयोग का गठन सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15 के तहत राज्य सरकार द्वारा 18 अप्रैल, 2006 को किया गया था। यह एक सांविधिक निकाय है।

2946. कौनसा एक राज्य मुख्य सूचना आयुक्त एवं राज्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए गठित समिति का सदस्य नहीं होता है ?
(अ) राज्य का मुख्यमंत्री जो समिति का मुख्या होता है।
(ब) राज्यपाल द्वारा नामनिर्देशित उच्च न्यायालय का एक न्यायाधीश
(स) राज्य विधानसभा में विरोधी दल का नेता
(द) मुख्यमंत्री द्वारा नामनिर्देशित एक मंत्रिमंडलीय मंत्री
उत्तर : (ब) RAS 2013
व्याख्या– राज्य मुख्य सूचना आयुक्त एवं राज्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति के लिए गठित समिति में शामिल होते हैं–राज्य का मुख्यमंत्री जो समिति का मुखिया होता है, राज्य विधानसभा में विरोधी दल का नेता, मुख्यमंत्री द्वारा नामनिर्देशित एक मंत्रिमंडलीय मंत्री।

2947. राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति कौन करता है ?
(अ) मुख्य सचिव (ब) मुख्यमंत्री
(स) राष्ट्रपति (द) राज्यपाल
उत्तर : (द) Patwar 2021
व्याख्या– राज्य के मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति उस राज्य का राज्यपाल करता है।

2948. राजस्थान के मुख्य सूचना आयुक्त का कार्यकाल होता है–
(अ) 6 वर्ष (आयु की कोई सीमा नहीं)
(ब) 5 वष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(स) 3 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो
(द) 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु जो भी पहले हो
उत्तर : (स)
व्याख्या– वर्ष 2019 में सूचना अधिकार अधिनियम में संशोधन करने के बाद राजस्थान के मुख्य सूचना आयुक्त का कार्यकाल 3 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, होता है। वर्ष 2019 में सूचना अधिकार अधिनियम में संशांधन से पहले इनका कार्यकाल 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, होता था।

2949. निम्न में से राजस्थान राज्य सूचना आयोग के बारे में कौनसा/कौनसे कथन सही है ?
1. इसका गठन सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15 के तहत राज्य सरकार द्वारा किया जाता है।
2. आयोग में एक राज्य मुख्य सूचना आयुक्त एवं अधिकतम 10 सूचना आयुक्त होंगे।
3. मुख्य सूचना आयुक्त एवं अन्य आयुक्तों की नियुक्ति मुख्यमंत्री द्वारा की जाती है।
(अ) केवल 1 (ब) केवल 2 एवं 3
(स) 1 एवं 2 (द) 1, 2 एवं 3
उत्तर : (स)
व्याख्या– राजस्थान राज्य सूचना आयोग का गठन सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 15 के तहत राज्य सरकार द्वारा किया जाता है। इस आयोग में एक राज्य मुख्य सूचना आयुक्त एवं अधिकतम 10 सूचना आयुक्त होंगे। मुख्य सूचना आयुक्त एवं अन्य आयुक्तों की नियुक्ति राज्यपाल द्वारा की जाती है।

2950. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत प्रत्येक सरकारी विभाग में इस हेतु नियुक्त प्राधिकारी है–
(अ) लोक सूचना आयुक्त
(ब) लोक सूचना सचिव
(स) लोक सूचना अधिकारी
(द) लोक सूचना प्रशासक
उत्तर : (द)

व्याख्या– सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत प्रत्येक विभाग में इस हेतु नियुक्त प्राधिकारी लोक सूचना अधिकारी होता है।

2951. सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की किस धारा के अन्तर्गत राजस्थान के लोक अधिकारी पर राजस्थान राज्य सूचना आयोग का आदेश बाध्यकारी होगा ?
(अ) 19(4) (ब) 19(5)
(स) 19(6) (द) 19(7)
उत्तर : (द) कॉलेज व्याख्याता, 2021
व्याख्या– सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 19(7) के अन्तर्गत राजस्थान के लोक अधिकारी पर राजस्थान राज्य सूचना आयोग का आदेश बाध्यकारी होगा।

2952. सभी सरकारी योजनाओं की जानकारी हेतु किस पोर्टल की शुरूआत राजस्थान में की गई ?
(अ) पब्लिक वेलफेयर पोर्टल
(ब) राजस्थान वेलफेयर पोर्टल
(स) योजना वेलफेयर पोर्टल
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राजस्थान में सभी सरकारी योजनाओं की जानकारी हेतु पब्लिक वेलफेयर पोर्टल या जन कल्याण पोर्टल की शुरूआत 18 दिसम्बर, 2020 को गई थी।

2953. सूचना के अधिकार अधिनियम के उद्देश्यों के संबंध में निम्नलिखित में से कौनसा सही नहीं है ?
(अ) सरकार के कार्यकारण में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व को बढ़ाना
(ब) हमारे लोकतंत्र को वास्तव में ऐसा बनाना ताकि वह लोगों के लिए काम करें।
(स) समाज की महिलाओं एवं कमजोर तबकों (वर्गों) को सशक्त करने के लिए काम करना।
(द) नागरिकों को सशक्त करना।
उत्तर : (स)
व्याख्या– सूचना के अधिकार अधिनियम का मुख्य उद्देश्य सरकार के कार्यकारण में पारदर्शिता एवं उत्तरदायित्व को बढ़ाना, हमारे लोकतंत्र को वास्तव में ऐसा बनान ताकि वह लोगों के लिए काम करें तथा नागरिकों को सशक्त करना।

2954. राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम, 2011 किस तारीख से प्रवृत्त हुआ ?
(अ) 14 नवम्बर, 2011 (ब) 31 अक्टूबर, 2011
(स) 21 मई, 2011 (द) 2 अक्टूबर, 2011
उत्तर : (अ) JEN 2022
व्याख्या– 14 नवम्बर, 2011 को राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी अधिनियम, 2011 से लागू हुआ।

2955. राजस्थान में सुनवाई का अधिकार अधिनियम किस वर्ष में लागू हुआ ?
(अ) 2010 (ब) 2014
(स) 2012 (द) 2018
उत्तर : (स) VDO 2022
व्याख्या– 1 अगस्त, 2012 को राजस्थान में सुनवाई का अधिकार अधिनियम लागू हुआ।

2956. राजस्थान जन आधार प्राधिकरण अध्यादेश लागू हुआ–
(अ) 11 जनवरी, 2021 (ब) 18 दिसम्बर, 2019
(स) 11 जनवरी, 2020 (द) 18 दिसम्बर, 2020
उत्तर : (ब) RAS 2021
व्याख्या– 18 दिसम्बर, 2019 को राजस्थान जन आधार प्राधिकरण अध्यादेश लागू हुआ था।

2957. राजस्थान लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 का उद्देश्य है–
(अ) पारदर्शिता लाना
(ब) शिकायत निवारण तंत्र उपलब्ध करवाना
(स) सेवा प्राप्ति का अधिकार देना
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– राजस्थान लोक सेवा गारंटी अधिनियम, 2011 का उद्देश्य है–पारदर्शिता लाना, शिकायत निवारण तंत्र उपलब्ध करवाना, सेवा प्राप्ति का अधिकार देना।

2958. आवेदन प्राप्त करने के बाद लोक सूचना अधिकारी द्वारा अधिकतम कितनी अवधि में सूचनाएँ उपलब्ध कराई जाएगी ?
(अ) 25 दिन (ब) 30 दिन
(स) 48 दिन (द) 15 दिन
उत्तर : (ब)
व्याख्या– आवेदन प्राप्त करने के बाद लोक सूचना अधिकारी द्वारा अधिकतम 30 दिन की अवधि के के भीतर सूचनाएँ उपलब्ध कराई जाएगी किन्तु सूचना व्यक्तिगत जीवन से या स्वतंत्रता से संबंधित हो तो 48 घंटे के अंदर सूचनाएँ उपलब्ध कराई जाएगी।

57.पंचायती राज व्यवस्था एवं शहरी निकाय

2959. भारतीय संविधान के किस भाग में पंचायती राज से संबंधित प्रावधान है ?
(अ) भाग–6 (ब) भाग–7
(स) भाग–8 (द) भाग–9
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 40 में राज्यों को पंचायतों के गठन का निर्देश दिया गया है। 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1993 द्वारा पंचायत राज संस्था को संवैधानिक मान्यता दे दी गयी है और भाग 9 में इसके लिए उपबंध किया गया है। संविधान के भाग 9 में अनुच्छेद 243 के अंतर्गत त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के बारे में उपबंध किया गया है।

2960. भारतीय संविधान के किस भाग में नगरपालिकाओं से संबंधित प्रावधान है ?
(अ) भाग 4क (ब) भाग 9क
(स) भाग 14क (द) भाग 22
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के भाग 9क में नगरपालिका सम्बन्धी प्रावधान है। नगर पालिका एक प्रशासनिक इकाई होती है, जिसमें स्पष्ट रूप से परिभाषित क्षेत्र होता है और इसकी जनसंख्या भी अंकित होती है। नगर पालिका न तो एक ग्राम और न ही बड़े शहर के बराबर होता है, बल्कि उनके बीच का होता है।

2961. भारतीय संविधान के किस भाग में ग्राम पंचायतों की स्थापना की बात कही गई है ?
(अ) भाग 3 (ब) भाग 4
(स) भाग 5 (द) भाग 6
उत्तर : (ब)
व्याख्या– स्वतंत्रता के बाद भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 40 में ग्राम पंचायतों के गठन और उन्हें शक्तियाँ प्रदान करने की बात की है लेकिन संवैधानिक दर्जा नहीं मिला। संवैधानिक दर्जा 73वें संविधानिक संशोधन अधिनियम, 1993 से दिया गया। इसके अंतर्गत संविधान में 11वीं अनुसूची जोड़ी गयी। इसके तहत पंचायती राज संबंधी प्रावधानों को सम्मिलित किया गया। इस संशोधन के द्वारा संविधान में भाग–9 जोड़ा गया। इसमें अनुच्छेद 243 और अनुच्छेद 243क से 243ण तक अनुच्छेद है। अनुच्छेद 243 में 16 कानून और 29 कार्यों का वर्णन किया गया है। बलवन्त राय मेहता की सिफारिश पर पंचायती राज व्यवस्था को त्रिस्तरीय किया गया। ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, खण्ड स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद।

2962. भारतीय संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से कौनसा अनुच्छेद राज्य सरकारों को ग्राम पंचायतों को संगठित करने का निर्देश देता है ?
(अ) अनुच्छेद 40 (ब) अनुच्छेद 46
(स) अनुच्छेद 48 (द) अनुच्छेद 51
उत्तर : (अ)
व्याख्या– स्वतंत्रता के बाद भारतीय संविधान के भाग–4 में अनुच्छेद 40 में ग्राम पंचायतों के गठन और उन्हें शक्तियाँ प्रदान करने की बात की है लेकिन संवैधानिक दर्जा नहीं मिला। संवैधानिक दर्जा 73वें संविधानिक संशोधन अधिनियम, 1993 से दिया गया। इसके अंतर्गत संविधान में 11वीं अनुसूची जोड़ी गयी। इसके तहत पंचायती राज संबंधी प्रावधानों को सम्मिलित किया गया। इस संशोधन के द्वारा संविधान में भाग–9 जोड़ा गया। इसमें अनुच्छेद 243 और अनुच्छेद 243क से 243ण तक अनुच्छेद है। अनुच्छेद 243 में 16 कानून और 29 कार्यों का वर्णन किया गया है। बलवन्त राय मेहता की सिफारिश पर पंचायती राज व्यवस्था को त्रिस्तरीय किया गया। ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, खण्ड स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद।

2963. संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में निम्नलिखित में से क्या सम्मिलित है ?
(अ) राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत
(ब) पंचायतों का कार्यक्रम
(स) मूल अधिकार
(द) मूल कर्तव्य
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय संविधान की 11वीं अनुसूची को 73वें संविधान संशोधन अधिनियम 1993 के द्वारा जोड़ा गया था। इस अनुसूची में 29 विषय शामिल हैं। इस अनुसूची में पंचायत की शक्तियाँ, ग्रामीण विकास, गरीबी उन्मूलन, बाजार, सड़क और पीने का पानी जैसे जरूरी विषय शामिल है। इस संशोधन के द्वारा संविधान में भाग–9 जोड़ा गया। इसमें अनुच्छेद 243 और अनुच्छेद 243 (क से ण) अनुच्छेद है। अनुच्छेद 243 में 16 कानून और 29 कार्यों का वर्णन किया गया है। बलवन्त राय मेहता की सिफारिश पर पंचायती राज व्यवस्था को त्रिस्तरीय किया गया। ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, खण्ड स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद।

2964. पंचायती राज प्रणाली किस पर आधारित है ?
(अ) सत्ता के केन्द्रीयकरण पर
(ब) सत्ता के विकेन्द्रीकरण पर
(स) प्रशासक व जनता के सहयोग पर
(द) उपर्युक्त सभी पर
उत्तर : (ब)

व्याख्या– भारत में पंचायत राज प्रणाली सत्ता के विकेन्द्रीकरण पर आधारित है। भारत में स्वायत्त शासन का उल्लेख सबसे पहले प्राचीन भारत में मौर्य काल एवं चोल काल में उत्तरमेरू अभिलेख में मिलता है। आधुनिक भारत में सबसे पहले भारत सरकार के एक प्रस्ताव से 1864 में मिलता है जिसमें स्थानीय स्वशासन को मान्यता दी गई। 1870 में लॉर्ड मेयो ने पंचायतों को कार्यात्मक रूप से वित्तीय स्वायत्त दी गयी। लॉर्ड रिपन ने 1882 में एक प्रस्ताव से स्थानीय स्वशासन को मान्यता दी जिसे स्थानीय स्वशासन का मैग्नाकार्टा कहा जाता है।

2965. पंचायती राज प्रदान करता है–
(अ) पिछड़े क्षेत्रों का कृषि विकास
(ब) स्थानीय स्तर पर लोकतांत्रिक प्रशासन
(स) ग्रामीण स्तर पर उचित राजस्व का संचालन
(द) देहाती क्षेत्र में शिक्षा का फैलाव
उत्तर : (ब)
व्याख्या– स्थानीय स्वशासन का तात्पर्य है कि स्थानीय लोगों की भागीदारी द्वारा स्थानीय शासन की व्यवस्था सुचारू रूप से करना और उस व्यवस्था को लोकतांत्रिक बनाना, जिससे समस्या को निदान भी हो और लोकतांत्रिक स्वरूप की निचले स्तर पर स्वस्थ्य व्यवस्था भी स्थापित हो।

2966. 73वाँ सांविधानिक संशोधन का संबंध किससे है ?
(अ) मुद्रा विनिमय (ब) वित्त आयोग
(स) पंचायती राज (द) भारतीय रिजर्व बैंक
उत्तर : (स)
व्याख्या– 73वें संवैधानिक संशोधन, 1993 द्वारा पंचायत राज संस्थाओं को संवैधानिक स्तर प्राप्त हुआ।

2967. 73वें संविधान संशोधन द्वारा संविधान में कौनसी अनुसूची जोड़ी गई ?
(अ) 9वीं (ब) 10वीं
(स) 11वीं (द) 12वीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान की 11वीं अनुसूची को 73वें संविधान संशोधन अधिनियम 1993 के द्वारा जोड़ा गया था। इस अनुसूची में 29 विषय शामिल हैं। इस अनुसूची में पंचायत की शक्तियाँ, ग्रामीण विकास, गरीबी उन्मूलन, बाजार, सड़क और पीने का पानी जैसे जरूरी विषय शामिल है। इस संशोधन के द्वारा संविधान में भाग–9 जोड़ा गया। इसमें अनुच्छेद 243 और अनुच्छेद 243क से 243ण तक अनुच्छेद है। अनुच्छेद 243 में 16 कानून और 29 कार्यों का वर्णन किया गया है। बलवन्त राय मेहता की सिफारिश पर पंचायती राज व्यवस्था को त्रिस्तरीय किया गया। ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, खण्ड स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद।

2968. पंचायती राज का मुख्य उद्देश्य है–
(अ) कृषि उत्पादन को बढ़ाना
(ब) रोजगार सृजित करना
(स) जनता को राजनीतिक रूप से जागृत करना
(द) जनता को विकासमूलक प्रशासन में भागीदारी योग्य बनाना
उत्तर : (द)
व्याख्या– पंचायत राज शासन सत्ता को आम लोगों तक पहुँचाने का एक साधन है। अर्थात यह सहभागी लोकतंत्र का पर्याय है। 1957 में बलवंतराय मेहता समिति की सिफारिश के बाद पहली बार 2 अक्टूबर 1959 को राजस्थान के नागौर जिले में पंचायती राज लागू किया गया।

2969. पंचायती राज का प्रधान लक्ष्य है–
(अ) ग्रामवासियों के बीच प्रतिद्वन्द्व को बढ़ाना
(ब) चुनाव में लड़ने के लिए ग्रामवासियों को प्रशिक्षण देना
(स) ग्रामवासियों में शक्ति का विकेन्द्रीकरण
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– पंचायती राज का प्रधान लक्ष्य ग्रामवासियों में शक्ति का विकेंद्रीकरण है, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप नीतियाँ बना सके एवं लागू कर सके।

2970. 73वाँ संविधान संशोधन संबंधित है–
(अ) राष्ट्रपति के महाभियोग से
(ब) शैक्षणिक संस्थाओं में सीटों के
(स) पंचायती राज प्रणाली से
(द) चुनाव आयोग की आरक्षण से नियुक्ति से
उत्तर : (स)
व्याख्या– 73वें संवैधानिक संशोधन, 1993 द्वारा पंचायत राज संस्थाओं को संवैधानिक स्तर प्राप्त हुआ।

2971. भारत में निम्नलिखित में से किसके अंतर्गत पंचायती राज प्रणाली की व्यवस्था की गई है ?
(अ) मौलिक अधिकार
(ब) मौलिक कर्तव्य
(स) नीति निर्देशक सिद्धांत
(द) चुनाव आयोग अधिनियम
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत में राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत के अंतर्गत पंचायती राज प्रणाली की व्यवस्था की गई है। संविधान का अनुच्छेद 40 राज्यों के लिए ग्राम पंचायतों के संगठन का प्रावधान करता है।

2972. 73वें संविधान संशोधन द्वारा 11वीं अनुसूची में पंचायती राज संस्थाओं को कितने कार्य सौंपे गये हैं ?
(अ) 18 (ब) 23
(स) 25 (द) 29
उत्तर : (द)

व्याख्या– भारतीय संविधान की 11वीं अनुसूची को 73वें संविधान संशोधन अधिनियम 1993 के द्वारा जोड़ा गया था। इस अनुसूची में 29 विषय शामिल हैं। इस अनुसूची में पंचायत की शक्तियाँ, ग्रामीण विकास, गरीबी उन्मूलन, बाजार, सड़क और पीने का पानी जैसे जरूरी विषय शामिल है। इस संशोधन के द्वारा संविधान में भाग–9 जोड़ा गया। इसमें अनुच्छेद 243 और अनुच्छेद 243क से 243ण तक अनुच्छेद है। अनुच्छेद 243 में 16 कानून और 29 कार्यों का वर्णन किया गया है। बलवन्त राय मेहता की सिफारिश पर पंचायती राज व्यवस्था को त्रिस्तरीय किया गया। ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, खण्ड स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद।

2973. किस संवैधानिक संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया है ?
(अ) 71वां (ब) 72वां
(स) 73वां (द) 74वां
उत्तर : (स)
व्याख्या– 73वें संवैधानिक संशोधन, 1993 द्वारा पंचायत राज संस्थाओं को संवैधानिक स्तर प्राप्त हुआ।

2974. 73वें संविधान संशोधन के अनुसार पंचायती राज संस्थाओं में अध्यक्ष के कम–से–कम कितने पद महिलाओं के लिए आरक्षित किये गये हैं ?
(अ) एक तिहाई (ब) दो तिहाई
(स) तीन चौथाई (द) आधी
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अंतर्गत पंचायतों में महिलाओं को एक तिहाई प्रतिनिधित्व की गारंटी अनुच्छेद 243घ देता है। अनुच्छेद 243घ(3) के अनुसार प्रत्येक पंचायत में प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा भरे जाने वाले स्थानों की कुल संख्या के कम से कम 1/3 भाग (जिनमें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजातियों की महिलाएं भी शामिल हैं) महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगे।

2975. 73वें संविधान संशोधन की विशेषता नहीं है–
(अ) ग्रामसभा
(ब) प्रत्यक्ष निर्वाचन
(स) पंचायती राज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा
(द) महिलाओं के लिए दो–तिहाई आरक्षण
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अंतर्गत पंचायतों में महिलाओं को एक तिहाई प्रतिनिधित्व की गारंटी अनुच्छेद 243घ देता है। अनुच्छेद 243घ(3) के अनुसार प्रत्येक पंचायत में प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा भरे जाने वाले स्थानों की कुल संख्या के कम से कम 1/3 भाग (जिनमें अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजातियों की महिलाएं भी शामिल हैं) महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगे।

2976. 73वें संविधान संशोधन द्वारा पंचायती राज संस्थाओं के लिए किस तरह के चुनाव का प्रावधान किया गया है ?
(अ) प्रत्यक्ष एवं गुप्त मतदान
(ब) अप्रत्यक्ष मतदान
(स) गुप्त मतदान
(द) खुला मतदान
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 73वें संविधान संशोधन द्वारा पंचायत की सभी सीटों को पंचायत क्षेत्र के निर्वाचन क्षेत्रों से प्रत्यक्ष चुनाव द्वारा निर्वाचित व्यक्तियों से भरा जाएगा। इसके लिए प्रत्येक पंचायत क्षेत्र को प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों में इस प्रकार विभाजित किया जाएगा कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र की आबादी और आवंटित सीटों की संख्या के बीच का अनुपात साध्य हो और सभी पंचायत क्षेत्र में समान हो।

2977. 73वें संविधान संशोधन के अनुसार पंचायत राज संस्था का कार्यकाल कितने वर्ष रखा गया है ?
(अ) 2 वर्ष (ब) 3 वर्ष
(स) 4 वर्ष (द) 5 वर्ष
उत्तर : (द)
व्याख्या– ग्राम पंचायत ग्राम सभा की निर्वाचित कार्यपालिका है। ग्राम पंचायत का निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से होता है। प्रत्येक ग्राम पंचायत को उसकी पहली बैठक की तारीख से 5 वर्ष के लिए गठित किया जाता है।

2978. पंचायत के विघटन के उपरांत निम्नलिखित में से कौनसी समय अवधि नए चुनाव कराने हेतु सही है ?
(अ) 1 माह के अंदर ही
(ब) 2 माह के अंदर ही 10वीं
(स) 6 माह के अंदर ही
(द) 6 माह के बाद किन्तु 1 वर्ष के अंदर
उत्तर : (स)
व्याख्या– ग्राम पंचायत ग्राम सभा की निर्वाचित कार्यपालिका है। ग्राम पंचायत का निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से होता है। प्रत्येक पंचायत को उसकी पहली बैठक की तारीख से 5 वर्ष के लिए गठित किया जाता है। पंचायत को विधि के अनुसार इससे पहले भी विघटित किया जा सकता है। यदि ग्राम पंचायत 5 वर्ष से 6 माह पूर्व विघटित कर दी जाती है तो पुनः चुनाव आवश्यक होता है। नई गठित पंचायत का कार्यकाल शेष अवधि के लिए होगा। ग्राम पंचायत की माह में एक बैठक आवश्यक है। बैठक की सूचना कम से कम 5 दिन पूर्व सभी सदस्यों को दी जाएगी। प्रधान तथा उसकी अनुपस्थिति में उप प्रधान किसी भी समय पंचायत की बैठक को बुला सकता है।

2979. पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन के लिए उत्तरदायी है–
(अ) केन्द्रीय निर्वाचन आयोग
(ब) राज्य निर्वाचन आयोग
(स) केन्द्रीय संसद
(द) राज्य विधान सभा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन के लिए राज्य निर्वाचन आयोग उत्तरदायी होता है। ग्राम पंचायत, पंचायत समिति व जिला परिषदों का निर्वाचन की समस्त जिम्मेदारी राज्य निर्वाचन आयोग की होती है। 73वें संविधान संशोधन, 199 के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायत राज में प्रारंभिक स्तर की संस्था 'ग्राम पंचायत8 सबसे महत्वपूर्ण संस्था है। ग्राम पंचायत ही निर्वाचित प्रतिनिधियों की एक ऐसी संस्था है जिसे जनता के आमन–सामने होकर जवाब देना पड़ता है तथा अधिकांश कार्यकलापों के लिए निर्णय लेने हेतु पहले उनकी सहमति लेनी होती है।

2980. पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं तथा दुर्बल वर्गों के अधिक प्रतिनिधित्व के समर्थक थे–
(अ) लाल बहादुर शास्त्री (ब) जवाहर लाल नेहरु
(स) मोरारजी देसाई (द) राजीव गाँधी
उत्तर : (द)
व्याख्या– राजीव गाँधी का मानना था कि जब तक पंचायती राज व्यवस्था सबल नहीं होगी, तब तक निचले स्तर तक लोकतंत्र नहीं पहुँच सकता। उन्होंने अपने कार्यकाल में पंचायती राज व्यवस्था को पूरा प्रस्ताव तैयार कराया। राजीव गाँधी की सरकार की ओर से तैयार 64वेंसंविधान संशोधन विधेयक के आधार पर नरसिम्हा राव सरकार ने 73वाँ संविधान संशोधन विधेयक पारित कराया और पंचायती राज व्यवस्था लागू हुई, जिससे सभी राज्यों को पंचायतो के चुनाव कराने को मजबूर होना पड़ा।

2981. भारत में पंचायती राज अधिनियम कब लागू हुआ ?
(अ) 24 अप्रैल, 1993 (ब) 24 अप्रैल, 1994
(स) 24 मई, 1993 (द) 24 मई, 1994
उत्तर : (अ)
व्याख्या– तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव के समय सितंबर 1991 में 73वाँ संविधान संशोधन लोकसभा में प्रस्तुत किया गया जो 24 अप्रैल, 1993 को लागू हुआ। इस संविधान संशोधन के कारण भारतीय संविधान में भाग 9 जोड़ा गया। संविधान का अनुच्छेद 243 एवं 11वीं अनुसूची जोड़ी गई तथा पंचायतों को 29 विषयों पर कार्य करने के लिए शक्ति प्रदान की गई।

2982. 73वें संविधान संशोधन अधिनियम किस तिथि से लागू हुआ ?
(अ) 24 अप्रैल, 1993 (ब) 24 अप्रैल, 1994
(स) 1 मई, 1993 (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– तत्कालीन प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव के समय सितंबर 1991 में 73वाँ संविधान संशोधन लोकसभा में प्रस्तुत किया गया जो 24 अप्रैल, 1993 को लागू हुआ। इस संविधान संशोधन के कारण भारतीय संविधान में भाग 9 जोड़ा गया। संविधान का अनुच्छेद 243 एवं 11वीं अनुसूची जोड़ी गई तथा पंचायतों को 29 विषयों पर कार्य करने के लिए शक्ति प्रदान की गई।

2983. भारत में महिलाओं के लिए स्थान आरक्षित है–
(अ) पंचायती राज संस्थाओं
(ब) राज्य विधान सभाओं में
(स) मंत्रिमंडल में
(द) लोकसभा में
उत्तर : (अ)
व्याख्या– बलवंत राय मेहता समिति से लेकर 73वाँ संविधान संशोधन तक विभिन्न समितियों के माध्यम से पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं की सहभागिता के बारे में कई बदलाव देखने को मिले हैं। 73वाँ संविधान संशोधन के पश्चात महिलाओं की पंचायतों में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर उनकी सहभागिता बनने का अवसर प्रदान किया है।

2984. पंचायत के चुनाव कराने हेतु निर्णय किसके द्वारा लिया जाता है ?
(अ) केन्द्र सरकार (ब) राज्य सरकार
(स) जिला न्यायाधीश (द) चुनाव आयोग
उत्तर : (ब) RRB 2003
व्याख्या– पंचायत के चुनाव कराने हेतु निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया जाता है।

2985. भारत में पंचायती राज का प्रारम्भ कब किया गया ?
(अ) 1956 ई. (ब) 1957 ई.
(स) 1958 ई. (द) 1959 ई.
उत्तर : (द)
व्याख्या– पंचायती राज व्यवस्था में ग्राम, तालुका और जिला आते हैं। भारत में प्राचीन काल से ही पंचायती राज व्यवस्था अस्तित्व में रही है। आधुनिक भारत में प्रथम बार तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा राजस्थान के नागौर जिले के बगदरी गाँव में 2 अक्टूबर, 1959 को पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई।

2986. पंचायती राज प्रथम प्रवर्तित किया गया–
(अ) आन्ध्र प्रदेश में (ब) उत्तर प्रदेश में
(स) हिमाचल प्रदेश में (द) राजस्थान में
उत्तर : (द) SSC 2009

व्याख्या– पंचायती राज व्यवस्था में ग्राम, तालुका और जिला आते हैं। भारत में प्राचीन काल से ही पंचायती राज व्यवस्था अस्तित्व में रही है। आधुनिक भारत में प्रथम बार तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा राजस्थान के नागौर जिले के बगदरी गाँव में 2 अक्टूबर, 1959 को पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई।

2987. भारत में सबसे पहले राजस्थान में पंचायती राज की स्थापना किस वर्ष हुई ?
(अ) 1952 ई. (ब) 1956 ई.
(स) 1959 ई. (द) 1960 ई.
उत्तर : (स)
व्याख्या– आधुनिक भारत में प्रथम बार तत्कालीन प्रधानमी जवाहरलाल नेहरू द्वारा राजस्थान के नागौर जिले के बगदरी गाँव में 2 अक्टूबर, 1959 को पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई।

2988. स्थानीय ग्रामीण शासन के रूप में पंचायती राज प्रणाली सर्वप्रथम अपनाई गई थी–
(अ) आन्ध्र प्रदेश और मध्य प्रदेश में
(ब) राजस्थान और मध्य प्रदेश में
(स) आन्ध्र प्रदेश और पश्चिम बंगाल में
(द) राजस्थान और आन्ध्र प्रदेश में
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत में पंचायती राज का शुभारंभ 2 अक्टूबर, 1959 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा राजस्थान के नागौर जिले में हुआ। 11 अक्टूबर, 1959 को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आन्ध्रप्रदेश राज्य में पंचायती राज का शुभारंभ किया।

2989. अक्टूबर, 1959 को भारत में पंचायती राज का शुभारंभ निम्नलिखित में से कहाँ पर किया गया था ?
(अ) नागौर (राजस्थान)
(ब) राजमुंदरी (आन्ध्र प्रदेश)
(स) सीतामगढ़ी (बिहार)
(द) अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पंचायती राज व्यवस्था में ग्राम, तालुका और जिला आते हैं। भारत में प्राचीन काल से ही पंचायती राज व्यवस्था अस्तित्व में रही है। आधुनिक भारत में प्रथम बार तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा राजस्थान के नागौर जिले के बगदरी गाँव में 2 अक्टूबर, 1959 को पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई।

2990. भारत में पंचायती राज व्यवस्था सर्वप्रथम राजस्थान और.....में आरम्भ की गई।
(अ) हरियाणा (ब) गुजरात
(स) उत्तर प्रदेश (द) आन्ध्र प्रदेश
उत्तर : (द) BPSC 2005
व्याख्या– पंचायती राज का शुभारंभ भारत में 2 अक्टूबर, 1959 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा राजस्थान के नागौर जिले में हुआ। 11 अक्टूबर, 1959 को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आंध्रप्रदेश राज्य में पंचायती राज का शुभारंभ किया।

2991. देश के ग्रामीण क्षेत्र के सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान के लिए सामुदायिक विकास कार्यक्रम कब प्रारम्भ किया गया ?
(अ) 15 अगस्त, 1947 (ब) 26 जनवरी, 1950
(स) 2 अक्टूबर, 1952 (द) 14 नवम्बर, 1954
उत्तर : (स)
व्याख्या– देश के ग्रामीण क्षेत्र के सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान के लिए सामुदायिक विकास कार्यक्रम 2 अक्टूबर, 1952 से प्रारम्भ किया गया। सामुदायिक विकास योजना (1952) का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण जीवन का सर्वांगीण विकास करना तथा ग्रामीण समुदाय की प्रगति एवं श्रेष्ठतर जीवन–स्तर के लिए पथ प्रदर्शन करना है। इस रूप में सामुदायिक विकास कार्यक्रम के उद्देश्य इतने व्यापक हैं कि इनकी कोई निश्चित सूची बना सकना एक कठिन कार्य है।

2992. भारत सरकार द्वारा सामुदायिक विकास योजना की शुरुआत की गई, 2 अक्टूबर–
(अ) 1956 ई. (ब) 1957 ई.
(स) 1958 ई. (द) 1959 ई.
उत्तर : (द)
व्याख्या– देश के ग्रामीण क्षेत्र के सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान के लिए सामुदायिक विकास कार्यक्रम 2 अक्टूबर, 1952 से प्रारम्भ किया गया। सामुदायिक विकास योजना (1952) का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण जीवन का सर्वांगीण विकास करना तथा ग्रामीण समुदाय की प्रगति एवं श्रेष्ठतर जीवन–स्तर के लिए पथ प्रदर्शन करना है। इस रूप में सामुदायिक विकास कार्यक्रम के उद्देश्य इतने व्यापक हैं कि इनकी कोई निश्चित सूची बना सकना एक कठिन कार्य है। इसके पश्चात भी विभिन्न विद्वानों ने प्राथमिकता के आधार पर सामुदायिक विकास कार्यक्रम के अनेक उद्देश्यों का उल्लेख किया है। 2 अक्टूबर, 1953 को राष्ट्रीय प्रसार सेवा का प्रारम्भ किया गया, परन्तु दोनों कार्यक्रमों में अपेक्षित सफलता नहीं मिली।

2993. सामुदायिक विकास कार्यक्रम का सार था–
(अ) सड़कों का निर्माण
(ब) परिवार नियोजन
(स) लोक भागीदारी
(द) सिंचाई
उत्तर : (स)
व्याख्या– देश के ग्रामीण क्षेत्र के सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान के लिए सामुदायिक विकास

कार्यक्रम 2 अक्टूबर, 1952 से प्रारम्भ किया गया। भारत सरकार के सामुदायिक विकास मंत्रालय द्वारा इस योजना के 8 उद्देश्यों को स्पष्ट किया गया है जो इस प्रकार हैं– ग्रामीण जनता के मानसिक दृष्टिकोण में परिवर्तन लाना, गाँवों में उत्तरदायी तथा कुशल नेतृत्व का विकास करना, सम्पूर्ण ग्रामीण जनता को आत्मनिर्भर एवं प्रगतिशील बनाना, ग्रामीण जनता के आर्थिक स्तर को ऊँचा उठाने के लिए एक ओर कृषि का आधुनिकीकरण करना तथा दूसरी ओर ग्रामीण उद्योगों को विकसित करना, इन सुधारोंको व्यावहारिक रूप देने के लिए ग्रामीण स्त्रियों एवं परिवारों की दशा में सुधार करना, राष्ट्र के भावी नागरिकों के रूप में युवकों के समुचित व्यतिव का विकास करना, ग्रामीण शिक्षकों के हितों को सुरक्षित रखना, ग्रामीण समुदाय के स्वास्थ्य की रक्षा करना।

2994. सामुदायिक विकास कार्यक्रम की असफलता का कारण है–
(अ) धन की कमी
(ब) सरकारी कर्मचारियों पर निर्भरता
(स) गुटबाजी
(द) अशिक्षा
उत्तर : (द)
व्याख्या– देश के ग्रामीण क्षेत्र के सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान के लिए सामुदायिक विकास कार्यक्रम 2 अक्टूबर, 1952 से प्रारम्भ किया गया। सामुदायिक विकास योजना (1952) का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण जीवन का सर्वांगीण विकास करना तथा ग्रामीण समुदाय की प्रगति एवं श्रेष्ठतर जीवन–स्तर के लिए पथ प्रदर्शन करना है। इस रूप में सामुदायिक विकास कार्यक्रम के उद्देश्य इतने व्यापक हैं कि इनकी कोई निश्चित सूची बना सकना एक कठिन कार्य है। इसके पश्चात भी विभिन्न विद्वानों ने प्राथमिकता के आधार पर सामुदायिक विकास कार्यक्रम के अनेक उद्देश्यों का उल्लेख किया है, परंतु इस कार्यक्रम में अपेक्षित सफलता नहीं मिली जिसका मुख्य कारण है– निर्धन परिवारों के चयन में कठिनाई तथा शिक्षा का अभाव। शिक्षा का अभाव होने के कारण लोग योजना को ठीक ढंग से समझ नहीं पाते थे और सहयोग नहीं कर पाते थे। भ्रष्टाचार, व्यवसाय संबंधी व्यावहारिक ज्ञान का अभाव आदि भी कारण रहे थे।

2995. जिस समिति में लोकत्रांतिक विकेंद्रीकरण और पंचायती राज की सिफारिश की, उसका सभापति कौन था ?
(अ) के.एम. पन्निकर (ब) एच. कुंजरू
(स) बलवंत राय मेहता (द) महात्मा गाँधी
उत्तर : (स)
व्याख्या–भारत में पचायती राज की त्रिस्तरीय व्यवस्था का अनुमोदन बलवंत राय मेहता समिति ने किया। इनके अनुसार त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली की स्थापना की जाए जिसमें तीन स्तर निम्न हों– ग्राम पंचायत, पंचायत समिति व जिला परिषद। तीनों को एक दूसरे से अप्रत्यक्ष चुनाव के माध्यम से जोड़ा जाए। ग्राम पंचायत का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से तथा पंचायत समिति और जिला पंचायत/जिला परिषद का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से हो। बलवंतराय मेहता एक भारतीय राजनीतिज्ञ और गुजरात के दूसरे मुख्यमंत्री थे। इन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भी भाग लिया था। लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की दिशा में उनके योगदान के लिए उन्हें पंचायती राज का वास्तुकार माना जाता है।

2996. भारत में पंचायती राज की त्रिस्तीय व्यवस्था का अनुमोदन किस समिति के द्वारा किया गया था ?
(अ) बलवंत राय मेहता समिति
(ब) अशोक मेहता समिति
(स) हनुमंत राव समिति
(द) जी.वी.के. राव समिति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में पचायती राज की त्रिस्तरीय व्यवस्था का अनुमोदन बलवंत राय मेहता समिति ने किया। इनके अनुसार त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली की स्थापना की जाए जिसमें तीन स्तर निम्न हों– ग्राम पंचायत, पंचायत समिति व जिला परिषद। तीनों को एक दूसरे से अप्रत्यक्ष चुनाव के माध्यम से जोड़ा जाए। ग्राम पंचायत का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से तथा पंचायत समिति और जिला पंचायत/जिला परिषद का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से हो।

2997. बलवंत राय मेहता समिति ने किसको अधिक शक्तिशाली बनाने का सुझाव दिया ?
(अ) ग्राम सभा (ब) ग्राम पंचायत
(स) पंचायत समिति (द) जिला परिषद
उत्तर : (स)
व्याख्या– बलवंत राय मेहता समिति ने पंचायत समिति को शक्तिशाली बनाने का सुझाव दिया था। त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत पंचायत समिति मध्यवर्ती पंचायत के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ग्राम पंचायत एवं जिला परिषद के बीच कड़ी का कार्य करता है। लगभग 5000 की आबादी पर निर्धारित प्रत्येक प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र से पंचायत समिति के लिये एक प्रतिनिधि पंचायत सदस्य के रूप में मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष रूप से चुना जाता है।

2998. लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की योजना प्रस्तुत करने वाली समिति है–
(अ) राष्ट्रीय विकास परिषद
(ब) योजना आयोग
(स) सादिक अली समिति
(द) बलवंत राय मेहता समिति
उत्तर : (द)
व्याख्या– बलवंत राय मेहता की रिपोर्ट पर 1959 में पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई। भारत में पंचायती राज की स्थापना भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण को इंगित करता है। 73वें संवैधानिक संशोधन, 1993 के तहत पंचायती राज संस्थाओं की स्थाना को संवैधानिक मान्यता प्रदान की गई।

2999. लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का सुझाव दिया गया– भारत में पंचायती राज का प्रारम्भ कब किया गया ?
(अ) महात्मा गांधी द्वारा
(ब) विनोबा भावे द्वारा
(स) जयप्रकाश नारायण द्वारा
(द) बलवंत राय मेहता द्वारा
उत्तर : (द)
व्याख्या– बलवंत राय मेहता की रिपोर्ट पर 1959 में पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई। भारत में पंचायती राज की स्थापना भारत में लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण को इंगित करता है। 73वें संवैधानिक संशोधन, 1993 के तहत पंचायती राज संस्थाओं की स्थाना को संवैधानिक मान्यता प्रदान की गई।

3000. पंचायती राज की दृष्टि से महत्वपूर्ण प्रतिवेदन है–
(अ) सरकारिया आयोग प्रतिवेदन
(ब) प्रशासनिक सुधार आयोग प्रतिवेदन
(स) बलवंत राय मेहता समिति प्रतिवेदन
(द) आनंदपुर साहिब प्रस्ताव
उत्तर : (स)
व्याख्या– बलवंत राय मेहता समिति का गठन पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए वर्ष 1956 में बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट 1957 में प्रस्तुत की थी। समिति की सिफारिशों को 1 अप्रैल, 1958 को लागू किया गया।

3001. पंचायती राज व्यवस्था में स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था कैसी होती है ?
(अ) ग्राम, ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर चार स्तरीय व्यवस्था
(ब) ग्राम, ब्लॉक और जिला स्तर पर तीन स्तरीय संरचना
(स) ग्राम और ब्लॉक स्तर पर द्विस्तरीय व्यवस्था
(द) ग्राम स्तर पर एकस्तरीय व्यवस्था
उत्तर : (ब) SSC 2013
व्याख्या– पंचायती राज व्यवस्था में स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था त्रिस्तरीय है जिसमें ग्राम, ब्लॉक और जिला स्तर शामिल है।

3002. बलवंत राय मेहता समिति प्रतिवेदन में पंचायती राज संस्थाओं को कितने स्तर पर करने का सुझाव दिया गया ?
(अ) दो (ब) एक
(स) तीन (द) चार
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत में पचायती राज की त्रिस्तरीय व्यवस्था का अनुमोदन बलवंत राय मेहता समिति ने किया। इनके अनुसार त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली की स्थापना की जाए, जिसमें तीन स्तर निम्न हों– ग्राम पंचायत, पंचायत समिति व जिला परिषद। तीनों को एक दूसरे से अप्रत्यक्ष चुनाव के माध्यम से जोड़ा जाए। ग्राम पंचायत का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से तथा पंचायत समिति और जिला पंचायत/जिला परिषद का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से हो।

3003. बलवंत राय समिति प्रतिवेदन के अनुसार महत्वपूर्ण संस्था है–
(अ) ग्राम पंचायत (ब) जिला परिषद
(स) पंचायत समिति (द) सहकारी समिति
उत्तर : (स)
व्याख्या– बलवंत राय मेहता समिति ने पंचायत समिति को शक्तिशाली बनाने का सुझाव दिया था। त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत पंचायत समिति मध्यवर्ती पंचायत के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ग्राम पंचायत एवं जिला परिषद के बीच कड़ी का कार्य करता है। लगभग 5000 की आबादी पर निर्धारित प्रत्येक प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र से पंचायत समिति के लिये एक प्रतिनिधि पंचायत सदस्य के रूप में मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष रूप से चुना जाता है।

3004. निम्नलिखित में से कौन पंचायती राज संस्था नहीं है ?
(अ) जिला परिषद (ब) पंचायत समिति
(स) ग्राम पंचायत (द) नगर परिषद
उत्तर : (द)
व्याख्या– पंचायती राज व्यवस्था में स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था त्रिस्तरीय है जिसमें ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, ब्लॉक स्तर पर पंचायत समिति और जिला स्तर पर जिला परिषद शामिल है। बलवंत राय मेहता समिति ने पंचायत समिति को शक्तिशाली बनाने का सुझाव दिया था। त्रिस्तरीय पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत पंचायत समिति मध्यवर्ती पंचायत के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह ग्राम पंचायत एवं जिला परिषद के बीच कड़ी का कार्य करता है। लगभग 5000 की आबादी पर निर्धारित प्रत्येक प्रादेशिक

निर्वाचन क्षेत्र से पंचायत समिति के लिये एक प्रतिनिधि पंचायत सदस्य के रूप में मतदाताओं द्वारा प्रत्यक्ष रूप से चुना जाता है।

3005. पंचायती राज संस्थाओं के संगठन के दो स्तर होने का सुझाव दिया–
(अ) अशोक मेहता समिति ने
(ब) सादिक अली समिति ने
(स) राजमन्नार समिति ने
(द) सरकारिया आयोग रिपोर्ट ने
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अशोक मेहता समिति का गठन दिसम्बर, 1977 ई. में अशोक मेहता की अध्यक्षता में किया गया था। समिति द्वारा दी गई रिपोर्ट में केवल 132 सिफारिशें की गयी थीं। इसकी प्रमुख सिफारिशें थीं– राज्य में विकेन्द्रीकरण का प्रथम स्तर जिला हो, ग्राम पंचायत तथा पंचायत समिति को समाप्त कर देना चाहिए, मण्डल पंचायत तथा परिषद का कार्यकाल 4 वर्ष हो।

3006. अशोक मेहता समिति ने पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत कितने स्तरीय ढाँचे की स्थापना की सलाह दी ?
(अ) दो (ब) तीन
(स) चार (द) पाँच
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अशोक मेहता समिति में 13 सदस्य थे। समिति ने 1978 में अपनी रिपोर्ट केन्द्र सरकार को सौंप दी, जिसमें पंचायती राज व्यवस्था का एक नया मॉडल प्रस्तुत किया गया था। समिति द्वारा दी गई रिपोर्ट में केवल 132 सिफारिशें की गयी थीं। अशोक मेहता समिति ने पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत दो स्तरीय ढाँचे मंडलीय पंचायत एवं जिला परिषद की स्थापना की सलाह दी थी।

3007. बलवंत राय मेहता समिति की अनुशंसाओं के आधार पर किस वर्ष पंचायती राज व्यवस्था को लागू किया गया ?
(अ) 1956 ई. (ब) 1958 ई.
(स) 1959 ई. (द) 1961 ई.
उत्तर : (ब)
व्याख्या– बलवंत राय मेहता समिति का गठन पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए वर्ष 1956 में बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट 1957 में प्रस्तुत कर दी थी। समिति की सिफारिशों को 1 अप्रैल, 1958 को लागू कर किया गया।

3008. पंचायती राज की आधारशिला है–
(अ) ग्राम सभा (ब) ग्राम पंचायत
(स) पंचायत समिति (द) जिला परिषद
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के अनुच्छेद 243(b) में ग्राम सभा को परिभाषित किया गया है। ग्राम सभा पंचायती राज व्यवस्था का प्राथमिक निकाय है और सबसे बड़ा निकाय भी। यह एक स्थाई निकाय है। पंचायत राज की अन्य सभी संस्थाएँ जैसे–ग्राम पंचायत, ब्लॉक पंचायत और जिला परिषद का निर्माण निर्वाचित प्रतिनिधियों के द्वारा होता है जबकि ग्राम सभा मतदाताओं से बनती है। इसलिए ग्राम सभा पंचायती राज की आधार शिला है।

3009. पंचायती राज संस्थाओं के निम्नतर स्तर पर कौन है ?
(अ) ग्राम सभा व पंचायत
(ब) पंचायत समिति
(स) जिला परिषद
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या–पंचायती राज संस्थाओं में ग्राम सभा व पंचायत सबसे निम्न स्तर पर है। ग्राम सभा किसी एक गाँव या पंचायत का चुनाव करने वाले गाँवों के समूह की मतदाता सूची में शामिल व्यक्तियों से मिलकर बनी संस्था है।

3010. पंचायती राज के चुनावों में राजनीतिक दलों को खुले तौर से चुनाव चिन्हों के आधार पर भाग लेने का सुझाव किस समिति ने दिया ?
(अ) बलवंत राय मेहता समिति
(ब) अशोक मेहता समिति
(स) सादिक अली समिति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– अशोक मेहता समिति का गठन दिसम्बर, 1977 ई में अशोक मेहता की अध्यक्षता में किया गया था। अशोक मेहता समिति में 13 सदस्य थे। समित ने 1978 में अपनी रिपोर्ट केन्द्र सरकार को सौंप दी, जिसमें पंचायती राज व्यवस्था का एक नया मॉडल प्रस्तुत किया गया था। समिति द्वारा दी गई रिपोर्ट में केवल 132 सिफारिशें की गयी थीं।

3011. 1977 में केंद्र सरकार ने पंचायती राज संस्था की कार्य प्रणाली और ढाँचे में सुधार लाने के उद्देश्य से किस समिति को नियुक्त किया ?
(अ) अशोक मेहता समिति
(ब) रजनी कोठारी समिति
(स) राजमन्नार समिति
(द) ए.जी. नुरानी समिति
उत्तर : (अ)
व्याख्या– अशोक मेहता समिति का गठन दिसम्बर, 1977 ई. में अशोक मेहता की अध्यक्षता में किया गया था। बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिशों के आधार पर स्थापित पंचायती राज व्यवस्था में कई कमियाँ उत्पन्न हो गयीं थीं, इन कमियों को दूर करने तथा सिफारिश करने हेतु अशोक मेहता समिति का गठन किया गया था। अशोक मेहता

समिति की सिफारिशों को अपर्याप्त माना गया और इसे अस्वीकार कर दिया गया।

3012. देश में पंचायती राज व्यवस्था का आरम्भ किस समिति की रिपोर्ट के आधार पर किया गया ?
(अ) कृष्णमाचारी समिति
(ब) बलवंत राय मेहता समिति
(स) जी.डी. सेठी समिति
(द) एन.जी रंगा समिति
उत्तर : (ब)
व्याख्या– बलवंत राय मेहता समिति का गठन पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए वर्ष 1956 में बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट 1957 में प्रस्तुत कर दी थी। समिति की सिफारिशों को 1 अप्रैल, 1958 को लागू कर किया गया।

3013. 1977 में पंचायती राज व्यवस्था की समीक्षा के लिए गठित समिति की अध्यक्षता किसने की थी ?
(अ) बलवंत राय मेहता (ब) अशोक मेहता
(स) के.एन. काटजू (द) जगजीवन राम
उत्तर : (ब) SSC 2000
व्याख्या– अशोक मेहता समिति का गठन दिसम्बर, 1977 ई. में अशोक मेहता की अध्यक्षता में किया गया था। बलवंत राय मेहता समिति की सिफारिशों के आधार पर स्थापित पंचायती राज व्यवस्था में कई कमियाँ उत्पन्न हो गयीं थीं, इन कमियों को दूर करने तथा सिफारिश करने हेतु अशोक मेहता समिति का गठन किया गया था। अशोक मेहता समिति में 13 सदस्य थे। समिति ने 1978 में अपनी रिपोर्ट केन्द्र सरकार को सौंप दी, जिसमें पंचायती राज व्यवस्था का एक नया मॉडल प्रस्तुत किया गया था। समिति द्वारा दी गई रिपोर्ट में केवल 132 सिफारिशें की गयी थीं। अशोक मेहता समिति ने पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत दो स्तरीय ढाँचे मंउलीय पंचायत एवं जिला परिषद की स्थापना की सलाह दी थी। अशोक मेहता समिति की सिफारिशों को अपर्याप्त माना गया और इसे अस्वीकार कर दिया गया।

3014. अशोक मेहता समिति ने किन दो स्तरों की बात की ?
(अ) ग्राम सभा एवं जिला परिषद
(ब) मंडलीय समिति एवं जिला परिषद
(स) मंडलीय पंचायत एवं जिला परिषद
(द) पंचायत समिति एवं मंडलीय परिषद
उत्तर : (स)
व्याख्या– अशोक मेहता समिति में 13 सदस्य थे। समिति ने 1978 में अपनी रिपोर्ट केन्द्र सरकार को सौंप दी, जिसमें पंचायती राज व्यवस्था का एक नया मॉडल प्रस्तुत किया गया था। समिति द्वारा दी गई रिपोर्ट में केवल 132 सिफारिशें की गयी थीं। अशोक मेहता समिति ने पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत दो स्तरीय ढाँचे मंडलीय पंचायत एवं जिला परिषद की स्थापना की सलाह दी थी।

3015. अशोक मेहता समिति किससे संबंधित थी ?
(अ) केंद्र–राज्य संबंध
(ब) आर्थिक सुधार
(स) पंचायती राज
(द) बैंकिग प्रणाली में सुधार
उत्तर : (स)
व्याख्या– अशोक मेहता समिति में 13 सदस्य थे। समिति ने 1978 में अपनी रिपोर्ट केन्द्र सरकार को सौंप दी, जिसमें पंचायती राज व्यवस्था का एक नया मॉडल प्रस्तुत किया गया था। समिति द्वारा दी गई रिपोर्ट में केवल 132 सिफारिशें की गयी थीं। अशोक मेहता समिति ने पंचायती राज व्यवस्था के अंतर्गत दो स्तरीय ढाँचे मंडलीय पंचायत एवं जिला परिषद की स्थापना की सलाह दी थी।

3016. पंचायती राज संस्थाओं के उच्चतम स्तर पर है–
(अ) ग्राम सभा व पंचायत
(ब) पंचायत समिति
(स) जिला परिषद
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– कई ग्राम पंचायतों को मिलकर पंचायत समिति का गठन होता है। इसे मंडल या प्रखंड स्तरीय पंचायत भी कह सकते हैं। इसके सदस्यों का चुनाव उस क्षेत्र के सभी पंचायत सदस्य करते हैं। किसी जिले की सभी पंचायत समितियों को मिलकर जिला परिषद का गठन होता है। जिला परिषद के अधिकांश सदस्यों का चुनाव होता है। जिला परिषद में उस जिले से लोक सभा और विधान सभा के लिए चुने गए सांसद और विधायक तथा जिला स्तर की संस्थाओं के कुछ अधिकारी भी सदस्य के रूप में होते हैं। जिला परिषद का प्रमुख इस परिषद का राजनीतिक प्रधान होता है।

3017. पंचायत समिति का मुख्य निष्पादक होता है–
(अ) प्रधान (ब) सरपंच
(स) जिला प्रमुख (द) खंड विकास अधिकारी
उत्तर : (द)
व्याख्या– पंचायत समिति का मुख्य निष्पादक खण्ड विकास अधिकारी होता है। पंचायत समिति, ग्राम पंचायत स्तर द्वारा तैयार किये गये सभी भावी योजनाओं को संग्रहीत करती है और उनका वित्तीय प्रतिबद्धता, समाज कल्याण और क्षेत्र विकास को ध्यान में रखते हुए लागू करवाती तथा वित्त पोषण के लिए उनका क्रियान्वयन करती है।

3018. पंचायती राज की प्रधान समस्या है–
(अ) निर्धनता (ब) दलगत राजनीति
(स) अशिक्षा (द) सामाजिक कुरीतियाँ
उत्तर : (ब)

व्याख्या– पंचायती राज अधिनियम दलों को स्थानीय चुनाव लड़ने की इजाजत नहीं देता। बहुत से लोगों की दलील थी कि राजनीतिक दलों के दखल से स्थानीय निकाय प्रभावित होंगे। माना जाता है कि इस दलील की मूल भावना सामुदायिक सौहार्द था जो राजनीतिक दखल से बिगड़ सकता था। लेकिन स्थानीय निकायों में राजनीतिक दलों की दिलचस्पी के हाल के चलन शायद ही कहीं विरोध हो रहा हो।

3019. जिला परिषद का मुख्य कार्य है–
(अ) समन्वय एवं पर्यवेक्षण
(ब) ग्राम विकास
(स) नागरिक सुविधाएं जुटाना
(द) ग्रामीण एकता का निर्माण
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पंचायती राज की सबसे ऊपरी संस्था जिला परिषद है। जिला परिषद ग्राम पंचायतों एवं पंचायत समितियों का मूलतः नीति निर्धारण एवं मार्गदर्शन का काम करती है।

3020. स्थानीय सांसद और विधायक किसके पदेन सदस्य होते हैं ?
(अ) ग्राम सभा (ब) ग्राम पंचायत
(स) जिला परिषद (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– पंचायती राज की सबसे ऊपरी संस्था जिला परिषद है। जिला परिषद ग्राम पंचायतों एवं पंचायत समितियों का मूलतः नीति निर्धारण एवं मार्गदर्शन का काम करती है।

3021. खंड स्तर पर पंचायत समिति एक.....है।
(अ) प्रशासनिक प्राधिकरण
(ब) सलाहकार निकाय
(स) परामर्शदात्री समिति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ) RRB 2002
व्याख्या– खण्ड स्तर पर पंचायत समिति एक प्रशासनिक अधिकरण है। ग्राम स्तर पर विभिन्न कार्यों को निपटाने के लिए मुख्यतया निम्न समितियाँ नियुक्त की जाती है–कार्य समिति, वित्त एवं विकास समिति, शिक्षा और समता समिति आदि।

3022. ग्राम पंचायत का निर्वाचन कराना निर्भर करता है–
(अ) कलक्टर (ब) चुनाव आयोग
(स) केंद्र सरकार (द) राज्य सरकार
उत्तर : (द) RRB 2003
व्याख्या– ग्राम पंचायत चुनाव कराने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया जाता है। अनुच्छेद 10 में यह व्यवस्था की गई है कि राज्य ग्राम पंचायतों के संगठन और उन्हें स्वायत्त शासन की इकाईयों के रूप में स्थापित करने का प्रयत्न करेगा। पंचायतों और नगरपालिकाओं का चुनाव, सम्बन्धित राज्यों का राज्य निर्वाचन आयोग संचालित करता है जो निर्वाचन आयोग से पृथक सम्बन्धित राज्य सरकारों के नियन्त्रण में कार्य करता है।

3023. सामान्यतः पंचायत समिति में कितने प्रकार के सदस्य होते हैं ?
(अ) पदेन सदस्य (ब) सहयोगी सदस्य
(स) सहयोजित सदस्य (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– सामान्यतः पंचायत समिति का निर्माण पदेन सदस्यों के रूप में क्षेत्रवार चुने गए सदस्यों और खंड विकास अधिकारी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला प्रतिनिधि। सहयोगी सदस्य के रूप में उस क्षेत्र का बड़ा किसान, सहाकरी समितियों के प्रतिनिधि और कृषि विपणन सेवा क्षेत्र से। सहयोजित सदस्य के रूप में जिला परिषद के लिए तहसील स्तर पर चुने गये सदस्य।

3024. पंचायती राज विषय है–
(अ) समवर्ती सूची में (ब) केंद्र सूची में
(स) राज्य सूची में (द) विशेषाधिकार सूची में
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के विंधान की अनुसूची 7 में 61 विषयों की एक सूची 'राज्य सूची' है। प्रारंभ में इस सूची में 66 विषय थे। विधायी खंड को तनी सूचियों में बांटा गया। संघ सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची। राज्य सूची में राज्य सरकार से संबंधित कार्य सम्मिलित होते हैं, जैसे–अदालतें, राज्य पुलिस, जिला अस्पताल, सफाई, पशु, सिंचाई, कृषि, सड़क, वन, रेलवे पुलिस, पुस्तकालय आदि।

3025. पंचायतों द्वारा कौनसा कर वसूला जाता है ?
(अ) स्थानीय मेलों का कर
(ब) बिक्री कर
(स) भू–राजस्व
(द) सीमा कर
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पंचायत राज अधिनियम में 73वें संविधान संशोधन के क्रम में राज्य सरकार ने एक अहम पहल की है। इसके तहत त्रिस्तरीय पंचायतों–ग्राम पंचायत, ब्लॉक पंचायत और जिला पंचायतों के लिए आय के स्रोतों की व्यवस्था की गई है। इसके लिए पंचायतें कई तरह के कर वसूल कर सकेगी। इस अधिनियम के तहत नियमावली तैयार होने के बाद पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विवाह स्थल, मंडल, रिसोर्ट और मनोरंजन स्थलों पर तीनों पंचायते शुल्क लगा सकेंगी।

3026. निम्नलिखित में से कौन पंचायती राज की तीन स्तरीय व्यवस्था के अंतर्गत नहीं है ?
(अ) जिला स्तर (ब) ग्राम स्तर
(स) प्रखण्ड स्तर (द) तहसील स्तर
उत्तर : (द)

व्याख्या– पंचायती राज की तीन स्तरीय व्यवस्था में ग्राम पंचायत, पंचायत समिति तथा जिला परिषद शामिल है। तहसील स्तर इसमें सम्मिलित नहीं है।

3027. निम्नलिखित में से कौनसा संविधान संशोधन यह कहता है कि ग्राम पंचायत में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होनी चाहिए ?
(अ) 81वां (ब) 84वां
(स) 71वां (द) 73वां
उत्तर : (द) RRB 2001
व्याख्या– बलवंत राय मेहता समिति से लेकर 73वें संविधान संशोधन अधिनियम तक विभिन्न समितियों के माध्यम से इन पंचाचती राज संस्थाओं में महिलाओं की सहभागिता के बारे में कई उतार चढ़ाव देखने को मिलता है। 73वें संविधान संशोधन के पश्चात महिलाओं की पंचायतों में 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान कर उनकी सहभागिता बनने का अवसर प्रदान किया गया है।

3028. पंचायत स्तर पर राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व कौन करता है ?
(अ) ग्राम विकास अधिकारी
(ब) ग्राम मुखिया
(स) सरपंच
(द) पंचायत समिति
उत्तर : (अ) RRB 2006
व्याख्या– पंचायत की गतिविधियों की निगरानी के लिए राज्य सरकार द्वारा नियुक्त निर्वाचित प्रतिनिधि को पंचायत सचिव कहते हैं। इन्हें ग्राम सेवक भी कहा जाता है, किन्तु वर्तमान में इनका पदनाम ग्राम विकास अधिकारी कर दिया गया है। ग्राम विकास अधिकारी गाँवों के लिए बजट तैयार करने, गाँवों में कितने पैसे खर्च किए जा रहे हैं इत्यादि से संबंधित कार्य किये जाते हैं। वह गाँव के विकास पर निगरानी रखता है और इसे उच्च प्राधिकरण को रिपोर्ट करता है। ग्राम विकास अधिकारी निर्वाचित पंचायत के लिए उत्तरदायी नहीं है बल्कि केवल खण्ड विकास अधिकारी (बी.डी.ओ.) के लिए उत्तरदायी है।

3029. पंचायत चुनाव के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु सीमा होनी चाहिए–
(अ) 18 वर्ष (ब) 20 वर्ष
(स) 21 वर्ष (द) 30 वर्ष
उत्तर : (स)
व्याख्या– ग्राम सभा के कुल सदस्यों के द्वारा एक अध्यक्ष या प्रधान और अन्य सदस्यों को निर्वाचित किया जाता है। इन अध्यक्ष या प्रधान और अन्य सदस्यों को ग्राम पंचायत कहते हैं। इसका कार्यकाल 5 वर्ष होता है। पंचायत चुनाव के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष है।

3030. पंचायती राज संस्थान के अधिकतम आय का स्त्रोत है–
(अ) स्थानीय कर (ब) क्षेत्रीय निधि
(स) सरकारी अनुदान (द) संघीय राजस्व में अंश
उत्तर : (स)
व्याख्या– पंचायती राज संस्थान के अधिकत आय का स्त्रोत सरकारी अनुदान है।

3031. पंचायती राज व्यवस्था अपनाई गई थी–
(अ) लोगों को राजनैतिक जागरूकता प्रदान करने हेतु
(ब) लोकतंत्र की शक्तियों के विकेन्द्रीकरण के लिए
(स) कृषकों को शिक्षित करने के लिए
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– पंचायती राज व्यवस्था लोकतंत्र की शक्तियों के विकेन्द्रीकरण के लिए अपनाई गई है। पंचायती राज का प्रधान लक्ष्य ग्राम वासियों में शक्ति का विकेंद्रीकरण है, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप नीतियाँ बना सके एवं लागू कर सके।

3032. पंचायत समिति का गठन होता है–
(अ) ग्राम स्तर पर (ब) प्रखंड स्तर पर
(स) अनुमंडल स्तर पर (द) जिला स्तर पर
उत्तर : (ब)
व्याख्या– पंचायत समिति का गठन प्रखंड स्तर पर होता है। ग्राम पंचायत की तरह प्रत्येक पंचायत समिति का प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र होता है, जो लगभग 5000 की आबादी पर निर्धारित होता है। पंचायत समिति, ग्राम पंचायत स्तर द्वारा तैयार की गई सभी भावी योजनाओं को संग्रहीत करती है और उनका वित्तीय प्रतिबद्धता, समाज कल्याण और क्षेत्र विकास को ध्यान में रखते हुये लागू करवाती है तथा वित्त पोषण के लिए उनका क्रियान्वयन करती है।

3033. पंचायत समिति के प्रशासन का प्रबंध एक सरकारी अधिकारी करता है, जिसे कहते हैं–
(अ) खंड विकास अधिकारी
(ब) डिप्टी कमीश्नर
(स) म्युनिसिपल कमीश्नर
(द) सरपंच
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पंचायत समिति में प्रत्येक विभाग का अपना एक अधिकारी होता है। अधिकतर ये राज्य सरकार द्वारा नियुक्त सरकारी कर्मचारी होते हैं जो अतिरिक्त कार्यभार के रूप में यह कार्य करते हैं लेकिन कभी–कभी अधिक राजस्व वाली पंचायत समिति में से स्थानीय कर्मचारी भी हो सकते हैं। सरकार द्वारा नियुक्त प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) इन अतिरिक्त कार्यभार अधिकारियों और

पंचायत समिति का पर्यवेक्षक होता है और वास्तव में सभी कार्यों का प्रशासनिक मुखिया होता है।

3034. पंचायती राज त्रिसोपान प्रणाली का प्राथमिक भाग है–
(अ) पंचायत समिति (ब) ग्राम पंचायत
(स) जिला समिति (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– पंचायती राज त्रिसोपान प्रणाली का प्राथमिक भाग ग्राम पंचायत है। इसे त्रिस्तरीय प्रणाली का निम्न स्तर भी कहते हैं।

3035. राजस्थान में पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत किस जिले से हुई ?
(अ) जैसलमेर (ब) श्रीगंगानगर
(स) नागौर (द) बीकानेर
उत्तर : (स)
व्याख्या– आधुनिक भारत में प्रथम बार तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा राजस्थान के नागौर जिले के बगदरी गाँव में 2 अक्टूबर, 1959 को पंचायती राज व्यवस्था लागू की गई।

3036. पंचायत समिति के सदस्य–
(अ) खंड विकास पदाधिकारी द्वारा मनोनीत किये जाते हैं
(ब) जिला पंचायत अध्यक्ष द्वारा मनोनीत किये जाते हैं
(स) प्रत्यक्ष रूप से जनता द्वारा निर्वाचित किये जाते हैं
(द) ग्राम पंचायत के सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित किये जाते हैं
उत्तर : (स)
व्याख्या– सामान्यतः पंचायत समिति का निर्माण पदेन सदस्यों के रूप में क्षेत्रवार चुने गए सदस्यों और खंड विकास अधिकारी, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और महिला प्रतिनिधि। सहयोगी सदस्य के रूप में उस क्षेत्र का बड़ा किसान, सहाकरी समितियों के प्रतिनिधि और कृषि विपणन सेवा क्षेत्र से। सहयोजित सदस्य के रूप में जिला परिषद के लिए तहसील स्तर पर चुने गये सदस्य।

3037. बलवंत राय मेहता समिति का गठन किस वर्ष किया गया ?
(अ) 1953 ई. (ब) 1954 ई.
(स) 1955 ई. (द) 1957 ई.
उत्तर : (द)
व्याख्या– बलवंत राय मेहता समिति का गठन पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए वर्ष 1956 में बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट, 1957 में प्रस्तुत कर दी थी। समिति की सिफारिशों को 1 अप्रैल, 1958 को लागू किया गया। सन् 1957 मे योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) ने बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में सामुदायिक परियोजनाओं एवं राष्ट्रीय विकास सेवाओं का अध्ययन दल के रूप में एक समिति बनाई, जिसे यह दायित्व दिया गया कि वह उन कारणों का पता करें, जो सामुदायिक विकास कार्यक्रम की संरचना तथा कार्यप्रणाली की सफलता मे बाधक थी।

3038. एक विकास खंड पर पंचायत समिति होती है–
(अ) एक सलाहकार समिति
(ब) एक प्रशासकीय अधिकरण
(स) एक परामर्शदात्री समिति
(द) एक निरीक्षण प्राधिकरण
उत्तर : (ब)
व्याख्या– खण्ड स्तर पर पंचायत समिति एक प्रशासनिक अधिकरण है। ग्राम स्तर पर विभिन्न कार्यों को निपटाने के लिए मुख्यतया निम्न समितियाँ नियुक्त की जाती है–कार्य समिति, वित्त एवं विकास समिति, शिक्षा और समता समिति आदि।

3039. ग्राम पंचायतों की आय का स्त्रोत कौनसा है ?
(अ) भूमि एवं स्थानीय कर
(ब) मेला एवं बाजार कर
(स) मृत्यु कर
(द) मकान एवं पशु कर
उत्तर : (ब) IAS 1991
व्याख्या– ग्राम पंचायतों की आय का स्त्रोत मेला एवं बाजार कर है।

3040. पंचायती राज संस्थाएं अपनी निधि हेतु निर्भर है–
(अ) सम्पत्ति कर पर (ब) सरकारी अनुदान पर
(स) स्थानीय कर पर (द) विशेष कर पर
उत्तर : (ब) IAS 1983
व्याख्या– सरकारी अनुदान पंचायतों की आय का सबसे महत्वपूर्ण भाग है। पंचायतों को प्राप्त होने वाली राशि में सरकारी अनुदान की राशि सबसे अधिक होती है।

3041. यदि पंचायत भंग होती है, तो किस अवधि के अंदर निर्वाचन होंगे ?
(अ) 1 माह (ब) 3 माह
(स) 6 माह (द) 1 वर्ष
उत्तर : (स) IAS 2009
व्याख्या– भारतीय संविधान के 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1992 के द्वारा संविधान में भाग 9 जोड़ा गया। इस भाग में 16 नए अनुच्छेद और एक नई अनुसूची '11वीं अनुसूची' जोड़ी गई इस भाग में पंचायतों के गठन (अनुच्छेद 243ख), उनके निर्वाचन, शक्तियाँ इत्यादि का वर्णन किया गया है। इसके अनुसार यदि पंचायत भंग होती है, तो 6 माह के अन्दर निर्वाचन होना आवश्यक है। ग्राम पंचायत ग्राम सभा की निर्वाचित कार्यपालिका है। ग्राम पंचायत का निर्वाचन प्रत्यक्ष रूप से होता है।

प्रत्येक पंचायत को उसकी पहली बैठक की तारीख से 5 वर्ष के लिए गठित किया जाता है। पंचायत को विधि के अनुसार इससे पहले भी विघटित किया जा सकता है। यदि ग्राम पंचायत 5 वर्ष से 6 माह पूर्व विघटित कर दी जाती है तो पुनः चुनाव आवश्यक होता है। नई गठित पंचायत का कार्यकाल शेष अवधि के लिए होगा। ग्राम पंचायत की माह में एक बैठक आवश्य है। बैठक की सूना कम से कम 5 दिन पूर्व सभी सदस्यों को दी जाएगी। प्रधान तथा उसकी अनुपस्थिति में उप प्रधान किसी भी समय पंचायत की बैठक को बुला सकता है।

3042. निम्नलिखित में से भारत में पहला नगर निगम कहाँ स्थापित हुआ था ?
(अ) कलकत्ता (ब) चेन्नई
(स) मुम्बई (द) दिल्ली
उत्तर : (ब) IAS 2009
व्याख्या– भारत में पहला नगर निगम चेन्नई में स्थापित हुआ था। सन् 1688 मे स्थापित हुआ यह नगर निगम भारत में ही नहीं, ब्रिटेन के बाहर किसी भी राष्ट्रमंडल देश में सबसे पहला नगर निगम है।

3043. भारत में पंचायती राज प्रणाली का शुभारम्भ कब और कहाँ हुआ ?
(अ) 5 जुलाई, 1957, फैजाबाद
(ब) 2 अक्टूबर, 1959, नागौर
(स) 14 नवम्बर, 1959, अहमदाबाद
(द) 3 दिसम्बर, 1960, भोपाल
उत्तर : (ब)
व्याख्या– पंचायत राज शासन सत्ता को आम लोगों तक पहुँचाने का एक साधन है। वर्ष 1957 में बलवंतराय मेहता समिति की सिफारिश के बाद पहली बार 2 अक्टूबर 1959 को राजस्थान के नागौर जिले में पंचायती राज लागू किया गया।

3044. 1957 में किस समिति ने भारत में त्रिस्तरीय पंचायती राज की सर्वप्रथम सिफारिश की थी ?
(अ) अशोक मेहता समिति
(ब) सीतलवाड़ समिति
(स) बलवंत राय मेहता समिति
(द) हनुमतैया समिति
उत्तर : (स)
व्याख्या– बलवंत राय मेहता समिति का गठन पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए वर्ष 1956 में बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट, 1957 में प्रस्तुत कर दी थी। समिति की सिफारिशों को 1 अप्रैल, 1958 को लागू किया गया। सन् 1957 मे योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) ने बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में सामुदायिक परियोजनाओं एवं राष्ट्रीय विकास सेवाओं का अध्ययन दल के रूप में एक समिति बनाई, जिसे यह दायित्व दिया गया कि वह उन कारणों का पता करें, जो सामुदायिक विकास कार्यक्रम की संरचना तथा कार्यप्रणाली की सफलता मे बाधक थी।

3045. वर्तमान ग्रामीण स्वशासन की संरचनाएं निम्न में से किसकी अनुशंसा पर की गई है ?
(अ) बलवंत राय मेहता समिति
(ब) आर.आर. दिवाकर समिति
(स) अशोक मेहता समिति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– वर्तमान ग्रामीण स्वशासन की संरचनाएं बलवंत राय मेहता समिति की अनुशंसा पर की गई है। इस समिति का गठन पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए वर्ष 1956 में बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट, 1957 में प्रस्तुत कर दी थी। समिति की सिफारिशों को 1 अप्रैल, 1958 को लागू किया गया। सन् 1957 मे योजना आयोग (वर्तमान नीति आयोग) ने बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में सामुदायिक परियोजनाओं एवं राष्ट्रीय विकास सेवाओं का अध्ययन दल के रूप में एक समिति बनाई, जिसे यह दायित्व दिया गया कि वह उन कारणों का पता करें, जो सामुदायिक विकास कार्यक्रम की संरचना तथा कार्यप्रणाली की सफलता मे बाधक थी।

3046. 73वें संविधान संशोधन के प्रावधानों को समाज के किस वर्ग को सत्ता हस्तांतरण की दृष्टि से ऐतिहासिक कदम माना जाता है ?
(अ) मध्यम वर्ग (ब) कृषक वर्ग
(स) पुरुष वर्ग (द) महिला वर्ग
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अंतर्गत पंचायतों में महिलाओं को एक तिहाई प्रतिनिधित्व की गारंटी अनुच्छेद 243घ देता है। अनुच्छेद 243घ(3) के अनुसार प्रत्येक पंचायत में प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा भरे जाने वाले स्थानों की कुल संख्या के कम से कम 1/3 भाग (जिनमें अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजातियों की महिलाएं भी शामिल हैं) महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगे।

3047. भारत के पंचायती राज व्यवस्था का वास्तुकार (शिल्पी) किसे कहा जाता है ?
(अ) बी.आर. मेहता (ब) एल.एम. सिंघवी
(स) जी.बी.के. राव (द) आचार्य नरेन्द्र देव
उत्तर : (अ)
व्याख– भारत में पचायती राज की त्रिस्तरीय व्यवस्था का अनुमोदन बलवंत राय मेहता समिति ने किया। इनके अनुसार त्रिस्तरीय पंचायती राज प्रणाली की स्थापना की जाए जिसमें तीन स्तर

निम्न हों– ग्राम पंचायत, पंचायत समिति व जिला परिषद। तीनों को एक दूसरे से अप्रत्यक्ष चुनाव के माध्यम से जोड़ा जाए। ग्राम पंचायत का चुनाव प्रत्यक्ष रूप से तथा पंचायत समिति और जिला पंचायत/जिला परिषद का चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से हो। बलवंतराय मेहता एक भारतीय राजनीतिज्ञ और गुजरात के दूसरे मुख्यमंत्री थे। इन्होंने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में भी भाग लिया था। लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की दिशा में उनके योगदान के लिए उन्हें पंचायती राज का वास्तुकार माना जाता है।

3048. विकेंद्रीकरण प्रणाली की सिफारिश किसने की थी ?
(अ) सी. राजगोपालाचारी
(ब) जे.बी. कृपलानी
(स) बलवंत राय मेहता
(द) राज्य सरकार
उत्तर : (स)
व्याख्या– बलवंत राय मेहता समिति का गठन पंचायती राज व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने के लिए वर्ष 1956 में बलवंत राय मेहता की अध्यक्षता में किया गया था। इस समिति ने अपनी रिपोर्ट, 1957 में प्रस्तुत कर दी थी तथा सिफारिशें 1 अप्रैल, 1958 को लागू की गई।

3049. भारत में सही मायने में स्थानीय स्वशासन का जनक किसे कहा जाता है ?
(अ) लॉर्ड मेयो (ब) लॉर्ड रिपन
(स) लॉर्ड कर्जन (द) लॉर्ड क्लाइव
उत्तर : (ब) SSC 2010
व्याख्या– भारत में पंचायत राज प्रणाली सत्ता के विकेन्द्रीकरण पर आधारित है। भारत में स्वायत्त शासन का उल्लेख सबसे पहले प्राचीन भारत में मौर्य काल एवं चोल काल में उत्तरमेरू अभिलेख में मिलता है। आधुनिक भारत में सबसे पहले भारत सरकार के एक प्रस्ताव से 1864 में मिलता है जिसमें स्थानीय स्वशासन को मान्यता दी गई। 1870 में लॉर्ड मेयो ने पंचायतों को कार्यात्मक रूप से वित्तीय स्वायत्त दी गयी। लॉर्ड रिपन ने 1882 में एक प्रस्ताव से स्थानीय स्वशासन को मान्यता दी जिसे स्थानीय स्वशासन का मैग्नाकार्टा कहते हैं।

3050. महिलाओं को पंचायतों में आरक्षण भारतीय संविधान में किस संशोधन द्वारा दिया गया ?
(अ) 1992 का 70वाँ संशोधन
(ब) 1993 का 73वाँ संशोधन
(स) 1992 का 74वाँ संशोधन
(द) 1994 का 77वाँ संशोधन
उत्तर : (ब) RPSC IIgr. Teacher 2011
व्याख्या– संविधान के अंतर्गत पंचायतों में महिलाओं को एक तिहाई प्रतिनिधित्व की गारंटी अनुच्छेद 243घ देता है। अनुच्छेद 243घ(3) के अनुसार प्रत्येक पंचायत में प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा भरे जाने वाले स्थानों की कुल संख्या के कम से कम 1/3 भाग (जिनमें अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजातियों की महिलाएं भी शामिल हैं) महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगे।

3051. भारत में प्रत्यक्ष लोकतंत्र का उदाहरण क्या है ?
(अ) जिला पंचायत (ब) नगर पंचायत
(स) ग्राम सभा (द) क्षेत्र पंचायत
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– भारत में प्रत्यक्ष लोकतंत्र का उदाहरण ग्राम सभा है। ग्राम सभा के सदस्य की उम्र कम से कम 18 वर्ष होना आवश्यक है।

3052. राजस्थान के साथ किस राज्य में पंचायत राज पद्धति सबसे पहले लागू की गई ?
(अ) आन्ध्रप्रदेश (ब) गुजरात
(स) महाराष्ट्र (द) उत्तरप्रदेश
उत्तर : (अ) RPSC IIgr. Teacher 2011
व्याख्या– पंचायती राज का शुभारंभ भारत में 2 अक्टूबर, 1959 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा राजस्थान के नागौर जिले में हुआ। 11 अक्टूबर, 1959 को पंडित जवाहरलाल नेहरू ने आन्ध्रप्रदेश राज्य में पंचायती राज का शुभारंभ किया।

3053. भारत में किसके चुनाव में आरक्षित स्थानों की चक्रानुक्रम से भरे जाने का प्रावधान किया गया है ?
(अ) लोकसभा के चुनाव में
(ब) राज्यसभा के चुनाव में
(स) विधानसभा के चुनाव में
(द) पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में आरक्षित स्थानों की चक्रानुक्रम से भरे जाने का प्रावधान किया गया है।

3054. पंचायती राज व्यवस्था का मूल उद्देश्य है–
(अ) विकास की प्रक्रिया में जन भागीदारी को सुनिश्चित करना
(ब) लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा देना
(स) (अ) और (ब) दोनों
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– पंचायती राज व्यवस्था का मूल उद्देश्य विकास की प्रक्रिया में जनभागीदारी को सुनिश्चित करना तथा लोकतांत्रिक विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा देना है।

3055. भारत में स्थानीय स्वशासन का पिता कहा जाता है–
(अ) लॉर्ड मेयो (ब) लॉर्ड रिपन
(स) लॉर्ड चेम्सफोर्ड (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

व्याख्या– लॉर्ड रिपन को भारत में स्थानीय स्वशासन का पिता कहा जाता है। लॉर्ड रिपन का 1882 ई. का संकल्प स्थानीय स्वशासन के लिए 'मैग्नाकार्टा' कहा जाता है।

3056. 73वें संविधान संशोधन के प्रावधानों को समाज के किस वर्ग को सत्ता हस्तांतरण की दृष्टि से ऐतिहासिक कदम माना जाता है ?
(अ) मध्यम वर्ग (ब) कृषक वर्ग
(स) पुरुष वर्ग (द) महिला वर्ग
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के अंतर्गत पंचायतों में महिलाओं को एक तिहाई प्रतिनिधित्व की गारंटी अनुच्छेद 243घ देता है। अनुच्छेद 243घ(3) के अनुसार प्रत्येक पंचायत में प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा भरे जाने वाले स्थानों की कुल संख्या के कम से कम 1/3 भाग (जिनमें अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजातियों की महिलाएं भी शामिल हैं) महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगे।

3057. पंचायती राज की मुख्य उपलब्धि है–
(अ) राजनीतिक चेतना का विकास
(ब) ग्रामीण विकास
(स) ग्रामीण समृद्धि
(द) ग्रामीण एकता का निर्माण
उत्तर : (अ)
व्याख्या–पंचायती राज की मुख्य उपलब्धि राजनीति चेतना का विकास करना है।

3058. भारत में पंचायती राज का शुभारम्भ कब हुआ ?
(अ) 2 अक्टूबर, 1959 ई.
(ब) 26 जनवरी, 1950 ई.
(स) 1 अप्रैल, 1952 ई.
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पंचायती राज का शुभारम्भ स्वतंत्र भारत में 2 अक्टूबर, 1959 ई. को तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के द्वारा राजस्थान राज्य के नागौर जिले में हुआ। इसके बाद 11 अक्टूबर, 1959 ई. को पंडित जवाहर लाल नेहरू ने आन्ध्रप्रदेश राज्य में पंचायती राज का शुभारंभ किया।

3059. भारत में पंचायती राज का शुभारम्भ 2 अक्टूबर, 1959 ई. को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के द्वारा राजस्थान के नागौर जिले में हुआ। इसके पश्चात् किस राज्य में उद्घाटन हुआ ?
(अ) आन्ध्रप्रदेश (ब) कर्नाटक
(स) तमिलनाडु (द) मध्यप्रदेश
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में पंचायती राज का शुभारम्भ 2 अक्टूबर, 1959 ई. को तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के द्वारा राजस्थान के नागौर जिले में हुआ। इसके बाद 11 अक्टूबर, 1959 ई. को पंडित जवाहर लाल नेहरू ने आन्ध्रप्रदेश राज्य में पंचायती राज का शुभारंभ किया।

3060. संविधान का कौनसा भाग पंचायत राज से संबंधित है ?
(अ) भाग–9 (ब) भाग–9क
(स) भाग–10 (द) भाग–11
उत्तर : (अ)
व्याख्या–73वाँ संविधान संशोधन, 1993 ई. पंचायती राज से संबंधित है। इस संशोधन के द्वारा संविधान के भाग–9 अनुच्छेद–243(क से ण तक कुल 16 अनुच्छेद) तथा अनुसूची–11 का प्रावधान किया गया है। वर्ष 1986 ई. में गठित एल.एम. सिंघवी समिति की सिफारिशों के आधार पर 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1993 ई. के द्वारा पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।

3061. भारत में पंचायती राज का शुभारम्भ किस जिले में हुआ ?
(अ) जोधपुर (ब) जैसलमेर
(स) अजमेर (द) नागौर
उत्तर : (द)
व्याख्या– पंचायती राज का शुभारम्भ स्वतंत्र भारत में 2 अक्टूबर, 1959 ई. को तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के द्वारा राजस्थान राज्य के नागौर जिले में हुआ।

3062. 73वें संविधान संशोधन, 1993 ई. के द्वारा संविधान के भाग–9 में अनुच्छेद वर्णित है–
(अ) अनुच्छेद–243 (क से ण)
(ब) केवल अनुच्छेद–243(क)
(स) केवल अनुच्छेद–243(ख)
(द) केवल अनुच्छेद–243(च)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 73वाँ संविधान संशोधन, 1993 ई. पंचायती राज से संबंधित है। इस संशोधन के द्वारा संविधान के भाग–9 अनुच्छेद–243(क से ण तक कुल 16 अनुच्छेद) तथा अनुसूची–11 का प्रावधान किया गया है। वर्ष 1986 ई. में गठित एल.एम. सिंघवी समिति की सिफारिशों के आधार पर 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1993 ई. के द्वारा पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।

3063. यदि किसी पंचायत को समय पूर्व विघटित कर दिया जाता है तो उसका निर्वाचन कितने समय के भीतर शेष बचे हुई अवधि के लिए कराया जाता है ?
(अ) 3 महीना (ब) 6 महीना
(स) 2 महीना (द) 1 वर्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– किसी पंचायत को समय पूर्व विघटित कर दिया जाता है तो उसका निर्वाचन 6 महीने के भीतर शेष बचे हुई अवधि के लिए कराया जाता है,

किन्तु यदि पंचायत ऐसे समय विघटित किया जाता है जब उसकी अवधि 6 महीने से कम बची हो तो शेष अवधि के लिए निर्वाचन कराना जरूरी नहीं होता है।

3064. पंचायत सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु होनी चाहिए–
(अ) 18 वर्ष (ब) 21 वर्ष
(स) 25 वर्ष (द) 30 वर्ष
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–243(च) के अनुसार पंचायत का सदस्य बनने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष है।

3065. संविधान के किस अनुच्छेद के अनुसार पंचायत को यदि किसी विधि के अधीन पहले ही विघटित नहीं किया जाता है, तो उसकी अवधि अपने प्रथम अधिवेशन के लिए नियत तारीख से पाँच वर्ष होती है ?
(अ) अनुच्छेद–243 (ङ) (ब) अनुच्छेद–243(ण)
(स) अनुच्छेद–243(क) (द) अनुच्छेद–243(चा)
उत्तर : (अ)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–243(ङ) के तहत पंचायत को यदि किसी विधि के अधीन पहले ही विघटित नहीं किया जाता है, तो उसकी अवधि अपने प्रथम अधिवेशन के लिए नियत तारीख से पाँच वर्ष होगी।

3066. 73वें संविधान संशोधन, 1993 ई. के द्वारा किस अनुसूची को जोड़ा गया है, जिसमें पंचायती राज से संबंधित उपबंध वर्णित है ?
(अ) 10वीं अनुसूची (ब) 11वीं अनुसूची
(स) 12वीं अनुसूची (द) 9वीं अनुसूची
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 73वाँ संविधान संशोधन, 1993 ई. पंचायती राज से संबंधित है। इस संशोधन के द्वारा संविधान के भाग–9 अनुच्छेद–243(क से ण तक कुल 16 अनुच्छेद) तथा अनुसूची–11 का प्रावधान किया गया है। वर्ष 1986 ई. में गठित एल.एम. सिंघवी समिति की सिफारिशों के आधार पर 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1993 ई. के द्वारा पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया।

3067. निम्नलिखित में से किस समिति की सिफारिशों के आधार पर 73वें संविधान संशोधन द्वारा पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया ?
(अ) बलवन्त राय मेहता समिति (1957)
(ब) अशोक मेहता समिति (1977)
(स) पी.वी.के. राय समिति (1985)
(द) एल.एम. सिंघवी समिति (1986)
उत्तर : (द)
व्याख्या– वर्ष 1986 ई. में गठित एल.एम. सिंघवी समिति की सिफारिशों के आधार पर 73वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1993 ई. के द्वारा पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया गया। 73वाँ संविधान संशोधन, 1993 ई. पंचायती राज से संबंधित है। इस संशोधन के द्वारा संविधान के भाग–9 अनुच्छेद–243(क से ण तक कुल 16 अनुच्छेद) तथा अनुसूची–11 का प्रावधान किया गया है।

3068. निम्नलिखित में से किस राज्य में पंचायती राज व्यवस्था लागू नहीं है ?
(अ) नगालैंड (ब) मेघालय
(स) मिजोरम (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या–वर्तमान में पंचायती राज व्यवस्था नगालैंड, मेघालय तथा मिजोरम राज्यों को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में तथा दिल्ली को छोड़कर अन्य सभी केन्द्रशासित राज्यों में लागू है।

3069. निम्नलिखित में से किस राज्य में पंचायती राज व्यवस्था लागू नहीं है ?
(अ) दिल्ली (ब) दादर एवं नगर हवेली
(स) लक्षद्वीप (द) गोवा
उत्तर : (अ)
व्याख्या–वर्तमान में पंचायती राज व्यवस्था नगालैंड, मेघालय तथा मिजोरम राज्यों को छोड़कर अन्य सभी राज्यों में तथा दिल्ली को छोड़कर अन्य सभी केन्द्रशासित राज्यों में लागू है।

3070. 73वें संविधान संशोधन के बाद पंचायती राज अधिनियम का निर्माण करने वाला प्रथम राज्य है–
(अ) कर्नाटक (ब) केरल
(स) मिजोरम (द) झारखंड
उत्तर : (अ)
व्याख्या–73वें संविधान संशोधन अधिनियम,1993 ई. के बाद पंचायती राज अधिनियम का निर्माण करने वाला प्रथम राज्य कर्नाटक है।

3071. 73वें संविधान संशोधन के द्वारा पंचायती राज के त्रिस्तरीय ढाँचे का प्रावधान किया गया है, जिसमें सम्मिलित नहीं है–
(अ) ग्राम पंचायत (ब) पंचायत समिति
(स) जिला परिषद् (द) वार्ड
उत्तर : (द)
व्याख्या–73वें संविधान संशोधन (1993 ई.) के द्वारा पंचायती राज के त्रिस्तरीय ढाँचे का प्रावधान किया गया है। ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, प्रखण्ड स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद् के गठन की व्यवस्था की गयी।

3072. 73वें संविधान संशोधन के द्वारा पंचायती राज के ढाँचे का प्रावधान किया गया है–
(अ) द्विस्तरीय (ब) त्रिस्तरीय
(स) एकल स्तरीय (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

व्याख्या– 73वें संविधान संशोधन (1993 ई.) के द्वारा पंचायती राज के त्रिस्तरीय ढाँचे का प्रावधान किया गया है। ग्राम स्तर पर ग्राम पंचायत, प्रखण्ड स्तर पर पंचायत समिति तथा जिला स्तर पर जिला परिषद् के गठन की व्यवस्था की गयी।

3073. पंचायती राजव्यवस्था में सुधार से संबंधित संविधान संशोधन है–
(अ) 64वाँ संविधान संशोधन, 1989 ई.
(ब) 73वाँ संविधान संशोधन, 1993 ई.
(स) (अ) और (ब) दोनों से
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– पंचायती राज व्यवस्था में सुधार हेतु बलवंत राय मेहता समिति (1957), अशोक मेहता समिति (1977), पी.वी.के. राय समिति (1985), एल. एम. सिंघवी समिति (1986) गठित की गई तथा भारत के संविधान में दो संशोधन क्रमशः 64वाँ संविधान संशोधन, 1989 ई. तथा 74वाँ संविधान संशोधन, 1993 ई. किया गया।

3074. निम्नलिखित में से पंचायती राजव्यवस्था में सुधार से कमेटी है ?
(अ) बलवन्त राय मेहता समिति (1957)
(ब) अशोक मेहता समिति (1977)
(स) एल.एम. सिंधवी समिति (1986)
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– पंचायती राज व्यवस्था में सुधार हेतु बलवंत राय मेहता समिति (1957), अशोक मेहता समिति (1977), पी.वी.के. राय समिति (1985), एल. एम. सिंघवी समिति (1986) गठित की गई तथा भारत के संविधान में दो संशोधन क्रमशः 64वाँ संविधान संशोधन, 1989 ई. तथा 74वाँ संविधान संशोधन, 1993 ई. किया गया।

3075. भारतीय संविधान के किस भाग में ग्राम पंचायतों की स्थापना की बात कही गई है ?
(अ) भाग 3 (ब) भाग 4
(स) भाग 5 (द) भाग 6
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के भाग 4 में अनुच्छेद 40 में ग्राम पंचायतों की स्थापना की बात कही गई है।

3076. भारतीय संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों में से कौनसा अनुच्छेद राज्य सरकारों को ग्राम पंचायतों को संगठित करने का निर्देश देता है ?
(अ) अनुच्छेद 40 (ब) अनुच्छेद 46
(स) अनुच्छेद 48 (द) अनुच्छेद 51
उत्तर : (अ)
व्याख्या–संविधान के अनुच्छेद 40 में राज्य सरकारों का संगठित करने का निर्देश देता है जबकि ग्राम पंचायतों के गठन का प्रावधान संविधान के भाग 9 में वर्णित है।

3077. 73वें संविधान संशोधन के द्वारा पंचायती राज संस्था के प्रत्येक स्तर में कितने स्थानों पर महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गयी है ?
(अ) एक–तिहाई (ब) दो–तिहाई
(स) एक–चौथाई (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या–73वें संविधान संशोधन (1993 ई.) के द्वारा पंचायती राज संस्था के प्रत्येक स्तर में एक–तिहाई स्थानों पर महिलाओं के लिए आरक्षण की व्यवस्था की गयी है।

3078. 73वें संविधान संशोधन के द्वारा पंचायती राज संस्थाओं का कार्यकाल 5 वर्ष निर्धारित किया गया है। इससे पूर्व पंचायत भंग होने पर कितने समय के भीतर निर्वाचन कराना आवश्यक है ?
(अ) 6 माह (ब) 3 माह
(स) 1 वर्ष (द) 2 माह
उत्तर : (द)
व्याख्या–73वें संविधान संशोधन (1993 ई.) के द्वारा पंचायती राज संस्थाओं का 5 वर्ष की अवधि का कार्यकाल निर्धारित किया गया है। पंचायत भंग होने पर 6 माह के अन्दर निर्वाचन होंगे।

3079. 73वें संविधान संशोधन के द्वारा पंचायती राज संस्थाओं का कार्यकाल निर्धारित किया गया है ?
(अ) 6 वर्ष (ब) 2 वर्ष
(स) 4 वर्ष (द) 5 वर्ष
उत्तर : (द)
व्याख्या–73वें संविधान संशोधन (1993 ई.) के द्वारा पंचायती राज संस्थाओं का 5 वर्ष की अवधि का कार्यकाल निर्धारित किया गया है। पंचायत भंग होने पर 6 माह के अन्दर निर्वाचन होंगे।

3080. भारतीय संविधान के किस भाग में पंचायती राज से संबंधित प्रावधान है ?
(अ) भाग 6 (ब) भाग 7
(स) भाग 8 (द) भाग 9
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 9 में पंचायती राज से संबंधित प्रावधान है।

3081. पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन कराने की जिम्मेदारी किस पर होती है ?
(अ) भारत निर्वाचन आयोग
(ब) राज्य निर्वाचन आयोग
(स) पंचायत राज संस्थाएँ
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या–पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचन कराने की समस्त जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार के निर्वाचन विभाग 'राज्य निर्वाचन आयोग' की होती है।

3082. भारत में सही मायने में स्थानीय स्वशासन का जनक किसे कहा जाता है ?
(अ) लॉर्ड मेयो (ब) लॉर्ड रिपन
(स) लॉर्ड कर्जन (द) लॉर्ड क्लाइव
उत्तर : (ब) SSC 2010
व्याख्या– भारत में पंचायत राज प्रणाली सत्ता के विकेन्द्रीकरण पर आधारित है। 1870 में लॉर्ड मेयो ने पंचायतों को कार्यात्मक रूप से वित्तीय स्वायत्तता दी गयी। लॉर्ड रिपन ने 1882 में एक प्रस्ताव से स्थानीय स्वशासन को मान्यता दी जिसे स्थानीय स्वशासन का मैग्नाकार्टा कहा जाता है।

3083. पंचायती राज के चुनावों में राजनीतिक दलों को खुले तौर से चुनाव चिन्हों के आधार पर भाग लेने का सुझाव किस समिति ने दिया था ?
(अ) बलवन्त राय मेहता समिति
(ब) अशोक मेहता समिति
(स) सादिक अली समिति
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पंचायती राज के चुनावों में राजनीतिक दलों को खुले तौर से चुनाव चिन्हों के आधार पर भाग लेने का सुझाव 1977 में गठित अशोक मेहता समिति ने दिया था।

3084. 73वें संविधान संशोधन के द्वारा पंचायती राज संस्थाओं को किस निधि से अनुदान देने की व्यवस्था की गयी है ?
(अ) राज्य की संचित निधि
(ब) केन्द्र की संचित निधि
(स) आकस्मिकता निधि
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या–73वें संविधान संशोधन (1993 ई.) के द्वारा राज्य की संचित निधि से पंचायती राज संस्थाओं को अनुदान देने की व्यवस्था की गयी है।

3085. संविधान की ग्यारहवीं अनुसूची में निम्नलिखित में से क्या सम्मिलित है ?
(अ) राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत
(ब) पंचायतों का कार्यक्रम
(स) मूल अधिकार
(द) मूल कर्तव्य
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान की 11वीं अनुसूची में पंचायती राज संस्थाओं के संबंध में तथा 12वीं अनुसूची में शहरी निकायों के संबंध में प्रावधान किये गये हैं।

3086. पंचायत राज प्रदान करता है–
(अ) पिछड़े क्षेत्रों का कृषि विकास
(ब) स्थानीय स्तर पर लोकतांत्रिक प्रशासन
(स) ग्रामीण स्तर पर उचित राजस्व का संचालन
(द) देहाती क्षेत्र में शिक्षा का फैलाव
उत्तर : (ब)
व्याख्या– पंचायती राज प्रणाली स्थानीय स्तर पर लोकतांत्रिक प्रशासन की व्यवस्था प्रदान करती है।

3087. निम्नलिखित में से भारत में पहला नगर निगम कहाँ स्थापित हुआ था ?
(अ) कलकत्ता (ब) चेन्नई
(स) मुम्बई (द) दिल्ली
उत्तर : (ब) IAS 2009
व्याख्या– भारत में पहला नगर निगम चेन्नई में स्थापित हुआ था। सन् 1688 मे स्थापित हुआ यह नगर निगम भारत में ही नहीं, ब्रिटेन के बाहर किसी भी राष्ट्रमंडल देश में सबसे पहला नगर निगम है।

3088. महिलाओं को पंचायतों में आरक्षण भारतीय संविधान में किस संशोधन द्वारा दिया गया ?
(अ) 1992 का 70वाँ संशोधन
(ब) 1993 का 73वाँ संशोधन
(स) 1992 का 74वाँ संशोधन
(द) 1994 का 77वाँ संशोधन
उत्तर : (ब) RPSC IIgr. Teacher 2011
व्याख्या– संविधान के अंतर्गत पंचायतों में महिलाओं को एक तिहाई प्रतिनिधित्व की गारंटी अनुच्छेद 243घ देता है। अनुच्छेद 243घ(3) के अनुसार प्रत्येक पंचायत में प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा भरे जाने वाले स्थानों की कुल संख्या के कम से कम 1/3 भाग (जिनमें अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजातियों की महिलाएं भी शामिल हैं) महिलाओं के लिए आरक्षित रहेंगे।

3089. भारत में किसके चुनाव में आरक्षित स्थानों की चक्रानुक्रम से भरे जाने का प्रावधान है–
(अ) लोकसभा के चुनाव में
(ब) राज्यसभा के चुनाव में
(स) विधानसभा के चुनाव में
(द) पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत में पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में आरक्षित स्थानों की चक्रानुक्रम से भरे जाने का प्रावधान किया गया है।

3090. भारत में नगरीय शासन व्यवस्था को कानूनी रूप सर्वप्रथम कब दिया गया ?
(अ) 1688 ई. (ब) 1687 ई.
(स) 1689 ई. (द) 1666 ई.
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारत में नगरीय शासन व्यवस्था को कानूनी रूप सर्वप्रथम वर्ष 1687 ई. में दिया गया। 1687 ई. में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने मद्रास में नगर निगम बनाने की अनुमति दी। नगर निगम की स्थापना सर्वप्रथम मद्रास में 29 सितम्बर, 1688 ई. में की गयी थी। सन् 1688 मे स्थापित हुआ यह नगर निगम भारत में ही नहीं, ब्रिटेन के बाहर

किसी भी राष्ट्रमंडल देश में सबसे पहला नगर निगम है।

3091. भारतीय संविधान के किस भाग में नगरपालिकाओं से संबंधित प्रावधान है ?
(अ) भाग 4क (ब) भाग 9क
(स) भाग 14क (द) भाग 22
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के भाग 9क में नगरपालिका सम्बन्धी प्रावधान है। नगर पालिका एक प्रशासनिक इकाई होती है, जिसमें स्पष्ट रूप से परिभाषित क्षेत्र होता है और इसकी जनसंख्या भी अंकित होती है। नगर पालिका न तो एक ग्राम और न ही बड़े शहर के बराबर होता है, बल्कि उनके बीच का होता है।

3092. नगरपालिका का गठन किस संविधान संशोधन से संबंधित है ?
(अ) 73वाँ (ब) 74वाँ
(स) 72वाँ (द) 71वाँ
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 74वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1993 शहरी निकायों से संबंधित है। इसके द्वारा संविधान के भाग–9क, अनुच्छेद–243(त से य, छ तक) एवं 12वीं अनुसूची का प्रावधान किया गया है। नगरपालिकाओं को 12वीं अनुसूची में वर्णित कुल 18 विषयों पर विधि बनाने की शक्ति प्रदान की गई है।

3093. भारतीय संविधान का कौनसा भाग नगरपालिका से संबंधित है ?
(अ) भाग 4 (क) (ब) भाग 8 (क)
(स) भाग 6 (क) (द) भाग 9 (क)
उत्तर : (द)
व्याख्या– संविधान के भाग 9क में नगरपालिका सम्बन्धी प्रावधान है।

3094. नगरपालिका से संबंधित नहीं है–
(अ) संविधान का भाग 9 (क)
(ब) संविधान की 12वीं अनुसूची
(स) संविधान में अनुच्छेद 243
(द) 73वाँ संविधान संषोधन
उत्तर : (द)
व्याख्या– 74वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1993 ई. नगरपालिकाओं से संबंधित है। इसके द्वारा संविधान के भाग–9क, अनुच्छेद–243(त से य, छ तक) एवं 12वीं अनुसूची का प्रावधान किया गया है। नगरपालिकाओं को 12वीं अनुसूची में वर्णित कुल 18 विषयों पर विधि बनाने की शक्ति प्रदान की गई है।

3095. प्रत्येक नगरपालिका को प्रांतीय निर्वाचन क्षेत्रों में विभाजित किया गया है जिन्हें कहते हैं–
(अ) पैराफेरी (ब) वार्ड
(स) समितियाँ (द) मौहल्ला
उत्तर : (ब)
व्याख्या– प्रत्येक नगरपालिका को प्रांतीय निर्वान क्षेत्रों में विभाजित किया गया है, जिन्हें वार्ड कहा जाता है।

3096. पंचायती राज का प्रधान लक्ष्य है–
(अ) ग्रामवासियों के बीच प्रतिद्धन्द्ध को बढ़ाना
(ब) चुनाव में लड़ने के लिए ग्रामवासियों को प्रशिक्षण देना
(स) ग्रामवासियों में शक्ति का विकेन्द्रीकरण
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारतीय संविधान के भाग 9 में पंचायती राज प्रणाली से संबंधित प्रावधान है। पंचायत राज का प्रधान लक्ष्य ग्रामवासियों में शक्ति का विकेन्द्रीकरण है।

58.अनुसूचित जाति और जनजाति क्षेत्र व पिछड़े वर्गों के संबंध में विशेष प्रावधान

3097. संविधान की किस अनुसूची में अनुसूचित जाति और जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में प्रावधान किया गया है ?
(अ) तीसरी और चौथी (ब) चौथी और पांचवीं
(स) पांचवीं और छठी (द) छठी और सातवीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत के संविधान के अनुच्छेद 244(1) के तहत संवैधानिक प्रावधान के अनुसार 'अनुसूचित क्षेत्र' को भारत के संविधान की पांचवीं अनुसूची के पैरा 6(1) के अनुसार ऐसे क्षेत्रों के रूप में परिभाषित किया जाता है जिसे राष्ट्रपति के आदेश द्वारा अनुसूचित क्षेत्र घोषित किया गया हो।

3098. किसी क्षेत्र में अनुसूचित और जनजाति क्षेत्र घोषित करने का अधिकार किसे है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) उपराष्ट्रपति
(स) प्रधानमंत्री (द) गृह मंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राष्ट्रपति को किसी भी क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित करने का अधिकार है। वह संबंधित राज्य के राज्यपाल के परामर्श पर किसी अनुसूचित क्षेत्र के क्षेत्रफल को बढ़ाने या घटाने, सीमाओं को बदलने और उस तरह के नामों को बदलने का अधिकार है।

3099. पूर्वोत्तर भारत के किस राज्य में स्वायत्त जिले की व्यवस्था नहीं है ?
(अ) असम (ब) मिजोरम
(स) अरुणाचल प्रदेश (द) त्रिपुरा
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत में कई स्वायत्त प्रशासनिक प्रभाग थे जिन्हें भारत की केन्द्रीय सरकार ने उनकी राज्य विधान मंडलों के अधीन भिन्न–भिन्न स्तरों की स्वायत्ता प्रदान की है। इन स्वायत्त परिषदों के स्थापन और कार्यकलाप भारत के संविधान की छठी अनुसूची के आधार पर निश्चित किये गये हैं। भारत में असम, मणिपुर, जम्मू–कश्मीर, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, पश्चिम बंगाल में स्वायत्त जिले की व्यवस्था है।

3100. संविधान में किन वर्गों के संबंध में विशेष प्रावधान किया गया है ?
(अ) अल्पसंख्यक एवं पिछड़े वर्ग
(ब) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति
(स) आंग्ल–भारतीय समुदाय
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या–अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, एंग्लो–इंडियन और पिछड़ी जातियों के हितों की रक्षा हेतु अनुच्छेद 330 से 342 में विशेष प्रावधान किए गए हैं। अुच्छेद 330 और 332 लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में सीटों के आरक्षण के बारे में है। अनुच्छेद–330 लोकसभा में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है। किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में ऐसी जातियों अैर जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों की संख्या वहाँ ही जनसंख्या के आधार पर होगी।

3101. संविधान की किस अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा तथा मिजोरम राज्यों के अतिरिक्त अन्य राज्यों के अधीन आने वाले अनुसूचित और जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में प्रावधान किया गया है ?
(अ) चौथी अनुसूची (ब) पांचवीं अनुसूची
(स) छठी अनुसूची (द) सातवीं अनुसूची
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान की पाँचवीं अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा तथा मिजोरम राज्यों के अतिरिक्त अन्य राज्यों के अधीन आने वाले अनुसूचित और जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में प्रावधान किया गया है।

3102. संविधान की किस अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा तथा मिजोरम राज्यों के अनुसूचित और जनजाति क्षेत्रों के प्रशासन के संबंध में प्रावधान किया गया है ?
(अ) चौथी अनुसूची (ब) पांचवीं अनुसूची
(स) छठी अनुसूची (द) सातवीं अनुसूची
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत में कई स्वायत्त प्रशासनिक प्रभाग थे जिन्हें भारत की केन्द्रीय सरकार ने उनकी राज्य विधान मंडलों के अधीन भिन्न–भिन्न स्तरों की स्वायत्ता प्रदान की है। इन स्वायत्त परिषदों के स्थापन और कार्यकलाप भारत के संविधान की छठी अनुसूची के आधार पर निश्चित किये गये। असम, मणिपुर, जम्मू–कश्मीर, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, पश्चिम बंगाल में स्वायत्त जिले की व्यवस्था है।

3103. भारतीय संविधान के किस भाग में अल्पसंख्यकों लिए विशेष प्रावधान किया गया है ?
(अ) भाग II (ब) भाग III
(स) भाग IV (द) भाग V
उत्तर : (ब)
व्याख्या–संविधान अल्पसंख्यकों के अधिकारों को दो भागो में प्रदान करता है जिन्हें सामान्य अनुक्षेत्र और अलग अनुक्षेत्र में रखा जा सकता है। सामान्य अनुक्षेत्र में आने वाले अधिकार वे हैं, जो हमारे देश क सभी नागरिकों पर लागू होते हैं। अलग अनुक्षेत्र में आने वाले अधिकार केवल वे अल्पसंख्यकों के लिए लागू होते हैं और ये उनकी पहचान की रक्षा के लिए आरक्षित हैं। संविधान ने भाग–3 में मौलिक अधिकारों के प्रावधान किए हैं, जिसे राज्य को

पालन करना है और ये भी न्यायिक रूप से लागू करने के योग्य हैं।

3104. लोकसभा में आंग्ल–भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं होने पर संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति उस समुदाय के दो व्यक्तियों को सदस्यता के लिए नामांकित कर सकता था और इस व्यवस्था को 104वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ई. के द्वारा समाप्त कर दिया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 330 (ब) अनुच्छेद 331
(स) अनुच्छेद 332 (द) अनुच्छेद 333
उत्तर : (ब)
व्याख्या– संविधान के अनुच्छेद–331 के अनुसार लोकसभा में आंग्ल–भारतीय का प्रतिनिधित्व नहीं होने पर राष्ट्रपति उस समुदाय के दो व्यक्तियों को सदस्यता के लिए नामांकित कर सकता था, किन्तु 104वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ई. के द्वारा लोकसभा एवं राज्यों की विधान सभाओं में आंग्ल भारतीयों के लिए सीटों के आरक्षण को समाप्त कर दिया है।

3105. कौन व्यक्ति अनुसूचित जाति या जनजाति का सदस्य है, इसका निर्धारण करने का अधिकार किसको है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) राज्यपाल (द) उपराष्ट्रपति
उत्तर : (अ)
व्याख्या–राष्ट्रपति को किसी भी क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित करने का अधिकार है। वह संबंधित राज्य के राज्यपाल के परामर्श पर किसी अनुसूचित क्षेत्र के क्षेत्रफल को बढ़ाने या घटाने, सीमाओं को बदलने और उस तरह के नामों को बदलने का अधिकार है।

3106. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सदस्यों को लोकसभा में आरक्षण प्रदान किया गया है ?
(अ) अनुच्छेद 324 (ब) अनुच्छेद 330
(स) अनुच्छेद 332 (द) अनुच्छेद 331
उत्तर : (ब)
व्याख्या– वर्तमान में लोकसभा में कुल 543 सीटें निर्धारित है। संविधान के अनुच्छेद–330 के अनुसार इन सीटों में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है।

3107. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद के तहत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सदस्यों को विधानसभाओं में सीटें आरक्षित प्रदान की गई है ?
(अ) अनुच्छेद 330 (ब) अनुच्छेद 331
(स) अनुच्छेद 332 (द) अनुच्छेद 343
उत्तर : (स)
व्याख्या–भारतीय संविधान के अनुच्छेद–332 के तहत अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सदस्यों के लिए विधानसभाओं में सीटें आरक्षित प्रदान की गई हैं।

3108. वर्तमान समय में लोकसभा की 543 सीटो में से कितनी सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है ?
(अ) 71 (ब) 75
(स) 77 (द) 84
उत्तर : (द)
व्याख्या– वर्तमान में लोकसभा में कुल 543 सीटें हैं, जिनमें से 131 सीटें अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। वर्ष 2009 से पहले देश में अनुसूचित जाति के लिए 79 सीट आरक्षित थीं जिसे बढ़ाकर 84 कर दिया गया है।

3109. लोकसभा के निर्वाचन क्षेत्रों में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधियों के लिए सुरक्षित निर्वाचन क्षेत्र की भी व्यवस्था है। ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या कितनी है ?
(अ) 131 (ब) 152
(स) 176 (द) 194
उत्तर : (अ)
व्याख्या–लोकसभा की कुल 543 सीटों में से 131 सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। वर्ष 2009 से पहले देश में अनुसूचित जाति के लिए 79 सीटें आरक्षित थी जिसे बढ़ाकर 84 कर दिया गया और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 41 सीटों को बढ़ाकर 47 कर दिया गया।

3110. वर्तमान समय में लोकसभा की 543 सीटों में से कितनी सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है ?
(अ) 47 (ब) 60
(स) 79 (द) 85
उत्तर : (अ)
व्याख्या–वर्तमान में लोकसभा की कुल 543 सीटों में से 131 सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं। वर्ष 2009 से पहले देश में अनुसूचित जाति के लिए 79 सीटें आरक्षित थी जिसे बढ़ाकर 84 कर दिया गया और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित 41 सीटों को बढ़ाकर 47 कर दिया गया।

3111. राज्य विधानसभा में आंग्ल–भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व नहीं होने पर संविधान के किस अनुच्छेद के तहत राष्ट्रपति उस समुदाय के दो व्यक्तियों को सदस्यता के लिए नामांकित कर सकता था, किन्तु इस आरक्षण को 104वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ई. के द्वारा समाप्त कर दिया गया ?
(अ) अनुच्छेद 330 (ब) अनुच्छेद 331
(स) अनुच्छेद 332 (द) अनुच्छेद 333
उत्तर : (द)

व्याख्या–संविधान के अनुच्छेद–333 के तहत राज्य विधान सभा में आंग्ल–भारतीय का प्रतिनिधित्व नहीं होने पर राज्यपाल उस समुदाय के एक व्यक्ति को सदस्यता के लिए नामांकित कर सकता था, किन्तु 104वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ई. के द्वारा लोकसभा एवं राज्यों की विधान सभाओं में आंग्ल भारतीयों के लिए सीटों के आरक्षण को समाप्त कर दिया है।

3112. संविधान के किस संशोधन द्वारा अनुच्छेद 338 में संशोधन करके अनुसूचित जाति तथा जनजाति आयोग के गठन के संबंध में प्रावधान किया गया था ?
(अ) 61वाँ संशोधन (ब) 66वाँ संशोधन
(स) 65वाँ संशोधन (द) 69वाँ संशोधन
उत्तर : (स)
व्याख्या– 65वें संविधान संशोधन अधिनियम,1990 ई. के द्वारा संविधान के अनुच्छेद–338 में संशोधन करके अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति आयोग के गठन की व्यवस्था की गई है।

3113. संविधान के किस संशोधन द्वारा अनुसूचित जनजातियों के लिए एक पृथक राष्ट्रीय आयोग के गठन का प्रावधान किया गया है ?
(अ) 84वां (ब) 85वां
(स) 89वां (द) 92वां
उत्तर : (स)
व्याख्या– 89वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2008 ई. के द्वारा अनुसूचित जनजातियों के लए पृथक् राष्ट्रीय आयोग की स्थापना की व्यवस्था की गई है। इस संशोधन के अनुसार राष्ट्रीय अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग को दो पृथक् भागों राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग तथा राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में विभाजित किया गया। इसके द्वारा संविधान में अनुच्छेद 388(क) जोड़ा गया है। राष्ट्रीय जनजाति आयोग में एक अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा तीन अन्य सदस्य होंगे। इन पदाधिकारियों की सेवा शर्तों व पदावधि आदि का निर्धारण समय–समय पर राष्ट्रपति द्वारा निश्चित किया जाएगा। राष्ट्रीय जाति आयोग में भी एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष तथा तीन अन्य सदस्य होंगे। इनकी सेवा शर्तों इत्यादि का निर्धारण भी राष्ट्रपति द्वारा ही निश्चित किया जाएगा।

3114. प्रत्येक राज्य में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों की सूची कौन तैयार करता है ?
(अ) संबंधित राज्य का राज्यपाल
(ब) संबंधित राज्य की विधानसभा
(स) प्रत्येक राज्य के राज्यपाल की सलाह से राष्ट्रपति
(द) संसद
उत्तर : (स)
व्याख्या–राष्ट्रपति को किसी भी क्षेत्र को अनुसूचित क्षेत्र घोषित करने का अधिकार है। वह संबंधित राज्य के राज्यपाल के परामर्श पर किसी अनुसूचित क्षेत्र के क्षेत्रफल को बढ़ाने या घटाने, सीमाओं को बदलने और उस तरह के नामों को बदलने का अधिकार है।

3115. पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कौन करता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) प्रधानमंत्री
(स) लोकसभाध्यक्ष (द) गृहमंत्री
उत्तर : (अ)
व्याख्या– पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन राष्ट्रपति करता है। 102वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ई. के द्वारा संविधान में अनुच्छेद–338ख को जोड़ते हुए 'राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग' के गठन का प्रावधान किया गया है। संघ एवं राज्य सरकारें सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछ़ड़े वर्ग को प्रभावित करने वाले सभी नीतिगत मामलों में आयोग से परामर्श करेगी।

3116. भारतीय संविधान में अल्पसंख्यकों को मान्यता किस आधार पर दी गई है ?
(अ) धर्म (ब) जाति
(स) रंग (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ) SSC 2005
व्याख्या– भारतीय संविधान में धार्मिक और भाषायी आधार पर अल्पसंख्यकों को मान्यता प्रदान की गई है।

3117. पिछड़ा वर्ग आयोग के प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?
(अ) वी.पी. मंडल (ब) वी.पी. सिंह
(स) काका कालेलकर (द) एच. हनुमनथप्पा
उत्तर : (स)
व्याख्या–भारत के संविधान के अनुच्छेद 340 के अन्तर्गत प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन 29 जनवरी, 1953 को काका कालेलकर की अध्यक्षता में राष्ट्रपति के आदेश से किया गया।

3118. द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष थे–
(अ) काका कालेलकर (ब) बी..पी. मंडल
(स) रामनिवास मिर्धा (द) आर.एन. प्रसाद
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रपति के आदेशानुसार गठित द्वितीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल थे। इस आयोग द्वारा 1980 में पेश रिपोर्ट के अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग की जनसंख्या, जिसमें हिंदुओं और गैर हिंदुओं दोनों शामिल हैं, कुल आबादी का 52 प्रतिशत है। इस आयोग का गठन 1979 में में किया गया था।

3119. प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कब किया गया था ?
(अ) 1950 ई. (ब) 1951 ई.
(स) 1953 ई. (द) 1957 ई.
उत्तर : (स)

व्याख्या– भारत के संविधान के अनुच्छेद 340 के अन्तर्गत प्रथम पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन 29 जनवरी, 1953 को काका कालेलकर की अध्यक्षता में राष्ट्रपति के आदेश से किया गया। इस आयोग का गठन पिछड़े वर्गों की दशाओं के अन्वेषण के लिए किया गया था।

3120. मंडल कमीशन ने पिछड़े वर्ग के लिए कितना प्रतिशत आरक्षण दिया ?
(अ) 22% (ब) 27%
(स) 30% (द) 33%
उत्तर : (ब)
व्याख्या– वी.पी. मंडल की अध्यक्षता में लिखी गई रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार की नौकरियों में पिछड़े वर्गों को 27 प्रतिशत आरक्षण मिला, जिसे मंडल कमीशन के लोकप्रिय नाम से जाना जाता है।

3121. मंडल आयोग का संबंध था–
(अ) अनुसूचित जातियों से
(ब) अनुसूचित जनजातियों से
(स) पिछड़ी जातियों से
(द) उपर्युक्त सभी से
उत्तर : (स)
व्याख्या– वी.पी. मंडल की अध्यक्षता में लिखी गई रिपोर्ट के आधार पर केंद्र सरकार की नौकरियों में पिछड़े वर्गों को 27 प्रतिशत आरक्षण मिला, जिसे मंडल कमीशन के लोकप्रिय नाम से जाना जाता है।

3122. राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की स्थापना कब हुई ?
(अ) 1975 ई. (ब) 1979 ई.
(स) 1990 ई. (द) 1993 ई.
उत्तर : (द)
व्याख्या– राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की स्थापना 14 अगस्त, 1993 को हुई। 102वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 ई. के द्वारा संविधान में अनुच्छेद–338ख को जोड़ते हुए 'राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग' के गठन का प्रावधान किया गया है। संघ एवं राज्य सरकारें सामाजिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्ग को प्रभावित करने वाले सभी नीतिगत मामलों में आयोग से परामर्श करेगी।

3123. लोकसभा के निर्वाचन क्षेत्रों में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधियों के लिए सुरक्षित निर्वाचन क्षेत्र की भी व्यवस्था है। ऐसे निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या कितनी है ?
(अ) 131 (ब) 152
(स) 176 (द) 194
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 104वें संविधान संशोधन, 2019 से पूर्व लोकसभा में 545 सीटें थीं किन्तु वर्तमान में लोकसभा की कुल 543 सीटें हैं, जिनमें से 131 सीटें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित है। पूर्व में लोकसभा में कुल 545 सीटें थीं, जिनमें से 2 सदस्य आंग्ल–भारतीय समुदाय के राष्ट्रपति द्वारा मनोनीत किये जाते थे किन्तु 104वें संविधान संशोधन, 2019 ई. के द्वारा यह व्यवस्था अब समाप्त कर दी गई है। नये परिसीमन आयोग, 2002 के अनुसार लोकसभा कुल 543 सीटों में से अनारक्षित सीटों की संख्या 412 है जबकि आरक्षित सीटों की संख्या 131 है। आरक्षित 131 सीटों में से 84 सीटें अनुसूचित जाति की तथा 47 अनुसूचित अनुसूचित जनजाति की आरक्षित है। पूर्वोत्तर राज्यों असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश एवं नागालैंड में स्थानीय विरोध एवं अदालतों के स्थगन आदेश के कारण परिसीमन नहीं हो सका, जबकि झारखंड में सरकारी नीति के विपरीत आरक्षित सीटें कम होने के कारण यह परिसीमन पूरा नहीं हो सका।

3124. 'क्रीमी लेयर' संकल्पना से तात्पर्य है–
(अ) सामाजिक स्तर के आधार पर वर्गीकरण
(ब) आर्थिक स्तर के आधार पर वर्गीकरण
(स) जातियों के आधार पर वर्गीकरण
(द) दुग्ध उपभोग के आधार पर वर्गीकरण
उत्तर : (ब)
व्याख्या– क्रीमी लेयर के माध्यम से अन्य पिछड़ा वर्ग के लोगों को आर्थिक आधार पर चिन्हित किया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 1993 में हुई थी।

59.राजनीतिक दल

3125. भारत में दलीय व्यवस्था किस प्रकार की है ?
(अ) एकदलीय (ब) द्विदलीय
(स) बहुदलीय (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– भारत में संसदीय व्यवस्था को अपनाया गया है। भारत में बहुदलीय व्यवस्था है।

3126. लोकतंत्र का कार्य संचालन किसके अभाव में असंभव है ?
(अ) योजना के (ब) नौकरशाही
(स) राजनीतिक दल के (द) पंचायती राज के
उत्तर : (स)
व्याख्या– राजनीतिक दल का अभाव लोकतंत्र से उसके कार्य संचालन को असंभव बनाती है।

3127. कम–से–कम कितने राज्यों में राज्यस्तरीय पार्टी की हैसियत रखने वाली राजनीतिक दल को राष्ट्रीय पार्टी की मान्यता दी जाती है ?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 4 (द) 5
उत्तर : (स)
व्याख्या– एक पार्टी को एक या अधिक राज्यों में मान्यता प्राप्त हो सकती है। चार राज्यों में मान्यता प्राप्त पार्टी को स्वतः ही एक राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त हो जाती हैं, राज्य स्तर की मान्यता के लिए चुनाव आयोग मं पंजीकृत दल को निम्न में किसी एक शर्त को पूरा करना होगा।

3128. भारत में दलीय व्यवस्था की प्रमुख विशेषता क्या है ?
(अ) अधिकांश दल प्रधानतः धर्म, भाषा व जाति पर आधारित है
(ब) विभिन्न राजनीतिक दलों की नीतियों और कार्यक्रमों में काफी समानताएं हैं
(स) विभिन्न क्षेत्रीय या राज्यस्तरीय राजनीतिक दलों की भरमार है
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत में दलीय व्यवस्था की पहली विशेषता यह है कि भारत अमरीका और इंग्लैंड की तरह द्विदलीय प्रणाली न होकर बहुदलीय प्रणाली है। इसके अतिरिक्त अधिकांश दल प्रधानतः धर्म, भाषा व जाति पर आधारित है। भारत में क्षेत्रीय व राज्य स्तर पर दलों की भरमार है।

3129. किसी राजनीतिक दल को राष्ट्रीय दल अथवा प्रादेशिक दल के रूप में मान्यता कौन देता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) विधि मंत्री
(स) निर्वाचन आयोग (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– यदि कोई पंजीकृत दल निम्न शर्तों में कोई एक शर्त पूरी करता है, तो उसे राष्ट्रीय स्तर की मान्यता भारतीय चुनाव आयोग देता है– कोई पंजीकृत दल तीन विभिन्न राज्यों में लोकसभा की कुल सीटों की कम से कम 5 सीटें हासिल की हों। कोई दल 4 अलग–अलग राज्यों में लोकसभा या विधानसभा चुनाव में कम से कम 6 प्रतिशत मत पाये हों और लोकसभा में कम से कम 4 सीटें हासिल की हों। किसी भी दल को कम से कम चार या उससे अधिक राज्यों में राज्यीय दल की मान्यता प्राप्त हो।

3130. भारत में दलीय पद्धति की एक विशेषता है–
(अ) द्विदलीय पद्धति
(ब) बहुदलीय पद्धति
(स) साम्प्रदायिक दलों का अभाव
(द) क्षेत्रीय दलों का अभाव
उत्तर : (ब)
व्याख्या– बहुदलीय प्रणाली में विभिन्न राजनीतिक दल राष्ट्रीय चुनाव लड़ते हैं।

3131. किसी भी राजनीतिक दल को राष्ट्रीय दल के रूप में तभी मान्यता प्राप्त हो सकती है, जबकि आम चुनाव में उसे कम–से–कम चार राज्यों में कुल कितना प्रतिशत मत प्राप्त हो ?
(अ) 4% (ब) 5%
(स) 10% (द) 15%
उत्तर : (अ)
व्याख्या– यदि कोई पंजीकृत दल निम्न शर्तों में से कोई एक शर्त पूरी करता है, तो उसे राष्ट्रीय स्तर की मान्यता भारतीय निर्वाचन आयोग देता है– (1) कोई पंजीकृत दल तीन विभिन्न राज्यों में लोकसभा की कुल सीटों की कम से कम 5% सीटें हासिल की हों। (2) कोई दल अलग–अलग राज्यों में लोकसभा या विधानसभा चुनाव में कम से कम 6% मत पाये हों और लोकसभा में कम से कम 4 सीटें हासिल की हों। (3) किसी भी दल को कम से कम 4 या उससे अधिक राज्यों में राज्यीय दल की मान्यता प्राप्त हो।

3132. प्रथम लोकसभा चुनाव में कितने राजनीतिक दलों को राष्ट्रीय दल का दर्जा प्रदान किया था ?
(अ) 7 (ब) 12
(स) 14 (द) 21
उत्तर : (स)
व्याख्या– पहले आम चुनाव में कुल 53 राजनीतिक दलों ने हिस्सा लिया था, जिसमें 14 राष्ट्रीय और 39 क्षेत्रीय दल शामिल थे। उस चुनाव में कांग्रेस ने 364 सीटों पर जीत दर्ज की थी। 1952 के चुनाव में कांग्रेस ने 45% मत प्राप्त किए थे। कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) को 16, सोशलिस्ट पार्टी को 12, किसान मजदूर प्रजा पार्टी को 9, पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएफ) को 7 और अन्य को 44 सीटें प्राप्त हुई। 37 निर्दलीय उम्मीदवार भी जीतने में सफल रहे।

3133. भारत में एक राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए किसी दल को कम से कम कितने मत प्राप्त करने चाहिए ?
(अ) 10% वैध मत चार तथा अधिक राज्यों में
(ब) 4% वैध मत चार अथवा अधिक राज्यों में
(स) 15% वैध मत दो राज्यों में
(द) 25% वैध मत एक राज्यों में
उत्तर : (ब) SSC 2001
व्याख्या– यदि कोई पंजीकृत दल निम्न शर्तों में से कोई एक शर्त पूरी करता है, तो उसे राष्ट्रीय स्तर की मान्यता भारतीय निर्वाचन आयोग देता है– (1) कोई पंजीकृत दल तीन विभिन्न राज्यों में लोकसभा की कुल सीटों की कम से कम 5% सीटें हासिल की हों। (2) कोई दल अलग–अलग राज्यों में लोकसभा या विधानसभा चुनाव में कम से कम 6% मत पाये हों और लोकसभा में कम से कम 4 सीटें हासिल की हों। (3) किसी भी दल को कम से कम 4 या उससे अधिक राज्यों में राज्यीय दल की मान्यता प्राप्त हो।

3134. कथन (A) : भारत में स्थायी दलीय व्यवस्था नहीं है।
कारण (R) : राजनीतिक दलों की संख्या बहुत अधिक है।
निम्नलिखित कूट में से सही उत्तर चुनिए–
(अ) A और R दोनों सही है तथा R, A का सही व्याख्या करता है
(ब) A और R दोनों सही है तथा R, A का सही व्याख्या नहीं करता है
(स) A सही है किन्तु R गलत है
(द) A गलत है किन्तु R सही है
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय राजनैतिक व्यवस्था के अन्तर्गत भारत में स्थायी दलीय व्यवस्था न होने के कारण राजनीतिक दलों की संख्या अधिक है। अतः कथन व कारण दोनों सही है तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

3135. निम्नलिखित में से कौन एक क्षेत्रीय दल है ?
(अ) कांग्रेस (ब) भाजपा
(स) अकाली दल (द) माकपा
उत्तर : (स)
व्याख्या– शिरोमणि अकाली दल पंजाब, भारत का एक प्रमुख क्षेत्रीय राजनीतिक दल है। विश्व में सिखों को राजनीतिक आवाज देना इस दल का प्रमुख लक्ष्य है। तराजू इस पार्टी का चुनाव चिह्न है।

3136. वर्तमान समय में देश में राष्ट्रीय दलों की कुल संख्या कितनी है ?
(अ) 3 (ब) 5
(स) 7 (द) 8
उत्तर : (द)
व्याख्या– वर्तमान में भारत में कुल आठ राष्ट्रीय राजनीतिक दल हैं–(1) भारतीय राष्ट्रय कांग्रेस (2) भारतीय जनता पार्टी (3) बहुजन समाज पार्टी (4) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (5) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (6) राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (7) तृणमूल कांग्रेस (8) नेशनल पीपुल्स पार्टी

3137. किसी राजनीतिक दल को पंजीकृत दल की स्थिति पाने के लिए कम–से–कम कितने प्रतिशत मत पाने चाहिए ?
(अ) 1% (ब) 2%
(स) 3% (द) 6%
उत्तर : (द) SSC 2013
व्याख्या– यदि कोई पंजीकृत दल निम्न शर्तों में से कोई एक शर्त पूरी करता है तो उसे राष्ट्रीय स्तर की मान्यता भारतीय निर्वाचन आयोग देता है– (1) कोई पंजीकृत दल तीन विभिन्न राज्यों में लोकसभा की कुल सीटों की कम से कम 5% सीटें हासिल की हों। (2) कोई दल अलग–अलग राज्यों में लोकसभा या विधानसभा चुनाव में कम से कम 6% मत पाये हों और लोकसभा में कम से कम 4 सीटें हासिल की हों। (3) किसी भी दल को कम से कम 4 या उससे अधिक राज्यों में राज्यीय दल की मान्यता प्राप्त हो।

3138. भारतीय जनता पार्टी किस राजनीतिक समूह का एक हिस्सा है ?
(अ) संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन
(ब) राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन
(स) जनता परिवार
(द) राष्ट्र परिवार
उत्तर : (ब) SSC 2016
व्याख्या– राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन या राजग (एनडीए–नेशनल डेमोक्रेमिक एलायंस) का नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी करती है।

3139. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का गठन किस वर्ष हुआ ?
(अ) 1885 ई. (ब) 1907 ई.
(स) 1935 ई. (द) 1875 ई.
उत्तर : (अ) SSC 2015
व्याख्या– भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 28 दिसम्बर, 1885 ई. को हुई। इसके संस्थापक थियोसोफिकल सोसाइटी के प्रमुख सदस्य ए.ओ. ह्यूम थे। इसके गठन में दादाभाई नौरोजी और दिनशा वाचा का भी प्रमुख सहयोग था।

3140. भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का अस्तित्व किस वर्ष हुआ ?
(अ) 1912 ई. में (ब) 1915 ई. में
(स) 1918 ई. में (द) 1925 ई. में
उत्तर : (द) RRB 2005
व्याख्या– भारत के साम्यवादी दल भारतीय कम्पुनिस्ट पार्टी (सीपीआई) की स्थापना 26

दिसम्बर, 1925 को कानपुर में हुई थी। इसके संस्थापक एम.एन.राय थे।

3141. किसी राजनीतिक दल का राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता दी जाती है, जब–
(अ) वह सभी राज्यों में चुनाव लड़ती है
(ब) वह राष्ट्रीय चुनाव में कुल मतदान का कम से कम 5% मत प्राप्त कर लेती है
(स) उसे चार या अधिक राज्यों में राज्यस्तरीय राजनीतिक दल के रूप में मान्यता दी गई हो
(द) वह कम से कम 3 राज्यों में सत्ता प्राप्त कर ले
उत्तर : (स) RRB 2006
व्याख्या– एक पार्टी को एक या अधिक राज्यों में मान्यता प्राप्त हो सकती है। चार राज्यों में मान्यता प्राप्त पार्टी को स्वतः ही एक राष्ट्रीय पार्टी के रूप में मान्यता प्राप्त हो जाती है। यदि कोई पंजीकृत दल निम्न शर्तों में से कोई एक शर्त पूरी करता है, तो उसे राष्ट्रीय स्तर की मान्यता भारतीय निर्वाचन आयोग देता है– (1) कोई पंजीकृत दल तीन विभिन्न राज्यों में लोकसभा की कुल सीटों की कम से कम 5% सीटें हासिल की हों। (2) कोई दल अलग–अलग राज्यों में लोकसभा या विधानसभा चुनाव में कम से कम 6% मत पाये हों और लोकसभा में कम से कम 4 सीटें हासिल की हों। (3) किसी भी दल को कम से कम 4 या उससे अधिक राज्यों में राज्यीय दल की मान्यता प्राप्त हो।

3142. भारत में मुस्लिम लीग की स्थापना कब हुई ?
(अ) 1908 ई. में (ब) 1903 ई. में
(स) 1906 ई. में (द) 1905 ई. में
उत्तर : (स) RRB 2005
व्याख्या–भारत में मुस्लिम लीग की स्थापना वर्ष 1906 में हुई थी।

3143. धनुष एवं तीर निशान है–
(अ) तेलुगु देशम का (ब) डीएमके का
(स) झारखंड मुक्ति मोर्चा (द) भाजपा का
उत्तर : (स) RRB 2005
व्याख्या– झारखंड मुक्ति मोर्चा या झामुमो भारत की एक क्षेत्रीय राजनीतिक दल है जिसका प्रभाव क्षेत्र नवसृजित झारखंड एवं उड़ीसा तथा बंगाल तथा छत्तीसगढ़ के कुछ आदिवासी इलाकों में हैं। इसका चुनाव चिन्ह धनुष एवं तीर है।

3144. 'गांधीवादी समाजवाद' किस राजनीतिक दल का वैचारिक नारा है ?
(अ) कांग्रेस (आई) का (ब) भाजपा का
(स) सी.पी.आई. का (द) जनता दल का
उत्तर : (ब)
व्याख्या– गाँधीवादी समाजवाद महात्मा गाँधी के सिद्धांतों की राष्ट्रवादी व्याख्या पर आधारित समाजवाद की शाखा है। गांधीवादी समाजवाद मुख्य रूप से गांधी की लिखी पुस्तक 'हिंद स्वराज' पर केंद्रित है। राजनीति और आर्थिक शक्ति का विकेंद्रीकरण, प्रौद्योगिकी के आधुनिकीकरण और बड़े पैमाने पर औद्योगीकरण की ओर परंपरागत रूप से अनिच्छा तथा साथ ही स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता पर जोर देना गांधीवादी समाजवाद की प्रमुख विशेषताएं हैं। भारतीय जनता पार्टी के नेता अटल बिहार वाजपेयी और पार्टी के कई अन्य नेताओं ने गांधीवादी समाजवाद को पार्टी के लिए एक अवधारणा के रूप में स्वीकार किया था।

3145. भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह है–
(अ) हाथ का पंजा (ब) कमल
(स) चक्र (द) चक्र के अंदर हलधर
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह कमल है। भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 1980 में हुई थी। इससे 29 वर्ष पहले ही डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1951 में भारतीय जनसंघ की नींव रखी थी, जो आगे चलकर बीजेपी (भारतीय जनता पार्टी) बन गई। उस समय भारतीय जनसंघ का चुनाव चिन्ह 'दीपक' हुआ करता था।

3146. कांग्रेस (आई) का चुनाव चिन्ह है–
(अ) कमल (ब) चक्र
(स) पंजा (द) मशाल
उत्तर : (स)
व्याख्या– कांग्रेस (आई) पार्टी का चुनाव चिन्ह हाथ का पंजा है। भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह कमल का फूल है।

3147. किसी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को चुनाव आयोग द्वारा चुनाव चिन्ह के आवंटन के निर्णय के विरुद्ध निम्न में से कहाँ अपील की जा सकती है ?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय (ब) उच्च न्यायालय
(स) राष्ट्रपति (द) लोकसभाध्यक्ष
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत का निर्वाचन आयोग राजनीतिक पार्टियों को मान्यता देता है और चुनाव चिन्ह भी आवंटित करता है। किसी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को चुनाव आयोग द्वारा चुनाव चिन्ह के आवंटन के निर्णय के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में अपील की जा सकती है।

3148. पशु–पक्षी चुनाव चिन्ह रहने के कारण निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार किस राजनीतिक दल ने सर्वप्रथम नवम्बर, 1994 में अपना चुनाव चिन्ह बदला ?
(अ) फॉरवर्ड ब्लॉक
(ब) सिक्किम संग्राम परिषद
(स) मिजो नेशनल फ्रंट
(द) असम गण परिषद
उत्तर : (अ)
व्याख्या– ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक भारत का एक राष्ट्रवादी राजनीतिक दल है। सुभाष चन्द्र बोस

ने इस दल की स्थापना 1939 ई. में की थी। इस पार्टी का चुनाव चिन्ह शेर था।

3149. स्वतंत्र पार्टी के संस्थापक निम्नलिखित में से कौन थे ?
(अ) सी. राजगोपालाचारी (ब) गोपालकृष्ण गोखले
(स) के. कामराज (द) बल्लभ भाई पटेल
उत्तर : (अ) RRB 2018
व्याख्या– 'स्वतंत्र पार्टी' भारत का एक राजनीतिक था जिसकी स्थापना चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने 1959 में की थी। इस दल ने जवाहरलाल नेहरू की समाजवादी नीति का विरोध किया और तथाकथित 'लाइसेंस–परमिट राज' को समाप्त कर मुक्त अर्थव्यवस्था की वकालत की। भारत की उस समय की स्थिति ऐसी थी कि दुर्भाग्य से स्वतंत्र पार्टी को जमींदारों और उद्योगपतियों की हितैषी पार्टी माना गया।

3150. निम्नलिखित में से कौन एक राष्ट्रीय राजनैतिक दल नहीं है ?
(अ) भारतीय राष्ट्रीय लोकदल
(ब) बहुजन समाज पार्टी
(स) भाजपा
(द) कांग्रेस
उत्तर : (अ) SSC 2017
व्याख्या– इंडियन नेशनल लोकदल या इनेलो भारत के हरियाणा राज्य की एक प्रमुख राजनीतिक पार्टी है। इनेलो एक क्षेत्रीय पार्टी के रूप में 1987 के दौरान राजनीतिक अस्तित्व में आयी। ।

3151. निम्नलिखित में से 1999 में किसके विघटन से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का गठन हुआ ?
(अ) शिवसेना (ब) कांग्रेस पार्टी
(स) बी.जे.पी. (द) बी.एस.पी.
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सन् 1999 में प्रधानमंत्री पद हेतु सोनिया गांधी का नाम सामने रखा गया जिसके चलने कांग्रेस के तीन नेता शरद पवार, पी.ए.संगमा ने विदेशी मूल के व्यक्ति को बतौर प्रधानमंत्री स्वीकार नहीं कर पा रहे थे और विदेशी मूल के मुद्दे पर आपत्ति जताई। इस कारण से इन तीनों नेताओं को 20 मई, 1999 को कांग्रेस पार्टी से निष्कासित कर दिया। फलस्वरूप इन नेताओं ने मिलकर पृथक पार्टी बनाने का फैसला किया और 25 मई, 1999 को कांग्रेस से अलग राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का गठन हुआ।

3152. निम्नलिखित में से कौनसा क्षेत्रीय राजनीतिक दल है ?
(अ) कांग्रेस (ब) भाजपा
(स) सी.पी.आई. (द) अकाली दल
उत्तर : (द)
व्याख्या– शिरोमणि अकाली दल पंजाब, भारत का एक प्रमुख क्षेत्रीय राजनीतिक दल है। विश्व में सिखों को राजनीतिक आवाज देना इस दल का प्रमुख लक्ष्य है। तराजू इस पार्टी का चुनाव चिह्न है।

3153. भारतीय जनता पार्टी के गठन के पश्चात इसके प्रथम अध्यक्ष कौन थे ?
(अ) ए.बी. बाजपेयी (ब) एल.के. आडवाणी
(स) एम.एम. जोशी (द) सिकन्दर बख्त
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारतीय जनता पार्टी की स्थापना 1980 में हुई थी। इसके प्रथम अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी थे। भारतीय जनता पार्टी का चुनाव चिन्ह कमल है। यद्यपि तकनीकी रूप यह जनसंघ का ही दूसरा रूप था। इससे 29 वर्ष पहले ही डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने 1951 में भारतीय जनसंघ की नींव रखी थी, जो आगे चलकर बीजेपी (भारतीय जनता पार्टी) बन गई। उस समय भारतीय जनसंघ का चुनाव चिन्ह 'दीपक' हुआ करता था।

3154. दलविहीन लोकतंत्र के पक्ष में कौन था ?
(अ) जयप्रकाश नारायण (ब) भूपेन्द्र नाथ दत्त
(स) एम.एन. राय (द) जवाहर लाल नेहरु
उत्तर : (अ) SSC 2011
व्याख्या– जयप्रकाश नारायण दलविहीन लोकतंत्र के पक्ष में थे। जयप्रकाश नारायण भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और राजनेता थे। दल विहीन लोकतंत्र राजनीतिक दलों से रहित और दुनिया भर में लोकप्रिय सरकार के पारंपरिक संसदीय और राष्ट्रपति रूपों से रहित है। इस विचार की शुरूआत सबसे पहले एम.एम. राय ने की थी, जिसे महात्मा गांधी ने आगे बढ़ाया और बिहार में जेपी आंदोलन के माध्यम से जयप्रकाश नारायण द्वार कार्रवाई कर और ठोस बनाया गया। जेपी आंदोलन की शुरूआत जयप्रकाश नारायण ने भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ की थी।

3155. राजनीतिक दल निम्नलिखित में से किसके लिए जरूरी है ?
(अ) सैनिक शासन के लिए
(ब) तानाशाही के लिए
(स) लोकतंत्र के लिए
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– राजनीतिक दल का अभाव लोकतंत्र से उसके कार्य संचालन को असंभव बनाती है।

3156. वह भारतीय राजनीतिक दल कौनसा है जिसकी स्थापना ताशकंद में हुई थी ?
(अ) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
(ब) किसान तथा मजदूर पार्टी
(स) गदर पार्टी
(द) भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी
उत्तर : (द)

व्याख्या– भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना 1920 ई. में ताशकंद में एम.एन.राय, अवनी मुखर्जी, मुहम्मद अली एवं अन्य नेताओं द्वारा की गई इस पार्टी का भारत में पहला अधिवेशन 26 दिसम्बर, 1925 को कानपुर में हुआ।

3157. किस राजनीतिक दल की स्थापना स्वतंत्रता से पूर्व हुई ?
(अ) जनसंघ
(ब) स्वतंत्र पार्टी
(स) भारतीय साम्यवादी दल
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स) RRB 2008
व्याख्या– भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी भारत का एक साम्यवादी दल है। इसकी स्थापना 26 दिसम्बर, 1925 को कानपुर में एम.एन. राय ने की थी। भारत की यह सबसे पुरानी कम्युनिस्ट पार्टी है। चुनाव आयोग द्वारा इसे राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता प्राप्त है।

3158. निम्नलिखित में से किसकी स्थापना बी.आर. अम्बेडकर द्वारा की गई थी ?
(अ) स्वराज पार्टी
(ब) समाज समता पार्टी
(स) अखिल भारतीय अनुसूचित जाति परिषद
(द) स्वतंत्र श्रमिक दल
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारत में 'स्वतंत्र श्रमिक दल' की स्थापना डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने की थी।

3159. भारत के किस राज्य में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी ?
(अ) पश्चिम बंगाल (ब) तमिलनाडु
(स) पांडिचेरी (द) केरल
उत्तर : (द) SSC 2010
व्याख्या– पहली गैर कांग्रेसी सरकार केरल में 1957 में बनी थी। यह भारत की पहली तथा विश्व की दूसरी कम्युनिस्ट सरकार थी जो लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई थी।

3160. राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) को.....में स्थापित किया गया था।
(अ) 1925 (ब) 1955
(स) 1984 (द) 1999
उत्तर : (द) SSC 2006
व्याख्या– सन् 1999 में प्रधानमंत्री पद हेतु सोनिया गांधी का नाम सामने रखा गया जिसके चलने कांग्रेस के तीन नेता शरद पवार, पी.ए.संगमा ने विदेशी मूल के व्यक्ति को बतौर प्रधानमंत्री स्वीकार नहीं कर पा रहे थे और विदेशी मूल के मुद्दे पर आपत्ति जताई। इस कारण से इन तीनों नेताओं को 20 मई, 1999 को कांग्रेस पार्टी से निष्कासित कर दिया। फलस्वरूप इन नेताओं ने मिलकर पृथक पार्टी बनाने का फैसला किया और 25 मई, 1999 को कांग्रेस से अलग राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का गठन हुआ।

3161. आम आदमी पार्टी का गठन किस वर्ष में किया गया था।
(अ) 2010 (ब) 2011
(स) 2012 (द) 2013
उत्तर : (स) RRB NTPC 2016
व्याख्या– आम आदमी पार्टी का गठन सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद केजरीवाल एवं अन्न हजारे के लोकपाल आंदोलन से जुड़े बहुत से सहयोगियों द्वारा 26 नवम्बर, 2012 को किया गया।

3162. द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (DMK) की स्थापना किसने की ?
(अ) एम. करुणानिधि (ब) एम.जी. रामचंदन
(स) सी.एन. अन्नदुरई (द) सी. राजगोपालाचारी
उत्तर : (स) RRB 2016
व्याख्या– द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) दक्षिण भारतीय राज्य तमिलनाडु की मुख्य राजनीतिक पार्टी है। जस्टिस पार्टी से निकलकर सी.एन. अन्नदुराई ने 1949 में इसकी स्थापना की थी। एम. करुणानिधि इसके अध्यक्ष रहे हैं और पाँच बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे। कांग्रेस केबाद डीएमके देश की पहली पार्टी थी, जिसने अपने दम पर किसी भारतीय राज्य में स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाई थी।

3163. केंद्र में पहली गैर कांग्रेसी सरकार किस वर्ष बनी थी ?
(अ) 1977 (ब) 1978
(स) 1979 (द) 1980
उत्तर : (अ) SSC 2011
व्याख्या– छठे लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद 1977 में कांग्रेस को स्वतंत्र भारत में पहली बार चुनावों में हार का सामना करना पड़ा और जनता पार्टी के नेता मोरारजी देसाई ने 298 सीटें जीतीं। मोरारजी देसाई भारत के पहले गैर–कांग्रेसी प्रधानमंत्री बने।

3164. भारतीय राजनीतिक पार्टी AITC का पूरा नाम क्या है ?
(अ) ऑल इण्डिया तृणमूल कांग्रेस
(ब) ऑल इंडिया तेलुगु कांग्रेस
(स) ऑल इण्डिया तेलुगु कम्युनिस्ट
(द) ऑल इण्डिया तृणमूल कम्युनिस्ट
उत्तर : (अ) SSC 2016
व्याख्या– AITC का पूरा नाम ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस तृणमूल कांग्रेस है। इसका जन्म भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से विघटन होकर हुआ। यह पश्चिम बंगाल में सक्रिय राजनीतिक दल है। इस दल की नेता ममता बनर्जी है। चुनाव आयोग द्वारा सितम्बर, 2016 में इस पार्टी को राष्ट्रीय राजनीतिक दल के रूप में मान्यता प्रदान की गई।

3165. चुनाव आयोग द्वारा 2016 में किस राजनीतिक दल को राष्ट्रीय दल के रूप में मान्यता मिली थी ?
(अ) तृणमूल कांग्रेस (ब) वाई.एस.आर. कांग्रेस
(स) अन्नाद्रमुक (द) तेलुगु देशम
उत्तर : (अ) RRB 2018
व्याख्या– तृणमूल कांग्रेस का जन्म भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से विघटन होकर हुआ। यह पश्चिम बंगाल में सक्रिय राजनीतिक दल है। इस दल की नेता ममता बनर्जी है। चुनाव आयोग द्वारा सितम्बर, 2016 में इस पार्टी को राष्ट्रीय राजनीतिक दल के रूप में मान्यता प्रदान की गई।

3166. लोकतंत्र का कार्य संचालन किसके अभाव में असम्भव है ?
(अ) योजना के (ब) नौकरशाही के
(स) राजनीतिक दल के (द) पंचायती राज के
उत्तर : (स)
व्याख्या– लोकतंत्र का कार्य संचालन राजनीतिक दलों के अभाव में असम्भव है।

3167. किसी राजनीतिक दल को राष्ट्रीय दल अथवा प्रादेशिक दल के रूप में मान्यता कौन देता है ?
(अ) राष्ट्रपति (ब) विधि मंत्री
(स) निर्वाचन आयोग (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)
व्याख्या– किसी राजनीतिक दल को राष्ट्रीय दल अथवा प्रादेशिक दल के रूप में मान्यता निर्वाचन आयोग देता है। निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित शर्तों को पूर्ण करने के पश्चात् ही संबंधित राजनीतिक दल को राष्ट्रीय अथवा प्रादेशिक दल के रूप में मान्यता दी जाती है।

3168. किसी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को चुनाव आयोग द्वारा चुनाव चिन्ह के आवंटन के निर्णय के विरुद्ध निम्नलिखित में से कहाँ अपील की जा सकती है ?
(अ) योजना के (ब) नौकरशाही के
(स) राजनीतिक दल के (द) पंचायती राज के
उत्तर : (स)
व्याख्या– किसी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल को चुनाव आयोग द्वारा चुनाव चिन्ह के आवंटन के निर्णय के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय में अपील की जा सकती है।

3169. निम्नलिखित में से भारत का एक राजनीतिक दल नहीं है–
(अ) जनता दल यूनाइटेड
(ब) राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन
(स) भारतीय जनता पार्टी
(द) शिरोमणि अकाली दल
उत्तर : (ब)
व्याख्या– राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन या एनडीए या राजग (नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस) भारत में एक राजनीतिक गठबंधन है। इसका नेतृत्व भारतीय पार्टी करती है। इसके गठन के समय 13 सदस्य थे।

3170. निम्नलिखित में से 1999 में किसके विघटन से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का गठन हुआ ?
(अ) शिवसेना (ब) कांग्रेस पार्टी
(स) बी.जे.पी. (द) बी.एस.पी.
उत्तर : (ब)
व्याख्या– सन् 1999 में प्रधानमंत्री पद हेतु सोनिया गांधी का नाम सामने रखा गया जिसके चलने कांग्रेस के तीन नेता शरद पवार, पी.ए.संगमा ने विदेशी मूल के व्यक्ति को बतौर प्रधानमंत्री स्वीकार नहीं कर पा रहे थे और विदेशी मूल के मुद्दे पर आपत्ति जताई। इस कारण से इन तीनों नेताओं को 20 मई, 1999 को कांग्रेस पार्टी से निष्कासित कर दिया जिसके फलस्वरूप इन नेताओं ने मिलकर 25 मई, 1999 को कांग्रेस से अलग राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का गठन किया।

60.भारतीय राजनीति में दबाव समूह

3171. दबाव समूह राजनीतिक दलों से किस अर्थ में भिन्न होता है ?
(अ) वे सुसंगठित होते हैं
(ब) वे संख्या में अधिक होते हैं
(स) वे सत्ता प्राप्ति का प्रयत्न नहीं करते हैं
(द) वे जनता से कटे रहते हैं
उत्तर : (स)
व्याख्या– दबाव समूह का वर्तमान राजनीतिक व्यवस्थाओं में विशेष स्थान है। जब कोई संगठन अपने सदस्यों के हितों की पूर्ति के लिए राजनीतिक सत्ता को प्रभावित करता है और उनकी पूर्ति के लिए दबाव डालता है तो उस संगठन को 'दबाव समूह' कहते हैं।

3172. दबाव समूह का कार्य है–
(अ) चुनाव लड़ना
(ब) सरकार बनाना
(स) दूसरों के हितों को प्रोत्साहित करना
(द) अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए सरकार पर दबाव डालना
उत्तर : (द)
व्याख्या– दबाव समूह का वर्तमान राजनीतिक व्यवस्थाओं में विशेष स्थान है। जब कोई संगठन अपने सदस्यों के हितों की पूर्ति के लिए राजनीतिक सत्ता को प्रभावित करता है और उनकी पूर्ति के लिए दबाव डालता है तो उस संगठन को 'दबाव समूह' कहते हैं। दबाव समूह सरकार और लोगों के बीच एक कड़ी के रूप में काम करते हैं।

3173. दबाव समूह का उल्लेख सामान्यतः होता है–
(अ) नृजातीय समूह के रूप में
(ब) अनौपचारिक समूह के रूप में
(स) विशेष हित समूह के रूप में
(द) जाति समूह के रूप में
उत्तर : (स)
व्याख्या– दबाव समूह एक विशिष्ट मुद्दे को बढ़ावा देते हैं और राजनीतिक एजेंडे से इसे ऊपर उठाने अथवा चुनाव प्रचार के दौरान उठाये गये सामान्य राजनीतिक और वैचारिक उद्देश्यों को धरातल पर लाने के मुद्दे उठाते हैं। ये समूह सरकार को जवाबदेही के मंच पर लाने का प्रयास करते हैं।

3174. निम्नांकित में से कौनसा कथन दबाव समूह का अर्थ बोध कराता है ?
(अ) एक समूह जो समाज सुधार का कार्य करता है
(ब) किसी राजनीतिक दल का एक भाग जो चुनाव में मत हासिल करने हेतु दूसरों को प्रलोभन देता है
(स) नीति सम्बन्धी निर्णयों को नियंत्रित करने हेतु प्रभाव डालने वाला समूह
(द) गरीबों के कल्याण हेतु कार्य करने वाला समूह
उत्तर : (स)
व्याख्या– दबाव समूह सभी प्रकार की शासन व्यवस्थाओं में पाए जाते हैं। लोकतंत्रात्मक शासन प्रणाली में दबाव समूह सबसे अधिक सक्रिय तथा प्रभावी रहते हैं। वास्तव में दबाव समूह लोगों के ऐसे समूह होते हैं, जो चुनाव तथा शासन में प्रत्यक्षतः भागीदार न होकर भी शासन की नीतियों एवं निर्णयों को प्रभावित व नियंत्रित करते हैं। इसीलिए हरमन फाइनर ने उन्हें सिंहासन के पीछे की शक्ति कहा है।

3175. दबाव समूह का प्रधान उद्देश्य होता है–
(अ) अपने सदस्यों के हितों की अभिवृद्धि करना
(ब) राजनीतिक सत्ता प्राप्त करना
(स) नैतिक विकास के लिए कार्य करना
(द) देश के आर्थिक विकास के लिए कार्य करना
उत्तर : (अ)
व्याख्या– भारत में दबाव समूहों का प्रमुख उद्देश्य अपने हितों के लिए सरकार को प्रभावित करना है। दबाव समूह अपने हितों की पूर्ति के लिए कई साधनों का प्रयोग करते हैं। दबाव समूह न्यायालय में याचिका प्रस्तुत कर अपने पक्ष में निर्णय करवाने का प्रयत्न करते हैं।

3176. निम्नलिखित में से किसने 'प्रभावक समूह' को विधानमंडल का 'तीसरा सदन' माना है ?
(अ) लॉर्ड ब्रीस (ब) जी.डी.एच. कौल
(स) एम.एम. फाइनर (द) डिसे
उत्तर : (स) SSC 2013
व्याख्या– एच.एम. फाइनर ने 'प्रभावक समूह' को विधानमंडल का 'तीसरा सदन' माना है।

3177. निम्नलिखित में से कौन एक दबाव समूह है ?
(अ) भारतीय किसान संघ
(ब) भारतीय मजदूर संघ
(स) विश्व हिन्दू परिषद
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)
व्याख्या– औपचारिक दबाव समूह भारत में निम्न प्रकार हैं–(1) व्यवसाय समूह–एसोचेम, फिक्की आदि। (2) व्यापार संघ–AITUC, INTUC, HMS, CITU इत्यादि। (3) खेतिहर समूह–भारतीय किसान यूनियन, ऑल इंडिया किसान सभा, भारतीय किसान सभा इत्यादि। (4) छात्र संगठन–ABVP, NSUI, AISA इत्यादि। (5) पेशेवर समितियाँ–इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, बार कौंसिल ऑफ इंडिया इत्यादि। (6) धार्मिक संगठन– आरएसएस, विहिप, जमात–ए–इस्लामी, शिरोमणि अकाली दल आदि। (7) जातीय समूह–हरिजन सेवक संघ, कायस्थ समूह, ब्राह्मण सभा, राजपूत समूह इत्यादि। (8) भाषागत समूह–तमिल संघ, नागरी प्रचारिणी सभा, हिंदी साहित्य सम्मेलन इत्यादि। (9) आदिवासी संगठन

(10) विचाराधारा समूह–अम्बेडकरवादी, गांधीवादी, पर्यावरणवादी।

3178. भारतीय राजनीति में सक्रिय व्यावसायिक संघ जो राजनीतिक दलों की नीतियों को प्रभावित करते है, हैं–
(अ) फिक्की (ब) एसोचेम
(स) उपर्युक्त दोनों (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

3179. अखिल भारतीय किसान सभा का गठन किस वर्ष हुआ ?
(अ) 1925 ई. (ब) 1929 ई.
(स) 1934 ई. (द) 1936 ई.
उत्तर : (द)
व्याख्या– अखिल भारतीय किसान सभा का गठन 11 अप्रैल, 1936 ई. को सहजानंद सरस्वती द्वारा किया गया था।

3180. डी.डी. मैक्कीन ने दबाव समूह को परिभाषित किया है–
(अ) गुमनाम साम्राज्य के रूप में
(ब) स्वतंत्रता के पुण्य के रूप में
(स) हित वक्ता के रूप में
(द) अदृश्य सरकार के रूप में
उत्तर : (द)
व्याख्या– डी.डी. मैक्कीन ने दबाव समूह को अदृश्य सरकार के रूप में परिभाषित किया है।

3181. निम्नलिखित में से किसे एक दबाव समूह माना जा सकता है ?
(अ) लोक सभा के सदस्य
(ब) मजदूर संघ के सदस्य
(स) मंत्रिमंडल के सदस्य
(द) पंचायत के सदस्य
उत्तर : (ब)
व्याख्या– भारतीय मजदूर संघ भारत का सबसे बड़ा केन्द्रीय श्रमिक संगठन है। इसकी स्थापना इसकी स्थापना भोपाल में महान् विचारक स्व. दत्तोपंत ठेंगड़ी द्वारा प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के जन्मदिवस 23 जुलाई, 1955 को हुई। यह देश का पहला मजदूर संगठन है, जो किसी राजनैतिक दल की श्रमिक इकाई नहीं, बल्कि मजदूरों का, मजदूरों के लिए, मजदूरों द्वारा संचालित अपने में स्वतंत्र मजदूर संगठन है।

3182. विश्व को दबाव समूह और हित समूह किस राष्ट्र की देन है ?
(अ) ब्रिटेन (ब) फ्रांस
(स) अमेरिका (द) ऑस्ट्रेलिया
उत्तर : (स)
व्याख्या– विश्व को दबाव समूह और हित समूह अमेरिका की देन है।

3183. लोकतंत्र में राजनीतिक दबाव समूह का कार्य क्या है ?
(अ) सरकार बनाना
(ब) अपने हित पूर्तियों के लिए सरकार पर दबाव डालना
(स) मध्यावधि चुनाव करवाना
(द) जनहितार्थ सरकार पर दबाव डालना
उत्तर : (द) SSC 2017
व्याख्या– लोकतंत्र में राजनीतिक दबाव समूह का कार्य जनहितार्थ सरकार पद दबाव डालना है।

3184. विश्व हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बजरंग दल आदि किस राजनीतिक दल के दबाव समूह है ?
(अ) शिवसेना (ब) भाजपा
(स) भाकपा (द) माकपा
उत्तर : (ब)
व्याख्या– विश्व हिन्दू परिषद्, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, बजरंग दल आदि भारतीय जनता पार्टी के दबाव समूह है।

61.दल–बदल विरोधी कानून

3185. दल–बदल विरोधी कानून (एंटी डिफेक्शन लॉ) से संविधान का कौनसा संशोधन संबंधित है ?
(अ) 51वां (ब) 52वां
(स) 53वां (द) 54वां
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 द्वारा सांसदों तथा विधायकों द्वारा एक राजनीतिक दल से दूसरे दल में दल–परिवर्तन के आधार पर निरर्हता के बारे में प्रावधान किया गया है। इस हेतु संविधान में 10वीं अनुसूची को जोड़ा गया। इस अधिनियम को सामान्यतया दल–बदल कानून कहा जाता है।

3186. निम्नलिखित संविधान संशोधन में से कौन संसद में पक्ष परिवर्तन करने से निषिद्ध करता है ?
(अ) 42वां (ब) 44वां
(स) 52वां (द) 53वां
उत्तर : (स)
व्याख्या– 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 के द्वारा अनुच्छेद 101,102,190,191 का संशोधन किया गया। साथ ही दल–बदल से संबंधित कानून बनाकर संविधान में 10वीं अनुसूची को जोड़ा गया। इस संशोधन द्वारा यह उपबंध किया गया कि यदि संसद अथवा विधान मंडल का कोई सदस्य अपने दल का त्याग करता है या निर्वाचन के लिए नामित करने वाली पार्टी के द्वारा दल से निष्कासित कर दिया जाता है अथवा कोई स्वतंत्र सदस्य सदन में सीट प्राप्त करने के 6 महीने बाद किसी अन्य राजनैतिक दल में शामिल हो जाता है, तो ऐसे सदस्यों की सदस्यता सदन में समाप्त हो जाती है।

3187. दल–बदल विरोधी अधिनियम के अंतर्गत किसी जनप्रतिनिधि को अयोग्य घोषित करने का अधिकार किसको प्राप्त है ?
(अ) सर्वोच्च न्यायालय को
(ब) लोकसभा अध्यक्ष को
(स) राज्यसभा के सभापति को
(द) संयुक्त संसदीय समिति को
उत्तर : (ब)
व्याख्या– दल–बदल विरोधी अधिनियम के अंतर्गत किसी जनप्रतिनिधि को अयोग्य घोषित किया जा सकता है–(1) यदि एक निर्वाचित सदस्य स्वेच्छा से किसी राजनीतिक दल की सदस्यता को छोड़ देता है। (2) यदि कोई निर्दलीय निर्वाचित सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है। (3) यदि किसी सदस्य द्वारा सदन में पार्टी के पक्ष के विपरीत वोट किया जाता है। (4) यदि कोई सदस्य स्वयं को वोटिंग से अलग रखता है। (5) 6 महीने की समाप्ति के बाद यदि कोई मनोनीत सदस्य किसी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है।

3188. दल–बदल विरोधी कानून से संविधान का कौनसा संशोधन संबंधित है ?
(अ) 51वाँ (ब) 52वाँ
(स) 53वाँ (द) 54वाँ
उत्तर : (द)
व्याख्या– भारतीय संविधान के 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 के के द्वारा संविधान में 10वीं अनुसूची जोड़ी गई और दल–बदल विरोधी कानून बनाया गया। इस अनुसूची में दल–परिवर्तन के आधार पर सांसदों तथा विधायकों की निरर्हता साबित हो जाती सकती है।

3189. संविधान में जोड़ी गई 10वीं अनुसूची किससे संबंधित है ?
(अ) मिजोरम राज्य के लिए विशेष प्रावधानों से
(ब) दल–बदल के आधार पर योग्यता सम्बन्धी प्रावधानों से
(स) सिक्किम के स्तर से संबंधित शर्तों से
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 द्वारा सांसदों तथा विधायकों द्वारा एक राजनीतिक दल से दूसरे दल में दल–परिवर्तन के आधार पर निरर्हता के बारे में प्रावधान किया गया है। इस हेतु संविधान में 10वीं अनुसूची को जोड़ा गया। इस अधिनियम को सामान्यतया दल–बदल कानून कहा जाता है।

3190. सर्वोच्च न्यायालय में दल–बदल कानून (52वां संविधान संशोधन) की किस धारा या पैरा को असंवैधानिक करार दिया है ?
(अ) छठवें
(ब) सातवें
(स) किसी को पता नहीं
(द) समस्त दल–बदल कानून को
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 10वीं अनुसूची के पैराग्राफ 6 के मुताबिक स्पीकर या चेयरपर्सन का दल–बदल को लेकर फैसला अंतिम होगा। पैराग्राफ 7 में कहा गया है कि कोई न्यायालय इसमें दखल नहीं दे सकता, लेकिन 1991 में उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक बेंच ने 10वीं अनुसूची को वैध तो ठहराया, लेकिन पैराग्राफ 7 को असंवैधानिक करार दे दिया।

3191. भारत के संविधान की निम्नलिखित में से कौनसी एक अनुसूची में दल–बदल विरोधी कानून विषय का प्रावधान है ?
(अ) दूसरी (ब) पांचवी
(स) आठवीं (द) दसवीं
उत्तर : (द)

व्याख्या– 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 के द्वारा संविधान में 10वीं अनुसूची जोड़ी गई। 10वीं अनुसूची में दल–परिवर्तन के आधार पर सांसदों तथा विधायकों की निरर्हता साबित हो जाती सकती है, जैसे–किसी सदन का सदस्य जो किसी राजनीतिक दल का सदस्य है, उस सदन की सदस्यता के निरर्हक माना जाएगा–(1) यदि वह स्वेच्छा से ऐसे राजनैतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है अथवा (2) यदि वह उस सदन में अपने राजनीतिक दल के निर्देशों के विपरीत मत देता है या मतदान में अनुपस्थित रहता है तथा राजनीतिक दल से अपने 15 दिनों के भीतर क्षमादान न पाया हो। स्पष्ट होता है कि कोई सदस्य जो किसी दल के टिकट पर चुना गया हो, उसे उस दल का सदस्य बने रहना चाहिए तथा दल के निर्देशों का पालन करना चाहिए।

3192. विधानसभा में किसी दल के निर्वाचित सदस्यों के दल–बदल पर निम्नलिखित में किसने प्रतिबन्ध लगया है ?
(अ) संविधान का 52वां संशोधन कानून
(ब) जनता से प्रतिनिधित्व का कानून
(स) संविधान का 42वां संशोधन
(द) संविधान का 44वां संशोधन
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 के अनुसार यदि संसद सदस्य या विधानसभा के सदस्य दल–बदल करता है या दल द्वारा निकाल दिया जाता है, जिसने उसे चुनाव में खड़ा किया था, अथवा कोई निर्दलीय उम्मीदवार जो चुने जाने के 6 महीने के अंदर किसी राजनीतिक दल का सदस्य बन जाता है, तो वह सदन का सदस्य होने के अयोग्य करार दिया जाएगा।

3193. निम्नलिखित में से किस अधिनियम द्वारा किसी पार्टी के टिकट पर निर्वाचित सदस्य को दल–बदल करने से रोका गया है ?
(अ) 52वां संविधान संशोधन अधिनियम
(ब) सार्वजनिक प्रतिनिधित्व अधिनियम
(स) राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम
(द) आंतरिक सुरक्षा रख–रखाव अधिनियम
उत्तर : (अ)
व्याख्या– 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 के द्वारा संविधान में 10वीं अनुसूची जोड़ी गई। 10वीं अनुसूची में दल–परिवर्तन के आधार पर सांसदों तथा विधायकों की निरर्हता साबित हो जाती सकती है, जैसे–किसी सदन का सदस्य जो किसी राजनीतिक दल का सदस्य है, उस सदन की सदस्यता के निरर्हक माना जाएगा–(1) यदि वह स्वेच्छा से ऐसे राजनैतिक दल की सदस्यता छोड़ देता है अथवा (2) यदि वह उस सदन में अपने राजनीतिक दल के निर्देशों के विपरीत मत देता है या मतदान में अनुपस्थित रहता है तथा राजनीतिक दल से अपने 15 दिनों के भीतर क्षमादान न पाया हो। स्पष्ट होता है कि कोई सदस्य जो किसी दल के टिकट पर चुना गया हो, उसे उस दल का सदस्य बने रहना चाहिए तथा दल के निर्देशों का पालन करना चाहिए।

3194. संसद का एक निर्दलीय सदस्य कितने समय के अंदर किसी राजनीतिक दल का सदस्य बन जाना चाहिए ताकि दल–बदल कानून के अंतर्गत उसके विरुद्ध कोई कारवाई न हो सके ?
(अ) 1 वर्ष (ब) 3 माह
(स) 6 माह (द) 9 माह
उत्तर : (स)
व्याख्या– 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 के द्वारा यह व्यवस्था की गई है कि यदि संसद सदस्य या विधानसभा के सदस्य दल–बदल करता है या दल द्वारा निकाल दिया जाता है, जिसने उसे चुनाव में खड़ा किया था, अथवा कोई निर्दलीय उम्मीदवार जो चुने जाने के 6 महीने के अंदर किसी राजनीतिक दल का सदस्य बन जाता है, तो वह सदन का सदस्य होने के अयोग्य करार दिया जाएगा।

3195. दल–बदल निरोधक अधिनियम जिस तिथि को पारित हुआ, वह कौनसी थी ?
(अ) 17 जनवरी, 1985 (ब) 15 फरवरी, 1985
(स) 30 मार्च, 1985 (द) 21 अप्रैलख 1985
उत्तर : (ब)
व्याख्या– 52वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1985 दल–बदल विरोधी अधिनियम 15 फरवरी, 1985 को पारित हुआ। इस अधिनियम के तहत 10वीं अनुसूची जोड़ी गई। इसके द्वारा सांसदों तथा विधायकों द्वारा एक राजनीतिक दल से दूसरे दल में दल–परिवर्तन के आधार पर निरर्हता के बारे में प्रावधान किया गया है। इस हेतु संविधान में 10वीं अनुसूची को जोड़ा गया। इस अधिनियम को सामान्यतया दल–बदल कानून कहा जाता है।

62.विपक्ष के नेता

3196. लोकसभा में विरोधी दल के नेता के रूप में मान्यता देने के लिए उसके दल के सदस्यों की संख्या कुल सदस्यों की संख्या के कम–से–कम कितने प्रतिशत होनी चाहिए ?
(अ) 5 प्रतिशत (ब) 10 प्रतिशत
(स) 15 प्रतिशत (द) 25 प्रतिशत
उत्तर : (ब)
व्याख्या– विपक्ष का नेता या नेता प्रतिपक्ष भारतीय संसद के दोनों सदनों में, प्रत्येक में आधिकारिक विपक्ष का नेतृत्वकर्ता होता है। विपक्ष में बैठने वाले दलों में जिस दल के पास सर्वाधिक सीटें होती हैं, उसमें से किसी सांसद को विपक्ष का नेता चुना जाता है। यदि विपक्ष के किसी भी दल के पास कुल सीटों का 10% नहीं है, तो ऐसी स्थिति में सदन में कोई विपक्ष का नेता नहीं हो सकता। 10% अंश की गणना दल के आधार पर होती है, गठबंधन के आधार पर नहीं।

3197. लोकसभा का विरोधी दल के पहले मान्यता प्राप्त नेता थे–
(अ) श्यामा प्रसाद मुखर्जी
(ब) इंदिरा गांधी
(स) राम सुभग सिंह
(द) व्हाई.वी. चौहान
उत्तर : (स) IAS 1989
व्याख्या– राम सुभग सिंह भारतीय राजनेता थे और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सदस्य थे। 1969 में कांग्रेस पार्टी के विभाजन के बाद वे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (संघ) में रहे। उन्होंने 1969 में लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष के रूप में कार्य किया।

3198. राज्य सभा में विपक्ष का प्रथम नेता कौन था ?
(अ) व्हाई.वी. चौहान (ब) भोला पासवान
(स) कमलापति त्रिपाठी (द) सी.एम. स्टीफन
उत्तर : (स)
व्याख्या– कमलापति त्रिपाटी एक भारतीय राजनेता थे एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता थें वे संविधान सभा के सदस्य रहे और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री भी रहे। भारत के रेलमंत्री भी रहे। वर्ष 1977 से 1980 तक राज्यसभा में विपक्ष के नेता प्रतिपक्ष भी रहे थे।

3199. निम्नलिखित में से कौन लोकसभा में विरोधी दल के नेता पद पर कभी नहीं रहे ?
(अ) एल.के. आडवाणी (ब) शरद पवार
(स) सोनिया गाँधी (द) डॉ. मनमोहन सिंह
उत्तर : (द)
व्याख्या– डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री के पद पर आसीन रहे तथा वे कभी भी विरोधी दल के नेता पद पर नहीं रहे। विपक्ष का नेता या नेता प्रतिपक्ष भारतीय संसद के दोनों सदनों में, प्रत्येक में आधिकारिक विपक्ष का नेतृत्वकर्ता होता है। विपक्ष में बैठने वाले दलों में जिस दल के पास सर्वाधिक सीटें होती हैं, उसमें से किसी सांसद को विपक्ष का नेता चुना जाता है। यदि विपक्ष के किसी भी दल के पास कुल सीटों का 10% नहीं है, तो ऐसी स्थिति में सदन में कोई विपक्ष का नेता नहीं हो सकता।

3200. लोकसभा में मान्यता प्राप्त विरोधी दल के नेता को निम्नलिखित में से किसके समान सुविधाएं और मान्यताएं प्रदान की जाती है ?
(अ) कैबिनेट मंत्री (ब) राज्य मंत्री
(स) उपमंत्री (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)
व्याख्या– राज्य सभा और लोक सभा में विपक्ष के नेता की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए उन्हें वैधानिक मान्यता प्रदान की गई है। उन्हें 1 नवम्बर, 1977 से प्रभावी एक पृथक कानून के माध्यम से कैबिनेट मंत्री की भांति वेतन तथा अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती है।

3201. निम्नलिखित में से कौन लोकसभा में विरोधी दल के नेता पद पर कभी नहीं रहे ?
(अ) एल.के. आडवाणी (ब) शरद पवार
(स) सोनिया गांधी (द) मनमोहन सिंह
उत्तर : (द)
व्याख्या– डॉ. मनमोहन सिंह लोकसभा में विरोधी दल के नेता पद पर कभी नहीं रहे। डॉ. मनमोहन सिंह भारत के 13वें प्रधानमंत्री थें वे एक अच्छे अर्थशास्त्री थे। वे भारत के पहले सिक्ख प्रधानमंत्री थे। इन्हें 21 जून 1991 से 16 मई 1996 तक पी. वी. नरसिंहराव के प्रधानमंत्रित्व काल में वित्त मंत्री के रूप में किए गए आर्थिक सुधारों के लिए श्रेय दिया जाता है।

3202. किस व्यक्ति को सर्वप्रथम (1977 ई. में) विपक्षी दल के नेता के रूप में मान्यता मिली तथा कैबिनेट मंत्री के समान वेतन आदि दिया गया ?
(अ) सी.एम. स्टीफन
(ब) इंदिरा गांधी
(स) अटल बिहारी वाजपेयी
(द) व्हाई.वी. चौहान
उत्तर : (द)
व्याख्या– वर्ष 1977 ई. में सर्वप्रथम विपक्षी दल के नेता के रूप में व्हाई.बी. चौहान को मान्यता मिली तथा कैबिनेट मंत्री के समान वेतन आदि दिया गया।

63.भारतीय राजव्यवस्था में वरीयता अनुक्रम

3203. निम्नलिखित में से भारतीय राजव्यवस्था में विभिन्न पदाधिकारियों का वरीयता अनुक्रम सही है–
(अ) राष्ट्रपति–राजदूत–प्रधानमंत्री–उपराष्ट्रपति
(ब) उपराष्ट्रपति–प्रधानमंत्री–राज्यों के राज्यपाल–भारत के महान्यायवादी
(स) भारत के महान्यायवादी–राजदूत–उपप्रधानमंत्री –उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश
(द) उपप्रधानमंत्री–उपराष्ट्रपति–राज्यों के राज्यपाल –राज्यसभा का उपसभापति
उत्तर : (ब)
व्याख्या–भारतीय राजव्यवस्था में पदाधिकारियों का वरीयता का अनुक्रम है–
1.राष्ट्रपति
2.उपराष्ट्रपति
3.प्रधानमंत्री
4.राज्यों के राज्यपाल (अपने राज्यों में)
5.भूतपूर्व राष्ट्रपति
5क.उपप्रधानमंत्री
6.भारत का मुख्य न्यायाधीश तथा लोकसभाध्यक्ष
7.केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री राज्य के मुख्यमंत्री अपने–अपने राज्यों, योजना आयोग का उपाध्या, पूर्व प्रधानमंत्री तथा संसद के विपक्ष का नेता
7क.भारत रत्न सम्मान के धारक
8.राजदूत
9.उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश
9क.मुख्य निर्वाचन आयुक्त तथा भारत का नियंत्रक महालेखा परीक्षक
10.राज्यसभा का उपसभापति, लोकसभा का उपाध्यक्ष, योजना आयोग के सदस्य तथा केन्द्र में राज्यमंत्री
11.महान्यायवादी, मंत्रिमंडल के सचिव, उपराज्यपाल अपने–अपने केन्द्रशासित प्रदेशों में
12.जनरल अथवा उनके सामन रैंक वाले सेनाध्यक्ष।

3204. भारतीय संविधान में निम्नलिखित पदों का कौनसा अनुक्रम सही है ?
(अ) भारत के मुख्य न्यायाधीश–मुख्य चुनाव आयुक्त –राज्यों के मुख्यमंत्री–राज्यों के राज्यपाल
(ब) राज्यों के राज्यपाल–भारत के मुख्य न्यायाधीश –राज्यों के मुख्यमंत्री–मुख्य चुनाव आयुक्त
(स) राज्यों के राज्यपाल–राज्यों के मुख्यमंत्री–भारत के मुख्य न्यायाधीश–मुख्य चुनाव आयुक्त
(द) भारत के मुख्य न्यायाधीश–राज्यों के राज्यपाल –मुख्य चुनाव आयुक्त–राज्यों के मुख्यमंत्री
उत्तर : (ब) UPPCS 2000
व्याख्या–पदों का अवरोही क्रम है–राज्यों के राज्यपाल, भारत के मुख्य न्यायाधीश, राज्यों के मुख्यमंत्री तथा मुख्य चुनाव आयुक्त।

3205. एकमात्र ऐसा पुरस्कार, जिसे वरीयता अनुक्रम में स्थान दिया गया है, है–
(अ) भारत रत्न (ब) पद्मश्री
(स) महावीर चक्र (द) परमवीर चक्र
उत्तर : (अ)
व्याख्या–भारत रत्न एकमात्र ऐसा पुरस्कार है, जिसे वरीयता अनुक्रम में स्थान दिया गया है।

3206. नीति आयोग के उपाध्यक्ष को भारत सरकार के सरकारी वरीयता क्रम में महत्व का दर्जा दिया गया है–
(अ) भारत सरकार के कैबिनेट मंत्री के समान
(ब) सुप्रीम कोर्ट के जज के समान
(स) संसदीय समिति के अध्यक्ष के समान
(द) भारत सरकार के सचिव के समान
उत्तर : (अ) UPPCS 1994
व्याख्या– नीति आयोग के उपाध्यक्ष को भारत सरकार के सरकारी वरीयता क्रम में महत्व की दृष्टि से भारत सरकार के कैबिनेट मंत्री के समान दर्जा दिया गया है।

3207. अग्रता अधिपत्र के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसी अग्रता का सही अवरोही क्रम है ?
(अ) भारत के महान्यायवादी–उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश–संसद सदस्य–राज्यसभा सदस्य
(ब) उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश–राज्यसभा के उपाध्यक्ष–भारत के महान्यायवादी–संसद सदस्य
(स) उच्च्तम न्यायालय के न्यायाधीश–भारत के महान्यायवादी–राज्यसभा उपाध्यक्ष–संसद सदस्य
(द) भारत का महान्यायवादी–राज्य सभा का उपाध्यक्ष–उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश–
उत्तर : (स) UPPCS 2004
व्याख्या– उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश सबसे बड़ा पद है, इसके बाद राज्य सभा के उपाध्यक्ष, भारत के महान्यायवादी और फिर संसद सदस्य का पद आता है।

64.जिला प्रशासन

3208. कलक्टर को विकास कार्यों व प्रोटोकॉल कार्यों से मुक्त किया जाए। किस आयोग ने यह सिफारिश दी थी ?
(अ) सरकारिया आयोग
(ब) प्रशासनिक सुधार आयोग
(स) राजमन्नार आयोग
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

3209. निम्नलिखित में से कौन जिला परिषद् का पदेन सदस्य होता है ?
(अ) जिलाधीश
(ब) खण्ड विकास अधिकारी
(स) सहायक विकास अधिकारी
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

3210. निम्नलिखित में से कौन जिला परिषद् का पदेन सदस्य होता है, परन्तु उसके प्रस्तावों पर मतदान का अधिकार नहीं होता ?
(अ) खण्ड विकास अधिकारी
(ब) जिला विकास अधिकारी
(स) जिलाधीश
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

3211. खण्ड स्तर पर विकास कार्य का कप्तान होताहै–
(अ) खण्ड विकास अधिकारी
(ब) जिला विकास अधिकारी
(स) अपर जिला मजिस्ट्रेट
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

3212. ग्रामीण स्तर पर विकास कार्यों का सम्पादन कौन करता है ?
(अ) जिला विकास अधिकारी
(ब) खण्ड विकास अधिकारी
(स) ग्राम विकास अधिकारी
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

3213. तहसील का उप राजकोष अधिकारी होता है–
(अ) उप जिलाधीश (ब) तहसीलदार
(स) उप तहसीलदार (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

3214. तहसीलदार की सहायता निम्न में से कौन करता है ?
(अ) नायब तहसीलदार (ब) पटवारी
(स) कानूनगो (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (द)

3215. ग्राम तथा जिले के बीच की महत्वपूर्ण प्रशासनिक इकाई कौन होती है ?
(अ) ग्राम (ब) तहसील
(स) ब्लॉक (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

3216. जिले के अधिकारियों में से निम्नलिखित में से कौन तकनीकी अधिकारी है ?
(अ) जिला कृषि अधिकारी
(ब) जिला उद्यान अधिकारी
(स) जिला पशुधन अधिकारी
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (ब)

3217. प्रसार अधिकारी निम्नलिखित में से कहाँ का विकास अधिकारी माना जाता है ?
(अ) तहसील स्तरीय (ब) खण्ड स्तरीय
(स) जिला स्तरीय (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

3218. अंग्रेजी शासनकाल में जिलाधीश को क्या समझा जाता था ?
(अ) बिना नाव की पतवार
(ब) रीढ़ की हड्डी
(स) राज्य हृदय
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

3219. आधुनिक समय में जिले के कितने स्तर प्राप्त है ?
(अ) 2 (ब) 3
(स) 4 (द) 5
उत्तर : (ब)

3220. ब्रिटिश काल में जिलाधिकारी का मुख्य कार्य निम्न में से क्या था ?
(अ) विकास कार्य करना
(ब) जिले की रक्षा करना
(स) कानून व्यवस्था बनाए रखना
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

3221. ''विकास प्रशासन की अवधारणा ने जिलाधीश की सत्ता, कर्तव्यों एवं दायित्वों को नयी दिशाएँ दी हैं'' किसने कहा ?
(अ) एस.एस. खेरा ने (ब) एस.आर. माहेश्वरी ने
(स) निहाल चन्द्र ने (द) टी.एन. चतुर्वेदी ने
उत्तर : (ब)

3222. जिलाधीश अपने कर्तव्यों का निर्वहन निम्नलिखित में से किन रूपों में करना है ?
1. कलक्टर
2. जिलाधिकारी
3. जिलाधीश
4. विकास अधिकारी
(अ) 1, 2 (ब) 2, 3
(स) 3, 4 (द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)

3223. जिलाधीश के कार्यों में विकास कार्य कब जुड़ा ?
(अ) स्वतंत्रता पूर्व से (ब) स्वतंत्रता के बाद से
(स) हाल के वर्षो में (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

3224. लखीना पैटर्न निम्नलिखित में से किसके सुधार से संबंधित है ?
(अ) ग्राम प्रशासन में सुधार से
(ब) जिला प्रशासन में सुधार से
(स) उपखण्ड प्रशासन के सुधार से
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

3225. समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम कब प्रारंभ किया गया ?
(अ) 1978–79 में (ब) 1979–80 में
(स) 1980–81 में (द) 1982–83 में
उत्तर : (अ)

3226. 'समन्वित विकास कार्यक्रम' का क्रियान्वयन जिला स्तर पर कौन सी एजेन्सी करती है ?
(अ) जिला तकनीकी सलाहकार एजेन्सी
(ब) जिला पंचायती सलाहकार एजेन्सी
(स) जिला ग्रामीण विकास अभिकरण
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

3227. जिला ग्रामीण विकास अभिकरण का अध्यक्ष कौन होता है ?
(अ) मण्डलायुक्त
(ब) जनपद अधिकारी
(स) जिला परिषद अध्यक्ष
(द) जिलाधीश
उत्तर : (द)

3228. जिला प्रशासन इतिहास के अनुसार किसकी देन माना जाता है ?
(अ) मौर्य साम्राज्य (ब) गुप्त साम्राज्य
(स) कुणाल साम्राज्य (द) वैदिक काल
उत्तर : (अ)

3229. निम्नलिखित में से कौन सा प्रशासन जिला प्रशासन का मेरुदण्ड कहलाता है ?
(अ) ब्लॉक स्तरीय प्रशासन
(ब) क्षेत्रीय प्रशासन
(स) ग्राम स्तरीय प्रशासन
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

3230. जिलाधीश कानून व्यवस्था बनाए रखने के अपने कार्य में निम्न में से कौन सा कार्य करता है ?
(अ) पुलिस अधीक्षक से प्रतिवेदन प्राप्त करना
(ब) इस प्रतिवेदन का पुनरावलोकन करना
(स) उस पर अपनी टिप्पणी सहित उसे पुसि महानिरीक्षक को भिजवाना
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)

3231. जिला कलक्टर को विकास प्रशासन से अलग किया जाए तथ अन्य भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी को जिला विकास आयुक्त नियुक्त किया जाए। किसने यह सिफारिश की थी ?
(अ) सरकारिया आयोग
(ब) राजमन्नार आयोग
(स) जी.वी.के. राव कमेटी
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

3232. 'डिस्ट्रिक्ट' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग कब मिलता है ?
(अ) 1773 ई. में (ब) 1776 ई. में
(स) 1778 ई. में (द) 1781 ई. में
उत्तर : (ब)

3233. 'डिस्ट्रिक्ट' शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग निम्न में से किसके द्वारा किया गया था ?
(अ) राज्य के दीवान (ब) जिले का दीवान
(स) मण्डल का दीवान (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

3234. किस वर्ष कलक्टर के कार्य में राजस्व, न्याय तथा पुलिस के कार्य भी जोड़ दिए गए ?
(अ) 1780 ई. में (ब) 1782 ई. में
(स) 1784 ई. में (द)1786 ई. में
उत्तर : (ब)

3235. निम्नलिखित में से किसने कलक्टर के कार्य में राजस्व, न्याय व पुलिस तीनों के कार्य जोड़ दिए ?
(अ) वारेन हेस्टिंग्स (ब) कार्नवालिस
(स) लॉर्ड हेस्टिंग्स (द) सर जॉन शोर
उत्तर : (द)

3236. किस वर्ष कलक्टर के कार्य से राजस्व व न्याय अलग कर दिया गया ?
(अ) 1781 ई. में (ब) 1792 ई. में
(स) 1793 ई. में (द) 1895 ई. में
उत्तर : (स)

3237. निम्नलिखित में से किसने कलक्टर के कार्यों में राजस्व व न्याय को पृथक् कर दिया ?
(अ) वारेन हेस्टिंग्स (ब) लॉर्ड कार्नवालिस
(स) लॉर्ड एनहर्स्ट (द) लॉर्ड बैंटिक
उत्तर : (ब)

3238. कलक्टर के कार्य में पुनः किस वर्ष न्याय व प्रशासन को संयुक्त कर दिया गया ?
(अ) 1810 ई. में (ब) 1811 ई. में
(स) 1812 ई. में (द) 1813 ई. में
उत्तर : (स)

3239. निम्नलिखित में से किस कमीशन ने कलक्टर को ब्रिटिश राज्य का तत्व कहा ?
(अ) साइमन कमीशन (ब) ली कमीशन
(स) एचीसन कमीशन (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

3240. निम्नलिखित में से किस अधिनियम से कलक्टर के पद को और शक्तिशाली बनाया गया ?
(अ) 1909 का अधिनियम
(ब) 1919 का अधिनियम
(स) 1935 का अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

3241. जिलाधिकारी के कार्यों में किस अधिनियम के तहत पंचायती राज के कार्य को जोड़ा गया ?
(अ) 1909 का अधिनियम
(ब) 1919 का अधिनियम
(स) 1935 का अधिनियम
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

3242. 1935 के भारत शासन अधिनियम में कलकटर के कौन–कौन से कार्य मुख्य रखे गए ?
(अ) शान्ति व्यवस्था बनाए रखना
(ब) भू–अभिलेखों को रखना
(स) पंचायती राज व सहकारिता का विकास करना
(द) उपर्युक्त सभी
उत्तर : (द)

3243. निम्नलिखित में से कौन सी कमेटी ने कलक्टर के पद को और अधिक शक्तिशाली बनाया ?
(अ) साइमन कमीशन (ब) ली कमीशन
(स) सलेट्स कमीशन (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

3244. आधुनिक समय में जिला प्रशासन निम्नलिखित में से किसकी मुख्य इकाई बना हुआ है ?
(अ) राज्य प्रशासन (ब) मण्डलीय प्रशासन
(स) क्षेत्रीय प्रशासन (द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (स)

3245. निम्नलिखित में से किस व्यवस्था ने जिलाधीश के कार्यभार को आगे बढ़ाया ?
(अ) वित्तीय क्षेत्र में उसकी क्रियाविधि ने
(ब) पंचायतीराज में उसके सक्रिय प्रभाव ने
(स) नियामकीय प्रशासन में उसके सक्रिय हस्तक्षेप
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

3246. भारतीय प्रशासनिक सेवा का कोई भी अधिकारी केन्द्र सरकार की अनुमति के बिना नहीं हटाया जा सकता है और न ही पदावनत किया जा सकता है। संविधान की किस धारा में यह व्यवस्था की गयी ?
(अ) धारा 308 (ब) धारा 309
(स) धारा 310 (द) धारा 311
उत्तर : (द)

3247. केन्द्रीय स्तर पर सामुदायिक विकास मंत्रालय की स्थापना किस वर्ष की गयी ?
(अ) 1951 में (ब) 1954 में
(स) 1950 में (द) 1958 में
उत्तर : (द)

3248. जिले स्तर पर एक 'मुख्य कार्यपालक अधिकारी का पद निर्मित किया जाना चाहिए जिसके नियंत्रण में जिले का विकास संबंधी समस्त प्रशासन रहेगा। किस समिति ने यह प्रतिवेदन दिया ?
(अ) बलवन्त राय मेहता समिति
(ब) अशोक मेहता समिति
(स) हनुमन्तैया कमेटी
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

3249. तहसीलदार की सहायता करने वाला नायब तहसीलदार निम्नलिखित में से किसका सदस्य होता है ?
(अ) अधीनस्थ सिविल सेवा
(ब) राज्य सिविल सेवा
(स) ग्रामीण प्रशासनिक सेवा
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (अ)

3250. भारतीय संविधान की धारा 232 में निम्नलिखित में से किसकी नियुक्ति के संबंध में जिला शब्द का प्रयोग किया गया है ?
(अ) उप जिलाधीश
(ब) जिला न्यायाधीश
(स) नगरपालिका अधिकारीं
(द) इनमें से कोई नहीं
उत्तर : (ब)

———————